यह पंचांग भारत सरकार द्वारा स्वीकृत सूक्ष्म दृश्य गणित से बनाया गया है।





अथ

स्व. पं. ईश्वरदत्तजी शर्म रचितं सूक्ष्मदृश्य गणितयुतं

दशवार्षिकं श्री सरस्वती पंचांगम्

नाना विध मुहूर्तादि सहितम् (सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन है)

विक्रम सम्वत् २०६१ समारभ्य २०७० पर्यन्तम्

प्रकाशक : जगदीश प्रसाद शर्मा, 42, गौरव नगर, सिविल लाईन, जयपुर-302019 (राज.)





पता : बोम्बे प्रिन्टर्स, जयपुर, मोतीलाल अटल रोड, जयपुर-३०२००१ – मुरारका स्टोर, नवलगढ (राजस्थान) मूल्य : १२५ रु. उ
४२, गौरव नगर, सिविल लाइन्स, जयपुर-३०२०१९ वितरक : ईश्वरलाल बुक सेलर, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर (राज.)



स्व. पं. ईश्वरदत्त जी शर्मा, नवलगढ़

जन्म - चैत्र शुक्ला ४ चन्द्रवार सं. १९५७,

स्वर्गवास - फाल्गुन कृष्णा ७ मंगलवार सं. २०४७

दृश्यगणित ही धर्मशास्त्र सम्मत एवं आर्ष है बाकी सब धर्मशास्त्र के विरुद्ध अनार्ष है।

यस्मिन पक्षे यत्राकाले येन दृग्गणितैक्यकम्

लभ्यते तेनपक्षेण कुर्यात्तिथ्यादि निर्णयम् (वसिष्ठ)

भचक्रनाभि दृक्सिद्ध कुर्यात श्राद्ध व्रतादिकम (श्री निवास तीर्थ)

इसी प्रकार सम्पूर्ण आर्ष ग्रंथों में दृश्यगणित का ही धर्मशास्त्र सम्मत माना है।

प्रकाशकर्ता - पं. प्यारेलाल शर्मा (शास्त्री)

काशी धर्मसभा का "बाणवृद्धि रस क्षयः"

कुछ विद्वानों का कहना है तिथि भोग पर "बाणवृद्धो रस क्षयः" धर्मशास्त्र का प्रतिबंध है। परन्तु इसके समर्थन में कहीं एक भी शास्त्रीय प्रमाण नहीं मिलता है। काशी धर्म सभा तथा स्वामी करपात्रीजी एवं शारदा पीठाधीश्वर शंकराचार्य श्री निरंजनदेव तीर्थ आदि के निर्णयों में एक वचन छपा है यथा -

रवीन्दूमंदसंसिद्धात्तथातिथ्यादि भोगतः स्यातांतत्कालबीजोत्थौ बाणवृद्धिरसक्षयौ। अतः पैतृक कर्मादौ तत्काल चरबीजकैः। बाणवृद्धा रसक्षीणा ग्राह्यानान्या तिथिः क्वचित् (श्रीनिवासतीर्थ) इसका अर्थ न समझकर उपर्युक्त विद्वानों ने अर्थ का अनर्थ कर दिया है। इस वाक्य का स्पष्टार्थ (भावार्थ) यह है दृक्सिद्ध मंदस्पष्ट रवि-चंद्र से उत्पन्न तिथिभोग से "ह्रासवृद्धि समीकरण" द्वारा तत्काल चलबीज उत्पन्न होंगे उस तात्कालिक चर (चल) बीज में संस्कार करने से धार्मिक निर्णयार्थ बाणवृद्धारसक्षीणा तिथि होगी यही श्राद्धादि कार्यों में लेना। उपर्युक्त पद्यों से तिथि भोग पर बाणवृद्धी रस क्षय प्रतिबंध का सर्वथा खंडन करके श्री निवास तीर्थ ने ही लिखा है "भचक्रनाभिदृक्सिद्धे कुर्यात् श्राद्ध व्रतादिकम्।"

ह्रास वृद्धी समीकरण क्या है -

परेहि घटिका न्यूनास्तथैवाऽभ्याधिकाश्चयाः तदर्धक्लृप्त्या पूर्वस्मिन् ह्रासवृद्धि प्रकल्पयेत् (कात्यायन) तिथेः परस्या घटिकाश्चयाः स्युर्न्यूनास्तथैवाऽभ्यधिकाश्च तासाम् अर्ध त्रियोज्यंच तथा प्रयोज्यं ह्रासे च वृद्धौ प्रथमे दिनेतत [लौगाक्षी] यह दो तिथियों की संधिका विषय है तिथि संधिकी परमावधि ५ घटी वृद्धि में, तथा ६ घटी ह्रास के अन्तर्गत ही होती है अतः धर्मशास्त्रियों ने इस ह्रासवृद्धि समीकरण पर आनुमानिक प्रतिबंध लगाया है जिसको अज्ञानता के कारण तिथिभोग पर मानकर भ्रांति हो रही हैं।

यदि तिथिभोग पर यह प्रतिबंध माना जावे तो नीचे लिखे धर्मशास्त्र के निर्णायक वाक्य सब निरर्थक (व्यर्थ) हो जाते हैं यथा -

पूर्वाह्णे चेदमावस्या नापराह्णे भवेद्यदि

प्रतिपत्स्वपि कर्तव्यं श्राद्धं श्राद्धविदोविद्।

चतुर्दश्यां चतुर्थापि अमायत्र न दृश्यते। श्वो भूते प्रतिपद्यत्र भूते कन्यादिकी क्रिया। प्रतिपद्यदमावस्या पूर्वाह्ण व्यापिनी यदि। भूतविद्धैव कर्तव्याः पित्र्येकर्मणि सर्वदा इत्यादिवाक्यों का कहीं भी कोई उपयोग नहीं रहता। अतः तिथि भोग पर "बाणवृद्धि रस क्षयः" यह धर्मशास्त्र का प्रतिबन्ध है यह कहना सर्वथा मूर्खता है। काशी धर्म सभा तिथिभोग पर बाणवृद्धि रस क्षय प्रतिबन्ध को प्रमाणित करने में सर्वथा असमर्थ होकर मौन हो चुकी है अतः "मौनं सम्मति लक्षणं" स्वतः सिद्ध है।

- स्व. पं. ईश्वरदत्तजी शर्मा

॥ पञ्चाङ्ग परिचय ॥

पञ्चाङ्ग में तिथि नक्षत्र योग करण इनके घटी पल नवलगढ (राज.) **स्पष्टार्कोदय** के लिखे गये हैं जब कि इससे पूर्व संवत् २०६० तक मध्यमार्कोदय के लिखे जाते थे लेकिन आपके सुझाव और आवश्यकता को ध्यान में रखकर **स्पष्टार्कोदय के घटीपल** लिखे हैं। घटि-पलों में २॥ का भाग देकर भागफल में नवलगढ के स्टै. सूर्योदय के घंटा मिनट जोड़कर साधारण जनहितार्थ रेल्वे (स्टैण्डर्ड) टाईम के घण्टा मिनट लिखे गये है, यह रेल्वे टाईम के घंटा मिनट संपूर्ण भारत में उपयोगी होंगें। मानो किसी तिथि नक्षत्र योग करण का समाप्ति काल १० बजे लिखा है तो कालकत्ता, मुम्बई, मद्रास अमृतसर, राजस्थान आदि संपूर्ण भारत में रेल्वे टाईम से १० बजे ही उसकी समाप्ति होगी। इस पंचांग से भारत के किसी भी गांव या शहर के स्थानिक घटी पल बनाने हों तो अभीष्ट शहर या गांव का स्टैण्डर्ड सूर्योदय इस पंचांग के तिथ्यादि के स्टै. समय में घटाकर शेष को २॥ से गुणा करने पर अभीष्ट गांव या शहर के स्थानिक घटी पल बन जायेंगे। किसी भी गांव या शहर के दिनमान एवं स्टैण्डर्ड सूर्योदयास्त की विधि भी इसी पंचांग में अन्यत्र लिखी हुई है।

इसके अतिरिक्त चंद्रचार, ग्रहचार, भद्रा रेल्वे (स्टै.टा.) के घंटा मिनट लिखे गये हैं। दैनिक सूर्य स्पष्ट रेल्वे टाईम प्रातः ६।२७ बजे का लिखा गया है।

घंटा मिनट पूर्वरात के १२ बजे से दूसरे दिन के सूर्योदय तक के लिखे गये हैं अर्थात् ६ से १२ मध्यान्ह तक, १३ से २४ तक रात के १२ बजे तक व २५ से ३० तक रात के १२ बजे बाद दूसरे दिन सूर्योदय तक के लिखे गये है नवलगढ की दैनिक लग्न सारणी अंग्रेजी मास तारीखों पर स्टै. समय के अनुसार अलग परिशिष्ट पेजों में लिखी है।

हमारे राजस्थानी पंचांगो में विवाह मुहूर्त रात्रि के ही लिखे जाने की परंपरा के अनुसार हम भी रात्रि के ही लग्न लिखते आये हैं परन्तु दिन में विवाह लग्न का निषेध कही देखा नहीं गया और अन्य देशी पंचांगकर्ता लिखते भी हैं और होते भी हैं और पद्धतियों में दिवा विवाहे सूर्य मुदीक्षस्व रात्रि विवाहे ध्रुव मुदीक्षस्व - इससे दिन में विवाह होने का विधान भी प्राप्त है।

अतः सब सोच विचार कर हमने दिन के विवाह लग्न भी लिख दिये हैं और महर्षि कात्यायनोक्त नक्षत्र चतुष्टयी के विवाह मुहूर्त्तों का समावेश भी कर दिया है इन पर विद्वज्ञन आवश्यकतानुसार निर्णय कर लें।

चंद्र राशि प्रवेश रेल्वे घंटा मिनट में लिखें हैं। दैनिक स्पष्ट रवि प्रातः मध्यमार्कोदय ६ बजे बार प्रवृति के समय अर्थात् प्रातः रेल्वे ६।२७ बजे का लिखा गया है उसी समय की रविक्रांति भी लिखी गई है। नवलगढ कोलकत्ता मुम्बई का दिनमान घंटी पल तथा सूर्योदयास्त के घंटा मिनट स्टै. टाईम के (किरण वक्री बवन संस्कार रहित) लिखे गये है, सूर्योदयास्त में किरण वक्री भवन संस्कार करने से वास्तविक क्षितिज वृत्त के उदयास्त में अतर आ जाता है। जिससे इष्ट बनाने तथा धार्मिक निर्णयों में त्रुटि होना संभव है परंतु स्टै. सूर्योदयास्त काल से यदि घड़ी का मिलान करना हो तो पंचांग में लिखित सूर्योदय में दो मिनट किरण वक्री भवन संस्कार घटाकर तथा सूर्यास्त में दो मिनट जोंडकर घटिकायंत्र (घडी) से मिलाना चाहिए क्योंकि गणितागत सूर्योदय क्षितिजवृत्त के उदय से दो मिनट पहले दृष्टि गोचर होता है और गणितागत सूर्यास्त के दो मिनट पीछे तक दृष्टिगोचर रहता है इससे वास्तविक दिनमान भी १० पल (चार मिनट) बढ जाता है।

५२ पंक्तियों के हेडिंग में इष्ट घटी पल नवलगढ स्पष्टार्कोदयिक लिखी गई हैं। साथ ही सर्वत्र उपयोगिता के लिए रेल्वे घंटा मिनट और अयनांशाः (न्यूटेशन संस्कार युक्त) लिख दिये है। विद्वज्ञनों की सुगमता के लिए ५२ पंक्तियों के साथ ही ग्रहों के नक्षत्र चरण भी लिख दिये है।

.... संपादक

हंसक ज्ञानाय राशीनां तत्वम्											
मेष अग्नि	वृष भूमि	मिथुन वायु	कर्क जल	सिंह अग्नि	कन्या भूमि	तुला वायु	वृश्चिक जल	धनु अग्नि	मकर भूमि	कुंभ वायु	मीन जल

श्री सरस्वती ज्योतिष कार्यालय

42, गौरव नगर, सिविल लाईन्स, जयपुर-302 019 फोन : 226823

एवं नवलगढ (राज.)

संक्षिप्त जीवन परिचय

भारत के ज्योतिष रत्न पूज्य पिताजी स्व.पं. ईश्वरदत्तजी शर्मा का जन्म झुंझुंनू जिले के बीबासरग्राम में श्री हरीरामजी शर्मा के यहाँ हुआ था और झुंझुंनू में ही शिक्षा प्रात करके बनारस से ज्योतिषविद्या प्राप्त की, नवलगढ़, जिला झुंझुनू में रहकर सं. १९८२ में श्रीसरस्वती पञ्चाङ्ग बनाना प्रारंभ करके प्रति वर्ष, ५ वर्षीय, १० वर्षीय के रुप में बनाकर प्रकाशित किया तथा शतवर्षीय सं.२००१ से २१०० तक का पञ्चाङ्ग बनाकर श्री वेंकटेश्वर शताब्दिपञ्चाङ्ग के नाम से प्रकाशित कराया जोकि विश्व में प्रथम प्रयास था। नवलगढ की जनता द्वारा "नवलगढरत्न" से सम्मानित किए गए तथा ११ वें राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन में " ज्योतिष श्री " की उपाधि दी गई। जयपुर में ज्योतिष यंत्रालय द्वारा अनुसंधान व वेध करके भूतपूर्व श्रीमानसिंहजी द्वारा भी मान्यता प्राप्त की थी। धर्मशास्त्र व कर्मकाण्ड में भी शस्त्रानुसार गहराई से वाद विवाद करके सही पक्ष साबित किया। मुंबई मे रहते हुए जनता को ज्योतिष, कर्मकाण्ड व धर्मशास्त्रों के आधार से सही प्रेरणा व सही मार्ग बताकर जनता जनार्दन की अटूट श्रद्धा से सेवा की जो कि सराहनीय है। आप द्वारा बताए गए मुहूर्तादि ज्योतिषशास्त्र एवं धर्मशास्त्र सम्मत होते थे। आप द्वारा कराए गए अनुष्ठानों से जनता को सफलता मिलती थी। भविष्यवाणियां भी सही साबित होती थी। ऐसे अद्वितीय विद्वान का इस परिवार में सदस्य होना हमारा सौभाग्य है। परिवार के सभी सदस्य श्रद्धा से याद करते हुये आप को बारंबार प्रणाम करते है।

सदैव आपका आज्ञाकारी पुत्र -

जगदीश प्रसाद शर्मा (नवलगढ़, जयपुर)

॥ श्री गुरु चरण कमलेभ्यो नमः ॥

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः ।
गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

इस पञ्चाङ्ग के अंतर्गत गणित फलित या मुहूर्तादि जो भी मेरे द्वारा किया गया है इनमें मेरा अपना कुछ भी नहीं हे। जो भी है उन महापुरुष प्रातः स्मरणीय, सर्वदा वंदनीय, विद्या वारिधि सुविज्ञ निधि श्रीगुरु चरणों की महानता है जिन्होनें अनुग्रह करके मुझ जैसे मंदवुद्धि एंव अपरिचित को भी अपना अमूल्य समय देकर अमृतरुपी विद्या का पान करवाया लोकिन मुझ भाग्यहीन का पान वैसा ही रहा जैसे समुद्र में से एक गिलास पानी। प्रथम श्री गुरुचरणों के दर्शन से ऐसे लगा कि न जाने विद्या-दान देंगें या नही। लेकिन चरण स्पर्श के बाद प्रार्थना करने पर मुझे जो प्रत्युत्तर मिला उससे मुझे बहुत आश्चर्य हुआ कि इतने महान विद्वान होते हुए भी इतना कोमल स्वभाव मृदुभाषी अध्यापन में इतने सुविज्ञ कि मंदवुद्धिवाला भी सुगमता पूर्वक अध्ययन कर सकता है। अहंकार का तो स्पर्श मात्र भी नहीं है। पञ्चाङ्ग गणित की जिज्ञासा को लेकर मैनें कई विद्वानों से आग्रहपूर्वक संपर्क किया लेकिन वाञ्छिताभिलाषा से वञ्चित ही रहा और संयोग से जब आपकी चरणरज का दर्शन हुआ तब से तो मेरी वह गति हो रही थी जैसे किसी धनार्थी को स्वयंकुबेर जी यह कहें कि इस खजाने से ले सके उतना धन ले ले। आपकी विद्वता तो पूरा विश्व जानता है कि आपने लोगों के कल्याणार्थ "श्री वेंकटेश्वर शताब्दि पञ्चाङ्ग" का पूर्व काल में ही निर्माण कर दिया था जो कि पूरे एक सौ वर्ष (संवत् २००१ से २१०० तक) का मात्र यही एक पञ्चाङ्ग था। इस पञ्चाङ्ग के निर्माण कार्य से विद्या का अनुमान लगाना वैसे ही कठिन है जैसे महासागर की गहराई का। अस्तु, उन श्री गुरु चरणों को मैं पुनः पुनः प्रणाम करता हूँ।

श्री.श्री. १०८ स्व. पं. ईश्वरदत्त शर्मणोऽनुग्रहीत शिष्यः
पं.श्री रामकुमारात्मज ग्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री) मुम्बई ५७.

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् । वासरमणिरिव तमसां राशीन्नाशयति विघ्नानाम् ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०५, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१०५ भोग्यकलिः ४२६८९५ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्यराज्येतो गताब्दाः संवत् २०६१ शाकः १९२६ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा रविः, मंत्री भौमः, सस्येशः शुक्रः, धान्येशो बुधः, मेघेशश्चंद्रः, रसेशः शनिः, नीरसेशो गुरुः, फलेशश्चंद्रः, धनेशो गुरुः, दुर्गेशश्चंद्रः, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादि षष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णु विंशतिकायां ११ हेमलम्बनाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि १०।१९।५८।५ भोग्य मासादि १।१०।१।५५ पिता दैवतं युगम् । वर्षनाम माघ । चतुर्मेघनाम आवर्त्तः । रोहिणी निवासो तटे । समय निवासो रजकगृहे । समय विश्वा १८ । समय वाहनं अश्वः । स्तंभाऽभावः । सोमवत्यमा ३ । सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी ३ । भानु सप्तमी ३ । बुधाष्टमी ३ । रविदशमी २ । समय मुहूर्तानि ३१५ । समय दिनानि ३८४ । तिथि क्षयः १८ । तिथि वृद्धिः १२ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९९ । स्वपति विश्वा ९३ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा १२३ । स्वपति विश्वा ७५ । वर्षा विश्वा ११ । धान्यम् १३ । तृणम् ९ । शीतम् १५ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । (क्षुधा १ । तृष्णा ३ । निद्रा ३ । आलस्य १३ । उद्यम ११ । शान्ति ९ । क्रोध ११ । दण्ड १३ । मैत्री ३ । उत्सव १५ । पाप १५ । पुण्य ११ । उग्रत्व ३ । रसोत्पत्तिः १७ । फलोत्पत्तिः ३ । व्याधि १७ । व्याधिनाश १३ । आचार ११ । अनाचार १५ । मृत्यु ११ । जन्म १९ । चौर ७ । उपशमन ११ । अग्निभय १७ । अग्निशमः ९ ।) सत्यम् ॥, धर्म १॥, पाप १८ । ऐक्यम् ११३ । शनि दृष्टिः पूर्वस्याम । ग्रहणं १ चन्द्रमसः । उद्रिजः १३ । जरायुजः ३ । पिण्डजः ७ । स्वदेजः ११ ।

अथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन वर्षे राजारविस्तत्फलम् - सूर्ये नृपे स्वल्पफलाश्च मेघाः स्वल्पं पयो गौषुजनेषु पीडा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्पवृक्षाश्चौराग्निबाधा निधनं नृपाःणाम् ॥ मंत्रीभौमस्तत्फलम् - अवनिजो ननु मंत्रिकतां गतो भवति दस्युगदादिजवेदना । जनपदेषु जयंसुस्वसंचयंनबहुगोषुपयो द्वीजकर्म च ॥ सस्येशःशुक्रस्तत्फलम - शुक्रोयदाधान्यपतिर्धरायांमेघोजलंवर्षतिशोभनम् प्रियम् । गोधूमशालीक्षुघनं प्रियंगुवृक्षेषु पुष्पाणि सुखप्रदानि ॥ धान्येशोबुधस्तत्फलम् - बुधधान्याधिपेमेघाजलंमुञ्चितिवैभृशम् । सैन्धवेलाटदेशेचमाधवोल्पंचवर्षति ॥ मेघेशश्चंद्रस्तत्फलम् - शशिनितोयदपेयदिगोमहिष्यजस्वरादिषुदग्धिरसंतदा । फलवतीधनधान्यवताधराविविधभोगवताननुभामिनी ॥ रसेशः शनिस्तत्फलम् - रविसुते रसपेरससंक्षयोनजलदागददाश्वपयोधराः । अजगवांगजवाजिस्वरोष्ट्रहाजनपदेषुनरा न रसैर्युताः ॥ नीरसेशोगुरुस्तत्फलम् - हरिद्रापीतवस्तूनिपीतवस्त्रादिकंचयत् । नीरसेशोयदाजीवः सर्वेषांप्रीतिरुत्तमा ॥ फलेशश्चंद्रस्तत्फलम् - यदिविधुः फलपोद्रुमराशयःफलयुतावलिभिः कुसुमैर्युता । द्विजमुखावरभोगसमन्वितानृपतयोनयनाटनतत्पराः ॥ धनेशोगुरुस्तत्फलम् - सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिजवृत्तिपराः सुखभाजनाः । फलितपुष्पितभूमिरुहाः सदा विविधद्रव्ययुता भुवि मानवाः ॥ दुर्गेशश्चंद्रस्तत्फलम - गढपतिर्मृगलांछनको यदा नृपसुराज्यविलासितपौरजाः । बहुधनेक्षुजगोरसभोगिनो नरवरा नरवर्णितविग्रहाः ॥ हेमलम्ब नामास्यः संवत्सरः प्रवतर्ते तत्फलम् - हेमलम्बेत्वीतिभीतिर्मध्यसस्यार्घवृष्टयः । भातिभूर्भूपतिक्षोभः खड्गविद्युल्लतादिभिः ॥ वर्षनाम माघ तत्फलम् - सुभिक्षं पूर्वयाम्यायां मध्यमंपश्चिमेतथा । उत्तरेरौरवंमाघेवर्षेधान्यमहर्घता ॥ चतुर्मेघनाम आवर्त्तस्तत्फलम् - आवर्त्तेछिन्न वृष्टिश्च । रोहिणी निवासो तटे तत्फलम् - तटे वृष्टिः सुशोभना । समय निवासो रजकगृहे तत्फलम् - वापीकूपतड़ागानि नदीनदवनानि च । जलपूर्णानि दृश्यन्ते वासो रजकवेश्मनि ॥ अपिच - रजके वृष्टिः रुत्तमा । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

(१) वैशाख शुक्ला १५ मंगलवारसंवत् २०६१, ता. ४ मई २००४, खग्रासं **चन्द्रग्रहणम्**, परमग्रास १.२८

	स्पर्श	सम्मी.	मध्य	उन्मी.	मोक्ष	पर्व
नवलगढ घ.	४६	४८	५०	५१	५४	८
स्थानिक प.	०५	४८	१९	५१	३३	२८
रेल्वे घं.	२४	२५	२६	२६	२७	३
टाईम मि.	१८	२३	००	३६	४१	२३

इस ग्रहण का सूतक स्टै १५।१८ बजे से प्रारम्भ होगा। ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है।

(२) नोट - आश्विन शुक्ला १५ गुरुवार, संवत् २०६१, ता. २८ अक्टूबर २००४, नवलगढ में खग्रास चंद्रग्रहण का अभाव है लेकिन भारत के अन्य भागों में दिखाई देगा।

जहाँ ग्रहण दिखाई नहीं दे वहाँ तत्सम्बधि धार्मिक कृत्य करना आवश्यक नहीं है।

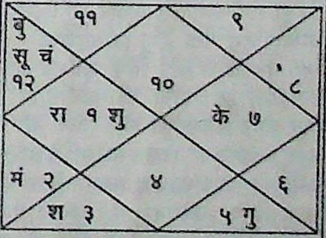
सूर्यग्रहणाऽभावः

नोट- ग्रहणों का विशेष विवरण वार्षिक पञ्चाङ्ग में देखें।

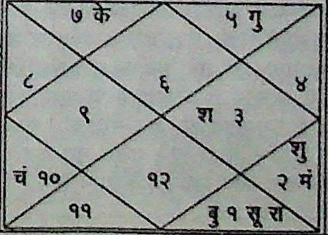
पञ्चाङ्ग गणित कर्ताः

श्री.श्री १०८ पं. ईश्वरदत्त शर्मणोऽनुग्रहीत शिष्यः
पं. ग्यारसी लाल शर्मा (शास्त्री),
५८, राम कुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड़,
विलेपार्ले (पूर्व) मुम्बई ४०० ०५७,
दूरध्वनि क्र.: ८३७ २७८३

वर्ष लग्नम् ९।१९



वर्षेश लग्नम् ५।११



लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	अष्टोत्तरी मतेन लाभ	अष्टोत्तरी मतेन खर्च	विंशोत्तरी मतेन लाभ	विंशोत्तरी मतेन खर्च
मेष	२	१४	१४	११
वृष	११	५	८	५
मिथुन	१४	२	१४	२
कर्क	८	२	८	१४
सिंह	११	११	११	११
कन्या	१४	२	१४	२
तुला	११	५	८	५
वृश्चिक	२	१४	१४	११
धनु	५	५	११	२
मकर	८	१४	५	५
कुंभ	८	१४	५	५
मीन	५	५	११	२

॥ ग्रहयोगाद्वर्ष फलम् ॥ संवत् २०६१

ग्रहयोग देखता वर्षफल उत्तम होगा। इस वर्ष में राजा रवि हैं। मेघेश और फलेश और दुर्गेश चंद्र हैं। मंत्री मंगल है। धान्येश बुध है। नीरसेश और धनेश गुरु हैं। सस्येश शुक्र है। रसेश शनि हैं। इस ग्रहमण्डल की विधानसभा में ७ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए हैं और ३ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए हैं अतः वर्षफल उत्तम होगा। **चैत्र** - वर्षलग्न मकर होने से उत्तर में बड़े उत्पात तथा नृपगण पीड़ित हों और एक वर्ष तक अच्छी उत्पत्ति तथा सुख हो, मध्य देश में आधी उत्पत्ति हो, कुछ धान्य महँगा हो, अकाल में मेघ वर्षे और धान्यविक्री में लाभ हो। वृक्षों में रोग, चौपायों में पीड़ा, कपास वस्त्र और सूत की महँगाई हो। **वैशाख** - कहीं आरोग्यता कहीं पृथ्वी पर अत्यधिक मरी पड़े। सुभिक्ष हो, अतिवृष्टि हो। श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों। रस (मधुर आदि) और मासांत में धान्य की महर्घता हो। **ज्येष्ठ** - अतिवृष्टि हो, जौ गेहूँ में रोग हो, ईख, दूध, रस और घी आदि सस्ते हों, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोडे (अश्व) पीडित हों। हाथियों को पीड़ा हो, चाण्डालों का नाश हो, तीव्र रोग हो, धान्य महँगे हों और वैर बढे, प्राणियों के धातुओं (वसा, रक्त, मांस, मेधा, अस्थि, मज्जा और शुक्र) की हानि हो। तिलों का नाश तथा भैंसों का विनाश हो। विप्रगण पीडित हों, मासांत में अल्पवृष्टि हो, अल्प अन्न हो मनुष्यों में ज्वर पीड़ा हो और कहीं कुछ उपद्रव हो। **आषाढ** - कपास, तिल, सूत महँगे हों, वर्षा का अभाव हो, आरोग्यता हो, कही कही अत्यधिक मरी पड़े। कहीं कहीं वायु से वर्षा हो। पञ्जाब, गुहा, सौराष्ट्र, सिन्धु के समीप तथा सौवीर देश में रहने वाले यो सब पीडित हों। चौर भय हो, आपसी विरोध से क्षति हो। वर्षा अधिक हो, गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग हो। पण्यांगना (व्यापार की स्त्रियां -वेश्याओं) में पीड़ा हो, बालकों को पीड़ा हो, मासांत में कपास सूत मंदा हो। **प्र.श्रावण** - शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग हो, महावृष्टि से धान्य नाश हो, दुर्भिक्ष हो और साँपों का भय अधिक हो। तुष धान्य उत्पन्न हो। पृथ्वी पर अन्न की शून्यता महंगा) हो। धान्य की महर्घता हो, रस (मधुर आदि) और धान्यों का नाश हो। अत्यन्त सुभिक्ष हो। उड़द मूंग और तिलों का भाव तेज हो, अन्य धान्य भी दुर्लभ हों। **द्वि.श्रावण** - क्षेत्र के बंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो। कोसल तथा कलिङ्ग देश पीड़ित हो और अतिवृष्टि हो। अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो। संसार में कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो। कन्या राशि पर बृहस्पति होने से वर्ष में चौपायों में पीड़ा हो, गेहूँ, धान्य, शक्कर, तेल, उड़द, ईख और गुड़ यह महँगे हों। शूद्र और अन्त्यजों को कष्ट हो। सौराष्ट देश में कष्ट हो दक्षिण में खण्ड वृष्टि और म्लेच्छ देश में उत्पात हों। भेदपाट और शृगाल देश में शत्रु से भय और युद्ध हो, साँपों के काट खाने की तथा अग्नि की शिकायत रहे, मध और रस कम हों। राजस्थान में छत्रभंग हो। गेहूँ घी तेल महँगे बिकें। वस्त्र कम्बल धातु यह सस्ते हों। **भाद्रपद** - देश में चिन्ता और विषाद फैले। शब्दयुक्त जल वर्षे, भूकम्प अधिक हों, राजाओं में युद्ध हो और पशु तथा धन का हरण हो, वर्षा के अवरोध से चौपायों में पीड़ा हो, घोड़ों का मूल्य बढे, क्षेत्र के बंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो। क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो। लोगों को सर्पों से अत्यन्त पीड़ा हो। उड़द मूंग कम उत्पन्न हों, प्राणियों के धातुओं (वसा, रक्त, मांस, मेधा, अस्थि, मज्जा और शुक्र) की हानि हो। हस्तिपति पीडित हों और मासांत में अतिवृष्टि हो। **आश्विन** - सुभिक्ष हो धान्य भाव मंदा रहे, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, अल्पवृष्टि हो, तुष धान्य उत्तम हो, घृत गुड़ और नमक महंगे हो। गुरु के उदय से बालकों को पीड़ा हो तथा गणिका (वेश्या) और वृद्धों को पीड़ा हो, गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो, शबर-पुलिन्द जन पीड़ित हों और अतिवृष्टि हो। पुष्य नक्षत्र में स्थित शनैश्चर घंटा बजाने वाले, घोषिक (ढींढोरा पीटने वाले अथवा घोष-गुहा-में निवास करने वाले), यवन, वणिक्, किरात, धूर्त और पुष्पों को पीडित करता है। मासांत में चावल तथा गेहूँ महँगे हों। **कार्तिक** - मेघों की गर्जना के साथ कहीं वृष्टि और कहीं अनावृष्टि हो, कौरव और चित्रकार पीडित हों। सुभिक्ष हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, शस्त्र, चोर, अग्नि, रोग, जल और दुर्भिक्ष का भय हो। ईख, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो। कुआँ बनाने वालों को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो। दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो, पुनर्वसु का शनैश्चर पञ्जाब, गुहा, सौराष्ट्र, सिन्धु के समीप तथा सौवीर देश में रहने वाले इन सबों को पीडित करता है। **मार्गशीर्ष** - ईख, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो, गौओं, चौपायों और पक्षियों में पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो, अल्प वृष्टि हो, मनुष्य सुखी हों। क्षत्रियों में प्रधान का अभाव हो अनावृष्टि हो। **पौष** - धान्योत्पत्ति कहीं कम कहीं ज्यादा हो। लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो, प्रधान वैद्य पीड़ित हों अनावृष्टि हो। पशु पक्षी और बालकों में पीडा हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों। धान्य मन्दा हो; क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो। **माघ** - क्षत्रियों में पीड़ा हो, तुष धान्य महँगा हो। गुड़ अलसी और चणे आदि धान्य में बर्फ (ओले) गिरने का भय हो। कन्या का बृहस्पति वक्री होने से सभी वस्तुओं के भाव मंदे हों। सुभिक्ष हो, कर्णपीड़ा हो। गायें दूध कम दें, जल बहुत हो, पृथ्वी अन्न से पूरित हो। शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो। व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोडे (अश्व) पीडित हों। कहीं दुर्भिक्ष हो और कहीं क्षेम तथा आरोग्यता हो। पाखण्डियों में भय उत्पन्न हो। **फाल्गुन** - प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, शतभिषा का शुक्र शौण्डिकों (मद्यविक्रेता - कलवारों) को पीड़ित करता है, वर्षा हो, शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो। पूर्वाभाद्रपद का शुक्र जुआड़ी लोग, कुरु तथा पञ्जाब देश में स्थित जनों को पीड़ित और वृष्टि करता है। श्रृंगार (प्रसाधन) की वस्तुएं महंगी हो, गुरु-शुक्र परस्पर सप्तम राशि से रोग और प्रजागण पीड़ित हो तथा अवृष्टि हो। राजनीति में क्लेश हो, राज्यवर्ग में पीड़ा हो। मीन का राहु होने से बिजली का भय हो। अन्न का भाव मंदा हो। **चैत्र** - कहीं कहीं मंगल कार्य और धान्योत्पत्ति हो कहीं नहीं हो तथा स्त्रियों की अभाग्यता, चोरों की प्रबलता और राजाओं की उग्रता बढे। प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो। रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है। मीन राशि में बुध का उदय होने से अति वृष्टि से दुर्भिक्ष हो। आगे गो प्रजा भाग्य प्रबल है।

लाभ - खर्च देखनें की विधि और फल - जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-खर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है।

नवलगढ दैनिक लग्नसारणी से नीचे नगरों में लग्नप्रवेश बनाने के लिए संस्कार कोष्ठक (मिनिटों में)

नगरों के नाम	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
अमृतसर (पंजा.)	- २	- ६	- ८	- ७	- ४	+ ०	+ ५	+ ८	+ १०	+ ९	+ ६	+ २
अजमेर (राज.)	+ ३	+ ४	+ ४	+ ४	+ ३	+ २	+ १	- १	- १	- १	+ ०	+ १
अहमदाबाद (गुज.)	+ १४	+ १८	+ २०	+ १९	+ १६	+ ११	+ ७	+ ३	+ १	+ २	+ ५	+ ९
आकोला (महा.)	- २	+ ४	+ ७	+ ५	+ ०	- ७	- १३	- २०	- २३	- २१	- १६	- ९
आगरा (उ.प्र.)	- ११	- १०	- १०	- १०	- १०	- ११	- १२	- १२	- १२	- १२	- १२	- ११
इंदौर (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ८	+ ७	+ ३	- २	- ७	- ११	- १४	- १३	- ९	- ४
उज्जैन (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ७	+ ६	+ ३	- २	- ६	- १०	- १२	- ११	- ८	- ३
उदयपुर (राज.)	+ ८	+ ११	+ १२	+ १२	+ ९	+ ६	+ ३	+ ०	- १	- १	+ २	+ ५
कोलकाता (बंगा.)	- ४९	- ४५	- ४२	- ४३	- ४७	- ५२	- ५७	- ६२	- ६४	- ६३	- ५९	- ५४
कानपुर (उ.प्र.)	- २०	- १९	- १८	- १८	- १९	- २०	- २२	- २३	- २४	- २३	- २२	- २१
काठमाण्डु (नेपा.)	- ३९	- ३८	- ३८	- ३८	- ३९	- ४०	- ४१	- ४२	- ४३	- ४२	- ४२	- ४१
कोल्हापुर (महा.)	+ १२	+ २१	+ २६	+ २४	+ १६	+ ५	- ५	- १४	- १९	- १७	- ९	+ १
गौहाटी (आसा)	- ६५	- ६४	- ६३	- ६३	- ६५	- ६६	- ६८	- ६९	- ७०	- ७०	- ६८	- ६७
चंढीगढ (पंजा.)	- १०	- १२	- १४	- १३	- ११	- ८	- ५	- २	- ०	- १	- ३	- ७
चित्तौडगढ (राज.)	+ ४	+ ६	+ ८	+ ७	+ ५	+ २	- १	- ३	- ५	- ४	- २	+ १
चिन्नई (तमि.)	- ९	+ ३	+ ९	+ ६	- ४	- १८	- ३१	- ४३	- ४९	- ४७	- ३७	- २३
जयपुर (राज.)	- २	- १	- १	- १	- २	- ३	- ३	- ४	- ५	- ४	- ४	- ३
जौधपुर (राज.)	+ १२	+ १३	+ १४	+ १४	+ १२	+ ११	+ ९	+ ८	+ ७	+ ७	+ ८	+ १०
डिब्रुगढ (आसा)	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ८०	- ८०	- ८०	- ८०	- ७९
दरभंगा (बिहा.)	- ४२	- ४०	- ३९	- ४०	- ४१	- ४३	- ४४	- ४६	- ४६	- ४६	- ४५	- ४३
दिल्ली	- ९	- १०	- १०	- १०	- ९	- ९	- ८	- ७	- ६	- ७	- ७	- ८
नागपुर (महा.)	- ११	- ५	- २	- ४	- ८	- १५	- २१	- २७	- ३०	- २९	- २४	- १७
पटना (बिहा.)	- ३९	- ३७	- ३६	- ३६	- ३८	- ४०	- ४२	- ४४	- ४५	- ४५	- ४३	- ४१
पूना (महा.)	+ १२	+ २०	+ २४	+ २२	+ १५	+ ७	- २	- १०	- १४	- १२	- ६	+ ३
बडौदा (गुज.)	+ १२	+ १७	+ २०	+ १९	+ १४	+ ९	+ ३	- २	- ५	- ३	+ १	+ ६
बीकानेर (राज.)	+ ७	+ ६	+ ६	+ ६	+ ७	+ ७	+ ८	+ ८	+ ८	+ ८	+ ८	+ ७
बैंगलोर (कर्ना.)	+ १	+ १३	+ १९	+ १७	+ ६	- ७	- २१	- ३३	- ३९	- ३६	- २६	- १३
भागलपुर (बिहा.)	- ४५	- ४३	- ४२	- ४२	- ४४	- ४७	- ५०	- ५२	- ५३	- ५२	- ५१	- ४८
भुवनेश्वर (उडी.)	- ३७	- ३१	- २८	- २९	- ३५	- ४२	- ४९	- ५५	- ५८	- ५७	- ५२	- ४५
भोपाल (म.प्र.)	- ५	- १	+ १	- ०	- ३	- ८	- १२	- १६	- १८	- १८	- १४	- १०
मुम्बई (महा.)	+ १६	+ २३	+ २७	+ २५	+ १९	+ ११	+ २	- ५	- ९	- ७	- १	+ ७
वाराणसी (उ.प्र.)	- ३०	- २७	- २६	- २७	- २९	- ३१	- ३३	- ३६	- ३७	- ३६	- ३४	- ३२
सोलापुर (महा.)	+ ४	+ १३	+ १७	+ १५	+ ८	- १	- ११	- १९	- २४	- २२	- १५	- ५
श्रीनगर (ज.क)	- ५	- ११	- १४	- १३	- ८	- १	+ ६	+ १३	+ १६	+ १५	+ ९	+ २
हैदराबाद (आं.प्र)	- ६	+ ३	+ ८	+ ६	- २	- १२	- २२	- ३०	- ३५	- ३३	- २५	- १६

॥ संवत् २०६१ ॥ संस्कार कोष्ठक ज्ञानायः- पञ्चाङ्गस्थ नवलगढ (राज.) की दैनिक लग्न प्रवेश सारणी से उपर लिखे नगरों का प्रवेश व समाप्ति काल संस्कार कोष्ठक की सहायता से किसी भी दिन का स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं।

उदाहरण - १ मई २००४ को अहमदाबाद (गुज.) में वृश्चिक लग्न का प्रवेश और समाप्ति काल ज्ञात करना है। पंचांग में १ मई २००४ को वृश्चिक का प्रवेश काल रात्रौ घंटा ८ मिनट ०० और समाप्ति काल रात्रौ घंटा १० मिनट १९ लिखा हुआ है। संस्कार कोष्ठक में अहमदाबाद (गुज.) के वृश्चिक में + ३ मि. और धनु में + १ मि. है (धनु का प्रवेश काल ही वृश्चिक का समाप्ति काल है)। अतः वृश्चिक के प्रवेश रात्रौ ८।०० में + ३ मि. का संस्कार किया (यदि - हो तो घटा दें और + हो तो जोड दें) तो अहमदाबाद (गुज.) का स्पष्ट प्रवेश काल रात्रौ ८।०३ हो गया वृश्चिक के समाप्ति काल रात्रौ घंटा १० मिनट १९ में + १ मि. का संस्कार किया तो वृश्चिक का समाप्ति काल रात्रौ १०।२० स्पष्ट हो गया। ऐसे ही संस्कार कोष्ठक में लिखे हुए ३५ नगरों में से किसी भी नगर का कोई भी लग्न स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं।

रेल्वे मध्यान्तर निकालने की विधि -

जिस गांव का रेल्वे मध्यान्तर निकालना हो उस गांव का एटलस (भारत के नक्से) से रेखांश प्राप्त करे उस रेखांश में से ८२।३० अंश घटाकर शेष को ४ से गुणा करें गुणन फल उस नगर का मध्यम रेल्वेंतर मिनट धन होगा। उदाहरण - कोलकाता का रेखांश ८८।३० रेखांश धन है इसमें से ८२।३० घटाया (८८।३०-८२।३०) = शेष + ६ अंशो को ४ से गुणा किया + ६ X ४ = २४ यही कोलकाता का २४ मिनिट धन मध्यम रेल्वेंतर हुआ।

यदि अभीष्ट स्थान के रेखांश ८२।३० रेखांश से कम हों तो ८२।३० में से अभीष्ट नगर के रेखांश घटाकर शेष को ४ से गुणा करने से अभीष्ट नगर का ऋण रेल्वे मध्यान्तर होगा। उदा० - मुम्बई के रेखांश ७२।४८ है इसको ८२।३० में से घटाया शेष ९।४२ रहा इनको ४ से गुणा किया तो गुणनफल ३८।४८ मिनिट मुम्बई का मध्यम रेल्वेन्तर हुआ।

रेल्वे मध्यान्तर को स्फुट रेल्वेन्तर जानने की विधि

जिस तारीख का स्फुट रेल्वेंतर जानना हो तो उस तारीख का अंक्षाशादि सारणी के पेज में लिखे वेलान्तर मिनिटों को व्यस्त चिन्ह (ऋण धन का चिन्ह बदल कर) संस्कार करने से स्फुट रेल्वेन्तर उस तारीख का होगा जैसे तारीख १४ जनवरी को वेलान्तर + ९।२० मिनिट धन है इसको व्यस्त चिन्ह धन को ऋण चिन्ह - किया तो हुआ -९।२० यह कोलकाता का +२४ में वैजिकरीत्या संस्कार किया तो + २४।० - ९।२० = + १४।४० ता०-१५ जनवरी को स्फुट रेल्वेन्तर हुआ ऐसे ही मुम्बई -३८।४८ संस्कार किया तो वैजिकरीत्या (योगे युतिः स्यात्क्षययोः स्वयोर्वा) के अनुसार -३८।४८ - ९।२० का जोड किया तो ४८।०८ मुम्बई में स्फुट रेल्वेंतर मिनिट ऋण हुये उनको रेल्वे टाइम में धन ऋण करने से स्थानिक स्फुट टाइम हुई।

ले. पं. ग्यारसीलाल शर्मा, विले पारले, मुम्बई

संवत् २०६१, दिनमान एवं सूर्योदयास्त जानने की सरल विधि -

जिस नगर का दिनमान जानना चाहें उस नगर का अक्षांश पंचांग से या एटलस (भारत के नकसे से) प्राप्त करें उसके पश्चात पंचांग में लिखी दैनिक रवि क्रान्ति और अंक्षाश की सहायता से चर सारणी से अभीष्ट दिन की चरपल प्राप्त करें। चर पलों को दूगुनः करके घटी ३०।०० में रवि क्रान्ति उत्तर (धन) हो तो जोड़ दें और रवि क्रान्ति दक्षिण (ऋण) हो तो ३०।० घटी में से घटा दे दिनमान घटी पल होगा। दिनमान की घटी पलों में ५ का भाग देने से सूर्य घटी (देशी) सूर्यास्त का घंटा मिनट होगा। देशी सूर्यास्त के घंटा मिनटों को १२ में से घटा देनें से देशी सूर्योदय का घंटा मिनट होगा। इसमें रेल्वे मध्यांतर मिनट तथा वेलान्तर संस्कार करने से रेलवे टाइम का सूर्योदय एवं सूर्यास्त का घण्टा मिनिटात्मक काल होगा।

दिनमान = ३० + (चरपल x २)

स्टैण्डर्ड सूर्यास्त = दिनमान ÷ ५ + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

स्टैण्डर्ड सूर्योदय = १२ − (दिनमान ÷ ५) + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

उदाहरण - संवत् २०६१, तारीख १ मई २००४ को अहमदाबाद (गुज.) अक्षांशाः २३° २०' उ., रेखांशाः ७२° ३०' पू. का स्पष्ट दिनमान एवं स्टैण्डर्ड सूर्योदय/सूर्यास्त गणित द्वारा ज्ञात करना है। १ मई २००४ को पञ्चाङ्गस्थ रवि क्रान्ति अंश-कलादि (धन) +१५।०८ है यहाँ अक्षांश और रवि क्रान्ति की सहायता से चरपल संस्कार सारणी से ६७ पल प्राप्त हुई. इनको २ से गुणा किया (१३४ = ६७ x २) पल ६० से ज्यादा है अतः ६० का भाग दिया तो घट्यादि + २।१४ हुआ यहाँ रवि क्रान्ति उत्तर है अतः घटी ३० में जोड दिया (३०।० + २।१४) तो घट्यात्मक ३२।१४ दिनमान हुआ। इसमें ५ का भाग दिया लब्धि घंटादि ६ घंटा २६ मिनट ४८ से. देशी सूर्यास्त टाइम हुई इसको १२ में से घटा दिया तो ५ घंटा ३३ मिनट १२ से. देशी सूर्योदय समय हो गया इसमें रेल्वेऽन्तर संस्कार के लिए - अहमदाबाद (गुज.) का रेखांश ८२।३० से कम है अतः ((८२।३० - ७२।३०) x ४) रेल्वे मध्यान्तर मिनट (ऋण) -४० सेकण्ड ०० को व्यस्तचिन्ह (ऋण हो तो धन और धन हो तो ऋण) करके सूर्योदय/सूर्यास्त में जोड दिया तो ६।१३।१२ सूर्योदय और ७।०६।४८ सूर्यास्त अहमदाबाद (गुज.) का मध्यम मान से हुआ। इसमें तारीख १ मई २००४ को वेलान्तर मिनट - २ सैकण्ड ५३ को धनर्ण करने से स्टैण्डर्ड (रेल्वे) ६।१०।१९ सूर्योदय और ७।०३।५५ सूर्यास्त (अर्थादिक रुप से सूर्योदय ६ बजकर १० मिनट और सूर्यास्त ७ बजकर ०४ मिनट) समय स्पष्ट हो गया। इस तरह भारत के किसी भी गांव का जान लीजिये।

रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे, ॥ अथ मास तारीखोपरि वेलान्तरम् ॥ मिनट-सेकण्ड, ई.सन् २००४

ता.	जनवरी मि.से.	फरवरी मि.से.	मार्च मि.से.	अप्रेल मि.से.	मई मि.से.	जून मि.से.	जुलाई मि.से.	अगस्त मि.से.	सितंबर मि.से.	अक्टूबर मि.से.	नवंबर मि.से.	दिसंबर मि.से.
१	+ ३।०५	+१३।२७	+१२।२३	+ ३।५५	- २।५३	- २।१२	+ ३।४९	+ ६।१८	- ०।०१	-१०।२१	-१६।२६	-११।०१
२	+ ३।३३	+१३।३५	+१२।११	+ ३।३७	- ३।००	- २।०३	+ ४।०१	+ ६।१४	- ०।२०	-१०।४०	-१६।२७	-१०।३८
३	+ ४।०१	+१३।४३	+११।५८	+ ३।२०	- ३।०७	- १।५३	+ ४।१२	+ ६।०९	- ०।३९	-१०।५९	-१६।२८	-१०।१५
४	+ ४।२९	+१३।५०	+११।४५	+ ३।०२	- ३।१३	- १।४३	+ ४।२२	+ ६।०४	- ०।५९	-११।१८	-१६।२७	- ९।५१
५	+ ४।५६	+१३।५६	+११।३२	+ २।४५	- ३।१८	- १।३२	+ ४।३३	+ ५।५८	- १।१९	-११।३६	-१६।२६	- ९।२६
६	+ ५।२३	+१४।०१	+११।१८	+ २।२८	- ३।२३	- १।२२	+ ४।४३	+ ५।५२	- १।३९	-११।५४	-१६।२४	- ९।०१
७	+ ५।५०	+१४।०५	+११।०४	+ २।११	- ३।२७	- १।१०	+ ४।५३	+ ५।४५	- २।००	-१२।११	-१६।२१	- ८।३५
८	+ ६।१६	+१४।०९	+१०।४९	+ १।५४	- ३।३०	- ०।५९	+ ५।०२	+ ५।३७	- २।२०	-१२।२८	-१६।१७	- ८।०९
९	+ ६।४१	+१४।११	+१०।३५	+ १।३७	- ३।३३	- ०।४८	+ ५।११	+ ५।२९	- २।४१	-१२।४५	-१६।१२	- ७।४३
१०	+ ७।०७	+१४।१३	+१०।१९	+ १।२१	- ३।३६	- ०।३६	+ ५।२०	+ ५।२०	- ३।०२	-१३।०१	-१६।०७	- ७।१६
११	+ ७।३१	+१४।१४	+१०।०४	+ १।०५	- ३।३८	- ०।२४	+ ५।२८	+ ५।११	- ३।२३	-१३।१६	-१६।००	- ६।४८
१२	+ ७।५५	+१४।१५	+ ९।४८	+ ०।५०	- ३।३९	- ०।११	+ ५।३६	+ ५।०१	- ३।४४	-१३।३२	-१५।५३	- ६।२०
१३	+ ८।१८	+१४।१४	+ ९।३२	+ ०।३४	- ३।४०	+ ०।०१	+ ५।४३	+ ४।५०	- ४।०५	-१३।४६	-१५।४५	- ५।५२
१४	+ ८।४१	+१४।१३	+ ९।१५	+ ०।१९	- ३।४०	+ ०।१४	+ ५।५०	+ ४।३९	- ४।२७	-१४।००	-१५।३६	- ५।२४
१५	+ ९।०३	+१४।११	+ ८।५८	+ ०।०४	- ३।४०	+ ०।२६	+ ५।५६	+ ४।२८	- ४।४८	-१४।१४	-१५।२६	- ४।५५
१६	+ ९।२५	+१४।०९	+ ८।४१	- ०।१०	- ३।३९	+ ०।३९	+ ६।०२	+ ४।१६	- ५।०९	-१४।२७	-१५।१६	- ४।२६
१७	+ ९।४५	+१४।०५	+ ८।२४	- ०।२४	- ३।३७	+ ०।५२	+ ६।०७	+ ४।०३	- ५।३१	-१४।४०	-१५।०४	- ३।५६
१८	+१०।०५	+१४।०१	+ ८।०७	- ०।३७	- ३।३५	+ १।०५	+ ६।१२	+ ३।५०	- ५।५२	-१४।५१	-१४।५२	- ३।२७
१९	+१०।२५	+१३।५७	+ ७।४९	- ०।५१	- ३।३२	+ १।१८	+ ६।१६	+ ३।३६	- ६।१४	-१५।०३	-१४।३९	- २।५७
२०	+१०।४३	+१३।५१	+ ७।३२	- १।०३	- ३।२९	+ १।३१	+ ६।२०	+ ३।२२	- ६।३५	-१५।१३	-१४।२५	- २।२८
२१	+११।०१	+१३।४५	+ ७।१४	- १।१६	- ३।२६	+ १।४४	+ ६।२३	+ ३।०७	- ६।५६	-१५।२३	-१४।१०	- १।५८
२२	+११।१९	+१३।३८	+ ६।५६	- १।२८	- ३।२१	+ १।५७	+ ६।२५	+ २।५२	- ७।१८	-१५।३३	-१३।५५	- १।२८
२३	+११।३५	+१३।३१	+ ६।३८	- १।३९	- ३।१७	+ २।१०	+ ६।२७	+ २।३७	- ७।३९	-१५।४१	-१३।३८	- ०।५८
२४	+११।५१	+१३।२३	+ ६।२०	- १।५०	- ३।११	+ २।२३	+ ६।२९	+ २।२१	- ८।००	-१५।४९	-१३।२१	- ०।२८
२५	+१२।०५	+१३।१४	+ ६।०२	- २।०१	- ३।०५	+ २।३६	+ ६।३०	+ २।०४	- ८।२०	-१५।५६	-१३।०३	+ ०।०२
२६	+१२।२०	+१३।०५	+ ५।४३	- २।११	- २।५९	+ २।४९	+ ६।३०	+ १।४८	- ८।४१	-१६।०३	-१२।४५	+ ०।३१
२७	+१२।३३	+१२।५५	+ ५।२५	- २।२०	- २।५२	+ ३।०१	+ ६।२९	+ १।३०	- ९।०१	-१६।०९	-१२।२५	+ १।०१
२८	+१२।४५	+१२।४५	+ ५।०७	- २।२९	- २।४५	+ ३।१३	+ ६।२८	+ १।१३	- ९।२२	-१६।१४	-१२।०५	+ १।३१
२९	+१२।५७	+१२।३४	+ ४।४९	- २।३८	- २।३८	+ ३।२६	+ ६।२७	+ ०।५५	- ९।४२	-१६।१८	-११।४५	+ २।००
३०	+१३।०८	. . .	+ ४।३१	- २।४६	- २।२९	+ ३।३७	+ ६।२४	+ ०।३७	-१०।०१	-१६।२१	-११।२३	+ २।२९
३१	+१३।१८	. . .	+ ४।१३	. . .	- २।२१	. . .	+ ६।२२	+ ०।१८	. . .	-१६।२४	. . .	+ २।५८

॥ संवत् २०६१ मध्ये उपनयनादि मुहूर्ता: ॥

अथ उपनयन मुहूर्त्ता:

सन२००४	चैत्र शुक्लपक्ष:
मार्च २६	शु. ५ शुक्रे रोहि ल.१
मार्च ३१	शु. १० बुधे पुष्ये ल.१।२
	बैशास्व मास:
मई २	शु. १२ रवौ हस्तेऽभिजिति
	ज्येष्ठ मास:
मई ६	कृ. २ गुरौ अनु. अभिजिति

सिंहस्थ गुरु दोष: - *गंगा के उत्तर और गोदावरी के दक्षिण भाग में करने योग्य मुहूर्त: प्रमाण - भागीरथ्युत्तरे कूले गोतम्या दक्षिणे तथा । विवाहो व्रतबंधश्च सिंहस्थेज्ये न दुष्यन्ति ॥*

	आषाढ मास:
जून २७	शु. ९ रवौ चित्रा. ल.६
	सिंहस्थ गुरु समाप्ति
सन२००५	माघ मास:
जन. ३०	कृ. ५ रवौ हस्तेऽभिजिति
फर. १३	शु. ५ रवौ रेवत्यामभिजिति

अथ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ता:

	गुरुमघादि पंचपाद में -
सन२००४	बैशास्व मास:
मई १	शु. ११ शनौ उ.फा. अभिजिति

गंगा के उत्तर और गोदावरी के दक्षिण भाग में करने योग्य मुहूर्त -

	द्वितीय श्रावण शुक्लपक्ष:
अग. २७	शु. १२ शुक्रे उ. षा. अभिजिति
	भाद्रपद मास:
सितं. १	कृ. ३ बुधे उ.भा. ल.९ (स्टै. १५।४८ या.)
	आश्विन मास:
अक्टू. २३	शु. १० शनौ धनि. ल.९ (स्टै. ११।४० या., शनि ८ दोष:)
अक्टू. २५	शु. १२ चंद्रे. उ.भा. अभिजिति
सन२००५	पौष मास:
जन. २२	शु. १२ शनौ मृगेऽभिजिति
	माघ मास:
जन. २९	कृ. ४ शनौ उ.फा. अभि. (ति.दो.)

अथ वृष चक्र रहिता: गेहारंभ मुहूर्त्ता:

सन२००४	बैशास्व मास:
अप्रे. २२	शु. ३ गुरौ रोहिण्यामभिजिति
अप्रे. २४	शु. ५ शनौ मृगे अभिजिति
	ज्येष्ठ मास:
मई १४	कृ. ११ शुक्रो उ.भा. ल.६ (रा. बु. ८ दोष:)

गंगा के उत्तर और गोदावरी के दक्षिण भाग में करने योग्य मुहूर्त-

	द्वितीय श्रावण शुक्लपक्ष:
अग. १८	शु. २ बुधे उ.फा. ल.९
अग. २१	शु. ५ शनौ चित्रा. ल.६ (सू. म. सू. बु. १२ दोष:)
	कार्तिक मास:
नवं. १	कृ. ४ चंद्रे मृगे ल.१२ (के.सू.८ दो., स्टै.१४।५१ उप.)
नवं. १०	कृ. १३ बुधे हस्ते ल.९
	मार्गशीर्ष मास:
दिसं. १	कृ. ४ बुधे पुष्ये ल.११
दिसं. २	कृ. ५ गुरौ पुष्येऽभिजिति
दिसं. ९	कृ. १२ गुरौ स्वात्यामभिजिति
सन२००५	माघ मास:
जन. ३१	कृ. ६ चंद्रे हस्तेऽभिजिति (ति. दो.)
फर. ४	कृ. १० शुक्रे अनु. ल.१२ (स्टै. १०।०३ या.)
फर. ७	कृ. १३ चंद्रे उ.षा. ल.११।१२ (कुंभे सू. बू., शु. १२ दो.)
फर. १०	शु. २ गुरौ शतेऽभिजिति
फर. ११	शु. ३ शुक्रे उ.भा. अभिजिति

अथ नूतन गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ता:

सन२००४	बैशास्व मास:
अप्रे. १७	कृ. १३ शनौ उ.भा. अभिजिति
मई १	शु. ११ शनौ उ.फा. अभिजिति
	ज्येष्ठ मास:
मई १४	कृ. ११ शुक्रे उ.भा. अभिजिति
सन२००५	पोष मास:
जन. १५	शु. ६ शनौ उ.भा. अभिजिति
जन. २२	शु. १२ शनौ मृगेऽभिजिति
	माघ मास:
फर. ४	कृ. १० शुक्रे अनु. ल.१२
फर. ७	कृ. १३ चंद्रे उ.षा. ल.१२

कुंभ चक्र रहिता: नूतन गृहप्रवेश मुहूर्त्ता:

सन२००४	बैशास्व मास:
अप्रे. २२	शु. ३ गुरौ रोहि. ल.५ (स्टै. १४।२५ उप.)
	ज्येष्ठ मास:
मई ६	कृ. २ गुरौ अनु. अभिजिति

अथ जीर्ण गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ता:

सन२००४	मार्गशीर्ष मास:
दिसं. ९	कृ. १२ गुरौ स्वत्यामभिजिति
दिसं. १८	शु. ६ शुक्रे शतेऽभिजिति

कुंभ चक्र रहिता जीर्ण गृहप्रवेश मुहूर्त्ता:

सन२००४	कार्तिक मास:
नवं. ४	कृ. ७ गुरौ पुष्येऽभिजिति
	मार्गशीर्ष मास:
दिसं. १	कृ. ४ बुधे पुष्ये ल.११।१२ ([illegible] ८ दो.)
दिसं. २	कृ. ५ गुरौ पुष्येऽभिजिति
सन२००५	माघ मास:
फर. २	कृ. ८ बुधे स्वात्यां ल.२ (स्टै.१२।५० से १३।३७, भौ.८ दो.)
फर. १०	शु. २ गुरौ शतेऽभिजिति

अथ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ता:

सन२००४	बैशास्व मास:
अप्रे. २६	शु. ६ चंद्रे पुन. अभिजिति
मई १	शु. ११ शनौ उ.फा. अभिजिति
मई २	शु. १२ रवौ हस्तेऽभिजिति
मई ३	शु. १३ चंद्रे चित्रा. अभिजिति
	ज्येष्ठ मास:
मई ६	कृ. २ गुरौ अनु. अभिजिति
मई ९	कृ. ५ रवौ उ.षा. अभिजिति

गंगा के उत्तर और गोदावरी के दक्षिण भाग में करने योग्य मुहूर्त:

	आषाढ मास:
जून २७	शु. ९ रवौ चित्रा. अभिजिति
जून ३०	शु. १३ बुधे अनु. ल.६ (स्टै. १०।४३ उप.)
	प्र. श्रावण कृष्णपक्ष:
जुला. ४	कृ. २ रवौ श्रवणेऽभिजिति
सन२००५	पोष मास:
जन. १५	शु. ६ शनौ उ.भा. अभिजिति
जन. १६	शु. ७ रवौ रेवत्यामभिजिति
जन. २०	शु. ११ गुरौ रोहि. अभिजिति
जन. २२	शु. १२ शनौ मृगे अभिजिति
	माघ मास:
जन. ३०	कृ. ५ रवौ उ.फा. ल.१२
जन. ३०	कृ. ५ रवौ हस्तेऽभिजिति
जन. ३१	कृ. ६ चंद्रे हस्तेऽभिजिति
फर. १३	शु. ५ रवौ रेव. अभिजिति

॥ संवत् २०६१ मध्ये विवाह मुहूर्ताः ॥

सन२००४	बैशाख मासः शुक्लपक्ष
अप्रै. २२	३ गुरौ रोहि. दिवा ल.५,रात्रौ ११ रे. ९ ॥ऽशु॥॥॥ (सिंहे:बु. ७ दो.)
अप्रै. २३	४ शुक्रे रोहि. दिवा ल.३ रे.९ ॥ऽशु॥॥॥ (सोग्रांगः)
मई १	११ शनौ उफा. दिवा ल. ५,रात्रौ अ. गो. ११ रे. ८ ॥। बु॥ऽ॥। (कुंभे ७ गु. पू.)
मई २	१२ रवौ हस्ते दिवा ३।५; रात्रौ गो. ८, ११ रे. ७ ऽऽ।ऽबु॥॥। (कुंभे ७ गु. पू.)
	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः
मई ८	४ शनौ मूले दिवा. ल. २।५ रे. ९ ॥॥॥ऽ॥ (वृषे रेखा ८)
मई ९	५ रवौ उषा. दिवा ल. २।५, रात्रौ अ. गो. ११ रे. ७ ।ऽ।ऽशु॥॥ऽद.

अग्रे वृषेकः

(ज्येष्ठ शुक्लपक्ष पर्यन्त मघादि पंचपादत्वादभावः)

आषाढ कृष्णपक्षे शुक्रास्तत्वादभावः

सिंहस्थ गुरु दोषः - गंगा के उत्तर और गोदावरी के दक्षिण भाग में करने योग्य मुहूर्त्तः प्रमाण - भागीरथ्युत्तरे कूले गोतम्या दक्षिणे तथा । विवाहो व्रतबंधश्च सिंहस्थेज्ये न दुष्यति ॥

	आषाढ शुक्लपक्षः
जून २२	४ भौमे मघा. रात्रौ ल. २ रे. ७ ऽ॥॥ऽऽ॥
जून २३	५ बुधे मघा. दिवा ल.६।८, रात्रौ अ.गो. रे. ७ ऽ॥॥ऽऽ॥ (वृश्चिके ७ शु., अ.गो. भौमाष्टमः)
जून २६	८ शनौ हस्ते दिवा ल. ८, रात्रौ ११ रे. ९ ॥॥॥ऽ॥ (वृश्चि. शु. ७ पू., कुंभे गु. ७ पू.)

अग्रे चतुर्मासारंभः

	कार्तिक शुक्लपक्षः
नवं. २३	१२ भौमे रेवत्यां दिवा ल. ९ रे. ९ ॥॥ऽ॥॥
नवं. २६	१५ भृगौ रोहि. रात्रौ ल. ६ रे. ८ ॥॥ऽ॥ऽ॥
	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः
नवं. २७	१ शनौ रोहि.दिवा ल.११।१२ रात्रौ ३,रे.८ ॥॥ऽ॥ऽ॥ (मीने ७ गु. पू, मिथु. बु. ७ पू.)
नवं. २८	२ रवौ मृगे दिवा ल. ११।१२, रात्रौ गो ४, ६ रे. १० ॥॥॥॥॥ (मीने गु. ७ पू, कर्के सोग्रांगः)
दिसं. ४	७ शनौ मघा अ. गोधूलि, रे. ८ ।ऽ॥॥ऽ॥।
दिसं. ५	८ रवौ उफा. रात्रौ ल. ६, रे. ८ ऽ॥॥॥ऽ॥ (स्टै. २६।५० या.)
दिसं. ६	९ चंद्रे उफा. दिवा ल.९,रात्रौ अ.गो रे.८ ऽ॥॥॥ऽ॥
दिसं. ६	९ चंद्रे हस्ते दिवा ल. ९, रे. ८ ऽ॥॥॥ऽ॥
	रात्रौ लग्नाऽभावः
दिसं. ८	११ बुधे स्वातौ रात्रौ ल. ४।६, रे. ८ ॥॥ऽ॥ऽ॥ (कर्के सोग्रांगः)
दिसं. ९	१२ गुरौ स्वातौ दिवा ल. ९।१२, रे. ८ ॥॥ऽ॥ऽ॥ (मीने ७ गु.पू.)
	मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष
दिसं.१४	३ भौमे उषा. रात्रौ ल. ६ रे. ९ ॥॥ऽ॥॥

अग्रे धनुष्यर्क

सन२००५	**पोष शुक्लपक्ष**
जन. १६	७ रवौ रेवत्यां दिवा. ल.११,रात्रौ अ.गो.रे.९ ॥॥॥ऽ॥
जन. २१	१२ शुक्रे मृगे रात्रौ ल. ८ रे. ७ ऽ॥ऽ॥॥ऽ (सोग्रांगः, स्टै. २७।५४ उ.)
जन. २२	१२ शनौ मृगे दिवा ल.१२ रे.८ ऽ॥ऽ॥॥ (गु.७पू.)
	माघ कृष्णपक्ष
जन. २९	४ शनौ उफा. दिवा ल. २, रात्रौ गोधूलि, ६ रे. ९ ॥॥॥ऽ॥
जन. ३०	५ रवौ उफा. दिवा ल. ११ रे. ९ ॥॥॥ऽ॥
जन. ३०	५ रवौ हस्ते दिवा २,रात्रौ गोधूलि, रे. ९ ॥॥॥ऽ॥
जन. ३१	६ चंद्रे हस्ते दिवा ल. ११, रे. ९ ॥॥॥ऽ॥
फर. ३	९ गुरौ अनु. ल. अ. गोधूलि, ६, रे. ८ ऽ॥॥॥ऽ॥
फर. ४	१० शुक्रेऽनुराधा.दिवा ल. ११, रे ८ ऽ॥॥॥ऽ॥

भैरव भवानि संवाद

भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
इकसठ संयत का कहो श्रीमुख से सब हाल ॥
भवानी उ.:सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देस्रतां मध्यम संवत होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये सात अधिकार ।
समय निवासो रजकघर रोहिणी तट आधार ॥
पर भृगुजी सस्येश है धनाधिप हैं गुरुराज ।
सुख संपत्ति संचार हो जग में मंगल काज ॥
इनकी खैंचाताण में ब्यापारां कुछ हान ।
व्यापारा घटबढ घणी रसकस तेजी जाण ॥
रसाधिप तो शनिदेव हैं समझो मध्यम साल ।
गुरु ईश्वरदत्त से गुरु नहीं कथन ग्यारसीलाल ॥

	माघ शुक्लपक्ष
फर. ११	३ शुक्रे उभा. रात्रौ ल. ६, रे. १० ॥॥॥॥॥
फर. १३	५ रवौ रेवत्यां दिवा ल. २, रे. ८ ।ऽ॥॥॥ऽ॥

अग्रे शुक्रास्तत्वादभावः

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

सन२००४	**ज्येष्ठ कृष्णपक्षः**
मई ११	८ भौमे धनि. दिवा ल. ४, रात्रौ अ. गो. रे. ९ ॥॥॥ऽ॥ (कर्के श. १२ दो.)
मई १२	९ बुधे धनि. दिवा ल. २, रे. ९ ॥॥॥ऽ॥
	आषाढ शुक्लपक्षः
जून २६	८ शनौ चित्रा रात्रौ २, रे. ८ ऽ॥॥ऽ॥।
जून २७	९ रवौ चित्रा दिवा ल. ५।६।८, रात्रौ गोधूलि रे. ८ ऽ॥॥ऽ॥। (वृश्चि. शु. ७ दो., गो. भौम ८ दोषः)
	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः
दिसं.१४	३ भौमे श्रवणे रात्रौ ल. ७ रे. १० ॥॥॥॥॥ (सोग्रांगः, रा. ७ दो.)

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता -
पं. श्री रामकुवारात्मज ग्यारसीलाल शर्मा
मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली खुर्द
वाया- सिंघाना, जि. झुन्झुनू (राज.) पिन. ३३३५१६.

चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, २१ मार्च से ५ अप्रेल तक नवलगढ

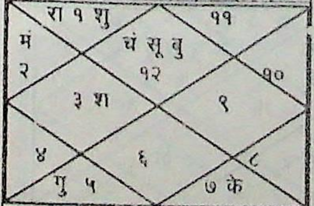
वसंतर्त्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः ४३६८, मार्च-अप्रेल २००४

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टे. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	
१	र	५४	३८	२८	२७	उभा	४०	०२	२२	३७	शु	२१	५०	१५	२०	किं	२४	१०	१६	१६	३० ०४	६ ३६	६ ३८	मीने	१	२९	२१	नवरात्रारम्भः, घटस्था., ध्वजारो., आरोग्य १, विद्या १, कल्पादि, B
२	सो	५६	४१	२९	१५	रेव	४३	१५	२३	५३	ब्र	२०	०३	१४	३६	बा	२५	३०	१६	४७	०८	३५	३८	मेषे २३।५३	२	३०	२२	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक समाप्तिः २३।५३, श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे
३	मं	...	...	...	...	अश्वि	४७	५१	२५	४२	ऐ	१९	२४	१४	२०	तै	२८	१७	१७	५३	१२	३४	३९	मेषे	३	१	२३	मन्वादि, मत्स्योत्पत्तिः, अरुन्धती व्रतं पूजनञ्च, गणगौरी पूजा, A
३	बु	०	१४	६	३८	भर	५३	४६	२८	०३	वै	१९	४९	१४	२९	ग	०	१४	६	३८	१६	३३	३९	मेषे	४	२	२४	भ. १९।३२ उ., कृत्ति. शुक्रः २४।२९ |A मनोरथ तृतीयाव्र., सफर २ C
४	गु.	५	०४	८	३३	कृति	...	...	...	...	वि	२१	१३	१५	०१	वि	५	०४	८	३३	२०	३२	४०	वृषे १०।४३	५	३	२५	भ. ८।३३ या., कल्पादि, मेषे अश्वि. बुधः २८।१८
५	शु	१०	५६	१०	५३	कृति	०	४८	६	५०	प्री	२३	२२	१५	५१	बा	१०	५६	१०	५३	२४	३१	४०	वृषे	६	४	२६	डोलोत्सवः, स्कन्द षष्ठी व्र. |C सौभाग्य शयन व्र., शिवशक्ति पू.,
६	श	१७	२८	१३	२,	रोहि	८	२८	९	५३	आ	२५	५३	१६	५९	तै	१७	२८	१३	२९	२९	२९	४१	मिथु. २३।२६	७	५	२७	रोहि. भौमः १३।५९ |B भा. चैत्रारंभः, पातस्पर्शः ११।४८, मोक्षः १५।४८
७	र	२३	५९	१६	०४	मृग	१६	१४	१२	५८	सौ	२८	२२	१७	४९	व	२३	५९	१६	०४	३३	२८	४१	मिथु.	८	६	२८	भ. १६।०४ उ. २९।१७ या., वृषे शुक्रः ७।३३
८	सो	२९	५१	१८	२४	आर्द्रा	२३	२६	१५	५०	शो	३०	१९	१८	३५	व	२९	५१	१८	२४	३७	२७	४२	मिथु.	९	७	२९	भवान्युत्पत्तिः, अशोककलिका प्राशनं
९	मं	३४	२७	२०	१३	पुन	२९	३०	१८	१४	अ	३१	१९	१८	५८	बा	२	२२	७	२३	४१	२६	४२	कर्के ११।४१	१०	८	३०	श्री रामनवमी. रेव. रविः २८।०१ (सौरः २९।४४)
१०	बु	३७	२१	२१	२१	पुष्य	३३	५८	२०	००	सु	३१	०३	१८	५०	तै	६	१०	८	५३	४५	२५	४३	कर्के	११	९	३१	|E दोलोत्सवः, अप्रेल ४ ता. ३०, (व) पूफा.-१ गुरुः १२।५१
११	गु	३८	२२	२१	४५	श्ले	३६	३६	२१	०२	धृ	२९	२०	१८	०८	व	८	०८	९	३९	४९	२४	४३	सिंहे २१।०२	१२	१०	१	भ. ९।३९ उ. २१।४५ या., कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त E
१२	शु	३७	३०	२१	२३	मघा	३७	२५	२१	२१	शू	२६	०९	१६	५०	व	८	१२	९	३९	५३	२३	४४	सिंहे	१३	११	२	हरि दमनोत्सवः |D मोक्षः २९।४७
१३	श	३४	५३	२०	१९	पूफा	३६	३०	२०	५८	गं	२१	३३	१४	५९	कौ	६	२५	८	५६	५७	२२	४४	कन्या २६।४६	१४	१२	३	प्रदोषः, जैनमहावीर जयंती, शिवपूजन विशेषः, पातस्पर्शः ३५।५३, D
१४	र	३०	४५	१८	३९	उफा	३४	०८	२०	००	वृ	१५	४३	१२	३८	ग	३	०१	७	३३	३१ ०१	२१	४५	कन्या	१५	१३	४	भ. १८।३९ उ. २९।३८ या.
१५	सो	२५	२७	१६	३०	हस्त	३०	३५	१८	३४	ध्रु	८	५०	९	५१	व	२५	२७	१६	३०	०५	१९	४५	तुला. २९।४३	१६	१४	५	मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वैशाख स्नानारंभः

अयनांशाः २३।५३।४६
५० पं. चै.शु. २ सो. इष्टघटी ११।३३
(रेल्वे घं. मि. ११।१२)

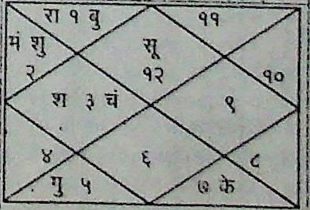
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	१	११	४	०	२	०	११
०८	०६	२४	१७	२४	१२	१९	०७
०३	४३	२६	४४	०२	४३	२८	५८
१४	२८	१८	२८	१२	२६	२८	३५
५९	३८	९६	६	६२	१	३	५९
३२	२६	४२	५५	०७	४०	११	३६
उभा	कृ	रे	पूफा	भ	आ	भ	उभा
२	४	३	२व	४	२	२	२



मार्च ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम रा	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकत्ता रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२१	र	११	०६	५५	५२	५९	३४	०	१८	३०	०२	६	४५	६	४६	३०	०३	५	४३	५	४४
२२	चं	११	०७	५१	२६	५९	३२	०	४२	३०	०५	६	४५	६	४७	३०	०६	५	४२	५	४४
२३	मं	११	०८	५०	५८	५९	३०	१	०६	३०	०८	६	४४	६	४७	३०	०९	५	४१	५	४५
२४	बु	११	०९	५०	२८	५९	२८	१	२९	३०	१०	६	४३	६	४७	३०	१३	५	४०	५	४५
२५	गु	११	१०	४९	५६	५९	२६	१	५३	३०	१३	६	४२	६	४७	३०	१६	५	३९	५	४५
२६	शु	११	११	४९	२२	५९	२४	२	१६	३०	१६	६	४१	६	४८	३०	१९	५	३८	५	४६
२७	श	११	१२	४८	४६	५९	२२	२	४०	३०	१८	६	४०	६	४८	३०	२२	५	३७	५	४६
२८	र	११	१३	४८	०७	५९	२०	३	०३	३०	२१	६	४०	६	४८	३०	२६	५	३६	५	४६
२९	चं	११	१४	४७	२७	५९	१८	३	२७	३०	२४	६	३९	६	४८	३०	२९	५	३५	५	४७
३०	मं	११	१५	४६	४५	५९	१६	३	५०	३०	२७	६	३८	६	४९	३०	३२	५	३४	५	४७
३१	बु	११	१६	४६	००	५९	१४	४	१३	३०	२९	६	३७	६	४९	३०	३५	५	३३	५	४७
१	गु	११	१७	४५	१४	५९	११	४	३६	३०	३२	६	३६	६	४९	३०	३८	५	३२	५	४८
२	शु	११	१८	४४	२५	५९	१०	५	००	३०	३४	६	३५	६	४९	३०	४२	५	३२	५	४८
३	श	११	१९	४३	३५	५९	०७	५	२३	३०	३७	६	३५	६	४९	३०	४५	५	३१	५	४९
४	र	११	२०	४२	४२	५९	०५	५	४५	३०	४०	६	३४	६	५०	३०	४८	५	३०	५	४९
५	चं	११	२१	४१	४७	५९	०३	६	०८	३०	४२	६	३३	६	५०	३०	५१	५	२९	५	४९

अयनांशाः २३।५३।४७
५१ पं. चै.शु. ८ सो. इष्टघटी ११।५३
(रेल्वे घं. मि. ११।१२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	१	०	४	१	२	०	११
१४	११	०३	१६	०१	१२	१९	१४
५९	१२	५०	५८	०८	५७	०६	५४
१२	२२	०४	२१	५३	१९	१३	५५
५९	३८	५५	६	५९	२	३	५९
१७	२३	५९	०७	१८	२४	११	१९
उभा	रो	अ	पूफा	कृ	आ	भ	उभा
४	१	२	२व	२	२	२	४



अयनांशाः २३।५३।४८
५२ पं. चै.शु.१५ सो. इष्टघटी १२।१२
(रेल्वे घं. मि. ११।१२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	१	०	४	१	२	०	११
२१	१५	०७	१६	०७	१३	१८	२१
५३	४०	५६	१८	५३	१६	४३	४९
३०	५५	५६	२३	४८	१८	५७	२२
५९	३८	७	५	५५	३	३	५९
०३	२०	२७	०८	४५	०७	११	०३
रे	रो	अ	पूफा	कृ	आ	भ	रे
२	२	३	१व	४	२	२	२

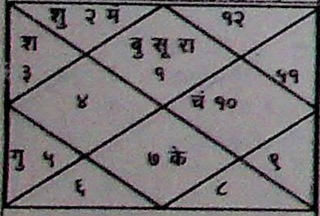


वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, ६ अप्रेल से १९ अप्रेल तक नवलगढ — वसंतर्त्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति महा., अप्रेल २००४

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै.	टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	मं	१९	१५	१४	०१	चित्रा	२६	१३	१६	४८	व्या	९ ५२	११ ५६	६ २७	४७ २१	कौ	१९	१५	१४	०१	३१ ०९	६ १८	६ ४६	तुला.		१७	१५	६	आर्द्रा.-३ शनिः १५।३४
२	बु	१२	३२	११	१८	स्वा	२१	२०	१४	४९	व	४४	२७	२४	०४	ग	१२	३२	११	१८	१३	१७	४७	तुला.		१८	१६	७	भ. २१।५४ उ., वक्री बुधः १३।४०, रोहि. शुक्रः १७।५६
३	गु	५	३३	८	३०	विशा	१६	१६	१२	४६	सि	३५	५५	२०	३८	वि	५	३३	८	३०	१७	१६	४७	वृश्चि.	७।१७	१९	१७	८	भ. ८।३० या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१२, अनुसूया जयंती
४	गु	५८	३३	२९	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[A अमा., सायन वृषे भानुः २३।०७
५	शु	५१	५२	२७	००	अनु	११	१६	१०	४५	व्य	२७	३१	१७	१५	कौ	२५	११	१६	२०	२१	१५	४८	वृश्चि.		२०	१८	९	
६	श	४५	३९	२४	३०	ज्ये	६	३५	८	५२	व	१९	२५	१४	००	ग	१८	४३	१३	४३	२५	१४	४८	धनु.	८।५२	२१	१९	१०	भ. २४।३० उ., बुधास्तः पश्चिमायाम् ८।५१
७	र	४०	०६	२२	१५	मूल	२ ५८	२६ ५७	७ २९	११ ४८	प	११	४८	१०	५६	वि	१२	४८	११	२०	२९	१३	४९	धनु.		२२	२०	११	भ. ११।२० या.
८	सो	३५	२१	२०	२१	उषा	५६	२२	२८	४५	शि	४ ५८	४७ २७	८ २९	०७ ३५	बा	७	३८	९	१५	३३	१२	४९	मक.	११।३०	२३	२१	१२	बूढो बास्योड़ो
९	मं	३१	३३	१८	४८	श्रव	५४	४५	२८	०५	सा	५२	५७	२७	२२	तै	३	२१	७	३१	३७	११	५०	मक.		२४	२२	१३	मेषे अश्वि. रविः १७।२२ (सौरः १९।०५)
१०	बु	२८	४७	१७	४१	धनि	५४	१२	२७	५१	शु	४८	१९	२५	३०	व	०	०३	६	११	४१	१०	५०	कुंभे	१५।५५	२५	२३	१४	भ. ६।११ उ. १७।४१ या., पंचक प्रारम्भः १५।५५
११	गु	२७	०८	१७	००	शत	५४	४७	२८	०४	शु	४४	३५	२३	१९	बा	२७	०८	१७	००	४५	०९	५१	कुंभे		२६	२४	१५	वरुथिनि ११ व्र., पातस्पर्शः २७।००
१२	शु	२६	४०	१६	४८	पूभा	५६	२९	२८	४४	ब्र	४१	४७	२२	५१	तै	२६	४०	१६	४८	४८	०८	५१	मीने	२२।३१	२७	२५	१६	प्रदोषः, पातमोक्षः ७।११
१३	श	२७	२०	१७	०३	उभा	५९	२०	२९	५१	ऐ	३९	५२	२२	०४	व	२७	२०	१७	०३	५२	०७	५२	मीने		२८	२६	१७	भ. १७।०३ उ. २९।२१ या., मासिकशिवरात्री व्र., मृगे भौमः १०।५९
१४	र	२९	०८	१७	४५	रेव	...	...	...	...	वै.	३८	५२	२१	३९	श	२९	०८	१७	४५	५६	०६	५२	मीने		२९	२७	१८	
३०	सो	३२	०३	१८	५४	रेव	३	१८	७	२४	वि	३८	४१	२१	३३	च	०	२९	६	१६	३२ ००	०५	५३	मेषे	७।२४	३०	२८	१९	पंचक समाप्तिः ७।२४, देवपितृकार्येऽमा., सोमवती A

अयनांशाः २३।५३।४९
१ पं. बै.कृ. ९ मं. इष्टघटी २७।५६
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	१	०	४	१	२	०	११
००	२०	०५	१५	१५	१३	१८	२९
००	५७	५३	४०	१५	४४	१७	५५
००	१०	३३	३९	२२	५५	४३	४६
५८	३८	३७	३	५०	३	३	५८
४६	१६	५१	४९	१७	५४	११	४४
अ	रो	अ	पूफा	रो	आ	भ	रे
१	४	२व	१व	२	३	२	४



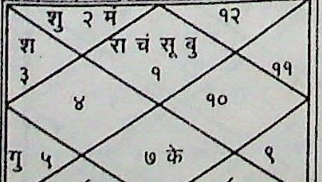
अप्रेल		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
६	मं	११	२२	४०	५१	५९	०१	६	३१	३०	४५	६	३२	६	५०	३०	५४	५	२८	५	५०
७	बु	११	२३	३९	५२	५८	५९	६	५४	३०	४८	६	३१	६	५०	३०	५८	५	२७	५	५०
८	गु	११	२४	३८	५१	५८	५७	७	१६	३०	५०	६	३१	६	५१	३१	०१	५	२६	५	५०
९	शु	११	२५	३७	४८	५८	५५	७	३८	३०	५३	६	३०	६	५१	३१	०४	५	२५	५	५१
१०	श	११	२६	३६	४३	५८	५३	८	०१	३०	५५	६	२९	६	५१	३१	०७	५	२४	५	५१
११	र	११	२७	३५	३७	५८	५१	८	२३	३०	५८	६	२८	६	५१	३१	१०	५	२३	५	५१
१२	चं	११	२८	३४	२८	५८	४९	८	४५	३१	००	६	२७	६	५२	३१	१३	५	२२	५	५२
१३	मं	११	२९	३३	१७	५८	४७	९	०७	३१	०३	६	२७	६	५२	३१	१६	५	२२	५	५२
१४	बु	०	००	३२	०४	५८	४५	९	२८	३१	०६	६	२६	६	५२	३१	१९	५	२१	५	५२
१५	गु	०	०१	३०	४९	५८	४३	९	५०	३१	०८	६	२५	६	५२	३१	२२	५	२०	५	५३
१६	शु	०	०२	२९	३२	५८	४१	१०	११	३१	११	६	२४	६	५३	३१	२५	५	१९	५	५३
१७	श	०	०३	२८	१३	५८	३९	१०	३२	३१	१३	६	२४	६	५३	३१	२८	५	१८	५	५४
१८	र	०	०४	२६	५३	५८	३७	१०	५३	३१	१६	६	२३	६	५३	३१	३१	५	१७	५	५४
१९	चं	०	०५	२५	३०	५८	३५	११	१४	३१	१८	६	२२	६	५४	३१	३४	५	१७	५	५४

संक्रांति फलम्

ता. १३ अप्रेल २००४
बैशा. कृ. ९ भौमे मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १७।२२ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम महोदरी चोरान् सुस्वदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुस्वदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) ११।२२ से २३।२२ तक । (दान-मेष) ।

अयनांशाः २३।५३।५०
२ पं. बै.शु. १ मं. इष्टघटी २८।१४
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	१	०	४	१	२	०	०
०६	२५	००	१५	२०	१४	१७	०६
५०	२४	५९	१७	५०	१४	५५	४६
४२	४९	४४	३७	००	०५	२७	०७
५८	३८	३९	२	४४	४	३	५८
३३	१२	४५	३५	११	३१	११	२८
अ	मृ	अ	पूफा	रो	आ	भ	अ
३	१	१व	१व	४	३	२	३

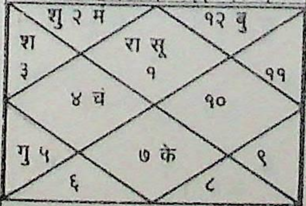


वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, २० अप्रेल से ४ मई तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः ४३९८, अप्रेल-मई २००४

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मुं.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	मं	३५	००	२०	२८	अश्वि	८	१५	९	२२	प्री	३९	१८	२१	४७	किं	३	५५	७	३८	३३ ०४	६ ०४	६ ५३	मेषे	३१	२९	२०	
२	बु	४०	५५	२२	२५	भर	१४	११	११	४३	आ	४०	४१	२२	१९	बा	८	२२	९	२४	०७	०३	५४	वृषे १८।२२	१	३०	२१	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), शिवाजी जयंती, भा. बैशाखारंभः
३	गु	४६	३९	२४	४२	कृति	२०	५८	१४	२५	सौ	४२	३९	२३	०६	तै	१३	४२	११	३१	११	०२	५४	वृषे	२	१	२२	युगादि, कल्पादि, परशुराम जयंती, अक्षय तृतीया, B
४	शु	५२	५७	२७	१२	रोहि	२८	२४	१७	२३	शो	४५	०६	२४	०४	व	१९	४६	१३	५६	१५	०१	५५	वृषे	३	२	२३	भ. १३।५६ उ. २७।१२ या., मृगे शुक्रः २९।१६
५	श	५९	२५	२९	४६	मृग	३६	०९	२०	२८	अ	४७	४२	२५	०५	व	२६	१३	१६	२९	१८	००	५६	मिथु. ६।५५	४	३	२४	श्री आद्यशंकराचार्य जयंती
६	र	...	...	...	...	आर्द्रा	४३	४५	२३	३०	सु	५०	०८	२६	०२	कौ	३२	३५	१९	०१	२२	५ ५९	५६	मिथु.	५	४	२५	श्रीं रामानुज जयंती
६	सो	५	३३	८	१२	पुन	५०	३९	२६	१४	धृ	५१	५७	२६	४५	तै	५	३३	८	१२	२६	५८	५७	कर्के १९।३५	६	५	२६	गंगोत्पत्ति |B रावेलावल ३, (व) मीने रेव. बुधः ६।०५
७	मं	१०	४४	१०	१५	पुष्य	५६	१८	२८	२३	शू	५२	४६	२७	०४	व	१०	४४	१०	१५	२९	५८	५७	कर्के	७	६	२७	भ. १०।१५ उ. २३।०५ या., भर. रविः ९।१२ (सौरः ११।१९), C
८	बु	१४	२८	११	४४	श्ले	...	...	...	...	गं	५२	१८	२६	५२	व	१४	२८	११	४४	३३	५७	५८	कर्के	८	७	२८	|C मिथुने भौमः २२।२४, अगस्त्यास्तः २४।४३
९	गु	१६	२४	१२	२९	श्ले	०	२०	६	०४	वृ	५०	१९	२६	०४	कौ	१६	२४	१२	२९	३६	५६	५८	सिंहे ६।०४	९	८	२९	सीता ९, पातस्पर्शः २२।१२, मोक्षः २६।५९, बुधोदयः पूर्वस्याम् ७।०८
१०	शु	१६	२०	१२	२७	मघा	२	२६	६	५३	ध्रु	४६	४७	२४	३८	ग	१६	२०	१२	२७	४०	५५	५९	सिंहे	१०	९	३०	भ. २४।०८ उ., मार्गी बुधः २९।२४
११	श	१४	१८	११	३७	पूफा	२	३५	६	५६	व्या	४१	४२	२२	३५	वि	१४	१८	११	३७	४३	५४	५९	कन्या १२।५०	११	१०	१	भ. ११।३७ या., मोहिनी ११ व्र., मई ५ ता. ३१
१२	र	१०	२६	१०	०४	उफा	० ५७	५३ ३१	६ २८	१५ ५४	ह	३५	१४	१९	५९	बा	१०	२६	१०	०४	४७	५३	७ ००	कन्या	१२	११	२	प्रदोषः
१३	सो	४	५८	७	५२	चित्रा	५२	५०	२७	०१	व	२७	३२	१६	५३	तै	४	५८	७	५२	५०	५३	०१	तुला. १६।०१	१३	१२	३	भ. २९।०९ उ., नृसिंह १४
१४	सो	५८	१०	२९	०९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	|A व्रतंपुण्यञ्च, वैशाखस्नानपूर्त्तिः, धर्म प्रीत्यर्थं जलकुंभदानं
१५	मं	५०	२५	२६	०२	स्वा	४७	०९	२४	४३	सि	१८	५४	१३	२५	वि	२४	२४	१५	३७	५३	५२	०१	तुला.	१४	१३	४	भ. १५।३७ या., सग्रासं चन्द्रग्रहणम्, कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमा A

अयनांशाः २३।५३।५१
३ पं. वै.शु. ७ मं. इष्टघटी २८।३०
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	१	११	४	१	२	०	०
१३	२९	२७	१५	२५	१४	१७	१३
३९	५२	३६	०३	३६	४७	३३	३४
५०	००	१४	२२	४५	२४	१२	३९
५८	३८	११	१	३६	५	३	५८
१९	०८	५५	१८	१६	०५	११	१३
भ	मृ	रे	पूफा	मृ	आ	भ	भ
१	२	४व	१व	१	३	२	१



अप्रेल ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२०	मं	०	०६	२४	०५	५८	३३	११	३५	३१	२०	६	२२	६	५४	३१	३७	५	१६	५	५५
२१	बु	०	०७	२२	३८	५८	३१	११	५५	३१	२३	६	२१	६	५४	३१	४०	५	१५	५	५५
२२	गु	०	०८	२१	१०	५८	३०	१२	१५	३१	२५	६	२०	६	५४	३१	४३	५	१४	५	५५
२३	शु	०	०९	१९	३९	५८	२८	१२	३५	३१	२८	६	२०	६	५५	३१	४६	५	१३	५	५६
२४	श	०	१०	१८	०७	५८	२६	१२	५५	३१	३०	६	१९	६	५५	३१	४९	५	१३	५	५६
२५	र	०	११	१६	३३	५८	२४	१३	१५	३१	३२	६	१८	६	५५	३१	५२	५	१२	५	५७
२६	चं	०	१२	१४	५७	५८	२२	१३	३४	३१	३५	६	१८	६	५६	३१	५५	५	११	५	५७
२७	मं	०	१३	१३	१९	५८	२०	१३	५३	३१	३७	६	१७	६	५६	३१	५८	५	१०	५	५७
२८	बु	०	१४	११	३९	५८	१८	१४	१२	३०	३९	६	१६	६	५६	३२	००	५	१०	५	५८
२९	गु	०	१५	०९	५८	५८	१७	१४	३१	३१	४२	६	१६	६	५६	३२	०३	५	०९	५	५८
३०	शु	०	१६	०८	१४	५८	१५	१४	५०	३१	४४	६	१५	६	५७	३२	०६	५	०८	५	५९
१	श	०	१७	०६	२९	५८	१३	१५	०८	३१	४६	६	१५	६	५७	३२	०९	५	०८	५	५९
२	र	०	१८	०४	४२	५८	११	१५	२६	३१	४८	६	१४	६	५७	३२	११	५	०७	५	५९
३	चं	०	१९	०२	५३	५८	१०	१५	४३	३१	५१	६	१४	६	५८	३२	१४	५	०६	६	००
४	मं	०	२०	०१	०३	५८	०८	१६	०१	३१	५३	६	१३	६	५८	३२	१७	५	०६	६	००

मास फलम्

चन्द्रग्रहण, ४ मई २००४, मंगलवार

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो। अग्नि का भय हो तथा कहीं वर्षा में देरी हो, धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों। सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा में सुस्थ हो, अमावस्या रेवती योग सुभिक्षकारक है, शुक्ला ३ को कृतिका होने से मध्यम वर्ष जानना। शुक्ला पंचमी को शनिवार होने से अन्न का ह्रास हो, पूर्णिमा मंगलवार और स्वाति युक्त हाने से व्याधि और दुर्भिक्ष हो।

अयनांशाः २३।५३।५२
४ पं. वै.शु.१५ मं. इष्टघटी २८।४४
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	२	११	४	१	२	०	०
२०	०४	२७	१४	२९	१५	१७	२०
२७	१८	५१	५८	२१	२४	१८	२१
२९	४४	२९	०६	१३	३०	५६	२८
५८	३८	२०	०	२५	५	३	५७
०७	०४	०८	०१	५८	३५	११	५९
भ	मृ	रे	पूफा	मृ	आ	भ	भ
३	४	४	१व	२	३	२	३



ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, ५ मई से १९ मई तक   नवलगढ   चंद्रः

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशास्यकृष्णेति महा., मई २००४
																													इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	बु	४२	०४	२२	४१	विशा	४०	४९	२२	११	व्य	९ ५९	३४ ४८	९ २९	४१ ४७	बा	१६	१८	१२	२२	३३ ५७	५ ५१	७ ०२	वृश्चि.	१६।५०	१५	१४	५	ग्रहण-करिदिन, मार्गी गुरुः २०।३१, मिथुने शुक्रः २९।४९
२	गु	३३	२७	१९	१३	अनु	३४	१४	१९	३२	प	४९	५९	२५	५०	तै	७	४७	८	५७	३३ ००	५०	०२	वृश्चि.		१६	१५	६	भ. २९।३० उ., नारद जयंती, वीणादानं
३	शु	२४	५७	१५	४९	ज्ये	२७	४७	१६	५६	शि	४०	२१	२१	५८	वि	२४	५७	१५	४९	०३	५०	०३	धनु.	१६।५६	१७	१६	७	भ. १५।४९ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१६, टैगोर जयन्ती
४	श	१६	५६	१२	३५	मूल	२१	४८	१४	३२	सि	३१	११	१८	१७	बा	१६	५६	१२	३५	०६	४९	०३	धनु.		१८	१७	८	आर्द्रा. भौमः १०।२७
५	र	९	४२	९	४१	पूषा	१६	३९	१२	२८	सा	२२	४५	१४	५४	तै	९	४२	९	४१	०९	४८	०४	मक.	१८।०१	१९	१८	९	मेषे अश्वि. बुधः ९।०४
६	सो	३	३२	७	१३	उषा	१२	३८	१०	५१	शु	१५	१७	११	५४	व	३	३२	७	१३	१२	४८	०५	मक.		२०	१९	१०	भ. ७।१३ उ. १८।१० या., कृति. रविः २७।२३
७	सो	५८	४३	२९	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	|C कृति. सौरः ६।१८
८	मं	५५	२५	२७	५७	श्रव	९	५९	९	४७	शु	८	५७	९	२२	बा	२६	५२	१६	३२	१५	४७	०५	कुंभे	२१।२८	२१	२०	११	पंचक प्रारम्भः २१।२८, पातस्पर्शः २०।२७, मोक्षः २५।१६, C
९	बु	५३	४२	२७	१५	धनि	८	५२	९	१९	ब्र	३	५१	७	१९	तै	२४	२२	१५	३१	१८	४६	०६	कुंभे		२२	२१	१२	|B राहुः १०।४९, स्वा.-३ केतुः १०।४९
१०	गु	५३	३७	२७	१३	शत	९	२०	९	३०	ऐ	० ५७	०२ २९	५ २८	४७ ४६	व	२३	२९	१५	१०	२१	४६	०६	मीने	२८।०३	२३	२२	१३	भ. १५।१० उ. २७।१३ या.
११	शु	५५	०२	२७	४६	पूभा	११	२२	१०	१८	वि	५६	०८	२८	१२	ब	२४	०९	१५	२५	२४	४५	०७	मीने		२४	२३	१४	अपरा ११ व्र., वृषे रविः १४।१७ (सौरः १७।२७), भर.-१ B
१२	श	५७	४६	२८	५१	उभा	१४	४९	११	४०	प्री	५५	४८	२८	०४	कौ	२६	१५	१६	१५	२७	४५	०७	मीने		२५	२४	१५	|A सावित्री व्र. (मरु.), वक्री शुक्रः १०।२९
१३	र	...	...	...	...	रेव	१९	२९	१३	३२	आ	५६	२०	२८	१६	ग	२९	३४	१७	३४	३०	४४	०८	मेषे	१३।३२	२६	२५	१६	पंचक समाप्तिः १३।३२, प्रदोषः
१३	सो	१	३६	६	२२	अश्वि	२५	०८	१५	४७	सौ	५७	३३	२८	४५	व	१	३६	६	२२	३२	४४	०९	मेषे		२७	२६	१७	भ. ६।२२ उ. १९।१६ या., मासिकशिवरात्री व्र., आर्द्रा.-४ शनिः ९।०९
१४	मं	६	१८	८	१४	भर	३१	३३	१८	२०	शो	५९	१९	२९	२७	श	६	१८	८	१४	३५	४३	०९	वृषे	२५।०१	२८	२७	१८	शनैश्चर जयन्ती, पितृकार्येऽमा., भाऊका ३०, वट A
३०	बु	११	४०	१०	२३	कृति	३८	३३	२१	०८	अ	...	...	...	...	ना	११	४०	१०	२३	३८	४३	१०	वृषे		२९	२८	१९	देवकार्येऽमा., वटपूजनम् मरुस्थले, भाऊका-करिदिन

अयनांशाः २३।५३।५३
५ पं. ज्ये.कृ. ८ मं. इष्टघटी २८।५६
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	२	०	४	२	२	०	०
२७	०८	०१	१५	०१	१६	१६	२७
१३	४५	३६	०१	४५	०५	४८	०६
४४	०१	०२	५०	१५	०१	४१	३८
५७	३८	४७	१	१२	६	३	५७
५६	००	०३	१६	४९	०३	११	४५
कृ	आ	अ	पूफा	मृ	आ	भ	कृ
१	१	१	१	३	३	२	१



मई	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
५ बु	०	२०	५९	११	५८	०६	१६	१८	३१	५५	६	१२	६	५८	३२	१९	५	०५	६	०१
६ गु	०	२१	५७	१७	५८	०५	१६	३५	३१	५७	६	१२	६	५९	३२	२२	५	०५	६	०१
७ शु	०	२२	५५	२२	५८	०३	१६	५२	३१	५९	६	११	६	५९	३२	२४	५	०४	६	०२
८ श	०	२३	५३	२४	५८	०१	१७	०८	३२	०१	६	११	६	५९	३२	२७	५	०३	६	०२
९ र	०	२४	५१	२६	५८	००	१७	२४	३२	०३	६	११	७	००	३२	२९	५	०३	६	०३
१० चं	०	२५	४९	२५	५७	५८	१७	४०	३२	०५	६	१०	७	००	३२	३२	५	०२	६	०३
११ मं	०	२६	४७	२३	५७	५६	१७	५५	३२	०७	६	१०	७	०१	३२	३४	५	०२	६	०३
१२ बु	०	२७	४५	२०	५७	५५	१८	११	३२	०९	६	०९	७	०१	३२	३६	५	०१	६	०४
१३ गु	०	२८	४३	१५	५७	५३	१८	२६	३२	११	६	०९	७	०१	३२	३९	५	०१	६	०४
१४ शु	०	२९	४१	०८	५७	५२	१८	४०	३२	१३	६	०९	७	०२	३२	४१	५	००	६	०५
१५ श	१	००	३९	००	५७	५०	१८	५४	३२	१५	६	०८	७	०२	३२	४३	५	००	६	०५
१६ र	१	०१	३६	५०	५७	४९	१९	०८	३२	१६	६	०८	७	०२	३२	४५	५	००	६	०६
१७ चं	१	०२	३४	३९	५७	४७	१९	२२	३२	१८	६	०८	७	०३	३२	४७	४	५९	६	०६
१८ मं	१	०३	३२	२७	५७	४६	१९	३५	३२	२०	६	०७	७	०३	३२	४९	४	५९	६	०७
१९ बु	१	०४	३०	१३	५७	४५	१९	४८	३२	२२	६	०७	७	०४	३२	५१	४	५८	६	०७

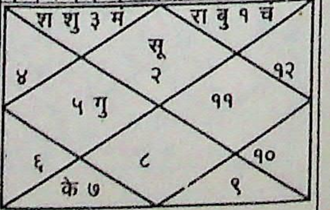
संक्रांति फलम्

ता. १४ मई २००४

ज्ये. कृ. ११ भृगौ वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १४।१७ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम मिश्रा पशून् सुस्वदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुस्वदा मध्यान्हे २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) ७।५३ से १४।१७ तक। (दानं गौ)।

अयनांशाः २३।५३।५४
६ पं. ज्ये.कृ.१४ मं. इष्टघटी २९।०६
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	२	०	४	२	२	०	१
०३	१३	०८	१५	०२	१६	१६	०३
५८	१०	१५	१४	२८	४८	२६	५०
४२	५३	५७	२३	३८	३४	२६	१८
५७	३७	६९	२	३	६	३	५७
४५	५७	५७	३०	०५	२७	११	३३
कृ	आ	अ	पूफा	मृ	आ	भ	कृ
३	२	३	१	३व	४	१	३

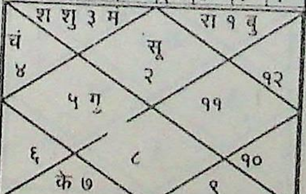


ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, २० मई से ३ जून तक नवलगढ

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः ४४२८, मई-जून २००४ — इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	गु	१७	३२	१२	४३	रोहि	४५	५८	२४	०५	अ	१	२९	६	१८	ब	१७	३२	१२	४३	३३ ४०	५ ४२	७ १०	वृषे	३०	२९	२०	चंद्रदर्शनम् (मु.४५), करिदिनं, श्री गंगादशाश्वमेधस्नान A
२	शु	२३	४३	१५	११	मृग	५३	३५	२७	०८	सु	३	५४	७	१६	कौ	२३	४३	१५	११	४३	४२	११	मिथु. १३।३६	३१	१	२१	रंभा व्रतं, रविलास्सर ४ [A प्रा., सायन मिथुने भानुः २२।१८
३	श	३०	००	१७	४१	आर्द्रा	…	…	…	…	धृ	६	२९	८	१७	ग	३०	००	१७	४१	४५	४१	११	मिथु.	१	२	२२	प्रताप जयंती, भा. ज्येष्ठारंभः, भर. बुधः १९।११
४	र	३६	०२	२०	०६	आर्द्रा	१	१२	६	१०	शू	८	५८	९	१६	व	३	०५	६	५५	४७	४१	१२	कर्के २६।२१	२	३	२३	भ. ६।५५ उ. २०।०६ या.
५	सो	४१	२७	२२	१६	पुन	८	२५	९	०३	गं	११	०८	१०	०८	ब	८	५१	९	१३	५०	४१	१२	कर्के	३	४	२४	रोहि. रविः २३।३९ (सौरः २७।४३)
६	मं	४५	५०	२४	००	पुष्य	१४	४९	११	३६	वृ	१२	३८	१०	४३	कौ	१३	४८	११	१२	५२	४०	१३	कर्के	४	५	२५	पातस्पर्शः १९।१५, मोक्षः २५।५१
७	बु	४८	४५	२५	१०	श्ले	२०	००	१३	४०	ध्रु	१३	११	१०	५६	ग	१७	३०	१२	४०	५४	४०	१४	सिंहे १३।४०	५	६	२६	भ. २५।१० उ.
८	गु	४९	५६	२५	३८	मघा	२३	३७	१५	०७	व्या	१२	३०	१०	३९	वि	१९	३४	१३	२९	५६	४०	१४	सिंहे	६	७	२७	भ. १३।२९ या., दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती
९	शु	४९	१३	२५	२१	पूफा	२५	२६	१५	५०	ह	१०	२३	९	४९	बा	१९	४९	१३	३५	५८	३९	१५	कन्या २१।५४	७	८	२८	(व) वृषे शुक्रः २५।१९
१०	श	४६	३४	२४	१७	उफा	२५	२२	१५	४८	व	६	४५	८	२१	तै	१८	०८	१२	५४	३४ ००	३९	०५	कन्या	८	९	२९	गंगा दशहरा व्र., पुन. भौमः १२।२०
११	र	४२	०५	२२	२९	हस्त	२३	२५	१५	०१	सि	१ ५४	३५ ५६	६ २७	१७ ३७	व	१४	३३	११	२८	०२	३९	१६	तुला. २६।२२	९	१०	३०	भ. ११।२८ उ. २२।२९ या., निर्जला ११ व्र.
१२	सो	३५	५७	२०	०१	चित्रा	१९	४५	१३	३३	व	४७	०१	२४	२७	ब	९	१२	९	२०	०४	३९	१६	तुला.	१०	११	३१	वट सावित्री व्रतारंभः, कृत्ति. बुधः १२।२३
१३	मं	२८	२५	१७	०१	स्वा	१४	३६	११	२९	प	३७	५७	२०	४९	कौ	२	२०	६	३५	०५	३८	१७	वृश्चि. २७।३७	११	१२	१	प्रदोषः, जून ६ ता. ३० [B साध्य व्र., वृषे बुधः १०।१९
१४	बु	१९	५१	१३	३४	विशा	८	१७	८	५७	शि	२८	०५	१६	५२	व	११	५१	१३	३४	०७	३८	१७	वृश्चि.	१२	१३	२	भ. १३।३४ उ. २३।४४ या., गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, अब्द B
१५	गु	१०	३३	९	५१	अनु	१ ५३	१२ ४३	६ २७	०७ ०७	सि	१७	४१	१२	४२	ब	१०	३३	९	५१	०९	३८	१८	धनु. २७।०७	१३	१४	३	मन्वादि, कबीर जयंती, ज्येष्ठी योगः

अयनांशाः २३।५३।५५
७ पं. ज्ये.शु. ६ मं. इष्टघटी २९।१३
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	२	०	४	२	२	०	१
१०	१७	१७	१५	०१	१७	१६	१०
४२	३६	२६	३५	१५	३४	०४	३२
३२	२२	२७	२८	४७	४७	१०	३६
५७	३७	८९	३	२०	६	३	५७
३६	५४	३६	४१	०४	४८	११	२२
रो	आ	भ	पूफा	मृ	आ	भ	रो
१	४	२	१	३व	४	१	१



मई ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२०	गु	१	०५	२७	५७	५७	४३	२०	०१	३२	२३	६	०७	७	०४	३२	५३	४	५८	६	०७
२१	शु	१	०६	२५	४१	५७	४२	२०	१३	३२	२५	६	०६	७	०४	३२	५५	४	५८	६	०८
२२	श	१	०७	२३	२३	५७	४१	२०	२५	३२	२६	६	०६	७	०५	३२	५७	४	५७	६	०८
२३	र	१	०८	२१	०३	५७	३९	२०	३७	३२	२८	६	०६	७	०५	३२	५९	४	५७	६	०९
२४	चं	१	०९	१८	४३	५७	३८	२०	४८	३२	२९	६	०६	७	०५	३३	०१	४	५७	६	०९
२५	मं	१	१०	१६	२१	५७	३७	२०	५९	३२	३१	६	०६	७	०६	३३	०३	४	५७	६	१०
२६	बु	१	११	१३	५८	५७	३६	२१	०९	३२	३२	६	०५	७	०६	३३	०४	४	५६	६	१०
२७	गु	१	१२	११	३४	५७	३४	२१	१९	३२	३४	६	०५	७	०७	३३	०६	४	५६	६	११
२८	शु	१	१३	०९	०८	५७	३३	२१	२९	३२	३५	६	०५	७	०७	३३	०८	४	५६	६	११
२९	श	१	१४	०६	४१	५७	३२	२१	३९	३२	३६	६	०५	७	०७	३३	०९	४	५६	६	११
३०	र	१	१५	०४	१४	५७	३१	२१	४८	३२	३७	६	०५	७	०८	३३	११	४	५६	६	१२
३१	चं	१	१६	०१	४५	५७	३०	२१	५६	३२	३८	६	०५	७	०८	३३	१२	४	५६	६	१२
१	मं	१	१६	५९	१५	५७	२९	२२	०५	३२	४०	६	०५	७	०८	३३	१३	४	५५	६	१३
२	बु	१	१७	५६	४४	५७	२८	२२	१३	३२	४१	६	०५	७	०९	३३	१५	४	५५	६	१३
३	गु	१	१८	५४	१२	५७	२७	२२	२०	३२	४२	६	०५	७	०९	३३	१६	४	५५	६	१४

मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो, यथा- बुधेरसक्षयोभूम्यां, इस माह में गुरुवारें होने से धान्य सस्ता हो यथा- चन्द्रजीवौ यदापंचधान्यादीनां समर्घता। प्रजासुखी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे। कृ. प्रतिपदा को बुधवार होने से वृष्टि का अभाव और दुर्भिक्ष (अन्न की महँगाई) हो लेकिन अमावस्या कृतिका योग सुभिक्ष और सुखद हो। शुक्ला तीज को आर्द्रा में वर्षा हो तो दुर्भिक्ष हो। शुक्ला दशमी को शनिवार और पूर्णिमा अनुराधा युक्त होने से वृष्टि को रोक लगे, गायों में बिमारी फैले, दुर्भिक्ष हो। पूर्णिमा को ज्येष्ठा का अंश होने से महँगाई हो।

अयनांशाः २३।५३।५६
८ घं. ज्ये.शु.१३ मं. इष्टघटी २९।१८
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	२	०	४	१	२	०	१
१७	२२	२८	१६	२८	१८	१५	१७
२५	०१	४५	०४	.१०	२३	४१	१३
२३	३१	०२	३८	३४	१८	५५	४४
५७	३७	१०६	४	३३	७	३	५७
२९	५१	१४	४८	४८	०६	११	१३
रो	पुन	कृ	पूफा	मृ	आ	भ	रो
३	१	१	१	२व	४	१	३



आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, ४ जून से १७ जून तक — नवलगढ — चंद्रः — तारीख

ति.	वा.	च.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.
१	शु	०	५९	६	०२	मूल	४६	२०	२४	१०	सा	७ ५६	०५ ३९	८ २८	२८ १७	कौ	०	५९	६	०२	३४ १०	५ ३८	७ १८	धनु.		१४	१५	४
२	शु	५१	३३	२६	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०
३	श	४२	४१	२२	४२	पूषा	३९	२८	२१	२५	शु	४६	४३	२४	१९	व	१७	०१	१२	२६	११	३८	१८	मक.	२६।४७	१५	१६	५
४	र	३४	४८	१९	३३	उषा	३३	३५	१९	०४	ब्र	३७	३८	२०	४१	ब	८	३५	९	०४	१३	३८	१९	मक.		१६	१७	६
५	सो	२८	१६	१६	५६	श्रव	२९	०३	१७	१५	ऐ	२९	४४	१७	३१	कौ	९	२१	६	१०	१४	३८	१९	कुंभे	२८।३५	१७	१८	७
६	मं	२३	२६	१५	००	धनि	२६	१३	१६	०७	वै	२३	१२	१४	५५	व	२३	२६	१५	००	१५	३८	२०	कुंभे		१८	१९	८
७	बु	२०	३०	१३	५०	शत	२५	१७	१५	४४	वि	१८	१३	१२	५५	व	२०	३०	१३	५०	१६	३८	२०	कुंभे		१९	२०	९
८	ग	१९	३४	१३	२७	पूभा	२६	१९	१६	०९	प्री	१४	५१	११	३४	कौ	१९	३४	१३	२७	१७	३८	२१	मीने	९।५९	२०	२१	१०
९	शु	२०	३४	१३	५१	उभा	२९	१४	१७	१९	आ	१३	०२	१०	५१	ग	२०	३४	१३	५१	१८	३८	२१	मीने		२१	२२	११
१०	श	२३	१८	१४	५७	रेव	३३	४९	१९	०९	सौ	१२	३७	१०	४०	वि	२३	१८	१४	५७	१९	३८	२१	मेषे	११।०९	२२	२३	१२
११	र	२७	२८	१६	३७	अश्वि	३९	४३	२१	३१	शो	१३	१९	१०	५८	बा	२७	२८	१६	३७	२०	३८	२२	मेषे		२३	२४	१३
१२	सो	३२	३९	१८	४१	भर	४६	३९	२४	१४	अ	१४	५३	११	३५	तै	३२	३९	१८	४१	२०	३८	२२	मेषे		२४	२५	१४
१३	मं	३८	२७	२१	०१	कृति	५३	५१	२७	११	सु	१७	०२	१२	२७	ग	५	३०	७	५०	२१	३८	२२	वृषे	६।५७	२५	२६	१५
१४	बु	४४	३४	२३	२८	रोहि	...	...	...	...	घृ	१९	२९	१३	२५	वि	११	२९	१०	१४	२१	३८	२३	वृषे		२६	२७	१६
३०	गु	५०	४५	२५	५६	रोहि	१	२५	६	१२	शू	२२	०१	१४	२७	च	१७	४०	१२	४२	२२	३८	२३	मिथु.	११।४४	२७	२८	१७

ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति महा., जून २००४

इसनें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।

[शुक्रास्तः पश्चिमायाम् ७।५४]

[C बुधास्तः पूर्वस्याम् ८।५० — **शुक्रास्तः**

भ. १२।२६ उ. २२।४२ या.

चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २३।०१, पातस्पर्शः २५।३६, C

पंचक प्रारम्भः २८।३५, पातमोक्षः ७।३९, मृगे रविः २१।३३ B

भ. १५।०० उ. २६।१९ या., पूफा.-२ गुरुः ११।२०

(व) रोहि. शुक्रः १४।०६

[B (सौरः २७।०८), रोहि. बुधः १८।२३

भ. २६।१९ उ.

भ. १४।५७ या., पंचक समाप्तिः १९।०९ — **शुक्रोदयः**

योगिनी ११ व्र., मृगे बुधः २९।११, [शुक्रोदयः पूर्वस्याम् २८।०३]

मिथुने रविः २०।५८ (सौरः २७।२४), कर्के भौमः ८।५७, A

भ. २१।०१ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.

भ. १०।१४ या. [A पुन.-१ शनिः २३।०६

देवपितृकार्येऽमा., मिथुने बुधः ६।३५

अयनांशाः २३।५३।५८

९ पं. आ.कृ. ६ मं. इष्टघटी २९।२०

(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	२	१	४	१	२	०	१
२४	२६	११	१६	२३	१९	१५	२३
०७	२६	५३	४१	५३	१३	१९	५३
२३	२३	३८	२६	१७	४४	३९	५१
५७	३७	१२०	५	३८	७	३	५७
२२	४९	५६	५१	३२	२०	११	०५
मृ	पुन	रो	पूफा	मृ	आ	भ	मृ
१	२	१	२	१व	४	१	१



जून		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेलवे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेलवे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
४	शु	१	१९	५१	३९	५७	२६	२२	२७	३२	४३	६	०५	७	१०	३३	१७	४	५५	६	१४
५	श	१	२०	४९	०५	५७	२५	२२	३४	३२	४३	६	०५	७	१०	३३	१८	४	५५	६	१४
६	र	१	२१	४६	३०	५७	२४	२२	४०	३२	४४	६	०५	७	१०	३३	१९	४	५५	६	१५
७	चं	१	२२	४३	५४	५७	२३	२२	४६	३२	४५	६	०५	७	११	३३	२०	४	५५	६	१५
८	मं	१	२३	४१	१८	५७	२३	२२	५२	३२	४६	६	०५	७	११	३३	२१	४	५५	६	१५
९	बु	१	२४	३८	४०	५७	२२	२२	५७	३२	४६	६	०५	७	११	३३	२२	४	५५	६	१६
१०	गु	१	२५	३६	०२	५७	२१	२३	०१	३२	४७	६	०५	७	१२	३३	२३	४	५५	६	१६
११	शु	१	२६	३३	२३	५७	२०	२३	०६	३२	४८	६	०५	७	१२	३३	२३	४	५५	६	१६
१२	श	१	२७	३०	४३	५७	२०	२३	१०	३२	४८	६	०५	७	१२	३३	२४	४	५५	६	१७
१३	र	१	२८	२८	०३	५७	१९	२३	१३	३२	४९	६	०५	७	१२	३३	२४	४	५५	६	१७
१४	चं	१	२९	२५	२२	५७	१८	२३	१६	३२	४९	६	०५	७	१३	३३	२५	४	५५	६	१७
१५	मं	२	००	२२	४०	५७	१८	२३	१९	३२	४९	६	०५	७	१३	३३	२५	४	५६	६	१८
१६	बु	२	०१	१९	५७	५७	१७	२३	२१	३२	५०	६	०५	७	१३	३३	२६	४	५६	६	१८
१७	गु	२	०२	१७	१४	५७	१६	२३	२३	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१८

संक्रांति फलम्

ता. १४ जून २००४

आषा. कृ. १२ चंद्रे मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २०।५८ नारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्वदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्वदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) २०।५८ से २७।२२ तक । (दान- वस्त्रान्न) ।

अयनांशाः २३।५३।५९

१० पं. आ.कृ.१३. मं. इष्टघटी २९।१९

(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	३	१	४	१	२	०	२
००	००	२६	१७	१९	२०	१४	००
४८	५१	३६	२५	३७	०५	५७	३३
४२	०२	०७	१९	४४	४३	२४	१०
५७	३७	१३१	६	३१	७	३	५७
१७	४८	१७	४९	४७	३२	११	००
मृ	पुन	मृ	पूफा	रो	पुन	भ	मृ
३	४	१	२	३व	१	१	३



आषाढ शुक्लपक्ष संवंत् २०६१, शाकः १९२६, १८ जून से २ जुलाई तक नवलगढ चंद्रः

ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ४४५७, जून-जुलाई २००४

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	शु	५६	४६	२८	२१	मृग	९	००	९	१४	गं	२४	३१	१५	२७	किं	२३	४७	१५	०९	३४ २२	५ ३८	७ २३	मिथु.	२८	२९	१८	|F शनेरस्तः पश्चिमायाम् १३।३३
२	श	...	...	...	...	आर्द्रा	१६	२३	१२	१२	वृ	२६	५१	१६	२३	बा	२९	४१	१७	३१	२२	३९	२३	मिथु.	२९	३०	१९	चंद्रदर्शनम् (मु.४५), श्री जगदीश रथ यात्रा, पुष्ये भौमः १५।५८
२	र	२	२८	६	३८	पुन	२३	२५	१५	०१	ध्रु	२८	५२	१७	१२	कौ	२	२८	६	३८	२२	३९	२४	कर्के ८।१९	३०	१	२०	जमादिलावल ५, पातस्पर्शः २३।१९, आर्द्रा. बुधः ७।१५, F
३	सो	७	३९	८	४२	पुष्य	२९	५१	१७	३५	व्या	३०	२४	१७	४८	ग	७	३९	८	४२	२२	३९	२४	कर्के	३१	२	२१	म.२१।३८ उ., पातमोक्षः ७।३४, आर्द्रा.रविः २०।३५ (सौरः२७।५५), C
४	मं	१२	०१	१०	२८	श्ले	३५	२७	१९	५०	ह	३१	१६	१८	१०	वि	१२	०१	१०	२८	२२	३९	२४	सिंहे १९।५०	१	३	२२	म. १०।२८ या., श्रा. आषाढारंभः, अयन करिदिन
५	बु	१५	२२	११	४८	मघा	३९	५५	२१	३८	व	३१	१४	१८	०९	बा	१५	२२	११	४८	२२	३९	२४	सिंहे	२	४	२३	स्कंध षष्ठी |C सायन कर्के भानुः, सायन दक्षिणायन प्रारम्भ ६।२०
६	गु	१७	२३	१२	३७	पूफा	४३	०१	२२	५२	सि	३०	०९	१७	४३	तै	१७	२३	१२	३७	२२	४०	२४	कन्या २९।०५	३	५	२४	|D २८।२६, बुधोदयः पश्चिमायाम् ८।३९
७	शु	१७	५२	१२	४९	उफा	४४	३४	२३	२९	व्य	२७	४९	१६	४८	व	१७	५२	१२	४९	२१	४०	२५	कन्या	४	६	२५	म. १२।४९ उ. २४।४० या.
८	श	१६	४०	१२	२०	हस्त	४४	२४	२३	२६	व	२४	०८	१५	११	ब	१६	४०	१२	२०	२१	४०	२५	कन्या	५	७	२६	पुन. बुधः १२।३३
९	र	१३	४५	११	१०	चित्रा	४२	३२	२२	४१	प	१९	०३	१३	१८	कौ	१३	४५	११	१०	२०	४१	२५	तुला. ११।०९	६	८	२७	भड़ली ९ |A हरिवासरः १९।१७ से २४।४२ तक, पातस्पर्शः D
१०	सो	९	०६	९	१९	स्वा	३९	००	२१	१७	शि	१२	३५	१०	४३	ग	९	०६	९	१९	२०	४१	२५	तुला.	७	९	२८	म. २०।०९ उ., मन्वादि, आशा दशमी
११	मं	२	५२	६	५०	विशा	३३	५९	१९	१७	सि	४ ५५	४९ ५६	७ २८	३७ ०३	वि	२	५२	६	५०	१९	४१	२५	वृश्चि. १३।५०	८	१०	२९	म.६।५० या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास व्रतारंभः, गोपद्मव्रतोद्यापनं, A
१२	मं	५५	१७	२७	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	|B गोपद्मव्रतारंभ, व्यासपूजा, आषाढी योगः |E मार्गी शुक्रः २०।२६
१३	बु	४६	३६	२४	२०	अनु	२७	४५	१६	४८	शु	४६	०८	२४	०९	कौ	२१	०३	१४	०७	१८	४२	२५	वृश्चि.	९	११	३०	प्रदोषः, श्रावणे वर्जयेच्छाकम्, जया पार्वती व्रतं, पातमोक्षः १०।४३, E
१४	गु	३७	१२	२०	३५	ज्ये	२०	३९	१३	५७	शु	३५	४३	१९	५९	ग	११	५८	१०	२९	१८	४२	२५	धनु. १३।५७	१०	१२	१	म. २०।३५ उ., जुलाई ७ ता. ३१, कर्के बुधः १३।०१
१५	शु	२७	३१	१६	४३	मूल	१३	०६	१०	५७	ब्र	२५	०२	१५	४३	वि	२	२२	६	३९	१७	४२	२५	धनु.	११	१३	२	म. ६।३९ या., वायुपरीक्षा, मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, गुरु पू., B

अयनांशाः २३।५४।००
०१ पं. आ.शु..४ मं. इष्टघटी २९।१६
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	३	२	४	१	२	०	२
०७	०५	११	१८	१६	२०	१४	०७
२९	१५	५७	१५	३६	५८	३५	११
३२	३२	००	४५	२७	५३	०८	५४
५७	३७	१२९	७	१७	७	३	५६
१४	४७	१२	४३	०७	४०	११	५६
आ	पु	आ	पूफा	रो	पुन	भ	आ
१	१	२	२	२व	१	१	१



जून ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
१८	शु	२	०३	१४	३१	५७	१६	२३	२५	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९
१९	श	२	०४	११	४६	५७	१५	२३	२६	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९
२०	र	२	०५	०९	०२	५७	१५	२३	२६	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९
२१	चं	२	०६	०६	१७	५७	१४	२३	२६	३२	५०	६	०६	७	१५	३३	२६	४	५७	६	१९
२२	मं	२	०७	०३	३१	५७	१४	२३	२६	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	१९
२३	बु	२	०८	००	४५	५७	१४	२३	२६	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	२०
२४	गु	२	०८	५७	५९	५७	१३	२३	२५	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	२०
२५	शु	२	०९	५५	१२	५७	१३	२३	२३	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५८	६	२०
२६	श	२	१०	५२	२५	५७	१३	२३	२१	३२	५०	६	०८	७	१५	३३	२६	४	५८	६	२०
२७	र	२	११	४९	३८	५७	१३	२३	१९	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२५	४	५८	६	२०
२८	चं	२	१२	४६	५०	५७	१२	२३	१६	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२५	४	५८	६	२०
२९	मं	२	१३	४४	०३	५७	१२	२३	१३	३२	४८	६	०८	७	१६	३३	२४	४	५९	६	२०
३०	बु	२	१४	४१	१५	५७	१२	२३	१०	३२	४८	६	०९	७	१६	३३	२४	४	५९	६	२०
१	गु	२	१५	३८	२७	५७	१२	२३	०६	३२	४७	६	०९	७	१६	३३	२३	४	५९	६	२१
२	शु	२	१६	३५	३८	५७	१२	२३	०२	३२	४७	६	०९	७	१६	३३	२२	५	००	६	२१

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा - प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे।। दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक. महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो। कृष्णा नौमी को शुक्रवार होने से सुभिक्ष हो। आषाढ कृष्णा चतुर्दशी में रोहिणी होने से राजयुद्ध तथा प्रजा में शोक हो। गुरुवारी अमावस और रोहिणी योग होने से सुवृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हों दुःख का नाश हो। आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो! शुक्ला पंचमी को बुधवार होने से पवन अधिक चले। शुक्ला एकादशी को मंगलवार होने से सुभिक्ष हो।

अयनांशाः २३।५४।०१
१२ पं. आ.शु.११ मं. इष्टघटी २९।११
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	३	२	४	०	२	०	२
१४	०९	२६	१९	१५	२१	१४	१३
१०	३९	२८	१२	२७	५२	१२	५०
०३	५७	१७	१२	१४	५३	५३	१६
५७	३७	११७	८	०	७	३	५६
१२	४६	१८	३१	१८	४६	११	५४
आ	पु	पुन	पूफा	रो	पुन	भ	आ
३	२	२	२	२व	१	१	३



प्र.श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, ३ जुलाई से १७ जुलाई तक नवलगढ																									चंद्रः		तारीख			वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णोति महा., जुलाई २००४
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.		इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	श	१७	५८	१२	५४	पूषा	५ ५८	३४ ३४	७ २९	५६ ०८	ऐ	१४	२९	११	३०	कौ	१७	५८	१२	५४	३४ १६	५ ४३	७ २५	मक.	१३।१३	१२	१४	३		नक्त व्रतारंभः, पुष्ये बुधः ७।२७
२	र	९	०३	९	२०	श्रव	५२	३३	२६	४४	वै	४ ५५	२४ १४	७ २७	२९ ४८	ग	९	०३	९	२०	१५	४३	२५	मक.		१३	१५	४		भ. १९।४२ उ., बृहत्तल्पा, पूफा.-३ गुरुः २८।१६
३	सो	१	१२	६	१२	धनि	४७	५९	२४	५५	प्री	४७	१५	२४	३७	वि	१	१२	६	१२	१३	४३	२५	कुंभे	१३।४५	१४	१६	५		भ. ६।१२ या., पंचक प्रारम्भः १३।४५, चतुर्थीव्रतं B
४	सो	५४	५३	२७	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०		[B चन्द्रोदयः २२।२०, पुन. रविः २०।१२ (सौरः २९।२०)
५	मं	५०	२२	२५	५३	शत	४५	१३	२३	४९	आ	४०	४४	२२	०२	कौ	२२	२२	१४	४१	१२	४४	२५	कुंभे		१५	१७	६		नागपञ्चमी (मरु.)
६	बु	४७	५७	२४	५५	पूभा	४४	३०	२३	३२	सौ	३५	५४	२०	०६	ग	१८	५३	१३	१७	११	४४	२५	मीने	१७।३२	१६	१८	७		भ. २४।५५ उ.
७	गु	४७	४२	२४	५०	उभा	४५	५६	२४	०७	शो	३२	४९	१८	५३	वि	१७	३२	१२	४६	०९	४५	२४	मीने		१७	१९	८		भ. १२।४६ या.
८	शु	४९	३१	२५	३४	रेव	४९	२४	२५	३१	अ	३१	२५	१८	१९	बा	१८	२१	१३	०६	०८	४५	२४	मेषे	२५।३१	१८	२०	९		पंचक समाप्तिः २५।३१
९	श	५३	१०	२७	०२	अश्वि	५४	३८	२७	३७	सु	३१	२९	१८	२१	तै	२१	०७	१४	१३	०६	४६	२४	मेषे		१९	२१	१०		श्लेषा. भौमः २०।१४, श्लेषा. बुधः २४।५६, पुन.-२ शनिः २१।४६
१०	र	५८	१२	२९	०३	भर	...	...	...	...	धृ	३२	४५	१८	५२	व	२५	३१	१५	५९	०५	४६	२४	मेषे		२०	२२	११		भ. १५।५९ उ. २९।०३ या.
११	सो	...	...	...	...	भर	१	१०	६	१५	शू	३४	५२	१९	४३	ब	३१	०४	१८	१२	०३	४७	२४	वृषे	१२।५८	२१	२३	१२		पातस्पर्शः २१।१३, मोक्षः २८।१६
११	मं	४	०५	७	२५	कृति	८	३३	९	१२	गं	३७	२५	२०	४५	बा	४	०५	७	२५	०१	४७	२३	वृषे		२२	२४	१३		कामिका ११ व्र.
१२	बु	१०	२२	९	५६	रोहि	१६	१६	१२	१८	वृ	४०	०४	२१	४९	तै	१०	२२	९	५६	३३ ५९	४८	२३	मिथु.	२५।५०	२३	२५	१४		प्रदोषः [A अश्वि.-४ राहुः ८।३१, स्वा.-२ केतुः ८।३१
१३	गु	१६	३५	१२	२६	मृग	२३	५२	१५	२१	ध्रु	४२	३४	२२	५०	व	१६	३५	१२	२६	५७	४८	२३	मिथु.		२४	२६	१५		भ. १२।२६ उ. २५।३७ या., मासिकशिवरात्री व्र.
१४	शु	२२	२६	१४	४७	आर्द्रा	३१	०६	१८	१५	व्या	४४	४१	२३	४१	श	२२	२६	१४	४७	५५	४९	२३	मिथु.		२५	२७	१६		कर्के रविः ७।५५ (सौरः १८।२३), निरयन दक्षिणायनारंभः, A
३०	श	२७	४१	१६	५४	पुन	३७	४६	२०	५५	ह	४६	२१	२४	२१	ना	२७	४१	१६	५४	५३	४९	२२	कर्के	१४।१७	२६	२८	१७		देवपितृकार्येऽमा., हरियाली ३०, अधिक मासारंभः

अयनांशाः २३।५४।०२
१३ पं. प्र.श्रा.कृ. ५ मं. इष्टघटी २९।०४
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	३	३	४	१	२	०	२
२०	१४	०९	२०	१६	२२	१३	२०
५०	०४	२८	१४	१२	४७	५०	२८
२५	२१	१९	०६	१८	२२	३८	२९
५७	३७	१०३	९	१४	७	३	५६
१२	४७	२९	१६	५५	४८	११	५३
पुन	पु	पु	पूफा	रो	पुन	म	पुन
१	४	२	३	२	१	१	१



जुलाई रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
३	श	२	१७	३२	५०	५७	१२	२२	५७	३२	४६	६	१०	७	१६	३३	२१	५	००	६	२१
४	र	२	१८	३०	०२	५७	१२	२२	५२	३२	४५	६	१०	७	१६	३३	२१	५	००	६	२१
५	चं	२	१९	२७	१४	५७	१२	२२	४६	३२	४५	६	१०	७	१६	३३	२०	५	०१	६	२१
६	मं	२	२०	२४	२५	५७	१२	२२	४०	३२	४४	६	११	७	१६	३३	१९	५	०१	६	२१
७	बु	२	२१	२१	३७	५७	१२	२२	३४	३२	४३	६	११	७	१६	३३	१८	५	०१	६	२०
८	गु	२	२२	१८	४९	५७	१२	२२	२७	३२	४२	६	११	७	१६	३३	१६	५	०२	६	२०
९	शु	२	२३	१६	०१	५७	१२	२२	२०	३२	४१	६	१२	७	१६	३३	१५	५	०२	६	२०
१०	श	२	२४	१३	१३	५७	१२	२२	१३	३२	४०	६	१२	७	१६	३३	१४	५	०३	६	२०
११	र	२	२५	१०	२५	५७	१२	२२	०५	३२	३९	६	१२	७	१६	३३	१३	५	०३	६	२०
१२	चं	२	२६	०७	३७	५७	१३	२१	५७	३२	३८	६	१३	७	१६	३३	११	५	०३	६	२०
१३	मं	२	२७	०४	५०	५७	१३	२१	४८	३२	३७	६	१३	७	१६	३३	१०	५	०४	६	२०
१४	बु	२	२८	०२	०३	५७	१३	२१	३९	३२	३५	६	१३	७	१६	३३	०८	५	०४	६	२०
१५	गु	२	२८	५९	१६	५७	१४	२१	३०	३२	३४	६	१४	७	१५	३३	०७	५	०५	६	१९
१६	शु	२	२९	५६	३०	५७	१४	२१	२०	३२	३३	६	१४	७	१५	३३	०५	५	०५	६	१९
१७	श	३	००	५३	४४	५७	१४	२१	१०	३२	३२	६	१४	७	१५	३३	०४	५	०५	६	१९

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २००४
प्र.श्रा. कृ. १४ भृगौ कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ७।५५ वारात् ५ नक्षत्रात् ५ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः शकुनिकरणे प्रविष्टा महर्घफलं श्वान्वाहनं शार्दूलोपवाहनं सुभिक्षकारक चित्रकवस्त्रं पाशायुधं वस्त्रपात्रं गुड़भक्षणं हरिद्रालेपनं क्षत्रीयजातिः कमलपुष्पं कोडीभूषणं कृष्णजिकंचुकी वंध्यावस्था (उभी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः पूर्वा (स्टै.) १९।५५ से भृगौ ७।५५ तक। (दान- घृत, धेनु)।

अयनांशाः २३।५४।०३
१४ पं. प्र.श्रा.कृ.११ मं.इष्टघटी २८।५६
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	३	३	४	१	२	०	२
२७	१८	२०	२१	१८	२३	१३	२७
३०	२८	४८	२०	३५	४१	२८	०६
५०	५१	५९	५७	३०	५७	२२	४८
५७	३७	८८	९	२७	७	३	५६
१३	४८	४०	५५	१७	४७	११	५५
पुन	श्ले	श्ले	पूफा	रो	पुन	भ	पुन
३	१	२	३	३	२	१	३



प्र.श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, १८ जुलाई से ३१ जुलाई तकनवलगढ चंद्रः

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.
१	र	३२	१७	१८	४४	पुष्य	४३	४५	२३	२०	व	४७	२७	२४	४८	किं	०	०४	५	५१	३३ ५१	५ ५०	७ २२	कर्के	२७	२९	१८
२	सो	३६	०५	२०	१६	श्ले	४८	५८	२५	२५	सि	४७	५७	२५	०१	बा	४	१६	७	३२	४९	५०	२१	सिंहे २५।२५	२८	१	१९
३	मं	३९	०२	२१	२७	मघा	५३	१९	२७	१०	व्य	४७	४५	२४	५७	तै	७	३९	८	५४	४६	५१	२१	सिंहे	२९	२	२०
४	बु	४८	५८	२२	१४	पूफा	५६	४०	२८	३१	व	४६	४६	२४	३३	व	१०	०६	९	५३	४४	५१	२१	सिंहे	३०	३	२१
५	गु	४१	४७	२२	३४	उफा	५८	५४	२९	२५	प	४४	५३	२३	४९	व	११	३०	१०	२८	४२	५२	२०	कन्या १०।४७	३१	४	२२
६	शु	४१	२३	२२	२५	हस्त	५९	५३	२९	४९	शि	४२	०१	२२	४०	कौ	११	४३	१०	३३	३९	५२	२०	कन्या	१	५	२३
७	श	३९	३६	२१	४३	चित्रा	५९	३०	२९	४१	सि	३८	०४	२१	०६	ग	१०	३९	१०	०८	३७	५३	१९	तुला. १७।४९	२	६	२४
८	र	३६	२६	२०	२७	स्वा	५७	४२	२८	५८	सा	३२	५९	१९	०५	वि	८	१०	९	०९	३४	५३	१९	तुला.	३	७	२५
९	सो	३१	४९	१८	३७	विशा	५४	३०	२७	४२	शु	२६	४४	१६	३५	बा	४	१७	७	३६	३१	५४	१८	वृश्चि. २२।०४	४	८	२६
१०	मं	२५	५१	१६	१५	अनु	५०	००	२५	५४	शु	१९	२२	१३	३९	ग	२५	५१	१६	१५	२९	५४	१८	वृश्चि.	५	९	२७
११	बु	१८	४१	१३	२३	ज्ये	४४	२३	२३	४०	ब्र	१०	५८	१०	१८	वि	१८	४१	१३	२३	२६	५५	१७	धनु. २३।४०	६	१०	२८
१२	गु	१०	३५	१०	०९	मूल	३७	५९	२१	०७	ऐ	१ ५२	४५ ००	६ २६	३७ ४३	बा	१०	३५	१०	०९	२३	५५	१७	धनु.	७	११	२९
१३	शु	१	५२	६	४०	पूषा	३१	१०	१८	२४	वि	४१	५८	२२	४३	तै	१	५२	६	४०	२०	५६	१६	मक. २३।४३	८	१२	३०
१४	शु	५२	५७	२७	०६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	श	४४	१४	२३	३८	उषा	२४	२२	१५	४१	प्री	३२	०२	१८	४५	वि	१८	३१	१३	२१	१७	५६	१५	मक.	९	१३	३१

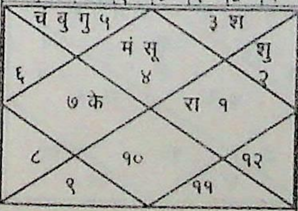
वर्षर्त्तु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ४४८७, जुलाई २००४

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

चंद्रदर्शनम् (मु.३०)
जमादिलास्वर ६, पुष्ये रविः १९।४६, भौमास्तः पश्चिमायाम् १३।१४
पुष्ये सौरः ६।३९, सिंहे मघा. बुधः १०।१८
भ. ९।५३ उ. २२।१४ या.
सायन सिंहे भानुः १७।१९, मृगे शुक्रः १०।००
भा. श्रावणारंभः
भ. २१।४३ उ., पूफा.-४ गुरुः २९।०३
भ. ९।०९ या., शनेरुदयः पूर्वस्याम् १५।४०
पातस्पर्शः १५।२९, मोक्षः २०।२७
भ. २६।५२ उ.
भ. १३।२३ या., कमला ११ व्र.
प्रदोषः
भ. २७।०६ उ.
|A मिथुने शुक्रः १६।५८
भ. १३।२१ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, सिंहे मघा. भौमः २३।४५. A

अयनांशाः २३।५४।०४
१५ पं. प्र.श्रा.शु. ३ मं. इष्टघटी २८।४८
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	३	४	४	१	२	०	३
०४	२२	००	२२	२२	२४	१३	०३
११	५३	२१	३२	१६	३६	०६	४५
३०	३०	५९	१३	४५	१८	०७	२५
५७	३७	७२	१०	३६	७	३	५६
१६	५०	२९	३१	५४	४३	११	५९
पु	श्ले	म	पूफा	रो	पुन	अ	पु
१	२	१	३	४	२	४	१



ता. वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
१८ र	३	०१	५०	५८	५७	१५	२१	००	३२	३०	६	१५	७	१५	३३	०२	५	०६	६	१९
१९ चं	३	०२	४८	१३	५७	१५	२०	४९	३२	२९	६	१५	७	१५	३३	००	५	०६	६	१८
२० मं	३	०३	४५	२८	५७	१६	२०	३८	३२	२७	६	१५	७	१४	३२	५८	५	०७	६	१८
२१ बु	३	०४	४२	४४	५७	१६	२०	२६	३२	२६	६	१६	७	१४	३२	५७	५	०७	६	१८
२२ गु	३	०५	४०	००	५७	१७	२०	१५	३२	२४	६	१६	७	१४	३२	५५	५	०८	६	१७
२३ शु	३	०६	३७	१७	५७	१७	२०	०२	३२	२३	६	१७	७	१४	३२	५३	५	०८	६	१७
२४ श	३	०७	३४	३४	५७	१८	१९	५०	३२	२१	६	१७	७	१३	३२	५१	५	०८	६	१७
२५ र	३	०८	३१	५२	५७	१९	१९	३७	३२	१९	६	१७	७	१३	३२	४९	५	०९	६	१६
२६ चं	३	०९	२९	११	५७	१९	१९	२४	३२	१७	६	१८	७	१३	३२	४७	५	०९	६	१६
२७ मं	३	१०	२६	३०	५७	२०	१९	१०	३२	१६	६	१८	७	१२	३२	४५	५	१०	६	१५
२८ बु	३	११	२३	५०	५७	२१	१८	५७	३२	१४	६	१८	७	१२	३२	४२	५	१०	६	१५
२९ गु	३	१२	२१	११	५७	२२	१८	४३	३२	१२	६	१९	७	११	३२	४०	५	१०	६	१४
३० शु	३	१३	१८	३३	५७	२२	१८	२८	३२	१०	६	१९	७	११	३२	३८	५	११	६	१४
३१ श	३	१४	१५	५५	५७	२३	१८	१३	३२	०८	६	१९	७	११	३२	३६	५	११	६	१३

मास फलम्

इस वर्ष में दो श्रावण नेष्ट फलप्रद है, श्रावण माह में पांच शनिवार होंने से दुर्भिक्ष हो यथा- दुर्भिक्षंपंचमंदेषु। स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे। श्रावण कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों। श्रावण की नौमी शनिवार होने से संतापकारक हो और राजनीति प्रभावित हो। कृष्णा एकादशी को कृत्तिका होने से मध्यम फल हो। कृष्णा चतुर्दशी को आर्द्रा होने से अन्नादि भाव में तेजी हो। अमावस्या पुनर्वसु योग समर्थता कारक है। शुक्ला सप्तमी शनिवार योग सुवृष्टिकारक है।

अयनांशाः २३।५४।०५
१६ पं.प्र.श्रा.शु.१० मं.इष्टघटी २८।३८
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	३	४	४	१	२	०	३
१०	२७	०७	२३	२६	२५	१२	१०
५२	१८	५६	४७	५८	३०	४३	२४
३४	२४	१५	२५	१७	०३	५१	३४
५७	३७	५४	११	४४	७	३	५७
२०	५२	११	०२	१७	३७	११	०५
पु	श्ले	म	पूफा	मृ	पुन	अ	पु
३	४	३	४	२	२	४	३



द्वि.श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, १ अगस्त से १६ अगस्त तक   नवलगढ   चंद्रः तारीख

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे.	ता.	भा.	मु.	इं.	वर्षर्त्तु रविर्दक्षिणे प्र.श्रावणकृष्णोति महा., अगस्त २००४ — इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	र	३६	१०	२०	२५	श्रव	१८	०४	१३	१०	आ	२२	३३	१४	५८	बा	१०	०४	९	५९	३३ १४	५ ५७	७ १५	कुंभे	२४।०३	१०	१४	१	पंचक प्रारम्भः २४।०३, अगस्त ८ ता. ३१, तिलकपुण्यतिथि
२	सो	२९	१२	१७	३८	धनि	१२	४३	११	०३	सौ	१३	५४	११	३१	तै	२	३१	६	५८	११	५७	१४	कुंभे		११	१५	२	भ. २८।२८ उ., श्लेषा. रविः १८।४२
३	मं	२३	४६	१५	२८	शत	८	४७	९	२९	शो	६	२६	८	३२	वि	२३	४६	१५	२८	०८	५८	१३	मीने	२६।४६	१२	१६	३	भ. १५।२८ या., अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।२६, श्लेषा. B
४	बु	२०	१०	१४	०३	पूभा	६	३७	८	३७	अ	० ५५	२३ ५९	६ २८	०८ २२	बा	२०	१०	१४	०३	०५	५८	१३	मीने		१३	१७	४	[B सौरः ७।०६, पूफा. बुधः २६।१५
५	गु	१८	३७	१३	२६	उभा	६	२६	८	३३	घृ	५३	१४	२७	१७	तै	१८	३७	१३	२६	०२	५९	१२	मीने		१४	१८	५	पुन.-३ शनिः २४।४८
६	शु	१९	१३	१३	४१	रेव	८	२०	९	२०	शू	५२	०९	२६	५१	व	१९	१३	१३	४१	३२ ५९	५९	११	मेषे	९।२०	१५	१९	६	भ. १३।४१ उ. २६।०६ या., पंचक समाप्तिः ९।२०
७	श	२१	४९	१४	४४	अश्वि	१२	१५	१०	५४	गं	५२	३०	२७	००	ब	२१	४९	१४	४४	५६	६ ००	१०	मेषे		१६	२०	७	पातस्पर्शः १९।०१, मोक्षः २४।०९
८	र	२६	०७	१६	२७	भर	१७	५२	१३	०९	वृ	५४	०२	२७	३७	कौ	२६	०७	१६	२७	५२	०१	०९	वृषे	११।४८	१७	२१	८	आर्द्रा. शुक्रः १६।०७
९	सो	३१	४१	१८	४१	कृति	२४	४५	१५	५५	ध्रु	५६	१८	२८	३२	ग	३१	४१	१८	४१	४९	०१	०९	वृषे		१८	२२	९	[C वक्री बुधः २२।४५
१०	मं	३७	५३	२१	११	रोहि	३२	१९	१८	५७	व्या	५८	५४	२९	३५	व	४	४४	७	५५	४६	०२	०८	वृषे		१९	२३	१०	भ. ७।५५ उ. २१।११ या., बुधास्तः पश्चिमायाम् १९।२६, C
११	बु	४४	०९	२३	४२	मृग	३९	५९	२२	०२	ह	...	...	...	...	व	११	०३	१०	२७	४२	०२	०७	मिथु.	८।३०	२०	२४	११	कमला ११ व्र., उफा.-१ गुरुः १८।०७
१२	गु	४९	५८	२६	०२	आर्द्रा	४७	१४	२४	५६	ह	१	२४	६	३६	कौ	१७	०७	१२	५३	३९	०३	०६	मिथु.		२१	२५	१२	[A मघा. रविः १६।२४ (सौरः २९।५८), (व) मघा. बुधः १०।१५
१३	शु	५४	५९	२८	०३	पुन	५३	४४	२७	३३	व	३	२८	७	२६	ग	२२	३५	१५	०५	३६	०३	०५	कर्के	२०।५६	२२	२६	१३	भ. २८।०३ उ., प्रदोषः
१४	श	५९	०२	२९	४०	पुष्य	५९	१८	२९	४७	सि	४	५३	८	०१	वि	२७	०७	१६	५४	३२	०४	०४	कर्के		२३	२७	१४	भ. १६।५४ या., मासिकशिवरात्री व्र.
३०	र	...	...	...	...	श्ले	...	...	...	...	व्य	५	३४	८	१८	च	३०	३९	१८	२०	२९	०४	०४	कर्के		२४	२८	१५	पितृकार्येऽमा., भारतीयस्वतंत्रतादिवस
३०	सो	२	०२	६	५३	श्ले	३	५२	७	३७	व	५	२६	८	१५	ना	२	०२	६	५३	२५	०५	०३	सिंहे	७।३७	२५	२९	१६	देवकार्येऽमा., सोमवती अमा., अधिक मास समाप्तिः सिंहे A

अयनांशाः २३।५४।०६
१७ पं. द्वि.श्रा.कृ. ३ मं. इष्टघटी २८।२९
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	४	४	४	२	२	०	३
१७	०१	१३	२५	०२	२६	१२	१७
३४	४३	०८	०६	२६	२२	२१	०४
१३	३८	३५	०४	०६	५१	३६	२७
५७	३७	३०	११	४९	७	३	५७
२६	५५	१६	३०	५७	२७	११	१२
श्ले	म	म	पूफा	मृ	पुन	अ	श्ले
१	१	४	४	३	२	४	१



ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
अगस्त		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेलवे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेलवे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
१	र	३	१५	१३	१८	५७	२४	१७	५८	३२	०६	६	२०	७	१०	३२	३३	५	१२	६	१३
२	चं	३	१६	१०	४२	५७	२५	१७	४३	३२	०५	६	२०	७	१०	३२	३१	५	१२	६	१२
३	मं	३	१७	०८	०७	५७	२६	१७	२८	३२	०३	६	२०	७	०९	३२	२९	५	१२	६	१२
४	बु	३	१८	०५	३३	५७	२७	१७	१२	३२	०१	६	२१	७	०९	३२	२६	५	१३	६	११
५	गु	३	१९	०३	००	५७	२८	१६	५६	३१	५८	६	२१	७	०८	३२	२४	५	१३	६	११
६	शु	३	२०	००	२७	५७	२९	१६	३९	३१	५६	६	२१	७	०८	३२	२१	५	१४	६	१०
७	श	३	२०	५७	५६	५७	३०	१६	२३	३१	५४	६	२१	७	०७	३२	१९	५	१४	६	०९
८	र	३	२१	५५	२६	५७	३१	१६	०६	३१	५२	६	२२	७	०७	३२	१६	५	१४	६	०९
९	चं	३	२२	५२	५७	५७	३२	१५	४८	३१	५०	६	२२	७	०६	३२	१३	५	१५	६	०८
१०	मं	३	२३	५०	२९	५७	३३	१५	३१	३१	४८	६	२२	७	०५	३२	११	५	१५	६	०७
११	बु	३	२४	४८	०२	५७	३४	१५	१३	३१	४६	६	२३	७	०५	३२	०८	५	१५	६	०७
१२	गु	३	२५	४५	३६	५७	३५	१४	५५	३१	४३	६	२३	७	०४	३२	०५	५	१६	६	०६
१३	शु	३	२६	४३	१२	५७	३७	१४	३७	३१	४१	६	२३	७	०४	३२	०३	५	१६	६	०५
१४	श	३	२७	४०	४८	५७	३८	१४	१९	३१	३९	६	२३	७	०३	३२	००	५	१७	६	०५
१५	र	३	२८	३८	२६	५७	३९	१४	००	३१	३७	६	२४	७	०२	३१	५७	५	१७	६	०४
१६	चं	३	२९	३६	०५	५७	४०	१३	४१	३१	३४	६	२४	७	०२	३१	५४	५	१७	६	०३

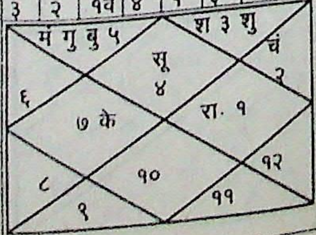
संक्रांति फलम्

ता. १६ अगस्त २००४

द्वि.श्रा. कृ. ३० चंद्रे सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १६।२४ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः किंस्तुघ्नकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं कुकुटवाहनं वानरोपवाहनं अपमृत्युकारक श्यामवस्त्रं बाणायुधं वंशपात्रं शर्कराभक्षणं कपूरलेपनं संकरजातिः जपापुष्पं स्वर्णभूषणं पाण्डुरकंचुकी प्रव्राजिकावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १०।०० से १६।२४ तक । (दान- छत्र) ।

अयनांशाः २३।५४।०७
१८ पं.द्वि.श्रा.कृ.१० मं.इष्टघटी २८।२०
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	४	४	४	२	२	०	३
२४	०६	१५	२६	०८	२७	११	२३
१६	०९	०३	२७	२९	१४	५९	४५
३८	१८	१८	४३	४१	२०	२१	१९
५७	३७	४	११	५४	७	३	५७
३४	५९	२२	५३	२३	१३	११	२१
श्ले	म	पूफा	पूफा	आ	पुन	अ	श्ले
३	२	१व	४	१	३	४	३

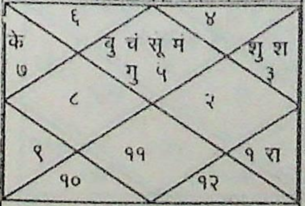


द्वि.श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, १७ अगस्त से ३० अगस्त तक नवलगढ चंद्रः तारीख | वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ४५१७, अगस्त २००४

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	मं	४	०२	७	४२	मघा	७	२७	९	०४	प	४	३१	७	५४	ब	४	०२	७	४२	३२/२१	६/०५	७/०२	सिंहे	२६	३०	१७	चंद्रदर्शनम्(मु.३०), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे [L पुन. शुक्रः १९।२५
२	बु	५	०६	८	०८	पूफा	१०	०७	१०	०८	शि	२	५१	७	१४	कौ	५	०६	८	०८	१८	०६	०१	कन्या १६।२१	२७	१	१८	तीज, स्वर्णगौरी व्र., मधुश्रवा व्र.(गुर्जरे), सुकृत तृतीया व्र., रजव ७
३	गु	५	१३	८	११	उफा	११	५२	१०	५१	सि	०/५७	२७/२०	६/२९	१७/०२	ग	५	१३	८	११	१४	०६	००	कन्या	२८	२	१९	भ. २०।०५ उ., वरद चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्र. [G पूफा.भौमः २५।०२
४	शु	४	२५	७	५३	हस्त	१२	४२	११	११	ग	५३	२७	२७	२९	वि	४	२५	७	५३	११	०७	६/५१	तुला. २३।१४	२९	३	२०	भ. ७।५३ या., नागपञ्चमी, नागदष्ट व्र., सामवेदि उपाकर्म
५	श	२	४१	७	११	चित्रा	१२	३७	११	१०	शु	४८	४८	२५	३८	बा	२	४१	७	११	०७	०७	५८	तुला.	३०	४	२१	कल्की जयंती, वर्णषष्ठी, पातस्पर्शः ११।३९, मोक्षः १५।५०, G
६	श	५९	५९	३०	०७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[C रविः १२।२४ (सौरः २६।४२), बुधोदयः पुर्वस्याम् २३।२१
७	र	५६	१७	२८	३९	स्वा	११	३४	१०	४५	ब्र	४३	१९	२३	२७	ग	२८	१५	१७	२५	०३	०८	५७	वृश्चि. २८।११	३१	५	२२	भ.२८।३९ उ., शीतला, तुलसीजयंती, सायनकन्यायां भानुः२४।२८, L
८	सो	५१	३५	२६	४६	विशा	९	३१	९	५६	ऐ	३७	०३	२०	५७	वि	२४	०३	१५	४५	००	०८	५६	वृश्चि.	१	६	२३	भ.१५।४५ या.,दुर्गाष्टमी, रोटकव्रतारंभः,सोमेश्वरपूजनं, भा.भाद्रपदारंभः
९	मं	४५	५६	२४	३१	अनु	६	२९	८	४४	वै	२९	५९	१८	०८	बा	१८	५२	१३	४१	३१	०९	५५	वृश्चि.	२	७	२४	[A हयग्रीव जयंती, नारियल १५, सूणमाण्डणा (भद्रा के पूर्व), B
१०	बु	३९	३०	२१	५७	ज्ये	२	३३	७	१०	वि	२२	१३	१५	०२	तै	१२	४८	११	१६	५२/५६	०९	५४	धनु. ७।१०	३	८	२५	[B यजुर्वेदि, तैतरीय, हिरण्यकेशीय, बौधायन, काण्वमध्यान्दिन D
११	गु	३२	२६	१९	०८	पूषा	५२/४७	३६/१२	२७/२९	१३/१८	प्री	१३	५२	११	४२	व	६	००	८	३४	४८	०९	५३	धनु.	४	९	२६	भ. ८।३४ उ. १९।०८ या., पवित्रां ११ व्र., अगस्त्योदयः २६।३२
१२	शु	२५	०२	१६	११	उषा	४७	१०	२५	०२	आ	५	१०	८	१४	बा	२५	०२	१६	११	४४	१०	५२	मक. ८।४०	५	१०	२७	प्रदोषः, दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं,कन्यायां उफा.-२ गुरुः २५।१९
१३	श	१७	३६	१३	१३	श्रव	४१	५१	२२	५५	शो	४७	४१	२५	१५	तै	१७	३६	१३	१३	४१	१०	५१	मक.	६	११	२८	ऋग्वेदि उपाकर्म [D (कात्या.), अथर्ववेदि उपाकर्म
१४	र	१०	३३	१०	२४	धनि	३७	०४	२१	०१	अ	३६/५६	३०/२१	२१/२८	५९/४३	व	१०	३३	१०	२४	३७	११	५०	कुंभे ९।५६	७	१२	२९	भ.१०।२४ उ. २१।०६ या., पंचक प्रारम्भः ९।५६, पूर्णिमा व्रतं, A
१५	सो	४	१३	७	५३	शत	३३	१३	१९	२८	सु	३२	०५	१९	०१	ब	४	१३	७	५३	३३	११	४९	कुंभे	८	१३	३०	पूर्णिमापुण्यं, रक्षाबंधनं, श्रावणी(मरु), आपस्तंभ उपाकर्म, पूफा. C

अयनांशाः २३।५४।०८
१९ पं. द्वि.श्रा.शु. १ मं. इष्टघटी २८।११
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	४	४	४	२	२	०	४
००	१०	१२	२७	१५	२८	११	००
५९	३५	३१	५५	०१	०४	३७	२७
५९	२७	३१	५६	१६	०७	०५	१८
५७	३८	४३	१२	५७	६	३	५७
४२	०४	११	१३	५२	५७	११	३२
म	म	म	उफा	आ	पुन	अ	म
१	४	४व	१	३	३	४	१



ता	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	दि.मा. घ.	दि.मा. प.	सू. उ. घं.	सू. उ. मि.	सू. अ. घं.	सू. अ. मि.	दि.मा. घ.	दि.मा. प.	सू. उ. घं.	सू. उ. मि.	सू. अ. घं.	सू. अ. मि.
		अगस्त रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्बे-टाईम					
१७	मं	४	००	३३	४५	५७	४२	१३	२२	३१	३२	६	२४	७	०१	३१	५२	५	१८	६	०२
१८	बु	४	०१	३१	२७	५७	४३	१३	०३	३१	३०	६	२४	७	००	३१	४९	५	१८	६	०२
१९	गु	४	०२	२९	१०	५७	४४	१२	४३	३१	२७	६	२५	७	००	३१	४६	५	१८	६	०१
२०	शु	४	०३	२६	५४	५७	४६	१२	२४	३१	२५	६	२५	६	५९	३१	४३	५	१९	६	००
२१	श	४	०४	२४	४०	५७	४७	१२	०४	३१	२३	६	२५	६	५८	३१	४०	५	१९	५	५९
२२	र	४	०५	२२	२७	५७	४९	११	४४	३१	२०	६	२५	६	५७	३१	३७	५	१९	५	५८
२३	चं	४	०६	२०	१६	५७	५०	११	२३	३१	१८	६	२६	६	५७	३१	३४	५	२०	५	५७
२४	मं	४	०७	१८	०६	५७	५१	११	०३	३१	१५	६	२६	६	५६	३१	३१	५	२०	५	५७
२५	बु	४	०८	१५	५७	५७	५३	१०	४२	३१	१३	६	२६	६	५५	३१	२८	५	२०	५	५६
२६	गु	४	०९	१३	५०	५७	५४	१०	२१	३१	१०	६	२६	६	५४	३१	२६	५	२१	५	५५
२७	शु	४	१०	११	४५	५७	५६	१०	००	३१	०८	६	२६	६	५४	३१	२३	५	२१	५	५४
२८	श	४	११	०९	४१	५७	५८	९	३९	३१	०५	६	२७	६	५३	३१	१९	५	२१	५	५३
२९	र	४	१२	०७	३८	५७	५९	९	१८	३१	०३	६	२७	६	५२	३१	१६	५	२२	५	५२
३०	चं	४	१३	०५	३८	५८	०१	८	५७	३१	००	६	२७	६	५१	३१	१३	५	२२	५	५१

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार और पांच सोमवार शुभद एवं धान्यादि भाव में मंदी कारक है, दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो । कृ.सप्तमी शनिवार योग वृष्टिकारक है, कृष्णा एकादशी मृगशिरा नेष्ट फलकारक है, अमावस्या को रविवार और आश्लेषा होने से अरिष्टकारी योग बनता है लेकिन सोमवती अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति और समर्घता कारक हो । शुक्ला सप्तमी को स्वाति नक्षत्र सुभिक्ष कारक है । पूर्णिमा को श्रवण का अभाव होने से महर्धता हो ।

अयनांशाः २३।५४।०९
२० पं. द्वि.श्रा.शु. ९मं.इष्टघटी २८।०३
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	४	४	४	२	२	०	४
०७	१५	०६	२९	२१	२८	११	०७
४४	०२	३३	१८	५५	५१	१४	१०
२३	१३	५०	१६	०४	५१	५०	३६
५७	३८	५२	१२	६०	६	३	५७
५२	१०	०६	२९	४०	३८	११	४४
म	पूफा	म	उफा	पुन	पुन	अ	म
३	१	२व	१	१	३	४	३



भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६,: ३१ अगस्त से १४ सितंबर तक नवलगढ चंद्रः तारीख

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.
१	सो	५९	०२	२९	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०
२	मं	५५	१६	२८	१८	पूभा	३०	३९	१८	२७	धृं	२५	४२	१६	२९	तै	२६	५६	१६	५८	३१ २९	६ १२	६ ४७	मीने	१२।३९	९	१४	३१
३	बु	५३	१२	२७	२९	उभा	२९	३९	१८	०४	शू	२०	३७	१४	२७	व	२४	००	१५	४८	२५	१२	४६	मीने		१०	१५	१
४	गु	५२	५९	२७	२४	रेव	३०	२७	१८	२३	गं	१६	५७	१२	५९	ब	२२	५१	१५	२१	२१	१३	४५	मेषे	१८।२३	११	१६	२
५	शु	५४	४१	२८	०५	अश्वि	३३	०६	१९	२८	वृ	१४	४६	१२	०८	कौ	२३	३५	१५	३९	१७	१३	४४	मेषे		१२	१७	३
६	श	५८	०९	२९	२९	भर	३७	३२	२१	१४	ध्रु	१४	०३	११	५१	ग	२६	१२	१६	४२	१३	१४	४३	वृषे	२७।४७	१३	१८	४
७	र	...	...	...	...	कृति	४३	२९	२३	३८	व्या	१४	३८	१२	०५	वि	३०	२७	१८	२५	१०	१४	४२	वृषे		१४	१९	५
७	सो	३	०४	७	२८	रोहि	५०	३२	२६	२७	ह	१६	१६	१२	४५	ब	३	०४	७	२८	०६	१५	४१	वृषे		१५	२०	६
८	मं	८	५८	९	५०	मृग	५८	०६	२९	२९	व	१८	३२	१३	४०	कौ	८	५८	९	५०	०२	१५	४०	मिथु.	१५।५८	१६	२१	७
९	बु	१५	१४	१२	२१	आर्द्रा	...	...	...	...	सि	२१	००	१४	३९	ग	१५	१४	१२	२१	३० ५८	१५	३९	मिथु.		१७	२२	८
१०	गु	२१	१२	१४	४५	आर्द्रा	५	३०	८	२८	व्य	२३	११	१५	३२	वि	२१	१२	१४	४५	५४	१६	३७	कर्के	२८।३२	१८	२३	९
११	शु	२६	२०	१६	४८	पुन	१२	१४	११	१०	व	२४	४४	१६	१०	बा	२६	२०	१६	४८	५०	१६	३६	कर्के		१९	२४	१०
१२	श	३०	१६	१८	२३	पुष्य	१७	५३	१३	२६	प	२५	२१	१६	२५	तै	३०	१६	१८	२३	४६	१७	३५	कर्के		२०	२५	११
१३	र	३२	५२	१९	२६	श्ले	२२	१४	१५	११	शि	२४	५७	१६	१६	ग	१	४३	६	५८	४२	१७	३४	सिंहे	१५।११	२१	२६	१२
१४	सो	३४	०६	१९	५६	मघा	२५	१६	१६	२४	सि	२३	२९	१५	४१	वि	३	३८	७	४५	३८	१८	३३	सिंहे		२२	२७	१३
३०	मं	३४	०५	१९	५६	पूफा	२७	०४	१७	०८	सा	२१	०१	१४	४३	च	४	१३	७	५९	३४	१८	३२	कन्या	२३।१५	२३	२८	१४

शरदृत्तू रविर्दक्षिणे द्वि.श्रावणकृष्णेति महा., अगस्त-सितंबर २००४

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

[A चंद्रषष्ठी (मरु.), बृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), हलषष्ठी, C
[C पुष्ये शुक्रः १७।१६, कर्के पुन.-४ शनिः १०।१३
भ. १५।४८ उ. २७।२९ या., कज्जली(बूढी ३), सितंबर २ ता. ३०, G
पंचक समाप्तिः १८।२३, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।५७, पातस्पर्शः D
[G कर्के शुक्रः १३।३९
भ. २९।२९ उ., [गुरोरस्तः पश्चिमायाम् २९।५३] A

गुरोरस्तः

भ. १८।२५ या., शीतला व्र.
मन्वादि, जन्माष्टमी व्र. स्मा.
जन्माष्टमी व्र. वैष्ण. [D १३।१३, मोक्षः १७।१६, मार्गी बुधः ३०।००
भ. २५।३५ उ., गोगानवमी
भ. १४।४५ या.
अजा ११ व्र., जैनपर्युषण, वत्सपूजा
उफा. भौमः २२।४१ [E उफा.-३ गुरुः १७।१५
भ. १९।२६ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., उफा. रविः ३०।१७, E
भ. ७।४५ या., उफा. सौरः २०।५३ [B लोहार्गल स्ना., मातृ ३०
कुशाग्रहणी, पिठोरी ३०, देवपितृकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, B

अयनांशाः २३।५४।१०
२१ पं. भा.कृ. २ मं. इष्टघटी २७।५४
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

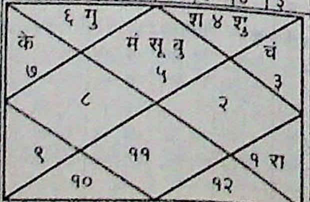
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	४	४	५	२	२	०	४
१४	१९	०२	००	२९	२९	१०	१३
३०	२९	०७	४६	०६	३७	५२	५५
०१	३९	०२	१९	४६	०९	३४	२३
५८	३८	१२	१२	६२	६	३	५७
०३	१६	१९	४२	५६	१५	११	५७
पूफा १	पूफा २	म १व	उफा २	पुन ३	पुन ३	अ ४	पूफा १



अगस्त रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाइम						रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेलवे-टाइम						कलकता रेलवे-टाइम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
३१	मं	४	१४	०३	३८	५८	०२	८	३५	३०	५८	६	२७	६	५०	३१	१०	५	२२	५	५०
१	बु	४	१५	०१	४१	५८	०४	८	१३	३०	५५	६	२७	६	५०	३१	०७	५	२२	५	४९
२	गु	४	१५	५९	४५	५८	०६	७	५१	३०	५३	६	२८	६	४९	३१	०४	५	२३	५	४८
३	शु	४	१६	५७	५१	५८	०७	७	२९	३०	५०	६	२८	६	४८	३१	०१	५	२३	५	४७
४	श	४	१७	५५	५८	५८	०९	७	०७	३०	४८	६	२८	६	४७	३०	५८	५	२३	५	४७
५	र	४	१८	५४	०७	५८	११	६	४५	३०	४५	६	२८	६	४६	३०	५५	५	२४	५	४६
६	चं	४	१९	५२	१८	५८	१३	६	२३	३०	४३	६	२८	६	४५	३०	५२	५	२४	५	४५
७	मं	४	२०	५०	३१	५८	१४	६	००	३०	४०	६	२८	६	४४	३०	४९	५	२४	५	४४
८	बु	४	२१	४८	४५	५८	१६	५	३८	३०	३७	६	२९	६	४४	३०	४६	५	२४	५	४३
९	गु	४	२२	४७	०१	५८	१८	५	१५	३०	३५	६	२९	६	४३	३०	४२	५	२५	५	४२
१०	शु	४	२३	४५	१९	५८	२०	४	५३	३०	३२	६	२९	६	४२	३०	३९	५	२५	५	४१
११	श	४	२४	४३	३९	५८	२२	४	३०	३०	३०	६	२९	६	४१	३०	३६	५	२५	५	४०
१२	र	४	२५	४२	०१	५८	२३	४	०७	३०	२७	६	२९	६	४०	३०	३३	५	२६	५	३९
१३	चं	४	२६	४०	२४	५८	२५	३	४४	३०	२४	६	२९	६	३९	३०	३०	५	२६	५	३८
१४	मं	४	२७	३८	४९	५८	२७	३	२१	३०	२२	६	३०	६	३८	३०	२७	५	२६	५	३७

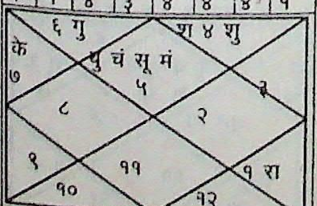
अयनांशाः २३।५४।११
२२ पं. भा.कृ. ८ मं. इष्टघटी २७।४६
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	४	४	५	३	३	०	४
२१	२३	०३	०२	०६	००	१०	२०
१६	५७	३३	१५	३३	१९	३०	४१
५९	५०	२८	४०	०८	३८	१९	४५
५८	३८	४५	१२	६४	५	३	५८
१५	२३	१६	५१	४९	४९	११	११
पूफा ३	पूफा ४	म २	उफा २	पु १	पुन ४	अ ४	पूफा ३



अयनांशाः २३।५४।१२
२३ पं. भा.कृ.३० मं. इष्टघटी २७।३९
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	४	४	५	३	३	०	४
२८	२८	५१	०३	१४	००	१०	२७
०५	२६	२०	४५	११	५८	०८	२९
२३	५२	००	५४	४०	५६	०३	५१
५८	३८	९०	१२	६६	५	३	५८
२८	.३०	४०	५६	२३	२०	१०	२७
उफा १	उफा १	म ४	उफा ३	पु ४	पुन ४	अ ४	उफा १



भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, १५ सितंबर से २८ सितंबर तक नवलगढ

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.
१	बु	३२	५८	११	३०	उफा	२७	४६	१७	२५	शु	१७	४०	१३	२३	किं	३	३९	७	४६	३० / ३०	६ / १९	६ / ३०	कन्या	२४	२९	१५
२	गु	३०	५४	१८	४१	हस्त	२७	३१	१७	२०	शु	१३	३०	११	४३	बा	२	०२	७	०८	२६	१९	२९	तुला. २९।०९	२५	३०	१६
३	शु	२८	०२	१७	३२	चित्रा	२६	२८	१६	५५	ब्र	८	४१	९	४८	ग	२८	०२	१७	३२	२२	१९	२८	तुला.	२६	१	१७
४	श	२४	२७	१६	०७	स्वा	२४	४३	१६	१३	ऐ	३ / ५७	१५ / २०	७ / २१	३८ / १६	वि	२४	२७	१६	०७	१७	२०	२७	तुला.	२७	२	१८
५	र	२०	१६	१४	२७	विशा	२२	२१	१५	१७	वि	५०	५५	२६	४३	बा	२०	५६	१४	२७	१३	२०	२६	वृश्चि. ९।३२	२८	३	१९
६	सो	१५	३३	१२	३४	अनु	१९	२८	१४	०८	प्री	४४	०७	२४	००	तै	१५	३३	१२	३४	०९	२१	२५	वृश्चि.	२९	४	२०
७	मं	१०	२३	१०	३१	ज्ये	१६	०८	१२	४९	आ	३६	५८	२१	०९	व	१०	२३	१०	३१	०५	२१	२३	धनु. १२।४९	३०	५	२१
८	बु	४	५२	८	१८	मूल	१२	२७	११	२१	सौ	२९	३५	१८	१२	ब	४	५२	८	१८	०१	२२	२२	धनु.	३१	६	२२
९	बु	५९	०६	३०	००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	गु	५३	१५	२७	४०	पूषा	८	३३	९	४७	शो	२२	०३	१५	११	तै	२६	१०	१६	५०	२९ / ५७	२२	२१	मक. १५।२४	१	७	२३
११	शु	४७	३२	२५	२३	उषा	४	३६	८	१३	अ	१४	३०	१२	११	व	२०	२१	१४	३१	५३	२३	२०	मक.	२	८	२४
१२	श	४२	०९	२३	१५	श्रव	० / ५७	४९ / २७	६ / २९	४३ / २२	सु	७	०८	९	१४	ब	१४	४७	१२	१८	४९	२३	१९	कुंभे १८।०१	३	९	२५
१३	र	३७	२३	२१	२१	शत	५४	४४	२८	१७	धृ	० / ५३	०७ / ४०	६ / २७	२६ / ५१	कौ	९	४०	१०	१६	४५	२४	१८	कुंभे	४	१०	२६
१४	सो	३३	२८	१९	४७	पूभा	५२	५७	२७	३५	गं	४७	५७	२५	३५	ग	५	१७	८	३१	४१	२४	०६	मीने २१।४३	५	११	२७
१५	मं	३०	३९	१८	४०	उभा	५२	१९	२७	२०	वृ	४३	०९	२३	४०	वि	१	५४	७	१०	३७	२५	१५	मीने	६	१२	२८

शरदृत्तु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ४५४६, सितंबर २००४

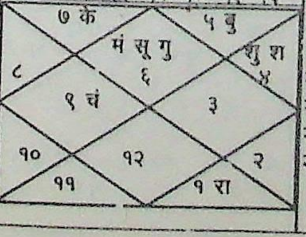
इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

पातस्पर्शः २८।११, पूफा. बुधः २४।४७ [F विश्वकर्मा पू., कन्यायां सौरः ६।५९
चंद्रदर्शनम् (मु. ३०), पातमोक्षः ८।०२, कन्यायां रविः १६।२३, कन्यायां D
म. २८।५१ उ., मन्वादि, वराहज., हरितालिकाव्र., हस्तिगौरीव्र., सावान ८, F
म. १६।०७ या., गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शनं निषेधः), जैन संवत्सरी
ऋषि पंचमी, ललिता षष्ठीव्र. (गुर्जरे) [E गौरी आवाहन १४।०८ या.
सौर (सूर्य) षष्ठी, स्कन्ददर्शनं, मुक्ताभरणव्र., उमामहेश्वरपू., दूबड़ी ७ E
म. १०।३१ उ. २१।२६ या., गौरीपूजन १२।४९ या. [L कन्यायांबुधः १२।०९
दधीची जयंती, अदुःख नवमी व्र., श्री चंद्र (उदासीन संप्रदाय), A
[D भौमः २७।२३ श्लेषा. शुक्रः २२।५३, अश्वि.-३ राहुः ३०।०७, स्वा.-१ केतुः ३०।०७
दशावतारव्र., श्रीरामदेवजी का मेला, भा. अश्विनारंभः, उफा. बुधः १६।३७
म. १४।३१ उ. २५।२३ या., जलझूलनी ११ व्र., विष्णुश्रृंखला ८।१३ से
पंचकप्रारम्भः १८।०१, वामनजयंती, दुग्धव्रतं, विष्णुश्रृंखला ६।४३ तक, L
प्रदोषः, गोत्रिरात्रव्र., हस्तेरविः २१।४८ [K हस्तेसौरः १२।१५, उफा.-४ गुरुः २७।३८
म. १९।४७ उ., अनन्त १४, कदलीव्रतंपूजनं, रंभारोपणं, इंदुला १५, K
म. ७।१० या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, प्रौष्ठपदी, महालय श्राद्धारंभः, B

[B महेश्वर पूजनं, कु. संध्यापूजा, पातस्पर्शः ८।०४, मोक्षः ११।४९, सिंहे मघा. शुक्रः १८।०० [A श्रीराधा ८, गौरी विसर्जन ११।२१ यावत्, सायनतुलायां भानुः २२।१०, बुधास्तः पूर्वस्याम् १९।३१

अयनांशाः २३।५४।१३
२४ पं. भा. शु. ७ मं. इष्टघटी २७।३१
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	५	४	५	३	३	०	५
०४	०२	२३	०५	२२	०१	०९	०४
५५	५६	०४	१६	००	३४	४५	१९
२०	४८	३८	३७	३०	३९	४८	४४
५८	३८	१०९	१२	६७	४	३	५८
४२	३८	००	५८	४४	४७	११	४२
उफा	उफा	पूफा	उफा	श्ले	पुन	अ	उफा
३	२	३	३	२	४	३	३



सितम्बर ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकत्ता रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
१५	बु	४	२८	३७	१७	५८	२९	२	५८	३०	११	६	३०	६	३७	३०	२३	५	२६	५	३६
१६	गु	४	२९	३५	४६	५८	३१	२	३५	३०	१६	६	३०	६	३७	३०	२०	५	२७	५	३५
१७	शु	५	००	३४	१७	५८	३३	२	१२	३०	१४	६	३०	६	३६	३०	१७	५	२७	५	३४
१८	श	५	०१	३२	५०	५८	३५	१	४८	३०	११	६	३०	६	३५	३०	१४	५	२७	५	३३
१९	र	५	०२	३१	२४	५८	३७	१	२५	३०	०९	६	३१	६	३४	३०	११	५	२८	५	३२
२०	चं	५	०३	३०	०१	५८	३९	१	०२	३०	०६	६	३१	६	३३	३०	०७	५	२८	५	३१
२१	मं	५	०४	२८	४०	५८	४१	०	३९	३०	०३	६	३१	६	३२	३०	०४	५	२८	५	३०
२२	बु	५	०५	२७	२१	५८	४३	०	१५+	३०	०१	६	३१	६	३१	३०	०१	५	२८	५	२९
२३	गु	५	०६	२६	०३	५८	४५	०	०८-	२९	५८	६	३१	६	३०	२९	५८	५	२९	५	२८
२४	शु	५	०७	२४	४८	५८	४७	०	३१	२९	५५	६	३१	६	३०	२९	५५	५	२९	५	२७
२५	श	५	०८	२३	३४	५८	४९	०	५५	२९	५३	६	३२	६	२९	२९	५१	५	२९	५	२६
२६	र	५	०९	२२	२३	५८	५१	१	१८	२९	५०	६	३२	६	२८	२९	४८	५	३०	५	२५
२७	चं	५	१०	२१	१४	५८	५३	१	४२	२९	४७	६	३२	६	२७	२९	४५	५	३०	५	२४
२८	मं	५	११	२०	०६	५८	५५	२	०५	२९	४५	६	३२	६	२६	२९	४२	५	३०	५	२३

संक्रांति फलम्

ता. १६ सितंबर २००४ भा. शु. २ गुरौ कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. १६।२३ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः कौलवकरणे प्रादिष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित्कंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १६।२३ से २२।४७ तक। (दान- गृह वस्त्र)।

अयनांशाः २३।५४।१४
२५ पं. भा. शु. १५ मं. इष्टघटी २७।२२
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	५	५	५	३	३	०	५
११	०७	०५	०६	२९	०२	०९	११
४६	२७	५४	४७	५८	०६	२३	११
५३	४४	३०	२४	०८	२७	३३	२८
५८	३८	१०९	१२	६८	४	३	५८
५६	४७	२८	५७	५३	१२	११	५८
ह	उफा	उफा	उफा	श्ले	पुन	अ	ह
१	४	३	४	४	४	३	१



॥ श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम् ॥

आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, २९ सितंबर से १४ अक्टूबर तक नवलगढ

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	शरदृतु रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति महा., सितंबर-अक्टूबर २००४ — इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	बु	२९	०९	१८	०४	रेव	५३	०१	२७	३८	ध्रु	३९	२५	२२	११	कौ	२९	०९	१८	०४	२९/३३	६/२५	६/१४	मेषे २७।३८	७	१३	२९	पंचक समाप्तिः २७।३८
२	गु	२९	०५	१८	०४	अश्वि	५५	१२	२८	३०	व्या	३६	५०	२१	१०	ग	२९	०५	१८	०४	२९	२६	१३	मेषे	८	१४	३०	भ. ३०।१७ उ., हस्ते बुधः २३।२१
३	शु	३०	३५	१८	४०	भर	५८	५३	२९	५९	ह	३५	२८	२०	३७	वि	३०	३५	१८	४०	२५	२६	१२	मेषे	९	१५	१	भ. ९८।४० या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः १९।५९, भरणी श्राद्ध, B
४	श	३३	३८	१९	५४	कृति	...	...	...	...	व	३५	१७	२०	३३	ब	१	५४	७	१२	२१	२७	११	वृषे १२।२७	१०	१६	२	गांधी जयन्ती, हस्ते भौमः १५।३० [B अक्टूबर १० ता. ३१
५	र	३८	०५	२१	४१	कृति	३	५९	८	०३	सि	३६	१०	२०	५५	कौ	५	४०	८	४३	१७	२७	१०	वृषे	११	१७	३	[गुरोरुदयः पूर्वस्याम् २०।३७] — गुरोरुदयः
६	सो	४३	४०	२३	५६	रोहि	१०	२१	१०	३६	व्य	३७	५४	२१	३७	ग	१०	४५	१०	४५	१२	२८	०९	मिथु. २४।०१	१२	१८	४	भ. २३।५६ उ., चंद्रषष्ठी
७	मं	४९	५२	२६	२५	मृग	१७	३५	१३	३०	व	४०	०८	२२	३१	वि	१६	४३	१३	०९	०८	२८	०७	मिथु.	१३	१९	५	भ. १३।०९ या. [A हतानां श्राद्धं, तुलायां बुधः ११।१७
८	बु	५६	०३	२८	५४	आर्द्रा	२५	०६	१६	३१	प	४२	२६	२३	२७	बा	२२	५९	१५	४०	०४	२९	०६	मिथु.	१४	२०	६	श्रीमहालक्ष्मी व्र., अशोकाष्टमी
९	गु	...	...	...	...	पुन	३२	१७	११	२४	शि	४४	२१	२४	१४	तै	२८	५७	१८	०४	००	२९	०५	कर्के १२।४२	१५	२१	७	सौभाग्यवतीनां श्राद्धं
९	शु	१	३६	७	०८	पुष्य	३८	३३	२१	५५	सि	४५	२७	२४	४१	ग	१	३६	७	०८	२८/५६	३०	०४	कर्के	१६	२२	८	भ. २०।०५ उ., चित्रा. बुधः ९।४२
१०	श	५	५९	८	५४	श्ले	४३	२८	२३	५३	सा	४५	२८	२४	४१	वि	५	५९	८	५४	५२	३०	०३	सिंहे २३।५३	१७	२३	९	भ. ८।५४ या., पूफा. शुक्रः २९।४२
११	र	८	५०	१०	०३	मघा	४६	४८	२५	१४	शु	४४	१२	२४	११	बा	८	५०	१०	०३	४८	३१	०२	सिंहे	१८	२४	१०	इंदिरा ११ व्र., सन्यासिनां श्राद्धं, चित्रा. रविः १०।४७ (सौरः २४।४५)
१२	सो	१०	००	१०	३१	पूफा	४८	३०	२५	५५	शु	४१	३८	२३	११	तै	१०	००	१०	३१	४४	३१	०१	सिंहे	१९	२५	११	प्रदोषः, युगादि, पातस्पर्शः २२।१७, मोक्षः २६।२३
१३	मं	९	३२	१०	२०	उफा	४८	४१	२६	००	ब्र	३७	४९	२१	३९	व	९	३२	१०	२०	४०	३२	००	कन्या ८।००	२०	२६	१२	भ. १०।२० उ. २२।०१ या., मासिकशिवरात्री व्र., शस्त्रादि A
१४	बु	७	३३	९	३४	हस्त	४७	३०	२५	३२	ऐ	३२	५३	१९	४२	श	७	३३	९	३४	३६	३२	५/५९	कन्या	२१	२७	१३	पितृकार्येऽमा., सर्वपितृ श्राद्धम्, हस्ते-१ गुरुः १७।०३
३०	गु	-४	१५	८	१५	चित्रा	४५	११	२४	३७	वै	२६	५९	१७	२०	ना	४	१५	८	१५	३२	३३	५८	तुला. १३।०८	२२	२८	१४	नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेन जयंती ; देवकार्येऽमा., मातामह श्रा.

अयनांशाः २३।५४।१५
२६ पं. आ.कृ. ७ मं. इष्टघटी २७।१४
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	५	५	५	४	३	०	५
१८	११	१८	०८	०८	०२	०९	१८
४०	५९	२७	१७	०३	३३	०१	०५
०४	४१	५८	४९	२६	५६	१७	०६
५९	३८	१०४	१२	६९	३	३	५९
१०	५६	४९	५२	५४	३३	११	१५
ह	ह	ह	उफा	म	पुन	अ	ह
३	१	३	४	३	४	३	३



सितम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेलवे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेलवे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२९ बु	५	१२	१९	०१	५८	५७	२	२८	२९	४२	६	३२	६	२५	२९	३९	५	३१	५	२२
३० गु	५	१३	१७	५८	५८	५९	२	५२	२९	३९	६	३३	६	२४	२९	३५	५	३१	५	२१
१ शु	५	१४	१६	५६	५९	०१	३	१५	२९	३७	६	३३	६	२३	२९	३२	५	३१	५	२०
२ श	५	१५	१५	५७	५९	०३	३	३८	२९	३४	६	३३	६	२३	२९	२९	५	३१	५	१९
३ र	५	१६	१५	००	५९	०५	४	०१	२९	३१	६	३३	६	२२	२९	२६	५	३२	५	१८
४ चं	५	१७	१४	०५	५९	०७	४	२४	[illegible]	२९	६	३३	६	२१	२९	२२	५	३२	५	१७
५ मं	५	१८	१३	११	५९	०९	४	४८	२९	२६	६	३४	६	२०	२९	१९	५	३२	५	१६
६ बु	५	१९	१२	२०	५९	११	५	११	२९	२४	६	३४	६	१९	२९	१६	५	३३	५	१५
७ गु	५	२०	११	३१	५९	१३	५	३४	२९	२१	६	३४	६	१८	२९	१३	५	३३	५	१४
८ शु	५	२१	१०	४४	५९	१५	५	५६	२९	१८	६	३४	६	६८	२९	१०	५	३४	५	१३
९ श	५	२२	०९	५९	५९	१७	६	१९	२९	१६	६	३५	६	१७	२९	०७	५	३४	५	१२
१० र	५	२३	०९	१७	५९	१९	६	४२	२९	१३	६	३५	६	१६	२९	०३	५	३४	५	१२
११ चं	५	२४	०८	३६	५९	२१	७	०५	२९	१०	६	३५	६	१५	२९	००	५	३५	५	११
१२ मं	५	२५	०७	५७	५९	२३	७	२७	२९	०८	६	३५	६	१५	२८	५७	५	३५	५	१०
१३ बु	५	२६	०७	२०	५९	२५	७	५०	२९	०५	६	३६	६	१४	२८	५४	५	३५	५	०९
१४ गु	५	२७	०६	४६	५९	२७	८	१२	२९	०३	६	३६	६	१३	२८	५१	५	३६	५	०८

मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो।यथा-बुधेरसक्षयोभूम्याम्। पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो। सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो। मास के प्रथम दिन में बुधवार होने से अन्न की महँगाई हो। गुरुवारी अमावस को चित्रा होने से वृष्टि तथा भावों में घटा-मढी हो। शुक्रा तीज को शनिवार होने से पृथ्वी पर प्रबल अग्निकाण्ड और अन्नादि की महँगाई हो। सुदी चौथ को रविवार होने से घी और अन्नादि भाव मंदा हो। पूर्णिमा गुरुवार और अश्विनी युक्त होने से शुभ फल दायिनी है।

अयनांशाः २३।५४।१६
२७ पं. आ.कृ.१३ मं. इष्टघटी २७।०४
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	५	६	५	४	३	०	५
२५	१६	००	०९	१६	०२	०८	२५
३४	३२	२५	४७	१५	५६	३९	००
५६	४६	२१	२७	२६	४८	०२	३७
५९	३९	९९	१२	७०	२	३	५९
२४	०६	२५	४३	४७	५२	११	३१
चि	ह	चि	उफा	पूफा	पुन	अ.	चि
१	२	३	४	१	४	३	१



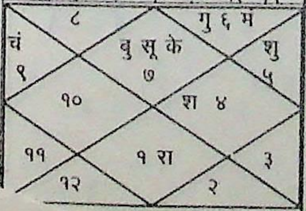
॥ श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम् ॥

आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, १५ अक्टूबर से २८ अक्टूबर तक नवलगढ — चंद्रः — तारीख — शरदृतु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ४५७६, अक्टूबर २००४

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	गु	५९	५६	३०	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[C स्वा.रविः२१।१७, सायनवृश्चिके भानुः ७।३०, कन्यायांशुक्रः ३०।३७
२	शु	५४	४५	२८	२८	स्वा	४२	००	२३	२१	वि	२०	१९	१४	४१	बा	२७	२५	१७	३१	२८ २८	६ ३३	५ ५७	तुला.	२३	२९	१५	चंद्रदर्शनम् (मु.१५) [B (आश्वलायन शाखा), कार्तिक स्नान प्रा.
३	श	४९	००	२६	१०	विशा	३८	११	२१	५१	प्री	१३	०२	११	४७	तै	२१	५५	१५	२०	२४	३४	५६	वृश्चि. १६।१४	२४	१	१६	आकाश दीपारंभः, रमजान ९, तुलायां रविः २८।२०,स्वा. बुधः १२।४६
४	र	४२	५५	२३	४५	अनु	३४	००	२०	११	आ	५ ५७	२२ २९	८ २९	४३ ३४	व	१५	५८	१२	५८	२१	३५	५५	वृश्चि.	२५	२	१७	भ. १२।५८ उ. २३।४५ या., तुलायां सौरः १७।५६
५	सो	३६	४४	२१	१७	ज्ये	२९	४०	१८	२७	शो	४९	३४	२६	२५	ब	९	४९	१०	३१	१७	३५	५४	धनु. १८।२७	२६	३	१८	उपांग ललिता व्र. [F बुधः २४।११
६	मं	३०	४०	१८	५२	मूल	२५	२४	१६	४५	अ	४१	४४	२३	१७	कौ	३	३९	८	०४	१३	३६	५३	धनु.	२७	४	१९	सरस्वती आवाहनं मूलभे [E चित्रा. भौमः २६।३४
७	बु	२४	५१	१६	३३	पूषा	२१	२४	१५	१०	सु	३४	१०	२०	१६	व	२४	५१	१६	३३	०९	३६	५२	मक. २०।४७	२८	५	२०	भ. १६।३३ उ. २७।२७ या., भद्रकाली अवतार,सरस्वती पूजनं पू.षाभे
८	गु	१९	२९	१४	२४	उषा	१७	४९	१३	४५	धृ	२६	५९	१७	२५	ब	१९	२९	१४	२४	०५	३७	५१	मक.	२९	६	२१	महाष्टमी, बलिदानं उ.षाभे, उफा.शुक्रः ११।४८,पुष्ये-१ शनिः ३०।३७
९	शु	१४	४३	१२	३१	श्रव	१४	५०	१२	३४	शू	२०	१७	१४	४४	कौ	१४	४३	१२	३१	०१	३८	५०	कुंभे २४।०४	३०	७	२२	पंचक प्रारम्भः २४।०४, मन्वादि, बोद्धावतार, शस्त्रादि पूजा A
१०	श	१०	४२	१०	५५	धनि	१२	३४	११	४०	गं	१४	११	१२	१९	ग	१०	४२	१०	५५	२७ ५७	३८	४९	कुंभे	१	८	२३	भ. २२।१४ उ., भा.कार्तिकारंभः, पातस्पर्शः २५।४१,मोक्षः २९।४४, C
११	र	७	३०	९	३९	शत	११	०८	११	०६	वृ	८	४६	१०	०९	वि	७	३०	९	३९	५४	३९	४८	मीने २८।५५	२	९	२४	भ. ९।३९ या., पापांकुशा ११ व्र., स्वा. सौरः १०।२७, विशा. F
१२	सो	५	१६	८	४६	पूभा	१०	३८	१०	५५	ध्रु	४	०६	८	१८	बा	५	१६	८	४६	५०	४०	४७	मीने	३	१०	२५	प्रदोषः, कार्त्तिके द्विदलं त्यजेत् [D शरद पूर्णिमा, कोजागरी व्र.
१३	मं	४	०४	८	१८	उभा	११	०९	११	०८	व्या	० १७	१४ १३	६ २९	४६ ३३	तै	४	०४	८	१८	४६	४०	४७	मीने	४	११	२६	[A विजया १०, शमीपूजा, पट्टाभिषेक, सरस्वती विसर्जनं श्रवणे, E
१४	बु	३	५५	८	१५	रेव	१२	४२	११	४६	व	५५	०४	२८	४२	व	३	५५	८	१५	४२	४१	४६	मेषे ११।४६	५	१२	२७	भ. ८।१५ उ. २०।२४ या., पंचक समाप्तिः ११।४६, पूर्णिमा व्रतं, D
१५	गु	४	५६	८	४०	अश्वि	१५	२२	१२	५०	सि	५३	४८	२८	१३	ब	४	५६	८	४०	३९	४१	४५	मेषे	६	१३	२८	पूर्णिमा पुण्यं, बंगीय लक्ष्मी पूजा, नवान्न भक्षण, आश्वयुजी कर्म B

अयनांशाः २३।५४।१८
२८ पं. आ.शु. ६ मं. इष्टघटी २६।५४
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	५	६	५	४	३	०	६
०२	२१	११	११	२४	०३	०८	०१
३१	०७	४६	१५	३३	१४	१६	५८
२९	००	१९	५०	२१	४४	४६	००
५९	३९	९४	१२	७१	२	३	५९
३८	१६	३८	३०	३४	०९	११	४७
चि	ह	स्वा	ह	पूफा	पुन	अ	चि
३	४	२	१	४	४	३	३



अक्टुबर		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१५	शु	५	२८	०६	१३	५९	२९	८	३४	२९	००	६	३६	६	१२	२८	४८	५	३६	५	०७
१६	श	५	२९	०५	४२	५९	३१	८	५६	२८	५८	६	३७	६	१२	२८	४५	५	३७	५	०६
१७	र	६	००	०५	१४	५९	३३	९	१८	२८	५५	६	३७	६	११	२८	४२	५	३७	५	०६
१८	चं	६	०१	०४	४७	५९	३६	९	४०	२८	५२	६	३७	६	१०	२८	३८	५	३७	५	०५
१९	मं	६	०२	०४	२३	५९	३८	१०	०२	२८	५०	६	३७	६	०९	२८	३५	५	३८	५	०४
२०	बु	६	०३	०४	००	५९	३९	१०	२४	२८	४७	६	३८	६	०९	२८	३२	५	३८	५	०३
२१	गु	६	०४	०३	४०	५९	४२	१०	४५	२८	४५	६	३८	६	०८	२८	२९	५	३९	५	०२
२२	शु	६	०५	०३	२१	५९	४४	११	०६	२८	४२	६	३८	६	०७	२८	२६	५	३९	५	०२
२३	श	६	०६	०३	०५	५९	४६	११	२७	२८	४०	६	३९	६	०७	२८	२३	५	[illegible]	५	०१
२४	र	६	०७	०२	५०	५९	४८	११	४८	२८	३७	६	३९	६	०६	२८	२०	५	४०	५	००
२५	चं	६	०८	०२	३८	५९	५०	१२	०९	२८	३५	६	४०	६	०६	२८	१७	५	४१	४	५९
२६	मं	६	०९	०२	२७	५९	५१	१२	३०	२८	३३	६	४०	६	०५	२८	१४	५	४१	४	५९
२७	बु	६	१०	०२	१९	५९	५३	१२	५०	२८	३०	६	४०	६	०४	२८	११	५	४२	४	५८
२८	गु	६	११	०२	१२	५९	५५	१३	१०	२८	२८	६	४१	६	०४	२८	०८	५	४२	४	५७

संक्रांति फलम्

ता. १६ अक्टूबर २००४
आश्वि. शु. ३ शनौ तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. २८।२० वारात् ३ नक्षत्रात् ५ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्वदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्वदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं स्वप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २२।२० से रवौ १०।२० तक। (दान- तिल)

अयनांशाः २३।५४।१९
२९ पं. आ.शु.१३ मं. इष्टघटी २६।४३
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	५	६	५	५	३	०	६
०९	२५	२२	१२	०२	०३	०७	०८
२९	४२	३७	४२	५६	२७	५४	५७
४०	२७	१६	३२	३०	२९	३१	१३
५९	३९	११	१२	७२	१	३	६०
५२	२७	०१	१३	१६	२३	११	०२
स्वा	चि	वि	ह	उफा	पु	अ	स्वा
१	१	१	१	२	१	३	१



कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, २९ अक्टूबर से १२ नवंबर तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति महा., अक्टूबर-नवंबर २००४

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	शु	७	०५	९	३२	भर	११	०९	१४	२२	व्य	५३	२४	२८	०४	कौ	७	०५	९	३२	२७ / ३५	६ / ४२	५ / ४४	वृषे २०।४९	७	१४	२९	भौमोदयः पूर्वस्याम् १८।३६, हस्ते-२ गुरुः १९।१४
२	श	१०	२५	१०	५३	कृति	२४	०२	१६	२०	व	५३	५३	२८	१६	ग	१०	२५	१०	५३	३१	४३	४३	वृषे	८	१५	३०	भ. २३।४३ उ.
३	र	१४	५२	१२	४०	रोहि	२९	५९	१८	४३	प	५५	०९	२८	४७	वि	१४	५२	१२	४०	२८	४४	४३	वृषे	९	१६	३१	भ. १२।४० या., करवा ४ चन्द्रोदयः १९।५३, दशरथ ललिता व्र., D
४	सो	२०	१८	१४	५१	मृग	३६	५०	२१	२८	शि	५७	०२	२९	३३	बा	२०	१८	१४	५१	२४	४४	४२	मिथु. ८।०३	१०	१७	१	नवंबर ११ ता. ३०, तुलायां भौमः २९।४५, हस्ते शुक्रः १३।३५
५	मं	२६	२७	१७	२०	आर्द्रा	४४	१४	२४	२६	सि	५९	१५	३०	२७	तै	२६	२७	१७	२०	२०	४५	४१	मिथु.	११	१८	२	अनु. बुधः २१।३१ [D वृश्चिके बुधः १५।१६
६	बु	३२	५०	१९	५४	पुन	५१	४४	२७	२७	सा	...	...	...	...	व	३२	५०	१९	५४	१७	४६	४०	कर्के २०।४३	१२	१९	३	भ. १९।५४ उ., स्कन्द षष्ठी
७	गु	३८	५४	२२	२०	पुष्य	५८	४६	३०	१७	सा	१	२६	७	२१	वि	५	५७	९	०९	१३	४६	४०	कर्के	१३	२०	४	भ. ९।०९ या., होई (अहोरी) ८, बुधोदयः पश्चिमायाम् १२।५६
८	शु	४४	०३	२४	२४	श्ले	...	...	...	...	शु	३	११	८	०३	बा	११	३७	११	२६	१०	४७	३९	कर्के	१४	२१	५	विशा. रविः २९।२४
९	श	४७	४६	२५	५४	श्ले	४	४३	८	४१	शु	४	०५	८	२६	तै	१६	०६	१३	१४	०७	४८	३८	सिंहे ८।४१	१५	२२	६	पातस्पर्शः १६।३५, मोक्षः २१।४१, विशा. सौरः १७।३४
१०	र	४९	४२	२६	४१	मघा	९	१२	१०	२९	ब्र	३	४९	८	२०	व	१८	५७	१४	२३	०३	४८	३८	सिंहे	१६	२३	७	भ. १४।२३ उ. २६।४१ या. [B यमायदीपदानं, गोत्रिरात्र व्र.
११	सो	४९	४५	२६	४३	पूफा	११	५५	११	३५	ऐ	२ / ५९	०९ / ०१	७ / ३०	४१ / २६	ब	११	५६	१४	४८	००	४९	३७	कन्या १७।४५	१७	२४	८	रमा ११ व्र., वक्री शनिः २५।३३ [C प्रभात स्नानं [E शुक्रः १२।०१
१२	मं	४७	५२	२५	५९	उफा	१२	४६	११	५६	वि	५४	२२	२८	३५	कौ	११	००	१४	२६	२६ / ५७	५०	३७	कन्या	१८	२५	९	गोवत्स द्वादशी [A भौमः ७।१८, ज्येष्ठा. बुधः ८।२४, चित्रा. E
१३	बु	४४	१४	२४	३२	हस्त	११	४८	११	३४	प्री	४८	२२	२६	११	ग	१६	१४	१३	२०	५३	५१	३६	तुला. २३।०८	१९	२६	१०	भ. २४।३२ उ., प्रदोषः, धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, B
१४	गु	३९	०४	२२	२९	चित्रा	९	१२	१०	३२	आ	४१	०८	२३	१९	वि	११	४९	११	३५	५०	५१	३६	तुला.	२०	२७	११	भ. ११।३५ या.. मासिकशिवरात्री व्र., दीपदानं, रुप (नरक) १४, C
३०	शु	३२	४१	१९	५७	स्वा	५	१३	८	५७	सौ	३२	५६	२०	०२	च	६	००	९	१६	४७	५२	३५	वृश्चि. २५।२९	२१	२८	१२	देवपितृकार्येऽमा., महालक्ष्मी पूजा, कुबेर पू., बलीपूजा, स्वा. A

अयनांशाः २३।५४।२०
३० मं. का.कृ. ५ मं. इष्टघटी २६।३२
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	६	७	५	५	३	०	६
१६	००	०३	१४	११	०३	०७	१५
२९	१९	०४	०७	२४	३४	३२	५८
२६	१०	५०	०३	१४	५१	१६	१०
६०	३९	८७	११	७२	०	३	६०
०६	३८	४५	५२	५२	३६	११	१६
स्वा	चि	वि	ह	ह	पु	अ	स्वा
३	३	४	२	१	१	३	३



अक्टुबर रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकत्ता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२९	शु	६	१२	०२	०८	५९	५७	१३	३०	२८	२५	६	४१	६	०३	२८	०६	५	४३	४	५७
३०	श	६	१३	०२	०५	५९	५९	१३	५०	२८	२३	६	४२	६	०३	२८	०३	५	४३	४	५६
३१	र	६	१४	०२	०४	६०	०१	१४	०९	२८	२१	६	४२	६	०२	२८	००	५	४४	४	५६
१	चं	६	१५	०२	०५	६०	०३	१४	२९	२८	१८	६	४२	६	०२	२७	५७	५	४४	४	५५
२	मं	६	१६	०२	०८	६०	०५	१४	४८	२८	१६	६	४३	६	०१	२७	५४	५	४५	४	५४
३	बु	६	१७	०२	१३	६०	०७	१५	०७	२८	१४	६	४३	६	०१	२७	५१	५	४५	४	५४
४	गुं	६	१८	०२	२०	६०	०९	१५	२५	२८	१२	६	४४	६	००	२७	४९	५	४६	४	५३
५	शु	६	१९	०२	२८	६०	१०	१५	४३	२८	०९	६	४४	६	००	२७	४६	५	४६	४	५३
६	श	६	२०	०२	३९	६०	१२	१६	०२	२८	०७	६	४५	६	००	२७	४३	५	४७	४	५२
७	र	६	२१	०२	५१	६०	१४	१६	१९	२८	०५	६	४५	५	५९	२७	४१	५	४८	४	५२
८	चं	६	२२	०३	०५	६०	१६	१६	३७	२८	०३	६	४६	५	५९	२७	३८	५	४८	४	५१
९	मं	६	२३	०३	२०	६०	१७	१६	५४	२८	०१	६	४६	५	५९	२७	३५	५	४९	४	५१
१०	बु	६	२४	०३	३८	६०	१९	१७	११	२७	५९	६	४७	५	५८	२७	३३	५	४९	४	५१
११	गु	६	२५	०३	५७	६०	२१	१७	२८	२७	५६	६	४७	५	५८	२७	३०	५	५०	४	५०
१२	शु	६	२६	०४	१८	६०	२३	१७	४४	२७	५४	६	४८	५	५८	२७	२८	५	५१	४	५०

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो।प्रजावृद्धिरतु मार्गवे। दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो। कन्या राशि में मंगल का उदय होने से ब्राह्मणों तथा राजाओं में रोग हो। पंचमी को आर्द्रा होने से तृणादि (घास) का भाव मंदा हो और अल्पवृष्टि से चौपाये पीडित हों। कृष्णा दशमी रविवार होने से रोगोत्पत्ति हो। पूर्णिमा शुक्रवार और कृतिका युक्त होने से शुभ फल दायिनी है।

अयनांशाः २३।५४।२१
३१ पं. का.कृ.२ मं. इष्टघटी २६।१९
(रेल्वे घं. मि. १७।२३)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	६	७	५	५	३	०	६
२३	०४	१३	१५	१९	०३	०७	२३
३०	५७	०५	२८	५५	३६	१०	००
४४	१०	३५	५३	५९	४३	००	४६
६०	३९	८२	११	७३	०	३	६०
१८	४९	३४	२६	२४	११	११	३०
वि	चि	अनु	ह	ह	पु	अ	वि
२	४	३	२	३	१व	३	१



कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६; १३ नवंबर से २६ नवंबर तक नवलगढ																								चंद्रः	तारीख			हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ४६०५, नवंबर २००४
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	श	२५	२५	१७	०३	विष्णा	० ५४	१० २६	६ २८	५७ ३९	शो	२३	५८	१६	२८	व	२५	२५	१७	०३	२६ ४४	६ ५३	५ ३५	वृश्चि.	२२	२९	१३	गोवर्धन पू., अन्नकूटं देशाचारे, गोक्रीडा, मार्गपाली बं., गुर्जराणां D
२	र	१७	३६	१३	५६	ज्ये	४८	२०	२६	१४	अ	१४	३५	१२	४४	कौ	१७	३६	१३	५६	४१	५४	३४	धनु. २६।१४	२३	३०	१४	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), भ्रातृ २, यम २, यमुनास्नानं, कलमदवात पू., H
३	सो	९	३७	१०	४५	मूल	४२	१७	२३	४९	सु	५ ५५	०२ ४०	८ २२	५५ १०	ग	९	३७	१०	४५	३८	५५	३४	धनु.	२४	१	१५	भ. २१।११ उ., दूर्वागणपति व्र., आकाशदीप समाप्तिः, सव्वाल १०, G
४	मं	१	५१	७	४०	पूषा	३६	४०	२१	३५	शू	४६	४०	२५	३५	वि	१	५१	७	४०	३५	५५	३३	मक. २७।०४	२५	२	१६	भ. ७।४० या., सौभाग्य ५, पाण्डव ५, वृश्चिके सौरः ·५।२६
५	मं	५४	३९	२८	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[G वृश्चिके रविः २८।०५, हस्ते-३ गुरुः २४।५९ [D नूतन वर्षारंभः
६	बु	४८	१७	२६	१५	उषा	३१	४७	१९	३९	गं	३८	१९	२२	१६	कौ	२१	१९	१५	२८	३२	५६	३३	मक	२६	३	१७	तुलायां शुक्रः २२।१४ [L प्रशस्तापूर्णिमा, (व) पुन.-४ शनिः २१।२७
७	गु	४२	५९	२४	०९	श्रव	२७	५६	१८	०७	वृ	३०	४९	१९	१६	ग	१५	२८	१३	०८	२९	५७	३२	कुंभे २९।३२	२७	४	१८	भ. २४।०९ उ., पंचकप्रारम्भः २९।३२, कल्पादि, पातस्पर्शः २०।४०, M
८	शु	३९	०१	२२	३४	धनि	२५	१९	१७	०५	ध्रु	२४	२०	१६	४२	वि	१०	४९	११	१७	२६	५८	३२	कुंभे	२८	५	१९	भ. ११।१७ या., गोपाष्टमी, अनु. रविः ११।२४ (सौरः २२।२८)
९	श	३६	२३	२१	३२	शत	२४	०१	१६	३५	व्या	१८	५६	१४	३३	बा	७	३०	९	५८	२४	५८	३२	कुंभे	२९	६	२०	युगादि, कुष्माण्ड (अक्षय) ९ [M मोक्षः २५।२९, अश्वि.-२ राहुः C
१०	र	३५	०९	२१	०३	पूभा	२४	०५	१६	३७	ह	१४	३७	१२	५०	तै	५	३५	९	१३	२१	५९	३२	मीने १०।३३	३०	७	२१	सायन धनुषि भानुः २९।०१ [C २७।५०, चित्रा.-४ केतुः २७।५०
११	सो	३५	१५	२१	०६	उभा	२५	२७	१७	११	व	११	२१	११	३२	व	५	०१	९	००	१८	७ ००	३१	मीने	१	८	२२	भ.९।०० उ. २१।०६ या., प्रबोधिनी ११ व्र., देवोत्थापनं, तुलसीविवाह, B
१२	मं	३६	३३	२१	३८	रेव	२८	००	१८	१३	सि	९	०४	१०	३८	ब	५	४५	९	१९	१६	०१	३१	मेषे १८।१३	२	९	२३	पंचकसमाप्तिः १८।१३, मन्वादि, हरिवासरः ११।५५ से १८।१३ तक, F
१३	बु	३८	५७	२२	३६	अश्वि	३१	३७	१९	४०	व्य	७	३९	१०	०५	कौ	७	३७	१०	०४	१३	०२	३१	मेषे	३	१०	२४	प्रदोषः, वैकुण्ठ १४ [F धनुषि मूले बुधः ३०।३७, स्वा. शुक्रः ७।५४
१४	गु	४२	१७	२३	५७	भर	३६	०९	२१	३०	व	७	०१	९	५१	ग	१०	२९	११	१४	११	०२	३१	वृषे २८।००	४	११	२५	भ. २३।५७ उ., रोटक व्रत समाप्तिः, कार्तिक व्रतोद्यापनं, L
१५	शु	४६	२८	२५	३८	कृति	४१	३०	२३	३९	प	७	०१	९	५२	वि	१४	१७	१२	४६	०९	०३	३१	वृषे	५	१२	२६	भ. १२।४६ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, गोपद्मव्रत समाप्ति, A

[B चतुर्मास व्रतसमाप्तिः, भीष्मपंचक प्रा., भा.मार्गशीर्षारंभः [A त्रिपुरोत्सव, पुष्करयात्रा, नानक जयंती, भीष्म पंचक समाप्ति, कार्तिकस्नानपूर्तिः, महाकार्तिकी [H नेहरुजयन्ती (बालदिवस)

अयनांशाः २३।५४।२२
३२ पं. का.शु. ४ मं. इष्टघटी २६।०६
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	६	७	५	५	३	०	७
००	०९	२२	१६	२८	०३	०६	००
३३	३६	१५	४७	३१	३३	४७	०४
२७	३१	०६	३०	१०	०३	४५	५२
६०	४०	७१	१०	७३	०	३	६०
३०	०१	२८	५६	५१	५८	११	४२
वि	स्वा	ज्ये	ह	चि	पु	अ	वि
४	१	२	३	२	१व	३	४



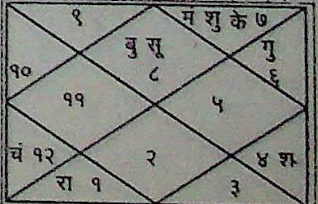
नवम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकत्ता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१३ श	६	२७	०४	४०	६०	२४	१८	००	२७	५२	६	४८	५	५७	२७	२५	५	५१	४	४९
१४ र	६	२८	०५	०४	६०	२६	१८	१६	२७	५०	६	४९	५	५७	२७	२३	५	५२	४	४९
१५ चं	६	२९	०५	३०	६०	२८	१८	३१	२७	४९	६	४९	५	५७	२७	२१	५	५२	४	४९
१६ मं	७	००	०५	५८	६०	२९	१८	४६	२७	४७	६	५०	५	५७	२७	१८	५	५३	४	४८
१७ बु	७	०१	०६	२७	६०	३१	१९	०१	२७	४५	६	५१	५	५७	२७	१६	५	५४	४	४८
१८ गु	७	०२	०६	५८	६०	३२	१९	१६	२७	४३	६	५१	५	५६	२७	१४	५	५४	४	४८
१९ शु	७	०३	०७	३०	६०	३४	१९	३०	२७	४१	६	५२	५	५६	२७	१२	५	५५	४	४८
२० श	७	०४	०८	०३	६०	३५	१९	४३	२७	३९	६	५२	५	५६	२७	१०	५	५६	४	४८
२१ र	७	०५	०८	३९	६०	३७	१९	५७	२७	३८	६	५३	५	५६	२७	०८	५	५६	४	४७
२२ चं	७	०६	०९	१५	६०	३८	२०	१०	२७	३६	६	५४	५	५६	२७	०६	५	५७	४	४७
२३ मं	७	०७	०९	५३	६०	३९	२०	२२	२७	३४	६	५४	५	५६	२७	०४	५	५८	४	४७
२४ बु	७	०८	१०	३३	६०	४१	२०	३५	२७	३३	६	५५	५	५६	२७	०२	५	५८	४	४७
२५ गु	७	०९	११	१४	६०	४२	२०	४७	२७	३१	६	५५	५	५६	२७	००	५	५९	४	४७
२६ शु	७	१०	११	५६	६०	४४	२०	५८	२७	३०	६	५६	५	५६	२६	५८	६	००	४	४७

संक्रांति फलम्

ता. १५ नवंबर २००४
का. शु. ३ चंद्रे वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २८।०५ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः विष्टीकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं अश्ववाहनं सिंहोपवाहनं स्थैर्यकारक कृष्णवस्त्रं कुन्तायुधं पत्रपात्रं चित्रान्नभक्षणं ओतुमदोलेपनं विप्रजातिः दुर्वापुष्पं गुंजाभूषणं नीलकंचुकी वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २१।४१ से २८।०५ तक। (दान- दीप)।

अयनांशाः २३।५४।२३
३३ पं. का.शु.१२ मं. इष्टघटी २५।५२
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	६	७	५	६	३	०	७
०७	१४	२९	१८	०७	०३	०६	०७
३७	१७	३३	०२	०९	२३	२५	१०
२८	१३	२१	२२	१५	५५	२९	२१
६०	४०	४७	१०	७४	·१	३	६०
४०	१३	११	२१	१३	४४	११	५३
अनु	स्वा	ज्ये	ह	स्वा	पु	अ	अनु
२	३	४	३	१	१व	२.	२



॥ श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम् ॥

मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, २७ नवंबर से ११ दिसंबर तक नवलगढ — चंद्रः — तारीख — हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति महा., नवंबर-दिसंबर २००४

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	श	५१	२५	२७	३८	रोहि	४७	३४	२६	०६	शि	७	४०	१०	०८	वा	१८	५०	१४	३६	२६ ०६	७ ०४	५ ३०	वृषे	६	१३	२७	
२	र	५७	०२	२९	५३	मृग	५४	१७	२८	४८	सि	८	५१	१०	३७	तै	२४	०८	१६	४४	०४	०५	३०	मिथु. १५|२५	७	१४	२८	[A सुंदरी व्र., वक्री बुधः ३०|००
३	सो	...	...	...	...	आर्द्रा	...	...	...	...	सा	१०	२९	११	१७	व	३०	०२	१९	०६	०२	०५	३०	मिथु.	८	१५	२९	भ. १९|०६ उ.
३	मं	३	०९	८	२२	आर्द्रा	१	२९	७	४२	शु	१२	३१	१२	०६	वि	३	०९	८	२२	००	०६	३०	कर्के २७|५७	९	१६	३०	भ. ८|२२ या., अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०|१९, सौभाग्य A
४	बु	९	३५	१०	५७	पुन	८	५९	१०	४२	शु	१४	४१	१२	५९	बा	९	३५	१०	५७	२५ ५८	०७	३०	कर्के	१०	१७	१	दिसंबर १२ ता. ३१, विशा. भौमः २९|२३
५	गु	१५	५६	१३	३०	पुष्य	१६	२३	१३	४१	ब्र	१६	४६	१३	५०	तै	१५	५६	१३	३०	५६	०८	३०	कर्के	११	१८	२	पातस्पर्शः १३|२५, मोक्षः २०|२९,ज्येष्ठा. रविः १५|४० (सौरः २५|३३)
६	शु	२१	४०	१५	४९	श्ले	२३	१५	१६	२६	ऐ	१८	२५	१४	३१	व	२१	४०	१५	४९	५५	०८	३०	सिंहे १६|२६	१२	१९	३	भ. १५|४९ उ. २८|४९ या., बुधास्तः पश्चिमायाम् २९|२५, B
७	श	२६	२१	१७	४१	मघा	२९	०३	१८	४६	वै	१९	१७	१४	५२	ब	२६	२१	१७	४१	५३	०९	३०	सिंहे	१३	२०	४	कालभैरवाष्टमी [B विशा. शुक्रः २५|५६
८	र	२९	२८	१८	५७	पूफा	३३	२२	२०	३१	वि	१९	०१	१४	४६	कौ	२९	२८	१८	५७	५१	१०	३०	कन्या २६|५०	१४	२१	५	हस्ते-४ गुरुः १६|३५
९	सो	३०	४५	१९	२९	उफा	३५	५४	२१	३२	प्री	१७	२२	१४	०७	तै	०	२०	७	१९	५०	११	३१	कन्या	१५	२२	६	(व) वृश्चिके ज्येष्ठा. बुधः ९|०९
१०	मं	२९	५९	१९	११	हस्त	३६	२६	२१	४६	आ	१४	०९	१२	५१	व	०	३६	७	२६	४९	११	३१	कन्या	१६	२३	७	भ. ७|२६ उ. १९|११ या.
११	बु	२७	०९	१८	०४	चित्रा	३४	५९	२१	१२	सौ	९	२१	१०	५७	बा	२७	०९	१८	०४	४७	१२	३१	तुला. ९|३५	१७	२४	८	उत्पत्ति ११ व्र., वैतरणी व्र.
१२	गु	२२	२५	१६	११	स्वा	३९	४०	१९	५३	शो	२ ५५	५८ १२	८ २३	२४ १८	तै	२२	२५	१६	११	४६	१३	३१	तुला.	१८	२५	९	प्रदोषः
१३	शु	१५	५९	१३	३७	विशा	२६	४४	१७	५५	सु	४६	११	२५	४२	व	१५	५९	१३	३७	४५	१३	३१	वृश्चि. १२|२८	१९	२६	१०	भ. १३|३७ उ. २४|०७ या., मासिकशिवरात्री व्र.
१४	श	८	११	१०	३१	अनु	२०	३१	१५	२७	धृ	३६	१४	२१	४४	श	८	११	१०	३१	४४	१४	३२	वृश्चि.	२०	२७	११	देवपितृकार्येऽमा., गौरीतपोव्र., महाव्रतारंभः, वृश्चिके शुक्रः २६|३५
३०	श	५९	२७	३१	०१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

अयनांशाः २३|५४|२४
३४ पं. मा.कृ. ३ मं. इष्टघटी २५|३८
(रेल्वे घं. मि. १७|२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु	श.	रा.	सौर
७	६	८	५	६	३	०	७
१४	१८	०२	१९	१५	०३	०६	१४
४२	५९	४८	१२	४९	०९	०३	१७
३७	१९	४२	५४	४२	३२	१४	०२
६०	४०	४	९	७४	२	३	६१
४९	२५	३९	४१	३१	२८	११	०३
अनु	स्वा	मू	ह	स्वा	पुन	अ	अनु
४	४	१व	३	३	४व	२	४



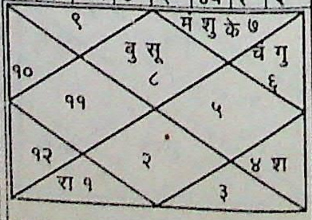
नवम्बर		रविस्पस्ट प्रातः ६|२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे टाइम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ	प	घं	मि.	घं.	मि.
२७	श	७	११	१२	४०	६०	४५	२१	०९	२७	२८	६	५७	५	५६	२६	५६	६	००	४	४७
२८	र	७	१२	१३	२५	६०	४६	२१	२०	२७	२७	६	५७	५	५६	२६	५५	६	०१	४	४७
२९	चं	७	१३	१४	११	६०	४७	२१	३०	२७	२६	६	५८	५	५६	२६	५३	६	०२	४	४७
३०	मं	७	१४	१४	५८	६०	४९	२१	४०	२७	२४	६	५८	५	५६	२६	५१	६	०२	४	४७
१	बु	७	१५	१५	४७	६०	५०	२१	५०	२७	२३	६	५९	५	५६	२६	५०	६	०३	४	४७
२	गु	७	१६	१६	३७	६०	५१	२१	५९	२७	२२	७	००	५	५६	२६	४८	६	०४	४	४७
३	शु	७	१७	१७	२८	६०	५२	२२	०७	२७	२१	७	००	५	५७	२६	४७	६	०५	४	४७
४	श	७	१८	१८	२०	६०	५३	२२	१५	२७	२०	७	०१	५	५७	२६	४६	६	०५	४	४७
५	र	७	१९	१९	१३	६०	५४	२२	२३	२७	१९	७	०२	५	५७	२६	४४	६	०६	४	४८
६	चं	७	२०	२०	०८	६०	५५	२२	३१	२७	१८	७	०२	५	५७	२६	४३	६	०७	४	४८
७	मं	७	२१	२१	०३	६०	५६	२२	३७	२७	१७	७	०३	५	५८	२६	४२	६	०७	४	४८
८	बु	७	२२	२१	५९	६०	५७	२२	४४	२७	१६	७	०३	५	५८	२६	४१	६	०८	४	४८
९	गु	७	२३	२२	५७	६०	५८	२२	५०	२७	१५	७	०४	५	५८	२६	४०	६	०८	४	४९
१०	शु	७	२४	२३	५५	६०	५९	२२	५६	२७	१४	७	०५	५	५८	२६	३९	६	०९	४	४९
११	श	७	२५	२४	५४	६१	००	२३	०१	२७	१४	७	०५	५	५९	२६	३८	६	१०	४	४९

मास फलम्

इस माह में शनिवार और पांच रविवार होने से महँगाई हो। रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई के भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो। कृ. तीज को आर्द्रा होने से धान्य सस्ता रहे। राज्य स्वस्थ रहे और प्रजा में सुख रहे। पंचमी गुरुवार होने से सुभिक्ष हो। पूर्णिमा मृगशिरा युक्त होने से महर्घता हो। विशाखा मंगल पर होने से कपास और गेहूँ का भाव महँगा हो। धन राशि में बुध का अस्त होने से राजनीति में कलह हो। विशाखा में शुक्र होने से तुष धान्य की महँगाई हो, सुन्दर वृष्टि हो, वाणिज्य कर्म करने वाले प्रभावित हों।

अयनांशाः २३|५४|२५
३५ पं. मा.कृ.१० मं. इष्टघटी २५|२५
(रेल्वे घं. मि. १७|२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	६	७	५	६	३	०	७
२१	२३	२८	२०	२४	०२	०५	२१
४८	४२	३०	१८	३२	५०	४०	२४
४५	४९	५८	३१	०३	१३	५८	४४
६०	४०	७५	८	७४	३	३	६१
५७	३७	५५	५६	४५	०८	११	१०
ज्ये	वि	ज्ये	ह	वि	पुन	अ	ज्ये
२	२	४व	४	२	४व	२	२



मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, १२ दिसंबर से २६ दिसंबर तक नवलगढ

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै.	टा.	तारीख भा.	मु.	इं.
१	र	५०	१०	२७	१९	ज्ये	१३	२७	१२	३७	शू	२५	४१	१७	३१	किं	२४	५०	१७	११	२५ ४३	७ १५	५ ३२	धनु.	१२।३७	२१	२८	१२
२	सो	४०	४९	२३	३५	मूल	५ ५८	५८ ३५	९ ३०	३९ ४२	गं	१४	५३	१३	१३	बा	१५	२८	१३	२७	४२	१५	३२	धनु.		२२	२९	१३
३	मं	३१	५२	२८	०५	उषा	५१	४५	२७	५८	वृ	४ ५४	१३ ०५	८ २८	५७ ५४	तै	६	५६	९	४६	४१	१६	३३	मक.	११।५९	२३	१	१४
४	बु	२३	४६	१६	४७	श्रव	४५	५४	२५	३८	व्या	४४	४६	२५	११	वि	२३	४६	१६	४७	४१	१७	३३	मक.		२४	२	१५
५	गु	१६	५४	१४	०३	धनि	४१	२७	२३	५२	ह	३६	३४	२१	५५	बा	१६	५४	१४	०३	४०	१७	३३	कुंभे	१२।४१	२५	३	१६
६	शु	११	३६	११	५६	शत	३८	३९	२२	४६	व	२९	४२	१९	११	तै	११	३६	११	५६	४०	१८	३४	कुंभे		२६	४	१७
७	श	८	०७	१०	३३	पूभा	३७	४१	२२	२३	सि	२४	१८	१७	०२	व	८	०७	१०	३३	३९	१८	३४	मीने	१६।२४	२७	५	१८
८	र	६	३०	९	५५	उभा	३८	३२	२२	४४	व्य	२०	२२	१५	२८	ब	६	३०	९	५५	३९	१९	३५	मीने		२८	६	१९
९	सो	६	४४	१०	०१	रेव	४१	०४	२३	४५	व	१७	५०	१४	२८	कौ	६	४४	१०	०१	३९	२०	३५	मेषे	२३।४५	२९	७	२०
१०	मं	८	३६	१०	४७	अश्वि	४५	०४	२५	२२	प	१६	३३	१३	५७	ग	८	३६	१०	४७	३९	२०	३५	मेषे		३०	८	२१
११	बु	११	५२	१२	०५	भर	५०	१३	२७	२६	शि	१६	१६	१३	५१	वि	११	५२	१२	०५	३९	२१	३६	मेषे		१	९	२२
१२	गु	१६	१४	१३	५१	कृति	५६	१४	२९	५०	सि	१६	४६	१४	०४	बा	१६	१४	१३	५१	३९	२१	३७	वृषे	१०।००	२	१०	२३
१३	शु	२१	२२	१५	५४	रोहि	...	...	...	...	सा	१७	५२	१४	३०	तै	२१	२२	१५	५४	३९	२१	३७	वृषे		३	११	२४
१४	श	२७	०२	१८	११	रोहि	२	४८	८	२९	शु	१९	२२	१५	०७	व	२७	०२	१८	११	३९	२२	३८	मिथु.	२१।५२	४	१२	२५
१५	र	३३	०४	२०	३६	मृग	९	४७	११	१७	शु	२१	०८	१५	४९	वि	०	०१	७	२३	४०	२२	३८	मिथु.		५	१३	२६

हेमन्तर्त्तु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ४६३४, दिसंबर २००४

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

- [C बुधोदयः पूर्वस्याम् २८।३३, अनु. शुक्रः १८।४१
- चंद्रदर्शनम् (मु.३०)
- भ. ३०।२१ उ., रंभास्व्येयं, जिल्काद ११, पातस्पर्शः ३०।४६ C
- भ. १६।४७ या., पातमोक्षः १२।५३, धनुषि मूले रविः १८।३९ E
- पंचक प्रारम्भः १२।४१, नागपंचमी, स्कंदषष्ठी, वृश्चिके भौमः २३।३५
- [E (सौरः २७।२०)
- भ. १०।३३ उ. २२।०८ गा., (व) अनु. बुधः २०।१४
- कल्पादि [B १८।१७, अनु. भौमः २०।४९, ज्येष्ठा. बुधः २७।०५
- पंचक समाप्तिः २३।४५, मार्गी बुधः २२।३४
- भ. २३।२३ उ., सायन मकरे भानुः, सायन उत्तरायण प्रारम्भ B.
- भ. १२।०५ या., मोक्षदा ११ व्र., गीता जयंती, भा. पोषारंभः D
- प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र., पातस्पर्शः २३।५१ [D अयन करिदिन
- पातमोक्षः ७।४३ [A द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा
- भ. १८।११ उ., पिशाच मोचन श्राद्धं, बडादिन, ज्येष्ठा. शुक्रः १०।४०
- भ. ७।२३ या., श्री दत्त जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A

अयनांशाः २३।५४।२६
३६ पं. मा.शु. ३ मं. इष्टघटी २५।१४
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	६	७	५	७	३	०	७
२८	२८	१९	२१	०३	०२	०५	२८
५५	२७	२२	१८	१५	२६	१८	३३
४१	४४	३४	३५	५०	२७	४३	१६
६१	४०	५७	८	७४	३	३	६१
०३	४९	०९	०६	५५	४४	११	१६
ज्ये	वि	ज्ये	ह	वि	पुन	अ	ज्ये
४	३	१व	४	४	४व	२	४



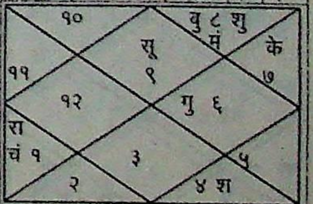
दिसम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्वई रेलवे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रलवे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१२	र	७	२६	२५	५४	६१	०१	२३	०५	२७	१३	७	०६	५	५९	२६	३८	६	१०	४	४९
१३	चं	७	२७	२६	५५	६१	०२	२३	०९	२७	१३	७	०६	५	५९	२६	३७	६	११	४	५०
१४	मं	७	२८	२७	५६	६१	०२	२३	१३	२७	१२	७	०७	६	००	२६	३६	६	१२	४	५०
१५	बु	७	२९	२८	५८	६१	०३	२३	१६	२७	१२	७	०८	६	००	२६	३६	६	१२	४	५०
१६	गु	८	००	३०	०१	६१	०४	२३	१९	२७	११	७	०८	६	०१	२६	३५	६	१३	४	५१
१७	शु	८	०१	३१	०५	६१	०४	२३	२२	२७	११	७	०९	६	०१	२६	३५	६	१३	४	५१
१८	श	८	०२	३२	१०	६१	०५	२३	२४	२७	११	७	०९	६	०१	२६	३५	६	१४	४	५२
१९	र	८	०३	३३	१५	६१	०६	२३	२५	२७	११	७	१०	६	०२	२६	३५	६	१४	४	५२
२०	चं	८	०४	३४	२०	६१	०६	२३	२६	२७	११	७	१०	६	०२	२६	३४	६	१५	४	५३
२१	मं	८	०५	३५	२६	६१	०७	२३	२६	२७	११	७	११	६	०३	२६	३४	६	१५	४	५३
२२	बु	८	०६	३६	३३	६१	०७	२३	२६	२७	११	७	११	६	०३	२६	३४	६	१६	४	५४
२३	गु	८	०७	३७	४०	६१	०७	२३	२६	२७	११	७	१२	६	०४	२६	३४	६	१६	४	५४
२४	शु	८	०८	३८	४७	६१	०८	२३	२५	२७	११	७	१२	६	०४	२६	३५	६	१७	४	५५
२५	श	८	०९	३९	५५	६१	०८	२३	२३	२७	११	७	१३	६	०५	२६	३५	६	१७	४	५५
२६	र	८	१०	४१	०३	६१	०८	२३	२२	२७	११	७	१३	६	०६	२६	३५	६	१८	४	५६

संक्रांति फलम्

ता. १५ दिसंबर २००४
मार्ग. शु. ४ बुधे धनुष्यर्कः प्र. (स्टै.) टा. १८।३९ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति. दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्र भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १८।३९ से २५।०३ तक। (दान- वस्त्र)।

अयनांशाः २३।५४।२७
३७ पं. मा.शु.१० मं. इष्टघटी २५।०४
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	७	७	५	७	३	०	८
०६	०३	१६	२२	१२	०१	०४	०५
०३	१४	३३	१२	००	५८	५६	४२
१३	०६	४४	३१	४१	४९	२८	२३
६१	४०	१६	७	७५	४	३	६१
०७	०२	२५	१०	०३	१३	११	२०
मू	वि	अनु	ह	अनु	पुन	अ	मू
२	४	४	४	३	४व	२	२



पोष कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, २७ दिसंबर से १० जनवरी तक नवलगढ																								चंद्रः	तारीखं			शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे मार्गशीर्षकृष्णेति महा., दिसं.२००४-जन.२००५
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	सो	३९	१८	२३	०६	आर्द्रा	१७	०१	१४	११	ब्र	२३	०५	१६	३७	बा	६	०९	९	५०	२५ ४०	७ २३	५ ३९	मिथु.	६	१४	२७	
२	मं	४५	३५	२५	३७	पुन	२४	२२	१७	०८	ऐ	२५	०६	१७	२५	तै	१२	२६	१२	२२	४१	२३	३९	कर्के १०।२४	७	१५	२८	पूषा. रविः २०।५० (सौरः २८।२१)
३	बु	५१	४८	२८	०६	पुष्य	३१	४०	२०	०३	वै	२७	०६	१८	१४	व	१८	४३	१४	५३	४२	२३	४०	कर्के	८	१६	२९	भ. १४।५३ उ. २८।०६ या.
४	गु	५७	३६	३०	२६	श्ले	३८	४१	२२	५२	वि	२८	५२	१८	५७	ब	२४	४५	१७	१८	४२	२४	४१	सिंहे २२।५२	९	१७	३०	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।००
५	शु	...	...	...	...	मघा	४५	०७	२५	२७	प्री	३०	१४	१९	३०	कौ	३०	१५	१९	३०	४३	२४	४१	सिंहे	१०	१८	३१	चित्रा.-१ गुरुः २७।४५
५	श	२	३९	८	२८	पूफा	५०	३४	२७	३८	आ	३०	५४	१९	४६	तै	२	३९	८	२८	४४	२४	४२	सिंहे	११	१९	१	जनवरी १ ता. ३१ सन २००५ ई.
६	र	६	३६	१०	०३	उफा	५४	४२	२९	१७	सौ	३०	३६	१९	३९	व	६	३६	१०	०३	४५	२५	४३	कन्या १०।०६	१२	२०	२	भ. १०।०३ उ. २२।३८ या.
७	सो	९	०३	११	०२	हस्त	५७	०९	३०	१७	शो	२९	०४	१९	०३	ब	९	०३	११	०२	४७	२५	४३	कन्या	१३	२१	३	
८	मं	९	४३	११	१८	चित्रा	५७	४४	३०	३१	अ	२६	०८	१७	५२	कौ	९	४३	११	१८	४८	२५	४४	तुला. १८।३०	१४	२२	४	धनुषि मूले शुक्रः २६।१३
९	बु	८	२४	१०	४७	स्वा	५६	२०	२९	५७	सु	२१	३७	१६	०४	ग	८	२४	१०	४७	४९	२५	४५	तुला.	१५	२३	५	भ. २२।१३ उ., धनुषि मूले बुधः २०।२९
१०	गु	५	०४	९	२७	विशा	५३	०१	२८	३८	धृ	१५	३१	१३	३८	वि	५	०४	९	२७	५१	२५	४६	वृश्चि. २३।०२	१६	२४	६	भ. ९।२७ या., सफला ११ व्र.स्मार्त, पातस्पर्शः २९।०१
११	गु	५९	४७	३१	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A २२।४७ (सौरः २९।०९)
१२	शु	५२	४८	२८	३३	अनु	४७	५९	२६	३७	शू	७ ५८	५४ ५७	१० ३१	३५ ००	कौ	२६	२९	१८	०१	५२	२५	४६	वृश्चि.	१७	२५	७	सफला ११ व्र.वैष्ण., सुरुप द्वादशी १२, पातमोक्षः १०।४३
१३	श	४४	२६	२५	१२	ज्ये	४१	३२	२४	०२	वृ	४८	५५	२७	००	ग	१८	४६	१४	५६	५४	२६	४७	धनु. २४।०२	१८	२६	८	भ. २५।१२ उ., प्रदोषः
१४	र	३५	०८	२१	२९	मूल	३४	०७	२१	०४	ध्रु	३८	०७	२२	४१	वि	९	५२	११	२३	५६	२६	४८	धनु.	१९	२७	९	भ. ११।२३ या., मासिकंशिवरात्री व्र., ज्येष्ठा. भौमः २९।४३
३०	सो	२९	२१	१७	३४	पूषा	२६	१२	१७	५५	व्या	२६	५७	१८	१३	च	०	१६	७	३२	५८	२६	४९	मक. २३।०७	२०	२८	१०	देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., कुहूः, उषा. रविः A

अयनांशाः २३।५४।२८
३८ पं. पौ.कृ. २ मं. इष्टघटी २४।५६
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	७	७	५	७	३	०	८
१३	०८	२०	२२	२०	०१	०४	१२
११	०१	४९	५९	४६	२८	३४	५१
०८	५३	४९	४०	१४	०५	१२	५५
६१	४१	५७	६	७५	४	३	६१
०९	१४	१९	०९	०७	३६	११	२३
मू	अनु	ज्ये	ह	ज्ये	पुन	अ	मू
४	२	२	४	२	४व	२	४



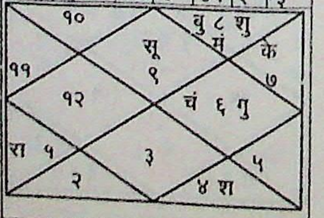
दिसम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२७ चं	८	११	४२	१२	६१	०९	२३	१९	२७	१२	७	१४	६	०६	२६	३६	६	१८	४	५६
२८ मं	८	१२	४३	२१	६१	०९	२३	१६	२७	१२	७	१४	६	०७	२६	३६	६	१९	४	५७
२९ बु	८	१३	४४	३०	६१	०९	२३	१३	२७	१२	७	१४	६	०७	२६	३७	६	१९	४	५८
३० गु	८	१४	४५	३९	६१	०९	२३	०९	२७	१३	७	१५	६	०८	२६	३७	६	१९	४	५८
३१ शु	८	१५	४६	४८	६१	०९	२३	०५	२७	१४	७	१५	६	०८	२६	३८	६	२०	४	५९
१ श	८	१६	४७	५८	६१	१०	२३	००	२७	१४	७	१५	६	०९	२६	३९	६	२०	४	५९
२ र	८	१७	४९	०७	६१	१०	२२	५५	२७	१५	७	१६	६	१०	२६	४०	६	२०	५	००
३ चं	८	१८	५०	१७	६१	१०	२२	५०	२७	१६	७	१६	६	१०	२६	४१	६	२१	५	०१
४ मं	८	१९	५१	२७	६१	१०	२२	४४	२७	१६	७	१६	६	११	२६	४२	६	२१	५	०१
५ बु	८	२०	५२	३६	६१	१०	२२	३७	२७	१७	७	१७	६	१२	२६	४३	६	२१	५	०२
६ गु	८	२१	५३	४६	६१	१०	२२	३०	२७	१८	७	१७	६	१२	२६	४४	६	२१	५	०३
७ शु	८	२२	५४	५६	६१	०९	२२	२३	२७	१९	७	१७	६	१३	२६	४५	६	२१	५	०३
८ श	८	२३	५६	०५	६१	०९	२२	१५	२७	२०	७	१७	६	१३	२६	४६	६	२२	५	०४
९ र	८	२४	५७	१४	६१	०९	२२	०७	२७	२१	७	१८	६	१४	२६	४८	६	२२	५	०५
१० चं	८	२५	५८	२३	६१	०९	२१	५८	२७	२३	७	१८	६	१५	२६	४९	६	२२	५	०६

संक्रांति फलम्

ता. १३ जनवरी २००५
पौष शु. ४ गुरौ मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २९।१८ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्र भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २९।१८ से भृगौ २१।१८ तक। (दान- काष्ट - अन्न)।

अयनांशाः २३।५४।२९
३९ पं. पौ.कृ. ८ मं. इष्टघटी २४।५१
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	७	७	५	७	३	०	८
२०	१२	२८	२३	२९	००	०४	२०
१९	५१	३४	३९	३२	५५	११	०९
१५	०७	०९	१९	१५	२९	५९	३५
६१	४१	७५	५	७५	४	३	६१
१०	२६	४१	०३	१०	५१	११	२३
पूषा	अनु	ज्ये	चि	ज्ये	पुन	अ	पूषा
३	३	४	१	४	४व	२	३



पोष शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, ११ जनवरी से २५ जनवरी तक नवलगढ चंद्रः

शिशिरर्त्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ४६६४, जनवरी २००५

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	तारीख आ.	मु.	इं.
१	मं	१५	३३	१३	३९	उषा	१८	१९	१४	४५	ह	१५	४९	१३	४५	व	१५	३३	१३	३९	२५ ५९	७ २६	५ ४९	मक.		२१	२९	११
२	बु	६	१८	९	५७	श्रव	१०	५८	११	४९	व	५ ५५	०७ १३	९ २९	२८ ३१	कौ	६	१८	९	५७	२६ ०१	२६	५०	कुंभे	२२।२९	२२	३०	१२
३	बु	५८	०२	३०	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०
४	गु	५१	११	२७	५४	धनि	४ १९	३९ ४९	९ ३१	१७ २१	व्य	४६	२८	२६	०१	व	२४	२५	१७	१२	०३	२६	५१	कुंभे		२३	१	१३
५	शु	४६	०९	२५	५३	पूभा	५६	४९	३०	०९	व	३९	०८	२३	०५	ब	१८	२६	१४	४८	०६	२६	५२	मीने	२४।२३	२४	२	१४
६	श	४३	०८	२४	४१	उभा	५५	४९	२९	४५	प	३३	२५	२०	४७	कौ	१४	२३	१३	११	०८	२६	५३	मीने		२५	३	१५
७	र	४२	१७	२४	२०	रेव	५६	५५	३०	११	शि	२९	२१	१९	१०	ग	१२	२६	१२	२४	१०	२५	५३	मेषे	३०।११	२६	४	१६
८	सो	४३	२९	२४	४९	अश्वि	५९	५७	३१	२४	सि	२६	५६	१८	१२	वि	१२	३८	१२	२८	१३	२५	५४	मेषे		२७	५	१७
९	मं	४६	३०	२६	०१	भर	...	...	...	...	सा	२५	५७	१७	४८	बा	१४	४७	१३	२०	१५	२५	५५	मेषे		२८	६	१८
१०	बु	५१	०१	२७	४९	भर	४	४१	९	१७	शु	२६	१२	१७	५४	तै	१८	३६	१४	५१	१७	२५	५६	वृषे	१५।५१	२९	७	१९
११	गु	५६	३५	३०	०३	कृति	१०	४२	११	४२	शु	२७	२३	१८	२२	व	२३	४२	१६	५४	२०	२५	५७	वृषे		३०	८	२०
१२	शु	...	...	...	...	रोहि	१७	३५	१४	२७	ब्र	२९	०७	१९	०३	ब	२९	३८	१९	१६	२३	२४	५८	मिथु.	२७।५४	१	९	२१
१२	श	२	४६	८	३१	मृग	२४	५६	१७	२३	ऐ	३१	१२	१९	५३	बा	२	४६	८	३१	२५	२४	५८	मिथु.		२	१०	२२
१३	र	९	१०	११	०४	आर्द्रा	३२	२४	२०	२१	वै	३३	१९	२०	४४	तै	९	१०	११	०४	२८	२४	५९	मिथु.		३	११	२३
१४	सो	१५	३०	१३	३६	पुन	३९	४४	२३	१७	वि	३५	२१	२१	३२	व	१५	३०	१३	३६	३१	२४	६ ००	कर्के	१६।३४	४	१२	२४
१५	मं	२१	३६	१६	०२	पुष्य	४६	४७	२६	०६	प्री	३७	११	२२	१६	ब	२१	३६	१६	०२	३४	२३	०१	कर्के		५	१३	२५

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक प्रारम्भः २२।२९
[D निरयन उत्तरायनारंभः
भ. १७।१२ उ. २७।५४ या., जिल्हेज १२, मकरे रविः २९।१८, D
मकरे सौरः ११।२३
पूषा. बुधः १२।५३, पूषा. शुक्रः १७।३५, (व) मिथुने पुन.-३ C
भ. २४।२० उ., पंचक समाप्तिः ३०।११
भ. १२।२८ या., शांकभरी यात्रा [C शनिः २३।२७, सक्रान्ति करिदिन
[B (सौरः २३।५८) अश्वि.-१ राहुः २५।२७, चित्रा.-३ केतुः २५।२७
पातस्पर्शः ९।२०, मोक्षः १५।२१, सायन कुंभे भानुः २८।५१
भ. १६।५४ उ. ३०।०३ या., पुत्रदा ११ व्र., मन्वादि, अभि. E
भा. माघारंभः, बुधास्तः पूर्वस्याम् २१।०८ [E प्र. रविः१८।२५ B
प्रदोषः [A नि. रविः २२।०१ (सौरः २७।१४), उषा. बुधः ११।०४
नेताजी जयन्ती, श्रव. रविः २५।०३ (सौरः ३०।२०)
भ. १३।३६ उ. २६।५० या., पूर्णिमा व्रतं, शाकंभरी जयंती, अभि. A
पूर्णिमा पुण्यं, माघ स्नानारंभः

अयनांशाः २३।५४।३०
४० पं. पौ.शु. १ मं. इष्टघटी २४।५०
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	७	८	५	८	३	०	८
२७	१७	०७	२४	०८	००	०३	२७
२७	४१	५३	११	१८	२१	४९	११
१९	४८	३९	१०	३१	०८	४१	१३
६१	४१	८४	३	७५	४	३	६१
०८	३८	२६	५२	१५	५८	११	२१
उषा	ज्ये	मू	चि	मू	पुन	अ	उषा
१	१	३	१	३	४व	२	१



जनवरी ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
११	मं	८	२६	५९	३२	६१	०८	२१	४९	२७	२४	७	१८	६	१५	२६	५१	६	२२	५	०६
१२	बु	८	२८	००	४०	६१	०८	२१	३९	२७	२५	७	१८	६	१६	२६	५२	६	२२	५	०७
१३	गु	८	२९	०१	४८	६१	०८	२१	२९	२७	२६	७	१८	६	१७	२६	५४	६	२२	५	०८
१४	शु	९	००	०२	५६	६१	०७	२१	१९	२७	२८	७	१८	६	१७	२६	५५	६	२२	५	०८
१५	श	९	०१	०४	०३	६१	०७	२१	०८	२७	२९	७	१८	६	१८	२६	५७	६	२२	५	०९
१६	र	९	०२	०५	१०	६१	०६	२०	५७	२७	३१	७	१८	६	१९	२६	५९	६	२२	५	१०
१७	चं	९	०३	०६	१६	६१	०६	२०	४५	२७	३२	७	१८	६	१९	२७	०१	६	२२	५	१०
१८	मं	९	०४	०७	२२	६१	०५	२०	३३	२७	३४	७	१८	६	२०	२७	०३	६	२२	५	११
१९	बु	९	०५	०८	२७	६१	०५	२०	२१	२७	३५	७	१८	६	२१	२७	०५	६	२२	५	१२
२०	गु	९	०६	०९	३२	६१	०४	२०	०८	२७	३७	७	१८	६	२१	२७	०७	६	२२	५	१३
२१	शु	९	०७	१०	३६	६१	०३	१९	५५	२७	३९	७	१८	६	२२	२७	०९	६	२२	५	१३
२२	श	९	०८	११	३९	६१	०३	१९	४२	२७	४१	७	१८	६	२२	२७	११	६	२२	५	१४
२३	र	९	०९	१२	४२	६१	०२	१९	२८	२७	४२	७	१८	६	२३	२७	१३	६	२१	५	१५
२४	चं	९	१०	१३	४४	६१	०१	१९	१३	२७	४४	७	१८	६	२४	२७	१५	६	२१	५	१५
२५	मं	९	११	१४	४५	६१	००	१८	५९	२७	४६	७	१८	६	२४	२७	१८	६	२१	५	१६

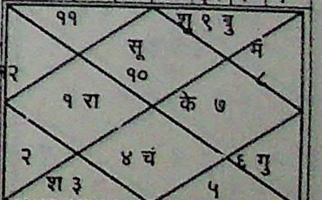
अयनांशाः २३।५४।३१
४१ पं. पौ.शु. ९ मं. इष्टघटी २४।५१
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	७	८	५	८	२	०	९
०४	२२	१८	२४	१७	२९	०३	०४
३५	३३	००	३४	०४	४६	२७	२०
०८	५३	१८	३३	५२	२४	२६	३२
६१	४१	८९	२	७५	४	३	६१
०५	५१	१४	३८	१२	५६	११	१८
उषा	ज्ये	पूषा	चि	पूषा	पुन	अ	उषा
३	२	२	१	२	३व	२	३



अयनांशाः २३।५४।३२
४२ पं. पौ.शु.१५ मं. इष्टघटी २४।५६
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	७	८	५	८	२	०	९
११	२७	२८	२४	२५	२९	०३	११
४२	२७	३६	४९	५१	१२	०५	२९
२९	२४	४९	०४	११	१७	११	२१
६१	४२	९३	१	७५	४	३	६१
००	०३	१४	२०	११	४६	११	१२
श्र	ज्ये	उषा	चि	पूषा	पुन	अ	श्र
१	४	१	१	४	३व	१	१



माघ कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, २६ जनवरी से ८ फरवरी तक नवलगढ चंद्रः																								तारीख			शिशिरर्त्तु रविरुत्तरे पोषकृष्णेति महा., जनवरी-फरवरी २००५
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	बु	२७	२०	१८	१९	श्ले	५३	२७	२८	४६	आ	३८	४२	२२	५२	कौ	२७	२०	१८	१९	२६ ३७	७ २३	६ ०२	सिंहे २८।४६	६	१४	२६	गणराज्यदिवस, मकरे बुधः १४।४६, उषा. शुक्रः ८।५७
२	गु	३२	३५	२०	२५	मघा	५९	३७	३१	१३	सौ	३९	५१	२३	१९	तै	०	०२	७	२३	४०	२३	०२	सिंहे	७	१५	२७	
३	शु	३७	११	२२	१५	पूफा	...	...	...	...	शो	४०	३२	२३	३५	व	४	५९	९	२२	४३	२२	०३	सिंहे	८	१६	२८	भ. ९।२२ उ. २२।१५ या., सौभाग्य सुन्दरी व्र., मकरे शुक्रः २४।४८
४	श	४०	५८	२३	४५	पूफा	५	०७	९	२४	अ	४०	३५	२३	३६	ब	९	१२	११	०३	४६	२२	०४	कन्या १५।५४	९	१७	२९	तिलकुटी ४ चन्द्रोदयः २१।३८, संकट हरगणपति व्र., गौरी A
५	र	४३	३९	२४	४९	उफा	९	४२	११	१४	सु	३९	४८	२३	१६	कौ	१२	२८	१२	२०	४९	२१	०५	कन्या	१०	१८	३०	[A चतुर्थी, धनुषि मूले भौमः ८।२४
६	सो	४५	०२	२५	२२	हस्त	१३	०९	१२	३६	धृ	३८	०३	२२	३४	ग	१४	३२	१३	१०	५२	२१	०६	तुला. २५।०६	११	१९	३१	भ. २५।२२ उ.
७	मं	४४	५१	२५	१७	चित्रा	१५	१४	१३	२६	शू	३५	०७	२१	२३	वि	१५	०९	१३	२४	५६	२०	०६	तुला.	१२	२०	१	भ. १३।२४ या., स्वामी विवेकानन्द जयंती, फरवरी २ ता. B
८	बु	४२	५८	२४	३१	स्वा	१५	४२	१३	३७	गं	३०	५२	१९	४०	बा	१४	०८	१२	५९	५९	२०	०७	वृश्चि. ३१।१८	१३	२१	२	पातस्पर्शः ८।१३, मोक्षः १२।५०, वक्री गुरुः १७।३६
९	गु	३९	१८	२३	०२	विशा	१४	२८	१३	०६	वृ	२५	१३	१७	२४	तै	११	२२	११	५२	२७ ०२	१९	०८	वृश्चि.	१४	२२	३	[B २८, श्रव. बुधः २१।२६
१०	शु	३३	५६	२०	५३	अनु	११	३२	११	५५	ध्रु	१८	१३	१४	३६	व	६	५०	१०	०३	०६	१९	०९	वृश्चि.	१५	२३	४	भ. १०।०३ उ. २०।५३ या.
११	श	२७	०५	१८	०८	ज्ये	७	००	१०	०६	व्या	९	५६	११	१६	ब	०	४२	७	३५	०९	१८	१०	धनु. १०।०६	१६	२४	५	षट्तिल. ११ व्र., धनि. रविः २८।१०, श्रव. शुक्रः २४।२३
१२	र	१९	०१	१४	५४	मूल	९ ५४	१० २१	७ २९	४५ ०२	ह	० ५०	३६ २७	७ २७	३२ २८	तै	१९	०१	१४	५४	१३	१७	१०	धनु.	१७	२५	६	प्रदोषः, तिल द्वादशी, धनि. सौरः ८।२७
१३	सो	१०	०९	११	२०	उषा	४७	०३	२६	०६	सि	३९	५३	२३	१४	व	१०	०९	११	२०	१६	१७	११	मक. १०।१८	१८	२६	७	भ. ११।२० उ. २१।२९ या., मासिकशिवरात्री व्र.
१४	मं	०	५५	७	३८	[illegible]	२९	४४	२३	१०	व्य	२९	१४	१८	५८	श	०	५५	७	३८	२०	१६	१२	मक	१९	२७	८	देवपितृकार्येऽमा , मौनी ३०, युगादि
३०	मं	५१	४५	२७	[illegible]	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	

अयनांशाः २३।५४।३३
४३ पं. मा.कृ. ७ मं. इष्टघटी २५।०३
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	८	९	५	९	२	०	९
१८	०२	०९	२४	०४	२८	०२	१८
४९	२२	४३	५४	३७	३९	४२	३७
१०	१७	५९	२३	२३	४५	५५	२६
६०	४२	९८	०	७५	४	३	६१
५३	१४	०४	००	०९	२८	११	०५
श्र	मू	उषा	चि	उषा	पुन	अ	श्र
३	१	४	१	३	३व	१	३



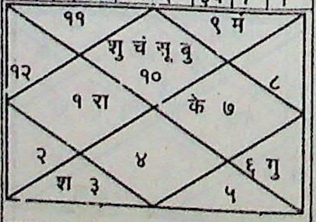
जनवरी रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२६	बु	९	१२	१५	४६	६०	५९	१८	४४	२७	४८	७	१८	६	२५	२७	२०	६	२१	५	१७
२७	गु	९	१३	१६	४५	६०	५९	१८	२९	२७	५०	७	१८	६	२५	२७	२२	६	२१	५	१७
२८	शु	९	१४	१७	४४	६०	५८	१८	१३	२७	५२	७	१७	६	२६	२७	२५	६	२०	५	१८
२९	श	९	१५	१८	४१	६०	५७	१७	५७	२७	५४	७	१७	६	२७	२७	२७	६	२०	५	१९
३०	र	९	१६	१९	३८	६०	५६	१७	४१	२७	५६	७	१७	६	२७	२७	३०	६	२०	५	१९
३१	चं	९	१७	२०	३४	६०	५५	१७	२४	२७	५८	७	१७	६	२८	२७	३२	६	१९	५	२०
१	मं	९	१८	२१	२९	६०	५४	१७	०७	२८	००	७	१६	६	२८	२७	३५	६	१९	५	२१
२	बु	९	१९	२२	२३	६०	५३	१६	५०	२८	०२	७	१६	६	२९	२७	३७	६	१९	५	२१
३	गु	९	२०	२३	१५	६०	५२	१६	३२	२८	०४	७	१६	६	२९	२७	४०	६	१८	५	२२
४	शु	९	२१	२४	०७	६०	५०	१६	१५	२८	०७	७	१५	६	३०	२७	४३	६	१८	५	२३
५	श	९	२२	२४	५७	६०	४९	१५	५७	२८	०९	७	१५	६	३१	२७	४५	६	१७	५	२३
६	र	९	२३	२५	४७	६०	४८	१५	३८	२८	११	७	१५	६	३१	२७	४८	६	१७	५	२४
७	चं	९	२४	२६	३५	६०	४७	१५	२०	२८	१३	७	१४	६	३२	२७	५१	६	१६	५	२५
८	मं	९	२५	२७	२२	६०	४५	१५	०१	२८	१६	७	१४	६	३२	२७	५४	६	१६	५	२५

मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो ।।यथा- बुधेरसक्षयोभूम्याम्।। और पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो । शनिवारी सक्रांति होने से सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो, प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो । पड़वा को बुधवार होने से दुर्भिक्ष हो, अन्न की महँगाई और अनावृष्टि हो । माघ की चौथ शनिवारी होने से दुर्भिक्ष, चौराग्निभय और धान्यनाश हो । शुक्ला सप्तमी को भरणी होने से धान्योत्पत्ति उत्तम हो । शुक्लपक्ष में चतुर्दशी की वृद्धि होने से सुभिक्ष हो । पूर्णिमा मघा युक्त होने से समर्घता हो ।

अयनांशाः २३।५४।३४
४४ पं. मा.कृ.१४ मं. इष्टघटी २५।१४
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	८	९	५	९	२	०	९
२५	०७	२१	२४	१३	२८	०२	२५
५४	१८	२६	५०	२३	०९	२०	४४
५९	३२	४२	२२	२४	४२	४०	३५
६०	४२	१०३	१	७५	४	३	६०
४५	२६	४७	२०	०७	०२	११	५६
ध	मू	श्र	चि	श्र	पुन	अ	ध
१	३	४	१व	२	३व	१	१



॥ श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम् ॥

माघ शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, ९ फरवरी से २४ फरवरी तक नवलगढ चंद्रः

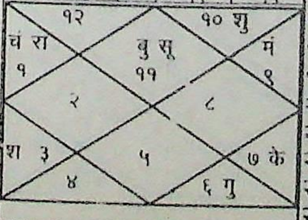
शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः ४६९३, फरवरी २००५

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	
१	बु	४३	११	२४	३२	धनि	३२	५३	२०	२४	व	१८	५४	१४	४९	किं	१७	२३	१४	१२	२७ २३	७ ५५	६ १३	कुंभे ९।४५	२०	२८	९	पंचक प्रारम्भः ९।४५, श्री वल्लभ जयंती, धनि. बुधः १९।३२
२	गु	३५	४१	२१	३१	शत	२६	५८	१८	०२	प	९	१६	१०	५७	बा.	९	१८	१०	५८	२७	१५	१३	कुंभे	२१	२९	१०	चंद्रदर्शनम् (मु.३०) [C रविः १८।१३ (सौरः २२।०२)
३	शु	२९	३६	१९	०४	पूभा	२२	२७	१६	१३	शि	० ५३	३७ १६	७ २८	२९ ३२	तै	२	२७	८	१३	३१	१४	१४	मीने १०।३६	२२	१	११	भ. ३०।०७ उ., मोहोर्रम १ सन १४२६ हि.
४	श	२५	१८	१७	२०	उभा	१९	३८	१५	०४	सा	४७	२८	२६	१२	वि	२५	१८	१७	२०	३४	१३	१५	मीने	२३	२	१२	भ. १७।२० या., वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी, कुंभे C
५	र	२३	०१	१६	२५	रेव	१८	४८	१४	४३	शु	४३	१७	२४	३१	बा	२३	०१	१६	२५	३८	१२	१६	मेषे १४।४३	२४	३	१३	पंचक समाप्तिः १४।४३, वसन्त पञ्चमी, पातस्पर्शः २८।३५, कुभे B
६	सो	२२	५१	१६	२०	अश्वि	२०	०१	१५	१२	शु	४०	४५	२३	३०	तै	२२	५१	१६	२०	४२	१२	१६	मेषे	२५	४	१४	पातमोक्षः ८।५८, [B बुधः १४।१५
७	मं	२४	४५	१७	०५	भर	२३	१४	१६	२८	ब्र	३९	५७	२३	०६	व	२४	४५	१७	०५	४६	११	१७	वृषे २२।५४	२६	५	१५	भ.१७।०५ उ. २९।४५ या., [शुक्रास्तः पूर्वस्याम् १४।०६] A शुक्रास्तः
८	बु	२८	३०	१८	३४	कृति	२८	१३	१८	२७	ऐ	४०	०८	२३	१३	ब	२८	३०	१८	३४	४९	१०	१८	वृषे	२७	६	१६	भीष्माष्टमी, पूषा. भौमः २९।२१, शत.बुधः ३०।३३, धनि.शुक्रः १६।००
९	गु	३३	४१	२०	३७	रोहि	३४	३५	२०	५९	वै	४१	३१	२३	४५	बा	०	५६	७	३२	५३	०९	१८	वृषे	२८	७	१७	[A मन्वादि, पुत्र ७, रथ ७, अचला ७,
१०	शु	३९	४७	२३	०३	मृग	४१	४९	२३	५२	वि	४३	३३	२४	३३	तै	६	४०	९	४८	५७	०८	१९	मिथु. १०।२४	२९	८	१८	सायन मीने भानुः १८।५६
११	श	४६	१७	२५	३८	आर्द्रा	४९	२५	२६	५४	प्री	४५	५०	२५	२८	व	१३	०२	१२	२०	२८ ०१	०७	२०	मिथु.	३०	९	१९	भ. १२।२० उ. २५।३८ या., जया ११ व्र., शत. D
१२	र	५२	४१	२८	११	पुन	५६	५५	२९	५२	आ	४८	०४	२६	२०	ब	१९	३२	१४	५५	०५	०७	२१	कर्के २३।०८	१	१०	२०	भीष्मद्वादशी, भा. फाल्गुनारंभः
१३	सो	५८	३७	३०	३२	पुष्य	...	...	...	...	सौ	४९	५८	२७	०५	कौ	२५	४४	१७	२३	०९	०६	२१	कर्के	२	११	२१	प्रदोषः, कल्पादि, कुंभे शुक्रः २३।५४
१४	मं	...	...	...	...	पुष्य	३	५९	८	४०	शो	५१	२२	२७	३८	ग	३१	२०	१९	३७	१३	०५	२२	कर्के	३	१२	२२	[D रविः ८।३९ (सौरः १२।०२)
१४	बु	३	५३	८	३७	श्ले	१०	२१	११	१२	अ	५२	१२	२७	५७	व	३	५३	८	३७	१७	०४	२३	सिंहे ११।१२	४	१३	२३	भ. ८।३७ उ. २१।३३ या., पूर्णिमा व्रतं
१५	गु	८	२१	१०	२३	मघा	१५	५७	१३	२६	सु	५२	२५	२८	०१	ब	८	२१	१०	२३	२१	०३	२३	सिंहे	५	१४	२४	पूर्णिमा पुण्यं, माघ स्नान पूर्त्तिः, पूभा. बुधः १०।१६

अयनांशाः २३।५४।३६
४५ पं. मा.शु. ७ मं. इष्टघटी २५।२७
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	८	१०	५	९	२	०	१०
०२	१२	०३	२४	२२	२७	०१	०२
५९	१६	५०	३७	०९	४२	५८	५०
४६	०५	१६	०६	०९	५७	२४	३६
६०	४२	१०९	२	७५	३	३	६०
३५	३७	१९	३८	०५	३१	११	४५
ध	मू	ध	चि	श्र	पुन	अ	ध
३	४	४	१व	४	३व	१	३



फरवरी रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रदि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
९ बु	९	२६	२८	०७	६०	४४	१४	४२	२८	१८	७	१३	६	३३	२७	५६	६	१५	५	२६
१० गु	९	२७	२८	५२	६०	४३	१४	२२	२८	२०	७	१३	६	३३	२७	५९	६	१५	५	२६
११ शु	९	२८	२९	३५	६०	४२	१४	०३	२८	२३	७	१२	६	३४	२८	०२	६	१४	५	२७
१२ श	९	२९	३०	१६	६०	४०	१३	४३	२८	२५	७	१२	६	३४	२८	०५	६	१४	५	२८
१३ र	१०	००	३०	५६	६०	३९	१३	२३	२८	२८	७	११	६	३५	२८	०८	६	१३	५	२८
१४ चं	१०	०१	३१	३५	६०	३८	१३	०३	२८	३०	७	११	६	३५	२८	११	६	१२	५	२९
१५ मं	१०	०२	३२	१३	६०	३६	१२	४२	२८	३२	७	१०	६	३५	२८	१४	६	१२	५	२९
१६ बु	१०	०३	३२	४९	६०	३४	१२	२१	२८	३५	७	१०	६	३६	२८	१७	६	११	५	३०
१७ गु	१०	०४	३३	२३	६०	३३	१२	००	२८	३७	७	०९	६	३६	२८	२०	६	१०	५	३०
१८ शु	१०	०५	३३	५६	६०	३१	११	३९	२८	४०	७	०९	६	३७	२८	२३	६	१०	५	३१
१९ श	१०	०६	३४	२८	६०	३०	११	१८	२८	४२	७	०८	६	३७	२८	२६	६	०९	५	३१
२० र	१०	०७	३४	५८	६०	२८	१०	५७	२८	४५	७	०८	६	३८	२८	२९	६	०८	५	३२
२१ चं	१०	०८	३५	२६	६०	२७	१०	३५	२८	४७	७	०७	६	३८	२८	३२	६	०८	५	३२
२२ मं	१०	०९	३५	५२	६०	२५	१०	१३	२८	५०	७	०६	६	३८	२८	३५	६	०७	५	३३
२३ बु	१०	१०	३६	१७	६०	२४	९	५१	२८	५३	७	०६	६	३९	२८	३८	६	०६	५	३३
२४ गु	१०	११	३६	४१	६०	२२	९	२९	२८	५५	७	०५	६	३९	२८	४१	६	०५	५	३४

संक्रांति फलम्

ता. १२ फरवरी २००५
माघ शु. ४ शनौ कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १८।१३ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्पदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्पदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा। मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (वैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूत्रं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) ११।४९ से १८।१३ तक। (दान- गोड़ - अन्न)।

अयनांशाः २३।५४।३७
४६ पं. मा.शु.१४ मं. इष्टघटी २५।४२
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

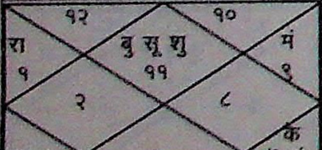
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	८	१०	५	१०	२	०	१०
१०	१७	५६	२४	००	२७	०१	०९
०३	१४	४७	१४	५४	२०	३६	५५
२०	५५	४९	५२	३५	११	०९	२०
६०	४२	११२	३	७५	२	३	६०
२४	४७	४२	५३	०२	५४	११	३४
श	पूफा	श	चि	ध	पुन	अ	श
२	२	४	१व	३	३व	१	१



फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, २५ फरवरी से १० मार्च तक नवलगढ चंद्रः																									तारीख			वसंतर्त्तु, रविरुत्तरे माघकृष्णेति महा., फरवरी-मार्च २००५
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	शु	११	५७	११	४९	पूफा	२०	४६	१५	२०	घृ	५१	५८	२७	४३	कौ	११	५७	११	४९	२८ २५	७ ०२	६ २४	कन्या २१।४६	६	१५	२५	
२	श	१४	४०	१२	५३	उफा	२४	४४	१६	५४	शू	५०	५०	२७	२१	ग	१४	४०	१२	५३	२९	०१	२४	कन्या	७	१६	२६	भ. २५।१८ उ.
३	र	१६	२९	१३	३६	हस्त	२७	४७	१८	०७	गं	४८	५८	२६	३५	वि	१६	२९	१३	३६	३३	००	२५	तुला. ३०।३४	८	१७	२७	भ. १३।३६ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।२५, पातस्पर्शः २३।३६, A
४	सो	१७	१६	१३	५३	चित्रा	२९	५१	१८	५५	वृ	४६	१६	२५	२९	बा	१७	१६	१३	५३	३७	६ ५९	२६	तुला.	९	१८	२८	[A मोक्षः २७।४२, बुधोदयः पश्चिमायाम् १६।२८, शत. शुक्रः ७।५२
५	मं	१६	५५	१३	४४	स्वा	३०	४८	१९	१७	ध्रु	४२	४०	२४	०२	तै	१६	५५	१३	४४	४१	५८	२६	तुला.	१०	१९	१	मार्च ३ ता. ३१, मीने बुधः १९।१३
६	बु	१५	२२	१३	०६	विशा	३०	३३	१९	१०	व्या	३८	०६	२२	११	व	१५	२२	१३	०६	४५	५७	२७	वृश्चि. १३।१५	११	२०	२	भ. १३।०६ उ. २४।३६ या.
७	गु	१२	३३	११	५७	अनु	२९	०४	१८	३३	ह	३२	३०	१९	५६	ब	१२	३३	११	५७	४९	५६	२८	वृश्चि.	१२	२१	३	उना. बुधः १५।५०
८	शु	८	२८	१०	१८	ज्ये	२६	१९	१७	२७	व	२५	५४	१७	१७	कौ	८	२८	१०	१८	५३	५५	२८	धनु. १७।२७	१३	२२	४	पूभा. रविः १४।५५ (सौरः १७।३३)
९	श	३	०९	८	१०	मूल	२२	२६	१५	५३	सि	१८	२३	१४	१५	ग	३	०९	८	१०	५७	५४	२९	धनु.	१४	२३	५	भः १८।५६ उ. २९।३७ या., रामदास ९
१०	श	५६	४६	२९	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	र	४९	३७	२६	४४	पूषा	१७	३६	१३	५५	व्य	१०	०४	१०	५४	ब	२३	१९	१६	१२	२९ ०१	५३	२९	मक. १९।२३	१५	२४	६	विजया ११ व्र.स्मार्त, (व) हस्ते-४ गुरुः ७।४४
१२	सो	४१	५९	२३	३९	उषा	१२	०५	११	४२	व	१ ५१	०९ ५०	७ २७	१९ ३६	कौ	१५	५२	१३	१३	०५	५२	३०	मक.	१६	२५	७	विजया ११ व्र.वैष्ण., उषा. भौमः ७।१६
१३	मं	३४	१२	२०	३१	श्रव	६	१२	९	२०	शि	४२	३१	२३	५१	ग	८	०७	१०	०५	०९	५१	३०	कुंभे २०।०८	१७	२६	८	भ. २०।३१ उ., पंचक प्रारम्भः २०।०८, प्रदोषः, महाशिवरात्री व्रतम्
१४	बु	२६	३९	१७	२९	धनि	० ५४	२२ ५५	६ २८	५८ ४८	सि	३३	२८	२०	१३	वि	०	२४	६	५९	१३	५०	३१	कुंभे	१८	२७	९	भ. ६।५९ या., पूभा. शुक्रः २४।०५
३०	गु	१९	४४	१४	४२	पूभा	५०	२०	२६	५६	सा	२४	५६	१६	४७	ना	१९	४४	१४	४२	१७	४९	३२	मीने २१।२२	१९	२८	१०	देवपितृकार्येऽमा.

अयनांशाः २३।५४।३८
४७ पं. फा.कृ. ५ मं. इष्टघटी २५।५९
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	८	१०	५	१०	२	०	१०
१७	२२	२९	२३	०९	२७	०१	१६
०५	१४	५१	४४	३९	०१	१३	५८
३५	५६	४४	१५	३७	५८	५३	३६
६०	४२	१०८	५	७४	२	३	६०
१२	५७	३५	०१	५८	१२	११	२०
श	पूषा	पूभा	चि	श	पुन	अ	श
४	३	३	१व	१	३व	१	४



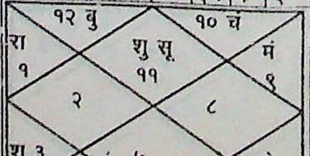
फरवरी रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकत्ता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२५ शु	१०	१२	३७	०३	६०	२०	९	०७	२८	५८	७	०४	६	३०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
२६ श	१०	१३	३७	२३	६०	१८	८	४५	२९	००	७	०४	६	४०	२८	४८	६	०४	५	३५
२७ र	१०	१४	३७	४१	६०	१७	८	२२	२९	०३	७	०३	६	४०	२८	५१	६	०३	५	३५
२८ चं	१०	१५	३७	५८	६०	१५	७	५९	२९	०६	७	०२	६	४०	२८	५४	६	०२	५	३६
१ मं	१०	१६	३८	१२	६०	१३	७	३७	२९	०८	७	०२	६	४१	२८	५७	६	०१	५	३६
२ बु	१०	१७	३८	२५	६०	११	७	१४	२९	११	७	०१	६	४१	२९	००	६	००	५	३७
३ गु	१०	१८	३८	३७	६०	०९	६	५१	२९	१३	७	००	६	४१	२९	०४	६	००	५	३७
४ शु	१०	१९	३८	४६	६०	०८	६	२८	२९	१६	६	५९	६	४२	२९	०७	५	५९	५	३७
५ श	१०	२०	३८	५४	६०	०६	६	०५	२९	१९	६	५९	६	४२	२९	१०	५	५८	५	३८
६ र	१०	२१	३९	००	६०	०४	५	४२	२९	२१	६	५८	६	४२	२९	१३	५	५७	५	३८
७ चं	१०	२२	३९	०३	६०	०२	५	१८	२९	२४	६	५७	६	४३	२९	१६	५	५६	५	३९
८ मं	१०	२३	३९	०६	६०	००	४	५५	२९	२७	६	५६	६	४३	२९	२०	५	५५	५	३९
९ बु	१०	२४	३९	०६	५९	५८	४	३१	२९	२९	६	५५	६	४३	२९	२३	५	५४	५	३९
१० गु	१०	२५	३९	०४	५९	५६	४	०८	२९	३२	६	५५	६	४४	२९	२६	५	५३	५	४०

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा- प्रजावृद्धिरस्तु भार्गवे॥ दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो। गुरुवारी अमावस होने से वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हों दुःख का नाश हो। आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो। शुक्ला नवमी आर्द्रा होने से अवर्षण हो। पूर्णिमा उत्तराफाल्गुनी युक्त होने से समर्घता हो। कुम्भ राशि में बुध का उदय होने से मार्ग में हवा बहुत चले।

अयनांशाः २३।५४।३९
४८ नं. फा.कृ.१३ मं. इष्टघटी २६।१७
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	८	११	५	१०	२	०	१०
२४	२७	११	२३	१८	२६	००	२४
०६	१६	३२	०६	२४	४८	५१	००
२२	०४	५९	०८	०९	४२	३८	१७
५९	४३	८३	६	७४	१	३	६०
५९	०६	३२	००	५३	२८	११	०६
पूभा	उषा	उभा	ह	श	पुन	अ	पूभा
२	१	३	४व	४	३व	१	२



फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, ११ मार्च से २५ मार्च तक   नवलगढ   चंद्रः

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	तारीख आ.	मु.	इं.	वसंतर्त्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः ४७२३, मार्च २००५ — इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	शु	१३	४७	१२	१८	उभा	४६	५५	२५	३४	शु	१७	१६	१३	४२	ब	१३	४७	१२	१८	२९/२२	६/४८	६/३२	मीने	२०	२९	११	चंद्रदर्शनम् (मु.४५), पातस्पर्शः २४।४५, मोक्षः २८।२४
२	श	९	११	१०	२७	रेव	४५	०१	२४	४७	शु	१०	४१	११	०३	कौ	९	११	१०	२७	२६	४६	३३	मेषे २४।४७	२१	१	१२	पंचकसमाप्तिः २४।४७, फुलरिया २, श्रीरामकृष्ण परमहंस जयंती, B
३	र	६	११	९	१४	अश्वि	४४	४९	२४	४१	ब्र	५	२४	८	५५	ग	६	११	९	१४	३०	४५	३३	मेषे	२२	२	१३	भ. २०।५४ उ. [B सफर २, मकरे भौमः १२।३४, रेव. बुधः २२।०५
४	सो	५	०१	८	४५	भर	४६	२८	२५	१९	ऐ	१/५९	३२/०९	७/३०	२१/२४	वि	५	०१	८	४५	३४	४४	३४	मेषे	२३	३	१४	भ. ८।४५ या., मीने रविः १५।०२ (सौरः १७।१३)
५	मं	५	४४	९	०१	कृति	४९	५७	२६	४२	वि	५८	१५	३०	०१	बा	५	४४	९	०१	३८	४३	३४	वृषे ७।३६	२४	४	१५	याज्ञवल्क्य जयंती
६	बु	८	२०	१०	०२	रोहि	५५	०७	२८	४५	प्री	५८	३९	३०	०९	तै	८	२०	१०	०२	४२	४२	३५	वृषे	२५	५	१६	(व) पुन.-२ शनिः १८।०६
७	गु	१२	३५	११	४३	मृग	...	...	...	...	आ	...	...	...	...	व	१२	३५	११	४३	४६	४१	३५	मिथु. १७।५९	२६	६	१७	भ. ११।४३ उ. २४।४६ या., उभा. रविः २३।२१ (सौरः २५।२५), D
८	शु	१८	०७	१३	५५	मृग	१	४०	७	२०	आ	०	०८	६	४३	ब	१८	०७	१३	५५	५०	४०	३६	मिथु.	२७	७	१८	होलाष्टक [D मीने शुक्रः २४।३२ [E चित्रा.-२ केतुः २३।०४
९	श	२४	२१	१६	२३	आर्द्रा	९	००	१०	१५	सौ	२	१४	७	३२	कौ	२४	२१	१६	२३	५५	३९	३७	कर्के ३०।३०	२८	८	१९	[A दहनं, मन्वादि, करिदिन, पातस्पर्शः १४।११, मोक्षः १८।१२
१०	र	३०	४३	१८	५५	पुन	१६	३३	१३	१५	शो	४	३५	८	२८	ग	३०	४३	१८	५५	५९	३८	३७	कर्के	२९	९	२०	सायन मेषे भानुः १७।५२, वक्री बुधः १५।४४, उभा. शुक्रः १६।४४
११	सो	३६	३५	२१	१५	पुष्य	२३	४८	१६	०८	अ	६	४५	९	१८	व	३	४६	८	०७	३०/०३	३६	३८	कर्के	३०	१०	२१	भ. ८।०७ उ. २१।१५ या., आमलकी ११ व्र., विड़कुला-ढाल C
१२	मं	४१	३८	२३	१४	श्ले	३०	१६	१८	४२	सु	८	२३	९	५७	व	९	१६	१०	१८	०७	३५	३८	सिंहे १८।४२	१	११	२२	मेला श्रीश्यामजी (खाटु), भा. चैत्रारंभः, मार्गी शनिः २४।५३
१३	बु	४५	३२	२४	४७	मघा	३५	४३	२०	५२	धृ	९	१६	१०	१७	कौ	१३	४४	१२	०४	११	३४	३९	सिंहे	२	१२	२३	प्रदोषः, बुधास्तः पश्चिमायाम् १०।०६ [C थापणा भद्रा के पहिले
१४	गु	४८	१६	२५	५१	पूफा	४०	०३	२२	३४	शू	९	१७	१०	१६	ग	१७	०४	१३	२३	१५	३३	३९	कन्या २८।५५	३	१३	२४	भ. २५।५१ उ., मीने रेव.-४ राहुः २३।०४, कन्यायां E
१५	शु	४९	४८	२६	२७	उफा	४३	१३	२३	४९	गं	८	२३	९	५३	वि	१९	११	१४	१३	१९	३२	४०	कन्या	४	१४	२५	भ.१४।१३ या., पूर्णिमाव्रतंपुण्यञ्च, जेलपोणी भद्रा के बाद, होलिका A

अयनांशाः २३।५४।४०
४९ पं. फा.शु. ५ मं. इष्टघटी २६।३६
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	९	११	५	१०	२	०	११
०१	०२	१८	२२	२७	२६	००	०१
०५	१८	५५	२१	०८	४०	२९	००
३७	१३	२०	४१	०६	४२	२३	१५
५९	४३	३२	६	७४	०	३	५९
४६	१५	२२	४७	४८	४२	११	५१
पूभा	उषा	रे	ह	पूभा	पुन	अ	पूभा
४	२	१	४व	३	३व	१	४



मार्च		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्वई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
११	शु	१०	२६	३९	००	५९	५५	३	४४	२९	३५	६	५४	६	४४	२९	२९	५	५२	५	४०
१२	श	१०	२७	३८	५५	५९	५२	३	२१	२९	३८	६	५३	६	४४	२९	३३	५	५२	५	४१
१३	र	१०	२८	३८	४७	५९	५१	२	५७	२९	४०	६	५२	६	४४	२९	३६	५	५१	५	४१
१४	चं	१०	२९	३८	३८	५९	४८	२	३४	२९	४३	६	५१	६	४५	२९	३९	५	५०	५	४१
१५	मं	११	००	३८	२६	५९	४६	२	१०	२९	४६	६	५१	६	४५	२९	४२	५	४९	५	४२
१६	बु	११	०१	३८	१३	५९	४५	१	४६	२९	४८	६	५०	६	४५	२९	४६	५	४८	५	४२
१७	गु	११	०२	३७	५७	५९	४३	१	२२	२९	५१	६	४९	६	४५	२९	४९	५	४७	५	४३
१८	शु	११	०३	३७	४०	५९	४१	०	५९	२९	५४	६	४८	६	४६	२९	५२	५	४६	५	४३
१९	श	११	०४	३७	२०	५९	३८	०	३५	२९	५६	६	४७	६	४६	२९	५६	५	४५	५	४३
२०	र	११	०५	३६	५९	५९	३७	०	११-	२९	५९	६	४७	६	४६	२९	५९	५	४४	५	४४
२१	चं	११	०६	३६	३६	५९	३५	०	१२+	३०	०२	६	४६	६	४६	३०	०२	५	४३	५	४४
२२	मं	११	०७	३६	१०	५९	३३	०	३६	३०	०४	६	४५	६	४७	३०	०५	५	४२	५	४४
२३	बु	११	०८	३५	४३	५९	३०	१	००	३०	०७	६	४४	६	४७	३०	०९	५	४१	५	४५
२४	गु	११	०९	३५	१३	५९	२८	१	२३	३०	१०	६	४३	६	४७	३०	१२	५	४०	५	४५
२५	शु	११	१०	३४	४१	५९	२६	१	४७	३०	१३	६	४२	६	४७	३०	१५	५	३९	५	४५

संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २००५
फा. शु. ४ चंद्रे मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १५।०२ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रास्तः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १५।०२ से २१।२६ [illegible] (टा सूचिमाला) ।

अयनांशाः २३।५४।४१
५० पं. फा.शु.१२ मं. इष्टघटी २६।५५
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	९	११	५	११	२	०	११
०८	०७	१९	२१	०५	२६	००	०७
०३	२१	५०	३२	५१	३८	०७	५८
१४	१७	२७	२०	२२	०७	०७	२६
५९	४३	२३	७	७४	०	३	५९
३२	२२	०४	२१	४२	०५	११	३५
उभा	उषा	रे	ह	उभा	पुन	अ	उभा
२	४	१व	४व	१	२	१	२



चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०६१, शाकः १९२६, २६ मार्च से ८ अप्रेल तक नवलगढ

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः रटं. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.
१	श	५०	१३	२६	३६	हस्त	४५	१७	२४	३८	वृ	६	३५	९	०९	बा	२०	०९	१४	३५	३० २३	६ ३१	६ ४०	कन्या	५	१५	२६
२	र	४९	३२	२६	१८	चित्रा	४६	१९	२५	०१	ध्रु	३	५६	८	०४	तै	२०	०१	१४	३०	२८	३०	४१	तुला. १२।५३	६	१६	२७
३	सो	४७	५२	२५	३७	स्वा	४६	२२	२५	०१	व्या	० ५६	२७ ०८	६ २८	३९ ५६	व	१८	५१	१४	०१	३२	२९	४१	तुला.	७	१७	२८
४	म	४५	१६	२४	३४	विशा	४५	२९	२४	३९	व	५१	०९	२६	५५	ब	१६	४२	१३	०८	३६	२७	४२	वृश्चि. १८।४७	८	१८	२९
५	बु	४९	४९	२३	१०	अनु	४३	४७	२३	५७	सि	४५	२९	२४	३८	कौ	१३	४०	११	५४	४०	२६	४२	वृश्चि.	९	१९	३०
६	गु	३७	३६	२१	२८	ज्ये	४१	१९	२२	५७	व्य	३९	१२	२२	०६	ग	९	४९	१०	२१	४४	२५	४३	धनु. २२।५७	१०	२०	३१
७	शु	३२	४२	१९	२९	मूल	३८	१२	२१	४१	व	३२	२५	१९	२२	वि	५	१५	८	३०	४८	२४	४३	धनु.	११	२१	१
८	श	२७	१५	१७	१७	पूषा	३४	३३	२०	१२	प	२५	१०	१६	२७	बा	०	०३	६	२४	५२	२३	४४	मक. २५।४९	१२	२२	२
९	र	२१	२५	१४	५६	उषा	३०	३३	१८	३५	शि	१७	३६	१३	२४	ग	२१	२५	१४	५६	५६	२२	४४	मक.	१३	२३	३
१०	सो	१५	२४	१२	३०	श्रव	२६	२२	१६	५४	सि	९	५१	१०	१७	वि	१५	२४	१२	३०	३१ ००	२१	४५	कुंभे २८।०३	१४	२४	४
११	मं	९	२०	१०	०४	घनि	२२	१३	१५	१३	सा	२ ५४	०४ २५	७ २८	१० ०६	बा	९	२०	१०	०४	०४	२०	४५	कुंभे	१५	२५	५
१२	बु	३	२९	७	४२	शत	१८	२०	१३	३९	शु	४७	०८	२५	१०	तै	३	२९	७	४२	०८	१९	४६	कुंभे	१६	२६	६
१३	बु	५८	०३	२९	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१४	गु	५३	२१	२७	३८	पूभा	१४	५८	१२	१७	ब्र	४०	२३	२२	२७	वि	२५	३८	१६	३३	१२	१८	४६	मीने ६।३६	१७	२७	७
३०	शु	४९	३५	२६	०७	उभा	१२	२२	११	१३	ऐ	३४	२०	२०	०१	च	२१	२२	१४	४९	१६	१६	४७	मीने	१८	२८	८

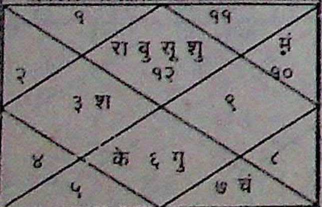
वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति महा., मार्च-अप्रेल २००५

इसमें लिखे अंक सब स्टेंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।

- २६ — वसन्त १, छारेंडी देशाचारे, करिदिन, श्रव. भौमः ९।१०
- २७ — (व) उभा. बुधः २५।५६
- २८ — भ. १४।०१ उ. २५।३७ या., कल्पादि, पुन.-३ शनिः ७।५४
- २९ — अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।२१
- ३० —
- ३१ — भ. २१।२८ उ., रेव. रविः १०।१० (सौरः ११।५७), रेव. शुक्रः ९।५७
- १ — भ. ८।३० या., शीतला पूजनं, अप्रेल ४ ता. ३०
- २ — [B पातस्पर्शः २१।४१, मोक्षः २५।१९
- ३ — भ. २५।४४ उ., (व) हस्ते-३ गुरुः २१।१५
- ४ — भ. १२।३० या., पंचक प्रारम्भः २८।०३
- ५ — पापमोचनी ११ व्र.
- ६ — भ. २९।३२ उ., प्रदोषः, वारुणी योग ७।४२ से १३।३९ तक, B
- ० — [A बुधोदयः पूर्वस्याम् २१।१६
- ७ — भ. १६।३३ या., मासिकशिवरात्री व्र.
- ८ — देवपितृकार्येऽमा., केतकी अहर्गणः ४७५१, चक्र ६, मन्वादि, A

अयनांशाः २३।५४।४२
५१ पं. चै.कृ. ४ मं. इष्टघटी २७।१५
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	९	११	५	११	२	११	११
१४	१२	१५	२०	१४	२६	२९	१४
५९	२१	१८	३९	३३	४१	४४	५४
१२	०६	५७	४६	५२	००	५२	४६
५९	४३	५१	७	७४	०	३	५९
१७	२७	१८	४०	३५	५१	११	१९
उभा	श्र	उभा	ह	उभा	पुन	रे	उभा
४	१	४व	४व	४	३	४	४



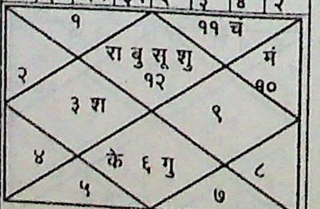
मार्च ता.	वा.	रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि.	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकत्ता दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२६	श	११	११	३४	०८	५९	२४	२	११	३०	१५	६	४१	६	४८	३०	१८	५	३८	५	४६
२७	र	११	१२	३३	३२	५९	२२	२	३४	३०	१८	६	४१	६	४८	३०	२२	५	३७	५	४६
२८	चं	११	१३	३२	५४	५९	२०	२	५८	३०	२१	६	४०	६	४८	३०	२५	५	३६	५	४६
२९	मं	११	१४	३२	१५	५९	१८	३	२१	३०	२३	६	३९	६	४८	३०	२८	५	३६	५	४७
३०	बु	११	१५	३१	३३	५९	१६	३	४४	३०	२६	६	३८	६	४८	३०	३१	५	३५	५	४७
३१	गु	११	१६	३०	४९	५९	१४	४	०८	३०	२९	६	३७	६	४९	३०	३४	५	३४	५	४७
१	शु	११	१७	३०	०३	५९	१२	४	३१	३०	३१	६	३६	६	४९	३०	३८	५	३३	५	४८
२	श	११	१८	२९	१५	५९	१०	४	५४	३०	३४	६	३६	६	४९	३०	४१	५	३२	५	४८
३	र	११	१९	२८	२५	५९	०८	५	१७	३०	३६	६	३५	६	४९	३०	४४	५	३१	५	४८
४	चं	११	२०	२७	३३	५९	०६	५	४०	३०	३९	६	३४	६	५०	३०	४७	५	३०	५	४९
५	मं	११	२१	२६	३९	५९	०४	६	०३	३०	४२	६	३३	६	५०	३०	५०	५	२९	५	४९
६	बु	११	२२	२५	४३	५९	०२	६	२६	३०	४४	६	३२	६	५०	३०	५४	५	२८	५	४९
७	गु	११	२३	२४	४४	५९	००	६	४८	३०	४७	६	३२	६	५०	३०	५७	५	२७	५	५०
८	शु	११	२४	२३	४४	५८	५८	७	११	३०	५०	६	३१	६	५१	३१	००	५	२६	५	५०

मास फलम्

इस चैत्र कृष्णपक्ष में शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो. उत्तराभाद्रपद योग सुभिक्ष और सुखद है । श्रवण पर मंगल होने से रोग हो, धान्योत्पत्ति कम हो, पीछे वर्षा हो । उत्तरा भाद्रपद में बुध होने से राजनीति में क्लेश तथा पक्षियों में आरोग्यता हो । प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त, मांस, मेधा, अस्थि, मज्जा और शुक्र) की हानि हो । कन्या राशि पर बैठे हुए गुरु के उदय से बालकों को पीड़ा हो तथा गणिका (वेश्या) और वृद्धों को पीड़ा हो । चैत्र में वृहस्पति उदय होने से विचित्र (कहीं-कहीं) वर्षा हो ।

अयनांशाः २३।५४।४३
५२ पं. चै.कृ.११ मं. इष्टघटी २७।३५
(रेल्वे घं. मि. १७।२२)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	९	११	५	११	२	११	११
२१	१७	०९	१९	२३	२६	२९	२१
५३	२९	५१	४५	१५	४९	२२	४९
३०	३०	१४	४९	३२	१८	३६	१३
५९	४३	३३	७	७४	१	३	५९
०३	३२	२३	४३	२७	३७	११	०३
रे	श्र	उभा	ह	रे	पुन	रे	रे
२	३	२व	३व	२	३	४	२



नवलगढ दैनिक लग्नसारणी से नीचे नगरों में लग्नप्रवेश बनाने के लिए संस्कार कोष्ठक (मिनिटों में)

नगरों के नाम	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
अमृतसर (पंजा.)	- २	- ६	- ८	- ७	- ४	+ ०	+ ५	+ ८	+ १०	+ ९	+ ६	+ २
अजमेर (राज.)	+ ३	+ ४	+ ४	+ ४	+ ३	+ २	+ १	- १	- १	- १	+ ०	+ १
अहमदाबाद (गुज.)	+ १४	+ १८	+ २०	+ १९	+ १६	+ ११	+ ७	+ ३	+ १	+ २	+ ५	+ ९
आकोला (महा.)	- २	+ ४	+ ७	+ ५	+ ०	- ७	- १३	- २०	- २३	- २१	- १६	- ९
आगरा (उ.प्र.)	- ११	- १०	- १०	- १०	- १०	- ११	- १२	- १२	- १२	- १२	- १२	- ११
इंदौर (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ८	+ ७	+ ३	- २	- ७	- ११	- १४	- १३	- ९	- ४
उज्जैन (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ७	+ ६	+ ३	- २	- ६	- १०	- १२	- ११	- ८	- ३
उदयपुर (राज.)	+ ८	+ ११	+ १२	+ १२	+ ९	+ ६	+ ३	+ ०	- १	- १	+ २	+ ५
कोलकाता (बंगा.)	- ४९	- ४५	- ४२	- ४३	- ४७	- ५२	- ५७	- ६२	- ६४	- ६३	- ५९	- ५४
कानपुर (उ.प्र.)	- २०	- १९	- १८	- १८	- १९	- २०	- २२	- २३	- २४	- २३	- २२	- २१
काठमाण्डु (नेपा.)	- ३९	- ३८	- ३८	- ३८	- ३९	- ४०	- ४१	- ४२	- ४३	- ४२	- ४२	- ४१
कोल्हापुर (महा.)	+ १२	+ २१	+ २६	+ २४	+ १६	+ ५	- ५	- १४	- १९	- १७	- ९	+ १
गौहाटी (आसा)	- ६५	- ६४	- ६३	- ६३	- ६५	- ६६	- ६८	- ६९	- ७०	- ७०	- ६८	- ६७
चंढीगढ (पंजा.)	- १०	- १२	- १४	- १३	- ११	- ८	- ५	- २	- ०	- १	- ३	- ७
चित्तौडगढ (राज.)	+ ४	+ ६	+ ८	+ ७	+ ५	+ २	- १	- ३	- ५	- ४	- २	+ १
चिन्नई (तमि.)	- ९	+ ३	+ ९	+ ६	- ४	- १८	- ३१	- ४३	- ४९	- ४७	- ३७	- २३
जयपुर (राज.)	- २	- १	- १	- १	- २	- ३	- ३	- ४	- ५	- ४	- ४	- ३
जौधपुर (राज.)	+ १२	+ १३	+ १४	+ १४	+ १२	+ ११	+ ९	+ ८	+ ७	+ ७	+ ८	+ १०
डिब्रुगढ (आसा)	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ८०	- ८०	- ८०	- ८०	- ७९
दरभंगा (बिहा.)	- ४२	- ४०	- ३९	- ४०	- ४१	- ४३	- ४४	- ४६	- ४६	- ४६	- ४५	- ४३
दिल्ली	- ९	- १०	- १०	- १०	- ९	- ९	- ८	- ७	- ६	- ७	- ७	- ८
नागपुर (महा.)	- ११	- ५	- २	- ४	- ८	- १५	- २१	- २७	- ३०	- २९	- २४	- १७
पटना (बिहा.)	- ३९	- ३७	- ३६	- ३६	- ३८	- ४०	- ४२	- ४४	- ४५	- ४५	- ४३	- ४१
पूना (महा.)	+ १२	+ २०	+ २४	+ २२	+ १५	+ ७	- २	- १०	- १४	- १२	- ६	+ ३
बडौदा (गुज.)	+ १२	+ १७	+ २०	+ १९	+ १४	+ ९	+ ३	- २	- ५	- ३	+ १	+ ६
बीकानेर (राज.)	+ ७	+ ६	+ ६	+ ६	+ ७	+ ७	+ ८	+ ८	+ ८	+ ८	+ ८	+ ७
बैंगलोर (कर्ना.)	+ १	+ १३	+ १९	+ १७	+ ६	- ७	- २१	- ३३	- ३९	- ३६	- २६	- १३
भागलपुर (बिहा.)	- ४५	- ४३	- ४२	- ४२	- ४४	- ४७	- ५०	- ५२	- ५३	- ५२	- ५१	- ४८
भुवनेश्वर (उडी.)	- ३७	- ३१	- २८	- २९	- ३५	- ४२	- ४९	- ५५	- ५८	- ५७	- ५१	- ४५
भोपाल (म.प्र.)	- ५	- १	+ १	- ०	- ३	- ८	- १२	- १६	- १८	- १८	- १४	- १०
मुम्बई (महा.)	+ १६	+ २३	+ २७	+ २५	+ १९	+ ११	+ २	- ५	- ९	- ७	- १	+ ७
वाराणसी (उ.प्र.)	- ३०	- २७	- २६	- २७	- २९	- ३१	- ३३	- ३६	- ३७	- ३६	- ३४	- ३२
सोलापुर (महा.)	+ ४	+ १३	+ १७	+ १५	+ ८	- १	- ११	- १९	- २४	- २२	- १५	- ५
श्रीनगर (ज.क)	- ५	- ११	- १४	- १३	- ८	- १	+ ६	+ १३	+ १६	+ १५	+ ९	+ २
हैदराबाद (आं.प्र)	- ६	+ ३	+ ८	+ ६	- २	- १२	- २२	- ३०	- ३५	- ३३	- २५	- १६

॥ संवत् २०६२ ॥ संस्कार कोष्ठक ज्ञानायः- पञ्चाङ्गस्थ नवलगढ (राज.) की दैनिक लग्न प्रवेश सारणी से उपर लिखे नगरों का प्रवेश व समाप्ति काल संस्कार कोष्ठक की सहायता से किसी भी दिन का स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं।

उदाहरण - १ मई २००५ को कोलकाता (बंगा.) में मकर लग्न का प्रवेश और समाप्ति काल ज्ञात करना है। पंचांग में १ मई २००५ को मकर का प्रवेश काल रात्रौ घंटा १२ मिनट २५ और समाप्ति काल रात्रौ घंटा २ मिनट ०८ लिखा हुआ है। संस्कार कोष्ठक में कोलकाता (बंगा.) के मकर में - ६३ मि. और कुंभ में - ५९ मि. है (कुंभ का प्रवेश काल ही मकर का समाप्ति काल है)। अतः मकर के प्रवेश रात्रौ १२।२५ में - ६३ मि. का संस्कार किया (यदि - हो तो घटा दें और + हो तो जोड दें) तो कोलकाता (बंगा.) का स्पष्ट प्रवेश काल रात्रौ ११।२२ हो गया मकर के समाप्ति काल रात्रौ घंटा २ मिनट ०८ में - ५९ मि. का संस्कार किया तो मकर का समाप्ति काल रात्रौ १।०९ स्पष्ट हो गया। ऐसे ही संस्कार कोष्ठक में लिखे हुए ३५ नगरों में से किसी भी नगर का कोई भी लग्न स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं।

रेल्वे मध्यान्तर निकालने की विधि -

जिस गांव का रेल्वे मध्यान्तर निकालना हो उस गांव का एटलस (भारत के नकसे) से रेखांश प्राप्त करे उस रेखांश में से ८२।३० अंश घटाकर शेष को ४ से गुणा करें गुणन फल उस नगर का मध्यम रेल्वेंतर मिनट धन होगा। उदाहरण - कोलकाता का रेखांश ८८।३० रेखांश धन है इसमें से ८२।३० घटाया (८८।३०-८२।३०) = शेष + ६ अंशो को ४ से गुणा किया + ६ X ४ = २४ यही कोलकाता का २४ मिनिट धन मध्यम रेल्वेंतर हुआ।

यदि अभीष्ट स्थान के रेखांश ८२।३० रेखांश से कम हों तो ८२।३० में से अभीष्ट नगर के रेखांश घटाकर शेष को ४ से गुणा करने से अभीष्ट नगर का ऋण रेल्वे मध्यान्तर होगा। उदा० - मुम्बई के रेखांश ७२।४८ है इसको ८२।३० में से घटाया शेष ९।४२ रहा इनको ४ से गुणा किया तो गुणनफल ३८।४८ मिनिट मुम्बई का मध्यम रेल्वेन्तर हुआ।

रेल्वे मध्यान्तर को स्फुट रेल्वेन्तर जानने की विधि

जिस तारीख का स्फुट रेल्वेंतर जानना हो तो उस तारीख का अंक्षाशादि सारणी के पेज में लिखे वेलान्तर मिनिटों को व्यस्त चिन्ह (ऋण धन का चिन्ह बदल कर) संस्कार करने से स्फुट रेल्वेन्तर उस तारीख का होगा जैसे तारीख १४ जनवरी को वेलान्तर + ९।२० मिनिट धन है इसको व्यस्त चिन्ह धन को ऋण चिन्ह - किया तो हुआ -९।२० यह कोलकाता का +२४ में बैजिकरीत्या संस्कार किया तो + २४।० - ९।२० = + १४।४० ता० १५ जनवरी को स्फुट रेल्वेन्तर हुआ ऐसे ही मुम्बई -३८।४८ संस्कार किया तो बैजिकरीत्या (योगे युतिः स्यात्क्षययोः स्वयोर्वा) के अनुसार -३८।४८ - ९।२० का जोड किया तो ४८।०८ मुम्बई में स्फुट रेल्वेंतर मिनिट ऋण हुये उनको रेल्वे टाइम में धन ऋण करने से स्थानिक स्फुट टाइम हुई।

ले. पं. ग्यारसीलाल शर्मा, विले पारले, मुम्बई

संवत् २०६२, दिनमान एवं सूर्योदयास्त जानने की सरल विधि -

जिस नगर का दिनमान जानना चाहें उस नगर का अक्षांश पंचांग से या एटलस (भारत के नक्शे से) प्राप्त कर उसके पश्चात पंचांग में लिखी दैनिक रवि क्रान्ति और अक्षांश की सहायता से चर सारणी से अभीष्ट दिन की चरपल प्राप्त करें। चर पलों को दुगुना करके घटी ३०।०० में रवि क्रान्ति उत्तर (धन) हो तो जोड़ दें और रवि क्रान्ति दक्षिण (ऋण) हो तो ३०।० घटी में से घटा दें दिनमान घटी पल होगा। दिनमान की घटी पलों में ५ का भाग देने से सूर्य घटा (देशी) सूर्यास्त का घंटा मिनट होगा। देशी सूर्यास्त के घंटा मिनटों को १२ में से घटा देने से देशी सूर्योदय का घंटा मिनट होगा। इसमें रेल्वे मध्यांतर मिनट तथा वेलान्तर संस्कार करने से रेल्वे टाइम का सूर्योदय एवं सूर्यास्त का घण्टा मिनिटात्मक काल होगा।

दिनमान = ३० + (चरपल x २)

स्टैण्डर्ड सूर्यास्त = दिनमान ÷ ५ + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

स्टैण्डर्ड सूर्योदय = १२ − (दिनमान ÷ ५) + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

उदाहरण - संवत् २०६२, तारीख १ अगस्त २००५ को कोलकाता (बंगा.) अक्षांश: २२° ३४′ उ., रेखांश: ८८° २८′ पू. का स्पष्ट दिनमान एवं स्टैण्डर्ड सूर्योदय/सूर्यास्त गणित द्वारा ज्ञात करना है। १ अगस्त २००५ को पञ्चाङ्गस्थ रवि क्रान्ति अंश-कलादि (धन) +१८।०३ है यहाँ अक्षांश और रवि क्रान्ति की सहायता से चरपल संस्कार सारणी से ७७ पल प्राप्त हुई. इनको २ से गुणा किया (१५४ = ७७ x २) पल ६० से ज्यादा है अतः ६० का भाग दिया तो घट्यादि + २।३४ हुआ यहाँ रवि क्रान्ति उत्तर है अतः घटी ३० में जोड़ दिया (३०।० + २।३४) तो घट्यात्मक ३२।३४ दिनमान हुआ। इसमें ५ का भाग दिया लब्ध घंटादि ६ घंटा ३० मिनट ४८ से. देशी सूर्यास्त टाइम हुई इसको १२ में से घटा दिया तो ५ घंटा २९ मिनट १२ से. देशी सूर्योदय समय हो गया इसमें रेल्वेऽन्तर संस्कार के लिए - कोलकाता (बंगा.) का रेखांश ८२।३० से ज्यादा है अतः ((८८।२८ - ८२।३०) x ४) रेल्वे मध्यान्तर मिनट (धन) +२३ सेकण्ड ५२ को व्यस्तचिन्ह (ऋण हो तो धन और धन हो तो ऋण) करके सूर्योदय/सूर्यास्त में से घटा दिया तो ५।०५।२० सूर्योदय और ६।०६।५६ सूर्यास्त कोलकाता (बंगा.) का मध्यम मान से हुआ। इसमें तारीख १ अगस्त २००५ को वेलान्तर मिनट + ६ सेकण्ड २० को धनर्ण करने से स्टैण्डर्ड (रेल्वे) ५।११।४० सूर्योदय और ६।१३।१६ सूर्यास्त (अर्धादिक रूप से सूर्योदय ५ बजकर १२ मिनट और सूर्यास्त ६ बजकर १३ मिनट) समय स्पष्ट हो गया। इस तरह भारत के किसी भी गांव का जान लीजिये।

रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे, ॥ अथ मास तारीखोपरि वेलान्तरम् ॥ मिनट-सेकण्ड, ई.सन् २००५

ता.	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर
	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.
१	+ ३।२६	+१३।३४	+१२।२६	+ ४।००	- ३।५१	- २।१४	+ ३।४७	+ ६।१९	+ ०।०४	-१०।१६	-१६।२५	-११।०६
२	+ ३।५४	+१३।४१	+१२।१४	+ ३।४२	- ३।५८	- २।०४	+ ३।५८	+ ६।१६	- ०।१५	-१०।३५	-१६।२७	-१०।४३
३	+ ४।२२	+१३।४८	+१२।०१	+ ३।२४	- ३।०५	- १।५५	+ ४।०९	+ ६।११	- ०।३४	-१०।५४	-१६।२७	-१०।२०
४	+ ४।५०	+१३।५४	+११।४९	+ ३।०७	- ३।११	- १।४५	+ ४।२०	+ ६।०६	- ०।५४	-११।१३	-१६।२७	- ९।५६
५	+ ५।१७	+१४।००	+११।३५	+ २।४९	- ३।१६	- १।३४	+ ४।३१	+ ६।००	- १।१४	-११।३१	-१६।२६	- ९।३२
६	+ ५।४४	+१४।०४	+११।२२	+ २।३२	- ३।२१	- १।२४	+ ४।४१	+ ५।५४	- १।३४	-११।४९	-१६।२४	- ९।०७
७	+ ६।१०	+१४।०८	+११।०८	+ २।१५	- ३।२५	- १।१३	+ ४।५१	+ ५।४७	- १।५४	-१२।०७	-१६।२१	- ८।४१
८	+ ६।३६	+१४।११	+१०।५३	+ १।५८	- ३।२९	- १।०१	+ ५।०१	+ ५।३९	- २।१५	-१२।२४	-१६।१८	- ८।१५
९	+ ७।०१	+१४।१३	+१०।३८	+ १।४२	- ३।३२	- ०।५०	+ ५।१०	+ ५।३१	- २।३६	-१२।४०	-१६।१३	- ७।४९
१०	+ ७।२५	+१४।१४	+१०।२३	+ १।२५	- ३।३५	- ०।३८	+ ५।१८	+ ५।२३	- २।५६	-१२।५७	-१६।०८	- ७।२२
११	+ ७।४९	+१४।१५	+१०।०८	+ १।०९	- ३।३७	- ०।२६	+ ५।२७	+ ५।१३	- ३।१८	-१३।१२	-१६।०२	- ६।५५
१२	+ ८।१३	+१४।१५	+ ९।५२	+ ०।५४	- ३।३८	- ०।१४	+ ५।३५	+ ५।०४	- ३।३९	-१३।२८	-१५।५५	- ६।२७
१३	+ ८।३६	+१४।१४	+ ९।३६	+ ०।३८	- ३।३९	- ०।०१	+ ५।४२	+ ४।५३	- ४।००	-१३।४२	-१५।४७	- ५।५९
१४	+ ८।५८	+१४।१२	+ ९।१९	+ ०।२३	- ३।४०	+ ०।११	+ ५।४९	+ ४।४२	- ४।२१	-१३।५७	-१५।३८	- ५।३०
१५	+ ९।२०	+१४।१०	+ ९।०३	+ ०।०८	- ३।३९	+ ०।२४	+ ५।५५	+ ४।३१	- ४।४३	-१४।१०	-१५।२९	- ५।०१
१६	+ ९।४१	+१४।०६	+ ८।४६	- ०।०६	- ३।३८	+ ०।३७	+ ६।०१	+ ४।१९	- ५।०४	-१४।२४	-१५।१८	- ४।३२
१७	+१०।०१	+१४।०३	+ ८।२९	- ०।२०	- ३।३७	+ ०।५०	+ ६।०७	+ ४।०६	- ५।२५	-१४।३६	-१५।०७	- ४।०३
१८	+१०।२०	+१३।५८	+ ८।११	- ०।३४	- ३।३५	+ १।०३	+ ६।११	+ ३।५३	- ५।४७	-१४।४८	-१४।५५	- ३।३४
१९	+१०।३९	+१३।५३	+ ७।५४	- ०।४७	- ३।३३	+ १।१६	+ ६।१६	+ ३।४०	- ६।०८	-१५।००	-१४।४२	- ३।०४
२०	+१०।५७	+१३।४७	+ ७।३६	- १।००	- ३।३०	+ १।२९	+ ६।१९	+ ३।२६	- ६।३०	-१५।१०	-१४।२८	- २।३५
२१	+११।१५	+१३।४०	+ ७।१८	- १।१२	- ३।२६	+ १।४२	+ ६।२३	+ ३।११	- ६।५१	-१५।२१	-१४।१४	- २।०५
२२	+११।३१	+१३।३३	+ ७।००	- १।२४	- ३।२२	+ १।५५	+ ६।२५	+ २।५६	- ७।१२	-१५।३०	-१३।५८	- १।३५
२३	+११।४७	+१३।२५	+ ६।४२	- १।३६	- ३।१७	+ २।०८	+ ६।२७	+ २।४१	- ७।३३	-१५।३९	-१३।४२	- १।०५
२४	+१२।०२	+१३।१७	+ ६।२४	- १।४७	- ३।१२	+ २।२१	+ ६।२९	+ २।२५	- ७।५४	-१५।४७	-१३।२५	- ०।३५
२५	+१२।१६	+१३।०७	+ ६।०६	- १।५८	- ३।०६	+ २।३३	+ ६।३०	+ २।०९	- ८।१५	-१५।५४	-१३।०८	- ०।०५
२६	+१२।३०	+१२।५८	+ ५।४८	- २।०८	- ३।००	+ २।४६	+ ६।३०	+ १।५२	- ८।३६	-१६।०१	-१२।४९	+ ०।२५
२७	+१२।४२	+१२।४८	+ ५।३०	- २।१८	- २।५४	+ २।५९	+ ६।३०	+ १।३५	- ८।५६	-१६।०७	-१२।३०	+ ०।५४
२८	+१२।५४	+१२।३७	+ ५।१२	- २।२७	- २।४७	+ ३।११	+ ६।२९	+ १।१८	- ९।१६	-१६।१२	-१२।१०	+ १।२४
२९	+१३।०५	. . .	+ ४।५४	- २।३५	- २।३९	+ ३।२३	+ ६।२८	+ १।००	- ९।३७	-१६।१७	-११।४९	+ १।५३
३०	+१३।१६	. . .	+ ४।३६	- २।४४	- २।३१	+ ३।३५	+ ६।२५	+ ०।४२	- ९।५६	-१६।२०	-११।२८	+ २।२२
३१	+१३।२५	. . .	+ ४।१८	. . .	- २।२२	. . .	+ ६।२३	+ ०।२३	. . .	-१६।२३	. . .	+ २।५१

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् । वासरमणिरिव तमसां राशीन्नाशयति विघ्नानाम् ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०६, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१०६ भोग्यकलिः ४२६८९४ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्यराज्यतो गताब्दाः संवत् २०६२ शाकः १९२७ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शनिः, मंत्री बुधः, सस्येशः शनिः, धान्येशो गुरुः, मेघेशो भौमः, रसेशश्चंद्रः, नीरसेशः शनिः, फलेशो भौमः, धनेशः शुक्रः, दुर्गेशो भौमः, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादि षष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णु विंशतिकायां १२ विलम्बनाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि १०।२४।११।३१ भोग्य मासादि १।५।४८।२९ पिता दैवतं युग्मम् । वर्षनाम फाल्गुन । चतुर्मेघनाम संवर्तः । रोहिणी निवासो तटे । समय निवासो रजकगृहे । समय विश्वा ५ । समय वाहनं महिषः । स्तंभ ३ जल वायु अन्न । सोमवत्यमा. २ । सोमवती पंचमी १ । अंगारकी चतुर्थी ० । भानु सप्तमी १ । बुधाष्टमी २ । रविदशमी १ । समय मुहूर्तानि ३७५ । समय दिनानि ३५५ । तिथि क्षयः १८ । तिथि वृद्धिः १३ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९३ । रूपति विश्वा ९३ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ८१ । रूपति विश्वा ११७ । वर्षा विश्वा १७ । धान्यम् १३ । तृणम् ९ । शीतम् १५ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ९१ । (क्षुधा १५ । तृष्णा ३ । निद्रा ३ । आलस्य १३ । उद्यम ११ । शान्ति ९ । क्रोध ११ । दण्ड १३ । मैत्री ३ । उत्साव १५ । पाप १५ । पुण्य ११ । उग्रत्व १९ । रसोत्पत्तिः १७ । फलोत्पत्तिः ३ । व्याधि १७ । व्याधिनाश १३ । आचार ११ । अनाचार १५ । मृत्यु ११ । जन्म १९ । चौर ७ । उपशमन ११ । अग्निभय १७ । अग्निशमः ९ ।) सत्यम् ॥, धर्म १॥, पाप १८ । ऐक्यम् ११९ । शनि दृष्टिः पूर्वस्याम । ग्रहणं १ चन्द्रमसः, २ सूर्यस्य । उद्रिजः ९ । जरायुजः २ । पिण्डजः ११ । स्वदेजः ५ ।

अथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजाशनिस्तत्फलम् - शनैश्चरे भूमिपतौ सकृच्छलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः । युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैर्भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ॥ मंत्रीबुधस्तत्फलम् - शशिसुतेशुभमंत्रिसमागतेस्वपतिनारमते मदनक्रियाम् । बहुधनबहुवादिसमन्वितंयवमसूरचणान्नमहर्घताम ॥ सस्येशः शनिस्तत्फलम् - रविसुतेयदिधान्यपतौजनानृपतिभिः परिपीडितविग्रहाः । गदभयंतुषधान्यहरंसदादुरितवादविवादयुतानराः ॥ धान्येशोगुरुस्तत्फलम् - गुरौधान्यपतौ याते यवगोधूमशाल्यः । पच्यन्तेसर्वदेशेषुयज्वानोब्राह्मणादयः ॥ मेघेशोभौमस्तत्फलम् - अवनिजेजलदस्यपतौभुविभृतिविचारविहीनधरामराः । क्वचिदपिप्रचुरंजलमल्पकंक्वचिदपिप्रशमंबहुतापदम् ॥ रसेशश्चंद्रस्तत्फलम् - यदिविधौरसपेभुविमानवोनवनवांयुवती बुभुजे प्रियाम् । जलधराबहुवारिविधायकारसवतीधनधान्यवतीमही ॥ नीरसेशः शनिस्तत्फलम् - अयः पिण्डादिलोहानांकृष्णवस्त्रादिवस्तुनाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेतमन्देनीरसनायके ॥ फलेशोभौमस्तत्फलम् - फलपतिर्यदिभूतनयोभवेत्नबहुपुष्पफलान्वितपादपाः । गदभयान्वितदेशजनास्तदान्नृपतयोबहुविग्रहकारकाः ॥ धनेशः शुक्रस्तत्फलम् - द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समघनाः सकला भुवि मानवाः । रामसुखाः क्रयविक्रयजीविनो नृपतयो जनपालनतत्पराः ॥ दुर्गेशोभौमस्तत्फलम् - अवनिजो गदनायकतां गतो विविधदुःखवियोगसमन्वितः । जनपदेषु जनः क्रयविक्रये भयविशेषतया न फलं क्वचित् ॥ विलम्ब नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते तत्फलम् - विलंबिवत्सरेभूपाः परस्परविरोधिनः । प्रजापीडात्वनर्थत्वंतथापिसुखिनोजनाः ॥ वर्षनाम फाल्गुन तत्फलम् - सुभिक्षंप्रचुरावृष्टिरुत्तरेयाम्यपश्चिमे । पूर्वस्यांरौरवंघोरं फाल्गुनेवत्सरे शुभम् ॥ चतुर्मेघनाम संवर्तस्तत्फलम् - संवर्तेजलपूरिता । रोहिणी निवासो तटे तत्फलम् - तटे वृष्टिः सुशोभना । समय निवासो रजकगृहे तत्फलम् - वापीकूपतडागानि नदीनदवनानि च । जलपूर्णानि दृश्यन्ते वासो रजकवेश्मनि ॥ अपिच - रजके वृष्टिः रुत्तमा । एवं संचित्य दैवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

आश्विन शुक्ला १५ सोमवार, संवत् २०६२, ता. १७ अक्टूबर २००५, खण्डग्रासं ग्रस्तोदयं **चन्द्रग्रहणम्**

	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
नवलगढ घ.	२६	२७	२८	२
स्थानिक प.	४१	४५	४९	०७
रेल्वे घं.	१७	१७	१८	०
टाईम मि.	१५	४१	०६	५१

इस ग्रहण का सूतक रुटें ८।१५ बजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है । चंद्रोदय १७।५२ ।

पञ्चाङ्ग गणित कर्ताः श्री.श्री १०८
पं. ईश्वरदत्त शर्मणोऽनुग्रहीत शिष्यः
पं. ग्यारसी लाल शर्मा (शास्त्री). ५८, राम कुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड, विलेपार्ले (पूर्व) मुम्बई ४०० ०५७, दूरध्वनि क्र.: ८३७ २७८३

आश्विन कृष्णा ३० चन्द्रवासरे, संवत् २०६२ ता. ३ अक्टूबर २००५, खण्डग्रासं **सूर्यग्रहणम्**

स्थल	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
नवलगढ घटी-प.	२४।३०	२६।०३	२७।२८	२।५८
रेल्वेटाईम घं-मि.	१६।१५	१६।५२	१७।२६	१।११

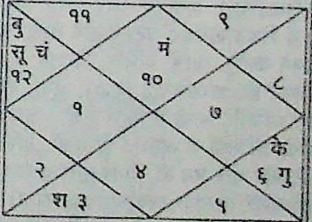
इस ग्रहण का सूतक पूर्वदिन उत्तररात्री रुटें ४।१५ बजे से प्रारम्भ होगा ।

चैत्र कृष्णा ३० बुधवासरे, संवत् २०६२ ता.२९ मार्च २००६, खण्डग्रासं **सूर्यग्रहणम्**

स्थल	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
नवलगढ घटी-प.	२५।२१	२७।१७	२९।०३	३।४२
रेल्वेटाईम घं-मि.	१६।३६	१७।२२	१८।०४	१।२९

इस ग्रहण का सूतक पूर्वदिन उत्तररात्री रुटें ४।३६ बजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

वर्ष लग्नम् ९।०४



१२ शु रा

वर्षेश लग्नम् ८।०१



लाभ स्वर्च कोष्ठक

राशि	अष्टोत्तरी मतेन लाभ	अष्टोत्तरी मतेन स्वर्च	विंशोत्तरी मतेन लाभ	विंशोत्तरी मतेन स्वर्च
मेष	१४	१४	८	५
वृष	८	८	२	१४
मिथुन	११	५	८	११
कर्क	५	५	२	८
सिंह	८	१४	५	५
कन्या	११	५	८	११
तुला	८	८	२	१४
वृश्चिक	१४	१४	८	५
धनु	२	८	५	११
मकर	५	२	१४	११
कुंभ	५	२	१४	११
मीन	२	८	५	११

संवत् २०६२, दिनमान एवं सूर्योदयास्त जानने की सरल विधि -

जिस नगर का दिनमान जानना चाहे उस नगर का अक्षांश पंचांग से या एटलस (भारत के नक्शे से) प्राप्त करें उसके पश्चात पंचांग में लिखी दैनिक रवि क्रान्ति और अक्षांश की सहायता से चर सारणी से अभीष्ट दिन की चरपल प्राप्त करें। चर पलों को दुगुना करके घटी ३०।०० में रवि क्रान्ति उत्तर (धन) हो तो जोड़ दें और रवि क्रान्ति दक्षिण (ऋण) हो तो ३०।० घटी में से घटा दें दिनमान घटी पल होगा। दिनमान की घटी पलों में ५ का भाग देने से सूर्य घटी (देशी) सूर्यास्त का घंटा मिनट होगा। देशी सूर्यास्त के घंटा मिनटों को १२ में से घटा देने से देशी सूर्योदय का घंटा मिनट होगा। इसमें रेल्वे मध्यांतर मिनट तथा वेलान्तर संस्कार करने से रेल्वे टाइम का सूर्योदय एवं सूर्यास्त का घण्टा मिनिटात्मक काल होगा।

दिनमान = ३० + (चरपल x २)

स्टेण्डर्ड सूर्यास्त = दिनमान ÷ ५ + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

स्टेण्डर्ड सूर्योदय = १२ − (दिनमान ÷ ५) + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

उदाहरण - संवत् २०६२, तारीख १ अगस्त २००५ को कोलकाता (बंगा.) अक्षांशः २२° ३४' उ., रेखांशः ८८° २८' पू. का स्पष्ट दिनमान एवं स्टेण्डर्ड सूर्योदय/सूर्यास्त गणित द्वारा ज्ञात करना है। १ अगस्त २००५ को पञ्चाङ्गस्थ रवि क्रान्ति अंश-कलादि (धन) +१८।०३ है यहाँ अक्षांश और रवि क्रान्ति की सहायता से चरपल संस्कार सारणी से ७७ पल प्राप्त हुई. इनको २ से गुणा किया (१५४ = ७७ x २) पल ६० से ज्यादा है अतः ६० का भाग दिया तो घट्यादि + २।३४ हुआ यहाँ रवि क्रान्ति उत्तर है अतः घटी ३० में जोड़ दिया (३०।० + २।३४) तो घट्यात्मक ३२।३४ दिनमान हुआ। इसमें ५ का भाग दिया लब्धि घंटादि ६ घंटा ३० मिनट ४८ से. देशी सूर्यास्त टाइम हुई इसको १२ में से घटा दिया तो ५ घंटा २९ मिनट १२ से. देशी सूर्योदय समय हो गया इसमें रेल्वेऽन्तर संस्कार के लिए - कोलकाता (बंगा.) का रेखांश ८२।३० से ज्यादा है अतः ((८८।२८ - ८२।३०) x ४) रेल्वे मध्यान्तर मिनट (धन) +२३ सेकण्ड ५२ को व्यस्तचिन्ह (ऋण हो तो धन और धन हो तो ऋण) करके सूर्योदय/सूर्यास्त में से घटा दिया तो ५।०५।२० सूर्योदय और ६।०६।५६ सूर्यास्त कोलकाता (बंगा.) का मध्यम मान से हुआ। इसमें तारीख १ अगस्त २००५ को वेलान्तर मिनट + ६ सेकण्ड २० को धनर्ण करने से स्टेण्डर्ड (रेल्वे) ५।११।४० सूर्योदय और ६।१३।१६ सूर्यास्त (अर्धादिक रूप से सूर्योदय ५ बजकर १२ मिनट और सूर्यास्त ६ बजकर १३ मिनट) समय स्पष्ट हो गया। इस तरह भारत के किसी भी गांव का जान लीजिये।

रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे, ॥ अथ मास तारीखोपरि वेलान्तरम् ॥ मिनट-सेकण्ड, ई.सन् २००५

ता.	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर
	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.
१	+ ३।२६	+१३।३४	+१२।२६	+ ४।००	- २।५१	- २।१४	+ ३।४७	+ ६।१९	+ ०।०४	-१०।१६	-१६।२५	-११।०६
२	+ ३।५४	+१३।४१	+१२।१४	+ ३।४२	- २।५८	- २।०४	+ ३।५८	+ ६।१६	- ०।१५	-१०।३५	-१६।२७	-१०।४३
३	+ ४।२२	+१३।४८	+१२।०१	+ ३।२४	- ३।०५	- १।५५	+ ४।०९	+ ६।११	- ०।३४	-१०।५४	-१६।२७	-१०।२०
४	+ ४।५०	+१३।५४	+११।४९	+ ३।०७	- ३।११	- १।४५	+ ४।२०	+ ६।०६	- ०।५४	-११।१३	-१६।२७	- ९।५६
५	+ ५।१७	+१४।००	+११।३५	+ २।४९	- ३।१६	- १।३४	+ ४।३१	+ ६।००	- १।१४	-११।३१	-१६।२६	- ९।३२
६	+ ५।४४	+१४।०४	+११।२२	+ २।३२	- ३।२१	- १।२४	+ ४।४१	+ ५।५४	- १।३४	-११।४९	-१६।२४	- ९।०७
७	+ ६।१०	+१४।०८	+११।०८	+ २।१५	- ३।२५	- १।१३	+ ४।५१	+ ५।४७	- १।५४	-१२।०७	-१६।२१	- ८।४१
८	+ ६।३६	+१४।११	+१०।५३	+ १।५८	- ३।२९	- १।०१	+ ५।०१	+ ५।३९	- २।१५	-१२।२४	-१६।१८	- ८।१५
९	+ ७।०१	+१४।१३	+१०।३८	+ १।४२	- ३।३२	- ०।५०	+ ५।१०	+ ५।३१	- २।३६	-१२।४०	-१६।१३	- ७।४९
१०	+ ७।२५	+१४।१४	+१०।२३	+ १।२५	- ३।३५	- ०।३८	+ ५।१८	+ ५।२३	- २।५६	-१२।५७	-१६।०८	- ७।२२
११	+ ७।४९	+१४।१५	+१०।०८	+ १।०९	- ३।३७	- ०।२६	+ ५।२७	+ ५।१३	- ३।१८	-१३।१२	-१६।०२	- ६।५५
१२	+ ८।१३	+१४।१५	+ ९।५२	+ ०।५४	- ३।३८	- ०।१४	+ ५।३५	+ ५।०४	- ३।३९	-१३।२८	-१५।५५	- ६।२७
१३	+ ८।३६	+१४।१४	+ ९।३६	+ ०।३८	- ३।३९	- ०।०१	+ ५।४२	+ ४।५३	- ४।००	-१३।४२	-१५।४७	- ५।५९
१४	+ ८।५८	+१४।१२	+ ९।१९	+ ०।२३	- ३।४०	+ ०।११	+ ५।४९	+ ४।४२	- ४।२१	-१३।५७	-१५।३८	- ५।३०
१५	+ ९।२०	+१४।१०	+ ९।०३	+ ०।०८	- ३।३९	+ ०।२४	+ ५।५५	+ ४।३१	- ४।४३	-१४।१०	-१५।२९	- ५।०१
१६	+ ९।४१	-१४।०६	+ ८।४६	- ०।०६	- ३।३८	+ ०।३७	+ ६।०१	+ ४।१९	- ५।०४	-१४।२४	-१५।१८	- ४।३२
१७	+१०।०१	+१४।०३	+ ८।२९	- ०।२०	- ३।३७	+ ०।५०	+ ६।०७	+ ४।०६	- ५।२५	-१४।३६	-१५।०७	- ४।०३
१८	+१०।२०	+१३।५८	+ ८।११	- ०।३४	- ३।३५	+ १।०३	+ ६।११	+ ३।५३	- ५।४७	-१४।४८	-१४।५५	- ३।३४
१९	+१०।३९	+१३।५३	+ ७।५४	- ०।४७	- ३।३३	+ १।१६	+ ६।१६	+ ३।४०	- ६।०८	-१५।००	-१४।४२	- ३।०४
२०	+१०।५७	+१३।४७	+ ७।३६	- १।००	- ३।३०	+ १।२९	+ ६।१९	+ ३।२६	- ६।३०	-१५।१०	-१४।२८	- २।३५
२१	+११।१५	+१३।४०	+ ७।१८	- १।१२	- ३।२६	+ १।४२	+ ६।२३	+ ३।११	- ६।५१	-१५।२१	-१४।१४	- २।०५
२२	+११।३१	+१३।३३	+ ७।००	- १।२४	- ३।२२	+ १।५५	+ ६।२५	+ २।५६	- ७।१२	-१५।३०	-१३।५८	- १।३५
२३	+११।४७	+१३।२५	+ ६।४२	- १।३६	- ३।१७	+ २।०८	+ ६।२७	+ २।४१	- ७।३३	-१५।३९	-१३।४२	- १।०५
२४	+१२।०२	+१३।१७	+ ६।२४	- १।४७	- ३।१२	+ २।२१	+ ६।२९	+ २।२५	- ७।५४	-१५।४७	-१३।२५	०।३५
२५	+१२।१६	+१३।०७	+ ६।०६	- १।५८	- ३।०६	+ २।३३	+ ६।३०	+ २।०९	- ८।१५	-१५।५४	-१३।०८	- ०।०५
२६	+१२।३०	+१२।५८	+ ५।४८	- २।०८	- ३।००	+ २।४६	+ ६।३०	+ १।५२	- ८।३६	-१६।०१	-१२।४९	+ ०।२५
२७	+१२।४२	+१२।४८	+ ५।३०	- २।१८	- २।५४	+ २।५९	+ ६।३०	+ १।३५	- ८।५६	-१६।०७	-१२।३०	+ ०।५४
२८	+१२।५४	+१२।३७	+ ५।१२	- २।२७	- २।४७	+ ३।११	+ ६।२९	+ १।१८	- ९।१६	-१६।१२	-१२।१०	+ १।२४
२९	+१३।०५	. . .	+ ४।५४	- २।३५	- २।३९	+ ३।२३	+ ६।२८	+ १।००	- ९।३७	-१६।१७	-११।४९	+ १।५३
३०	+१३।१६	. . .	+ ४।३६	- २।४४	- २।३१	+ ३।३५	+ ६।२५	+ ०।४२	- ९।५६	-१६।२०	-११।२८	+ २।२२
३१	+१३।२५	. . .	+ ४।१८	. . .	- २।२२	. . .	+ ६।२३	+ ०।२३	. . .	-१६।२३	. . .	+ २।५१

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् । वासरमणिरिव तमसां राशीन्नाशयति विघ्नानाम् ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०६, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रैतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१०६ भोग्यकलिः ४२६८९४ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्यराज्येतो गताब्दाः संवत् २०६२ शाकः १९२७ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शनिः, मंत्री बुधः, सस्येशः शनिः, धान्येशो गुरुः, मेघेशो भौमः, रसेशश्चंद्रः, नीरसेशः शनिः, फलेशो भौमः, धनेशः शुक्रः, दुर्गेशो भौमः, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादि षष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णु विंशतिकायां १२ विलंबनाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि १०।२४।११।३१ भोग्य मासादि १।५।४८।२९ पिता दैवतं युग्मम् । वर्षनाम फाल्गुन । चतुर्मेघनाम संवर्तः । रोहिणी निवासो तटे । समय निवासो रजकगृहे । समय विश्वा ५ । समय वाहनं महिषः । स्तंभ ३ जल वायु अन्न । सोमवल्यमा. २ । सोमवती पंचमी १ । अंगारकी चतुर्थी ० । भानु सप्तमी १ । बुधाष्टमी २ । रविदशमी १ । समय मुहूर्तानि ३७५ । समय दिनानि ३५५ । तिथि क्षयः १८ । तिथि वृद्धिः १३ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९३ । स्वपति विश्वा ९३ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ८१ । स्वपति विश्वा ११७ । वर्षा विश्वा १७ । धान्यम् १३ । तृणम् ९ । शीतम् १५ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । (क्षुधा १५ । तृष्णा ३ । निद्रा ३ । आलस्य १३ । उद्यम ११ । शान्ति ९ । क्रोध ११ । दण्ड १३ । मैत्री ३ । उत्सव १५ । पाप १५ । पुण्य ११ । उग्रत्व १९ । रसोत्पत्तिः १७ । फलोत्पत्तिः ३ । व्याधि १७ । व्याधिनाश १३ । आचार ११ । अनाचार १५ । मृत्यु ११ । जन्म ११ । चौर ७ । उपशमन ५१ । अग्निभय १७ । अग्निशमः ९ ।) सत्यम् ॥, धर्म १॥, पाप १८ । ऐक्यम् ११९ । शनि दृष्टिः पूर्वस्याम । ग्रहणं १ चन्द्रमसः, २ सूर्यस्य । उद्भिजः ९ । जरायुजः ३ । पिण्डजः ११ । स्वदेजः ५ ।

अथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजाशनिस्तत्फलम् - शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः । युद्धं नृपाणां गदतस्कराद्यैर्भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान् ॥ मंत्रीबुधस्तत्फलम् - शशिसुतेशुभमंत्रिरमागतेस्वपतिनारमते मदनक्रियाम् । बहुधनबहुवादिसमन्वितंयवमसूरचणान्नमहर्घताम ॥ सस्येशः शनिस्तत्फलम् - रविसुतेयदिधान्यपतौजनान्नृपतिभिः परिपीडितविग्रहाः । गदभयंतुषधान्यहरंसदादुरितवादविवादयुतानराः ॥ धान्येशोगुरुस्तत्फलम् - गुरौधान्यपतौ याते यवगोधूमशालयः । पच्यन्तेसर्वदेशेषुयज्वानोब्राह्मणादयः ॥ मेघेशोभौमस्तत्फलम् - अवनिजेजलदस्यपतौभुविक्षितिविचारविहीनवरामराः । क्वचिदपिप्रचुरंजलमल्पकंक्वचिदपिप्रशमंबहुतापदम् ॥ रसेशश्चंद्रस्तत्फलम् - यदिविधौरसपेभुविमानवोनवनवांयुवती बुभुजे प्रियाम् । जलधराबहुवारिविधायकारसवतीधनधान्यवतीमही ॥ नीरसेशः शनिस्तत्फलम् - अयः पिण्डादिलोहानांकृष्णवस्त्रादिवस्तुनाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेतमन्देनीरसनायके ॥ फलेशोभौमस्तत्फलम् - फलपतिर्यदिभूतनयोभवेन्नबहुपुष्पफलान्वितपादपाः । गदभयान्वितदेशजनास्तदानृपतयोबहुविग्रहकारकाः ॥ धनेशः शुक्रस्तत्फलम् - द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधनाः सकला भुवि मानवाः । समसुखाः क्रयविक्रयजीविनो नृपतयो जनपालनतत्पराः ॥ दुर्गेशोभौमस्तत्फलम् - अवनिजो गढनायकतां गतो विविधदुःखवियोगसमन्वितः । जनपदेषु जनः क्रयविक्रये भयविशेषतया न फलं क्वचित् ॥ विलम्ब नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते तत्फलम् - विलंबिवत्सरेभूपाः परस्परविरोधिनः । प्रजापीडात्वनर्थत्वंतथापिसुखिनोजनाः ॥ वर्षनाम फाल्गुन तत्फलम् - सुभिक्षंप्रचुरावृष्टिरुत्तरेयाम्यपश्चिमे । पूर्वस्यांरौरवंघोरं फाल्गुनेवत्सरे शुभम् ॥ चतुर्मेघनाम संवर्तस्तत्फलम् - संवर्तेजलपूरित्ता । रोहिणी निवासो तटे तत्फलम् - तटे वृष्टिः सुशोभना । समय निवासो रजकगृहे तत्फलम् - वापीकूपतडागानि नदीनदवनानि च । जलपूर्णानि दृश्यन्ते वासो रजकवेश्मनि ॥ अपिच - रजके वृष्टिः रुत्तमा । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

आश्विन शुक्ला १५ सोमवार, संवत् २०६२, ता. १७ अक्टूबर २००५, खण्डग्रासं ग्रस्तोदयं चन्द्रग्रहणम्

	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
नवलगढ घ.	२६	२७	२८	२
स्थानिक प.	४१	४५	४९	०७
रेल्वे घं.	१७	१७	१८	०
टाईम मि.	१५	४१	०६	५१

इस ग्रहण का सूतक स्टैं ८।१५ बजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है । चंद्रोदय १७।५२ ।

पञ्चाङ्ग गणित कर्ताः श्री.श्री १०८
पं. ईश्वरदत्त शर्मणोऽनुग्रहीत शिष्यः
पं. ग्यारसी लाल शर्मा (शास्त्री), ५८, राम कुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड, विलेपार्ले (पूर्व) मुम्बई ४०० ०५७, दूरध्वनि क्र.: ८३७ २७८३

आश्विन कृष्णा ३० चन्द्रवासरे, संवत् २०६२ ता. ३ अक्टूबर २००५, खण्डग्रासं सूर्यग्रहणम्

स्थल	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
नवलगढ घटी-प.	२४।३०	२६।०३	२७।२८	२।५८
रेल्वेटाईम घं-मि.	१६।१५	१६।५२	१७।२६	१।११

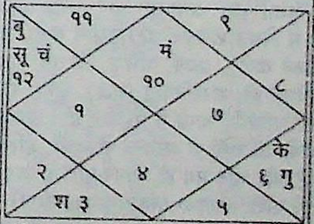
इस ग्रहण का सूतक पूर्वदिन उत्तररात्री स्टैं ४।१५ बजे से प्रारम्भ होगा ।

चैत्र कृष्णा ३० बुधवासरे, संवत् २०६२ ता.२९ मार्च २००६, खण्डग्रासं सूर्यग्रहणम्

स्थल	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
नवलगढ घटी-प.	२५।२१	२७।१७	२९।०३	३।४२
रेल्वेटाईम घं-मि.	१६।३६	१७।२२	१८।०४	१।२९

इस ग्रहण का सूतक पूर्वदिन उत्तररात्री स्टैं ४।३६ बजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

वर्ष लग्नम् ९।०४



१२ शु रा

वर्षेश लग्नम् ८।०१



लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	अष्टोत्तरी मतेन लाभ	अष्टोत्तरी मतेन खर्च	विंशोत्तरी मतेन लाभ	विंशोत्तरी मतेन खर्च
मेष	१४	१४	८	५
वृष	८	८	२	१४
मिथुन	११	५	८	११
कर्क	५	५	२	८
सिंह	८	१४	५	५
कन्या	११	५	८	११
तुला	८	८	२	१४
वृश्चिक	१४	१४	८	५
धनु	२	८	५	११
मकर	५	२	१४	११
कुंभ	५	२	१४	११
मीन	२	८	५	११

॥ ग्रहयोगाद्वर्ष फलम् ॥ संवत् २०६२

ग्रहयोग देखता वर्षफल मध्यमोत्तम होगा । इस वर्ष में राजा और सस्येश और नीरसेश शनि है । रसेश चंद्र हैं । मेघेश और फलेश और दुर्गेश मंगल है । मंत्री बुध है । धान्येश गुरु है । धनेश शुक्र है । इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ४ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए हैं और ६ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए हैं अतः वर्षफल मध्यमोत्तम होगा । **चैत्र** - वर्षलग्न मकर होने से उत्तर में बड़े उत्पात तथा नृपक्षय हो और १ वर्ष तक अच्छी उत्पत्ति तथा सुख हो । मध्य देश में आधी उत्पत्ति हो, कुछ धान्य महँगा हो, अकाल में मेघ वर्षे और धान्यविक्री में लाभ हो । **वैशाख** - श्रृंगार (प्रसाधन) की वस्तुएं महंगी हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । धान्योत्पत्ति उत्तम हों । सरसों उडद कम हों, अतिवृष्टि हो, ईख, दूध, रस और घी अदि सस्ते हों । कहीं कही अत्यधिक मरी पड़े । हाथियों को पीड़ा हो, चाण्डालों का नाश हो, तीव्र रोग हो, धान्य महँगे हों, प्राणियों के धातुओं (वसा, रक्त, मांस, मेधा, अस्थि, मज्जा और शुक्र) की हानि हो । सुभिक्ष हो, तिल, वस्त्र, कपास, सुपारी आदि महँगे हो । अल्पवृष्टि हो, अल्प अन्न हो मनुष्यों में ज्वर पीड़ा हो और कहीं कुछ उपद्रव हो । **ज्येष्ठ** - धान्य और रस (मधुर आदि) की महर्घता हो, कर्क का शनि होने से लोग रोगों से पीडित रहें, लोगों के विचार परस्पर विरुद्ध रहें, देश में चिन्ता और विषाद फैले । शब्दयुक्त जल वर्षे, भूकम्प अधिक हों, राजाओं में युद्ध हो और पशु तथा धन का हरण हो । कपास, तिल, सूत महँगे हों । कोसल तथा कलिङ्ग देश पीडित हों, अतिवृष्टि, कहीं कहीं वायु से वर्षा और अभाव हो । गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह (आंधी) हो । अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो । बालकों को पीड़ा हो, कपास सूत मंदा हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, अनावृष्टि और अनेक प्रकार के दुःखों से प्रजा पीडित हो । **आषाढ** - पुष्य नक्षत्र में स्थित शनैश्चर घंटा बजाने वाले, घोषिक (ढींढोरा पीटने वाले अथवा घोष-गुहा-में निवास करने वाले), यवन, वणिक्, किरात, धूर्त और पुष्पों को पीडित करता है । विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, अनावृष्टि हो । सुभिक्ष हो, अन्न लक्ष्मी बहुत हो, कपास, धान्यादि भावों में महर्घता हो । आश्लेषा में बुध होने से महावृष्टि हो, तुष धान्य उत्पन्न हों । लोगों को सर्पों से अत्यन्त पीडा हो, हस्तिपति पीडित हों । तुष धान्य मँहगे हों । **श्रावण** - अनावृष्टि और चौर भय हो, शबर-पुलिन्द जन पीड़ित हों, रस सब सूख जायें । कुरु देश में निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पपोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जावस्थ जन पीडित हों तथा वृष्टि हो । ब्राह्मणों को पीड़ा हो तथा उनका शीघ्र पतन हो । लोगों में मांगलिक उत्सव हों, राजाओं में भय हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग हो । प्रजा में सुख हो । संसार में कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । **भाद्रपद** - मेघों की गर्जना के साथ महावृष्टि हो, कौरव और चित्रकार पीडित हों । तुष धान्य उत्पन्न हों, धान्योत्पत्ति कहीं कम कहीं ज्यादा हो । कुओं बनाने वाले पीडित हों । क्षेत्र के बंटवारे को लेकर पड़ोसी देश से मनमुटाव हो, अन्न कम भाव मँदा हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । कहीं सुभिक्ष और कहीं प्रजा पीडित हों । तपस्वियों के आश्रमों में पीड़ा हो । दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो । उड़द मूंग कम उत्पन्न हों, प्राणियों के धातुओं (वसा, रक्त, मांस, मेधा, अस्थि, मज्जा और शुक्र) की हानि हो । **आश्विन** - तुष धान्य की महँगाई हो, सुन्दर वृष्टि हो, वाणिज्य कर्म करने वाले प्रभावित हों । गुरु तुला राशि पर होने से तक्षक मेघ अत्यन्त वृष्टि करे और मंजीठ तथा नारियल महँगे हो, राजाओं में अन्योन्य युद्ध हो घी तेल सस्ते हों, कहीं छत्रभंग तथा राजाओं में विग्रह हों, मारवाड़ में उत्पात हों, कोट और जैसलमेर आदि में परचक्र हो, धातु सस्ते हों, गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो, मनुष्यो की हानि हो, धान्य की बहुत समर्घता हो । भूकंप तथा युद्धादि हों, शस्त्र, चोर, अग्नि, रोग, जल और दुर्भिक्ष का भय हो । क्षत्रियों में प्रधान का अभाव हो अनावृष्टि हो । **कार्तिक** - आश्लेषा नक्षत्र में स्थित शनैश्चर जल में उत्पन्न प्राणियों और सर्पों को पीडित करता है । सुभिक्ष हो, धान्योत्पत्ति कहीं कम कहीं ज्यादा हो । प्रधान वैद्य. पीड़ित हों अनावृष्टि हो, लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो । गुरु उदय से काश्मीरी चन्दन तथा फलादि महँगे हों, वह्नि भय हो, अल्पवृष्टि, दुर्लभ अन्न, लोगों में कुशलता, राजाओं में कोमलता, एकत्रित किये हुये धान्यों की वृद्धि और सुन्दर मनुष्यों (स्त्री-पुरुष) को पीड़ा हो । ईख, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो ।

मार्गशीर्ष - धातुओं के भाव तेज हों । मेष राशि में मंगल का उदय होने से तिल और उड़द प्रिय हों (अर्थात् महँगे हों) । सुभिक्ष हो, कहीं कहीं व्याधि भय और दुर्भिक्ष भी हो । उ.षाढा में शुक्र होने से लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो । रोगों की उत्पत्ति हो । वृश्चिक राशि में बुध का उदय होने से राजभय और सुभिक्ष हो । गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो । **पौष** - गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो । पुष्य नक्षत्र में स्थित शनैश्चर घंटा बजाने वाले, घोषिक (ढींढोरा पीटने वाले अथवा घोष-गुहा-में निवास करने वाले), यवन, वणिक्, किरात, धूर्त और पुष्पों को पीडित करता है । बालकों में पीडा हो । व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । राजाओं में भय हो । रोग का प्रचार हो । अन्न और वर्षा मध्यम हो । क्षुधा, शस्त्र, चोरों की वृद्धि हो । **माघ** - अन्न की उत्पत्ति हो, छोटे बालकों में पीड़ा हो, वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति हो । लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो, जल में उत्पन्न जीव पीड़ित हों, श्रवण में बुध होने से गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में बर्फ (ओले) गिरने का भय हो, धान्य महंगा हो, देश में उपद्रव हो और तपस्वियों के आश्रमों में पीड़ा हो । मार्ग में हवा बहुत चले और संसार में कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । कर्क का शनि उदय होने से अनावृष्टि हो रस सब सूख जायें सब जगह मारीभय से लोगों में पीड़ा हो । **फाल्गुन** - क्षेत्रपति का क्षय हो, रोगों की उत्पत्ति हो । रोहिणी पर मंगल होने से वृक्षों में रोग, चौपायों में पीड़ा, कपास वस्त्र और सूत की महँगाई हो । तुला का गुरु वक्री होने से बर्तन, सुगन्धवाली वस्तुएं, कपास, नमक, यह सस्ते हों । मीन राशि में बुध का अस्त होने से राज्यवर्ग में पीड़ा हो । श्रवण में शुक्र होने से प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, कर्णपीड़ा हो । **चैत्र** - पूर्वाभाद्रपद में बुध होने से कहीं दुर्भिक्ष हो और कहीं क्षेम तथा आरोग्यता हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । आगे सर्वज्ञ जगत नियन्ता जगदीश्वराधीन है । आगे सार्वज्ञ जगत नियन्ता जगदीश्वराधीन है । गो प्रजा भाग्य प्रबल है ।

लाभ - खर्च देखनें की विधि और फल - जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-खर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

॥ संवत् २०६२ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः ॥

अथ उपनयन मुहूर्त्ताः

सन२००५	बैशाख मासः
मई १८	शु.१० बुधे पू.फा. ल. ३।४
	ज्येष्ठ मासः
जून ८	शु.२ बुधे आर्द्रा. अभिजिति
जून १०	शु.३ शुक्रे पुष्ये ल. ६
जून १२	शु.५ रवौ आश्ले. अभिजिति
	आषाढ मासः
जून २६	कृ.५ रवौ धनि. ल. ४
सन२००६	माघ मासः
जन. १६	कृ.२ चंद्रे आश्ले. अभिजिति
जन. १९	कृ.५ गुरौ उ.फा. अभिजिति
	फाल्गुन मासः
फर. १५	कृ.२ बुधे पू.फा. ल. १।२
मार्च १	शु.२ बुधे पू.भा. ल. १
मार्च २	शु.३ गुरौ रेवत्यामभिजिति
	चैत्र मासः
मार्च २०	कृ.५ चंद्रेऽनुराधा. अभिजिति

अथ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः

सन२००५	बैशाख मासः
मई २३	शु.१५ चंद्रेऽनुराधा. ल. ६ (स्टै. १४।५९ उप.)
	ज्येष्ठमासः
मई २७	कृ.४ शुक्रे उ.षा. ल. ६ (स्टै.१४।०७ उप.)
	आषाढ मासः
जुला.१८	शु.११ चंद्रे अनु. ल. ६ (भौ. ८ दो., स्टै. ११।०३ या.)
जुला.२१	शु.१५ गुरौ उ.षा. अभिजिति
	श्रावण मासः
जुला.२३	कृ.२ शनौ धनि. अभिजिति
अग. १७	शु.१२ बुधे उ.षा. ल. ९ (श. बु. ८ दो.)
अग. १८	शु.१३ गुरौ उ.षा. ल. ६ (भौ.८दो.)
	भाद्रपद मासः
सितं. १४	शु.११ बुधे उ.षा. ल. ६ (भौ.८दो.)
	मार्गशीर्ष मासः
नवं. १७	कृ.२ गुरौ रोहि. अभिजिति
दिसं. ७	शु.७ बुधे शत. ल. ११।१२ (कुंभः स्टै. १२।१४ उप.)
दिसं. १४	शु.१४ बुधे रोहि. ल.११।१२ (ति.दो.)

वृष चक्र रहिताः गेहारंभ मुहूर्त्ताः

सन२००५	बैशाख मासः
अप्रै. ३०	कृ.७ शनौ उ.षा. ल. ६
मई ११	शु.३ बुधे मृगे ल. २।३।५
	ज्येष्ठमासः
जून १	कृ.१० बुधे उ.भा. ल. ३।६ (कन्या. स्टै. १४।२६ या.)
जून १०	शु.३ शुक्रे पुष्ये ल. ६ (ति.दो.)
जून ११	शु.४ शनौ पुष्ये अभिजिति
	श्रावण मासः
जुला.२५	कृ.५ चंद्रे उ.भा. ल. ९ (बु.सू. श. ८ दो.)
अग. १	कृ.१२ चंद्रे मृगेऽभिजिति
अग. ११	शु.६ गुरौ चित्रा. अभि. (ति.दो.)
	भाद्रपद मासः
सितं. १०	शु.६ शनौ अनु. अभिजिति
	कार्तिक मासः
नवं. ७	शु.६ चंद्रे उ.षा. अभि. (ति.दो.)
	मार्गशीर्ष मासः
नवं. २१	कृ.५ चंद्रे पुष्ये अभिजिति
नवं. २८	कृ.१२ चंद्रे चित्रा. अभिजिति
दिसं. ५	शु.४ चंद्रे उ.षा. अभिजिति
दिसं. ७	शु.७ बुधे धनि. ल. ९।११ (धनु. श.८ दो., कुंभः स्टै.१२।१४ या.)
सन२००६	माघ मासः
जन. १९	कृ.५ गुरौ उ.फा. अभिजिति
	फाल्गुन मासः
फर. २५	कृ.१२ शनौ उ.षा. अभिजिति
मार्च २	शु.३ गुरौ रेवत्यां अभिजिति

अथ नूतन गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००५	बैशाख मासः
मई ५	कृ.१२ गुरौ उ.भा. अभिजिति
	ज्येष्ठ मासः
जून १	कृ.१० बुधे उ.भा. ल. ३।५ (सिंहे चं.श. ८ दो.)
सन२००६	माघ मासः
जन. २५	कृ.१० बुधे अनु. ल. १२।२ (वृषे भौ. १२ दो.)
फर. ३	शु.६ शुक्रे रेवत्यां अभिजिति
	फाल्गुन मासः
फर. २५	कृ.१२ शनौ उ.षा. ल. ३

कुंभचक्र रहिताः नूतनगृहप्रवेश मुहूर्त्ताः

सन२००५	बैशाख मासः
अप्रै. ३०	कृ.७ शनौ उ.षा. ल. ५।६ (सिंहे स्टै. १४।१४ उप.)
मई ११	शु.३ बुधे मृगे अभिजिति
सन२००६	माघ मासः
जन. १९	कृ.५ गुरौ उ.फा. अभिजिति
जन. २०	कृ.६ शुक्रे उ.फा. ल. ११।१२ (कुं. के. चं. ८ दो.)
जन. २५	कृ.१० बुधे अनु. ल. १२।२ (वृषे भौ. १२ दो)
	फाल्गुन मासः
फर. १८	कृ.५ शनौ चित्रा. ल. १२।२ (ल.२ स्टै. १२।०२ या.)

अथ जीर्ण गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००५	बैशाख मासः
मई १४	शु.६ शनौ पुष्ये अभिजिति
	श्रावण मासः
अग. १२	शु.७ शुक्रे स्वात्यां अभिजिति
	मार्गशीर्ष मासः
दिसं. ७	शु.७ बुधे धनि. ल.९ (श.८ दो.)
दिसं. ८	शु.८ गुरौ शत. ल. ९
सन२००६	माघ मासः
जन. २३	कृ.८ चंद्रे स्वत्यां ल. ११ (स्टै. ९।१४ या.)

कुंभ चक्र रहिता जीर्ण गृहप्रवेश मुहूर्त्ताः

सन२००५	ज्येष्ठ मासः
जून ११	शु.४ शनौ पुष्ये अभिजिति
	श्रावण मासः
जुला.२३	कृ.२ शनौ धनि. अभिजिति
	मार्गशीर्ष मासः
नवं. २१	कृ.५ चंद्रे पुष्ये अभिजिति

अथ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः

सन२००५	बैशाख मासः
अप्रै. ३०	कृ.७ शनौ उ.षा. ल. ६
मई ११	शु.३ बुधे मृगे ल. २।३
मई १४	शु.६ शनौ पुष्ये अभिजिति
मई २०	शु.११ शुक्रे हस्ते अभिजिति
	ज्येष्ठ मासः
मई २८	कृ.५ शनौ श्रवणे अभिजिति
जून १०	शु.३ शुक्रे पुष्ये ल. ६
जून ११	शु.४ शनौ पुष्ये ल. ६
जून २०	शु.१३ चंद्रे अनु. अभिजिति
	आषाढ मासः
जून २६	कृ.५ रवौ शत. अभिजिति
जुला.१३	शु.६ बुधे हस्ते ल. ६
सन२००६	माघ मासः
जन. १९	कृ.५ गुरौ उ. फा. अभिजिति
जन. २०	कृ.६ शुक्रे उ.फा. ल. १२
जन. २१	कृ.७ शनौ चित्रा. ल. ३
फर. ३	शु.६ शुक्रे रेवत्यां अभिजिति
फर. ४	शु.७ शनौ अश्वि. अभिजिति
फर. १०	शु.१३ शुक्रे पुन. अभिजिति
	फाल्गुन मासः
फर. १८	कृ.५ शनौ चित्रा. ल. १२
फर. १९	कृ.६ रवौ स्वात्यां अभिजिति
मार्च २	शु.३ गुरौ रेवत्यां अभि.

॥ संवत् २०६२ मध्ये विवाह मुहूर्ताः ॥

सन२००५ वैशाख कृष्णपक्षः
अप्रे. २९ ६ शुक्रे उषा. रात्रौल.१०,रे.६ ऽऽ॥ऽ॥॥ऽ (स्टै.२५।३६ उ.)
अप्रे. ३० ७ शनौ उषा. ल. अ. गोधूलि, ८, रे. ७ ऽऽ॥ऽ॥॥॥

वैशाख शुक्लपक्ष
मई ९ १ चंद्रे रोहि. रात्रौ ल.११ रे. ९ ॥॥ऽ॥॥ (सोग्रांगः)
मई १० २ भौमे रोहि. दिवा ल.३।६,रे.९ ॥॥ऽ॥॥ (क.रा.७दोषः)
मई १० २ भौमे मृगे रात्रौ ११ (सोग्रांगः) रे. ९ ॥॥ऽ॥॥
मई ११ ३ बुधे मृगे अ.गो.८, रे.१० ॥॥॥॥॥ (वृश्चि.शु. ७ पू.)
मई १६ ८ चंद्रे मघा रात्रौ ११ रे. ९ ॥॥॥ऽ॥ (सोग्रांगः)
मई १७ ९ भौमे मघा दिवा ल. ३,रे. ९ ॥॥॥ऽ॥ (सोग्रांगः)
मई २० ११ शुक्रे हस्ते दिवा ल. ३।७, रे. ९ ॥ऽगु॥॥॥
मई २१ १२ शनौ स्वाती रात्रौ ११, रे. ९ ।ऽ॥॥॥॥ (सोग्रांगः)
मई २२ १३ रवौ स्वाती दिवा ल. ३।६, रे. ९ ।ऽ॥॥॥॥
मई २३ १५ चंद्रेऽनुराधा दिवा ल.७ रे.६ ॥ऽबुऽ।ऽऽ॥ (वृ.७ पू.)
मई २३ १५ चंद्रेऽनुराधा रात्रौ ल.११।१,रे.८ ॥॥॥ऽऽ॥ (कुंभे सो.)

ज्येष्ठ कृष्णपक्षः
मई २७ ४ भृगौ उषा. दि.ल.३ रे.६ ॥ऽशुऽ॥ऽ।ऽद. (चं.७पू.)
मई ३१ ९ भौमे उषा. रात्रौ ११, रे. ८ ॥ऽगु॥ऽ॥
(षष्ठे लग्नेशादोषस्तेनत्याज्यः)
जून १ १० बुधे उषा. दिवा ल.३।६, रे. ८ ॥ऽगु॥ऽ॥
(कन्यायाम् रा. ७ दोषः)

ज्येष्ठ शुक्लपक्षः
जून १२ ५ रवौ मघा रात्रौ ल. अ. गो. ९, रे. ९ ।ऽ॥॥॥॥
(धनुषि. बु. शु. ७ दोषः)
जून १७ १० शुक्रे स्वाती लग्नाऽभावः रे. ९ ॥॥ऽ॥
(मेषेचिन्त्यं विद्वद्वरैः)
जून १९ १२ रवौ अनु. रात्रौ ल. ३ रे.१० ॥॥॥॥॥ (शु.३ दोषः)
जून २० १३ चंद्रेऽनुराधा दिवा ल. ४, रात्रौ अ. गो. ११
रे. १० ॥॥॥॥॥ (कुंभे लग्नेशः ६ दो.)

आषाढ कृष्णपक्षः
जून २३ १ गुरौ उषा. रात्रौ ल. १, रे. ९ ॥॥ऽ॥॥
जून २४ ३ शुक्रे उषा. दिवा ल.४ रे.९ ॥॥ऽ॥॥ (चं. ७ पू.)
जून २८ ७ भौमे उषा. दिवा ल. ४।८, रात्रौ अ. गोधूलि १
रे. ७ ॥ऽगु॥॥ऽद.(कर्के रे. ८ दग्धारहितसोग्रांगश्च)

आषाढ शुक्लपक्षः
जुला. ९ ३ शनौ मघा. रात्रौ ल. १ रे. १० ॥॥॥॥
जुला.१० ४ रवौ मघा दिवा ल. ४ रात्रौ ल. २ रे.१० ॥॥॥॥॥
(कर्के सोग्रांगः,वृषः स्टै.२६।५९ उप.)
जुला.१३ ६ बुधे हस्ते दिवा ल. ७, रात्रौ अ.गोधूलि
रे. ७ ॥ऽगु॥ऽऽ॥
जुला.१५ ८ शुक्रे स्वाती दिवा ल.८,रात्रौ गो.,१ रे.९ ऽ॥॥॥॥
(मेषे चं. ७ दोषः)
अग्रे कर्कऽर्क चतुर्मासारंभश्च

मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः
नवं. १६ १ बुधे रोहि. रात्रौ ल.५,रे.७ ऽ॥ऽ।ऽ॥ (श.१२दो.)
नवं. १८ ३ शुक्रे मृगे दिवा ल.१ रे.१० ॥॥॥॥॥ (सो.गु.७पू.)
नवं. २३ ७ बुधे मघा दिवा ल. १, रात्रौ अ. गोधूलि ६
रे. ९ ॥॥॥ऽ॥ (कन्या. सोग्रांगः रा. ७ दो.)

मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः
दिसं. ४ ३ रवौ उषा. रात्रौ ल. ३ रे. ८ ॥ऽशु॥ऽ॥॥
(लग्नेश ६, चं. ७ दोषौ)
दिसं. ५ ४ चंद्रे उषा. दिवा ल. १२ रे. ८ ॥ऽशु॥ऽ॥॥
दिसं. १० १० शनौ रेवत्यां रात्रौ ल. ६, रे. ७ ॥॥ऽ।ऽऽ॥
(सोग्रांग, रा. चं. ७ दो.परमावश्के)
दिसं. १५ १५ गुरौ मृगे दिवा ल. १०।१२, रे. ६ ।ऽ।ऽशु.ऽ॥ऽ॥
दिसं. १५ १५ गुरौ मृगे रात्रौ ३, रे. ६ ।ऽ।ऽशुऽ॥ऽ॥
(षष्ठस्थ लग्नेश,मासान्तश्च)

सन२००६ माघ कृष्णपक्षः
जन. १९ ५ गुरौ उफा. दिवा ल. २, रात्रौ गोधूलि, ९
रे. ९ ॥॥॥ऽ॥
जन. २० ६ शुक्रे उफा. दिवा ल. १२, रे. ९ ॥॥॥ऽ॥
जन. २२ ७ रवौ स्वा. रात्रौ अ. गोधूलि, ९, रे. ८ ऽ॥॥॥ऽ॥
जन. २३ ८ चंद्रे स्वाती दिवा ल. १२।३ , रे. ८ ऽ॥॥॥ऽ॥
जन. २६ ११ गुरौ मूले रात्रौ ल. ६, रे. ७ ॥॥॥ऽऽ।ऽद.
(सोग्रांगः, रा. ७ दो.)

माघ शुक्लपक्षः
फर. २ ५ गुरौ रेवत्यां लग्नाऽभावः रे. ९ ॥॥ऽ॥॥ (अत्र स्टै.
२६।२६ या. मृत्युपंचकम् तदुपरान्ति धनुषि चिन्त्यम्)
फर. ३ ६ शुक्रे रेवत्यां दिवा ल. २।३ रात्रौ ल. अ. गोधूलि
रे.९ ॥॥ऽ॥॥ (मिथु. शु. ७ पू.)
फर. १३ १५ चंद्रे मघायां दिवा ल. १।२।३, रे. ८ ॥॥॥ऽऽ॥
फर. १३ १५ चंद्रे मघायां रात्रौ ल. ७, रे. ८ ॥॥॥ऽऽ॥
(शु. ३ दोषः स्टै. २४।०६ या.)

फाल्गुन कृष्णपक्षः
फर. १४ १ भौमे मघा दिवा ल. १ रे.८ ॥॥ऽऽ॥॥ (गु.७ पू.)
फर. १५ २ बुधे उफा. दिवा ल.४,रात्रौ गो.९ रे.१० ॥॥॥॥॥
(कर्कः सोग्रांगः, धनुषि. रा.४ दो.,स्टै.२८।४७ या.)
फर. २० ७ चंद्रेऽनुराधा रात्रौ ९, रे. ६ ऽ॥ऽ।ऽऽऽ॥
(रा. ४ दोषः, स्टै. २७।०३ उपरान्त)
फर. २१ ८ भौमेऽनुराधा दिवा ल.१।४, रात्रौ अ. गो. ९, रे.६ऽ॥ऽ।ऽऽऽ॥
(मेषे गु.७ पू.,कर्कः सोग्रांगः,धनुषि रा.४ दोषः)

फाल्गुन शुक्लपक्षः
मार्च २ ३ गुरौ रेवत्यां रात्रौ ल.९ रे.७ ।ऽ॥ऽ॥॥ऽ (रा.४ दो.)
अग्रे होलाष्टकमीनेऽर्कश्च

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥
सन२००५ वैशाख कृष्णपक्षः
अप्रे. ३० ७ शनौ श्रवणे रात्रौ ल. ११।१२ रे. ९ ॥॥॥ऽ॥
(कुंभे ३ दो., सोग्रांगः, मीने के. गु, ७ पू.)

भैरव भवानि संवाद

भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
बासठ संयत का कहो श्रीमुख से सब हाल ॥
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देस्पतां नेष्ट जमानो होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये चार अधिकार ।
समय निवासो रजकघर रोहिणी तट आधार ॥
वर्षा विश्वा सप्तदश भौम भये मेघेश ।
कहींक वर्षा अल्प हो कहींक होय विशेष ॥
दशाधिकारी योग से दर्शाया फल सार ।
गो प्रजा के भाग्य से भला करे करतार ॥
स्तंभ तीन हैं वर्ष के जलान्नवायु से जान ।
रामकुवारात्मज यों कहे श्री गुरुचरणों में ध्यान ॥

मई १ ८ रवौ श्रवणे दिवा ल. ३।४, रात्रौ अ. गो. ८
रे. ९ ॥॥॥ऽ॥ (मिथु. सोग्रांगः, कर्के चं. ७ दो.)
मई १ ८ रवौ धनि. रात्रौ ल. १२, रे. ८ ऽ॥॥॥ऽ॥
मई २ ९ चंद्रे धनि. दिवा ल. ३।४, रे. ८ ऽ॥॥॥ऽ॥

ज्येष्ठ कृष्णपक्षः
जून २ १ गुरौ अश्वि. रात्रौ ल. १२, रे. ७ ऽ॥ऽ।ऽ॥
जून ३ १२ शुक्रे अश्वि. दिवा ल. ३।४।६, रात्रौ ११
रे. ७ ऽ॥ऽ॥ऽ॥ (कर्कः सोग्रांगः, कन्या
रा. ७ दोषः, कुंभस्तु स्टै. २५।१५ यावत्)

आषाढ कृष्णपक्षः
जून २५ ४ शनौ श्रवणे दिवा ल. ४, रे. ८ ।ऽ॥ऽ॥॥
जून ३० ९ गुरौ अश्वि. दिवा ल. ४।५।७, रात्रौ अ. गो.
रे. ८ ॥॥ऽ॥ऽ॥ (सिंहे श. १२ दोषः, तुला चं. ७ पू.)

मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः
नवं. २७ ११ रवौ चित्रा. रात्रौ ल. ५, रे.८ ॥॥ऽ॥ऽ॥ (श.१२दो.)
नवं. २८ १२ चंद्रे चित्रा दिवा ल. ९।१२, रात्रौ ३ रे.८ ॥॥ऽ॥ऽ॥
(धनु.रा. ४ दो.,मीने के. ७ दो.,मिथु.बु. ६ दो, ७ पू.)

मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः
दिसं. १२ १२ चंद्रे अश्वि. दिवा ल. ९, रे.१० ॥॥॥॥॥ (स्टै.८।१४या.)

सन२००६ माघ कृष्णपक्षः
जन. २२ ७ रवौ चित्रा दिवा ल. २।३, रे. ९ ॥॥॥ऽ॥
(मिथु. स्टै. १७।०३ यावत्)

माघ शुक्लपक्षः
जन. ३० १ चंद्रे धनि. रात्रौ ल. ८।९, रे. ८ ।ऽ॥ऽ॥॥
(धनुषि रा. ४ दो.)
फर. ३ ६ शुक्रे अश्वि. रात्रौ ९ (रा. ४ दो.), रे. ८ ।ऽ॥॥ऽ॥
फर. ४ ७ शनौ अश्वि. दिवा ल. २।३, रे. ८ ।ऽ॥॥ऽ॥
(मिथु शु. ७ पू., स्टै. १६।५९ या.)

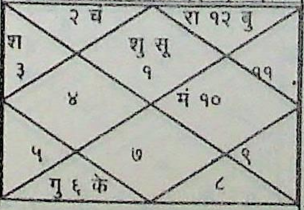
(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, ९ अप्रेल से २४ अप्रेल तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | वसंतर्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ४७५२, अप्रेल २००५

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	श	४६	५९	२५	०३	रेव	१०	४६	१०	३४	वै	२९	११	१७	५६	किं	१८	०९	१३	३१	३१/२०	६/१५	६/४७	मेषे १०।३४	१९	२९	९	पंचक समाप्तिः १०।३४, नवरात्रारम्भः, घटस्था., ध्वजारो., D
२	र	४५	४३	२४	३२	अश्वि	१०	२३	१०	२४	वि	२५	०४	१६	१६	बा	१६	११	१२	४३	२४	१४	४८	मेषे	२०	३०	१०	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, मेषे अश्वि. C
३	सो	४५	५९	२४	३७	भर	११	२४	१०	४७	प्री	२२	०६	१५	०४	तै	१५	४१	१२	३०	२८	१३	४८	वृषे १६।५९	२१	१	११	मन्वादि, मत्स्योत्पत्तिः, अरुन्धती व्रतं पूजनञ्च, गणगौरी पूजा, A
४	मं	४७	५१	२५	२१	कृति	१३	५७	११	४७	आ	२०	२३	१४	२१	व	१६	४४	१२	५४	३२	१२	४९	वृषे	२२	२	१२	भ. १२।५४ उ. २५।२१ या., मार्गी बुधः २२।०८ [E घनि. भौमः १८।३२
५	बु	५१	१७	२६	४२	रोहि	१८	०३	१३	२५	सौ	१९	५४	१४	०९	ब	१९	२४	१३	५७	३६	११	५०	मिथु. २६।२७	२३	३	१३	कल्पादि, डोलोत्सवः, मेषे अश्वि. रविः २३।३१ (सौरः २५।१८), E
६	गु	५६	०५	२८	३६	मृग	२३	३६	१५	३७	शो	२०	३६	१४	२४	कौ	२३	३३	१५	३५	४०	१०	५०	मिथु.	२४	४	१४	स्कन्द षष्ठी व्र. [C शुक्रः २७।४९
७	शु	...	...	...	..	आर्द्रा	३०	१९	१८	१७	अ	२२	१२	१५	०२	ग	२८	५५	१७	४३	४४	०९	५१	मिथु.	२५	५	१५	[A मनोरथ तृतीयाव्र., सौभाग्यशयनव्र., शिवशक्ति पू., रविलावल ३
७	श	१	५५	६	५४	पुन	३७	४१	२१	१३	सु	२४	२४	१५	५४	व	१	५५	६	५४	४७	०८	५१	कर्के १४।२८	२६	६	१६	भ. ६।५४ उ. २०।०८ या., भवान्युत्पत्तिः, अशोककलिका प्राशनं
८	र	८	०७	९	२२	पुष्य	४५	०९	२४	११	वृ	२६	४६	१६	४९	ब	८	०७	९	२२	५१	०७	५२	कर्के	२७	७	१७	[D आरोग्य १, विद्या १, कल्पादि
९	सो	१४	०६	११	४५	श्ले	५२	०४	२६	५६	शू	२८	४९	१७	३८	कौ	१४	०६	११	४५	५५	०६	५२	सिंहे २६।५६	२८	८	१८	श्री रामनवमी
१०	मं	१९	१७	१३	४८	मघा	५७	५७	२९	१६	गं	३०	१२	१८	१०	ग	१९	१७	१३	४८	५९	०५	५३	सिंहे	२९	९	१९	भ. २६।३९ उ., सायन वृषे भानुः २८।५३ [G ६।४३, मोक्षः ११।१४
११	बु	२३	१३	१५	२२	पूफा	...	...	...	...	वृ	३०	३५	१८	१८	वि	२३	१३	१५	२२	३३/०३	०४	५३	सिंहे	३०	१०	२०	भ. १५।२२ या., कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः, पातस्पर्शः G
१२	गु	२५	४२	१६	२०	पूफा	२	३२	७	०४	ध्रु	२९	५१	१८	००	बा	२५	४२	१६	२०	०६	०३	५४	कन्या १३।२६	१	११	२१	प्रदोषः, हरि दमनोत्सवः, भा. वैशाखारंभः, भर. शुक्रः २२।२२
१३	शु	२६	३६	१६	४१	उफा	५	३६	८	१७	व्या	२७	५३	१७	११	तै	२६	३६	१६	४१	१०	०२	५४	कन्या	२	१२	२२	जैन महावीर जयंती, शिव पूजन विशेषः, कुंभे भौमः २२।५४
१४	श	२६	००	१६	२५	हस्त	७	०९	८	५३	ह	२४	४४	१५	५५	व	२६	००	१६	२५	१४	०१	५५	तुला. २०।५८	३	१३	२३	भ. १६।२५ उ. २८।०५ या. [B चित्रान्नदानं भक्षणञ्च, अश्वमेधयज्ञफलं
१५	र	२३	५९	१५	३६	चित्रा	७	१७	८	५५	व	२०	२९	१४	१२	ब	२३	५९	१५	३६	१७	००	५५	तुला.	४	१४	२४	मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वैशाख स्नानारंभः, B

अयनांशाः २३।५४।४४
१ पं. चै.शु. ५ बु. इष्टघटी ४३।१९
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	९	११	५	०	२	११	११
००	२३	०७	१८	०३	२७	२८	२९
००	२९	५५	४२	२९	०५	५६	५५
००	०२	४०	५२	४०	५०	२५	३७
५८	४३	१०	७	७४	२	३	५८
४६	३४	३६	२६	१८	२९	११	४४
अ	घ	उभा	ह	अ	पुन	रे	रे
१	१	२	३व	२	३	४	४



अप्रेल		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
९	श	११	२५	२२	४२	५८	५६	७	३३	३०	५२	६	३०	६	५१	३१	०३	५	२५	५	५१
१०	र	११	२६	२१	३७	५८	५४	७	५५	३०	५५	६	२९	६	५१	३१	०६	५	२४	५	५१
११	चं	११	२७	२०	३१	५८	५२	८	१७	३०	५७	६	२८	६	५१	३१	०९	५	२४	५	५१
१२	मं	११	२८	१९	२३	५८	५०	८	३९	३१	००	६	२८	६	५२	३१	१२	५	२३	५	५२
१३	बु	११	२९	१८	१२	५८	४८	९	०१	३१	०२	६	२७	६	५२	३१	१५	५	२२	५	५२
१४	गु	०	००	१७	००	५८	४६	९	२३	३१	०५	६	२६	६	५२	३१	१९	५	२१	५	५२
१५	शु	०	०१	१५	४६	५८	४४	९	४५	३१	०७	६	२५	६	५२	३१	२२	५	२०	५	५३
१६	श	०	०२	१४	२९	५८	४२	१०	०६	३१	१०	६	२५	६	५३	३१	२५	५	१९	५	५३
१७	र	०	०३	१३	११	५८	४०	१०	२७	३१	१२	६	२४	६	५३	३१	२८	५	१८	५	५३
१८	चं	०	०४	११	५१	५८	३८	१०	४८	३१	१५	६	२३	६	५३	३१	३१	५	१८	५	५४
१९	मं	०	०५	१०	२८	५८	३६	११	०९	३१	१७	६	२२	६	५३	३१	३४	५	१७	५	५४
२०	बु	०	०६	०९	०४	५८	३४	११	३०	३१	२०	६	२२	६	५४	३१	३७	५	१६	५	५५
२१	गु	०	०७	०७	३८	५८	३२	११	५०	३१	२२	६	२१	६	५४	३१	४०	५	१५	५	५५
२२	शु	०	०८	०६	१०	५८	३०	१२	१०	३१	२५	६	२०	६	५४	३१	४३	५	१४	५	५५
२३	श	०	०९	०४	४०	५८	२८	१२	३१	३१	२७	६	२०	६	५५	३१	४५	५	१४	५	५६
२४	र	०	१०	०३	०८	५८	२६	१२	५०	३१	३०	६	१९	६	५५	३१	४८	५	१३	५	५६

संक्रांति फलम्

ता. १३ अप्रेल २००५
चैत्र शु. ५ बुधे मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २३।३१ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रास्तः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १७।३१ से २९।३१ तक । (दान- मेष) ।

अयनांशाः २३।५४।४५
२ पं. चै.शु.११ बु. इष्टघटी ४३।३६
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	९	११	५	०	२	११	०
०६	२८	१०	१७	१२	२७	२८	०६
५०	३४	४४	५२	०९	२५	३४	४५
४२	००	०४	१४	२१	२१	०६	५१
५८	४३	४०	६	७४	३	३	५८
३३	३४	०६	५५	१०	११	११	२८
अ	घ	उभा	ह	अ	पुन	रे	अ
३	२	३	३व	४	३	४	३



वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, २५ अप्रेल से ८ मई तक नवलगढ चंद्रः

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति महा., अप्रेल-मई २००५
१	सो	२०	४४	१४	१७	स्वा	६	०९	८	२७	सि	१५	१३	१२	०५	कौ	२०	४४	१४	१७	३२/२१	६/००	६/५६	वृश्चि.	२५।४९	५	१५	२५	इसमें लिखें अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
२	मं	१६	२८	१२	३४	विशा	३	५८	७	३४	व्य	९	०८	९	३८	ग	१६	२८	१२	३४	२५	५/५९	५७	वृश्चि.		६	१६	२६	भ. २३।३४ उ., [शुक्रोदयः पश्चिमायाम १४।०२]
३	बु	११	२३	१०	३१	अनु	०/५७	५५/४४	६/२८	२०/५२	व	२/५५	२२/०५	६/२८	५५/००	वि	११	२३	१०	३१	२८	५८	५७	धनु.	२८।५२	७	१७	२७	भ. १०।३१ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।२५, B
४	गु	५	४६	८	१५	मूल	५३	१५	२७	१५	शि	४७	३३	२४	५८	बा	५	४६	८	१५	३२	५७	५८	धनु.		८	१८	२८	अनुसूया जयंती, अगस्त्यास्तः ६।५२
५	गु	५९	४७	२९	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[B भर. रविः १५।२१ (सौरः १७।३२), रेव. बुधः २६।०९
६	शु	५३	४५	२७	२६	पूषा	४९	०९	२५	३६	सि	३९	५३	२१	५३	ग	२६	४७	१६	३९	३५	५६	५८	धनु.		९	१९	२९	भ. २७।२६ उ.
७	श	४७	५१	२५	०४	उषा	४५	०९	२३	५९	सा	३२	१८	१८	५०	वि	२०	४७	१४	१४	३९	५५	५९	मक.	७।११	१०	२०	३०	भ. १४।१४ या.
८	र	४२	१४	२२	४८	श्रव	४१	२६	२२	२९	शु	२४	५४	१५	५२	बा	१५	००	११	५४	४२	५४	५९	मक.		११	२१	१	बूढो बास्योड़ो, मई ५ ता. ३१, शत. भौमः २७।२९
९	सो	३७	०५	२०	४४	धनि	३८	११	२१	१०	शु	१७	५१	१३	०२	तै	९	३६	९	४४	४६	५४	७/००	कुंभे	९।४८	१२	२२	२	पंचक प्रारम्भः ९।४८, पातस्पशः १७।२५, मोक्षः २१।३८, A
१०	मं	३२	२९	१८	५३	शत	३५	३०	२०	०५	ब्र	११	१५	१०	२३	व	४	४३	७	४६	४९	५३	०१	कुंभे		१३	२३	३	भ. ७।४६ उ. १८।५३ या.
११	बु	२८	३४	१७	१८	पूभा	३३	३०	१९	१६	ऐ	५/५९	१०/३८	७/२१	५६/४२	व	०	२८	६	०३	५२	५२	०१	मीने	१३।२७	१४	२४	४	वरुथिनि ११ व्र. [A (व) हस्ते-२ गुरुः ७।२३, कृत्ति. शुक्रः १७।३८
१२	गु	२५	२५	१६	०१	उभा	३२	१५	१८	४५	वि	५४	४७	२७	४६	तै	२५	२५	१६	०१	५६	५१	०२	मीने		१५	२५	५	प्रदोषः, वृषे शुक्रः १०।३३
१३	शु	२३	०६	१५	०५	रेव	३१	५०	१८	३५	प्री	५०	३८	२६	०६	व	२३	०६	१५	०५	५९	५१	०२	मेषे	१८।३५	१६	२६	६	भ. १५।०५ उ. २६।४५ या., पंचक समाप्तिः १८।३५, C
१४	श	२१	४०	१४	३०	अश्वि	३२	२०	१८	४६	आ	४७	१५	२४	४४	श	२१	४०	१४	३०	३३/०२	५०	०३	मेषे		१७	२७	७	टैगोर जयन्ती [C मासिकशिवरात्री व्र.
३०	र	२१	१७	१४	२०	भर	३३	५१	१९	२२	सौ	४४	४३	२३	४२	ना	२१	१७	१४	२०	०५	४९	०३	वृषे	२५।३५	१८	२८	८	देवपितृकार्येऽमा., मेषे अश्वि. बुधः १८।२२

शुक्रोदयः

अयनांशाः २३।५४।४६
३ पं. वै.कृ. ३ बु. इष्टघटी ४३।५२
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	१०	११	५	०	२	११	०
१३	०३	१६	१७	२०	२७	२८	१३
३९	३८	३३	०५	४८	४९	११	३४
५०	४८	०९	५३	०८	३७	५०	३१
५८	४३	६१	६	७४	३	३	५८
१९	३१	५५	११	०२	५०	११	१३
भ	घ	उभा	ह	भ	पुन	रे	भ
१	४	४	३व	३	३	४	१



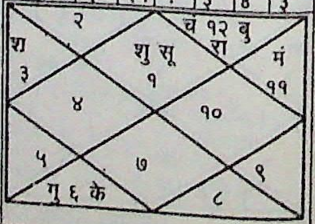
अप्रेल रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेलवे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेलवे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२५ च	०	११	०१	३४	५८	२४	१३	१०	३१	३२	६	१८	६	५५	३१	५१	५	१२	५	५७
२६ मं	०	११	५९	५९	५८	२३	१३	३०	३१	३४	६	१८	६	५५	३१	५४	५	११	५	५७
२७ बु	०	१२	५८	२१	५८	२१	१३	४९	३१	३७	६	१७	६	५६	३१	५७	५	११	५	५७
२८ गु	०	१३	५६	४२	५८	१९	१४	०८	३१	३९	६	१७	६	५६	३२	००	५	१०	५	५८
२९ शु	०	१४	५५	०१	५८	१७	१४	२७	३१	४१	६	१६	६	५६	३२	०२	५	०९	५	५८
३० श	०	१५	५३	१८	५८	१५	१४	४५	३१	४३	६	१५	६	५७	३२	०५	५	०८	५	५९
१ र	०	१६	५१	३३	५८	१४	१५	०३	३१	४६	६	१५	६	५७	३२	०८	५	०८	५	५९
२ चं	०	१७	४९	४७	५८	१२	१५	२१	३१	४८	६	१४	६	५७	३२	११	५	०७	५	५९
३ मं	०	१८	४७	५९	५८	१०	१५	३९	३१	५०	६	१४	६	५८	३२	१३	५	०७	६	००
४ बु	०	१९	४६	०९	५८	०८	१५	५७	३१	५२	६	१३	६	५८	३२	१६	५	०६	६	००
५ गु	०	२०	४४	१७	५८	०७	१६	१४	३१	५४	६	१३	६	५८	३२	१८	५	०५	६	०१
६ शु	०	२१	४२	२४	५८	०५	१६	३१	३१	५७	६	१२	६	५९	३२	२१	५	०५	६	०१
७ श	०	२२	४०	२९	५८	०३	१६	४८	३१	५९	६	१२	६	५९	३२	२४	५	०४	६	०२
८ र	०	२३	३८	३२	५८	०२	१७	०४	३२	०१	६	११	६	५९	३२	२६	५	०४	६	०२

मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। शनिवार की सक्रांति होने से सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो। अमावस को रविवार और भरणी होने से सन्ताप, अर्थनाश, क्लेश और राजदुःख की पीड़ा हो। इस माह के शुक्लपक्ष का फल नेष्ट है। शुक्ला ३ को मृगशिरा होने से दुर्भिक्ष होता हो। शुक्ला पंचमी को शुक्रवार होने से कलह हो। शुक्ला नौमी को मघा होने से पृथ्वी पर बहुत कष्ट हो। पूर्णिमा विशाखा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो।

अयनांशाः २३।५४।४७
४ पं. वै.कृ.११ बु. इष्टघटी ४४।०६
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

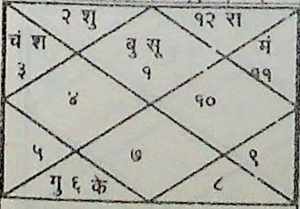
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	१०	११	५	०	२	११	०
२०	०८	२४	१६	२९	२८	२७	२०
२७	४३	४२	२५	२६	१८	४९	२१
२९	०९	५५	१४	०१	२०	३५	१९
५८	४३	८व	५	७३	४	३	५७
०७	२५	१८	१६	५५	२७	११	५९
भ	श	रे	ह	कृ	पुन	रे	भ
३	१	३	२व	१	३	४	३



वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, ९ मई से २३ मई तक																					नवलगढ			चंद्रः	तारीख			ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ४७८२, मई २००५
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	आ.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	सो	२२	००	१४	३७	कृति	३६	२८	२०	२४	शो	४३	०४	२३	०२	ब	२२	००	१४	३७	३३ ०९	५ ४९	७ ०४	वृषे	१९	२९	९	चंद्रदर्शनम् (मु.३०)
२	मं	२३	५५	१५	२२	रोहि	४०	१७	२१	५५	अ	४२	२३	२२	४५	कौ	२३	५५	१५	२२	१२	४८	०४	वृषे	२०	१	१०	शिवाजी जयंती, परशुराम जयंती, रविवासर ४
३	बु	२७	०५	१६	३७	मृग	४५	१९	२३	५५	सु	४२	४१	२२	५२	ग	२७	०५	१६	३७	१५	४७	०५	मिथु. १०।५१	२१	२	११	म. २९।२६ उ., युगादि, कल्पादि, अक्षय तृतीया, कृत्ति. B
४	गु	३१	२८	१८	२२	आर्द्रा	५१	२८	२६	२२	धृ	४३	५३	२३	२०	वि	३१	२८	१८	२२	१८	४७	०६	मिथु.	२२	३	१२	म. १८।२२ या.
५	शु	३६	५१	२०	३०	पुन	५८	३१	२९	१०	शू	४५	४९	२४	०६	व	४	०४	७	२३	२१	४६	०६	कर्के २२।२७	२३	४	१३	श्री आद्यशंकराचार्य जयंती, रोहि. शुक्रः १३।३३
६	श	४२	५३	२२	५५	पुष्य	...	...	...	...	गं	४८	१२	२५	०२	कौ	९	५०	९	४२	२३	४५	०७	कर्के	२४	५	१४	श्री रामानुज जयंती, वृषे रविः २०।२६ (सौरः २३।३९)
७	र	४८	५९	२५	२१	पुष्य	६	०२	८	१०	वृ	५०	३६	२५	५९	ग	१५	५९	१२	०९	२६	४५	०७	कर्के	२५	६	१५	म. २५।२१ उ., गंगोत्पत्ति, पातस्पर्शः २५।११
८	सो	५४	३५	२७	३४	श्ले	१३	२५	११	०६	ध्रु	१२	३६	२६	४७	वि	२१	५४	१४	३०	२९	४४	०८	सिंहे ११।०६	२६	७	१६	म. १४।३० या., पातमोक्षः ६।५२, मर. बुधः २३।३९
९	मं	५९	०४	२९	२२	मघा	२०	०४	१३	४५	व्या	५३	४६	२७	१४	बा	२७	०१	१६	३२	३२	४४	०८	सिंहे	२७	८	१७	सीता ९
१०	बु	...	...	...	...	पूफा	२५	२९	१५	५५	ह	५३	४८	२७	१५	तै	३०	४७	१८	०२	३४	४३	०९	कन्या २२।२२	२८	९	१८	[B रविः ९।३३ (सौरः १२।३१)
१०	गु	२	०४	६	३२	उफा	२९	१८	१७	२६	व	५२	२०	२६	४१	ग	२	०४	६	३२	३७	४३	१०	कन्या	२९	१०	१९	म. १८।५१ उ., बुधास्तः पूर्वस्याम् ६।११
११	शु	३	१४	७	००	हस्त	३१	२०	१८	१४	सि	४९	३९	२५	३४	वि	३	१४	७	००	४०	४२	१०	कन्या	३०	११	२०	म. ७।०० या., मोहिनी ११ व्र., सायन मिथुने भानुः २८।०४, पूना. C
१२	श	२	३२	६	४३	चित्रा	३१	३२	१८	१९	व्य	४५	२२	२३	५१	बा	२	३२	६	४३	४२	४२	११	तुला. ६।२२	३१	१२	२१	प्रदोषः [C भौमः १५।०७
१३	र	०	०२	५	४२	स्वा	३०	०१	१७	४२	व	३९	४४	२१	३५	तै	०	०२	५	४२	४४	४१	११	तुला.	१	१३	२२	म. २८।०२ उ., नृसिंह १४, मा. ज्येष्ठारंभः
१४	र	५५	५२	२८	०२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A वैशाखस्नानपूर्तिः, धर्म प्रीत्यर्थं जलकुंभदानं, कृत्ति. बुधः २५।५७
१५	सो	५०	२०	२५	४९	विशा	२७	००	१६	२९	प	३२	५४	१८	५१	वि	२३	१५	१४	५९	४७	४१	१२	वृश्चि. १०।५०	२	१४	२३	म. १४।५९ या., कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A

अयनांशाः २३।५४।४८
५ पं. वै.शु. ३ बु. इष्टघटी ४४।१९
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	१०	०	५	१	२	११	०
२७	१३	०४	१५	०८	२८	२७	२७
१३	४६	५५	५१	०३	५१	२७	०६
४४	४१	०५	३०	०३	१०	१९	२९
५७	४३	१६	४	७३	५	३	५७
५६	१६	३६	१२	४८	००	११	४५
कृ	श	अ	ह	कृ	पुन	रे	कृ
१	३	२	२व	४	३	४	१



मई	रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकत्ता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
९ चं	०	२४	३६	३४	५८	००	१७	२०	३२	०३	६	११	७	००	३२	२९	५	०३	६	०२
१० मं	०	२५	३४	३४	५७	५८	१७	३६	३२	०५	६	१०	७	००	३२	३१	५	०२	६	०३
११ बु	०	२६	३२	३२	५७	५७	१७	५२	३२	०७	६	१०	७	००	३२	३३	५	०२	६	०३
१२ गु	०	२७	३०	२९	५७	५५	१८	०७	३२	०९	६	०९	७	०१	३२	३६	५	०१	६	०४
१३ शु	०	२८	२८	२४	५७	५४	१८	२२	३२	११	६	०९	७	०१	३२	३८	५	०१	६	०४
१४ श	०	२९	२६	१८	५७	५२	१८	३७	३२	१२	६	०९	७	०२	३२	४०	५	०१	६	०५
१५ र	१	००	२४	१०	५७	५१	१८	५१	३२	१४	६	०८	७	०२	३२	४३	५	००	६	०५
१६ चं	१	०१	२२	०१	५७	४९	१९	०५	३२	१६	६	०८	७	०२	३२	४५	५	००	६	०६
१७ मं	१	०२	१९	५०	५७	४८	१९	१९	३२	१८	६	०८	७	०३	३२	४७	४	५९	६	०६
१८ बु	१	०३	१७	३८	५७	४६	१९	३२	३२	१९	६	०७	७	०३	३२	४९	४	५९	६	०६
१९ गु	१	०४	१५	२५	५७	४५	१९	४५	३२	२१	६	०७	७	०३	३२	५१	४	५९	६	०७
२० शु	१	०५	१३	१०	५७	४४	१९	५८	३२	२३	६	०७	७	०४	३२	५३	४	५८	६	०७
२१ श	१	०६	१०	५३	५७	४२	२०	१०	३२	२४	६	०६	७	०४	३२	५५	४	५८	६	०८
२२ र	१	०७	०८	३६	५७	४१	२०	२२	३२	२६	६	०६	७	०५	३२	५७	४	५८	६	०८
२३ चं	१	०८	०६	१७	५७	४०	२०	३४	३२	२८	६	०६	७	०५	३२	५९	४	५७	६	०९

संक्रांति फलम्

ता. १४ मई २००५
वैशा. शु. ६ शनौ वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २०।२६ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) १४।०२ से २०।२६ तक। (दान- गौ)।

अयनांशाः २३।५४।४९
६ पं. वै.शु.१० बु. इष्टघटी ४४।२८
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	१०	०	५	१	२	११	१
०३	१८	१६	१५	१६	२९	२७	०३
५८	४८	५५	२५	३९	२७	०५	५०
४२	१९	०३	३२	१८	४७	०४	०९
५७	४३	११७	३	७३	५	३	५७
४५	०४	४९	०२	४१	३१	११	३३
कृ	श	भ	ह	रो	पुन	रे	कृ
३	४	२	२व	२	३	४	३

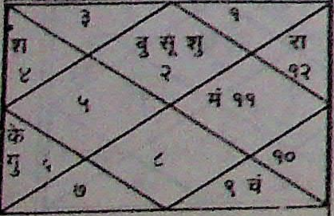


ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, २४ मई से ६ जून तक . नवलगढ चंद्रः | तारीख | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति महा., मई-जून २००५

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	मं	४३	४४	२३	१०	अनु	२२	४७	१४	४७	शि	२५	०७	१५	४४	बा	१७	०८	१२	३२	३३/४९	५/४१	७/१२	वृश्चि.	३	१५	२४	मृगे शुक्रः १०।०५, कर्के पुन.-४ शनिः १५।४५
२	बु	३६	२५	२०	१४	ज्ये	१७	४१	१२	४५	सि	१६	३८	१२	१९	तै	१०	०९	९	४४	५१	४०	१३	धनु. १२।४५	४	१६	२५	नारद जयंती, वीणादानं, रोहि. रविः ५।४८ (सौरः ९।५६), B
३	गु	२८	४५	१७	१०	मूल	१२	०८	१०	३१	सा	७/५८	४३/४४	८/२३	४५/१०	व	२	३७	६	४३	५४	४०	१३	धनु.	५	१७	२६	भ. ६।४३ उ. १७।१० या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।२१, रेव.-३ D
४	शु	२१	०७	१४	०७	पूषा	६	२८	८	१५	शु	४९	५६	२५	३८	बा	२१	०७	१४	०७	५६	४०	१४	मक. १३।४२	६	१८	२७	[B वृषे बुधः १७।४०
५	श	१३	५१	११	१२	उषा	१/५६	०६/१८	६/२८	०६/११	ब्र	४१	३५	२२	१७	तै	१३	५१	११	१२	५८	३९	१४	मक.	७	१९	२८	पातस्पर्शः १८।१६, मोक्षः २३।३१
६	र	७	१५	८	३३	धनि	५२	२३	२६	३६	ऐ	३३	५२	१९	१२	व	७	१५	८	३३	३४/००	३९	१५	कुंभे १५।२१	८	२०	२९	भ. ८।३३ उ. १९।२१ या., पंचकप्रारम्भः १५।२१, मिथुने शुक्रः २०।३५
७	सो	१	३२	६	१६	शत	४९	२९	२५	२७	वै	२६	५९	१६	२७	ब	१	३२	६	१६	०१	३९	१६	कुंभे	९	२१	३०	रोहि. बुधः ११।५८ [D राहुः २०।४१, चित्रा.-१ केतुः २०।४१
८	सो	५६	५१	२८	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A मरुस्थले, भाऊका ३०, वट सावित्री व्र. (मरु.)
९	मं	५३	१९	२६	५८	पूभा	४७	४२	२४	४४	वि	२०	४९	१४	०२	तै	२४	५६	१५	३७	०३	३९	१६	मीने १८।५२	१०	२२	३१	[C गुरुः २२।५६
१०	बु	५०	५५	२६	०१	उभा	४७	०४	२४	२८	प्री	१५	५५	१२	०१	व	२१	५९	१४	२६	०५	३९	१७	मीने	११	२३	१	भ. १४।२६ उ. २६।०१ या., जून ६ ता. ३०
११	गु	४९	३८	२५	३०	रेव	४७	३३	२४	३९	आ	११	४७	१०	२१	ब	२०	०९	१३	४२	०७	३८	१७	मेषे २४।३९	१२	२४	२	पंचक समाप्तिः २४।३९, अपरा ११ व्र.
१२	शु	४९	२५	२५	२४	अश्वि	४९	०३	२५	१५	सौ	८	३१	९	०३	कौ	१९	२५	१३	२४	०८	३८	१७	मेषे	१३	२५	३	मीने भौमः १६।१६
१३	श	५०	१२	२५	४३	भर	५१	३२	२६	१५	शो	६	०५	८	०४	ग	१९	४२	१२	३१	१०	३८	१८	मेषे	१४	२६	४	भ. २५।४३ उ., प्रदोषः, आर्द्रा. शुक्रः ७।१४
१४	र	५१	५५	२६	२४	कृति	५४	५६	२७	३६	अ	४	२५	७	२४	वि	२०	५७	१४	०९	११	३८	१८	वृषे ८।३३	१५	२७	५	भ. १४।०१ या., मासिकशिवरात्री व्र., मृगे बुधः १३।५०, मार्गी C
३०	सो	५४	३३	२७	२७	रोहि	५९	१४	२९	१९	सु	३	२९	७	०१	च	२३	०७	१४	५३	१२	३८	१९	वृषे	१६	२८	६	शनैश्चर जयन्ती, देवपितृकार्येऽमा., वटपूजनम् सोमवती अमा., A

अयनांशाः २३।५४।५१
७ पं. ज्ये.कृ. २ बु. इष्टघटी ४४।३६
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	१०	१	५	१	३	११	१
१०	२३	००	१५	२५	००	२६	१०
४२	४९	२९	०७	१४	०७	४२	३२
३३	३५	३४	५८	४६	४८	४८	२८
५७	४२	१२३	१	७३	५	३	५७
३६	४७	२८	४८	३५	५८	११	२२
रो	पूभा	कृ	ह	मृ	पुन	रे	रो
१	२	२	२व	१	४	४	१



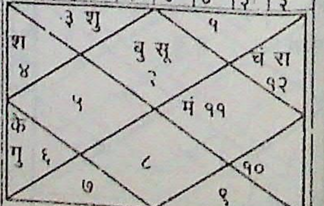
मई ता.	वा.	रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२४	मं	१	०९	०३	५६	५७	३८	२०	४५	३२	२९	६	०६	७	०५	३३	००	४	५७	६	०९
२५	बु	१	१०	०१	३५	५७	३७	२०	५६	३२	३०	६	०६	७	०६	३३	०२	४	५७	६	१०
२६	गु	१	१०	५९	१२	५७	३६	२१	०७	३२	३२	६	०५	७	०६	३३	०४	४	५६	६	१०
२७	शु	१	११	५६	४८	५७	३५	२१	१७	३२	३३	६	०५	७	०७	३३	०६	४	५६	६	१०
२८	श	१	१२	५४	२३	५७	३४	२१	२७	३२	३५	६	०५	७	०७	३३	०७	४	५६	६	११
२९	र	१	१३	५१	५७	५७	३३	२१	३६	३२	३६	६	०५	७	०७	३३	०९	४	५६	६	११
३०	चं	१	१४	४९	२९	५७	३१	२१	४६	३२	३७	६	०५	७	०८	३३	१०	४	५६	६	१२
३१	मं	१	१५	४७	००	५७	३०	२१	५४	३२	३८	६	०५	७	०८	३३	१२	४	५६	६	१२
१	बु	१	१६	४४	३१	५७	२९	२२	०३	३२	३९	६	०५	७	०८	३३	१३	४	५५	६	१३
२	गु	१	१७	४२	००	५७	२८	२२	११	३२	४०	६	०५	७	०९	३३	१४	४	५५	६	१३
३	शु	१	१८	३९	२८	५७	२७	२२	१८	३२	४१	६	०५	७	०९	३३	१५	४	५५	६	१३
४	श	१	१९	३६	५६	५७	२६	२२	२५	३२	४२	६	०५	७	०९	३३	१७	४	५५	६	१४
५	र	१	२०	३४	२२	५७	२५	२२	३२	३२	४३	६	०५	७	१०	३३	१८	४	५५	६	१४
६	चं	१	२१	३१	४७	५७	२४	२२	३९	३२	४४	६	०५	७	१०	३३	१९	४	५५	६	१५

संक्रांति फलम्

ता. १४ जून २००५
ज्ये. शु. ७ भौमे मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २७।०६ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः चिट्टीकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं अश्ववाहनं सिंहोपवाहनं स्थैर्यकारक कृष्णवस्त्रं कुन्तायुधं पत्रपात्रं चित्रान्नभक्षणं ओतुमदोल्मनं विप्रजातिः दुर्वापुष्पं गुंजाभूषणं नीलकंचुकी वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) २७।०६ से बुधे ९।३० तक । (दान-स्नान) ।

अयनांशाः २३।५४।५२
८ पं. ज्ये.कृ.१० बु. इष्टघटी ४४।५०
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	१०	१	५	२	३	११	१
१७	२८	१५	१४	०३	००	२६	१७
२५	४८	२४	५९	४९	५०	२०	१३
२३	००	१०	०८	२८	५२	३३	३५
५७	४२	१३२	०	७३	६	३	५७
२९	२५	०२	३२	२८	२३	११	१३
रो	पूभा	रो	ह	मृ	पुन	रे	रो
३	३	२	२व	४	४	३	३

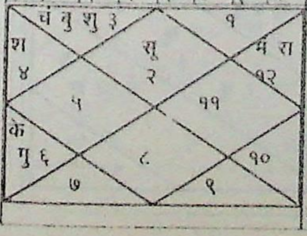


ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत २०६२, शाकः १९२७, ७ जून से २२ जून तक — नवलगढ — चंद्रः — तारीख — ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः ४८११, जून २००५

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	मं	५८	०६	२८	५२	मृग	...	...	...	...	धृ	३	१६	६	५६	किं	२६	१२	१६	०७	३४ १४	५ ३८	७ १९	मिथु. १८।१९	१७	२१	७	भाऊका-करिदिन, करिदिनं, श्री गंगादशाश्वमेधस्नान प्रा., B
२	बु	...	...	...	...	मृग	४	२५	७	२४	शू	३	४५	७	०८	बा	३०	१२	१७	४२	१५	३८	२०	मिथु.	१८	३०	८	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), मृगे सौरः ९।२१, उभा. भौमः १०।०१, E
२	गु	२	३२	६	३९	आर्द्रा	१०	२९	९	४९	गं	४	५७	७	३६	कौ	२	३२	६	३९	१६	३८	२०	मिथु.	१९	१	९	रंभा व्रतं, जमादिलावल ५ [E मिथुने बुधः १५।०४
३	शु	७	४९	८	४५	पुन	१७	१८	१२	३३	वृ	६	४५	८	२०	ग	७	४९	८	४५	१७	३८	२०	कर्के ५।५१	२०	२	१०	भ. २१।५४ उ., प्रताप जयंती, पातस्पर्शः २९।२१
४	श	१३	४३	११	०७	पुष्य	२४	४२	१५	३०	ध्रु	९	०३	९	१५	वि	१३	४३	११	०७	१८	३८	२१	कर्के	२१	३	११	भ. ११।०७ या., पातमोक्षः १२।३८, आर्द्रा. बुधः १८।३३
५	र	१९	५३	१३	३५	श्ले	३२	१७	१८	३३	व्या	११	३५	१०	१६	बा	१९	५३	१३	३५	१९	३८	२१	सिंहे १८।३३	२२	४	१२	बुधोदयः पश्चिमायाम् २६।५२
६	सो	२५	५०	१५	५८	मघा	३९	३५	२१	२८	ह	१४	०१	११	१४	तै	२५	५०	१५	५८	१९	३८	२२	सिंहे	२३	५	१३	[B मृगे रविः २७।४२
७	मं	३१	०२	१८	०३	पूफा	४६	०१	२४	०२	व	१५	५६	१२	००	व	३१	०२	१८	०३	२०	३८	२२	सिंहे	२४	६	१४	भ. १८।०३ उ., मिथुने रविः २७।०६, पुन. शुक्रः २९।००
८	बु	३४	५४	१९	३६	उफा	५१	०५	२६	०४	सि	१६	५६	१२	२४	वि	३	१०	६	५४	२१	३८	२२	कन्या ६।३६	२५	७	१५	भ. ६।५४ या., दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती, मिथुने सौरः ९।३६
९	गु	३७	०४	२०	२८	हस्त	५४	२४	२७	२४	व्य	१६	४१	१२	१९	बा	६	१३	८	०७	२१	३८	२३	कन्या	२६	८	१६	[C भानुः, सायन दक्षिणायन प्रारम्भ १२।०६
१०	शु	३७	१४	२०	३२	चित्रा	५५	४३	२७	५५	व	१४	५७	११	३७	तै	७	२४	८	३६	२२	३८	२३	तुला. १५।४६	२७	९	१७	गंगा दशहरा व्र.
११	श	३५	२०	१९	४६	स्वा	५५	००	२७	३८	प	११	३३	१०	१६	व	६	३३	८	१५	२२	३८	२३	तुला.	२८	१०	१८	भ. ८।१५ उ. १९।४६ या., निर्जला ११ व्र., पुन. बुधः १३।५९
१२	र	३१	२५	१८	१३	विशा	५२	२१	२६	३५	शि	६ ५९	३१ ५६	८ २९	१५ ३७	ब	३	३८	७	०६	२२	३९	२३	वृश्चि. २०।५५	२९	११	१९	प्रदोषः, वट सावित्री व्रतारंभः [D अयन करिदिन
१३	सो	२५	४३	१५	५६	अनु	४८	०१	२४	५१	सा	५१	५९	२६	२६	तै	२५	४३	१५	५६	२२	३९	२४	वृश्चि.	३०	१२	२०	[A साध्य व्र., ज्येष्ठी योगः, आर्द्रा. रविः २६।४४, सायन कर्के C
१४	मं	१८	३१	१३	०३	ज्ये	४२	२०	२२	३५	शु	४२	५७	२२	५०	व	१८	३१	१३	०३	२२	३९	२४	धनु. २२।३५	३१	१३	२१	भ. १३।०३ उ. २३।२७ या., गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, अब्द A
१५	बु	१०	१४	९	४५	मूल	३५	४४	१९	५७	शु	३३	१०	१८	५५	ब	१०	१४	९	४५	२२	३९	२४	धनु.	१	१४	२२	मन्वादि, कबीर जयंती, भा. आषाढारंभः, आर्द्रा. सौरः १०।०७, D

अयनांशाः २३।५४।५३
९ पं. ज्ये.शु. २ बु. इष्टघटी ४४।४२
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

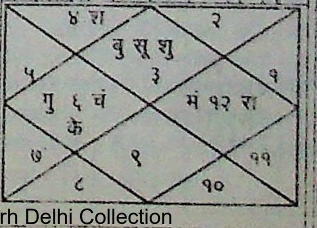
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	११	२	५	२	३	११	१
२४	०३	००	१४	१२	०१	२५	२३
०७	४३	४५	५९	२३	३६	५८	५३
२३	३८	४१	१०	२४	३६	१८	४३
५७	४१	१२८	०	७३	६	३	५७
२२	५८	२४	४३	२१	४४	११	०५
मृ	उभा	मृ	ह	आ	पुन	रे	मृ
१	१	३	२	२	४	३	१



जून ता.	वा.	रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
७	मं	१	२२	२९	१२	५७	२४	२२	४५	३२	४५	६	०५	७	११	३३	२०	४	५५	६	१५
८	बु	१	२३	२६	३५	५७	२३	२२	५०	३२	४६	६	०५	७	११	३३	२१	४	५५	६	१५
९	गु	१	२४	२३	५८	५७	२२	२२	५६	३२	४६	६	०५	७	११	३३	२२	४	५५	६	१६
१०	शु	१	२५	२१	२०	५७	२१	२३	००	३२	४७	६	०५	७	१२	३३	२२	४	५५	६	१६
११	श	१	२६	१८	४१	५७	२०	२३	०५	३२	४८	६	०५	७	१२	३३	२३	४	५५	६	१६
१२	र	१	२७	१६	०२	५७	२०	२३	०९	३२	४८	६	०५	७	१२	३३	२४	४	५५	६	१७
१३	चं	१	२८	१३	२१	५७	१९	२३	१२	३२	४९	६	०५	७	१२	३३	२४	४	५५	६	१७
१४	मं	१	२९	१०	४०	५७	१८	२३	१६	३२	४९	६	०५	७	१३	३३	२५	४	५५	६	१७
१५	बु	२	००	०७	५९	५७	१८	२३	१८	३२	४९	६	०५	७	१३	३३	२५	४	५६	६	१८
१६	गु	२	०१	०५	१६	५७	१७	२३	२१	३२	५०	६	०५	७	१३	३३	२६	४	५६	६	१८
१७	शु	२	०२	०२	३४	५७	१७	२३	२३	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१८
१८	श	२	०२	५९	५०	५७	१६	२३	२४	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१८
१९	र	२	०३	५७	०६	५७	१५	२३	२५	[illegible]	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९
२०	चं	२	०४	५४	२२	५७	१५	२३	२६	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९
२१	मं	२	०५	५१	३६	५७	१५	२३	२६	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५७	६	१९
२२	बु	२	०६	४८	५१	५७	१४	२३	२६	३२	५०	६	०७	७	१४	३३	२६	४	५७	६	१९

अयनांशाः २३।५४।५४
१० पं. ज्ये.शु. ८ बु. इष्टघटी ४४।४२
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)'

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	११	२	५	२	३	११	२
००	०८	१५	१५	२०	०२	२५	००
४८	३५	०६	०७	५६	२४	३६	३३
४३	४९	१४	५८	२९	३९	०२	०२
५७	४१	११४	१	७३	७	३	५७
१७	२५	४४	५८	१४	०२	११	००
मृ	उभा	आ	ह	पुन	पुन	रे	मृ
३	२	३	२	१	४	३	३



अयनांशाः २३।५४।५५
११ पं. ज्ये.शु.१५ बु. इष्टघटी ४४।३९
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	११	२	५	२	३	११	२
०७	१३	२७	१५	२९	०३	२५	०७
२९	२३	४२	२५	२८	१४	१३	११
३२	४९	३५	१९	३९	३९	४७	४६
५७	४०	९९	३	७३	७	३	५६
१४	४५	००	०९	०५	१७	११	५६
आ	उभा	पुन	ह	पुन	पुन	रे	आ
१	४	३	२	३	४	३	१



आषाढ कृष्णपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, २३ जून से ६ जुलाई तक नवलगढ

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	चंद्रः घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	तारीख शा.	मु.	इं.
१	गु	१	१६	६	१०	पूषा	२८	४२	१७	०८	ब्र	२२	५९	१४	५१	कौ	१	१६	६	१०	३६ २२	५ ३९	७ २४	मक.	२२।२५	२	१५	२३
२	गु	५२	०७	२६	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०
३	शु	४३	१०	२२	५६	उषा	२१	४१	१४	२०	ऐ	१२	४९	१०	४७	व	१७	३५	१२	४२	२२	४०	२४	मक		३	१६	२४
४	श	३४	५४	१९	३७	श्रव	१५	१०	११	४४	वै	२ ५३	५८ ४९	६ २७	५१ १२	ब	८	५५	९	१४	२२	४०	२४	कुंभे	२२।३३	४	१७	२५
५	र	२७	३७	१६	४३	घनि	९	३३	९	२९	प्री	४५	३५	२३	५४	कौ	१	०६	६	[illegible]	२१	४०	२५	कुंभे		५	१८	२६
६	सो	२१	४०	१४	२०	शत	५	०९	७	४४	आ	३८	२९	२१	०४	व	२१	४०	१४	२०	२१	४०	२५	मीने	२४।४८	६	१९	२७
७	मं	१७	११	१२	३३	पूभा	२	११	६	३३	सौ	३२	३९	१८	४४	ब	१७	११	१२	३३	२०	४१	२५	मीने		७	२०	२८
८	बु	१४	१६	११	२३	उभा	०	४७	६	००	शो	२८	०५	१६	५५	कौ	१४	१६	११	२३	१९	४१	२५	मीने		८	२१	२९
९	गु	१२	५४	१०	५१	रेव	०	५५	६	०४	अ	२४	४५	१५	३६	ग	१२	५४	१०	५१	१९	४१	२५	मेषे	६।०४	९	२२	३०
१०	शु	१३	०१	१०	५४	अश्वि	२	३१	६	४२	सु	२२	३४	१४	४३	वि	१३	०१	१०	५४	१८	४२	२५	मेषे		१०	२३	१
११	श	१४	२५	११	२८	भर	५	२६	७	५३	धृ	२१	२२	१४	१५	बा	१४	२५	११	२८	१७	४२	२५	वृषे	१४।१५	११	२४	२
१२	र	१६	५७	१२	२९	कृति	९	२८	९	३०	शू	२१	०४	१४	०८	तै	१६	५७	१२	२९	१६	४३	२५	वृषे		१२	२५	३
१३	सो	२०	२५	१३	५३	रोहि	१४	२६	११	२९	गं	२१	२७	१४	१८	व	२०	२१	१३	५३	१५	४३	२५	मिथु.	२४।३६	१३	२६	४
१४	मं	२४	४०	१५	३५	मृग	२०	१०	१३	४७	वृ	२२	२८	१४	४२	श	२४	४०	१५	३५	१४	४३	२५	मिथु.		१४	२७	५
३०	बु	२९	३४	१७	३३	आर्द्रा	२६	३२	१६	२१	ध्रु	२३	५८	१५	१९	ना	२९	३४	१७	३३	१२	४४	२५	मिथु.		१५	२८	६

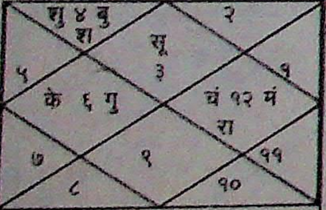
वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेति महा., जून-जुलाई २००५

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

कर्के शुक्रः ९।४८, पुष्ये-१ शनिः १७।०७
[C पुष्ये शुक्रः २७।३१
भ. १२।४२ उ. २२।५६ या., कर्के बुधः ९।००
पंचक प्रारम्भः २२।३३, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।४३, C
पुष्ये बुधः ११।५३
भ. १४।२० उ. २५।२२ या., रेव. भौमः ११।३८
[A पश्चिमायाम् १९।३४
[B श्लेषा. शुक्रः २६।५६
भ. २२।४८ उ., पंचक समाप्तिः ६।०४
भ. १०।५४ या., जुलाई ७ ता. ३१
योगिनी ११ व्र., पातस्पर्शः १९।४७, मोक्षः २६।५३
प्रदोषः
भ. १३।५३ उ. २६।४२ या., मासिकशिवरात्री व्र., शनेररस्तः A
पुन. रविः २६।२१
देवपितृकार्येऽमा., पुन. सौरः ११।३३, श्लेषा. बुधः १६।०८, B

अयनांशाः २३।५४।५६
१२ पं. आ.कृ. ८ बु. इष्टघटी ४४।३४
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	११	३	५	३	३	११	२
१४	१८	०८	१५	०७	०४	२४	१३
१०	०६	२५	५०	५९	०६	५१	५०
०३	४७	०९	५१	४५	१४	३१	०८
५७	३९	८१	४	७२	७	३	५६
१२	५८	४६	१८	५५	२९	११	५४
आ	रे	पु	ह	पु	पु	रे	आ
३	१	२	२	२	१	३	३



जून रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम

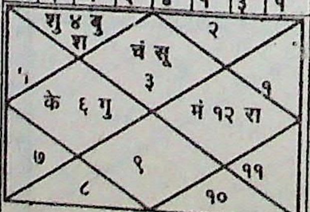
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुंबई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२३ गु	२	०७	४६	०५	५७	१४	२३	२६	३२	[illegible]	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	२०
२४ शु	२	०८	४३	१९	५७	१३	२३	२५	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	२०
२५ श	२	०९	४०	३२	५७	१३	२३	२३	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५८	६	२०
२६ र	२	१०	३७	४५	५७	१३	२३	२२	३२	५०	६	०८	७	१५	३३	२६	४	५८	६	२०
२७ चं	२	११	३४	५८	५७	१३	२३	२०	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२५	४	५८	६	२०
२८ मं	२	१२	३२	११	५७	१२	२३	१७	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२५	४	५८	६	२०
२९ बु	२	१३	२९	२३	५७	१२	२३	१४	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२४	४	५९	६	२०
३० गु	२	१४	२६	३५	५७	१२	२३	११	३२	४८	६	०९	७	१६	३३	२४	४	५९	६	२०
१ शु	२	१५	२३	४७	५७	१२	२३	०७	३२	४८	६	०९	७	१६	३३	२३	४	५९	६	२१
२ श	२	१६	२०	५९	५७	१२	२३	०३	३२	४७	६	०९	७	१६	३३	२२	५	००	६	२१
३ र	२	१७	१८	११	५७	१२	२२	५८	३२	४६	६	१०	७	१६	३३	२२	५	००	६	२१
४ चं	२	१८	१५	२३	५७	१२	२२	५३	३२	४६	६	१०	७	१६	३३	२१	५	००	६	२१
५ मं	२	१९	१२	३४	५७	१२	२२	४८	३२	४५	६	१०	७	१६	३३	२०	५	०१	६	२१
६ बु	२	२०	०९	४६	५७	१२	२२	४२	३२	४४	६	११	७	१६	३३	१९	५	०१	६	२१

मास फलम्

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो। कर्क संक्रान्ति के दिन शनिवार होने से अशुभ फल कारक हैं धान्य महँगा हो और दुर्भिक्ष हो और रोगों की अधिकता हो। कृष्णा नौमी को गुरुवार होने से सुभिक्ष हो। कृष्णा त्रयोदशी में रोहिणी होने से उत्तम पवन चले। अमावस्या आर्द्रा योग सुभिक्ष और सुखद है। शुक्ला प्रतिपदा में पुनर्वसु नक्षत्र का ३३ घटी भोग है अतः चौमासे में ५५ प्रतिशत वर्षा हो। शुक्ला पंचमी को सोमवार होने से सुवृष्टि हो। पूर्णिमा को पूर्वाषाढा का अभाव और उत्तराषाढा युक्त होने से महर्घता हो लेकिन पूर्णिमा १५ घटी के उपर होने से सुभिक्ष हो।

अयनांशाः २३।५४।५७
१३ पं. आ.कृ.३० बु. इष्टघटी ४४।२७
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	११	३	५	३	३	११	२
२०	२२	१७	१६	१६	०४	२४	२०
५०	४३	००	२४	२९	५९	२९	२८
२५	४६	०४	११	३९	०२	१६	२१
५७	३९	६२	५	७२	७	३	५६
१२	०१	०६	२२	४४	३७	११	५३
पुन	रे	श्ले	ह	पु	पु	रे	पुन
१	२	१	२	४	१	३	१

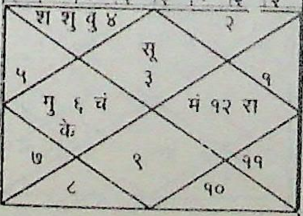


आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, ७ जुलाई से २१ जुलाई तक नवलगढ चंद्रः — तारीख — वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ४८४१, जुलाई २००५

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	गु	३५	०१	१९	४५	पुन	३३	२७	११	०७	व्या	२५	५४	१६	०६	किं	२	१३	६	३७	३४ ११	५ ४४	७ २५	कर्के १२।२४	१६	२९	७	चंद्रदर्शनम् (मु.३०)
२	शु	४०	५४	२२	०६	पुष्य	४०	४६	२२	०३	ह	२८	१०	१७	०१	बा	७	५४	८	५४	१०	४५	२५	कर्के	१७	१	८	श्री जगदीश रथ यात्रा, जमादिलास्सर ६
३	श	४७	०१	२४	३३	श्ले	४८	१९	२५	०५	व	३०	४०	१८	०१	तै	१३	५६	११	१९	०८	४५	२४	सिंहे २५।०५	१८	२	९	हस्ते-३ गुरुः २०।२१
४	र	५३	०४	२६	५९	मघा	५५	४३	२८	०५	सि	३३	११	१९	०२	व	२०	०४	१३	४७	०७	४६	२४	सिंहे	१९	३	१०	भ. १३।४७ उ. २६।५९ या.
५	सो	५८	४०	२९	१४	पूफा	...	...	...	...	व्य	३५	२६	१९	५६	ब	२५	५७	१६	०९	०५	४६	२४	सिंहे	२०	४	११	|E मघा. शुक्रः २७।२८
६	मं	...	...	...	...	पूफा	२	४९	६	५४	व	३७	०७	२०	३७	कौ	३१	०९	१८	१४	०३	४६	२४	कन्या १३।३३	२१	५	१२	स्कंघ षष्ठी |A वायु परीक्षा, गोपद्मव्रतारंभ,
६	बु	३	१९	७	०७	उफा	८	५५	९	२१	प	३७	५१	२०	५५	तै	३	१९	७	०७	०१	४७	२४	कन्या	२२	६	१३	|C रविः २५।५५, पुष्ये-२ शनिः २६।१३
७	गु	६	३५	८	२६	हस्त	१३	३७	११	१४	शि	३७	२१	२०	४४	व	६	३५	८	२६	००	४७	२३	तुला. २३।५५	२३	७	१४	भ. ८।२६ उ. २०।४९ या.
८	शु	८	०४	९	०१	चित्रा	१६	३३	१२	२५	सि	३५	१८	१९	५५	ब	८	०४	९	०१	३३ ५८	४८	२३	तुला.	२४	८	१५	|D निरयन दक्षिणायनारंभः
९	श	७	३१	८	४९	स्वा	१७	२७	१२	४७	सा	३१	३५	१८	२६	कौ	७	३१	८	४९	५६	४८	२३	तुला.	२५	९	१६	भड्ली ९, पातस्पर्शः २६।१०, कर्के रविः १४।०४ (सौरः २४।२५), D
१०	र	४	४९	७	४५	विशा	१६	१६	१२	१९	शु	२६	१०	१६	१७	ग	४	४९	७	४५	५४	४९	२२	वृश्चि. ६।३१	२६	१०	१७	भ. १८।५४ उ., मन्वादि, आशा दशमी, पातमोक्षः ७।३१, सिंहे E
११	सो	०	०६	५	५२	अनु	१३	०५	११	०३	शु	१९	०९	१३	२९	वि	०	०६	५	५२	५१	४९	२२	वृश्चि.	२७	११	१८	भ. ५।५२ या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास व्रतारंभः, B
१२	सो	५३	३३	२७	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	|B गोपद्मव्रतोद्यापनं, मेषे अश्वि. भौमः ९।४२
१३	मं	४५	३१	२४	०२	ज्ये	८	०७	९	०५	ब्र	१०	४१	१०	०६	कौ	१९	४२	१३	४३	४९	५०	२२	धनु. ९।०५	२८	१२	१९	प्रदोषः, श्रावणे वर्जयेच्छाकम्, जया पार्वती व्रतं, पुष्ये C
१४	बु	३६	२३	२०	२४	मूल	१ ५४	४६ ३०	६ २७	३३ ३८	ऐ	१ ५०	०५ ४२	६ २६	१६ ०७	ग	११	०२	१०	१५	४७	५०	२१	धनु.	२९	१३	२०	भ. २०।२४ उ., आषाढी योगः, पुष्ये सौरः १२।५२
१५	गु	२६	३८	१६	३०	उषा	४६	४५	२४	३३	वि	३९	५४	२१	४९	वि	१	३३	६	२८	४५	५१	२१	मक. ८।५२	३०	१४	२१	भ. ६।२८ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, व्यासपुजा, गुरुपूर्णिमा A

अयनांशाः २३।५४।५८
१४ पं. आ.शु. ६ बु. इष्टघटी ४४।१९
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	११	३	५	३	३	११	२
२७	२७	२३	१७	२४	०५	२४	२७
३०	१३	०८	०४	५८	५२	०७	०६
५१	३९	२५	४९	१०	४२	०१	३९
५७	३७	३९	६	७२	७	३	५६
१३	५४	११	२२	३१	४३	११	५५
पुन	रे	श्ले	ह	श्ले	पु	रे	पुन
३	४	२	३	३	१	३	३



जुलाई रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकत्ता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
७	गु	२	२१	०६	५८	५७	१२	२२	३६	३२	४३	६	११	७	१६	३३	१८	५	०१	६	२१
८	शु	२	२२	०४	०९	५७	१२	२२	२९	३२	४२	६	११	७	१६	३३	१७	५	०२	६	२०
९	श	२	२३	०१	२१	५७	१२	२२	२२	३२	४१	६	१२	७	१६	३३	१६	५	०२	६	२०
१०	र	२	२३	५८	३३	५७	१२	२२	१५	३२	४०	६	१२	७	१६	३३	१४	५	०३	६	२०
११	चं	२	२४	५५	४५	५७	१२	२२	०७	३२	३९	६	१२	७	१६	३३	१३	५	०३	६	२०
१२	मं	२	२५	५२	५८	५७	१३	२१	५९	३२	३८	६	१३	७	१६	३३	१२	५	०३	६	२०
१३	बु	२	२६	५०	१०	५७	१३	२१	५०	३२	३७	६	१३	७	१६	३३	१०	५	०४	६	२०
१४	गु	२	२७	४७	२३	५७	१३	२१	४१	३२	३६	६	१३	७	१६	३३	०९	५	०४	६	२०
१५	शु	२	२८	४४	३६	५७	१३	२१	३२	३२	३४	६	१४	७	१५	३३	०७	५	०५	६	१९
१६	श	२	२९	४१	५०	५७	१४	२१	२३	३२	३३	६	१४	७	१५	३३	०६	५	०५	६	१९
१७	र	३	००	३९	०४	५७	१४	२१	१३	३२	३२	६	१४	७	१५	३३	०४	५	०५	६	१९
१८	चं	३	०१	३६	१८	५७	१५	२१	०२	३[illegible]	३०	६	१५	७	१५	३३	०२	५	०६	६	१९
१९	मं	३	०२	३३	३३	५७	१५	२०	५२	३२	२९	६	१५	७	१५	३३	०१	५	०६	६	१८
२०	बु	३	०३	३०	४८	५७	१६	२०	४०	३२	२८	६	१५	७	१४	३२	५९	५	०७	६	१८
२१	गु	३	०४	२८	०३	५७	१६	२०	२९	३२	२६	६	१६	७	१४	३२	५७	५	०७	६	१८

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २००५
आषा. शु. ९ शनौ कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १४।०४ वारात् ५ नक्षत्रात् ५ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्वदा नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुस्वदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः भृगौ (स्टै.) २६।०४ से शनौ १४।०४ तक । (दान- घृत, धेनु) ।

अयनांशाः २३।५४।५९,
१५ पं. आ.शु.१४ बु. इष्टघटी ४४।११
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	०	३	५	४	३	११	३
०४	०१	२६	१७	०३	०६	२३	०३
११	३५	२०	५२	२५	४६	४४	४५
३०	१०	२७	१५	०९	५३	४५	१६
५७	३६	१०	७	७२	७	३	५६
१६	३६	१९	१८	१७	४६	११	५९
पु	अ	श्ले	ह	म	पु	रे	पु
१	१	३	३	२	२	३	१



श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, २२ जुलाई से ५ अगस्त तक नवलगढ — चंद्रः — तारीख — वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेति महा., जुलाई-अगस्त २००५

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	शु	१६	४५	१२	३४	श्रव	३९	०३	२१	२९	प्री	२९	०६	१७	३०	कौ	१६	४५	१२	३४	३३ ४२	५ ५१	७ २०	मक.		३१	१५	२२	नक्त व्रतारंभः, सायन सिंहे भानुः २३।०५
२	श	७	१३	८	४५	धनि	३१	५३	१८	३७	आ	१८	४०	१३	२०	ग	७	१३	८	४५	४०	५२	२०	कुंभे	८।०९	१	१६	२३	भ. १८।५७ उ. २९।१५ या., पचक प्रारम्भः ८।०१, वृहत्तल्पा, A
३	श	५८	२८	२९	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	|A भा. श्रावणारंभः, वक्री बुधः २६।३३
४	र	५०	५३	२६	१४	शत	२५	४४	१६	१०	सौ	८	५७	९	२७	ब	२४	३०	१५	४०	३७	५२	१९	कुंभे		२	१७	२४	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।५३, बुधास्तः पश्चिमायाम् २१।३२
५	सो	४४	४८	२३	४८	पूभा	२०	५६	१४	१५	शो	० ५२	१९ ५८	६ २७	०१ ०४	कौ	१७	३७	१२	५६	३५	५३	१९	मीने	८।४१	३	१८	२५	नागपञ्चमी (मरु.)
६	मं	४०	२५	२२	०३	उभा	१७	४६	१३	००	सु	४७	०१	२४	४२	ग	१२	२२	१०	५१	३२	५४	१८	मीने		४	१९	२६	भ. २२।०३ उ.
७	बु	३७	५३	२१	०३	रेव	१६	२५	१२	२८	धृ	४२	३५	२२	५६	वि	८	५५	९	२८	२९	५४	१८	मेषे	१२।२८	५	२०	२७	भ. ९।२८ या., पंचक समाप्तिः १२।२८
८	गु	३७	१२	२०	४७	अश्वि	१६	५३	१२	४०	शू	३९	३५	२१	४५	बा	७	१८	८	५०	२७	५५	१७	मेषे.		६	२१	२८	पातस्पशः २५।१६, पूफा. शुक्रः २९।२१. रेव.-२ राहुः १८।२३, B
९	शु	३८	१३	२१	१२	भर	१९	०६	१३	३३	गं	३७	५८	२१	०६	तै	७	३०	८	५५	२४	५५	१७	वृषे	१९।५३	७	२२	२९	पातमोक्षः ६।३१ |B हस्ते-४ केतुः १८।२३
१०	श	४०	४७	२२	१५	कृति	२२	५२	१५	०५	वृ	३७	३२	२०	५७	व	९	१८	९	३९	२१	५६	१६	वृषे		८	२३	३०	भ. ९।३९ उ. २२।१५ या.
११	र	४४	३६	२३	४७	रोहि	२७	५७	१७	०७	ध्रु	३८	०६	२१	११	ब	१२	३२	१०	५७	१८	५६	१५	वृषे		९	२४	३१	कामिका ११ व्र.
१२	सो	४९	२२	२५	४१	मृग	३४	०१	१९	३३	व्या	३९	२४	२१	४२	कौ	१६	५३	१२	४२	१५	५७	१५	मिथु.	६।१७	१०	२५	१	अगस्त ८ ता. ३१, तिलकपुण्यतिथि
१३	मं	५४	४८	२७	५२	आर्द्रा	४०	४६	२२	१६	ह'	४१	१४	२२	२७	ग	२२	००	१४	४५	१२	५७	१४	मिथु.		११	२६	२	भ. २७।५२ उ., प्रदोषः, श्लेषा. रविः २४।५१
१४	बु	...	...	...	...	पुन	४७	५६	२५	०८	व	४३	२५	२३	२०	वि	२७	३८	१७	०१	०९	५८	१३	कर्के	१८।२४	१२	२७	३	भ. १७।०१ या., मासिकशिवरात्री व्र., श्लेषा. सौरः १३।१८
१४	गु	०	३३	६	१२	पुष्य	५५	१९	२८	०६	सि	४५	४५	२४	१६	श	०	३३	६	१२	०६	५८	१३	कर्के		१३	२८	४	पितृकार्येऽमा.
३०	शु	६	३३	८	३६	श्ले	...	...	...	...	व्य	४८	०९	२५	१४	ना	६	३३	८	३६	०३	५९	१२	कर्के		१४	२९	५	देवकार्येऽमा., हरियाली ३०, हस्ते-४ गुरुः १४।२८

अयनांशाः २३।५५।००
१६ पं. श्रा.कृ. ७ बु. इष्टघटी ४४।०१
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	०	३	५	४	३	११	३
१०	०५	२५	१८	११	०७	२३	१०
५२	४६	४८	४५	५०	४१	२२	२४
३४	५२	३५	५८	२५	१३	३०	२५
५७	३५	२४	८	७२	७	३	५७
२०	०४	४८	०९	०२	४५	११	०५
पु	अ	श्ले	ह	म	पु	रे	पु
३	२	३व	३	४	२	३	३



जुलाई ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२२	शु	३	०५	२५	१९	५७	१७	२०	१७	३२	२५	६	१६	७	१४	३२	५५	५	०७	६	१८
२३	श	३	०६	२२	३६	५७	१७	२०	०५	३२	२३	६	१६	७	१४	३२	५३	५	०८	६	१७
२४	र	३	०७	१९	५३	५७	१८	१९	५३	३२	२१	६	१७	७	१३	३२	५१	५	०८	६	१७
२५	चं	३	०८	१७	११	५७	१८	१९	४०	३२	२०	६	१७	७	१३	३२	४९	५	०९	६	१६
२६	मं	३	०९	१४	३०	५७	१९	१९	२७	३२	१८	६	१७	७	१३	३२	४७	५	०९	६	१६
२७	बु	३	१०	११	४९	५७	२०	१९	१४	३२	१६	६	१८	७	१२	३२	४५	५	०९	६	१६
२८	गु	३	११	०९	०९	५७	२१	१९	००	३२	१४	६	१८	७	१२	३२	४३	५	१०	६	१५
२९	शु	३	१२	०६	२९	५७	२१	१८	४६	३२	१३	६	१९	७	१२	३२	४१	५	१०	६	१५
३०	श	३	१३	०३	५१	५७	२२	१८	-३२	३२	११	६	१९	७	११	३२	३८	५	११	६	१४
३१	र	३	१४	०१	१३	५७	२३	१८	१७	३२	०९	६	१९	७	११	३२	३६	५	११	६	१४
१	चं	३	१४	५८	३६	५७	२४	१८	०२	३२	०७	६	१९	७	१०	३२	३४	५	१२	६	१३
२	मं	३	१५	५५	५९	५७	२५	१७	४७	३२	०५	६	२०	७	१०	३२	३२	५	१२	६	१३
३	बु	३	१६	५३	२४	५७	२६	१७	३१	३२	०३	६	२०	७	०९	३२	२९	५	१२	६	१२
४	गु	३	१७	५०	५०	५७	२७	१७	१६	३२	०१	६	२०	७	०९	३२	२७	५	१३	६	११
५	शु	३	१८	४८	१६	५७	२८	१७	००	३१	५९	६	२१	७	०८	३२	२४	५	१३	६	११

मास फलम्

श्रावण में पांच शुक्रवार शुभद हैं, धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हैंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों। कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों। कृष्णा एकादशी को रोहिणी होंने से सुभिक्ष हो। अमावस को आश्लेषा होने से मध्यम वर्षा हो। शुक्ला सप्तमी को स्वाति नक्षत्र सुभिक्ष कारक है। पूर्णिमा शुक्रवार और श्रवण युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। श्रावणी पूर्णिमा को श्रवण होने से धान्योत्पत्ति वहुत हो।

अयनांशाः २३।५५।०१
१७ पं. श्रा.कृ.१४ बु. इष्टघटी ४३।५२
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	०	३	५	४	३	११	३
१७	०९	२१	१९	२०	०८	२३	१७
३४	४७	२९	४५	१३	३५	००	०४
१३	०२	०२	२६	५०	२१	१४	१९
५७	३३	४७	८	७१	७	३	५७
२६	१५	५३	५६	४५	४२	११	१२
श्ले	अ	श्ले	ह	पूफा	पु	रे	श्ले
१	३	२व	३	३	२	२	१



श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, ६ अगस्त से १९ अगस्त तक नवलगढ चंद्रः																									तारीख		
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.
१	श	१२	३४	११	०१	श्ले	२	४३	७	०५	व	५०	२८	२६	११	ब	१२	३४	११	०१	३३ ००	५ ५६	७ ११	सिंहे ७।०५	१५	३०	६
२	र	१८	२५	१३	२२	मघा	१०	०२	१०	०१	प	५२	३६	२७	०२	कौ	१८	२५	१३	२२	३२ ५६	६ ००	१०	सिंहे	१६	१	७
३	सो	२३	५३	१५	३४	पूफा	१७	००	१२	४९	शि	५४	१८	२७	४४	ग	२३	५३	१५	३४	५३	००	१०	कन्या ११।२९	१७	२	८
४	मं	२८	४२	१७	३०	उफा	२३	२३	१५	२२	सि	५५	२३	२८	१०	वि	२८	४२	१७	३०	५०	०१	०९	कन्या	१८	३	९
५	बु	३२	३०	१९	०१	हस्त	२८	४७	१७	३२	सा	५५	३५	२८	१५	ब	०	४५	६	२०	४७	०१	०८	कन्या	१९	४	१०
६	गु	३४	५५	२०	००	चित्रा	३२	५३	१९	११	शु	५४	३५	२७	५२	कौ	३	५४	७	३५	४३	०२	०७	तुला. ६।२६	२०	५	११
७	शु	३५	३९	२०	१८	स्वा	३५	२०	२०	१०	शु	५२	११	२६	५५	ग	५	३०	८	१४	४०	०२	०६	तुला.	२१	६	१२
८	श	३४	२८	१९	५०	विशा	३५	५५	२०	२५	ब्र	४८	१६	२५	२१	वि	५	१७	८	१०	३६	०३	०६	वृश्चि. १४।२६	२२	७	१३
९	र	३१	१९	१८	३५	अनु	३४	३४	१९	५३	ऐ	४२	४६	२३	१०	बा	३	०८	७	१९	३३	०३	०५	वृश्चि. ,	२३	८	१४
१०	सो	२६	१८	१६	३५	ज्ये	३१	२०	१८	३६	वै	३५	४४	२०	२२	ग	२६	१८	१६	३५	२९	०४	०४	धनु. १८।३६	२४	९	१५
११	मं	१९	३६	१३	५५	मूल	२६	२८	१६	४०	वि	२७	२२	१७	०१	वि	१९	३६	१३	५५	२६	०४	०३	धनु.	२५	१०	१६
१२	बु	११	३२	१०	४२	पूषा	२०	१५	१४	११	प्री	१७	५४	१३	१५	बा	११	३२	१०	४२	२२	०५	०२	मक. ११।३०	२६	११	१७
१३	गु	२	२९	७	०५	उषा	१३	०८	११	२१	आ	७ ५७	४० ०२	९ २८	०९ ५४	तै	२	२९	७	०५	१९	०५	०१	मक.	२७	१२	१८
१४	गु	५२	५६	२७	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	शु.	४३	१५	२३	२४	श्रव	५ ५८	३४ ०२	८ २९	१९ १९	शो	४६	१९	२४	३८	वि	१८	०३	१३	१९	१५	०६	००	कुंभे १८।४८	२८	१३	१९

वर्षर्तु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ४८७१, अगस्त २००५

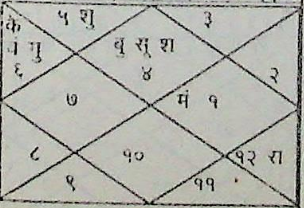
इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

- ६ चंद्रदर्शनम् (मु.३०) [D तृतीया व्र., रोटक व्रतारंभः, सोमेश्वरपूजनं, E
- ७ शृंगार (सिंघारा) देशाचारे, रज्जव ७ [E शनेरुदयः पूर्वस्याम् २७।०९
- ८ म. २८।३४ उ., तीज, स्वर्णगौरी व्र., मधुश्रवा व्र. (गुर्जरे), सुकृत D
- ९ म. १७।३० या., वरद चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्र., उफा. शुक्रः ८।५०
- १० नागपञ्चमी, नागदष्ट व्र., भर. भौमः १३।०५, (व) पुष्ये बुधः १०।१०
- ११ कल्की जयंती, वर्णषष्ठी, पातस्पर्शः २६।२३, कन्यायां शुक्रः २७।५९
- १२ म. २०।१८ उ., शीतला, तुलसी जयंती, पातमोक्षः ६।५६
- १३ म. ८।१० या., दुर्गाष्टमी, बुधोदयः पूर्वस्याम् २०।१०
- १४ पुष्ये-३ शनिः २६।१३
- १५ म. २७।२० उ., भारतीयस्वतंत्रतादिवस
- १६ म. १३।५५ या., पवित्रा ११ व्र., सिंहे मघा. रविः २२।३३, H
- १७ प्रदोषः, दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं, सिंहे मघा. सौरः १२।११
- १८ म. २७।१६ उ., सूणमाण्डणा [H मार्गी बुधः १७।५२
- ० [A (मरु), पंचक प्रारम्भः १८।४८, हयग्रीव जयंती, नारियल १५, B
- १९ म. १३।१९ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, रक्षाबंधनं (भद्रोत्तरं), श्रावणी A

[B यजुर्वेदि, तैतरीय, हिरण्यकेशीय, आपस्तंभ, बौधायन, काण्वमध्यन्दिन (कात्या.), अथर्ववेदि, ऋग्वेदि उपाकर्म

अयनांशाः २३।५५।०२
१८ पं. श्रा.शु. ५ बु. इष्टघटी ४३।४३
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	०	३	५	४	३	११	३
२४	१३	१६	२०	२८	०९	२२	२३
१६	३३	२०	५०	३५	२८	३७	४५
३८	३९	२३	०८	१४	५६	५९	१०
५७	३१	३०	९	७१	७	३	५७
३४	०८	४०	३८	२७	३५	११	२१
श्ले	म	पु	ह	उफा	पु	रे	श्ले
३	१	४व	४	१	२	२	३



अगस्त रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकत्ता रेल्वे टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा	रा.	अं.	क	वि	क.	वि	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
६ श	३	१९	४५	४४	५७	२९	१६	४३	३१	५७	६	२१	७	०८	३२	२२	५	१४	६	१०
७ र	३	२०	४३	१२	५७	३०	१६	२७	३१	५५	६	२१	७	०७	३२	१९	५	१४	६	१०
८ चं	३	२१	४०	४२	५७	३१	१६	१०	३१	५३	६	२२	७	०७	३२	१७	५	१४	६	०९
९ मं	३	२२	३८	१२	५७	३२	१५	५३	३१	५१	६	२२	७	०६	३२	१४	५	१५	६	०८
१० बु	३	२३	३५	४४	५७	३३	१५	३५	३१	४८	६	२२	७	०६	३२	११	५	१५	६	०८
११ गु	३	२४	३३	१७	५७	३४	१५	१७	३१	४६	६	२२	७	०५	३२	०९	५	१५	६	०७
१२ शु	३	२५	३०	४९	५७	३५	१५	००	३१	४४	६	२३	७	०४	३२	०६	५	१६	६	०६
१३ श	३	२६	२८	२६	५७	३६	१४	४१	३१	४२	६	२३	७	०४	३२	०३	५	१६	६	०६
१४ र	३	२७	२६	०२	५७	३८	१४	२३	३१	४०	६	२३	७	०३	३२	०१	५	१७	६	०५
१५ चं	३	२८	२३	४०	५७	३९	१४	०४	३१	३७	६	२४	७	०२	३१	५८	५	१७	६	०४
१६ मं	३	२९	२१	१८	५७	४०	१३	४६	३१	३५	६	२४	७	०२	३१	५५	५	१७	६	०३
१७ बु	४	००	१८	५८	५७	४१	१३	२७	३१	३३	६	२४	७	०१	३१	५२	५	१८	६	०३
१८ गु	४	०१	१६	३०	५७	४३	१३	०७	३१	३०	६	२४	७	००	३१	५०	५	१८	६	०२
१९ शु	४	०२	१४	२२	५७	४४	१२	४८	३१	२८	६	२५	७	००	३१	४७	५	१८	६	०१

संक्रांति फलम्

ता. १६ अगस्त २००५
श्रा. शु. ११ भौमे सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २२।३३ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) १६।०९ से २२।३३ तक। (दान छत्र)।

अयनांशाः २३।५५।०३
१९ पं. श्रा.शु.१२ बु. इष्टघटी ४३।३४
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	०	३	५	५	३	११	४
००	१७	१४	२१	०६	१०	२२	००
५९	०४	५८	५९	५४	२१	१५	२७
५९	२३	३९	३४	२८	३५	४४	१०
५७	२८	१६	१०	७१	७	३	५७
४२	३९	०८	१७	०८	२५	११	३२
म	भ	पु	ह	उफा	पु	रे	म
१	२	४	४	४	३	२	१



श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, २२ जुलाई से ५ अगस्त तक नवलगढ | चंद्रः | तारीख | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेति महा., जुलाई-अगस्त २००५

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	शु	१६	४५	१२	३४	श्रव	३९	०३	२१	२९	प्री	२९	०६	१७	३०	कौ	१६	४५	१२	३४	३३ ४२	५ ५१	७ २०	मक.		३१	१५	२२	नक्त व्रतारंभः, सायन सिंहे भानुः २३।०५
२	श	७	१३	८	४५	धनि	३९	५३	२८	३७	आ	१८	४०	१३	२०	ग	७	१३	८	४५	४०	५२	२०	कुंभे	८।०९	१	१६	२३	भ. १८।५७ उ. २९।१५ या., पचक प्रारम्भः ८।०१, वृहत्तल्पा, A
३	श	५८	२८	२९	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	|A भा. श्रावणारंभः, वक्री बुधः २६।३३
४	र	५०	५३	२६	१४	शत	२५	४४	१६	१०	सौ	८	५७	९	२७	व	२४	३०	१५	४०	३७	५२	१९	कुंभे		२	१७	२४	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।५३, बुधास्तः पश्चिमायाम् २१।३२
५	सो	४४	४८	२३	४८	पूभा	२०	५६	१४	१५	शो	० ५२	११ ५८	६ २७	०१ ०४	कौ	१७	३७	१२	५६	३५	५३	१९	मीने	८।४१	३	१८	२५	नागपञ्चमी (मरु.)
६	मं	४०	२५	२२	०३	उभा	१७	४६	१३	००	सु	४७	०१	२४	४२	ग	१२	२२	१०	५१	३२	५४	१८	मीने		४	१९	२६	भ. २२।०३ उ.
७	बु	३७	५३	२१	०३	रेव	१६	२५	१२	२८	धृ	४२	३५	२२	५६	वि	८	५५	९	२८	२९	५४	१८	मेषे	१२।२८	५	२०	२७	भ. ९।२८ या., पंचक समाप्तिः १२।२८
८	गु	३७	१२	२०	४७	अश्वि	१६	५३	१२	४०	शू	३९	३५	२१	४५	बा	७	१८	८	५०	२७	५५	१७	मेषे.		६	२१	२८	पातस्पर्शः २५।१६, पूफा. शुक्रः २९।२१, रेव.-२ राहुः १८।२३, B
९	शु	३८	१३	२१	१२	भर	११	०६	१३	३३	गं	३७	५८	२१	०६	तै	७	३०	८	५५	२४	५५	१७	वृषे	११।५३	७	२२	२९	पातमोक्षः ६।३१ |B हस्ते-४ केतुः १८।२३
१०	श	४०	४७	२२	१५	कृति	२२	५२	१५	०५	वृ	३७	३२	२०	५७	व	९	१८	९	३९	२१	५६	१६	वृषे		८	२३	३०	भ. ९।३९ उ. २२।१५ या.
११	र	४४	३६	२३	४७	रोहि	२७	५७	१७	०७	ध्रु	३८	०६	२१	११	द	१२	३२	१०	५७	१८	५६	१५	वृषे		९	२४	३१	कामिका ११ व्र.
१२	सो	४९	२२	२५	४१	मृग	३४	०१	१९	३३	व्या	३९	२४	२१	४२	कौ	१६	५३	१२	४२	१५	५७	१५	मिथु.	६।१७	१०	२५	१	अगस्त ८ ता. ३१, तिलकपुण्यतिथि
१३	मं	५४	४८	२७	५२	आर्द्रा	४०	४६	२२	१६	ह	४१	१४	२२	२७	ग	२२	००	१४	४५	१२	५७	१४	मिथु.		११	२६	२	भ. २७।५२ उ., प्रदोषः, श्लेषा. रविः २४।५१
१४	बु	…	…	…	…	पुन	४७	५६	२५	०८	व	४३	२५	२३	२०	वि	२७	३८	१७	०१	०९	५८	१३	कर्के	१८।२४	१२	२७	३	भ. १७।०१ या., मासिकशिवरात्री व्र., श्लेषा. सौरः १३।१८
१४	गु	०	३३	६	१२	पुष्य	५५	१९	२८	०६	सि	४५	४५	२४	१६	श	०	३३	६	१२	०६	५८	१३	कर्के		१३	२८	४	पितृकार्येऽमा.
३०	शु	६	३३	८	३६	श्ले	…	…	…	…	व्य	४८	०९	२५	१४	ना	६	३३	८	३६	०३	५९	१२	कर्के		१४	२९	५	देवकार्येऽमा., हरियाली ३०, हस्ते-४ गुरुः १४।२८

अयनांशाः २३।५५।००
१६ पं. श्रा.कृ. ७ बु. इष्टघटी ४४।०१
(रेल्वे घं. मि. २३।३९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	०	३	५	४	३	११	३
१०	०५	२५	१८	११	०७	२३	१०
५२	४६	४८	४५	५०	४१	२२	२४
३४	५२	३५	५८	२५	१३	३०	२५
५७	३५	२४	८	७२	७	३	५७
२०	०४	४८	०९	०२	४५	११	०५
पु	अ	श्ले	ह	म	पु	रे	पु
३	२	३च	३	४	२	३	३



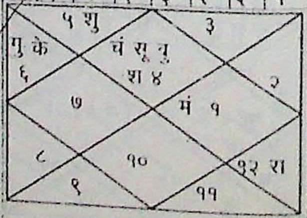
जुलाई		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकत्ता रेल्वे टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२२	शु	३	०५	२५	१९	५७	१७	२०	१७	३२	२५	६	१६	७	१४	३२	५५	५	०७	६	१८
२३	श	३	०६	२२	३६	५७	१७	२०	०५	३२	२३	६	१६	७	१४	३२	५३	५	०८	६	१७
२४	र	३	०७	१९	५३	५७	१८	१९	५३	३२	२१	६	१७	७	१३	३२	५१	५	०८	६	१७
२५	चं	३	०८	१७	११	५७	१८	१९	४०	३२	२०	६	१७	७	१३	३२	४९	५	०९	६	१६
२६	मं	३	०९	१४	३०	५७	१९	१९	२७	३२	१८	६	१७	७	१३	३२	४७	५	०९	६	१६
२७	बु	३	१०	११	४९	५७	२०	१९	१४	३२	१६	६	१८	७	१२	३२	४५	५	०९	६	१६
२८	गु	३	११	०९	०९	५७	२१	१९	००	३२	१४	६	१८	७	१२	३२	४३	५	१०	६	१५
२९	शु	३	१२	०६	२९	५७	२१	१८	४६	३२	१३	६	१९	७	१२	३२	४१	५	१०	६	१५
३०	श	३	१३	०३	५१	५७	२२	१८	३२	३२	११	६	१९	७	११	३२	३८	५	११	६	१४
३१	र	३	१४	०१	१३	५७	२३	१८	१७	३२	०९	६	१९	७	११	३२	३६	५	११	६	१४
१	चं	३	१४	५८	३६	५७	२४	१८	०२	३२	०७	६	१९	७	१०	३२	३४	५	१२	६	१३
२	मं	३	१५	५५	५९	५७	२५	१७	४७	३२	०५	६	२०	७	१०	३२	३२	५	१२	६	१३
३	बु	३	१६	५३	२४	५७	२६	१७	३१	३२	०३	६	२०	७	०९	३२	२९	५	१२	६	१२
४	गु	३	१७	५०	५०	५७	२७	१७	१६	३२	०१	६	२०	७	०९	३२	२७	५	१३	६	११
५	शु	३	१८	४८	१६	५७	२८	१७	००	३१	५९	६	२१	७	०८	३२	२४	५	१३	६	११

मास फलम्

श्रावण में पांच शुक्रवार शुभद हैं, धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों। कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों। कृष्णा एकादशी को रोहिणी होने से सुभिक्ष हो। अमावस को आश्लेषा होने से मध्यम वर्षा हो। शुक्ला सप्तमी को स्वाति नक्षत्र सुभिक्ष कारक है। पूर्णिमा शुक्रवार और श्रवण युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। श्रावणी पूर्णिमा को श्रवण होने से धान्योत्पत्ति बहुत हो।

अयनांशाः २३।५५।०१
१७ पं. श्रा.कृ.१४ बु. इष्टघटी ४३।५२
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	०	३	५	४	३	११	३
१७	०९	२१	१९	२०	०८	२३	१७
३४	४७	२९	४५	१३	३५	००	०४
१३	०२	०२	२६	५०	२१	१४	१९
५७	३३	४७	८	७१	७	३	५७
२६	१५	५३	५६	४५	४२	११	१२
श्ले	अ	श्ले	ह	पूफा	पु	रे	श्ले
१	३	२च	३	३	२	२	१

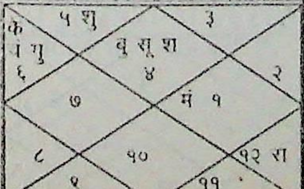


श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, ६ अगस्त से १९ अगस्त तक नवलगढ चंद्रः																												तारीख			वर्षर्तु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ४८७१, अगस्त २००५
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.		भा.	मु.	इं.			इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	श	१२	३४	११	०१	श्ले	२	४३	७	०५	व	५०	२८	२६	११	ब	१२	३४	११	०१	३३ ००	५ ५६	७ ११	सिंहे ७।०५		१५	३०	६			चंद्रदर्शनम् (मु.३०) [D तृतीया व्र.,रोटक व्रतारंभः, सोमेश्वरपूजनं, E
२	र	१८	२५	१३	२२	मघा	१०	०२	१०	०१	प	५२	३६	२७	०२	कौ	१८	२५	१३	२२	३२ ५६	६ ००	१०	सिंहे		१६	१	७			श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, रज्जव ७ [E शनेरुदयः पूर्वस्याम् २७।०९
३	सो	२३	५३	१५	३४	पूफा	१७	००	१२	४९	शि	५४	१८	२७	४४	ग	२३	५३	१५	३४	५३	००	१०	कन्या १९।२९		१७	२	८			म. २८।३४ उ., तीज, स्वर्णगौरी व्र., मधुश्रवा व्र.(गुर्जरे), सुकृत D
४	मं	२८	४२	१७	३०	उफा	२३	२३	१५	२२	सि	५५	२३	२८	१०	वि	२८	४२	१७	३०	५०	०१	०९	कन्या		१८	३	९			म. १७।३० या., वरद चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्र., उफा. शुक्रः ८।५०
५	बु	३२	३०	१९	०१	हस्त	२८	४७	१७	३२	सा	५५	३५	२८	१५	ब	०	४५	६	२०	४७	०१	०८	कन्या		१९	४	१०			नागपञ्चमी, नागदष्ट व्र., भर. भौमः १३।०५, (व) पुष्ये बुधः १०।१०
६	गु	३४	५५	२०	००	चित्रा	३२	५३	१९	११	शु	५४	३५	२७	५२	कौ	३	५४	७	३५	४३	०२	०७	तुला. ६।२६		२०	५	११			कल्की जयंती, वर्णषष्ठी, पातस्पर्शः २६।२३, कन्यायां शुक्रः २७।५९
७	शु	३५	३९	२०	१८	स्वा	३५	२०	२०	१०	शु	५२	११	२६	५५	ग	५	३०	८	१४	४०	०२	०६	तुला.		२१	६	१२			म. २०।१८ उ., शीतला, तुलसी जयंती, पातमोक्षः ६।५६
८	श	३४	२८	१९	५०	विशा	३५	५५	२०	२५	ब्र	४८	१६	२५	२१	वि	५	१७	८	१०	३६	०३	०६	वृश्चि. १४।२६		२२	७	१३			म. ८।१० या., दुर्गाष्टमी, बुधोदयः पूर्वस्याम् २०।१०
९	र	३१	१९	१८	३५	अनु	३४	३४	१९	५३	ऐ	४२	४६	२३	१०	बा	३	०८	७	१९	३३	०३	०५	वृश्चि. ,		२३	८	१४			पुष्ये-३ शनिः २६।१३
१०	सो	२६	१८	१६	३५	ज्ये	३१	२०	१८	३६	वै	३५	४४	२०	२२	ग	२६	१८	१६	३५	२९	०४	०४	धनु. १८।३६		२४	९	१५			म. २७।२० उ., भारतीयस्वतंत्रतादिवस
११	मं	१९	३६	१३	५५	मूल	२६	२८	१६	४०	वि	२७	२२	१७	०१	वि	१९	३६	१३	५५	२६	०४	०३	धनु.		२५	१०	१६			म. १३।५५ या., पवित्रा ११ व्र., सिंहे मघा. रविः २२।३३, H
१२	बु	११	३२	१०	४२	पूषा	२०	१५	१४	११	प्री	१७	५४	१३	१५	बा	११	३२	१०	४२	२२	०५	०२	मक. ११।३०		२६	११	१७			प्रदोषः, दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं, सिंहे मघा. सौरः १२।११
१३	गु	२	२९	७	०५	उषा	१३	०८	११	२१	आ	७ ५७	४० ०२	९ २८	०९ ५४	तै	२	२९	७	०५	१९	०५	०१	मक.		२७	१२	१८			म. २७।१६ उ., सूणमाण्डणा [H मार्गी बुधः १७।५२
१४	गु	५२	५६	२७	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०			[A (मरु), पंचक प्रारम्भः १८।४८, हयग्रीव जयंती, नारियल १५, B
१५	शु	४३	१५	२३	२४	श्रव	५ ५८	३४ ०२	८ २९	१९ १९	शो	४६	१९	२४	३८	वि	१८	०३	१३	१९	१५	०६	००	कुंभे १८।४८		२८	१३	१९			म. १३।१९ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, रक्षाबंधनं (भद्रोत्तरं), श्रावणी A

[B यजुर्वेदि, तैतरीय, हिरण्यकेशीय, आपस्तंभ, बौधायन, काण्वमध्यन्दिन (कात्या.), अथर्ववेदि, ऋग्वेदि उपाकर्म

अयनांशाः २३।५५।०२
१८ पं. श्रा.शु. ५ बु. इष्टघटी ४३।४३
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	०	३	५	४	३	११	३
२४	१३	१६	२०	२८	०९	२२	२३
१६	३३	२०	५०	३५	२८	३७	४५
३८	३९	२३	०८	१४	५६	५९	१०
५७	३१	३०	९	७१	७	३	५७
३४	०८	४०	३८	२७	३५	११	२१
श्ले	भ	पु	ह	उफा	पु	रे	श्ले
३	१	४५	४	१	२	२	३



अगस्त ता. वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
६ शं	३	१९	४५	४४	५७	२९	१६	४३	३१	५७	६	२१	७	०८	३२	२२	५	१४	६	१०
७ र	३	२०	४३	१२	५७	३०	१६	२७	३१	५५	६	२१	७	०७	३२	१९	५	१४	६	१०
८ चं	३	२१	४०	४२	५७	३१	१६	१०	३१	५३	६	२२	७	०७	३२	१७	५	१४	६	०९
९ मं	३	२२	३८	१२	५७	३२	१५	५३	३१	५१	६	२२	७	०६	३२	१४	५	१५	६	०८
१० बु	३	२३	३५	४४	५७	३३	१५	३५	३१	४८	६	२२	७	०६	३२	११	५	१५	६	०८
११ गु	३	२४	३३	१७	५७	३४	१५	१७	३१	४६	६	२२	७	०५	३२	०९	५	१५	६	०७
१२ शु	३	२५	३०	५१	५७	३५	१५	००	३१	४४	६	२३	७	०४	३२	०६	५	१६	६	०६
१३ श	३	२६	२८	२६	५७	३६	१४	४१	३१	४२	६	२३	७	०४	३२	०३	५	१६	६	०६
१४ र	३	२७	२६	०२	५७	३८	१४	२३	३१	४०	६	२३	७	०३	३२	०१	५	१७	६	०५
१५ चं	३	२८	२३	४०	५७	३९	१४	०४	३१	३७	६	२४	७	०२	३१	५८	५	१७	६	०४
१६ मं	३	२९	२१	१८	५७	४०	१३	४६	३१	३५	६	२४	७	०२	३१	५५	५	१७	६	०३
१७ बु	४	००	१८	५८	५७	४१	१३	२७	३१	३३	६	२४	७	०१	३१	५२	५	१८	६	०३
१८ गु	४	०१	१६	४०	५७	४३	१३	०७	३१	३०	६	२४	७	००	३१	५०	५	१८	६	०२
१९ शु	४	०२	१४	२२	५७	४४	१२	४८	३१	२८	६	२५	७	००	३१	४७	५	१८	६	०१

संक्रांति फलम्

ता. १६ अगस्त २००५
श्रा. शु. ११ भौमे सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २२।३३ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम महोदरी चोरान् सुस्वदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुस्वदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तुरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १६।०९ से २२।३३ तक । (दान- छत्र) ।

अयनांशाः २३।५५।०३
१९ पं. श्रा.शु.१२ बु. इष्टघटी ४३।३४
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	०	३	५	५	३	११	४
००	१७	१४	२१	०६	१०	२२	००
५९	०४	५८	५९	५४	२१	१५	२७
५९	२३	३९	३४	२८	३५	४४	१०
५७	२८	१६	१०	७१	७	३	५७
४२	३९	०८	१७	०८	२५	११	३२
म	भ	पु	ह	उफा	पु	रे	म
१	२	४	४	४	३	२	१



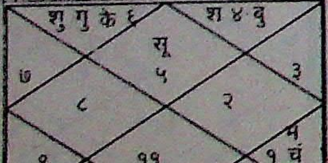
भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत २०६२, शाकः १९२७, २० अगस्त से ३ सितंबर तक नवलगढ — चंद्रः — तारीख — वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति महा., अगस्त-सितंबर २००५

इसमे लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	
१	श	३३	५७	१९	४१	शत	५०	५९	२६	३०	अ	३५	५७	२०	२९	बा	८	३१	९	३१	३२ ११	६ ०६	६ ५९	कुंभे		२९	१४	२०	हस्ते शुक्रः १४।०९
२	र	२५	२६	१६	१७	पूभा	४४	५२	२४	०४	सु	२६	१५	१६	३७	ग	२५	२६	१६	१७	०८	०७	५८	मीने	१८।३८	३०	१५	२१	भ. २६।४५ उ., कज्जली(बूढी ३), श्लेषा. बुधः १९।०६
३	सो	१	०६	१३	२२	उभा	४०	०४	२२	०९	धृ	१७	३२	१३	०८	वि	१८	०६	१३	२२	०४	०७	५७	मीने		३१	१६	२२	भ. १३।२२ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।५५
४	मं	१	१६	११	०२	रेव	३६	५३	२०	५३	शू	१०	०४	१०	०९	वा	१२	१६	११	०२	००	०८	५६	मेषे	२०।५३	१	१७	२३	पंचक समाप्तिः २०।५३, भा.भाद्रपदारंभः, पातस्पर्शः २३।२५, मोक्षः A
५	बु	८	१२	९	२५	अश्वि	३५	३३	२०	२२	गं	४ ५९	०२ ३४	७ २९	४५ ५८	तै	८	१२	९	२५	३१ ५७	०८	५५	मेषे		२	१८	२४	वृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), हलषष्ठी, चंद्रषष्ठी (मरु.)
६	गु	६	०४	८	३५	भर	३६	०९	२०	३७	ध्रु	५६	३९	२८	४८	व	६	०४	८	३५	५३	०९	५४	वृषे	२६।४८	३	१९	२५	भ. ८।३५ उ. २०।२७ या., शीतला व्र., चित्रा.-१ गुरुः १४।२८
७	शु	५	५४	८	३१	कृति	३८	४०	२१	३७	व्या	५५	१४	२८	१५	ब	५	५४	८	३१	४९	०९	५३	वृषे		४	२०	२६	मन्वादि, जन्माष्टमी व्र. स्मा. |A २७।२२, सायन कन्यायां भानुः ६।१४
८	श	७	३९	९	१३	रोहि	४२	५४	२३	१९	ह	५५	१०	२८	१४	कौ	७	३९	९	१३	४५	१०	५२	वृषे		५	२१	२७	जन्माष्टमी व्र. वैष्ण., अगस्त्योदयः ८।४१
९	र	११	०२	१०	३५	मृग	४८	३५	२५	३६	व	५६	१०	२८	३८	ग	११	०२	१०	३५	४२	१०	५१	मिथु.	१२।२४	६	२२	२८	भ. २३।२९ उ., गोगानवमी
१०	सो	१५	४७	१२	२९	आर्द्रा	५५	१८	२८	१८	सि	५७	५९	२९	२२	वि	१५	४७	१२	२९	३८	११	५०	मिथु.		७	२३	२९	भ. १२।२९ या. |C सिंहे मघा. बुधः १४।२५
११	मं	२१	२४	१४	४५	पुन	...	...	...	...	व्य	...	...	...	...	बा	२१	२४	१४	४५	३४	११	४९	कर्के	२४।२९	८	२४	३०	अजा ११ व्र., जैनपर्युषण, वत्सपूजा, पूफा. रविः १८।३३
१२	बु	२७	३०	१७	१२	पुन	२	३६	७	१४	व्य	०	१३	६	१७	तै	२७	३०	१७	१२	३०	१२	४८	कर्के		९	२५	३१	पूफा. सौरः ८।५५, चित्रा. शुक्रः २१।३६
१३	गु	३३	३९	१९	४०	पुष्य	१०	०८	१०	१५	व	२	३८	७	१५	ग	०	३४	६	२६	२६	१२	४७	कर्के		१०	२६	१	भ. १९।४० उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., सितंबर ९ ता. ३०, C
१४	शु	३९	३४	२२	०२	श्ले	१७	३१	१३	१३	प	४	५८	८	१२	वि	६	३९	८	५२	२२	१३	४६	सिंहे	१३।१३	११	२७	२	भ. ८।५२ या. |B लोहार्गल स्ना., मातृ ३०
३०	श	४५	०६	२४	५५	मघा	२४	३३	१६	०२	शि	७	०३	९	०२	च	१२	२३	११	१०	१८	१३	४४	सिंहे		१२	२८	३	कुशांग्रहणी, पिठोरी ३०, देवपितृकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, B

अयनांशाः २३।५५।०४
२० पं. भा.कृ. ५ बु. इष्टघटी ४३।२६
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	०	३	५	५	३	११	४
०७	२०	१९	२३	१५	११	२१	०७
४४	१६	२१	१३	११	१२	५३	१०
२४	२७	३४	१५	२०	५७	२८	२८
५७	२५	६४	१०	७०	७	३	५७
५२	४४	५९	५१	४७	१३	११	४४
म	भ	श्ले	ह	ह	पु	रे	म
३	३	१	४	२	३	३	३



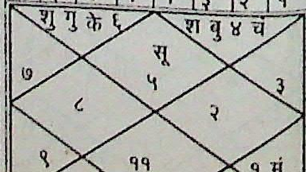
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	मुम्बई दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
		अगस्त रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
२०	श	४	०३	१२	०६	५७	४५	१२	२८	३१	२६	६	२५	६	५९	३१	४४	५	१९	६	००
२१	र	४	०४	०९	५२	५७	४७	१२	०८	३१	२३	६	२५	६	५८	३१	४१	५	१९	५	५९
२२	चं	४	०५	०७	३८	५७	४८	११	४८	३१	२१	६	२५	६	५८	३१	३८	५	१९	५	५८
२३	मं	४	०६	०५	२७	५७	५०	११	२८	३१	१८	६	२५	६	५७	३१	३५	५	२०	५	५८
२४	बु	४	०७	०३	१६	५७	५१	११	०८	३१	१६	६	२६	६	५६	३१	३२	५	२०	५	५७
२५	गु	४	०८	०१	०७	५७	५३	१०	४७	३१	१४	६	२६	६	५५	३१	२९	५	२०	५	५६
२६	शु	४	०८	५९	००	५७	५४	१०	२६	३१	११	६	२६	६	५५	३१	२६	५	२१	५	५५
२७	श	४	०९	५६	५४	५७	५६	१०	०५	३१	०९	६	२६	६	५४	३१	२३	५	२१	५	५४
२८	र	४	१०	५४	५०	५७	५७	९	४४	३१	०६	६	२७	६	५३	३१	२०	५	२१	५	५३
२९	चं	४	११	५२	४७	५७	५९	९	२३	३१	०४	६	२७	६	५२	३१	१७	५	२१	५	५२
३०	मं	४	१२	५०	४६	५८	००	९	०२	३१	०१	६	२७	६	५१	३१	१४	५	२२	५	५१
३१	बु.	४	१३	४८	४६	५८	०२	८	४०	३०	५९	६	२७	६	५१	३१	११	५	२२	५	५१
१	गु	४	१४	४६	४८	५८	०४	८	१९	३०	५६	६	२७	६	५०	३१	[illegible]	५	२२	५	५०
२	शु	४	१५	४४	५२	५८	०५	७	५७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

मास फलम्

इस माह में पांच शनिवार और पांच रविवार होने से महँगाई हो। प्रजासुखी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाडी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे। भाद्रपद कृष्णाष्टमी रोहिणीयुक्त होने से शुभदा है। अमावस्या मघा योग समर्घता कारक है लेकिन तेल महंगा हो। सुदी २ सोमवार होने से धान्योत्पत्ति उत्तम और चौपायों की वृद्धि हो। सुदी छठ को अनुराधा होने से सुभिक्ष हो। भादवे में शु. ७ क्षय होने से दुर्भिक्ष हो। पूर्णिमा पूर्वाभाद्रपद युक्त

अयनांशाः २३।५५।०५
२१ पं. भा.कृ.१२ बु. इष्टघटी ४३।१७
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	०	३	५	५	३	११	४
१४	२३	२८	२४	२३	१२	२१	१३
३०	०६	५७	३०	२५	०२	३१	५५
०१	३७	०१	४०	३८	३९	१३	१४
५८	२२	१०९	११	७०	६	३	५७
०३	१९	२८	२०	२३	५६	११	५७
पूफा	भ	श्ले	चि	चि	पु	रे	पूफा
१	३	४	१	१	३	२	१



भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, ४ सितंबर से १८ सितंबर तक नवलगढ चंद्रः | तारीख

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.
१	र	५०	०३	२६	१५	पूफा	३१	०६	१८	४०	सि	८	४७	९	४४	किं	१७	३८	१३	१७	३१ १४	६ १४	६ ४३	कन्या २५।१७	१३	२९	४
२	सो	५४	१९	२७	५७	उफा	३७	०१	२१	०२	सा	१०	०२	१०	१५	वा	२२	१६	१५	०८	१०	१४	४२	कन्या	१४	३०	५
३	मं	५७	४४	२९	२०	हस्त	४२	०९	२३	०६	शु	१०	४४	१०	३२	तै	२६	०८	१६	४२	०७	१४	४१	कन्या	१५	१	६
४	बु	...	...	...	...	चित्रा	४६	१९	२४	४६	शु	१०	४३	१०	३२	व	२९	०२	१७	५२	०३	१५	४०	तुला. १२।००,	१६	२	७
४	गु	०	०३	६	१७	स्वा	४९	१७	२५	५८	ब्र	९	५०	१०	११	वि	०	०३	६	१७	३० ५९	१५	३९	तुला.	१७	३	८
५	शु	१	०८	६	४३	विशा	५०	५१	२६	२६	ऐ	७	५६	९	२६	बा	१	०८	६	४३	५५	१६	३८	वृश्चि. २०।३०	१८	४	९
६	श	०	४५	६	३४	अनु	५०	५४	२६	३८	वै	४	५३	८	१३	तै	०	४५	६	३४	५१	१६	३६	वृश्चि.	१९	५	१०
७	श	५८	५०	२९	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	र	५५	१९	२८	२४	ज्ये	४९	२३	२६	०२	वि	० ५५	३४ ०१	६ २८	३० १७	वि	२७	१४	१७	१०	४७	१७	३५	धनु. २६।०२	२०	६	११
९	सो	५०	१७	२६	२४	मूल	४६	२३	२४	५०	आ	४८	१४	२५	३५	बा	२२	५७	१५	२८	४३	१७	३४	धनु.	२१	७	१२
१०	मं	४३	५७	२३	५२	पूषा	४२	०२	२३	०६	सौ	४०	२२	२२	२६	तै	१७	१५	१३	१२	३९	१८	३३	मक. २८।३६	२२	८	१३
११	बु	३६	३४	२०	५५	उषा	३६	३७	२०	५७	शो	३१	३५	१८	५६	व	१०	२१	१०	२७	३५	१८	३२	मक	२३	९	१४
१२	गु	२८	२४	१७	४०	श्रव	३०	२७	१८	२९	अ	२२	१०	१५	१०	ब	२	३२	७	१९	३१	१८	३१	कुंभे २९।११	२४	१०	१५
१३	शु	१९	५१	१४	१६	धनि	२३	५३	१५	५२	सु	१२	२२	११	१६	तै	१९	५१	१४	१६	२७	१९	३०	कुंभे	२५	११	१६
१४	श	११	१८	१०	५१	शत	१७	२०	१३	१५	धृ	२ ५२	३१ ५५	७ २७	२० २९	व	११	१८	१०	५१	२२	१९	२८	मीने २९।२३	२६	१२	१७
१५	र	३	०६	७	३४	पूभा	११	११	१०	४८	गं	४३	५०	२३	५२	ब	३	०६	७	३४	१८	२०	२७	मीने	२७	१३	१८

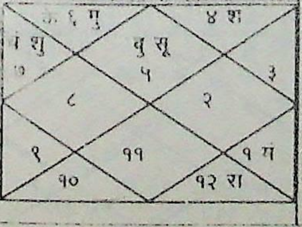
शरदृतु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ४९००, सितंबर २००५

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

[B सावान ८, पातस्पर्शः १७।४७, मोक्षः २१।५७, बुधास्तःपूर्वस्यां १२।५१, C चंद्रदर्शनम्(मु.४५) [C तुलायांशुक्रः १४।१६ [M पुष्ये-४ शनिः १२।४३ मन्वादि, वराहजयंती, हरितालिकाव्र., हस्तिगौरीव्र., सामवेदि उपा., B भ. १७।५२ उ., गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शनं निषेधः), जैन संवत्सरी भ. ६।१७ या., ऋषिपंचमी, पूफा.बुधः २०।०६ [I २६।३८ यावत् सौर (सूर्य) षष्ठी, स्कन्द दर्शनं, ललिता षष्ठी व्र. (गुर्जरे) भ.२९।४८ उ., मुक्ताभरणव्र., उमामहेश्वरपू., दूबड़ीसातम, गौरी आवाहन I [G कृत्ति. भौमः२२।४०, चित्रा.-२ गुरुः२५।५३ [D स्वा.शुक्रः ७।३९, M भ.१७।१० या., दधीचीजयंती, श्रीराधा ८, गौरी पूजन २६।०२ या., G अदुःखनवमीव्र., श्रीचंद्र (उदासीन संप्रदाय), गौरी विसर्जन २४।५० या., D दशावतारव्र., श्रीरामदेवजी का मेला, उफा.रविः १२।२६ (सौरः२७।०५) भ. १०।२७ उ. २०।५५ या., जलझूलनी ११ व्र., हरिवासरः २८।०८ से पंचक प्रारम्भः २९।११, प्रदोषः, वामनजयंती, दुग्धव्रतं, गोत्रिरात्रव्र., F कन्यायां रविः २२।३३ [F हरिवासरः ११।१९ तक, उफा. बुधः १९।३१ भ.१०।५१ उ. २१।१० या., पूर्णिमाव्रतं, अनन्त १४, कदलीव्रतं पू., A पूर्णिमापु., महेश्वरपू., कु.संध्यापूजा, इंदुला१५, पातस्पर्शः २२।५५, मोक्षः २६।२१

अयनांशाः २३।५५।०७
२२ पं. भा.शु. ४ बु. इष्टघटी ४३।०९
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	०	४	५	६	३	११	४
२१	२५	११	२५	०१	१२	२१	२०
१६	३१	४१	५१	३७	५०	०८	४१
५९	०९	१५	२३	०१	१८	५७	३७
५८	१८	११५	११	६९	६	३	५८
१५	१९	०७	४६	५६	३७	११	१२
पूफा	म	म	चि	चि	पु	रे	पूफा
३	४	४	१	३	३	२	३



सितम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम | रवि गति | रवि क्रान्ति उत्तर+ | मुम्बई रेल्वे-टाईम | कलकता रेल्वे-टाईम

ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क	मुम्बई दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
४ र	४	१७	४१	०४	५८	०९	७	१३	३०	४८	६	२८	६	४७	३०	५९	५	२३	५	४७
५ चं	४	१८	३९	१३	५८	१०	६	५१	३०	४६	६	२८	६	४६	३०	५६	५	२४	५	४६
६ मं	४	१९	३७	२३	५८	१२	६	२८	३०	४३	६	२८	६	४६	३०	५३	५	२४	५	४५
७ बु	४	२०	३५	३५	५८	१४	६	०६	३०	४१	६	२८	६	४५	३०	४९	५	२४	५	४४
८ गु	४	२१	३३	४९	५८	१६	५	४३	३०	३८	६	२९	६	४४	३०	४६	५	२४	५	४३
९ शु	४	२२	३२	०५	५८	१७	५	२१	३०	३५	६	२९	६	४३	३०	४३	५	२५	५	४२
१० श	४	२३	३०	२३	५८	१९	४	५८	३०	३३	६	२९	६	४२	३०	४०	५	२५	५	४१
११ र	४	२४	२८	४२	५८	२१	४	३५	३०	३०	६	२९	६	४१	३०	३७	५	२५	५	४०
१२ चं	४	२५	२७	०३	५८	२३	४	१२	३०	२८	६	२९	६	४०	३०	३४	५	२६	५	३९
१३ मं	४	२६	२५	२६	५८	२५	३	५०	३०	२५	६	२९	६	३९	३०	३१	५	२६	५	३८
१४ बु	४	२७	२३	५१	५८	२७	३	२७	३०	२२	६	३०	६	३९	३०	२७	५	२६	५	३७
१५ गु	४	२८	२२	१८	५८	२९	३	०४	३०	२०	६	३०	६	३८	३०	२४	५	२६	५	३६
१६ शु	४	२९	२०	४६	५८	३१	२	४०	३०	१७	६	३०	६	३७	३०	२१	५	२७	५	३५
१७ श	५	००	१९	१७	५८	३२	२	१७	३०	१४	६	३०	६	३६	३०	१८	५	२७	५	३४
१८ र	५	०१	१७	४९	५८	३४	१	५४	३०	१२	६	३०	६	३५	३०	१५	५	२७	५	३३

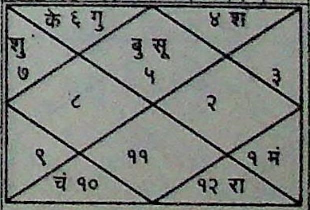
[A रंभारोपणं, प्रौष्ठपदी, महालय श्राद्धारंभः, विश्वकर्मा पू. कन्यायां सौरः १३।१२, कन्यायां बुधः १४।१९

संक्रांति फलम्

ता. १६ सितंबर २००५, भा. शु. १३ भृगौ कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. २२।३३ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति. उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः बिल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) २२।३३ से २८।५७ तक । (दान- गृह वस्त्र) ।

अयनांशाः २३।५५।०८
२३ पं. भा.शु.११ बु. इष्टघटी ४३।०१
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	०	४	५	६	३	११	४
२८	२७	२५	२७	०९	१३	२०	२७
०५	२५	०५	१४	४५	३५	४६	२९
२३	५२	४६	५७	०५	३३	४२	४२
५८	१३	११३	१२	६९	६	३	५८
२८	४२	०६	०९	२५	१५	११	२७
उफा	कृ	पूफा	चि	स्वा	पु	रे	उफा
१	१	४	२	१	४	२	१



आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, १९ सितंबर से ३ अक्टूबर तक नवलगढ																									चंद्रः		तारीख			शरदृतु रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति महा., सितंबर-अक्टूबर २००५
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	र	५५	३८	२८	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[A गजच्छाया (बोधायन) १५।५६ तक
२	सो	४९	१५	२६	०२	उभा	५	४९	८	४०	वृ	३५	३६	२०	३५	तै	२२	१७	१५	१५	३० १४	६ २०	६ २६	मीने		२८	१४	१९	[B मोक्षः ११।५१, वक्री भौमः २१।२८, वृश्चिके शुक्रः १६।२०
३	मं	४४	१७	२४	०४	रेव	१ ५८	३७ ५४	७ २९	०० ५४	ध्रु	२८	२७	१७	४३	व	१६	३४	१२	५८	१०	२१	२५	मेषे	७।००	२९	१५	२०	भ. १२।५८ उ. २४।०४ या., पंचक समाप्तिः ७।००
४	बु	४१	१०	२२	४५	भर	५७	५३	२९	३०	व्या	२२	३६	१५	२४	व	१२	२४	११	११	०६	२१	२४	मेषे		३०	१६	२१	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।३५, भरणी श्राद्ध
५	गु	३९	३४	२२	११	कृति	५८	४४	२९	५१	ह	१८	१२	१३	३९	कौ	१०	०१	१०	२२	०२	२२	२३	वृषे	११।३१	३१	१७	२२	सायन तुलायां भानुः २७।५६, हस्ते बुधः २६।३८
६	शु	४०	०६	२२	२४	रोहि	...	...	...	...	व	१५	२०	१२	३०	ग	९	३४	१०	१२	२९ ५८	२२	२१	वृषे		१	१८	२३	भ. २२।२४ उ., चंद्रषष्ठी, भा. अश्विनारंभः, विशा. शुक्रः २१।०९
७	श	४२	३१	२३	२३	रोहि	१	२८	६	५८	सि	१३	५९	११	५८	वि	११	०४	१०	४८	५४	२३	२०	मिथु.	१९।४७	२	१९	२४	भ. १०।४८ या. [C श्राद्धं, अक्टूबर १० ता. ३१
८	र	४६	३९	२५	०३	मृग	६	००	८	४७	व्य	१४	००	११	५९	बा	१४	२३	१२	०८	५०	२३	१९	मिथु.		३	२०	२५	श्रीमहालक्ष्मी व्र., अशोकाष्टमी
९	सो	५२	०३	२७	१३	आर्द्रा	१२	०२	११	१२	व	१५	१२	१२	२८	तै	१९	१२	१४	०५	४६	२४	१८	मिथु.		४	२१	२६	सौभाग्यवतीनां श्राद्धं, हस्ते रविः २७।५७
१०	मं	५८	११	२९	४०	पुन	१९	०५	१४	०२	प	१७	१०	१३	१६	व	२५	०२	१६	२५	४२	२४	१७	कर्के	७।१८	५	२२	२७	भ. १६।२५ उ. २९।४० या., हस्ते सौरः १८।२८ [D केतुः १५।५८
११	बु	...	...	...	...	पुष्य	२६	३८	१७	०४	शि	१९	३२	१४	१३	ब	३१	२०	१८	५७	३८	२४	१६	कर्के		६	२३	२८	तुलायां चित्रा.-३ गुरुः ६।४८ [E चित्रा. बुधः २२।१०
११	गु	४	३०	८	१३	श्ले	३४	०८	२०	०४	सि	२१	५४	१५	१०	बा	४	३०	८	१३	३४	२५	१४	सिंहे	२०।०४	७	२४	२९	इंदिरा ११ व्र., सन्यासिनां श्राद्धं, रेव.-१ राहुः १५।५८, हस्ते-३ D
१२	शु	१०	२९	१०	३७	मघा	४१	०९	२२	५३	सा	२३	५६	१६	००	तै	१०	२९	१०	३७	३०	२५	१३	सिंहे		८	२५	३०	प्रदोषः, युगादि, गजच्छाया योगः १०।३७ से २२।५३ तक, E
१३	श	१५	४९	१२	४६	पूफा	४७	२५	२५	२४	शु	२५	२४	१६	३६	व	१५	४९	१२	४६	२६	२६	१२	सिंहे		९	२६	१	भ. १२।४६ उ. २५।४२ या., मासिकशिवरात्री व्र., शस्त्रादि हतानां C
१४	र	२०	१५	१४	३३	उफा	५२	४५	२७	३३	शु	२६	१२	१६	५५	श	२०	१५	१४	३३	२२	२६	११	कन्या	७।५८	१०	२७	२	गजच्छाया (बोधायन) २७।३३ से, गांधी जयन्ती, पातस्पर्शः ७।४२, B
३०	सो	२३	४२	१५	५६	हस्त	५७	०६	२९	१७	ब्र	२६	१२	१६	५६	ना	२३	४२	१५	५६	१७	२७	१०	कन्या		११	२८	३	सूर्यग्रहणम्, देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., सर्वपितृ श्राद्धम्, A

अयनांशाः २३।५५।०९
२४ पं. आ.कृ. ४ बु. इष्टघटी ४२।५४
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	०	५	५	६	३	११	५
०४	२८	०७	२८	१७	१४	२०	०४
५५	४६	५९	४०	४९	१७	२४	१९
२७	१६	२७	५४	१५	५९	२६	३५
५८	८	१०६	१२	६८	५	३	५८
४२	२५	४८	२७	४८	४९	११	४२
उफा	कृ	उफा	चि	स्वा	पु	रे	उफा
३	१	४	२	४	४	२	३



सितम्वर		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१९	चं	५	०२	१६	२३	५८	३६	१	३१	३०	०९	६	३०	६	३४	३०	११	५	२७	५	३२
२०	मं	५	०३	१५	००	५८	३८	१	०८	३०	०७	६	३१	६	३३	३०	०८	५	२८	५	३१
२१	बु	५	०४	१३	३८	५८	४०	०	४४	३०	०४	६	३१	६	३२	३०	०५	५	२८	५	३०
२२	गु	५	०५	१२	१८	५८	४२	०	२१+	३०	०१	६	३१	६	३१	३०	०२	५	२८	५	२९
२३	शु	५	०६	११	००	५८	४४	०	०२-	२९	५९	६	३१	६	३१	२९	५९	५	२९	५	२८
२४	श	५	०७	०९	४४	५८	४६	०	२६	२९	५६	६	३१	६	३०	२९	५५	५	२९	५	२७
२५	र	५	०८	०८	३०	५८	४८	०	४९	२९	५३	६	३२	६	२९	२९	५२	५	२९	५	२६
२६	चं	५	०९	०७	१८	५८	५०	१	१३	२९	५१	६	३२	६	२८	२९	४९	५	३०	५	२५
२७	मं	५	१०	०६	०८	५८	५२	१	३६	२९	४८	६	३२	६	२७	२९	४६	५	३०	५	२४
२८	बु	५	११	०५	००	५८	५४	१	५९	२९	४५	६	३२	६	२६	२९	४२	५	३०	५	२३
२९	गु	५	१२	०३	५५	५८	५६	२	२३	२९	४३	६	३२	६	२५	२९	३९	५	३०	५	२२
३०	शु	५	१३	०२	५१	५८	५८	२	४६	२९	४०	६	३३	६	२५	२९	३६	५	३१	५	२१
१	श	५	१४	०१	४९	५९	००	३	०९	२९	३७	६	३३	६	२४	२९	३३	५	३१	५	२०
२	र	५	१५	००	४९	५९	०२	३	३२	२९	३५	६	३३	६	२३	२९	३०	५	३१	५	१९
३	चं	५	१५	५९	५१	५९	०४	३	५६	२९	३२	६	३३	६	२२	२९	२६	५	३२	५	१८

मास फलम्

सूर्यग्रहण, ३ अक्टू. २००५, सोमवार
चन्द्रग्रहण, १७ अक्टू. २००५, सोमवार।

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सरता हो। इस एक ही माह में सूर्यग्रहण, चन्द्रग्रहण हैं। दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो। कृष्णा एकादशी को बुधवार होने से गाय भैंस महँगी हो। सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष, वर्षा का प्रवल उदय-धान्य की उत्पत्ति लेकिन हस्त का योग नेष्ट है। कृ. छठ रविवार और ज्येष्ठा होने से सब धान्यों में समहर्घता हो। तेल, घृत आदि, रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो।

अयनांशाः २३।५५।१०
२५ पं. आ.कृ.११ बु. इष्टघटी ४२।४५
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	०	५	६	६	३	११	५
११	२९	२०	००	२५	१४	२०	११
४६	२७	०६	०८	४८	५७	०२	११
५३	५५	३१	४९	४५	१३	११	२०
५८	२	१००	१२	६८	५	३	५८
५६	३४	०२	४२	०४	१९	११	५८
ह	कृ	ह	चि	वि	पु	रे	ह
१	१	४	३	२	४	२	१



आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, ४ अक्टूबर से १७ अक्टूबर तक नवलगढ

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टे. टा.	तारीख वा.	मु.	ई.
१	मं	२६	०६	१६	५४	चित्रा	...	...	...	...	ऐ	२५	२४	१६	३७	ब	२६	०६	१६	५४	२९ १३	६ २७	६ ०९	तुला. १८।०१	१२	२९	४
२	बु	२७	२५	१७	२६	चित्रा	०	२५	६	३८	वै	२३	४७	१५	५९	कौ	२७	२५	१७	२६	०९	२८	०८	तुला.	१३	३०	५
३	गु	२७	३९	१७	३२	स्वा	२	४१	७	३३	वि	२१	१७	१४	५९	ग	२७	३९	१७	३२	०५	२८	०७	वृश्चि. २५।५७	१४	१	६
४	शु	२६	४५	१७	११	विशा	३	५२	८	०२	प्री	१७	५६	१३	३९	वि	२६	४५	१७	११	०१	२९	०५	वृश्चि.	१५	२	७
५	श	२४	४३	१६	२३	अनु	३	५७	८	०४	आ	१३	४१	११	५८	बा	२४	४३	१६	२३	२८ ५७	२९	०४	वृश्चि.	१६	३	८
६	र	२१	३८	१५	०९	ज्ये	२	५७	७	४१	सौ	८	३३	९	५५	तै	२१	३८	१५	०९	५३	३०	०३	धनु. ७।४१	१७	४	९
७	सो	१७	३२	१३	३१	मूल	० ५८	५५ ००	६ २९	५३ ४२	शो	२ ५५	३५ ५४	७ २८	३३ ५२	व	१७	३२	१३	३१	४९	३१	०२	धनु.	१८	५	१०
८	मं	१२	३२	११	३२	उषा	५४	१५	२८	१३	सु	४८	३२	२५	५६	ब	१२	३२	११	३२	४५	३१	०१	मक. ११।२२	१९	६	११
९	बु	६	४६	९	१४	श्रव	४९	५२	२६	२९	धृ	४०	३९	२२	४७	कौ	६	४६	९	१४	४१	३२	००	मक.	२०	७	१२
१०	गु	०	२६	६	४२	धनि	४५	०५	२४	३४	शू	३२	२३	१९	२९	ग	०	२६	६	४२	३७	३२	५ ५९	कुंभे १३।३२	२१	८	१३
११	गु	५३	४४	२८	०२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१२	शु	४६	५२	२५	१८	शत	४०	०७	२२	३५	गं	२३	५५	१६	०७	ब	२०	१८	१४	४०	३३	३३	५८	कुंभे	२२	९	१४
१३	श	४०	०७	२२	३६	पूभा	३५	१३	२०	३८	वृ	१५	२७	१२	४४	कौ	१३	२७	११	१६	२९	३३	५७	मीने १५।०७	२३	१०	१५
१४	र	३३	४६	२०	०४	उभा	३०	४०	१८	५०	ध्रु	७ ५९	११ २१	९ ३०	२६ १८	ग	६	५२	९	१९	२५	३४	५६	मीने	२४	११	१६
१५	सो	२८	०४	१७	४८	रेव	२६	४७	१७	१७	ह	५२	११	२७	२७	वि	०	४८	६	५४	२१	३४	५५	मेषे १७।१७	२५	१२	१७

शरदृतु रविर्दक्षिणे उहर्गनः ४९३०, अक्टूबर २००५

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेन जयंती, ग्रहण-करिदिन, मातामह F
चंद्रदर्शनम्(मु.१५). | गुरोरस्तः पश्चिमायाम् २१।२२ | अनु.शुक्रः १५।२१
म. २१।२५ उ., स्नान १ [F श्रा., तुलायां बुधः २५।१५
म. १७।११ बा. [D तुलायां रविः १०।३० (सौरः २४।०९), ज्येष्ठा. K
उपांगललिताव्र. [K शुक्रः १७।११ [E बौद्धावतार
स्वा. बुधः ७।४१ [C सरस्वती पूजनं पू.षाभे, चित्रा. रविः १६।५६
म.१३।३१ उ. २४।३४ बा., सरस्वतीआवाहनं मूलभे, भद्रकालीअवतार, C
महाष्टमी, शस्त्रादि पूजा, बलिदानं उ.षाभे, चित्रा. सौरः ६।५७
विजया १०, शमीपूजा, पट्टाभिषेक, सरस्वती विसर्जनं श्रवणे, मन्वादि, E
म. १७।२३ उ. २८।०२ बा., पापांकुशा ११ व्र.स्मार्त, पंचक प्रारम्भः I
[B (आश्वलायन शाखा), कार्तिकस्नानप्रा., आकाश दीपारंभः, D
पापांकुशा ११ व्र. वैष्ण., पातस्पर्शः २१।५८, मोक्षः २५।३४
प्रदोषः, कार्तिके द्विदलं त्यजेत् [I १३।३२, चित्रा.-४ गुरुः २०।१०
म.२०।०४ उ., शरद पूर्णिमा, कोजागरीव्र., बुधोदयः पश्चिमायाम् १८।५८
म.६।५४ बा., ग्रस्तोदयं खण्डग्रासं चन्द्रग्रहणम्, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A
[A पंचकसमाप्तिः १७।१७, बंगीयलक्ष्मीपूजा, नवान्नभक्षण, आश्वयुजी कर्म B

अयनांशाः २३।५५।११
२६ पं. आ.शु. २ बु. इष्टघटी ४२।३७
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	०	६	६	७	३	११	५
१८	२९	०१	०१	०३	१५	१९	१८
४०	२७	२७	३८	४२	३२	३९	०४
०४	१९	५७	१६	३१	५३	५६	५७
५९	३	९३	१२	६७	४	३	५९
१०	३९	५८	५३	०८	४७	११	१५
ह	कृ	चि	चि	अनु	पु	रे	ह
३	१व	३	३	१	४	१	३



अक्टूबर ता. वा.	रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि.	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
४ मं	५	१६	५८	५६	५९	०६	४	१९	२९	२९	६	३३	६	२१	२९	२३	५	३२	५	१७
५ बु	५	१७	५८	०२	५९	०८	४	४२	२९	२७	६	३४	६	२०	२९	२०	५	३२	५	१६
६ गु	५	१८	५७	१०	५९	१०	५	०५	२९	२४	६	३४	६	१९	२९	१७	५	३३	५	१५
७ शु	५	१९	५६	२१	५९	१२	५	२८	२९	२२	६	३४	६	१९	२९	१४	५	३३	५	१५
८ श	५	२०	५५	३३	५९	१५	५	५१	२९	१९	६	३४	६	१८	२९	११	५	३३	५	१४
९ र	५	२१	५४	४८	५९	१७	६	१४	२९	१६	६	३५	६	१७	२९	०७	५	३४	५	१३
१० चं	५	२२	५४	०४	५९	१९	६	३७	२९	१४	६	३५	६	१६	२९	०४	५	३४	५	१२
११ मं	५	२३	५३	२३	५९	२१	६	५९	२९	११	६	३५	६	१५	२९	०१	५	३५	५	११
१२ बु	५	२४	५२	४४	५९	२३	७	२२	२९	०९	६	३५	६	१५	२८	५८	५	३५	५	१०
१३ गु	५	२५	५२	०६	५९	२५	७	४४	२९	०६	६	३६	६	१४	२८	५५	५	३५	५	०९
१४ शु	५	२६	५१	३१	५९	२७	८	०७	२९	०३	६	३६	६	१३	२८	५२	५	३६	५	०८
१५ श	५	२७	५०	५८	५९	२९	८	२९	२९	०१	६	३६	६	१२	२८	४८	५	३६	५	०७
१६ र	५	२८	५०	२७	५९	३१	८	५१	२८	५८	६	३६	६	१२	२८	४५	५	३६	५	०७
१७ चं	५	२९	४९	५८	५९	३३	९	१३	२८	५६	६	३७	६	११	२८	४२	५	३७	५	०६

संक्रांति फलम्

ता. १७ अक्टूबर २००५
आश्वि. शु. १५ चंद्रे तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. १०।३० वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम् मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा। मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं प्रीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तुरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बाल्यावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यार्घे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः रवौ (स्टै.) २८।३० से चंद्रे १६।३० तक। (दान- तिल)।

अयनांशाः २३।५५।१२
२७ पं. आ.शु. १ बु. इष्टघटी ४२।२८
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

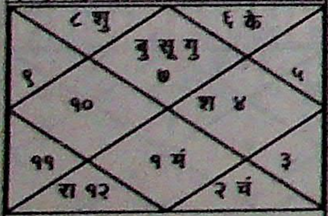
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	०	६	६	७	३	११	५
२५	२८	१२	०३	११	१६	१९	२५
३४	४२	१०	०८	२९	०४	१७	००
५६	५६	२४	४९	११	३७	४०	२८
५९	१	८९	१३	६५	४	३	५९
२४	५१	०२	००	५९	११	११	३१
चि	कृ	स्वा	चि	अनु	पु	रे	चि
१	१व	२	३	३	४	१	१



कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, १८ अक्टूबर से २ नवंबर तक नवलगढ चंद्रः																										तारीख			शरदृत्तु रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति महा., अक्टूबर-नवंबर २००५
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	आ.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	मं	२३	२०	१५	५५	अश्वि	२३	५०	१६	०७	व	४५	५३	२४	५६	कौ	२३	२०	१५	५५	२८ १८	६ ३५	५ ५४	मेषे	२६	१३	१८	ग्रहण-करिदिन, विशा. बुधः ८।१२
२	बु	१९	५२	१४	३२	भर	२२	०८	१५	२७	सि	४०	४०	२२	५२	ग	१९	५२	१४	३२	१४	३६	५३	वृषे २१।२२	२७	१४	१९	भ. २६।०४ उ.
३	गु	१७	५४	१३	४६	कृति	२१	५५	१५	२२	व्य	३६	४३	२१	१७	वि	१७	५४	१३	४६	१०	३६	५२	वृषे	२८	१५	२०	भ. १३।४६ या., करवा ४ चन्द्रोदयः १९।५०, दशरथ ललिता व्र.
४	शु	१७	४०	१३	४१	रोहि	२३	२४	१५	५८	व	३४	०८	२०	१६	बा	१७	४०	१३	४१	०६	३७	५१	मिथु. २८।३२	२९	१६	२१	श्लेषा.-१ शनिः ३०।२७
५	श	१९	१४	१४	१९	मृग	२६	३८	१७	१७	प	३२	५७	१९	४८	तै	१९	१४	१४	१९	०२	३७	५०	मिथु.	३०	१७	२२	(व) भर. भौमः ७।२२ [E गुर्जराणां नूतन वर्षारंभः
६	र	२२	३५	१५	४०	आर्द्रा	३१	३३	१९	१५	शि	३३	०५	१९	५२	व	२२	३५	१५	४०	२७ ५८	३८	४९	मिथु.	१	१८	२३	भ. १५।४० उ. २८।३५ या., स्कन्द षष्ठी, भा. कार्तिकारंभः, स्वा. D
७	सो	२७	२८	१७	३८	पुन	३७	५२	२१	४८	सि	३४	२०	२०	२३	ब	२७	२८	१७	३८	५४	३९	४८	कर्के १५।०७	२	१९	२४	होई (अहोरी) ८, स्वा. सौरः १६।३९
८	मं	३३	२५	२०	०१	पुष्य	४५	०८	२४	४३	सा	३६	२२	२१	१२	बा	०	२०	६	४७	५१	३९	४८	कर्के	३	२०	२५	वृश्चिके बुधः १४।२४ [D रविः २७।२६, सायन वृश्चिके भानुः १३।१७
९	बु	३९	५०	२२	३६	श्ले	५२	४४	२७	४६	शु	३८	४२	२२	०९	तै	६	३५	९	१८	४७	४०	४७	सिंहे २७।४६	४	२१	२६	[A बलीपूजा, गोवर्धन पू., गोक्रीडा, मार्गपाली बंधन, E
१०	गु	४६	०५	२५	०७	मघा	...	...	...	...	शु	४०	५३	२३	०२	व	१३	०१	११	५३	४३	४१	४६	सिंहे	५	२२	२७	भ. ११।५३ उ. २५।०७ या., पातस्पर्शः २२।२२, मोक्षः २७।०५, B
११	शु	५१	३३	२७	१९	मघा	०	०१	६	४२	ब्र	४२	३२	२३	४२	ब	१८	५६	१४	१६	३९	४१	४५	सिंहे	६	२३	२८	रमा ११ व्र., स्वा.-१ गुरुः २७।५१ [B अनु. बुधः २८।३५
१२	श	५५	५३	२९	०३	पूफा	६	३०	९	१८	ऐ	४३	२१	२४	०३	कौ	२३	५२	१६	१५	३६	४२	४४	कन्या १५।५३	७	२४	२९	गोवत्स द्वादशी [C गोत्रिरात्र व्र., धनुषि मूले शुक्रः ७।००
१३	र	५८	५०	३०	१५	उफा	११	४८	११	२६	वै	४३	०८	२३	५८	ग	२७	३१	१७	४३	३२	४३	४३	कन्या	८	२५	३०	भ. ३०।१५ उ., प्रदोषः,धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, यमायदीपदानं,
१४	सो	...	...	...	...	हस्त	१५	४६	१३	०२	वि	४१	४८	२३	२७	वि	२९	४४	१८	३७	२८	४३	४३	तुला. २५।३७	९	२६	३१	भ. १८।३७ या., मासिकशिवरात्री व्र., दीपदानं
१४	मं	०	१७	६	५१	चित्रा	१८	१९	१४	०४	प्री	३९	२३	२२	२९	श	०	१७	६	५१	२५	४४	४२	तुला.	१०	२७	१	पितृकार्येऽमा., महालक्ष्मी पूजा, कुबेर पू., नवंबर ११ ता. ३०
३०	बु	०	२२	६	५४	स्वा	१९	३२	१४	३३	आ	३५	५३	२१	०६	ना	०	२२	६	५४	२१	४५	४१	तुला.	११	२८	२	देवकार्येऽमा., [गुरोरुदयः पूर्वस्याम् २४।३७] अन्नकूटं देशाचारे, A

अयनांशाः २३।५५।१३
२८ पं. का.कृ. २ बु. इष्टघटी ४२।१७
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	०	६	६	७	३	११	६
०२	२७	२२	०४	११	१६	१८	०१
३१	१६	१९	४०	०६	३२	५५	५७
२८	४९	३०	०२	५८	०२	२५	५२
५९	१५	८४	१३	६४	३	३	५९
३८	२२	०७	०४	३३	३३	११	४७
चि	कृ	वि	चि	ज्ये	पु	रे	चि
३	१व	१	४	१	४	१	३



अक्टुबर		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१८	मं	६	००	४९	३१	५९	३५	९	३५	२८	५३	६	३७	६	१०	२८	३९	५	३७	५	०५
१९	बु	६	०१	४९	०६	५९	३७	९	५७	२८	५१	६	३७	६	१०	२८	३६	५	३८	५	०४
२०	गु	६	०२	४८	४३	५९	३९	१०	१८	२८	४८	६	३८	६	०९	२८	३३	५	३८	५	०३
२१	शु	६	०३	४८	२२	५९	४१	१०	४०	२८	४६	६	३८	६	०८	२८	३०	५	३९	५	०३
२२	श	६	०४	४८	०३	५९	४३	११	०१	२८	४३	६	३८	६	०८	२८	२७	५	३९	५	०२
२३	र	६	०५	४७	४६	५९	४५	११	२२	२८	४१	६	३९	६	०७	२८	२४	५	४०	५	०१
२४	चं	६	०६	४७	३१	५९	४७	११	४३	२८	३८	६	३९	६	०६	२८	२१	५	४०	५	००
२५	मं	६	०७	४७	१८	५९	४९	१२	०४	२८	३६	६	३९	६	०६	२८	१८	५	४०	५	००
२६	बु	६	०८	४७	०७	५९	५१	१२	२५	२८	३३	६	४०	६	०५	२८	१५	५	४१	४	५९
२७	गु	६	०९	४६	५८	५९	५३	१२	४५	२८	३१	६	४०	६	०५	२८	१२	५	४१	४	५८
२८	शु	६	१०	४६	५१	५९	५५	१३	०५	२८	२८	६	४१	६	०४	२८	०९	५	४२	४	५८
२९	श	६	११	४६	४६	५९	५७	१३	२५	२८	२६	६	४१	६	०३	२८	०६	५	४२	४	५७
३०	र	६	१२	४६	४२	५९	५९	१३	४५	२८	२४	६	४१	६	०३	२८	०३	५	४३	४	५६
३१	चं	६	१३	४६	४१	६०	०१	१४	०५	२८	२१	६	४२	६	०२	२८	०१	५	४३	४	५६
१	मं	६	१४	४६	४२	६०	०२	१४	२४	२८	१९	६	४२	६	०२	२७	५८	५	४४	४	५५
२	बु	६	१५	४६	४४	६०	०४	१४	४३	२८	१७	६	४३	६	०१	२७	५५	५	४५	४	५५

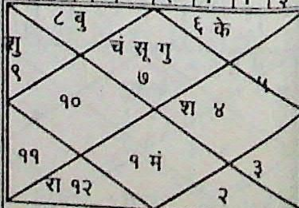
अयनांशाः २३।५५।१४
२९ पं. का.कृ. ९ बु. इष्टघटी ४२।०७
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	०	७	६	७	३	११	६
०९	२५	०१	०६	२६	१६	१८	०८
२९	१६	४७	११	३३	५४	३३	५७
३९	०५	४८	३१	३०	४८	०९	०४
५९	१९	७६	१३	६२	२	३	६०
५२	२४	२०	०४	४२	५१	११	०२
स्वा	भ	वि	चि	ज्ये	श्ले	रे	स्वा
१	४व	४	४	३	१	१	१



अयनांशाः २३।५५।१५
३० पं. का.कृ.३० बु. इष्टघटी ४१।५
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	०	७	६	८	३	११	६
१६	२२	१०	०७	०३	१७	१८	१५
२९	५३	०१	४२	४५	१२	१०	[illegible]
२६	१५	४६	४८	४४	३७	५४	[illegible]
६०	२१	६०	१३	६०	२	३	[illegible]
०६	१६	४६	००	२१	०८	११	[illegible]
स्वा	भ	अनु	स्वा	मू	श्ले	रे	[illegible]
३	३वं	३	१	२	१	१	३



शुक्लपक्ष — 4 8 11 15
गुरु
30 रवि 3 रवि

कृष्णपक्ष — 3 7 10 14
गु0 रवि 3. रवि

त्रिपुष्कर — कृत्तिका, पुनर्वसु, उफा., विशाखा, उषा., पूभा.

द्विपुष्कर — मृग., चित्रा, धनिष्ठा
2, 7, 12 शनि. मंगल, रवि

रवियोग — सूर्य-चन्द्र नक्षत्र — 4, 6, 9, 10, 13, 20 हो तो रवियोग

सर्वार्थसिद्धि योग

सिद्धि — ○
अमृतसिद्धि — □

रवि — हस्त, मूल, उ०३, पुष्य, अश्विनी
चन्द्र — श्रवण, रोहिणी, मृगशिर, पुष्य, अनुराधा
मंगल — अश्विनी, उभा., कृत्तिका, आश्लेषा
बुध — रोहिणी, अनुराधा, हस्त, कृत्तिका, मृगशिर
गुरु — रेवती, अनुराधा, अश्विनी, पुनर्वसु, पुष्य
शुक्र — रेवती, अनुराधा, अश्विनी, पुनर्वसु, श्रवण, पूफा
शनि — श्रवण, रोहिणी, स्वाती

6. प्रायशो विचाराः सापेक्षा भवन्ति यथा कस्मैचिन्नराय हितकरा तथान्यस्मै हानिकरा जायन्ते ।

7. पक्षपातिनो विचाराः सत्यपरका न भवन्ति तथैतादृशानि चिन्तनानि इदं द्योतन्ते यत् चिन्तनमाध्यमेन मानवो प्राणान् धारयति निःसत्त्वरीत्या । एवं गाभीर्यमतिक्रम्य नरः पक्षपाति भवितुं नार्हति ।

8. एकाग्रमनसा गाभीर्यमवलम्ब्य ये विचारा उत्पद्यन्ते तदनुकूला सद्गुणाश्रिताः प्रकाशाः प्रबलत्वेन दृष्टिगतं यान्ति । तथा नरा सत्यस्य सान्निध्यं गच्छन्ति । एकाग्रचित्ते जाते सति मानवस्याध्यात्मानुभूतिर्जायते ।

9. अध्यात्मोत्कृष्टानुभूतिदृशा **"ब्रह्मसत्यं जगन्मिथ्या जीवो ब्रह्मैव नापरः"** समक्षं समायाति एवं सामान्यनराणां कृते व्यवहारजगति सन्मार्गस्य श्रेण्यो विविधा भवन्ति ।

10. सद्भिरहिते असदपि न वर्तते एवं सदनुसृत्यासच्चरति असदाकारः सत्यमाच्छादयितुं यतन्ते लोका लोके । असदाचरणं शरीरमनसोः परस्पर संबन्धं छिनत्ति । अत एव नैकविधा आधय उत्पद्यन्ते तथा च व्याध - योऽपि ।

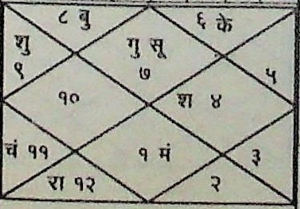
11. सदाचारवान् पुरुष एकाग्रावस्थापरको भवति । एवं विविध-व्याधिविकृतिभ्यो विमुच्यते । अत एव गौरवात्मकं व्यक्तित्वमापद्यते ।

12. नरस्य गरिमा गौरवं चादृश्यत्वेनानुभूयते सर्वथा । तदेव मनस्ये-काग्रवृत्तिमापन्ने सर्वतोभावेनाश्रयते । दुष्करावस्थायामपि एकाग्रतया

कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, ३ नवंबर से १५ नवंबर तक नवलगढ चंद्रः																									तारीख			हेमन्तर्तु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ४९६०, नवंबर २००५
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	आ.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	बु	५९	१०	३०	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B पूर्तिः, गोपद्मव्रत समाप्ति, त्रिपुरोत्सव, पुष्कर यात्रा, पद्मकयोगः
२	गु	५६	४६	२९	२८	विशा	११	३०	१४	३४	सौ	३१	२६	११	२०	बा	२८	०५	१७	५९	२७ १८	६ ४५	५ ४१	वृश्चि. ८।३६	१२	२९	३	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), भ्रातृ २, यम २, यमुना स्नानं, कलम दवात पू.
३	शु	५३	२५	२८	०८	अनु	१८	२४	१४	०८	शो	२६	०९	१७	१४	तै	२५	११	१६	५१	१४	४६	४०	वृश्चि.	१३	१	४	सव्वाल १०
४	श	४९	१८	२६	३०	ज्ये	१६	२६	१३	२१	अ	२०	१०	१४	५१	व	२१	२६	१५	२१	११	४७	३९	धनु. १३।२१	१४	२	५	भ. १५।२१ उ. २६।३० या., दुर्वागणपति व्र.
५	र	४४	३६	२४	३८	मूल	१३	४६	१२	१८	सु	१३	३९	१२	१५	ब	१७	००	१३	३५	०७	४८	३९	धनु.	१५	३	६	सौभाग्य ५, पाण्डव ५, विशा. रविः ११।३३ (सौरः २३।४७)
६	सो	३९	३१	२२	३७	पूषा	१०	३८	११	०४	धृ	६ ५९	४४ ३६	९ ३०	३० ३९	कौ	१२	०५	११	३८	०४	४८	३८	मक. १६।४४	१६	४	७	[C चतुर्मास व्रत समाप्तिः, भीष्म पंचक प्रा., पूषा. शुक्रः १९।१५
७	मं	३४	१५	२०	३१	उषा	७	१३	९	४२	गं	५२	१९	२७	४५	ग	६	५३	९	३४	०१	४९	३७	मक.	१७	५	८	भ. २०।३१ उ., कल्पादि
८	बु	२८	५३	१८	२३	श्रव	३	३९	८	१७	वृ	४४	५९	२४	५०	वि	१	३४	७	२७	२६ ५७	५०	३७	कुंभे १९।३५	१८	६	९	भ. ७।२७ या., पंचक प्रारम्भः १९।३५, गोपाष्टमी, पातस्पर्शः H
९	गु	२३	३५	१६	१७	धनि	० ५६	०४ ३८	६ २९	५२ ३०	ध्रु	३७	४४	२१	५६	कौ	२३	३५	१६	१७	५४	५१	३६	कुंभे	१९	७	१०	युगादि, कुष्माण्ड (अक्षय) ९ [H १८।२३, मोक्षः २२।४३
१०	शु	१८	२५	१४	१३	पूभा	५३	२१	२८	१२	व्या	३०	३६	१९	०६	ग	१८	२५	१४	१३	५१	५१	३६	मीने २२।३१	२०	८	११	भ. २५।१३ उ., ज्येष्ठा. बुधः २८।२८ [D वक्री बुधः २०।४६
११	श	१३	२९	१२	१६	उभा	५०	२२	२७	०१	ह	२३	४०	१६	२०	वि	१३	२९	१२	१६	४८	५२	३५	मीने	२१	९	१२	भ. १२।१६ या., प्रवोधिनी ११ व्रं., देवोत्थापनं, तुलसी विवाह, C
१२	र	८	५५	१०	२७	रेव	४७	५१	२६	०१	व	१७	०३	१३	४२	बा	८	५५	१०	२७	४५	५३	३५	मेषे २६।०१	२२	१०	१३	पंचक समाप्तिः २६।०१, प्रदोषः, मन्वादि, स्वा.-२ गुरुः १४।३४
१३	सो	४	५२	८	५०	अश्वि	४५	५५	२५	१६	सि	१०	५१	११	१४	तै	४	५२	८	५०	४२	५४	३४	मेषे	२३	११	१४	वैकुण्ठ १४, रोटक व्रत समाप्तिः, नेहरुजयन्ती (बालदिवस), D
१४	मं	१	२७	७	२९	भर	४४	४८	२४	५०	व्य	५	१२	८	५९	व	१	२७	७	२९	३९	५४	३४	वृषे ३०।४७	२४	१२	१५	भ. ७।२९ उ. १८।५७ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, कार्तिक A
१५	मं	५८	५९	३०	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A व्रतोद्यापनं, नानक जयंती, भीष्म पंचक समाप्ति, कार्तिकस्नान B

अयनांशाः २३।५५।१६
३१ पं. का.शु. ८ बु. इष्टघटी ४१।४२
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	०	७	६	८	३	११	६
२३	२०	१५	०९	१०	१७	१७	२३
३०	२४	४४	१३	३९	२५	४८	००
४४	५०	४९	२६	३५	१४	३९	३७
६०	२०	२९	१२	५७	१	३	६०
१८	३८	०८	५२	२०	२२	११	३०
वि	भ	अनु	स्वा	मू	श्ले	रे	वि
२	३व	४	१	४	१	१	१



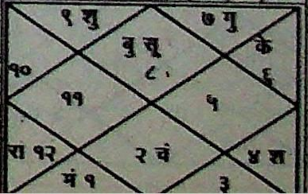
नवम्बर	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
							दक्षिण-		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
३ गु	६	१६	४६	४८	६०	०६	१५	०२	२८	१४	६	४३	६	०१	२७	५२	५	४५	४	५४
४ शु	६	१७	४६	५५	६०	०८	१५	२१	२८	१२	६	४४	६	०१	२७	४९	५	४६	४	५३
५ श	६	१८	४७	०३	६०	१०	१५	३९	२८	१०	६	४४	६	००	२७	४७	५	४६	४	५३
६ र	६	१९	४७	१३	६०	१२	१५	५७	२८	०८	६	४५	६	००	२७	४४	५	४७	४	५२
७ चं	६	२०	४७	२४	६०	१३	१६	१५	२८	०५	६	४५	५	५९	२७	४१	५	४७	४	५२
८ मं	६	२१	४७	३८	६०	१५	१६	३३	२८	०३	६	४६	५	५९	२७	३९	५	४८	४	५१
९ बु	६	२२	४७	५३	६०	१७	१६	५०	२८	०१	६	४६	५	५९	२७	३६	५	४९	४	५१
१० गु	६	२३	४८	१०	६०	१९	१७	०७	२७	५९	६	४७	५	५८	२७	३४	५	४९	४	५१
११ शु	६	२४	४८	२९	६०	२०	१७	२४	२७	५७	६	४७	५	५८	२७	३१	५	५०	४	५०
१२ श	६	२५	४८	४९	६०	२२	१७	४०	२७	५५	६	४८	५	५८	२७	२९	५	५०	४	५०
१३ र	६	२६	४९	११	६०	२४	१७	५६	२७	५३	६	४८	५	५७	२७	२६	५	५१	४	४९
१४ चं	६	२७	४९	३५	६०	२५	१८	१२	२७	५१	६	४९	५	५७	२७	२४	५	५२	४	४९
१५ मं	६	२८	५०	००	६०	२७	१८	२८	२७	४९	६	४९	५	५७	२७	२१	५	५२	४	४९

मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से शुभ हैं। जायते पंचभौमाश्च पंचमासा- स्तदाशुभाः। शुक्लपक्ष तेरह दिन का होने से प्रजा में बीमारी महर्घता आदिक उपद्रव हों। कृष्णा त्रयोदशी को रविवार होने से जौ गेहूँ महँगे हों। बुधवारी अमावस और स्वाति नक्षत्र होने से दुर्भिक्ष और अल्प धान्य हो। पूनम क्षय होने से दुर्भिक्ष हो। विशाखा में बुध होने से सुभिक्ष हो, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो।

अयनांशाः २३।५५।१७
३२ पं. मा.कृ. १ बु. इष्टघटी ४१।२९
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	०	७	६	८	३	११	७
०८	१८	१६	१०	१७	१७	१७	००
३३	०८	२८	४२	०९	३२	२६	०४
२७	०९	५२	५८	३८	२८	२३	४३
६०	१७	२९	१२	५३	०	३	६०
३०	४०	४२	४०	२३	३५	११	४२
वि	भ	अनु	स्वा	पूषा	श्ले	रे	वि
४	३व	४व	२	२	१	१	४

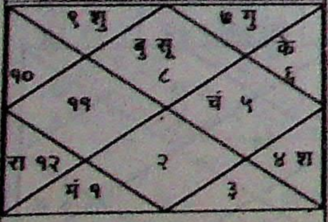


मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, १६ नवंबर से १ दिसंबर तक नवलगढ — चंद्रः — तारीख — हेमन्तर्तु रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति महा., नवंबर-दिसंबर २००५

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	बु	५७	३५	२९	५७	कृति	४४	४३	२४	४८	व	० ५६	१५ ५२	७ २३	०१ २८	बा	२८	०७	१८	१०	२६ ३६	६ ५५	५ ३३	वृषे	२५	१३	१६	आकाशदीप समाप्तिः, वृश्चिके रविः १०।१४ (सौरः २१।३९), (व) A
२	गु	५७	३०	२९	५६	रोहि	४५	५२	२५	१६	शि	५३	१०	२८	१२	तै	२७	२१	१७	५२	३३	५६	३३	वृषे	२६	१४	१७	[A अनु. बुधः १०।३८, बुधास्तः पश्चिमायाम् २१।३५
३	शु	५८	५५	३०	३१	मृग	४८	२५	२६	११	सि	५१	११	२७	२७	ब	२७	५१	१८	०८	३०	५७	३३	मिथु. १३।४३	२७	१५	१८	भ. १८।०८ उ. ३०।३१ या., सौभाग्य सुंदरी व्र.
४	श	...	...	...	...	आर्द्रा	५२	२१	२७	५७	सा	५०	३२	२७	१०	ब	३०	११	१९	०२	२७	५७	३२	मिथु.	२८	१६	१९	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।१४, अनु. रविः १७।३४ (सौरः २८।४१)
४	र	१	५२	७	४३	पुन	५८	०१	३०	१०	शु	५०	५८	२७	२१	बा	१	५२	७	४३	२४	५८	३२	कर्के २३।३४	२९	१७	२०	
५	सो	६	२०	९	३१	पुष्य	...	...	...	...	शु	५२	२२	२७	५६	तै	६	२०	९	३१	२२	५९	३२	कर्के	३०	१८	२१	[B मोक्षः २१।५१, सायन धनुषि भानुः १०।४८, वक्री शनिः २७।२२
६	मं	१२	०२	११	४९	पुष्य	४	४२	८	५३	ब्र	५४	२७	२८	४७	व	१२	०२	११	४९	११	७ ००	३१	कर्के	१	१९	२२	भ. ११।४९ उ. २५।०५ या., भा. मार्गशीर्षारंभः, पातस्पर्शः १६।०१, B
७	बु	१८	३०	१४	२५	श्ले	१२	१२	११	५३	ऐ	५६	४७	२९	२४	ब	१८	३०	१४	२५	१६	०१	३१	सिंहे ११।५३	२	२०	२३	कालभैरवाष्टमी
८	गु	२५	०३	१७	०३	मघा	१९	५०	१४	५७	वै	५८	५४	३०	३१	कौ	२५	०३	१७	०३	१४	०१	३१	सिंहे	३	२१	२४	[C पूर्वस्याम् १४।४९, स्वा.-३ गुरुः १४।१६
९	शु	३१	००	१९	२६	पूफा	२६	५७	१७	४९	वि	...	...	...	...	ग	३१	००	१९	२६	१२	०२	३१	कन्या २४।२८	४	२२	२५	[D राहुः १३।३९, हस्ते-२ केतुः १३।३९
१०	श	३५	४५	२१	२९	उफा	३२	५८	२०	१४	वि	०	१६	७	०९	ब	३	३२	८	२८	०९	०३	३१	कन्या	५	२३	२६	भ. ८।२८ उ. २१।२१ या.
११	र	३८	५४	२२	३७	हस्त	३७	२७	२२	०३	प्री	० ५८	३७ ५८	७ ३०	११ ५६	ब	७	३१	१०	०४	०७	०४	३०	कन्या	६	२४	२७	उत्पत्ति ११ व्र., वैतरणी व्र.
१२	सो	४०	११	२३	०९	चित्रा	४०	११	२३	०९	सौ	५७	१९	३०	००	कौ	९	५१	१०	५९	०५	०४	३०	तुला. १०।४१	७	२५	२८	(व) विशा. बुधः २४।४९, उषा. शुक्रः १२।२५
१३	मं	३९	३९	२२	५७	स्वा	४१	०७	२३	३२	शो	५३	३१	२८	३०	ग	१०	०७	११	०८	०३	०५	३०	तुला.	८	२६	२९	भ. २२।५७ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., बुधोदयः C
१४	बु	३७	२१	२२	०२	विशा	४०	२२	२३	१५	अ	४८	२३	२६	२७	वि	८	४२	१०	३५	०१	०६	३०	वृश्चि. १७।२३	९	२७	३०	भ. १०।३५ या., महाव्रतारंभः
३०	गु	३३	३३	२०	३२	अनु	३८	०९	२२	२२	सु	४२	०७	२३	५०	च	५	३७	९	२२	२५ ५९	०७	३०	वृश्चि.	१०	२८	१	देवपितृकार्येऽमा., गौरीतपोव्र., दिसंबर १२ ता. ३१, उभा.-४ D

अयनांशाः २३।५५।१८
३३ पं. मा.कृ. ७ बु. इष्टघटी ४१।१५
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	०	७	६	८	३	११	७
०७	१६	०९	१२	२३	१७	१७	०७
३७	१७	४६	१०	०८	३४	०४	१०
२७	४५	०१	५५	३५	१०	०८	१२
६०	१३	८२	१२	४८	०	३	६०
४०	००	४४	२४	१२	१२	११	५३
अनु	म	अनु	स्वा	पूफा	श्ले	रे	अनु
२	१व	२व	२	३	१व	१	२



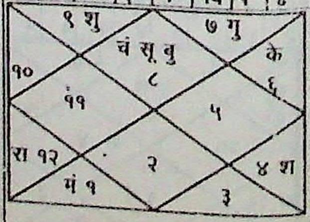
नवम्बर रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१६	बु	६	२९	५०	२७	६०	२९	१८	४३	२७	४७	६	५०	५	५७	२७	१९	५	५३	४	४९
१७	गु	७	००	५०	४६	६०	३०	१८	५८	२७	४५	६	५०	५	५७	२७	१७	५	५४	४	४८
१८	शु	७	०१	५१	२६	६०	३२	१९	१२	२७	४३	६	५१	५	५६	२७	१४	५	५४	४	४८
१९	श	७	०२	५१	५८	६०	३३	१९	२६	२७	४२	६	५२	५	५६	२७	१२	५	५५	४	४८
२०	र	७	०३	५२	३१	६०	३५	१९	४०	२७	४०	६	५२	५	५६	२७	१०	५	५६	४	४८
२१	चं	७	०४	५३	०६	६०	३६	१९	५४	२७	३८	६	५३	५	५६	२७	०८	५	५६	४	४७
२२	मं	७	०५	५३	४३	६०	३८	२०	०७	२७	३६	६	५३	५	५६	२७	०६	५	५७	४	४७
२३	बु	७	०६	५४	२०	६०	३९	२०	१९	२७	३५	६	५४	५	५६	२७	०४	५	५८	४	४७
२४	गु	७	०७	५४	५९	६०	४१	२०	३२	२७	३३	६	५५	५	५६	२७	०२	५	५८	४	४७
२५	शु	७	०८	५५	४०	६०	४२	२०	४४	२७	३२	६	५५	५	५६	२७	००	५	५९	४	४७
२६	श	७	०९	५६	२२	६०	४३	२०	५५	२७	३०	६	५६	५	५६	२६	५८	६	००	४	४७
२७	र	७	१०	५७	०५	६०	४५	२१	०७	२७	२९	६	५६	५	५६	२६	५७	६	००	४	४७
२८	चं	७	११	५७	५०	६०	४६	२१	१८	२७	२८	६	५७	५	५६	२६	५५	६	०१	४	४७
२९	मं	७	१२	५८	३६	६०	४७	२१	२८	२७	२६	६	५८	५	५६	२६	५३	६	०२	४	४७
३०	बु	७	१३	५९	२३	६०	४८	२१	३८	२७	२५	६	५८	५	५६	२६	५२	६	०२	४	४७
१	गु	७	१५	००	११	६०	५०	२१	४८	२७	२३	६	५९	५	५६	२६	५०	६	०३	४	४७

संक्रांति फलम्

ता. १६ नवंबर २००५
मार्ग. कृ. १ बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा..१०।१४ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुखदा पूर्वान्हे १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे, सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः भौमे (स्टै.) २७।५० से बुधे १७।१४ तक । (दान- दीप) ।

अयनांशाः २३।५५।१९
३४ पं. मा.कृ.१४ बु. इष्टघटी ४१।०२
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

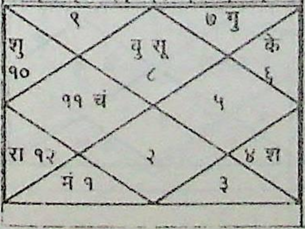
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	०	७	६	८	३	११	७
१४	१५	०१	१३	२८	१७	१६	१४
४२	०३	४२	३६	२६	३०	४१	१६
३६	०६	२७	४९	२९	२१	५२	५३
६०	७	३२	१२	४१	१	३	६१
४९	२७	३२	०४	२०	००	११	०३
अनु	म	चि	स्वा	उषा	श्ले	रे	अनु
४	१व	४व	३	१	१व	१	४



मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, २ दिसंबर से १५ दिसंबर तकनवलगढ																								चंद्रः		तारीख			हेमन्तर्तु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ४९८९, दिसंबर २००५
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	मा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
५	शु	२८	३३	१८	३३	ज्ये	३४	४६	२१	०२	धृ	३४	५३	२१	०५	किं	१	१०	७	३६	२५ ५७	७ ०८	५ ३०	धनु.	२१।०२	११	२९	२	ज्येष्ठा. रविः २१।५०, मकरे शुक्रः ३०।४९
२	श	२२	४१	१६	१३	मूल	३०	३४	१९	२२	शू	२७	०१	१७	५७	कौ	२२	४१	१६	१३	५५	०८	३०	धनु.		१२	३०	३	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), रंभास्थेयं, ज्येष्ठा. सौरः ७।४६
३	र	१६	१९	१३	४०	पूषा	२५	५५	१७	३१	गं	१८	४६	१४	३९	ग	१६	१९	१३	४०	५३	०९	३०	मक.	२३।०३	१३	१	४	ब. २४।२२ उ., जिल्काद ११, मार्गी बुधः १९।००
४	सो	९	४७	११	०५	उषा	२१	११	१५	३८	वृ	१०	२४	११	१९	वि	९	४७	११	०५	५२	१०	३०	मक.		१४	२	५	भ. ११।०५ वा., पातस्पर्शः २०।४५, मोक्षः २६।२२
५	मं	३	२६	८	३३	श्रव	१६	४०	१३	५०	ध्रु	२ ५४	०९ १७	८ २८	०२ ५३	बा	३	२६	८	३३	५०	१०	३१	कुंभे	२५।००	१५	३	६	पंचक प्रारम्भः २५।००, नागपंचमी, स्कंदषष्ठी
६	मं	५७	३१	३०	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[B मोक्षदा ११ व्र., गीता जयंती
७	बु	५२	१०	२८	०३	धनि	१२	३६	१२	१४	ह	४६	५०	२५	५५	ग	२४	४५	१७	०५	४९	११	३१	कुंभे		१६	४	७	ब. २८।०३ उ.
८	गु	४७	२९	२६	१२	शत	९	०९	१०	५२	व	३९	५६	२३	१०	वि	१९	४३	१५	०५	४८	१२	३१	मीने	२८।०१	१७	५	८	भ. १५।०५ वा.
९	शु	४३	३३	२४	३८	पूभा	६	२४	९	४६	सि	३३	३७	२०	३९	बा	१५	२५	१३	२२	४६	१३	३१	मीने		१८	६	९	कल्पादि, अनु. बुधः २९।१६
१०	श	४०	२२	२३	२२	उभा	४	२३	८	५८	व्य	२७	५३	१८	२२	तै	११	५१	११	५८	४५	१३	३१	मीने		१९	७	१०	मार्गी भौमः २५।४८
११	र	३७	५३	२२	२३	रेव	३	०४	८	२८	व	२२	४४	१६	१९	व	९	०१	१०	५०	४४	१४	३२	मेषे	८।२८	२०	८	११	ब. १०।५० उ. २२।२३ वा., पंचक समाप्तिः ८।२८, B
१२	सो	३६	१०	२१	४३	अश्वि	२	२९	८	१४	प	१८	१०	१४	३०	व	६	५५	१०	०१	४३	१५	३२	मेषे		२१	९	१२	]A द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा, धनुषि मूले रविः २४।४८
१३	मं	३५	१६	२१	२२	भर	२	३९	८	१९	शि	१४	१२	१२	५६	कौ	५	३६	९	३०	४२	१५	३२	वृषे	१४।२३	२२	१०	१३	प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र.
१४	बु	३५	१५	२१	२२	कृति	३	३७	८	४३	सि	१०	५३	११	३७	ग	५	०८	९	१९	४१	१६	३२	वृषे		२३	११	१४	ब. २१।२२ उ., पिशाच मोचन श्राद्धं
१५	गु	३६	१३	२१	४६	रोहि	५	३०	९	२८	सा	८	१९	१०	३६	वि	५	३५	९	३१	४१	१७	३३	मिथु.	२२।००	२४	१२	१५	भ. ९।३१ वा., श्री दत्त जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A

अयनांशाः २३।५५।२०
३५ पं. मा.शु. ७ बु. इष्टघटी ४०।४९
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	०	७	६	९	३	११	७
२१	१४	०१	१५	०२	१७	१६	२१
४८	२८	४६	००	४९	२१	१९	२४
४४	१८	३९	०७	५७	०५	३७	३५
६०	१	३७	११	३२	१	३	६१
५७	४१	३२	४०	१३	४५	११	१०
ज्ये	भ	वि	स्वा	उषा	श्ले	उभा	ज्ये
२	१व	४	३	२	१व	४	२



दिसम्बर		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकत्ता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२	शु	७	१६	०१	०१	६०	५१	२१	५६	२७	२२	७	००	५	५६	२६	४९	६	०४	४	४७
३	श	७	१७	०१	१२	६०	५२	२२	०५	२७	२१	७	००	५	५७	२६	४७	६	०४	४	४७
४	र	७	१८	०२	४३	६०	५३	२२	१४	२७	२०	७	०१	५	५७	२६	४६	६	०५	४	४७
५	चं	७	१९	०३	३६	६०	५४	२२	२१	२७	१९	७	०१	५	५७	२६	४५	६	०६	४	४८
६	मं	७	२०	०४	३०	६०	५५	२२	२९	२७	१८	७	०२	५	५७	२६	४४	६	०६	४	४८
७	बु	७	२१	०५	२५	६०	५६	२२	३६	२७	१७	७	०३	५	५७	२६	४२	६	०७	४	४८
८	गु	७	२२	०६	२२	६०	५७	२२	४२	२७	१६	७	०३	५	५८	२६	४१	६	०८	४	४८
९	शु	७	२३	०७	१९	६०	५८	२२	४९	२७	१५	७	०४	५	५८	२६	४०	६	०८	४	४८
१०	श	७	२४	०८	१६	६०	५९	२२	५४	२७	१५	७	०४	५	५८	२६	३९	६	०९	४	४९
११	र	७	२५	०९	१५	६१	००	२२	५९	२७	१४	७	०५	५	५९	२६	३९	६	१०	४	४९
१२	चं	७	२६	१०	१५	६१	०१	२३	०४	२७	१३	७	०६	५	५९	२६	३८	६	१०	४	४९
१३	मं	७	२७	११	१६	६१	०१	२३	०९	२७	१३	७	०६	५	५९	२६	३७	६	११	४	५०
१४	बु	७	२८	१२	१७	६१	०२	२३	१२	२७	१२	७	०७	६	००	२६	३७	६	११	४	५०
१५	गु	७	२९	१३	१९	६१	०३	२३	१६	२७	१२	७	०७	६	००	२६	३६	६	१२	४	५०

संक्रांति फलम्

ता. १५ दिसंबर २००५
मार्ग. शु. १५ गुरौ धनुष्यर्कः प्र. (स्टै.)
टा. २४।४८ वारात् २ नक्षत्रात् ३
वारनाम नंदा गणकान् सुखदा
नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा
अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान्
हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः
बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं
व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक
पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रे पायसभक्षणं
कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं
कंकणभूषणं पर्यंकचुकी कुमारिकावस्था
(बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स
दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमी विंवाहस्तंभो
वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चि
पुण्यकालः (स्टै.) २४।४८
तक । (दान- वस्त्र) ।

अयनांशाः २३।५५।२२
३६ पं: मा.शु.१४ बु. इष्टघटी ४०।३७
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	०	७	६	९	३	११	७
२८	१४	०८	१६	०६	१७	१५	२८
५५	३३	०२	२०	०१	०६	५७	३३
४०	१३	४६	१९	२०	३४	२१	०७
६१	३	६९	११	२०	२	३	६१
०३	४८	४४	१०	१४	२९	११	१६
ज्ये	भ	अनु	स्वा	उषा	श्ले	उभा	ज्ये
४	१	२	३	३	१व	४	४



पोष कृष्णपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, १६ दिसंबर से ३१ दिसंबर तक नवलगढ

हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे मार्गशीर्षकृष्णोति महा., दिसंबर २००५

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

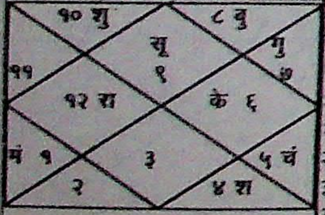
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	
१	शु	३८	५९	२२	३७	मृग	८	२४	१०	३९	शु	६	३४	९	५५	बा	७	०६	१०	०७	२५ ४०	७ १७	५ ३३	मिथु.	२५	१३	१६	धनुषि मूले सौरः ९।३३, स्वा.-४ गुरुः १७।५७
२	श	४१	३७	२३	५७	आर्द्रा	१२	२५	१२	१६	शु	५	४२	९	३५	तै	९	४८	११	१३	४०	१८	३४	मिथु.	२६	१४	१७	
३	र	४६	०९	२५	४६	पुन	१७	३७	१४	२१	ब्र	५	४५	९	३६	व	१३	४४	१२	४८	३९	१८	३४	कर्के ७।४७	२७	१५	१८	भ. १२।४८ उ. २५।४६ या., पातस्पर्शः २५।१७
४	सो	५१	४८	२८	०२	पुष्य	२३	५७	१६	५३	ऐ	६	४३	१०	००	ब	१८	५९	१४	५१	३९	१९	३४	कर्के	२८	१६	१९	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।५५, पातमोक्षः ८।२४
५	मं	५८	१६	३०	३८	श्ले	३१	१०	१९	४८	वै	८	२७	१०	४२	कौ	२४	५७	१७	१८	३९	१९	३५	सिंहे १९।४८	२९	१७	२०	{A बुधः १८।४२
६	बु	...	...	...	...	मघा	३८	५५	२२	५४	वि	१०	४१	११	३६	ग	३१	३८	१९	५९	३९	२०	३५	सिंहे	३०	१८	२१	सायन मकरे भानुः, सायन उत्तरायण प्रारम्भ २४।०४, ज्येष्ठा. A
६	गु	५	०२	९	२१	पूफा	४६	३७	२५	५९	प्री	१३	०६	१२	३५	व	५	०२	९	२१	३९	२०	३६	सिंहे	१	१९	२२	भ. ९।२१ उ. २२।४१ या., भा. पोषारंभः, अयन करिदिन
७	शु	११	३०	११	५७	उफा	५३	३७	२८	४८	आ	१५	१४	१३	२६	ब	११	३०	११	५७	३९	२१	३६	कन्या ८।४४	२	२०	२३	(व) पुष्ये-४ शनिः २९।१२
८	श	१७	०१	१४	१०	हस्त	५९	२०	३१	०५	सौ	१६	३६	१४	००	कौ	१७	०१	१४	१०	३९	२१	३७	कन्या	३	२१	२४	वक्री शुक्रः २५।२६
९	र	२०	५७	१५	४५	चित्रा	...	...	...	...	शो	१६	४८	१४	०५	ग	२०	५७	१५	४५	३९	२२	३८	तुला. १९।५९	४	२२	२५	भ. २८।१५ उ., बडादिन
१०	सो	२२	५७	१६	३३	चित्रा	३	१६	८	४१	अ	१५	३३	१३	३५	वि	२२	५७	१६	३३	४०	२२	३८	तुला.	५	२३	२६	भ. १६।३३ या.
११	मं	२२	४६	१६	२९	स्वा	५	१२	९	२७	सु	१२	३९	१२	२६	बा	२२	४६	१६	२९	४०	२३	३९	वृश्चि. २७।२९	६	२४	२७	सफला ११ उ., सुरुप द्वादशी १२
१२	बु	२०	२८	१५	३४	विशा	५	०२	९	२४	धृ	८	०६	१०	३७	तै.	२०	२८	१५	३४	४१	२३	३९	वृश्चि.	७	२५	२८	प्रदोषः, पातस्पर्शः ८।००, मोक्षः १४।१०, पूषा. रविः २६।५९
१३	गु	१६	१३	१३	५३	अनु	२ ५९	५४ ०६	८ ३१	३३ ०२	शू	९ ५४	५८ २८	८ २९	१० ११	व	१६	१३	१३	५३	४१	२३	४०	धनु. ३१।०२	८	२६	२९	भ. १३।५३ उ. २४।४७ या., मासिकशिवरात्री व्र., पूषा. सौरः १०।३
१४	शु	१०	२२	११	३२	मूल	५३	५९	२८	५९	वृ	४५	५३	२५	४५	श	१०	२२	११	३२	४२	२४	४१	धनु.	९	२७	३०	पितृकार्येऽमा., कुहूः, धनुषि मूले बुधः २५।३६
३०	श	३	१५	८	४२	पूषा	४८	००	२६	३६	ध्रु	३६	३०	२२	००	ना	३	१५	८	४२	४३	२४	४१	धनू.	१०	२८	३१	देवकार्येऽमा.

अयनांशाः २३।५५।२३

३७ पं. पौ.कृ. ६ बु. इष्टघटी ४०।२७

(रेल्वे घं. मि. २३।३९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	०	७	६	९	३	११	८
०६	१५	१६	१७	०७	१६	१५	०५
०३	१५	५६	३६	३९	४७	३५	४२
१२	०३	१६	५१	१२	१०	०६	१४
६१	८	८२	१०	५	३	३	६१
०७	४६	४३	३६	०३	०९	११	२०
मू	भ	ज्ये	स्वा	उभा	श्ले	उभा	मू
२	१	१	४	४	१व	४	२



दिसम्बर ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
१६	शु	८	००	१४	२२	६१	०४	२३	१९	२७	११	७	०८	६	०१	२६	३६	६	१३	४	५१
१७	श	८	०१	१५	२६	६१	०४	२३	२१	२७	११	७	०८	६	०१	२६	३५	६	१३	४	५१
१८	र	८	०२	१६	३०	६१	०५	२३	२३	२७	११	७	०९	६	०१	२६	३५	६	१४	४	५२
१९	चं	८	०३	१७	३५	६१	०५	२३	२५	२७	११	७	१०	६	०२	२६	३५	६	१४	४	५२
२०	मं	८	०४	१८	४०	६१	०६	२३	२६	२७	११	७	१०	६	०२	२६	३४	६	१५	[illegible]	५३
२१	बु	८	०५	१९	४६	६१	०६	२३	२६	२७	११	७	११	६	०३	२६	३४	६	१५	४	५३
२२	गु	८	०६	२०	५२	६१	०७	२३	२६	२७	११	७	११	६	०३	२६	३४	६	१६	४	५४
२३	शु	८	०७	२१	५९	६१	०७	२३	२६	२७	११	७	१२	६	०४	२६	३४	६	१६	४	५४
२४	श	८	०८	२३	०७	६१	०८	२३	२५	२७	११	७	१२	६	०४	२६	३५	६	१७	४	५५
२५	र	८	०९	२४	१४	६१	०८	२३	२४	२७	११	७	१३	६	०५	२६	३५	६	१७	४	५५
२६	चं	८	१०	२५	२२	६१	०८	२३	२२	२७	११	७	१३	६	०५	२६	३५	६	१८	४	५६
२७	मं	८	११	२६	३१	६१	०९	२३	२०	२७	११	७	१३	६	०६	२६	३६	६	१८	४	५६
२८	बु	८	१२	२७	४०	६१	०९	२३	१७	२७	१२	७	१४	६	०७	२६	३६	६	१८	४	५७
२९	गु	८	१३	२८	४९	६१	०९	२३	१४	२७	१२	७	१४	६	०७	२६	३७	६	१९	४	५७
३०	शु	८	१४	२९	५८	६१	०९	२३	१०	२७	१३	७	१५	६	०८	२६	३७	६	१९	४	५८
३१	श	८	१५	३१	०७	६१	०९	२३	०६	२७	१३	७	१५	६	०८	२६	३८	६	२०	४	५९

मास फलम्

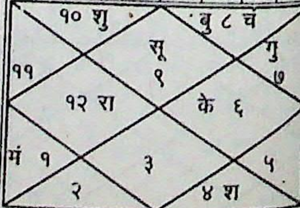
इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो, पांच शनिवार होने से महँगाई हो। शनिवार की सक्रांति होने से सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो। शनिवारी अमावस पूर्वाषाढा योग होने से दुर्भिक्ष और कष्टकारी हो, अनावृष्टि हो। शुक्ला तिथि क्षय होने से दुर्भिक्ष हो। शुक्ला एकादशी को कृत्तिका होने से लाल वस्तुओं तथा धान्य के भावों में तेजी हो। पूर्णिमा शनिवार और पुनर्वसु युक्त होने से महर्घता हो। ज्येष्ठा में बुध होने से ईख, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो।

अयनांशाः २३।५५।२४

३८ पं. पौ.कृ.१२ बु. इष्टघटी ४०।

(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	
८	०	७	६	९	३	११	
१३	१६	२६	१८	०७	१६	१५	
११	२९	५४	४९	२२	२३	१२	
०८	४४	५२	१०	४५	२०	५१	
६१	१३	८८	९	१२	३	३	
०९	०६	२४	५७	२७	४४	११	
मू	भ	ज्ये	स्वा	उषा	पु	उभा	मू
४	१	४	४	४व	४व	४	४



॥ श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम् ॥

माघ शुक्लपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, ३० जनवरी से १३ फरवरी तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | शिशिरर्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ५०४८, जनवरी-फरवरी २००६

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	मा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	सो	२१	३५	१५	५९	श्रव	१ ५३	१९ ५८	७ २८	५३ ५६	व्य	२७	५८	१८	३२	ब	२१	३५	१५	५९	२६ ४८	७ २१	६ ०५	कुंभे	१८।२४	१०	२९	३०	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक प्रारम्भः १८।२४, श्री वल्लभ जयंती
२	मं	१२	२९	१२	२०	शत	४७	०६	२६	११	व	१७	२९	१४	२०	कौ	१२	२९	१२	२०	५२	२१	०६	कुंभे		११	१	३१	मोहोर्रम १ सन १४२७ हि., विशा.-२ गुरुः १९।५७
३	बु	४	०२	८	५७	पूभा	४१	०६	२३	४७	प	७ ५८	३१ २३	१० ३०	२१ ४१	ग	४	०२	८	५७	५५	२०	०६	मीने	१८।२०	१२	२	१	म. १९।२३ उ. २९।५७ या., वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी, B
४	बु	५६	३२	२९	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[B फरवरी २ ता. २८, धनि. बुधः २७।१८
५	गु	५०	२०	२७	२८	उभा	३६	१८	२१	५१	सि	५०	१९	२७	२७	ब	२३	१५	१६	३८	५८	२०	०७	मीने		१३	३	२	वसन्त पञ्चमी, उभा.-३ राहुः ११।२०, हस्ते-१ केतुः ११।२०
६	शु	४५	३९	२५	३५	रेव	३२	५७	२०	३०	सा	४३	२८	२४	४३	कौ	१७	४८	१४	२६	२७ ०२	१९	०८	मेषे	२०।३०	१४	४	३	पंचक समाप्तिः २०।३०
७	श	४२	३५	२४	२१	अश्वि	३१	१२	१९	४७	शु	३७	५४	२२	२८	ग	१३	५४	१२	५२	०५	१९	०९	मेषे		१५	५	४	म. २४।२१ उ., मन्वादि, पुत्र ७, रथ ७, अचला ७, पातस्पर्शः A
८	र	४१	१३	२३	४७	भर	३९	०५	१९	४४	शु	३३	४१	२०	४६	वि	११	४२	११	५९	०८	१८	०९	वृषे	२५।४९	१६	६	५	म. ११।५९ या., भीष्माष्टमी, कुंभे बुधः २१।१५
९	सो	४१	२९	२३	५३	कृति	३२	३४	२०	१९	ब्र	३०	४४	१९	३५	बा	११	०९	११	४५	१२	१७	१०	वृषे		१७	७	६	धनि. रवि. १०।१९ (सौरः १४।४०), (व) पुष्ये-३ शनिः २०।४१
१०	मं	४३	१५	२४	३५	रोहि	३५	३२	२१	२९	ऐ	२८	५९	१८	५२	तै	१२	११	१२	०९	१५	१७	११	वृषे		१८	८	७	[A १६।१९, मोक्षः २०।४८, वृषे भौमः ३०।३८, मार्गी शुक्रः ७।४५
११	बु	४६	२१	२५	४९	मृग	३९	४८	२३	११	वै	२८	१६	१८	३५	व	१४	४०	१३	०८	१९	१६	१२	मिथु.	१२।१७	१९	९	८	म. १३।०८ उ. २५।४९ या., जया ११ व्र.
१२	गु	५०	३४	२७	२९	आर्द्रा	४५	०९	२५	१९	वि	२८	२८	१८	३९	ब	१८	२१	१४	३६	२३	१५	१२	मिथु		२०	१०	९	भीष्मद्वादशी, शत. बुधः १४।३३
१३	शु	५५	३९	२९	३०	पुन	५१	२१	२७	४७	प्री	२९	२१	१८	५९	कौ	२३	०२	१६	२७	२६	१५	१३	कर्के	२१।०९	२१	११	१०	प्रदोषः, कल्पादि, बुधोदयः पश्चिमायाम् २३।१५
१४	श	…	…	…	…	पुष्य	५८	११	३०	३१	आ	३०	४८	१९	३३	ग	२८	२८	१८	३७	३०	१४	१४	कर्के		२२	१२	११	[C (सौरः २८।१४)
१४	र	१	२५	७	४७	श्ले	…	…	…	…	सौ	३२	४०	२०	१७	व	१	२५	७	४७	३४	१३	१५	कर्के		२३	१३	१२	म. ७।४७ उ. २१।०० या., पूर्णिमा व्रतं, कुंभे रविः २४।२२ C
१५	सो	७	३७	१०	१६	श्ले	५	३१	९	२५	शो	३४	४९	२१	०८	ब	७	३७	१०	१६	३७	१३	१५	सिंहे	९।२५	२४	१४	१३	पूर्णिमा पूर्ण्यं, माघ स्नान पूर्त्तिः

अयनांशाः २३।५५।२९
४३ पं. मा.शु. ३ बु. इष्टघटी ४०।२६
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	०	९	६	८	३	११	९
१८	२८	२३	२३	२१	१३	१३	१८
४९	३१	०३	२६	४७	४३	२१	३७
०९	२७	१७	२६	२७	४६	३४	१७
६०	२६	१०६	५	३	४	३	६१
५३	३५	०८	२५	२२	५४	११	०५
श्र	कृ	श्र	वि	पूषा	पु	उभा	श्र
३	१	४	२	३व	४व	४	३



जनवरी		रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं	मि.
३०	चं	९	१६	०४	०१	६०	५६	१७	४५	२७	५५	७	१७	६	२७	२७	२९	६	२०	५	१९
३१	मं	९	१७	०४	५७	६०	५५	१७	२८	२७	५८	७	१७	६	२८	२७	३१	६	१९	५	२०
१	बु	९	१८	०५	५२	६०	५४	१७	११	२८	००	७	१६	६	२८	२७	३४	६	१९	५	२१
२	गु	९	१९	०६	४६	६०	५३	१६	५४	२८	०२	७	१६	६	२९	२७	३७	६	१९	५	२१
३	शु	९	२०	०७	३९	६०	५२	१६	३७	२८	०४	७	१६	६	२९	२७	३९	६	१८	५	२२
४	श	९	२१	०८	३१	६०	५१	१६	१९	२८	०६	७	१५	६	३०	२७	४२	६	१८	५	२३
५	र	९	२२	०९	२१	६०	५०	१६	०१	२८	०८	७	१५	६	३०	२७	४५	६	१७	५	२३
६	चं	९	२३	१०	११	६०	४८	१५	४३	२८	११	७	१५	६	३१	२७	४७	६	१७	५	२४
७	मं	९	२४	१०	५९	६०	४७	१५	२४	२८	१३	७	१४	६	३१	२७	५०	६	१६	५	२४
८	बु	९	२५	११	४७	६०	४६	१५	०५	२८	१५	७	१४	६	३२	२७	५३	६	१६	५	२५
९	गु	९	२६	१२	३३	६०	४५	१४	४६	२८	१७	७	१४	६	३२	२७	५६	६	१५	५	२६
१०	शु	९	२७	१३	१७	६०	४३	१४	२७	२८	२०	७	१३	६	३३	२७	५९	६	१५	५	२६
११	श	९	२८	१४	००	६०	४२	१४	०७	२८	२२	७	१३	६	३३	२८	०१	६	१४	५	२७
१२	र	९	२९	१४	४३	६०	४१	१३	४८	२८	२५	७	१२	६	३४	२८	०४	६	१४	५	२७
१३	चं	१०	००	१५	२३	६०	३९	१३	२८	२८	२७	७	१२	६	३४	२८	०७	६	१३	५	२८

संक्रांति फलम्

ता. १२ फरवरी २००६
माघ शु. १४ रवौ कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २४।२२ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः [illegible]करणे प्रविष्टा [illegible]फलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं [illegible] कारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं [illegible]पात्रे अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं देव[illegible]जातिः पुन्नागपुष्पं फिरोजभूषणं [illegible] कंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. १५ [illegible]भावे महर्घता वत्सा पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १७।५८ से २४।२२ तक । (दान- गोड़ - अन्न) ।

अयनांशाः २३।५५।३०
४४ पं. मा.शु.११ बु. इष्टघटी ४०।३६
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	१	१०	६	८	३	११	९
२५	०१	०५	२४	२२	१३	१२	२५
५४	४२	३२	००	१५	०९	५९	४४
५८	२१	४०	५६	१३	५२	१८	२६
६०	२८	१०७	४	१३	४	३	६०
४५	०७	२४	१६	१६	४४	११	५६
ध	कृ	ध	वि	पूषा	पु	उभा	ध
१	२	४	२	३	३व	३.	१



॥ श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम् ॥

फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, १४ फरवरी से २७ फरवरी तक नवलगढ

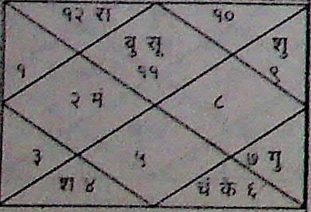
शिशिरर्त्तु रविरुत्तरे माघकृष्णेति महा., फरवरी २००६

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	
१	मं	१४	०७	१२	५१	मघा	१३	०५	१२	२६	अ	३७	१०	२२	०४	कौ	१४	०७	१२	५१	२७ / ४१	७ / १२	६ / १६	सिंहे	२५	१५	१४	
२	बु	२०	४४	१५	२९	पूफा	२०	४७	१५	३०	सु	३९	३१	२३	००	ग	२०	४४	१५	२९	४५	११	१७	कन्या २२।१६	२६	१६	१५	भ. २८।४७ उ.
३	गु	२७	१४	१८	०४	उफा	२८	२१	१८	३१	धृ	४१	४३	२३	५२	वि	२७	१४	१८	०४	४९	१०	१८	कन्या	२७	१७	१६	भ. १८।०४ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।०७, **B**
४	शु	३३	१३	२०	२७	हस्त	३५	२७	२१	२०	शू	४३	२९	२४	३३	व	०	२०	७	१७	५२	०९	१८	कन्या	२८	१८	१७	|B पूभा. बुधः ३१।००
५	श	३८	१८	२२	२८	चित्रा	४१	४१	२३	४९	गं	४४	३३	२४	५८	कौ	५	५५	९	३०	५६	०९	१९	तुला. १०।३८	२९	१९	१८	पातस्पर्शः १२।०२, मोक्षः १६।३०, सायन मीने भानुः २४।४३
६	र	४२	०२	२३	५७	स्वा	४६	३६	२५	४६	वृ	४४	३३	२४	५७	ग	१०	२३	११	१७	२८ / ००	०८	२०	तुला.	३०	२०	१९	भ. २३।५७ उ., शत. रविः १४।४८ (सौरः १८।१४)
७	सो	४४	०२	२४	४४	विशा	४९	५०	२७	०३	ध्रु	४३	१४	२४	२४	वि	१३	१७	१२	२६	०४	०७	२०	वृश्चि. २०।४८	१	२१	२०	भ. १२।२६ या., भा. फाल्गुनारंभः, उषा. शुक्रः ८।१०
८	मं	४४	०३	२४	४३	अनु	५१	०९	२७	३३	व्या	४०	२४	२३	१६	बा	१४	१९	१२	४९	०८	०६	२१	वृश्चि.	२	२२	२१	
९	बु	४१	५८	२३	५२	ज्ये	५०	२५	२७	१५	ह	३५	५६	२१	२७	तै	१३	१७	१२	२४	१२	०५	२२	धनु. २७।१५	३	२३	२२	रामदास ९
१०	गु	३७	५२	२२	१३	मूल	४७	४४	२६	१०	व	२९	५१	१९	०१	व	१०	१०	११	०८	१६	०४	२२	धनु.	४	२४	२३	भ. ११।०८ उ. २२।१३ या.
११	शु	३१	५८	१९	५१	पूषा	४३	१८	२४	२२	सि	२२	१८	१५	५८	व	५	०९	९	०७	२०	०३	२३	मक. २९।५०	५	२५	२४	विजया ११ व्र., मीने बुधः १७।१९
१२	श	२४	३४	१६	५२	उषा	३७	२९	२२	०२	व्य	१३	३०	१२	२६	तै	२४	३४	१६	५२	२४	०२	२४	मक.	६	२६	२५	प्रदोषः, रोहि. भौमः २०।११, मकरे शुक्रः १८।४८
१३	र	१६	०५	१३	२७	श्रव	३०	३९	११	१७	व	३ / ५३	४३ / १५	८ / २८	३० / १२	व	१६	०५	१३	२७	२८	०१	२४	कुंभे २९।४९	७	२७	२६	भ. १३।२७ उ. २३।३८ या., पंचक प्रारम्भः २९।४९, **A**
१४	सो	६	५५	९	४६	धनि	२३	१७	१६	१९	शि	४२	३२	२४	०१	श	६	५५	९	४६	३२	००	२५	कुंभे	८	२८	२७	देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा.
३०	सो	५७	२८	२९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	|A महाशिवरात्री व्रतम्

अयनांशाः २३।५५।३१
४५ पं. फा.कृ. २ बु. इष्टघटी ४०।४९
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	१	१०	६	८	३	११	१०
०२	०५	१७	२४	२४	१२	१२	०२
५९	०३	४९	२७	३०	३७	३७	५०
४५	१२	४८	०९	४९	३४	०३	२७
६०	२९	९९	३	२६	४	३	६०
३५	२५	३७	०३	५३	२६	११	४५
ध	कृ	श	वि	पूभा	पु	उभा	ध
३	३	४	२	४	३व	३	३



फरवरी		रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाइम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाइम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकत्ता रेल्वे-टाइम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१४	मं	१०	०१	१६	०२	६०	३८	१३	०७	२८	२९	७	११	६	३५	२८	१०	६	१२	५	२९
१५	बु	१०	०२	१६	४०	६०	३६	१२	४७	२८	३२	७	११	६	३५	२८	१३	६	१२	५	२९
१६	गु	१०	०३	१७	१६	६०	३५	१२	२६	२८	३४	७	१०	६	३६	२८	१६	६	११	५	३०
१७	शु	१०	०४	१७	५१	६०	३३	१२	०६	२८	३७	७	०९	६	३६	२८	१९	६	१०	५	३०
१८	श	१०	०५	१८	२५	६०	३२	११	४४	२८	३९	७	०९	६	३७	२८	२२	६	१०	५	३१
१९	र	१०	०६	१८	५७	६०	३०	११	२३	२८	४२	७	०८	६	३७	२८	२५	६	०९	५	३१
२०	चं	१०	०७	१९	२७	६०	२९	११	०२	२८	४४	७	०८	६	३७	२८	२८	६	०८	५	३२
२१	मं	१०	०८	१९	५६	६०	२७	१०	४०	२८	४७	७	०७	६	३८	२८	३१	६	०८	५	३२
२२	बु	१०	०९	२०	२३	६०	२६	१०	१९	२८	४९	७	०६	६	३८	२८	३४	६	०७	५	३३
२३	गु	१०	१०	२०	४८	६०	२४	९	५७	२८	५२	७	०६	६	३९	२८	३८	६	०६	५	३३
२४	शु	१०	११	२१	१२	६०	२२	९	३५	२८	५५	७	०५	६	३९	२८	४१	६	०५	५	३४
२५	श	१०	१२	२१	३४	६०	२०	९	१२	२८	५७	७	०४	६	३९	२८	४४	६	०५	५	३४
२६	र	१०	१३	२१	५५	६०	१९	८	५०	२९	००	७	०४	६	४०	२८	४७	६	०४	५	३५
२७	चं	१०	१४	२२	१३	६०	१७	८	२८	२९	०२	७	०३	६	४०	२८	५०	६	०३	५	३५

मास फलम्

फाल्गुन में पांच मंगलवार होने से सुभिक्ष हो लेकिन कृष्णा षष्टी को स्वाति होने से दुर्भिक्ष हो। धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महंगे हों। फाल्गुन शुक्ला दशमी को आर्द्रा होने से अवर्षण हो। पूर्णिमा पूर्वाफाल्गुनी युक्त होने से समर्घता हो। पूर्वाभाद्रपद में बुध होने से कहीं दुर्भिक्ष हो और कहीं क्षेम तथा आरोग्यता हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो।

अयनांशाः २३।५५।३२
४६ पं. फा.कृ. ९ बु. इष्टघटी ४१।०४
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	१	१०	६	८	३	११	१०
१०	०८	२८	२४	२८	१२	१२	०९
०३	३२	०८	४४	१२	०७	१४	५५
२०	२३	५०	४०	०१	४५	४७	११
६०	३०	६७	१	३७	४	३	६०
२४	२९	०८	४६	२०	०१	११	३४
श	कृ	पूभा	वि	उषा	पु	उभा	श
२	४	३	२	१	३व	३	१



फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२७, २८ फरवरी से १४ मार्च तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | वसंतर्तु 'विरुत्तरे ऽहर्गणः ५०७७, फरवरी-मार्च २००६

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	टि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	मं	४८	१५	२६	१७	शत	१५	४८	१३	१९	सि	३१	५२	१९	४४	किं	२२	४९	१६	०७	२८ ३६	६ ५९	६ २६	मीने २९।०८	९	२९	२८	[C मार्च ३ ता. ३१
२	बु	३९	३६	२२	४९	पूभा	८	४०	१०	२६	सा	२१	३६	१५	३६	वा	१३	५१	१२	३१	४०	५८	२६	मीने	१०	३०	१	चंद्रदर्शनम् (मु.४५), फुलरिया २, श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती, C
३	गु	३१	५८	१९	४४	उभा	२ ५६	१७ ५९	७ २९	५२ ४५	शु	१२	०१	११	४६	तै	५	४०	९	१३	४४	५७	२७	मेषे २९।४५	११	१	२	भ. ३०।२३ उ., पंचक समाप्तिः २९।४५, सफर २, पातस्पर्शः E
४	शु	२५	३६	१७	११	अश्वि	५३	१०	२८	१२	शु	३ ५५	२५ ५९	८ २९	१८ २०	वि	२५	३६	१७	११	४८	५६	२७	मेषे	१२	२	३	भ. १७।११ या., वक्री बुधः ११।२९ [E १४।४२, मोक्षः १८।१४
५	श	२०	५१	१५	१६	भर	५१	०४	२७	२१	ऐ	४९	५९	२६	५५	बा	२०	५५	१५	१६	५२	५५	२८	मेषे	१३	३	४	याज्ञवल्क्य जयंती, पूभा. रविः २१।०५ (सौरः २३।४६)
६	र	१७	५५	१४	०४	कृति	५०	४८	२७	१४	वै	४५	२९	२५	०६	तै	१७	५५	१४	०४	५६	५४	२९	वृषे ९।१५	१४	४	५	वक्री गुरुः १०।५९
७	सो	१६	५६	१३	४०	रोहि	५२	२७	२७	५२	वि	४२	३२	२३	५४	व	१६	५६	१३	४०	२९ ००	५३	२९	वृषे	१५	५	६	भ. १३।४० उ. २५।४४ या., बुधास्तः पश्चिमायाम् ८।३९
८	मं	१७	५१	१४	०१	मृग	५५	५५	२९	१४	प्री	४१	०३	२३	१७	ब	१७	५१	१४	०१	०४	५२	३०	मिथु. १६।२८	१६	६	७	होलाष्टक
९	बु	२०	३६	१५	०६	आर्द्रा	...	...	...	...	आ	४०	५२	२३	१२	कौ	२०	३६	१५	०६	०८	५१	३०	मिथु.	१७	७	८	[B भद्रा के पहिले भद्रा के बाद, श्रव. शुक्रः १६।१४
१०	गु	२४	५३	१६	४७	आर्द्रा	१	०१	७	१४	सौ	४१	४६	२३	३२	ग	२४	५३	१६	४७	१२	५०	३१	कर्के २७।०५	१८	८	९	भ. २९।४८ उ., (व) कुंभे बुधः १४।२३
११	शु	३०	१७	१८	५६	पुन	७	१९	९	४४	शो	४३	२८	२४	१२	वि	३०	१७	१८	५६	१६	४९	३१	कर्के	१९	९	१०	भ. १८।५६ या., आमलकी ११ व्र., बिड़कुला-ढाल थापणा B
१२	श	३६	२७	२१	२३	पुष्य	१४	२८	१२	३५	अ	४५	३९	२५	०४	ब	३	२०	८	०८	२१	४८	३२	कर्के	२०	१०	११	मेला श्रीश्यामजी (खाटु)
१३	र	४२	५९	२३	५८	श्ले	२२	०३	१५	३६	सु	४८	०४	२६	००	कौ	९	४३	१०	४०	२५	४७	३३	सिंहे १५।३६	२१	११	१२	प्रदोषः [A भद्रा के बाद, होलिका दहनं, करिदिन, मीने D
१४	सो	४९	२९	२६	३३	मघा	२९	४६	१८	४०	धृ	५०	३०	२६	५८	ग	१६	१७	१३	१६	२९	४६	३३	सिंहे	२२	१२	१३	भ. २६।३३ उ. [D रविः २१।११ (सौरः २३।२५)
१५	मं	५५	४९	२९	०४	पूफा	३७	२०	२१	४०	शू	५२	४६	२७	५१	वि	२२	४३	१५	५०	३३	४५	३४	कन्या २८।२४	२३	१३	१४	भ. १५।५० या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, जेलपोणी A

अयनांशाः २३।५५।३३
४७ पं. फा.शु. २ बु. इष्टघटी ४१।२१
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सोर
१०	१	११	६	९	३	११	१०
१७	१२	०३	२४	०२	११	११	१६
०५	०८	०२	५३	५८	४१	५२	५८
३५	३५	३०	०९	१०	१२	३२	२७
६०	३१	४	०	४५	३	३	६०
१२	२३	४८	२८	११	२९	११	२०
श	रो	पूभा	वि	उभा	पु	उभा	श
४	१	४	२	२	३व	३	४



फरवरी रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	दि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२८ मं	१०	१५	२२	३०	६०	१५	८	०५	२९	०५	७	०२	६	४०	२८	५३	६	०२	५	३६
१ बु	१०	१६	२२	४६	६०	१४	७	४२	२९	०८	७	०२	६	४१	२८	५६	६	०१	५	३६
२ गु	१०	१७	२२	५९	६०	१२	७	१९	२९	१०	७	०१	६	४१	२९	००	६	०१	५	३६
३ शु	१०	१८	२३	११	६०	१०	६	५६	२९	१३	७	००	६	४१	२९	०३	६	००	५	३७
४ श	१०	१९	२३	२१	६०	०८	६	३३	२९	१६	७	००	६	४२	२९	०६	५	५९	५	३७
५ र	१०	२०	२३	२९	६०	०६	६	१०	२९	१८	६	५९	६	४२	२९	०९	५	५८	५	३८
६ चं	१०	२१	२३	३५	६०	०४	५	४७	२९	२१	६	५८	६	४२	२९	१२	५	५७	५	३८
७ मं	१०	२२	२३	४०	६०	०३	५	२४	२९	२३	६	५७	६	४३	२९	१६	५	५६	५	३९
८ बु	१०	२३	२३	४२	६०	०१	५	०१	२९	२६	६	५६	६	४३	२९	१९	५	५५	५	३९
९ गु	१०	२४	२३	४३	५९	५९	४	३७	२९	२९	६	५६	६	४३	२९	२२	५	५५	५	३९
१० शु	१०	२५	२३	४१	५९	५७	४	१४	२९	३२	६	५५	६	४३	२९	२५	५	५४	५	४०
११ श	१०	२६	२३	३८	५९	५५	३	५०	२९	३४	६	५४	६	४४	२९	२९	५	५३	५	४०
१२ र	१०	२७	२३	३३	५९	५३	३	२७	२९	३७	६	५३	६	४४	२९	३२	५	५२	५	४१
१३ चं	१०	२८	२३	२६	५९	५१	३	०३	२९	४०	६	५२	६	४४	२९	३५	५	५१	५	४१
१४ मं	१०	२९	२३	१७	५९	४९	२	३९	२९	४२	६	५२	६	४१	२९	३८	५	५०	५	४१

संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २००६
फा. शु. १५ भौमे मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २१।११ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) २१।११ से २७।३५ तक । (दान- भूमि माला) ।

अयनांशाः २३।५५।३४
४८ पं. फा.शु. ९ बु. इष्टघटी ४१।३९
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सोर
१०	१	११	६	९	३	११	१०
२४	१५	००	२४	०८	११	११	२४
०६	५०	३१	५२	३२	१८	३०	००
२२	४०	०४	२६	५५	३६	१६	०८
५९	३२	५०	०	५१	२	३	६०
५९	०९	१६	५१	०२	५२	११	०६
पूभा	रो	पूभा	वि	उभा	पु	उभा	पूभा
२	२	४व	२व	४	३व	३	२



॥ श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम् ॥

चैत्र कृष्णपक्ष संवत २०६२, शाकः १९२७, १५ मार्च से २९ मार्च तक नवलगढ चंद्रः																												तारीख			वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति महा., मार्च २००६
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.				भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	बु	...	...	...	...	उफा	४४	३३	२४	३३	गं	५४	४४	२८	३७	बा	२८	५१	१८	१६	२९ ३७	६ ४३	६ ३४	कन्या				२४	१४	१५	वसन्त १, छारेंडी देशाचारे, करिदिन, पातस्पर्शः २४।१५, मोक्षः २८।२६
१	गु	१	४६	७	२५	हस्त	५१	१६	२७	१३	वृ	५६	१६	२९	१३	कौ	१	४६	७	२५	४१	४२	३५	कन्या				२५	१५	१६	[A मन्वादि, पूभा. बुधः २०।३८
२	शु	७	०५	९	३१	चित्रा	५७	१५	२९	३५	ध्रु	५७	१४	२९	३५	ग	७	०५	९	३१	४५	४१	३५	तुला. १६।२७				२६	१६	१७	भ. २२।२७ उ., कल्पादि, उभा. रविः २९।३०
३	श	११	३३	११	१७	स्वा	...	...	...	...	व्या	५७	२७	२९	३९	वि	११	३३	११	१७	४९	४०	३६	तुला.				२७	१७	१८	भ. ११।१७ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।४४, उभा. सौरः ७।३८
४	र	१४	५८	१२	३८	स्वा	२	१९	७	३५	ह	५६	४१	२९	११	बा	१४	५८	१२	३८	५४	३९	३६	वृश्चि. २६।४५				२८	१८	१९	[C सू.उ. से २२।४४ तक
५	सो	१७	०४	१३	२७	विशा	६	०७	९	०५	व	५४	४९	२८	३३	तै	१७	०४	१३	२७	५८	३८	३७	वृश्चि.				२९	१९	२०	सायन मेषे भानुः २३।३८, बुधोदयः पूर्वस्याम् ९।३१
६	मं	१७	३९	१३	४०	अनु	८	२९	१०	०१	सि	५१	४३	२७	१८	व	१७	३९	१३	४०	३० ०२	३७	३७	वृश्चि.				३०	२०	२१	भ. १३।४० उ. २५।३२ या., (व) शत. बुधः १८।२८
७	बु	१६	३६	१३	१४	ज्ये	९	१७	१०	१८	व्य	४७	१८	२५	३१	ब	१६	३६	१३	१४	०६	३६	३८	धनु. १०।१८				१	२१	२२	भा. चैत्रारंभः, मृगे भौमः १७।०३
८	गु	१३	५३	१२	०८	मूल	८	२७	९	५७	व	४१	३५	२३	१३	कौ	१३	५३	१२	०८	१०	३४	३९	धनु.				२	२२	२३	शीतला पूजनं
९	शु	९	३४	१०	२३	पूषा	६	०३	८	५९	प	३४	४०	२०	२५	ग	९	३४	१०	२३	१४	३३	३९	मक. १४।३८				३	२३	२४	भ. २१।१८ उ., धनि. शुक्रः २३।२४
१०	श	३	५०	८	०४	उषा	२ ५७	१३ ०८	७ २९	२५ २३	शि	२६	३८	१७	१२	वि	३	५०	८	०४	१८	३२	४०	मक.				४	२४	२५	भ. ८।०४ या., पापमोचनी ११ व्र.स्मार्त, मार्गी बुधः २९।१३
११	श	५६	५१	२९	१७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०				०	०	०	[B योग २६।५९ से सू.उ. तक
१२	र	४९	०१	२६	०७	धनि	५१	११	२६	५९	सि	१७	४५	१३	३७	कौ	२३	०३	१५	४४	२२	३१	४०	कुंभे १६।१४				५	२५	२६	पंचक प्रारम्भः १६।१४, पापमोचनी ११ व्र.वैष्ण., वारुणी B
१३	सो	४०	३४	२२	४४	शत	४४	४०	२४	२२	सा	८ ५८	१२ १४	९ २३	४७ ४८	ग	१४	५२	१२	२७	२७	३०	४१	कुंभे				६	२६	२७	भ. २२।४४ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., वारुणी योग C
१४	मं	३१	५५	१९	१५	पूभा	३७	५६	२१	३९	शु	४८	१४	२५	४६	वि	६	१६	८	५९	३१	२९	४१	मीने १६।२०				७	२७	२८	भ. ८।५९ या., पातस्पर्शः १५।३०, मोक्षः १८।५१
३०	बु	२३	२२	१५	४८	उभा	३१	२४	१९	०१	ब्र	३८	२६	२१	५०	ना	२३	२२	१५	४८	३५	२८	४२	मीने				८	२८	२९	सूर्यग्रहणम, देवपितृकार्येऽमा., केतकी अहर्गणः ५१०६, चक्र ६, A

अयनांशाः २३।५५।३५
४९ पं. चै.कृ. १ बु. इष्टघटी ४१।५८
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

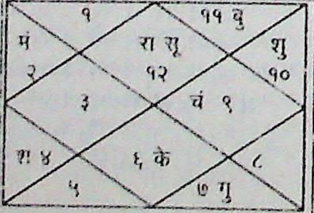
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	१	१०	६	९	३	११	११
०१	१९	२३	२४	१४	११	११	०१
०५	३७	५६	४२	४३	००	०८	००
३६	४३	४४	३०	५९	३०	०१	०६
५९	३२	५२	२	५५	२	३	५९
४६	४८	४९	१०	२५	१२	११	५१
पूभा	रो	पूभा	त्रि	श्र	पु	उभा	पूभा
४	३	२व	२व	२	३व	३	४



मार्च रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकत्ता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१५	बु	११	००	२३	०६	५९	४७	२	१६	२९	४५	६	५१	६	४५	२९	४२	५	४९	५	४२
१६	गु	११	०१	२२	५३	५९	४५	१	५२	२९	४८	६	५०	६	४५	२९	४५	५	४८	५	४२
१७	शु	११	०२	२२	३८	५९	४३	१	२८	२९	५०	६	४९	६	४५	२९	४८	५	४७	५	४२
१८	श	११	०३	२२	२२	५९	४१	१	०४	२९	५३	६	४८	६	४६	२९	५१	५	४६	५	४३
१९	र	११	०४	२२	०३	५९	३९	०	४१	२९	५६	६	४८	६	४६	२९	५५	५	४५	५	४३
२०	चं	११	०५	२१	४२	५९	३७	०	१७	२९	५८	६	४७	६	४६	२९	५८	५	४४	५	४४
२१	मं	११	०६	२१	१९	५९	३५	०	०७+	३०	०१	६	४६	६	४६	३०	०१	५	४३	५	४४
२२	बु	११	०७	२०	५४	५९	३३	०	३०	३०	०४	६	४५	६	४७	३०	०५	५	४२	५	४४
२३	गु	११	०८	२०	२७	५९	३१	०	५४	३०	०६	६	४४	६	४७	३०	०८	५	४१	५	४५
२४	शु	११	०९	१९	५८	५९	२९	१	१८	३०	०९	६	४३	६	४७	३०	११	५	४१	५	४५
२५	श	११	१०	१९	२७	५९	२७	१	४१	३०	१२	६	४३	६	४७	३०	१४	५	४०	५	४५
२६	र	११	११	१८	५४	५९	२५	२	०५	३०	१५	६	४२	६	४८	३०	१८	५	३९	५	४६
२७	चं	११	१२	१८	१९	५९	२३	२	२८	३०	१७	६	४१	६	४८	३०	२१	५	३८	५	४६
२८	मं	११	१३	१७	४१	५९	२१	२	५२	३०	२०	६	४०	६	४८	३०	२४	५	३७	५	४६
२९	बु	११	१४	१७	०२	५९	१९	३	१५	३०	२३	६	३९	६	४८	३०	२७	५	३६	५	४७

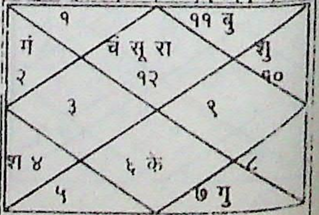
अयनांशाः २३।५५।३७
५० पं. चै.कृ. ७ बु. इष्टघटी ४२।१८
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	१	१०	६	९	३	११	११
०८	२३	१९	२४	२१	१०	१०	०७
०३	२८	३४	२३	२२	४७	४५	५८
१४	५७	०८	३६	२२	१७	४६	१८
५९	३३	१३	३	५८	१	३	५९
३२	२०	४६	२५	४४	२८	११	३६
उभा	मृ	श	वि	श्र	पु	उभा	उभा
२	१	४व	२व	४	३व	३	२



अयनांशाः २३।५५।३८
५१ पं. चै.कृ.३० बु. इष्टघटी ४२।३७
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	१	१०	६	९	३	११	११
१४	२७	२०	२३	२८	१०	१०	१४
५९	२३	०२	५६	२१	३९	२३	५४
१२	४६	०९	१२	२९	१५	३०	३८
५९	३३	२५	४	६१	०	३	५९
१७	४८	२४	३४	१६	४३	११	१९
उभा	मृ	पूभा	चि	घ	पु	उभा	उभा
४	२	१	२व	२	३व	३	४



नवलगढ दैनिक लग्नसारणी से नीचे नगरों में लग्नप्रवेश बनाने के लिए संस्कार कोष्ठक (मिनिटों में)

नगरों के नाम	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
अमृतसर (पंजा.)	- २	- ६	- ८	- ७	- ४	+ ०	+ ५	+ ८	+ १०	+ ९	+ ६	+ २
अजमेर (राज.)	+ ३	+ ४	+ ४	+ ४	+ ३	+ २	+ १	- १	- १	- १	+ ०	+ १
अहमदाबाद (गुज.)	+ १४	+ १८	+ २०	+ १९	+ १६	+ ११	+ ७	+ ३	+ १	+ २	+ ५	+ ९
आकोला (महा.)	- २	+ ४	+ ७	+ ५	+ ०	- ७	- १३	- २०	- २३	- २१	- १६	- ९
आगरा (उ.प्र.)	- ११	- १०	- १०	- १०	- १०	- ११	- १२	- १२	- १२	- १२	- १२	- ११
इंदौर (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ८	+ ७	+ ३	- २	- ७	- ११	- १४	- १३	- ९	- ४
उज्जैन (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ७	+ ६	+ ३	- २	- ६	- १०	- १२	- ११	- ८	- ३
उदयपुर (राज.)	+ ८	+ ११	+ १२	+ १२	+ ९	+ ६	+ ३	+ ०	- १	- १	+ २	+ ५
कोलकाता (बंगा.)	- ४९	- ४५	- ४२	- ४३	- ४७	- ५२	- ५७	- ६२	- ६४	- ६३	- ५९	- ५४
कानपुर (उ.प्र.)	- २०	- १९	- १८	- १८	- १९	- २०	- २२	- २३	- २४	- २३	- २२	- २१
काठमाण्डु (नेपा.)	- ३९	- ३८	- ३८	- ३८	- ३९	- ४०	- ४१	- ४२	- ४३	- ४२	- ४२	- ४१
कोल्हापुर (महा.)	+ १२	+ २१	+ २६	+ २४	+ १६	+ ५	- ५	- १४	- १९	- १७	- ९	+ १
गौहाटी (आसा)	- ६५	- ६४	- ६३	- ६३	- ६५	- ६६	- ६८	- ६९	- ७०	- ७०	- ६८	- ६७
चंढीगढ (पंजा.)	- १०	- १२	- १४	- १३	- ११	- ८	- ५	- २	- ०	- १	- ३	- ७
चित्तौडगढ (राज.)	+ ४	+ ६	+ ८	+ ७	+ ५	+ २	- १	- ३	- ५	- ४	- २	+ १
चिन्नई (तमि.)	- ९	+ ३	+ ९	+ ६	- ४	- १८	- ३१	- ४३	- ५०	- ४७	- ३६	- २३
जयपुर (राज.)	- २	- १	- १	- १	- २	- ३	- ३	- ४	- ५	- ४	- ४	- ३
जौधपुर (राज.)	+ १२	+ १३	+ १४	+ १४	+ १२	+ ११	+ ९	+ ८	+ ७	+ ७	+ ८	+ १०
डिब्रुगढ (आसा)	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ८०	- ८०	- ८०	- ८०	- ७९
दरभंगा (विहा.)	- ४२	- ४०	- ३९	- ४०	- ४१	- ४३	- ४४	- ४६	- ४६	- ४६	- ४५	- ४३
दिल्ली	- ९	- १०	- १०	- १०	- ९	- ९	- ८	- ७	- ६	- ७	- ७	- ८
नागपुर (महा.)	- ११	- ५	- २	- ४	- ८	- १५	- २१	- २७	- ३०	- २९	- २४	- १७
पटना (विहा.)	- ३९	- ३७	- ३६	- ३६	- ३८	- ४०	- ४२	- ४४	- ४५	- ४५	- ४३	- ४१
पूना (महा.)	+ १२	+ २०	+ २४	+ २२	+ १५	+ ७	- २	- १०	- १४	- १२	- ६	+ ३
वडौदा (गुज.)	+ १२	+ १७	+ २०	+ १९	+ १४	+ ९	+ ३	- २	- ५	- ३	+ १	+ ६
बीकानेर (राज.)	+ ७	+ ६	+ ६	+ ६	+ ७	+ ७	+ ८	+ ८	+ ८	+ ८	+ ८	+ ७
वैंगलोर (कर्ना.)	+ १	+ १३	+ १९	+ १७	+ ६	- ७	- २१	- ३३	- ३९	- ३६	- २६	- १३
भागलपुर (विहा.)	- ४५	- ४३	- ४२	- ४२	- ४४	- ४७	- ५०	- ५२	- ५३	- ५२	- ५१	- ४८
भुवनेश्वर (उडी.)	- ३७	- ३१	- २८	- २९	- ३५	- ४२	- ४९	- ५५	- ५८	- ५७	- ५१	- ४५
भोपाल (म.प्र.)	- ५	- १	+ १	- ०	३	- ८	- १२	- १६	- १८	१८	- १४	- १०
मुम्बई (महा.)	+ १६	+ २३	+ २७	+ २५	+ १९	+ ११	+ २	- ५	- ९	- ७	- १	+ ७
वाराणसी (उ.प्र.)	- ३०	- २७	- २६	- २७	- २९	- ३१	- ३३	- ३६	- ३७	- ३६	- ३४	- ३२
सोलापुर (महा.)	+ ४	+ १३	+ १७	+ १५	+ ८	- १	- ११	- १९	- २४	- २२	- १५	- ५
श्रीनगर (ज.क)	- ५	- ११	- १४	- १३	- ८	- १	+ ६	+ १३	+ १६	+ १५	+ ९	+ २
हैदराबाद (आं.प्र)	- ६	+ ३	+ ८	+ ६	- २	- १२	- २२	- ३०	- ३५	- ३३	- २५	- १६

॥ संवत् २०६३ ॥ संस्कार कोष्ठक ज्ञानायः- पञ्चाङ्गस्थ नवलगढ (राज.) की दैनिक लग्न प्रवेश सारणी से उपर लिखे नगरों का प्रवेश व समाप्ति काल संस्कार कोष्ठक की सहायता से किसी भी दिन का स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं।

उदाहरण - १ मई २००६ को चिन्नई (तमि.) में मेष लग्न का प्रवेश और समाप्ति काल ज्ञात करना है। पंचांग में १ मई २००६ को मेष का प्रवेश काल प्रातः घंटा ५ मिनट ०४ और समाप्ति काल दिवा घंटा ६ मिनट ४० लिखा हुआ है। संस्कार कोष्ठक में चिन्नई (तमि.) के मेष में - ९ मि. और वृष में + ३ मि. है (वृष का प्रवेश काल ही मेष का समाप्ति काल है)। अतः मेष के प्रवेश प्रातः ५।०४ में - ९ मि. का संस्कार किया (यदि - हो तो घटा दें और + हो तो जोड दें) तो चिन्नई (तमि.) का स्पष्ट प्रवेश काल प्रातः ४।५५ हो गया मेष के समाप्ति काल दिवा घंटा ६ मिनट ४० में + ३ मि. का संस्कार किया तो मेष का समाप्ति काल दिवा ६।४३ स्पष्ट हो गया। ऐसे ही संस्कार कोष्ठक में लिखे हुए ३५ नगरों मे से किसी भी नगर का कोई भी लग्न स्पष्ट ज्ञात कर सकते है।

रेल्वे मध्यान्तर निकालने की विधि -

जिस गांव का रेल्वे मध्यान्तर निकालना हो उस गांव का एटलस (भारत के नकसे) से रेखांश प्राप्त करे उस रेखांश में से ८२।३० अंश घटाकर शेष को ४ से गुणा करें गुणन फल उस नगर का मध्यम रेल्वेंतर मिनट धन होगा। उदाहरण - कोलकाता का रेखांश ८८।३० रेखांश धन है इसमें से ८२।३० घटाया (८८।३०-८२।३०) = शेष + ६ अंशो को ४ से गुणा किया + ६ X ४ = २४ यही कोलकाता का २४ मिनिट धन मध्यम रेल्वेंतर हुआ।

यदि अभीष्ट स्थान के रेखांश ८२।३० रेखांश से कम हों तो ८२।३० में से अभीष्ट नगर के रेखांश घटाकर शेष को ४ से गुणा करने से अभीष्ट नगर का ऋण रेल्वे मध्यान्तर होगा। उदा० - मुम्बई के रेखांश ७२।४८ है इसको ८२।३० में से घटाया शेष ९।४२ रहा इनको ४ से गुणा किया तो गुणनफल ३८।४८ मिनिट मुम्बई का मध्यम रेल्वेन्तर हुआ।

रेल्वे मध्यान्तर को स्फुट रेल्वेन्तर जानने की विधि

जिस तारीख का स्फुट रेल्वेंतर जानना हो तो उस तारीख का अंक्षाशादि सारणी के पेज में लिखे वेलान्तर मिनिटों को व्यस्त चिन्ह (ऋण धन का चिन्ह-बदल कर) संस्कार करने से स्फुट रेल्वेन्तर उस तारीख का होगा जैसे तारीख १४ जनवरी को वेलान्तर + ९।२० मिनिट धन है इसको व्यस्त चिन्ह धन को ऋण चिन्ह - किया तो हुआ -९।२० यह कोलकाता का +२४ में वैजिकरीत्या संस्कार किया तो + २४।० - ९।२० = + १४।४० ता० १५ जनवरी को स्फुट रेल्वेन्तर हुआ ऐसे ही मुम्बई -३८।४८ संस्कार किया तो वैजिकरीत्या (योगे युतिः स्यात्क्षययोः स्वयोर्वा) के अनुसार -३८।४८ - ९।२० का जोड किया तो ४८।०८ मुम्बई में स्फुट रेल्वेंतर मिनिट ऋण हुये उनको रेल्वे टाइम में धन ऋण करने से स्थानिक स्फुट टाइम हुई।

ले. पं. ग्यारसीलाल शर्मा, विल्ले पारले, मुम्बई

संवत् २०६३, दिनमान एवं सूर्योदयास्त जानने की सरल विधि

जिस नगर का दिनमान जानना चाहे उस नगर का अक्षांश पंचांग से या एटलस (भारत के नकसे से) प्राप्त करें उसके पश्चात पंचांग मे लिखी दैनिक रवि क्रान्ति और अंक्षाश की सहायता से चर सारणी से अभीष्ट दिन की चरपल प्राप्त करें। चर पलों को दुगुना करके घटी ३०।०० में रवि क्रान्ति उत्तर (धन) हो तो जोड दे और रवि क्रान्ति दक्षिण (ऋण) हो तो ३०।० घटी में से घटा दे दिनमान घटी पल होगा। दिनमान की घटी पलों मे ५ का भाग देने से सूर्य घटी (देशी) सूर्यास्त का घंटा मिनट होगा। देशी सूर्यास्त के घंटा मिनटों को १२ में से घटा देने से देशी सूर्योदय का घंटा मिनट होगा। इसमें रेल्वे मध्यांतर मिनट तथा वेलान्तर संस्कार करने से रेलवे टाइम का सूर्योदय एवं सूर्यास्त का घण्टा मिनिटात्मक काल होगा।

दिनमान = ३० + (चरपल X २)

स्टैण्डर्ड सूर्यास्त = दिनमान ÷ ५ + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

स्टैण्डर्ड सूर्योदय = १२ − (दिनमान ÷ ५) + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

उदाहरण - संवत २०६३, तारीख १ फरवरी २००७ को चिन्नई (तमि.) अक्षांशः १३ ४' उ., रेखांशः ८०°१२' पू. का स्पष्ट दिनमान एवं स्टैण्डर्ड सूर्योदय/सूर्यास्त गणित द्वारा ज्ञात करना है। १ फरवरी २००७ को पञ्चाङ्गस्थ रवि क्रान्ति अंश कलादि (ऋण) -१७।१५ है यहाँ अक्षांश और रवि क्रान्ति की सहायता से चरपल संस्कार सारणी से -४१ पल प्राप्त हुई. इनको २ से गुणा किया (-८२ = ४१ X २) पल ६० से ज्यादा है अतः ६० का भाग दिया तो घट्यादि -१।२२ हुआ यहाँ रवि क्रान्ति दक्षिण है अतः घटी ३० में से घटा दिया (३०।० - १।२२) तो घट्यात्मक २८।३८ दिनमान हुआ। इसमें ५ का भाग दिया लब्धि घटादि ५ घंटा ४३ मिनट ३६ से. देशी सूर्यास्त टाइम हुई इसको १२ में से घटा दिया तो ६ घंटा १६ मिनट २४ से. देशी सूर्योदय समय हो गया इसमे रेल्वेऽन्तर सरकार के लिए - चिन्नई (तमि.) का रेखांश ८२।३० से कम है. अतः ((८२।३० - ८०।१२) X ४) रेल्वे मध्यान्तर मिनट (ऋण) -९ सेकण्ड १२ का व्यस्तचिन्ह (ऋण हो तो धन और धन हो तो ऋण) करके सूर्योदय/सूर्यास्त मे जोड दिया तो ६।२५।३६ सूर्योदय और ५।५२।४८ सूर्यास्त चिन्नई (तमि.) का मध्यम मान से हुआ। इसमें तारीख १ फरवरी २००७ को वेलान्तर मिनट +१३ सेकण्ड ३० को धनर्ण करने से स्टैण्डर्ड (रेल्वे) ६।३९।०६ सूर्योदय और ६।०६।१८ सूर्यास्त (अर्धादिक रूप से सूर्योदय ६ बजकर ३९ मिनट और सूर्यास्त ६ बजकर ०६ मिनट) समय स्पष्ट हो गया। इस तरह भारत के किसी भी गांव का ज्ञान कीजिये।

रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे, ॥ अथ मास तारीखोपरि वेलान्तरम् ॥ मिनट-सेकण्ड, ई.सन् २००६

ता.	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर
	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.
१	+ ३।२०	+१३।३२	+१२।२९	+ ४।०४	- २।४९	- २।१५	+ ३।४५	+ ६।२१	+ ०।०९	-१०।११	-१६।२५	-११।११
२	+ ३।४८	+१३।४०	+१२।१७	+ ३।४७	- २।५६	- २।०६	+ ३।५६	+ ६।१७	- ०।१०	-१०।३०	-१६।२६	-१०।४९
३	+ ४।१६	+१३।४७	+१२।०५	+ ३।२९	- ३।०३	- १।५७	+ ४।०७	+ ६।१३	- ०।२९	-१०।४९	-१६।२७	-१०।२६
४	+ ४।४३	+१३।५३	+११।५२	+ ३।११	- ३।०९	- १।४७	+ ४।१८	+ ६।०८	- ०।४९	-११।०८	-१६।२७	-१०।०२
५	+ ५।११	+१३।५९	+११।३९	+ २।५४	- ३।१४	- १।३६	+ ४।२९	+ ६।०२	- १।०९	-११।२६	-१६।२६	- ९।३८
६	+ ५।३७	+१४।०३	+११।२५	+ २।३७	- ३।१९	- १।२६	+ ४।३९	+ ५।५६	- १।२९	-११।४४	-१६।२४	- ९।१३
७	+ ६।०४	+१४।०७	+११।११	+ २।२०	- ३।२४	- १।१५	+ ४।४९	+ ५।४९	- १।४९	-१२।०२	-१६।२२	- ८।४७
८	+ ६।३०	+१४।१०	+१०।५७	+ २।०३	- ३।२८	- १।०४	+ ४।५९	+ ५।४२	- २।१०	-१२।१९	-१६।१८	- ८।२१
९	+ ६।५५	+१४।१३	+१०।४२	+ १।४६	- ३।३१	- ०।५२	+ ५।०८	+ ५।३४	- २।३०	-१२।३६	-१६।१४	- ७।५५
१०	+ ७।२०	+१४।१४	+१०।२७	+ १।३०	- ३।३४	- ०।४०	+ ५।१७	+ ५।२५	- २।५१	-१२।५२	-१६।०९	- ७।२८
११	+ ७।४४	+१४।१५	+१०।१२	+ १।१४	- ३।३६	- ०।२८	+ ५।२५	+ ५।१६	- ३।१२	-१३।०८	-१६।०३	- ७।०१
१२	+ ८।०८	+१४।१५	+ ९।५६	+ ०।५८	- ३।३८	- ०।१६	+ ५।३३	+ ५।०७	- ३।३३	-१३।२४	-१५।५६	- ६।३३
१३	+ ८।३१	+१४।१४	+ ९।४०	+ ०।४२	- ३।३९	- ०।०४	+ ५।४१	+ ४।५६	- ३।५४	-१३।३९	-१५।४८	- ६।०५
१४	+ ८।५३	+१४।१३	+ ९।२४	+ ०।२७	- ३।३९	+ ०।०९	+ ५।४८	+ ४।४६	- ४।१६	-१३।५३	-१५।४०	- ५।३७
१५	+ ९।१५	+१४।१०	+ ९।०७	+ ०।१२	- ३।३९	+ ०।२१	+ ५।५४	+ ४।३४	- ४।३७	-१४।०७	-१५।३१	- ५।०८
१६	+ ९।३६	+१४।०८	+ ८।५०	- ०।०२	- ३।३८	+ ०।३४	+ ६।००	+ ४।२२	- ४।५८	-१४।२०	-१५।२०	४।३९
१७	+ ९।५६	+१४।०४	+ ८।३३	- ०।१६	- ३।३७	+ ०।४७	+ ६।०६	+ ४।१०	- ५।२०	-१४।३३	-१५।०९	- ४।१०
१८	+१०।१६	+१३।५९	+ ८।१६	- ०।३०	- ३।३५	+ १।००	+ ६।११	+ ३।५७	- ५।४१	-१४।४५	-१४।५८	- ३।४१
१९	+१०।३५	+१३।५४	+ ७।५८	- ०।४४	- ३।३३	+ १।१३	+ ६।१५	+ ३।४४	- ६।०३	-१४।५७	-१४।४५	- ३।११
२०	+१०।५३	+१३।४९	+ ७।४१	- ०।५७	- ३।३०	+ १।२६	+ ६।१९	+ ३।३०	- ६।२४	-१५।०८	-१४।३१	- २।४१
२१	+११।११	+१३।४२	+ ७।२३	- १।०९	- ३।२६	+ १।३९	+ ६।२३	+ ३।१५	- ६।४५	-१५।१८	-१४।१७	- २।१२
२२	+११।२८	+१३।३५	+ ७।०५	- १।२१	- ३।२२	+ १।५२	+ ६।२५	+ ३।००	- ७।०७	-१५।२७	-१४।०२	- १।४२
२३	+११।४४	+१३।२७	+ ६।४७	- १।३३	- ३।१८	+ २।०५	+ ६।२८	+ २।४५	- ७।२८	-१५।३६	-१३।४६	- १।१२
२४	+११।५९	+१३।१९	+ ६।२९	- १।४४	- ३।१३	+ २।१८	+ ६।२९	+ २।२९	- ७।४९	-१५।४५	-१३।२९	- ०।४२
२५	+१२।१३	+१३।१०	+ ६।११	- १।५५	- ३।०७	+ २।३१	+ ६।३०	+ २।१३	- ८।१०	-१५।५२	-१३।१२	- ०।१२
२६	+१२।२७	+१३।००	+ ५।५३	- २।०५	- ३।०१	+ २।४४	+ ६।३१	+ १।५७	- ८।३०	-१५।५९	-१२।५३	+ ०।१८
२७	+१२।४०	+१२।५०	+ ५।३५	- २।१५	- २।५५	+ २।५६	+ ६।३१	+ १।४०	- ८।५१	-१६।०५	-१२।३४	+ ०।४७
२८	+१२।५२	+१२।४०	+ ५।१७	- २।२४	- २।४८	+ ३।०९	+ ६।३०	+ १।२२	- ९।११	-१६।११	-१२।१५	+ १।१७
२९	+१३।०३	. . .	+ ४।५८	- २।३३	- २।४०	+ ३।२१	+ ६।२८	+ १।०५	- ९।३१	-१६।१५	-११।५४	+ १।४६
३०	+१३।१३	. . .	+ ४।४०	- २।४१	- २।३२	+ ३।३३	+ ६।२७	+ ०।४६	- ९।५१	-१६।१९	-११।३३	+ २।१५
३१	+१३।२३	. . .	+ ४।२२	. . .	- २।२४	. . .	+ ६।२४	+ ०।२८	. . .	-१६।२२	. . .	+ २।४४

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् । वासरमणिरिव तमसां राशीन्नाशयति विघ्नानाम् ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०७, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१०७ भोग्यकलिः ४२६८९३ अथास्मिन संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्यराज्येतो गताब्दाः संवत् २०६३ शाकः १९२८ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा गुरुः, मंत्री गुरुः, सस्येशो रविः, धान्येशः शुक्रः, मेघेशो गुरुः, रसेशो भौमः, नीरसेशो रविः, फलेशो बुधः, धनेशः शनिः, दुर्गेशो बुधः, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादि षष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णु विंशतिकायां १३ विकारीनाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि १०।२८।२४।५८ भोग्य मासादि १।१।३५।२ पिता दैवतं युगम् । वर्षनाम चैत्र । चतुर्मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासो पर्वते । समय निवासो कुंभकारगृहे । समय विश्वा १० । समय वाहनं चातकः । स्तंभ २ जल तृण । सोमवत्यमा. २ । सोमवती पंचमी १ । अंगारकी चतुर्थी २ । भानु सप्तमी १ । बुधाष्टमी २ । रविदशमी ३ । समय मुहूर्तानि ४०५ । समय दिनानि ३५५ । तिथि क्षयः १४ । तिथि वृद्धिः ९ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ८७ । स्वपति विश्वा ११४ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा १२३ । स्वपति विश्वा ८७ । वर्षा विश्वा ९ । धान्यम् ५ । तृणम् १५ । शीतम् १५ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । (क्षुधा ११ । तृष्णा १७ । निद्रा ३ । आलस्य १३ । उद्यम ११ । शान्ति ९ । क्रोध ११ । दण्ड १३ । मैत्री ३ । उत्सव १५ । पाप १५ । पुण्य ११ । उग्रत्व १७ । रसोत्पत्तिः १५ । फलोत्पत्तिः १९ । व्याधि १७ । व्याधिनाश १३ । आचार ११ । अनाचार १५ । मृत्यु ११ । जन्म ०९ । चौर ७ । उपशमन ११ । अग्निभय १७ । अग्निशमः ९ ।) सत्यम् ।।, धर्म १।। पाप १८ । ऐक्यम् १०९ । शनि दृष्टिः दक्षिणस्याम । ग्रहणं २ चन्द्रमंसः, १ सूर्यस्य । उद्रिजः ५ । जरायुजः ३ । पिण्डजः १५ । स्वदेजः १३ ।

अथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजागुरुरतत्फलम् - गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले कामदुघाश्वधेनवः । यजन्तिविप्रा बहवोऽग्निहोत्रिणो महोत्सवः सर्वजनेषु वर्तते ॥ मंत्रीगुरुस्तत्फलम् - विविधधान्ययुतास्वलुमेदिनीप्रचरतोयघनामुदिता भवेत् । नृपतयो जलपालनतत्परः सुरगुरौ ननुमंत्रिसमागते ॥ सस्येशोरविस्तत्फलम् - सस्याधिनाथे तरणौ हि पूर्वं धान्यं समर्घं बहवोपि चौराः । युद्धं नृपाणां जलदा जलाढ्याः स्वल्पं च सस्यं बहुभूतहाश्च ॥ धान्येशः शुक्ररतत्फलम् - भृगौपश्चिमधान्येशे पश्चाद्धान्यं न पश्यति । सस्यंसमर्घतांयातिस्वल्पंक्षीरंगवामपि ॥ मेघेशोगुरुस्तत्फलम् - गुरुरपिप्रियवृष्टिकरः सदास्विलविलासवतीधरणीतदा । श्रुतिविचारपरानरपालकाररससमृद्धियुतास्विलमानवाः ॥ रसेशोभौमस्ततफलम् - यदिधरातनयो रसपोभवेन्नरसराशियुता जनता शुभा । नरपतिर्विषमोजनतापदोनजलदोबहुवृष्टिकरोभुवि ॥ नीरसेशोरविस्तत्फलम् - नीरसाधिपतांसूर्येताम्रचन्दनयोरपि । रत्नमाणिक्यमुक्तादेरर्घवृद्धिः प्रजायते ॥ फलेशोबुधरतत्फलम् - यदिबुधेफलपेफलमुत्तमंजलधराजलराशिमुचस्तदा । बहुतृणंकुसुमैः कमलैर्युतंजनपदोजनसौस्यमुदान्वितः ॥ धनेशः शनिरतत्फलम् - द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणीपतयः सदा । अगनिका वणिजः कृषिजीविनो द्विजवराः परिपीडितमानसाः ॥ दुर्गेशोबुधस्तत्फलम् - विषयसाम्यसुस्वं शशिजे प्रभौ भवति राशिगते तु विशेषतः । राशिसुते यदि कोटकपालके पथिषु द्रव्ययुजां न भयं क्वचित ॥ विकारी नामास्त्यः संवत्सरः प्रवर्तते तत्फलम् - विकार्यब्देस्विलालोकाः सरोगावृष्टिपीड़िताः । पूर्वसस्यफलंस्वल्पंबहुलंचापरंफलम् ॥ वर्षनाम चैत्र तत्फलम् - सरयानिघृतकापास तैलादिसुस्वसंचयः । चैत्रवर्षेभवेद्वृद्धिर्नृपसौस्यफलप्रदा ॥ चतुर्मेघनाम पुष्करस्तत्फलम् - पुष्फरेमंदवृष्टिश्च । रोहिणी निवासो पर्वते तत्फलम् - पवर्ते बिन्दुमात्रश्च । समय निवासो कुभकारगृहे तत्फलम् - कुंभकारगृहे वासो तद्वर्षे मध्यमं फलम् ॥ अपिच - अनावृष्टि प्रजापतौ । एवं संचिंत्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

भाद्रपद शुक्ला १५ गुरुवार, संवत् २०६३, प.ग्रा. .१८ ता. ७ सितंबर २००६, खण्डग्रासं **चन्द्रग्रहणम्**

	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
नवलगढ घ.	४३	४५	४७	३
स्थानिक प.	१८	११	०४	४५
रेल्वे घं.	२३	२४	२५	१
टाईम मि.	३४	१९	०४	३०

इस ग्रहण का सूतक स्टै १४।३४ बजे से प्रारम्भ होगा ।

फाल्गुन शुक्ला १५ शनिवार, संवत् २०६३, ता. ३ मार्च २००७, खग्रासं **चन्द्रग्रहणम्**, परमग्रास १.२३

	स्पर्श	सम्मी	मध्य	उन्मी	मोक्ष	पर्व
नवलगढ घ.	५०	५३	५४	५६	५९	९
स्थानिक प.	११	१७	४८	१९	२५	१४
रेल्वे घं.	२७	२८	२८	२९	३०	३
टाईम मि.	०१	१५	५२	२८	४३	४२

इस ग्रहण का सूतक स्टै १८।०१ बजे से प्रारम्भ होगा ।
नोट- ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोडकर भोजनादि निषेध है ।

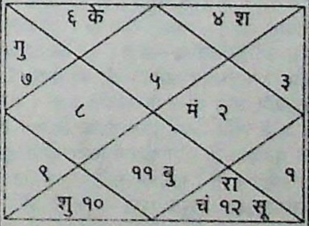
चैत्रकृष्णा ३० चन्द्रवासरे, संवत् २०६३, ता.१९ मार्च २००७, ग्रस्तोदयं खण्डग्रासं **सूर्यग्रहणम्** (सू.उ.६।३९)

स्थल	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
नवलगढ घटी-प.	५९।००	१।०३	३।१४	३।१४
रेल्वेटाईम घं.-मि	३०।१५	७।०५	७।५७	१।१८

इस ग्रहण का सूतक पूर्वदिन सायँ स्टै ६।१५ बजे से प्रारम्भ होगा ।

पञ्चाङ्ग गणित कर्ताः
श्री.श्री १०८ पं. ईश्वरदत्त शर्मणोऽनुग्रहीत शिष्यः
पं. ग्यारसी लाल शर्मा (शास्त्री),
५८, राम कुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड़,
विलेपार्ले (पूर्व) मुम्बई ४०० ०५७,
दूरध्वनि क्र.: ८३७ २७८३

वर्ष लग्नम् ४।०६



वर्षेश लग्नम् ११।१९



लाभ स्वर्च कोष्ठक

	अष्टोत्तरी मतेन		विंशोत्तरी मतेन	
राशि	लाभ	स्वर्च	लाभ	स्वर्च
मेष	११	५	१४	२
वृष	५	१४	८	११
मिथुन	८	११	१४	८
कर्क	२	११	८	५
सिंह	५	५	११	२
कन्या	८	११	१४	८
तुला	५	१४	८	११
वृश्चिक	११	५	१४	२
धनु	१४	११	११	८
मकर	२	८	५	११
कुंभ	२	८	५	११
मीन	१४	११	११	८

।। ग्रहयोगाद्वर्ष फलम् ।। संवत् २०६३

ग्रहयोग देखता वर्षफल उत्तम होगा । इस वर्ष मे राजा और मंत्री और मेघेश गुरु है । धान्येश शुक्र हैं । धनेश शनि है । सस्येश और नीरसेश रवि हैं । रसेश मंगल है । फलेश और दुर्गेश बुध है । इस ग्रहमंडल की विधानसभा मे ६ स्थान सौम्यग्रहो को प्राप्त हुए हैं और ४ स्थान उग्रग्रहो को उपलब्ध हुए है अतः वर्षफल उत्तम होगा । **चैत्र** - वर्षलग्न सिंह होने से दक्षिण में दाहभय, धान्य मे समर्घता और छः मास तक महाधन की प्राप्ति हो । पश्चिम ने धातु की वस्तु और फल महँगे हो, उत्तर मे महावृष्टि और राजा प्रजा मे सुख हो । पूर्व में आधी उपज हो, आगे पांच मास मे कल्याण हो, मध्य देश में ५ मास राजयुद्ध रहे । **वैशाख** - राजनीति मे क्लेश हो, प्राणियो के धातुओ (वसा, रक्त, मांस, मेधा, अस्थि, मज्जा और शुक्र) की हानि हो । पूर्वभाद्रपदा मे स्थित शुक्र जुआडी लोग, कुरु तथा पञ्जाब देश में स्थित जनो को पीडित और वृष्टि करता है । गुरु उदय से प्रजा मे सुखो की वृद्धि और सुभिक्ष हो, काश्मीरी चन्दन तथा फलादि महँगे हों । श्रृंगार की वस्तुएं महगी हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल मे उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोडे (अश्व) पीडित हो । उ.भा. का शुक्र मूलो को पीडित करता है । जौ गेहूँ मे रोग हो, ईख, दूध, रस और घी अदि सस्ते हो । हाथियो को पीडा हो । अपिच- रेवती मे स्थित शुक्र पथिको (यात्रियो) को पीडित करता है । **ज्येष्ठ** - सुभिक्ष हो, जौ, तिल, उडद कपास, सूत महँगे हो । वृहस्पति और शुक्र सप्तममस्थ अनावृष्टि कारक है । ब्राह्मण जाति मे विरोध हो । अश्वपालक को पीडित हो । वुधोदय और आर्द्रास्थ से वर्षा अधिक हो ! मासांत मे गेहूँ तिल उडद सस्ते हो, ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह हो, तुष धान्य महँगे हो ।

आषाढ - बालको को पीड़ा हो, कपास सूत मंदा हो । सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओ के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों । सरसो उडद कम हों और सब धान्य उत्पन्न हो, अतिवृष्टि हो, नदियो मे बहुत बाढ आवे । आश्लेषा पर मंगल होने से बहुत वर्षा से धान्य नाश हो, दुर्भिक्ष हो और सांपो का भय अधिक हो । शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग हो । आश्लेषा नक्षत्र मे स्थित शनैश्चर जल में उत्पन्न प्राणियो और सर्पो को पीडित करता है । बुध के अस्त होने से अनावृष्टि और चौर भय हो । मासांत मे धान्य और रस (मधुर आदि) की महर्घता हो ।

श्रावण - अनावृष्टि हो, उडद मूंग तिलो और अन्य धान्य के भाव तेज हों । कपास सूत मंदा हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग हो । कर्क में शनि अस्त होने से यात्री गण दुःखी हों, शत्रुओं का भय हो कपास और धान्यादि भावो मे महर्घता हो हो । संसार कही भी कोई प्राकृतिक आपदा हो, अश्मक और विदर्भ देश मे अनय (उपद्रव) हो । पूर्वाफाल्गुनी पर मंगल होने से अल्प वर्षा हो और तेल के मूल्य में वृद्धि हो । **भाद्रपद** - शुक्र पुष्य नक्षत्र में होने से महावृष्टि तथा विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो । कर्क राशि मे बुध का अस्त, आश्लेषा का शुक्र, कर्कस्थ शनि का उदय, उत्तरा फाल्गुनी का मंगल और मघा का बुध ये सब अनावृष्टि कारक है । लोगों को सर्पो से अत्यन्त पीडा हो, चौपायों में पीड़ा हो, घोडों का मूल्य बढे । धान्य की हानि हो, क्षेत्र के बटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । मघा नक्षत्र को शुक्र के भेदन करने से हस्तिपति पीडित हों और अतिवृष्टि हो । उडद मूंग कम उत्पन्न हो । प्राणियों के धातुओं (वसा, रक्त, मांस, मेधा, अस्थि, मज्जा और शुक्र) की हानि हो । **आश्विन** - पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र को शुक्र के भेदन करने से शबर-पुलिन्द जन पीडित हो और अतिवृष्टि हो । तुष धान्य उत्तम हो, घृत गुड नमक और स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) महंगे हो । कुरु देश में निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पपोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जाबस्थ जन पीड़ित हों तथा वृष्टि हो । गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग, वैद्य (डाक्टर), सूत्रधार (नटादिक), कौरव और चित्रकार पीड़ित हो । मेघों की गर्जना के साथ वर्षा हो । चावल तथा गेहूँ महँगे हो । **कार्तिक** - कुआँ बनाने वालो को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो । दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमे उपद्रव हो । धातुओं के भाव तेज हो । सिंह राशि का शनि होने से हाथी घोड़े बैलों को हानि हो, युद्ध दुर्भिक्ष और रोगों से लोग पीड़ित रहें । समुद्र के मार्ग के देशों में भंग हो म्लेच्छों से लोगों को दुःख हो । धान्य भाव अच्छा हो राजाओ को धन सुख मिले उनका प्रताप फैले । मघा नक्षत्र मे स्थित शनैश्चर बाह्लीक, चीन, गान्धार, शूलिक और पारत देश में रहने वाले मनुष्य, वैश्य, कोष्ठागार, वणिक्, किरात इनको पीडित करता है । तुष धान्य की महँगाई हो, सुन्दर वृष्टि हो, वाणिज्य कर्म करने वाले प्रभावित हों । वृश्चिक का बृहस्पति होने से कार्तिक वर्ष होता है इसमें सोम नाम का मेघ वर्षता है । खण्ड वर्षा होती है और खेतियां कम पैदा होती है तथा भय अधिक होता है । भाद्रपद आश्विन कार्तिक इन तीनों में महँगाई होती है । सोना, चांदी, कांसी, तांबा, तिल, घी, श्रीफल, गुड़, कपास, लवण और सफेद वस्त्र यह महँगे हो । भैंस, बैल, घोड़े यह मध्य प्रदेश मे सस्ते हो और म्लेच्छ लोगों में पीड़ा हो तथा बड़े उत्पात हो । देशभंग अल्पवृष्टि तथा स्त्रियों को दुःख हो । मरु देश तथा नागपुर की प्रजा क्लेशों में आकुल हो ।

मार्गशीर्ष - कपास और गेहूँ का भाव महँगा हो ! भूकंप तथा युद्धादि हों । क्षत्रियों में परस्पर विरोध हो । शुक्रोदय होने से बहुत वर्षा हो धान्य कम होने से दुर्भिक्ष, सुभिक्ष हो । वृश्चिक में वृहस्पति के उदय होने से दुर्भिक्ष हो । मंगशिर मे बृहस्पति उदय होने से धान्य का विदेशों में बहुत निर्यात हो । अनुराधा मे गुरु उदय होने से प्रजा यज्ञकर्म में प्रवृत्त हो तथा सब धान्यों की वृद्धि हो । **पौष** - सुभिक्ष हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि), ईख, शाली, धातु के मुल्य में वृद्धि हो । प्रधान वैद्य (डाक्टर) पीड़ित हों, अनावृष्टि हो । वृश्चिक राशि में मंगल का उदय होने से चोर तथा अग्नि का भय हो संदेहात्मक राजनीति और अन्न की उत्पत्ति हो । व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । धान्य मन्दा हो । क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । **माघ** - कर्णपीड़ा हो, तुष धान्य महँगा हो । अन्न की उत्पत्ति हो, वर्षा का अभाव, राजाओं में दारुण रण हो । गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य मे बर्फ (ओले) गिरने का भय हो । मकर राशि में बुध का उदय होने से पृथ्वी धान्य तथा रस से पूर्ण हो । जल बहुत हो, गायें दूध कम दें, पृथ्वी अन्न से पूरित हो । शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो । शतभिषा नक्षत्र में स्थित शुक्र शौण्डिकों (मद्यविक्रेता - कलवारों) को पीड़ित करता है । व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल मे उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । **फाल्गुन** - सुभिक्ष हो, जुआड़ी लोग पीड़ित हों, वृष्टि हो, शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो । हवा बहुत चले और हिम (ठंढ) से वृक्ष जल जायँ । उत्तरा भाद्रपद में स्थित शुक्र फल-मूलों और रस वाले पदार्थों को पीड़ित करता है । रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है । धान्योत्पत्ति कम हो । **चैत्र** - सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुखी हो । जौ, तिल, उड़द कम हों, अश्वपालक पीड़ित हों, रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई के भाव मंदे हों, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । चन्द्र-ग्रहण के पन्द्रह रोज बाद सूर्य-ग्रहण होने से प्रजाओं में अनीति और स्त्री-पुरुषों में द्वेष उत्पन्न हो । आगे गो प्रजा भाग्य प्रबल है ।

लाभ - खर्च देखने की विधि और फल - जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-खर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

॥ संवत् २०६३ मध्ये उपनयनादि मुहूर्ताः ॥

अथ उपनयन मुहूर्त्ताः

सन२००६	बैशाख मासः
मई ७	शु.१० रवौ पू.फा. अभिजिति
मई ८	शु.११ चंद्रे पू.फा. ल. ३
	ज्येष्ठ मासः
मई १४	कृ.१ रवौ अनु. अभिजिति (मासान्तः स्टै. १२।१६ उप.)
मई १७	कृ.४ वुधे पू. षा. ल. ४।५ (कर्के भौ.१२ दो., सिंह १२ श. दो.)
मई २८	शु.१ रवौ मृगे अभिजिति
मई २९	शु.२ चंद्रे आर्द्रा. अभिजिति
जून ७	शु.११ वुधे चित्रा. ल. ४
	आषाढ मासः
जून १६	कृ.५ शुक्रे धनिष्ठा. अभिजिति
सन२००७	माघ मासः
जन. २८	शु.१० रवौ रोहिण्यां अभिजिति
जन. २९	शु.११ चंद्रे मृगेऽभिजिति
जन. २९	शु.११ चंद्रे मृगे अभिजिति
फर. १	शु.१४ गुरौ पुष्ये ल. ११
	फाल्गुन मासः
फर. ५	कृ.३ चंद्रे उ.फा. लग्नाऽभावः
फर. ७	कृ.५ बुधे हस्ते ल. ११।१२।२
	चैत्र कृष्णपक्षः
मार्च ८	कृ.४ गुरौ स्वात्यां ल. ५ (श. १२ दो., स्टै.१८।०० या.)

अथ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः

सन२००६	बैशाख मासः
अप्रै. १४	कृ.१ शुक्रे चित्रा. ल. २।३
अप्रै. १४	कृ.१ शुक्रे स्वा. अभिजिति
अप्रै. १५	कृ.२ शनि.स्वा. अभिजिति
मई ११	शु.१३ गुरौ चित्रा अभिजिति
	ज्येष्ठमासः
जून ७	शु.११ वुधे चित्रा. ल. ३
जून ८	शु.१२ गुरौ स्वा. अभिजिति
	भाद्रपद मासः
अग. १०	कृ.१ गुरौ धनि. अभिजिति
अग १०	कृ.१ गुरौ शत. ल. ९ (सू.वु.शु.श. ८ दो.)
सितं. ४	शु.११ चंद्रे उ.षा. ल. ९ (श.८दो.)
सितं. ६	शु.१३ वुधे धनि. ल. ६।९ (ति.दो.)

वृषचक्र रहिताः गेहारंभ (भूमिपूजन) मुहूर्त्ताः

सन२००६	बैशाख मासः
अप्रै. २०	कृ.७ गुरौ उ.षा. ल. ६
अप्रै. २४	कृ.११ चंद्रे शत. ल. २
	श्रावण मासः
जुला. २१	कृ.११ शुक्रे रोहि. अभिजिति
	भाद्रपद मासः
अग. १२	कृ.३ शनौ उ.भा. अभिजिति
	पोष मासः
दिसं. १४	कृ.९ गुरौ हस्तेभिजिति
सन२००७	फाल्गुन मासः
फर. ९	कृ.७ शुक्रे स्वात्यां ल. ३
फर. २१	शु.४ बुधे रेवत्यां ल. २।३ (वृषे स्टै.११।३९ उप.,मिथु.८ भौ.दो.)

अथ नूतन गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००६	बैशाख मासः
मई ११	शु.१३ गुरौ चित्रा. ल. २।३
	ज्येष्ठ मासः
जून ७	शु.११ बुधे चित्रा. ल. ३
सन२००७	माघ मासः
जन. २४	शु.६ बुधे उ.भा. ल. ११
जन. २४	शु.६ बुधे रेवत्यां ल. १२।२
जन. २९	शु.११ चंद्रे मृगे अभिजिति

कुंभचक्र रहिताः नूतन गृहप्रवेश मुहूर्त्ताः

सन२००६	बैशाख मासः
अप्रै. १४	कृ.११ शुक्रे चित्रा. ल. २।३
अप्रै. २०	कृ.७ गुरौ उ.षा. ल. ५ (स्टै. १५।१२ उप.,श.१२ दो.)
अप्रै. २१	कृ.८ शुक्रे उ.षा. अभिजिति
	ज्येष्ठ मासः
मई १८	कृ.५ गुरौ उ.षा. अभिजिति
सन२००७	फाल्गुन मासः
फर. २१	शु.४ वुधे रेवत्यां ल. २।३ (ल. २ स्टै. ११।३९ उप.)

अथ जीर्ण गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००६	बैशाख मासः
अप्रै. २४	कृ.११ चंद्रे शत. ल. २
	ज्येष्ठ मासः
जून ८	शु.१२ गुरौ स्वात्यां अभिजिति

कुंभचक्र रहिता जीर्ण गृहप्रवेश मुहूर्त्ताः

सन२००६	बैशाख मासः
अप्रै. १४	कृ.१ शुक्रे स्वात्यां अभिजिति
अप्रै. १५	कृ.२ शनौ स्वात्यां अभिजिति
	ज्येष्ठ मासः
मई २०	कृ.८ शनौ धनि. अभिजिति
	श्रावण मासः
जुला. १३	कृ.३ गुरौ धनि. अभिजिति
सन्२००७	फाल्गुन मासः
फर. ९	कृ.७ शुक्रे स्वात्यां ल. ३

अथ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः

सन२००६	बैशाख मासः
अप्रै. १५	कृ.२ शनौ स्वात्यां अभिजिति
अप्रै. २०	कृ.७ गुरौ उ.षा. ल. ६
अप्रै. ३०	शु.३ रवौ रोहि. अभिजिति
मई ३	शु.६ बुधे पुन. ल. २।३
मई ११	शु.१३ गुरौ चित्रा ल. २।३
	ज्येष्ठ मासः
मई १४	कृ.१ रवौ अनु. अभि. (मासान्तः)
मई १८	कृ.५ गुरौ उ.षा. अभिजिति
मई २८	शु.१ रवौ मृगे अभिजिति
जून ७	शु.११ बुधे चित्रा. ल. ३
	आषाढ मासः
जून १६	कृ.५ शुक्रे धनि. अभिजिति
जुला. ५	शु.९ बुधे स्वात्यां ल. ६ (स्टै. ११।५३ उप.)
जुला. ६	शु.१० गुरौ स्वात्यां अभिजिति
	श्रावण मासः
जुला.१२	कृ.१ बुधे श्रवणे ल. ६
जुला.१३	कृ.३ गुरौ धनि. अभिजिति
सन२००७	माघ मासः
जन. २०	शु.१ शनौ श्रवणे अभिजिति
जन. २४	शु.६ बुधे रेवत्यां ल. १२ (स्टै. १०।११ उप.)
जन. २८	शु.१० रवौ रोहि. अभिजिति
जन. २९	शु.११ चंद्रे मृगे अभि.
जन. ३१	शु.१३ बुधे पुन. ल. १२ (स्टै. १०।३१ या.)
	फाल्गुन मासः
फर. ७	कृ.५ बुधे हस्ते ल. १२
फर. ९	कृ.७ शुक्रे स्वात्यां ल. ३
फर. २१	शु.४ बुधे रेवत्यां ल. २।३ (वृषः स्टै. ११।३९ उप.)
	चैत्र कृष्णपक्षः
मार्च ५	कृ.१ चंद्रे उ.फा. अभिजिति

॥ ग्रहयोगाद्वर्ष फलम् ॥ संवत् २०६३

ग्रहयोग देखता वर्षफल उत्तम होगा । इस वर्ष मे राजा और मंत्री और मेघेश गुरु है । धान्येश शुक्र है । धनेश शनि है । सस्येश और नीरसेश रवि है । रसेश मंगल है । फलेश और दुर्गेश बु. है । इस ग्रहमंडल की विधानसभा मे ६ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए है और ४ स्थान उग्रहों को उपलब्ध हुए है अतः वर्षफल उत्तम होगा । **चैत्र** - वर्षलग्न सिंह होने से दक्षिण में दाढभय, धान्य मे समर्घता और छः मास तक महाधन की प्राप्ति हो । पश्चिम ने धातु की वस्तु और फल महँगे हो, उत्तर मे महावृष्टि और राजा प्रजा मे सुख हो । पूर्व मे आधी उपज हो, आगे पांच मास मे कल्याण हो, मध्य देश में ५ मास राजयुद्ध रहे । **वैशाख** - राजनीति में क्लेश हो, प्राणियो के धातुओ (वसा, रक्त, मांस, मेधा, अस्थि, मज्जा और शुक्र) की हानि हो । पूर्वभाद्रपदा मे स्थित शुक्र जुआडी लोग, कुरु तथा पञ्जाब देश मे स्थित जनो को पीडित और वृष्टि करता है । गुरु उदय से प्रजा मे सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, काश्मीरी चन्दन तथा फलादि महँगे हों । श्रृंगार की वस्तुए महंगी हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घाडे (अश्व) पीडित हो । उ.भा. का शुक्र मूलों को पीड़ित करता है । जौ गहूँ मे रोग हो, ईख, दूध, रस और घी अदि सस्ते हो । हाथियों को पीडा हो । अपिच- रेवती मे स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियो) को पीडित करता है । **ज्येष्ठ** - सुभिक्ष हो, जौ, तिल, उडद कपास, सूत महँगे हो । बृहस्पति और शुक्र सप्तमस्थ अनावृष्टि कारक है । ब्राह्मण जाति मे विरोध हो । अश्वपालक को पीडित हो । बुधोदय और आर्द्रास्थ से वर्षा अधिक हो । मासांत मे गहूँ तिल उडद सस्ते हो, ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह हो, तुष धान्य महँगे हो ।

आषाढ - बालको को पीडा हो, कपास सूत मंदा हो । सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों । सरसो उड़द कम हों और सब धान्य उत्पन्न हों, अतिवृष्टि हो, नदियों मे बहुत बाढ आवे । आश्लेषा पर मंगल होने से बहुत वर्षा से धान्य नाश हो, दुर्भिक्ष हो और सॉपो का भय अधिक हो । शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग हो । आश्लेषा नक्षत्र मे स्थित शनैश्चर जल मे उत्पन्न प्राणियों और सर्पो को पीडित करता है । बुध के अस्त होने से अनावृष्टि और चौर भय हो । मासांत में धान्य और रस (मधुर आदि) की महर्घता हो ।

श्रावण - अनावृष्टि हो, उड़द मूंग तिलो और अन्य धान्य के भाव तेज हों । कपास सूत मंदा हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग हो । कर्क मे शनि अस्त होने से यात्री गण दुःखी हों, शत्रुओं का भय हो कपास और धान्यादि भावों मे महर्घता हो हो । संसार कही भी कोई प्राकृतिक आपदा हो, अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो । पूर्वाफाल्गुनी पर मंगल होने से अल्प वर्षा हो और तेल के मूल्य मे वृद्धि हो । **भाद्रपद** - शुक्र पुष्य नक्षत्र में होने से महावृष्टि तथा विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो । कर्क राशि में बुध का अस्त, आश्लेषा का शुक्र, कर्कस्थ शनि का उदय, उत्तरा फाल्गुनी का मंगल और मघा का बुध ये सब अनावृष्टि कारक है । लोगो को सर्पो से अत्यन्त पीडा हो, चौपायों में पीडा हो, घोडों का मूल्य बढे । धान्य की हानि हो, क्षेत्र के बंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । मघा नक्षत्र को शुक्र के भेदन करने से हस्तिपति पीडित हों और अतिवृष्टि हो । उड़द मूंग कम उत्पन्न हो । प्राणियों के धातुओं (वसा, रक्त, मांस, मेधा, अस्थि, मज्जा और शुक्र) की हानि हो । **आश्विन** - पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र को शुक्र के भेदन करने से शबर-पुलिन्द जन पीडित हों और अतिवृष्टि हो । तुष धान्य उत्तम हो, घृत गुड़ नमक और स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) महंगे हो । कुरु देश में निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जाबस्थ जन पीड़ित हों तथा वृष्टि हो । गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग, वैद्य (डाक्टर), सूत्रधार (नटादिक), कौरव और चित्रकार पीड़ित हो । मेघों की गर्जना के साथ वर्षा हो । चावल तथा गेहूँ महँगे हों । **कार्तिक** - कुओं बनाने वालो को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो । दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो । धातुओं के भाव तेज हों । सिंह राशि का शनि होने से हाथी घोड़े बैलों को हानि हो, युद्ध दुर्भिक्ष और रोगों से लोग पीडित रहें । समुद्र के मार्ग के देशों में भंग हो म्लेच्छों से लोगों को दुःख हो । धान्य भाव अच्छा हो राजाओ को धन सुख मिले उनका प्रताप फैले । मघा नक्षत्र में स्थित शनैश्चर बाह्लीक, चीन, गान्धार, शूलिक और पारत देश में रहने वाले मनुष्य, वैश्य, कोष्ठागार, वणिक्, किरात इनको पीडित करता है । तुष धान्य की महँगाई हो, सुन्दर वृष्टि हो, वाणिज्य कर्म करने वाले प्रभावित हों । वृश्चिक का बृहस्पति होने से कार्तिक वर्ष होता है इसमें सोम नाम का मेघ वर्षता है । खण्ड वर्षा होती है और खेतियां कम पैदा होती है तथा भय अधिक होता है । भाद्रपद आश्विन कार्तिक इन तीनों में महंगाई होती है । सोना, चांदी, कांसी, तांबा, तिल, घी, श्रीफल, गुड़, कपास, लवण और सफेद वस्त्र यह महँगे हो । भैंस, बैल, घोड़े यह मध्य प्रदेश मे सस्ते हो और म्लेच्छ लोगों में पीड़ा हो तथा बड़े उत्पात हो । देशभंग अल्पवृष्टि तथा स्त्रियों को दुःख हो । मरु देश तथा नागपुर की प्रजा क्लेशों में आकुल हो ।

मार्गशीर्ष - कपास और गेहूँ का भाव महँगा हो ! भूकंप तथा युद्धादि हों । क्षत्रियों में परस्पर विरोध हो । शुक्रोदय होने से बहुत वर्षा हो धान्य कम होने से दुर्भिक्ष, सुभिक्ष हो । वृश्चिक में बृहस्पति के उदय होने से दुर्भिक्ष हो । मंगशिर में बृहस्पति उदय होने से धान्य का विदेशों में बहुत निर्यात हो । अनुराधा में गुरु उदय होने से प्रजा यज्ञकर्म में प्रवृत्त हों तथा सब धान्यों की वृद्धि हो । **पौष** - सुभिक्ष हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि), ईख, शाली, धातु के मुल्य में वृद्धि हो । प्रधान वैद्य (डाक्टर) पीड़ित हों, अनावृष्टि हो । वृश्चिक राशि में मंगल का उदय होने से चोर तथा अग्नि का भय हो संदेहात्मक राजनीति और अन्न की उत्पत्ति हो । व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । धान्य नन्दा हो । क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । **माघ** - कर्णपीड़ा हो, तुष धान्य महँगा हो । अन्न की उत्पत्ति हो, वर्षा का अभाव, राजाओं में दारुण रण हो । गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य मे वर्फ (ओले) गिरने का भय हो । मकर राशि में बुध का उदय होने से पृथ्वी धान्य तथा रस से पूर्ण हो । जल बहुत हो, गायें दूध कम दें, पृथ्वी अन्न से पूरित हो । शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो । शतभिषा नक्षत्र में स्थित शुक्र शौण्डिकों (मद्यविक्रेता - कलवारों) को पीड़ित करता है । व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । **फाल्गुन** - सुभिक्ष हो, जुआड़ी लोग पीड़ित हों, वृष्टि हो, शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो । हवा बहुत चले और हिम (ठंढ) से वृक्ष जल जायें । उत्तरा भाद्रपद में स्थित शुक्र फल-मूलों और रस वाले पदार्थों को पीड़ित करता है । रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है । धान्योत्पत्ति कम हो । **चैत्र** - सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुखी हो । जौ, तिल, उड़द कम हों, अश्वपालक पीड़ित हों, रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई के भाव मंदे हों, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । चन्द्र-ग्रहण के पन्द्रह रोज बाद सूर्य-ग्रहण होने से प्रजाओं में अनीति और स्त्री-पुरुषों में द्वेष उत्पन्न हो । आगे गो प्रजा भाग्य प्रबल है ।

लाभ - खर्च देखनें की विधि और फल - जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-खर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

|| संवत् २०६३ मध्ये उपनयनादि मुहूर्ताः ||

अथ उपनयन मुहूर्ताः

सन२००६ बैशाख मासः
मई ७ शु.१० रवौ पू.फा. अभिजिति
मई ८ शु.११ चंद्रे पू.फा. ल. ३
ज्येष्ठ मासः
मई १४ कृ.१ रवौ अनु. अभिजिति
(मासान्तः स्टै. १२।१६ उप.)
मई १७ कृ.४ बुधे पू. षा. ल. ४।५ (कर्क भौ.१२ दो., सिंह १२ श. दो.)
मई २८ शु.१ रवौ मृगे अभिजिति
मई २९ शु.२ चंद्रे आर्द्रा. अभिजिति
जून ७ शु.११ बुधे चित्रा. ल. ४
आषाढ मासः
जून १६ कृ.५ शुक्रे धनिष्ठा. अभिजिति
सन२००७ माघ मासः
जन. २८ शु.१० रवौ रोहिण्यां अभिजिति
जन. २९ शु.११ चंद्रे मृगेऽभिजिति

अथ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः

सन२००६ बैशाख मासः
अप्रे. १४ कृ.१ शुक्रे चित्रा. ल. २।३
अप्रे. १४ कृ.१ शुक्रे स्वा. अभिजिति
अप्रे. १५ कृ.२ शनि.स्वा. अभिजिति
मई ११ शु.१३ गुरौ चित्रा अभिजिति
ज्येष्ठमासः
जून ७ शु.११ बुधे चित्रा. ल. ३
जून ८ शु.१२ गुरौ स्वा. अभिजिति
भाद्रपद मासः
अग. १० कृ.१ गुरौ धनि. अभिजिति
अग. १० कृ.१ गुरौ शत. ल. ९
(सू.बु.शु.श. ८ दो.)
सितं. ४ शु.११ चंद्रे उ.षा. ल. ९ (श.८दो.)
सितं. ६ शु.१३ बुधे धनि. ल. ६।९ (ति.दो.)

सन२००७ माघ मासः
जन. २९ शु.११ चंद्रे मृगे अभिजिति
फर. १ शु.१४ गुरौ पुष्ये ल. ११
फाल्गुन मासः
फर. ५ कृ.३ चंद्रे उ.फा. लग्नाऽभावः
फर. ७ कृ.५ बुधे हस्ते ल. ११।१२।२
चैत्र कृष्णपक्षः
मार्च ८ कृ.४ गुरौ स्वात्यां ल. ५
(श. १२ दो., स्टै.१८।०० या.)

वृषचक्र रहिताः गेहारंभ (भूमिपूजन) मुहूर्त्ताः

सन२००६ बैशाख मासः
अप्रे. २० कृ.७ गुरौ उ.षा. ल. ६
अप्रे. २४ कृ.११ चंद्रे शत. ल. २
श्रावण मासः
जुला.२१ कृ.११ शुक्रे रोहि. अभिजिति
भाद्रपद मासः
अग. १२ कृ.३ शनौ उ.भा. अभिजिति
पोष मासः
दिसं. १४ कृ.९ गुरौ हस्तेभिजिति
सन२००७ फाल्गुन मासः
फर. ९ कृ.७ शुक्रे स्वात्यां ल. ३
फर. २१ शु.४ बुधे रेवत्यां ल. २।३ (वृषे स्टै.११।३९ उप.,मिथु.८ भौ.दो.)

अथ नूतन गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००६ बैशाख मासः
मई ११ शु.१३ गुरौ चित्रा. ल. २।३
ज्येष्ठ मासः
जून ७ शु.११ बुधे चित्रा. ल. ३
सन२००७ माघ मासः
जन. २४ शु.६ बुधे उ.भा. ल. ११
जन. २४ शु.६ बुधे रेवत्यां ल. १२।२
जन. २९ शु.११ चंद्रे मृगे अभिजिति

कुंभचक्र रहिताः नूतन गृहप्रवेश मुहूर्त्ताः

सन२००६ बैशाख मासः
अप्रे. १४ कृ.११ शुक्रे चित्रा. ल. २।३
अप्रे. २० कृ.७ गुरौ उ.षा. ल. ५
(स्टै. १५।१२ उप.,श.१२ दो.)
अप्रे. २१ कृ.८ शुक्रे उ.षा. अभिजिति
ज्येष्ठ मासः
मई १८ कृ.५ गुरौ उ.षा. अभिजिति
सन२००७ फाल्गुन मासः
फर. २१ शु.४ बुधे रेवत्यां ल. २।३
(ल. २ स्टै. ११।३९ उप.)

अथ जीर्ण गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००६ बैशाख मासः
अप्रे. २४ कृ.११ चंद्रे शत. ल. २
ज्येष्ठ मासः
जून ८ शु.१२ गुरौ स्वात्यां अभिजिति

कुंभचक्र रहिता जीर्ण गृहप्रवेश मुहूर्त्ताः

सन२००६ बैशाख मासः
अप्रे. १४ कृ.१ शुक्रे स्वात्यां अभिजिति
अप्रे. १५ कृ.२ शनौ स्वात्यां अभिजिति
ज्येष्ठ मासः
मई २० कृ.८ शनौ धनि. अभिजिति
श्रावण मासः
जुला.१३ कृ.३ गुरौ धनि. अभिजिति
सन२००७ फाल्गुन मासः
फर. ९ कृ.७ शुक्रे स्वात्यां ल. ३

अथ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः

सन२००६ बैशाख मासः
अप्रे. १५ कृ.२ शनौ स्वात्यां अभिजिति
अप्रे. २० कृ.७ गुरौ उ.षा. ल. ६
अप्रे. ३० शु.३ रवौ रोहि. अभिजिति
मई ३ शु.६ बुधे पुन. ल. २।३
मई ११ शु.१३ गुरौ चित्रा ल. २।३
ज्येष्ठ मासः
मई १४ कृ.१ रवौ अनु. अभि. (मासान्तः)
मई १८ कृ.५ गुरौ उ.षा. अभिजिति
मई २८ शु.१ रवौ मृगे अभिजिति
जून ७ शु.११ बुधे चित्रा. ल. ३
आषाढ मासः
जून १६ कृ.५ शुक्रे धनि. अभिजिति
जुला. ५ शु.९ बुधे स्वात्यां ल. ६
(स्टै. ११।५३ उप.)
जुला. ६ शु.१० गुरौ स्वात्यां अभिजिति
श्रावण मासः
जुला.१२ कृ.१ बुधे श्रवणे ल. ६
जुला.१३ कृ.३ गुरौ धनि. अभिजिति
सन२००७ माघ मासः
जन. २० शु.१ शनौ श्रवणे अभिजिति
जन. २४ शु.६ बुधे रेवत्यां ल. १२
(स्टै. १०।११ उप.)
जन. २८ शु.१० रवौ रोहि. अभिजिति
जन. २९ शु.११ चंद्रे मृगे अभि.
जन. ३१ शु.१३ बुधे पुन. ल. १२
(स्टै. १०।३१ या.)
फाल्गुन मासः
फर. ७ कृ.५ बुधे हस्ते ल. १२
फर. ९ कृ.७ शुक्रे स्वात्यां ल. ३
फर. २१ शु.४ बुधे रेवत्यां ल. २।३
(वृषः स्टै. ११।३९ उप.)
चैत्र कृष्णपक्षः
मार्च ५ कृ.१ चंद्रे उ.फा. अभिजिति

॥ संवत् २०६३ मध्ये विवाह मुहूर्ताः ॥

सन२००६	वैशाख कृष्णपक्षः
अप्रे. १७	४ चंद्रेऽनुराधा दिवा. ल. ४।५, रे. ८ ।S।।।।S।।।
अप्रे. १८	५ भौमे मूले ल. गोधूल्यां १०।१२ रे. ८ ।।।।।।SS।।
	(मकरे श. ७ दोषः, मीने सोग्रांगः, के.७ दोषः, मकरेमीने च रे. ७ दग्धा दो.)
अप्रे. १९	६ बुधे मूले दिवा ल. २।३, रे. ७ ।।।।।।SS।S
अप्रे. २०	७ गुरौ उषा. रात्री ल. गोधूलि, ८, रे. ८ S।।।।।।S।।
अप्रे. २१	८ भृगौ उषा. दिवा ल. २।३, रे. ८ S।।।।।।S।।
	वैशाख शुक्लपक्षः
अप्रे. २९	२, शनौ रोहि. रात्रौ ल. १०।१२, रे. १० ।।।।।।।।।।
	(मकरे ३ शु., श. ७ दो. मीने के. ७ दो.)
अप्रे. ३०	३ रवौ रोहि. दिवा ल. ३।४, रात्री ८, रे. ९ ।।।।।।S।।।
	(वृश्चि. चं. ७ पू., स्टै. २१।०० यावत्)
अप्रे. ३०	३ रवौ मृगे रात्रौ ल. ८।१०।१२, रे. ९ ।।।।।।S।।।
	(वृश्चि. स्टै.२१।४४ उप., मकरे ३ शुक्रः, मीने सोग्रांगः के. ७ दोषः)
मई १३	१५ शनौ अनु. रात्रौ ल. ९।१२ रे. ६ ।।।Sबुऽ।SS।।
	(धनु., भौम. ७ दो., रा. ४ दो., मीने के ७ दो.)
	ज्येष्ठ कृष्णपक्ष
मई १४	१ रवौ अनु. दिवा ल. २।४, रे. ६ ।।।Sबुऽ।SS।।
मई १७	४ बुधे उषा. रात्रौ ल. गो., रे.८ ।।।।S।।S।। (भौ.८ दो.)
	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः
जून २	६ शुक्रे मघा. रात्री ल. अ. गो. १, रे. ७ S।।।।।SS।।
	(मेषे गु. ७ पू.)
जून ३	७ शनौ मघा दिवा ल. ३।४, रे. ८ S।।।।।।S।।
जून ७	११ बुधे स्वातौ रात्री ल. १, रे. ८ S।Sगु।।।।।।।
	(गु. चं. ७ पू. स्टै. २७।२१ उप.)
जून ८	१२ गुरौ स्वातौ दिवा. ल. ३।४, रात्री अ. गो., १ रे. ७ S।Sगु.।।।S।।। (कर्कः सोग्रांगः मेषे गु.चं. ७ पू)
जून १०	१४ शनौ अनु. दिवा ल. ४, रात्री ९, रे. ९ ।।।Sशु।।।।।।
	आषाढ कृष्णपक्षः
जून १२	१ चंद्रे मूले दिवा ल. ३, रात्री गो., १ रे. ७ ।।।Sबुऽ।।S।। (मिथु. चं ७ पू., मेषे गु. ७ पू.)
	आषाढ शुक्लपक्षः
जून २९	४ गुरौ मघा. रात्री ल. १।२, रे. ८ ।।।।।।SS।।
	(मेषे गु. ७ पू.)
जून ३०	५ शुक्रे मघा. दिवा ल. ८, रात्री १२, रे. ८ ।।।।।।SS।।
	(मीनः सोग्रांगः,के.७ दो.स्टै.२४।२० या.)
जुला. ६	१० गुरौ स्वातौ दिवा ल. ४।६, रे. ९ ।।Sगु।।।।।।।
जुला. ७	११ शुक्रेऽनुराधा रात्रौ ल. १।२ रे. १० ।।।।।।।।।।
	(मेषे गु. ७ पू., वृषे चं. ७ पू.)
	अग्रे चतुर्मासारंभः
	मार्गशीर्षमासे गुरुशुक्रास्तौ
	पोष कृष्णपक्षः
दिसं. ५	१ भौमे रोहि. दिवा ल. १०, रे. ८ ।।।।S।।S।।
दिसं. १३	८ बुधे हस्ते रात्रौ ल. ५, रे. ९ ।।।।।।।S।।
	(सोग्रांगः, रा. ७ दोषः)
	अग्रे धनुष्यर्कः
सन२००७	**माघ कृष्णपक्षः**
जन. १५	११ चंद्रेऽनुराधा दि. ल. १।२, रात्रौ अ.गो., रे. ६ ।S।।।।SS।Sदग्धा (अ.गो. स्टै. १७।१० या.,वृषे चं.गु.७ पू.)
	माघ शुक्लपक्षः
जन. २३	५ भौमे उभा. दिवा. ल. १।२, रात्रौ अ. गोधूलि, ८ रेखा १० ।।।।।।।।।। (मेषः स्टै. ११।४९ उप., वृषे गु. ७ पूज्य, वृश्चि. रा. ४ दो.)
जन. २४	६ बुधे रेवत्यां दिवा ल. १, रे. १० ।।।।।।।।।।
जन. २९	११ चंद्रे मृगे दिवा ल. १, रे. ७ ।।।।S।S।।S
	फाल्गुन कृष्णपक्षः
फर. ६	४ भौमे उफा. दिवा ल. २, रे. ८ ।।।।S।।S।। (गु.७ पू.)
फर. ६	४ भौमे हस्ते रात्री ल.गोधूलि, ७।८ रे. ९ ।।।।।।।S।।
	(वृश्चि. रा. ७ दो.)
फर. ७	५ बुधे हस्ते दिवा ल. २, रात्री गो., रे. ९ ।।।।।।।S।।
फर. ९	७ शुक्रे स्वात्यां दिवा ल. १ रात्रौ अ.गो. रे. ८ ।S।Sबु।।।।।। (मेषे चं. ७ पूं.)
फर. १३	११ भौमे मूले दिवा ल. १।२, रात्री अ. गो. ७ रे. ८ ।S।।।।।S।।
	फाल्गुन शुक्लपक्षः
फर. १९	२ चंद्रे उभा. रात्री ल. ८।९, रे. ८ ।SSशु।।।।।।।
	(वृश्चि. रा. ४ दो.)
फर. २०	३ भौमे उभा. दि. ल. २।३, रे.८ ।SSशु।।।।।।। (वृषे गु.७पू.)
फर. २१	४ बुधे रेवत्यां दि. ल. २।३, रे.१० ।।।।।।।।।। (वृषे गु.७ पू.)
	चैत्र कृष्णपक्षः
मार्च ५	१ चंद्रे हस्ते रात्री ल. ७, रे. ९ ।S।।।।।।।।
मार्च ६	२ भौमे हस्ते दिवा ३, रात्रौ गो., रे. ९ ।S।।।।।।।।
	(मिथु. स्टै. १२।३९ उप.)
मार्च १०	६ शनौ अनु. दिवा ल.२, रात्रौ अ.गो., रे.८ SS।।।।।।।।
	(अ.गो.१९।१९ यावत् तदुपरान्त भद्रारंभः)
मार्च ११	८ रवौ अनु. दिवा ल. २, रे.८ SS।।।।।।।। (चं.गु.७ पू.)
मार्च १२	८ चंद्रे मूले रात्री अ. गो. ८, रे. ८ S।।।।।।S।।
	(वृश्चि. राहु ४ दोषः, स्टै. २४।५६ यावत्)
	अग्रे मीनेऽर्कः

भैरव भवानि संवाद

भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
तरेसठ संयत का कहो श्रीमुख से सब हाल ॥
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देखतां श्रेष्ठ जमानो होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये षटक अधिकार ।
समय वासो घटकार के रोहिणी पर्वत धार ॥
धान्याधिप भृगुदेव हैं मेघाधिप गुरुराज ।
प्रचुर धान्य अरु मेघ से सारें जग का काज ॥
पुष्कर नाम है मेघ का वर्षा मंद विशेष ।
कहींक वर्षा अल्प हो कहींक होय विशेष ॥
वर्षा विंश्वा नौ बनी संशय करो न कोय ।
रामकुवार का कथन है भजन कर्यां सब होय ॥

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

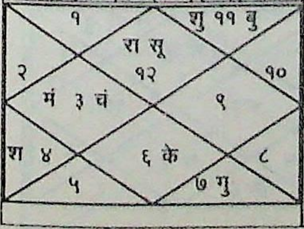
सन२००६	वैशाख कृष्णपक्षः
अप्रे. १४	१ शुक्रे चित्रा दिवा ल. ३, रे. ७ ।S।Sबु।।।S।। (सोग्रांगः)
अप्रे. २१	८ शुक्रे श्रवणे रात्री ल. अ.गो. ८।१२, रे. ६ SS।।S।।S।।
	(मीने के. ७ दो.)
अप्रे. २२	९ शनौ श्रवणे दिवा ल. २।३, रे. ६ SS।।S।।S।।
	(मि.सोग्रांगः)
अप्रे. २२	९ शनौ धनि. रात्री ल. अ. गो. ८।१२ रे.८ ।।।।S।।S।।
	(मीने के. ७ दो.)
	वैशाख शुक्लपक्षः
मई १०	१२ बुधे चित्रा रात्री अ.गो. ८।११, रे. ९ ।।।।।।S।।।
मई ११	१३ गुरौ चित्रा दिवा ल. ३।४।५, रे.९ S।।।।।।।।।
	(सिंहे श.१२दो.)
	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः
मई २०	८ शनौ धनि. दिवा ल. ३।४, रे.९ S।।।।।।।।। (सोग्रांगी)
मई २४	१२ बुधे अश्वि. दिवा ल. ५, रे. ९ ।।Sशु।।।।।।। (श.१२दो.)
	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः
जून ७	११ बधे चित्रा रात्रौ ल. १२, रे. ९ ।S।।।।।।।। (के. ७ दो.)
	आषाढ कृष्णपक्षः
जून. २०	१० भौमे अश्वि. रात्री ल. २, रे. ७ S।।।।।SS।।
जून. २१	११ बुधे अश्वि. दिवा ल. ४।७, रे. ७ S।।।।।SS।।
	आषाढ शुक्लपक्षः
जुला. ४	८ भौमे चित्रा दिवा ल. ६।८, रात्री १२।१, रे. ९ ।।।।।।S।।। (मीने के. ७ दो,मेषे चं.गु.७ पू.)
सन्२००७	**माघ शुक्लपक्षः**
जन. २०	१ शनौ श्रवणे दिवा ल.१।२, रे.९ ।।Sबु।।।।।।। (वृषे गु.७ पू.)

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, ३० मार्च से १३ अप्रेल तक नवलगढ चंद्रः																									तारीख			वसंतर्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः ५१०७, मार्च-अप्रेल २००६
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	गु	१५	२०	१२	३५	रेव	२५	२५	१६	३७	ऐ	२९	०९	१८	०६	ब	१५	२०	१२	३५	३० ३९	६ २७	६ ४२	मेषे १६।३७	९	२९	३०	चंद्रदर्शनम्(मु.३०), नवरात्रारम्भः, घटस्था., ध्वजारो., आरोग्य १, C
२	शु	८	११	९	४२	अश्वि	२०	२३	१४	३५	वै	२०	४०	१४	४१	कौ	८	११	९	४२	४३	२६	४३	मेषें	१०	१	३१	मत्स्योत्पत्तिः, श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, अरुन्धती व्रतं पूजनञ्च, B
३	श	२	१५	७	१९	भर	१६	४१	१३	०५	वि	१३	१६	११	४३	ग	२	१५	७	१९	४७	२४	४३	वृषे १८।४८	११	२	१	भ.१८।२१ उ. २९।३३ या ,मन्वादि,गणगौरी पूजा,मनोरथ तृतीयाव्र., D
४	श	५७	५३	२९	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[C विद्या १, पंचक समाप्तिः १६।३७, ग्रहण-करिदिन,कल्पादि
५	र	५५	२२	२८	३२	कृति	१४	३६	१२	१४	प्री	७	१२	९	१६	ब	२६	२४	१६	५७	५१	२३	४४	वृषे	१२	३	२	कल्पादि, डोलोत्सवः [B रविलावल ३, रेव. रविः १६।१९ (सौरः G
६	सो	५४	५२	२८	१९	रोहि	१४	२४	१२	०८	आ	२ ५९	३८ ३६	७ ३०	२५ १३	कौ	२४	५२	१६	१९	५५	२२	४४	मिथु. २४।२३	१३	४	३	स्कन्दषष्ठीव्र., मिथुने भौमः १४।०५ [G १८।०९), कुंभे शुक्रः १४।०२
७	मं	५६	२४	२८	५५	मृग	१६	११	१२	५०	शो	५८	१३	२९	३८	ग	२५	२३	१६	३०	५९	२१	४५	मिथु.	१४	५	४	भ. २८।५५ उ. [D सौभाग्यशयन व्र.,शिवशक्ति पू., अप्रेल ४ ता. ३०
८	बु	५९	५०	३०	१६	आर्द्रा	१९	५६	१४	१८	अ	५८	१८	२९	३९	वि	२७	५५	१७	३०	३१ ०३	२०	४५	मिथु.	१५	६	५	भ. १७।३० या., भवान्युत्पत्तिः, अशोककलिका प्राशनं, बुधाष्टमी, E
९	गु	…	…	…	…	पुन	२५	२४	१६	२९	सु	५९	३४	३०	०९	बा	३२	१०	१९	११	०७	१९	४६	कर्के ९।५३	१६	७	६	श्रीरामनवमी, शत.शुक्रः २३।३५, मार्गी शनिः ११।१७,उभा.-२ राहुः H
९	शु	४	५२	८	१५	पुष्य	३२	१२	१९	११	धृ	…	…	…	…	कौ	४	५२	८	१५	११	१८	४६	कर्के	१७	८	७	[E प्राशस्त्ययोगं १४।१८ से ३०।१६ तक, (व) विशा.-१ गुरुः २८।०९
१०	श	१०	५६	१०	३९	श्ले	३९	४८	२२	१२	धृ	१	४४	६	५८	ग	१०	५६	१०	३९	१५	१७	४७	सिंहे २२।१२	१८	९	८	भ.२३।५७ उ. [H ८।५३ उफा.-४ केतुः ८।५३ [F मेषे अश्वि. रविः L
११	र	१७	३०	१३	१६	मघा	४७	३८	२५	१९	शू	४	१८	७	५९	वि	१७	३०	१३	१६	१९	१६	४७	सिंहे	१९	१०	९	भ. १३।१६ या., कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः [L २९।४०
१२	सो	२४	०१	१५	५१	पूफा	५५	१६	२८	२१	गं	६	५५	९	०१	बा	२४	०१	१५	५१	२३	१५	४८	सिंहे	२०	११	१०	प्रदोषः, हरि दमनोत्सवः, पातस्पर्शः १२।५०, मोक्षः १७।१३
१३	मं	३०	०६	१८	१६	उफा	…	…	…	…	वृ	९	१६	९	५६	तै	३०	०६	१८	१६	२७	१४	४८	कन्या ११।०४	२१	१२	११	जैन महावीर जयंती, शिव पूजन विशेषः, मीने बुधः १७।२८
१४	बु	३५	२६	२०	२३	उफा	२	२१	७	०९	ध्रु	११	०७	१०	३९	ग	२	५४	७	२२	३१	१३	४९	कन्या	२२	१३	१२	भ.२०।२३ उ. [A स्नानारंभः,चित्रान्नदानं भक्षणञ्च,अश्वमेधयज्ञफलं, F
१५	गु	३९	५२	२२	०८	हस्त	८	३६	९	३८	व्या	१२	२०	११	०७	वि	७	४७	९	१८	३५	११	४९	तुला. २२।४४	२३	१४	१३	भ.९।१८ या., मन्वादि, श्रीहनुमज्जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, बैशाख A

अयनांशाः २३।५५।३९
५२ पं. चै.शु. ८ बु. इष्टघटी ४२।५७
(रेल्वे घं. मि. २३।३१)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	२	१०	६	१०	३	११	११
२१	०१	२४	२३	०५	१०	१०	२१
५३	२१	२५	२१	३६	३६	०१	४९
३०	३७	१९	०४	३४	३४	१५	०५
५९	३४	५१	५	६३	०	३	५९
०३	१२	३८	३६	१४	०३	११	०३
रे	मृ	पूभा	वि	ध	पु	उभा	रे
२	३	२	२व	४	३	३	२



मार्च	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
३० गु	११	१५	१६	२१	५९	१७	३	३९	३०	२५	६	३८	६	४८	३०	३०	५	३५	५	४७
३१ शु	११	१६	१५	३७	५९	१५	४	०२	३०	२८	६	३८	६	४९	३०	३४	५	३४	५	४७
१ श	११	१७	१४	५२	५९	१२	४	२५	३०	३१	६	३७	६	४९	३०	३७	५	३३	५	४८
२ र	११	१८	१४	०५	५९	११	४	४८	३०	३३	६	३६	६	४९	३०	४०	५	३२	५	४८
३ चं	११	१९	१३	१५	५९	०८	५	११	३०	३६	६	३५	६	४९	३०	४३	५	३१	५	४८
४ मं	११	२०	१२	२३	५९	०६	५	३४	३०	३८	६	३४	६	५०	३०	४६	५	३०	५	४९
५ बु	११	२१	११	३०	५९	०४	५	५७	३०	४१	६	३३	६	५०	३०	५०	५	२९	५	४९
६ गु	११	२२	१०	३४	५९	०२	६	२०	३०	४४	६	३३	६	५०	३०	५३	५	२८	५	४९
७ शु	११	२३	०९	३७	५९	००	६	४३	३०	४६	६	३२	६	५०	३०	५६	५	२७	५	५०
८ श	११	२४	०८	३७	५८	५८	७	०५	३०	४९	६	३१	६	५१	३०	५९	५	२६	५	५०
९ र	११	२५	०७	३५	५८	५६	७	२८	३०	५२	६	३०	६	५१	३१	०२	५	२६	५	५०
१० चं	११	२६	०६	३१	५८	५४	७	५०	३०	५४	६	२९	६	५१	३१	०५	५	२५	५	५१
११ मं	११	२७	०५	२५	५८	५२	८	१२	३०	५७	६	२९	६	५१	३१	०९	५	२४	५	५१
१२ बु	११	२८	०४	१८	५८	५०	८	३४	३०	५९	६	२८	६	५२	३१	१२	५	२३	५	५२
१३ गु	११	२९	०३	०८	५८	४८	८	५६	३१	०२	६	२७	६	५२	३१	१५	५	२२	५	५२

संक्रांति फलम्

ता. १३ अप्रेल २००६
चैत्र शु. १५ गुरौ मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २९।४० वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २३।४० से भृगौ ११।४० तक। (दान- मेष)।

अयनांशाः २३।५५।४०
१ पं. चै.शु.१५ गु. इष्टघटी ५८।४१
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

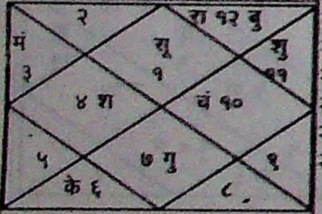
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	२	११	६	१०	३	११	११
००	०६	०२	२२	१४	१०	०९	२९
००	०५	५१	३१	२५	४०	३४	५५
००	२९	२५	०८	२८	१९	५९	२९
५८	३४	७२	६	६५	०	३	५८
४६	३६	२७	३५	०१	५७	११	४४
अ	मृ	पूभा	वि	श	पु	उभा	रे
१	४	४	१व	३	३	२	४



वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, १४ अप्रेल से २७ अप्रेल तक नवलगढ																								चंद्रः	तारीख			वसंतर्तु रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति महा., अप्रेल २००६
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	शु	४३	१६	२३	२९	चित्रा	१३	५६	११	४५	ह	१२	४९	११	१८	बा	११	४४	१०	५२	३१ ३९	६ १०	६ ५०	तुला.	२४	१५	१४	मेषे अश्वि. सौरः ७।३१, आर्द्रा. भौमः २९।३६, उमा. बुधः १५।०८
२	श	४५	३५	२४	२४	स्वा	१८	१४	१३	२७	व	१२	२९	११	०९	तै	१४	३६	१२	००	४३	०९	५०	तुला.	२५	१६	१५	
३	र	४६	४५	२४	५०	विशा	२१	२७	१४	४३	सि	११	१७	१०	३९	व	१६	२०	१२	४०	४७	०८	५१	वृश्चि. ८।२७	२६	१७	१६	भ. १२।४० उ. २४।५० या.
४	सो	४६	४२	२४	४८	अनु	२३	३१	१५	३२	व्य	९	११	९	४८	ब	१६	५३	१२	५३	५०	०७	५२	वृश्चि.	२७	१८	१७	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।४०, अनुसूया जयंती
५	मं	४५	२८	२४	१८	ज्ये	२४	२४	१५	५२	व	६	०८	८	३३	कौ	१६	१५	१२	३६	५४	०६	५२	धनु. १५।५२	२८	१९	१८	
६	बु	४३	०४	२३	१९	मूल	२४	०९	१५	४५	प	२ ५७	०९ १३	६ २८	५७ ५९	ग	१४	२५	११	५२	५८	०५	५३	धनु.	२९	२०	१९	भ. २३।१९ उ., पूभा. शुक्रः ८।२६
७	गु	३९	३५	२१	५४	पूषा	२२	४८	१५	१२	सि	५१	२८	२६	४०	वि	११	२९	१०	४०	३२ ०२	०४	५३	मक. २०।५९	३०	२१	२०	भ. १०।४० या., सायन वृषे भानुः १०।३९
८	शु	३५	०५	२०	०६	उषा	२०	२५	१४	१४	सा	४४	५५	२४	०२	बा.	७	२८	९	०३	०६	०३	५४	मक.	१	२२	२१	बूढो बास्योड़ो, भा. वैशाखारंभः
९	श	२९	४२	१७	५५	श्रव	१७	०७	१२	५३	शु	३७	४०	२१	०७	तै	२	३०	७	०३	०९	०३	५४	कुंभे २४।०६	२	२३	२२	भ. २८।४३ उ., पंचक प्रारम्भः २४।०६
१०	र	२३	३१	१५	२६	धनि	१३	०१	११	१४	शु	२९	४९	१७	५७	वि	२३	३१	१५	२६	१३	०२	५५	कुंभे	३	२४	२३	भ. १५।२६ या., पातस्पर्शः १४।३४, मोक्षः १८।२३
११	सो	१६	४७	१२	४४	शत	८	१८	९	२०	ब्र	२१	२९	१४	३६	बा	१६	४७	१२	४४	१७	०१	५५	मीने २५।४७	४	२५	२४	वरुथिनि ११ व्र., रेव. बुधः ७।४३
१२	मं	९	३८	९	५१	पूभा	३ ५७	०९ ४०	७ २९	१५ ०८	ऐ	१२	५१	११	०८	तै	९	३८	९	५१	२०	००	५६	मीने	५	२६	२५	प्रदोषः
१३	बु	२	२०	६	५५	रेव	५२	३३	२७	००	वै	४ ५५	०६ २७	७ २८	३७ ५०	व	२	२०	६	५५	२४	५ ५९	५६	मेषे २७।००	६	२७	२६	भ. ६।५५ उ. १७।२८ या., पंचक समाप्तिः २७।००, A
१४	बु	५५	०८	२८	०२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A मासिकशिवरात्री व्र.
३०	गु	४८	२५	२५	२०	अश्वि	४७	४६	२५	०४	प्री	४७	१२	२४	५१	च	२१	४३	१४	३९	२७	५८	५७	मेषे	७	२८	२७	देवपितृकार्येऽमा., भर. रविः २१।३० (सौरः २३।४४)

अयनांशाः २३।५५।४१
२ पं. बै.कृ. ७ गु. इष्टघटी ५८।५८
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	२	११	६	१०	३	११	०
०६	१०	१२	२१	२२	१०	०९	०६
५०	०८	०३	४३	०४	४९	१२	४५
४२	३५	५२	०७	२१	१७	४४	५०
५८	३४	८७	७	६६	१	३	५८
३३	५३	२०	११	१३	४३	११	२८
अ	आ	उषा	वि	पूभा	पु	उभा	अ
३	२	३	१व	१	३	२	३



अप्रेल रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१४ शु	०	००	०१	५६	५८	४६	९	१८	३१	०४	६	२६	६	५२	३१	१८	५	२१	५	५२
१५ श	०	०१	००	४२	५८	४४	९	३९	३१	०७	६	२६	६	५२	३१	२१	५	२०	५	५३
१६ र	०	०१	५९	२६	५८	४२	१०	०१	३१	०९	६	२५	६	५३	३१	२४	५	१९	५	५३
१७ चं	०	०२	५८	०८	५८	४०	१०	२२	३१	१२	६	२४	६	५३	३१	२७	५	१९	५	५३
१८ मं	०	०३	५६	४९	५८	३८	१०	४३	३१	१४	६	२३	६	५३	३१	३०	५	१८	५	५४
१९ बु	०	०४	५५	२७	५८	३६	११	०४	३१	१७	६	२३	६	५३	३१	३३	५	१७	५	५४
२० गु	०	०५	५४	०३	५८	३४	११	२५	३१	१९	६	२२	६	५४	३१	३६	५	१६	५	५४
२१ शु	०	०६	५२	३८	५८	३२	११	४५	३१	२२	६	२१	६	५४	३१	३९	५	१५	५	५५
२२ श	०	०७	५१	१०	५८	३१	१२	०६	३१	२४	६	२१	६	५४	३१	४२	५	१५	५	५५
२३ र	०	०८	४९	४१	५८	२९	१२	२६	३१	२७	६	२०	६	५५	३१	४५	५	१४	५	५६
२४ चं	०	०९	४८	०९	५८	२७	१२	४६	३१	२९	६	१९	६	५५	३१	४८	५	१३	५	५६
२५ मं	०	१०	४६	३६	५८	२५	१३	०५	३१	३१	६	१९	६	५५	३१	५१	५	१२	५	५६
२६ बु	०	११	४५	०१	५८	२३	१३	२५	३१	३४	६	१८	६	५५	३१	५३	५	११	५	५७
२७ गु	०	१२	४३	२४	५८	२१	१३	४४	३१	३६	६	१७	६	५६	३५	५६	५	११	५	५७

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा- प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे॥ पांच शनिवार होने से महँगाई हो। गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो, प्रजा स्वस्थ हो, वैशाखी अमावस को अश्विनी होने से महर्घ-समर्घ मध्यम हो। वैशाख शुक्ला ३ को रोहिणी होने से सुभिक्ष हो। शुक्ला पंचमी को मंगलवार होने से उपद्रव हो। शुक्ला नौमी को मघा होने से पृथ्वी पर बहुत कष्ट हो। चतुर्दशी को शुक्रवार होने से पृथ्वी पर अन्नोत्पत्ति उत्तम हो। पूर्णिमा विशाखा शनिवार युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। आर्द्रा पर मंगल होने से वृष्टि हो।

अयनांशाः २३।५५।४२
३ पं. बै.कृ.३० गु. इष्टघटी ५९।१४
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	२	११	६	१०	३	११	०
१३	१४	२२	२०	२९	११	०८	१३
३९	१३	५७	५१	५०	०३	५०	३४
५०	३७	२५	३४	५१	२६	२९	२२
५८	३५	१०१	७	६७	२	३	५८
१९	०९	११	३३	११	२६	११	१३
भ	आ	रे	वि	पूभा	पु	उभा	भ
१	३	२	१व	३	३	२	१



॥ श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम् ॥

वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, २८ अप्रेल से १३ मई तक नवलगढ चंद्रः																									तारीख			ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ५१३६, अप्रेल-मई २००६
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	शु	४२	२९	२२	५७	भर	४३	४६	२३	२७	आ	३९	३६	२१	४७	किं	१५	२१	१२	०५	३२ ३१	५ ५७	६ ५८	वृषे २९।०७	८	२९	२८	मीने शुक्रः ८।५६, अगस्त्यास्तः १३।०१
२	श	३७	४१	२१	०१	कृति	४०	५४	२२	१८	सौ	३२	५४	१९	०६	बा	९	५६	९	५५	३५	५६	५८	वृषे	९	३०	२९	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), शिवाजी जयंती
३	र	३४	२२	१९	४०	रोहि	३९	३२	२१	४४	शो	२७	२४	१६	५३	तै	५	५१	८	१६	३८	५५	५९	वृषे	१०	१	३०	युगादि, कल्पादि, परशुराम जयंती, अक्षय तृतीया, रविलास्र ४, A
४	सो	३२	४८	१९	०२	मृग	३९	५४	२१	५२	अ	२३	१७	१५	१३	व	३	२२	७	१५	४१	५५	५९	मिथु. ९।४२	११	२	१	भ. ७।१५ उ. १९।०२ या., मई ५ ता. ३१, उमा. शुक्रः ८।१४
५	मं	३३	१०	१९	१०	आर्द्रा	४२	१०	२२	४६	सु	२०	४०	१४	१०	ब	२	४५	७	००	४५	५४	७ ००	मिथु.	१२	३	२	श्री आद्यशंकराचार्य जयंती, मेषे अश्वि. बुधः ७।०९
६	बु	३५	२८	२०	०४	पुन	४६	२०	२४	२५	धृ	१९	३६	१३	४४	कौ	४	०६	७	३१	४८	५३	००	कर्के १७।५६	१३	४	३	श्री रामानुज जयंती]A बुधास्तः पूर्वस्याम् १४।२६
७	गु	३९	३४	२१	४२	पुष्य	५२	११	२६	४५	शू	१९	५८	१३	५१	ग	७	२०	८	४८	५२	५२	०१	कर्के	१४	५	४	भ. २१।४२ उ., गंगोत्पत्ति, (व) स्वा.-४ गुरुः २४।१०
८	शु	४५	०४	२३	५३	श्ले	५९	१६	२९	३४	गं	२१	३१	१४	२८	वि	१२	१२	१०	४४	५५	५२	०२	सिंहे २९।३४	१५	६	५	भ. १०।४४ या., पातस्पर्शः २७।५५
९	श	५१	२४	२६	२५	मघा	...	...	...	...	वृ	२३	५२	१५	२४	वा	१८	११	१३	०७	५८	५१	०२	सिंहे	१६	७	६	सीता ९, पातमोक्षः ८।५८
१०	र	५७	५३	२८	५९	मघा	७	०३	८	३९	ध्रु	२६	३३	१६	२७	तै	२४	४१	१५	४३	३३ ०१	५०	०३	सिंहे	१७	८	७	टैगोर जयन्ती, पुन. भौमः २५।१३
११	सो	...	...	...	...	पूफा	१४	४८	११	४५	व्या	२९	०७	१७	२८	व	३१	००	१८	१३	०५	४९	०३	कन्या १८।२९	१८	९	८	भ. १८।१३ उ.
११	मं	३	५६	७	२३	उफा	२१	५९	१४	३६	ह	३१	०७	१८	१६	वि	३	५६	७	२३	०८	४९	०४	कन्या	१९	१०	९	भ. ७।२३ या., मोहिनी ११ व्र., भर. बुधः ७।५८
१२	बु	९	०१	९	२४	हस्त	२८	११	१७	०४	व	३२	२०	१८	४४	वा	९	०१	९	२४	११	४८	०४	कन्या	२०	११	१०	प्रदोषः
१३	गु	१२	५२	१०	५६	चित्रा	३३	०९	१९	०३	सि	३२	३३	१८	४९	तै	१२	५२	१०	५६	१४	४७	०५	तुला. ६।०८	२१	१२	११	नृसिंह १४, कृत्ति. रविः १५।४२ (सौरः १८।४३)
१४	शु	१५	२२	११	५६	स्वा	३६	४७	२०	२९	व्य	३१	४२	१८	२७	व	१५	२२	११	५६	१७	४७	०६	तुला.	२२	१३	१२	भ. ११।५६ उ. २४।१३ या.;कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमा व्रतं, रेव.शुक्रः २६।०३
१५	श	१६	२९	१२	२२	विशा	३९	०५	२१	२४	व	२९	४६	१७	४१	ब	१६	२९	१२	२२	२०	४६	०६	वृश्चि. १५।१३	२३	१४	१३	पूर्णिमा पुण्यं, वैशाखस्नानपूर्तिः, धर्म प्रीत्यर्थं जलकुंभदानं

अयनांशाः २३।५५।४३
४ पं. वै.शु. ७ गु. इष्टघटी ५९।२९
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	२	०	६	११	३	११	०
२०	१८	०५	१९	०७	११	०८	२०
२७	२०	२३	५८	४३	२२	२८	२१
२९	२१	५६	१५	३८	३२	१३	१०
५८	३५	११३	७	६७	३	३	५७
०७	२३	३९	३९	५९	०७	११	५९
भ	आ	अ	स्वा	उभा	पु	उभा	भ
३	४	२	४व	२	३	२	३



अप्रेल रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२८ शु	०	१३	४१	४५	५८	१९	१४	०३	३१	३८	६	१७	६	५६	३१	५९	५	१०	५	५८
२९ श	०	१४	४०	०४	५८	१८	१४	२२	३१	४१	६	१६	६	५६	३२	०२	५	०९	५	५८
३० र	०	१५	३८	२२	५८	१६	१४	४१	३१	४३	६	१५	६	५७	३२	०५	५	०९	५	५८
१ च	०	१६	३६	३८	५८	१४	१४	५९	३१	४५	६	१५	६	५७	३२	०७	५	०८	५	५९
२ मं	०	१७	३४	५२	५८	१२	१५	१७	३१	४७	६	१४	६	५७	३२	१०	५	०७	५	५९
३ बु	०	१८	३३	०४	५८	१०	१५	३५	३१	५०	६	१४	६	५८	३२	१३	५	०७	६	००
४ गु	०	१९	३१	१४	५८	०३	१५	५३	३१	५२	६	१३	६	५८	३२	१५	५	०६	६	००
५ शु	०	२०	२९	२३	५८	०७	१६	१०	३१	५४	६	१३	६	५८	३२	१८	५	०५	६	०१
६ श	०	२१	२७	३०	५८	०५	१६	२७	३१	५६	६	१२	६	५९	३२	२०	५	०५	६	०१
७ र	०	२२	२५	३६	५८	०४	१६	४४	३१	५८	६	१२	६	५९	३२	२३	५	०४	६	०१
८ चं	०	२३	२३	३९	५८	०२	१७	००	३२	००	६	११	६	५९	३२	२५	५	०४	६	०२
९ मं	०	२४	२१	४१	५८	००	१७	१६	३२	०२	६	११	७	००	३२	२८	५	०३	६	०२
१० बु	०	२५	१९	४२	५७	५९	१७	३२	३२	०४	६	१०	७	००	३२	३०	५	०३	६	०३
११ गु	०	२६	१७	४१	५७	५७	१७	४८	३२	०६	६	१०	७	००	३२	३३	५	०२	६	०३
१२ शु	०	२७	१५	३८	५७	५६	१८	०३	३२	०८	६	१०	७	०१	३२	३५	५	०२	६	०४
१३ श	०	२८	१३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

अयनांशाः २३।५५।४४
५ पं. वै.शु.१३ गु. इष्टघटी ५९।४१
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	२	०	६	११	३	११	०
२७	२२	१९	१९	१५	११	०८	२७
१३	२८	१३	०४	४१	४६	०५	०६
४४	३६	३६	५८	३९	२१	५८	२१
५७	३५	१२४	७	६८	३	३	५७
५६	३५	४४	३०	४०	४६	११	४५
कृ	पुन	भ	स्वा	उभा	पु	उभा	कृ
१	१	२	४व	४	३	२	१



॥ श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम् ॥

ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, १४ मई से २७ मई तक नवलगढ चंद्रः

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योः	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.
१	र	१६	१७	१२	१६	अनु	४०	०७	२१	४८	प	२६	५०	१६	२९	कौ	१६	१७	१२	१६	३३ २३	५ ४६	७ ०७	वृश्चि.	
२	सो	१४	५२	११	४२	ज्ये	४०	०३	२१	४६	शि	२२	५७	१४	५६	ग	१४	५२	११	४२	२६	४५	०७	धनु.	२१।४६
३	मं	१२	२४	१०	४२	मूल	३९	०१	२१	२१	सि	१८	१५	१३	०२	वि	१२	२४	१०	४२	२८	४४	०८	धनु.	
४	बु	९	०५	९	२२	पूषा	३७	१२	२०	३७	सा	१२	५३	१०	५३	बा	९	०५	९	२२	३१	४४	०८	मक.	२६।२३
५	गु	५	०४	७	४५	उषा	३४	४७	१९	३८	शु	६	५७	८	३०	तै	५	०४	७	४५	३४	४३	०९	मक.	
६	शु	०	३०	५	५५	श्रव	३१	५४	१८	२९	शु	० ५३	३५ ५३	५ २७	५७ १६	व	०	३०	५	५५	३६	४३	०९	मक.	
७	शु	५५	३१	२७	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०
८	श	५०	१४	२५	४८	धनि	२८	४१	१७	११	ऐ	४६	५७	२४	२९	बा	२२	५५	१४	५३	३९	४२	१०	कुंभे	५।५१
९	र	४४	४४	२३	३६	शत	२५	११	१५	४७	वै	३९	४८	२१	३७	तै	१७	३१	१२	४३	४१	४२	११	कुंभे	
१०	सो	३९	०४	२१	१९	पूभा	२१	३१	१४	१८	वि	३२	३२	१८	४२	व	११	५५	१०	२८	४४	४२	११	मीने	८।४१
११	मं	३३	२०	१९	०१	उभा	१७	४६	१२	४७	प्री	२५	१३	१५	४७	ब	६	१२	८	१०	४६	४१	१२	मीने	
१२	बु	२७	४१	१६	४५	रेव	१४	०२	११	१८	आ	१७	५७	१२	५१	कौ	०	३०	५	५३	४९	४१	१२	मेषे	११।१८
१३	गु	२२	१८	१४	३६	अश्वि	१०	३१	९	५३	सौ	१०	५१	१०	०१	व	२२	१८	१४	३६	५१	४०	१३	मेषे	
१४	शु	१७	२५	१२	३८	भर	७	२७	८	३९	शो	४ ५७	०७ ५७	७ २८	१९ ५१	श	१७	२५	१२	३८	५३	४०	१३	वृषे	१४।२३
३०	श	१३	१९	१०	५९	कृति	५	०६	७	४२	सु	५२	३८	२६	४३	ना	१३	१९	१०	५९	५५	४०	१४	वृषे	

तारीख भा.	मु.	इं.	ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति महा., मई २००६ — इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
२४	१५	१४	वृषे रविः २६।३५
२५	१६	१५	भ. २३।१५ उ., नारद जयंती, वीणादानं, वृषे सौरः ५।५२, कृत्ति. E
२६	१७	१६	भ. १०।४२ या., अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।३४
२७	१८	१७	वृषे बुधः ७।२६ [E बुधः १८।२२
२८	१९	१८	[C रविः ११।५७ (सौरः १६।०९)
२९	२०	१९	भ. ५।५५ उ. १६।५६ या., पातस्पर्शः १२।५८, मोक्षः १७।५३
०	०	०	[B सावित्री व्र. (मरु.)
३०	२१	२०	पंचक प्रारम्भः ५।५१
३१	२२	२१	सायन मिथुने भानुः ९।५०, रोहि. बुधः २१।०१
१	२३	२२	भ. १०।२८ उ. २१।१९ या., भा. ज्येष्ठारंभः
२	२४	२३	अपरा ११ व्र. [A मृगेबुधः २६।१६ [D शुक्रः १५।३६
३	२५	२४	पंचक समाप्तिः ११।१८, प्रदोषः, कर्के भौमः २०।४८, मेषे अश्वि. D
४	२६	२५	भ. १४।३६ उ. २५।३५ या., मासिकशिवरात्रीव्र., रोहि. C
५	२७	२६	शनैश्चर जयन्ती, पितृकार्येऽमा., भाऊका ३०, वट B
६	२८	२७	देवकार्येऽमा., वटपूजनम् मरुस्थले, भाऊका-करिदिन, A

अयनांशाः २३।५५।४५
६ पं. ज्ये.कृ. ५ गु. इष्टघटी ५९।५१
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	२	१	६	११	३	११	१
०३	२६	०४	१८	२३	१२	०७	०३
५८	३८	१२	१३	४४	१४	४३	५०
४२	१५	१२	३३	०८	३५	४२	०१
५७	३५	१३१	७	६९	४	३	५७
४५	४६	४२	०६	१५	२२	११	३३
कृ	पुन	कृ	स्वा	रे	पु	उभा	कृ
३	२	३	४व	३	३	२	३



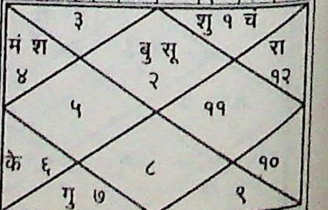
मई ता. वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
१४ र	०	२९	११	२८	५७	५३	१८	३३	३२	१२	६	०९	७	०१	३२	४०	५	०१	६	०५
१५ चं	१	००	०९	२०	५७	५१	१८	४८	३२	१४	६	०८	७	०२	३२	४२	५	००	६	०५
१६ मं	१	०१	०७	१२	५७	५०	१९	०२	३२	१६	६	०८	७	०२	३२	४४	५	००	६	०५
१७ बु	१	०२	०५	०१	५७	४८	१९	१६	३२	१७	६	०८	७	०३	३२	४६	४	५९	६	०६
१८ गु	१	०३	०२	५०	५७	४७	१९	२९	३२	१९	६	०७	७	०३	३२	४८	४	५९	६	०६
१९ शु	१	०४	००	३६	५७	४५	१९	४२	३२	२१	६	०७	७	०३	३२	५०	४	५९	६	०७
२० श	१	०४	५८	२२	५७	४४	१९	५५	३२	२२	६	०७	७	०४	३२	५३	४	५८	६	०७
२१ र	१	०५	५६	०६	५७	४३	२०	०७	३२	२४	६	०७	७	०४	३२	५४	४	५८	६	०८
२२ चं	१	०६	५३	४८	५७	४१	२०	१९	३२	२६	६	०६	७	०५	३२	५६	४	५८	६	०८
२३ मं	१	०७	५१	३०	५७	४०	२०	३१	३२	२७	६	०६	७	०५	३२	५८	४	५७	६	०९
२४ बु	१	०८	४९	१०	५७	३९	२०	४३	३२	२९	६	०६	७	०५	३३	००	४	५७	६	०९
२५ गु	१	०९	४६	४९	५७	३८	२०	५४	३२	३०	६	०६	७	०६	३३	०२	४	५७	६	०९
२६ शु	१	१०	४४	२६	५७	३६	२१	०४	३२	३२	६	०५	७	०६	३३	०४	४	५७	६	१०
२७ श	१	११	४२	०२	५७	३५	२१	१५	३२	३३	६	०५	७	०६	३३	०५	४	५६	६	१०

संक्रांति फलम्

ता. १४ मई २००६
ज्ये. कृ. १ रवौ वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २६।३५ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः बिल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) २०।११ से २६।३५ तक । (दान- गौ) ।

अयनांशाः २३।५५।४६
७ पं. ज्ये.कृ.१३ गु. इष्टघटी ५९।५८
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	३	१	६	०	३	११	१
१०	००	१९	१७	०१	१२	०७	१०
४२	४९	२६	२५	५०	४६	२१	३२
३३	१०	४०	४०	२९	५३	२७	१९
५७	३५	१२६	६	६९	४	३	५७
३६	५७	२५	२७	४६	५६	११	२२
रो	पुन	रो	स्वा	अ	पु	उभा	रो
१	४	३	४व	१	३	२	१

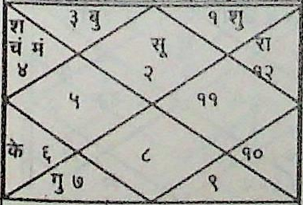


ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, २८ मई से ११ जून तक   नवलगढ   चंद्रः   तारीख   ग्रीष्मर्त्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ५१६६, मई-जून २००६

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	गु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	र	१०	१६	९	४६	रोहि	३	४६	७	१०	घृ	४८	१९	२४	५९	व	१०	१६	९	४६	३३/५७	५/४०	७/१४	मिथु. १९।०५	७	२९	२८	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), करिदिनं, श्री गंगादशाश्वमेधस्नान प्रा., B
२	सो	८	३६	९	०६	मृग	३	४६	७	१०	शू	४५	१३	२३	४४	कौ	८	३६	९	०६	५९	३९	१५	मिथु.	८	१	२९	रंभा व्रतं, जमादिलावल ५ [B बुधोदयः पश्चिमायाम् ७।१५
३	मं	८	३०	९	०३	आर्द्रा	५	१८	७	४६	गं	४३	२७	२३	०२	ग	८	३०	९	०३	३४/०१	३९	१५	कर्के २६।४०	९	२	३०	भ. २१।१७ उ., प्रताप जयंती, पुष्ये भौमः १०।१५
४	बु	१०	०८	९	४२	पुन	८	३१	९	०३	वृ	४३	०४	२२	५२	वि	१०	०८	९	४२	०३	३९	१६	कर्के	१०	३	३१	भ. ९।४२ या., पातस्पर्शः २७।२१, मिथुने बुधः १०।११
५	गु	१३	२८	११	०२	पुष्य	१३	२५	११	००	ध्रु	४३	५७	२३	१३	बा	१३	२८	११	०२	०५	३९	१६	कर्के	११	४	१	जून ६ ता. ३०, पातमोक्षः ९।३२, पुष्ये-४ शनिः १६।३१
६	शु	१८	२०	१२	५८	श्ले	१९	४५	१३	३३	व्या	४५	५०	२३	५९	तै	१८	२०	१२	५८	०६	३८	१७	सिंहे १३।३३	१२	५	२	(व) स्वा.-३ गुरुः १७।५३
७	श	२४	१६	१५	२०	मघा	२७	०८	१६	२९	ह	४८	२२	२४	५९	व	२४	१६	१५	२०	०८	३८	१७	सिंहे	१३	६	३	भ. १५।२० उ. २८।३७ या., आर्द्रा. बुधः २४।०४
८	र	३०	३९	१७	५४	पूफा	३४	५५	१९	३६	व	५१	०५	२६	०४	ब	३०	३९	१७	५४	०९	३८	१८	कन्या २६।२२	१४	७	४	दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती, भर. शुक्रः २५।५४
९	सो	३६	४८	२०	२१	उफा	४२	२६	२२	३६	सि	५३	२६	२७	००	बा	३	४८	७	०९	११	३८	१८	कन्या	१५	८	५	[C उफा.-३ केतुः ६।३६
१०	मं	४२	०४	२२	२७	हस्त	४९	०३	२५	१५	व्य	५५	००	२७	३८	तै	९	३५	९	२८	१२	३८	१९	कन्या	१६	९	६	गंगा दशहरा व्र.
११	बु	४५	५७	२४	०१	चित्रा	५४	१८	२७	२१	व	५५	२८	२७	४९	व	१४	१२	११	१९	१३	३८	१९	तुला. १४।२३	१७	१०	७	भ. ११।१९ उ. २४।०१ या., निर्जला ११ व्र.
१२	गु	४८	११	२४	५४	स्वा	५७	५६	२८	४८	प	५४	३८	२७	२९	ब	१७	१७	१२	३२	१५	३८	२०	तुला.	१८	११	८	मृगे रविः ९।५१ (सौरः १५।३३), उभा.-१ राहुः ६।३६, C
१३	शु	४८	४१	२५	०६	विशा	५९	५२	२९	३५	शि	५२	२५	२६	३६	कौ	१८	३९	१३	०५	१६	३८	२०	वृश्चि. २३।२७	१९	१२	९	प्रदोषः, वट सावित्री व्रतारंभः
१४	श	४७	३०	२४	३८	अनु	...	...	...	...	सि	४८	५४	२५	११	ग	१८	१८	१२	५७	१७	३८	२०	वृश्चि.	२०	१३	१०	भ. २४।३८ उ. [A व्र., कबीर जयंती, ज्येष्ठी योगः
१५	र	४४	५१	२३	३४	अनु	०/५९	११/०६	५/२९	४२/१६	सा	४४	११	२३	१८	वि	१६	२०	१२	१०	१८	३८	२१	धनु. २९।१६	२१	१४	११	भ. १२।१० या., मन्दादि, गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, अब्द साध्य A

अयनांशाः २३।५५।४७
८ पं. ज्ये.शु. ५ गु. इष्टघटी ६०।०३
(रेल्वे घ. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	३	२	६	०	३	११	१
१७	०५	०३	१६	१०	१३	०६	१७
२५	०१	२६	४२	००	२२	५९	१३
२३	१८	४६	५३	१२	५७	१२	२७
५७	३६	११०	५	७०	५	३	५७
२९	०७	२८	३७	१३	२६	११	१३
रो	पु	मृ	स्वा	अ	पु	उभा	रो
३	१	४	४व	४	४	२	३



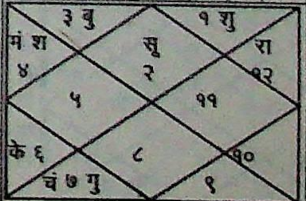
मई ता. वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२८ र	१	१२	३९	३८	५७	३४	२१	२५	३२	३४	६	०५	७	०७	३३	०७	४	५६	६	११
२९ चं	१	१३	३७	१२	५७	३३	२१	३४	३२	३५	६	०५	७	०७	३३	०८	४	५६	६	११
३० मं	१	१४	३४	४४	५७	३२	२१	४३	३२	३७	६	०५	७	०८	३३	१०	४	५६	६	१२
३१ बु	१	१५	३२	१६	५७	३१	२१	५२	३२	३८	६	०५	७	०८	३३	११	४	५६	६	१२
१ गु	१	१६	२९	४७	५७	३०	२२	०१	३२	३९	६	०५	७	०८	३३	१३	४	५५	६	१३
२ शु	१	१७	२७	१६	५७	२९	२२	०९	३२	४०	६	०५	७	०९	३३	१४	४	५५	६	१३
३ श	१	१८	२४	४५	५७	२८	२२	१६	३२	४१	६	०५	७	०९	३३	१५	४	५५	६	१३
४ र	१	१९	२२	१२	५७	२७	२२	२४	३२	४२	६	०५	७	०९	३३	१६	४	५५	६	१४
५ चं	१	२०	१९	३९	५७	२६	२२	३१	३२	४३	६	०५	७	१०	३३	१७	४	५५	६	१४
६ मं	१	२१	१७	०५	५७	२५	२२	३७	३२	४४	६	०५	७	१०	३३	१९	४	५५	६	१५
७ बु	१	२२	१४	२९	५७	२४	२२	४३	३२	४५	६	०५	७	१०	३३	२०	४	५५	६	१५
८ गु	१	२३	११	५३	५७	२३	२२	४९	३२	४५	६	०५	७	११	३३	२०	४	५५	६	१५
९ शु	१	२४	०९	१६	५७	२२	२२	५४	३२	४६	६	०५	७	११	३३	२१	४	५५	६	१६
१० श	१	२५	०६	३८	५७	२१	२२	५९	३२	४७	६	०५	७	११	३३	२२	४	५५	६	१६
११ र	१	२६	०४	००	५७	२१	२३	०४	३२	४७	६	०५	७	१२	३३	२३	४	५५	६	१६

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार हैं जो कि शुभ नहीं हैं । कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों । ज्येष्ठ कृष्णा प्रतिपदा को रविवार होने से पवन अधिक चले । शनिवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष होकर महादुःख तथा महाभय हो पिता-पुत्रों में पराङ्मुखता हो । सुदी तीज को आर्द्रा में वर्षा हो तो दुर्भिक्ष करे । ज्येष्ठ की पूर्णिमा को ज्येष्ठा का क्षय होने से महँगाई हो । कृत्तिका में बुध होने से विप्रगण पीड़ित हों, अल्पवृष्टि हो, अल्प अन्न हो मनुष्यों में ज्वर पीड़ा हो और कहीं कुछ उपद्रव हो ।

अयनांशाः २३।५५।४८
९ पं. ज्ये.शु.१२ गु. इष्टघटी ६०।०५
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	३	२	६	०	३	११	१
२४	०९	१५	१६	१८	१४	०६	२३
०७	१४	२५	०६	१२	०२	३६	५३
२३	३५	३८	२७	५४	२४	५६	३४
५७	३६	१२	४	७०	५	३	५७
२२	१७	०६	३७	३७	५४	११	०५
मृ	पु	आ	स्वा	भ	पु	उभा	मृ
१	२	३	३व	२	४	१	१



आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, १२ जून से २५ जून तक   नवलगढ   चंद्रः

ग्रीष्मर्त्तु रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति महा., जून २००६

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	सो	४०	५७	२२	००	मूल	५६	५१	२८	२२	शु	३८	२८	२१	०१	बा	१३	०२	१०	५०	३४/१८	५/३८	७/२१	धनु.		२२	१५	१२	पुन. बुधः ७।२९
२	मं	३६	०८	२०	०५	पूषा	५३	४५	२७	०८	शु	३१	५९	१८	२५	तै	८	३८	९	०५	१९	३८	२१	धनु.		२३	१६	१३	[C पातस्पर्शः २३।१९, मोक्षः २९।३६
३	बु	३०	४१	१७	५४	उषा	५०	०८	२५	४१	ब्र	२४	५७	१५	३७	व	३	२८	७	०१	२०	३८	२२	मक.	८।४७	२४	१७	१४	भ. ७।०१ उ. १७।५४ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१३, C
४	गु	२४	५३	१५	३५	श्रव	४६	१७	२४	०९	ऐ	१७	३८	१२	४१	बा	२४	५३	१५	३५	२१	३८	२२	मक.		२५	१८	१५	मिथुने रविः ९।१६ (सौरः १५।४९)
५	शु	१९	०१	१३	१४	धनि	४२	२५	२२	३६	वै	१०	१४	९	४४	तै	१९	०१	१३	१४	२१	३८	२२	कुंभे	११।२२	२६	१९	१६	पंचक प्रारम्भः ११।२२, कृत्ति. शुक्रः ९।३८
६	श	१३	१४	१०	५६	शत	३८	४२	२१	०७	वि	२/५५	५२/४२	६/२७	४७/५५	व	१३	१४	१०	५६	२१	३८	२३	कुंभे		२७	२०	१७	भ. १०।५६ उ. २१।४८ या.
७	र	७	४१	८	४३	पूभा	३५	१५	१९	४४	आ	४८	४५	२५	०८	ब	७	४१	८	४३	२२	३८	२३	मीने	१४।०४	२८	२१	१८	वृषे शुक्रः २९।१३ [D कर्के बुधः १५।०७
८	सो	२	२५	६	३७	उभा	३२	०७	१८	२९	सौ	४२	०४	२२	२८	कौ	२	२५	६	३७	२२	३८	२३	मीने		२९	२२	१९	[B १७।५२, श्लेषा. भौमः ११।१८
९	सो	५७	३१	२८	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[A रविः ८।५३ (सौरः १६।२०), अयन करिदिन
१०	मं	५२	५९	२६	५०	रेव	२९	२२	१७	२३	शो	३५	४२	१९	५५	व	२५	११	१५	४३	२२	३९	२४	मेषे	१७।२३	३०	२३	२०	भ. १५।४३ उ. २६।५० या., पंचक समाप्तिः १७।२३, D
११	बु	४८	५५	२५	१३	अश्वि	२७	०२	१६	२८	अ	२९	४२	१७	३२	ब	२०	५३	१४	००	२२	३९	२४	मेषे		३१	२४	२१	योगिनी ११ व्र., सायन कर्के भानुः, सायन दक्षिणायन प्रारम्भ B
१२	गु	४५	२४	२३	४९	भर	२५	१३	१५	४४	सु	२४	०६	१५	१७	कौ	१७	०५	१२	२९	२२	३९	२४	वृषे	२१।३६	१	२५	२२	भा. आषाढारंभः, पातस्पर्शः २१।४४, मोक्षः २८।२९, आर्द्रा. A
१३	शु	४२	३६	२२	४२	कृति	२४	०३	१५	१६	धृ	१९	०२	१३	१६	ग	१३	५४	११	१३	२२	३९	२४	वृषे		२	२६	२३	भ. २२।४२ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
१४	श	४०	४१	२१	५६	रोहि	२३	४१	१५	०८	शू	१४	३८	११	३१	वि	११	३१	१०	१६	२२	४०	२४	मिथु.	२७।१३	३	२७	२४	भ. १०।१६ या., पुष्ये बुधः १२।०२
३०	र	३९	४९	२१	३५	मृग	२४	१९	१५	२४	गं	११	००	१०	०४	च	१०	०६	९	४२	२२	४०	२४	मिथु.		४	२८	२५	देवपितृकार्येऽमा.

(तारीख: भा. मु. इं.)

अयनांशाः २३।५५।५०
१० पं. आ.कृ. ४ गु. इष्टघटी ६०।०४
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	३	२	६	०	३	११	२
००	१३	२५	१५	२६	१४	०६	००
४८	२९	१०	३७	२८	४४	१४	३२
४३	००	३१	२४	१६	५५	४१	५४
५७	३६	७१	३	७०	६	३	५७
१७	२६	३३	३०	५८	१८	११	००
मृ	पु	पुन	स्वा	भ	पु	उभा	मृ
३	४	२	३व	४	४	१	३



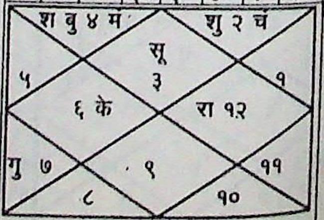
जून		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१२	चं	१	२७	०१	२०	५७	२०	२३	०८	३२	४८	६	०५	७	१२	३३	२४	४	५५	६	१७
१३	मं	१	२७	५८	४०	५७	१९	२३	१२	३२	४८	६	०५	७	१२	३३	२४	४	५५	६	१७
१४	बु	१	२८	५५	५९	५७	१८	२३	१५	३२	४९	६	०५	७	१३	३३	२५	४	५५	६	१७
१५	गु	१	२९	५३	१८	५७	१८	२३	१८	३२	४९	६	०५	७	१३	३३	२५	४	५६	६	१८
१६	शु	२	००	५०	३६	५७	१७	२३	२०	३२	५०	६	०५	७	१३	३३	२६	४	५६	६	१८
१७	श	२	०१	४७	५३	५७	१७	२३	२२	३२	५०	६	०६	७	१३	३३	२६	४	५६	६	१८
१८	र	२	०२	४५	०९	५७	१६	२३	२४	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१८
१९	चं	२	०३	४२	२६	५७	१६	२३	२५	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९
२०	मं	२	०४	३९	४१	५७	१५	२३	२६	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९
२१	बु	२	०५	३६	५६	५७	१५	२३	२६	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५७	६	१९
२२	गु	२	०६	३४	११	५७	१४	२३	२६	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	१९
२३	शु	२	०७	३१	२५	५७	१४	२३	२६	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	२०
२४	श	२	०८	२८	३९	५७	१३	२३	२५	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	२०
२५	र	२	०९	२५	५३	५७	१३	२३	२४	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	२०

संक्रांति फलम्

ता. १५ जून २००६
आषा. कृ. ४ गुरौ मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ९।१६ वारात् ५ नक्षत्रात् ५ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गो विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) ९।१६ से १५।४० तक। (दान- वस्त्रान्न)।

अयनांशाः २३।५५।५१
११ पं. आ.कृ.१२ गु. इष्टघटी ६०।०२
(रेल्वे घं. मि: २९।४०.)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	३	३	६	१	३	११	२
०७	१७	०२	१५	०४	१५	०५	०७
२९	४४	२१	१६	४६	३०	५२	११
३२	३२	०२	२८	०४	०६	२५	३७
५७	३६	४७	२	७१	६	३	५६
१४	३६	२३	१८	१८	३९	११	५६
आ	श्ले	पुन	स्वा	कृ	पु	उभा	आ
१	१	४	३व	३	४	१	१

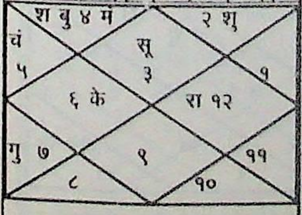


आषाढ शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, २६ जून से ११ जुलाई तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ५११९५, जून-जुलाई २००६

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	सो	४०	१२	२१	४५	आर्द्रा	२६	०८	१६	०७	वृ	८	१८	८	५९	किं	९	५०	९	३६	३४ २१	५ ४०	७ २५	मिथु.	५	२९	२६	
२	मं	४१	५६	२२	२७	पुन	२९	१६	१७	२३	ध्रु	६	३८	८	२०	बा	१०	५४	१०	०२	२१	४०	२५	कर्के ११।०१	६	३०	२७	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्री जगदीश रथ यात्रा, रोहि. शुक्रः १५।१४
३	बु	४५	०७	२३	४४	पुष्य	३३	४७	१९	१२	व्या	६	०४	८	०६	तै	१३	२१	११	०१	२०	४१	२५	कर्के	७	१	२८	जमादिलास्नर ६
४	गु	४९	३९	२५	३३	श्ले	३९	३८	२१	३२	ह	६	३७	८	२०	व	१७	१३	१२	३४	२०	४१	२५	सिंहे २१।३२	८	२	२९	म. १२।३४ उ. २५।३३ या.
५	शु	५५	१७	२७	४८	मघा	४६	३७	२४	२०	व	८	०९	८	५७	ब	२२	२१	१४	३८	१९	४१	२५	सिंहे	९	३	३०	[A गोपद्मव्रतोद्यापनं, हरिवासरः १४।४१ से २०।४९ तक, C
६	श	...	...	...	...	पूफा	५४	१७	२७	२५	सि	१०	२७	९	५३	कौ	२८	२२	१७	०३	१८	४२	२५	सिंहे	१०	४	१	स्कंध षष्ठी, जुलाई ७ ता. ३१
६	र	१	३५	६	२०	उफा	...	...	...	...	व्य	१३	११	१०	५९	तै	१	३५	६	२०	१७	४२	२५	कन्या १०।१२	११	५	२	[C पातमोक्षः ११।२५, बुधास्तः पश्चिमायाम् १०।५४
७	सो	७	५६	८	५३	उफा	२	०५	६	३२	व	१५	५२	१२	०३	व	७	५६	८	५३	१६	४२	२५	कन्या	१२	६	३	म. ८।५३ उ. २२।०५ या., श्लेषा.-१ शनिः १०।२६
८	मं	१३	४०	११	११	हस्त	९	२०	९	२७	प	१८	००	१२	५५	ब	१३	४०	११	११	१५	४३	२५	तुला. २२।४४	१३	७	४	
९	बु	१८	०९	१२	५९	चित्रा	१५	२५	११	५३	शि	१९	०८	१३	२३	कौ	१८	०९	१२	५९	१४	४३	२५	तुला.	१४	८	५	भड़ली ९, वक्री बुधः १५।३७
१०	गु	२०	५५	१४	०६	स्वा	१९	५१	१३	४०	सि	१८	५७	१३	१८	ग	२०	५५	१४	०६	१३	४४	२५	तुला.	१५	९	६	म. २६।२१ उ., मन्वादि, आशा दशमी, पातस्पर्शः २९।२१, पुन. D
११	शु	२१	४२	१४	२५	विशा	२२	२२	१४	४१	सा	१७	१२	१२	३७	वि	२१	४२	१४	२५	११	४४	२५	वृश्चि. ८।३०	१६	१०	७	म. १४।२५ या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास व्रतारंभः, A
१२	श	२०	२९	१३	५६	अनु	२२	५५	१४	५५	शु	१३	५३	११	१८	बा	२०	२९	१३	५६	१०	४५	२५	वृश्चि.	१७	११	८	प्रदोषः, श्रावणे वर्जयेच्छाकम्, मृगे शुक्रः १९।००
१३	र	१७	२५	१२	४३	ज्ये	२१	३९	१४	२५	शु	९	०२	९	२२	तै	१७	२५	१२	४३	०९	४५	२४	धनु. ४।२५	१८	१२	९	जया पार्वती व्रतं [D रविः ८।३० (सौरः १७।४६), मार्गी गुरुः २४।२८
१४	सो	१२	४५	१०	५२	मूल	१८	४८	१३	१७	ब्र	२ ५५	५२ ३७	६ २८	५४ ००	व	१२	४५	१०	५२	०७	४५	२४	धनु.	१९	१३	१०	म. १०।५२ उ. २१।४४ या., पूर्णिमा व्रतं, वायु परीक्षा, गोपद्मव्रतारंभ
१५	मं	६	४९	८	३०	पूषा	१४	४४	११	३९	वै	४७	३३	२४	४७	ब	६	४९	८	३०	०५	४६	२४	मक. १७।१२	२०	१४	११	मन्वादि, पूर्णिमा पुण्यं, गुरु पूर्णिमा व्यासपूजा, आषाढी योगः-

अयनांशाः २३।५५।५२
१२ पं. आ.शु. ४ गु. इष्टघटी ५९।५७
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	३	३	६	१	३	११	२
१४	२२	०६	१५	१३	१६	०५	१३
१०	०१	३१	०४	०६	१७	३०	४९
०३	१२	०८	०८	०४	३७	१०	५९
५७	३६	१९	१	७१	६	३	५६
१२	४५	२८	०३	३६	५७	११	५४
आ	श्ले	पु	स्वा	रो	पु	उभा	आ
३	२	१	३व	१	४	१	३



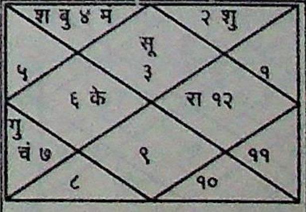
जून ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२६	चं	२	१०	२३	०६	५७	१३	२३	२२	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५८	६	२०
२७	मं	२	११	२०	१९	५७	१३	२३	२०	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२५	४	५८	६	२०
२८	बु	२	१२	१७	३१	५७	१२	२३	१८	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२५	४	५८	६	२०
२९	गु	२	१३	१४	४४	५७	१२	२३	१५	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२४	४	५९	६	२०
३०	शु	२	१४	११	५६	५७	१२	२३	११	३२	४८	६	०९	७	१६	३३	२४	४	५९	६	२०
१	श	२	१५	०९	०८	५७	१२	२३	०८	३२	४८	६	०९	७	१६	३३	२३	४	५९	६	२१
२	र	२	१६	०६	२०	५७	१२	२३	०४	३२	४७	६	०९	७	१६	३३	२३	५	००	६	२१
३	चं	२	१७	०३	३१	५७	१२	२२	५९	३२	४६	६	१०	७	१६	३३	२२	५	००	६	२१
४	मं	२	१८	००	४३	५७	१२	२२	५४	३२	४६	६	१०	७	१६	३३	२१	५	००	६	२१
५	बु	२	१८	५७	५५	५७	१२	२२	४९	३२	४५	६	१०	७	१६	३३	२०	५	०१	६	२१
६	गु	२	१९	५५	०७	५७	१२	२२	४३	३२	४४	६	१०	७	१६	३३	१९	५	०१	६	२१
७	शु	२	२०	५२	१८	५७	१२	२२	३७	३२	४३	६	११	७	१६	३३	१८	५	०१	६	२१
८	श	२	२१	४९	३०	५७	१२	२२	३१	३२	४२	६	११	७	१६	३३	१७	५	०२	६	२०
९	र	२	२२	४६	४२	५७	१२	२२	२४	३२	४२	६	११	७	१६	३३	१६	५	०२	६	२०
१०	चं	२	२३	४३	५४	५७	१२	२२	१६	३२	४१	६	१२	७	१६	३३	१५	५	०२	६	२०
११	मं	२	२४	४१	०६	५७	१२	२२	०९	३२	३९	६	१२	७	१६	३३	१३	५	०३	६	२०

मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार और पांच मंगलवार होने से धान्य सस्ता हो। छठ को शनिवार होने से गेहूं के भाव मंदे हों। कृष्णा चतुर्दशी में रोहिणी होने से राजयुद्ध तथा प्रजा में शोक हो। अमावस्या को रविवार मृगशिरा योग. सुभिक्ष कारक है। शुक्ला पंचमी को शुक्रवार होने से भारी तूफान चले। शुक्ला चतुर्दशी को सोमवार होने से धान्य और तृणादि (घास) में कमी हो। पूर्णिमा मंगलवार और पूर्वाषाढा युक्त होने से व्याधि हो। पूनम पन्द्रह घडी से भी कम होने से महर्घता हो, वायु और बादल के संयोग से फलों में न्यूनाधिकता हो।

अयनांशाः २३।५५।५३
१३ पं. आ.शु.१० गु. इष्टघटी ५९।५०
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	३	३	६	१	३	११	२
२०	२६	०७	१५	२१	१७	०५	२०
५०	१८	१४	००	२८	०७	०७	२८
२५	५९	५९	३७	०८	०५	५४	१२
५७	३६	११	०	७१	७	३	५६
१२	५५	३९	१३	५३	१३	११	५३
पुन	श्ले	पु	स्वा	रो	श्ले	उभा	पुन
१	३	२व	३	४	१	१	१



श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०६२, शाकः १९२८, १२ जुलाई से २५ जुलाई तक नवलगढ																									चंद्रः		तारीख			वर्षर्तु रविर्दक्षिणे आषाढकृष्णोति महा., जुलाई २००६
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.		स्टै.	टा.	मा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	बु	०	०१	५	४७	उषा	९	५०	९	४२	वि	३९	००	२१	२२	कौ	०	०१	५	४७	३४ ०४	५ ४६	७ २४		मक.		२१	१५	१२	नक्त व्रतारंभः, बृहत्तल्पा, सिंहे मघा. भौमः २९।०६
२	बु	५२	४४	२६	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०			०	०	०	०	[B निरयन दक्षिणायनारंभः
३	गु	४५	१७	२३	५४	श्रव	४	३१	७	३५	प्री	३०	१६	१७	५३	व	१८	५९	१३	२३	०२	४७	२४		कुंभे	१८।३१	२२	१६	१३	भ. १३।२३ उ. २३।५४ या., पंचक प्रारम्भः १८।३१
४	शु	३८	०१	२१	००	शत	५९ ५४	०९ ०२	३१ २७	२७ २४	आ	२१	३७	१४	२६	ब	११	३७	१०	२६	००	४७	२३		कुंभे		२३	१७	१४	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१०, मिथुने शुक्रः ८।१६
५	श	३१	१३	१८	१७	पूभा	४९	२५	२५	३४	सौ	१३	१६	११	०६	कौ	४	३३	७	३७	३३ ५८	४८	२३		मीने	२०।००	२४	१८	१५	नागपञ्चमी (मरु.), (व) पुन. बुधः २३।३८
६	र	२५	०१	१५	४९	उभा	४५	२९	२४	००	शो	५ ५८	२४ ०८	७ २९	५८ ०४	व	२५	०१	१५	४९	५६	४८	२३		मीने		२५	१९	१६	भ. १५।४९ उ. २६।४२ या., कर्के रविः २०।१३, B
७	सो	१९	३६	१३	३९	रेव	४२	२०	२२	४५	सु	५१	३१	२६	२५	ब	१९	३६	१३	३९	५४	४९	२२		मेषे	२२।४५	२६	२०	१७	पंचक समाप्तिः २२।४५, कर्के सौरः ६।४८
*८	मं	१५	०१	११	५०	अश्वि	४०	०४	२१	५१	धृ	४५	३७	२४	०४	कौ	१५	०१	११	५०	५२	४९	२२		मेषे		२७	२१	१८	शनैरस्तः पश्चिमायाम् २१।३४
९	बु	११	१९	१०	२१	भर	३८	४१	२१	१८	शू	४०	२८	२२	०१	ग	११	१९	१०	२१	५०	५०	२२		वृषे	२७।१४	२८	२२	१९	भ. २१।४६ उ., पातस्पर्शः १३।०५,मोक्षः १८।३०, आर्द्रा. शुक्रः २१।०८
१०	गु	८	३३	९	१५	कृति	३८	१६	२१	०९	गं	३६	०५	२०	१६	वि	८	३३	९	१५	४८	५०	२१		वृषे		२९	२३	२०	भ. ९।१५ या., पुष्ये रविः ८।०४ (सौरः १९।०५), A
११	शु	६	४७	८	३४	रोहि	३८	५०	२१	२३	वृ	३२	३०	१८	५१	बा	६	४७	८	३४	४५	५१	२१		वृषे		३०	२४	२१	कामिका ११ व्र. [A (व) मिथुने बुधः २१।२२
१२	श	६	०२	८	१६	मृग	४०	२७	२२	०२	ध्रु	२९	४६	१७	४६	तै	६	०२	८	१६	४३	५१	२०		मिथु.	९।३९	३१	२५	२२	प्रदोषः, सायन सिंहे भानुः २८।५०
१३	र	६	२१	८	२४	आर्द्रा	४३	०७	२३	०७	व्या	२७	५३	१७	०१	व	६	२१	८	२४	४०	५२	२०		मिथु.		१	२६	२३	भ. ८।२४ उ. २०।३९ या., मासिकशिवरात्री व्र., भा. श्रावणारंभः
१४	सो	७	४७	८	५९	पुन	४६	५३	२४	३८	ह	२६	५३	१६	३७	श	७	४७	८	५९	३८	५२	२०		कर्के	१८।१२	२	२७	२४	पितृकार्येऽमा.
३०	मं	१०	२०	१०	०१	पुष्य	५१	४४	२६	३५	व	२६	४५	१६	३५	ना	१०	२०	१०	०१	३५	५३	१९		कर्के		३	२८	२५	देवकार्येऽमा., हरियाली ३०

अयनांशाः २३।५५।५४
१४ पं. श्रा.कृ. ३ गु. इष्टघटी ५९।४२
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	४	३	६	१	३	११	२
२७	००	०४	१५	२९	१७	०४	२७
३०	३७	२७	०५	५२	५८	४५	०६
५१	५७	१६	५८	१०	११	३९	३१
५७	३७	३७	१	७२	७	३	५६
१३	०५	३६	२९	१०	२५	११	५५
पुन	म	पु	स्वा	मृ	श्ले	उभा	पुन
३	१	१व	३	२	१	१	३



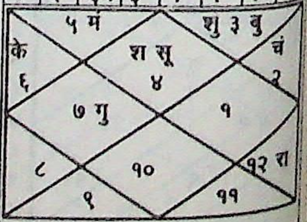
जुलाई		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१२	बु	२	२५	३८	१८	५७	१३	२२	०१	३२	३८	६	१३	७	१६	३३	१२	५	०३	६	२०
१३	गु	२	२६	३५	३१	५७	१३	२१	५२	३२	३७	६	१३	७	१६	३३	११	५	०४	६	२०
१४	शु	२	२७	३२	४४	५७	१३	२१	४४	३२	३६	६	१३	७	१६	३३	०९	५	०४	६	२०
१५	श	२	२८	२९	५७	५७	१३	२१	३४	३२	३५	६	१४	७	१५	३३	०८	५	०४	६	२०
१६	र	२	२९	२७	१०	५७	१४	२१	२५	३२	३४	६	१४	७	१५	३३	०६	५	०५	६	१९
१७	चं	३	००	२४	२४	५७	१४	२१	१५	३२	३२	६	१४	७	१५	३३	०५	५	०५	६	१९
१८	मं	३	०१	२१	३८	५७	१५	२१	०५	३२	३१	६	१५	७	१५	३३	०३	५	०६	६	१९
१९	बु	३	०२	१८	५२	५७	१५	२०	५४	३२	२९	६	१५	७	१५	३३	०१	५	०६	६	१९
२०	गु	३	०३	१६	०७	५७	१५	२०	४३	३२	२८	६	१५	७	१५	३२	५९	५	०६	६	१८
२१	शु	३	०४	१३	२३	५७	१६	२०	३२	३२	२६	६	१६	७	१४	३२	५८	५	०७	६	१८
२२	श	३	०५	१०	३९	५७	१६	२०	२०	३२	२५	६	१६	७	१४	३२	५६	५	०७	६	१८
२३	र	३	०६	०७	५५	५७	१७	२०	०८	३२	२३	६	१६	७	१४	३२	५४	५	०८	६	१७
२४	चं	३	०७	०५	१२	५७	१८	१९	५६	३२	२२	६	१७	७	१३	३२	५२	५	०८	६	१७
२५	मं	३	०८	०२	३०	५७	१८	१९	४३	३२	२०	६	१७	७	१३	३२	५०	५	०९	६	१६

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २००६
श्रा. कृ. ६ रवौ कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २०।१३ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः विष्टीकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं अश्ववाहनं सिंहोपवाहनं स्थैर्यकारक कृष्णवस्त्रं कुन्तायुधं पत्रपात्रं चित्रान्नभक्षणं ओतुमदोलेपनं विप्रजातिः दुर्वापुष्पं गुंजाभूषणं नीलकंचुकी वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) ८।१३ से २०।१३ तक । (दान- घृत, धेनु) ।

अयनांशाः २३।५५।५५
१५ पं. श्रा.कृ.१० गु. इष्टघटी ५९।३४
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	४	२	६	२	३	११	३
०४	०४	२९	१५	०८	१८	०४	०३
११	५८	४६	२०	१८	५०	२३	४५
३०	०६	३४	००	०६	३१	२४	०८
५७	३७	३६	२	७२	७	३	५६
१६	१६	१८	४२	२६	३३	११	५९
पु	म	पुन	स्वा	आ	श्ले	उभा	पु
१	२	३व	३	१	१	१	१

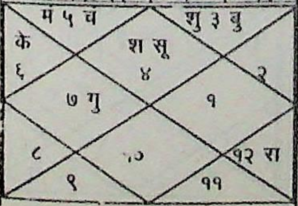


॥ श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम् ॥

श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, २६ जुलाई से ९ अगस्त तक नवलगढ चंद्रः																									तारीख			वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ५२२५, जुलाई-अगस्त २००६
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	बु	१४	००	११	२९	श्ले	५७	३८	२८	५७	सि	२७	२७	१६	५२	ब	१४	००	११	२९	३३ ३३	५ ५३	७ १८	सिंहे २८।५७	४	२९	२६	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), बुधोदयः पूर्वस्याम् २९।२२ [H तिलकपुण्यतिथि
२	गु	१८	४३	१३	२३	मघा	...	...	...	...	व्य	२८	५८	१७	२९	कौ	१८	४३	१३	२३	३०	५४	१८	सिंहे	५	१	२७	श्रृंगार (सिंघारा) देशाचारे, रज्जव ७ [F उफा.-२ केतुः २८।१५
३	शु	२४	२०	१५	३९	मघा	४	२६	७	४१	व	३१	०९	१८	२२	ग	२४	२०	१५	३९	२७	५४	१७	सिंहे	६	२	२८	म.२८।५३ उ., तीज,स्वर्णगौरीव्र., मधुश्रवाव्र.(गुर्जरे), सुकृत तृतीयाव्र.
४	श	३०	३७	१८	१०	पूफा	११	५९	१०	४३	प	३३	४७	१९	२६	वि	३०	३७	१८	१०	२४	५५	१७	कन्या १७।३०	७	३	२९	भ. १८।१० या., वरद चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्र., मार्गी बुधः १४।३८
५	र	३७	०९	२०	४७	उफा	१९	५३	१३	५३	शि	३६	३६	२०	३४	ब	३	५३	७	२९	२२	५६	१६	कन्या	८	४	३०	नागपञ्चमी, नागदष्ट व्र., पुन. शुक्रः २१।४३, श्लेषा.-२ शनिः ८।३७
६	सो	४३	२०	२३	१६	हस्त	२७	३६	१६	५९	सि	३९	११	२१	३६	कौ	१०	१८	१०	०३	१९	५६	१६	कन्या	९	५	३१	कल्की जयंती, वर्णषष्ठी, रोटक व्रतारंभः, सोमेश्वरपूजनं
७	मं	४८	३६	२५	२३	चित्रा	३४	३५	१९	४६	सा	४१	०३	२२	२२	ग	१६	०६	१२	२३	१६	५७	१५	तुला. ६।२६	१०	६	१	भ. २५।२३ उ., शीतला, तुलसी जयंती, अगस्त ८ ता. ३१, H
८	बु	५२	२१	२६	५४	स्वा	४०	१२	२२	०२	शु	४१	५०	२२	४१	वि	२०	४०	१४	१३	१३	५७	१४	तुला.	११	७	२	भ. १४।१३ या., दुर्गाष्टमी, पातस्पर्शः १०।०४, मोक्षः १५।०७
९	गु	५४	१२	२७	३८	विशा	४४	०३	२३	३५	शु	४१	०८	२२	२५	बा	२३	३०	१५	२२	१०	५८	१४	वृश्चि. १७।१६	१२	८	३	श्लेषा. रविः ७।०० (सौरः १९।३१), पूफा. भौमः १५।२९
१०	शु	५३	५४	२७	३२	अनु	४५	५०	२४	१८	ब्र	३८	४९	२१	३०	तै	२४	१८	१५	४१	०७	५८	१३	वृश्चि.	१३	९	४	[B आपस्तंभ, बौधायन, काण्वमध्यन्दिन (कात्या.), अथर्ववेदि, E
११	श	५१	३२	२६	३५	ज्ये	४५	३३	२४	१२	ऐ	३४	४९	१९	५४	व	२२	५८	१५	१०	०६	५९	१२	धनु. २४।१२	१४	१०	५	भ. १५।१० उ. २६।३५ या., पवित्रा ११ व्र., कर्के बुधः १६।१९
१२	र	४७	१३	२४	५२	मूल	४३	१८	२३	१८	वै	२९	१०	१७	३९	ब	१९	३५	१३	४९	००	५९	११	धनु.	१५	११	६	दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं [E ऋग्वेदि उपाकर्म, स्वा.-४ गुरुः D
१३	सो	४१	१३	२२	२९	पूषा	३९	२२	२१	४५	वि	२२	०५	१४	५०	कौ	१४	२४	११	४५	३२ ५७	६ ००	११	मक. २७।१६	१६	१२	७	प्रदोषः, कर्के शुक्रः २७।०८ [D ७।३५, पूभा.-४ राहुः २८।१५, F
१४	मं	३३	५७	१९	३५	उषा	३४	०८	१९	३९	प्री	१३	५०	११	३२	ग	७	४३	९	०६	५४	००	१०	मक.	१७	१३	८	भ. १९।३५ उ. ३०।०० या., सूणमाण्डणा, पुष्ये बुधः २८।०७
१५	बु	२५	४८	१६	२०	श्रव	२८	००	१७	१३	आ	४ ५५	४३ ०५	७ २८	५४ ०३	ब	२५	४८	१६	२०	५१	०१	०९	कुंभे २७।५५	१८	१४	९	पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, रक्षाबंधनं, श्रावणी(मरु),पंचकप्रारम्भः २७।५५, A
																												[A हयग्रीवजयंती, नारियल १५, यजुर्वेदि, तैतरीय, हिरण्यकेशीय, B

अयनांशाः २३।५५।५६
१६ पं. श्रा.शु. २ गु. इष्टघटी ५९।२४
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	४	२	६	२	३	११	३
१०	०९	२७	१५	१६	१९	०४	१०
५२	१९	०१	४२	४५	४३	०१	२४
३४	३१	२२	२९	५४	४४	०८	१७
५७	३७	२	३	७२	७	३	५७
२०	२७	१९	५३	४२	३९	११	०५
पु	म	पुन	स्वा	आ	श्ले	उषा	पु
३	३	३व	३	४	१	१	३



जुलाई रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२६	बु	३	०८	५९	४८	५७	१९	१९	३०	३२	१८	६	१७	७	१३	३२	४८	५	०९	६	१६
२७	गु	३	०९	५७	०७	५७	२०	१९	१७	३२	१७	६	१८	७	१२	३२	४६	५	०९	६	१६
२८	शु	३	१०	५४	२७	५७	२०	१९	०३	३२	१५	६	१८	७	१२	३२	४३	५	१०	६	१५
२९	श	३	११	५१	४७	५७	२१	१८	४९	३२	१३	६	१८	७	१२	३२	४१	५	१०	६	१५
३०	र	३	१२	४९	०९	५७	२२	१८	३५	३२	११	६	१९	७	११	३२	३९	५	११	६	१४
३१	चं	३	१३	४६	३१	५७	२३	१८	२१	३२	०९	६	१९	७	११	३२	३७	५	११	६	१४
१	मं	३	१४	४३	५३	५७	२४	१८	०६	३२	०७	६	१९	७	१०	३२	३४	५	११	६	१३
२	बु	३	१५	४१	१७	५७	२४	१७	५१	३२	०५	६	२०	७	१०	३२	३२	५	१२	६	१३
३	गु	३	१६	३८	४१	५७	२५	१७	३५	३२	०३	६	२०	७	०९	३२	३०	५	१२	६	१२
४	शु	३	१७	३६	०७	५७	२६	१७	१९	३२	०१	६	२०	७	०९	३२	२७	५	१३	६	१२
५	श	३	१८	३३	३३	५७	२७	१७	०३	३१	५९	६	२१	७	०८	३२	२५	५	१३	६	११
६	र	३	१९	३१	००	५७	२८	१६	४७	३१	५७	६	२१	७	०८	३२	२२	५	१३	६	१०
७	चं	३	२०	२८	२८	५७	२९	१६	३१	३१	५५	६	२१	७	०७	३२	२०	५	१४	६	१०
८	मं	३	२१	२५	५८	५७	३०	१६	१४	३१	५३	६	२२	७	०७	३२	१७	५	१४	६	०९
९	बु	३	२२	२३	२८	५७	३१	१५	५७	३१	५१	६	२२	७	०६	३२	१५	५	१५	६	०८

मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से सुभिक्ष हो। कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों। कृ. प्रतिपदा को बुधवार होने से दुर्भिक्ष हो। कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों। कृष्णा एकादशी को रोहिणी होंने से सुभिक्ष हो। अमावस्या को मंगलवार और पुष्य होने से अरिष्टकारी योग बनता है। श्रावणी पूर्णिमा को श्रवण होने से धान्योत्पत्ति वहुत हो। आर्द्रा में शुक्र होने से कोसल तथा कलिङ्ग देश का नाश और अतिवृष्टि हो।

अयनांशाः २३।५५।५७
१७ पं. श्रा.शु. ९ गु. इष्टघटी ५९।१५
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	४	२	६	२	३	११	३
१७	१३	२८	१६	२५	२०	०३	१७
३४	४२	५७	१३	१५	३७	३८	०४
१३	१३	१७	०२	३५	३१	५३	११
५७	३७	४१	५	७२	७	३	५७
२६	३८	३४	००	५८	४२	११	१२
श्ले	पूफा	पुन	स्वा	पुन	श्ले	उभा	श्ले
१	१	३	३	२	२	१	१



भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, १० अगस्त से २३ अगस्त तक नवलगढ																								चंद्रः		तारीख			वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति महा., अगस्त २००६
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	गु	१७	११	१२	५४	धनि	२१	२५	१४	३५	शो	४५	१२	२४	०६	कौ	१७	११	१२	५४	३२ ४७	६ ०१	७ ०८	कुंभे		१९	१५	१०	पुष्ये शुक्रः २०।४६ |E भारतीयस्वतंत्रतादिवस
२	शु	८	२८	९	२५	शत	१४	४६	११	५६	अ	३५	२६	२०	१२	ग	८	२८	९	२५	४४	०२	०७	मीने	२८।०२	२०	१६	११	भ. १९।४३ उ., कज्जली(बूढी ३) |F पातस्पर्शः १४।०१, मोक्षः १८।०
३	श	०	०३	६	०४	पूभा	८	२८	९	२५	सु	२६	०२	१६	२७	वि	०	०३	६	०४	४१	०२	०७	मीने		२१	१७	१२	भ. ६।०४ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।१६
४	श	५२	१५	२६	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	|B भानुः १२।००, शनेरुदयः पूर्वस्याम् १४।५१
५	र	४५	१९	२४	१०	उभा	२ ५८	४८ ०६	७ २९	१० १७	घृ	१७	१६	१२	५७	कौ	१८	३९	१३	३०	३७	०३	०६	मेषे	२९।१७	२२	१८	१३	पंचक समाप्तिः २९।१७, चंद्रषष्ठी (मरु.)
६	सो	३९	२८	२१	५०	अश्वि	५४	३१	२७	५२	शू	९	११	९	४७	ग	१२	१३	१०	५६	३४	०३	०५	मेषे		२३	१९	१४	भ. २१।५० उ., बृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), हलषष्ठी, F
७	मं	३४	५३	२०	०१	भर	५२	१४	२६	५८	गं	२ ५६	२१ २८	७ २८	०० ३९	वि	६	५९	८	५२	३०	०४	०४	मेषे		२४	२०	१५	भ. ८।५२ या., जन्माष्टमी व्र. स्मा., शीतला व्र., E
८	बु	३१	४१	१८	४५	कृति	५१	२१	२६	३७	ध्रु	५१	४२	२६	४५	बा	३	०५	७	१८	२७	०४	०३	वृषे	८।४९	२५	२१	१६	मन्वादि, जन्माष्टमी व्र. वैष्ण., सिंहे मघा. रविः २८।४२
९	गु	२९	५६	१८	०३	रोहि	५१	५३	२६	५०	व्या	४८	०५	२५	११	तै	०	३७	६	२०	२३	०५	०२	वृषे		२६	२२	१७	भ. २९।५५ उ., गोगानवमी, सिंहे मघा. सौरः १८।२३, भौमास्तः C
१०	शु	२९	३६	१७	५६	मृग	५३	५०	२७	३७	ह	४५	३८	२४	२०	वि	२९	३६	१७	५६	२०	०५	०१	मिथु.	१५।०९	२७	२३	१८	भ. १७।५६ या. |C पश्चिमायाम् १८।३०, श्लेषा. बुधः २६।३१
११	श	३०	४२	१८	२३	आर्द्रा	५७	०६	२८	५६	व	४४	१५	२३	४८	बा	३०	४२	१८	२३	१६	०६	००	मिथु.		२८	२४	१९	अजा ११ व्र., जैनपर्युषण, वत्सपूजा
१२	र	३३	०५	१९	२०	पुन	...	...	...	...	सि	४३	४९	२३	३८	कौ	१	४४	६	४८	१२	०६	६ ५९	कर्के	२४।१५	२९	२५	२०	|A लोहार्गल स्ना., मातृ ३०, भां. भाद्रपदारंभः, सायन कन्यायां B
१३	सो	३६	३६	२०	४५	पुन	१	३३	६	४४	व्य	४४	१७	२३	४९	ग	४	४२	८	००	०९	०७	५८	कर्के		३०	२६	२१	भ. २०।४५ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., बुधास्तः D
१४	मं	४१	०६	२२	३४	पुष्य	७	०३	८	५६	व	४५	२७	२४	१८	वि.	८	४४	९	३७	०५	०७	५७	कर्के		३१	२७	२२	भ. ९।३७ या. |D पूर्वस्याम् १५।२३, श्लेषा. शुक्रः १८।१९
३०	बु	४६	२४	२४	४१	श्ले	१३	२४	११	२९	प	४७	१५	२५	०२	च	१३	३९	११	३५	०१	०८	५६	सिंहे	११।२९	१	२८	२३	कुशांग्रहणी, पिठोरी ३०, देवपितृकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, A

अयनांशाः २३।५५।५८
१८ पं. भा.कृ. १ गु. इष्टघटी ५९।०६
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	४	३	६	३	३	११	३
२४	१८	०५	१६	०३	२१	०३	२३
१६	०६	५०	५१	४७	३१	१६	४५
३८	१७	२५	१३	०९	२८	३७	०२
५७	३७	८१	६	७३	७	३	५७
३४	५०	०२	०३	१४	४२	११	२१
श्ले	पूफा	पु	स्वा	पु	श्ले	पूभा	श्ले
३	२	१	४	१	२	४	३



अगस्त	रविस्पष्ट पातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकत्ता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१० गु	३	२३	२०	५९	५७	३२	१५	३९	३१	४९	६	२२	७	०६	३२	१२	५	१५	६	०८
११ शु	३	२४	१८	३२	५७	३४	१५	२२	३१	४७	६	२२	७	०५	३२	०९	५	१५	६	०७
१२ श	३	२५	१६	०६	५७	३५	१५	०४	३१	४५	६	२३	७	०५	३२	०७	५	१६	६	०६
१३ र	३	२६	१३	४०	५७	३६	१४	४६	३१	४२	६	२३	७	०४	३२	०४	५	१६	६	०६
१४ चं	३	२७	११	१६	५७	३७	१४	२८	३१	४०	६	२३	७	०३	३२	०१	५	१६	६	०५
१५ मं	३	२८	०८	५३	५७	३८	१४	०९	३१	३८	६	२४	७	०३	३१	५९	५	१७	६	०४
१६ बु	३	२९	०६	३२	५७	४०	१३	५०	३१	३६	६	२४	७	०२	३१	५६	५	१७	६	०३
१७ गु	४	००	०४	१२	५७	४१	१३	३१	३१	३३	६	२४	७	०१	३१	५३	५	१७	६	०३
१८ शु	४	०१	०१	५३	५७	४२	१३	१२	३१	३१	६	२४	७	०१	३१	५०	५	१८	६	०२
१९ श	४	०१	५९	३५	५७	४४	१२	५३	३१	२९	६	२५	७	००	३१	४७	५	१८	६	०१
२० र	४	०२	५७	१८	५७	४५	१२	३३	३१	२६	६	२५	६	५९	३१	४५	५	१९	६	००
२१ चं	४	०३	५५	०३	५७	४६	१२	१३	३१	२४	६	२५	६	५८	३१	४२	५	१९	६	००
२२ मं	४	०४	५२	५०	५७	४८	११	५३	३१	२१	६	२५	६	५८	३१	३९	५	१९	५	५९
२३ बु	४	०५	५०	३८	५७	४९	११	३३	३१	१९	६	२५	६	५७	३१	३६	५	२०	५	५८

संक्रांति फलम्

ता. १६ अगस्त २००६
भा. कृ. ८ बुधे सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २८।४२ वारात् ४ नक्षत्रात् ६ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २२।१८ से २८।४२ तक। (दान- छत्र)।

अयनांशाः २३।५५।५९
१९ पं. भा.कृ. ९ गु. इष्टघटी ५८।
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

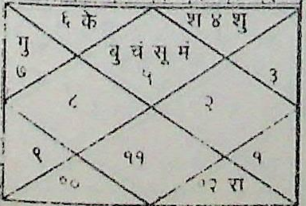
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.
४	४	३	६	३	३	११
००	२२	१६	१७	१२	२२	०२
५९	३१	५३	३६	२०	२५	५४
५९	४६	५९	३२	३५	१५	२२
५७	३८	११०	७	७३	७	३
४२	०३	१२	०२	३०	३९	११
म	पूफा	श्ले	स्वा	पु	श्ले	पूभा
१	३	१	४	३	२	४



भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, २४ अगस्त से ७ सितंबर तक नवलगढ चंद्रः																										तारीख			शरदृतु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ५२५४, अगस्त-सितंबर २००६
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.		भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	गु	५२	१९	२७	०४	मघा	२०	२६	१४	१९	शि	४९	२९	२५	५६	किं	१९	१६	१३	५१	३१ ५८	६ ०८	६ ५५	सिंहे		२	२९	२४	उफा. भौमः १७।५४, सिंहे मघाः बुधः २४।२० [J अगस्त्योदयः १४।५०
२	शु	५८	३९	२९	३७	पूफा	२७	५८	१७	२०	सि	५२	०३	२६	५८	बा	२५	२६	१६	१९	५४	०९	५४	कन्या २४।०७		३	३०	२५	चंद्रदर्शनम्(मु.४५), श्लेषा.-३ शनिः १०।२९ [L पातस्पर्शः २७।०१, J
३	श	…	…	…	…	उफा	३५	४७	२०	२८	सा	५४	४६	२८	०४	तै	३१	५४	१८	५५	५०	०९	५३	कन्या		४	१	२६	मन्वादि, वराहजयंती, सावान ८ [A हरितालिकाव्र., सामवेदिउपाकर्म, L
३	र	५	१०	८	१४	हस्त	४३	३६	२३	३६	शु	५७	२४	२९	०७	ग	५	१०	८	१४	४६	१०	५२	कन्या		५	२	२७	भ.२१।३१ उ., गणेश चतुर्थी (चंद्रदर्शननिषेधः), जैनसंवत्सरी, हस्तिगौरीव्र., A
४	सो	११	३०	१०	४६	चित्रा	५१	००	२६	३४	शु	५९	३८	३०	०२	वि	११	३०	१०	४६	४२	१०	५१	तुला. १३।०७		६	३	२८	भ.१०।४६ या., ऋषिपंचमी, पातमोक्षः ७।२९ [E ७।१४ उपरान्त, पूफा. F
५	मं	१७	१३	१३	०४	स्वा	५७	३०	२९	११	ब्र	…	…	…	…	बा	१७	१३	१३	०४	३९	११	५०	तुला.		७	४	२९	ललिताषष्ठीव्र. (गुर्जरे), कन्यायां भौमः २३।१२ [F सौरः १५।०७, G
६	बु	२१	४७	१४	५४	विशा	…	…	…	…	ब्र	१	०४	६	३७	तै	२१	४७	१४	५४	३५	११	४९	वृश्चि. २४।४७		८	५	३०	सौर (सूर्य) षष्ठी, स्कन्द दर्शनं, दूबड़ी सातम, पूफा. रविः २४।४२
७	गु	२४	४८	१६	०७	विशा	२	३७	७	१४	ऐ	१	२७	६	४६	व	२४	४८	१६	०७	३१	१२	४८	वृश्चि.		९	६	३१	भ.१६।०७ उ. २८।२६ या., मुक्ताभरणव्र., उमामहेश्वरपू., गौरी आवाहन E
८	शु	२५	५५	१६	३४	अनु	६	००	८	३६	वै	० ५७	२४ ४८	६ २९	२२ १९	ब	२५	५५	१६	३४	२७	१२	४७	वृश्चि.		१०	७	१	दधीची जयंती, श्रीराधा ८, गौरीपूजन ८।३६ उपरान्त, सितंबर ९ H
९	श	२४	५९	१६	१२	ज्ये	७	२५	९	११	प्री	५३	३३	२७	३८	कौ	२४	५९	१६	१२	२३	१३	४६	धनु. ९।११		११	८	२	अदुःखनवमीव्र., श्रीचंद्र (उदासीन संप्रदाय), गौरीविसर्जन ९।११ उप.
१०	र	२१	५९	१५	००	मूल	६	४८	८	५६	आ	४७	४१	२५	१७	ग	२१	५९	१५	००	१९	१३	४५	धनु.		१२	९	३	भ.२६।०८ उ., दशावतारव्र., श्रीरामदेवजी का मेला [G पूफा. बुधः १७।२९
११	सो	१७	०६	१३	०४	पूषा	४	१६	७	५६	सौ	४०	२२	२२	२२	वि	१७	०६	१३	०४	१५	१३	४४	मक. १३।३४		१३	१०	४	भ. १३।०४ या., जलझूलनी ११ व्र., विशा.-१ गुरुः २३।२८
१२	मं	१०	३५	१०	२८	उषा	० ५४	०१ २६	६ २८	१४ ००	शो	३१	४९	१८	५७	बा	१०	३५	१०	२८	११	१४	४२	मक.		१४	११	५	प्रदोषः, वामनजयंती, दुग्धव्रतं, गोत्रिरात्रव्र. [H ता.३०, सिंहे मघा. शुक्रः १४।२५
१३	बु	२	४८	७	२२	धनि	४७	५१	२५	२३	अ	२२	१९	१५	१०	तै	२	४८	७	२२	०७	१४	४१	कुंभे १४।४४		१५	१२	६	भ.२७।५३ उ., पंचकप्रारम्भः १४।४४, अनन्त १४, कदलीव्रतंपू., रंभारोपणं
१४	बु	५४	०६	२७	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	[B प्रौष्ठपदी, महेश्वरपू., कु. संध्यापूजा, इंदुला १५, उफा. बुधः १८।५४
१५	गु	४४	५२	२४	१२	शत	४०	४०	२२	३१	सु	१२	११	११	०७	वि	१९	३१	१४	०३	०४	१५	४०	कुंभे		१६	१३	७	भ.१४।०३ या., खण्डग्रासंचन्द्रग्रहणम्, पूर्णिमाव्रतंपु., महालयश्राद्धारंभः, B

अयनांशाः २३।५६।००
२० पं. भा.शु. १ गु. इष्टघटी ५८।४९
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	४	४	६	३	३	११	४
०७	२६	००	१८	२०	२३	०२	०७
४४	५८	२६	२८	५५	१८	३२	१०
२४	४४	३५	३१	५३	२९	०७	१९
५७	३८	१२व	७	७३	७	३	५७
५२	१६	०७	५६	४६	३२	११	४४
म	उफा	म	स्वा	श्ले	श्ले	पूभा	म
३	१	१	४	२	२	४	३



अगस्त		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेलवे-टाईम						कलकता रेलवे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२४	गु	४	०६	४८	२७	५७	५१	११	१३	३१	१७	६	२६	६	५६	३१	३३	५	२०	५	५७
२५	शु	४	०७	४६	१८	५७	५२	१०	५२	३१	१४	६	२६	६	५६	३१	३०	५	२०	५	५६
२६	श	४	०८	४४	१०	५७	५४	१०	३१	३१	१२	६	२६	६	५५	३१	२७	५	२०	५	५५
२७	र	४	०९	४२	०४	५७	५५	१०	१०	३१	०९	६	२६	६	५४	३१	२४	५	२१	५	५४
२८	चं	४	१०	३९	५९	५७	५७	९	४९	३१	०७	६	२६	६	५३	३१	२१	५	२१	५	५३
२९	मं	४	११	३७	५६	५७	५८	९	२८	३१	०४	६	२७	६	५२	३१	१८	५	२१	५	५३
३०	बु	४	१२	३५	५४	५८	००	९	०७	३१	०२	६	२७	६	५२	३१	१५	५	२२	५	५२
३१	गु	४	१३	३३	५४	५८	०२	८	४५	३०	५९	६	२७	६	५१	३१	१२	५	२२	५	५१
१	शु	४	१४	३१	५५	५८	०३	८	२४	३०	५७	६	२७	६	५०	३१	०९	५	२२	५	५०
२	श	४	१५	२९	५९	५८	०५	८	०२	३०	५४	६	२७	६	४९	३१	०६	५	२३	५	४९
३	र	४	१६	२८	०४	५८	०७	७	४०	३०	५२	६	२८	६	४८	३१	०३	५	२३	५	४८
४	चं	४	१७	२६	१०	५८	०८	७	१८	३०	४९	६	२८	६	४७	३१	००	५	२३	५	४७
५	मं	४	१८	२४	१८	५८	१०	६	५६	३०	४६	६	२८	६	४७	३०	५६	५	२३	५	४६
६	बु	४	१९	२२	२८	५८	१२	६	३४	३०	४४	६	२८	६	४६	३०	५३	५	२४	५	४५
७	गु	४	२०	२०	४०	५८	१३	६	११	३०	४१	६	२८	६	४५	३०	५०	५	२४	५	४४

अयनांशाः २३।५६।०१
२१ पं. भा.शु. ७ गु. इष्टघटी ५८।४०
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	५	४	६	३	३	११	४
१४	०१	१४	१९	२९	२४	०२	१३
३०	२७	१९	२६	३३	१०	०९	५५
०१	१३	२२	३६	०१	५०	५१	०६
५८	३८	११६	८	७४	७	३	५७
०३	२९	०२	४६	०१	२३	११	५७
पूफा	उफा	पूफा	स्वा	श्ले	श्ले	पूभा	पूफा
१	२	१	४	४	३	४	१



अयनांशाः २३।५६।०२
२२ पं. भा.शु.१५ गु. इष्टघटी ५८।३२
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	५	४	६	४	३	११	४
२१	०५	२७	२०	०८	२५	०१	२०
१६	५७	२९	३०	११	०१	४७	४१
५९	१९	०३	१८	५३	५४	३६	२८
५८	३८	१०८	९	७४	७	३	५८
१५	४३	१७	३२	१६	१०	११	१२
पूफा	उफा	उफा	वि	म	श्ले	पूभा	पूफा
३	३	१	१	३	३	४	३



आश्विन कृष्णपक्ष सवत् २०६३, शाकः १९२८, ८ सितंबर से २२ सितंबर तक नवलगढ

शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति महा., सितंबर २००६ — इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै.	टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	
१	शु	३'	३१	२०	२७	पूभा	३३	२०	११	३५	धृ	१ / ५१	४३ / १६	६ / २६	५७ / ४६	बा	१०	१०	१०	१९	३१ / ००	६ / १५	६ / ३९	मीने	१४।१९	१७	१४	८	ग्रहण-करिदिन
२	श	२६	२३	१६	४९	उभा	२६	१४	१६	४५	गं	४१	०६	२२	४२	तै	०	५३	६	३७	३० / ५६	१६	३८	मीने		१८	१५	९	भ. २७।०५ उ., पातस्पर्शः १४।२७, मोक्षः १७।५०, कन्यायां बुधः १५।१३
३	र	१७	५४	१३	२६	रेव	१९	४६	१४	११	वृ	३१	३४	१८	५४	वि	१७	५४	१३	२६	५२	१६	३७	मेषे	१४।११	१९	१६	१०	भ. १३।२६ या., पंचक समाप्तिः १४।११, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।२२
४	सो	१०	२४	१०	२६	अश्वि	१४	१८	१२	००	ध्रु	२२	५४	१५	२६	बा	१०	२४	१०	२६	४८	१७	३६	मेषे		२०	१७	११	भरणी श्राद्ध
५	मं	४	१२	७	५८	भर	१०	१०	१०	२१	व्या	१५	२२	१२	२६	तै	४	१२	७	५८	४४	१७	३४	वृषे	१६।०२	२१	१८	१२	भ. ३०।०८ उ., चंद्रषष्ठी, पूफा. शुक्रः ९।१०
६	मं	५९	३७	३०	०८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[B भौमः ११।४४
७	बु	५६	४६	२९	००	कृति	७	३७	९	२०	ह	९	०९	९	५७	वि	२७	५७	१७	२८	४०	१७	३३	वृषे		२२	१९	१३	भ. १७।२८ या., उफा. रविः १८।३५
८	गु	५५	४८	२८	३७	रोहि	६	५१	९	०२	व	४	२३	८	०३	बा	२६	०१	१६	४२	३६	१८	३२	मिथु.	२१।१०	२३	२०	१४	श्रीमहालक्ष्मी व्र., अशोकाष्टमी, उफा. सौरः ९।१८, हस्ते B
९	शु	५६	४०	२८	५८	मृग	७	५५	९	२८	सि	१ / ५९	०६ / १८	६ / ३०	४५ / ०१	तै	२५	५९	१६	४२	३२	१८	३१	मिथु.		२४	२१	१५	सौभाग्यवतीनां श्राद्धं, हस्ते बुधः ९।४९
१०	श	५९	१५	३०	०१	आर्द्रा	१०	४६	१०	३७	व	५८	४७	२९	५०	व	२७	४६	१७	२५	२७	१९	३०	कर्के	२९।५५	२५	२२	१६	भ. १७।२५ उ. ३०।०१ या., कन्यायां रविः २८।४२
११	र	…	…	…	…	पुन	१५	१४	१२	२५	प	५९	२३	३०	०५	व	३१	०७	१८	४६	२३	१९	२९	कर्के		२६	२३	१७	विश्वकर्मा पू., कन्यायां सौरः १९।२४
११	सो	३	१८	७	३९	पुष्य	२१	०२	१४	४५	शि	…	…	…	…	वा	३	१८	७	३९	१९	२०	२८	कर्के		२७	२४	१८	इंदिरा ११ व्र., सन्यासिनां श्राद्धं
१२	मं	८	२८	९	४४	श्ले	२७	४८	१७	२८	शि	०	५१	६	४०	तै	८	२८	९	४४	१५	२०	२६	सिंहे	१७।२८	२८	२५	१९	प्रदोषः, युगादि
१३	बु	१४	२४	१२	०६	मघा	३५	१२	२०	२५	सि	२	५५	७	३०	व	१४	२४	१२	०६	११	२१	२५	सिंहे		२९	२६	२०	भ. १२।०६ उ. २५।२२ या., मासिकशिवरात्री व्र.,शस्त्रादि हतानां श्राद्धं
१४	गु	२०	४४	१४	३९	पूफा	४२	५३	२३	३०	सा	५	१९	८	२९	श	२०	४४	१४	३९	०७	२१	२४	कन्या	३०।१७	३०	२७	२१	[A २०।०७, उफा. शुक्रः २६।४६, श्लेषा.-४ शनिः १०।२७
३०	शु	२७	१४	१७	१५	उफा	५०	३८	२६	३७	शु	७	५३	९	३१	नौ	२७	१४	१७	१५	०३	२२	२३	कन्या		३१	२८	२२	देवपितृकार्येऽमा., सर्वपितृ श्राद्धम्, पातस्पर्शः १५।५३, मोक्षः A

अयनांशाः २३।५६।०३
२३ पं. आ.कृ. ८ गु. इष्टघटी ५८।२४
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	५	५	६	४	३	११	४
२८	१०	०९	२१	१६	२५	०१	२७
०५	२९	४२	३९	५२	५१	२५	२९
२३	०६	३८	०५	२३	१९	२०	३४
५८	३८	१००	१०	७४	६	३	५८
२८	५८	१३	१३	२९	५४	११	२७
उफा	ह	उफा	वि	पूफा	श्ले	पूभा	उफा
१	१	४	१	२	३	४	१



सितम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेलवे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेलवे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
८	शु	४	२१	१८	५४	५८	१५	५	४९	३०	३९	६	२९	६	४४	३०	४७	५	२४	५	४३
९	श	४	२२	१७	०९	५८	१७	५	२६	३०	३६	६	२९	६	४३	३०	४४	५	२५	५	४२
१०	र	४	२३	१५	२६	५८	१९	५	०४	३०	३३	६	२९	६	४२	३०	४१	५	२५	५	४१
११	चं	४	२४	१३	४५	५८	२१	४	४१	३०	३१	६	२९	६	४१	३०	३८	५	२५	५	४०
१२	मं	४	२५	१२	०५	५८	२२	४	१८	३०	२८	६	२९	६	४१	३०	३४	५	२५	५	३९
१३	बु	४	२६	१०	२८	५८	२४	३	५५	३०	२६	६	२९	६	४०	३०	३१	५	२६	५	३८
१४	गु	४	२७	०८	५२	५८	२६	३	३२	३०	२३	६	३०	६	३९	३०	२८	५	२६	५	३७
१५	शु	४	२८	०७	१९	५८	२८	३	०९	३०	२०	६	३०	६	३८	३०	२५	५	२६	५	३६
१६	श	४	२९	०५	४७	५८	३०	२	४६	३०	१८	६	३०	६	३७	३०	२२	५	२७	५	३५
१७	र	५	००	०४	१७	५८	३२	२	२३	३०	१५	६	३०	६	३६	३०	१९	५	२७	५	३४
१८	चं	५	०१	०२	४८	५८	३४	२	००	३०	१२	६	३०	६	३५	३०	१५	५	२७	५	३३
१९	मं	५	०२	०१	२२	५८	३६	१	३६	३०	१०	६	३०	६	३४	३०	१२	५	२७	५	३२
२०	बु	५	०२	५९	५८	५८	३८	१	१३	३०	०७	६	३१	६	३३	३०	०९	५	२८	५	३१
२१	गु	५	०३	५८	३६	५८	४०	०	५०	३०	०५	६	३१	६	३३	३०	०६	५	२८	५	३०
२२	शु	५	०४	५७	१५	५८	४२	०	२७	३०	०२	६	३१	६	३२	३०	०३	५	२८	५	२९

संक्रांति फलम्

ता. १६ सितंबर २००६ आश्वि. कृ. १० शनौ कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. २८।४२ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्वदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुस्वदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः विष्टीकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं अश्ववाहनं सिंहोपवाहनं स्थैर्यकारक कृष्णवस्त्रं कुन्तायुधं पत्रपात्रं चित्रान्नभक्षणं ओतुमदोलेपनं विप्रजातिः दुर्वापुष्पं गुंजाभूषणं नीलकंचुकी वृद्धावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) २८।४२ से रवौ ११।०६ तक । (दान- गृह वस्त्र) ।

अयनांशाः २३।५६।०५
२४ पं. आ.कृ.१४ गु. इष्टघटी ५८।१६
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	५	५	६	४	३	११	५
०४	१५	२१	२२	२५	२६	०१	०४
५५	०२	०१	५२	३४	३८	०३	१९
२०	३५	२८	२७	[illegible]	४१	०५	२७
५८	३९	९२	१०	७४	६	३	५८
४२	१३	५०	५०	४०	३५	११	४२
उफा	ह	ह	वि	पूफा	श्ले	पूभा	उफा
३	२	४	१	४	३	४	३



आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, २३ सितंबर से ७ अक्टूबर तक नवलगढ चंद्रः | तारीख

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	भा.	मु.	इं.
१	श	३३	३८	१९	४९	हस्त	५८	१४	२९	३९	शु	१०	२५	१०	३२	किं	०	२७	६	३३	२९ ५९	६ २२	६ २२	कन्या	१	२९	२३
२	र	३९	४४	२२	१६	चित्रा	...	...	...	...	ब्र	१२	४७	११	२९	वा	६	४४	९	०४	५५	२२	२१	तुला. १९।०८	२	३०	२४
३	सो	४५	१७	२४	३०	चित्रा	५	२६	८	३३	ऐ	१४	४९	१२	१९	तै	१२	३६	११	२५	५१	२३	१९	तुला.	३	१	२५
४	मं	४९	५८	२६	२३	स्वा	१२	००	११	१२	वै	१६	१७	१२	५४	व	१७	४५	१३	३०	४७	२३	१८	तुला.	४	२	२६
५	बु	५३	२९	२७	४८	विशा	१७	३८	१३	२७	वि	१७	००	१३	१२	व	२१	५३	१५	०९	४३	२४	१७	वृश्चि. ६।५६	५	३	२७
६	गु	५५	३३	२८	३७	अनु	२२	००	१५	१२	प्री	१६	४४	१३	०६	कौ	२४	४३	१६	१७	३९	२४	१६	वृश्चि.	६	४	२८
७	शु	५५	५६	२८	४७	ज्ये	२४	५१	१६	२१	आ	१५	१४	१२	३१	ग	२५	५७	१६	४७	३५	२५	१५	धनु. १६।२१	७	५	२९
८	श	५४	३२	२८	१४	मूल	२६	००	१६	४९	सौ	१२	२४	११	२३	वि	२५	२६	१६	३६	३१	२५	१४	धनु.	८	६	३०
९	र	५१	२०	२६	५८	पूषा	२५	२३	१६	३५	शो	८	०८	९	४१	वा	२३	०९	१५	४१	२७	२६	१२	मक. २२।२५	९	७	१
१०	सो	४६	३०	२५	०२	उषा	२३	०४	१५	४०	अ	२ ५५	२९ ३०	७ २८	२६ ३८	तै	१९	०७	१४	०५	२३	२६	११	मक.	१०	८	२
११	मं	४०	०९	२२	३०	श्रव	१९	१०	१४	०७	धृ	४७	१९	२५	२३	व	१३	२९	११	५०	१८	२७	१०	कुंभे २५।०८	११	९	३
१२	बु	३२	३५	१९	२९	धनि	१३	५७	१२	०२	शू	३८	१०	२१	४३	ब	६	२९	९	०३	१४	२७	०९	कुंभे	१२	१०	४
१३	गु	२४	०७	१६	०६	शत	७	४१	९	३२	गं	२८	१६	१७	४६	तै	२४	०७	१६	०६	१०	२८	०८	मीने २५।२८	१३	११	५
१४	शु	१५	०२	१२	२९	पूभा	० ५३	४४ २८	६ २७	४६ ५२	वृ	१७	५४	१३	३८	व	१५	०२	१२	२९	०६	२८	०७	मीने	१४	१२	६
१५	श	५	४६	८	४७	रेव	४६	१७	२५	००	ध्रु	७ ५७	२३ ०३	९ २९	२६ १८	ब	५	४६	८	४७	०२	२९	०६	मेषे २५।००	१५	१३	७

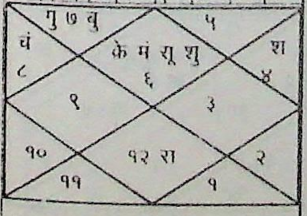
शरदृतू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ५२८४, सितंबर-अक्टूबर २००६

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

नवरात्रारम्भः, घटस्था., अग्रसेनजयंती, मातामहश्रा., भा.अश्विनारंभः C
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), विशा.-२ गुरुः १८।२३ [C सायनतुलायां भानुः D
रमजान ९, बुधोदयः पश्चिमायाम् २८।१८, कन्यायां शुक्रः १९।००
भ. १३।३० उ. २६।२३ या. [D ९।४२, चित्रा. बुधः १७।३६
उपांग ललिता व्र., हस्ते रविः १०।०६ (सौरः २४।४०), तुलायां K
[A शमीपूजा, सरस्वती विसर्जनं श्रवणे, गांधीजयन्ती, स्वा.बुधः २०।३०
भ. २८।४७ उ., सरस्वती आवाहनं मूलभे [K बुधः २८।२९
भ. १६।३६ या., भद्रकाली अवतार, महाष्टमी, सरस्वती पूजनं पू.षाभे
मन्वादि, शस्त्रादि पूजा, बलिदानं उ.षाभे, अक्टूबर १० ता. ३१
बोद्धावतार, विजया १०, शुक्रास्तः पूर्वस्याम् २२।३६ पट्टाभिषेक, A
भ. ११।५० उ. २२।३० या., पंचक प्रारम्भः २५।०८, पापांकुशा ११ E
कार्त्तिके द्विदलं त्यजेत्, चित्रा. भौमः २०।२४
प्रदोषः, पातस्पर्शः १६।०९, मोक्षः १९।३२ [E व्र., हस्ते शुक्रः १९।२५
भ. १२।२९ उ. २२।३८ या., पूर्णिमा व्रतं, शरद पूर्णिमा, कोजागरी व्र.
पंचक समाप्तिः २५।००, पूर्णिमा पुण्यं, बंगीयलक्ष्मी पूजा, नवान्न B
[B भक्षण, आश्वयुजी कर्म (आश्वलायन शाखा), कार्तिक स्नान प्रा.

अयनांशाः २३।५६।०६
२५ पं. आ.शु. ६ गु. इष्टघटी ५८।०८
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	५	६.	६	५	३	११	५
११	१९	०१	२४	०४	२७	००	११
४६	३७	३१	०९	१७	२३	४०	११
५२	५३	४१	५५	३४	३९	५०	११
५८	३९	८६	११	७४	६	३	५८
५५	२९	२५	२२	५०	१२	११	५८
ह	ह	चि	चि	उफा	श्ले	पूभा	ह
१	३	३	२	३	४	४	१



सितम्बर		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२३	श	५	०५	५५	५७	५८	४४	०	०३+	२९	५९	६	३१	६	३१	२९	५९	५	२९	५	२८
२४	र	५	०६	५४	४१	५८	४६	०	२०·	२९	५७	६	३१	६	३०	२९	५६	५	२९	५	२७
२५	चं	५	०७	५३	२६	५८	४७	०	४४	२९	५४	६	३१	६	२९	२९	५३	५	२९	५	२६
२६	मं	५	०८	५२	१४	५८	५०	१	०७	२९	५१	६	३२	६	२८	२९	५०	५	२९	५	२५
२७	बु	५	०९	५१	०३	५८	५२	१	३०	२९	४९	६	३२	६	२७	२९	४६	५	३०	५	२४
२८	गु	५	१०	४९	५५	५८	५४	१	५४	२९	४६	६	३२	६	२६	२९	४३	५	३०	५	२३
२९	शु	५	११	४८	४८	५८	५६	२	१७	२९	४३	६	३२	६	२६	२९	४०	५	३०	५	२२
३०	श	५	१२	४७	४४	५८	५८	२	४०	२९	४१	६	३२	६	२५	२९	३७	५	३१	५	२१
१	र	५	१३	४६	४२	५९	००	३	०४	२९	३८	६	३३	६	२४	२९	३४	५	३१	५	२०
२	चं	५	१४	४५	४१	५९	०२	३	२७	२९	३५	६	३३	६	२३	२९	३०	५	३१	५	१९
३	मं	५	१५	४४	४३	५९	०४	३	५०	२९	३३	६	३३	६	२२	२९	२७	५	३२	५	१९
४	बु	५	१६	४३	४७	५९	०६	४	१३	२९	३०	६	३३	६	२१	२९	२४	५	३२	५	१८
५	गु	५	१७	४२	५३	५९	०८	४	३६	२९	२७	६	३४	६	२१	२९	२१	५	३२	५	१७
६	शु	५	१८	४२	००	५९	१०	५	००	२९	२५	६	३४	६	२०	२९	१८	५	३३	५	१६
७	श	५	१९	४१	१०	५९	१२	५	२३	२९	२२	६	३४	६	१९	२९	१४	५	३३	५	१५

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा-प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे॥ पांच शनिवार होने से महँगाई हो। सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो। कृष्णा एकादशी को सोमवार होने से गाय भैंस महँगी हों। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो, उत्तराफाल्गुनी होने से दुर्भिक्ष (महर्घ) हो। आसोज सुदी पड़वा को शनिवार होने से धान्यादि भाव में मंदी हो। पूर्णिमा रेवती युक्त होने से शुभ फल दायिनी है।

अयनांशाः २३।५६।०७
२६ पं. आ.शु.१३ गु. इष्टघटी ५८।००
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	५	६	६	५	३	११	५
१८	२४	११	२५	१३	२८	००	१८
४०	१५	१७	३०	०१	०५	१८	०४
०४	०१	०९	५८	५३	४८	३४	४८
५९	३९	७९	११	७४	५	३	५९
१०	४५	३५	५१	५९	४६	११	१५
ह	चि	स्वा	वि	ह	श्ले	पूभा	ह
३	१	२	२	१	४	४	३



कृष्णपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, ८ अक्टूबर से २२ अक्टूबर तक नवलगढ चंद्रः तारीख

दिन	ति. घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे.	टा.	भा.	मु.	इं.	शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति महा., अक्टूबर २००६
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
र	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	३६	२२	२०	ह	४७	१२	२५	२२	तै	२२	२१	१५	२६	२८ ५८	६ २९	६ ०५	मेषे		१६	१४	८	[C २५।५०, सिंहे उफा.-१ केतुः २५।५०
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	३३	५१	२०	०२	व	३८	०९	२१	४६	व	१४	१८	१२	१३	५४	३०	०४	वृषे	२५।३३	१७	१५	९	म. १२।१३ उ. २२।४७ या., दशरथ ललिता व्र.
[illegible]	३४	३७	२[illegible]	[illegible]	कृत्ति	२९	३७	१८	१७	सि	३०	१४	१८	३६	व	७	२८	९	३०	५०	३०	०३	वृषे		१८	१६	१०	करवा ४ चन्द्रोदयः २०।२३, चित्रा. रविः २३।०६
[illegible]	५०	१७	१८	३८	रोहि	२६	४५	१७	१३	व्य	२३	४३	१६	००	को	२	१२	७	२४	४६	३१	०१	मिथु.	२८।५८	१९	१७	११	चित्रा. सौरः १३।१०, विशा.-३ गुरुः २३।५०, कुंभे पूभा.-३ राहुः C
गु	[illegible]	४६	१७	५२	मृग	२६	०१	१६	५६	व	१८	४६	१४	०२	व	२७	५६	१७	४२	४२	३२	००	मिथु.		२०	१८	१२	म. १७।४२ उ. २९।३३ या., स्कन्द षष्ठी, विशा. बुधः २७।५१
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	३७	आर्द्रा	२७	२२	१७	२९	प	१५	३१	१२	४४	व	२७	४३	१७	३७	३८	३२	५ ५९	मिथु.		२१	१९	१३	होई (अहोरी) ८
श	[illegible]	[illegible]	[illegible]	२४	पुन	३०	[illegible]	[illegible]	०१	शि	१३	५४	१२	०६	कौ	२९	३७	१८	२४	३४	३३	५८	कर्के	१२।२६	२२	२०	१४	तुलायां भौमः २१।१२, चित्रा. शुक्रः ५१।२२
[illegible]	३३	२५	[illegible]	५५	पुष्य	३५	[illegible]	[illegible]	५६	सि	१३	४९	[illegible]	०५	तै	१	१८	७	०५	३०	३३	५७	कर्के		२३	२१	१५	[B यमायदीपदानं, गोत्रिरात्र व्र., तुलायां शुक्रः ११।०८
[illegible]	३८	४२	२२	०३	श्ले	४२	३[illegible]	[illegible]	३५	सा	१४	४६	१२	३२	व	५	५३	८	५५	२६	३४	५६	सिंहे	२३।३५	२४	२२	१६	म. ८।५५ उ. २२।०३ या. [D रविः १६।३९ (सौरः ३०।२१)
मं	४४	५१	२४	३३	मघा	५०	०४	[illegible]	३[illegible]	शु	१६	५५	१३	२०	व	११	४३	११	१५	२२	३४	५५	सिंहे		२५	२३	१७	रमा ११ व्र., आकाश दीपारंभः, पातस्पर्शः २७।५२, तुलायां D
१२ बु	५१	३९	२७	१५	पूफा	५७	५६	[illegible]	[illegible]	शु	१९	२५	१४	२१	कौ	१८	१५	१३	५३	१९	३५	५४	सिंहे		२६	२४	१८	गोवत्स द्वादशी, पातमोक्षः ८।२० [A मार्गपाली बंधन
१३ गु	५८	१८	२९	५५	उफा	.				ब्र	२२	०१	१५	२४	ग	२४	५१	१६	३५	१५	३६	५३	कन्या	१२।३३	२७	२५	१९	म. २९।५५ उ., प्रदोषः, धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, B
१३ गु			...	...	उफा	५	४		३	ऐ	२४	२८	१६	२३	वि	३१	३०	११	१२	११	३६	५२	कन्या		२८	२६	२०	म. १९।१२ या., मासिकशिवरात्री व्र., दीपदानं
१४ श	[illegible]	[illegible]	८	२६	हस्त	१३	[illegible]	[illegible]	२	वै	२६	३२	१७	१४	श	४	३३	८	२६	०७	३७	५१	तुला.	२५।१५	२९	२७	२१	पितृकार्येऽमा., महालक्ष्मी पूजा, कुवेर पू.
३० र	१०	१२	१०	४२	चित्रा	१६	[illegible]	१४	[illegible]	वि	२८	०८	१७	५२	ना	१०	१२	१०	४२	०३	३७	५१	तुला.		३०	२८	२२	देवकार्येऽमा., बलीपूजा, गोवर्धन पू., अन्नकूटं देशाचारे, गोक्रीडा,- A

अयनांशाः २३।५६।०८
२७ पं का.कृ. ६ गु इष्टघटी ५०।५०
(रेल्वे घं. मि. २१।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	५	६	६	५	[illegible]	[illegible]	५
२५	२८	२०	२६	२१	[illegible]८	[illegible]	[illegible]
३४	५४	०५	५५	४७	४४	[illegible]	००
५६	०३	२३	०९	०५	४५	[illegible]	[illegible]०
५९	४०	६८	१२	७५	५	३	५९
२४	०१	४३	१५	०५	१७	११	३[illegible]
चि	चि	वि	वि	ह	श्ले	पूभा	चि
१	२	१	३	४	४	३	१



अक्टूबर		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
८	[illegible]	५	२०	४०	२२	५९	१४	५	४५	२९	२०	६	३४	६	१८	२९	११	५	३३	५	१४
९	[illegible]	५	२१	३९	३६	५९	१६	६	०८	२९	१७	६	३४	६	१७	२९	०८	५	३४	५	१३
१०	मं	५	२२	३८	४२	५९	१८	६	३५	२९	१४	६	३५	६	१६	२९	०५	५	३४	५	१२
११	[illegible]	५	२३	३८	१०	५९	२०	६	५४	२९	१२	६	३५	६	१६	२९	०२	५	३४	५	११
१२	गु	५	२४	३७	३१	५९	२२	७	१६	२९	०९	६	३५	६	१५	२८	५९	५	३५	५	१०
१३	शु	५	२५	३६	५३	५९	२४	७	३९	२९	०७	६	३६	६	१४	२८	५६	५	३५	५	०९
१४	श	५	२६	३६	१७	५९	२६	८	०१	२९	०४	६	३६	६	१३	२८	५२	५	३६	५	०९
१५	र	५	२७	३५	४३	५९	२८	८	२४	२९	०१	६	३६	६	१३	२८	४९	५	३६	५	०८
१६	चं	५	२८	३५	१२	५९	३०	८	४६	२८	५९	६	३६	६	१२	२८	४६	५	३६	५	०७
१७	मं	५	२९	३४	४२	५९	३२	९	०८	२८	५६	६	३७	६	११	२८	४३	५	३७	५	०६
१८	बु	६	००	३४	१५	५९	३५	९	३०	२८	५४	६	३७	६	१०	२८	४०	५	३७	५	०५
१९	गु	६	०१	३३	४९	५९	३६	९	५२	२८	५१	६	३७	६	१०	२८	३७	५	३८	५	०४
२०	शु	६	०२	३३	२६	५९	३८	१०	१३	२८	४९	६	३८	६	०९	२८	३४	५	३८	५	०४
२१	श	६	०३	३३	०४	५९	४१	१०	३५	२८	४६	६	३८	६	०८	२८	३१	५	३९	५	०३
२२	र	६	०४	३२	४५	५९	४३	१०	५६	२८	४४	६	३८	६	०८	२८	२८	५	३९	५	०२

संक्रांति फलम्

ता. १७ अक्टूबर २००६

का. कृ. ११ भौमे तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. १६।३९ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रास्तः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १०।३९ से २२।३९ तक। (दान- तिल)।

अयनांशाः २३।५६।०९
२८ पं. का.कृ.१३ गु. इष्टघटी ५७।४१
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	६	६	६	६	३	१०	६
०२	०३	२७	२८	००	२९	२९	०१
३१	३५	११	२२	३२	२०	३४	५७
२८	०२	४०	०१	५७	०६	०३	४३
५९	४०	४७	१२	७५	४	३	५९
३८	१८	५१	३६	१०	४४	११	४७
चि	चि	वि	वि	चि	श्ले	पूभा	चि
३	४	३	३	३	४	३	३



कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, २३ अक्टूबर से ५ नवंबर तक नवलगढ चंद्रः

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.
१	सो	१५	०६	१२	४०	स्वा	२५	५७	१७	०१	प्री	२९	०४	१८	१६	ब	१५	०६	१२	४०	२७ ५९	६ ३८	५ ५०	तुला.	१	२९	२३
२	मं	१९	०६	१४	१७	विशा	३१	०७	१९	०५	आ	२९	२१	१८	२३	कौ	१९	०६	१४	१७	५५	३९	४९	वृश्चि. १२।३६	२	३०	२४
३	बु	२२	०७	१५	३०	अनु	३५	१८	२०	४७	सौ	२८	५०	१८	११	ग	२२	०७	१५	३०	५२	३९	४८	वृश्चि.	३	१	२५
४	गु	२४	००	१६	१६	ज्ये	३८	२३	२२	०१	शो	२७	२७	१७	३९	वि	२४	००	१६	१६	४८	४०	४७	धनु. २२।०१	४	२	२६
५	शु	२४	४०	१६	३३	मूल	४०	१६	२२	४७	अ	२५	०८	१६	४४	वा	२४	४०	१६	३३	४४	४१	४६	धनु.	५	३	२७
६	श	२४	०२	१६	१८	पूषा	४०	५३	२३	०३	सु	२१	४७	१५	२४	तै	२४	०२	१६	१८	४०	४१	४५	मक. २९।०१	६	४	२८
७	र	२२	०६	१५	३२	उषा	४०	१२	२२	४७	धृ	१७	२५	१३	४०	व	२२	०६	१५	३२	३७	४२	४४	मक.	७	५	२९
८	सो	१८	४९	१४	१४	श्रव	३८	१३	२२	००	शू	११	५८	११	३०	ब	१८	४९	१४	१४	३३	४३	४४	मक.	८	६	३०
९	मं	१४	१६	१२	२६	धनि	३४	५९	२०	४३	गं	५ ५८	३० ०४	८ २९	५५ ५७	कौ	१४	१६	१२	२६	२९	४३	४३	कुंभे ९।२५	९	७	३१
१०	बु	८	३२	१०	०९	शत	३०	३८	१८	५९	ध्रु	४९	४६	२६	३८	ग	८	३२	१०	०९	२६	४४	४२	कुंभे	१०	८	१
११	गु	१	४६	७	२७	पूभा	२५	२०	१६	५३	व्या	४०	४३	२३	०२	वि	१	४६	७	२७	२२	४५	४१	मीने ११।२६	११	९	२
१२	गु	५४	११	२८	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	शु	४६	०१	२५	१०	उभा	१९	१९	१४	२९	ह	३१	१०	१९	१३	कौ	२०	०९	१४	४९	१९	४५	४१	मीने	१२	१०	३
१४	श	३७	३९	२१	५०	रेव	१२	५४	११	५५	व	२१	२१	१५	१८	ग	११	५०	११	३०	१५	४६	४०	मेषे ११।५५	१३	११	४
१५	र	२९	२६	१८	३३	अश्वि	६	२७	९	२१	सि	११	३३	११	२४	वि	३	२९	८	१०	१२	४७	३९	मेषे	१४	१२	५

शरदृतु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ५३१४, अक्टूबर-नवंबर २००६

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

गुर्जराणां नूतन वर्षारंभः, भा.कार्तिकारंभः,सायन वृश्चिके भानुः ११।०४
चंद्रदर्शनम्(मु.४५), भ्रातृ २, यम २,यमुनास्नानं, कलम दवात पू., B
भ. २७।५६ उ., सव्वाल १० [B स्वा.रविः ९।३५ (सौरः २२।५२), F
भ. १६।१६ या., दूर्वागणपति व्र. [K १४।५१, मोक्षः १८।५४
सौभाग्य ५, पाण्डव ५, वृश्चिके विशा.-४ गुरुः २२।१९
[F स्वा. भौमः १९।३६, वृश्चिके बुधः ९।०८, स्वा. शुक्रः २६।४९
भ. १५।३२ उ २६।५७ या.,कल्पादि, बुधास्तः पश्चिमायां २४।१४, G
गोपाष्टमी [G वक्री बुधः ७।५८, सिंहे मघा.-१ शनिः ७।३५
पंचक प्रारम्भः ९।२५, युगादि, कुष्माण्ड (अक्षय) ९, पातस्पर्शः K
भ. २०।५१ उ., नवंबर ११ ता. ३०, (व) तुलायां बुधः २१।३६
भ. ७।२७ या.,प्रबोधिनी ११ व्र.,देवोत्थापनं, तुलसी विवाह,चतुर्मास C
[C व्रत समाप्तिः, भीष्म पंचक प्रा., मन्वादि [D कार्तिक स्नान पूर्तिः
प्रदोषः [E समाप्तिः, कार्तिक व्रतोद्यापनं, विशा. शुक्रः १७।५८
भ. २१।५० उ., पंचकसमाप्तिः ११।५५, वैकुण्ठ १४, रोटक व्रत E
भ. ८।१० या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, गोपद्मव्रत समाप्ति, A
[A त्रिपुरोत्सव, पुष्कर यात्रा, नानक जयंती, भीष्म पंचक समाप्ति, D

अयनांशाः २३।५६।१०
२९ पं. का.शु. ४ गु. इष्टघटी ५७।३०
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	६	७	६	६	३	१०	६
०९	०८	०१	२९	०९	२९	२९	०८
२९	१८	०१	५१	१९	५१	११	५६
३९	०१	४३	०४	२१	३०	४८	५५
५९	४०	८	१२	७५	४	३	६०
५२	३५	२५	५३	१४	०८	११	०२
स्वा	स्वा	वि	वि	स्वा	श्ले	पूभा	स्वा
१	१	४	३	१	४	३	१



अक्टुबर ता.	वा	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२३	चं	६	०५	३२	२७	५९	४५	११	१७	२८	४१	६	३९	६	०७	२८	२५	५	३९	५	०१
२४	मं	६	०६	३२	१२	५९	४६	११	३८	२८	३९	६	३९	६	०७	२८	२२	५	४०	५	०१
२५	बु	६	०७	३१	५८	५९	४८	११	५९	२८	३६	६	३९	६	०६	२८	१९	५	४०	५	००
२६	गु	६	०८	३१	४७	५९	५०	१२	२०	२८	३४	६	४०	६	०५	२८	१६	५	४१	४	५९
२७	शु	६	०९	३१	३७	५९	५२	१२	४०	२८	३१	६	४०	६	०५	२८	१३	५	४१	४	५८
२८	श	६	१०	३१	२९	५९	५४	१३	००	२८	२९	६	४१	६	०४	२८	१०	५	४२	४	५८
२९	र	६	११	३१	२४	५९	५६	१३	२१	२८	२७	६	४१	६	०४	२८	०७	५	४२	४	५७
३०	चं	६	१२	३१	२०	५९	५८	१३	४०	२८	२४	६	४१	६	०३	२८	०४	५	४३	४	५६
३१	मं	६	१३	३१	१८	६०	००	१४	००	२८	२२	६	४२	६	०३	२८	०१	५	४३	४	५६
१	बु	६	१४	३१	१८	६०	०२	१४	१९	२८	१९	६	४२	६	०२	२७	५८	५	४४	४	५५
२	गु	६	१५	३१	२०	६०	०४	१४	३९	२८	१७	६	४३	६	०२	२७	५६	५	४४	४	५५
३	शु	६	१६	३१	२४	६०	०६	१४	५८	२८	१५	६	४३	६	०१	२७	५३	५	४५	४	५४
४	श	६	१७	३१	३०	६०	०८	१५	१६	२८	१३	६	४४	६	०१	२७	५०	५	४६	४	५४
५	र	६	१८	३१	३७	६०	०९	१५	३५	२८	१०	६	४४	६	००	२७	४७	५	४६	४	५३

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार हैं जो कि नेष्ट हैं। धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों। अमावस्या को चित्रा होने से,दुर्भिक्ष (महर्घ) हो रविवारी होने से राजाओ में युद्ध हो। पूर्णिमा को कृतिका का अभाव होने से महर्घता हो। कुंभ का राहु होने से सण सूत्र का भाव मंदा हो। सब प्रकार के बर्तन विशेष कर कांसी पीतल के बर्तनों का भाव मंदा हो।

अयनांशाः २३।५६।११
३० पं. का.शु.११ गु. इष्टघटी ५७।१८
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	६	६	७	६	४	१०	६
१६	१३	२९	०१	१८	००	२८	१५
२९	०३	०५	२१	०६	१८	४९	५७
२६	०२	२४	५४	०७	३३	३२	५२
६०	४०	५२	१३	७५	३	३	६०
०६	५३	०८	०६	१७	३०	११	१६
स्वा	स्वा	वि	वि	स्वा	म	पूभा	स्वा
३	२	३व	४	४	१	३	३



मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, ६ नवंबर से २० नवंबर तक नवलगढ चंद्रः																									तारीख			हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति महा., नवंबर २००६
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	सो	२१	४७	१५	३०	भर	० / ५५	२३ / १०	६ / २८	५६ / ५१	व्य	२ / ५३	०५ / २२	७ / २८	३७ / ०८	कौ	२१	४७	१५	३०	२७ / ०८	६ / ४७	५ / ३९	वृषे १२।२३	१५	१३	६	[गुरोरस्तः पश्चिमायाम् २८।००] विशा. C
२	मं	१५	०९	१२	५२	रोहि	५१	११	२७	१६	प	४५	३६	२५	०३	ग	१५	०९	१२	५२	०५	४८	३८	वृषे	१६	१४	७	भ. २३।४४ उ. [C रविः १७।४२ (सौरः ३०।००)
३	बु	९	५५	१०	४७	मृग	४८	५०	२६	२१	शि	३९	१०	२२	२९	वि	९	५५	१०	४७	०१	४९	३७	मिथु. १४।४३	१७	१५	८	भ. १०।४७ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः १९।५९, सौभाग्य सुंदरी व्र.
४	गु	६	२८	९	२५	आर्द्रा	४८	२७	२६	१२	सि	३४	१६	२०	३२	बा	६	२८	९	२५	२६ / ५८	५०	३७	मिथु.	१८	१६	९	[A अनु. सौरः १०।५३
५	शु	५	०५	८	५३	पुन	५०	१०	२६	५४	सा	३१	०२	१९	१५	तै	५	०५	८	५३	५५	५०	३६	कर्के २०।३९	१९	१७	१०	(त) स्वा. बुधः २२।५७
६	श	५	५४	९	१३	पुष्य	५३	५८	२८	२६	शु	२९	३०	१८	३९	व	५	५४	९	१३	५२	५१	३६	कर्के	२०	१८	११	भ. ९।१३ उ. २१।४२ या., अनु.-१ गुरुः २८।४४
७	र	८	४९	१०	२३	श्ले	५९	३६	३०	४२	शु	२९	३१	१८	४०	ब	८	४९	१०	२३	४८	५२	३५	सिंहे ३०।४२	२१	१९	१२	कालभैरवाष्टमी, पातस्पर्शः १८।३०, मोक्षः २३।३६, वृश्चिके शुक्रः १७।१२
८	सो	१३	३५	१२	१९	मघा	...	...	...	...	ब्र	३०	४७	१९	१२	कौ	१३	३५	१२	१९	४५	५३	३५	सिंहे	२२	२०	१३	विशा. भौमः ९।१६, बुधोदयः पूर्वस्याम् २६।०८
९	मं	१९	४०	१४	४५	मघा	६	३४	९	३१	ऐ	३२	५६	२०	०४	ग	१९	४०	१४	४५	४२	५३	३४	सिंहे	२३	२१	१४	भ. २८।०६ उ., नेहरुजयन्ती (बालदिवस)
१०	बु	२६	२७	१७	२९	पूफा	१४	२१	१२	३९	वै	३५	२९	२१	०६	वि	२६	२७	१७	२९	३९	५४	३४	कन्या ११।२६	२४	२२	१५	भ. १७।२९ या., अनु. शुक्रः ८।५५
११	गु	३३	१५	२०	१३	उफा	२२	१६	१५	४९	वि	३७	५९	२२	०६	बा	३३	१५	२०	१३	३६	५५	३३	कन्या	२५	२३	१६	उत्पत्ति ११ व्र., वैतरणी व्र.; आकाशदीप समाप्तिः, वृश्चिके B
१२	शु	३९	३०	२२	४४	हस्त	२९	४४	१८	४९	प्री	४०	०३	२२	५७	कौ	६	२७	९	३०	३३	५६	३३	कन्या	२६	२४	१७	[B रविः १६।२३ (सौरः २७।५१)
१३	श	४४	५१	२४	५३	चित्रा	३६	२३	२१	३०	आ	४१	२६	२३	३१	ग	१२	१७	११	५१	३०	५६	३३	तुला. ८।१३	२७	२५	१८	भ. २४।५३ उ., प्रदोषः, मार्गी बुधः १८।१२
१४	र	४९	०३	२६	३५	स्वा	४१	५८	२३	४५	सौ	४१	५८	२३	४५	वि	१७	०५	१३	४७	२८	५७	३२	तुला.	२८	२६	१९	भ. १३।४७ या., मासिकशिवरात्री व्र., अनु. रविः २३।४३
३०	सो	५२	०४	२७	४७	विशा	४६	२५	२५	३२	शो	४१	३५	२३	३६	च	२०	४२	१५	१५	२५	५८	३२	वृश्चि. ११।०८	२९	२७	२०	देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., गौरीतपोव्र., महाव्रतारंभः, A

गुरोरस्तः

अयनांशाः २३।५६।१२
३१ पं. मा.कृ. ४ गु. इष्टघटी ५७।०५
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	६	६	७	६	४	१०	६
२३	१७	२०	०२	२६	००	२८	२३
३०	५०	५४	५४	५३	४०	२७	००
४३	०७	४०	०२	१०	५७	१७	२८
६०	४१	७५	१३	७५	२	३	६०
१८	११	५७	१५	११	४८	११	३०
वि	स्वा	वि	वि	वि	म	पूफा	वि
२	४	१व	४	३	१	३	१



नवम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकत्ता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
६	चं	६	१९	३१	४७	६०	११	१५	५३	२८	०८	६	४५	६	००	२७	४५	५	४७	४	५३
७	मं	६	२०	३१	५८	६०	१३	१६	११	२८	०६	६	४५	५	५९	२७	४२	५	४७	४	५२
८	बु	६	२१	३२	११	६०	१५	१६	२८	२८	०४	६	४६	५	५९	२७	३९	५	४८	४	५२
९	गु	६	२२	३२	२६	६०	१७	१६	४६	२८	०२	६	४६	५	५९	२७	३७	५	४८	४	५१
१०	शु	६	२३	३२	४२	६०	१८	१७	०३	२८	००	६	४७	५	५८	२७	३४	५	४९	४	५१
११	श	६	२४	३३	०१	६०	२०	१७	२०	२७	५७	६	४७	५	५८	२७	३२	५	५०	४	५०
१२	र	६	२५	३३	२१	६०	२२	१७	३६	२७	५५	६	४८	५	५८	२७	२९	५	५०	४	५०
१३	चं	६	२६	३३	४२	६०	२३	१७	५२	२७	५३	६	४८	५	५७	२७	२७	५	५१	४	५०
१४	मं	६	२७	३४	०६	६०	२५	१८	०८	२७	५१	६	४९	५	५७	२७	२४	५	५२	४	४९
१५	बु	६	२८	३४	३१	६०	२७	१८	२४	२७	४९	६	४९	५	५७	२७	२२	५	५२	४	४९
१६	गु	६	२९	३४	५७	६०	२८	१८	३९	२७	४८	६	५०	५	५७	२७	२०	५	५३	४	४९
१७	शु	७	००	३५	२५	६०	३०	१८	५४	२७	४६	६	५०	५	५७	२७	१७	५	५३	४	४८
१८	श	७	०१	३५	५५	६०	३१	१९	०९	२७	४४	६	५१	५	५६	२७	१५	५	५४	४	४८
१९	र	७	०२	३६	२७	६०	३३	१९	२३	२७	४२	६	५१	५	५६	२७	१३	५	५५	४	४८
२०	चं	७	०३	३७	००	६०	३४	१९	३७	२७	४०	६	५२	५	५६	२७	११	५	५५	४	४८

संक्रांति फलम्

ता. १६ नवंबर २००६
मार्ग. कृ. ११ गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १६।२३ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बाल्वकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रास्तः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) ९।५९ से १६।२३ तक। (दान- दीप)।

अयनांशाः २३।५६।१३
३२ पं. मा.कृ.११ गु. इष्टघटी ५६।५२
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	६	६	७	७	४	१०	७
००	२२	१५	०४	०५	००	२८	००
३३	३९	०३	२७	४०	५८	०५	०४
२६	१८	२८	०१	२५	२४	०२	३४
६०	४१	५	१३	७५	२	३	६०
३०	२९	५९	२०	२०	०४	११	४२
वि	वि	स्वा	अनु	अनु	म	पूभा	वि
४	१	३व	१	१	१	३	४



मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, २१ नवंबर से ४ दिसंबर तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ५३४३, नवंबर-दिसंबर २००६

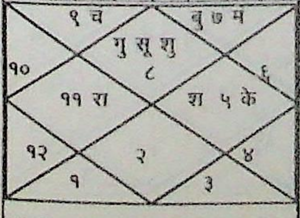
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	मं	५३	५३	२८	३२	अनु	४९	४३	२६	५२	अ	४०	१९	२३	०६	किं	२३	०७	१६	१४	२६ २२	६ ५९	५ ३२	वृश्चि.	३०	२८	२१	[D बुधः ९।४६, अनु.-२ गुरुः २८।५०
२	बु	५४	३७	२८	५१	ज्ये	५१	५६	२७	४६	सु	३८	१०	२२	१६	बा	२४	२२	१६	४४	२०	७ ००	३१	धनु. २७।४६	१	२९	२२	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), भा. मार्गशीर्षारंभः, सायन धनुषि भानुः १६।३५
३	गु	५४	१८	२८	४४	मूल	५३	१०	२८	१६	धृ	३५	१२	२१	०५	तै	२४	३४	१६	५०	१७	००	३१	धनु.	२	१	२३	रंभास्थेयं, जिल्काद ११ [B व्रतंपुण्यञ्च, द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा
४	शु	५३	०४	२८	१५	पूषा	५३	२९	२८	२५	शू	३१	३०	१९	३७	व	२३	४७	१६	३२	१५	०१	३१	धनु.	३	२	२४	भ. १६।३२ उ. २८।१५ या.
५	श	५०	५९	२७	२५	उषा	५२	५८	२८	१३	गं	२७	०७	१७	५३	ब	२२	०७	१५	५३	१२	०२	३१	मक. १०।२४	४	३	२५	नागपंचमी, ज्येष्ठा. शुक्रः २३।४६
६	र	४८	०६	२६	१७	श्रव	५१	४१	२७	४३	वृ	२२	०४	१५	५२	कौ	१९	३८	१४	५४	१०	०३	३१	मक.	५	४	२६	स्कंदषष्ठी, पातस्पर्शः १२।३०, मोक्षः १७।५६, विशा. D
७	सो	४४	२७	२४	५०	धनि	४९	३८	२६	५५	ध्रु	१६	२५	१३	३७	ग	१६	२२	१३	३६	०८	०३	३१	कुंभे १५।२१	६	५	२७	भ. २४।५० उ., पंचक प्रारम्भः १५।२१, वृश्चिके भौमः १९।२०
८	मं	४०	०३	२३	०६	शत	४६	५२	२५	४९	व्या	१०	०९	११	०८	वि	१२	२०	१२	००	०५	०४	३०	कुंभे	७	६	२८	भ. १२।०० या.
९	बु	३४	५५	२१	०३	पूभा	४३	२२	२४	२६	ह	३ ५५	१८ ५५	८ २९	२४ २७	बा	७	३४	१०	०७	०३	०५	३०	मीने १८।४८	८	७	२९	कल्पादि [C जयंती, दिसंबर १२ ता. ३१
१०	गु	२९	०९	१८	४५	उभा	३९	१४	२२	४७	सि	४७	५९	२६	१८	तै	२	०६	७	५६	०१	०६	३०	मीने	९	८	३०	भ. २९।३१ उ., [शुक्रोदयः पश्चिमायाम् १४।३१]
११	शु	२२	४९	१६	१४	रेव	३४	३६	२०	५७	व्य	३९	४०	२२	५९	वि	२२	४९	१६	१४	२५ ५९	०७	३०	मेषे २०।५७	१०	९	१	भ. १६।१४ या., पंचक समाप्तिः २०।५७, मोक्षदा ११ व्र., गीता C
१२	श	१६	०८	१३	३४	अश्वि	२९	३९	१८	५९	व	३१	०७	१९	३४	बा	१६	०८	१३	३४	५७	०७	३०	मेषे	११	१०	२	प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र., ज्येष्ठा. रविः २७।५१, अनु. भौमः १३।३३
१३	र	९	२१	१०	५३	भर	२४	४२	१७	०१	प	२२	३४	१६	१०	तै	९	२१	१०	५३	५६	०८	३०	वृषे २२।३२	१२	११	३	पिशाच मोचन श्राद्धं, [गुरोरुदयः पूर्वस्याम् १५।२७] A
१४	सो	२	५१	८	१७	कृति	२०	०६	१५	११	शि	१४	१७	१२	५२	व	२	५१	८	१७	५४	०९	३०	वृषे	१३	१२	४	भ. ८।१७ उ. १९।०४ या., श्री दत्त जयंती, पूर्णिमा B
१५	सो	५६	५९	२९	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A ज्येष्ठा. सौरः १३।५९, वृश्चिके बुधः ३१।०५,

शुक्रोदयः

गुरोरुदयः

अयनांशाः २३।५६।१४
३३ पं. मा.शु. ३ गु. इष्टघटी ५६।३८
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	६	६	७	७	४	१०	७
०७	२७	१७	०६	१४	०१	२७	०७
३७	३०	५२	००	२७	१०	४२	१०
२७	३७	२१	२६	४८	३८	४६	०३
६०	४१	५५	१३	७५	१	३	६०
४०	४७	४०	२१	२१	१९	११	५३
अनु	वि	स्वा	अनु	अनु	म	पूभा	अनु
२	३	४	१	४	१	३	२



नवम्बर	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेलवे-टाईम						कलकता रेलवे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२१ मं	७	०४	३७	३४	६०	३६	१९	५०	२७	३८	६	५३	५	५६	२७	०९	५	५६	४	४८
२२ बु	७	०५	३८	१०	६०	३७	२०	०४	२७	३७	६	५३	५	५६	२७	०६	५	५७	४	४७
२३ गु	७	०६	३८	४७	६०	३९	२०	१६	२७	३५	६	५४	५	५६	२७	०४	५	५७	४	४७
२४ शु	७	०७	३९	२६	६०	४०	२०	२९	२७	३४	६	५४	५	५६	२७	०३	५	५८	४	४७
२५ श	७	०८	४०	०६	६०	४२	२०	४१	२७	३२	६	५५	५	५६	२७	०१	५	५९	४	४७
२६ र	७	०९	४०	४८	६०	४३	२०	५३	२७	३१	६	५६	५	५६	२६	५९	५	५९	४	४७
२७ चं	७	१०	४१	३१	६०	४४	२१	०४	२७	२९	६	५६	५	५६	२६	५७	६	००	४	४७
२८ मं	७	११	४२	१५	६०	४६	२१	१५	२७	२८	६	५७	५	५६	२६	५५	६	०१	४	४७
२९ बु	७	१२	४३	०१	६०	४७	२१	२५	२७	२६	६	५८	५	५६	२६	५४	६	०१	४	४७
३० गु	७	१३	४३	४८	६०	४८	२१	३५	२७	२५	६	५८	५	५६	२६	५२	६	०२	४	४७
१ शु	७	१४	४४	३६	६०	४९	२१	४५	२७	२४	६	५९	५	५६	२६	५१	६	०३	४	४७
२ श	७	१५	४५	२५	६०	५०	२१	५४	२७	२२	६	५९	५	५६	२६	४९	६	०४	४	४७
३ र	७	१६	४६	१५	६०	५२	२२	०३	२७	२१	७	००	५	५७	२६	४८	६	०४	४	४७
४ चं	७	१७	४७	०७	६०	५३	२२	१२	२७	२०	७	०१	५	५७	२६	४६	६	०५	४	४७

मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो। कृष्णा चतुर्दशी में स्वाति होने से वर्षा का अभाव हो। सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम और विशाखा योग दुर्भिक्ष कारक है। पूर्णिमा को मृगशिरा का अभाव होने से महर्घता हो। वृश्चिक राशि में गुरु के अस्त होने से आँसे दूखने का विकार फैले। स्वाति में बुध होने से मन्द वर्षा हो। गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो।

अयनांशाः २३।५६।१५
३४ पं. मा.शु.१० गु. इष्टघटी ५६।२५
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	७	६	७	७	४	१०	७
१४	०२	२५	०७	२३	०१	२७	१४
४२	२४	४९	३३	१५	१७	२०	१६
३६	०४	३७	४८	१६	२८	३१	४४
६०	४२	८व	१३	७५	०	३	६१
४९	०६	०३	१८	२१	३२	११	०३
अनु	वि	वि	अनु	ज्ये	म	पूभा	अनु
४	४	२	२	२	१	३	४



मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, ६ नवंबर से २० नवंबर तक नवलगढ

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति महा., नवंबर २००६ — इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	सो	२१	४७	१५	३०	मर	०/५५	२३/१०	६/२८	५६/५९	व्य	२/५३	०५/२२	७/२८	३७/०८	कौ	२१	४७	१५	३०	२७/०८	६/४७	५/३९	वृषे १२।२३	१५	१३	६	[गुरोरस्तः पश्चिमायाम् २८।००] विशा. C (गुरोरस्तः)
२	मं	१५	०९	१२	५२	रोहि	५९	११	२७	१६	प	४५	३६	२५	०३	ग	१५	०९	१२	५२	०५	४८	३८	वृषे	१६	१४	७	भ. २३।४४ उ. |C रविः १७।४२ (सौरः ३०।००)
३	बु	९	५५	१०	४७	मृग	४८	५०	२६	२१	शि	३९	१०	२२	२९	वि	९	५५	१०	४७	०१	४९	३७	मिथु. १४।४३	१७	१५	८	भ. १०।४७ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः १९।५९, सौभाग्य सुंदरी व्र.
४	गु	६	२८	९	२५	आर्द्रा	४८	२७	२६	१२	सि	३४	१६	२०	३२	बा	६	२८	९	२५	२६/५८	५०	३७	मिथु.	१८	१६	९	|A अनु. सौरः १०।५३
५	शु	५	०५	८	५३	पुन	५०	१०	२६	५४	सा	३१	०२	१९	१५	तै	५	०५	८	५३	५५	५०	३६	कर्के २०।३९	१९	१७	१०	(त) स्वा. बुधः २२।५७
६	श	५	५४	९	१३	पुष्य	५३	५८	२८	२६	शु	२९	३०	१८	३९	व	५	५४	९	१३	५२	५१	३६	कर्के	२०	१८	११	भ. ९।१३ उ. २१।४२ या., अनु.-१ गुरुः २८।४४
७	र	८	४९	१०	२३	श्ले	५९	३६	३०	४२	शु	२९	३१	१८	४०	ब	८	४९	१०	२३	४८	५२	३५	सिंहे ३०।४२	२१	१९	१२	कालभैरवाष्टमी, पातस्पर्शः १८।३०, मोक्षः २३।३६,वृश्चिके शुक्रः १७।१२
८	सो	१३	३५	१२	१९	मघा	...	...	...	...	ब्र	३०	४७	१९	१२	कौ	१३	३५	१२	१९	४५	५३	३५	सिंहे	२२	२०	१३	विशा. भौमः ९।१६, बुधोदयः पूर्वस्याम् २६।०८
९	मं	१९	४०	१४	४५	मघा	६	३४	९	३१	ऐ	३२	५६	२०	०४	ग	१९	४०	१४	४५	४२	५३	३४	सिंहे	२३	२१	१४	भ. २८।०६ उ., नेहरुजयन्ती (बालदिवस)
१०	बु	२६	२७	१७	२९	पूफा	१४	२१	१२	३९	वैं	३५	२९	२१	०६	वि	२६	२७	१७	२९	३९	५४	३४	कन्या ११।२६	२४	२२	१५	भ. १७।२९ या., अनु. शुक्रः ८।५५
११	गु	३३	१५	२०	१३	उफा	२२	१६	१५	४९	वि	३७	५९	२२	०६	बा	३३	१५	२०	१३	३६	५५	३३	कन्या	२५	२३	१६	उत्पत्ति ११ व्र., वैतरणी व्र.; आकाशदीप समाप्तिः, वृश्चिके B
१२	शु	३९	३०	२२	४४	हस्त	२९	४४	१८	४९	प्री	४०	०३	२२	५७	कौ	६	२७	९	३०	३३	५६	३३	कन्या	२६	२४	१७	|B रविः १६।२३ (सौरः २७।५१)
१३	श	४४	५१	२४	५३	चित्रा	३६	२३	२१	३०	आ	४१	२६	२३	३१	ग	१२	१७	११	५१	३०	५६	३३	तुला. ८।१३	२७	२५	१८	भ. २४।५३ उ., प्रदोषः, मार्गी बुधः १८।१२
१४	र	४९	०३	२६	३५	स्वा	४१	५८	२३	४५	सौ	४१	५८	२३	४५	वि	१७	०५	१३	४७	२८	५७	३२	तुला.	२८	२६	१९	भ. १३।४७ या., मासिकशिवरात्री व्र., अनु. रविः २३।४३
३०	सो	५२	०४	२७	४७	विशा	४६	२५	२५	३२	शो	४१	३५	२३	३६	च	२०	४२	१५	१५	२५	५८	३२	वृश्चि. १९।०८	२९	२७	२०	देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., गौरीतपोव्र., महाव्रतारंभः, A

अयनांशाः २३।५६।१२
३१ पं. मा.कृ. ४ गु. इष्टघटी ५७।०५
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	६	६	७	६	४	१०	६
२३	१७	२०	०२	२६	००	२८	२३
३०	५०	५४	५४	५३	४०	२७	००
४३	०७	४०	०२	१०	५७	१७	२८
६०	४१	७५	१३	७५	२	३	६०
१८	११	५७	१५	१९	४८	११	३०
वि	स्वा	वि	वि	वि	म	पूफा	वि
२	४	१व	४	३	१	३	१



नवम्बर ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
६	चं	६	१९	३१	४७	६०	११	१५	५३	२८	०८	६	४५	६	००	२७	४५	५	४७	४	५३
७	मं	६	२०	३१	५८	६०	१३	१६	११	२८	०६	६	४५	५	५९	२७	४२	५	४७	४	५२
८	बु	६	२१	३२	११	६०	१५	१६	२८	२८	०४	६	४६	५	५९	२७	३९	५	४८	४	५२
९	गु	६	२२	३२	२६	६०	१७	१६	४६	२८	०२	६	४६	५	५९	२७	३७	५	४८	४	५१
१०	शु	६	२३	३२	४२	६०	१८	१७	०३	२८	००	६	४७	५	५८	२७	३४	५	४९	४	५१
११	श	६	२४	३३	०१	६०	२०	१७	२०	२७	५७	६	४७	५	५८	२७	३२	५	५०	४	५०
१२	र	६	२५	३३	२१	६०	२२	१७	३६	२७	५५	६	४८	५	५८	२७	२९	५	५०	४	५०
१३	चं	६	२६	३३	४२	६०	२३	१७	५२	२७	५३	६	४८	५	५७	२७	२७	५	५१	४	५०
१४	मं	६	२७	३४	०६	६०	२५	१८	०८	२७	५१	६	४९	५	५७	२७	२४	५	५२	४	४९
१५	बु	६	२८	३४	३१	६०	२७	१८	२४	२७	४९	६	४९	५	५७	२७	२२	५	५२	४	४९
१६	गु	६	२९	३४	५७	६०	२८	१८	३९	२७	४८	६	५०	५	५७	२७	२०	५	५३	४	४९
१७	शु	७	००	३५	२५	६०	३०	१८	५४	२७	४६	६	५०	५	५७	२७	१७	५	५३	४	४८
१८	श	७	०१	३५	५५	६०	३१	१९	०९	२७	४४	६	५१	५	५६	२७	१५	५	५४	४	४८
१९	र	७	०२	३६	२७	६०	३३	१९	२३	२७	४२	६	५१	५	५६	२७	१३	५	५५	४	४८
२०	चं	७	०३	३७	००	६०	३४	१९	३७	२७	४०	६	५२	५	५६	२७	११	५	५५	४	४८

संक्रांति फलम्

ता. १६ नवंबर २००६
मार्ग. कृ. ११ गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १६।२३ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रास्तः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) ९।५९ से १६।२३ तक। (दान- दीप)।

अयनांशाः २३।५६।१३
३२ पं. मा.कृ.११ गु. इष्टघटी ५६।५२
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	६	६	७	७	४	१०	७
००	२२	१५	०४	०५	००	२८	००
३३	३९	०३	२७	४०	५८	०५	०४
२६	१८	२८	०१	२५	२४	०२	३४
६०	४१	५	१३	७५	२	३	६०
३०	२९	५९	२०	२०	०४	११	४२
वि	वि	स्वा	अनु	अनु	म	पूफा	वि
४	१	३व	१	१	१	३	४



मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, २१ नवंबर से ४ दिसंबर तक नवलगढ चंद्रः																									तारीख			हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ५३४३, नवंबर-दिसंबर २००६
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	मं	५३	५३	२८	३२	अनु	४९	४३	२६	५२	अ	४०	१९	२३	०६	किं	२३	०७	१६	१४	२६ / २२	६ / ५९	५ / ३२	वृश्चि.	३०	२८	२१	|D बुधः ९।४६, अनु.-२ गुरुः २८।५०
२	बु	५४	३७	२८	५१	ज्ये	५१	५६	२७	४६	सु	३८	१०	२२	१६	बा	२४	२२	१६	४४	२०	७ / ००	३१	धनु. २७।४६	१	२९	२२	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), भा. मार्गशीर्षारंभः, सायन धनुषि भानुः १६।३५
३	गु	५४	१८	२८	४४	मूल	५३	१०	२८	१६	धृ	३५	१२	२१	०५	तै	२४	३४	१६	५०	१७	००	३१	धनु.	२	१	२३	रंभास्त्येयं, जिल्काद ११ |B व्रतंपुण्यञ्च, द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा
४	शु	५३	०४	२८	१५	पूषा	५३	२९	२८	२५	शू	३१	३०	१९	३७	व	२३	४७	१६	३२	१५	०१	३१	धनु.	३	२	२४	भ. १६।३२ उ. २८।१५ या.
५	श	५०	५९	२७	२५	उषा	५२	५८	२८	१३	गं	२७	०७	१७	५३	ब	२२	०७	१५	५३	१२	०२	३१	मक. १०।२४	४	३	२५	नागपंचमी, ज्येष्ठा. शुक्रः २३।४६
६	र	४८	०६	२६	१७	श्रव	५१	४१	२७	४३	वृ	२२	०४	१५	५२	कौ	१९	३८	१४	५४	१०	०३	३१	मक.	५	४	२६	स्कंदषष्ठी, पातस्पर्शः १२।३०, मोक्षः १७।५६, विशा. D
७	सो	४४	२७	२४	५०	धनि	४९	३८	२६	५५	ध्रु	१६	२५	१३	३७	ग	१६	२२	१३	३६	०८	०३	३१	कुंभे १५।२१	६	५	२७	भ. २४।५० उ., पंचक प्रारम्भः १५।२१, वृश्चिके भौमः १९।२०
८	मं	४०	०३	२३	०६	शत	४६	५२	२५	४९	व्या	१०	०९	११	०८	वि	१२	२०	१२	००	०५	०४	३०	कुंभे	७	६	२८	भ. १२।०० या.
९	बु	३४	५५	२१	०३	पूभा	४३	२२	२४	२६	ह	३ / ५५	१८ / ५५	८ / २९	२४ / २७	बा	७	३४	१०	०७	०३	०५	३०	मीने १८।४८	८	७	२९	कल्पादि |C जयंती, दिसंबर १२ ता. ३१
१०	गु	२९	०९	१८	४५	उभा	३९	१४	२२	४७	सि	४७	५९	२६	१८	तै	२	०६	७	५६	०१	०६	३०	मीने	९	८	३०	भ. २९।३१ उ., [शुक्रोदयः पश्चिमायाम् १४।३१]
११	शु	२२	४९	१६	१४	रेव	३४	३६	२०	५७	व्य	३९	४०	२२	५५	वि	२२	४९	१६	१४	२५ / ५९	०७	३०	मेषे २०।५७	१०	९	१	भ. १६।१४ या., पंचक समाप्तिः २०।५७, मोक्षदा ११ व्र., गीता C
१२	श	१६	०८	१३	३४	अश्वि	२९	३९	१८	५९	व	३१	०७	१९	३४	बा	१६	०८	१३	३४	५७	०७	३०	मेषे	११	१०	२	प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र., ज्येष्ठा. रविः २७।५९, अनु. भौमः १३।३३
१३	र	९	२१	१०	५३	भर	२४	४२	१७	०१	प्र	२२	३४	१६	१०	तै	९	२१	१०	५३	५६	०८	३०	वृषे २२।३२	१२	११	३	पिशाच मोचन श्राद्धं, [गुरोरुदयः पूर्वस्याम् १५।२७] A
१४	सो	२	५१	८	१७	कृति	२०	०६	१५	११	शि	१४	१७	१२	५२	व	२	५१	८	१७	५४	०९	३०	वृषे	१३	१२	४	भ. ८।१७ उ. १९।०४ या., श्री दत्त जयंती, पूर्णिमा B
१५	सो	५६	५९	२९	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	|A ज्येष्ठा. सौरः १३।५९, वृश्चिके बुधः ३१।०५,

शुक्रोदयः

गुरोरुदयः

अयनांशाः २३।५६।१४
३३ पं. मा.शु. ३ गु. इष्टघटी ५६।३८
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	६	६	७	७	४	१०	७
०७	२७	१७	०६	१४	०१	२७	०७
३७	३०	५२	००	२७	१०	४२	१०
२७	३७	२१	२६	४८	३८	४६	०३
६०	४१	५५	१३	७५	१	३	६०
४०	४७	४०	२१	२१	१९	११	५३
अनु	वि	स्वा	अनु	अनु	म	पूभा	अनु
२	३	४	१	४	१	३	२



नवम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि	घं.	मि.
२१ मं	७	०४	३७	३४	६०	३६	१९	५०	२७	३८	६	५३	५	५६	२७	०९	५	५६	४	४८
२२ बु	७	०५	३८	१०	६०	३७	२०	०४	२७	३७	६	५३	५	५६	२७	०६	५	५७	४	४७
२३ गु	७	०६	३८	४७	६०	३९	२०	१६	२७	३५	६	५४	५	५६	२७	०४	५	५७	४	४७
२४ शु	७	०७	३९	२६	६०	४०	२०	२९	२७	३४	६	५४	५	५६	२७	०३	५	५८	४	४७
२५ श	७	०८	४०	०६	६०	४२	२०	४१	२७	३२	६	५५	५	५६	२७	०१	५	५९	४	४७
२६ र	७	०९	४०	४८	६०	४३	२०	५३	२७	३१	६	५६	५	५६	२६	५९	५	५९	४	४७
२७ चं	७	१०	४१	३१	६०	४४	२१	०४	२७	२९	६	५६	५	५६	२६	५७	६	००	४	४७
२८ मं	७	११	४२	१५	६०	४६	२१	१५	२७	२८	६	५७	५	५६	२६	५५	६	०१	४	४७
२९ बु	७	१२	४३	०१	६०	४७	२१	२५	२७	२६	६	५८	५	५६	२६	५४	६	०१	४	४७
३० गु	७	१३	४३	४८	६०	४८	२१	३५	२७	२५	६	५८	५	५६	२६	५२	६	०२	४	४७
१ शु	७	१४	४४	३६	६०	४९	२१	४५	२७	२४	६	५९	५	५६	२६	५१	६	०३	४	४७
२ श	७	१५	४५	२५	६०	५०	२१	५४	२७	२२	६	५९	५	५६	२६	४९	६	०४	४	४७
३ र	७	१६	४६	१५	६०	५२	२२	०३	२७	२१	७	००	५	५७	२६	४८	६	०४	४	४७
४ चं	७	१७	४७	०७	६०	५३	२२	१२	२७	२०	७	०१	५	५७	२६	४६	६	०५	४	४७

मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो । सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो । कृष्णा चतुर्दशी में स्वाति होने से वर्षा का अभाव हो । सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम और विशाखा योग दुर्भिक्ष कारक है । पूर्णिमा को मृगशिरा का अभाव होने से महर्धता हो । वृश्चिक राशि में गुरु के अस्त होने से आँसे दूसने का विकार फैले । स्वाति में बुध होने से मन्द वर्षा हो । गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो ।

अयनांशाः २३।५६।१५
३४ पं. मा.शु.१० गु. इष्टघटी ५६।२५
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	७	६	७	७	४	१०	७
१४	०२	२५	०७	२३	०१	२७	१४
४२	२४	४९	३३	१५	१७	२०	१६
३६	०४	३७	४८	१६	२८	३१	४४
६०	४२	८०	१३	७५	०	३	६१
४९	०६	०३	१८	२१	३२	११	०३
अनु	वि	वि	अनु	ज्ये	म	पूभा	अनु
४	४	२	२	२	१	३	४

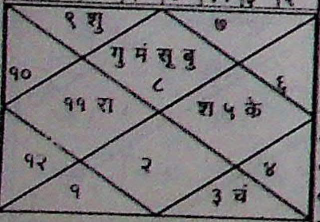


पोष कृष्णपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, ५ दिसंबर से २० दिसंबर तक नवलगढ

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे मार्गशीर्षकृष्णेति महा., दिसंबर २००६ इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	मं	५२	०५	२८	००	रोहि	१६	१४	१३	३९	सि	६ ५९	३५ ४६	९ ३१	४८ ०४	बा	२४	२१	१६	५४	२५ ५२	७ १०	५ ३०	मिथु. २५।०३	१४	१३	५	
२	बु	४८	३६	२६	३७	मृग	१३	३१	१२	३५	शु	५४	०४	२८	४८	तै	२०	०७	१५	१३	५१	१०	३१	मिथु.	१५	१४	६	अनु. बुधः १५।०८, धनुषि मूले शुक्रः १४।३३, वक्री शनिः २२।०६
३	गु	४६	४८	२५	५४	आर्द्रा	१२	१६	१२	०६	शु	४९	४४	२७	०५	व	१७	२७	१४	१०	४९	११	३१	कर्के ३०।१२	१६	१५	७	भ. १४।१० उ. २५।५४ या.
४	शु	४६	५८	२५	५९	पुन	१२	४९	१२	१९	ब्र	४६	५५	२५	५८	ब	१६	३८	१३	५१	४८	१२	३१	कर्के	१७	१६	८	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।४८, पातस्पर्शः २१।१०, मोक्षः २७।२४
५	श	४९	०७	२६	५१	पुष्य	१५	१६	१३	१९	ऐ	४५	३८	२५	२८	कौ	१७	४७	१४	१९	४७	१२	३१	कर्के	१८	१७	९	
६	र	५३	१०	२८	२९	श्ले	१९	३७	१५	०४	वै	४५	४६	२५	३२	ग	२०	५५	१५	३५	४५	१३	३१	सिंहे १५।०४	१९	१८	१०	भ. २८।२९ उ.
७	सों	५८	४६	३०	४४	मघा	२५	३९	१७	२९	वि	४७	०६	२६	०४	वि	२५	४८	१७	३३	४४	१४	३२	सिंहे	२०	१९	११	भ. १७।३३ ग्रा. अनु.-३ गुरुः ३०।५५
८	मं	...	...	...	...	पूफा	३२	५३	२०	२४	प्री	४९	१५	२६	५६	बा	३१	५८	२०	०२	४३	१४	३२	कन्या २७।१०	२१	२०	१२	भौमोदयः पूर्वस्याम् १०।४४
८	बु	५	१९	९	२३	उफा	४०	४३	२३	३२	आ	५१	४४	२७	५७	कौ	५	१९	९	२३	४२	१५	३२	कन्या	२२	२१	१३	पूभा.-२ राहुः २३।२८, पूफा.-४ केतुः २३।२८
९	गु	१२	१०	१२	०८	हस्त	४८	२७	२६	३८	सौ	५४	०२	२८	५३	ग	१२	१०	१२	०८	४२	१६	३२	कन्या	२३	२२	१४	भ. ..।२८ उ.
१०	शु	१८	३६	१४	४३	चित्रा	५५	२६	२९	२७	शो	५५	४४	२९	३४	वि	१८	३६	१४	४३	४१	१६	३३	तुला. १६।०६	२४	२३	१५	.. १४।४३ या., धनुषि मूले रविः ३०।५७, ज्येष्ठा. बुधः १३।११
११	श	२३	५७	१६	५२	स्वा	...	...	...	...	अ	५६	२७	२९	५२	बा	२३	५७	१६	५२	४०	१७	३३	तुला.	२५	२४	१६	सफला ११ व्र., सुरुप द्वादशी १२, धनुषि मूले सौरः १५।४५, A
१२	र	२७	५५	१८	२७	स्वा	१	१०	७	४६	सु	५६	०२	२९	४२	तै	२७	५५	१८	२७	४०	१८	३३	वृश्चि. २७।०७	२६	२५	१७	[A बुधास्तः पूर्वस्याम् २६।२२, पूषा. शुक्रः २९।२१
१३	सो	३०	१९	१९	२६	विशा	५	२९	९	३०	धृ	५४	२५	२९	०४	व	३०	१९	१९	२६	३९	१८	३४	वृश्चि.	२७	२६	१८	भ. १९।२६ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., पातस्पर्शः ११।३९, B
१४	मं	३१	०७	१९	४५	अनु	८	१६	१०	३७	शू	५१	३८	२७	५८	वि	०	५३	७	४०	३९	१९	३४	वृश्चि.	२८	२७	१९	भ. ७।४० या. [B मोक्षः १८।२२
३०	बु	३०	३१	१९	३२	ज्ये	९	३७	११	१०	गं	४७	४७	२६	२६	च	०	५८	७	४२	३९	१९	३५	धनु. ११।१०	२९	२८	२०	देवपितृकार्येऽमा., कुहूः

अयनांशाः २३।५६।१६
३५ पं. पौ.कृ. ३ गु. इष्टघटी ५६।१२
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	७	७	७	८	४	१०	७
२१	०७	०५	०९	०२	०१	२६	२१
४८	१९	४०	०६	०२	१८	५८	२४
४४	३९	२८	४०	४७	४८	१५	२६
६०	४२	८८	१३	७५	०	३	६१
५७	२४	३३	१२	२१	१६	११	१०
ज्ये	अनु	अनु	अनु	मू	म	पूभा	ज्ये
२	२	१	२	१	१व	३	२



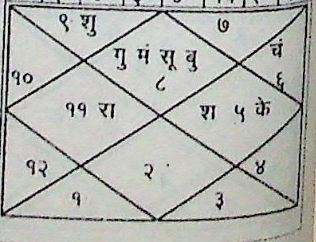
ता.	वा.	दिसम्बर रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि.	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
५	मं	७	१८	४७	५९	६०	५४	२२	२०	२७	१९	७	०१	५	५७	२६	४५	६	०६	४	४८
६	बु	७	१९	४८	५३	६०	५५	२२	२७	२७	१८	७	०२	५	५७	२६	४४	६	०६	४	४८
७	गु	७	२०	४९	४८	६०	५६	२२	३४	२७	१७	७	०२	५	५७	२६	४३	६	०७	४	४८
८	शु	७	२१	५०	४४	६०	५७	२२	४१	२७	१६	७	०३	५	५८	२६	४२	६	०८	४	४८
९	श	७	२२	५१	४१	६०	५८	२२	४७	२७	१६	७	०४	५	५८	२६	४१	६	०८	४	४८
१०	र	७	२३	५२	३८	६०	५९	२२	५३	२७	१५	७	०४	५	५८	२६	४०	६	०९	४	४९
११	चं	७	२४	५३	३७	६०	५९	२२	५८	२७	१४	७	०५	५	५९	२६	३९	६	०९	४	४९
१२	मं	७	२५	५४	३६	६१	००	२३	०३	२७	१३	७	०६	५	५९	२६	३८	६	१०	४	४९
१३	बु	७	२६	५५	३७	६१	०१	२३	०७	२७	१३	७	०६	५	५९	२६	३७	६	११	४	५०
१४	गु	७	२७	५६	३८	६१	०२	२३	११	२७	१२	७	०७	६	००	२६	३७	६	११	४	५०
१५	शु	७	२८	५७	४०	६१	०३	२३	१५	२७	१२	७	०७	६	००	२६	३६	६	१२	४	५०
१६	श	७	२९	५८	४३	६१	०३	२३	१८	२७	१२	७	०८	६	००	२६	३६	६	१२	४	५१
१७	र	८	००	५९	४६	६१	०४	२३	२१	२७	११	७	०८	६	०१	२६	३५	६	१३	४	५१
१८	चं	८	०२	००	५०	६१	०५	२३	२३	२७	११	७	०९	६	०१	२६	३५	६	१४	४	५२
१९	मं	८	०३	०१	५५	६१	०५	२३	२४	२७	११	७	०९	६	०२	२६	३५	६	१४	४	५२
२०	बु	८	०४	०३	००	६१	०६	२३	२५	२७	११	७	१०	६	०२	२६	३४	६	१५	४	५२

संक्रांति फलम्

ता. १५ दिसंबर २००६
पौष कृ. १० भृगौ धनुष्यर्कः प्र. (स्टै.) टा. ३०।५७ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) ३०।५७ से शनौ १३।२१ तक । (दान- वस्त्र) ।

अयनांशाः २३।५६।१७
३६ पं. पौ.कृ. ९ गु. इष्टघटी ५६।००
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	७	७	७	८	४	१०	७
२८	१२	१६	१०	१०	०१	२६	२८
५५	१७	११	३८	५०	१४	३६	३२
४०	२३	१७	३४	१६	३८	००	५७
६१	४२	९९	१३	७५	१	३	६१
०३	४२	३७	०१	२१	०२	११	१६
ज्ये	अनु	अनु	अनु	मू	म	पूभा	ज्ये
४	३	४	३	४	१व	२	४



पौष शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, २१ दिसंबर से ३ जनवरी तक नवलगढ चंद्रः — तारीख

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.
१	गु	२८	४२	१८	४९	मूल	९	४३	११	१३	वृ	४३	०४	२४	३३	व	२८	४२	१८	४९	२५ ३९	७ २०	५ ३५	धनु.	३०	२९	२१
२	शु	२५	५६	१७	४३	पूषा	८	४८	१०	५२	ध्रु	३७	३८	२२	२३	कौ	२५	५६	१७	४३	३९	२०	३६	मक. १६।४३	१	३०	२२
३	श	२२	२६	१६	१९	उषा	७	०७	१०	१२	व्या	३१	४१	२०	०१	ग	२२	२६	१६	१९	३९	२१	३६	मक.	२	१	२३
४	र	१८	२६	१४	४४	श्रव	४	५३	९	१८	ह	२५	२०	१७	२९	वि	१८	२६	१४	४४	३९	२१	३७	कुंभे २०।४८	३	२	२४
५	सो	१४	०७	१३	००	धनि	२ ५९	१७ २७	८ ३१	१६ ०८	व	१८	४४	१४	५१	बा	१४	०७	१३	००	३९	२२	३७	कुंभे	४	३	२५
६	मं	९	३२	११	११	पूभा	५६	२५	२९	५६	सि	११	५८	१२	०९	तै	९	३२	११	११	४०	२२	३८	मीने २४।१४	५	४	२६
७	बु	४	४७	९	१७	उभा	५३	१३	२८	४०	व्य	५ ५८	०३ ०२	९ ३०	२४ ३५	व	४	४७	९	१७	४०	२३	३९	मीने	६	५	२७
८	बु	५९	५४	३१	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	गु	५४	५४	२९	२०	रेव	४९	५५	२७	२१	प	५०	५३	२७	४४	बा	२७	२४	१८	२१	४१	२३	३९	मेषे २७।२१	७	६	२८
१०	शु	४९	५१	२७	२०	अश्वि	४६	३३	२६	०१	शि	४३	४३	२४	५२	तै	२२	२१	१६	२०	४१	२३	४०	मेषे	८	७	२९
११	श	४४	५२	२५	२१	भर	४३	१६	२४	४२	सि	३६	३६	२२	०२	व	१७	१९	१४	१९	४२	२४	४०	वृषे ३०।२३	९	८	३०
१२	र	४०	०९	२३	२८	कृति	४०	१४	२३	३०	सा	२९	३९	१९	१६	व	१२	२७	१२	२३	४३	२४	४१	वृषे	१०	९	३१
१३	सो	३५	५६	२१	४७	रोहि	३७	४२	२२	२९	शु	२३	०५	१६	३८	कौ	७	५७	१०	३५	४४	२४	४२	वृषे	११	१०	१
१४	मं	३२	२९	२०	२४	मृग	३५	५५	२१	४६	शु	१७	०४	१४	१४	ग	४	०६	९	०३	४५	२४	४२	मिथु. १०।०५	१२	११	२
१५	बु	३०	०६	१९	२७	आर्द्रा	३५	११	२१	२९	ब्र	११	४९	१२	०८	वि	१	०८	७	५२	४६	२५	४३	मिथु.	१३	१२	३

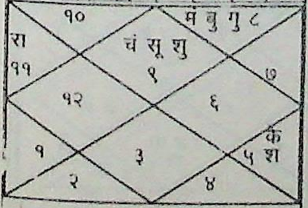
हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ५३७३, दिसं. २००६ - जनवरी २००७

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

सायन मकरे भानुः, सायन उत्तरायण प्रारम्भ २९।५१, ज्येष्ठा. A
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), भा. पोषारंभः, अयन करिदिन
भ. २७।३३ उ., जिल्हेज १२, धनुषि मूले बुधः २८।५६
भ. १४।४४ या., पंचक प्रारम्भः २०।४८
बडादिन
|A भौमः ८।५२
भ. ९।१७ उ. २०।१९ या., शांकभरी यात्रा, अनु.-४ गुरुः २०।२०, B
|B उषा. शुक्रः २०।१५
पंचक समाप्तिः २७।२१
पूषा. रविः ९।०९ (सौरः १६।४६)
भ. १४।१९ उ. २५।२१ या., पुत्रदा ११ ब्र., मन्वादि, C
पातमोक्षः ८।३६ |C पातस्पर्शः २६।२०, मकरे शुक्रः १२।०१
प्रदोषः, जनवरी १ ता. ३१ सन २००७ ई., पूषा. बुधः १६।५५
भ. २०।२४ उ.
भ. ७।५२ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, शाकंभरी जयंती, माघ स्नानारंभः

अयनांशाः २३।५६।१८
३७ पं. पौ.शु. १ गु. इष्टघटी ५५।५०
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	७	७	७	८	४	१०	८
०६	१७	२६	१२	१९	०१	२६	०५
०३	१७	५६	०९	३७	०५	१३	४२
१२	१४	४९	०१	३९	०३	४५	०५
६१	४३	९२	१२	७५	१	३	६१
०७	०१	५५	४६	१९	४८	११	२०
मू	ज्ये	ज्ये	अनु	पूषा	म	पूभा	मू
२	१	४	३	२	१व	२	२



दिसम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२१ गु	८	०५	०४	०६	६१	०६	२३	२६	२७	११	७	१०	६	०३	२६	३४	६	१५	४	५३
२२ शु	८	०६	०५	१२	६१	०७	२३	२६	२७	११	७	११	६	०३	२६	३४	६	१६	४	५३
२३ श	८	०७	०६	१९	६१	०७	२३	२६	२७	११	७	११	६	०४	२६	३४	६	१६	४	५४
२४ र	८	०८	०७	२६	६१	०८	२३	२५	२७	११	७	१२	६	०४	२६	३५	६	१७	४	५४
२५ चं	८	०९	०८	३४	६१	०८	२३	२४	२७	११	७	१२	६	०५	२६	३५	६	१७	४	५५
२६ मं	८	१०	०९	४२	६१	०८	२३	२३	२७	११	७	१३	६	०५	२६	३५	६	१८	४	५६
२७ बु	८	११	१०	५०	६१	०९	२३	२०	२७	११	७	१३	६	०६	२६	३५	६	१८	४	५६
२८ गु	८	१२	११	५९	६१	०९	२३	१८	२७	१२	७	१४	६	०६	२६	३६	६	१८	४	५७
२९ शु	८	१३	१३	०८	६१	०९	२३	१५	२७	१२	७	१४	६	०७	२६	३६	६	१९	४	५७
३० श	८	१४	१४	१७	६१	०९	२३	११	२७	१३	७	१५	६	०८	२६	३७	६	१९	४	५८
३१ र	८	१५	१५	२६	६१	१०	२३	०७	२७	१३	७	१५	६	०८	२६	३८	६	१९	४	५९
१ चं	८	१६	१६	३६	६१	०९	२३	०३	२७	१४	७	१५	६	०९	२६	३८	६	२०	४	५९
२ मं	८	१७	१७	४५	६१	१०	२२	५८	२७	१५	७	१६	६	०९	२६	३९	६	२०	५	००
३ बु	८	१८	१८	५५	६१	१०	२२	५२	२७	१५	७	१६	६	१०	२६	४०	६	२०	५	००

मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो। पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो। स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे। कृष्णा प्रतिपदा में रोहिणी होने से धान्य के भावों में तेजी हो और राजनीति प्रभावित हो, कृ. सप्तमी सोमवार होने से भैंसो में रोग पीड़ा बहुत हो। बुधवारी अमावस ज्येष्ठा योग होने से दुर्भिक्षकारी हो कम धान्य हो। शुक्ला ४ रविवार होने से बीमारी बढे। पूर्णिमा आर्द्रा युक्त और पुष्य का अभाव होने से महर्घता हो।

अयनांशाः २३।५६।२०
३८ पं. पौ.शु. ९ गु. इष्टघटी ५५।४२
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

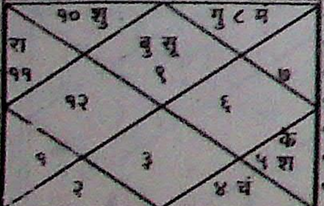
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	७	८	७	८	४	१०	८
१३	२२	०७	१३	२८	००	२५	१२
११	१९	५१	३७	२४	५०	५१	५१
०७	१२	१२	३१	४८	१७	२९	३६
६१	४३	९४	१२	७५	२	३	६१
०९	१८	२४	२७	१७	३१	११	२३
मू	ज्ये	मू	अनु	उषा	म	पूभा	मू
४	२	३	४	१	१व	२	४



माघ कृष्णपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, ४ जनवरी से १९ जनवरी तक नवलगढ																								चंद्रः	तारीख			शिशिरर्तू रविरुत्तरे पोषकृष्णेति महा., जनवरी २००७
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	गु	२९	०२	१९	०२	पुन	३५	४५	२१	४३	ऐ	७	३२	१०	२६	कौ	२९	०२	१९	०२	२५ ४७	७ २५	५ ४४	कर्के १५।३६	१४	१३	४	|A सौभाग्य सुन्दरी व्र., संकट हरगणपति व्र.
२	शु	२९	२८	१९	१२	पुष्य	३७	४८	२२	३२	वै	४	२४	९	११	ग	२९	२८	१९	१२	४९	२५	४५	कर्के	१५	१४	५	|B उत्तरायनारंभः
३	श	३१	३४	२०	०३	श्ले	४१	२७	२४	००	वि	२	२९	८	२५	व	०	१९	७	३३	५०	२५	४५	सिंहे २४।००	१६	१५	६	भ. ७।३३ उ. २०।०३ या., तिलकुटी ४ चन्द्रोदयः २०।३२, A
४	र.	३५	१८	२१	३३	मघा	४६	३८	२६	०५	प्री	१	५०	८	०९	ब	३	१३	८	४३	५२	२५	४६	सिंहे	१७	१६	७	गौरी चतुर्थी, श्रव. शुक्रः ११।२५
५	सो	४०	३०	२३	३८	पूफा	५३	११	२८	४२	आ	२	२१	८	२२	कौ	७	४४	१०	३१	५३	२६	४७	सिंहे	१८	१७	८	धनुषि मूले भौमः १९।५०
६	मं	४६	४७	२६	०८	उफा	...	...	...	...	सौ	३	५४	८	५९	ग	१३	३१	१२	५०	५५	२६	४८	कन्या ११।२५	१९	१८	९	भ. २६।०८ उ., उषा. बुधः २२।५५
७	बु	५३	३६	२८	५२	उफा	०	४०	७	४२	शो	६	०६	९	५२	वि	२०	१०	१५	३०	५७	२६	४८	कन्या	२०	१९	१०	भ. १५।३० या., स्वामी विवेकानन्द जयंती
८	गु	...	...	...	...	हस्त	८	३१	१०	५०	अ	८	३४	१०	५१	बा	२६	५९	१८	१३	५९	२६	४९	तुला. २४।२२	२१	२०	११	उषा. रविः ११।०६ (सौरः १७।३४), मकरे बुधः २३।१७
८	शु	०	१३	७	३१	चित्रा	१६	०१	१३	५०	सु	[illegible]	[illegible]	१०	४४	कौ	०	१३	७	३१	२६ ००	२६	५०	तुला.	२२	२१	१२	|C ९।३५, (व) कर्के श्लेषा.-४ शनिः २७।०५
९	श	५	५८	९	४९	स्वा	२२	३३	१६	२७	धृ	१३	१३	१२	१९	ग	५	५८	९	४९	०२	२६	५१	तुला.	२३	२२	१३	भ. २२।४५ उ., पातस्पर्शः २२।०१, मोक्षः २७।५७, ज्येष्ठा.-१ गुरुः C
१०	र	१०	१५	११	३२	विशा	२७	३६	१८	२८	शू	१२	३३	१२	२७	वि	१०	१५	११	३२	०५	२६	५२	वृश्चि. १२।०२	२४	२३	१४	भ. ११।३२ या., मकरे रविः १७।३७ (सौरः २३।४९), निरयन B
११	सो	१२	४४	१२	३१	अनु	३०	५३	१९	४७	गं	११	३३	१२	०३	बा	१२	४४	१२	३१	०७	२६	५२	वृश्चि.	२५	२४	१५	षट्तिला ११ व्र.
१२	मं	१३	२०	१२	४६	ज्ये	३२	२२	२०	२२	वृ	९	०५	११	०४	तै	१३	२०	१२	४६	०९	२६	५३	धनु. २०।२२	२६	२५	१६	प्रदोषः, तिल द्वादशी, सक्रान्ति करिदिन
१३	बु	१२	०६	१२	१६	मूल	३२	०८	२०	१६	ध्रु	५	१४	९	३१	व	१२	०६	१२	१६	११	२५	५४	धनु.	२७	२६	१७	भ. १२।१६ उ. २३।४७ या., मासिकशिवरात्री व्र., श्रव. बुधः D
१४	गु	९	१८	११	०९	पूषा	३०	२६	१९	३५	व्या	० ५३	०५ ५२	७ २८	२७ ५८	श	९	१८	११	०९	१४	२५	५५	मक. २५।२१	२८	२७	१८	पितृकार्येऽमा., मौनी ३०, युगादि |D २२।०६, धनि. शुक्रः २७।०३
३०	शु	५	१०	९	२९	उषा	२७	३४	१८	२७	व	४६	५०	२६	०९	ना	५	१०	९	२९	१६	२५	५६	मक.	२९	२८	१९	देवकार्येऽमा.

अयनांशाः २३।५६।२१
३९ पं. मा.कृ. १ गु. इष्टघटी ५५।३७
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

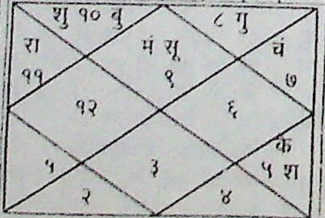
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	७	८	७	९	४	१०	८
२०	२७	१८	१५	००	००	२५	२०
१९	२३	५८	०३	११	३१	२९	०१
१४	१५	५३	२७	३४	०५	१४	१७
६१	४३	१६	१२	७५	३	३	६१
१०	३६	५४	०४	१३	१०	११	२३
पूषा	ज्ये	पूषा	अनु	उषा	म	पूषा	पूषा
३	४	२	४	४	१व	२	३



जनवरी		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
४	गु	८	१९	२०	०५	६१	१०	२२	४७	२७	१६	७	१६	६	११	२६	४१	६	२१	५	०१
५	शु	८	२०	२१	१४	६१	१०	२२	४०	२७	१७	७	१७	६	११	२६	४२	६	२१	५	०२
६	श	८	२१	२२	२४	६१	१०	२२	३४	२७	१८	७	१७	६	१२	२६	४३	६	२१	५	०२
७	र	८	२२	२३	३३	६१	०९	२२	२६	२७	१९	७	१७	६	१३	२६	४४	६	२१	५	०३
८	चं	८	२३	२४	४३	६१	०९	२२	१९	२७	२०	७	१७	६	१३	२६	४६	६	२२	५	०४
९	मं	८	२४	२५	५२	६१	०९	२२	११	२७	२१	७	१७	६	१४	२६	४७	६	२२	५	०५
१०	बु	८	२५	२७	०१	६१	०९	२२	०२	२७	२२	७	१८	६	१४	२६	४८	६	२२	५	०५
११	गु	८	२६	२८	१०	६१	०९	२१	५३	२७	२३	७	१८	६	१५	२६	५०	६	२२	५	०६
१२	शु	८	२७	२९	१८	६१	०८	२१	४४	२७	२५	७	१८	६	१६	२६	५१	६	२२	५	०७
१३	श	८	२८	३०	२७	६१	०८	२१	३४	२७	२६	७	१८	६	१६	२६	५३	६	२२	५	०७
१४	र	८	२९	३१	३४	६१	०७	२१	२४	२७	२७	७	१८	६	१७	२६	५५	६	२२	५	०८
१५	चं	९	००	३२	४२	६१	०७	२१	१३	२७	२९	७	१८	६	१८	२६	५६	६	२२	५	०९
१६	मं	९	०१	३३	४९	६१	०७	२१	०२	२७	३०	७	१८	६	१८	२६	५८	६	२२	५	०९
१७	बु	९	०२	३४	५६	६१	०६	२०	५१	२७	३२	७	१८	६	१९	२७	००	६	२२	५	१०
१८	गु	९	०३	३६	०२	६१	०६	२०	३९	२८	३३	७	१८	६	२०	२७	०२	६	२२	५	११
१९	शु	९	०४	३७	०७	६१	०५	२०	२७	२७	३५	७	१८	६	२०	२७	०४	६	२२	५	१२

अयनांशाः २३।५६।२२
४० पं. मा.कृ. ८ गु. इष्टघटी ५५।३५
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	८	९	७	९	४	१०	८
२७	०२	००	१६	१५	००	२५	२७
२७	२९	२६	२६	५७	०७	०६	१०
१८	१९	२६	३२	४६	०९	५८	५४
६१	४३	९९	११	७५	३	३	६१
०८	५३	५९	३६	०७	४४	११	२१
उषा	मू	उषा	अनु	श्र	म	पूभा	उषा
१	१	२	४	२	१व	२	१



अयनांशाः २३।५६।२३
४१ पं. मा.कृ.१४ गु. इष्टघटी ५५।३६
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	८	९	७	९	३	१०	९
०४	०७	१२	१७	२४	२९	२४	०४
३५	३७	१४	४६	४३	३९	४४	२०
०७	२३	०९	०७	१२	३०	४३	१४
६१	४४	१०२	११	७४	४	३	६१
०५	१०	१६	०३	५९	१३	११	१८
उषा	मू	श्र	ज्ये	ध	श्ले	पूभा	उषा
३	३	१	१	१	४व	२	३



माघ शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, २० जनवरी से २ फरवरी तक नवलगढ चंद्रः																										तारीख		
ति.	वा.	"	"	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.
१	श	०	०६	७	२७	श्रव	२३	५३	१६	५८	सि	३९	१५	२३	०७	व	०	०६	७	२७	२६ ११	७ २५	५ ५६	कुंभे	२८।०९	३०	२९	२०
२	श	५४	२१	२९	०९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०
३	र	४८	१८	२६	४४	धनि	१९	४३	१५	१८	व्य	३१	१८	१९	५६	तै	२१	२१	१५	५७	२१	२५	५७	कुंभे		१	१	२१
४	सो	४२	११	२४	१७	शत	१५	२२	१३	३३	व	२३	१६	१६	४३	ग	१५	१४	१३	३०	२४	२४	५८	मीने	३०।१५	२	२	२२
५	मं	३६	१३	२१	५३	पूभा	११	०३	११	४९	प	१५	१७	१३	३१	ब	९	१०	११	०४	२७	२४	५९	मीने		३	३	२३
६	बु	३०	३३	१९	३७	उभा	६	५८	१०	११	शि	७	३०	१०	२४	कौ	३	२०	८	४४	३०	२४	६ ००	मीने		४	४	२४
७	गु	२५	१७	१७	३०	रेव	३	१५	८	४२	सि	० ५२	०१ ५४	७ २८	२४ ३३	व	२५	१७	१७	३०	३३	२३	००	मेषे	८।४२	५	५	२५
८	शु	२०	३४	१५	३७	अश्वि	० ५७	०१ २०	७ ३०	२४ १९	शु	४६	१५	२५	५३	ब	२०	३४	१५	३७	३५	२३	०१	मेषे		६	६	२६
९	श	१६	२६	१३	५७	कृति	५५	१९	२९	३०	शु	४०	०८	२३	२६	कौ	१६	२६	१३	५७	३८	२३	०२	वृषे	१२।०५	७	७	२७
१०	र	१३	०१	१२	३५	रोहि.	५४	०३	२८	५९	ब्र	३४	३५	२१	१२	ग	१३	०१	१२	३५	४१	२२	०३	वृषे		८	८	२८
११	सो	१०	२२	११	३१	मृग	५३	३८	२८	४९	ऐ	२९	४२	१९	१५	वि	१०	२२	११	३१	४५	२२	०४	मिथु.	१६।५१	९	९	२९
१२	मं	८	३९	१०	४९	आर्द्रा	५४	१०	२९	०१	वै	२५	३३	१७	३५	बा	८	३९	१०	४९	४८	२१	०५	मिथु.		१०	१०	३०
१३	बु	७	५६	१०	३१	पुन	५५	४६	२९	३९	वि	२२	१३	१६	१४	तै	७	५६	१०	३१	५१	२१	०५	कर्के	२३।२७	११	११	३१
१४	गु	८	१८	१०	४०	पुष्य	५८	३०	३०	४४	प्री	१९	४५	१५	१५	व	८	१८	१०	४०	५४	२०	०६	कर्के		१२	१२	१
१५	शु	९	५३	११	१७	श्ले	...	...	...	...	आ	१८	१२	१४	३७	ब	९	५३	११	१७	५७	२०	०७	कर्के		१३	१३	२

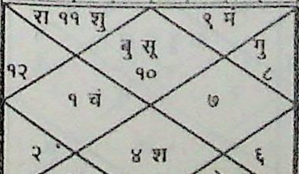
शिशिरर्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ५४०३, जनवरी-फ़रवरी २००७

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

- २० चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक प्रारम्भः २८।०९, श्री वल्लभ जयंती, B
- [B अभि.प्र.रविः३०।४४, सायन कुंभे भानुः १६।२६
- २१ भा. माघारंभः, मोहोर्रम १ सन १४२८ हि., अभि.प्र. सौरः १२।२४
- २२ म. १३।३० उ. २४।१७ या., वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी
- २३ वसन्त पञ्चमी, नेताजी जयन्ती, कुंभे शुक्रः ११।०७
- २४ श्रव. रविः १३।२२ (सौरः १८।४५), बुधोदयः पश्चिमायाम् २०।५५
- २५ भ. १७।३० उ. २८।३२ या., पंचक समाप्तिः ८।४२, मन्वादि, A
- २६ भीष्माष्टमी, गणराज्यदिवस, पातस्पर्शः ९।५६, मोक्षः १४।४०, C
- २७ [A पुत्र ७, रथ ७, अचला ७, अभि.नि. रविः १०।२० D
- २८ भ. २४।०० उ., शत. शुक्रः १९।२४ [C पूभा. भौमः २३।१८
- २९ भ. ११।३१ या., जया ११ व्र., भीष्मद्वादशी, कुंभे बुधः १७।५६
- ३० प्रदोषः, कल्पादि [D (सौरः १५।४०), धनि. बुधः १७।५७
- ३१ ज्येष्ठा.-२ गुरुः २३।१०
- १ भ. १०।४० उ. २२।५५ या., पूर्णिमा व्रतं, फरवरी २ ता. २८
- २ पूर्णिमा पुण्यं, माघ स्नान पूर्त्तिः, शत. बुधः २४।३९

अयनांशाः २३।५६।२४
४२ पं. मा.शु. ७ गु. इष्टघटी ५५।४१
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	८	९	७	१०	३	१०	९
११	१२	२४	१९	०३	२९	२४	११
४२	४७	०९	०१	२७	०८	२२	२९
२८	२१	३६	३८	३७	५२	२७	०३
६१	४४	१०९	१०	७४	४	३	६१
००	२६	००	२५	४९	३४	११	१२
श्र	मू	घ	ज्ये	घ	श्ले	पूभा	श्र
१	४	१	१	४	४व	२	१



जनवरी रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२०	श	९	०५	३८	१२	६१	०४	२०	१४	२७	३६	७	१८	६	२१	२७	०६	६	२२	५	१२
२१	र	९	०६	३९	१७	६१	०४	२०	०१	२७	३८	७	१८	६	२२	२७	०८	६	२२	५	१३
२२	चं	९	०७	४०	२०	६१	०३	१९	४८	२७	४०	७	१८	६	२२	२७	१०	६	२२	५	१४
२३	मं	९	०८	४१	२३	६१	०२	१९	३४	२७	४१	७	१८	६	२३	२७	१२	६	२२	५	१४
२४	बु	९	०९	४२	२६	६१	०२	१९	२०	२७	४३	७	१८	६	२३	२७	१४	६	२१	५	१५
२५	गु	९	१०	४३	२७	६१	०१	१९	०६	२७	४५	७	१८	६	२४	२७	१६	६	२१	५	१६
२६	शु	९	११	४४	२८	६१	००	१८	५१	२७	४७	७	१८	६	२५	२७	१९	६	२१	५	१६
२७	श	९	१२	४५	२८	६०	५९	१८	३६	२७	४९	७	१८	६	२५	२७	२१	६	२१	५	१७
२८	र	९	१३	४६	२७	६०	५८	१८	२०	२७	५१	७	१७	६	२६	२७	२३	६	२०	५	१८
२९	चं	९	१४	४७	२५	६०	५७	१८	०५	२७	५३	७	१७	६	२६	२७	२६	६	२०	५	१८
३०	मं	९	१५	४८	२३	६०	५६	१७	४९	२७	५५	७	१७	६	२७	२७	२८	६	२०	५	१९
३१	बु	९	१६	४९	१९	६०	५५	१७	३२	२७	५७	७	१७	६	२८	२७	३१	६	१९	५	२०
१	गु	९	१७	५०	१४	६०	५४	१७	१५	२७	५९	७	१६	६	२८	२७	३३	६	१९	५	२०
२	शु	९	१८	५१	०९	६०	५३	१६	५८	२८	०१	७	१६	६	२९	२७	३६	६	१९	५	२१

संक्रांति फलम्

ता. १४ जनवरी २००७
माघ कृ. १० रवौ मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १७।३७ वारात् ३ नक्षत्रात् २ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) १७।३७ से चंद्रे ९।३७ तक। (दान- काष्ट - अन्न)।

अयनांशाः २३।५६।२५
४३ पं. मा.शु.१४ गु. इष्टघटी ५५।४८
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	८	१०	७	१०	३	१०	९
१८	१७	०५	२०	१२	२८	२४	१८
४९	५९	२९	१२	१०	३६	००	३७
०९	०९	५५	३१	४६	०६	१२	०८
६०	४४	८८	९	७४	४	३	६१
५३	४१	३९	४३	३७	४८	११	०५
श्र	पूभा	घ	ज्ये	श	श्ले	पूभा	श्र
३	२	४	२	२	४व	२	३



फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, ३ फरवरी से १७ फरवरी तक नवलगढ

शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति महा., फरवरी २००७

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	श	१२	४२	१२	२४	श्ले	२	२६	८	१८	सौ	१७	३६	१४	२२	कौ	१२	४२	१२	२४	२७ ०१	७ १९	६ ०८	सिंहे ८।१८	१४	१४	३	
२	र	१६	४३	१४	००	मघा	७	३१	१०	११	शो	१७	५६	१४	२९	ग	१६	४३	१४	००	०४	१९	०८	सिंहे	१५	१५	४	भ. २६।५९ उ.
३	सो	२१	५४	१६	०४	पूफा	१३	४३	१२	४७	अ	१९	०६	१४	५७	वि	२१	५४	१६	०४	०८	१८	०९	कन्या ११।२८	१६	१६	५	भ. १६।०४ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।०४
४	मं	२८	०२	१८	३०	उफा	२०	५०	१५	३८	सु	२१	००	१५	४२	बा	२८	०२	१८	३०	११	१८	१०	कन्या	१७	१७	६	धनि. रविः १६।२९ (सौरः २०।५२)
५	बु	३४	४३	२१	१०	हस्त	२८	३४	१८	४२	धृ	२३	२२	१६	३८	कौ	१	२१	७	४९	१५	१७	११	कन्या	१८	१८	७	[A बुधास्तः पश्चिमायाम् २२।२५
६	गु	४१	२९	२३	५२	चित्रा	३६	२२	२१	४९	शू	२५	५१	१७	३७	ग	८	०८	१०	३२	१८	१६	१२	तुला. ८।१६	१९	१९	८	भ. २३।५२ उ.,पातस्पर्शः १८।५६, मोक्षः २३।४९, पूभा. शुक्रः १२।४५
७	शु	४७	३८	२६	१९	स्वा	४३	४०	२४	४४	गं	२७	५९	१८	२७	वि	१४	४०	१३	०८	२२	१६	१२	तुला.	२०	२०	९	भ. १३।०८ या.
८	श	५२	३२	२८	१६	विशा	४९	५२	२७	१२	वृ	२९	२३	१९	००	बा	२०	१६	१५	२२	२५	१५	१३	वृश्चि. २०।३८	२१	२१	१०	[B पूफा.-३ केतुः २१।०८
९	र	५५	४७	२९	३३	अनु	५४	२६	२९	०१	ध्रु	२९	३६	१९	०५	तै	२४	२५	१७	००	२९	१४	१४	वृश्चि.	२२	२२	११	रामदास ९
१०	सो	५७	०२	३०	०२	ज्ये	५७	०८	३०	०५	व्या	२८	२४	१८	३५	व	२६	४१	१७	५४	३३	१४	१५	धनु. ३०।०५	२३	२३	१२	भ. १७।५४ उ. ३०।०२ या., कुंभे रविः ३०।३१
११	मं	५६	१४	२९	४२	मूल	५७	५०	३०	२१	ह	२५	३८	१७	२८	ब	२६	५४	१७	५८	३६	१३	१५	धनु.	२४	२४	१३	विजया ११ व्र.स्मार्त, कुंभे सौरः १०।२७, उषा. भौमः २०।१६
१२	बु	५३	३०	२८	३६	पूषा	५६	३९	२९	५१	व	२१	१८	१५	४३	कौ	२५	०६	१७	१५	४०	१२	१६	धनु.	२५	२५	१४	विजया ११ व्र.वैष्ण., वक्री बुधः २०।५१, पूभा.-१ राहुः २१।०८, B
१३	गु	४९	०३	२६	४८	उषा	५३	४८	२८	४२	सि	१५	३१	१३	२३	ग	२१	२९	१५	४७	४४	११	१७	मक. ११।३८	२६	२६	१५	भ. २६।४८ उ., प्रदोषः
१४	शु	४३	११	२४	२७	श्रव	४९	३६	२७	०१	व्य	८	२७	१०	३३	वि	१६	१७	१३	४१	४८	१०	१७	मक.	२७	२७	१६	भ. १३।४१ या., महाशिवरात्री व्रतम्, मीने शुक्रः १४।३८
३०	श	३६	१९	२१	४१	धनि	४४	२६	२४	५६	व	० ५१	२१ ३०	७ २७	१८ ४५	च	९	५२	११	०६	५१	१०	१८	कुंभे १४।०१	२८	२८	१७	पंचक प्रारम्भः १४।०१, देवपितृकार्येऽमा., मकरे भौमः ३०।३८, A

अयनांशाः २३।५६।२६
४४ पं. फा.कृ. ६ गु. इष्टघटी ५५।५८
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	८	१०	७	१०	३	१०	९
२५	२३	१४	२१	२०	२८	२३	२५
५४	१२	०८	१८	५२	०२	३७	४४
५८	४१	२३	१२	२६	०७	५७	१७
६०	४४	४७	८	७४	४	३	६०
४५	५५	१०	५६	२३	५४	११	५६
ध	पूभा	श	ज्ये	पूभा	श्ले	पूभा	ध
१	३	३	२	१	४व	२	१



फरवरी रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकतां रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
३	श	९	१९	५२	०२	६०	५२	१६	४१	२८	०३	७	१६	६	२९	२७	३९	६	१८	५	२२
४	र	९	२०	५२	५४	६०	५१	१६	२३	२८	०६	७	१६	६	३०	२७	४१	६	१८	५	२२
५	चं	९	२१	५३	४५	६०	५०	१६	०५	२८	०८	७	१५	६	३०	२७	४४	६	१७	५	२३
६	मं	९	२२	५४	३५	६०	४९	१५	४७	२८	१०	७	१५	६	३१	२७	४७	६	१७	५	२४
७	बु	९	२३	५५	२४	६०	४८	१५	२९	२८	१२	७	१४	६	३१	२७	४९	६	१७	५	२४
८	गु	९	२४	५६	११	६०	४६	१५	१०	२८	१५	७	१४	६	३२	२७	५२	६	१६	५	२५
९	शु	९	२५	५६	५८	६०	४५	१४	५१	२८	१७	७	१४	६	३२	२७	५५	६	१५	५	२५
१०	श	९	२६	५७	४३	६०	४४	१४	३२	२८	१९	७	१३	६	३३	२७	५८	६	१५	५	२६
११	र	९	२७	५८	२६	६०	४२	१४	१२	२८	२२	७	१३	६	३३	२८	०१	६	१४	५	२७
१२	चं	९	२८	५९	०९	६०	४१	१३	५२	२८	२४	७	१२	६	३४	२८	०४	६	१४	५	२७
१३	मं	९	२९	५९	५०	६०	३९	१३	३३	२८	२६	७	१२	६	३४	२८	०७	६	१३	५	२८
१४	बु	१०	०१	००	२९	६०	३८	१३	१२	२८	२९	७	११	६	३५	२८	०९	६	१३	५	२८
१५	गु	१०	०२	०१	०७	६०	३७	१२	५२	२८	३१	७	११	६	३५	२८	१२	६	१२	५	२९
१६	शु	१०	०३	०१	४४	६०	३५	१२	३१	२८	३४	७	१०	६	३६	२८	१५	६	११	५	२९
१७	श	१०	०४	०२	१९	६०	३४	१२	११	२८	३६	७	१०	६	३६	२८	१८	६	११	५	३०

संक्रांति फलम्

ता. १२ फरवरी २००७
फा. कृ. १० चंद्रे कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ३०।३१ वारात् २ नक्षत्रात् ४ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनीं गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वणपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) २४।०७ से ३०।३१ तक । (दान-गोड़ - अन्न) ।

अयनांशाः २३।५६।२७
४५ पं. फा.कृ.१३ गु. इष्टघटी ५६।११
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

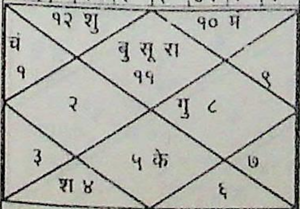
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	८	१०	७	१०	३	१०	१०
०२	२८	१६	२२	२९	२७	२३	०२
५९	२७	०७	१८	३२	२७	१५	५०
४५	५०	२८	०६	१९	५३	४१	१८
६०	४५	२५	८	७४	४	३	६०
३५	०९	१४	०३	०७	५१	११	४६
ध	उषा	श	ज्ये	पूभा	श्ले	पूभा	ध
३	१	३व	२	३	४व	१	३



फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, १८ फरवरी से ३ मार्च तक नवलगढ चंद्रः																										तारीख			शिशिरर्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ५४३२, फरवरी-मार्च २००७
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	र	२८	४६	१८	३९	शत	३८	३८	२२	३६	शि	४२	१२	२४	०२	किं	२	३६	८	११	२७ ५५	७ ०९	६ १९	कुंभे		२९	२९	१८	सायन मीने भानुः ३०।३०
२	सो	२०	५३	१५	२९	पूभा	३२	३७	२०	११	सि	३२	४४	२०	१३	कौ	२०	५३	१५	२९	५९	०८	२०	मीने	१४।४७	३०	३०	१९	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), फुलरिया २, श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती, B
३	मं	१३	०४	१२	२१	उभा	२६	४१	१७	४८	सा	२३	२१	१६	२८	ग	१३	०४	१२	२१	२८ ०३	०७	२०	मीने		१	१	२०	भ. २२।४९ उ., भा. फाल्गुनारंभः, सफर २
४	बु	५	३५	९	२०	रेव	२१	११	१५	३५	शु	१४	१९	१२	५०	वि	५	३५	९	२०	०७	०६	२१	मेषे	१५।३५	२	२	२१	भ. ९।२० या., पंचक समाप्तिः १५।३५, याज्ञवल्क्य जयंती, C
५	बु	५८	४१	३०	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[C पातस्पर्शः ७।५८, मोक्षः ११।३९
६	गु	५२	४३	२८	११	अश्वि	१६	२४	१३	३९	शु	५ ५८	४९ ०३	९ ३०	२५ १८	कौ	२५	३७	१७	२०	११	०५	२२	मेषे		३	३	२२	[B शत. रविः २०।५७ (सौरः २४।२७), उभा. शुक्रः ७।२६
७	शु	४७	५०	२६	१२	भर	१२	३३	१२	०६	ऐ	५१	११	२७	३३	ग	२०	०९	१५	०८	१५	०४	२२	वृषे	१७।४६	४	४	२३	भ. २६।१२ उ. [D श्रव. भौमः ११।५८
८	श	४४	१२	२४	४४	कृति	९	५०	११	००	वै	४५	१९	२५	११	वि	१५	५२	१३	२४	१९	०३	२३	वृषे		५	५	२४	भ. १३।२४ या., होलाष्टक. ज्येष्ठा. ३ गुरु. १०।०९
९	र	४१	५३	२३	४८	रोहि	८	२४	१०	२४	वि	४०	३१	२३	१५	बा	१२	५३	१२	१२	२३	०२	२४	मिथु.	२२।१८	६	६	२५	[A जेलपोणी भद्रा के बाद, होलिका दहनं, करिदिन, D
१०	सो	४०	५७	२३	२४	मृग	८	१८	१०	२१	प्री	३६	४९	२१	४५	तै	११	५६	११	३२	२७	०१	२४	मिथु.		७	७	२६	(व) धनि. बुधः १७।२०, (व) श्लेषा. ३ शनिः ७।४२
११	मं	४१	२४	२३	३४	आर्द्रा	९	३२	१०	४९	आ	३४	१२	२०	४१	व	११	०१	११	२५	३१	००	२५	कर्के	२९।३२	८	८	२७	भ. ११।२५ उ. २३।३४ या., आमलकी ११ व्र., बिड़कुला-ढाल E
१२	बु	४३	०७	२४	१४	पुन	१२	०५	११	४९	सौ	३२	३४	२०	०१	ब	१२	०७	११	५१	३५	००	२५	कर्के		९	९	२८	मेला श्रीश्यामजी (खाटु) [E थापणा भद्रा के पहिले
१३	गु	४६	००	२५	२३	पुष्य	१५	४८	१३	१८	शो	३१	५०	१९	४३	कौ	१४	२७	१२	४५	३९	६ ५९	२६	कर्के		१०	१०	१	प्रदोषः, मार्च ३ ता. ३१, बुधोदयः पूर्वस्याम् २६।३०, रेव. शुक्रः २७।४६
१४	शु	४९	५५	२६	५६	श्ले	२०	३४	१५	११	अ	३१	५५	१९	४४	ग	१७	५२	१४	०६	४३	५८	२७	सिंह	१५।११	११	११	२	भ. २६।५६ उ.
१५	श	५४	४२	२८	४९	मघा	२६	१४	१७	२६	सु	३२	४२	२०	०१	वि	२२	१३	१५	५०	४७	५७	२७	सिंहे		१२	१२	३	भ. १५।५० या., खग्रासं चन्द्रग्रहणम्, मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A

अयनांशाः २३।५६।२८
४६ पं. फा.शु. ६ गु. इष्टघटी ५६।२६
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	९	१०	७	११	३	१०	१०
१०	०३	१०	२३	०८	२६	२२	०९
०३	४४	२७	११	१०	५४	५३	५५
२०	२९	११	३७	११	२०	२६	०२
६०	४५	६६	७	७३	४	३	६०
२४	२१	३३	०५	४८	४१	११	३४
श	उषा	श	ज्ये	उभा	श्ले	पूभा	श
२	३	२व	२	२	४व	१	१



फरवरी रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेलवे-टाईम						कलकता रेलवे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१८ र	१०	०५	०२	५३	६०	३२	११	५०	२८	३९	७	०९	६	३७	२८	२१	६	१०	५	३१
१९ चं	१०	०६	०३	२५	६०	३१	११	२८	२८	४१	७	०८	६	३७	२८	२४	६	०९	५	३१
२० मं	१०	०७	०३	५६	६०	२९	११	०७	२८	४४	७	०८	६	३७	२८	२८	६	०९	५	३२
२१ बु	१०	०८	०४	२५	६०	२८	१०	४५	२८	४६	७	०७	६	३८	२८	३९	६	०८	५	३२
२२ गु	१०	०९	०४	५३	६०	२६	१०	२४	२८	४९	७	०७	६	३८	२८	३४	६	०७	५	३३
२३ शु	१०	१०	०५	१९	६०	२४	१०	०२	२८	५१	७	०६	६	३९	२८	३७	६	०६	५	३३
२४ श	१०	११	०५	४३	६०	२३	९	४०	२८	५४	७	०५	६	३९	२८	४०	६	०६	५	३४
२५ र	१०	१२	०६	०५	६०	२१	९	१८	२८	५७	७	०५	६	३९	२८	४३	६	०५	५	३४
२६ चं	१०	१३	०६	२६	६०	१९	८	५५	२८	५९	७	०४	६	४०	२८	४६	६	०४	५	३५
२७ मं	१०	१४	०६	४६	६०	१७	८	३३	२९	०२	७	०३	६	४०	२८	४९	६	०३	५	३५
२८ बु	१०	१५	०७	०३	६०	१६	८	१०	२९	०४	७	०३	६	४०	२८	५३	६	०२	५	३५
१ गु	१०	१६	०७	१९	६०	१४	७	४८	२९	०७	७	०२	६	४१	२८	५६	६	०२	५	३६
२ शु	१०	१७	०७	३३	६०	१२	७	२५	२९	१०	७	०१	६	४१	२८	५९	६	०१	५	३६
३ श	१०	१८	०७	४५	६०	१०	७	०२	२९	१२	७	००	६	४१	२९	०२	६	००	५	३७

मास फलम्

चन्द्रग्रहण ३ मार्च २००७, शनिवार

इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो। दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों। मार्गशीर्ष से फाल्गुन तक शुक्ल पक्ष में तिथियां क्षय होने से लोगों का स्वास्थ्य बिगड़े, राजविग्रह हो और छत्रभंग हो। कृष्णा षष्ठी को चित्रा नक्षत्र होने से सुभिक्ष हो। शनिवारी अमावस और धनिष्ठा योग दुर्भिक्ष कारक है। शुक्ला अष्टमी कृत्तिका होने से सुभिक्ष हो। शुक्ला एकादशी आर्द्रा होने से अवर्षण हो। पूर्णिमा मघा युक्त और उत्तरा फाल्गुनी का अभाव होने से भावों में घटा बढ़ी हों।

अयनांशाः २३।५६।२९
४७ पं. फा.शु.१३ गु. इष्टघटी ५६।४३
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	९	१०	७	११	३	१०	१०
१७	०९	०३	२३	३६	२६	२२	१६
०५	०२	३३	५८	४५	२२	३१	५८
३४	३०	४३	११	४८	२४	१०	१८
६०	४५	३९	६	७३	४	३	६०
१२	३२	१८	०३	२८	२३	११	२०
श	उषा	ध	ज्ये	रे	श्ले	पूभा	श
४	४	४व	३	१	३व	१	४



चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०६३, शाकः १९२८, ४ मार्च से १९ मार्च तक नवलगढ

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.
१	र	…	…	…	…	पूफा	२७	४१	२०	००	धृ	३४	०५	२०	३३	बा	२७	२४	१७	५३	२८ ५१	६ ५५	६ २८	कन्या २६।४१	१३	१३	४
१	सो	०	१६	७	०१	उफा	३९	४६	२२	४९	शू	३५	५२	२१	१८	कौ	०	१६	७	०१	५५	५४	२८	कन्या	१४	१४	५
२	मं	६	२५	९	२७	हस्त	४७	२०	२५	४९	गं	३८	१४	२२	११	ग	६	२५	९	२७	५९	५३	२९	कन्या	१५	१५	६
३	बु	१२	५८	१२	०३	चित्रा	५५	०५	२८	५५	वृ	४०	४२	२३	०९	वि	१२	५८	१२	०३	२९ ०३	५२	३०	तुला. १५।२२	१६	१६	७
४	गु	१९	३५	१४	४१	स्वा	…	…	…	…	ध्रु	४३	०६	२४	०६	बा	१९	३५	१४	४१	०७	५१	३०	तुला.	१७	१७	८
५	शु	२५	५०	१७	१०	स्वा	२	४३	७	५६	व्या	४५	०७	२४	५३	तै	२५	५०	१७	१०	११	५०	३१	वृश्चि. २८।०२	१८	१८	९
६	श	३१	१४	१९	१९	विशा	९	४०	१०	४१	ह	४६	२२	२५	२२	व	३१	१४	१९	१९	१५	४९	३१	वृश्चि.	१९	१९	१०
७	र	३५	१५	२०	५४	अनु	१५	२८	१२	५९	व	४६	३२	२५	२५	वि	३	२७	८	११	२०	४८	३२	वृश्चि.	२०	२०	११
८	सो	३७	३५	२१	४९	ज्ये	१९	४३	१४	४०	सि	४५	२१	२४	५६	बा	६	४१	९	२७	२४	४७	३२	धनु. १४।४०	२१	२१	१२
९	मं	३७	५६	२१	५६	मूल	२२	०८	१५	३७	व्य	४२	३९	२३	४९	तै	८	०२	९	५९	२८	४६	३३	धनु.	२२	२२	१३
१०	बु	३६	१६	२१	१५	पूषा	२२	३५	१५	४७	व	३८	२०	२२	०५	व	७	२२	९	४२	३२	४५	३४	मक. २१।४२	२३	२३	१४
११	गु	३२	३९	१९	४७	उषा	२१	०६	१५	१०	प	३२	३१	१९	४४	ब	४	४३	८	३७	३६	४४	३४	मक.	२४	२४	१५
१२	शु	२७	१७	१७	३८	श्रव	१७	५१	१३	५१	शि	२५	१७	१६	४९	कौ	०	१२	६	४७	४०	४३	३५	कुंभे २४।५८	२५	२५	१६
१३	श	२०	२८	१४	५३	धनि	१३	०६	११	५६	सि	१६	५२	१३	२६	व	२०	२८	१४	५३	४४	४१	३५	कुंभे	२६	२६	१७
१४	र	१२	३२	११	४१	शत	७	११	९	३३	सा	७ ५७	३१ २७	९ २१	४१ ३९	श	१२	३२	११	४१	४८	४०	३६	मीने २५।३२	२७	२७	१८
३०	सो	३ ५८	५० ४४	८ २८	११ ३३	पूभा	० ५३	२७ १९	६ २३	५० ५८	शु	४७	०५	२५	२९	ना	३	५०	८	११	५३	३९	३६	मीने	२८	२८	१९

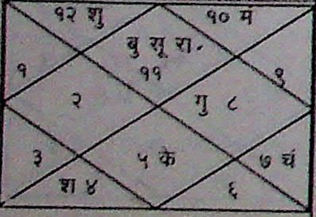
वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति महा., मार्च २००७

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

इं.	
४	ग्रहण-करिदिन, वसन्त १, छारेंडी देशाचारे, करिदिन, पूभा. रविः D
५	|D २७।१४ (सौरः २९।५८)
६	भ. २२।४५ उ., कल्पादि, पातस्पर्शः ८।२९, मोक्षः १२।४९
७	भ. १२।०३ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।३४
८	मार्गी बुधः २२।११
९	|A ध्वजारो., आरोग्य १, विद्या १, सोमवती अमा., केतकी B
१०	भ. १९।१९ उ.
११	भ. ८।११ या.
१२	शीतला पूजनं, मेषे अश्वि. शुक्रः २६।०६
१३	|B अहर्गणः ५४६१, चक्र ६, कल्पादि, पातस्पर्शः ८।०४, मोक्षः
१४	भ. ९।४२ उ. २१।१५ या., मीने रविः २७।२० (सौरः २९।३८)
१५	पापमोचनी ११ व्र. |E ११।५६ से १४।५३ तक
१६	पंचक प्रारम्भः २४।५८, प्रदोषः
१७	भ. १४।५३ उ. २५।२० या., मासिकशिवरात्री व्र., महावारुणी योग E
१८	पितृकार्येऽमा., मन्वादि, उभा. रविः ११।३९ (सौरः १३।५०)
१९	देबकार्येऽमा., ग्रस्तोदयं सूर्यग्रहणम, नवरात्रारम्भः, घटस्था., A

अयनांशाः २३।५६।३०
४८ पं. चै.कृ. ४ गु. इष्टघटी ५७।०१
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	९	१०	७	११	३	१०	१०
२४	१४	०१	२४	२५	२५	२२	२३
०६	२१	२४	३७	१८	५२	०८	५९
२१	४२	३०	१५	५३	५७	५५	५९
५९	४५	८	४	७३	३	३	६०
५९	४१	१९	५६	०५	५८	११	०६
पूभा २	श्र २	ध ३	ज्ये ३	रे ३	श्ले ३व	पूभा १	पूभा २



मार्च ता.	वा.	रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
४	र	१०	१९	०७	५५	६०	०९	६	३९	२९	१५	७	००	६	४२	२९	०५	५	५९	५	३७
५	चं	१०	२०	०८	०४	६०	०७	६	१६	२९	१८	६	५९	६	४२	२९	०८	५	५८	५	३८
६	मं	१०	२१	०८	११	६०	०५	५	५३	२९	२०	६	५८	६	४२	२९	१२	५	५७	५	३८
७	बु	१०	२२	०८	१५	६०	०३	५	२९	२९	२३	६	५७	६	४३	२९	१५	५	५७	५	३८
८	गु	१०	२३	०८	१९	६०	०१	५	०६	२९	२६	६	५७	६	४३	२९	१८	५	५६	५	३९
९	शु	१०	२४	०८	२०	५९	५९	४	४३	२९	२८	६	५६	६	४३	२९	२१	५	५५	५	३९
१०	श	१०	२५	०८	१९	५९	५७	४	१९	२९	३१	६	५५	६	४३	२९	२५	५	५४	५	४०
११	र	१०	२६	०८	१६	५९	५५	३	५६	२९	३४	६	५४	६	४४	२९	२८	५	५३	५	४०
१२	चं	१०	२७	०८	१२	५९	५४	३	३२	२९	३६	६	५३	६	४४	२९	३१	५	५२	५	४०
१३	मं	१०	२८	०८	०५	५९	५१	३	०९	२९	३९	६	५३	६	४४	२९	३४	५	५१	५	४१
१४	बु	१०	२९	०७	५७	५९	५०	२	४५	२९	४२	६	५२	६	४५	२९	३८	५	५०	५	४१
१५	गु	११	००	०७	४६	५९	४८	२	२१	२९	[illegible]	६	५१	६	४५	२९	४१	५	४९	५	४२
१६	शु	११	०१	०७	३४	५९	४६	१	५८	२९	[illegible]	६	५०	६	४५	२९	४४	५	४८	५	४२
१७	श	११	०२	०७	१९	५९	४४	१	३४	२९	५०	६	४९	६	४५	२९	४७	५	४७	५	४२
१८	र	११	०३	०७	०३	५९	४२	१	१०	२९	५२	६	४९	६	४६	२९	५१	५	४६	५	४३
१९	चं	११	०४	०६	४५	५९	४०	०	४६	२९	५५	६	४८	६	४६	२९	५४	५	४५	५	४३

संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २००७

चैत्र कृ. १० बुधे मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २७।२० वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं देवजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) २७।२० से गुरौ ९।४४ तक। (दान- भूमि माला)।

अयनांशाः २३।५६।३१
४९ पं. चै.कृ.११ गु. इष्टघटी ५७।२०
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	९	१०	७	०	३	१०	११
०१	१९	०४	२५	०३	२५	२१	००
०५	४१	१५	०८	४९	२६	४६	५९
३६	५५	२८	१६	१०	४४	४०	५८
५९	४५	४२	३	७२	३	३	५९
४६	४९	४७	४५	३९	२६	११	५१
पूभा ४	श्र ३	ध ४	ज्ये ३	अ २	श्ले ३व	पूभा १	पूभा ४



नवलगढ दैनिक लग्नसारणी से नीचे नगरों में लग्नप्रवेश बनाने के लिए संस्कार कोष्ठक (मिनिटों में)

नगरों के नाम	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
अमृतसर (पंजा.)	- २	- ६	- ८	- ७	- ४	+ ०	+ ५	+ ८	+ १०	+ ९	+ ६	+ २
अजमेर (राज.)	+ ३	+ ४	+ ४	+ ४	+ ३	+ २	+ १	- १	- १	- १	+ ०	+ १
अहमदाबाद (गुज.)	+ १४	+ १८	+ २०	+ १९	+ १६	+ ११	+ ७	+ ३	+ १	+ २	+ ५	+ ९
आकोला (महा.)	- २	+ ४	+ ७	+ ५	+ ०	- ७	- १३	- २०	- २३	- २१	- १६	- ९
आगरा (उ.प्र.)	- ११	- १०	- १०	- १०	- १०	- ११	- १२	- १२	- १२	- १२	- १२	- ११
इंदौर (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ८	+ ७	+ ३	- २	- ७	- ११	- १४	- १३	- ९	- ४
उज्ञैन (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ७	+ ६	+ ३	- २	- ६	- १०	- १२	- ११	- ८	- ३
उदयपुर (राज.)	+ ८	+ ११	+ १२	+ १२	+ ९	+ ६	+ ३	+ ०	- १	- १	+ २	+ ५
कोलकाता (बंगा.)	- ४९	- ४५	- ४२	- ४३	- ४७	- ५२	- ५७	- ६२	- ६४	- ६३	- ५९	- ५४
कानपुर (उ.प्र.)	- २०	- १९	- १८	- १८	- १९	- २०	- २२	- २३	- २४	- २३	- २२	- २१
काठमाण्डु (नेपा.)	- ३९	- ३८	- ३८	- ३८	- ३९	- ४०	- ४१	- ४२	- ४३	- ४२	- ४२	- ४१
कोल्हापुर (महा.)	+ १२	+ २१	+ २६	+ २४	+ १६	+ ५	- ५	- १४	- १९	- १७	- ९	+ १
गोहाटी (आसा)	- ६५	- ६४	- ६३	- ६३	- ६५	- ६६	- ६८	- ६९	- ७०	- ७०	- ६८	- ६७
चंढीगढ (पंजा.)	- १०	- १२	- १४	- १३	- ११	- ८	- ५	- २	- ०	- १	- ३	- ७
चित्तौडगढ (राज.)	+ ४	+ ६	+ ८	+ ७	+ ५	+ २	- १	- ३	- ५	- ४	- २	+ १
चित्रई (तमि.)	- ९	+ ३	+ ९	+ ६	- ४	- १८	- ३१	- ४३	- ५०	- ४७	- ३६	- २३
जयपुर (राज.)	- २	- १	- १	- १	- २	- ३	- ३	- ४	- ५	- ४	- ४	- ३
जोधपुर (राज.)	+ १२	+ १३	+ १४	+ १४	+ १२	+ ११	+ ९	+ ८	+ ७	+ ७	+ ८	+ १०
डिब्रुगढ (आसा)	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ८०	- ८०	- ८०	- ८०	- ७९
दरभंगा (विहा.)	- ४२	- ४०	- ३९	- ४०	- ४१	- ४३	- ४४	- ४६	- ४६	- ४६	- ४५	- ४३
दिल्ली	- ९	- १०	- १०	- १०	- ९	- ९	- ८	- ७	- ६	- ७	- ७	- ८
नागपुर (महा.)	- ११	- ५	- २	- ४	- ८	- १५	- २१	- २७	- ३०	- २९	- २४	- १७
पटना (विहा.)	- ३९	- ३७	- ३६	- ३६	- ३८	- ४०	- ४२	- ४४	- ४५	- ४५	- ४३	- ४१
पूना (महा.)	+ १२	+ २०	+ २४	+ २२	+ १५	+ ७	- २	- १०	- १४	- १२	- ६	+ ३
वडौदा (गुज.)	+ १२	+ १७	+ २०	+ १९	+ १४	+ ९	+ ३	- २	- ५	- ३	+ १	+ ६
बीकानेर (राज.)	+ ७	+ ६	+ ६	+ ६	+ ७	+ ७	+ ८	+ ८	+ ८	+ ८	+ ८	+ ७
बेंगलोर (कर्ना.)	+ १	- १३	+ १९	+ १७	+ ६	- ७	- २१	- ३३	- ३९	- ३६	- २६	- १३
भागलपुर (बिहा.)	- ४५	- ४३	- ४२	- ४२	- ४४	- ४७	- ५०	- ५२	- ५३	- ५२	- ५१	- ४८
भुवनेश्वर (उडी.)	- ३७	- ३१	- २८	- २९	- ३५	- ४२	- ४९	- ५५	- ५८	- ५७	- ५१	- ४५
भोपाल (म.प्र.)	- ५	१	+ १	- ०	- ३	- ८	- १२	- १६	- १८	- १८	- १४	- १०
मुम्बई (महा.)	+ १६	+ २३	+ २७	+ २५	+ १९	+ ११	+ २	- ५	- ९	- ७	- १	+ ७
वाराणसी (उ.प्र.)	- ३०	- २७	- २६	- २७	- २९	- ३१	- ३३	- ३६	- ३७	- ३६	- ३४	- ३२
सोलापुर (महा.)	+ ४	+ १३	+ १७	+ १५	+ ८	- १	- ११	- २०	- २४	- २२	- १५	- ५
श्रीनगर (ज.क.)	- ५	- ११	- १४	- १३	- ८	- १	+ ६	+ १३	+ १६	+ १५	+ ९	+ २
हैदराबाद (आं.प्र.)	- ६	+ ३	+ ८	+ ६	- २	- १२	- २२	- ३०	- ३५	- ३३	- २५	- १६

॥ संवत् २०६४ ॥ संस्कार कोष्ठक ज्ञानाय:- पञ्चाङ्गस्थ नवलगढ (राज.) की दैनिक लग्न प्रवेश सारणी से उपर लिखे नगरों का प्रवेश व समाप्ति काल संस्कार कोष्ठक की सहायता से किसी भी दिन का स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं।

उदाहरण - १ मई २००७ को डिब्रुगढ (आसा) में मकर लग्न का प्रवेश और समाप्ति काल ज्ञात करना है। पंचांग में १ मई २००७ को मकर का प्रवेश काल रात्रौ घंटा १२ मिनट २७ और समाप्ति काल रात्रौ घंटा २ मिनट १० लिखा हुआ है। संस्कार कोष्ठक में डिब्रुगढ (आसा) के मकर में - ८० मि. और कुंभ में - ८० मि. है (कुंभ का प्रवेश काल ही मकर का समाप्ति काल है)। अतः मकर के प्रवेश रात्रौ १२।२७ में - ८० मि. का संस्कार किया (यदि - हो तो घटा दें और + हो तो जोड दें) तो डिब्रुगढ (आसा) का स्पष्ट प्रवेश काल रात्रौ ११।०७ हो गया मकर के समाप्ति काल रात्रौ घंटा २ मिनट १० में - ८० मि. का संस्कार किया तो मकर का समाप्ति काल रात्रौ १२।५० स्पष्ट हो गया। ऐसे ही संस्कार कोष्ठक में लिखे हुए ३५ नगरों में से किसी भी नगर का कोई भी लग्न स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं।

रेल्वे मध्यान्तर निकालने की विधि -

जिस गांव का रेल्वे मध्यान्तर निकालना हो उस गांव का एटलस (भारत के नकसे) से रेखांश प्राप्त करे उस रेखांश में से ८२।३० अंश घटाकर शेष को ४ से गुणा करें गुणन फल उस नगर का मध्यम रेल्वेंतर मिनट धन होगा। उदाहरण - कोलकाता का रेखांश ८८।३० रेखांश धन है इसमें से ८२।३० घटाया (८८।३०-८२।३०) = शेष + ६ अंशो को ४ से गुणा किया + ६ X ४ = २४ यही कोलकाता का २४ मिनिट धन मध्यम रेल्वेंतर हुआ।

यदि अभीष्ट स्थान के रेखांश ८२।३० रेखांश से कम हों तो ८२।३० में से अभीष्ट नगर के रेखांश घटाकर शेष को ४ से गुणा करने से अभीष्ट नगर का ऋण रेल्वे मध्यान्तर होगा। उदा० - मुम्बई के रेखांश ७२।४८ है इसको ८२।३० में से घटाया शेष ९।४२ रहा इनको ४ से गुणा किया तो गुणनफल ३८।४८ मिनिट मुम्बई का मध्यम रेल्वेन्तर हुआ।

रेल्वे मध्यान्तर को स्फुट रेल्वेन्तर जानने की विधि

जिस तारीख का स्फुट रेल्वेतर जानना हो तो उस तारीख का अंक्षाशादि सारणी के पेज में लिखे वेलान्तर मिनिटों को व्यस्त चिन्ह (ऋण धन का चिन्ह बदल कर) संस्कार करने से स्फुट रेल्वेन्तर उस तारीख का होगा जैसे तारीख १५ जनवरी को वेलान्तर + ९।२० मिनिट धन है इसको व्यस्त चिन्ह धन को ऋण चिन्ह - किया तो हुआ -९।२० यह कोलकाता का +२४ मे वैजिकरीत्या संस्कार किए तो + २४।० - ९।२० = + १४।४० ता०-१५ जनवरी को स्फुट रेल्वेन्तर हुआ ऐसे ही मुम्बई -३८।४८ संस्कार किया तो वैजिकरीत्या (योगे युतिः स्यात्क्षययोः स्वयोर्वा) के अनुसार -३८।४८ - ९।२० का जोड किया तो ४८।०८ मुम्बई में स्फुट रेल्वेंतर मिनिट ऋण हुये उनको रेल्वे टाइम में धन ऋण करने से स्थानिक स्फुट टाइम हुई।

ले. पं. प्यारसीलाल शर्मा विले पारले, मुम्बई

संवत् २०६४, दिनमान एवं सूर्योदयास्त जानने की सरल विधि -

जिस नगर का दिनमान जानना चाहें उस नगर का अक्षांश पंचांग से या एटलस (भारत के नकसे से) प्राप्त करें उसके पश्चात पंचांग में लिखी दैनिक रवि क्रान्ति और अंक्षाश की सहायता से चर सारणी से अभीष्ट दिन की चरपल प्राप्त करें। चर पलों को दूगुना करके घटी ३०।०० में रवि क्रान्ति उत्तर (धन) हो तो जोड़ दें और रवि क्रान्ति दक्षिण (ऋण) हो तो ३०।० घटी में से घटा दे दिनमान घटी पल होगा। दिनमान की घटी पलों में ५ का भाग देने से सूर्य घटी (देशी) सूर्यास्त का घंटा मिनट होगा। देशी सूर्यास्त के घंटा मिनटों को १२ में से घटा देने से देशी सूर्योदय का घंटा मिनट होगा। इसमें रेल्वे मध्यांतर मिनट तथा वेलान्तर संस्कार करने से रेलवे टाइम का सूर्योदय एवं सूर्यास्त का घण्टा मिनिटात्मक काल होगा।

दिनमान = ३० + (चरपल x २)

स्टैण्डर्ड सूर्यास्त = दिनमान ÷ ५ + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

स्टैण्डर्ड सूर्योदय = १२ − (दिनमान ÷ ५) + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

उदाहरण - संवत् २०६४, तारीख १ नवंबर २००७ को डिब्रुगढ (आसा) अक्षांशा: २७° २९′ उ., रेखांशा: ९४° ५८′ पू. का स्पष्ट दिनमान एवं स्टैण्डर्ड सूर्योदय/सूर्यास्त गणित द्वारा ज्ञात करना है। १ नवंबर २००७ को पञ्चाङ्गस्थ रवि क्रान्ति अंश-कलादि (ऋण) -१४।१४ है यहाँ अक्षांश और रवि क्रान्ति की सहायता से चरपल संस्कार सारणी से -७६ पल प्राप्त हुई. इनको २ से गुणा किया (१५२ = -७६ x २) पल ६० से ज्यादा है अतः ६० का भाग दिया तो घट्यादि - २।३२ हुआ यहाँ रवि क्रान्ति दक्षिण है अतः घटी ३० में से घटा दिया (३०।० - २।३२) तो घट्यात्मक २७।२८ दिनमान हुआ। इसमें ५ का भाग दिया लब्धि घंटादि ५ घंटा २९ मिनट ३६ से. देशी सूर्यास्त टाइम हुई इसको १२ में से घटा दिया तो ६ घंटा ३० मिनट २४ से. देशी सूर्योदय समब हो गया इसमें रेल्वेऽन्तर संस्कार के लिए

डिब्रुगढ (आसा) का रेखांश ८२।३० से ज्यादा है अतः ((९४।५८ - ८२।३०) x ४) रेल्वे मध्यान्तर मिनट (धन) +४९ सेकण्ड ५२ को व्यस्तचिन्ह (ऋण हो तो धन और धन हो तो ऋण) करके सूर्योदय/सूर्यास्त में से घटा दिया तो ५।४०।३२ सूर्योदय और ४।३९।४४ सूर्यास्त डिब्रुगढ (आसा) का मध्यम मान से हुआ। इसमें तारीख १ नवंबर २००७ को वेलान्तर मिनट -१६ सेकण्ड २४ को धनर्ण करने से स्टैण्डर्ड (रेल्वे) ५।२४।०८ सूर्योदय और ४।२३।२० सूर्यास्त (अर्धादिक रु१ से सूर्योदय ५ बजकर २४ मिनट और सूर्यास्त ४ बजकर २३ मिनट) समय स्पष्ट हो गया। इस तरह भारत के किसी भी गांव का जान लीजिये।

रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे, ॥ अथ मास तारीखोपरि वेलान्तरम् ॥ मिनट-सेकण्ड, ई.सन् २००७

ता.	जनवरी मि.से.	फरवरी मि.से.	मार्च मि.से.	अप्रेल मि.से.	मई मि.से.	जून मि.से.	जुलाई मि.से.	अगस्त मि.से.	सितंबर मि.से.	अक्टूबर मि.से.	नवंबर मि.से.	दिसंबर मि.से.
१	+ ३।१३	+१३।३०	+१२।३२	+ ४।०९	- २।४७	- २।१७	+ ३।४२	+ ६।२२	+ ०।१४	-१०।०६	-१६।२४	-११।१६
२	+ ३।४१	+१३।३८	+१२।२०	+ ३।५१	- २।५४	- २।०८	+ ३।५४	+ ६।१९	- ०।०५	-१०।२५	-१६।२६	-१०।५४
३	+ ४।०९	+१३।४५	+१२।०८	+ ३।३३	- ३।०१	- १।५८	+ ४।०५	+ ६।१४	- ०।२४	-१०।४४	-१६।२७	-१०।३१
४	+ ४।३७	+१३।५२	+११।५५	+ ३।१६	- ३।०७	- १।४९	+ ४।१६	+ ६।०९	- ०।४४	-११।०३	-१६।२७	-१०।०७
५	+ ५।०४	+१३।५८	+११।४२	+ २।५८	- ३।१३	- १।३८	+ ४।२७	+ ६।०४	- १।०३	-११।२२	-१६।२६	- ९।४३
६	+ ५।३१	+१४।०३	+११।२९	+ २।४१	- ३।१८	- १।२८	+ ४।३७	+ ५।५८	- १।२३	-११।४०	-१६।२४	- ९।१९
७	+ ५।५८	+१४।०७	+११।१५	+ २।२४	- ३।२२	- १।१७	+ ४।४७	+ ५।५१	- १।४४	-११।५७	-१६।२२	- ८।५३
८	+ ६।२४	+१४।१०	+११।०१	+ २।०७	- ३।२६	- १।०६	+ ४।५७	+ ५।४४	- २।०४	-१२।१५	-१६।१९	- ८।२७
९	+ ६।४९	+१४।१३	+१०।४६	+ १।५०	- ३।३०	- ०।५४	+ ५।०६	+ ५।३६	- २।२५	-१२।३२	-१६।१५	- ८।०१
१०	+ ७।१४	+१४।१४	+१०।३१	+ १।३४	- ३।३३	- ०।४३	+ ५।१५	+ ५।२८	- २।४६	-१२।४८	-१६।१०	- ७।३४
११	+ ७।३८	+१४।१५	+१०।१६	+ १।१८	- ३।३५	- ०।३१	+ ५।२४	+ ५।१९	- ३।०७	-१३।०४	-१६।०४	- ७।०७
१२	+ ८।०२	+१४।१५	+१०।००	+ १।०२	- ३।३७	- ०।१९	+ ५।३२	+ ५।०९	- ३।२८	-१३।२०	-१५।५८	- ६।४०
१३	+ ८।२५	+१४।१५	+ ९।४४	+ ०।४६	- ३।३८	- ०।०६	+ ५।३९	+ ४।५९	- ३।४९	-१३।३५	-१५।५०	- ६।१२
१४	+ ८।४८	+१४।१३	+ ९।२८	+ ०।३१	- ३।३९	+ ०।०६	+ ५।४७	+ ४।४९	- ४।१०	-१३।४९	-१५।४२	- ५।४४
१५	+ ९।१०	+१४।११	+ ९।११	+ ०।१६	- ३।३९	+ ०।१९	+ ५।५३	+ ४।३७	- ४।३१	-१४।०३	-१५।३३	- ५।१५
१६	+ ९।३१	+१४।०९	+ ८।५५	+ ०।०२	- ३।३८	+ ०।३२	+ ५।५९	+ ४।२६	- ४।५३	-१४।१७	-१५।२३	- ४।४६
१७	+ ९।५२	+१४।०५	+ ८।३८	- ०।१३	- ३।३७	+ ०।४४	+ ६।०५	+ ४।१३	- ५।१४	-१४।३०	-१५।१२	- ४।१७
१८	+१०।११	+१४।०१	+ ८।२०	- ०।२६	- ३।३५	+ ०।५७	+ ६।१०	+ ४।०१	- ५।३६	-१४।४२	-१५।००	- ३।४८
१९	+१०।३१	+१३।५६	+ ८।०३	- ०।४०	- ३।३३	+ १।१०	+ ६।१५	+ ३।४७	- ५।५७	-१४।५४	-१४।४८	- ३।१८
२०	+१०।४९	+१३।५०	+ ७।४५	- ०।५३	- ३।३०	+ १।२३	+ ६।१९	+ ३।३४	- ६।१८	-१५।०५	-१४।३४	- २।४८
२१	+११।०७	+१३।४४	+ ७।२८	- १।०६	- ३।२७	+ १।३६	+ ६।२२	+ ३।१९	- ६।४०	-१५।१५	-१४।२०	- २।१९
२२	+११।२४	+१३।३७	+ ७।१०	- १।१८	- ३।२३	+ १।५०	+ ६।२५	+ ३।०५	- ७।०१	-१५।२५	-१४।०५	- १।४९
२३	+११।४०	+१३।२९	+ ६।५२	- १।३०	- ३।१९	+ २।०३	+ ६।२८	+ २।४९	- ७।२२	-१५।३४	-१३।५०	- १।१९
२४	+११।५५	+१३।२१	+ ६।३४	- १।४१	- ३।१४	+ २।१५	+ ६।२९	+ २।३४	- ७।४३	-१५।४२	-१३।३३	- ०।४९
२५	+१२।१०	+१३।१२	+ ६।१६	- १।५२	- ३।०८	+ २।२८	+ ६।३१	+ २।१८	- ८।०४	-१५।५०	-१३।१६	- ०।१९
२६	+१२।२४	+१३।०३	+ ५।५८	- २।०२	- ३।०२	+ २।४१	+ ६।३१	+ २।०१	- ८।२५	-१५।५७	-१२।५८	+ ०।११
२७	+१२।३७	+१२।५३	+ ५।३९	- २।१२	- २।५६	+ २।५४	+ ६।३१	+ १।४४	- ८।४६	-१६।०४	-१२।३९	+ ०।४०
२८	+१२।४९	+१२।४३	+ ५।२१	- २।२२	- २।४९	+ ३।०६	+ ६।३१	+ १।२७	- ९।०६	-१६।०९	-१२।१९	+ १।१०
२९	+१३।०१	. . .	+ ५।०३	- २।३०	- २।४२	+ ३।१८	+ ६।२९	+ १।०९	- ९।२६	-१६।१४	-११।५९	+ १।३९
३०	+१३।११	. . .	+ ४।४५	- २।३९	- २।३४	+ ३।३०	+ ६।२८	+ ०।५१	- ९।४६	-१६।१८	-११।३८	+ २।०९
३१	+१३।२१	. . .	+ ४।२७	. . .	- २।२६	. . .	+ ६।२५	+ ०।३३	. . .	-१६।२१	. . .	+ २।३८

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् । वासरमणिरिव तमसां राशीन्नाशयति विघ्नानाम् ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०८, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१०८ भोग्यकलिः ४२६८९२ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्यराज्येतो गताब्दाः संवत् २०६४ शाकः १९२९ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा चंद्रः, मंत्री शनिः, सस्येशश्चंद्रः, धान्येशो रविः, मेघेशः शुक्रः, रसेशो बुधः, नीरसेशश्चंद्रः, फलेशः शुक्रः, धनेशश्चंद्रः, दुर्गेशः शुक्रः, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादि षष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णु विंशतिकायां १४ सर्वरीनाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि ११।२।३८।२४ भोग्य मासादि ०।२७।२१।३६ पिता दैवतं युगम् । वर्षनाम बैशाख । चतुर्मेघनाम द्रोणः । रोहिणी निवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा २० । समय वाहनं मृगः । स्तंभाऽभावः । सोमवत्यमा. ० । सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी ३ । भानु सप्तमी २ । बुधाष्टमी १ । रविदशमी २ । समय मुहूर्तानि ३३० । समय दिनानि ३८४ । तिथि क्षयः १८ । तिथि वृद्धिः १३ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९३ । स्वपति विश्वा ८४ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ८७ । स्वपति विश्वा ९६ । वर्षा विश्वा १५ । धान्यम् ५ । तृणम् १५ । शीतम् १५ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । (क्षुधा ७ । तृष्णा १३ । निद्रा १७ । आलस्य १३ । उद्यम ११ । शान्ति ९ । क्रोध ११ । दण्ड १३ । मैत्री ३ । उत्साव १५ । पाप १५ । पुण्य ११ । उग्रत्व १५ । रसोत्पत्तिः १३ । फलोत्पत्तिः १७ । व्याधि १५ । व्याधिनाशं ११ । आचार ९ । अनाचार १३ । मृत्यु ९ । जन्म १७ । चौर ५ । उपशमन ९ । अग्निभय १५ । अग्निशमः ७ ।) सत्यम् ॥, धर्म १॥, पाप १८ । ऐक्यम् ११५ । शनि दृष्टिः दक्षिणस्याम । ग्रहणाऽभावः । उद्रिजः १५ । जरायुजः ३ । पिण्डजः ५ । स्वदेजः ७ ।

अथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजाचंद्रस्तत्फलम् - चन्द्रे नृपे मंगलशोभनानि प्रभूतवृष्टिः प्रचूरं च धान्यम् । सोख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरा नराणाम् ॥ मंत्रीशनिस्तत्फलम् रविसुतेयदिमंत्रिणिपार्थिवाविनयसंरहिताबहुदुःखदाः । नजलदाजलदाजनतापदाजनपदेषु सुखंनधनंक्वचित् ॥ सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम् - सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुखं मेघः पयो मुञ्चति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधनतत्परा नृपा धरा भवेद्धान्यधनौघपूर्णा ॥ धान्येशोरविस्तत्फलम् - पश्चाद्धान्याधिपेसूर्येपश्चाद्धान्यंतदानहि । विग्रहंभूभृतांधान्यंमहर्घजेवरपीडनम् ॥ मेघेशः शुक्रस्तत्फलम् - भृगुसुतोजलदस्यपतिर्यदाजलमुचोजलदादिविशोभनाः । धननिधानयुताद्विजपालकानृपतयो जनतासुखदायकाः ॥ रसेशोबुधस्तत्फलम् - रसपतौद्विराजयुतेमहीसुलभधान्यघृतादियुता जनाः । प्रमुदिता वरनायकपालिताबहुजलाखिलदेशसुरक्षिता ॥ नीरसेशश्चंद्रस्तत्फलम् - शुक्लवर्णादिवस्तूनांमुक्ताजतवाससाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेतशंशाकेनीरसाधिपे ॥ फलेशः शुक्रस्तत्फलम् - यदि फलस्यपतौभृगुजेधरामृदुकुमारमहीरुहराशयः । बहुफलानरनातसुभोगदाद्विजवराः श्रुतिपाठपरायणाः ॥ धनेशश्चंद्रस्तत्फलम् - धनपतिर्मृगलाञ्छनकोयदारसचयक्रयविक्रयतो धनम् । वसनशालिसुगंधर संबहुद्रविणतैलघृतं नृपसौख्यकम् ॥ दुर्गेशः शुक्रस्तत्फलम् - नरवरेभुविशेद्यपतिर्यदा भृगुसुतो बहुसौख्यकरो मतः । विनयवाणिजगेहसमः सुखे गतवनं निकटेऽपि च दूरतः॥ सर्वरी नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते तत्फलम् - शर्वरीवत्सरेपूर्णाधरासस्यार्घवृष्टिभिः । जनाश्चसुखिनःसर्वेराजानःस्युर्विवैरिणः ॥ वर्षनाम बैशाख तत्फलम् अंर्घविविधभावेन जायतेद्रविणप्रदम् । नीरुजानिर्भयालोका वैशाखेजनपूजिताः ॥ चतुर्मेघनाम द्रोणस्तत्फलम् - द्रोणेवर्षतिसर्वदा । रोहिणी निवासः समुद्रे तत्फलम् - समुद्रे तु महावृष्टिः । समय निवासो मालाकारगृहे तत्फलम् - सर्ववस्तुसमर्घ स्यान्मालाकारगृहेऽद्वके ॥ अपिच - मालिनः प्रचुरा वृष्टिः । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

(१) नोट - श्रावण शुक्ला १५ मंगलवार, संवत् २०६४, ता. २८ अगस्त २००७, नवलगढ में खग्रास **चंद्रग्रहण** का अभाव है लेकिन भारत के अन्य भागों में दिखाई देगा ।

(२) नोट - माघ शुक्ला १५ गुरुवार, संवत् २०६४, ता. २१ फरवरी २००८, नवलगढ में खग्रास **चंद्रग्रहण** का अभाव है लेकिन भारत के अन्य भागों में दिखाई देगा ।

जहाँ ग्रहण दिखाई नहीं दे वहाँ तत्सम्बधि धार्मिक कृत्य करना आवश्यक नहीं है ।

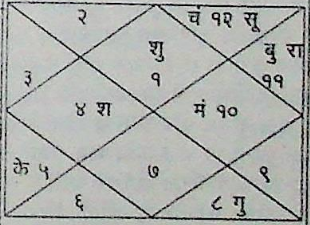
नोट- ग्रहणों का विशेष विवरण वार्षिकपञ्चाङ्ग में देखें ।

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता:

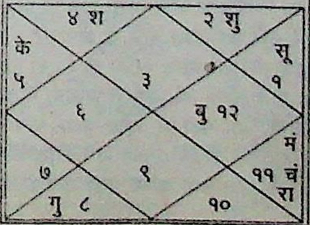
श्री श्री १०८ पं. ईश्वरदत्त शर्मणोऽनुग्रहीत शिष्यः
पं. ग्यारसी लाल शर्मा (शास्त्री),
५८, राम कुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड,
विलेपार्ले (पूर्व) मुम्बई ४०० ०५७.
दूरध्वनि क्र.: ८३७ २७८३

सूर्यग्रहणाऽभावः

वर्ष लग्नम् ०।०६



वर्षेश लग्नम् २।२८



लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	अष्टोत्तरी मतेन लाभ	अष्टोत्तरी मतेन खर्च	विंशोत्तरी मतेन लाभ	विंशोत्तरी मतेन खर्च
मेष	१४	२	११	१४
वृष	८	११	५	८
मिथुन	११	८	११	५
कर्क	५	८	५	२
सिंह	८	२	८	१४
कन्या	११	८	११	५
तुला	८	११	५	८
वृश्चिक	१४	२	११	१४
धनु	२	११	८	५
मकर	५	५	२	८
कुंभ	५	५	२	८
मीन	२	११	८	५

संवत् २०६४, दिनमान एवं सूर्योदयास्त जानने की सरल विधि -

जिस नगर का दिनमान जानना चाहें उस नगर का अक्षांश पंचांग से या एटलस (भारत के नकसे से) प्राप्त करें उसके पश्चात पंचांग में लिस्सी दैनिक रवि क्रान्ति और अंक्षाश की सहायता से चर सारणी से अभीष्ट दिन की चरपल प्राप्त करें। चर पलों को दूगुना करके घटी ३०|०० में रवि क्रान्ति उत्तर (धन) हो तो जोड़ दें और रवि क्रान्ति दक्षिण (ऋण) हो तो ३०|० घटी में से घटा दे दिनमान घटी पल होगा। दिनमान की घटी पलों में ५ का भाग देने से सूर्य घटी (देशी) सूर्यास्त का घंटा मिनट होगा। देशी सूर्यास्त के घंटा मिनटों को १२ में से घटा देने से देशी सूर्योदय का घंटा मिनट होगा। इसमें रेल्वे मध्यांतर मिनट तथा वेलान्तर संस्कार करने से रेलवे टाइम का सूर्योदय एवं सूर्यास्त का घण्टा मिनिटात्मक काल होगा।

दिनमान = ३० + (चरपल x २)

स्टैण्डर्ड सूर्यास्त = दिनमान ÷ ५ + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

स्टैण्डर्ड सूर्योदय = १२ − (दिनमान ÷ ५) + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

उदाहरण - संवत् २०६४, तारीख्त १ नवंबर २००७ को डिब्रुगढ (आसा) अक्षांशाः २७° २९′ उ., रेखांशाः ९४° ५८′ पू. का स्पष्ट दिनमान एवं स्टैण्डर्ड सूर्योदय/सूर्यास्त गणित द्वारा ज्ञात करना है। १ नवंबर २००७ को पञ्चाङ्गस्थ रवि क्रान्ति अंश-कलादि (ऋण) -१४|१४ है यहाँ अक्षांश और रवि क्रान्ति की सहायता से चरपल संस्कार सारणी से -७६ पल प्राप्त हुई. इनको २ से गुणा किया (१५२ = -७६ x २) पल ६० से ज्यादा है अत. ६० का भाग दिया तो घट्यादि - २|३२ हुआ यहाँ रवि क्रान्ति दक्षिण है अतः घटी ३० में से घटा दिया (३०|० - २|३२) तो घट्यात्मक २७|२८ दिनमान हुआ। इसमें ५ का भाग दिया लब्धि घंटादि ५ घंटा २९ मिनट ३६ से. देशी सूर्यास्त टाइम हुई इसको १२ में से घटा दिया तो ६ घंटा ३० मिनट २४ से. देशी सूर्योदय समय हो गया इसमें रेल्वेऽन्तर संस्कार के लिए

डिब्रुगढ (आसा) का रेखांश ८२|३० से ज्यादा है अतः ((९४|५८ - ८२|३०) x ४) रेल्वे मध्यान्तर मिनट (धन) +४९ सेकण्ड ५२ को व्यस्तचिन्ह (ऋण हो तो धन और धन हो तो ऋण) करके सूर्योदय/सूर्यास्त में से घटा दिया तो ५|४०|३२ सूर्योदय और ४|३९|४४ सूर्यास्त डिब्रुगढ (आसा) का मध्यम मान से हुआ। इसमें तारीख्त १ नवंबर २००७ को वेलान्तर मिनट -१६ सेकण्ड २४ को धनर्ण करने से स्टैण्डर्ड (रेल्वे) ५|२४|०८ सूर्योदय और ४|२३|२० सूर्यास्त (अर्थादिक रुप से सूर्योदय ५ बजकर २४ मिनट और सूर्यास्त ४ बजकर २३ मिनट) समय स्पष्ट हो गया। इस तरह भारत के किसी भी गांव का जान लीजिये।

रेल्वे प्रातः ६|२७ बजे, ॥ अथ मास तारीखोपरि वेलान्तरम् ॥ मिनट-सेकण्ड, ई.सन् २००७

ता.	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर
	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.
१	+३|१३	+१३|३०	+१२|३२	+४|०९	-२|४७	-२|१७	+३|४२	+६|२२	+०|१४	-१०|०६	-१६|२४	-११|१६
२	+३|४१	+१३|३८	+१२|२०	+३|५१	-२|५४	-२|०८	+३|५४	+६|१९	-०|०५	-१०|२५	-१६|२६	-१०|५४
३	+४|०९	+१३|४५	+१२|०८	+३|३३	-३|०१	-१|५८	+४|०५	+६|१४	-०|२४	-१०|४४	-१६|२७	-१०|३१
४	+४|३७	+१३|५२	+११|५५	+३|१६	-३|०७	-१|४९	+४|१६	+६|०९	-०|४४	-११|०३	-१६|२७	-१०|०७
५	+५|०४	+१३|५८	+११|४२	+२|५८	-३|१३	-१|३८	+४|२७	+६|०४	-१|०३	-११|२२	-१६|२६	-९|४३
६	+५|३१	+१४|०३	+११|२९	+२|४१	-३|१८	-१|२८	+४|३७	+५|५८	-१|२३	-११|४०	-१६|२४	-९|१९
७	+५|५८	+१४|०७	+११|१५	+२|२४	-३|२२	-१|१७	+४|४७	+५|५१	-१|४४	-११|५७	-१६|२२	-८|५३
८	+६|२४	+१४|१०	+११|०१	+२|०७	-३|२६	-१|०६	+४|५७	+५|४४	-२|०४	-१२|१५	-१६|१९	-८|२७
९	+६|४९	+१४|१३	+१०|४६	+१|५०	-३|३०	-०|५४	+५|०६	+५|३६	-२|२५	-१२|३२	-१६|१५	-८|०१
१०	+७|१४	+१४|१४	+१०|३१	+१|३४	३|३३	-०|४३	+५|१५	+५|२८	-२|४६	-१२|४८	-१६|१०	-७|३४
११	+७|३८	+१४|१५	+१०|१६	+१|१८	-३|३५	-०|३१	+५|२४	+५|१९	-३|०७	-१३|०४	-१६|०४	-७|०७
१२	+८|०२	+१४|१५	+१०|००	+१|०२	-३|३७	-०|१९	+५|३२	+५|०९	-३|२८	-१३|२०	-१५|५८	-६|४०
१३	+८|२५	+१४|१५	+९|४४	+०|४६	-३|३८	-०|०६	+५|३९	+४|५९	-३|४९	-१३|३५	-१५|५०	-६|१२
१४	+८|४८	+१४|१३	+९|२८	+०|३१	-३|३९	+०|०६	+५|४७	+४|४९	-४|१०	-१३|४९	-१५|४२	-५|४४
१५	+९|१०	+१४|११	+९|११	+०|१६	-३|३९	+०|१९	+५|५३	+४|३७	-४|३१	-१४|०३	-१५|३३	-५|१५
१६	+९|३१	+१४|०९	+८|५५	+०|०२	-३|३८	+०|३२	+५|५९	+४|२६	-४|५३	-१४|१७	-१५|२३	-४|४६
१७	+९|५२	+१४|०५	+८|३८	०|१३	-३|३७	+०|४४	+६|०५	+४|१३	-५|१४	-१४|३०	-१५|१२	-४|१७
१८	+१०|११	+१४|०१	+८|२०	-०|२६	-३|३५	+०|५७	+६|१०	+४|०१	-५|३६	-१४|४२	-१५|००	-३|४८
१९	+१०|३१	+१३|५६	+८|०३	-०|४०	-३|३३	+१|१०	+६|१५	+३|४७	-५|५७	-१४|५४	-१४|४८	-३|१८
२०	+१०|४९	+१३|५०	+७|४५	-०|५३	-३|३०	+१|२३	+६|१९	+३|३४	-६|१८	-१५|०५	-१४|३४	-२|४८
२१	+११|०७	+१३|४४	+७|२८	-१|०६	-३|२७	+१|३६	+६|२२	+३|१९	-६|४०	-१५|१५	-१४|२०	-२|१९
२२	+११|२४	+१३|३७	+७|१०	-१|१८	-३|२३	+१|५०	+६|२५	+३|०५	-७|०१	-१५|२५	-१४|०५	-१|४९
२३	+११|४०	+१३|२९	+६|५२	-१|३०	-३|१९	+२|०३	+६|२८	+२|४९	-७|२२	-१५|३४	-१३|५०	-१|१९
२४	+११|५५	+१३|२१	+६|३४	-१|४१	-३|१४	+२|१५	+६|२९	+२|३४	-७|४३	-१५|४२	-१३|३३	-०|४९
२५	+१२|१०	+१३|१२	+६|१६	-१|५२	-३|०८	+२|२८	+६|३१	+२|१८	-८|०४	-१५|५०	-१३|१६	-०|१९
२६	+१२|२४	+१३|०३	+५|५८	-२|०२	-३|०२	+२|४१	+६|३१	+२|०१	-८|२५	-१५|५७	-१२|५८	+०|११
२७	+१२|३७	+१२|५३	+५|३९	-२|१२	-२|५६	+२|५४	+६|३१	+१|४४	-८|४६	-१६|०४	-१२|३९	+०|४०
२८	+१२|४९	+१२|४३	+५|२१	-२|२२	-२|४९	+३|०६	+६|३१	+१|२७	-९|०६	-१६|०९	-१२|१९	+१|१०
२९	+१३|०१	...	+५|०३	-२|३०	-२|४२	+३|१८	+६|२९	+१|०९	-९|२६	-१६|१४	-११|५९	+१|३९
३०	+१३|११	...	+४|४५	-२|३९	-२|३४	+३|३०	+६|२८	+०|५१	-९|४६	-१६|१८	-११|३८	+२|०९
३१	+१३|२१	...	+४|२७	...	-२|२६	...	+६|२५	+०|३३	...	-१६|२१	...	+२|३८

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् । वासरमणिरिव तमसां राशीन्नाशयति विघ्नानाम् ।। अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०८, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, **त्रेतायुग प्रमाणम्** १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१०८ भोग्यकलिः ४२६८९२ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्यराज्येतो गताब्दाः संवत् २०६४ शाकः १९२९ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा चंद्रः, मंत्री शनिः, सस्येशश्चंद्रः, धान्येशो रविः, मेघेशः शुक्रः, रसेशो बुधः, नीरसेशश्चंद्रः, फलेशः शुक्रः, धनेशश्चंद्रः, दुर्गेशः शुक्रः, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादि षष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णु विंशतिकायां १४ सर्वरीनाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि ११।२।३८।२४ भोग्य मासादि ०।२७।२१।३६ पिता दैवतं युगम् । वर्षनाम बैशाख । चतुर्मेघनाम द्रोणः । रोहिणी निवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा २० । समय वाहनं मृगः । स्तंभाऽभावः । सोमवत्यमा. ० । सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी ३ । भानु सप्तमी २ । बुधाष्टमी १ । रविदशमी २ । समय मुहूर्तानि ३३० । समय दिनानि ३८४ । तिथि क्षयः १८ । तिथि वृद्धिः १३ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९३ । स्वपति विश्वा ८४ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ८७ । स्वपति विश्वा ९६ । वर्षा विश्वा १५ । धान्यम् ५ । तृणम् १५ । शीतम् १५ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । (क्षुधा ७ । तृष्णा १३ । निद्रा १७ । आलस्य १३ । उद्यम ११ । शान्ति ९ । क्रोध ११ । दण्ड १३ । मैत्री ३ । उत्सव १५ । पाप १५ । पुण्य ११ । उग्रत्व १५ । रसोत्पत्तिः १३ । फलोत्पत्तिः १७ । व्याधि १५ । व्याधिनाश ११ । आचार ९ । अनाचार १३ । मृत्यु ९ । जन्म १७ । चौर ५ । उपशमन ९ । अग्निभय १५ । अग्निशमः ७ ।) सत्यम् ।।, धर्म १।।, पाप १८ । ऐक्यम् ११५ । शनि दृष्टिः दक्षिणस्याम । ग्रहणाऽभावः । उद्भिजः १५ । जरायुजः ३ । पिण्डजः ५ । स्वदेजः ७ ।

अशाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजाचंद्रस्तत्फलम् - चन्द्रे नृपे मंगलशोभनानि प्रभूतवृष्टिः प्रचूरं च धान्यम् । सौख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरा नराणाम् ।। मंत्रीशनिस्तत्फलम् रविसुतेयदिमंत्रिणिपार्थिवाविनयसंरहिताबहुदुःखदाः , नजलदाजलदाजनतापदाजनपदेषु सुखंनधनंक्वचित् ।। सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम् - सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुखं मेघः पयो मुञ्चति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधनतत्परा नृपा धरा भवेद्धान्यधनौघपूर्णा ।। धान्येशोरविस्तत्फलम् - पश्चाद्धान्याधिपेसूर्येपश्चाद्धान्यंतदानहि । विग्रहंभूभृतांधान्यंमहर्घजेवरपीडनम् ।। मेघेशः शुक्रस्तत्फलम् - भृगुसुतोजलदस्यपतिर्यदाजलमुचोजलदादिविशोभनाः । धननिधानयुताद्विजपालकानृपतयो जनतासुखदायकाः ।। रसेशोबुधस्तत्फलम् - रसपतौद्विराजयुतेमहीसुलभधान्यघृतादियुता जनाः । प्रमुदिता वरनायकपालिताबहुजलाखिलदेशसुरक्षिता ।। नीरसेशश्चंद्रस्तत्फलम् - शुक्लवर्णादिवस्तूनांमुक्ताररजतवाससाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेतशंशाकेनीरसाधिपे ।। फलेशः शुक्रस्तत्फलम् - यदि फलस्यपतौभृगुजेधरामृदुकुमारमहीरुहराशयः । बहुफलानरनातसुभोगदाद्विजवराः श्रुतिपाठपरायणाः ।। धनेशश्चंद्रस्तत्फलम् - धनपतिर्मृगलाञ्छनकोयदाररसचयक्रयविक्रयतो धनम् । वसनशालिसुगंधर संबहुद्रविणतैलघृतं नृपसौख्यकम् ।। दुर्गेशः शुक्रस्तत्फलम् - नरवरेभुविशेद्यपतिर्यदा भृगुसुतो बहुसौख्यकरो मतः । विनयवाणिजगेहसमः सुखे गतवनं निकटेऽपि च दूरतः।। सर्वरी नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते तत्फलम् - शर्दरीवत्सरेपूर्णाधरासस्यार्घवृष्टिभिः । जनाश्चसुखिनःसर्वेराजानःस्युर्विवैरिणः ।। वर्षनाम बैशाख तत्फलम् - अंर्घविविधभावेन जायतेद्रविणप्रदम् । नीरुजानिर्भयालोका वैशाखेजनपूजिताः ।। वतुर्मेघनाम द्रोणस्तत्फलम् - द्रोणेवर्षतिसर्वदा । रोहिणी निवासः समुद्रे तत्फलम् - समुद्रे तु महावृष्टिः । समय निवासो मालाकारगृहे तत्फलम् - सर्ववस्तुसमर्घ स्यान्मालाकारगृहेऽद्वके ।। अपिच - मालिनः प्रचुरा वृष्टिः । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ।।

(१) नोट - श्रावण शुक्ला १५ मंगलवार, संवत् २०६४, ता. २८ अगस्त २००7, नवलगढ में खग्रास **चंद्रग्रहण** का अभाव है लेकिन भारत के अन्य भागों में दिखाई देगा ।

(२) नोट - माघ शुक्ला १५ गुरुवार, संवत् २०६४, ता. २१ फरवरी २००८, नवलगढ में खग्रास **चंद्रग्रहण** का अभाव है लेकिन भारत के अन्य भागों में दिखाई देगा ।

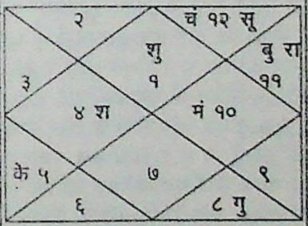
जहाँ ग्रहण दिखाई नहीं दे वहाँ तत्सम्बधि धार्मिक कृत्य करना आवश्यक नहीं है ।

नोट- ग्रहणों का विशेष विवरण वार्षिकपञ्चाङ्ग में देखें ।

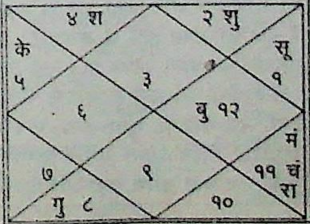
पञ्चाङ्ग गणित कर्ताः
श्री.श्री १०८ पं. ईश्वरदत्त शर्मणोऽनुग्रहीत शिष्यः
पं. ग्यारसी लाल शर्मा (शास्त्री),
५८, राम कुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड़,
विलेपार्ले (पूर्व) मुम्बई ४०० ०५७,
दूरध्वनि क्र.: ८३७ २७८३

सूर्यग्रहणाऽभावः

वर्ष लग्नम् ०।०६



वर्षेश लग्नम् २।२८



लाभ खर्च कोष्ठक

	अष्टोत्तरी मतेन		विंशोत्तरी मतेन	
राशि	लाभ	खर्च	लाभ	खर्च
मेष	१४	२	११	१४
वृष	८	११	५	८
मिथुन	११	८	११	५
कर्क	५	८	५	२
सिंह	८	२	८	१४
कन्या	११	८	११	५
तुला	८	११	५	८
वृश्चिक	१४	२	११	१४
धनु	२	११	८	५
मकर	५	५	२	८
कुंभ	५	५	२	८
मीन	२	११	८	५

!! ग्रहयोगाद्वर्ष फलम् !! संवत् २०६४

ग्रहयोग देखता वर्षफल उत्तम होगा। इस वर्ष में राजा और सस्येश और नीरसेश और धनेश चंद्र है। रसेश बुध है। मेघेश और फलेश और दुर्गेश शुक्र है। मंत्री शनि है। धान्येश रवि है। इस ग्रहमंडल की विधानसभा मे ८ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए है और २ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए है अतः वर्षफल उत्तम होगा। **चैत्र** - वर्षलग्न मेष होने से उस वर्ष पूर्व में राज विग्रह तथा दुर्भिक्ष हो, दक्षिण मे बहुत धान्य और सुभिक्ष हो! धान्य बेचने से लाभ हो, मेघ बहुत वर्षे, घी तैलादि महंगे हों। उत्तर में सुभिक्ष हो, राजाओं में उद्वेग हो, मध्य देश में महावर्षा और धान्य उपजे। **वैशाख** - बृहस्पति और शुक्र परस्पर सप्तम राशि में स्थित होने से रोग और अवृष्टि हो। गुरु वक्री होने से धान्य सस्ते हों, खेतियां बहुत हों। राजनीति में क्लेश हो, प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो। कहीं कहीं अत्यधिक मरी पड़े, श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो। व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों। तिल, वस्त्र, कपास, सुपारी आदि महंगे हो, ईख, दूध, रस (मधुर आदि) और घी अदि सस्ते हों। मृगशिरा में शुक्र होने से धान्य की महर्घता हो। हाथियों को पीड़ा हो, चाण्डालों का नाश हो, तीव्र रोग हो।

प्र.ज्येष्ठ - विप्रगण पीडित हों, अल्पवृष्टि हो, ज्वर पीड़ा हो और कहीं कुछ उपद्रव हो, कोसल तथा कलिङ्ग देश पीड़ित हों। कपास, तिल, सूत महँगे हों। ज्येष्ठा नक्षत्र में गुरु उदय होने से अच्छे कुल में उत्पन्न, अति धनी, बहुतों में प्रधान, राजा लोग, धर्म को जानने वाले और कंगनी तथा शमी के अतिरिक्त सब धान्य पीडित हों। सुभिक्ष हो, वायु से वर्षा हो। अश्मक और [illegible] देश में अनय (उपद्रव) हो। गेहूँ तिल उडद सस्ते हों, ग्रहपात (शस्त्रनिपात), पवन का [illegible]। **द्वि.ज्येष्ठ** - पुष्य में शुक्र होने से अधिक वृष्टि तथा विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो। तुष धान्य मँहगे हो। लोगों को सर्पों से अत्यन्त पीडा हो। मिथुन राशि में बुध का अस्त होने से राजाओं को पीड़ा हो। **आषाढ** - हस्तिपति पीडित हों और अतिवृष्टि हो। सिंह राशि का शनि होने से हाथी घोड़े बैलों का नाश हो, युद्ध दुर्भिक्ष और रोगों से लोग पीड़ित रहें। समुद्र के मार्ग के देशो में भंग हो म्लेच्छों से लोगों को दुःख हो। धान्य भाव अच्छा हो राजाओं को धन सुख मिले उनका प्रताप फैले। मघा नक्षत्र में स्थित शनैश्चर बाह्लीक, चीन, गान्धार, शूलिक और पारत देश में रहने वाले मनुष्य, वैश्य, कोष्ठागार, वणिक्, किरात इनको पीडित करता है। दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणे की वस्तुएं तेज हों। धान्य महंगा हो, तपस्वियों के आश्रमों में पीड़ा हो। कपास सूत मंदा हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग हो। **श्रावण** - सिंह में शनि अस्त होने से व्यथा उत्पन्न हो। शस्त्रनिपात, क्षुधा, रोग हो। कर्क राशि में बुध का अस्त होने से अनावृष्टि। सिंह राशि में शुक्रास्त होने से भूपवर्ग में पीड़ा हो। महावृष्टि हो, तुष धान्य उत्पन्न हों। वृक्षों में रोग, चौपायों में पीड़ा, कपास वस्त्र और सूत की महँगाई हो। लोगों को सर्पों से अत्यन्त पीडा हो। क्षेत्र के बंटवारे को लेकर पडोसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो। कर्क राशि में शुक्रोदय होने से अतिवृष्टि से धान्यनाश हो। **भाद्रपद** - उड़द मूंग कम उत्पन्न हों। प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो। अतिवृष्टि हो, बहुत धान्य और सुख हो। सिंह का शनि उदय होने से बालकों में पीड़ा हो। स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो। वर्षा कम हो, गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो। **आश्विन** - वृष्टि हो, हस्तिपति पीडित हों और अतिवृष्टि हो। तुला राशि में बुध का अस्त होने से व्यापारी वस्तु महँगी हों। शबर-पुलिन्द जन पीड़ित हों और अतिवृष्टि हो। वर्षा कम हो, गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो।

कार्तिक - भूकंप तथा युद्धादि हों। कुरु देश में निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पपोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जाबस्थ जन पीड़ित हों तथा वृष्टि हो। पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में स्थित शनैश्चर रस (मधुर, अम्ल, लवण, तिक्त, कटु और कषाय) बेचने वाले, वैश्या, कुमारी, महाराष्ट्र देश में निवास करने वाले मनुष्य इन सबों को पीडित करता है। मेघों की गर्जना के साथ वर्षा हो, कौरव और चित्रकार पीडित हों अनावृष्टि हो। धन का बृहस्पति होने से हेममाली मेघ [illegible] और घर घर में स्त्रियों को पीड़ा होती है, पूर्वकाल में धान्य, गेहूँ, चावल, शकर अधिक हों और कपास प्रवाल, कांसी, लोह, घी, सीसा, सोना, चांदी यह महँगे हों तथा तिल तेल, गुड़, सुपारी, श्वेत वस्त्र [illegible] कुछ सस्ते हों। घी महंगा हो और भैस, घोड़े, गौ, मंजीठ महँगे हो। मंगशिर तथा पौष में [illegible], हींग, मोती, जायफल, सुपारी और प्रवाल महँगे हो। **मार्गशीर्ष** - अतिवृष्टि हो, वैद्य [illegible], वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमे उपद्रव हो। ईख, शाली और घी महँगे [illegible]। तुष धान्य की महँगाई हो। **पौष** - अतिवृष्टि हो, और कपास की खेती को हानि हो। छोटे बालकों में पीड़ा हो। धन में बृहस्पति के उदय होने से अल्प वर्षा हो, धान्योत्पत्ति उत्तम हो। मूल में गुरु उदय होने से अच्छे कुल में उत्पन्न, अति धनी, बहुतों में प्रधान, राजा लोग, धर्म को जानने वाले और कंगनी तथा शमी के अतिरिक्त सब धान्य पीडित हों। पृथ्वी धान्य तथा रस से पूर्ण हो, संसार में कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो। गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में बर्फ (ओले) गिरने का भय हो। प्रधान वैद्य (डाक्टर) पीडित हों अनावृष्टि हो। **माघ** - क्षेत्रपति का क्षय हो, जल में उत्पन्न जीव पीड़ित हों। मकर राशि में बुध का अस्त होने से व्यापारियों को कम लाभ हो। सुभिक्ष हो, पृथ्वी धान्य तथा रस से पूर्ण हो। कर्णपीड़ा हो। **फाल्गुन** - सुभिक्ष हो, पाखण्डियों में भय उत्पन्न हो। वर्षा का अभाव हो। बालकों में पीड़ा हो। वृष्टि हो, शतभिषा नक्षत्र में स्थित शुक्र शौण्डिकों (मद्यविक्रेता - कलवारों) को पीड़ित करता है। व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों। **चैत्र** - राजनीति में क्लेश हो, प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो। फल-मूल पीड़ित हों। उ.षाढा का गुरु वृष्टिकारक है। आगे सर्वज्ञ जगत नियन्ता जगदीश्वराधीन है। गौ प्रजा भाग्य प्रबल है।

लाभ - खर्च देखनें की विधि और फल - जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-खर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है।

|| संवत् २०६४ मध्ये उपनयनादि मुहूर्ताः ||

अथ उपनयन मुहूर्त्ताः

सन२००७ बैशाख मासः
अप्रे. २९ शु. १२ रवौ हस्तेऽभिजि. (तिथ्याभावः)
प्र. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः
मई ७ कृ. ५ चंद्रे पू.षा. अभिजिति
द्वि. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः
जून १७ शु. ३ रवौ पुन. अभिजिति
सन२००८ माघ मासः
जन. २७ कृ. ५ रवौ हस्तेऽभिजिति
फर. ११ शु. ५ चंद्रे रेवत्यां अभिजिति
फाल्गुन मासः
फर. २२ कृ. १ शुक्रे पू.फा. अभिजिति
फर. २५ कृ. ४ चंद्रे चित्रा. अभिजिति
मार्च ९ शु. २ रवौ उ.भा. अभिजिति
मार्च १० शु. ३ चंद्रे रेवत्यां ल. १२
चैत्र कृष्णपक्षः
मार्च २३ कृ. २ रवौ चित्रा. अभिजिति
मार्च २७ कृ. ५ गुरौ अनु. अभिजिति

अथ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः

सन२००७ बैशाख मासः
अप्रे. ३० शु. १३ चंद्रे हस्ते अभिजिति
भाद्रपद मासः
अग. ३० कृ. २ गुरौ उ.भा. अभिजिति
आश्विन मासः
अक्टू. २४ शु. १३ बुधे उ.भा. ल. ९।११।१२
अक्टू. २५ शु. १४ गुरौ रेवत्यां अभि. (ति.दो.)
मार्गशीर्ष मासः
नवं. २६ कृ. २ चंद्रे मृगे अभिजिति
सन२००८ माघ मासः
फर. १६ शु. १० शनौ मृगे अभिजिति
फाल्गुन मासः
फर. २३ कृ. २ शनौ उ.फा. अभिजिति
फर. २५ कृ. ४ चंद्रे चित्रा. अभिजिति

वृषचक्ररहिताः गेहारंभ (भूमिपूजन) मुहूर्त्ताः

सन२००७ बैशाख मासः
अप्रे. २१ शु. ५ शनौ मृगेभिजिति
आषाढ मासः
जुला. २१ शु. ७ शनौ हस्ते ल. ५
जुला. २१ शु. ७ शनौ चित्रा अभिजिति
जुला. २५ शु. ११ बुधेनुराधा ल. ५
श्रावण मासः
अग. ४ कृ. ६ शनौ रेवत्यां अभिजिति
भाद्रपद मासः
सितं. ८ कृ. १२ शनौ पुष्येऽभिजिति
सितं. १३ शु. २ गुरौ हस्तेभिजिति
सितं. १४ शु. ३ शुक्रे चित्रा अभिजिति
सितं. १७ शु. ६ चंद्रेनुराधा ल. ६ (ति.दो.)
कार्तिक मासः
नवं. १ कृ. ७ गुरौ पुष्येऽभिजिति
नवं. ५ कृ. ११ चंद्रे उ.फा. अभिजिति
नवं. १५ शु. ५ गुरौ उ.षा. अभिजिति
मार्गशीर्ष मासः
नवं. २९ कृ. ६ गुरौ पुष्ये अभि. (ति. दो.)
दिस. ५ कृ. ११ बुधे चित्रा ल. ९।११।१२
सन२००८ माघ मासः
जन. २३ कृ. १ बुधे पुष्ये ल. ११
फर. १ कृ. १० शुक्रेनुराधा अभिजिति
फर. ८ शु. १ शुक्रे शते. अभिजिति
फर. ११ शु. ५ चंद्रे रेवत्यामभिजिति
फर. १६ शु. १० शनौ मृगेभिजिति
फाल्गुन मासः
फर. २३ कृ. २ शनौ उ.फा. अभिजिति
फर. २८ कृ. ७ गुरौ अनु. अभिजिति
मार्च १३ शु. ६ गुरौ रोहि. अभिजिति

अथ नूतन गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००७ बैशाख मासः
अप्रे. २८ शु. १२ शनौ उ.फा. ल. २
प्र. ज्येष्ठ मासः
मई १४ कृ. १२ चंद्रे रेवत्यां अभिजिति
सन२००८ पोष मासः
जन. १९ शु. १२ शनौ रोहिण्यां अभिजिति
माघ मासः
फर. १ कृ. १० शुक्रेऽनुराधा अभिजिति
फाल्गुन मासः
मार्च १३ शु. ६ गुरौ रोहिण्यामभिजिति (ति. क्षय दो.)

कुंभ चक्र रहिताः नूतन गृहप्रवेश मुहूर्त्ताः

सन२००७ बैशाख मासः
अप्रे. २१ शु. ५ शनौ मृगे अभिजिति
सन२००८ माघ मासः
जन. २८ कृ. ६ चंद्रे चित्रा. ल. २।३ (वृषः स्टै. १३।४२ उप.)
फर. ११ शु. ५ चंद्रे रेवत्यामभिजिति
फाल्गुन मासः
फर. २३ कृ. २ शनौ उ.फा. अभिजिति
फर. २५ कृ. ४ चंद्रे चित्रा अभिजिति
फर. २८ कृ. ७ गुरौ अनु. अभिजिति
मार्च १० शु. ३ चंद्रे रेवत्यां ल. १२।२ (मीने
रा.चं.सू. शु. १२ दो. ,वृष स्टै. ११।४७ या.)
मार्च १३ शु. ६ गुरौ रोहि. अभि. (ति.क्ष.दो.)

अथ जीर्ण गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००७ प्र. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः
मई १० कृ. ८ गुरौ धनि. अभिजिति
मार्गशीर्ष मासः
नवं. २९ कृ. ६ गुरौ पुष्ये अभिजिति

कुंभचक्ररहिता जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००७ कार्तिक मासः
नवं. १ कृ. ७ गुरौ पुष्ये अभिजिति
मार्गशीर्ष मासः
नवं. २८ कृ. ४ बुधे पुष्ये ल. १२ (स्टै. १४।१४ उप.)
नवं. २९ कृ. ६ गुरौ पुष्ये अभिजिति
सन२००८ माघ मासः
जन. २३ कृ. १ बुधे पुष्ये ल. ११
जन. ३० कृ. ८ बुधे स्वात्यां ल. ११।१२।२

अथ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः

सन२००७ बैशाख मासः
अप्रे. २१ शु. ५ शनौ मृगे अभिजिति
अप्रे. २३ शु. ७ चंद्रे पुन. अभिजिति
अप्रे. २८ शु. १२ शनौ उ.फा. अभिजिति
अप्रे. २९ शु. १२ रवौ हस्ते अभिजिति
अप्रे. ३० शु. १३ चंद्रे हस्ते ल. २।३
प्र. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः
मई ९ कृ. ७ बुधे श्रव. ल. ६
द्वि. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः
जून १७ शु. ३ रवौ पुन. अभिजिति
जून २४ शु. ९ रवौ चित्रा. अभि.
आषाढ मासः
जुला. ७ कृ. ७ शनौ उ.भा. अभिजिति
सन२००८ पोष मासः
जन. १९ शु. १२ शनौ रोहिण्यामभिजिति
माघ मासः
जन. २७ कृ. ५ रवौ हस्ते अभिजिति
जन. २८ कृ. ६ चंद्रे हस्ते अभिजिति
फर. ८ शु. १ शुक्रे शत. अभिजिति
फर. ११ शु. ५ चंद्रे रेव. अभिजिति
फर. १८ शु. १२ चंद्रे पुन. अभिजिति
फाल्गुन मासः
फर. २३ कृ. २ शनौ उ.फा. अभिजिति
फर. २५ कृ. ४ चंद्रे चित्रा. अभिजिति
फर. २८ कृ. ७ गुरौ अनु. अभिजिति
मार्च १० शु. ३ चंद्रे अश्वि. अभिजिति
मार्च १३ शु. ६ गुरौ रोहि. अभिजिति

।। संवत् २०६४ मध्ये विवाह मुहूर्ताः ।।

सन्२००७ वैशाख शुक्लपक्षः

अप्रै २० ३ शुक्रे रोहि दिवा ल. २।४।६ रे. ९ ।।Sशु।।।।।।।
(कर्के सोग्रांगः, कन्या बु. ७ दो., स्टै. १७।०० यावत्)
अप्रै २० ३ शुक्रे मृगे रात्री १२, रे ७ S।।।S।।S।। (शु. ३ दोषः)
अप्रै २१ ५ शनौ मृगे दिवा ल. ३।४।६, रात्रौ अ. गो. ८
रे. ६ S।।।S।SS।। (वृश्चि. शु. ७ पू. रा. ४ दो.)
अप्रै २८ १२ शनौ उफा. रात्री ल. अ. गो. ११, रे. ८ ।।।।S।S।।।
(कु. सोग्रांगः के. ७, श. ६ दो.)
अप्रै २९ १२ रवौ उफा दिवा ल. ३, रे. ८ ।।।S।S।।।
अप्रै २९ १२ रवौ हस्ते दिवा ल. ४, रात्रौ अ. गो. ११, रेस्या ६
SS।।S।S।।। (कु. सोग्रांगः,के. ७, श. ६ दो.कर्के सोग्रांगः)
अप्रै ३० १३ चंद्रे हस्ते दिवा ल ३।४, रे. ८ SS।।।।।।।।

प्र. ज्येष्ठकृष्णपक्षः

मई ६ ४ रवौ मूले दिवा ३।६, रात्रौ गो.१२, रे.८ ।।।।S।।S।।
मई ८ ६ भौमे उषा. दिवा ल. २।४, रात्रौ अ. गोधूलि
रे. ७ ।S।Sशु।।।।।Sद.(कर्के सोग्रांगः,चं.७ पू.)
मई १४ १२ चंद्रे रेवत्यां दिवा ल. २, रे.९ ।।।।।।S।। (गु. ७ पू.)

द्वि. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः

जून १९ ५ भौमे मघा रात्रौ अ.गो., १, रे.९ ।S।।।।।।।। (सोग्रांगः)
जून २० ६ बुधे मघा. दिवा ६, रात्रौ अ. गो., रे.९ ।S।।।।।।।।
जून २१ ७ गुरौ उफा. रात्रौ १२, रे. ९ ।।।।।।S।।
(स्टै.२३।३८ या., चं ७ पू.)
जून २३ ८ शनौ हस्ते दिवा ल. ८, रात्रौ अ. गो. १२
रे. ९ ।।।।।।S।। (मीने चं.७ पू.)
जून २७ १२ बुधेऽनुराधा रात्री अ.गो. १२।१ रे ८ SS।।।।।।। (मे.सो.)
जून २८ १३ गुरावनुराधा दिवा ल. ६, रे. ८ SS।।।।।।।।

आषाढ कृष्णपक्षः

जुला. १ १ रवौ उषा. रात्रौ ल. १२।५, रे. १० ।।।।।।।।।
(मेष सोग्रांगः, स्टै. २५।४२ यावत्)
जुला. ६ ६ शुक्रे उभा. रात्रौ ल.१।२, रे.१० ।।।।।।।।। (मे.सोग्रांगः)
जुला. ७ ७ शनौ उभा. दि.ल. ६ रे. ८ ।।।।।S।।S (चं. ७ दोषः)
जुला. ७ ७ शनौ रेवत्यां रात्री ल. अ.गो. १।२ रे. ७ S।।।।।S।Sद.
(मेषे सोग्रांगः, वृषे गु. ७ पू.)
जुला. ८ ८ रवौ रेवत्यां रे. ७ S।।।।।S।Sदग्धा दिवा ल. ६
जुला. ११ १२ बुधे रोहि. दिवा ल. ६, रात्रौ १० रे. ७ SS।।।।S।।
(मकरे श ७ दोषः)

अग्रे कर्केऽर्कः

कार्तिक शुक्लपक्षः

नव. २१ ११ बुधे रेवत्यां दिवा १०।१, रात्रौ गोधूलि, ३।५ रे. ९
।।।S।।।। (मिथु.सोग्रांगः,सिंहे सोग्रांगः,के.७ दोषः)
नव. २४ १५ शनौ रोहि रात्रौ ५।७, रे. ८ ।।।।S।।S।।
(सिंहे सोग्रांगः के. ७ दो.)

मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः

नवं २५ १ रवौ रोहि. दिवा ल. १०।१२, रे. ८ ।।।।S।।S।।
नव २५ १ रवौ मृगे रात्री ल. ३।७, रे. ८ S।।।S।।।।।
(मिथु.स्टै २०।१६ उप.)
नवं २६ २ चंद्रे मृगे दिवा ल. १२, रे. ९ S।।।।।।।। (शु.७ पू.)
दिसं. २ ९ रवौ उफा रात्रौ अ. गो. ४।७, रे. ८ S।।।।।।S।।
दिसं ३ ९ चंद्रे उफा. दि. ल. १०।१२, रात्रौ अ.गोधूलि
रे. ७ S।।।।।।S।Sद. (मीने चं. ७ पू.)
दिसं. ४ १० भौमे हस्ते दिवा ल. १०।१२, रात्रौ अ.गोधूलि ४
रे ८ ।।।।।।।S।Sद.(मीने चं.७ पू.कर्कः स्टै.२२।१५ या.)

अग्रे गुरोरस्तत्वादभावः

सन्२००८ माघ कृष्णपक्षः

जन. २६ ४ शनौ उफा. दिवा ल. १।२, रात्रौ गोधूलि, ८
रे. ९ ।।।।।।।S।। (वृश्चि. रा. ४ दो.)
जन. २७ ५ रवौ उफा. दिवा ल. १२, रे. ९ ।।।।।।।S।। (चं.७ पू.)
जन. २७ ५ रवौ हस्ते दिवा ल. २, रात्रौ गो. ८, रे.९ ।।।।।।।S।।
(वृश्चि. रा. ४ दो.)
जन. २८ ६ चंद्रे हस्ते दिवा ल.१२, रे. ९ ।।।।।।।S।। (चं.७ पू.)
जन. ३१ ९ गुरौ अनु. रात्रौ ल. ७।१२, रे. ९ S।।।।।।S।।
(तुला शु. ३ दो., मीने भौम सप्तम दो.)
फर. १ १० शुक्रेऽनुराधा दिवा ल. १२।१।२, रे. ८ S।।।।।।S।।
(वृषे चं. ७ दो.)
फर. ३ १२ रवौ मूले रात्रौ ल.८ रे.७ ।।।।S।SS।। (रा.४ दो.)

माघ शुक्लपक्षः

फर. १० ४ रवौ उभा दिवा ल.१।२, रात्रौ अ.गो. रे १० ।।।।।।।।।
(अ. गो. १७।१२ या. तदुपरान्त भद्रारंभः)
फर. ११ ५ चंद्रे रेवत्यां दिवा ल. १।२, रे. ८ ।S।।।।।S।।

फाल्गुन कृष्णपक्षः

फर. २२ १ शुक्रे उभा. रात्रौ ल. ७।१०, रे. १० ।।।।।।।।।
फर. २४ ३ रवौ हस्ते दिवा ल. २, रे. ७ ।S।।।।S।।Sद.
फर. २८ ७ गुरौ अनु. दिवा ल. १२।१, रात्रौ अ.गो. ७।९।१०
रे. ७ S।।।।।SS।।
फर. २९ ८ भृगौ अनु. दिवा ल. १२, रे. ८ S।।।।।।S।।
मार्च १ ९ शनौ मूले रात्रौ ल. अ.गो. ७।१०, रे. ७ ।।।।S।SS।।
मार्च २ १० रवौ मूले दिवा ल. १२।१।२, रे. ८ ।।।।S।।S।।

फाल्गुन शुक्लपक्षः

मार्च ९ २ रवौ उभा. दिवा ल. १।२, रे. १० ।।।।।।।।।
मार्च ९ २ रवौ रेवत्याम् दिवा ल. ४, रात्रौ ८।१० रे. १० ।।।।।।।।।
(कर्के बु. ७ पू.)
मार्च १० ३ चंद्रे रेवत्यां दिवा ल. १।२, रे. १० ।।।।।।।।।

भैरव भवानि संवाद

भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
चोसठ संयत का कहो श्रीमुख से सब हाल ।।
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देस्यतां श्रेष्ठ जमानो होय ।।
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये अष्ट अधिकार ।
रोहिणी वास समुद्र में वृष्टि होवे अपार ।।
मेघाधिप फल के पति शुक्र बने दुर्गेश ।
सूर्यपुत्र मंत्री बने सूर्य बने धान्येश ।।
इनकी खैंचाताण में राजकाज गरमाय ।
चार पदों के चंद्रमा शीत बात समझाय ।।
रसकस तो होसी घणो प्रजा में जै जै कार ।
ईश्वरदत्तजी गुरु बने जो ज्ञान दियो अपार ।।

।। कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ।।

सन्२००७ प्र. ज्येष्ठ कृष्णपक्षः

मई ९ ७ बुधे श्रवणे ल.अ.गो.९।१२,रे.९ ।।।।।।।S।। (मी.सोग्रांगः)

द्वि. ज्येष्ठ शुक्लपक्षः

जून २३ ८ शनौ चित्रा रात्रौ ल. २, रे. ९ ।।।।।।S।।। (शु. ३ दो.)
जून २४ ९ रवौ चित्रा दिवा ल.६, रात्रौ अ.गोधूलि, १२।१
रे. ९ ।।।।।।S।।। (मेषः सोग्रांगः)

आषाढ कृष्णपक्षः

जुला. २ २ चंद्रे श्रवणे रात्रौ ल. १२।२, रे. १० ।।।।।।।।।
(मीनः स्टै. २४।११ उप.)

मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः

दिसं. ४ १० भौमे चित्रा. रात्रौ ल. ७, रे. ८ ।।Sशु।।।।S।।
दिसं. ५ ११ बुधे चित्रा. दिवा ल. १०।१२, रे. ८ ।।Sशु।।।।S।।

सन्२००८ माघ कृष्णपक्षः

जन. २८ ६ चंद्रे चित्रा. दिवा ल. ३ रात्रौ गोधूलि, रे. १० ।।।।।।।
(गोधू स्टै. १९।०४ या. तदुपरान्त भद्राः)
जन. २९ ७ भौमे चित्राः दिवा ल. १२।१।३, रे. १० ।।।।।।।।।
(मेषे चं. ७ पू., मि. गु.शु. ७ पू.)

फाल्गुन कृष्णपक्षः

फर. २४ ३ रवौ चित्रा रात्रौ ७।१०, रे. ७ ।S।।।।।S।Sद.
(तुला स्टै. २२।२९ उप.)
फर. २५ ४ चंद्रे चित्रा. दिवा ल. १।२, रे. ७ ।S।।।।।S।Sद.
(वृषः स्टै. ११।३३ यावत्)

फाल्गुन शुक्लपक्षः

मार्च १० ३ चंद्रे अश्वि. दिवा ल. ४, रात्रौ अ. गो. ७, रे. १०
।।।।।।।।। (कर्कः स्टै. १५।३६ उप. तुला चं. ७ पू.)
(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, २० मार्च से २ अप्रेल तक — नवलगढ — चंद्र. — तारीख — वसंतर्त्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ५४६२, मार्च-अप्रेल २००७

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	सो	५४	४४	२८	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	संवत्सरारंभः सोमवासरे [B देशाचारे, ग्रहण-करिदिन, सायन मेषे F
२	मं	४५	४१	२४	५४	रेव	४६	११	२५	०७	ब्र	३६	४२	२१	१९	बा	२०	११	१४	४३	२९ ५७	६ ३८	६ ३७	मेषे २५।०७	२९	२९	२०	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक समाप्तिः २५।०७, श्रृंगार (सिंधारा) B
३	बु	३७	०३	२१	२६	अश्वि	३९	३१	२२	२५	ऐ	२६	३६	१७	१६	तै	११	१८	११	०८	३० ०१	३७	३७	मेषे	३०	१	२१	मन्वादि, मत्स्योत्पत्तिः, अरुन्धती व्रतं पूजनञ्च, गणगौरी पूजा, A
४	गु	२९	१५	१८	१८	भर	३३	४१	२०	०४	वै	१७	०८	१३	२७	व	३	०३	७	४९	०५	३६	३८	वृषे २५।३३	१	२	२२	भ. ७।४९ उ. १८।१८ या., भा. चैत्रारंभः
५	शु	२२	३७	१५	३८	कृति	२९	०३	१८	१२	वि	८	३४	१०	००	वा	२२	३७	१५	३८	०९	३५	३८	वृषे	२	३	२३	कल्यादि, डोलोत्सवः, भर. शुक्रः २६।५०
६	श	१७	२८	१३	३३	रोहि	२५	५६	१६	५६	प्री	१ ५५	०९ ०२	७ २८	०१ ३४	तै	१७	२८	१३	३३	१३	३४	३९	मिथु. २८।३३	३	४	२४	स्कन्द षष्ठी व्र. [F भानुः २९।२५, धनि.भौमः २३।५०
७	र	१४	०३	१२	१०	मृग	२४	३३	१६	२२	सौ	५०	२४	२६	४२	व	१४	०३	१२	१०	१७	३३	३९	मिथु.	४	५	२५	भ. १२।१० उ. २३।४४ या., अशोककलिका प्राशनं
८	सो	१२	२९	११	३१	आर्द्रा	२४	५९	१६	३१	शो	४७	१७	२५	२६	ब	१२	२९	११	३१	२१	३१	४०	मिथु.	५	६	२६	श्री रामनवमी, भवान्युत्पत्तिः [G २४।४२, पूभा. बुधः ८।४९
९	मं	१२	४६	११	३७	पुन	२७	१४	१७	२४	अ	४५	३४	२४	४४	कौ	१२	४६	११	३७	२६	३०	४०	कर्के ११।०७	६	७	२७	[A मनोरथ तृतीयाव्र., सौभाग्यशयनव्र., शिवशक्ति पू., रविलावल ३
१०	बु	१४	४७	१२	२४	पुष्य	३१	०७	१८	५६	सु	४५	०६	२४	३२	ग	१४	४७	१२	२४	३०	२९	४१	कर्के	७	८	२८	भ. २५।०२ उ. [H भौमः १६।४९
११	गु	१८	१९	१३	४८	श्ले	३६	२२	२१	०१	धृ	४५	४०	२४	४४	वि	१८	१९	१३	४८	३४	२८	४२	सिंहे २१।०१	८	९	२९	भ. १३।४८ या., कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः, कुंभे H
१२	शु	२३	००	१५	३९	मघा	४२	३८	२३	३०	शू	४७	००	२५	१५	बा	२३	००	१५	३९	३८	२७	४२	सिंहे	९	१०	३०	प्रदोषः, हरि दमनोत्सवः [C विशेषः, पातस्पर्शः २०।२६, मोक्षः G
१३	श	२८	३१	१७	५०	पूफा	४९	३७	२६	१६	गं	४८	५३	२५	५९	तै	२८	३१	१७	५०	४२	२६	४३	सिंहे	१०	११	३१	जैन महावीर जयंती, रेव. रविः २२।२९ (सौरः २४।२२), शिवपूजन C
१४	र	३४	३३	२०	१४	उफा	५७	००	२९	१३	वृ	५१	०५	२६	५१	ग	१	३१	७	०१	४६	२५	४३	कन्या ९।००	११	१२	१	भ. २०।१४ उ., अप्रेल ४ ता. ३० [E वैशाख स्नानारंभः
१५	सो	४०	५२	२२	४४	हस्त	...	...	...	...	धु	५३	२८	२७	४७	वि	७	४२	९	२८	५०	२४	४४	कन्या	१२	१३	२	भ. ९।२८ या., मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, E

अयनांशाः २३।५६।३२
५० प. चै.शु. ४ गु. इष्टघटी ५७।४०
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	९	१०	७	०	३	१०	११
०८	२५	१०	२५	१२	२५	२१	०७
०३	०२	२३	३०	१६	०४	२४	५८
१४	५७	०४	४८	२०	२६	२४	०९
५९	४५	६३	२	७२	२	३	५९
३२	५५	३३	३०	१०	५०	११	३६
उभा	ध	श	ज्ये	अ	श्ले	पूभा	उभा
२	१	२	३	४	३व	१	२



मार्च		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
								०	२३-	२९	५८	६	४७	६	४६	२९	५७	५	४५	५	४३
२०	मं	११	०५	०६	२४	५९	३८	०	०१+	३०	००	६	४६	६	४६	३०	००	५	४४	५	४४
२१	बु	११	०६	०६	०२	५९	३६	०	२५	३०	०३	६	४५	६	४७	३०	०४	५	४३	५	४४
२२	गु	११	०७	०५	३७	५९	३४	०	४८	३०	०६	६	४४	६	४७	३०	०७	५	४२	५	४४
२३	शु	११	०८	०५	११	५९	३२	१	१२	३०	०९	६	४४	६	४७	३०	१०	५	४१	५	४५
२४	श	११	०९	०४	४२	५९	२९	१	३६	३०	११	६	४३	६	४७	३०	१४	५	४०	५	४५
२५	र	११	१०	०४	१२	५९	२७	१	५९	३०	१४	६	४२	६	४७	३०	१७	५	३९	५	४६
२६	चं	११	११	०३	३९	५९	२५	२	२३	३०	१७	६	४१	६	४८	३०	२०	५	३८	५	४६
२७	मं	११	१२	०३	०५	५९	२३	२	४६	३०	१९	६	४०	६	४८	३०	२३	५	३७	५	४६
२८	बु	११	१३	०२	२८	५९	२१	३	१०	३०	२२	६	३९	६	४८	३०	२६	५	३६	५	४७
२९	गु	११	१४	०१	४९	५९	१९	३	३३	३०	२५	६	३९	६	४८	३०	३०	५	३५	५	४७
३०	शु	११	१५	०१	०९	५९	१७	३	५६	३०	२७	६	३८	६	४९	३०	३३	५	३४	५	४७
३१	श	११	१६	००	२६	५९	१५	४	२०	३०	३०	६	३७	६	४९	३०	३६	५	३३	५	४८
१	र	११	१६	५९	४१	५९	१३	४	४३	३०	३३	६	३६	६	४९	३०	३९	५	३२	५	४८
२	चं	११	१७	५८	५४	५९	११														

मास फलम्

इस पक्ष में पूर्णिमा सोमवार और हस्त युक्त होने से धान्य महँगा हो। चैत्र की पूर्णिमा को चित्रा का अभाव होने से महर्धता हो। धनिष्ठा पर मंगल होने से इन्द्र की भांति समृद्धि हो, धान्य सस्ता हो और गुड शक्कर भी सस्ते हों। भरणी पर शुक्र होने से तुष धान्य महँगे हो और तिलों का अभाव हो, भरणी में स्थित शुक्र किरात तथा यवनों को पीड़ित करता है। पूर्वाभाद्रपद में बुध होने से कहीं दुर्भिक्ष हो और कहीं क्षेम तथा आरोग्यता हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो।

अयनांशाः २३।५६।३३
५१ पं. चै.शु.११ गु. इष्टघटी ५७।५९
(रेल्वे घं. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	१०	१०	७	०	३	१०	११
१४	००	१८	२५	२०	२४	२१	१४
५९	२४	३२	४४	३९	४६	०२	५४
१२	३६	०२	२९	५९	३३	०९	२९
५९	४५	७७	१	७१	२	३	५९
१७	५९	३१	१३	३८	१०	११	१९
उभा	ध	श	ज्ये	भ	श्ले	पूभा	उभा
४	३	४	३	३	३व	१	४

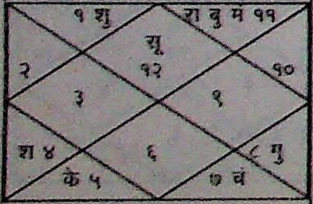


वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, ३ अप्रेल से १७ अप्रेल तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | वसंतर्त्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति महा., अप्रेल २००७

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	मं	४७	१५	२५	१६	हस्त	४	३८	८	१४	व्या	५५	५३	२८	४४	बा	१४	०४	१२	००	३० ५४	६ २२	६ ४४	तुला. २१।४४	१३	१४	३	
२	बु	५३	३०	२७	४५	चित्रा	१२	१४	११	१५	ह	५८	१३	२१	३९	तै	२०	२५	१४	३१	५८	२१	४५	तुला.	१४	१५	४	कृत्ति. शुक्रः ६।३३
३	गु	५९	२५	३०	०६	स्वा	१९	३८	१४	१२	व	...	...	...	...	व	२६	३३	१६	५७	३१ ०२	२०	४५	तुला.	१५	१६	५	भ. १६।५७ उ. ३०।०६ या.
४	शु	...	...	...	...	विशा	२६	३७	१६	५८	व	०	१८	६	२६	ब	३२	१०	१९	११	०६	१९	४६	वृश्चि. १०।१८	१६	१७	६	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१४, अनुसूया जयंती, वक्री **A**
४	श	४	४३	८	११	अनु	३२	५१	१९	२६	सि	१	५२	७	०३	बा	४	४३	८	११	१०	१८	४६	वृश्चि.	१७	१८	७	शत. भौमः ९।२९, मीने बुधः १०।२३
५	र	९	००	९	५३	ज्ये	३८	००	२१	२९	व्य	२	४१	७	२१	तै	९	००	९	५३	१४	१७	४७	धनु. २१।२९	१८	१९	८	|**A** गुरुः १६।२९, वृषे शुक्रः २६।०२
६	सो	१२	००	११	०४	मूल	४१	४६	२२	५८	व	२	३३	७	१७	व	१२	००	११	०४	१८	१६	४७	धनु.	१९	२०	९	भ. ११।०४ उ. २३।२५ या., बूढो बास्योड़ो, उभा. बुधः १४।०१
७	मं	१३	२४	११	३६	पूषा	४३	५६	२३	४९	प	१ ५८	१५ ३३	६ २९	४५ ४०	ब	१३	२४	११	३६	२२	१५	४८	मक. २९।५६	२०	२१	१०	
८	बु	१३	०५	११	२८	उषा	४४	२१	२३	५८	सि	५४	२९	२८	०२	कौ	१३	०५	११	२८	२६	१४	४८	मक.	२१	२२	११	बुधास्तः पूर्वस्याम् २५।४८
९	गु	१०	५५	१०	३५	श्रव	४२	५९	२३	२४	सा	४८	५९	२५	४८	ग	१०	५५	१०	३५	३०	१३	४९	मक.	२२	२३	१२	भ. २१।५३ उ.
१०	शु	७	००	९	००	धनि	३९	५४	२२	०९	शु	४२	०६	२३	०२	वि	७	००	९	००	३४	१२	४९	कुंभे १०।५२	२३	२४	१३	भ. ९।०० या., पंचक प्रारम्भः १०।५२
११	श	१	२३	६	४४	शत	३५	१७	२०	१७	शु	३३	५७	१९	४६	बा	१	२३	६	४४	३८	११	५०	कुंभे	२४	२५	१४	वरुथिनि ११ व्र., पातस्पर्शः ८।२०, मोक्षः १२।००, मेषे अश्वि. **B**
१२	श	५४	१७	२७	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	|**B** रविः ११।४९ (सौरः १३।४३)
१३	र	४६	०४	२४	३५	पूभा	२९	२३	१७	५५	ब्र	२४	४५	१६	०३	ग	२०	१९	१४	१७	४२	१०	५०	मीने १२।३३	२५	२६	१५	भ. २४।३५ उ., प्रदोषः, रोहि. शुक्रः १४।०४
१४	सो	३७	००	२०	५७	उभा	२२	३२	१५	०९	ऐ	१४	४४	१२	०२	वि	११	३८	१०	४८	४६	०९	५१	मीने	२६	२७	१६	भ. १०।४८ या., मासिकशिवरात्री व्र.
३०	मं	२७	३२	१७	०२	रेव	१५	०८	१२	११	वै	४ ५३	१३ ३०	७ २७	४९ ३२	च	२	१९	७	०३	४९	०८	५१	मेषे १२।११	२७	२८	१७	पंचक समाप्तिः १२।११, देवपितृकार्येऽमा., रेव. बुधः ११।१३

अयनांशाः २३।५६।३५
५२ पं. वै.कृ. ३ गु. इष्टघटी ५८।१९
(रेल्वे घ. मि. २९।४०)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	१०	१०	७	०	३	१०	११
२१	०५	२८	२५	२८	२४	२०	२१
५३	४६	१२	४९	५९	३३	३९	४८
२९	३९	०९	०३	४१	३०	५३	५६
५९	४६	८९	०	७१	१	३	५९
०३	०१	५२	०६	०२	२७	११	०३
रे	ध	पूभा	ज्ये	कृ	श्ले	पूभा	रे
२	४	३	३व	१	३व	१	२



अप्रेल ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
३	म	११	१८	५८	०५	५९	०९	५	०६	३०	३५	६	३५	६	४९	३०	४३	५	३१	५	४८
४	बु	११	१९	५७	१४	५९	०७	५	२९	३०	३८	६	३४	६	५०	३०	४६	५	३०	५	४९
५	गु	११	२०	५६	२१	५९	०५	५	५२	३०	४०	६	३४	६	५०	३०	४९	५	२९	५	४९
६	शु	११	२१	५५	२६	५९	०३	६	१५	३०	४३	६	३३	६	५०	३०	५२	५	२९	५	४९
७	श	११	२२	५४	२९	५९	०१	६	३७	३०	४६	६	३२	६	५०	३०	५५	५	२८	५	५०
८	र	११	२३	५३	२९	५८	५९	७	००	३०	४८	६	३१	६	५१	३०	५८	५	२७	५	५०
९	चं	११	२४	५२	२८	५८	५७	७	२२	३०	५१	६	३०	६	५१	३१	०२	५	२६	५	५०
१०	मं	११	२५	५१	२५	५८	५५	७	४५	३०	५३	६	३०	६	५१	३१	०५	५	२५	५	५१
११	बु	११	२६	५०	२०	५८	५३	८	०७	३०	५६	६	२९	६	५१	३१	०८	५	२४	५	५१
१२	गु	११	२७	४९	१२	५८	५१	८	२९	३०	५९	६	२८	६	५१	३१	११	५	२३	५	५१
१३	शु	११	२८	४८	०३	५८	४९	८	५१	३१	०१	६	२७	६	५२	३१	१४	५	२२	५	५२
१४	श	११	२९	४६	५२	५८	४७	९	१३	३१	०४	६	२७	६	५२	३१	१७	५	२१	५	५२
१५	र	०	००	४५	३८	५८	४५	९	३४	३१	०६	६	२६	६	५२	३१	२०	५	२०	५	५३
१६	चं	०	०१	४४	२३	५८	४३	९	५६	३१	०९	६	२५	६	५३	३१	२३	५	२०	५	५३
१७	मं	०	०२	४३	०६	५८	४१	१०	१७	३१	११	६	२४	६	५३	३१	२६	५	१९	५	५३

संक्रांति फलम्

ता. १४ अप्रेल २००७
वैशा. कृ. ११ शनौ मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ११।४९ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित्कंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः भृगौ (स्टै.) २९।४९ से शनौ १७।४९ तक । (दान- मेष) ।

अयनांशाः २३।५६।३६
१ पं. वै.कृ.११ श. इष्टघटी १४।०६
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	१०	११	७	१	३	१०	११
००	१२	११	२५	०८	२४	२०	२९
००	०६	२५	४२	४३	२४	१३	५५
००	४१	४३	३७	१३	४०	३९	२०
५८	४६	१०३	१	७०	०	३	५८
४६	०१	५८	३९	१२	३५	११	४४
अ	श	उभा	ज्ये	कृ	श्ले	पूभा	रे
१	२	३	३व	४	३व	१	४

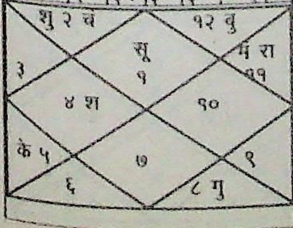


वैशाख शुक्लपक्ष सवत् २०६४, शाकः १९२९, १८ अप्रेल से २ मई तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | वसंतर्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ५४९१, अप्रेल-मई २००७

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. ल	आ.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	बु	१८	०४	१३	२०	अश्वि	७	३८	९	१०	प्री	४३	०२	२३	१९	ब	१८	०४	१३	२०	३१ ५३	६ ०७	६ ५२	मेषे	२८	२९	१८	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), शत.-४ राहुः १८।४९, पूफा.-२ केतुः १८।४९
२	गु	९	०३	९	४३	भर	० ५४	३० १०	६ २७	१८ ४६	आ	३३	०७	११	२१	कौ	९	०३	९	४३	५७	०६	५२	वृषे ११।३७	२९	१	१९	कल्पादि, युगादि, अक्षय तृतीया, परशुराम जयंती, शिवाजी D
३	शु	०	५६	६	२७	रोहि	४९	०९	२५	४४	सौ	२४	०७	१५	४४	ग	०	५६	६	२७	३२ ०१	०५	५३	वृषे	३०	२	२०	भ. १७।०० उ. २७।४३ या., सायन वृषे भानुः १६।२६, B
४	शु	५४	०५	२७	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B मार्गी शनिः १९।१४
५	श	४९	००	२५	४०	मृग	४५	४७	२४	२३	शो	१६	२२	१२	३७	ब	२१	२०	१४	३६	०५	०४	५४	मिथु. १२।५८	१	३	२१	श्री आद्यशंकराचार्य जयंती, भा. वैशाखारंभः
६	र	४५	५२	२४	२४	आर्द्रा	४४	२३	२३	४८	अ	१०	०६	१०	०५	कौ	१७	११	१२	५५	०८	०३	५४	मिथु.	२	४	२२	श्री रामानुज जयंती
७	सो	४४	५४	२३	५९	पुन	४५	०५	२४	०४	सु	५	३०	८	१४	ग	१५	०८	१२	०५	१२	०२	५५	कर्के १७।५१	३	५	२३	भ. २३।५९ उ., गंगोत्पति
८	मं	४६	०१	२४	२५	पुष्य	४७	५२	२५	१०	धृ	२	३५	७	०३	वि	१५	१३	१२	०६	१६	०१	५५	कर्के	४	६	२४	भ. १२।०६ या., पूषा. भौमः १८।४८, मेषे अश्वि. बुधः १२।२१
९	बु	४९	०५	२५	३८	श्ले	५२	२९	२७	००	शू	१	२०	६	३२	बा	१७	२१	१२	५६	१९	००	५६	सिंहे २७।००	५	७	२५	सीता ९ [D जयंती, रविलास्वर ४
१०	गु	५३	४१	२७	२८	मघा	५८	३६	२९	२५	गं	१	३०	६	३५	तै	२१	१४	१४	२९	२३	५ ५९	५६	सिंहे	६	८	२६	पातस्पर्शः ९।१३, मोक्षः १३।५१, मृगे शुक्रः २६।३७
११	शु	५९	२४	२९	४४	पूफा	...	...	...	...	वृ	२	४८	७	०५	व	२६	२८	१६	३३	२७	५८	५७	सिंहे	७	९	२७	भ. १६।३३ उ. २९।४४ या., मोहिनी ११ व्र., भर. रविः २७।३९ C
१२	श	...	...	...	...	पूफा	५	४५	८	१५	ध्रु	४	५३	७	५४	ब	३२	३२	१८	५८	३०	५७	५७	कन्या १५।००	८	१०	२८	अगस्त्यास्तः १९।१० [C (सौरः २९।५७)
१२	र	५	४४	८	१४	उफा	१३	२४	११	१८	व्या	७	२३	८	५४	बा	५	४४	८	१४	३४	५७	५८	कन्या	९	११	२९	प्रदोषः [A जलकुंभदानं, मिथुने शुक्रः २३।१९
१३	सो	१२	११	१०	४८	हस्त	२१	१०	१४	२३	ह	१०	००	९	५६	तै	१२	११	१०	४८	३७	५६	५९	तुला. २७।५५	१०	१२	३०	नृसिंह १४, भर. बुधः २४।१४
१४	मं	१८	२८	१३	१८	चित्रा	२८	४२	१७	२४	व	१२	३०	१०	५५	व	१८	२८	१३	१८	४१	५५	५९	तुला.	११	१३	१	भ. १३।१८ उ. २६।२९ या., कूर्मोत्पत्तिः, मई ५ ता. ३१
१५	बु	२४	२०	१५	३८	स्वा	३५	५०	२०	१४	सि	१४	४१	११	४६	ब	२४	२०	१५	३८	४४	५४	७ ००	तुला.	१२	१४	२	पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वैशाखस्नानपूर्त्तिः, धर्म प्रीत्यर्थ A

अयनांशाः २३।५६।३७
२ पं. वै.शु. ५ श. इष्टघटी १४।२३
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	१०	११	७	१	३	१०	०
०६	१७	२४	२५	१६	२४	१९	०६
५०	२८	०७	२७	५२	२२	५१	४५
४२	४४	३०	१६	१०	५४	२३	४२
५८	४५	११५	२	६९	०	३	५८
३३	५९	०५	५५	२२	११	११	२८
अ	श	रे	ज्ये	रो	श्ले	श	अ
३	४	३	३व	३	३	४	३



अप्रेल रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१८ बु	०	०३	४१	४६	५८	३९	१०	३८	३१	१४	६	२४	६	५३	३१	२९	५	१८	५	५४
१९ गु	०	०४	४०	२५	५८	३७	१०	५९	३१	१६	६	२३	६	५३	३१	३२	५	१७	५	५४
२० शु	०	०५	३९	०२	५८	३५	११	२०	३१	१९	६	२२	६	५४	३१	३५	५	१६	५	५४
२१ श	०	०६	३७	३७	५८	३३	११	४०	३१	२१	६	२१	६	५४	३१	३८	५	१६	५	५५
२२ र	०	०७	३६	१०	५८	३१	१२	०१	३१	२४	६	२१	६	५४	३१	४१	५	१५	५	५५
२३ चं	०	०८	३४	४१	५८	२९	१२	२१	३१	२६	६	२०	६	५४	३१	४४	५	१४	५	५६
२४ मं	०	०९	३३	१०	५८	२७	१२	४१	३१	२८	६	१९	६	५५	३१	४७	५	१३	५	५६
२५ बु	०	१०	३१	३७	५८	२५	१३	०१	३१	३१	६	१९	६	५५	३१	५०	५	१२	५	५६
२६ गु	०	११	३०	०३	५८	२४	१३	२०	३१	३३	६	१८	६	५५	३१	५३	५	१२	५	५७
२७ शु	०	१२	२८	२६	५८	२२	१३	४०	३१	३५	६	१७	६	५६	३१	५६	५	११	५	५७
२८ श	०	१३	२६	४८	५८	२०	१३	५९	३१	३८	६	१७	६	५६	३१	५८	५	१०	५	५८
२९ र	०	१४	२५	०८	५८	१८	१४	१८	३१	४०	६	१६	६	५६	३२	०१	५	१०	५	५८
३० चं	०	१५	२३	२६	५८	१६	१४	३६	३१	४२	६	१६	६	५७	३२	०४	५	०९	५	५८
१ मं	०	१६	२१	४२	५८	१४	१४	५५	३१	४५	६	१५	६	५७	३२	०७	५	०८	५	५९
२ बु	०	१७	१९	५६	५८	१३	१५	१३	३१	४७	६	१४	६	५७	३२	०९	५	०७	५	५९

मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से अग्नि का भय हो तथा कहीं वर्षा में देरी हो। पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो। धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो। वैशाखी अमावस को रेवती होने से सुभिक्ष हो। शुक्ला चतुर्थी का क्षय होने से मूंग घी महंगें हों। शुक्ला ३ को रोहिणी होने से सुभिक्ष हो। शुक्ला पंचमी को शनिवार होने से अन्न की हानि हो। पूर्णिमा स्वाति युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। कृत्तिका पर शुक्र होने से सरसों उड़द कम हों और सब धान्य उत्पन्न हों, अतिवृष्टि हो, नदियों में बहुत बाढ़ आवे।

अयनांशाः २३।५६।३८
३ पं. वै.शु.१२ श. इष्टघटी १४।३९
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	१०	०	७	१	३	१०	०
१३	२२	०८	२५	२४	२४	१९	१३
३९	५०	०३	०३	५४	२६	२९	३४
५०	२२	१९	१४	५२	२६	०८	१४
५८	४५	१२४	४	६८	०	३	५८
११	५४	५१	०६	२३	५६	[illegible]	१३
भ	पूषा	अ	ज्ये	मृ	श्ले	श	भ
१	१	३	३व	१	३	४	१



॥ श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम् ॥

प्र.ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, ३ मई से १६ मई तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति महा., मई २००७

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	गु	२९	३७	१७	४४	विशा	४२	२५	२२	५१	व्य	१६	२९	१२	२९	कौ	२९	३७	१७	४४	३२/४७	५/५३	७/००	वृश्चि.	१६।१३	१३	१५	३	[C पश्चिमायाम् १७।२६
२	शु	३४	१२	१९	३३	अनु	४८	१७	२५	११	व	१७	४६	१२	५९	तै	२	०१	६	४१	५१	५२	०१	वृश्चि.		१४	१६	४	नारद जयंती, वीणादानं
३	श	३७	५७	२१	०३	ज्ये	५३	१९	२७	११	प	१८	२५	१३	१४	व	६	१३	८	२१	५४	५२	०१	धनु.	२७।११	१५	१७	५	भ. ८।२१ उ. २१।०३ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०२
४	र	४०	४३	२२	०८	मूल	५७	२२	२८	४८	शि	१८	२२	१३	१२	ब	९	२९	९	३९	५७	५१	०२	धनु.		१६	१८	६	कृत्ति. बुधः २८।३९
५	सो	४२	१९	२२	४६	पूषा	...	...	...	...	सि	१७	२८	१२	४९	कौ	११	४१	१०	३१	३३/०१	५०	०३	धनु.		१७	१९	७	टैगोर जयन्ती, मीने भौमः २०।५०
६	मं	४२	३९	२२	५३	पूषा	०	१७	५	५६	सा	१५	३७	१२	०४	ग	१२	४०	१०	५३	०४	५०	०३	मक.	१२।०९	१८	२०	८	भ. २२।५३ उ., वृषे बुधः १७।३९, आर्द्रा. शुक्रः २२।०४
७	बु	४१	३४	२२	२६	उषा	१	५२	६	३४	शु	१२	४१	१०	५३	वि	१२	१७	१०	४४	०७	४९	०४	मक.		१९	२१	९	भ. १०।४४ या., पातस्पर्शः २९।३५
८	गु	३९	०१	२१	२५	श्रव	२	०४	६	३८	शु	८	३७	९	१५	बा	१०	२९	१०	००	१०	४८	०४	कुंभे	१८।२७	२०	२२	१०	पंचक प्रारम्भः १८।२७, पातमोक्षः १०।१९
९	शु	३४	५८	१९	४७	धनि	०/५८	४८/०३	६/२९	०७/०१	ब्र	३/५६	२३/५४	७/२८	०९/३३	तै	७	११	८	४०	१३	४८	०५	कुंभे		२१	२३	११	कृत्ति. रविः २१।५१ (सौरः २४।५६)
१०	श	२९	३०	१७	३५	पूभा	५३	५६	२७	२१	वै	४९	१९	२५	३०	व	२	२५	६	४५	१६	४७	०५	मीने	२१।४९	२२	२४	१२	भ. ६।४५ उ. १७।३५ या., उभा. भौमः ५।५५, बुधोदयः C
११	र	२२	४३	१४	५१	उभा	४८	३६	२५	१३	वि	४०	४३	२२	०४	बा	२२	४३	१४	५१	१९	४६	०६	मीने		२३	२५	१३	अपरा ११ व्र., रोहि. बुधः ११।४४
१२	सो	१४	५२	११	४२	रेव	४२	२०	२२	४२	प्री	३१	१८	१८	१७	तै	१४	५२	११	४२	२२	४६	०७	मेषे	२२।४२	२४	२६	१४	पंचक समाप्तिः २२।४२, प्रदोषः [B (सौरः १२।०४)
१३	मं	६	१४	८	१५	अश्वि	३५	२९	१९	५७	आ	२१	२१	१४	१८	व	६	१४	८	१५	२५	४५	०७	मेषे		२५	२७	१५	भ. ८।१५ उ. १८।२७ या., मासिकशिवरात्री व्र., वृषे रविः ८।४४ B
१४	मं	५७	११	२८	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[A भाऊका ३०, वट सावित्री व्र. (मरु.) शनैश्चर जयन्ती,
३०	बु	४८	११	२५	०१	भर	२८	२८	१७	०८	सौ	११	०९	१०	१२	च	२२	४०	१४	४९	२८	४५	०८	वृषे	२२।२६	२६	२८	१६	देवपितृकार्येऽमा., बटपूजनम् मरुस्थले, अधिक मासारंभः, A

अयनांशाः २३।५६।३९
४ पं.प्र.ज्ये.कृ. ३ श.इष्टघटी १४।५३
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	१०	०	७	२	३	१०	०
२०	२८	२२	२४	०२	२४	१९	२०
२७	११	५८	३१	५०	३५	०६	२१
२९	१७	१८	१०	१७	१२	५२	०२
५८	४५	१३०	५	६७	९	३	५७
०७	४६	१८	११	१५	४०	११	५९
भ	पूभा	भ	ज्ये	मृ	श्ले	श	भ
३	३	३	३व	३	३	४	३



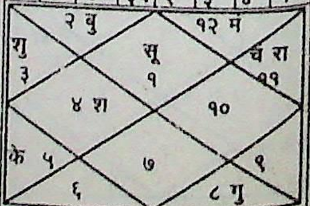
मई	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
३ गु	०	१८	१८	०९	५८	११	१५	३१	३१	४९	६	१४	६	५८	३२	१२	५	०७	६	००
४ श	०	१९	१६	२०	५८	०९	१५	४८	३१	५१	६	१३	६	५८	३२	१५	५	०६	६	००
५ श	०	२०	१४	२९	५८	०८	१६	०६	३१	५३	६	१३	६	५८	३२	१७	५	०६	६	००
६ र	०	२१	१२	३७	५८	०६	१६	२३	३१	५६	६	१२	६	५९	३२	२०	५	०५	६	०१
७ चं	०	२२	१०	४३	५८	०४	१६	४०	३१	५८	६	१२	६	५९	३२	२२	५	०४	६	०१
८ मं	०	२३	०८	४७	५८	०२	१६	५६	३२	००	६	११	६	५९	३२	२५	५	०४	६	०२
९ बु	०	२४	०६	४९	५८	०१	१७	१३	३२	०२	६	११	७	००	३२	२७	५	०३	६	०२
१० गु	०	२५	०४	५०	५७	५९	१७	२९	३२	०४	६	१०	७	००	३२	३०	५	०३	६	०३
११ शु	०	२६	०२	४९	५७	५८	१७	४४	३२	०६	६	१०	७	००	३२	३२	५	०२	६	०३
१२ श	०	२७	००	४७	५७	५६	१८	००	३२	०८	६	१०	७	०१	३२	३५	५	०२	६	०४
१३ र	०	२७	५८	४३	५७	५५	१८	१५	३२	१०	६	०९	७	०१	३२	३७	५	०१	६	०४
१४ चं	०	२८	५६	३८	५७	५३	१८	३०	३२	११	६	०९	७	०१	३२	३९	५	०१	६	०४
१५ मं	०	२९	५४	३१	५७	५२	१८	४४	३२	१३	६	०८	७	०२	३२	४१	५	००	६	०५
१६ बु	१	००	५२	२२	५७	५०	१८	५८	३२	१५	६	०८	७	०२	३२	४४	५	००	६	०५

संक्रांति फलम्

ता. १५ मई २००७
प्र.ज्ये. कृ. १३ भौमे वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ८।४४ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः विष्टीकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं अश्ववाहनं सिंहोपवाहनं स्थैर्यकारक कृष्णवस्त्रं कुन्तायुधं पत्रपात्रं चित्रान्नभक्षणं ओतुमदोल्मेनं विप्रजातिः दुर्वापुष्पं गुंजाभूषणं नीलकंचुकी वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः चंद्रे (स्टै.) २६।२० से भौमे ८।४४ तक। (दान- गौ)।

अयनांशाः २३।५६।४०
५ पं.प्र.ज्ये.कृ.१० श.इष्टघटी १५।०५
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

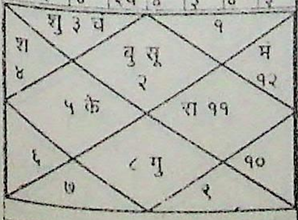
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	११	१	७	२	३	१०	०
२७	०३	०७	२३	१०	२४	१८	२७
१३	३१	५७	५१	३७	४९	४४	०६
४४	१३	३३	५८	०६	०३	३७	१३
५७	४५	१२३	६	६५	२	३	५७
५६	३६	०२	०७	५४	२३	११	४५
कृ	उभा	कृ	ज्ये	आ	श्ले	श	कृ
१	१	४	३व	२	३	४	१



प्र.ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, १७ मई से १ जून तक																					नवलगढ			चंद्रः	तारीख			ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ५५२०, मई-जून २००७
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	गु	३९	४०	२१	३६	कृति	२१	४६	१४	२६	शो	१ ५१	०५ ३०	६ २६	१० २०	किं	१३	५१	११	१७	३३ ३०	५ ४४	७ ०८	वृषे	२७	२९	१७	(व) ज्येष्ठा.-२ गुरुः १२।३९
२	शु	३२	०५	१८	३४	रोहि	१५	५०	१२	०४	सु	४२	४७	२२	५०	बा	५	४४	८	०१	३३	४४	०९	मिथु. २३।०३	२८	३०	१८	चंद्रदर्शनम् (मु.३०)
३	श	२५	५२	१६	०४	मृग	११	१०	१०	११	धृ	३५	१७	१९	५०	ग	२५	५२	१६	०४	३६	४३	०९	मिथु.	२९	१	१९	भ. २७।०४ उ., जमादिलावल ५
४	र	२१	२४	१४	१६	आर्द्रा	८	०९	८	५८	शू	२९	१६	१७	२५	वि	२१	२४	१४	१६	३८	४३	१०	कर्के २६।३४	३०	२	२०	भ. १४।१६ या., मृगे बुधः १४।२०, पुन. शुक्रः २७।३३
५	सो	१८	५७	१३	१७	पुन	७	०५	८	३२	गं	२४	५५	१५	४०	बा	१८	५७	१३	१७	४१	४२	१०	कर्के	३१	३	२१	पातस्पर्शः २९।०१, सायन मिथुने भानुः १५।३६
६	मं	१८	४१	१३	१०	पुष्य	८	०९	८	५७	वृ	२२	१७	१४	३६	तै	१८	४१	१३	१०	४३	४२	११	कर्के	१	४	२२	भा. ज्येष्ठारंभः, पातमोक्षः १०।२४
७	बु	२०	३१	१३	५४	श्ले	११	१९	१०	१३	ध्रु	२१	१९	१४	१३	व	२०	३१	१३	५४	४६	४१	१२	सिंहे १०।१३	२	५	२३	भ. १३।५४ उ. २६।३३ या.
८	गु	२४	१५	१५	२३	मघा	१६	२१	१२	१३	व्या	२१	५०	१४	२५	ब	२४	१५	१५	२३	४८	४१	१२	सिंहे	३	६	२४	मिथुने बुधः १८।३६
९	शु	२९	२८	१७	२८	पूफा	२२	५२	१४	५०	ह	२३	२९	१५	०४	कौ	२९	२८	१७	२८	५०	४१	१३	कन्या २१।३३	४	७	२५	रोहि. रविः १८।०६ (सौरः २२।२१)
१०	श	३५	३५	१९	५४	उफा	३०	१९	१७	४८	व	२५	५२	१६	०१	तै	२	२६	६	३९	५२	४०	१३	कन्या	५	८	२६	
११	र	४१	५९	२२	२८	हस्त	३८	०७	२०	५५	सि	२८	३४	१७	०५	व	८	४७	९	११	५५	४०	१४	कन्या	६	९	२७	भ. ९।११ उ. २२।२८ या., कमला ११ व्र.
१२	सो	४८	११	२४	५६	चित्रा	४५	४३	२३	५७	व्य	३१	०९	१८	०७	व	१५	०९	११	४३	५७	४०	१४	तुला. १०।२७	७	१०	२८	
१३	मं	५३	४६	२७	१०	स्वा	५२	४५	२६	४५	व	३३	२०	१८	५९	कौ	२१	०४	१४	०५	५९	३९	१५	तुला.	८	११	२९	प्रदोषः, रेव. भौमः २१।२२, आर्द्रा. बुधः १७।०२
१४	बु	५८	३०	२९	०३	विशा	५८	५८	२९	१४	प	३४	५७	१९	३८	ग	२६	१५	१६	०९	३० ०१	३९	१५	वृश्चि. २२।३९	९	१२	३०	भ. २९।०३ उ., कर्के शुक्रः १७।२४
१५	गु	…	…	…	…	अनु	…	…	…	…	शि	३५	५०	१९	५९	वि	३०	३०	१७	५१	०२	३९	१६	वृश्चि.	१०	१३	३१	भ. १७।५१ या., पूर्णिमा व्रतं
१५	शु	२	१७	६	३३	अनु	४	१७	७	२१	सि	३५	५८	२०	०२	व	२	१७	६	३३	०४	३९	१६	वृश्चि.	११	१४	१	पूर्णिमा पुण्य, जून ६ ता. ३०

अयनांशाः २३।५६।४१
६ पं.प्र.ज्ये.शु. ३ श.इष्टघटी १५।१५
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	११	१	७	२	३	१०	१
०३	०८	२१	२३	१८	२५	१८	०३
५८	४९	२५	०६	१३	०७	२२	४९
४३	५०	३१	४९	४४	४७	२२	५३
५७	४५	१०५	६	६४	३	३	५७
४५	२३	०४	५१	१७	०४	११	३३
कृ	उभा	रो	ज्ये	आ	श्ले	श	कृ
३	२	४	२व	४	३	४	३



मई		रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अ.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१७	गु	१	०१	५०	१२	५७	४९	१९	१२	३२	१७	६	०८	७	०३	३२	४६	४	५९	६	०६
१८	शु	१	०२	४८	०१	५७	४७	१९	२६	३२	१९	६	०७	७	०३	३२	४८	४	५९	६	०६
१९	श	१	०३	४५	४८	५७	४६	१९	३९	३२	२०	६	०७	७	०३	३२	५०	४	५९	६	०७
२०	र	१	०४	४३	३४	५७	४४	१९	५२	३२	२२	६	०७	७	०४	३२	५२	४	५८	६	०७
२१	चं	१	०५	४१	१८	५७	४३	२०	०४	३२	२४	६	०७	७	०४	३२	५४	४	५८	६	०८
२२	मं	१	०६	३९	०१	५७	४२	२०	१७	३२	२५	६	०६	७	०४	३२	५६	४	५८	६	०८
२३	बु	१	०७	३६	४३	५७	४०	२०	२८	३२	२७	६	०६	७	०५	३२	५८	४	५७	६	०९
२४	गु	१	०८	३४	२३	५७	३९	२०	४०	३२	२८	६	०६	७	०५	३३	००	४	५७	६	०९
२५	शु	१	०९	३२	०२	५७	३८	२०	५१	३२	३०	६	०६	७	०६	३३	०१	४	५७	६	०९
२६	श	१	१०	२९	४०	५७	३७	२१	०२	३२	३१	६	०५	७	०६	३३	०३	४	५७	६	१०
२७	र	१	११	२७	१७	५७	३५	२१	१२	३२	३३	६	०५	७	०६	३३	०५	४	५६	६	१०
२८	चं	१	१२	२४	५२	५७	३४	२१	२२	३२	३४	६	०५	७	०७	३३	०६	४	५६	६	११
२९	मं	१	१३	२२	२७	५७	३३	२१	३२	३२	३५	६	०५	७	०७	३३	०८	४	५६	६	११
३०	बु	१	१४	२०	००	५७	३२	२१	४१	३२	३६	६	०५	७	०७	३३	०९	४	५६	६	१२
३१	गु	१	१५	१७	३२	५७	३१	२१	५०	३२	३८	६	०५	७	०८	३३	११	४	५६	६	१२
१	शु	१	१६	१५	०३	५७	३०	२१	५९	३२	३९	६	०५	७	०८	३३	१२	४	५५	६	१२

मास फलम्

दो ज्येष्ठ होने से राजध्वंस, धनधान्य की उत्पत्ति हो । इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो । पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो । धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों । ज्येष्ठ कृष्णा प्रतिपदा को बृहस्पतिवार होने से सामर्धता हो । कृ. द्वादशी में रेवती होने से दुर्भिक्ष हो । बुधवारी अमावस भरणी योग से मिश्रित फल हो । शुक्ला १० को शनिवार से वृष्टि को रोक लगे, गायों में बिमारी फैले । पूर्णिमा अनुराधा युक्त से दुर्भिक्ष हो ।

अयनांशाः २३।५६।४२
७ पं.प्रं.ज्ये.शु.१० श.इष्टघटी १५।२२
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	११	२	७	२	३	१०	१
१०	१४	०२	२२	२५	२५	१८	१०
४२	०६	२८	१७	३८	३१	००	३२
३३	४९	४७	१२	१२	११	०६	११
५७	४५	८१	७	६२	३	३	५७
३६	०८	५८	२२	२२	४२	११	२२
रो	उभा	मृ	ज्ये	पुन	श्ले	श	रो
१	४	३	२व	२	३	४	१



द्वि.ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, २ जून से १५ जून तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे प्र.ज्येष्ठकृष्णेति महा., जून २००७

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टं.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	श	५	०५	७	४०	ज्ये	८	३८	९	०६	सा	३५	२०	१९	४६	कौ	५	०५	७	४०	३४/०६	५/३८	७/१७	धनु.	९।०६	१२	१५	२	पुष्ये शुक्रः २४।३५
२	र	६	५३	८	२३	मूल	१२	०२	१०	२७	शु	३३	५६	१९	१३	ग	६	५३	८	२३	०७	३८	१७	धनु.		१३	१६	३	भ. २०।३६ उ.
३	सो	७	४४	८	४४	पूषा	१४	२८	११	२६	शु	३१	४८	१८	२१	वि	७	४४	८	४४	०९	३८	१८	मक.	१७।३७	१४	१७	४	भ. ८।४४ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।३१
४	मं	७	३५	८	४०	उषा	१५	५८	१२	०१	ब्र	२८	५२	१७	११	बा	७	३५	८	४०	१०	३८	१८	मक.		१५	१८	५	पातस्पर्शः ७।०८, मोक्षः १३।३५
५	बु	६	२८	८	१३	श्रव	१६	२८	१२	१३	ऐ	२५	०८	१५	४१	तै	६	२८	८	१३	१२	३८	१९	कुंभे	२४।१०	१६	१९	६	पंचक प्रारम्भः २४।१०
६	गु	४	१७	७	२१	घनि	१५	५८	१२	०१	वै	२०	३४	१३	५१	व	४	१७	७	२१	१३	३८	१९	कुंभे		१७	२०	७	भ. ७।२१ उ. १८।४६ या.
७	शु	१	०६	६	०४	शत	१४	२५	११	२४	वि	१५	१०	११	४२	ब	१	०६	६	०४	१४	३८	१९	मीने	२८।३९	१८	२१	८	मृगे रविः १६।०० (सौरः २१।४६)
८	शु	५६	४८	२८	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[A १५।२५ (सौरः २२।०१)
९	श	५१	२९	२६	१४	पूभा	११	४८	१०	२१	प्री	८	५३	९	११	तै	२४	१६	१५	२०	१५	३८	२०	मीने		१९	२२	९	
१०	र	४५	१२	२३	४३	उभा	८	१०	८	५४	आ	१/५३	४५/५१	६/२७	२०/१०	व	१८	२७	१३	००	१६	३८	२०	मीने		२०	२३	१०	भ. १३।०० उ. २३।४३ या.
११	सो	३८	०७	२०	५२	रेव	३/५८	३६/५१	७/२८	०४/५७	शो	४५	२०	२३	४६	ब	११	४५	१०	२०	१७	३८	२१	मेषे	७।०४	२१	२४	११	पंचक समाप्तिः ७।०४, कमला ११ व्र., श्लेषा.-४ शनिः ९।१८
१२	मं	३०	३०	१७	५०	भर	५२	३६	२६	४०	अ	३६	२३	२०	११	कौ	४	२२	७	२२	१८	३८	२१	मेषे		२२	२५	१२	प्रदोषः
१३	बु	२२	३९	१४	४१	कृति	४६	४९	२४	२१	सु	२७	१६	१६	३२	व	२२	३९	१४	४१	१९	३८	२१	वृषे	८।०५	२३	२६	१३	भ. १४।४१ उ. २५।०८ या., मासिकशिवरात्री व्र., B
१४	गु	१४	५७	११	३७	रोहि	४१	२२	२२	११	धृ	१८	२०	१२	५८	श	१४	५७	११	३७	२०	३८	२२	वृषे		२४	२७	१४	पितृकार्येऽमा. [B (व) ज्येष्ठा.-१ गुरुः १४।४९
३०	शु	७	४८	८	४५	मृग	३६	४१	२०	१८	शू	९	५२	९	३५	ना	७	४८	८	४५	२०	३८	२२	मिथु.	९।१२	२५	२८	१५	देवकार्येऽमा., अधिक मास समाप्तिः, मिथुने रविः A

अयनांशाः २३।५६।४३
८ प.द्वि.ज्ये.कृ. १ श.इष्टघटी १५।२६
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं	बु.	गु.	शु.	श.	रा	सौर
१	११	२	७	३	३	[illegible]	१
१७	१९	१०	२१	०२	२५	१७	१७
२५	२१	४९	२४	४८	५८	३७	१३
२३	५२	२८	४५	०३	५६	५१	१९
५७	४४	५६	७	६०	४	३	५७
२९	४९	४८	३७	०२	१८	११	१३
रो	रे	आ	ज्ये	पुन	श्ले	श	रो
३	१	२	२व	४	३	४	३



जून ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम रा.	अं.	क.	वि.	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२	श	१	१७	१२	३२	५७	२९	२२	०७	३२	४०	६	०५	७	०९	३३	१४	४	५५	६	१३
३	र	१	१८	१०	०१	५७	२८	२२	१५	३२	४१	६	०५	७	०९	३३	१५	४	५५	६	१३
४	चं	१	१९	०७	२९	५७	२७	२२	२२	३२	४२	६	०५	७	०९	३३	१६	४	५५	६	१४
५	मं	१	२०	०४	५६	५७	२६	२२	२९	३२	४३	६	०५	७	१०	३३	१७	४	५५	६	१४
६	बु	१	२१	०२	२२	५७	२५	२२	३६	३२	४४	६	०५	७	१०	३३	१८	४	५५	६	१४
७	गु	१	२१	५९	४७	५७	२४	२२	४२	३२	४४	६	०५	७	१०	३३	१९	४	५५	६	१५
८	शु	१	२२	५७	११	५७	२३	२२	४८	३२	४५	६	०५	७	११	३३	२०	४	५५	६	१५
९	श	१	२३	५४	३४	५७	२२	२२	५३	३२	४६	६	०५	७	११	३३	२१	४	५५	६	१६
१०	र	१	२४	५१	५६	५७	२२	२२	५८	३२	४७	६	०५	७	११	३३	२२	४	५५	६	१६
११	चं	१	२५	४९	१८	५७	२१	२३	०३	३२	४७	६	०५	७	१२	३३	२३	४	५५	६	१६
१२	मं	१	२६	४६	३९	५७	२०	२३	०७	३२	४८	६	०५	७	१२	३३	२३	४	५५	६	१७
१३	बु	१	२७	४३	५९	५७	१९	२३	११	३२	४८	६	०५	७	१२	३३	२४	४	५५	६	१७
१४	गु	१	२८	४१	१८	५७	१९	२३	१४	३२	४९	६	०५	७	१३	३३	२५	४	५५	६	१७
१५	शु	१	२९	३८	३७	५७	१८	२३	१७	३२	४९	६	०५	७	१३	३३	२५	४	५६	६	१८

संक्रांति फलम्

ता. १५ जून २००७
द्वि.ज्ये. कृ. ३० भृगौ मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १५।२५ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः किंस्तुघ्न करणे प्रविष्टा मध्यमफलं कुकुटवाहनं वानरोपवाहनं अपमृत्यु-कारक श्यामवस्त्रं बाणायुधं वंशपात्रं शर्कराभक्षणं कपूरलेपनं संकरजातिः जपापुष्पं स्वर्णभूषणं पाण्डुरकंचुकी प्रव्राजिका-वस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १५।२५ से २१।४९ तक । (दान- वस्त्रान्न)

अयनांशाः २३।५६।४४
९ पं.द्वि.ज्ये.कृ. ९ श.इष्टघटी १५।२८
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	११	२	७	३	३	१०	१
२४	२४	१६	२०	०९	२६	१७	२३
०७	३४	००	३१	४०	३०	१५	५३
२३	३६	३८	१६	०४	४४	३५	२६
५७	४४	२७	७	५७	४	३	५७
२२	२८	१६	३७	११	५१	११	०५
मृ	रे	आ	ज्ये	पु	श्ले	श	मृ
१	३	३	२व	२	३	४	१

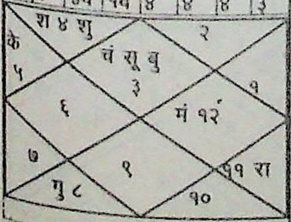


द्वि.ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, १६ जून से ३० जून तक   नवलगढ   चंद्रः | तारीख | ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः ५५५०, जून २००७

ति.	वा.	घ	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	श	१	३७	६	१७	आर्द्रा	३३	११	१८	५४	गं	२ ५५	१३ ४०	६ २७	३१ ५४	व	१	३७	६	१७	३४ २१	५ ३८	७ २२	मिथु.	२६	२९	१६	चंद्रदर्शनम् (मु.४५), करिदिनं, श्री गंगादशाश्वमेधस्नान A
२	श	५६	४७	२८	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A प्रा., मेषें अश्वि. भौमः २०।०९, वक्री बुधः १४।३३, D
३	र	५३	३६	२७	०४	पुन	३१	१२	१८	०७	ध्रु	५०	२९	२५	५०	तै	२४	५८	१५	३७	२१	३८	२३	कर्क १२।१५	२७	१	१७	रंभा व्रतं, प्रताप जयंती, जमादिलाखर ६, पातस्पर्शः १८।०५, E
४	सो	५२	१९	२६	३४	पुष्य	३१	०२	१८	०३	व्या	४६	४९	२४	२२	व	२२	४२	१४	४३	२२	३८	२३	कर्के	२८	२	१८	भ. १४।४३ उ. २६।३४ या. [E मोक्षः २४।२९
५	मं	५३	०२	२६	५१	श्ले	३२	४९	१८	४६	ह	४४	४४	२३	३२	ब	२२	२६	१४	३७	२२	३८	२३	सिंहे १८।४६	२९	३	१९	बुधास्तः पश्चिमायाम् ७।०१
६	बु	५५	४०	२७	५५	मघा	३६	३१	२०	१५	व	४४	११	२३	१९	कौ	२४	०७	१५	१७	२२	३९	२३	सिंहे	३०	४	२०	शत.-३ राहुः १६।२८, पूफा.-१ केतुः १६।२८
७	गु	५९	५९	२९	३९	पूफा	४१	५७	२२	२६	सि	४४	५९	२३	३८	ग	२७	३९	१६	४२	२२	३९	२४	कन्या २९।०४	३१	५	२१	भ. २९।३९ उ., सायन कर्के भानुः, सायन दक्षिणायन प्रारम्भ २३।३७
८	शु	...	...	...	...	उफा	४८	४२	२५	०८	व्य	४६	४९	२४	२३	वि	३२	३८	१८	४२	२२	३९	२४	कन्या	१	६	२२	भ. १८।४२ या., दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती, भा. आषाढारंभः, B
८	श	५	३२	७	५२	हस्त	५६	१२	२८	०८	व	४९	१६	२५	२२	ब	५	३२	७	५२	२२	३९	२४	कन्या	२	७	२३	[B आर्द्रा. रविः १५।०२ (सौरः २२।३२), अयन करिदिन
९	र	११	४१	१०	२०	चित्रा	...	...	...	...	प	५१	५३	२६	२५	कौ	११	४१	१०	२०	२२	४०	२४	तुला. १७।४०	३	८	२४	[D श्लेषा. शुक्रः २५।१२
१०	सो	१७	५१	१२	४८	चित्रा	३	४९	७	१२	शि	५४	११	२७	२०	ग	१७	५१	१२	४८	२२	४०	२४	तुला.	४	९	२५	भ. २५।५७ उ., गंगा दशहरा व्र.
११	मं	२३	२४	१५	०१	स्वा	१०	५९	१०	०४	सि	५५	५०	२८	००	वि	२३	२४	१५	०१	२१	४०	२५	तुला.	५	१०	२६	भ. १५।०१ या., निर्जला ११ व्र., पातस्पर्शः २६।२९
१२	बु	२७	५५	१६	५०	विशा	१७	१४	१२	३४	सा	५६	३७	२८	१९	बा	२७	५५	१६	५०	२१	४०	२५	वृश्चि. ५।५९	६	११	२७	प्रदोषः, पातमोक्षः ९।३९
१३	गु	३१	१३	१८	१०	अनु	२२	१८	१४	३६	शु	५६	२४	२८	१४	तै	३१	१३	१८	१०	२०	४१	२५	वृश्चि.	७	१२	२८	वट सावित्री व्रतारंभः [C व्र., कबीर जयंती
१४	शु	३३	१४	१८	५९	ज्ये	२६	०८	१६	०८	शु	५५	११	२७	४५	ग	२	२३	६	३८	२०	४१	२५	धनु. १६।०८	८	१३	२९	भ. १८।५९ उ.
१५	श	३४	००	१९	१७	मूल	२८	४५	१७	११	ब्र	५३	०१	२६	५४	वि	३	४६	७	१२	१९	४१	२५	धनु.	९	१४	३०	भ. ७।५२ या., मन्वादि, गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, अब्द साध्य C

अयनांशाः २३।५६।४६
१० पं द्वि.ज्यो.शु. १ श.इष्टघटी १५।२७
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

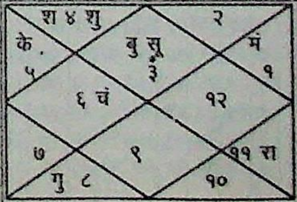
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	११	२	७	३	३	१०	२
००	२९	१७	१९	१६	२७	१६	००
४८	४४	३७	३८	१०	०६	५३	३२
४३	४१	३७	३४	०५	१५	२०	४५
५७	४४	३	७	५३	५	३	५७
१७	०४	५१	२१	३७	२२	११	००
मृ	रे	आ	ज्ये	पु	श्ले	श	मृ
३	४	४व	१व	४	४	४	३



जून		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१६	श	२	००	३५	५५	५७	१७	२३	२०	३२	५०	६	०५	७	१३	३३	२५	४	५६	६	१८
१७	र	२	०१	३३	१२	५७	१७	२३	२२	३२	५०	६	०६	७	१३	३३	२६	४	५६	६	१८
१८	चं	२	०२	३०	२९	५७	१६	२३	२४	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१८
१९	मं	२	०३	२७	४५	५७	१६	२३	२५	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९
२०	बु	२	०४	२५	०१	५७	१५	२३	२६	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९
२१	गु	२	०५	२२	१६	५७	१५	२३	२६	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९
२२	शु	२	०६	१९	३१	५७	१४	२३	२६	३२	५०	६	०६	७	१५	३३	२६	४	५७	६	१९
२३	श	२	०७	१६	४५	५७	१४	२३	२६	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	१९
२४	र	२	०८	१३	५९	५७	१४	२३	२५	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	२०
२५	चं	२	०९	११	१३	५७	१३	२३	२४	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	२०
२६	मं	२	१०	०८	२६	५७	१३	२३	२३	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५८	६	२०
२७	बु	२	११	०५	३९	५७	१३	२३	२१	३२	४९	६	०८	७	१५	३३	२५	४	५८	६	२०
२८	गु	२	१२	०२	५२	५७	१२	२३	१८	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२५	४	५८	६	२०
२९	शु	२	१३	००	०४	५७	१२	२३	१५	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२५	४	५९	६	२०
३०	श	२	१३	५७	१६	५७	१२	२३	१२	३२	४८	६	०९	७	१६	३३	२४	४	५९	६	२०

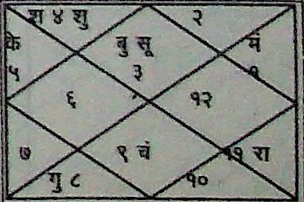
अयनांशाः २३।५६।४७
११ पं.द्वि.ज्ये.शु. ८ श.इष्टघटी १५।२४
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	०	२	७	३	३	१०	२
०७	०४	१५	१८	२२	२७	१६	०७
२९	५१	४७	४८	१२	४५	३१	११
३३	४५	५६	२७	२९	१०	०४	२९
५७	४३	२९	६	४९	५	३	५६
१४	३६	१३	५१	०६	४९	११	५६
आ	अ	आ	ज्ये	श्ले	श्ले	श	आ
१	२	३व	१व	२	४	३	१



अयनांशाः २३।५६।४८
१२ पं.द्वि.ज्ये.शु.१५ श.इष्टघटी १५।१९
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	०	२	७	३	३	१०	२
१४	०९	११	१८	२७	२८	१६	१३
१०	५५	५०	०२	३९	२७	०८	४९
०४	२५	४३	३४	४०	०६	४९	५१
५७	४३	३४	६	४३	६	३	५६
१२	०५	५७	०७	१८	१३	११	५४
आ	अ	आ	ज्ये	श्ले	श्ले	श	आ
३	३	२व	१व	४	४	३	३



आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, १ जुलाई से १४ जुलाई तक नवलगढ																							चंद्रः	तारीख			वर्षर्तू रविर्दक्षिणे द्वि.ज्येष्ठकृष्णेति महा., जुलाई २००७
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	र	३३	४०	१९	१०	पूषा	३०	१५	१७	४८	ऐ	५०	००	२५	४२	बा	३	५८	७	१७	३४ १८	५ ४२	७ २५	मक. २३।५३	१०	१५	१	जुलाई ७ ता. ३१
२	सो	३२	१९	१८	३८	उषा	३०	४७	१८	०१	वै	४६	१४	२४	११	तै	३	०६	६	५६	१७	४२	२५	मक.	११	१६	२	
३	मं	३०	०८	१७	४६	श्रव	३०	२७	१७	५३	वि	४१	४७	२२	२५	व	१	२०	६	१४	१६	४२	२५	कुंभे २९।४३	१२	१७	३	भ. ६।१४ उ. १७।४६ या., पंचक प्रारम्भः २९।४३, अंगारकी A
४	बु	२७	१२	१६	३५	धनि	२९	२२	१७	२८	प्री	३६	४४	२०	२४	बा	२७	१२	१६	३५	१५	४३	२५	कुंभे	१३	१८	४	[A चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।५०, सिंहे मघा. शुक्रः १९।४६
५	गु	२३	३३	१५	०८	शत	२७	३७	१६	४६	आ	३१	०८	१८	११	तै	२३	३३	१५	०८	१४	४३	२५	कुंभे	१४	१९	५	भर. भौमः ६।१२
६	शु	१९	१६	१३	२६	पूभा	२५	१३	१५	४९	सौ	२५	०२	१५	४४	व	१९	१६	१३	२६	१३	४४	२५	मीने १०।०४	१५	२०	६	भ. १३।२६ उ. २४।३० या., पुन. रविः १४।३९ (सौरः २३।५८)
७	श	१४	२३	११	२९	उभा	२२	१४	१४	३८	शो	१८	२६	१३	०६	ब	१४	२३	११	२९	१२	४४	२५	मीने	१६	२१	७	
८	र	८	५९	९	२०	रेव	१८	४३	१३	१४	अ	११	२४	१०	१८	कौ	८	५९	९	२०	१०	४४	२५	मेषे १३।१४	१७	२२	८	पंचक समाप्तिः १३।१४, बुधोदयः पूर्वस्याम् २७।४८
९	सो	३	०७	७	००	अश्वि	१४	४५	११	३९	सु	३ ५६	५९ १९	७ २८	२१ १७	ग	३	०७	७	००	०९	४५	२४	मेषे	१८	२३	९	भ. १७।४६ उ. २८।३१ या., पातस्पर्शः २९।०८
१०	सो	५६	५६	२८	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
११	मं	५०	३८	२६	००	भर	१०	३१	९	५८	शू	४८	३३	२५	१०	व	२३	४६	१५	१६	०७	४५	२४	वृषे १५।३२	१९	२४	१०	योगिनी ११ व्र.स्मार्त, पातमोक्षः १०।५०, मार्गी बुधः २०।४३
१२	बु	४४	२५	२३	३२	कृति	६	१३	८	१५	गं	४०	५२	२२	०७	कौ	१७	२८	१२	४५	०६	४६	२४	वृषे	२०	२५	११	योगिनी ११ व्र.वैष्ण.
१३	गु	३८	३८	२१	१३	रोहि	२ ५८	०७ ३२	६ २५	३७ ११	वृ	३३	२९	१९	१०	ग	११	२७	१०	२१	०४	४६	२४	मिथु. १७।५२	२१	२६	१२	भ. २१।१३ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
१४	शु	३३	३३	१९	१२	आर्द्रा	५५	४५	२८	०५	धु	२६	४०	१६	२७	वि	५	५७	८	१०	०२	४७	२४	मिथु.	२२	२७	१३	भ. ८।१० या.
३०	श	२९	२७	१७	३४	पुन	५४	०४	२७	२५	व्या	२०	३८	१४	०३	च	१	२१	६	२०	०१	४७	२३	कर्के २१।३२	२३	२८	१४	देवपितृकार्येऽमा., सिंहे मघा.-१ शनिः १६।२५

अयनांशाः २३।५६।४९
१३ पं. आ.कृ. ७ श. इष्टघटी १५।१२
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	०	२	७	४	३	१०	२
२०	१४	०८	१७	०२	२९	१५	२०
५०	५५	३९	२२	२१	११	४६	२८
२६	१५	२१	२२	१४	४४	३४	०४
५७	४२	१२	५	३५	६	३	५६
१२	३०	१६	१२	४५	३४	११	५३
पुन	भ	आ	ज्ये	म	श्ले	श	पुन
१	१	१व	१व	१	४	३	१



जुलाई रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१	र	२	१४	५४	२८	५७	१२	२३	०९	३२	४८	६	०९	७	१६	३३	२३	४	५९	६	२१
२	चं	२	१५	५१	४०	५७	१२	२३	०५	३२	४७	६	०९	७	१६	३३	२३	४	५९	६	२१
३	मं	२	१६	४८	५२	५७	१२	२३	००	३२	४७	६	०९	७	१६	३३	२२	५	००	६	२१
४	बु	२	१७	४६	०४	५७	१२	२२	५५	३२	४६	६	१०	७	१६	३३	२१	५	००	६	२१
५	गु	२	१८	४३	१६	५७	१२	२२	५०	३२	४५	६	१०	७	१६	३३	२०	५	०१	६	२१
६	शु	२	१९	४०	२७	५७	१२	२२	४५	३२	४४	६	१०	७	१६	३३	१९	५	०१	६	२१
७	श	२	२०	३७	३९	५७	१२	२२	३९	३२	४४	६	११	७	१६	३३	१८	५	०१	६	२१
८	र	२	२१	३४	५१	५७	१२	२२	३२	३२	४३	६	११	७	१६	३३	१७	५	०२	६	२१
९	चं	२	२२	३२	०२	५७	१२	२२	२५	३२	४२	६	११	७	१६	३३	१६	५	०२	६	२०
१०	मं	२	२३	२९	१४	५७	१२	२२	१८	३२	४१	६	१२	७	१६	३३	१५	५	०२	६	२०
११	बु	२	२४	२६	२६	५७	१२	२२	११	३२	४०	६	१२	७	१६	३३	१४	५	०३	६	२०
१२	गु	२	२५	२३	३९	५७	१२	२२	०३	३२	३९	६	१२	७	१६	३३	१२	५	०३	६	२०
१३	शु	२	२६	२०	५१	५७	१३	२१	५४	३२	३८	६	१३	७	१६	३३	११	५	०४	६	२०
१४	श	२	२७	१८	०४	५७	१३	२१	४६	३२	३६	६	१३	७	१६	३३	१०	५	०४	६	२०

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार होने से नेष्ट,और पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। कृष्णा द्वितीया को सोमवार होने से सुभिक्ष हो। कृष्णा तीज को श्रवण होने से समर्घता हो। कृष्णा नौमी को सोमवार होने से सुभिक्ष हो। कृष्णा त्रयोदशी में रोहिणी होने से उत्तम पवन चले। शनिवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष और पुनर्वसु योग समर्घता कारक है। शुक्ला पंचमी को गुरुवार होने से आंधी - तूफान चले। पूर्णिमा श्रवण युक्त होने से समर्ध और पूर्वाषाढा का अभाव होने से महर्धता हो। पूर्णिमा पन्द्रह घटी से भी कम है अतःमहर्घता हो, फलों में न्यूनाधिकता हो।

अयनांशाः २३।५६।५०
१४ पं. आ.कृ.३० श. इष्टघटी १५।०४
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

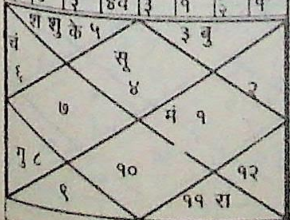
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	०	२	७	४	३	१०	२
२७	१९	०९	१६	०६	२९	१५	२७
३०	५०	०४	४९	०३	५८	२४	०६
५१	५०	५८	०४	१७	४१	१८	२३
५७	४१	२५	४	२५	६	३	५६
१३	५१	४९	०८	५२	५३	११	५५
पुन	भ	आ	ज्ये	म	श्ले	श	पुन
३	२	१	१व	२	४	३	३



आषाढ शुक्लपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, १५ जुलाई से ३० जुलाई तक नवलगढ																								चंद्रः		तारीख			वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ५५७९, जुलाई २००७
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा		भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	र	२६	३९	१६	२७	पुष्य	५३	४६	२७	१८	ह	१५	३८	१२	०३	ब	२६	३९	१६	२७	३३ ५९	५ ४८	७ २३	कर्के		२४	२९	१५	चंद्रदर्शनम् (मु.३०)
२	सो	२५	२०	१५	५६	श्ले	५५	०१	२७	४९	व	११	४७	१०	३१	कौ	२५	२०	१५	५६	५७	४८	२३	सिंहे २७।४९		२५	१	१६	श्री जगदीश रथ यात्रा, रज्जव ७, कर्के रविः २६।२२, निरयन B
३	मं	२५	४१	१६	०५	मघा	५७	५५	२८	५९	सि	९	१८	९	३०	ग	२५	४१	१६	०५	५५	४९	२३	सिंहे		२६	२	१७	भ. २८।२४ उ., कर्के सौरः १३।०१
४	बु	२७	४१	१६	५४	पूफा	...	...	...	...	व्य	८	०१	९	०२	वि	२७	४१	१६	५४	५२	४९	२२	सिंहे		२७	३	१८	भ. १६।५४ या. [B दक्षिणायनारंभः, (व) अनु.-४ गुरुः १७।५६
५	गु	३१	१९	१८	२१	पूफा	२	२४	६	४७	व	८	०५	९	०४	बा	३१	१९	१८	२१	५०	५०	२२	कन्या १३।२०		२८	४	१९	[A गोपद्मव्रतारंभ, वृषे भौमः ७।१६
६	शु	३६	१६	२०	२१	उफा	८	२०	९	१०	प	९	१६	९	३२	कौ	३	३८	७	१७	४८	५०	२१	कन्या		२९	५	२०	स्कंध षष्ठी, पुष्ये रविः १४।१३ (सौरः २५।१७)
७	श	४२	०५	२२	४१	हस्त	१५	१९	११	५८	शि	११	१६	१०	२१	ग	९	०५	९	२९	४६	५१	२१	तुला. २५।२८		३०	६	२१	भ. २२।४१ उ.
८	र	४८	१३	२५	०८	चित्रा	२२	५०	१४	५९	सि	१३	४५	११	२१	वि	१५	०९	११	५५	४३	५१	२१	तुला.		३१	७	२२	भ. ११।५५ या.
९	सो	५३	५८	२७	२७	स्वा	३०	१४	१७	५७	सा	१६	१०	१२	२०	बा	२१	१०	१४	२०	४१	५२	२०	तुला.		१	८	२३	भड़ली ९, भा. श्रावणारंभः, पातस्पर्शः १२।३७, मोक्षः १८।२७, D
१०	मं	५८	४७	२९	२३	विशा	३६	५४	२०	३८	शु	१८	०८	१३	०७	तै	२६	३०	१६	२८	३८	५२	२०	वृश्चि. १४।००		२	९	२४	मन्वादि, आशा दशमी, कृत्ति. भौमः ९।०१
११	बु	...	...	...	...	अनु	४२	२३	२२	५०	शु	१९	१४	१३	३४	व	३०	४०	१८	०९	३६	५३	१९	वृश्चि.		३	१०	२५	भ. १८।०९ उ. [D सायन सिंहे भानुः १०।३६
११	गु	२	११	६	४६	ज्ये	४६	२२	२४	२६	ब्र	१९	११	१३	३४	वि	२	११	६	४६	३३	५३	१९	धनु. २४।२६		४	११	२६	भ. ६।४६ या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास व्रतारंभः, C
१२	शु	४	०४	७	३२	मूल	४८	४९	२५	२६	ऐ	१७	५५	१३	०४	बा	४	०४	७	३२	३१	५४	१८	धनु.		५	१२	२७	प्रदोषः, श्रावणे वर्जयेच्छाकम्, जया पार्वती व्रतं
१३	श	४	२३	७	४०	पूषा	४९	४७	२५	४९	वै	१५	२५	१२	०४	तै	४	२३	७	४०	२८	५४	१८	धनु.		६	१३	२८	वक्री शुक्रः १०।४९ [C गोपद्मव्रतोद्यापनं, पुन. बुधः १२।११
१४	र	३	१३	७	१२	उषा	४९	२६	२५	४१	वि	११	४५	१०	३७	व	३	१३	७	१२	२५	५५	१७	मक. ७।५०		७	१४	२९	भ. ७।१२ उ. १८।४६ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतं. वायु परीक्षा, A
१५	सो	०	४६	६	१४	श्रव	४७	५९	२५	०७	प्री	७	०६	८	४६	ब	०	४६	६	१४	२२	५५	१६	मक.		८	१५	३०	पूर्णिमा पुण्यं, व्यासपूजा, गुरु पूर्णिमा

अयनांशाः २३।५६।५१
१५ पं. आ.शु. ७ श. इष्टघटी १४।५६
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	०	२	७	४	४	१०	३
०४	२४	१३	१६	०८	००	१५	०३
११	४१	५८	२३	२७	४७	०२	४५
३१	४२	५६	३६	५१	३६	०३	००
५७	४१	६२	२	१३	७	३	५६
१६	०८	३२	५७	०८	०८	११	५९
पु	म	आ	अनु	पू	म	श	पु
१	४	३	४व	३	१	२	१



जुलाई रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेलवे-टाईम						कलकता रेलवे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१५	र	२	२८	१५	४७	५७	१३	२१	३७	३२	३५	६	१३	७	१६	३३	०८	५	०४	६	२०
१६	चं	२	२९	१२	३०	५७	१४	२१	२७	३२	३४	६	१४	७	१५	३३	०६	५	०५	६	१९
१७	मं	३	००	०९	४४	५७	१४	२१	१७	३२	३३	६	१४	७	१५	३३	०५	५	०५	६	१९
१८	बु	३	०१	०६	५८	५७	१४	२१	०७	३२	३१	६	१५	७	१५	३३	०३	५	०६	६	१९
१९	गु	३	०२	०४	१२	५७	१५	२०	५७	३२	३०	६	१५	७	१५	३३	०२	५	०६	६	१९
२०	शु	३	०३	०१	२७	५७	१५	२०	४६	३२	२८	६	१५	७	१५	३३	००	५	०६	६	१८
२१	श	३	०३	५८	४३	५७	१६	२०	३५	३२	२७	६	१६	७	१४	३२	५८	५	०७	६	१८
२२	र	३	०४	५५	५८	५७	१६	२०	२३	३२	२५	६	१६	७	१४	३२	५६	५	०७	६	१८
२३	चं	३	०५	५३	१५	५७	१७	२०	११	३२	२४	६	१६	७	१४	३२	५४	५	०८	६	१७
२४	मं	३	०६	५०	३२	५७	१८	१९	५९	३२	२२	६	१७	७	१३	३२	५२	५	०८	६	१७
२५	बु	३	०७	४७	४९	५७	१८	१९	४६	३२	२०	६	१७	७	१३	३२	५०	५	०८	६	१७
२६	गु	३	०८	४५	०७	५७	१९	१९	३३	३२	१९	६	१७	७	१३	३२	४८	५	०९	६	१६
२७	शु	३	०९	४२	२६	५७	१९	१९	२०	३२	१७	६	१८	७	१२	३२	४६	५	०९	६	१६
२८	श	३	१०	३९	४६	५७	२०	१९	०७	३२	१५	६	१८	७	१२	३२	४४	५	१०	६	१५
२९	र	३	११	३७	०६	५७	२१	१८	५३	३२	१३	६	१८	७	१२	३२	४२	५	१०	६	१५
३०	चं	३	१२	३४	२७	५७	२२	१८	३९	३२	१२	६	१९	७	११	३२	४०	५	११	६	१४

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २००७
आषा. शु. २ चंद्रे कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २६।२२ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १४।२२ से २६।२२ तक । (दान- घृत, धेनु) ।

अयनांशाः २३।५६।५२
१६ पं. आ.शु.१३ श. इष्टघटी १४।४६
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	०	२	७	४	४	१०	३
१०	२९	२२	१६	०९	०१	१४	१०
५२	२७	५३	०६	५४	३८	३९	२४
३५	१८	१६	३८	२५	०९	४७	०९
५७	४०	१३	१	२	७	३	५७
२०	२१	४६	४२	२८	२०	११	०५
पु	कृ	पुन	अनु	म	म	श	पु
३	१	१	४व	३व	१	३	३



श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, ३१ जुलाई से १२ अगस्त तक नवलगढ

वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे आषाढकृष्णेति महा., जुलाई-अगस्त २००७

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै.	टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	
१	सो	५७	१६	२८	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[A कर्के बुधः १८।०३, शनेरस्तः पश्चिमायाम् १९।२३
२	मं	५२	५४	२७	००	धनि	४५	३९	२४	१२	आ	१ ५५	३५ २५	६ २८	३४ ०६	तै	२५	०९	१६	००	३३ १९	५ ५६	७ १६	कुंभे	१२।४२	९	१६	३१	पंचक प्रारम्भः १२।४२
३	बु	४७	५४	२५	०६	शत	४२	४०	२३	००	सो	४८	४४	२५	२६	व	२०	२८	१४	०८	१७	५६	१५	कुंभे		१०	१७	१	भ. १४।०८ उ. २५।०६ या., अगस्त ८ ता. ३१, तिलकपुण्यतिथि, A
४	गु	४२	२७	२२	५६	पूभा	३९	१२	२१	३८	अ	४१	४०	२२	३७	ब	१५	१२	१२	०२	१४	५७	१४	मीने	१५।५९	११	१८	२	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।३२
५	शु	३६	४३	२०	३९	उभा	३५	२८	२०	०९	सु	३४	२२	१९	४२	कौ	९	३६	९	४८	११	५८	१४	मीने		१२	१९	३	नागपञ्चमी (मरु.), श्लेषा. रविः १३।०९ (सौरः २५।४३), B
६	श	३०	५२	१८	१९	रेव	३१	३५	१८	३६	धृ	२६	५७	१६	४५	ग	३	४७	७	२९	०७	५८	१३	मेषे	१८।३६	१३	२०	४	भ. १८।१९ उ. २९।०९ या., पंचक समाप्तिः १८।३६
७	र	२५	०१	१५	५९	अश्वि	२७	४२	१७	०३	शू	१९	३२	१३	४७	ब	२५	०१	१५	५९	०४	५९	१२	मेषे		१४	२१	५	पातस्पर्शः ९।३८, मोक्षः १४।०२, बुधास्तः पूर्वस्याम् २१।१८
८	सो	१९	१७	१३	४२	भर	२३	५८	१५	३४	गं	१२	१३	१०	५२	कौ	१९	१७	१३	४२	०१	५९	१२	वृषे	२१।१३	१५	२२	६	[B पुष्ये बुधः १३।२५
९	मं	१३	५१	११	३२	कृति	२०	३२	१४	१३	वृ	५ ५८	०७ २३	८ २९	०२ २१	ग	१३	५१	११	३२	३२ ५८	६ ००	११	वृषे		१६	२३	७	भ. २२।३१ उ., [शुक्रास्तः पश्चिमायाम् १५।२४] C
१०	बु	८	५३	९	३३	रोहि	१७	३४	१३	०२	व्या	५२	०५	२६	५०	वि	८	५३	९	३३	५५	००	१०	मिथु.	२४।३२	१७	२४	८	भ. ९।३३ या.
११	गु	४	३१	७	४९	मृग	१५	१४	१२	०६	ह	४६	२४	२४	३४	बा	४	३१	७	४९	५१	०१	०९	मिथु.		१८	२५	९	कामिका ११ व्र., श्लेषा. बुधः २९।१७
१२	शु	०	५४	६	२३	आर्द्रा	१३	४२	११	३०	व	४१	२६	२२	३६	तै	०	५४	६	२३	४८	०१	०८	कर्के	२९।१८	१९	२६	१०	भ. २९।२० उ., प्रदोषः, मघा.-२ शनिः २७।१९
१३	शु	५८	१६	२९	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[C मार्गी गुरुः १८।२५,
१४	श	५६	४२	२८	४२	पुन	१३	०८	११	१७	सि	३७	१९	२०	५७	वि	२७	२०	१६	५८	४५	०२	०८	कर्के		२०	२७	११	भ. १६।५८ या., मासिकशिवरात्री व्र.
३०	र	५६	१८	२८	३३	पुष्य	१३	३९	११	३०	व्य	३४	०६	१९	४१	च	२६	२०	१६	३४	४१	०२	०७	कर्के		२१	२८	१२	देवपितृकार्येऽमा., हरियाली ३०

शुक्रास्तः

अयनांशाः २३।५६।५३
१७ पं. श्रा.कृ. ६ श. इष्टघटी १४।३७
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	१	३	७	४	४	१०	३
१७	०४	०५	१५	०८	०२	१४	१७
३४	०७	०६	५८	०६	२९	१७	०४
१४	०६	४६	३२	०९	५८	३२	०३
५७	३२	११३	०	११	७	३	५७
२६	२८	०८	२५	२५	२९	११	१२
श्ले	कृ	पु	अनु	म	म	श	श्ले
१	३	१	४व	३व	१	३	१



जुलाई रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि.	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
३१ म	३	१३	३१	४८	५७	२३	१८	२४	३२	१०	६	१९	७	११	३२	३७	५	११	६	१४
१ बु	३	१४	२९	११	५७	२३	१८	०९	३२	०८	६	१९	७	१०	३२	३५	५	११	६	१३
२ गु	३	१५	२६	३४	५७	२४	१७	५४	३२	०६	६	२०	७	१०	३२	३३	५	१२	६	१३
३ शु	३	१६	२३	५९	५७	२५	१७	३९	३२	०४	६	२०	७	१०	३२	३०	५	१२	६	१२
४ श	३	१७	२१	२४	५७	२६	१७	२३	३२	०२	६	२०	७	०९	३२	२८	५	१३	६	१२
५ र	३	१८	१८	५०	५७	२७	१७	०७	३२	००	६	२१	७	०९	३२	२५	५	१३	६	११
६ चं	३	१९	१६	१७	५७	२८	१६	५१	३१	५८	६	२१	७	०८	३२	२३	५	१३	६	११
७ मं	३	२०	१३	४५	५७	२९	१६	३५	३१	५६	६	२१	७	०८	३२	२०	५	१४	६	१०
८ बु	३	२१	११	१४	५७	३०	१६	१८	३१	५४	६	२२	७	०७	३२	१८	५	१४	६	०९
९ गु	३	२२	०८	४४	५७	३१	१६	०१	३१	५२	६	२२	७	०६	३२	१५	५	१५	६	०९
१० शु	३	२३	०६	१५	५७	३२	१५	४३	३१	४९	६	२२	७	०६	३२	१३	५	१५	६	०८
११ श	३	२४	०३	४७	५७	३३	१५	२६	३१	४७	६	२२	७	०५	३२	१०	५	१५	६	०७
१२ र	३	२५	०१	२०	५७	३४	१५	०८	३१	४५	६	२३	७	०५	३२	०७	५	१६	६	०७

मास फलम्

इस माह में कृष्णपक्ष तेरह दिन का होने से प्रजा में बीमारी महर्घता आदिक उपद्रव हों। श्रावण में पांच मंगलवार होने से महाभय हो। श्रावण ॥ एकादशी को मृगशिरा होने से दुर्भिक्ष हो। अमावस्या को रविवार और पुष्य होने से अरिष्टकारी योग बनता है। पूर्णिमा धनिष्ठा युक्त होने से शुभ फल दायिनी है लेकिन श्रवण का अभाव होने से महर्घता हो। शुक्रवार की सक्रांति होने से प्रजासुखी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैस हाथी घोडा मोटर गाडी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे।

अयनांशाः २३।५६।५४
१८ पं. श्रा.कृ.१४.श. इष्टघटी १४।२८
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	१	३	७	४	४	१०	३
२४	०८	१९	१५	०५	०३	१३	२३
१६	४०	१७	५९	०४	२२	५५	४४
३९	२६	५३	२९	३६	४१	१७	५४
५७	३८	१२४	०	३३	७	३	५७
३४	२९	०५	५३	३०	३५	११	२१
श्ले	कृ	श्ले	अनु	म	म	श	श्ले
३	४	१	४	२व	२	३	३



श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९. १३ अगस्त से २८ अगस्त तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ५६०८, अगस्त २००७

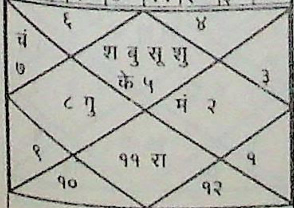
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	सो	५७	१२	२८	५५	श्ले	१५	२२	१२	१२	ब	३१	५४	१८	४८	किं	२६	३५	१६	४१	३२ ३८	६ ०३	७ ०६	सिंहे १२।१२	२२	२९	१३	रोटक व्रतारंभः, सोमेश्वरपूजनं, रोहि. भौमः १३।३३
२	मं	५९	२४	२९	४९	मघा	१८	२१	१३	२४	प	३०	४३	१८	२०	बा	२८	०७	१७	१८	३५	०३	०५	सिंहे	२३	३०	१४	चंद्रदर्शनम्(मु.३०), श्रृंगार(सिंधारा) देशाचारे [L ८।३५, मोक्षः १३।२२
३	बु	...	...	...	...	पूफा	२२	३७	१५	०७	शि	३०	३२	१८	१६	तै	३०	५९	१८	२७	३१	०४	०४	कन्या २१।३७	२४	१	१५	तीज, स्वर्णगौरी व्र., मधुश्रवा व्र.(गुर्जरे), सावान ८, सुकृत तृतीया D
३	गु	२	५२	७	१३	उफा	२८	०६	१७	१९	सि	३१	२०	१८	३६	ग	२	५२	७	१३	२८	०४	०३	कन्या	२५	२	१६	भ. २०।०६ उ., वरद चतुर्थी, दूर्वागणपति व्र., सिंहे मघा. बुधः १७।१३
४	शु	७	३३	९	०६	हस्त	३४	३९	१९	५६	सा	३२	५८	१९	१६	वि.	७	३३	९	०६	२४	०५	०२	कन्या	२६	३	१७	भ. ९।०६ या., सिंहे मघा. रविः १०।५१ (सौरः २४।३६)
५	श	१३	१०	११	२१	चित्रा	४१	५६	२२	५२	शु	३५	११	२०	१०	बा	१३	१०	११	२१	२०	०५	०१	तुला. ९।२३	२७	४	१८	कल्की जयंती, नागपञ्चमी, नागदष्ट व्र., वर्णषष्ठी, पातस्पर्शः L
६	र	१९	१७	१३	४९	स्वा	४९	३०	२५	५४	शु	३७	३९	२१	१०	तै	१९	१७	१३	४९	१७	०६	०१	तुला.	२८	५	१९	(व) कर्के श्लेषा. शुक्रः १७।२९ [G अथर्ववेदि उपाकर्म, ज्येष्ठा.-१ C
७	सो	२५	२२	१६	१५	विशा	५६	४३	२८	४७	ब्र	३९	५७	२२	०५	व	२५	२२	१६	१५	१३	०६	००	वृश्चि. २२।०५	२९	६	२०	भ. १६।१५ उ. २९।२३ या., शीतला, तुलसीजयंती [C गुरुः १८।१८
८	मं	३०	४५	१८	२५	अनु	...	...	...	...	ऐ	४१	३८	२२	४६	ब	३०	४५	१८	२५	१०	०७	६ ५९	वृश्चि.	३०	७	२१	दुर्गाष्टमी [B केशीय, आपस्तंभ, बौधायन, काण्वमध्यन्दिन(कात्या.), G
९	बु	३४	५५	२०	०५	अनु	३	००	७	१९	वै	४२	१९	२३	०३	बा	३	००	७	१९	०६	०७	५८	वृश्चि.	३१	८	२२	शत.-२ राहुः १४।०७, मघा.-४ केतुः १४।०७ [F १७।४६, पूफा. बुधः १३।३७
१०	गु	३७	२८	२१	०७	ज्ये	७	५४	९	१७	वि	४१	४२	२२	४८	तै	६	२४	८	४१	०२	०८	५७	धनु. ९:५७	१	९	२३	शुक्रोदयः पूर्वस्याम् ७।४९ भा. भाद्रपदारंभः, सायनकन्यायां भानुः F
११	शु	३८	१२	२१	२५	मूल	११	०७	१०	३५	प्री	३९	४०	२२	००	व	८	०३	९	२१	३१ ५९	०८	५६	धनु.	२	१०	२४	भ. ९।२१ उ. २१।२५ या., पवित्रा ११ व्र. [D व्र. भारतीयस्वतंत्रतादिवस
१२	श	३७	०७	२०	५९	पूषा	१२	३२	११	१०	आ	३६	१३	२०	३८	ब	७	५२	९	१७	५५	०९	५५	मक. १७।१२	३	११	२५	दधिभक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं [A जयंती, यजुर्वेदि, तैतरीय, हिरण्य B
१३	र	३४	२०	१९	५३	उषा	१२	१४	११	०३	सौ	३१	२३	१८	४२	कौ	५	५५	८	३१	५१	०९	५४	मक.	४	१२	२६	प्रदोषः [H प्रारम्भः २१।४४, ऋग्वेदि उपाकर्म, अगस्त्योदयः २०।५९
१४	सो	३०	०६	१८	१२	श्रव	१०	२३	१०	१९	शो	२५	२१	१६	१८	ग	२	२३	७	०७	४७	१०	५३	कुंभे २१।४४	५	१३	२७	भ. १८।१२ उ. २९।१० या., सूणमाण्डणा (भद्रा के पूर्व), पंचक H
१५	मं	२४	३७	१६	०१	धनि	७	१२	९	०३	अ	१८	१७	१३	२९	ब	२४	३७	१६	०१	४३	१०	५१	कुंभे	६	१४	२८	पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, रक्षाबंधनं श्रावणी(मरु), नारियल १५, हयग्रीव A

अयनांशाः २३।५६।५५

१९ पं. श्रा.शु. ५ श. इष्टघटी १४।१९

(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	१	४	७	४	४	१०	४
००	१३	०३	१६	००	०४	१३	००
५९	०६	३२	०९	४७	१५	३३	२६
५९	३६	५२	२७	५०	५८	०१	५३
५७	३७	११८	२	३८	७	३	५७
४२	२४	१६	०९	४४	३८	११	३२
म	रो	म	अनु	म	म	श	म
१	१	२	४	१व	२	३	१



अगस्त रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१३ चं	३	२५	५८	५५	५७	३६	१४	५०	३१	४३	६	२३	७	०४	३२	०५	५	१६	६	०६
१४ मं	३	२६	५६	३०	५७	३७	१४	३२	३१	४१	६	२३	७	०३	३२	०२	५	१६	६	०५
१५ बु	३	२७	५४	०७	५७	३८	१४	१३	३१	३८	६	२३	७	०३	३१	५९	५	१७	६	०४
१६ गु	३	२८	५१	४५	५७	३९	१३	५५	३१	३६	६	२४	७	०२	३१	५६	५	१७	६	०४
१७ शु	३	२९	४९	२५	५७	४१	१३	३६	३१	३४	६	२४	७	०१	३१	५४	५	१७	६	०३
१८ श	४	००	४७	०५	५७	४२	१३	१७	३१	३१	६	२४	७	०१	३१	५१	५	१८	६	०२
१९ र	४	०१	४४	४७	५७	४३	१२	५७	३१	२९	६	२४	७	००	३१	४८	५	१८	६	०१
२० चं	४	०२	४२	३१	५७	४५	१२	३८	३१	२७	६	२५	६	५९	३१	४५	५	१८	६	०१
२१ मं	४	०३	४०	१५	५७	४६	१२	१८	३१	२४	६	२५	६	५९	३१	४२	५	१९	६	००
२२ बु	४	०४	३८	०१	५७	४७	११	५८	३१	२२	६	२५	६	५८	३१	३९	५	१९	५	५९
२३ गु	४	०५	३५	४९	५७	४९	११	३८	३१	२०	६	२५	६	५७	३१	३७	५	१९	५	५८
२४ शु	४	०६	३३	३८	५७	५०	११	१८	३१	१७	६	२६	६	५६	३१	३४	५	२०	५	५७
२५ श	४	०७	३१	२८	५७	५२	१०	५७	३१	१५	६	२६	६	५६	३१	३१	५	२०	५	५६
२६ र	४	०८	२९	२०	५७	५३	१०	३६	३१	१२	६	२६	६	५५	३१	२८	५	२०	५	५५
२७ चं	४	०९	२७	१३	५७	५५	१०	१६	३१	१०	६	२६	६	५४	३१	२५	५	२१	५	५५
२८ मं	४	१०	२५	०८	५७	५६	९	५५	३१	०७	६	२६	६	५३	३१	२२	५	२१	५	५४

संक्रांति फलम्

ता. १७ अगस्त २००७

श्रा. शु. ४ भृगौ सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १०।५१ वारात् ५ नक्षत्रात् ५ वारनाम मिश्रा पशून् सुस्पदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्पदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मुं. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रास्तः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः गुरौ (स्टै.) २८।२७ से भृगौ १०।५१ तक । (दान- छत्र) ।

अयनांशाः २३।५६।५६

२० पं. श्रा.शु.१२ श. इष्टघटी १४।११

(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	१	४	७	३	४	१०	४
०७	१७	१६	१६	२६	०५	१३	०७
४४	२४	५४	२८	२९	०९	१०	१०
२४	४६	०७	१५	४९	२६	४६	११
५७	३६	१०९	३	३२	७	३	५७
५२	१०	१३	२३	१४	३८	११	४४
म	रो	पूफा	अनु	श्ले	म	श	म
३	३	२	४	३व	२	२	३



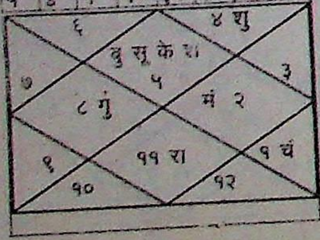
भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, २९ अगस्त से ११ सितंबर तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | शरदृतू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति महा., अगस्त-सितंबर २००७

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	
१	बु	१८	१४	१३	२८	शत	३ ५८	०१ ०८	७ २९	२३ २६	सु	१०	२८	१०	२२	कौ	१८	१४	१३	२८	३१ ४०	६ ११	६ ५०	मीने २३।५६	७	१५	२९	[A २५।१०, पातस्पर्शः ८।१८, मोक्षः ११।५४, पूफा. रविः ६।५१ D
२	गु	११	१३	१०	४०	उभा	५२	५०	२७	१९	धृ	२ ५३	०४ २२	७ २७	०० ३२	ग	११	१३	१०	४०	३६	११	४९	मीने	८	१६	३०	भ. २१।१३ उ., कज्जली(बूंदी ३), उफा. बुधः २४।१६
३	शु	३	५३	७	४५	रेव	४७	२६	२५	१०	गं	४४	३६	२४	०२	वि	३	५३	७	४५	३२	११	४८	मेषे २५।१०	९	१७	३१	भ. ७।४५ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।४०, पंचक समाप्तिः A
४	शु	५६	३२	२८	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[D (सौरः २१।२०)
५	श	४९	२६	२५	५८	अश्वि	४२	१६	२३	०६	वृ	३५	५९	२०	३६	कौ	२२	५६	१५	२२	२८	१२	४७	मेषे	१०	१८	१	सितंबर १ ता. ३०, कन्यायां बुधः २३।४२
६	र	४२	५२	२३	२१	भर	३७	३४	२१	१४	ध्रु	२७	४५	१७	१८	ग	१६	०३	१२	३८	२४	१२	४६	वृषे २६।४९	११	१९	२	भ. २३।२१ उ., बृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), हलषष्ठी, C ·
७	सो	३७	०१	२१	०१	कृति	३३	३६	१९	३९	व्या	२०	०३	१४	१४	वि	९	५०	१०	०९	२०	१३	४५	वृषे	१२	२०	३	भ. १०।०९ या., जन्माष्टमी व्र. स्मा., शीतला व्र. [C चंद्रषष्ठी (मरु.)
८	मं	३२	०६	१९	०४	रोहि	३०	३२	१८	२६	ह	१३	०६	११	२८	बा	४	२६	८	००	१६	१३	४४	मिथु. २९।५९	१३	२१	४	मन्वादि, जन्माष्टमी व्र. वैष्ण., मृगे भौमः १३।२६, बुधोदयः B
९	बु	२८	१६	१७	३२	मृग	२८	३३	१७	३९	व	६	५८	९	०१	तै	०	०३	६	१५	१२	१४	४३	मिथु.	१४	२२	५	भ. २८।५७ उ., गोगानवमी [B पश्चिमायाम् १७।५२
१०	गु	२५	३७	१६	२९	आर्द्रा	२७	४३	१७	१९	सि	९ ५७	४६ ३२	६ २९	५७ १५	वि	२५	३७	१६	२९	०८	१४	४२	मिथु.	१५	२३	६	भ. १६।२९ या., मघा.-३ शनिः १०।०७, शनेरुदयः पूर्वस्याम् २१।३६
११	शु	२४	१०	१५	५५	पुन	२८	०४	१७	२८	व	५४	१६	२७	५७	बा	२४	१०	१५	५५	०४	१५	४०	कर्के ११।२३	१६	२४	७	अजा ११ व्र., जैनपर्युषण, वत्सपूजा, हस्ते बुधः २९।५१
१२	श	२३	५६	१५	५०	पुष्य	२९	३७	१८	०६	प	५१	५४	२७	०१	तै	२३	५६	१५	५०	०१	१५	३९	कर्के	१७	२५	८	प्रदोषः
१३	र.	२४	५२	१६	१३	श्ले	३२	१८	१९	११	शि	५०	२८	२६	२७	व	२४	५२	१६	१३	३० ५७	१६	३८	सिंहे १९।११	१८	२६	९	भ. १६।१३ उ. २८।३४ या., मासिकशिवरात्री व्र., मार्गी शुक्रः १२।२७
१४	सो	२६	५४	१७	०२	मघा	३६	०२	२०	४१	सि	४९	५०	२६	१२	श	२६	५४	१७	०२	५३	१६	३७	सिंहे	१९	२७	१०	कुशांग्रहणी, पिठोरी ३०
३०	मं	२९	५८	१८	१६	पूफा	४०	४६	२२	३५	सा	४९	५९	२६	१६	ना	२९	५८	१८	१६	४९	१६	३६	कन्या २९।०७	२०	२८	११	देवपितृकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, लोहार्गल स्ना., मातृ ३०

अयनांशाः २३।५६।५७
२१ पं. भा.कृ. ५ श. इष्टघटी १४।०२
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	९	४	७	३	४	१०	४
१४	२१	२९	१६	२३	०६	१२	१३
३०	३३	१०	५५	२५	०२	४८	५४
०१	५७	२८	३४	४८	४५	३०	५८
५८	३४	९९	४	१७	७	३	५७
०३	४८	५३	३४	२१	३५	११	५७
पूफा	रो	उफा	ज्ये	श्ले	म	श	पूफा
१	४	१	१	३व	२	२	१



अगस्त रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेलवे-टाईम						कलकता रेलवे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२९	बु	४	११	२३	०४	५७	५८	९	३३	३१	०५	६	२७	६	५३	३१	१९	५	२१	५	५२
३०	गु	४	१२	२१	०२	५८	००	९	१२	३१	०२	६	२७	६	५२	३१	१६	५	२२	५	[illegible]
३१	शु	४	१३	१९	०२	५८	०१	८	५१	३१	००	६	२७	६	५१	३१	१३	५	२२	५	५१
१	श	४	१४	१७	०३	५८	०३	८	२९	३०	५७	६	२७	६	५०	३१	१०	५	२२	५	५०
२	र	४	१५	१५	०६	५८	०४	८	०७	३०	५५	६	२७	६	४९	३१	०६	५	२३	५	४९
३	चं	४	१६	१३	१०	५८	०६	७	४५	३०	५२	६	२८	६	४८	३१	०३	५	२३	५	४८
४	मं	४	१७	११	१६	५८	०८	७	२३	३०	५०	६	२८	६	४८	३१	००	५	२३	५	४७
५	बु	४	१८	०९	२४	५८	१०	७	०१	३०	४७	६	२८	६	४७	३०	५७	५	२३	५	४६
६	गु	४	१९	०७	३४	५८	११	६	३९	३०	४४	६	२८	६	४६	३०	५४	५	२४	५	४५
७	शु	४	२०	०५	४५	५८	१३	६	१७	३०	४२	६	२८	६	४५	३०	५१	५	२४	५	४४
८	श	४	२१	०३	५८	५८	१५	५	५४	३०	३९	६	२९	६	४४	३०	४८	५	२४	५	४३
९	र	४	२२	०२	१३	५८	१७	५	३२	३०	३७	६	२९	६	४३	३०	४५	५	२५	५	४२
१०	चं	४	२३	००	२९	५८	१८	५	०९	३०	३४	६	२९	६	४३	३०	४२	५	२५	५	४१
११	मं	४	२३	५८	४८	५८	२०	४	४६	३०	३२	६	२९	६	४२	३०	३८	५	२५	५	४०

मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो यथा- बुधेरसक्षयोभूम्याम्।' सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो। मास के प्रथम दिन में बुधवार होने से अन्न की महँगाई हो। कृष्णाष्टमी रोहिणी युक्त होने से शुभदा है। अमावस्या पूर्वाफाल्गुनी योग समर्घता कारक है। शुक्ला षष्ठी को अनुराधा होने से सुभिक्ष हो। पूर्णिमा बुधवार और पूर्वाभाद्रपद युक्त होने से शुभ फल दायिनी है।

अयनांशाः २३।५६।५८
२२ पं. भा.कृ.१२ श. इष्टघटी १३।[illegible]
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	[illegible]
४	१	५	७	३	४	१०	४
२१	२५	१०	१७	२२	०६	१२	२०
१६	३३	२२	३०	१६	५५	२६	[illegible]
५९	०२	४८	५९	१८	३२	१५	२०
५८	३३	९१	५	०	७	३	[illegible]
१५	१५	०५	४२	०४	२९	११	११
पूफा	मृ	ह	ज्ये	श्ले	म	श	[illegible]
३	१	१	१	२व	३	२	३



भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, १२ सितंबर से २६ सितंबर तक नवलगढ

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टे. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.
१	बु	३४	०१	१९	५३	उफा	४६	२४	२४	५१	शु	५०	५१	२६	३७	किं	१	५२	७	०२	३० ४५	६ १७	६ ३५	कन्या	२१	२९	१२
२	गु	३८	५५	२१	५१	हस्त	५२	५१	२७	२६	शु	५२	२०	२७	१३	बा	६	२०	८	४९	४१	१७	३४	कन्या	२२	३०	१३
३	शु	४४	३३	२४	०७	चित्रा	५९	५७	३०	१७	ब्र	५४	२२	२८	०३	तै	११	३८	१०	५७	३७	१८	३२	तुला. १६।५०	२३	१	१४
४	श	५०	४२	२६	३५	स्वा	...	...	...	...	ऐ	५६	४४	२९	००	व	१७	३३	१३	२०	३२	१८	३१	तुला.	२४	२	१५
५	र	५६	५९	२९	०६	स्वा	७	२८	९	१८	वै	५९	०९	२९	५८	व	२३	५०	१५	५१	२८	१९	३०	वृश्चि. २९।३४	२५	३	१६
६	सो	...	...	...	...	विशा	१५	००	१२	१९	वि	...	...	...	...	कौ	३०	००	१८	१९	२४	१९	२९	वृश्चि.	२६	४	१७
६	मं	२	५३	७	२९	अनु	२२	०४	१५	०९	वि	१	१७	६	५१	तै	२	५३	७	२९	२०	२०	२८	वृश्चि.	२७	५	१८
७	बु	७	५५	९	३०	ज्यें	२८	०७	१७	३५	प्री	२	४६	७	२७	व	७	५५	९	३०	१६	२०	२७	धनु. १७।३५	२८	६	१९
८	गु	११	३५	१०	५८	मूल	३२	४३	१९	२६	आ	३	१३	७	३८	ब	११	३५	१०	५८	१२	२१	२५	धनु.	२९	७	२०
९	शु	१३	२९	११	४५	पूषा	३५	३२	२०	३४	सौ	२ ५१	२० ५१	७ ३०	१७ २१	कौ	१३	२९	११	४५	०८	२१	२४	मक. २६।४४	३०	८	२१
१०	श	१३	२७	११	४४	उषा	३६	२६	२०	५६	अ	५६	०३	२८	४७	ग	१३	२७	११	४४	०४	२१	२३	मक.	३१	९	२२
११	र	११	२६	१०	५६	श्रव	३५	२५	२०	३२	सु	५०	३६	२६	३६	वि	११	२६	१०	५६	००	२२	२२	मक.	१	१०	२३
१२	सो	७	३४	९	२४	धनि	३२	३८	१९	२५	धृ	४३	४३	२३	५२	बा	७	३४	९	२४	२९ ५६	२२	२१	कुंभे ८।०४	२	११	२४
१३	मं	२	०२	७	१२	शत	२८	१८	१७	४२	शू	३५	३८	२०	३८	तै	२	०२	७	१२	५२	२३	२०	कुंभे	३	१२	२५
१४	मं	५५	०८	२८	२६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१५	बु	४७	०९	२५	१५	पूभा	२२	४४	१५	२९	गं	२६	३५	१७	०१	वि	२१	१४	१४	५३	४८	२३	१८	मीने १०।०५	४	१३	२६

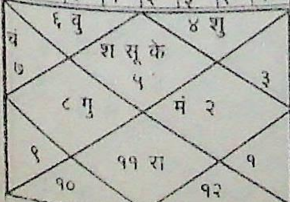
शरदृतू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ५६३८, सितंबर २००७

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

पातस्पर्शः २४।०१, मोक्षः २८।१६ [G उफा. सौरः १५।३० [N संवत्सरी
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), सामवेदि उपाकर्म, उफा. रविः २५।४४
मन्वादि, वराहजयंती, हरितालिका व्र., हस्तिगौरी व्र., रमजान ९, G
भ. १३।२० उ. २६।३५ या., गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शनं निषेधः), जैन N
ऋषिपंचमी, मिथुनेभौमः १७।५० [A पू., कन्यायांरविः १०।५१ (सौरः J
सौर(सूर्य) षष्ठी, स्कन्ददर्शनं, ललिताषष्ठीव्र. (गुर्जरे), विश्वकर्मा A
मुक्ताभरणव्र., उमामहेश्वर पू., दूबड़ीसातम, गौरीआवाहन १५।०९ या.
भ.९।३० उ. २२।१९ या., गौरीपूजन १७।३५ या. [D तुलायां भानुः१५।२९
दधीचीजयंती, श्रीराधा ८, गौरी विसर्जन १९।२६ या. [L बुधः १४।५१
अदुःख नवमी व्र., श्री चंद्र (उदासीन संप्रदाय), दशावतार व्र.
भ. २३।२६ उ., श्रीरामदेवजी का मेला, विष्णुश्रृंखला २०।५६ से, तुलायां L
भ.१०।५६ या., जलझूलनी ११ व्र., वामनजयंती, विष्णुश्रृंखला २०।३२ C
पंचकप्रारम्भः ८।०४, प्रदोषः, दुग्धव्रतं, गोत्रिरात्रव्र. [J २५।३७), चित्रा. E
भ. २८।२६ उ., अनन्त १४, कदलीव्रतंपूज., रंभारोपणं [E बुधः११।४०
[C तक, हरिवासरः १०।५६ से १२।४० तक, भा. अश्विनारंभः, सायन D
भ. १४।५३ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, प्रौष्ठपदी, महालय श्राद्धारंभः, B
[B महेश्वर पूजनं, कु. संध्यापूजा, इंदुला
१५, पातस्पर्शः ८।०१, मोक्षः ११।२७

अयनांशाः २३।५६।५९
२३ पं. भा.शु. ४ श. इष्टघटी १३।४७
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	१	५	७	३	४	१०	४
२८	२९	२०	१८	२३	०७	१२	२७
०५	२०	३५	१४	०४	४७	०४	२९
२४	४१	४९	०४	२६	२५	००	२५
५८	३१	८२	६	१५	७	३	५८
२८	३०	५८	४५	३७	१९	११	२७
उफा	मृ	ह	ज्ये	श्ले	म	श	उफा
१	२	४	१	२	३	२	१



सितम्बर		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१२	बु	४	२४	५७	०८	५८	२२	४	२३	३०	२९	६	२२	६	४१	३०	३५	५	२५	५	३९
१३	गु	४	२५	५५	३०	५८	२४	४	०१	३०	२६	६	२९	६	४०	३०	३२	५	२६	५	३८
१४	शु	४	२६	५३	५४	५८	२६	३	३८	३०	२४	६	३०	६	३९	३०	२९	५	२६	५	३८
१५	श	४	२७	५२	२०	५८	२८	३	१५	३०	२१	६	३०	६	३८	३०	२६	५	२६	५	३७
१६	र	४	२८	५०	४७	५८	२९	२	५२	३०	१८	६	३०	६	३७	३०	२२	५	२७	५	३६
१७	चं	४	२९	४९	१७	५८	३१	२	२८	३०	१६	६	३०	६	३६	३०	१९	५	२७	५	३५
१८	मं	५	००	४७	४८	५८	३३	२	०५	३०	१३	६	३०	६	३५	३०	१६	५	२७	५	३४
१९	बु	५	०१	४६	२१	५८	३५	१	४२	३०	१०	६	३०	६	३५	३०	१३	५	२७	५	३३
२०	गु	५	०२	४४	५७	५८	३७	१	१९	३०	०८	६	३१	६	३४	३०	१०	५	२८	५	३२
२१	शु	५	०३	४३	३४	५८	३९	०	५५	३०	०५	६	३१	६	३३	३०	०७	५	२८	५	३१
२२	श	५	०४	४२	१३	५८	४१	०	३२	३०	०३	६	३१	६	३२	३०	०३	५	२८	५	३०
२३	र	५	०५	४०	५४	५८	४३	०	०९+	३०	००	६	३१	६	३१	३०	००	५	२९	५	२९
२४	चं	५	०६	३९	३७	५८	४५	०	१५	२९	५७	६	३१	६	३०	२९	५७	५	२९	५	२८
२५	मं	५	०७	३८	२२	५८	४७	०	३८	२९	५५	६	३१	६	२९	२९	५४	५	२९	५	२७
२६	बु	५	०८	३७	०९	५८	४९	१	०१	२९	५२	६	३२	६	२८	२९	५०	५	२९	५	२६

संक्रांति फलम्

ता. १७ सितंबर २००७
भा. शु. ६ चंद्रे कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. १०।५१ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित्कचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १०।५१ से १७।१५ तक। (दान-गृह वस्त्र)।

अयनांशाः २३।५७।००
२४ पं. भा.शु.१० श. इष्टघटी १३।३९
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	२	५	७	३	४	१०	५
०४	०२	२९	१९	२५	०८	११	०४
५५	५५	५०	०४	३३	३८	४१	१९
२०	२०	४५	१८	४३	०१	४४	१८
५८	२९	७३	७	२८	७	३	५८
४२	३०	४९	४४	२१	०६	११	४२
उफा	मृ	चि	ज्ये	श्ले	म	श	उफा
३	३	२	१	३	३	२	३



भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, २९ अगस्त से ११ सितंबर तक नवलगढ

शरदृतू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति महा., अगस्त-सितंबर २००७

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै.	टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	
१	बु	१८	१४	१३	२८	शत	३ ५८	०१ ०८	७ २९	२३ २६	सु	१०	२८	१०	२२	कौ	१८	१४	१३	२८	३९ ४०	६ ११	६ ५०	मीने	२३।५६	७	१५	२९	[A २५।१०, पातस्पर्शः ८।१८, मोक्षः ११।५४, पूफा. रविः ६।५१ D
२	गु	११	१३	१०	४०	उभा	५२	५०	२७	१९	धृ	२ ५३	०४ २२	७ २७	०० ३२	ग	११	१३	१०	४०	३६	११	४९	मीने		८	१६	३०	भ. २१।१३ उ., कज्जली(बूढी ३), उफा. बुधः २४।१६
३	शु	३	५३	७	४५	रेव	४७	२६	२५	१०	गं	४४	३६	२४	०२	वि	३	५३	७	४५	३२	११	४८	मेषे	२५।१०	९	१७	३१	भ. ७।४५ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।४०, पंचक समाप्तिः A
४	शु	५६	३२	२८	४८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[D (सौरः २१।२०)
५	श	४९	२६	२५	५८	अश्वि	४२	१६	२३	०६	वृ	३५	५९	२०	३६	कौ	२२	५६	१५	२२	२८	१२	४७	मेषे		१०	१८	१	सितंबर ९ ता. ३०, कन्यायां बुधः २३।४२
६	र	४२	५२	२३	२१	भर	३७	३४	२१	१४	ध्रु	२७	४५	१७	१८	ग	१६	०३	१२	३८	२४	१२	४६	वृषे	२६।४९	११	१९	२	भ. २३।२१ उ., बृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), हलषष्ठी, C ·
७	सो	३७	०१	२१	०१	कृति	३३	३६	१९	३९	व्या	२०	०३	१४	१४	वि	९	५०	१०	०९	२०	१३	४५	वृषे		१२	२०	३	भ. १०।०९ या., जम्माष्टमी व्र. स्मा., शीतला व्र. [C चंद्रषष्ठी (मरु.)
८	मं	३२	०६	१९	०४	रोहि	३०	३२	१८	२६	ह	१३	०६	११	२८	बा	४	२६	८	००	१६	१३	४४	मिथु.	२९।५९	१३	२१	४	मन्वादि, जम्माष्टमी व्र. वैष्ण., मृगे भौमः १३।२६, बुधोदयः B
९	बु	२८	१६	१७	३२	मृग	२८	३३	१७	३९	व	६	५८	९	०१	तै	०	०३	६	१५	१२	१४	४३	मिथु.		१४	२२	५	भ. २८।५७ उ., गोगानवमी [B पश्चिमायाम् १७।५२
१०	गु	२५	३७	१६	२९	आर्द्रा	२७	४३	१७	११	सि	१ ५७	४६ ३२	६ २९	५७ १५	वि	२५	३७	१६	२९	०८	१४	४२	मिथु.		१५	२३	६	भ. १६।२९ या., मघा.-३ शनिः १०।०७, शनेरुदयः पूर्वस्याम् २१।३६
११	शु	२४	१०	१५	५५	पुन	२८	०४	१७	२८	व	५४	१६	२७	५७	बा	२४	१०	१५	५५	०४	१५	४०	कर्के	११।२३	१६	२४	७	अजा ११ व्र., जैनपर्युषण, वत्सपूजा, हस्ते बुधः २९।५१
१२	श	२३	५६	१५	५०	पुष्य	२९	३७	१८	०६	प	५१	५४	२७	०१	तै	२३	५६	१५	५०	०१	१५	३९	कर्के		१७	२५	८	प्रदोषः
१३	र.	२४	५२	१६	१३	श्ले	३२	१८	१९	११	शि	५०	२८	२६	२७	व	२४	५२	१६	१३	३० ५७	१६	३८	सिंहे	१९।११	१८	२६	९	भ. १६।१३ उ. २८।३४ या., मासिकशिवरात्री व्र., मार्गी शुक्रः १२।२७
१४	सो	२६	५४	१७	०२	मघा	३६	०२	२०	४१	सि	४९	५०	२६	१२	श	२६	५४	१७	०२	५३	१६	३७	सिंहे		१९	२७	१०	कुशांग्रहणी, पिठोरी ३०
३०	मं	२९	५८	१८	१६	पूफा	४०	४६	२२	३५	सा	४९	५९	२६	१६	ना	२९	५८	१८	१६	४९	१६	३६	कन्या	२९।०७	२०	२८	११	देवपितृकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, लोहार्गल स्ना., मातृ ३०

अयनांशाः २३।५६।५७

२१ पं. भा.कृ. ५ श. इष्टघटी १४।०२

(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	१	४	७	३	४	१०	४
१४	२१	२९	१६	२३	०६	१२	१३
३०	३३	१०	५५	२५	०२	४८	५४
०१	५७	२८	३४	४८	४५	३०	५८
५८	३४	९९	४	१७	७	३	५७
०३	४८	५३	३४	२१	३५	११	५७
पूफा	रो	उफा	ज्ये	श्ले	म	श	पूफा
१	४	१	१	३व	२	२	१



		अगस्त रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२९	बु	४	११	२३	०४	५७	५८	९	३३	३१	०५	६	२७	६	५३	३१	११	५	२१	५	५३
३०	गु	४	१२	२१	०२	५८	००	९	१२	३१	०२	६	२७	६	५२	३१	१६	५	२२	५	[illegible]
३१	शु	४	१३	१९	०२	५८	०१	८	५१	३१	००	६	२७	६	५१	३१	१३	५	२२	५	५१
१	श	४	१४	१७	०३	५८	०३	८	२९	३०	५७	६	२७	६	५०	३१	१०	५	२२	५	५०
२	र	४	१५	१५	०६	५८	०४	८	०७	३०	५५	६	२७	६	४९	३१	०६	५	२३	५	४९
३	चं	४	१६	१३	१०	५८	०६	७	४५	३०	५२	६	२८	६	४८	३१	०३	५	२३	५	४८
४	मं	४	१७	११	१६	५८	०८	७	२३	३०	५०	६	२८	६	४८	३१	००	५	२३	५	४७
५	बु	४	१८	०९	२४	५८	१०	७	०१	३०	४७	६	२८	६	४७	३०	५७	५	२३	५	४६
६	गु	४	१९	०७	३४	५८	११	६	३९	३०	४४	६	२८	६	४६	३०	५४	५	२४	५	४५
७	शु	४	२०	०५	४५	५८	१३	६	१७	३०	४२	६	२८	६	४५	३०	५१	५	२४	५	४४
८	श	४	२१	०३	५८	५८	१५	५	५४	३०	३९	६	२९	६	४४	३०	४८	५	२४	५	४३
९	र	४	२२	०२	१३	५८	१७	५	३२	३०	३७	६	२९	६	४३	३०	४५	५	२५	५	४२
१०	चं	४	२३	००	२९	५८	१८	५	०९	३०	३४	६	२९	६	४३	३०	४२	५	२५	५	४१
११	मं	४	२३	५८	४८	५८	२०	४	४६	३०	३२	६	२९	६	४२	३०	३८	५	२५	५	४०

मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो यथा-बुधेरसक्षयोभूम्याम्।' सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो । मास के प्रथम दिन में बुधवार होने से अन्न की महँगाई हो । कृष्णाष्टमी रोहिणी युक्त होने से शुभदा है । अमावस्या पूर्वाफाल्गुनी योग समर्थता कारक है । शुक्ला षष्ठी को अनुराधा होने से सुभिक्ष हो । पूर्णिमा बुधवार और पूर्वाभाद्रपद युक्त होने से शुभ फल दायिनी है ।

अयनांशाः २३।५६।५८

२२ पं. भा.कृ.१२ श. इष्टघटी १३।५४

(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	१	५	७	३	४	१०	४
२१	२५	१०	१७	२२	०६	१२	२०
१६	३३	२२	३०	१६	५५	२६	४१
५९	०२	४८	५९	१८	३२	१५	२०
५८	३३	९१	५	०	७	३	५८
१५	१५	०५	४२	०४	२९	११	११
पूफा	मृ	ह	ज्ये	श्ले	म	श	पूफा
३	१	१	१	२व	३	२	३



आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, १२ अक्टूबर से २६ अक्टूबर तक नवलगढ

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै. टा.	तारीख आ.	मु.	इं.
१	शु	१५	५६	१२	५४	चित्रा	१६	०४	१२	५७	वै	९	५९	१०	३१	ब	१५	५६	१२	५४	२८ ४३	६ ३१	६ ०१	तुला.	२०	२९	१२
२	श	२२	०७	१५	२३	स्वा	२३	२९	१५	५६	वि	१२	११	११	२४	कौ	२२	०७	१५	२३	३९	३२	००	तुला.	२१	३०	१३
३	र	२८	२४	१७	५४	विशा	३०	५९	१८	५६	प्री	१४	२९	१२	२०	ग	२८	२४	१७	५४	३५	३२	५ ५९	वृश्चि. १२।११	२२	१	१४
४	सो	३४	३०	२०	२१	अनु	३८	१७	२१	५२	आ	१६	४१	१३	१३	व	१	२९	७	०९	३१	३३	५८	वृश्चि.	२३	२	१५
५	मं	४०	०३	२२	३५	ज्ये	४५	०१	२४	३४	सौ	१८	३२	१३	५८	ब	७	२१	९	३०	२७	३४	५७	धनु. २४।३४	२४	३	१६
६	बु	४४	३५	२४	२४	मूल	५०	४६	२६	५३	शो	१९	४४	१४	२८	कौ	१२	२७	११	३३	२३	३४	५६	धनु.	२५	४	१७
७	गु	४७	४३	२५	४०	पूषा	५५	०९	२८	३९	अ	२०	००	१४	३५	ग	१६	२०	१३	०७	१९	३५	५५	धनु.	२६	५	१८
८	शु	४९	१०	२६	१५	उषा	५७	५१	२९	४४	सु	१९	०२	१४	१२	वि	१८	३९	१४	०३	१६	३५	५४	मक. १०।५९	२७	६	१९
९	श	४८	३९	२६	०३	श्रव	५८	३८	३०	०३	धृ	१६	३९	१३	१५	बा	१९	०८	१४	१५	१२	३६	५३	मक.	२८	७	२०
१०	र	४६	०९	२५	०४	धनि	५७	२८	२९	३६	शू	१२	४३	११	४२	तै	१७	३८	१३	४०	०८	३७	५२	कुंभे १७।५५	२९	८	२१
११	सो	४१	४३	२३	१८	शत	५४	२५	२८	२३	गं	७	११	९	३०	व	१४	०८	१२	१७	०४	३७	५१	कुंभे	३०	९	२२
१२	मं	३५	२९	२०	४९	पूभा	४९	३९	२६	२९	वृ	० ५१	०९ ४५	६ २७	४१ २०	ब	८	४७	१०	०९	००	३८	५०	मीने २१।०१	१	१०	२३
१३	बु	२७	४७	१७	४५	उभा	४३	२९	२४	०२	व्या	४२	१२	२३	३१	कौ	१	४८	७	२१	२७ ५६	३८	४९	मीने	२	११	२४
१४	गु	१८	५७	१४	१४	रेव	३६	१८	२१	१०	ह	३१	४७	१९	२२	व	१८	५७	१४	१४	५२	३९	४८	मेषे २१।१०	३	१२	२५
१५	शु	९	२३	१०	२५	अश्वि	२८	३२	१८	०५	व	२०	५२	१५	००	ब	९	२३	१०	२५	४९	४०	४७	मेषे	४	१३	२६

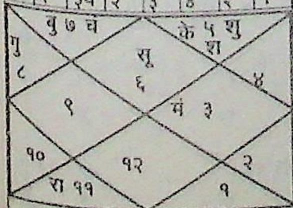
शरदृतु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ५६६८, अक्टूबर २००७

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेन जयंती, वक्री बुधः १५।३१
चंद्रदर्शनम् (मु.४५) [C बलिदानं उ.षाभे, ज्येष्ठा.-३ गुरुः २२।१७
सव्वाल १० [A प्रा., आश्वयुजी कर्म (आश्वलायन शाखा)
भ. ७।०९ उ. २०।२१ या. [B २४।५०, (व) चित्रा. बुधः २०।५१
उपाग ललिता व्र. [D पूफा. शुक्रः १०।०५ [H कोजागरी व्र.
आकाश दीपारंभः, सरस्वती आवाहनं मूलभे, तुलायां रविः २२।४८, D
भ. २५।४० उ., सरस्वती पूजनं पू.षाभे, तुलायां सौरः १२।३४
भ. १४।०३ या., भद्रकाली अवतार, महाष्टमी, शस्त्रादि पूजा, C.
मन्वादि, पट्टाभिषेक, सरस्वती विसर्जनं श्रवणे [F मघा.-३ केतुः १९।४३
विजया १०, शमीपूजा, पंचकप्रारम्भः १७।५५, बौद्धावतार, पातस्पर्शः ३०।३४
भ. १२।१७ उ. २३।१८ या., पापांकुशा ११ व्र., पातमोक्षः १०।३१
कार्त्तिके द्विदलं त्यजेत्, भा. कार्तिकारंभः, सायन वृश्चिके भानुः B
प्रदोषः, स्वा. रविः १५।४४ (सौरः २९।०५), शत.-१ राहुः ११।४३, F
भ. १४।१४ उ. २४।२१ या., पंचकसमाप्तिः २१।१०, शरद पूर्णिमा, H
पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, बंगीयलक्ष्मी पूजा, नवान्नभक्षण, कार्तिक स्नान A

अयनांशाः २३।५७।०४
२७ पं. आ.शु. २ श. इष्टघटी १३।१२
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	२	६	७	४	४	१०	५
२५	१२	१५	२२	०९	१०	१०	२५
३४	००	०९	१२	५३	५८	३४	००
५६	३४	५३	३४	२३	१९	५८	११
५९	२१	१४	१०	५१	६	३	५९
२४	२९	०९	१२	३४	०८	११	३१
चि	आ	स्वा	ज्ये	म	म	श	चि
१	२	३व	२	३	४	२	१



अक्टूबर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम

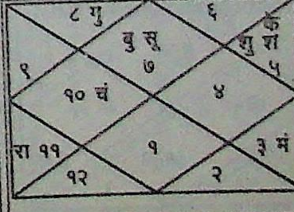
ता.	वा.	रविस्पस्ट रा.	अं.	क.	वि.	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
१२	शु	५	२४	२२	१८	५९	२२	७	११	२९	१०	६	३५	६	१५	२८	५९	५	३५	५	१०
१३	श	५	२५	२१	३९	५९	२४	७	३४	२९	०७	६	३५	६	१४	२८	५६	५	३५	५	१०
१४	र	५	२६	२१	०३	५९	२६	७	५६	२९	०५	६	३६	६	१४	२८	५३	५	३५	५	०९
१५	चं	५	२७	२०	२९	५९	२८	८	१८	२९	०२	६	३६	६	१३	२८	५०	५	३६	५	०८
१६	मं	५	२८	१९	५७	५९	३०	८	४१	२८	५९	६	३६	६	१२	२८	४७	५	३६	५	०७
१७	बु	५	२९	१९	२७	५९	३२	९	०३	२८	५७	६	३७	६	११	२८	४४	५	३७	५	०६
१८	गु	६	००	१८	५९	५९	३४	९	२५	२८	५४	६	३७	६	११	२८	४१	५	३७	५	०५
१९	शु	६	०१	१८	३२	५९	३६	९	४६	२८	५२	६	३७	६	१०	२८	३८	५	३८	५	०५
२०	श	६	०२	१८	०८	५९	३८	१०	०८	२८	४९	६	३८	६	०९	२८	३५	५	३८	५	०४
२१	र	६	०३	१७	४६	५९	४०	१०	३०	२८	४७	६	३८	६	०९	२८	३१	५	३८	५	०३
२२	चं	६	०४	१७	२६	५९	४२	१०	५१	२८	४४	६	३८	६	०८	२८	२८	५	३९	५	०२
२३	मं	६	०५	१७	०८	५९	४४	११	१२	२८	४२	६	३९	६	०७	२८	२५	५	३९	५	०१
२४	बु	६	०६	१६	५२	५९	४६	११	३३	२८	३९	६	३९	६	०७	२८	२२	५	४०	५	०१
२५	गु	६	०७	१६	३८	५९	४८	११	५४	२८	३७	६	३९	६	०६	२८	१९	५	४०	५	००
२६	शु	६	०८	१६	२६	५९	५०	१२	१५	२८	३४	६	४०	६	०५	२८	१६	५	४१	४	५९

संक्रांति फलम्

ता. १७ अक्टूबर २००७
आश्वि. शु. ६ बुधे तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. २२।४८ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १६।४८ से २८।४८ तक । (दान- तिल गोरस) ।

अयनांशाः २३।५७।०५
२८ पं. आ.शु. ९ श. इष्टघटी १३।०२
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	२	६	७	४	४	१०	६
०२	१४	१०	२३	१६	११	१०	०१
३१	२०	४१	२६	०८	३९	१२	५७
२८	३१	४०	०५	३२	५७	४२	३४
५९	१७	६७	१०	५६	५	३	५९
३८	५५	१०	५३	०४	४२	११	४७
चि	आ	स्वा	ज्ये	पूफा	म	श	चि.
३	३	२व	३	१	४	२	३



आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, २७ सितंबर से ११ अक्टूबर तक नवलगढ — शरदृतु रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति महा., सितंबर-अक्टूबर २००७

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क	घ	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै.	टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	गु	३८	३०	२१	४८	उभा	१६	१९	१२	५५	वृ	१६	५०	१३	०८	बा	१२	५३	११	३३	२९	६	६	मीने		५	१४	२७	हस्ते रविः १६।१५
२	शु	२९	३५	१८	१४	रेव	९	२७	१०	११	धु	६/५६	४२/३३	९/२१	०५/०१	तैं	४	०३	८	०२	४४/४०	२४/२४	१७/१६	मेषे	१०।११	६	१५	२८	म. २८।२८ उ., पंचक समाप्तिः १०।११, हस्ते सौरः ६।५३, C
३	श	२०	४८	१४	४४	अश्वि	२/१६	३२/०२	७/२८	२६/५०	ह	४६	४०	२५	०५	वि	२०	४८	१४	४४	३६	२५	१५	मेषे		७	१६	२९	म. १४।४४ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः १९।५६, भरणी श्राद्ध, D
४	र	१२	३२	११	२६	कृति	५०	१९	२६	३३	व	३७	२२	२९	२२	बा	१२	३२	११	२६	३२	२५	१४	वृषे	१०।१३	८	१७	३०	आर्द्रा. भौमः ९।४८, सिंहे मघा. शुक्रः १०।४९
५	सो	५	११	८	३०	रोहि	४५	४५	२४	४४	सि	२८	५८	१८	०१	तैं	५	११	८	३०	२८	२६	१३	वृषे		९	१८	१	म. ३०।०४ उ., चंद्रषष्ठी, अक्टूबर १० ता. ३१
६	सो	५९	०५	३०	०४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	|C स्वा. बुधः ९।१९ |D ज्येष्ठा.-२ गुरुः ८।३३
७	म	५४	२९	२८	१४	मृग	४२	३६	२३	२९	व्य	२१	४१	१५	०६	वि	२६	३४	१७	०४	२४	२६	१२	मिथु.	१२।०१	१०	१९	२	म. १७।०४ या., गांधी जयन्ती
८	बु	५१	३०	२७	०३	आर्द्रा	४१	०५	२२	५३	व	१५	३९	१२	४२	बा	२२	४६	१५	३३	१९	२७	१०	मिथु.		११	२०	३	श्रीमहालक्ष्मी व्र., अशोकाष्टमी
९	गु	५०	१४	२६	३३	पुन	४१	१३	२२	५६	प	१८	५८	१०	५१	तैं	२०	३९	१४	४३	१५	२७	०९	कर्के	१६।५२	१२	२१	४	सौभाग्यवतीनां श्राद्धं, मघा.-४ शनिः ९।१८
१०	शु	५०	३६	२६	४२	पुष्य	४२	५८	२३	३९	शि	७	३७	९	३१	व	२०	१३	१४	३३	११	२८	०८	कर्के		१३	२२	५	म. १४।३३ उ. २६।४२ या.
११	श	५२	२७	२७	२७	श्ले	४६	१०	२४	५६	सि	५	३१	८	४१	व	२१	२१	१५	०१	०७	२८	०७	सिंहे	२४।५६	१४	२३	६	इंदिरा ११ व्र. |A २९।१५ तक, चित्रा. रविः २९।१५
१२	र	५५	३३	२८	४२	मघा	५०	३७	२६	४३	सा	४	३१	८	१७	कौ	२३	५२	१६	०१	०३	२९	०६	सिंहे		१५	२४	७	सन्यासिनां श्राद्धं |B पश्चिमायाम् २५।२८
१३	सो	५९	४०	३०	२१	पूफा	५६	०२	२८	५४	शु	४	२७	८	१६	ग	२७	३०	१७	२९	२६/५९	२९	०५	सिंहे		१६	२५	८	म. ३०।२१ उ., प्रदोषः, युगादि, पातस्पर्शः १३।०२, मोक्षः १७।१६
१४	म	...	...	...	...	उफा	...	...	...	...	शु	५	०७	८	३३	वि	३२	०१	१९	१८	५५	३०	०४	कन्या	११।३०	१७	२६	९	म. १९।१८ या., मासिकशिवरात्री व्र., शस्त्रादि हतानां श्राद्धं
१४	बु	४	३२	८	१९	उफा	२	११	७	२३	ब्र	६	२०	९	०२	श	४	३२	८	१९	५१	३०	०३	कन्या		१८	२७	१०	पितृकार्येऽमा., सार्वपितृ श्राद्धम्, गजच्छाया (बोधायन) ८।१९ से A
३०	गु	१०	०१	१०	३१	हस्त	८	५५	१०	०५	ऐ	८	००	९	४३	ना	१०	०१	१०	३१	४७	३१	०२	तुला.	२३।३०	१९	२८	११	देवकार्येऽमा., मातामह श्रा., चित्रा. सौरः १९।२३, बुधास्तः B

अयनांशाः २३।५७।०१

२५ पं. आ.कृ. ३ श. इष्टघटी १३।३०

(रेल्वे घ. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	२	६	७	३	४	१०	५
११	०६	०७	२०	२९	०९	११	११
४६	१५	४८	०१	२३	२६	१९	११
५३	०५	३६	०९	१८	५८	२९	०३
५८	२७	५९	८	३८	६	३	५८
५६	१२	१४	३८	१३	५०	११	५८
ह	मृ	स्वा	ज्ये	श्ले	म	श	ह
१	४	१	२	४	३	२	१



सितम्बर ता.	वा.	रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२७	गु	५	०९	३५	५८	५८	५१	१	२५	२९	४९	६	३२	६	२८	२९	४७	५	३०	५	२५
२८	शु	५	१०	३४	४९	५८	५३	१	४८	२९	४७	६	३२	६	२७	२९	४४	५	३०	५	२४
२९	श	५	११	३३	४२	५८	५५	२	११	२९	४४	६	३२	६	२६	२९	४१	५	३०	५	२३
३०	र	५	१२	३२	३७	५८	५७	२	३५	२९	४१	६	३२	६	२५	२९	३८	५	३१	५	२२
१	चं	५	१३	३१	३५	५८	५९	२	५८	२९	३९	६	३३	६	२४	२९	३४	५	३१	५	२१
२	मं	५	१४	३०	३४	५९	०१	३	२१	२९	३६	६	३३	६	२३	२९	३१	५	३१	५	२०
३	बु	५	१५	२९	३५	५९	०३	३	४५	२९	३३	६	३३	६	२२	२९	२८	५	३२	५	१९
४	गु	५	१६	२८	३८	५९	०५	४	०८	२९	३१	६	३३	६	२२	२९	२५	५	३२	५	१८
५	शु	५	१७	२७	४३	५९	०७	४	३१	२९	२८	६	३३	६	२१	२९	२२	५	३२	५	१७
६	श	५	१८	२६	५१	५९	०९	४	५४	२९	२५	६	३४	६	२०	२९	१८	५	३३	५	१६
७	र	५	१९	२६	००	५९	११	५	१७	२९	२३	६	३४	६	१९	२९	१५	५	३३	५	१५
८	चं	५	२०	२५	११	५९	१४	५	४०	२९	२०	६	३४	६	१८	२९	१२	५	३३	५	१४
९	मं	५	२१	२४	२५	५९	१६	६	०३	२९	१८	६	३४	६	१७	२९	०९	५	३४	५	१३
१०	बु	५	२२	२३	४१	५९	१८	६	२६	२९	१५	६	३५	६	१७	२९	०६	५	३४	५	१२
११	गु	५	२३	२२	५८	५९	२०	६	४८	२९	१२	६	३५	६	१६	२९	०३	५	३४	५	११

मास फलम्

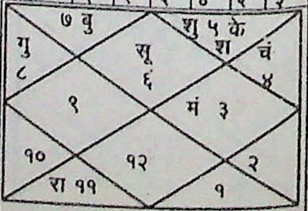
इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो । पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो । रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई के भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, वर्षा कम हो । गुरुवारी अमावस होने से वृष्टि तथा सुभिक्ष हो, हस्त योग दुर्भिक्षता (महर्घता) कारक है, पूर्णिमा शुक्रवार और अश्विनी युक्त होने से शुभ फल दायिनी है । स्वाति में बुध होने से मन्द वर्षा हो, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो ।

अयनांशाः २३।५७।०३

२६ पं. आ.कृ.११ श. इष्टघटी १३।२२

(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	२	६	७	४	४	१०	५
१८	०९	१३	२१	०४	१०	१०	१८
४०	१७	३१	०४	१४	१३	५७	०४
०४	४३	३५	०५	४१	५२	१३	४०
५९	२४	३२	९	४५	६	३	५९
१०	३३	१४	२७	४७	३१	११	१५
ह	आ	स्वा	ज्ये	म	म	श	ह
३	१	३	२	२	४	२	३

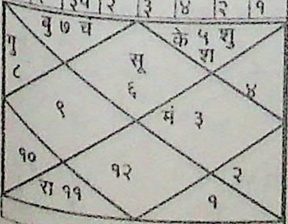


आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, १२ अक्टूबर से २६ अक्टूबर तक नवलगढ — चंद्रः — तारीख — शरदृतु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ५६६८, अक्टूबर २००७

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा. (चंद्रः)	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	शु	१५	५६	१२	५४	चित्रा	१६	०४	१२	५७	वै	९	५९	१०	३१	ब	१५	५६	१२	५४	२८ ४३	६ ३१	६ ०१	तुला.	२०	२९	१२	नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेन जयंती, वक्री बुधः १५।३१
२	श	२२	०७	१५	२३	स्वा	२३	२९	१५	५६	वि	१२	११	११	२४	कौ	२२	०७	१५	२३	३९	३२	००	तुला.	२१	३०	१३	चंद्रदर्शनम् (मु.४५) [C बलिदानं उ.षाभे, ज्येष्ठा.-३ गुरुः २२।१७
३	र	२८	२४	१७	५४	विशा	३०	५९	१८	५६	प्री	१४	२९	१२	२०	ग	२८	२४	१७	५४	३५	३२	५ ५९	वृश्चि. १२।११	२२	१	१४	सव्वाल १० [A प्रा., आश्वयुजी कर्म (आश्वलायन शाखा)
४	सो	३४	३०	२०	२१	अनु	३८	१७	२१	५२	आ	१६	४१	१३	१३	व	१	२९	७	०९	३१	३३	५८	वृश्चि.	२३	२	१५	भ. ७।०९ उ. २०।२१ या. [B २४।५०, (व) चित्रा. बुधः २०।५१
५	मं	४०	०३	२२	३५	ज्ये	४५	०१	२४	३४	सौ	१८	३२	१३	५८	ब	७	२१	९	३०	२७	३४	५७	धनु. २४।३४	२४	३	१६	उपाग ललिता व्र. [D पूफा. शुक्रः १०।०५ [H कोजागरी व्र.
६	बु	४४	३५	२४	२४	मूल	५०	४६	२६	५३	शो	१९	४४	१४	२८	कौ	१२	२७	११	३३	२३	३४	५६	धनु.	२५	४	१७	आकाश दीपारंभः, सरस्वती आवाहनं मूलभे, तुलायां रविः २२।४८, D
७	गु	४७	४३	२५	४०	पूषा	५५	०९	२८	३९	अ	२०	००	१४	३५	ग	१६	२०	१३	०७	१९	३५	५५	धनु.	२६	५	१८	भ. २५।४० उ., सरस्वती पूजनं पू.षाभे, तुलायां सौरः १२।३४
८	शु	४९	१०	२६	१५	उषा	५७	५१	२९	४४	सु	१९	०२	१४	१२	वि	१८	३९	१४	०३	१६	३५	५४	मक. १०।५९	२७	६	१९	भ. १४।०३ या., भद्रकाली अवतार, महाष्टमी, शस्त्रादि पूजा, C.
९	श	४८	३९	२६	०३	श्रव	५८	३८	३०	०३	धृ	१६	३९	१३	१५	बा	१९	०८	१४	१५	१२	३६	५३	मक.	२८	७	२०	मन्वादि, पट्टाभिषेक, सरस्वती विसर्जनं श्रवणे [F मघा.-३ केतुः १५।४३
१०	र	४६	०९	२५	०४	धनि	५७	२८	२९	३६	शू	१२	४३	११	४२	तै	१७	३८	१३	४०	०८	३७	५२	कुंभे १७।५५	२९	८	२१	विजया १०, शमीपूजा, पंचकप्रारम्भः १७।५५, बोद्धावतार, पातस्पर्शः ३०।३४
११	सो	४१	४३	२३	१८	शत	५४	२५	२८	२३	गं	७	११	९	३०	व	१४	०८	१२	१७	०४	३७	५१	कुंभे	३०	९	२२	भ. १२।१७ उ. २३।१८ या., पापांकुशा ११ व्र., पातमोक्षः १०।३१
१२	मं	३५	२९	२०	४९	पूभा	४९	३९	२६	२९	वृ	० ५१	०९ ४५	६ २७	४१ २०	ब	८	४७	१०	०९	००	३८	५०	मीने २१।०१	१	१०	२३	कार्त्तिके द्विदलं त्यजेत्, भा. कार्तिकारंभः, सायन वृश्चिके भानुः B
१३	बु	२७	४७	१७	४५	उभा	४३	२९	२४	०२	व्या	४२	१२	२३	३१	कौ	१	४८	७	२१	२७ ५६	३८	४९	मीने	२	११	२४	प्रदोषः, स्वा. रविः १५।४४ (सौरः २९।०५), शत.-१ राहुः ११।४३, F
१४	गु	१८	५७	१४	१४	रेव	३६	१८	२१	१०	ह	३१	४७	१९	२२	व	१८	५७	१४	१४	५२	३९	४८	मेषे २१।१०	३	१२	२५	भ. १४।१४ उ. २४।२१ या., पंचकसमाप्तिः २१।१०, शरद पूर्णिमा, H
१५	शु	९	२३	१०	२५	अश्वि	२८	३२	१८	०५	व	२०	५२	१५	००	ब	९	२३	१०	२५	४९	४०	४७	मेषे	४	१३	२६	पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, बंगीयलक्ष्मी पूजा, नवान्नभक्षण, कार्तिक स्नान A

अयनांशाः २३।५७।०४
२७ पं. आ.शु. २ श. इष्टघटी १३।१२
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	२	६	७	४	४	१०	५
२५	१२	१५	२२	०९	१०	१०	२५
३४	००	०९	१२	५३	५८	३४	००
५६	३४	५३	३४	२३	१९	५८	११
५९	२१	१४	१०	५१	६	३	५९
२४	२९	०९	१२	३४	०८	११	३१
चि	आ	स्वा	ज्ये	म	म	श	चि
१	२	३व	२	३	४	२	१



अक्टूबर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१२ शु	५	२४	२२	१८	५९	२२	७	११	२९	१०	६	३५	६	१५	२८	५९	५	३५	५	१०
१३ श	५	२५	२१	३९	५९	२४	७	३४	२९	०७	६	३५	६	१४	२८	५६	५	३५	५	१०
१४ र	५	२६	२१	०३	५९	२६	७	५६	२९	०५	६	३६	६	१४	२८	५३	५	३५	५	०९
१५ चं	५	२७	२०	२९	५९	२८	८	१८	२९	०२	६	३६	६	१३	२८	५०	५	३६	५	०८
१६ मं	५	२८	१९	५७	५९	३०	८	४१	२८	५९	६	३६	६	१२	२८	४७	५	३६	५	०७
१७ बु	५	२९	१९	२७	५९	३२	९	०३	२८	५७	६	३७	६	११	२८	४४	५	३७	५	०६
१८ गु	६	००	१८	५९	५९	३४	९	२५	२८	५४	६	३७	६	११	२८	४१	५	३७	५	०५
१९ शु	६	०१	१८	३२	५९	३६	९	४६	२८	५२	६	३७	६	१०	२८	३८	५	३८	५	०५
२० श	६	०२	१८	०८	५९	३८	१०	०८	२८	४९	६	३८	६	०९	२८	३५	५	३८	५	०४
२१ र	६	०३	१७	४६	५९	४०	१०	३०	२८	४७	६	३८	६	०९	२८	३१	५	३८	५	०३
२२ चं	६	०४	१७	२६	५९	४२	१०	५१	२८	४४	६	३८	६	०८	२८	२८	५	३९	५	०२
२३ मं	६	०५	१७	०८	५९	४४	११	१२	२८	४२	६	३९	६	०७	२८	२५	५	३९	५	०१
२४ बु	६	०६	१६	५२	५९	४६	११	३३	२८	३९	६	३९	६	०७	२८	२२	५	४०	५	०१
२५ गु	६	०७	१६	३८	५९	४८	११	५४	२८	३७	६	३९	६	०६	२८	१९	५	४०	५	००
२६ शु	६	०८	१६	२६	५९	५०	१२	१५	२८	३४	६	४०	६	०५	२८	१६	५	४१	४	५९

संक्रांति फलम्

ता. १७ अक्टूबर २००७
आश्वि. शु. ६ बुधे तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. २२।४८ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १६।४८ से २८।४८ [illegible]) ।

अयनांशाः २३।५७।०५
२८ पं. आ.शु. ९ श. इष्टघटी १३।०२
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	म.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	२	६	७	४	४	१०	६
०२	१४	१०	२३	१६	११	१०	०१
३१	२०	४१	२६	०८	३९	१२	५७
२८	३१	४०	०५	३२	५७	४२	३४
५९	१७	६व	१०	५६	५	३	५९
३८	५५	१०	५३	०४	४२	११	४७
चि	आ	स्वा	ज्ये	पूफा	म	श	चि.
३	३	२व	३	१	४	२	३



कातिक कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, २७ अक्टूबर से ९ नवंबर तक नवलगढ चंद्रः

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	तारीख भा.	मु.	इं.
१	शु	९	३७	३०	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	.	०	०	०	०
२	श	५०	०१	२६	४१	भर	२०	४३	१४	५७	सि	९ ५९	५० ०४	१० ३०	३६ १८	तै	२४	४४	१६	३४	२७ ४५	६ ४०	५ ४६	वृषे	२०।१२	५	१४	२७
३	र	४१	०७	२३	०८	कृति	१३	१८	१२	००	व	४८	५६	२६	१५	व	१५	२६	१२	५१	४१	४१	४५	वृषे		६	१५	२८
४	सो	३३	२२	२०	०२	रोहि	६	४८	९	२५	प	३९	४८	२२	३७	ब	७	०३	९	३१	३८	४२	४५	मिथु.	२०।१९	७	१६	२९
५	मं	२७	१०	१७	३४	मृग	१ ५८	४० १६	७ ३०	२२ ०१	शि	३१	५८	१९	२९	कौ	०	०२	६	४३	३४	४२	४४	मिथु.		८	१७	३०
६	बु	२२	४९	१५	५१	पुन	५६	४७	२९	२६	सि	२५	३८	१६	५८	व	२२	४९	१५	५१	३०	४३	४३	कर्के	२३।३०	९	१८	३१
७	गु	२०	३३	१४	५७	पुष्य	५७	२१	२९	४०	सा	२०	५६	१५	०६	ब	२०	३३	१४	५७	२७	४४	४२	कर्के		१०	१९	१
८	शु	२०	१९	१४	५२	श्ले	५९	५१	३०	४१	शु	१७	५१	१३	५३	कौ	२०	१९	१४	५२	२३	४४	४२	सिंहे	३०।४१	११	२०	२
९	श	२२	०२	१५	३४	मघा	...	...	...	...	शु	१६	१७	१३	१६	ग	२२	०२	१५	३४	१९	४५	४१	सिंहे		१२	२१	३
१०	र	२५	२४	१६	५५	मघा	४	०२	८	२२	ब्र	१६	००	१३	१०	वि	२५	२४	१६	५५	१६	४६	४०	सिंहे		१३	२२	४
११	सो	३०	०५	१८	४८	पूफा	९	३६	१०	३७	ऐ	१६	४४	१३	२८	बा	३०	०५	१८	४८	१२	४७	४०	कन्या	१७।१५	१४	२३	५
१२	मं	३५	३९	२१	०३	उफा	१६	०९	१३	१५	वै	१८	१२	१४	०४	कौ	२	४५	७	५३	०९	४७	३९	कन्या		१५	२४	६
१३	बु	४१	४४	२३	३०	हस्त	२३	१६	१६	०६	वि	२०	०६	१४	५०	ग	८	३९	१०	१५	०६	४८	३८	तुला.	२९।३५	१६	२५	७
१४	गु	४८	०२	२६	०१	चित्रा	३०	४०	१९	०५	प्री	२२	१३	१५	४२	वि	१४	५१	१२	४५	०२	४९	३८	तुला.		१७	२६	८
३०	शु	५४	१९	२८	३३	स्वा	३८	०५	२२	०३	आ	२४	२४	१६	३५	च	२१	०९	१५	१७	२६ ५९	४९	३७	तुला.		१८	२७	९

हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णोति महा., अक्टूबर-नवंबर २००७

इसमें लिखें अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।

- ० — [A यमायदीपदानं, गोत्रिरात्र व्र., विशा. सौरः १२।१२
- २७ —
- २८ — भ. १२।५१ उ. २३।०८ या., दशरथ ललिता व्र.
- २९ — करवा ४ चन्द्रोदयः २०।२७, वुधोदयः पूर्वस्याम् १२।०९
- ३० — (व) कन्यायां बुधः १२।३२, उफा. शुक्रः ३०।३८
- ३१ — भ. १५।५१ उ. २७।१८ या., स्कन्द षष्ठी
- १ — होई (अहोरी) ८, नवंबर ११ ता. ३०
- २ — पातस्पर्शः २६।०४, मोक्षः ३०।४३, मार्गी बुधः १८।०५
- ३ — भ. २८।१० उ., कन्यायां शुक्रः १२।२९
- ४ — भ. १६।५५ या., तुलायां बुधः २५।३०
- ५ — रमा ११ व्र. [B १४, प्रभात स्नानं
- ६ — गोवत्स द्वादशी, विशा. रविः २३।५१, ज्यैष्ठा.-४ गुरुः ७।२१
- ७ — भ. २३।३० उ., प्रदोषः, धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, A
- ८ — भ. १२।४५ या., मासिकशिवरात्री व्र., दीपदानं, रुप (नरक) B
- ९ — देवपितृकार्येऽमा., महालक्ष्मी पूजा, कुवेर पू., पूफा.-१ शनिः १३।१३

अयनांशाः २३।५७।०६
२९ पं. का.कृ. २ श. इष्टघटी १२।५१
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	२	६	७	४	४	१०	६
०९	१६	०२	२४	२२	१२	०९	०८
२९	१३	२३	४४	५२	१८	५०	५६
३९	५८	२४	०४	०८	२०	२७	४७
५९	१३	५७	११	५९	५	३	६०
५२	४९	२७	२९	३७	१२	११	०२
स्वा	आ	चि	ज्ये	पूफा	म	श	स्वा
१	३	३व	३	३	४	१	१



अक्टुबर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२७ श	६	०९	१६	१६	५९	५२	१२	३५	२८	३२	६	४०	६	०५	२८	१४	५	४१	४	५९
२८ र	६	१०	१६	०८	५९	५४	१२	५६	२८	३०	६	४०	६	०४	२८	११	५	४२	४	५८
२९ चं	६	११	१६	०२	५९	५६	१३	१६	२८	२७	६	४१	६	०४	२८	०८	५	४२	४	५७
३० मं	६	१२	१५	५८	५९	५८	१३	३६	२८	२५	६	४१	६	०३	२८	०५	५	४३	४	५७
३१ बु	६	१३	१५	५५	६०	००	१३	५५	२८	२२	६	४२	६	०३	२८	०२	५	४३	४	५६
१ गु	६	१४	१५	५५	६०	०२	१४	१५	२८	२०	६	४२	६	०२	२७	५९	५	४४	४	५५
२ शु	६	१५	१५	५७	६०	०३	१४	३४	२८	१८	६	४३	६	०२	२७	५६	५	४४	४	५५
३ श	६	१६	१६	००	६०	०५	१४	५३	२८	१५	६	४३	६	०१	२७	५३	५	४५	४	५४
४ र	६	१७	१६	०५	६०	०७	१५	१२	२८	१३	६	४३	६	०१	२७	५१	५	४५	४	५४
५ चं	६	१८	१६	१२	६०	०९	१५	३०	२८	११	६	४४	६	००	२७	४८	५	४६	४	५३
६ मं	६	१९	१६	२१	६०	११	१५	४९	२८	०९	६	४४	६	००	२७	४५	५	४७	४	५३
७ बु	६	२०	१६	३२	६०	१३	१६	०७	२८	०६	६	४५	६	००	२७	४३	५	४७	४	५२
८ गु	६	२१	१६	४४	६०	१४	१६	२४	२८	०४	६	४५	५	५९	२७	४०	५	४८	४	५२
९ शु	६	२२	१६	५९	६०	१६	१६	४२	२८	०२	६	४६	५	५९	२७	३७	५	४८	४	५१

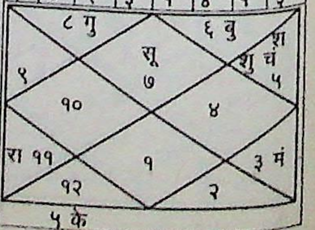
संक्रांति फलम्

ता. १६ नवंबर २००७

का. शु. ६ भृगौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २२।३३ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १६।०९ से २२।३३ तक । (दान- दीप) ।

अयनांशाः २३।५७।०७
३० पं. का.कृ. ९ श. इष्टघटी १२।४०
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

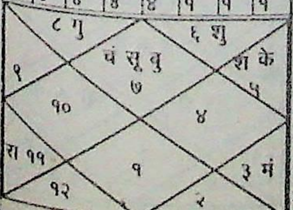
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	२	५	७	४	४	१०	६
१६	१७	२९	२६	२९	१२	०९	१५
२९	३६	२४	०६	५८	५३	२८	५७
२६	५४	०९	०२	१५	०७	१२	४४
६०	९	१९	१२	६२	४	३	६०
०६	०७	२२	००	२६	३९	११	१६
स्वा	आ	चि	ज्ये	उफा	म	श	स्वा
३	४	२	३	१	४	१	३



कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, १० नवंबर से २४ नवंबर तक नवलगढ																								चंद्रः	तारीख			हेमन्तर्तु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ५६९७, नवंबर २००७
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	श	...	...	...	...	विशा	४५	२३	२४	५९	सौ	२६	२३	१७	२६	किं	२७	२३	१७	४७	२६/५६	६/५०	५/३६	वृश्चि. १८।१६	१९	२८	१०	बलीपूजा, गोवर्धनपू., अन्नकूटं देशाचारे, गोक्रीडा, मार्गपालीबं., J
१	र	०	२३	७	००	अनु	५२	२६	२७	४९	शो	२८	२४	१८	१३	ब	०	२३	७	००	५२	५१	३६	वृश्चि.	२०	२९	११	चंद्रदर्शनम्(मु.३०), स्वा.बुधः २७।३४ [D हरिवासरः२६।५० से,विशा. L
२	सो	६	१२	९	२०	ज्ये	५९	०३	३०	२९	अ	३०	०२	१८	५२	कौ	६	१२	९	२०	४९	५२	३५	धनु. ३०।२९	२१	१	१२	भ्रातृ २,यम २,यमुनास्नानं, कलमदवात पू.,जिल्काद ११,हस्तेशुक्रः २२।०२
३	मं	११	३१	११	२९	मूल	...	...	...	...	सु	३१	१५	१९	२२	ग	११	३१	११	२९	४६	५२	३५	धनु.	२२	२	१३	भ. २४।२८ उ., दूर्वागणपति व्र. [B व्रत समाप्तिः, भीष्मपंचक प्रा. D
४	बु	१६	०९	१३	२१	मूल	५	०१	८	५३	धृ	३१	५२	१९	३८	वि	१६	०९	१३	२१	४३	५३	३४	धनु.	२३	३	१४	भ. १३।२१ या., नेहरुजयन्ती (बालदिवस) [J गुर्जराणां नूतनवर्षारंभः
५	गु	१९	४८	१४	४९	पूषा	१०	०७	१०	५७	शू	३१	४१	१९	३४	बा	१९	४८	१४	४९	४०	५४	३४	मक. १७।२३	२४	४	१५	सौभाग्य ५, पाण्डव ५, वक्री भौमः २७।२० [L बुधः ११।०२, धनुषि E
६	शु	२२	१०	१५	४७	उषा	१४	०२	१२	३२	गं	३०	२९	१९	०७	तै	२२	१०	१५	४७	३७	५५	३४	मक.	२५	५	१६	आकाशदीपसमाप्तिः, पातस्पर्शः २५।२४,मोक्षः ३०।४२,वृश्चिके रविः २२।३३
७	श	२२	५९	१६	०७	श्रव	१६	३०	१३	३१	वृ	२८	०५	१८	१०	व	२२	५९	१६	०७	३४	५६	३३	कुंभे २५।४७	२६	६	१७	भ.१६।०७ उ. २८।०२ या.,पंचकप्रारम्भः २५।४७, कल्पादि,वृश्चिकेसौरः १०।०४
८	र	२२	०४	१५	४६	धनि	१७	१७	१३	५१	ध्रु	२४	१९	१६	४०	ब	२२	०४	१५	४६	३१	५६	३३	कुंभे	२७	७	१८	गोपाष्टमी [F भा. मार्गशीर्षारंभः, सायन धनुषि भानुः २२।२२
९	सो	१९	१८	१४	४०	शत	१६	१७	१३	२८	व्या	१९	०५	१४	३५	कौ	१९	१८	१४	४०	२८	५७	३२	मीने ३०।४२	२८	८	१९	युगादि,कुष्माण्ड(अक्षय) ९, अनु.रविः २९।५२ [E मूले-१ गुरुः २७।२२
१०	मं	१४	४१	१२	५०	पूभा	१३	२७	१२	२१	ह	१२	२३	११	५५	ग	१४	४१	१२	५०	२६	५८	३२	मीने	२९	९	२०	भ.२३।४० उ.,अनु.सौरः १७।०६ [C कार्तिकस्नानपूर्तिः,चित्रा.शुक्रः२९।३१
११	बु	८	२३	१०	२०	उभा	८	५७	१०	३३	व	४/५५	१८/०४	८/२९	४२/००	वि	८	२३	१०	२०	२३	५९	३२	मीने	३०	१०	२१	भ.१०।२० या.,प्रबोधिनी ११ व्र.,देवोत्थापनं, तुलसीविवाह चतुर्मास B
१२	गु	०	३७	७	१४	रेव	३/५६	००/००	८/२९	११/२३	व्य	४४	५१	२४	५६	बा	०	३७	७	१४	२०	५९	३२	मेषे ८।११	१	११	२२	पंचक समाप्तिः ८।११, प्रदोषः, मन्वादि, हरिवासरः ७।१४ तक, F
१३	गु	५१	४९	२७	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A त्रिपुरोत्सव, पुष्करयात्रा, नानकजयंती, भीष्मपंचक समाप्ति, C
१४	शु	४२	१७	२३	५५	भर	४८	२०	२६	२०	व	३४	०२	२०	३७	ग	१७	०६	१३	५१	१८	७/००	३१	मेषे	२	१२	२३	भ. २३।५५ उ., वैकुण्ठ १४, रोटक व्रत समाप्तिः, कार्तिक व्रतोद्यापनं
१५	श	३२	३४	२०	०३	कृति	४०	३२	२३	१४	प	२२	५९	१६	१३	वि	७	२५	९	५९	१५	०१	३१	वृषे ७।३४	३	१३	२४	भ. ९।५९ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपूर्णयज्ञ्च, गोपद्मव्रत समाप्ति, A

अयनांशाः २३।५७।०८
३१ पं. का.शु. १ श. इष्टघटी १२।२७
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	२	६	७	५	४	१०	६
२३	१८	०४	२७	०७	१३	०९	२३
३०	२५	४०	३१	२२	२३	०५	००
४३	०६	०१	२८	२८	५४	५६	१९
६०	३	७०	१२	६४	४	३	६०
१८	४९	५७	२८	४४	०३	११	३०
ति	आ	चि	ज्ये	उफा	पूफा	श	वि
२	४	४	४	४	१	१	१



नवम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१० श	६	२३	१७	१५	६०	१८	१६	५९	२८	००	६	४६	५	५८	२७	३५	५	४९	४	५१
११ र	६	२४	१७	३३	६०	२०	१७	१६	२७	५८	६	४७	५	५८	२७	३२	५	५०	४	५०
१२ चं	६	२५	१७	५२	६०	२१	१७	३२	२७	५६	६	४७	५	५८	२७	३०	५	५०	४	५०
१३ मं	६	२६	१८	१३	६०	२३	१७	४९	२७	५४	६	४८	५	५८	२७	२७	५	५१	४	५०
१४ बु	६	२७	१८	३६	६०	२५	१८	०५	२७	५२	६	४९	५	५७	२७	२५	५	५१	४	४९
१५ गु	६	२८	१९	०१	६०	२६	१८	२०	२७	५०	६	४९	५	५७	२७	२२	५	५२	४	४९
१६ शु	६	२९	१९	२७	६०	२८	१८	३६	२७	४८	६	५०	५	५७	२७	२०	५	५३	४	४९
१७ श	७	००	१९	५५	६०	२९	१८	५१	२७	४६	६	५०	५	५७	२७	१८	५	५३	४	४८
१८ र	७	०१	२०	२४	६०	३१	१९	०५	२७	४४	६	५१	५	५६	२७	१६	५	५४	४	४८
१९ चं	७	०२	२०	५५	६०	३३	१९	२०	२७	४२	६	५१	५	५६	२७	१३	५	५५	४	४८
२० मं	७	०३	२१	२८	६०	३४	१९	३४	२७	४१	६	५२	५	५६	२७	११	५	५५	४	४८
२१ बु	७	०४	२२	०२	६०	३५	१९	४७	२७	३९	६	५३	५	५६	२७	०९	५	५६	४	४८
२२ गु	७	०५	२२	३७	६०	३७	२०	००	२७	३७	६	५३	५	५६	२७	०७	५	५७	४	४७
२३ शु	७	०६	२३	१४	६०	३८	२०	१३	२७	३६	६	५४	५	५६	२७	०५	५	५७	४	४७
२४ श	७	०७	२३	५३	६०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

अयनांशाः २३।५७।०९
३२ पं. का.शु. ७ श. इष्टघटी १२।१४
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	२	६	७	५	४	१०	७
००	१८	१४	२८	१५	१३	०८	००
३३	३४	०२	५९	०१	५०	४३	०४
२६	३५	०४	५३	२४	२०	४१	२६
६०	२	८८	१२	६६	३	३	६०
३०	००	४१	५१	३६	२४	११	४२
वि	आ	स्वा	ज्ये	ह	पूफा	श	वि
४	४व	३	४	२	१	१	४



अयनांशाः २३।५७।१०
३३ पं. का.शु.१५ श. इष्टघटी १२।००
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	२	६	८	५	४	१०	७
०७	१८	२४	००	२२	१४	०६	०७
३७	०२	४०	३०	५२	१२	२१	०९
२६	२६	५९	४७	२६	०५	२५	५५
६०	८	९३	१३	६८	२	३	६०
४०	०४	२७	१०	०९	४२	११	५३
अनु	आ	चि	मू	ह	पूफा	श	अनु
२	४व	२	१	४	१	१	२

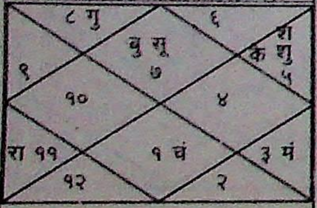


कातिक कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, २७ अक्टूबर से ९ नवंबर तक नवलगढ — हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति महा., अक्टूबर-नवंबर २००७

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः	स्टै. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	इसमें लिखें अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	शु	९	३७	३०	३०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	·	०	०	०	०	|A यमायदीपदानं, गोत्रिरात्र व्र., विशा. सौरः १२।१२
२	श	५०	०१	२६	४१	भर	२०	४३	१४	५७	सि	९ / ५९	५० / ०४	१० / ३०	३६ / १८	तै	२४	४४	१६	३४	२७ / ४५	६ / ४०	५ / ४६	वृषे	२०।१२	५	१४	२७	
३	र	४१	०७	२३	०८	कृति	१३	१८	१२	००	व	४८	५६	२६	१५	व	१५	२६	१२	५१	४९	४१	४५	वृषे		६	१५	२८	भ. १२।५१ उ. २३।०८ या., दशरथ ललिता व्र.
४	सो	३३	२२	२०	०२	रोहि	६	४८	९	२५	प	३९	४८	२२	३७	व	७	०३	९	३१	३८	४२	४५	मिथु.	२०।१९	७	१६	२९	करवा ४ चन्द्रोदयः २०।२७, बुधोदयः पूर्वस्याम् १२।०९
५	मं	२७	१०	१७	३४	मृग	९ / ५८	४० / १६	७ / ३०	२२ / ०१	शि	३१	५८	१९	२९	कौ	०	०२	६	४३	३४	४२	४४	मिथु.		८	१७	३०	(व) कन्यायां बुधः १२।३२, उफा. शुक्रः ३०।३८
६	बु	२२	४९	१५	५१	पुन	५६	४७	२९	२६	सि	२५	३८	१६	५८	च	२२	४९	१५	५१	३०	४३	४३	कर्के	२३।३०	९	१८	३१	भ. १५।५१ उ. २७।१८ या., स्कन्द षष्ठी
७	गु	२०	३३	१४	५७	पुष्य	५७	२१	२९	४०	सा	२०	५६	१५	०६	व	२०	३३	१४	५७	२७	४४	४२	कर्के		१०	१९	१	होई (अहोरी) ८, नवंबर ११ ता. ३०
८	शु	२०	१९	१४	५२	श्ले	५९	५१	३०	४१	शु	१७	५१	१३	५३	कौ	२०	१९	१४	५२	२३	४४	४२	सिंहे	३०।४१	११	२०	२	पातस्पर्शः २६।०४, मोक्षः ३०।४३, मार्गी बुधः १८।०५
९	श	२२	०२	१५	३४	मघा	...	...	...	...	शु	१६	१७	१३	१६	ग	२२	०२	१५	३४	१९	४५	४१	सिंहे		१२	२१	३	भ. २८।१० उ., कन्यायां शुक्रः १२।२९
१०	र	२५	२४	१६	५५	मघा	४	०२	८	२२	ब्र	१६	००	१३	१०	वि	२५	२४	१६	५५	१६	४६	४०	सिंहे		१३	२२	४	भ. १६।५५ या., तुलायां बुधः २५।३०
११	सो	३०	०५	१८	४८	पूफा	९	३६	१०	३७	ऐ	१६	४४	१३	२८	बा	३०	०५	१८	४८	१२	४७	४०	कन्या	१७।१५	१४	२३	५	रमा ११ व्र. |B १४, प्रभात स्नानं
१२	मं	३५	३९	२१	०३	उफा	१६	०९	१३	१५	वै	१८	१२	१४	०४	कौ	२	४५	७	५३	०९	४७	३९	कन्या		१५	२४	६	गोवत्स द्वादशी, विशा. रविः २३।५१, ज्यैष्ठा.-४ गुरुः ७।२१
१३	बु	४१	४४	२३	३०	हस्त	२३	१६	१६	०६	वि	२०	०६	१४	५०	ग	८	३९	१०	१५	०६	४८	३८	तुला.	२९।३५	१६	२५	७	भ. २३।३० उ., प्रदोषः, धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, A
१४	गु	४८	०२	२६	०१	चित्रा	३०	४०	१९	०५	प्री	२२	१३	१५	४२	वि	१४	५१	१२	४५	०२	४९	३८	तुला.		१७	२६	८	भ. १२।४५ या., मासिकशिवरात्री व्र., दीपदानं, रुप (नरक) B
३०	शु	५४	१९	२८	३३	स्वा	३८	०५	२२	०३	आ	२४	२४	१६	३५	च	२१	०९	१५	१७	२६ / ५९	४९	३७	तुला.		१८	२७	९	देवपितृकार्येऽमा., महालक्ष्मी पूजा, कुबेर पू., पूफा.-१ शनिः १३।१३

अयनांशाः २३।५७।०६
२९ पं. का.कृ. २ श. इष्टघटी १२।५१
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	२	६	७	४	४	१०	६
०९	१६	०२	२४	२२	१२	०९	०८
२९	१३	२३	४४	५२	१८	५०	५६
३९	५८	२४	०४	०८	२०	२७	४७
५९	१३	५७	११	५९	५	३	६०
५२	४९	२७	२९	३७	१२	११	०२
स्वा	आ	चि	ज्ये	पूफा	म	श	स्वा
१	३	३व	३	३	४	१	१



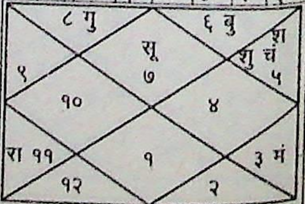
अक्टुबर ता. वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२७ श	६	०९	१६	१६	५९	५२	१२	३५	२८	३२	६	४०	६	०५	२८	१४	५	४१	४	५९
२८ र	६	१०	१६	०८	५९	५४	१२	५६	२८	३०	६	४०	६	०४	२८	११	५	४२	४	५८
२९ चं	६	११	१६	०२	५९	५६	१३	१६	२८	२७	६	४१	६	०४	२८	०८	५	४२	४	५७
३० मं	६	१२	१५	५८	५९	५८	१३	३६	२८	२५	६	४१	६	०३	२८	०५	५	४३	४	५७
३१ बु	६	१३	१५	५५	६०	००	१३	५५	२८	२२	६	४२	६	०३	२८	०२	५	४३	४	५६
१ गु	६	१४	१५	५५	६०	०२	१४	१५	२८	२०	६	४२	६	०२	२७	५९	५	४४	४	५५
२ शु	६	१५	१५	५७	६०	०३	१४	३४	२८	१८	६	४३	६	०२	२७	५६	५	४४	४	५५
३ श	६	१६	१६	००	६०	०५	१४	५३	२८	१५	६	४३	६	०१	२७	५३	५	४५	४	५४
४ र	६	१७	१६	०५	६०	०७	१५	१२	२८	१३	६	४३	६	०१	२७	५१	५	४५	४	५४
५ चं	६	१८	१६	१२	६०	०९	१५	३०	२८	११	६	४४	६	००	२७	४८	५	४६	४	५३
६ मं	६	१९	१६	२१	६०	११	१५	४९	२८	०९	६	४४	६	००	२७	४५	५	४७	४	५३
७ बु	६	२०	१६	३२	६०	१३	१६	०७	२८	०६	६	४५	६	००	२७	४३	५	४७	४	५२
८ गु	६	२१	१६	४४	६०	१४	१६	२४	२८	०४	६	४५	५	५९	२७	४०	५	४८	४	५२
९ शु	६	२२	१६	५९	६०	१६	१६	४२	२८	०२	६	४६	५	५९	२७	३७	५	४८	४	५१

संक्रांति फलम्

ता. १६ नवंबर २००७
का. शु. ६ भृगौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २२।३३ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १६।०९ से २२।३३ तक। (दान- दीप)।

अयनांशाः २३।५७।०७
३० पं. का.कृ. ९ श. इष्टघटी १२।४०
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	२	५	७	४	४	१०	६
१६	१७	२९	२६	२९	१२	०९	१५
२९	३६	२४	०६	५८	५३	२८	५७
२६	५४	०९	०२	१५	०७	१२	४४
६०	९	१९	१२	६२	४	३	६०
०६	०७	२२	००	२६	३९	११	१६
स्वा	आ	चि	ज्ये	उफा	म	श	स्वा
३	४	२	३	१	४	१	३

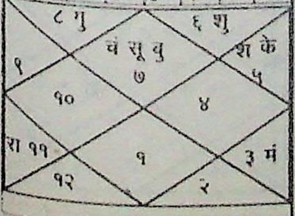


५ के

कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, १० नवंबर से २४ नवंबर तक नवलगढ																									चंद्रः	तारीख			हेमन्तर्तु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ५६९७, नवंबर २००७
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.		भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	श	...	...	...	...	विशा	४५	२३	२४	५९	सौ	२६	२३	१७	२६	किं	२७	२३	१७	४७	२६ ५६	६ ५०	५ ३६	वृश्चि.	१८।१६	१९	२८	१०	बलीपूजा, गोवर्धनपू., अन्नकूट देशाचारे, गोक्रीडा, मार्गपालीबं., J
१	र	०	२३	७	००	अनु	५२	२६	२७	४९	शो	२८	२४	१८	१३	व	०	२३	७	००	५२	५१	३६	वृश्चि.		२०	२९	११	चन्द्रदर्शनम्(मु.३०), स्वा.बुधः २७।३४ [D हरिवासरः२६।५० से,विशा. L
२	सो	६	१२	९	२०	ज्ये	५९	०३	३०	२९	अ	३०	०२	१८	५२	कौ	६	१२	९	२०	४९	५२	३५	धनु.	३०।२९	२१	१	१२	भ्रातृ २,यम २,यमुनास्नानं, कलमदवात पू.,जिल्काद ११,हस्तेशुक्रः २२।०२
३	मं	११	३१	११	२९	मूल	...	...	...	...	सु	३१	१५	१९	२२	ग	११	३१	११	२९	४६	५२	३५	धनु.		२२	२	१३	म. २४।२८ उ., दूर्वागणपति व्र. [B व्रत समाप्तिः, भीष्मपंचक प्रा. D
४	बु	१६	०९	१३	२१	मूल	५	०१	८	५३	धृ	३१	५२	१९	३८	वि	१६	०९	१३	२१	४३	५३	३४	धनु.		२३	३	१४	म. १३।२१ या., नेहरुजयन्ती (बालदिवस) [J गुर्जराणां नूतनवर्षारंभः
५	गु	१९	४८	१४	४९	पूषा	१०	०७	१०	५७	शू	३१	४१	१९	३४	बा	१९	४८	१४	४९	४०	५४	३४	मक.	१७।२३	२४	४	१५	सौभाग्य ५, पाण्डव ५, वक्री भौमः २७।२० [L बुधः ११।०२, धनुषि E
६	शु	२२	१०	१५	४७	उषा	१४	०२	१२	३२	गं	३०	२९	१९	०७	तै	२२	१०	१५	४७	३७	५५	३४	मक.		२५	५	१६	आकाशदीपसमाप्तिः, पातस्पर्शः २५।२४,मोक्षः ३०।४२,वृश्चिके रविः २२।३३
७	श	२२	५९	१६	०७	श्रव	१६	३०	१३	३१	वृ	२८	०५	१८	१०	व	२२	५९	१६	०७	३४	५६	३३	कुंभे	२५।४७	२६	६	१७	म.१६।०७ उ. २८।०२ या.,पंचकप्रारम्भः २५।४७, कल्पादि,वृश्चिकेसौरः १०।०४
८	र	२२	०४	१५	४६	धनि	१७	१७	१३	५१	ध्रु	२४	१९	१६	४०	व	२२	०४	१५	४६	३१	५६	३३	कुंभे		२७	७	१८	गोपाष्टमी [F भा. मार्गशीर्षारंभः, सायन धनुषि भानुः २२।२२
९	सो	१९	१८	१४	४०	शत	१६	१७	१३	२८	व्या	१९	०५	१४	३५	कौ	१९	१८	१४	४०	२८	५७	३२	मीने	३०।४२	२८	८	१९	युगादि,कुष्माण्ड(अक्षय) ९, अनु.रविः २९।५२ [E मूले-१ गुरुः २७।२२
१०	मं	१४	४१	१२	५०	पूभा	१३	२७	१२	२१	ह	१२	२३	११	५५	ग	१४	४१	१२	५०	२६	५८	३२	मीने		२९	९	२०	म.२३।४० उ.,अनु.सौरः १७।०६ [C कार्तिकस्नानपूर्तिः,चित्रा.शुक्रः२५।३१
११	बु	८	२३	१०	२०	उभा	८	५७	१०	३३	व	४ ५५	१८ ०४	८ २१	४२ ००	वि	८	२३	१०	२०	२३	५९	३२	मीने		३०	१०	२१	म.१०।२० या.,प्रबोधिनी ११ व्र.,देवोत्थापनं, तुलसीविवाह चतुर्मास B
१२	गु	०	३७	७	१४	रेव	३ ५६	०० ००	८ २९	११ २३	व्य	४४	५१	२४	५६	बा	०	३७	७	१४	२०	५९	३२	मेषे	८।११	१	११	२२	पंचक समाप्तिः ८।११, प्रदोषः, मन्वादि, हरिवासरः ७।१४ तक, F
१३	गु	५१	४९	२७	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[A त्रिपुरोत्सव, पुष्करयात्रा, नानकजयंती, भीष्मपंचक समाप्ति, C
१४	शु	४२	१७	२३	५५	भर	४८	२०	२६	२०	व	३४	०२	२०	३७	ग	१७	०६	१३	५१	१८	७ ००	३१	मेषे		२	१२	२३	म. २३।५५ उ., वैकुण्ठ १४, रोटक व्रत समाप्तिः, कार्तिक व्रतोद्यापनं
१५	श	३२	३४	२०	०३	कृति	४०	३२	२३	१४	प	२२	५९	१६	१३	वि	७	२५	९	५९	१५	०१	३१	वृषे	७।३४	३	१३	२४	म. ९।५९ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, गोपद्मव्रत समाप्ति, A

अयनांशाः २३।५७।०८
३१ पं. का.शु. १ श. इष्टघटी १२।२७
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	२	६	७	५	४	१०	६
२३	१८	०४	२७	०७	१३	०९	२३
३०	२५	४०	३१	२२	२३	०५	००
४३	०६	०१	२८	२८	५४	५६	१९
६०	३	७०	१२	६४	४	३	६०
१८	४९	५७	२८	४४	०३	११	३०
ति	आ	चि	ज्ये	उफा	पूफा	श	चि
२	४	४	४	४	१	१	१



नवम्बर		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१०	श	६	२३	१७	१५	६०	१८	१६	५९	२८	००	६	४६	५	५८	२७	३५	५	४९	४	५१
११	र	६	२४	१७	३३	६०	२०	१७	१६	२७	५८	६	४७	५	५८	२७	३२	५	५०	४	५०
१२	चं	६	२५	१७	५२	६०	२१	१७	३२	२७	५६	६	४७	५	५८	२७	३०	५	५०	४	५०
१३	मं	६	२६	१८	१३	६०	२३	१७	४९	२७	५४	६	४८	५	५८	२७	२७	५	५१	४	५०
१४	बु	६	२७	१८	३६	६०	२५	१८	०५	२७	५२	६	४९	५	५७	२७	२५	५	५१	४	४९
१५	गु	६	२८	१९	०१	६०	२६	१८	२०	२७	५०	६	४९	५	५७	२७	२२	५	५२	४	४९
१६	शु	६	२९	१९	२७	६०	२८	१८	३६	२७	४८	६	५०	५	५७	२७	२०	५	५३	४	४९
१७	श	७	००	१९	५५	६०	२९	१८	५१	२७	४६	६	५०	५	५७	२७	१८	५	५३	४	४८
१८	र	७	०१	२०	२४	६०	३१	१९	०५	२७	४४	६	५१	५	५६	२७	१६	५	५४	४	४८
१९	चं	७	०२	२०	५५	६०	३३	१९	२०	२७	४२	६	५१	५	५६	२७	१३	५	५५	४	४८
२०	मं	७	०३	२१	२८	६०	३४	१९	३४	२७	४१	६	५२	५	५६	२७	११	५	५५	४	४८
२१	बु	७	०४	२२	०२	६०	३५	१९	४७	२७	३९	६	५३	५	५६	२७	०९	५	५६	४	४८
२२	गु	७	०५	२२	३७	६०	३७	२०	००	२७	३७	६	५३	५	५६	२७	०७	५	५७	४	४७
२३	शु	७	०६	२३	१४	६०	३८	२०	१३	२७	३६	६	५४	५	५६	२७	०५	५	५७	४	४७
२४	श	७	०७	२३	५३	६०	४०	२०	२५	२७	३४	६	५४	५	५६	२७	०३	५	५८	४	४७

अयनांशाः २३।५७।०९
३२ पं. का.शु. ७ श. इष्टघटी १२।१४
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	२	६	७	५	४	१०	७
००	१८	१४	२८	१५	१३	०८	००
३३	३४	०२	५९	०१	५०	४३	०४
२६	३५	०४	५३	२४	२०	४१	२६
६०	२	८८	१२	६६	३	३	६०
३०	००	४१	५१	३६	२४	११	४२
वि	आ	स्वा	ज्ये	ह	पूफा	श	वि
४	४व	३	४	२	१	१	४



अयनांशाः २३।५७।१०
३३ पं. का.शु.१५ श. इष्टघटी १२।००
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	२	६	८	५	४	१०	७
०७	१८	२४	००	२२	१४	०६	०७
३७	०२	४०	३०	५२	१२	२१	०९
२६	२६	५९	४७	२६	०५	२५	५५
६०	८	९३	१३	६८	२	३	६०
४०	०४	२७	१०	०९	४२	११	५३
अनु	आ	वि	मु	ह	पूफा	श	अनु
२	४व	२	१	४	१	१	२



मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, २५ नवंबर से ९ दिसंबर तक नवलगढ																								चंद्रः	तारीख			हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति महा., नवंबर-दिसंबर २००७
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	र	२३	१०	१६	१८	रोहि	३३	०६	२०	१६	शि	१२	०६	११	५२	कौ	२३	१०	१६	१८	२६ १३	७ ०२	५ ३१	मिथु. ३०।५५	४	१४	२५	
२	सो	१४	३१	१२	५१	मृग	२६	३३	१७	४०	सि	९ ५२	४७ २६	७ २८	४५ ०१	ग	१४	३१	१२	५१	१०	०३	३१	मिथु.	५	१५	२६	भ. २३।१८ उ.
३	मं	७	०७	९	५४	आर्द्रा	२१	२१	१५	३६	शु	४४	१८	२४	४७	वि	७	०७	९	५४	०८	०३	३१	मिथु.	६	१६	२७	भ. ९।५४ या., अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।२१, सौभाग्य A
४	बु	१	२५	७	३८	पुन	१७	५४	१४	१४	शु	३७	४२	२२	०९	बा	१	२५	७	३८	०६	०४	३०	कर्के ८।३०	७	१७	२८	पातस्पर्शः २३।३५, मोक्षः २९।०७
५	बु	५७	४३	३०	०९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A सुंदरी व्र., वृश्चिके बुधः २१।३०, बुधास्तः पूर्वस्याम् २५।५५
६	गु	५६	०९	२९	३३	पुष्य	१६	२७	१३	४०	ब्र	३२	४६	२०	११	ग	२६	३८	१७	४४	०४	०५	३०	कर्के	८	१८	२९	भ. २९।३३ उ., अनु. बुधः २४।३०
७	शु	५६	४६	२९	४८	श्ले	१७	१०	१३	५७	ऐ	२९	३५	१८	५६	वि	२६	११	१७	३४	०२	०६	३०	सिंहे १३।५७	९	१९	३०	भ. १७।३४ या., तुलायां शुक्रः १७।१७
८	श	५९	२७	३०	५३	मघा	१९	५७	१५	०५	वै	२८	०१	१८	१९	बा	२७	५१	१८	१५	००	०६	३०	सिंहे	१०	२०	१	कालभैरवाष्टमी, दिसंबर १२ ता. ३१
९	र.	...	...	...	...	पूफा	२४	३५	१६	५७	वि	२७	५२	१८	१६	तै	३१	२५	१९	४१	२५ ५८	०७	३०	कन्या २३।३१	११	२१	२	
९	सो	३	४६	८	३८	उफा	३०	४१	१९	२४	प्री	२८	५३	१८	४१	ग	३	४६	८	३८	५६	०८	३०	कन्या	१२	२२	३	भ. २१।४३ उ., ज्येष्ठा. रविः १०।०८ (सौरः २०।११)
१०	मं	९	२४	१०	५४	हस्त	३७	४६	२२	१५	आ	३०	४०	१९	२५	वि	९	२४	१०	५४	५४	०९	३०	कन्या	१३	२३	४	भ. १०।५४ या.
११	बु	१५	४५	१३	२७	चित्रा	४५	२०	२५	१७	सौ	३२	५१	२०	१८	बा	१५	४५	१३	२७	५३	०९	३०	तुला. ११।४६	१४	२४	५	उत्पत्ति ११ व्र., वैतरणी व्रं.
१२	गु	२२	१९	१६	०६	स्वा	५२	५४	२८	२०	शो	३५	०७	२१	१३	तै	२२	१९	१६	०६	५१	१०	३१	तुला.	१५	२५	६	मूले-२ गुरुः २७।४०, स्वा. शुक्रः ११।०३
१३	शु	२८	४१	१८	३९	विशा	...	...	...	...	अ	३७	११	२२	०३	व	२८	४१	१८	३९	५०	११	३१	वृश्चि. २४।३२	१६	२६	७	भ. १८।३९ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
१४	श	३४	३६	२१	०२	विशा	०	०८	७	१५	सु	३८	५३	२२	४५	वि	१	४२	७	५२	४८	१२	३१	वृश्चि.	१७	२७	८	भ. ७।५२ या., महाव्रतारंभः, ज्येष्ठा. बुधः १२।२२
३०	र	३९	५५	२३	१०	अनु	६	५३	९	५७	धृ	४०	०८	२३	१६	च	७	१९	१०	०८	४७	१२	३१	वृश्चि.	१८	२८	९	देवपितृकार्येऽमा., गौरीतपोव्र.

अयनांशाः २३।५७।११
३४ पं. मा.कृ. ८ श. इष्टघटी ११।४६
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	२	७	८	६	४	१०	७
१४	१६	०५	०२	००	१४	०७	१४
४२	४८	३८	०३	५३	२८	५९	१६
३६	०३	४९	४२	२९	५२	१०	३५
६०	१३	९४	१३	६९	१	३	६१
४९	५७	१५	२५	२६	५९	११	०३
अनु	आ	अनु	मू	चि	पूफा	श	अनु
४	४व	१	१	३	१	१	४



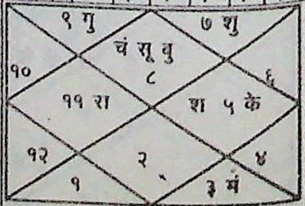
नवम्बर		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२५	र	७	०८	२४	३३	६०	४१	२०	३८	२७	३२	६	५५	५	५६	२७	०१	५	५९	४	४७
२६	चं	७	०९	२५	१४	६०	४३	२०	५०	२७	३१	६	५६	५	५६	२६	५९	५	५९	४	४७
२७	मं	७	१०	२५	५७	६०	४४	२१	०१	२७	२९	६	५६	५	५६	२६	५७	६	००	४	४७
२८	बु	७	११	२६	४०	६०	४५	२१	१२	२७	२८	६	५७	५	५६	२६	५६	६	०१	४	४७
२९	गु	७	१२	२७	२६	६०	४६	२१	२३	२७	२७	६	५७	५	५६	२६	५४	६	०१	४	४७
३०	शु	७	१३	२८	१२	६०	४८	२१	३३	२७	२५	६	५८	५	५६	२६	५२	६	०२	४	४७
१	श	७	१४	२९	००	६०	४९	२१	४३	२७	२४	६	५९	५	५६	२६	५१	६	०३	४	४७
२	र	७	१५	२९	४९	६०	५०	२१	५२	२७	२३	६	५९	५	५६	२६	४९	६	०३	४	४७
३	चं	७	१६	३०	३९	६०	५१	२२	०१	२७	२२	७	००	५	५७	२६	४८	६	०४	४	४७
४	मं	७	१७	३१	३०	६०	५२	२२	१०	२७	२१	७	००	५	५७	२६	४७	६	०५	४	४७
५	बु	७	१८	३२	२३	६०	५४	२२	१८	२७	१९	७	०१	५	५७	२६	४५	६	०५	४	४८
६	गु	७	१९	३३	१६	६०	५४	२२	२५	२७	१८	७	०२	५	५७	२६	४४	६	०६	४	४८
७	शु	७	२०	३४	११	६०	५६	२२	३३	२७	१७	७	०२	५	५७	२६	४३	६	०७	४	४८
८	श	७	२१	३५	०६	६०	५६	२२	३९	२७	१७	७	०३	५	५८	२६	४२	६	०७	४	४८
९	र	७	२२	३६	०३	६०	५७	२२	४६	२७	१६	७	०४	५	५८	२६	४१	६	०८	४	४८

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट हैं। कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों। कृ. तीज को आर्द्रा होने से धान्य सस्ता रहे। राज्य स्वस्थ रहे और प्रजा में सुख रहे। अमावस को रविवार और अनुराधा योग होने से सन्ताप, अर्थनाश, क्लेश और राजदुःख की पीड़ा हो। वृश्चिक राशि में बुध का अस्त होने से धातुओं के भाव तेज हों। अनुराधा में बुध होने से सुभिक्ष हो, पक्षियों और गौओं में पीड़ा हो, मनुष्य सुखी हों, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, भूमि अनेक प्रकार के अन्नों से परिपूर्ण हो।

अयनांशाः २३।५७।१२
३५ पं. मा.कृ.१४ श. इष्टघटी ११।३३
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	२	७	८	६	४	१०	७
२१	१४	१६	०३	०९	१४	०७	२१
४८	५४	३७	३८	०२	४०	३६	२४
४३	३३	५२	१०	४८	२६	५५	१८
६०	१९	९४	१३	७०	१	३	६१
५७	००	०३	३६	३०	१३	११	१०
ज्ये	आ	अनु	मू	स्वा	पूफा	श	ज्ये
२	३व	४	२	१	१	१	२

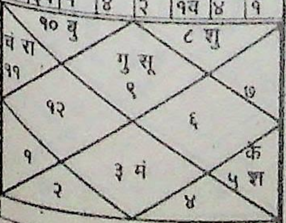


पोष शुक्लपक्ष सवत् २०६४, शाकः १९२९, ९ जनवरी से २२ जनवरी तक नवलगढ चंद्रः

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.		तारीख भा.	मु.	इं.	शिशिरर्त्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ५७५७, जनवरी २००८ — इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	बु	२६	०१	१७	५०	उषा	४१	४४	२४	०७	ह	४९	१८	२७	०९	ब	२६	०१	१७	५०	२५ ५४	७ २६	५ ४७	मक.		१९	२९	९	
२	गु	२६	५४	१८	११	श्रव	४३	४५	२४	५६	व	४६	४४	२६	०७	कौ	२६	५४	१८	११	५६	२६	४८	मक.		२०	३०	१०	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), अव. बुधः २०।२१
३	शु	२६	४८	१८	०५	धनि	४४	५२	२५	२३	सि	४३	२५	२४	४८	ग	२६	४८	१८	०९	५८	२६	४९	कुंभे	१३।१२	२१	१	११	भ. ३०।०० उ., पंचक प्रारम्भः १३।१२, मोहोर्रम १ सन १४२९ हि., B
४	श	२५	४७	१७	४५	शत	४५	०४	२५	२७	व्य	३९	२२	२३	११	वि	२५	४७	१७	४५	२६ ००	२६	५०	कुंभे		२२	२	१२	भ. १७।४५ या.
५	र	२३	४८	१६	५७	पूभा	४४	२०	२५	१०	व	३४	३५	२१	१६	बा	२३	४८	१६	५७	०२	२६	५१	मीने	१९।१६	२३	३	१३	[B उषा. रविः १७।१५ (सौरः २३।४७)
६	सो	२०	५३	१५	४७	उभा	४२	४०	२४	३०	प	२९	०३	१९	०३	तै	२०	५३	१५	४७	०४	२६	५१	मीने		२४	४	१४	मकरे रविः २३।४६ (सौरः ३०।०१), निरयन उत्तरायणारंभः
७	मं	१७	००	१४	१३	रेव	४०	०५	२३	२८	शि	२२	४६	१६	३२	व	१७	००	१४	१३	०६	२६	५२	मेषे	२३।२८	२५	५	१५	भ. १४।१३ उ. २५।१९ या., पंचक समाप्तिः २३।२८
८	बु	१२	१३	१२	१९	अश्वि	३६	३९	२२	०५	सि	१५	४६	१३	४४	ब	१२	१३	१२	१९	०८	२६	५३	मेषे		२६	६	१६	शांकभरी यात्रा, महाभद्रा, पातस्पर्शः ३०।५३, सक्रान्ति करिदिन
९	गु	६	३७	१०	०४	भर	३२	२९	२०	२५	सा	८	०८	१०	४१	कौ	१	३७	१०	०४	११	२५	५४	वृषे	२५।५८	२७	७	१७	पातमोक्षः १२।०४
१०	शु	०	२५	७	३५	कृति	२७	४८	१८	२२	शु	० ५१	०० ३१	७ २८	२५ ०२	ग	०	२५	७	३५	१३	२५	५५	वृषे		२८	८	१८	भ. १८।१७ उ. २८।५६ या., पुत्रदा ११ व्र.स्मार्त, मन्वादि
११	शु	५३	४७	२८	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[C धनुषि मूले शुक्रः १६।५६
१२	श	४७	०२	२६	१४	रोहि	२२	५०	१६	३३	ब्र	४२	५६	२४	३६	ब	२०	२४	१५	३५	१६	२५	५५	मिथु.	२७।३३	२९	९	१९	पुत्रदा ११ व्र.वैष्ण., धनि. बुधः २२।०६, पूषा.-१ गुरुः २७।३०, C
१३	र	४०	२८	२३	३६	मृग	१७	५५	१४	३५	ऐ	३४	२९	२१	१३	कौ	१३	४३	१२	५४	१८	२५	५६	मिथु.		३०	१०	२०	प्रदोषः, सायन कुंभे भानुः २२।१४
१४	सो	३४	२५	२१	११	आर्द्रा	१३	२३	१२	४६	वै	२६	२६	१७	५९	ग	७	२२	१०	२१	२१	२५	५७	कर्के	२९।३५	१	११	२१	भ. २१।११ उ., मा. माघारंभः, अभि.प्र.रविः१२।५३ (सौरः १८।३६)
१५	मं	२९	१३	११	०६	पुन	९	३३	११	१४	वि	१९	०१	१५	०१	वि	१	४१	८	०५	२३	२४	५८	कर्के		२	१२	२२	भ. ८।०५ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, शाकंभरी जयंती, माघ स्नानारंभः

अयनांशाः २३।५७।१७
४० प. पौ.शु. ४ श. इष्टघटी १०।५८
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	२	९	८	७	४	१०	८
२७	०२	१२	११	२१	१४	०५	२७
२७	३२	३५	३७	०९	१७	४५	१०
१८	५६	४२	२०	३२	४५	३७	४६
६१	१४	९३	१३	७३	२	३	६१
०८	३०	२१	३१	२५	३४	११	२१
उषा	मृ	श्र	मू	ज्ये	पूफा	घ	उषा
१	३व	१	४	२	१व	४	१



ता.	वा.	जनवरी रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि.	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
९	बु	८	२४	१०	११	६१	०९	२२	१३	२७	२१	७	१७	६	१४	२६	४७	६	२२	५	०४
१०	गु	८	२५	११	२०	६१	०९	२२	०४	२७	२२	७	१८	६	१४	२६	४८	६	२२	५	०५
११	शु	८	२६	१२	२९	६१	०९	२१	५६	२७	२३	७	१८	६	१५	२६	४९	६	२२	५	०६
१२	श	८	२७	१३	३७	६१	०८	२१	४६	२७	२४	७	१८	६	१६	२६	५१	६	२२	५	०६
१३	र	८	२८	१४	४६	६१	०८	२१	३७	२७	२५	७	१८	६	१६	२६	५३	६	२२	५	०७
१४	चं	८	२९	१५	५४	६१	०७	२१	२७	२७	२७	७	१८	६	१७	२६	५४	६	२२	५	०८
१५	मं	९	००	१७	०१	६१	०७	२१	१६	२७	२८	७	१८	६	१८	२६	५६	६	२२	५	०९
१६	बु	९	०१	१८	०९	६१	०७	२१	०५	२७	३०	७	१८	६	१८	२६	५८	६	२२	५	०९
१७	गु	९	०२	१९	१५	६१	०६	२०	५४	२७	३१	७	१८	६	१९	२६	५९	६	२२	५	१०
१८	शु	९	०३	२०	२२	६१	०६	२०	४२	२७	३३	७	१८	६	१९	२७	०१	६	२२	५	११
१९	श	९	०४	२१	२७	६१	०५	२०	३०	२७	३४	७	१८	६	२०	२७	०३	६	२२	५	११
२०	र	९	०५	२२	३२	६१	०४	२०	१७	२७	३६	७	१८	६	२१	२७	०५	६	२२	५	१२
२१	चं	९	०६	२३	३७	६१	०४	२०	०५	२७	३८	७	१८	६	२१	२७	०७	६	२२	५	१३
२२	मं	९	०७	२४	४१	६१	०३	१९	५१	२७	३९	७	१८	६	२२	२७	०९	६	२२	५	१३

संक्रांति फलम्

ता. १४ जनवरी २००८
पौष शु. ६ चंद्रे मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २३।४६ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारंनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनंलेपनं पशुजातिः बिल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) २३।४६ से भौमे १५।४६ तक । (दान- कांह - अन्न) ।

अयनांशाः २३।५७।१८
४१ पं. पौ.शु.१२ श. इष्टघटी ११।००
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	२	९	८	७	४	१०	९
०४	०१	२२	१३	२९	१३	०५	०४
३५	०७	४७	११	४४	५७	२३	२०
०७	५१	४१	१९	१७	५१	२२	०५
६१	८	७५	१३	७३	३	३	६१
०५	५७	२२	१८	४१	१२	११	१८
उषा	मृ	श्र	मू	ज्ये	पूफा	घ	उषा
३	३व	४	४	४	१व	४	३



पोष कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, २४ दिसंबर से ८ जनवरी तक नवलगढ

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे मार्गशीर्षकृष्णेति महा.,दिसं.२००७-जन. २००८ — इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	सो	५१	१४	२७	५१	आर्द्रा	४८	०२	२६	३४	शु	१४	४०	१३	१३	बा	२४	४५	१७	१५	२५ ३९	७ २१	५ ३७	मिथु.	३	१३	२४	[B वृश्चिके शुक्रः २६।०१
२	मं	४५	०७	२५	२४	पुन	४३	३७	२४	४९	ब्र	५ ५८	५१ ०९	९ ३०	४२ ३७	तै	१७	५८	१४	३३	३९	२२	३७	कर्के १९।१२	४	१४	२५	बडादिन, पातस्पर्शः १३।४९, मोक्षः २०।११, पूषा. बुधः ९।३५, B
३	बु	४०	३७	२३	३७	पुष्य	४०	४७	२३	४१	वै	५१	४६	२८	०५	व	१२	३८	१२	२५	३९	२२	३८	कर्के	५	१५	२६	भ. १२।२५ उ. २३।३७ या., धनि.-४ राहुः ९।२०, मघा.-२ केतुः ९।२०
४	गु	३८	०१	२२	३५	श्ले	३९	४८	२३	१८	वि	४६	५५	२६	०८	ब	९	०३	११	००	४०	२२	३८	सिंहे २३।१८	६	१६	२७	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।१७
५	शु	३७	२८	२२	२२	मघा	४०	४९	२३	४२	प्री	४३	४०	२४	५१	कौ	७	२८	१०	२२	४०	२३	३९	सिंहे	७	१७	२८	अनु. शुक्रः २०।१६
६	श	३८	५९	२२	५९	पूफा	४३	४९	२४	५५	आ	४२	०१	२४	११	ग	७	५८	१०	३४	४१	२३	४०	कन्या ३१।२०	८	१८	२९	भ. २२।५९ उ., पूषा. रविः १५।१८ (सौरः २२।५८)
७	र	४२	२७	२४	२२	उफा	४८	३९	२६	५१	सौ	४१	४८	२४	०७	वि	१०	२९	११	३५	४२	२४	४०	कन्या	९	१९	३०	भ. ११।३५ या., (व) मृगे भौमः १२।५०
८	सो	४७	२८	२६	२३	हस्त	५४	५६	२९	२२	शो	४२	४६	२४	३०	बा	१४	४७	१३	१९	४३	२४	४१	कन्या	१०	२०	३१	[A मूले-४ गुरुः ८।०८
९	मं	५३	३४	२८	५०	चित्रा	...	...	...	...	अ	४४	३५	२५	१४	तै	२०	२४	१५	३४	४४	२४	४२	तुला. १८।४७	११	२१	१	जनवरी १ ता. ३१ सन २००८ ई.
१०	बु	...	...	...	...	चित्रा	२	१०	८	१६	सु	४६	४७	२६	०७	व	२६	५०	१८	०८	४५	२४	४२	तुला.	१२	२२	२	भ. १८।०८ उ., उषा. बुधः १५।०१
१०	गु	०	०८	७	२८	स्वा	९	४७	११	१९	धृ	४८	५९	२७	००	वि	०	०८	७	२८	४६	२५	४३	तुला.	१३	२३	३	भ. ७।२८ या., पातस्पर्शः २१।३८, मोक्षः २८।५३
११	शु	६	३५	१०	०३	विशा	१७	१३	१४	१८	शू	५०	५०	२७	४५	बा	६	३५	१०	०३	४७	२५	४४	वृश्चि. ७।३४	१४	२४	४	सफला ११ व्र., सुरुप द्वादशी १२, मकरे बुधः १६।०३
१२	श	१२	२६	१२	२४	अनु	२४	०१	१७	०१	गं	५२	०४	२८	१५	तै	१२	२६	१२	२४	४८	२५	४४	वृश्चि.	१५	२५	५	प्रदोषः, [गुरोरुदयः पूर्वस्याम् १९।०१] A
१३	र	१७	२४	१४	२३	ज्ये	२९	५६	१९	२४	वृ	५२	३४	२८	२७	व	१७	२४	१४	२३	५०	२५	४५	धनु. १९।२४	१६	२६	६	भ. १४।२३ उ. २७।१३ या., मासिकशिवरात्री व्र.
१४	सो	२१	१९	१५	५७	मूल	३४	५२	२१	२२	ध्रु	५२	१५	२८	२०	श	२१	१९	१५	५७	५१	२५	४६	धनु.	१७	२७	७	बुधोदयः पश्चिमायाम् १२।४७
३०	मं	२४	११	१७	०६	पूषा	३८	४७	२२	५६	व्या	५१	१०	२७	५४	ना	२४	११	१७	०६	५३	२६	४७	मक. २९।१६	१८	२८	८	देवपितृकार्येऽमा., कुहूः, ज्येष्ठा. शुक्रः १९।३५

गुरोरुदयः

अयनांशाः २३।५७।१५
३८ प. पौ.कृ. ६ श. इष्टघटी ११।०४
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	२	८	८	७	४	१०	८
१३	०७	१९	०८	०४	१४	०६	१२
११	०३	५६	२६	०७	४२	३०	५१
०७	३०	२३	१२	०१	३७	०८	२८
६१	२२	९७	१३	७२	१	३	६१
०९	३५	२५	४५	३८	०७	११	२३
मू ४	आ १व	पूषा २	मू ३	अनु १	पूफा १व	घ ४	मू ४



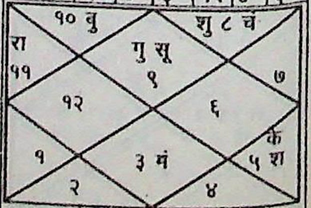
दिसम्बर ता. वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाइम रा.	अं.	क.	वि.	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाइम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाइम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२४ चं	८	०७	५१	४६	६१	०८	२३	२६	२७	११	७	१२	६	०४	२६	३५	६	१७	४	५४
२५ मं	८	०८	५२	५३	६१	०८	२३	२५	२७	११	७	१२	६	०५	२६	३५	६	१७	४	५५
२६ बु	८	०९	५४	०१	६१	०८	२३	२३	२७	११	७	१३	६	०५	२६	३५	६	१७	४	५५
२७ गु	८	१०	५५	०९	६१	०९	२३	२१	२७	११	७	१३	६	०६	२६	३५	६	१८	४	५६
२८ शु	८	११	५६	१८	६१	०९	२३	१८	२७	१२	७	१४	६	०६	२६	३६	६	१८	४	५७
२९ श	८	१२	५७	२७	६१	०९	२३	१६	२७	१२	७	१४	६	०७	२६	३६	६	१९	४	५७
३० र	८	१३	५८	३६	६१	०९	२३	१२	२७	१३	७	१४	६	०७	२६	३७	६	१९	४	५८
३१ चं	८	१४	५९	४५	६१	०९	२३	०८	२७	१३	७	१५	६	०८	२६	३७	६	१९	४	५८
१ मं	८	१६	००	५४	६१	१०	२३	०४	२७	१४	७	१५	६	०९	२६	३८	६	२०	४	५९
२ बु	८	१७	०२	०४	६१	१०	२२	५९	२७	१४	७	१६	६	०९	२६	३९	६	२०	५	००
३ गु	८	१८	०३	१४	६१	१०	२२	५४	२७	१५	७	१६	६	१०	२६	४०	६	२०	५	००
४ शु	८	१९	०४	२३	६१	१०	२२	४८	२७	१६	७	१६	६	११	२६	४१	६	२१	५	०१
५ श	८	२०	०५	३३	६१	१०	२२	४२	२७	१७	७	१६	६	११	२६	४२	६	२१	५	०२
६ र	८	२१	०६	४३	६१	१०	२२	३५	२७	१८	७	१७	६	१२	२६	४३	६	२१	५	०२
७ चं	८	२२	०७	५२	६१	०९	२२	२८	२७	१९	७	१७	६	१२	२६	४४	६	२१	५	०३
८ म	८	२३	०९	०२	६१	०९	२२	२१	२७	२०	७	१७	६	१३	२६	४५	६	२२	५	०४

मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो। दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो। अमावस्या को पूर्वाषाढा और मंगलवार योग होने से अनावृष्टि हो। शुक्रा ४ शनिवार होने से बीमारी बढे। पूर्णिमा पुनर्वसु युक्त होने से महर्घता हो। पूर्वाषाढा में बुध होने से धान्य मन्दा हो और ग्रीष्म में व्याधि तथा वर्षा हो, पूर्वाषाढा में बुध होने से क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो।

अयनांशाः २३।५७।१६
३९ पं. पौ.कृ.१२ श. इष्टघटी ११।००
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	२	९	८	७	४	१०	८
२०	०४	०१	१०	१२	१४	०६	२०
१९	३४	२०	०२	३६	३२	०७	०१
१३	१४	३३	०६	५३	५५	५३	०९
६१	१९	९७	१३	७३	१	३	६१
१०	१७	४२	४०	०५	५२	११	२३
पूषा ३	मृ ४व	उषा २	मू ४	अनु ३	पूफा १व	घ ४	पूषा ३



पोष शुक्लपक्ष सवत् २०६४, शाकः १९२९, ९ जनवरी से २२ जनवरी तक नवलगढ चंद्रः

शिशिरर्त्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ५७५७, जनवरी २००८

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

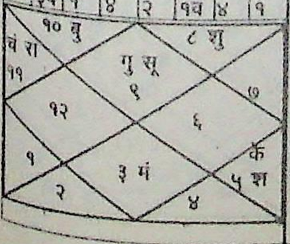
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	
१	बु	२६	०१	१७	५०	उषा	४१	४४	२४	०७	ह	४९	१८	२७	०९	ब	२६	०१	१७	५०	२५ ५४	७ २६	५ ४७	मक.	१९	२९	९	
२	गु	२६	५४	१८	११	श्रव	४३	४५	२४	५६	व	४६	४४	२६	०७	कौ	२६	५४	१८	११	५६	२६	४८	मक.	२०	३०	१०	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), अव. बुधः २०।२५
३	शु	२६	४८	१८	०५	धनि	४४	५२	२५	२३	सि	४३	२५	२४	४८	ग	२६	४८	१८	०९	५८	२६	४९	कुंभ १३।१२	२१	१	११	म. ३०।०० उ., पंचक प्रारम्भः १३।१२, मोहोर्रम १ सन १४२९ हि., B
४	श	२५	४७	१७	४५	शत	४५	०४	२५	२७	व्य	३९	२२	२३	११	वि	२५	४७	१७	४५	२६ ००	२६	५०	कुंभे	२२	२	१२	म. १७।४५ या.
५	र	२३	४८	१६	५७	पूभा	४४	२०	२५	१०	व	३४	३५	२१	१६	बा	२३	४८	१६	५७	०२	२६	५१	मीने १९।१६	२३	३	१३	[B उषा. रविः १७।१५ (सौरः २३।४७)
६	सो	२०	५३	१५	४७	उभा	४२	४०	२४	३०	प	२९	०३	१९	०३	तै	२०	५३	१५	४७	०४	२६	५१	मीने	२४	४	१४	मकरे रविः २३।४६ (सौरः ३०।०१), निरयन उत्तरायनारंभः
७	मं	१७	००	१४	१३	रेव	४०	०५	२३	२८	शि	२२	४६	१६	३२	व	१७	००	१४	१३	०६	२६	५२	मेषे २३।२८	२५	५	१५	म. १४।१३ उ. २५।१९ या., पंचक समाप्तिः २३।२८
८	बु	१२	१३	१२	१९	अश्वि	३६	३९	२२	०५	सि	१५	४६	१३	४४	ब	१२	१३	१२	१९	०८	२६	५३	मेषे	२६	६	१६	शांकभरी यात्रा, महाभद्रा, पातस्पर्शः ३०।५३, सक्रान्ति करिदिन
९	गु	६	३७	१०	०४	भर	३२	२९	२०	२५	सा	८	०८	१०	४१	कौ	६	३७	१०	०४	११	२५	५४	वृषे २५।५८	२७	७	१७	पातमोक्षः १२।०४
१०	शु	०	२५	७	३५	कृति	२७	४८	१८	३२	शु	० ५१	०० ३१	७ २८	२५ ०२	ग	०	२५	७	३५	१३	२५	५५	वृषे	२८	८	१८	म. १८।१७ उ. २८।५६ या., पुत्रदा ११ व्र.स्मार्त, मन्वादि
११	शु	५३	४७	२८	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[C धनुषि मूले शुक्रः १६।५६
१२	श	४७	०२	२६	१४	रोहि	२२	५०	१६	३३	ब्र	४२	५६	२४	३६	ब	२०	२४	१५	३५	१६	२५	५५	मिथु. २७।३३	२९	९	१९	पुत्रदा ११ व्र.वैष्ण., धनि. बुधः २२।०६, पूषा.-१ गुरुः २७।३०, C
१३	र	४०	२८	२३	३६	मृग	१७	५५	१४	३५	ऐ	३४	२९	२१	१३	कौ	१३	४३	१२	५४	१८	२५	५६	मिथु.	३०	१०	२०	प्रदोषः. सायन कुंभे भानुः २२।१४
१४	सो	३४	२५	२१	११	आर्द्रा	१३	२३	१२	४६	वै	२६	२६	१७	५९	ग	७	२२	१०	२१	२१	२५	५७	कर्के २९।३५	१	११	२१	म. २१।११ उ., भा. माघारंभः, अधि.प्र.रविः१२।५३ (सौरः १८।३६)
१५	मं	२९	१३	१९	०६	पुन	९	३३	११	१४	वि	१९	०१	१५	०१	वि	१	४१	८	०५	२३	२४	५८	कर्के	२	१२	२२	म. ८।०५ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यस्य, शाकंभरी जयंती, माघ स्नानारंभः

अयनांशाः २३।५७।१७

४० पं. पौ.शु. ४ श. इष्टघटी १०।५८

(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	२	९	८	७	४	१०	८
२७	०२	१२	११	२१	१४	०५	२७
२७	३२	३५	३७	०९	१७	४५	१०
१८	५६	४२	२०	३२	४५	३७	४६
६१	१४	९३	१३	७३	२	३	६१
०८	३०	२१	३१	२५	३४	११	२१
उषा १	मृ ३व	श्र १	मू ४	ज्ये २	पूफा १व	ध ४	उषा १



जनवरी रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
९	बु	८	२४	१०	११	६१	०९	२२	१३	२७	२१	७	१७	६	१४	२६	४७	६	२२	५	०४
१०	गु	८	२५	११	२०	६१	०९	२२	०४	२७	२२	७	१८	६	१४	२६	४८	६	२२	५	०५
११	शु	८	२६	१२	२९	६१	०९	२१	५६	२७	२३	७	१८	६	१५	२६	४९	६	२२	५	०६
१२	श	८	२७	१३	३७	६१	०८	२१	४६	२७	२४	७	१८	६	१६	२६	५१	६	२२	५	०६
१३	र	८	२८	१४	४६	६१	०८	२१	३७	२७	२५	७	१८	६	१६	२६	५३	६	२२	५	०७
१४	चं	८	२९	१५	५४	६१	०७	२१	२७	२७	२७	७	१८	६	१७	२६	५४	६	२२	५	०८
१५	मं	९	००	१७	०१	६१	०७	२१	१६	२७	२८	७	१८	६	१८	२६	५६	६	२२	५	०९
१६	बु	९	०१	१८	०९	६१	०७	२१	०५	२७	३०	७	१८	६	१८	२६	५८	६	२२	५	०९
१७	गु	९	०२	१९	१५	६१	०६	२०	५४	२७	३१	७	१८	६	१९	२६	५९	६	२२	५	१०
१८	शु	९	०३	२०	२२	६१	०६	२०	४२	२७	३३	७	१८	६	१९	२७	०१	६	२२	५	११
१९	श	९	०४	२१	२७	६१	०५	२०	३०	२७	३४	७	१८	६	२०	२७	०३	६	२२	५	११
२०	र	९	०५	२२	३२	६१	०४	२०	१७	२७	३६	७	१८	६	२१	२७	०५	६	२२	५	१२
२१	चं	९	०६	२३	३७	६१	०४	२०	०५	२७	३८	७	१८	६	२१	२७	०७	६	२२	५	१३
२२	मं	९	०७	२४	४१	६१	०३	१९	५१	२७	३९	७	१८	६	२२	२७	०९	६	२२	५	१३

संक्रांति फलम्

ता. १४ जनवरी २००८

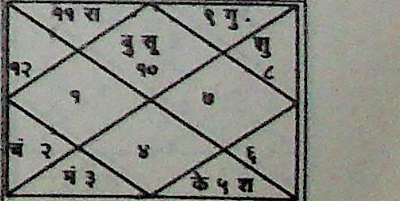
पौष शु. ६ चंद्रे मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २३।४६ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारंनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं स्वरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनंलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २३।४६ से मौमे १५।४६ तक। (दान- कांष्ट - अन्न)।

अयनांशाः २३।५७।१८

४१ पं. पौ.शु.१२ श. इष्टघटी ११।००

(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	२	९	८	७	४	१०	९
०४	०१	२२	१३	२९	१३	०५	०४
३५	०७	४७	११	४४	५७	२३	२०
०७	५१	४१	११	१७	५१	२२	०५
६१	८	७५	१३	७३	३	३	६१
०५	५७	२२	१८	४१	१२	११	१८
उषा ३	मृ ३व	श्र ४	मू ४	ज्ये ४	पूफा १व	ध ४	उषा ३



माघ कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, २३ जनवरी से ७ फरवरी तक नवलगढ चंद्रः																										तारीख			शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे पोषकृष्णेति महा., जनवरी-फरवरी २००८
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.		भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	बु	२५	१०	१७	२८	पुष्य	६	४६	१०	०६	प्री	१२	२९	१२	२४	कौ	२५	१०	१७	२८	२६ २६	७ २४	५ ५९	कर्क		३	१३	२३	नेताजी जयन्ती
२	गु	२२	३४	१६	२५	श्ले	५	१८	९	३१	आ	७	०३	१०	१३	ग	२२	३४	१६	२५	२९	२४	५९	सिंहे	९।३१	४	१४	२४	म. २८।०९ उ., श्रव. रविः १९।३१ (सौरः २४।५८)
३	शु	२१	३६	१६	०२	मघा	५	२३	९	३३	सौ	२	५२	८	३२	वि	२१	३६	१६	०२	३२	२४	६ ००	सिंहे		५	१५	२५	म. १६।०२ या., तिलकुटी ४ चन्द्रोदयः २०।५८, सौभाग्य सुन्दरी A
४	श	२२	२४	१६	२१	पूफा	७	१०	१०	१५	शो	० ५८	०२ ३४	७ ३०	२४ ४९	बा	२२	२४	१६	२१	३५	२३	०१	कन्या	१६।३२	६	१६	२६	गणराज्यदिवस [A व्र., संकट हरगणपति व्र., गौरी चतुर्थी, E
५	र	२४	५९	१७	२३	उफा	१०	४०	११	३९	सु	५८	२५	३०	४५	तै	२४	५९	१७	२३	३८	२३	०२	कन्या		७	१७	२७	[E अभि.नि. रविः १६।२९ (सौरः २१।५२)
६	सो	२९	१३	१९	०४	हस्त	१५	४८	१३	४२	धृ	५९	२४	३१	०८	व	२९	१३	१९	०४	४१	२२	०३	तुला.	२६।५५	८	१८	२८	म. १९।०४ उ., कुंभे बुधः ७।५०
७	मं	३४	४५	२१	१६	चित्रा	२२	१५	१६	१६	शू	...	...	...	...	वि	९	५२	८	०७	४४	२२	०४	तुला.		९	१९	२९	म. ८।०७ या., स्वामी विवेकानन्द जयंती, पातस्पर्शः २३।०८, B
८	बु	४१	०५	२३	४७	स्वा	२९	३२	१९	१०	शू	१	११	७	५०	बा	७	५२	१०	३०	४७	२२	०४	तुला.		१०	२०	३०	पूषा. शुक्रः १३।०४ [B मोक्षः २८।३८, (व) मकरे बुधः १७।१५, C
९	गु	४७	३२	२६	२२	विशा	३७	०४	२२	११	गं	३	२२	८	४२	तै	१४	२१	१३	०५	५०	२१	०५	वृश्चि.	१५।२६	११	२१	३१	मार्गी भौमः १७।१[illegible] [C वक्री बुधः १४।२८, (व) मघा.-४ शनिः २५।२८
१०	शु	५३	३१	२८	४५	अनु	४४	१४	२५	०२	वृ	५	३०	९	३३	व	२०	३८	१५	३६	५३	२१	०६	वृश्चि.		१२	२२	१	म. १५।३६ उ. २८।४५ या., फरवरी २ ता. २९, E
११	श	५८	३०	३०	४४	ज्ये	५०	३२	२७	३३	ध्रु	७	०९	१०	१२	ब	२६	०९	१७	४८	५७	२०	०७	धनु.	२७।३३	१३	२३	२	षट्तिला ११ व्र. [E बुधास्तः पश्चिमायाम् २१।११
१२	र	...	...	...	...	मूल	५५	३६	२९	३४	व्या	८	०१	१०	३२	कौ	३०	३१	१९	३२	३७ ००	२०	०८	धनु.		१४	२४	३	तिल द्वादशी [D (सौरः २७।०५), (व) श्रव. बुधः २४।३३
१२	सो	२	११	८	११	पूषा	५९	१९	३१	०३	ह	७	५२	१०	२८	तै	२	११	८	११	०३	१९	०८	धनु.		१५	२५	४	प्रदोषः, पूषा.-२ गुरुः १४।०३
१३	मं	४	२७	९	०५	उषा	...	...	...	...	व	६	४०	९	५८	व	४	२७	९	०५	०७	१८	०९	मक.	१३।२०	१६	२६	५	म. ९।०५ उ. २१।१९ या., मासिकशिवरात्री व्र.
१४	बु	५	१७	९	२४	उषा	१	४२	७	५९	सि	४	२२	९	०२	श	५	१७	९	२४	१०	१८	१०	मक.		१७	२७	६	पितृकार्येऽमा., मौनी ३०, युगादि, धनि. रविः २२।३८ D
३०	गु	४	४८	९	१२	श्रव	२	४७	८	२४	व्य	१ ५६	०३ ४६	७ ३०	४२ ००	ना	४	४८	९	१२	१४	१७	११	कुंभे	२०।२६	१८	२८	७	पंचक प्रारम्भः २०।२६, देवकार्येऽमा.

अयनांशाः २३।५७।१९
४२ पं. मा.कृ. ४ श. इष्टघटी ११।०४
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	२	९	८	८	४	१०	९
११	००	२९	१४	०८	१३	०५	११
४२	२२	२५	४३	२०	३३	०१	२८
२८	१४	०५	३४	३६	४४	०७	५४
६१	३	२३	१३	७३	३	३	६१
००	१७	३०	०१	५२	४५	११	१२
श्र	मृ	ध	पूषा	मू	पूषा	ध	श्र
१	३७	२	१	३	१४	४	१



जनवरी रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२३ बु	९	०८	२५	४४	६१	०३	१९	३८	२७	४१	७	१८	६	२३	२७	११	६	२२	५	१४
२४ गु	९	०९	२६	४७	६१	०२	१९	२४	२७	४३	७	१८	६	२३	२७	१४	६	२१	५	१५
२५ शु	९	१०	२७	४८	६१	०१	१९	०९	२७	४५	७	१८	६	२४	२७	१६	६	२१	५	१६
२६ श	९	११	२८	४९	६१	००	१८	५५	२७	४७	७	१८	६	२४	२७	१८	६	२१	५	१६
२७ र	९	१२	२९	५०	६०	५९	१८	४०	२७	४८	७	१८	६	२५	२७	२१	६	२१	५	१७
२८ चं	९	१३	३०	४९	६०	५९	१८	२४	२७	५०	७	१७	६	२६	२७	२३	६	२०	५	१८
२९ मं	९	१४	३१	४७	६०	५७	१८	०९	२७	५२	७	१७	६	२६	२७	२५	६	२०	५	१८
३० बु	९	१५	३२	४५	६०	५७	१७	५२	२७	५४	७	१७	६	२७	२७	२८	६	२०	५	१९
३१ गु	९	१६	३३	४१	६०	५६	१७	३६	२७	५७	७	१७	६	२७	२७	३०	६	२०	५	२०
१ शु	९	१७	३४	३७	६०	५५	१७	१९	२७	५९	७	१७	६	२८	२७	३३	६	१९	५	२०
२ श	९	१८	३५	३२	६०	५४	१७	०२	२८	०१	७	१६	६	२९	२७	३५	६	१९	५	२१
३ र	९	१९	३६	२५	६०	५२	१६	४५	२८	०३	७	१६	६	२९	२७	३८	६	१८	५	२२
४ चं	९	२०	३७	१८	६०	५१	१६	२८	२८	०५	७	१६	६	३०	२७	४१	६	१८	५	२२
५ मं	९	२१	३८	०९	६०	५०	१६	१०	२८	०७	७	१५	६	३०	२७	४३	६	१८	५	२३
६ बु	९	२२	३८	५९	६०	४९	१५	५२	२८	०९	७	१५	६	३१	२७	४६	६	१७	५	२४
७ गु	९	२३	३९	४८	६०	४८	१५	३३	२८	१२	७	१५	६	३१	२७	४९	६	१७	५	२४

मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो यथा-बुधेरसक्षयोभूम्याम्॥ पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो। मास के प्रथम दिन में बुधवार होने से अन्न की महँगाई हो। कृष्णा प्रतिपदा को बुधवार होने से महर्घता हो और अनावृष्टि हो। कृ. चौथ शनिवारी होने से दुर्भिक्ष, चौराग्निभय और धान्यनाश हो। गुरुवारी अमावस होने से वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हो, श्रवण युक्त नेष्ट है। रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, वर्षा कम हो। शुक्ला पडवा को शुक्रवार होने से सुभिक्ष हो। शुक्ला तृतीया का क्षय होने से मूंग घी महंगे हों। शुक्ला सप्तमी को भरणी होने से धान्योत्पत्ति उत्तम हो। पूर्णिमा मघा युक्त होने से समर्घता हो।

अयनांशाः २३।५७।२१
४३ पं. मा.कृ.११ श. इष्टघटी ११।१२
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

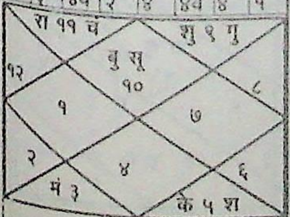
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	२	९	८	८	४	१०	९
१८	००	२८	१६	१६	१३	०४	१८
४९	१५	१२	१३	५८	.०६	३८	३६
०९	३४	२६	३६	०१	०१	५१	५९
६०	२	५३	१२	७३	४	३	६१
५३	०५	३२	३९	५९	१३	११	०५
श्र	मृ	ध	पूषा	पूषा	म	ध	श्र
३	३	२४	१	२	४७	४	३



माघ शुक्लपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, ८ फरवरी से २१ फरवरी तक						नवलगढ										चंद्रः											तारीख			शिशिरर्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ५७८७, फरवरी २००८
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टें.	टा.	आ.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	शु	३	०८	८	३२	धनि	२	४२	८	२१	प	५१	४३	२७	५८	ब	३	०८	८	३२	२७/१७	७/१६	६/११	कुंभे		११	२९	८	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), श्री वल्लभ जयंती
२	श	०	२८	७	२७	शत	१/५९	३८/४२	७/३१	५५/०९	शि	४५	५८	२५	३९	कौ	०	२८	७	२७	२१	१६	१२	मीने	२५।२२	२०	१	९	सफर २
३	श	५६	५३	३०	०१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[D उषा. शुक्रः ८।३०
४	र	५२	४०	२८	१९	उभा	५७	०८	३०	०६	सि	३९	४०	२३	०७	व	२४	५२	१७	१२	२४	१५	१३	मीने		२१	२	१०	म. १७।१२ उ. २८।०९ या., वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी, D
५	सो	४७	५४	२६	२४	रेव	५४	०२	२८	५१	सा	३२	५३	२०	२४	ब	२०	२१	१५	२३	२८	१४	१४	मेषे	२८।५१	२२	३	११	पंचक समाप्तिः २८।५१, वसन्त पञ्चमी, पातस्पर्शः २९।११
६	मं	४२	४६	२४	२०	अश्वि	५०	३६	२७	२८	शु	२५	४७	१७	३३	कौ	१५	२३	१३	२३	३२	१४	१४	मेषे		२३	४	१२	पातमोक्षः ९।१७, बुधोदयः पूर्वस्याम् १७।४७, मकरे शुक्रः २५।१७
७	बु	३७	२४	२२	१०	भर	४६	५७	२६	००	शु	१८	२८	१४	३६	ग	१०	०६	११	१५	३५	१३	१५	मेषे		२४	५	१३	म. २२।१० उ., मन्वादि, पुत्र ७, रथ ७, अचला ७, C
८	गु	३१	५७	१९	५९	कृति	४३	१६	२४	३१	ब्र	११	०३	११	३७	वि	४	४१	९	०५	३९	१२	१६	वृषे	७।३८	२५	६	१४	म. ९।०५ या., भीष्माष्टमी [C कुंभे रविः १२।४० (सौरः १६।३९)
९	शु	२६	३४	१७	४९	रोहि	३९	४१	२३	०४	ऐ	३/५६	३९/२१	८/२९	३९/४४	कौ	२६	३४	१७	४९	४३	११	१७	वृषे		२६	७	१५	[A पूषा.-३ गुरुः २९।५९, श्रव. शुक्रः २७।३४
१०	श	२१	२६	१५	४५	मृग	३६	२३	२१	४४	वि	४९	२०	२६	५५	ग	२१	२६	१५	४५	४७	११	१७	मिथु.	१०।२३	२७	८	१६	म. २६।४७ उ.
११	र	१६	४२	१३	५१	आर्द्रा	३३	३०	२०	३४	प्री	४२	४२	२४	१५	वि	१६	४२	१३	५१	५१	१०	१८	मिथु.		२८	९	१७	म. १३।५१ या., जया ११ व्र., भीष्मद्वादशी
१२	सो	१२	३०	१२	०९	पुन	३१	१२	१९	३८	आ	३६	३४	२१	४७	बा	१२	३०	१२	०९	५४	०९	१९	कर्के	१३।५०	२९	१०	१८	प्रदोषः, कल्पादि [B मार्गी बुधः २१।३६
१३	मं	९	०२	१०	४५	पुष्य	२९	४०	१९	००	सौ	३१	०५	१९	३४	तै	९	०२	१०	४५	५८	०८	१९	कर्के		३०	११	१९	शत. रविः २७।०७ (सौरः ३०।४०), सायन मीने भानुः १२।१७, B
१४	बु	६	२६	९	४२	श्ले	२९	०४	१८	४५	शो	२६	१९	१७	३९	व	६	२६	९	४२	२८/०२	०७	२०	सिंहे	१८।४५	१	१२	२०	म. ९।४२ उ. २१।१९ या., पूर्णिमा व्रतं, था. फाल्गुनारंभः, A
१५	गु	४	५२	९	०३	मघा	२९	३१	१८	५५	अ	२२	२६	१६	०५	ब	४	५२	९	०३	०६	०६	२१	सिंहे		२	१३	२१	पूर्णिमा पुण्यं, माघ स्नान पूर्तिः

अयनांशाः २३।५७।२२
४४ पं. मा.शु. २ श. इष्टघटी ११।२३
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	२	९	८	८	४	१०	९
२५	००	२०	१७	२५	१२	०४	२५
५४	४४	२१	४०	३६	३५	१६	४४
५८	५७	३९	५४	१०	२७	३६	०८
६०	६	६७	१२	७४	४	३	६०
४५	५५	१३	१३	०४	३३	११	५६
ध	मृ	श्र	पूषा	पूषा	म	ध	ध
१	३	४व	२	४	४व	४	१



फरवरी		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेलवे-टाईम						कलकत्ता रेलवे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
८	शु	९	२४	४०	३६	६०	४६	१५	१४	२८	१४	७	१४	६	३२	२७	५२	६	१६	५	२५
९	श	९	२५	४१	२३	६०	४५	१४	५६	२८	१६	७	१४	६	३२	२७	५४	६	१६	५	२५
१०	र	९	२६	४२	०८	६०	४४	१४	३६	२८	१९	७	१३	६	३३	२७	५७	६	१५	५	२६
११	चं	९	२७	४२	५२	६०	४३	१४	१७	२८	२१	७	१३	६	३३	२८	००	६	१५	५	२७
१२	मं	९	२८	४३	३१	६०	४१	१३	५७	२८	२३	७	१२	६	३४	२८	०३	६	१४	५	२७
१३	बु	९	२९	४४	१६	६०	४०	१३	३७	२८	२६	७	१२	६	३४	२८	०६	६	१३	५	२८
१४	गु	१०	००	४४	५६	६०	३८	१३	१७	२८	२८	७	११	६	३५	२८	०९	६	१३	५	२८
१५	शु	१०	०१	४५	३४	६०	३७	१२	५७	२८	३१	७	११	६	३५	२८	१२	६	१२	५	२९
१६	श	१०	०२	४६	१२	६०	३६	१२	३६	२८	३३	७	१०	६	३६	२८	१५	६	११	५	२९
१७	र	१०	०३	४६	४७	६०	३४	१२	१६	२८	३६	७	१०	६	३६	२८	१८	६	११	५	३०
१८	चं	१०	०४	४७	२१	६०	३३	११	५५	२८	३८	७	०९	६	३६	२८	२१	६	१०	५	३०
१९	मं	१०	०५	४७	५४	६०	३१	११	३३	२८	४१	७	०९	६	३७	२८	२४	६	०९	५	३१
२०	बु	१०	०६	४८	२५	६०	३०	११	१२	२८	४३	७	०८	६	३७	२८	२७	६	०९	५	३१
२१	गु	१०	०७	४८	५५	६०	२८	१०	५१	२८	४६	७	०७	६	३८	२८	३०	६	०८	५	३२

संक्रांति फलम्

ता. १३ फरवरी २००८
माघ शु. ७ बुधे कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १२।४० वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः भौमे (स्टै.) ३०।१६ से बुधे १२।४० तक । (दान- गोड़ - अन्न) ।

अयनांशाः २३।५७।२३
४५ पं. मा.शु.१० श. इष्टघटी ११।३६
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	२	९	८	९	४	१०	१०
०?	०१	१४	११	०४	१२	०३	०२
५१	४६	४६	०४	१४	०२	५४	५०
४४	२६	५३	५८	५०	५२	२०	१०
६०	११	[illegible]	११	७४	४	३	६०
३५	०९	५१	४३	०७	४६	११	४५
ध	मृ	श्र	पूषा	ज्ये	म	ध	ध
३	३	२व	२	३	४व	४	३



फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, २२ फरवरी से ७ मार्च तक नवलगढ चंद्रः																									तारीख			वसंतर्त्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति महा., फरवरी-मार्च २००८
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	शु	४	३०	८	५३	पूफा	३१	१२	१९	३४	सु	१९	२९	१४	५३	कौ	४	३०	८	५३	२८ १०	७ ०५	६ २१	कन्या २५।४९	३	१४	२२	
२	श	५	२७	९	१५	उफा	३४	१२	२०	४५	धृ	१७	३७	१४	०७	ग	५	२७	९	१५	१४	०५	२२	कन्या	४	१५	२३	भ. २१।३९ उ.
३	र	७	४९	१०	११	हस्त	३८	३५	२२	२९	शू	१६	४९	१३	४७	वि	७	४९	१०	११	१८	०४	२३	कन्या	५	१६	२४	भ. १०।११ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।३१, A
४	सो	११	३५	११	४१	चित्रा	४४	१५	२४	४५	गं	१७	०५	१३	५२	बा	११	३५	११	४१	२२	०३	२३	तुला. ११।३३	६	१७	२५	[A पातस्पर्शः १६।०६, मोक्षः २०।३२
५	मं	१६	३६	१३	४०	स्वा	५०	५९	२७	२५	वृ	१८	१८	१४	२१	तै	१६	३६	१३	४०	२६	०२	२४	तुला.	७	१८	२६	धनि.-३ राहुः ३१।००, मघा.-१ केतुः ३१।००
६	बु	२२	३४	१६	०२	विशा	५८	२३	३०	२२	ध्रु	२०	१२	१५	०५	व	२२	३४	१६	०२	३०	०१	२५	वृश्चि. २३।३७	८	१९	२७	भ. १६।०२ उ. २९।१९ या.
७	गु	२८	५८	१८	३५	अनु	...	...	...	...	व्या	२२	२६	१५	५८	ब	२८	५८	१८	३५	३४	००	२५	वृश्चि.	९	२०	२८	
८	शु	३५	०९	२१	०२	अनु	५	५४	९	२०	ह	२४	३४	१६	४८	बा	२	०९	७	५०	३८	६ ५९	२६	वृश्चि.	१०	२१	२९	
९	श	४०	३१	२३	१०	ज्ये	१२	५१	१२	०६	व	२६	०९	१७	२५	तै	७	५१	१०	०९	४२	५८	२६	धनु. १२।०६	११	२२	१	रामदास ९, मार्च ३ ता. ३१
१०	र	४४	३२	२४	४६	मूल	१८	४४	१४	२६	सि	२६	५०	१७	४१	व	१२	४४	१२	०२	४६	५७	२७	धनु.	१२	२३	२	भ. १२।०२ उ. २४।४६ या., धनि. शुक्रः २२।२८
११	सो	४६	५६	२५	४२	पूषा	२३	०९	१६	११	व्य	२६	१९	१७	२७	ब	१५	५९	१३	१९	५०	५६	२८	मक. २२।३२	१३	२४	३	विजया ११ व्र.
१२	मं	४७	३३	२५	५६	उषा	२५	५४	१७	१६	व	२४	२९	१६	४२	कौ	१७	२९	१३	५४	५४	५५	२८	मक.	१४	२५	४	पूभा. रविः ९।२३ (सौरः १२।११), धनि. बुधः १९।५६
१३	बु	४६	२७	२५	२८	श्रव	२६	५७	१७	४१	प	२१	१७	१५	२५	ग	१७	१५	१३	४८	५८	५४	२९	कुंभे २९।३८	१५	२६	५	भ. २५।२८.उ., पंचक प्रारम्भः २९।३८, प्रदोषः
१४	गु	४३	४४	२४	२२	धनि	२६	२३	१७	२६	शि	१६	४७	१३	३५	वि	१५	१८	१३	००	२९ ०२	५३	२९	कुंभे	१६	२७	६	भ. १३।०० या., महाशिवरात्री व्रतम्, आर्द्रा. भौमः ८।४१
३०	शु	३९	३९	२२	४३	शत	२४	२३	१६	३७	सि	११	०६	११	१८	च	११	५३	११	३७	०६	५२	३०	कुंभे	१७	२८	७	देवपितृकार्येऽमा

अयनांशाः २३।५७।२४
४६ पं. फा.कृ. २ श. इष्टघटी ११।५१
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	२	९	८	९	४	१०	१०
१०	०३	१५	२०	१२	११	०३	०९
०३	१५	१०	२५	५३	२९	३२	५४
१९	४८	४१	१७	४८	११	०५	५३
६०	१४	२८	११	७४	४	३	६०
२४	४८	०३	०८	०९	५१	११	३४
श	मृ	श्र	पूषा	श्र	म	घ	श
२	३	२	३	१	४व	४	१



फरवरी		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२२	शु	१०	०८	४९	२३	६०	२६	१०	२९	२८	४८	७	०७	६	३८	२८	३३	६	०७	५	३२
२३	श	१०	०९	४९	४९	६०	२५	१०	०७	२८	५१	७	०६	६	३८	२८	३६	६	०७	५	३३
२४	र	१०	१०	५०	१४	६०	२३	९	४५	२८	५३	७	०५	६	३९	२८	३९	६	०६	५	३३
२५	चं	१०	११	५०	३७	६०	२१	९	२३	२८	५६	७	०५	६	३९	२८	४२	६	०५	५	३४
२६	मं	१०	१२	५०	५८	६०	२०	९	०१	२८	५८	७	०४	६	४०	२८	४५	६	०४	५	३४
२७	बु	१०	१३	५१	१८	६०	१८	८	३८	२९	०१	७	०३	६	४०	२८	४९	६	०३	५	३५
२८	गु	१०	१४	५१	३६	६०	१६	८	१६	२९	०४	७	०३	६	४०	२८	५२	६	०३	५	३५
२९	शु	१०	१५	५१	५२	६०	१५	७	५३	२९	०६	७	०२	६	४१	२८	५५	६	०२	५	३६
१	श	१०	१६	५२	०६	६०	१३	७	३०	२९	०९	७	०१	६	४१	२८	५८	६	०१	५	३६
२	र	१०	१७	५२	१९	६०	११	७	०८	२९	१२	७	०१	६	४१	२९	०१	६	००	५	३७
३	चं	१०	१८	५२	३०	६०	०९	६	४५	२९	१४	७	००	६	४२	२९	०५	५	५९	५	३७
४	मं	१०	१९	५२	३९	६०	०७	६	२२	२९	१७	६	५९	६	४२	२९	०८	५	५८	५	३८
५	बु	१०	२०	५२	४६	६०	०५	५	५८	२९	२०	६	५८	६	४२	२९	११	५	५८	५	३८
६	गु	१०	२१	५२	५१	६०	०३	५	३५	२९	२२	६	५८	६	४२	२९	१४	५	५७	५	३८
७	शु	१०	२२	५२	५५	६०	०२	५	१२	२९	२५	६	५७	६	४३	२९	१७	५	५६	५	३९

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा- प्रजावृद्धिरस्तु भार्गवे । शुक्ला तिथि का क्षय होने से लोगों का स्वास्थ्य बिगड़े, राजविग्रह हो और छत्रभंग भी हो । शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो शतभिषा योग सुभिक्ष और सुखद है । शुक्ला नवमी आर्द्रा होने से अवर्षण हो । पूर्णिमा उतरा फाल्गुनी युक्त होने से समर्घता हो । शुक्रवार की सक्रांति होने से प्रजासुखी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे ।

अयनांशाः २३।५७।२५
४७ पं. फा.कृ. ९ श. इष्टघटी १२।०८
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	२	९	८	९	४	१०	१०
१७	०५	२०	२१	२१	१०	०३	१९
०५	०९	०९	४१	३२	५५	०९	५८
३४	०३	१८	१८	५६	१९	५०	१०
६०	१७	५६	१०	७४	४	३	६०
१२	५५	१३	२९	१०	४८	११	२१
श	मृ	श्र	पूषा	श्र	म	घ	श
४	४	४	३	४	४व	३	४

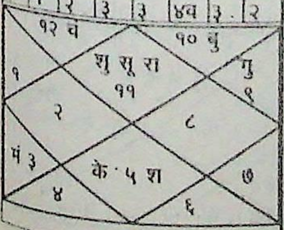


फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, ८ मार्च से २१ मार्च तक — नवलगढ — चंद्रः — तारीख — वसंतर्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ५८१६, मार्च २००८

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	श	३४	२४	२०	३६	पूभा	२१	११	१५	१९	सा	४ ५६	२३ ४९	८ २९	३६ ३४	किं	७	१०	९	४२	२९ १०	६ ५०	६ ३१	मीने ९।४१	१८	२९	८	पातुस्पर्शः २४।५८, मोक्षः २८।३४, कुंभे शुक्रः ७।५३
२	र	२८	२१	१८	१०	उभा	१७	०६	१३	४०	शु	४८	४५	२६	१९	बा	१	२९	७	२५	१५	४१	३१	मीने	१९	३०	९	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), फुलरिया २, श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती
३	सो	२१	४६	१५	३१	रेव	१२	२५	११	४७	ब्र	४०	२१	२२	५७	ग	२१	४६	११	३१	१९	४८	३२	मेषे ११।४७	२०	१	१०	भ. २६।०९ उ., पंचक समाप्तिः ११।४७, रविलाभयोग ३, D
४	मं	१४	५९	१२	४७	अश्वि	७	३०	९	४७	ऐ	३१	५४	१९	३३	वि	१४	५९	१२	४७	२३	४७	३२	मेषे	२१	२	११	भ. १२।४७ या., पूषा.-४ गुरुः ८।२३
५	बु	८	१८	१०	०५	भर	२ ५८	३९ ०६	७ ३०	५० ०१	वै	२३	३६	१६	१३	बा	८	१८	१०	०५	२७	४६	३३	वृषे १३।२२	२२	३	१२	याज्ञवल्क्य जयंती
६	गु	२	०१	७	३३	रोहि	५४	१२	२८	२६	वि	७५	४०	१३	०१	तै	२	०१	७	३३	३१	४५	३३	वृषे	२३	४	१३	भ. २९।१६ उ., शत. शुक्रः १७।१९, (व) मघा.-३ शनिः ९।१९
७	गु	५६	१६	२९	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[D कुंभे बुधः १३।४५
८	शु	५१	२४	२७	१७	मृग	५१	०४	२७	१०	प्री	८	१६	१०	०२	वि	२३	४५	१६	१४	३५	४४	३४	मिथु. १५।४५	२४	५	१४	भ. १६।१४ या., होलाष्टक, मीने रविः ९।२९ (सौरः ११।५१)
९	श	४७	२३	२५	४०	आर्द्रा	४८	५१	२६	१५	आ	९ ५५	३४ ३१	७ २८	२० ५५	बा	११	१८	१४	२६	३९	४३	३५	मिथु.	२५	६	१५	शत. बुधः १५।२५
१०	र	४४	२२	२४	२७	पुन	४७	३४	२५	४४	शो	५०	२०	२६	५०	तै	१५	४७	१३	००	४३	४२	३५	कर्के १९।४९	२६	७	१६	[B थापणा भद्रा के पहिले, उभा. रविः १७।४९ (सौरः २०।०३)
११	सो	४२	२२	२३	३७	पुष्य	४७	१७	२५	३५	अ	४५	५६	२५	०३	व	१३	१६	११	५९	४७	४१	३६	कर्के	२७	८	१७	भ. ११।५९ उ. २३।३७ या., आमलकी ११ व्र., बिड़कुला-ढाल B
१२	मं	४१	१९	२३	११	श्ले	४७	५७	२५	५१	सु	४२	१९	२३	३५	ब	११	४५	११	२१	५२	४०	३६	सिंहे २५।५१	२८	९	१८	मेला श्रीश्यामजी (खाटू) [C पातस्पर्शः ७।२१, मोक्षः ११।२५
१३	बु	४१	१५	२३	०८	मघा	४९	३५	२६	२८	धृ	३९	२६	२२	२५	कौ	११	११	११	०७	५६	३८	३७	सिंहे	२९	१०	१९	प्रदोषः [A बाद, होलिका दहनं, करिदिन, भा. चैत्रारंभः, C
१४	गु	४२	०९	२३	२९	पूफा	५२	०८	२७	२८	शू	३७	२१	२१	३४	ग	११	३७	११	१६	३० ००	३७	३७	सिंहे	३०	११	२०	भ. २३।२९ उ.; सायन मेषे भानुः ११।१२
१५	शु	४४	०१	२४	१२	उफा	५५	३७	२८	५१	गं	३५	५८	२०	५९	वि	१२	५८	११	४७	०४	३६	३८	कन्या ९।४७	१	१२	२१	भ. ११।४७ या., कन्यादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, जेलपोणी भद्रा के A

अयनांशाः २३।५७।२६
४८ पं. फा.शु. १ श. इष्टघटी १२।२६
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	२	९	८	१०	४	१०	१०
२४	०७	२७	२२	००	१०	०२	२३
०६	२२	२७	५२	१२	२२	४७	५९
२१	३४	३४	२८	०८	१३	३४	५०
५९	२०	७२	९	७४	४	३	६०
५९	३३	१५	४४	१०	३७	११	०६
पूभा	आ	ध	पूषा	ध	म	ध	पूभा
२	१	२	३	३	४व	३ .	२



मार्च	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
८ श	१०	२३	५२	५६	६०	००	४	४८	२९	२८	६	५६	६	४३	२९	२१	५	५५	५	३९
९ र	१०	२४	५२	५६	५९	५८	४	२५	२९	३०	६	५५	६	४३	२९	२४	५	५४	५	४०
१० चं	१०	२५	५२	५४	५९	५६	४	०१	२९	३३	६	५४	६	४४	२९	२७	५	५३	५	४०
११ मं	१०	२६	५२	५०	५९	५४	३	३८	२९	३६	६	५४	६	४४	२९	३०	५	५२	५	४०
१२ बु	१०	२७	५२	४४	५९	५२	३	१४	२९	३८	६	५३	६	४४	२९	३४	५	५१	५	४१
१३ गु	१०	२८	५२	३६	५९	५०	२	५१	२९	४१	६	५२	६	४४	२९	३७	५	५०	५	४१
१४ शु	१०	२९	५२	२६	५९	४८	२	२७	२९	४४	६	५१	६	४५	२९	४०	५	४९	५	४२
१५ श	११	००	५२	१४	५९	४६	२	०३	२९	४६	६	५०	६	४५	२९	४३	५	४९	५	४२
१६ र	११	०१	५२	००	५९	४४	१	४०	२९	४९	६	५०	६	४५	२९	४७	५	४८	५	४२
१७ चं	११	०२	५१	४४	५९	४२	१	१६	२९	५२	६	४९	६	४५	२९	५०	५	४७	५	४३
१८ मं	११	०३	५१	२६	५९	४०	०	५२	२९	५४	६	४८	६	४६	२९	५३	५	४६	५	४३
१९ बु	११	०४	५१	०७	५९	३८	०	२८	२९	५७	६	४७	६	४६	२९	५६	५	४५	५	४३
२० गु	११	०५	५०	४५	५९	३६	०	०५·	३०	००	६	४६	६	४६	३०	००	५	४४	५	४४
२१ शु	११	०६	५०	२१	५९	३४	०	१९+	३०	०२	६	४५	६	४६	३०	०३	५	४३	५	४४

संक्रांति फलम्

ता: १४ मार्च २००८
फा. शु. ८ भृगौ मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ९।२९ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा पूर्वान्हे १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः विष्टीकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं अश्ववाहनं सिंहोपवाहनं स्थैर्यकारक कृष्णवस्त्रं कुन्तायुधं पत्रपात्रं चित्रान्नभक्षणं ओतुमदोलेपनं विप्रजातिः दुर्वापुष्पं गुंजाभूषणं नीलकंचुकी वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) ९।२९ से १५।५३ तक । (दान- भूमि माला) ।

अयनांशाः २३।५७।२७
४९ पं. फा.शु. ९ श. इष्टघटी १२।४५
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

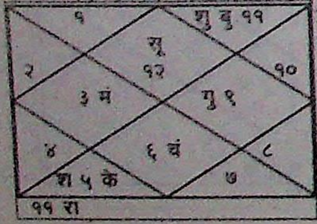
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	२	१०	८	१०	४	१०	११
०१	०९	०६	२३	०८	०९	०२	००
०५	५३	२७	५८	५१	५०	२५	५९
३६	१५	२६	१४	२०	४६	१९	४९
५९	२२	८३	८	७४	४	३	५९
४६	४६	१०	५५	१०	१८	११	५१
पूभा	आ	ध	पूषा	श	म	ध	पूभा
४	१	४	४	१	३व	३	४



चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०६४, शाकः १९२९, २२ मार्च से ६ अप्रेल तक																					नवलगढ			चंद्रः	तारीख			वसंतर्तु रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति महा., मार्च-अप्रेल २००८
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	श	४६	५२	२५	२०	हस्त	...	...	...	...	वृ	३५	२३	२०	४४	बा	१५	२०	१२	४३	३०/०८	६/३५	६/३८	कन्या	२	१३	२२	वसन्त १, छारेंडी देशाचारे, करिदिन
२	र	५०	४५	२६	५२	हस्त	०	०८	६	३७	ध्रु	३५	३५	२०	४८	तै	१८	४२	१४	०३	१२	३४	३९	तुला. १९।३९	३	१४	२३	बुधास्तः पूर्वस्याम् २८।२६
३	सो	५५	३६	२८	४७	चित्रा	५	३५	८	४७	व्या	३६	३३	२१	१०	व	२३	०५	१५	४७	१६	३३	३९	तुला.	४	१५	२४	भ. १५।४७ उ. २८।४७ या., कल्पादि, पूभा. बुधः १४।५२, C
४	मं	...	...	...	...	स्वा	११	५८	११	१९	ह	३८	११	२१	४८	ब	२८	२४	१७	५३	२०	३२	४०	तुला.	५	१६	२५	अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०७
४	बु	१	२३	७	०४	विशा	१९	०५	१४	०९	व	४०	२०	२२	३८	बा	१	२३	७	०४	२५	३१	४०	वृश्चि. ७।२५	६	१७	२६	[C पूभा. शुक्रः १२।१३
५	गु	७	३७	९	३२	अनु	२६	३७	१७	०८	सि	४२	४१	२३	३४	तै	७	३७	९	३२	२९	२९	४१	वृश्चि.	७	१८	२७	[A विद्या १, पंचक समाप्तिः २१।०६, केतकी अहर्गणः ५८४५, B
६	शु	१३	५५	१२	०२	ज्ये	३४	०४	२०	०६	व्य	४४	५३	२४	२५	व	१३	५५	१२	०२	३३	२८	४१	धनु. २०।०६	८	१९	२८	भ. १२।०२ उ. २५।१४ या., शीतला पूजनं, [B चक्र ६, कल्पादि
७	श	१९	४४	१४	२१	मूल	४०	५२	२२	४८	व	४६	३०	२५	०३	ब	१९	४४	१४	२१	३७	२७	४२	धनु.	९	२०	२९	[D मीने शुक्रः १४।२७
८	र	२४	२७	१६	१३	पूषा	४६	२९	२५	०२	प	४७	०९	२५	१८	कौ	२४	२७	१६	१३	४१	२६	४२	धनु.	१०	२१	३०	रेव. रविः २८।३८, मीने बुधः १४।४६
९	सो	२७	३९	१७	२८	उषा	५०	२९	२६	३६	शि	४६	३०	२५	०१	ग	२७	३९	१७	२८	४५	२५	४३	मक. ७।२९	११	२२	३१	भ. २९।४९ उ., रेव. सौरः ६।३४
१०	मं	२८	५७	१७	५९	श्रव	५२	३७	२७	२७	सि	४४	२४	२४	०९	वि	२८	५७	१७	५९	४९	२४	४३	मक.	१२	२३	१	भ. १७।५९ या., अप्रेल ४ ता. ३०, उभा. बुधः १२।०६, D
११	बु	२८	१६	१७	४१	धनि	५२	४८	२७	३०	सा	४०	४२	२२	४०	बा	२८	१६	१७	४१	५३	२३	४४	कुंभे १५।३४	१३	२४	२	पंचक प्रारम्भः १५।३४, पापमोचनी ११ व्र. [E २२।०६, मोक्षः २५।५०
१२	गु	२५	३६	१६	३६	शत	५१	०४	२६	४७	शु	३५	२९	२०	३३	तै	२५	३६	१६	३६	५७	२२	४५	कुंभे	१४	२५	३	प्रदोषः, वारुणी योग १६।३६ से २६।४७ तक, पातस्पर्शः E
१३	शु	२१	०७	१४	४७	पूभा	४७	३९	२५	२४	शु	२८	४८	१७	५२	व	२१	०७	१४	४७	३१/०१	२१	४५	मीने १९।४९	१५	२६	४	भ. १४।४७ उ. २५।३८ या., मासिकशिवरात्री व्र., उभा. शुक्रः ७।१३
१४	श	१५	०३	१२	२१	उभा	४२	५०	२३	२८	ब्र	२०	५४	१४	४१	श	१५	०३	१२	२१	०५	१९	४६	मीने	१६	२७	५	पितृकार्येऽमा., मन्वादि, उषा.-१ गुरुः २२।२१
३०	र	७/५९	४७/३८	९/३०	२५/१०	रेव	३७	००	२१	०६	ऐ	१२	०१	११	०७	ना	७	४७	९	२५	०९	१८	४६	मेषे २१।०६	१७	२८	६	देवकार्येऽमा., नवरात्रारम्भः, घटस्था., ध्वजारो., आरोग्य १, A

अयनांशाः २३।५७।२८
५० पं. चै.कृ. १ श. इष्टघटी १३।०५
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	२	१०	८	१०	४	१०	११
०८	१२	१६	२४	१७	०९	०२	०७
०३	३८	३९	५८	३०	२१	०३	५८
१४	२८	४२	००	२९	४९	०३	००
५९	२४	१३	८	७४	३	३	५९
३२	३९	१४	०९	०९	५३	११	३५
उभा	आ	श	पूभा	श	म	घ	उभा
२	२	३	४	४	३व	३	२



मार्च रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकत्ता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२२	श	११	०७	४९	५५	५९	३२	०	४३	३०	०५	६	४५	६	४७	३०	०६	५	४२	५	४४
२३	र	११	०८	४९	२७	५९	३०	१	०६	३०	०८	६	४४	६	४७	३०	०९	५	४१	५	४५
२४	चं	११	०९	४८	५७	५९	२८	१	३०	३०	११	६	४३	६	४७	३०	१३	५	४०	५	४५
२५	मं	११	१०	४८	२५	५९	२६	१	५४	३०	१३	६	४२	६	४७	३०	१६	५	३९	५	४५
२६	बु	११	११	४७	५१	५९	२४	२	१७	३०	१६	६	४१	६	४८	३०	१९	५	३८	५	४६
२७	गु	११	१२	४७	१५	५९	२२	२	४१	३०	१९	६	४०	६	४८	३०	२२	५	३७	५	०६
२८	शु	११	१३	४६	३७	५९	२०	३	०४	३०	२१	६	४०	६	४८	३०	२६	५	३६	५	४६
२९	श	११	१४	४५	५६	५९	१८	३	२८	३०	२४	६	३९	६	४८	३०	२९	५	३५	५	४७
३०	र	११	१५	४५	१४	५९	१६	३	५१	३०	२७	६	३८	६	४९	३०	३२	५	३४	५	४७
३१	चं	११	१६	४४	३०	५९	१४	४	१४	३०	२९	६	३७	६	४९	३०	३५	५	३३	५	४८
१	मं	११	१७	४३	४३	५९	१२	४	३७	३०	३२	६	३६	६	४९	३०	३९	५	३२	५	४८
२	बु	११	१८	४२	५५	५९	०९	५	००	३०	३५	६	३५	६	४९	३०	४२	५	३२	५	४८
३	गु	११	१९	४२	०४	५९	०७	५	२३	३०	३७	६	३४	६	५०	३०	४५	५	३१	५	४९
४	शु	११	२०	४१	१२	५९	०५	५	४६	३०	४०	६	३४	६	५०	३०	४८	५	३०	५	४९
५	श	११	२१	४०	१७	५९	०३	६	०९	३०	४२	६	३३	६	५०	३०	५१	५	२९	५	४९
६	र	११	२२	३९	२१	५९	०१	६	३२	३०	४५	६	३२	६	५०	३०	५४	५	२८	५	५०

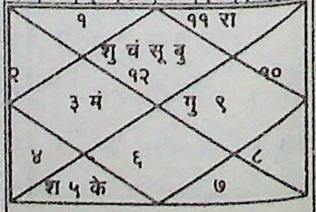
अयनांशाः २३।५७।२९
५१ पं. चै.कृ. ७ श. इष्टघटी १३।२४
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	२	१०	८	१०	४	१०	११
१४	१५	२८	२५	२६	०८	०१	१४
५९	३६	०३	५१	०९	५६	४०	५४
१२	०१	२३	१५	२९	०५	४८	२१
५९	२६	१०३	७	७४	३	३	५९
१७	१५	३६	०२	०८	२२	११	१९
उभा	आ	पूभा	पूषा	पूभा	म	घ	उभा
४	३	३	४	२	३व	३	४



अयनांशाः २३।५७।३०
५२ पं. चै.कृ.१४ श. इष्टघटी १३।४४
(रेल्वे घं. मि. ११।४९)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	२	११	८	११	४	१०	११
२१	१८	१०	२६	०४	०८	०१	२१
५३	४४	३९	३७	४८	३४	१८	४८
३०	०४	१०	२२	१९	१३	३२	४८
५९	२७	११३	५	७४	२	३	५९
०३	३८	४०	५९	०६	४७	११	०३
रे	आ	उभा	पूषा	उभा	म	घ	रे
२	४	३	४	१	३व	३	२



नवलगढ दैनिक लग्नसारणी से नीचे नगरों में लग्नप्रवेश बनाने के लिए संस्कार कोष्ठक (मिनिटों में)

नगरों के नाम	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
अमृतसर (पंजा.)	- २	- ६	- ८	- ७	- ४	+ ०	+ ५	+ ८	+ १०	+ ९	+ ६	+ २
अजमेर (राज.)	+ ३	+ ४	+ ४	+ ४	+ ३	+ २	+ १	- १	- १	- १	+ ०	+ १
अहमदाबाद (गुज.)	+ १४	+ १८	+ २०	+ १९	+ १६	+ ११	+ ७	+ ३	+ १	+ २	+ ५	+ ९
आकोला (महा.)	- २	+ ४	+ ७	+ ५	+ ०	- ७	- १४	- २०	- २३	- २१	- १६	- ९
आगरा (उ.प्र.)	- ११	- १०	- १०	- १०	- १०	- ११	- १२	- १२	- १२	- १२	- १२	- ११
इंदौर (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ८	+ ७	+ ३	- २	- ७	- ११	- १४	- १३	- ९	- ४
उज्जैन (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ७	+ ६	+ ३	- २	- ६	- १०	- १२	- ११	- ८	- ३
उदयपुर (राज.)	+ ८	+ ११	+ १२	+ १२	+ ९	+ ६	+ ३	+ ०	- १	- १	+ २	+ ५
कोलकाता (बंगा.)	- ४९	- ४५	- ४२	- ४३	- ४७	- ५२	- ५७	- ६२	- ६४	- ६३	- ५९	- ५४
कानपुर (उ.प्र.)	- २०	- १९	- १८	- १८	- १९	- २०	- २२	- २३	- २४	- २३	- २२	- २१
काठमाण्डु (नेपा.)	- ३९	- ३८	- ३८	- ३८	- ३९	- ४०	- ४१	- ४२	- ४३	- ४२	- ४२	- ४१
कोल्हापुर (महा.)	+ १२	+ २१	+ २६	+ २४	+ १६	+ ५	- ५	- १४	- १९	- १७	- ९	+ १
गौहाटी (आसा)	- ६५	- ६४	- ६३	- ६३	- ६५	- ६६	- ६८	- ६९	- ७०	- ७०	- ६८	- ६७
चंढीगढ (पंजा.)	- १०	- १२	- १४	- १३	- ११	- ८	- ५	- २	- ०	- १	- ३	- ७
चित्तौडगढ (राज.)	+ ४	+ ६	+ ८	+ ७	+ ५	+ २	- १	- ३	- ५	- ४	- २	+ १
चिन्नई (तमि.)	- ९	+ ३	+ ९	+ ६	- ४	- १८	- ३१	- ४३	- ५०	- ४७	- ३६	- २३
जयपुर (राज.)	- २	- १	- १	- १	- २	- ३	- ३	- ४	- ५	- ४	- ४	- ३
जौधपुर (राज.)	+ १२	+ १३	+ १४	+ १४	+ १२	+ ११	+ ९	+ ८	+ ७	+ ७	+ ८	+ १०
डिब्रुगढ (आसा)	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ८०	- ८०	- ८०	- ८०	- ७९
दरभंगा (बिहा.)	- ४२	- ४०	- ३९	- ४०	- ४१	- ४३	- ४४	- ४६	- ४६	- ४६	- ४५	- ४३
दिल्ली	- ९	- १०	- १०	- १०	- ९	- ९	- ८	- ७	- ६	- ७	- ७	- ८
नागपुर (महा.)	- ११	- ५	- २	- ४	- ८	- १५	- २१	- २७	- ३०	- २९	- २४	- १७
पटना (बिहा.)	- ३९	- ३७	- ३६	- ३६	- ३८	- ४०	- ४२	- ४४	- ४५	- ४५	- ४३	- ४१
पूना (महा.)	+ १२	+ २०	+ २४	+ २२	+ १५	+ ७	- २	- १०	- १४	- १२	- ६	+ ३
बडौदा (गुज.)	+ १२	+ १७	+ २०	+ १९	+ १४	+ ९	+ ३	- २	- ५	- ३	+ १	+ ६
बीकानेर (राज.)	+ ७	+ ६	+ ६	+ ६	+ ७	+ ७	+ ८	+ ८	+ ८	+ ८	+ ८	+ ७
बैंगलोर (कर्ना.)	+ १	+ १३	+ १९	+ १७	+ ६	- ७	- २१	- ३३	- ३९	- ३६	- २६	- १३
भागलपुर (बिहा.)	- ४५	- ४३	- ४२	- ४२	- ४४	- ४७	- ५०	- ५२	- ५३	- ५२	- ५१	- ४८
भुवनेश्वर (उडी.)	- ३७	- ३१	- २८	- २९	- ३५	- ४२	- ४९	- ५५	- ५८	- ५७	- ५१	- ४५
भोपाल (म.प्र.)	- ५	- १	+ १	- ०	- ३	- ८	- १२	- १६	- १८	- १८	- १४	- १०
मुम्बई (महा.)	+ १६	+ २३	+ २७	+ २५	+ १९	+ ११	+ २	- ५	- ९	- ७	- १	+ ७
वाराणसी (उ.प्र.)	- ३०	- २७	- २६	- २७	- २९	- ३१	- ३३	- ३६	- ३७	- ३६	- ३४	- ३२
सोलापुर (महा.)	+ ४	+ १३	+ १७	+ १५	+ ८	- १	- ११	- २०	- २४	- २२	- १५	- ५
श्रीनगर (ज.क)	- ५	- ११	- १४	- १३	- ८	- १	+ ६	+ १३	+ १६	+ १५	+ ९	+ २
हैदराबाद (आं.प्र)	- ६	+ ३	+ ८	+ ६	- २	- १२	- २२	- ३०	- ३५	- ३३	- २५	- १६

॥ संवत् २०६५ ॥ संस्कार कोष्ठक ज्ञानाय:- पञ्चाङ्गस्थ नवलगढ (राज.) की दैनिक लग्न प्रवेश सारणी से उपर लिखे नगरों का प्रवेश व समाप्ति काल संस्कार कोष्ठक की सहायता से किसी भी दिन का स्पष्ट ज्ञात कर सकते है।

उदाहरण - १ मई २००८ को दिल्ली में वृश्चिक लग्न का प्रवेश और समाप्ति काल ज्ञात करना है। पंचांग में १ मई २००८ को वृश्चिक का प्रवेश काल रात्री घंटा ८ मिनट ०० और समाप्ति काल रात्री घंटा १० मिनट १९ लिखा हुआ है। संस्कार कोष्ठक में दिल्ली के वृश्चिक में - ७ मि. और धनु में - ६ मि. है (धनु का प्रवेश काल ही वृश्चिक का समाप्ति काल है)। अतः वृश्चिक के प्रवेश रात्री ८।०० में - ७ मि. का संस्कार किया (यदि - हो तो घटा दें और + हो तो जोड दें) तो दिल्ली का स्पष्ट प्रवेश काल रात्री ७।५३ हो गया वृश्चिक के समाप्ति काल रात्री घंटा १० मिनट १९ में - ६ मि. का संस्कार किया तो वृश्चिक का समाप्ति काल रात्री १०।१३ स्पष्ट हो गया। ऐसे ही संस्कार कोष्ठक में लिखे हुए ३५ नगरों में से किसी भी नगर का कोई भी लग्न स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं।

रेल्वे मध्यान्तर निकालने की विधि -

जिस गांव का रेल्वे मध्यान्तर निकालना हो उस गांव का एटलस (भारत के नकसे) से रेखांश प्राप्त करे उस रेखांश में से ८२।३० अंश घटाकर शेष को ४ से गुणा करें गुणन फल उस नगर का मध्यम रेल्वेंतर मिनट धन होगा। उदाहरण - कोलकाता का रेखांश ८८।३० रेखांश धन है इसमें से ८२।३० घटाया (८८।३०-८२।३०) = शेष + ६ अंशो को ४ से गुणा किया + ६ X ४ = २४ यही कोलकाता का २४ मिनिट धन मध्यम रेल्वेंतर हुआ।

यदि अभीष्ट स्थान के रेखांश ८२।३० रेखांश से कम हों तो ८२।३० में से अभीष्ट नगर के रेखांश घटाकर शेष को ४ से गुणा करने से अभीष्ट नगर का ऋण रेल्वे मध्यान्तर होगा। उदा० - मुम्बई के रेखांश ७२।४८ है इसको ८२।३० में से घटाया शेष ९।४२ रहा इनको ४ से गुणा किया तो गुणनफल ३८।४८ मिनिट मुम्बई का मध्यम रेल्वेन्तर हुआ।

रेल्वे मध्यान्तर को स्फुट रेल्वेन्तर जानने की विधि

जिस तारीख का स्फुट रेल्वेंतर जानना हो तो उस तारीख का अंक्षाशादि सारणी के पेज में लिखे वेलान्तर मिनिटों को व्यस्त चिन्ह (ऋण धन का चिन्ह बदल कर) संस्कार करने से स्फुट रेल्वेन्तर उस तारीख का होगा जैसे तारीख १४ जनवरी को वेलान्तर + ९।२० मिनिट धन है इसको व्यस्त चिन्ह धन को ऋण चिन्ह - किया तो हुआ -९।२० यह कोलकाता का +२४ में बैजिकरीत्या संस्कार किया तो + २४।० - ९।२० = + १४।४० ता०-१५ जनवरी को स्फुट रेल्वेन्तर हुआ ऐसे ही मुम्बई -३८।४८ संस्कार किया तो बैजिकरीत्या (योगे युतिः स्यात्क्षययोः स्वयोर्वा) के अनुसार -३८।४८ - ९।२० का जोड किया तो ४८।०८ मुम्बई में स्फुट रेल्वेंतर मिनिट ऋण हुये उनको रेल्वे टाइम में धन ऋण करने से स्थानिक स्फुट टाइम हुई।

ले. पं. ग्यारसीलाल शर्मा, विले पारले, मुम्बई

सवत् २०६५, दिनमान एवं सूर्योदयास्त जानने की सरल विधि -

जिस नगर का दिनमान जानना चाहें उस नगर का अक्षांश पंचांग से या एटलस (भारत के नकशे से) प्राप्त करें उसके पश्चात पंचांग में लिखी दैनिक रवि क्रान्ति और अंक्षाश की सहायता से चर सारणी से अभीष्ट दिन की चरपल प्राप्त करें। चर पलों को दुगुना करके घटी ३०।०० में रवि क्रान्ति उत्तर (धन) हो तो जोड दें और रवि क्रान्ति दक्षिण (ऋण) हो तो ३०।० घटी में से घटा दे दिनमान घटी पल होगा। दिनमान की घटी पलों में ५ का भाग देने से सूर्य घटी (देशी) सूर्यास्त का घंटा मिनट होगा। देशी सूर्यास्त के घंटा मिनटों को १२ में से घटा देने से देशी सूर्योदय का घंटा मिनट होगा। इसमें रेल्वे मध्यांतर मिनट तथा वेलान्तर संस्कार करने से रेल्वे टाइम का सूर्योदय एवं सूर्यास्त का घण्टा मिनिटात्मक काल होगा।

दिनमान = ३० + (चरपल X २)

स्टैण्डर्ड सूर्यास्त = दिनमान ÷ ५ + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

स्टैण्डर्ड सूर्योदय = १२ − (दिनमान ÷ ५) + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

उदाहरण - संवत् २०६५, तारीख १ मई २००८ को दिल्ली अक्षांशः २८° ३८' उ., रेखांशः ७७° १२' पू. का स्पष्ट दिनमान एवं स्टैण्डर्ड सूर्योदय/सूर्यास्त गणित द्वारा ज्ञात करना है। १ मई २००८ को पञ्चाङ्गस्थ रवि क्रान्ति अंश-कलादि (धन) +१५।०८ है यहाँ अक्षांश और रवि क्रान्ति की सहायता से चरपल संस्कार सारणी से ८४ पल प्राप्त हुई. इनको २ से गुणा किया (१६८ = ८४ X २) पल ६० से ज्यादा है अतः ६० का भाग दिया तो घट्यादि + २।४८ हुआ यहाँ रवि क्रान्ति उत्तर है अतः घटी ३० में जोड दिया (३०।० + २।४८) तो घट्यात्मक ३२।४८ दिनमान हुआ। इसमें ५ का भाग दिया लब्धि घंटादि ६ घंटा ३३ मिनट ३६ से. देशी सूर्यास्त टाइम हुई इसको १२ में से घटा दिया तो ५ घंटा २६ मिनट २४ से. देशी सूर्योदय समय हो गया इसमें रेल्वेऽन्तर संस्कार के लिए - दिल्ली का रेखांश ८२।३० से कम है अतः ((८२।३० - ७७।१२) X ४) रेल्वे मध्यान्तर मिनट (ऋण) -२१ सेकण्ड १२ को व्यस्तचिन्ह (ऋण हो तो धन और धन हो तो ऋण) करके सूर्योदय/सूर्यास्त में जोड दिया तो ५।४७।३६ सूर्योदय और ६।५४।४८ सूर्यास्त दिल्ली का मध्यम मान से हुआ। इसमें तारीख १ मई २००८ को वेलान्तर मिनट - २ सेकण्ड ५२ को धनर्ण करने से स्टैण्डर्ड (रेल्वे) ५।४४।४४ सूर्योदय और ६।५१।५६ सूर्यास्त (अंकादिक रूप से सूर्योदय ५ बजकर ४५ मिनट और सूर्यास्त ६ बजकर ५२ मिनट) समय स्पष्ट हो गया। इस तरह भारत के किसी भी गांव का जान लीजिये।

रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे, ॥ अथ मास तारीखोपरि वेलान्तरम् ॥ मिनट-सेकण्ड, ई.सन् २००८

ता.	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर
	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.
१	+ ३।०६	+१३।२८	+१२।२३	+ ३।५६	- २।५२	- २।१०	+ ३।५२	+ ६।२०	+ ०।००	-१०।२०	-१६।२५	-१०।५९
२	+ ३।३५	+१३।३६	+१२।११	+ ३।३८	- २।५९	- २।००	+ ४।०३	+ ६।१६	- ०।१९	-१०।३९	-१६।२६	-१०।३६
३	+ ४।०३	+१३।४४	+११।५९	+ ३।२०	- ३।०५	- १।५०	+ ४।१४	+ ६।११	- ०।३८	-१०।५८	-१६।२६	-१०।१३
४	+ ४।३१	+१३।५१	+११।४६	+ ३।०३	- ३।११	- १।४०	+ ४।२५	+ ६।०६	- ०।५८	-११।१७	-१६।२६	- ९।४९
५	+ ४।५८	+१३।५७	+११।३३	+ २।४६	- ३।१६	- १।३०	+ ४।३५	+ ६।००	- १।१८	-११।३५	-१६।२५	- ९।२४
६	+ ५।२५	+१४।०२	+११।१९	+ २।२८	- ३।२१	- १।१९	+ ४।४६	+ ५।५३	- १।३८	-११।५३	-१६।२२	- ८।५९
७	+ ५।५२	+१४।०६	+११।०५	+ २।११	- ३।२५	- १।०८	+ ४।५५	+ ५।४६	- १।५९	-१२।१०	-१६।१९	- ८।३४
८	+ ६।१८	+१४।१०	+१०।५०	+ १।५५	- ३।२९	- ०।५७	+ ५।०५	+ ५।३९	- २।१९	-१२।२७	-१६।१६	- ८।०७
९	+ ६।४३	+१४।१२	+१०।३५	+ १।३८	- ३।३२	- ०।४५	+ ५।१४	+ ५।३०	- २।४०	-१२।४४	-१६।११	- ७।४१
१०	+ ७।०८	+१४।१४	+१०।२०	+ १।२२	- ३।३४	- ०।३३	+ ५।२२	+ ५।२२	- ३।०१	-१३।००	-१६।०५	- ७।१४
११	+ ७।३३	+१४।१५	+१०।०४	+ १।०६	- ३।३६	- ०।२१	+ ५।३०	+ ५।१२	- ३।२२	-१३।१६	-१५।५९	- ६।४६
१२	+ ७।५७	+१४।१६	+ ९।४८	+ ०।५१	- ३।३७	- ०।०९	+ ५।३८	+ ५।०२	- ३।४३	-१३।३१	-१५।५२	- ६।१८
१३	+ ८।२०	+१४।१५	+ ९।३२	+ ०।३५	- ३।३८	+ ०।०४	+ ५।४५	+ ४।५२	- ४।०५	-१३।४५	-१५।४४	- ५।५०
१४	+ ८।४३	+१४।१४	+ ९।१६	+ ०।२०	- ३।३८	+ ०।१६	+ ५।५२	+ ४।४१	- ४।२६	-१४।००	-१५।३५	- ५।२२
१५	+ ९।०५	+१४।१२	+ ८।५९	+ ०।०५	- ३।३८	+ ०।२९	+ ५।५८	+ ४।२९	- ४।४७	-१४।१३	-१५।२५	- ४।५३
१६	+ ९।२६	+१४।१०	+ ८।४२	- ०।०९	- ३।३७	+ ०।४२	+ ६।०४	+ ४।१७	- ५।०९	-१४।२६	-१५।१४	- ४।२४
१७	+ ९।४७	+१४।०६	+ ८।२५	- ०।२३	- ३।३५	+ ०।५५	+ ६।०९	+ ४।०४	- ५।३०	-१४।३९	-१५।०३	- ३।५५
१८	+१०।०७	+१४।०२	+ ८।०७	- ०।३६	- ३।३३	+ १।०८	+ ६।१४	+ ३।५१	- ५।५२	-१४।५१	-१४।५१	- ३।२५
१९	+१०।२६	+१३।५७	+ ७।५०	- ०।५०	- ३।३०	+ १।२१	+ ६।१८	+ ३।३७	- ६।१३	-१५।०२	-१४।३७	- २।५५
२०	+१०।४५	+१३।५२	+ ७।३२	- १।०२	- ३।२७	+ १।३४	+ ६।२२	+ ३।२३	- ६।३४	-१५।१२	-१४।२४	- २।२६
२१	+११।०३	+१३।४६	+ ७।१४	- १।१५	- ३।२३	+ १।४७	+ ६।२५	+ ३।०९	- ६।५६	-१५।२२	-१४।०९	- १।५६
२२	+११।२०	+१३।३९	+ ६।५६	- १।२६	- ३।१९	+ २।००	+ ६।२८	+ २।५३	- ७।१७	-१५।३२	-१३।५३	- १।२६
२३	+११।३६	+१३।३२	+ ६।३८	- १।३८	- ३।१४	+ २।१३	+ ६।२९	+ २।३८	- ७।३८	-१५।४०	-१३।३७	- ०।५६
२४	+११।५२	+१३।२४	+ ६।२०	- १।४९	- ३।०९	+ २।२६	+ ६।३१	+ २।२३	- ७।५९	-१५।४८	-१३।२०	- ०।२६
२५	+१२।०७	+१३।१५	+ ६।०२	- १।५९	- ३।०३	+ २।३८	+ ६।३२	+ २।०६	- ८।२०	-१५।५५	-१३।०२	+ ०।०४
२६	+१२।२१	+१३।०६	+ ५।४४	- २।०९	- २।५७	+ २।५१	+ ६।३२	+ १।४९	- ८।४०	-१६।०२	-१२।४३	+ ०।३३
२७	+१२।३४	+१२।५६	+ ५।२६	- २।१९	- २।५०	+ ३।०४	+ ६।३१	+ १।३२	- ९।०१	-१६।०८	-१२।२४	+ १।०३
२८	+१२।४६	+१२।४६	+ ५।०८	- २।२८	- २।४३	+ ३।१६	+ ६।३०	+ १।१४	- ९।२१	-१६।१३	-१२।०४	+ १।३२
२९	+१२।५८	+१२।३५	+ ४।५०	- २।३६	- २।३५	+ ३।२८	+ ६।२९	+ ०।५६	- ९।४१	-१६।१७	-११।४३	+ २।०२
३०	+१३।०९	. . .	+ ४।३२	- २।४४	- २।२७	+ ३।४०	+ ६।२६	+ ०।३८	-१०।०१	-१६।२०	-११।२१	+ २।३१
३१	+१३।१९	. . .	+ ४।१४	. . .	- २।१९	. . .	+ ६।२३	+ ०।१९	. . .	-१६।२३	. . .	+ ३।००

। स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् । वासरमणिरिव तमसां राशीन्नाशयति विघ्नानाम् ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१०९, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१०९ भोग्यकलिः ४२६८९१ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्यराज्येतो गताब्दाः संवत् २०६५ शाकः १९३० । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा रविः, मंत्री रविः, सस्येशो बुधः, धान्येशश्चंद्रः, मेघेशः शनिः, रसेशो गुरुः, नीरसेशो भौमः, फलेशः शनिः, धनेशो भौमः, दुर्गेशः शनिः एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादि षष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णु विंशतिकायां १५ प्लवनाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि ११।६।५१।५० भोग्य मासादि ०।२३।८।१० पिता दैवतं युगम् । वर्षनाम ज्येष्ठ । चतुर्मेघनाम आवर्त्तः । रोहिणी निवासः संधौ । समय निवासो वैश्यगृहे । समय विश्वा १२ । समय वाहनं अश्वः । स्तंभाऽभावः । सोमवत्यमा. ३ । सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी ० । भानु सप्तमी २ । बुधाष्टमी २ । रविदशमी ० । समय मुहूर्तानि ३४५ । समय दिनानि ३५४ । तिथि क्षयः १७ । तिथि वृद्धिः १२ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९९ । खपति विश्वा ९३ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा १२३ । खपति विश्वा ७५ । वर्षा विश्वा ७ । धान्यम् ११ । तृणम् १५ । शीतम् १५ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । (क्षुधा ३ । तृष्णा ९ । निद्रा १३ । आलस्य ९ । उद्यम ७ । शान्ति ५ । क्रोध ७ । दण्ड ९ । मैत्री १७ । उत्सव १५ । पाप १५ । पुण्य ११ । उग्रत्व १३ । रसोत्पत्तिः ११ । फलोत्पत्तिः १५ । व्याधि १३ । व्याधिनाश ९ । आचार ७ । अनाचार ११ । मृत्यु ७ । जन्म १५ । चौर ३ । उपशमन ७ । अग्निभय १३ । अग्निशम: ५ ।) सत्यम् ॥, धर्म ९॥, पाप १८ । ऐक्यम् ११३ । शनि दृष्टिः दक्षिणस्याम । ग्रहणं १ चन्द्रमसः, १ सूर्यस्य । उद्रिजः ११ । जरायुजः ३ । पिण्डजः ९ । स्वदेजः १५ ।

अथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजा रविस्तत्फलम् - सूर्ये नृपे स्वल्पफलाश्च मेघाः स्वल्पं पयो गौषुजनेषु पीडा । स्वल्पं सुधान्यं फलमल्पवृक्षाश्चौराग्निबाधा निधनं नृपाणाम् ॥ मंत्रीरविस्तत्फलम् - नृपभयं गदंतोपि हि तस्करात्प्रचुरधान्यधनादि महीतले । रसचयं हि समर्घतमं तदा रविरमात्यपदं हि समागतः ॥ सस्येशोबुधस्तत्फलम् - जलधरा जलराशिमुचो भृशं सुसस्यसमृद्धियुतं निरुपद्रवम् । द्विजगणः श्रुतिपाठकरः सदाप्रथमसस्यपतौ सति बोधने ॥ धान्येशश्चंद्रस्तत्फलम् - चन्द्रेधान्यादिपेजातेप्रजावृद्धिः प्रजायते । गोधूमाः सर्षपाश्चैवगोषुक्षीरं तदाबहु ॥ मेघेशः शनिस्तत्फलम् - रविसुते जलदस्यपतौभवेद्विरलवृष्टिवतीवसुधा तदा । मनसितापकरोनृपतिः सदाविविधरोगरता जनतामता ॥ रसेशोगुरुस्तत्फलम् - यदिगुरुरसपोजनसौख्यदः कमलवन्तिसरांसि तृणानिच । जनपदाद्विजपूजनतत्परागजसुवाजिरथोद्द्युतानृपाः ॥ नीरसेशोभौमस्तत्फलम् - नीरसेशोयदाभौमः प्रवालरक्तवाससाम् । रक्तचंदनताम्राणामर्घवृद्धिर्दिनेदिने ॥ फलेशः शनिस्तत्फलम् - यदिशनिः फलपः फलहा भवेज्जनितपुष्पगणस्य दमःसदा । हिमभयंवरतस्करजन्तुभीर्जनपदो गदराशिमहाकुलः ॥ धनेशोभौमस्तत्फलम् - असति मौल्यकरो धरणीसुतः शरदि ताम्रकरस्तुषधान्यहृत् । सकलदेशगताश्चलिता नरा न रपतिर्जनशोकविधायकः ॥ दुर्गेशः शनिस्तत्फलम् - रविसुते गढपालिनि विग्रहो सकलदेशगताश्चलिता जनाः । विविधवैरिविशेषितनागराः कृषिधनं न लभेद्भुवि कश्चन ॥ प्लव नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते तत्फलम् - प्लवाब्देनिखिलाधात्रीवृष्टिभिः प्लाविता भवेत् । रोगाकुलात्वीतिभीतिःसम्पूर्णवत्सरेफलम् ॥ वर्षनाम ज्येष्ठ तत्फलम् - तस्करैः पापरोगैर्वा पीड्यन्ते पीडया जनाः । भ्रमंतेस्वेच्छयाभूम्यांनिर्द्रव्यैर्ज्येष्ठसंज्ञके ॥ चतुर्मेघनाम आवर्त्तस्तत्फलम् - आवर्त्तेछिन्न वृष्टिश्च । रोहिणी निवासः संधौ तत्फलम् - खंडवृष्टिश्च सन्धिषु । समय निवासो वैश्यगृहे तत्फलम् - सर्वधान्यं महर्घ स्याद्वणिग्वेश्मनि संस्थिते ॥ अपिच - वणिक्गृहे शुभंनास्ति । एवं संचिंत्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

श्रावण शुक्ला १५ शनिवार,
संवत् २०६५, ता.१६ अगस्त २००८,
खण्डग्रासं **चन्द्रग्रहणम्**, परमग्रास .८

	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
नवलगढ घ.	४७	५१	५५	७
स्थानिक प.	२४	१८	१३	४९
रेल्वे घं.	२५	२६	२८	३
टाईम मि.	०२	३६	१०	०८

इस ग्रहण का सूतक रटै १६।०२ बजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक मे बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

पञ्चाङ्ग गणित कर्ताः श्री.श्री १०८
पं. ईश्वरदत्त शर्मणोऽनुग्रहीत शिष्यः
पं. ग्यारसी लाल शर्मा (शास्त्री), ५८, राम कुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड़, विलेपार्ले (पूर्व) मुम्बई ४०० ०५७, दूरध्वनि क्र.: ८३७ २७८३

(१) श्रावण कृष्णा ३० शुक्रवासरे, संवत् २०६५
ता. १ अगस्त २००८, खण्डग्रासं **सूर्यग्रहणम्**

स्थल	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
नवलगढ घटी-प.	२५।२७	२७।५४	३०।०७	४।४०
रेल्वेटाईम घं.-मि.	१६।०८	१७।०७	१८।००	१।५२

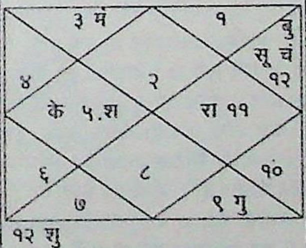
इस ग्रहण का सूतक पूर्वदिन उत्तररात्री रटै ४।०८ बजे से प्रारम्भ होगा ।

(२) माघ कृष्णा ३० चन्द्रवासरे, संवत् २०६५, ता.२६ जनवरी २००९, नवलगढ (राज.) में **सूर्यग्रहण** का अभाव है लेकिन भारत के अन्य भागों में दिखाई देगा ।

जहाँ ग्रहण दिखाई नहीं दे वहाँ तत्सम्बंधि धार्मिक कृत्य करना आवश्यक नहीं है ।

नोट- ग्रहणों का विशेष विवरण वार्षिकपञ्चाङ्ग में देखें ।

वर्ष लग्नम् १।१९



वर्षेश लग्नम् ५।१९



लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	अष्टोत्तरी मतेन लाभ	अष्टोत्तरी मतेन खर्च	विंशोत्तरी मतेन लाभ	विंशोत्तरी मतेन खर्च
मेष	२	१४	१४	११
वृष	११	५	८	५
मिथुन	१४	२	१४	२
कर्क	८	२	८	१४
सिंह	११	११	११	११
कन्या	१४	२	१४	२
तुला	११	५	८	५
वृश्चिक	२	१४	१४	११
धनु	५	५	११	२
मकर	८	१४	५	५
कुंभ	८	१४	५	५
मीन	५	५	११	२

॥ ग्रहयोगादर्श फलम् ॥ संवत् २०६५

ग्रहयोग देखता वर्षफल मध्यमोत्तम होगा। इस वर्ष में राजा और मंत्री रवि है। धान्येश चंद्र है। नीरसेश और धनेश मंगल है। सस्येश बुध है। रसेश गुरु है। मेघेश और फलेश और दुर्गेश शनि है। इस ग्रहमण्डल की विधानसभा में ३ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए हैं और ७ स्थान उग्रग्रहो को उपलब्ध हुए हैं अतः वर्षफल मध्यमोत्तम होगा। **चैत्र** - वर्षलग्न वृष होने से पश्चिम में काल, पूर्व में राजविग्रह, उत्तर में आधी उपज और दक्षिण में काल पड़े। प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है **वैशाख** - महर्घता हो, प्राणियों के धातुओं (वसा, रक्त, मांस, मेधा, अस्थि, मज्जा और शुक्र) की हानि हो। गाय बैल आदि चौपायों को बड़ी भारी पीड़ा हो, टीडी आदि से धान्य महँगा हो। जौ, तिल, उड़द कम हो, अश्वपालक पीड़ित हों। अल्पवृष्टि हो, और कहीं कुछ उपद्रव हो। शुक्रास्त होने से सब धान्य महँगे हो। कपास, तिल, सूत महँगे हो। गुरु वक्री होने से सब धान्य सस्ते हो। गेहूँ, चने आदि बेचने के धान्य और गुड़ लवणादि के भाव सस्ते हो। वायु से वर्षा हो। सरसों उड़द कम हों और सब धान्य उत्पन्न हों, अतिवृष्टि हो। **ज्येष्ठ** - दुर्भिक्ष हो और साँपों का भय अधिक हो। चौपायों पीड़ित हों। कपास, तिल, सूत महँगे हों। धान्य, रस (मधुर आदि) की महर्घता हो। गुरु उदय होने से अनावृष्टि हो, कहीं-कहीं पर धान्य और कहीं-कहीं पर वर्षा का अभाव हो। कोसल तथा कलिङ्ग देश का नाश और अतिवृष्टि हो।

आषाढ - वर्षा हो, कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो। उड़द मूंग, तिल और अन्य धान्य दुर्लभ हो। अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो। अधिक वृष्टि तथा विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो। मासांत में गेहूँ तिल उड़द सस्ते हो, ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह हो, तेल, रस कस घृत महँगे हो, वस्त्रादि और कपास सूत रुई के भाव मंदे हों। बालकों को पीड़ा हो।

श्रावण - सुभिक्ष हो, लोगों को सर्पों से अत्यन्त पीड़ा हो। पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में स्थित शनैश्चर रस (मधुर, अम्ल, लवण, तिक्त, कटु और कषाय) बेचने वाले, वैश्या, कुमारी, महाराष्ट्र देश में निवास करने वाले मनुष्य इन सबों को पीड़ित करता है। आश्लेषा में बुध होने से महावृष्टि हो, तुष धान्य उत्पन्न हो, हस्तिपति पीड़ित हों। घोड़ों का मूल्य बढ़े। शबर-पुलिन्द जन पीड़ित हो। क्षेत्र के बंटवारे को लेकर पड़ोसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो। श्रावण में बुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो। सिंह में शनि अस्त होने से व्यथा उत्पन्न हो। **भाद्रपद** - उफा.नक्षत्र को शुक्र के भेदन करने से कुरु देश में निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जाबस्थ जन पीड़ित हों तथा वृष्टि हो। तुष धान्य उत्तम हो, घृत गुड़ और नमक महंगे हो। स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, मेघों की गर्जना के साथ वर्षा हो, विप्रवर्ग, कौरव, गणिका और चित्रकार पीड़ित हों। कुआँ बनाने वालों और पक्षियों को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो। चावल तथा गेहूँ महँगे हों। **आश्विन** - गेहूँ और चणे महँगे हो, अतिवृष्टि हो। दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो, तुष धान्य की महँगाई हो, सुन्दर वृष्टि हो। गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, स्वाती पर मंगल होने से अनावृष्टि हो। शस्त्र, चोर, अग्नि, रोग, जल और दुर्भिक्ष का भय हो। **कार्तिक** - कपास और गेहूँ का भाव महँगा हो। गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो। क्षत्रियों में प्रधान का अभाव हो, मन्द वर्षा हो। व्यापारी वस्तु महँगी हों। प्रधान वैद्य (डाक्टर) पीड़ित हों अनावृष्टि हो। कहीं कहीं व्याधि भय और दुर्भिक्ष भी हो। **मार्गशीर्ष** - उ.फा. नक्षत्र में स्थित शनैश्चर राजा, गुड़, नमक, भिक्षुक, जल और तक्षशिला नगरी को पीड़ित करता है। ईख, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो। कर्णपीड़ा हो। गुरु मकर राशि में होने से जलेन्द्र मेघ वर्षता है। चौपायों का नाश और पृथ्वी पर दुर्भिक्ष तथा मनुष्य निर्जल हो। उत्तर तथा पश्चिम देशों में खण्ड वृष्टि और पूर्व दक्षिण में राज विग्रह तथा दुर्भिक्ष हो। लोग पापबुद्धि में रत हों। जल, तेल, घी, दूध, अन्न और लाल वस्त्र यह महंगे हों। क्षत्रियों का छत्रभंग तथा म्लेच्छों का क्षय हो। अन्न तेज रहके पीछे सस्ता हो। सोना, चांदी, तांबा, लोह, कपूर और चन्दन आदि नर्मदा नदी के किनारे महंगे हों और अन्यत्र शुभ हों। मालव देश में छत्रभंग हो और बहुत वर्षा नहीं हो, व्याधियां बहुत हों तथा चांदी महँगी हो। मेदपाट और कटक में बड़े लोगों को पीड़ा हो छत्रभंग तथा भय हो। देश ग्राम पुरादि में विध्वंसक युद्ध होने का योग हो और चावल, जौ, गेहू यह महंगे हो। **पौष** - क्षत्रियों में पीड़ा हो, तुष धान्य महँगा हो। कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो। शतभिषा नक्षत्र में स्थित शुक्र शौण्डिकों (मद्यविक्रेता - कलवारों) को पीड़ित करता है। गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में बर्फ (ओले) गिरने का भय हो। जल बहुत हो, गायें दूध कम दें, पृथ्वी अन्न से पूरित हो। शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो। **माघ** - उड़द तिल अधिक हो, शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो, पृथ्वी धान्य तथा रस से पूर्ण हो। माघ में बुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो। सुभिक्ष हो, फल-मूल प्रभावित हों। **फाल्गुन** - श्रवण नक्षत्र में गुरु उदय होने से सब धान्य सम्यक् रुपेण उत्पन्न हों तथा क्षुद्र (क्रूर), पाखण्डी गण (वेदनिन्दक) और उनके भक्त लोग पीड़ित हो, खण्ड वृष्टि हो। रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है। गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में बर्फ (ओले) गिरने का भय हो। धान्य सस्ता हो और गुड़ शक्कर भी सस्ते हों। व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीड़ित हों। **चैत्र** - क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो। कुम्भ राशि में मंगल का उदय होने से टीडी के आने से पीड़ा हो, अथवा मूषक वृद्धि हो। पृथ्वी पर अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, फल-मूल पीड़ित हो। राजनीति में क्लेश हो, प्राणियों के धातुओं (वसा, रक्त, मांस, मेधा, अस्थि, मज्जा और शुक्र) की हानि हो। मीन राशि में शुक्रास्त होने से मेघ अच्छा वर्षे। आगे सर्वज्ञ जगत नियन्ता जगदीश्वराधीन है। गो प्रजा भाग्य प्रबल है।

लाभ - खर्च देखने की विधि और फल - जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-खर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है।

॥ संवत् २०६५ मध्ये उपनयनादि मुहूर्ताः ॥

अथ उपनयन मुहूर्त्ताः

सन२००८	चैत्र शुक्लपक्षः
अप्रे. ७	शु.२ चंद्रे अश्वि. अभिजिति
	वैशाख मासः
अप्रे. २३	कृ.३ बुधेऽनुराधा ल. २
सन२००९	फाल्गुन मासः
फर. १२	कृ.३ गुरौ उ.फा. अभिजिति
फर. १३	कृ.४ शुक्रे हस्ते ल. २
फर. २६	शु.१ गुरौ पू.भा. अभिजिति
फर. २७	शु.२ शुक्रे उ.भा. अभिजिति

अथ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः

सन२००८	चैत्र शुक्लपक्षः
अप्रे. १८	शु.१३ शुक्रे उ.फा. ल. २।३ (मिथु. स्टै. ११।२३ यावत्)
अप्रे. १८	शु.१३ शुक्रे हस्तेऽभिजिति
	वैशाख मासः
अप्रे. २३	कृ.३ बुधेऽनुराधा ल. २
	आषाढ मासः
जुला १८	शु.१५ शुक्रे उ.षा. ल. ६ (श.म.१२ दो., स्टै.१०।५० उप.)
	श्रावण मासः
जुला.२१	कृ.३ चंद्रे शत. ल. ९
	श्रावण मासः
अग. १४	शु.१३ गुरौ उ.षा. अभिजिति
अग. १५	शु.१४ शुक्रे उ.षा. ल. ५।६ (ति.दो.)
	भाद्रपद मासः
अग. १८	कृ.२ चंद्रे शतेऽभिजिति
सित. ११	शु.११ गुरौ उ.षा. ल. ९ (स्टै. १४।४९ उप.)
सितं. १३	शु.१३ शनौ धनि. अभिजिति
	कार्तिक मासः
नवं. १०	शु.१२ चंद्रे उ.भा. अभिजिति
	मार्गशीर्ष मासः
नवं. १४	कृ.१ शुक्रे रोहि. अभिजिति
दिसं. १२	शु.१५ शुक्रे रोहि. अभिजिति
	पौष मासः
दिसं. १३	कृ.१ शनौ मृगेऽभिजिति
सन२००९	फाल्गुन मासः
फर. १३	कृ.४ शुक्रे हस्तेऽभिजिति

वृषचक्ररहिताः गेहारंभ (भूमिपूजन) मुहूर्त्ताः

सन२००८	श्रावण मासः
जुला.२३	कृ.५ बुधे उ.भा. ल. ६।९ (कन्या श. मं. १२ दो.)
अग. ७	शु.६ गुरौ चित्रा. अभिजिति
	भाद्रपद मासः
अग. २५	कृ.९ चंद्रे मृगे ल. ९
सितं. १	शु.२ चंद्रे उ.फा. अभिजिति
	कार्तिक मासः
अक्टू.१८	कृ.४ शनौ रोहि. ल. ११।१२ (मीन स्टै. १७।२० या.)
अक्टू.२५	कृ.१२ शनौ उ.फा. ल. ११ (स्टै. १४।५२ उप.)
	मार्गशीर्ष मासः
नवं. २२	कृ.१० शनौ उ.फा. अभिजिति
नवं. २४	कृ.१२ चंद्रे चित्रा. अभिजिति
दिसं. ४	शु.६ गुरौ धनि. ल. १२
सन२००९	फाल्गुन मासः
फर. १४	कृ.५ शनौ चित्रा अभिजिति
फर. २७	शु.२ शुक्रे उ.भा. अभिजिति
	चैत्र मासः
मार्च १४	कृ.४ शनौ स्वाति ल. ५ (स्टै. १८।०० या.)

संवत् २०६५ मध्ये नूतन गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताऽभावः

कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश(वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००८	वैशाख मासः
अप्रे. २३	कृ.३ बुधे अनु. ल. २
सन२००९	फाल्गुन मासः
फर. १२	कृ.३ गुरौ उ.फा. ल. ३ (सू.मं.बु. गु. रा. १२ दो., रि. ति.दो.)
फर. १४	कृ.५ शनौ चित्रा. अभिजिति
फर. २७	शु.२ शुक्रे उ.भा. अभिजिति
फर. २८	शु.३ शनौ रेवत्यामभिजिति (री.ति.दो.)

अथ जीर्ण गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००८	श्रावण मासः
अग. ८	शु.७ शुक्रे स्वात्यामभिजिति (स्टै. १२।४८ या.)
	कार्तिक मासः
नवं. ८	शु.१० शनौ शतेऽभिजिति
	मार्गशीर्ष मासः
दिसं. ४	शु.६ गुरौ धनि. अभिजिति
दिसं. ५	शु.७ शुक्रे शतेऽभिजिति

कुंभचक्ररहिता जीर्णगृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००८	वैशाख मासः
अप्रे. २१	कृ.१ चंद्रे स्वात्यामभिजिति

अथ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः

सन२००८	चैत्र शुक्लपक्षः
अप्रे. १७	शु.१२ गुरौ उ.फा. अभिजिति
अप्रे. १८	शु.१३ शुक्रे हस्तेऽभिजिति
अप्रे. २०	शु.१५ रवौ चित्रा. अभिजिति
	वैशाख मासः
अप्रे. २३	कृ.३ बुधे अनु. ल. २
	आषाढ मासः
जुला. ९	शु.७ बुधे हस्ते ल. ६
जुला.१२	शु.१० शनौ स्वात्यामभिजिति
सन२००९	फाल्गुन मासः
फर. १३	कृ.४ शुक्रे हस्ते ल. २।३ (वृषः स्टै. १२।३६ उप.)
फर. १४	कृ.५ शनौ चित्रा. अभिजिति
फर. १५	कृ.६ रवौ स्वात्यामभिजिति
फर. २७	शु.२ शुक्रे उ.भा. अभिजिति
	चैत्र कृष्णपक्षः
मार्च १२	कृ.२ गुरौ हस्ते अभिजिति

॥ संवत् २०६५ मध्ये विवाह मुहूर्ताः ॥

सन्२००८	चैत्र शुक्लपक्षः
अप्रे. १७	१२ गुरौ उफा. रात्रौ ल.अ.गो.८।१२,रे.८ ऽ॥ऽशु॥॥॥ (वृश्चि. रा. ४ दो., मीने चं. ७ पू.)
अप्रे. १८	१३ शुक्रे उफा. दि. ल. २।३, रे. ८ ऽ॥ऽशु॥॥॥ (मिथु.सोग्रांगः, गु. ७ पू., स्टै. ११।०० यावत्)
अप्रे. १९	१४ शनौ हस्ते दिवा. ल. २।४, रे. १० ॥॥॥॥।
अप्रे. २०	१५ रवौ स्वातौ रात्रौ ल. ८।१२, रे. ८ ॥॥ऽ॥ऽ॥ (मीने चं. ७ पू.)
	वैशाख कृष्णपक्षः
अप्रे. २१	१ चंद्रे स्वातौ दिवा ल. ३, रे. ८ ॥॥ऽ॥ऽ॥ (सोग्रांगः, गु. ७ पू.)
	अग्रे शुक्रास्तत्वादभावः
	आषाढ शुक्लपक्षः
जुला. ८	६ भौमे उफा. रात्रौ ल अ.गो. १२।२, रे.९ ऽ॥॥॥॥ (मीने चं. ७ पू.)
जुला. ९	७ बुधे हस्ते रात्रौ ल. अ. गोधूलि, रे. ८ ॥॥॥ऽऽ॥
जुला.११	९ भृगौ स्वातौ दिवा ल. ६, रात्रौ गोधूलि १२।१ रे. १० ॥॥॥॥॥ (कन्या. श.१२ दो.,मेषे चं.७ पू.)
जुला.	१२ १० शनौ स्वातौ दि. ल. ४।६ रे. १० ॥॥॥॥॥ (कर्के सोग्रांग, रा. ७ दो., कन्या. श. १२ दोषः)
	अग्रे चतुर्मासारंभ
	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः
नवं. २१	९ भृगौ उफा. रात्रौ ल. अ. गो., रे. ८ ॥॥॥ऽ।ऽद. (भौ. ७ दो.)
नवं. २२	१० शनौ उफा. दिवा ल.१२,रात्रौ अ.गो.रे.९ ॥॥॥ऽ॥ (मीने चं.७ पू. स्टै.२०।१८ उ., गोधूल्यां भौ. ७ दोषः)
नवं. २२	१० शनौ हस्ते रात्रौ ल. ५,रे. ९ ॥॥॥ऽ॥ (सोग्रांगः)
नवं. २३	११ रवौ हस्ते दिवा ल. ९।१२, रात्रौ अ.गोधूलि रे. ९ ॥॥॥ऽ॥ (रात्रौ भौ. ७ दो.)
	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः
नवं. २९	२ शनौ मूले दिवा १२।१ रात्रौ ५।६, रे.८ ऽ॥॥ऽ॥। (सिंहः सोग्रांगः, कन्या.श. १२ दो.)
नवं. ३०	३ रवौ मूले दिवा १०, रे. ८ ऽ॥॥ऽ॥। (सोग्रांगः, के. ७ दो.)
दिसं. १	४ चंद्रे उषा. रात्रौ ३, रे. ६ ।ऽऽगुशु॥ऽऽ॥ (बु. ६ दोषः, गु.रा.चं.७ दो., परमावश्यके)
दिसं. २	४ चंद्रे उषा. दिवा.ल.१२।२, रात्रौ अ.गोधूलि, रे. ९ ॥ऽगुशु॥॥॥ (अ.गो.भौ.७दो.,दिवा ल.पातोपग्रह रे.७)
दिसं. ७	९ रवौ उभा. दिवा ल. ९।१० रे. ८ ऽ॥ऽ॥॥ (मकरे के. ७ दो.)
दिसं. ७	९ रवौ उभा. दिवा ल.१,रात्रौ गो.,रे.७ ऽ॥ऽ॥॥ऽद. (गो. भौ ७ दो. स्टै. १८।०५ या.)
दिसं.११	१४ गुरौ रोहि. रात्रौ ३।५, रे. ८ ॥ऽशु॥ऽ॥ (मि. बु. ७ पू. स्टै. १९।१९ उप., सिं. सोग्रांगः)
दिसं.१२	१५ भृगौ रोहि. दिवा १२।१, रे. ९ ॥॥॥ऽ॥
दिसं.१२	१५ भृगौ मृगे रात्रौ ५।७, रे. ६ ।ऽ।ऽगुऽ॥ऽ॥ (सिंहः सोग्रांगः)
	अग्रे धनुष्यर्कः तदुपरान्त गुरोरस्तः
सन्२००९	**फाल्गुन कृष्णपक्षः**
फर. १२	३ गुरौ उफा. दि. ३, रात्रौ गोधूलि, रे. १० ॥॥॥॥॥ (गो. भौ. ७ दो.)
फर. १२	३ गुरौ हस्ते रात्रौ ल. ८।९, रे. ६ ॥ऽशुऽ॥ऽ।ऽद.
फर. १३	४ भृगौ हस्ते दिवा ल. २।३, रे. ७ ॥ऽशुऽ॥ऽ॥
फर. १६	७ चंद्रे अनु. रात्रौ ल. ९, रे. ९ ॥॥॥ऽ॥
फर. १७	८ भौमे अनु. दिवा ल. १२।२, रात्रौ अ. गो. ६ रे. ९ ॥॥॥ऽ॥ (कन्या. शु. ७ पू.)
फर. २०	११ शुक्रे मूले दिवा ल. १२, रे. ८ ॥॥॥ऽऽ॥
	फाल्गुन शुक्लपक्षः
फर. २६	१ गुरौ उभा. रात्रौ ल. ८।९, रे. ९ ।ऽ॥॥॥।
फर. २७	२ शुक्रे रेवत्यां रात्रौ ल. ८।९, रे. ८ ऽ।ऽशु॥॥॥
फर. २८	३ शनौ रेवत्यां दिवा ल. २।३, रे. ७ ऽ।ऽशु॥॥॥ऽद.

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

सन्२००८	चैत्रशुक्लपक्षः
अप्रे. १९	१४ शनौ चित्रा रात्रौ ल. १२, रे. ७ ।ऽ॥ऽ॥ऽ॥
अप्रे. २०	१५ रवौ चित्रा दिवा ल. ३।४, रे. ७ ।ऽ॥ऽ॥ऽ॥ (मिथु. सोग्रांगः)
	आषाढ शुक्लपक्षः
जुला.१०	८ गुरौ चित्रा दिवाल.८,रात्रौ अ.गो.,रे.८ ॥॥॥ऽ।ऽद.
जुला.१०	८ गुरौ चित्रा रात्रौ ल. १२।१, रे. ९ ॥॥॥ऽ॥ (मेषे चं. ७ पू.)
जुला.११	९ भृगौ चित्रा दिवा ल.४, रे.९ ॥॥॥ऽ॥ (रा.७ दो.)
	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः
नवं. २३	११ रवौ चित्रा. रात्रौ ४।५, रे. ९ ॥॥॥ऽ॥ (कर्कः सोग्रांगः,रा.७ दोःस्टै.२२।४५ उप.,सिं.सो.)
नवं. २४	१२ चंद्रे चित्रा दिवा ल.९।१२,रात्रौ ३।४,रे.९ ॥॥॥ऽ॥ (मिथु. बु. ६ दो.,कर्कः सोग्रांगः, रा.७ दो.)
	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः
दिसं. २	४ भौमे श्रवणे रात्रौ ल. ६।७, रे. ९ ॥॥॥ऽ॥ (कन्या श. १२ दोषः)
दिसं. ३	५ बुधे श्रवणे दिवा ल. ९।१२, रात्रौ अ. गो. ३ रे.९ ॥॥॥ऽ॥ (गोधू. भौ.७ दो. मिथु.बु. ६ दो.)
दिसं. ९	११ भौमे अश्वि. दिवा १२ रात्रौ अ.गो.,रे.१० ॥॥॥॥॥ (अ.गो.भौम ७ दो.)

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

भैरव भवानि संवाद

भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
पैंसठ संयत का कहो श्रीमुख से सब हाल ॥
भवानी उ.. सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देखतां नेष्ट जमानो होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये तीन अधिकार ।
शुभ कामों की न्यूनता यही है उत्तम सार ॥
समय निवासो वैश्यघर तेजी अधिक दिखाय ।
रोहिणी वासो संधि में है खण्डवृष्टि दर्शाय ॥
वर्षा विश्वा सात है शनि करे जल शोष ।
राजामंत्री सूर्य बने ना रहे पदारथ घोष ॥
रस कस तो होसी घणो रसाधिप है गुरुदेव ।
ज्ञानज्योत जागे नहीं बिना कृपा गुरुदेव ॥

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता -
पं. श्री रामकुवारात्मज ग्यारसीलाल शर्मा
मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली खुर्द
वाया- सिंघाना, जि. झुन्झुनू (राज.) पिन. ३३३५१६.

चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, ७ अप्रेल से २० अप्रेल तक						नवलगढ															चंद्रः					तारीख			वसंतर्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ५८४६, अप्रेल २००८
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.		सा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	र	५९	३८	३०	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	संवत्सरारंभः रविवासरे
२	सो	५१	०७	२६	४४	अश्वि	३०	३४	१८	३१	वै	२ ५२	२९ ३५	७ २७	१७ १९	बा	२५	२६	१६	२८	३१ १३	६ १७	६ ४७	मेषे		१८	२९	७	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, पुन. भौमः २९।२५
३	मं	४२	३८	२३	१९	भर	२३	५९	१५	५२	प्री	४२	४७	२३	२३	तै	१६	५२	१३	०१	१७	१६	४७	वृषे	२१।१३	१९	१	८	गणगौरी पूजा, मन्वादि, मत्स्योत्पत्तिः, अरुन्धती व्रतं पुजनञ्च, A
४	बु	३४	३५	२०	०५	कृति	१७	४२	१३	२०	आ	३३	२०	१९	३५	व	८	३३	९	४०	२१	१५	४८	वृषे		२०	२	९	भ. ९।४० उ. २०।०५ या. [A मनोरथ तृतीया व्र., सौभाग्य शयन B
५	गु	२७	१९	१७	१०	रोहि	१२	०६	११	०४	सौ	२४	३३	१६	०३	ब	०	५१	६	३४	२५	१४	४८	मिथु.	२२।०६	२१	३	१०	कल्पादि, डोलोत्सवः
६	शु	२१	११	१४	४२	मृग	७	३२	९	१४	शो	१६	४०	१२	५३	तै	२१	११	१४	४२	२९	१३	४९	मिथु.		२२	४	११	स्कन्द षष्ठीं व्र. [B व्र., शिवशक्ति पू., रविलस्सर ४, रेव. D
७	श	१६	२३	१२	४५	आर्द्रा	४	१६	७	५४	अ	९	५२	१०	०९	व	१६	२३	१२	४५	३३	१२	४९	कर्के	२५।१७	२३	५	१२	भ. १२।४५ उ. २४।०० या., अशोककलिका प्राशनं [D बुधः १५।०१
८	र	१३	०२	११	२४	पुन	२	२६	७	०९	सु	४ ५९	१५ ४७	७ ३०	५३ ०६	ब	१३	०२	११	२४	३७	११	५०	कर्के		२४	६	१३	भवान्युत्पत्तिः, मेषे अश्वि. रविः १७।५८ (सौरः १९।५६)
९	सो	११	११	१०	३८	पुष्य	२	०४	६	५९	शू	५६	३०	२८	४६	कौ	११	११	१०	३८	४१	१०	५०	कर्के		२५	७	१४	श्री रामनवमी, मेषे अश्वि. बुधः २९।२६, रेव. शुक्रः २६।२४
१०	मं	१०	४५	१०	२७	श्ले	३	०६	७	२३	गं	५४	१६	२७	५१	ग	१०	४५	१०	२७	४५	०९	५१	सिंहे	७।२३	२६	८	१५	भ. २२।३३ उ., पातस्पर्शः २०।५२, मोक्षः २५।०९
११	बु	११	३६	१०	४६	मघा	५	२५	८	१८	वृ	५२	५६	२७	१८	वि	११	३६	१०	४६	४९	०८	५१	सिंहे		२७	९	१६	भ. १०।४६ या., कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः
१२	गु	१३	३५	११	३३	पूफा	८	५०	९	३९	ध्रु	५२	२४	२७	०४	बा	१३	३५	११	३३	५२	०७	५२	कन्या	१६।०३	२८	१०	१७	प्रदोषः, हरि दमनोत्सवः [C चित्रान्नदानं भक्षणञ्च, अश्वमेधयज्ञफलं
१३	शु	१६	२९	१२	४२	उफा	१३	१२	११	२३	व्या	५२	३१	२७	०६	तै	१६	२९	१२	४२	५६	०६	५२	कन्या		२९	११	१८	जैन महावीर जयंती, शिव पूजन विशेषः
१४	श	२०	१३	१४	१०	हस्त	१८	२१	१३	२५	ह	५३	१३	२७	२२	व	२०	१३	१४	१०	३२ ००	०५	५३	तुला.	२६।३३	३०	१२	१९	भ. १४।१० उ. २७।०१ या., सायन वृषे भानुः २२।१२
१५	र	२४	३९	१५	५६	चित्रा	२४	११	१५	४४	व	५४	२७	२७	५१	ब	२४	३९	१५	५६	०४	०४	५३	तुला.		३१	१३	२०	मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वैशाख स्नानारंभः, C

अयनांशाः २३।५७।३१
१ पं. चै.शु. ८ र. इष्टघटी २९।२८
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	२	११	८	११	४	१०	११
००	२२	२६	२७	१४	०८	००	२९
००	३७	५६	२१	५९	१४	५२	५५
००	१८	३१	५६	५७	०४	१७	१२
५८	२९	१२३	४	७४	२	३	५८
४६	००	५५	३८	०३	००	११	४४
अ	पुन	रे	उषा	उषा	म	घ	रे
१	१	४	१	४	३व	३	४



अप्रेल रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
७	च	११	२३	३८	२२	५८	५९	६	५४	३०	४८	६	३१	६	५०	३०	५८	५	२७	५	५०
८	मं	११	२४	३७	२१	५८	५७	७	१७	३०	५०	६	३१	६	५१	३१	०१	५	२६	५	५०
९	बु	११	२५	३६	१८	५८	५५	७	३९	३०	५३	६	३०	६	५१	३१	०४	५	२५	५	५१
१०	गु	११	२६	३५	१४	५८	५३	८	०१	३०	५५	६	२९	६	५१	३१	०७	५	२४	५	५१
११	शु	११	२७	३४	०७	५८	५१	८	२४	३०	५८	६	२८	६	५१	३१	१०	५	२३	५	५१
१२	श	११	२८	३२	५८	५८	४९	८	४६	३१	०१	६	२७	६	५२	३१	१३	५	२२	५	५२
१३	र	११	२९	३१	४७	५८	४७	९	०७	३१	०३	६	२७	६	५२	३१	१६	५	२२	५	५२
१४	चं	०	००	३०	३४	५८	४५	९	२९	३१	०६	६	२६	६	५२	३१	१९	५	२१	५	५२
१५	मं	०	०१	२९	२०	५८	४३	९	५०	३१	०८	६	२५	६	५२	३१	२२	५	२०	५	५३
१६	बु	०	०२	२८	०३	५८	४१	१०	१२	३१	११	६	२४	६	५३	३१	२६	५	१९	५	५३
१७	गु	०	०३	२६	४४	५८	३९	१०	३३	३१	१३	६	२४	६	५३	३१	२९	५	१८	५	५४
१८	शु	०	०४	२५	२३	५८	३७	१०	५४	३१	१६	६	२३	६	५३	३१	३२	५	१७	५	५४
१९	श	०	०५	२४	०१	५८	३५	११	१५	३१	१८	६	२२	६	५४	३१	३५	५	१७	५	५४
२०	र	०	०६	२२	३६	५८	३३	११	३५	३१	२१	६	२२	६	५४	३१	३७	५	१६	५	५५

संक्रांति फलम्

ता. १३ अप्रेल २००८
चैत्र शु. ८ रवौ मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १७।५८ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टः मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) ११।५८ से २३।५८ तक । (दान- मेष) ।

अयनांशाः २३।५७।३२
२ पं. चै.शु.१५ र. इष्टघटी २९।४५
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	२	०	८	११	४	१०	०
०६	२६	११	२७	२३	०८	००	०६
५०	०३	४०	५०	३८	०२	३०	४५
४२	१९	३१	४५	११	११	०२	३३
५८	२९	१२[illegible]	३	७४	१	३	५८
३३	५९	४८	२५	००	१७	११	२८
अ	पुन	अ	उषा	रे	म	घ	अ
३	[illegible]	४	१	३	३व	३	३



॥ श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम् ॥

वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, २१ अप्रेल से ५ मई तक — नवलगढ — चंद्रः — तारीख — ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति महा., अप्रेल-मई २००८

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	सो	२९	४६	१७	५७	स्वा	३०	३९	१८	१९	सि	५६	०८	२८	३०	कौ	२९	४६	१७	५७	३२ ०७	६ ०३	६ ५४	तुला.	१	१४	२१	भा. वैशाखारंभः, भर. बुधः १२।३९
२	मं	३५	२५	२०	१२	विशा	३७	४०	२१	०६	व्य	५८	१४	२९	२०	तै	२	३२	७	०३	११	०२	५५	वृश्चि. १४।२३	२	१५	२२	[D कृत्ति. बुधः २२।५६, अगस्त्यास्तः २५।१९
३	बु	४१	२९	२२	३७	अनु	४५	०४	२४	०३	व	...	...	...	...	व	८	२६	९	२३	१५	०१	५५	वृश्चि.	३	१६	२३	भ. ९।२३ उ. २२।३७ या.
४	गु	४७	४३	२५	०५	ज्ये	५२	३६	२७	०३	व	०	३७	६	१५	ब	१४	३८	११	५१	१९	००	५६	धनु. २७।०३	४	१७	२४	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।४४, अनुसूया जयंती
५	शु	५३	४१	२७	२८	मूल	५९	५२	२९	५६	प	३	०१	७	१२	कौ	२०	४७	१४	१८	२२	५ ५९	५६	धनु.	५	१८	२५	बुधोदयः पश्चिमायाम् २९।१७, मेषे अश्वि. शुक्रः २१।४९
६	श	५८	५७	२९	३३	पूषा	...	...	...	...	शि	५	०९	८	०२	ग	२६	२७	१६	३३	२६	५८	५७	धनु.	६	१९	२६	भ. २९।३३ उ. [E कर्के भौमः १२।४४,
७	र	...	...	...	...	पूषा	६	२७	८	३२	सि	६	४१	८	३८	वि	३१	१०	१८	२६	२९	५८	५७	मक. १५।०७	७	२०	२७	भ. १८।२६ या., भर. रविः ९।४८ (सौरः १२।१०), D
७	सो	३	०२	७	०९	उषा	११	४६	१०	३९	सा	७	१५	८	५१	ब	३	०२	७	०९	३३	५७	५८	मक.	८	२१	२८	बूढो बास्योड़ो, [शुक्रास्तः पूर्वस्याम् ६।३३] E
८	मं	५	२७	८	०७	श्रव	१५	२८	१२	०७	शु	६	३३	८	३३	कौ	५	२७	८	०७	३६	५६	५८	कुंभे २४।३४	९	२२	२९	पंचक प्रारम्भः २४।३४, पातस्पर्शः १७।०३, मोक्षः A
९	बु	५	५५	८	१७	धनि	१७	१५	१२	४९	शु	४	१९	७	३९	ग	५	५५	८	१७	४०	५५	५९	कुंभे	१०	२३	३०	भ. २०।०४ उ. [A २१।४२, वृषे बुधः १६।०९, मकरे धनि.-२ C
१०	गु	४	१८	७	३७	शत	१६	५८	१२	४२	ब्र	० ५४	२८ ५३	६ २७	०५ ५२	वि	४	१८	७	३७	४३	५४	७ ००	कुंभे	११	२४	१	भ. ७।३७ या., मई ५ ता. ३१
११	शु	०	३७	६	०८	पूभा	१४	४०	११	४५	वै	४७	४७	२५	००	बा	०	३७	६	०८	४७	५३	००	मीने ६।०४	१२	२५	२	वरुथिनि ११ व्र. [C राहुः २८।४०, कर्के श्लेषा.-४ केतुः २८।४०
१२	शु	५४	५७	२७	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B पुष्ये भौमः २२।२५
१३	श	४७	४२	२४	५८	उभा	१०	३०	१०	०५	वि	३९	१७	२१	३५	ग	२१	३२	१४	२९	५०	५३	०१	मीने	१३	२६	३	भ. २४।५८ उ., प्रदोषः, मार्गी शनिः २३।२२
१४	र	३९	१२	२१	३३	रेव	४ ५७	४८ ५८	७ २९	४७ ०३	प्री	२९	४२	१७	४५	वि	१३	३५	११	१८	५३	५२	०१	मेषे ७।४७	१४	२७	४	भ. ११।१८ या., पंचक समाप्तिः ७।४७, मासिकशिवरात्री व्र., B
३०	सो	२९	५३	१७	४८	भर	५०	३०	२६	०३	आ	१९	२२	१३	३६	च	४	३८	७	४२	५७	५९	०२	मेषे	१५	२८	५	देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., रोहि. बुधः ९।४५

शुक्रास्तः

अयनांशाः २३।५७।३३
३ प. बै.कृ. ७ र. इष्टघटी ३०।०१
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	२	०	८	०	४	१०	०
१३	२९	२६	२८	०२	०७	००	१३
३९	३५	१५	१०	१६	५५	०७	३४
५१	५२	३७	५५	०५	२१	४६	०६
५८	३०	११८	२	७३	०	३	५८
११	५१	०४	०९	५७	३३	११	१३
भ	पुन	भ	उषा	अ	म	ध	भ
१	३	४	१	१	३व	३	१



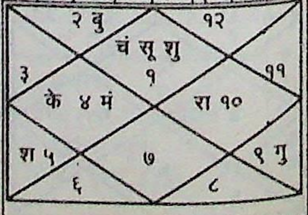
अप्रेल रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि	घं.	मि.
२१ च	०	०७	२१	१०	५८	३२	११	५६	३१	२३	६	२१	६	५४	३१	४०	५	१५	५	५५
२२ मं	०	०८	१९	४१	५८	३०	१२	१६	३१	२५	६	२०	६	५४	३१	४३	५	१४	५	५५
२३ बु	०	०९	१८	११	५८	२८	१२	३६	३१	२८	६	२०	६	५५	३१	४६	५	१३	५	५६
२४ गु	०	१०	१६	३८	५८	२६	१२	५६	३१	३०	६	१९	६	५५	३१	४९	५	१३	५	५६
२५ शु	०	११	१५	०४	५८	२४	१३	१६	३१	३३	६	१८	६	५५	३१	५२	५	१२	५	५७
२६ श	०	१२	१३	२८	५८	२२	१३	३५	३१	३५	६	१८	६	५६	३१	५५	५	११	५	५७
२७ र	०	१३	११	५०	५८	२०	१३	५४	३१	३७	६	१७	६	५६	३१	५८	५	१०	५	५७
२८ चं	०	१४	१०	११	५८	१८	१४	१३	३१	४०	६	१६	६	५६	३२	००	५	१०	५	५८
२९ मं	०	१५	०८	२९	५८	१७	१४	३२	३१	४२	६	१६	६	५७	३२	०३	५	०९	५	५८
३० बु	०	१६	०६	४६	५८	१५	१४	५०	३१	४४	६	१५	६	५७	३२	०६	५	०८	५	५९
१ गु	०	१७	०५	०१	५८	१३	१५	०८	३१	४६	६	१५	६	५७	३२	०९	५	०८	५	५९
२ शु	०	१८	०३	१४	५८	११	१५	२६	३१	४९	६	१४	६	५७	३२	११	५	०७	६	००
३ श	०	१९	०१	२५	५८	१०	१५	४४	३१	५१	६	१४	६	५८	३२	१४	५	०६	६	००
४ र	०	१९	५९	३५	५८	०८	१६	०२	३१	५३	६	१३	६	५८	३२	१७	५	०६	६	००
५ चं	०	२०	५७	४३	५८	०६	१६	१९	३१	५५	६	१२	६	५८	३२	१९	५	०५	६	०१

मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। वैशाख में पांच मंगलवार होने से अग्नि का भय हो तथा कहीं वर्षा में देरी हो। सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय हो लेकिन भरणी होने से व्याधि हो। शुक्ला चतुर्थी का क्षय होने से मूंग घी महंगें हों। शुक्ला ३ को मृगशिरा होने से दुर्भिक्ष हो। शुक्ला पंचमी को शुक्रवार होने से कलह हो। शुक्ला नौमी को मघा होने से पृथ्वी पर बहुत कष्ट हो। पूर्णिमा मंगलवार और अनुराधा युक्त होने से व्याधि की वृद्धि हो। रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई के भाव मंदे हो।

अयनांशाः २३।५७।३४
४ पं. बै.कृ.१४ र. इष्टघटी ३०।१५
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	३	१	८	०	४	९	०
२०	०३	०८	२८	१०	०७	२९	२०
२७	१४	५७	२२	५३	५३	४५	२०
२९	०८	२१	०५	३७	४०	३१	५४
५८	३१	९५	०	७३	०	३	५७
०७	३६	००	५१	५४	११	११	५९
भ	पुन	कृ	उषा	अ	म	ध	भ
३	४	४	१	४	३	२	३



वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, ६ मई से २० मई तक नवलगढ चंद्रः

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.
१	मं	२०	१४	१३	५६	कृति	४२	५५	२३	००	सौ	८ ५७	४० ५९	९ २९	११ ०२	ब	२०	१४	१३	५६	३३ ००	५ ५०	७ ०२	वृषे ७।१७	१६	२९	६
२	बु	१०	४४	१०	०७	रोहि	३५	४१	२०	०६	अ	३७	४५	२४	५६	कौ	१०	४४	१०	०७	०३	५०	०३	वृषे	१७	१	७
३	गु	१	५०	६	३३	मृग	२९	१७	१७	३२	सु	३८	१६	२१	०७	ग	१	५०	६	३३	०६	४९	०४	मिथु. ६।४६	१८	२	८
४	गु	५३	५७	२७	२४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	शु	४७	२७	२४	४७	आर्द्रा	२४	०७	१५	२७	धृ	२९	५२	१७	४५	व	२०	३२	१४	०१	०९	४८	०४	मिथु.	१९	३	९
६	श	४२	३८	२२	५१	पुन	२०	३०	१४	००	शू	२२	४६	१४	५४	कौ	१४	५०	११	४४	१२	४८	०५	कर्क ८।१८	२०	४	१०
७	र	३९	३६	२१	३७	पुष्य	१८	३८	१३	१४	गं	१७	०५	१२	३७	ग	१०	५४	१०	०८	१५	४७	०५	कर्क	२१	५	११
८	सो	३८	२३	२१	०७	श्ले	१८	३५	१३	१२	वृ	१२	५५	१०	५६	वि	८	४७	९	१७	१८	४६	०६	सिंह १३।१२	२२	६	१२
९	मं	३८	५४	२१	१९	मघा	२०	१६	१३	५२	ध्रु	१०	०९	९	४९	बा	८	२७	९	०९	२१	४६	०६	सिंहे	२३	७	१३
१०	बु	४०	५८	२२	०९	पूफा	२३	३२	१५	१०	व्या	८	४०	९	१३	तै	९	४७	९	४०	२४	४५	०७	कन्या २१।३५	२४	८	१४
११	गु	४४	१९	२३	२८	उफा	२८	०७	१६	५९	ह	८	१९	९	०४	व	१२	३०	१०	४५	२७	४५	०८	कन्या	२५	९	१५
१२	शु	४८	३८	२५	११	हस्त	३३	४३	१९	१३	व	८	५१	९	१७	ब	१६	२२	१२	१७	३०	४४	०८	कन्या	२६	१०	१६
१३	श	५३	३९	२७	११	चित्रा	४०	०४	२१	४५	सि	१०	०३	९	४५	कौ	२१	०४	१४	०९	३३	४४	०९	तुला. ८।२७	२७	११	१७
१४	र	५९	१०	२९	२३	स्वा	४६	५४	२४	२९	व्य	११	४४	१०	२५	ग	२६	२२	१६	१६	३५	४३	०९	तुला.	२८	१२	१८
१५	सो	...	...	...	...	विशा	५४	०३	२७	२०	व	१३	४४	११	१२	वि	३२	०२	१८	३२	३८	४३	१०	वृश्चि. २०।३७	२९	१३	१९
१५	मं	४	५७	७	४१	अनु	...	...	...	...	प	१५	५६	१२	०५	ब	४	५७	७	४१	४०	४२	१०	वृश्चि.	३०	१४	२०

ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ५८७५, मई २००८

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

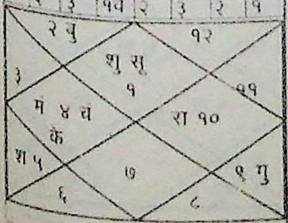
- चंद्रदर्शनम् (मु.३०), भर. शुक्रः १७।३०
- कल्पादि, शिवाजी जयंती, परशुराम जयंती, B
- भ. १६।५५ उ. २७।२४ या., युगादि, अक्षय तृतीया
- |B जमादिलावल ५, टैगोर जयन्ती
- श्री आद्यशंकराचार्य जयंती
- श्री रामानुज जयंती, कृत्ति. रविः २८।००, वक्री गुरुः ६।०१
- भ. २१।३७ उ., गंगोत्पत्ति, पातस्पर्शः १३।३०, मोक्षः १८।२४, C
- भ. ९।१७ या. |C कृत्ति. सौरः ७।०८
- सीता ९ |A धर्म प्रीत्यर्थ जलकुंभदानं
- वृषे रविः १४।५३ (सौरः १८।१७)
- भ. १०।४५ उ. २३।२८ या., मोहिनी ११ व्र.
- मृगे बुधः ९।४८
- प्रदोषः, कृत्ति. शुक्रः १३।२८
- भ. २९।२३ उ., नृसिंह १४
- भ. १८।३२ या., कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमा व्रतं, वैशाखस्नानपूर्त्तिः. A
- पूर्णिमा पुण्यं, सायन मिथुने भानुः २१।२२, वृषे शुक्रः ६।३०

अयनांशाः २३।५७।३५

५ पं. वै.शु. ७ र. इष्टघटी ३०।२८

(रेल्वे घं. मि. १९।५८)

सू.	मं	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सोर
०	३	१	८	०	४	९	०
२७	०६	१८	२८	१९	०७	२९	२७
१३	५७	४१	२४	३०	५७	३	०६
४४	२६	४३	०२	४८	१२	१५	०४
५७	३२	६७	०	७३	०	३	५७
५६	१७	३६	२९	५१	५६	११	४५
कृ	पु	रो	उषा	भ	म	ध	कृ
१	२	३	१व	२	३	२	१



मई रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम

ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	रवि गति क.	वि.	रवि कान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
६	मं	०	२१	५५	४९	५८	०५	१६	३६	३१	५७	६	१२	६	५९	३२	२२	५	०५	६	०१
७	बु	०	२२	५३	५४	५८	०३	१६	५२	३१	५९	६	१२	६	५९	३२	२४	५	०४	६	०२
८	गु	०	२३	५१	५७	५८	०१	१७	०९	३२	०१	६	११	७	००	३२	२७	५	०३	६	०२
९	शु	०	२४	४९	५८	५८	००	१७	२५	३२	०३	६	११	७	००	३२	२९	५	०३	६	०३
१०	श	०	२५	४७	५८	५७	५८	१७	४१	३२	०५	६	१०	७	००	३२	३२	५	०२	६	०३
११	र	०	२६	४५	५६	५७	५६	१७	५६	३२	०७	६	१०	७	०१	३२	३४	५	०२	६	०३
१२	चं	०	२७	४३	५२	५७	५५	१८	११	३२	०९	६	०९	७	०१	३२	३६	५	०१	६	०४
१३	मं	०	२८	४१	४७	५७	५३	१८	२६	३२	११	६	०९	७	०१	३२	३९	५	०१	६	०४
१४	बु	०	२९	३९	४१	५७	५२	१८	४१	३२	१३	६	०९	७	०२	३२	४१	५	००	६	०५
१५	गु	१	००	३७	३३	५७	५०	१८	५५	३२	१५	६	०८	७	०२	३२	४३	५	००	६	०५
१६	शु	१	०१	३५	२३	५७	४९	१९	०९	३२	१७	६	०८	७	०२	३२	४५	५	००	६	०६
१७	श	१	०२	३३	१२	५७	४८	१९	२३	३२	१८	६	०८	७	०३	३२	४७	४	५९	६	०६
१८	र	१	०३	३१	००	५७	४६	१९	३६	३२	२०	६	०७	७	०३	३२	५०	४	५९	६	०७
१९	चं	१	०४	२८	४६	५७	४५	१९	४९	३२	२२	६	०७	७	०४	३२	५२	४	५८	६	०७
२०	मं	१	०५	२६	३०	५७	४३	२०	०१	३२	२३	६	०७	७	०४	३२	५४	४	५८	६	०८

संक्रांति फलम्

ता. १४ मई २००८

वैशा. शु. १० बुधे वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १४।५३ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैर्ऋत्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः बिल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रारतः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) ८।२९ से १४।५३ तक। (दान- गौ)।

अयनांशाः २३।५७।३६

६ पं. वै.शु.१४ र. इष्टघटी ३०।३७

(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सोर
१	३	१	८	०	४	९	१
०३	१०	२५	२८	२८	०८	२९	०३
५८	४५	०३	१६	०७	०५	०१	४९
४३	१२	४७	४४	३९	५२	००	४४
५७	३२	३६	१	७३	१	३	५७
४५	५३	२१	४८	४९	३९	११	३३
कृ	पु	मृ	उषा	कृ	म	ध	कृ
३	३	१	१व	१	३	२	३



ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, २१ मई से ३ जून तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति महा., मई-जून २००८

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	बु	१०	५४	१०	०३	अनु	१	२४	६	५५	शि	१८	१४	१२	५९	कौ	१०	५४	१०	०३	३३ ४३	५ ४२	७ ११	वृश्चि.	३१	१५	२१	
२	गु	१६	५१	१२	२६	ज्ये	८	४५	९	११	सि	२०	३२	१३	५४	ग	१६	५१	१२	२६	४५	४१	११	धनु. ९।११	१	१६	२२	भ. २५।३५ उ., नारद जयंती, वीणादानं, भा. ज्येष्ठारंभः
३	शु	२२	३५	१४	४३	मूल	१५	५६	१२	०३	सा	२२	४०	१४	४५	वि	२२	३५	१४	४३	४७	४१	१२	धनु.	२	१७	२३	भ. १४।४३ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१७
४	श	२७	४९	१६	४८	पूषा	२२	४०	१४	४५	शु	२४	२५	१५	२७	बा	२७	४९	१६	४८	५०	४१	१३	मक. २१।२२	३	१८	२४	रोहि. रविः २४।१५ (सौरः २८।३४)
५	र	३२	१३	१८	३३	उषा	२८	३७	१७	०७	शु	२५	३३	१५	५३	कौ	०	०९	५	४४	५२	४०	१३	मक.	४	१९	२५	पातस्पर्शः ११।५२, मोक्षः १८।२१
६	सो	३५	२२	१९	४९	श्रव	३३	२३	१९	०१	ब्र	२५	४४	१५	५८	ग	३	५७	७	१५	५४	४०	१४	मक.	५	२०	२६	भ. १९।४९ उ., वक्री बुधः २९।२३
७	मं	३६	५५	२०	२६	धनि	३६	३८	२०	१९	ऐ	२४	४५	१५	३४	वि	६	२१	८	१२	५६	४०	१४	कुंभे ७।४५	६	२१	२७	भ. ८।१२ या., पंचक प्रारम्भः ७।४५
८	बु	३६	३८	२०	१८	शत	३८	०४	२०	५३	वै	२२	२०	१४	३५	बा	७	०१	८	२८	५८	३९	१५	कुंभे	७	२२	२८	रोहि. शुक्रः ९।४०
९	गु	३४	२१	१९	२३	पूभा	३७	३२	२०	४०	वि	१८	२२	१३	००	तै	५	४५	७	५७	३४ ००	३९	१५	मीने १४।४८	८	२३	२९	श्लेषा. भौमः १०।०२
१०	शु	३०	०५	१७	४१	उभा	३५	०३	१९	४०	प्री	१२	४७	१०	४६	व	२	२७	६	३८	०२	३९	१६	मीने	९	२४	३०	भ. ६।३८ उ. १७।४१ या., बुधास्तः पश्चिमायाम् ९।१४
११	श	२३	५९	१५	१४	रेव	३०	४६	१७	५७	आ	५ ५७	३९ ०८	७ २८	५४ ३०	बा	२३	५९	१५	१४	०४	३९	१६	मेषे १७।५७	१०	२५	३१	पंचक समाप्तिः १७।५७, अपरा ११ व्र.
१२	र	१६	२०	१२	१०	अश्वि	२४	५७	१५	३७	शो	४७	३१	२४	३९	तै	१६	२०	१२	१०	०५	३८	१७	मेषे	११	२६	१	प्रदोषः, जून ६ ता. ३०
१३	सो	७	३१	८	३९	भर	१८	०२	१२	५१	अ	३७	०९	२०	३०	व	७	३१	८	३९	०७	३८	१७	वृषे १८।०७	१२	२७	२	भ. ८।३९ उ. १८।४६ या., मासिकशिवरात्री व्र.
१४	सो	५७	५८	२८	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A मरुस्थले, भाऊका ३०, वट सावित्री व्र. (मरु.)
३०	मं	४८	०८	२४	५३	कृति	१०	२७	९	४९	सु	२६	२३	१६	११	च	२३	०३	१४	५१	०९	३८	१८	वृषे	१३	२८	३	शनैश्चर जयन्ती, देवपितृकार्येऽमा., वटपूजनम् A

अयनांशाः २३।५७।३८
७ पं. ज्ये.कृ. ५ र. इष्टघटी ३०।४४
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	३	१	८	१	४	९	१
१०	१४	२७	२८	०६	०८	२८	१०
४२	३७	३५	००	४४	१९	३८	३२
३३	००	४१	१९	१३	३२	४५	०३
५७	३३	२	३	७३	२	३	५७
३६	२५	१४	०४	४७	२१	११	२२
रो	पु	मृ	उषा	कृ	म	ध	रो
१	४	२	१व	४	३	२	१



मई		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२१	बु	१	०६	२४	१४	५७	४२	२०	१४	३२	२५	६	०६	७	०४	३२	५५	४	५८	६	०८
२२	गु	१	०७	२१	५६	५७	४१	२०	२६	३२	२६	६	०६	७	०५	३२	५७	४	५७	६	०८
२३	शु	१	०८	१९	३७	५७	३९	२०	३७	३२	२८	६	०६	७	०५	३२	५९	४	५७	६	०९
२४	श	१	०९	१७	१६	५७	३८	२०	४८	३२	२९	६	०६	७	०६	३३	०१	४	५७	६	०९
२५	र	१	१०	१४	५४	५७	३७	२०	५९	३२	३१	६	०६	७	०६	३३	०३	४	५७	६	१०
२६	चं	१	११	१२	३१	५७	३६	२१	१०	३२	३२	६	०५	७	०६	३३	०४	४	५६	६	१०
२७	मं	१	१२	१०	०७	५७	३५	२१	२०	३२	३४	६	०५	७	०७	३३	०६	४	५६	६	११
२८	बु	१	१३	०७	४१	५७	३३	२१	३०	३२	३५	६	०५	७	०७	३३	०८	४	५६	६	११
२९	गु	१	१४	०५	१५	५७	३२	२१	३९	३२	३६	६	०५	७	०७	३३	०९	४	५६	६	११
३०	शु	१	१५	०२	४७	५७	३१	२१	४८	३२	३७	६	०५	७	०८	३३	११	४	५६	६	१२
३१	श	१	१६	००	१८	५७	३०	२१	५७	३२	३८	६	०५	७	०८	३३	१२	४	५६	६	१२
१	र	१	१६	५७	४८	५७	२९	२२	०५	३२	४०	६	०५	७	०९	३३	१३	४	५५	६	१३
२	चं	१	१७	५५	१७	५७	२८	२२	१३	३२	४१	६	०५	७	०९	३३	१५	४	५५	६	१३
३	मं	१	१८	५२	४६	५७	२७	२२	२०	३२	४२	६	०५	७	०९	३३	१६	४	५५	६	१४

मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो यथा-बुधेरसक्षयोभूम्याम्॥ ज्येष्ठ कृ.पड़वा को बुधवार होने से अन्न की महँगाई, दुर्भिक्ष और खण्ड वृष्टि या वृष्टि का अभाव हो। कृष्णा एकादशी में रेवती होने से खण्ड वृष्टि हो। मगलवारी अमावस होने से क्लेशो की वृद्धि-उपघात-अल्पवृष्टि, कृतिका योग सुभिक्ष कारक हो। सुदी दोयज को आर्द्रा में वर्षा हो तो दुर्भिक्ष करे। पूर्णिमा ज्येष्ठा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। शनि सक्रांति होने से सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो।

अयनांशाः २३।५७।३९
८ पं. ज्ये.कृ.१२ र. इष्टघटी ३०।४९
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

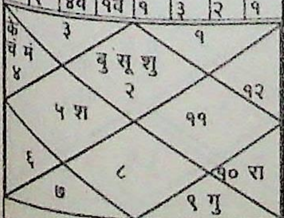
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	३	१	८	१	४	९	१
१७	१८	२६	२७	१५	०८	२८	१७
२५	३२	२१	३५	२०	३८	१६	१३
२४	२८	१६	१२	३५	०१	२९	११
५७	३३	२५	४	७३	३	३	५७
२९	५५	१२	१६	४५	०१	११	१३
रो	श्ले	मृ	उषा	रो	म	ध	रो
३	१	१व	१व	२	३	२	३



ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, ४ जून से १८ जून तक																				नवलगढ				चंद्रः			तारीख			ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः ५९०४, जून २००८
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.			मा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	बु	३८	३०	२१	०२	रोहि	२ ५५	४३ २०	६ २७	४३ ४६	धृ	१५	३७	११	५३	किं	१३	१६	१०	५६	३४ १०	५ ३८	७ १८	मिथु. १७।१३			१४	२९	४	भाऊका-करिदिन, करिदिनं, श्री गंगादशाश्वमेघस्नान प्रा.
२	गु	२९	३२	१७	२७	आर्द्रा	४८	४६	२५	०८	शू	५ ५५	१४ ३६	७ २७	४३ ५२	बा	३	५५	७	१२	११	३८	१९	मिथु.			१५	३०	५	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), रंभा व्रतं
३	शु	२१	४१	१४	१८	पुन	४३	२७	२३	०१	वृ	४७	०३	२४	२७	ग	२१	४१	१४	१८	१३	३८	१९	कर्के १७।२९			१६	१	६	भ. २४।५६ उ., प्रताप जयंती, जमादिलास्सर ६, B
४	श	१५	१५	११	४४	पुष्य	३९	४३	२१	३१	ध्रु	३९	४९	२१	३४	वि	१५	१५	११	४४	१४	३८	१९	कर्के			१७	२	७	भ. ११।४४ या., मृगे रविः २२।०९ (सौरः २७।५८), C
५	र	१०	३४	९	५१	श्ले	३७	४९	२०	४५	व्या	३४	०५	१९	१६	बा	१०	३४	९	५१	१५	३८	२०	सिंहे २०।४५			१८	३	८	मृगे शुक्रः ५।५९ [C (व) रोहि. बुधः १८।२८
६	सो	७	४८	८	४५	मघा	३७	५१	२०	४६	ह	२९	५७	१७	३६	तै	७	४८	८	४५	१६	३८	२०	सिंहे			१९	४	९	[B पातस्पर्शः १९।०१, मोक्षः २५।०९
७	मं	६	५९	८	२५	पूफा	३९	४८	२१	३३	व	२७	२१	१६	३४	व	६	५९	८	२५	१७	३८	२१	कन्या २७।५२			२०	५	१०	भ. ८।२५ उ. २०।३३ या.
८	बु	८	०५	८	५२	उफा	४३	३१	२३	०२	सि	२६	१३	१६	०७	ब	८	०५	८	५२	१८	३८	२१	कन्या			२१	६	११	दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती
९	गु	१०	५२	९	५९	हस्त	४८	४३	२५	०७	व्य	२६	२१	१६	१०	कौ	१०	५२	९	५९	१९	३८	२१	कन्या			२२	७	१२	(व) पूषा.-४ गुरुः १७।०६
१०	शु	१५	०३	११	३९	चित्रा	५५	०१	२७	३८	व	२७	२९	१६	३७	ग	१५	०३	११	३९	२०	३८	२२	तुला. १४।२०			२३	८	१३	भ. २४।३८ उ., गंगा दशहरा व्र., मिथुने शुक्रः १६।०९
११	श	२०	१२	१३	४३	स्वा	...	...	...	...	प	२९	१८	१७	२१	वि	२०	१२	१३	४३	२०	३८	२२	तुला.			२४	९	१४	भ. १३।४३ या., निर्जला ११ व्र., मिथुने रविः २१।३४ (सौरः २८।१४)
१२	र	२५	५६	१६	००	स्वा	२	०२	६	२७	शि	३१	३२	१८	१५	बा	२५	५६	१६	००	२१	३८	२२	वृश्चि. २६।३९			२५	१०	१५	प्रदोषः [A व्र., कबीर जयंती, ज्येष्ठी योगः, आर्द्रा. शुक्रः २६।२०
१३	सो	३१	५३	१८	२३	विशा	९	२३	९	२३	सि	३३	५४	१९	१२	तै	३१	५३	१८	२३	२१	३८	२३	वृश्चि.			२६	११	१६	वट सावित्री व्रतारंभः
१४	मं	३७	४६	२०	४५	अनु	१६	४५	१२	२०	सा	३६	१३	२०	०८	ग	४	५१	७	३५	२२	३८	२३	वृश्चि.			२७	१२	१७	भ. २०।४५ उ.
१५	बु	४३	२४	२३	००	ज्ये	२३	५६	१५	१३	शु	३८	२१	२०	५९	वि	१०	३८	९	५४	२२	३८	२३	धनु. १५।१३			२८	१३	१८	भ. ९।५४ या., मन्वादि, गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, अब्द साध्य A

अयनांशाः २३।५७।४०
१ पं. ज्ये.शु. ५ र. इष्टघटी ३०।५१
(रेल्वे घं मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	३	१	८	१	४	९	१
२४	२२	२२	२७	२३	०९	२७	२३
०७	३१	४७	०२	५६	०१	५४	५३
२४	१७	१२	०२	५०	०५	१४	१८
५७	३४	३३	५	७३	३	३	५७
२२	२३	०७	२१	४५	३९	११	०५
मृ १	श्ले २	रो ४व	उषा १व	मृ १	म ३	घ २	मृ १



जून रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेलवे-टाईम						कलकत्ता रेलवे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
४	बु	१	१९	५०	१३	५७	२६	२२	२७	३२	४३	६	०५	७	१०	३३	१७	४	५५	६	१४
५	गु	१	२०	४७	३९	५७	२५	२२	३४	३२	४३	६	०५	७	१०	३३	१८	४	५५	६	१४
६	शु	१	२१	४५	०४	५७	२४	२२	४०	३२	४४	६	०५	७	१०	३३	१९	४	५५	६	१५
७	श	१	२२	४२	२८	५७	२३	२२	४६	३२	४५	६	०५	७	११	३३	२०	४	५५	६	१५
८	र	१	२३	३९	५२	५७	२३	२२	५२	३२	४६	६	०५	७	११	३३	२१	४	५५	६	१५
९	चं	१	२४	३७	१४	५७	२२	२२	५७	३२	४६	६	०५	७	११	३३	२२	४	५५	६	१६
१०	मं	१	२५	३४	३६	५७	२१	२३	०२	३२	४७	६	०५	७	१२	३३	२३	४	५५	६	१६
११	बु	१	२६	३१	५७	५७	२०	२३	०६	३२	४८	६	०५	७	१२	३३	२३	४	५५	६	१७
१२	गु	१	२७	२९	१७	५७	२०	२३	१०	३२	४८	६	०५	७	१२	३३	२४	४	५५	६	१७
१३	शु	१	२८	२६	३७	५७	१९	२३	१३	३२	४९	६	०५	७	१३	३३	२४	४	५५	६	१७
१४	श	१	२९	२३	५६	५७	१८	२३	१६	३२	४९	६	०५	७	१३	३३	२५	४	५५	६	१७
१५	र	२	००	२१	१४	५७	१८	२३	१९	३२	४९	६	०५	७	१३	३३	२५	४	५६	६	१८
१६	चं	२	०१	१८	३१	५७	१७	२३	२१	३२	५०	६	०५	७	१३	३३	२६	४	५६	६	१८
१७	मं	२	०२	१५	४८	५७	१६	२३	२३	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१८
१८	बु	२	०३	१३	०५	५७	१६	२३	२५	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९

संक्रांति फलम्

ता. १४ जून २००८
ज्ये. शु. ११ शनौ मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २१।३४ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रास्तः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २१।३४ से २७।५८ तक। (दान- वस्त्रान्न)।

अयनांशाः २३।५७।४१
१० पं. ज्ये.शु.१२ र. इष्टघटी ३०।५०
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	३	१	८	२	४	९	२
००	२६	१९	२६	०२	०९	२७	००
४८	३३	३१	२१	३३	२८	३१	३२
४४	१२	४७	४६	०४	२८	५८	३७
५७	३४	१५	६	७३	४	३	५७
१७	४८	४७	१६	४५	१५	११	००
मृ ३	श्ले ३	रो ३व	पूभा ४व	मृ ३	म ३	घ २	मृ ३



आषाढ कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, १९ जून से ३ जुलाई तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति महा., जून-जुलाई २००८

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	गु	४८	३९	२५	०६	मूल	३०	४६	१७	५७	शु	४०	११	२१	४३	बा	१६	०५	१२	०४	३४ २२	५ ३९	७ २३	धनु.		२९	१४	१९	बुधोदयः पूर्वस्याम् १५।२०
२	शु	५३	२०	२६	५९	पूषा	३७	०७	२०	३०	ब्र	४१	३७	२२	१८	तै	२१	०४	१४	०४	२२	३९	२४	मक.	२७।०६	३०	१५	२०	पातस्पर्शः २३।२२, सायन कर्के भानुः, सायन दक्षिणायन प्रारम्भ C
३	श	५७	११	२८	३५	उषा	४२	५०	२२	४७	ऐ	४२	३२	२२	४०	व	२५	२५	१५	४९	२२	३९	२४	मक.		३१	१६	२१	भ. १५।४९ उ. २८।३५ या., पातमोक्षः ७।३६, आर्द्रा. रविः २१।११ B
४	र	...	...	...	...	श्रव	४७	४१	२४	४३	वै	४२	४६	२२	४५	ब	२८	५८	१७	१४	२२	३९	२४	मक.		१	१७	२२	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१४, भा. आषाढारंभः, मघा.-४ शनिः १८।४६
४	सो	०	२०	५	४७	धनि	५१	२५	२६	१३	वि	४२	०७	२२	३०	बा	०	२०	५	४७	२२	३९	२४	कुंभे	१३।३२	२	१८	२३	पंचक प्रारम्भः १३।३२
५	मं	२	१०	६	३२	शत	५३	४७	२७	११	प्री	४०	२५	२१	५०	तै	२	१०	६	३२	२२	४०	२४	कुंभे		३	१९	२४	[C २९।२३, मार्गी बुधः १५।१३
६	बु	२	३३	६	४१	पूभा	५४	३६	२७	३०	आ	३७	२७	२०	३९	व	२	३३	६	४१	२१	४०	२५	मीने	२१।२९	४	२०	२५	भ. ६।४१ उ. १८।३२ या.
७	गु	१	२१	६	१३	उभा	५३	४५	२७	१०	सौ	३३	११	१८	५७	ब	१	२१	६	१३	२१	४०	२५	मीने		५	२१	२६	[B (सौरः २८।४५), सिंहे मघा. भौमः १५।५९, अयन करिदिन
८	गु	५८	२९	२९	०४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[A ता. ३१, धनि.-१ राहुः २६।१८, श्लेषा.-३ केतुः २६।१८
९	शु	५३	५५	२७	१५	रेव	५१	१५	२६	११	शो	२७	३२	१६	४२	तै	२६	२३	१६	१४	२०	४१	२५	मेषे	२६।११	६	२२	२७	पंचक समाप्तिः २६।११
१०	श	४७	५०	२४	४९	अश्वि	४७	१३	२४	३४	अ	२०	३४	१३	५५	व	२१	०३	१४	०६	२०	४१	२५	मेषे		७	२३	२८	भ. १४।०६ उ. २४।४९ या.
११	र	४०	२९	२१	५३	भर	४१	५३	२२	२६	सु	१२	२६	१०	४०	ब	१४	१७	११	२४	१९	४१	२५	वृषे	२७।५०	८	२४	२९	योगिनी ११ व्र., पातस्पर्शः २१।०२, मोक्षः २७।२२, पुन. शुक्रः २२।३६
१२	सो	३२	१०	१८	३३	कृति	३५	३५	१९	५६	धृ	३ ५३	२२ ३७	७ २७	०२ ०८	कौ	६	२४	८	१५	१८	४२	२५	वृषे		९	२५	३०	प्रदोषः, मृगे बुधः १४।२७
१३	मं	२३	१५	१५	००	रोहि	२८	४३	१७	११	गं	४३	३१	२३	०६	व	२३	१५	१५	००	१८	४२	२५	मिथु.	२७।४७	१०	२६	१	भ. १५।०० उ. २५।११ या., मासिकशिवरात्री व्र., जुलाई ७ A
१४	बु	१४	१०	११	२२	मृग	२१	४४	१४	२४	वृ	३३	२४	१९	०४	श	१४	१०	११	२२	१७	४२	२५	मिथु.		११	२७	२	पितृकार्येऽमा.
३०	गु	५	२०	७	५१	आर्द्रा	१५	०३	११	४४	ध्रु	२३	३८	१५	१०	ना	५	२०	७	५१	१६	४३	२५	कर्क	२७।५५	१२	२८	३	देवकार्येऽमा.

अयनांशाः २३।५७।४२
११ पं. आ.कृ. ४ र. इष्टघटी ३०।४७
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	४	१	८	२	४	९	२
०७	००	१९	२५	११	०९	२७	०७
२९	३८	०५	३५	०९	५९	०९	११
३३	०३	३४	३८	२१	५०	४३	२१
५६	३५	१५	६	७३	४	३	५६
१६	१२	१८	५९	४६	४७	११	५६
आ	म	रो	पूषा	आ	म	ध	आ
१	१	३	४व	२	३	२	१



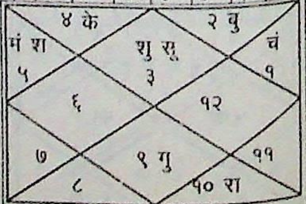
जून रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१९	गु	२	०४	१०	२१	५७	१५	२३	२६	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९
२०	शु	२	०५	०७	३६	५७	१५	२३	२६	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९
२१	श	२	०६	०४	५१	५७	१४	२३	२६	३२	५०	६	०६	[illegible]	१५	३३	२६	४	५७	६	१९
२२	र	२	०७	०२	०५	५७	१४	२३	२६	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	१९
२३	चं	२	०७	५९	१९	५७	१४	२३	२६	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	२०
२४	मं	२	०८	५६	३३	५७	१३	२३	२४	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	२०
२५	बु	२	०९	५३	४६	५७	१३	२३	२३	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५८	६	२०
२६	गु	२	१०	५०	५९	५७	१३	२३	२१	३२	५०	६	०८	७	१५	३३	२६	४	५८	६	२०
२७	शु	२	११	४८	१२	५७	१३	२३	१९	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२५	४	५८	६	२०
२८	श	२	१२	४५	२५	५७	१२	२३	१६	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२५	४	५८	६	२०
२९	र	२	१३	४२	३७	५७	१२	२३	१३	३२	४८	६	०८	७	१६	३३	२४	४	५९	६	२०
३०	चं	२	१४	३९	४९	५७	१२	२३	१०	३२	४८	६	०९	७	१६	३३	२४	४	५९	६	२१
१	मं	२	१५	३७	०१	५७	१२	२३	०६	३२	४७	६	०९	७	१६	३३	२३	४	५९	६	२१
२	बु	२	१६	३४	१३	५७	१२	२३	०१	३२	४७	६	०९	७	१६	३३	२२	५	००	६	२१
३	गु	२	१७	३१	२४	५७	१२	२२	५७	३२	४६	६	१०	७	१६	३३	२१	५	०१	६	२१

मास फलम्

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सरता हो यथा-चन्द्रजीवौ यदापंच धान्यादीनांसमर्घता।। पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो। कृष्णा द्वितीया और नौमी को शुक्रवार होने से सुभिक्ष हो। कृष्णा त्रयोदशी में रोहिणी होने से उत्तम पवन चले। गुरुवारी अमावस आर्द्रा योग होने से वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हो दुःख का नाश हो। आरोग्यता हो और प्रजा स्वस्थ हो। शुक्ला पंचमी को सोमवार होने से सुवृष्टि हो। शुक्ला एकादशी को रविवार होने से सुभिक्ष हो। पूर्णिमा को पूर्वाषाढा का अभाव और उत्तराषाढा युक्त होने से महर्घता हो लेकिन पूर्णिमा १५ घटी से अधिक है अतः सुभिक्ष रहे।

अयनांशाः २३।५७।४३
१२ पं. आ.कृ.११ र. इष्टघटी ३०।४२
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	४	१	८	२	४	९	२
१४	०४	२२	२४	१९	१०	२६	१३
१०	४५	३७	४५	४५	३४	४७	४९
०४	४०	२६	०९	४४	५४	२८	४३
५७	३५	४९	७	७३	५	३	५६
१२	३६	३५	२८	४७	१७	११	५४
आ	म	रो	पूषा	आ	म	ध	आ
३	२	४	४व	४	४	२	३



आषाढ शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, ४ जुलाई से १८ जुलाई तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | वर्षर्तु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ५९३४, जुलाई २००८

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	गु	[illegible]	००	२८	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	|A बौधायन उपाकर्म, पुन. बुधः २३।२५
२	शु	५०	०१	२५	४४	पुन	९	०७	९	२२	व्या	१४	३२	११	३२	बा	२३	२६	१५	०५	३४ ४५	५ ४३	७ २५	कर्के	१३	२९	.४	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्री जगदीश रथ यात्रा
३	श	४४	१६	२३	२६	पुष्य	४	१९	७	२७	ह	६ ५९	२४ ३०	८ २२	१७ ३१	तै	१६	५६	१२	३०	१३	४४	२५	कर्के	१४	१	५	रज्जव ७, [शुक्रोदयः पश्चिमायाम् २७।१७] D
४	र	४०	१०	२१	४८	श्ले	० ५९	५८ २२	६ २९	०७ २१	सि	५३	५९	२७	२०	व	११	५८	१०	३१	१२	४४	२५	सिंहे ६।०७	१५	२	६	भ. १०।३१ उ. २१।४८ या., पुन. सौरः ६।११, मिथुने बुधः १९।११
५	सो	३७	५५	२०	५४	पूफा	५९	३८	२९	३६	व्य	५०	००	२५	४५	ब	८	४७	९	१५	११	४४	२५	सिंहे	१६	३	७	कर्के शुक्रः २५।४५
६	मं	३७	३७	२०	४८	उफा	...	...	...	...	व	४७	३५	२४	४७	कौ	७	३१	८	४५	०९	४५	२४	कन्या ११।४५	१७	४	८	स्कंध षष्टी |D पुन. रविः २०।४८,
७	बु	३९	१४	२१	२७	उफा	१	४८	६	२८	प	४६	३८	२४	२४	ग	८	११	९	०१	०८	४५	२४	कन्या	१८	५	९	भ. २१।२७ उ.
८	गु	४२	३३	२२	४७	हस्त	५	४७	८	०५	शि	४७	००	२४	३४	वि	१०	४१	१०	०२	०६	४६	२४	तुला. २१।०७	१९	६	१०	भ. १०।०२ या., (व) पूषा.-३ गुरुः २१।३६, पुष्ये शुक्रः १८।४७
९	शु	४७	१६	२४	४०	चित्रा	११	५९	१०	१८	सि	४८	२५	२५	०८	बा	१४	५५	११	४०	०४	४६	२४	तुला.	२०	७	११	भड़ली ९, आर्द्रा. बुधः ११।०६
१०	श	५२	५२	२६	५५	स्वा	१७	५९	१२	५८	सा	५०	३२	२६	००	तै	१९	५८	१३	४६	०३	४७	२४	तुला.	२१	८	१२	मन्वादि, आशा दशमी, पातस्पर्शः १४।५५, मोक्षः २१।५८
११	र	५८	५३	२९	२०	विशा	२५	१८	१५	५४	शु	५२	५७	२६	५८	व	२५	५१	१६	०७	०१	४७	२३	वृश्चि. ९।१०	२२	९	१३	भ. १६।०७ उ. २९।२० या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास व्रतारंभः, B
१२	सो	...	...	...	...	अनु	३२	४५	१८	५४	शु	५५	२०	२७	५६	ब	३१	५२	१८	३२	३३ ५९	४८	२३	वृश्चि.	२३	१०	१४	श्रावणे वर्जयेच्छाकम् |B गोपद्मव्रतोद्यापनं, पूफा. भौमः २५।२३
१२	मं	४	४६	७	४३	ज्ये	३९	५६	२१	४६	ब्र	५७	२४	२८	४६	बा	४	४६	७	४३	५७	४८	२३	धनु. २१।४६	२४	११	१५	प्रदोषः |C दक्षिणायनारंभः
१३	बु	१०	१६	९	५५	मूल	४६	३३	२४	२६	ऐ	५८	५८	२९	२४	तै	१०	१६	९	५५	५५	४९	२३	धनु.	२५	१२	१६	जया पार्वती व्रतं, कर्के रविः ८।३१ (सौरः १९।१३), निरयन C
१४	गु	१५	०३	११	५०	पूषा	५२	२६	२६	४७	वै	५९	५८	२९	४८	व	१५	०३	११	५०	५३	४९	२२	धनु.	२६	१३	१७	भ. ११।५० उ. २४।४९ या., पूर्णिमा व्रतं, वायु परीक्षा, आषाढी योगः
१५	शु	१९	०३	१३	२७	उषा	५७	३०	२८	४९	वि	...	...	...	...	ब	१९	०३	१३	२७	५१	५०	२२	मक. ९।२०	२७	१४	१८	मन्वादि, पूर्णिमा पुण्यं, गोपद्मव्रतारंभ, व्यासपूजा, गुरु पूर्णिमा, A

शुक्रोदयः

अयनांशाः २३।५७।४४
१३ पं. आ.शु. ४ र. इष्टघटी ३०।३५
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	४	१	८	२	४	९	२
२०	०८	२९	२३	२८	११	२६	२०
५०	५५	५५	५२	२२	१३	२५	२७
२६	५६	३७	०१	१७	१९	१२	५६
५७	३५	७८	७	७३	५	३	५६
१२	५८	५२	४२	४८	४५	११	५३
पुन	म	मृ	पूषा	पुन	म	ध	पुन
१	३	२	४व	३	४	१	१



जुलाई		रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
४	शु	२	१८	२८	३६	५७	१२	२२	५१	३२	४५	६	१०	७	१६	३३	२०	५	००	६	२१
५	श	२	१९	२५	४८	५७	१२	२२	४६	३२	४५	६	१०	७	१६	३३	२०	५	०१	६	२१
६	र	२	२०	२२	५९	५७	१२	२२	४०	३२	४४	६	११	७	१६	३३	१९	५	०१	६	२१
७	चं	२	२१	२०	११	५७	१२	२२	३४	३२	४३	६	११	७	१६	३३	१७	५	०२	६	२१
८	मं	२	२२	१७	२३	५७	१२	२२	२७	३२	४२	६	११	७	१६	३३	१६	५	०२	६	२०
९	बु	२	२३	१४	३५	५७	१२	२२	२०	३२	४१	६	१२	७	१६	३३	१५	५	०२	६	२०
१०	गु	२	२४	११	४७	५७	१२	२२	१२	३२	४०	६	१२	७	१६	३३	१४	५	०३	६	२०
११	शु	२	२५	०८	५९	५७	१२	२२	०५	३२	३९	६	१२	७	१६	३३	१३	५	०३	६	२०
१२	श	२	२६	०६	१२	५७	१३	२१	५६	३२	३८	६	१३	७	१६	३३	११	५	०३	६	२०
१३	र	२	२७	०३	२४	५७	१३	२१	४८	३२	३७	६	१३	७	१६	३३	१०	५	०४	६	२०
१४	चं	२	२८	००	३७	५७	१३	२१	३९	३२	३५	६	१३	७	१६	३३	०८	५	०४	६	२०
१५	मं	२	२८	५७	५०	५७	१४	२१	२९	३२	३४	६	१४	७	१५	३३	०७	५	०५	६	१९
१६	बु	२	२९	५५	०४	५७	१४	२१	२०	३२	३३	६	१४	७	१५	३३	०५	५	०५	६	१९
१७	गु	३	००	५२	१८	५७	१४	२१	१०	३२	३१	६	१४	७	१५	३३	०४	५	०५	६	१९
१८	शु	३	०१	४९	३२	५७	१५	२०	५९	३२	३०	६	१५	७	१५	३३	०२	५	०६	६	१९

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २००८

आषा. शु. १३ बुधे कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ८।३१ वारात् ५ नक्षत्रात् ५ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा पूर्वान्हे १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः भौमे (स्टै.) २०।३१ से बुधे ८।३१ तक। (दान- घृत, धेनु)।

अयनांशाः २३।५७।४५
१४ पं. आ.शु.११ र. इष्टघटी ३०।२७
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	४	२	८	३	४	९	२
२७	१३	१०	२२	०६	११	२६	२७
३०	०८	२४	५८	५८	५४	०२	०६
५२	४७	०३	०४	५७	४५	५७	१५
५७	३६	१०३	७	७३	६	३	५६
१३	२०	३८	४०	४९	०९	११	५५
पुन	म	आ	पूषा	पु	म	ध	पुन
३	४	२	३व	२	४	१	३



श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, १९ जुलाई से १ अगस्त तक नवलगढ																							चंद्रः		तारीख			वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेति महा., जुलाई-अगस्त २००८
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	श	२२	११	१४	४२	श्रव	...	...	...	...	वि	० ५९	१५ ५३	५ २९	५६ ४७	कौ	२२	११	१४	४२	३३ ४९	५ ५०	७ २२	मक	२८	१५	१९	नक्त व्रतारंभः, पुष्ये रविः २०।२२, बुधास्तः पूर्वस्याम् २५।०५
२	र	२४	२१	१५	३५	श्रव	१	३९	६	३०	आ	५८	४२	२९	१९	ग	२४	२१	१५	३५	४६	५१	२१	कुंभे १९।१२	२९	१६	२०	भ. २७।५२ उ., पंचक प्रारम्भः १९।१२, बृहत्तल्पा, पुष्ये सौरः ७।३०
३	सो	२५	३०	१६	०३	धनि	४	५१	७	४७	सौ	५६	४०	२८	३१	वि	२५	३०	१६	०३	४४	५१	२१	कुंभे	३०	१७	२१	भ. १६।०३ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।२१, श्लेषा. शुक्रः १४।५२
४	मं	२५	३१	१६	०४	शत	६	५८	८	३९	शो	५३	४२	२७	२०	बा	२५	३१	१६	०४	४२	५२	२०	मीने २६।५९	३१	१८	२२	सायन सिंहे भानुः १६।२२
५	बु	२४	१९	१५	३६	पूभा	७	५६	९	०३	अ	४९	४५	२५	४६	तै	२४	१९	१५	३६	३९	५२	२०	मीने	१	१९	२३	नागपञ्चमी (मरु.), भा. श्रावणारंभः, कर्के बुधः २०।५८
६	गु	२१	५४	१४	३८	उभा	७	४१	८	५७	सु	४४	४८	२३	४८	व	२१	५४	१४	३८	३७	५३	१९	मीने	२	२०	२४	भ. १४।३८ उ. २५।५८ या.
७	शु	१८	१३	१३	११	रेव	६	१२	८	२२	धृ	३८	५२	२१	२६	ब	१८	१३	१३	११	३४	५३	१९	मेषे ८।२२	३	२१	२५	पंचक समाप्तिः ८।२२, पुष्ये बुधः १०।५०
८	श	१३	२४	११	१५	अश्वि	३ ५९	३२ ५०	७ २९	१८ ५०	शू	३२	०१	१८	४२	कौ	१३	२४	११	१५	३१	५४	१८	मेषे	४	२२	२६	पातस्पर्शः ७।२९, मोक्षः १२।२६, पूफा.-१ शनिः २३।१५
९	र	७	३३	८	५५	कृति	५५	१५	२८	००	गं	२४	२२	१५	३९	ग	७	३३	८	५५	२९	५४	१८	वृषे ११।२४	५	२३	२७	भ. १९।३८ उ.
१०	सो	०	५३	६	१६	रोहि	५०	०३	२५	५६	वृ	१६	०५	१२	२१	वि	०	५३	६	१६	२६	५५	१७	वृषे	६	२४	२८	भ. ६।१६ या., कामिका ११ व्र.स्मार्त
११	सो	५३	३८	२७	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	|A ता. ३१, तिलकपुण्यतिथि, सिंहे मघा. शुक्रः १०।५८
१२	मं	४६	०३	२४	२०	मृग	४४	३१	२३	४४	ध्रु	७ ५८	२३ ३०	८ २९	५२ ११	कौ	१९	५१	१३	५२	२३	५५	१७	मिथु. १२।५०	७	२५	२९	कामिका ११ व्र.वैष्ण.
१३	बु	३८	२८	२१	१९	आर्द्रा	३८	५८	२१	३१	ह	४९	३९	२५	४८	ग	१२	१४	१०	४९	२०	५६	१६	मिथु.	८	२६	३०	भ. २१।१९ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
१४	गु	३१	११	१८	२५	पुन	३३	४३	१९	२६	व	४१	०८	२२	२३	वि	४	४५	७	५०	१७	५६	१५	कर्के १३।५६	९	२७	३१	भ. ७।५० या., श्लेषा. बुधः १८।३८
३०	शु	२४	३३	१५	४६	पुष्य	२९	०८	१७	३६	सि	३३	१०	१९	१३	ना	२४	३३	१५	४६	१४	५७	१५	कर्के	१०	२८	१	सूर्यग्रहणम्, देवपितृकार्येऽमा., हरियाली ३०, अगस्त ८ A

अयनांशाः २३।५७।४६
१५ पं. श्रा.कृ. २ र. इष्टघटी ३०।१९
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	४	२	८	३	४	९	३
०४	१७	२३	२२	१५	१२	२५	०३
११	२४	३१	०५	३५	३८	४०	४४
३१	०८	५२	११	४२	५१	४१	५२
५७	३६	१२२	७	७३	६	३	५६
१६	४१	३१	२२	४९	३०	११	५९
पु	पूफा	पुन	पूषा	पु	म	घ	पु
१	२	२	३व	४	४	१	१



जुलाई रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१९ श	३	०२	४६	४७	५७	१५	२०	४८	३२	२९	६	१५	७	१५	३३	००	५	०६	६	१८
२० र	३	०३	४४	०२	५७	१६	२०	३७	३२	२७	६	१६	७	१४	३२	५८	५	०७	६	१८
२१ चं	३	०४	४१	१८	५७	१६	२०	२६	३२	२६	६	१६	७	१४	३२	५७	५	०७	६	१८
२२ मं	३	०५	३८	३४	५७	१७	२०	१४	३२	२४	६	१६	७	१४	३२	५५	५	०८	६	१७
२३ बु	३	०६	३५	५१	५७	१७	२०	०२	३२	२२	६	१७	७	१४	३२	५३	५	०८	६	१७
२४ गु	३	०७	३३	०८	५७	१८	१९	४९	३२	२१	६	१७	७	१३	३२	५१	५	०८	६	१७
२५ शु	३	०८	३०	२६	५७	१९	१९	३७	३२	१९	६	१७	७	१३	३२	४९	५	०९	६	१६
२६ श	३	०९	२७	४५	५७	१९	१९	२३	३२	१७	६	१८	७	१३	३२	४७	५	०९	६	१६
२७ र	३	१०	२५	०४	५७	२०	१९	१०	३२	१६	६	१८	७	१२	३२	४४	५	१०	६	१५
२८ चं	३	११	२२	२४	५७	२१	१८	५६	३२	१४	६	१८	७	१२	३२	४२	५	१०	६	१५
२९ मं	३	१२	१९	४५	५७	२१	१८	४२	३२	१२	६	१९	७	११	३२	४०	५	१०	६	१४
३० बु	३	१३	१७	०६	५७	२२	१८	२८	३२	१०	६	१९	७	११	३२	३८	५	११	६	१४
३१ गु	३	१४	१४	२९	५७	२३	१८	१३	३२	०८	६	१९	७	११	३२	३६	५	११	६	१३
१ शु	३	१५	११	५२	५७	२४	१७	५८	३२	०६	६	२०	७	१०	३२	३३	५	१२	६	१३

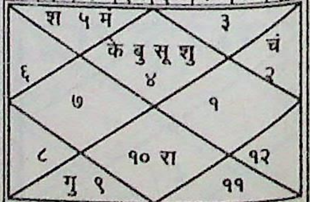
मास फलम्

सूर्यग्रहण १ अग. २००८, शुक्रवार
चन्द्रग्रहण १६ अग. २००८, शनिवार

इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो । कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों । शुक्रवारी अमावस पुष्य योग होने से समर्घता और मध्यम वर्षा हो । शुक्ला सप्तमी को स्वाति नक्षत्र सुभिक्ष कारक है । पूर्णिमा शनिवार युक्त होने से दुर्भिक्ष और श्रवण युक्त होने से धान्योत्पत्ति वहुत हो । शनिवार की सक्रांति होने से अशुभ फलकारक है सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो ।

अयनांशाः २३।५७।४७
१६ पं. श्रा.कृ. ९ र. इष्टघटी ३०।१०
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	४	३	८	३	४	९	३
१०	२१	०८	२१	२४	१३	२५	१०
५२	४१	१२	१५	१२	२५	१८	२४
३५	५६	३९	१२	२७	१६	२६	००
५७	३७	१२७	६	७३	६	३	५७
२०	०२	०५	४८	४९	४८	११	०५
पु	पूफा	पु	पूषा	श्ले	पूफा	घ	पु
३	३	२	३व	३	१	१	३



श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, २ अगस्त से १६ अगस्त तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | वर्षर्त्तु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ५९६३, अगस्त २००८

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै: टा.	भा.	मु.	इं.
१	श	१८	५१	१३	३०	श्ले	२५	३२	१६	१०	व्य	२६	०२	१६	२२	ब	१८	५१	१३	३०	३३ ११	५ ५७	७ १४	सिंहे १६।१०	११	२९	२
२	र	१४	२४	११	४३	मघा	२३	११	१५	१४	व	१९	५६	१३	५६	कौ	१४	२४	११	४३	०८	५८	१३	सिंहे	१२	३०	३
३	सो	११	२६	१०	३३	पूफा	२२	२२	१४	५५	प	१५	०४	१२	००	ग	११	२६	१०	३३	०५	५८	१३	कन्या २०।५७	१३	१	४
४	मं	१०	१०	१०	०३	उफा	२३	१४	१५	१७	शि	११	३४	१०	३७	वि	१०	१०	१०	०३	०२	५९	१२	कन्या	१४	२	५
५	बु	१०	४२	१०	१६	हस्त	२५	५४	१६	२१	सि	९	३०	९	४८	बा	१०	४२	१०	१६	३२ ५९	६ ००	११	तुला. २९।०९	१५	३	६
६	गु	१३	०१	११	१३	चित्रा	३०	१६	१८	०६	सा	८	५१	९	३२	तै	१३	०१	११	१३	५६	००	१०	तुला.	१६	४	७
७	शु	१६	५८	१२	४८	स्वा	३६	०६	२०	२७	शु	९	२६	९	४७	व	१६	५८	१२	४८	५२	०१	०९	तुला.	१७	५	८
८	श	२२	१०	१४	५३	विशा	४३	०१	२३	१४	शु	११	०२	१०	२६	ब	२२	१०	१४	५३	४९	०१	०९	वृश्चि. १६।३०	१८	६	९
९	र	२८	०४	१७	१५	अनु	५०	२७	२६	१२	ब्र	१३	१६	११	२०	कौ	२८	०४	१७	१५	४६	०२	०८	वृश्चि.	१९	७	१०
१०	सो	३४	०७	१९	४१	ज्ये	५७	४७	२९	०९	ऐ	१५	४१	१२	१८	तै	१	०६	६	२९	४२	०२	०७	धनु. २९।०९	२०	८	११
११	मं	३९	४३	२१	५६	मूल	...	...	...	...	वै	१७	५१	१३	११	व	६	५९	८	५०	३९	०३	०६	धनु.	२१	९	१२
१२	बु	४४	२६	२३	५०	मूल	४	३२	७	५२	वि	१९	२९	१३	५१	ब	१२	११	१०	५६	३५	०३	०५	धनु.	२२	१०	१३
१३	गु	४८	०४	२५	१७	पूषा	१०	२०	१०	१२	प्री	२०	१७	१४	११	कौ	१६	२३	१२	३७	३२	०४	०४	मक. १६।४३	२३	११	१४
१४	शु	५०	२७	२६	१५	उषा	१५	०१	१२	०५	आ	२०	११	१४	०८	ग	१९	२४	१३	५०	२८	०४	०४	मक.	२४	१२	१५
१५	श	५१	३६	२६	४३	श्रव	१८	२९	१३	२८	सौ	१९	०७	१३	४३	वि	२१	१०	१४	३३	२५	०५	०३	कुंभे २६।००	२५	१३	१६

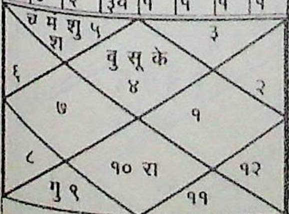
इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

- २ ग्रहण-करिदिन, श्लेषा. रविः १९।१८ [J श्लेषा. सौरः ७।५६
- ३ चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, सुकृत तृतीया व्र., J
- ४ भ. २२।१३ उ., तीज, स्वर्णगौरीव्र., मधुश्रवाव्र.(गुर्जरे), वरदचतुर्थी, B
- ५ भ. १०।०३ या. [E ऋग्वेदि, यजु, काण्वमध्यन्दिन(कात्या.) उपाकर्म
- ६ कल्कीजयंती, नागपञ्चमी, नागदष्ट व्र., वर्णषष्ठी, हिरण्यकेशीय, E
- ७ शीतला, पातस्पर्शः १४।१५, मोक्षः १९।२९, सिंहे मघा. बुधः १०।५१
- ८ भ. १२।४८ उ. २५।४८ या., तुलसी जयंती, दुर्गाष्टमी, (व) H
- ९ कन्यायां भौमः २६।०७ [H पूषा.-२ गुरुः २२।४३
- १० [B दूर्वा गणपति व्र., रोटक व्रतारंभः, सोमेश्वरपूजनं, सावान ८, D
- ११ [C २६।००, सिंहे मघा. रविः १७।०० [G पश्चिमायाम् १३।००
- १२ भ. ८।५० उ. २१।५६ या., पवित्रा ११ व्र., पूफा. शुक्रः ७।१२
- १३ दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं [D उफा. भौमः १८।१४
- १४ प्रदोषः, पूफा. बुधः १७।५५, बुधोदयः पश्चिमायां १४।२८, शनेरस्तः G
- १५ भ. २६।१५ उ., सूणमाण्डणा, भारतीयस्वतंत्रतादिवस
- १६ भ. १४।३३ या., रक्षाबंधनं (भद्रोत्तरं), खण्डग्रासं चन्द्रग्रहणम्, A

[A हयग्रीवजयंती, नारियल १५, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, पंचकप्रारम्भः C

अयनांशाः २३।५७।४८
१७ पं. श्रा.शु. २ र. इष्टघटी ३०।००
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	४	३	८	४	४	९	३
१७	२६	२२	२०	०२	१४	२४	१७
३४	०२	४३	२९	४९	१३	५६	०३
१४	१२	४९	५०	०७	४०	१०	५४
५७	३७	११९	६	७३	७	३	५७
२६	२३	४४	०१	४८	०३	११	१२
श्ले	पूफा	श्ले	पूषा	म	पूफा	ध	श्ले
१	४	२	३व	१	१	१	१



अगस्त रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२	श	३	१६	०९	१६	५७	२५	१७	४३	३२	०४	६	२०	७	१०	३२	३१	५	१२	६	१२
३	र	३	१७	०६	४१	५७	२६	१७	२७	३२	०२	६	२०	७	०९	३२	२८	५	१२	६	१२
४	चं	३	१८	०४	०७	५७	२७	१७	११	३२	००	६	२१	७	०९	३२	२६	५	१३	६	११
५	मं	३	१९	०१	३३	५७	२८	१६	५५	३१	५८	६	२१	७	०८	३२	२४	५	१३	६	११
६	बु	३	१९	५९	०१	५७	२९	१६	३९	३१	५६	६	२१	७	०८	३२	२१	५	१४	६	१०
७	गु	३	२०	५६	३०	५७	३०	१६	२२	३१	५४	६	२१	७	०७	३२	१९	५	१४	६	०९
८	शु	३	२१	५३	५९	५७	३१	१६	०५	३१	५२	६	२२	७	०७	३२	१६	५	१४	६	०९
९	श	३	२२	५१	३०	५७	३२	१५	४८	३१	५०	६	२२	७	०६	३२	१३	५	१५	६	०८
१०	र	३	२३	४९	०२	५७	३३	१५	३०	३१	४८	६	२२	७	०५	३२	११	५	१५	६	०७
११	चं	३	२४	४६	३५	५७	३४	१५	१२	३१	४६	६	२३	७	०५	३२	०८	५	१६	६	०७
१२	मं	३	२५	४४	०९	५७	३५	१४	५५	३१	४३	६	२३	७	०४	३२	०५	५	१६	६	०६
१३	बु	३	२६	४१	४५	५७	३७	१४	३६	३१	४१	६	२३	७	०४	३२	०३	५	१६	६	०५
१४	गु	३	२७	३९	२१	५७	३८	१४	१८	३१	३९	६	२३	७	०३	३२	००	५	१७	६	०५
१५	शु	३	२८	३५	५९	५७	३९	१३	५९	३१	३७	६	२४	७	०२	३१	५७	५	१७	६	०४
१६	श	३	२९	३४	३८	५७	४०	१३	४०	३१	३४	६	२४	७	०२	३१	५४	५	१७	६	०३

संक्रांति फलम्

ता. १६ अगस्त २००८
श्रा. शु. १५ शनौ सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १७।०० वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बाल्यावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १०।३६ से १७।०० तक । (दान- छत्र) ।

अयनांशाः २३।५७।४९
१८ पं. श्रा.शु. ९ र. इष्टघटी २९।५१
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	५	४	८	४	४	९	३
२४	००	०६	१९	११	१५	२४	२३
१६	२४	११	५०	२५	०३	३३	४४
३९	५४	३९	३२	३५	४१	५५	४५
५७	३७	१०९	५	७३	७	३	५७
३४	४४	२८	०२	४५	१५	११	२१
श्ले	उफा	म	पूषा	म	पूफा	ध	श्ले
३	२	२	२व	४	१	१	३



भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, १७ अगस्त से ३० अगस्त तक नवलगढ

ति	वा	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै.	टा.	तारीख भा.	मु.	इं.
१	र	५१	३४	२६	४३	धनि	२०	४६	१४	२४	शो	१७	०४	१२	५५	वा	२१	४३	१४	४६	३२/२१	६/०५	७/०२	कुंभे		२६	१४	१७
२	सो	५०	२२	२६	१५	शत	२१	५३	१४	५१	अ	१४	०६	११	४४	तै	२१	०६	१४	३२	१८	०६	०१	कुंभे		२७	१५	१८
३	मं	४८	०७	२५	२१	पूभा	२१	५६	१४	५२	सु	१०	१४	१०	१२	व	१९	२१	१३	५१	१४	०६	००	मीने	८।५४	२८	१६	१९
४	बु	४४	५५	२४	०५	उभा	२०	५८	१४	३०	धृ	५	३३	८	२०	ब	१६	३७	१२	४६	१०	०७	६/५९	मीने		२९	१७	२०
५	गु	४०	५२	२२	२८	रेव	१९	०८	१३	४६	शू	०/५४	०८/०४	६/२७	१०/४५	कौ	१२	५९	११	१९	०७	०७	५८	मेषे	१३।४६	३०	१८	२१
६	शु	३६	०८	२०	३५	अश्वि	१६	३३	१२	४५	वृ	४७	२७	२५	०६	ग	८	३५	९	३४	०३	०८	५७	मेषे		३१	१९	२२
७	श	३०	५२	१८	२९	भर	१३	२१	११	२९	ध्रु	४०	२४	२२	१८	वि	३	३३	७	३३	३१/५९	०८	५६	वृषे	१७।०८	१	२०	२३
८	र	२५	११	१६	१३	कृत्ति	९	४३	१०	०२	व्या	३३	०२	१९	२२	कौ	२५	११	१६	१३	५६	०९	५५	वृषे		२	२१	२४
९	सो	१९	१६	१३	५२	रोहि	५	४८	८	२८	ह	२५	३१	१६	२१	ग	१९	१६	१३	५२	५२	०९	५४	मिथु.	१९।४०	३	२२	२५
१०	मं	१३	१७	११	२८	मृग	९/५८	४६/४७	६/२२	५२/१६	व	१७	५६	१३	२०	वि	१३	१७	११	२८	४८	१०	५३	मिथु.		४	२३	२६
११	बु	७	२१	९	०६	पुन	५४	०१	२७	४७	सि	१०	२५	१०	२०	बा	७	२१	९	०६	४४	१०	५२	कर्के	२२।०८	५	२४	२७
१२	गु	१	४२	६	५१	पुष्य	५०	४१	२६	२७	व्य	३/५६	०९/५५	७/२८	२६/४०	तै	१	४२	६	५१	४१	१०	५१	कर्के		६	२५	२८
१३	गु	५६	३२	२८	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०
१४	शु	५१	२९	२६	५१	श्ले	४७	५८	२५	२२	प	४९	५२	२६	०८	वि	२४	१०	१५	५१	३७	११	५०	सिंहे	२५।२२	७	२६	२९
३०	श	४८	१९	२५	३१	मघा	४६	०६	२४	३८	शि	४४	११	२३	५२	च	२०	०१	१४	१२	३३	११	४९	सिंहे		८	२७	३०

वर्षर्तु रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति महा., अगस्त २००८

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

- ग्रहण-करिदिन, सिंहे मघा. सौरः ६।४८
- |A लोहार्गल स्ना., मातृ ३०, पूफा. रविः १३।०० (सौरः २७।३२)
- भ. १३।५१ उ. २५।२१ या., कज्जली(बूढी ३)
- चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।५८, पातस्पर्शः २८।३५
- पंचक समाप्तिः १३।४६, चंद्रषष्ठी (मरु.), पातमोक्षः ८।४१
- भ. २०।३५ उ., बृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), हलषष्ठी, सायन B
- भ. ७।३३ या., जन्माष्टमी व्र. स्मा., शीतला व्र., भा. C
- मन्वादि, जन्माष्टमी व्र. वैष्ण., कन्यायां बुधः २६।५८
- भ. २४।४० उ., गोगानवमी, हस्ते भौमः २०।२६, कन्यायां शुक्रः २०।५२
- भ. ११।२८ या., अगस्त्योदयः २७।०८
- अजा ११ व्र., जैनपर्युषण, वत्सपूजा
- भ. २८।४७ उ., प्रदोषः |C भाद्रपदारंभः, पूफा.-२ शनिः १९।०४
- |B कन्यायां भानुः २३।३२, उफा. बुधः २१।४९, उफा. शुक्रः २७।४२
- भ. १५।५१ या., मासिकशिवरात्री व्र.
- कुशांग्रहणी, पिठोरी ३०, देवपितृकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, A

अयनांशा: २३।५७।५०
१९ प. भा.कृ. ५ र. इष्टघटी २२।४२
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	५	४	८	४	४	९	४
०१	०४	१८	१९	२०	१५	२४	००
००	५०	२६	१८	०१	५४	११	२६
००	०१	०६	३३	४४	५८	४०	४५
५७	३८	९८	३	७३	७	३	५७
४२	०५	५९	५५	४२	२४	११	३२
म	उफा	पूफा	पूषा	पूफा	पूफा	ध	म
१	३	२	२व	३	१	१	१



अगस्त ता. वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अ.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अ.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
१७ र	४	००	३२	१८	५७	४२	१३	२१	३१	३२	६	२४	७	०१	३१	५२	५	१८	६	०२
१८ चं	४	०१	३०	००	५७	४३	१३	०२	३१	३०	६	२४	७	००	३१	४९	५	१८	६	०२
१९ मं	४	०२	२७	[illegible]	[illegible]	४४	१२	४२	३१	२७	६	२५	७	००	३१	४६	५	१८	६	०१
२० बु	४	०३	२५	२७	५७	४६	१२	२३	३१	२५	६	२५	६	५९	३१	४३	५	१९	६	००
२१ गु	४	०४	२३	१३	५७	४७	१२	०३	३१	२३	६	२५	६	५८	३१	४०	५	१९	५	५९
२२ शु	४	०५	२१	००	५७	४८	११	४३	३१	२०	६	२५	६	५७	३१	३७	५	१९	५	५८
२३ श	४	०६	१८	४८	५७	५०	११	२२	३१	१८	६	२६	६	५७	३१	३४	५	२०	५	५७
२४ र	४	०७	१६	३८	५७	५१	११	०२	३१	१५	६	२६	६	५६	३१	३१	५	२०	५	५७
२५ चं	४	०८	१४	३०	५७	५३	१०	४१	३१	१३	६	२६	६	५५	३१	२८	५	२०	५	५६
२६ मं	४	०९	१२	२३	५७	५४	१०	२१	३१	१०	६	२६	६	५४	३१	२५	५	२१	५	५५
२७ बु	४	१०	१०	१७	५७	५६	१०	००	३१	०८	६	२६	६	५४	३१	२२	५	२१	५	५४
२८ गु	४	११	०८	१३	५७	५८	९	३८	३१	०५	६	२७	६	५३	३१	१९	५	२१	५	५३
२९ शु	४	१२	०६	११	५७	५९	९	१७	३१	०३	६	२७	६	५२	३१	१६	५	२२	५	५२
३० श	४	१३	०४	१०	५८	०१	८	५६	३१	००	६	२७	६	५१	३१	१३	५	२२	५	५१

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट हैं, पांच सोमवार होने से धान्य सरता हो। शनिवारी अमावस होने से तेल महंगा हो, मघा योग समर्घता कारक है। शुक्ला द्वितिया सोमवार होने से धान्योत्पत्ति उत्तम और चौपायों की वृद्धि हो। शुक्ला षष्ठी को अनुराधा नहीं होने से दुर्भिक्ष हो। पूर्णिमा पूर्वाभाद्रपद युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। उत्तरा फाल्गुनी में बुध होने से उड़द मूंग कम उत्पन्न हों, प्राणियों के धातुओं (वसा, रक्त, मांस, मेधा, अस्थि, मज्जा और शुक्र) की हानि हो।

अयनांशा: २३।५७।५१
२० पं. भा.कृ. ८ र. इष्टघटी २९।३४
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	५	४	८	४	४	९	४
०७	०९	२९	१८	२८	१६	२३	०७
४४	१७	२६	५४	३७	४७	४९	१०
२४	३६	४४	४९	२७	०९	२४	०३
५७	३८	८८	२	७३	७	३	५७
५२	२६	२९	४१	३८	३१	११	४४
म	उफा	उफा	पूषा	उफा	पूफा	ध	म
३	४	१	२व	१	२	१	३

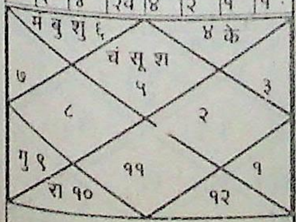


भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, ३१ अगस्त से १५ सितंबर तक नवलगढ																								चंद्रः	तारीख			शरदृतू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ५९९२, अगस्त-सितंबर २००८
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	र	४५	४४	२४	३०	पूफा	४५	१८	२४	११	सि	३९	२१	२१	५६	किं	१६	५२	१२	५७	३१ २९	६ १३	६ ४७	सिंहे	९	२८	३१	[C रमजान ९, पातस्पर्शः ९।३०, मोक्षः १३।४४, हस्तेशुक्रः २४।३३. F
२	सो	४४	२८	२३	५९	उफा	४५	४७	२४	३१	सा	३५	३३	२०	२५	बा	१४	५५	१२	१८	२५	१२	४६	कन्या ६।११	१०	२९	१	चंद्रदर्शनम् (मु.४५), सितंबर ९ ता. ३०, हस्ते बुधः ७।२८
३	मं	४४	३९	२४	०५	हस्त	४७	४३	२५	१८	शु	३२	५४	१९	२२	तै	१४	२०	११	५७	२१	१३	४५	कन्या	११	१	२	मन्वादि, वराहजयंती, हरितालिकाव्र., हस्तिगौरीव्र., सामवेदि.उपाकर्म, C
४	बु	४६	२५	२४	४७	चित्रा	५१	११	२६	४२	शु	३१	२८	१८	४९	व	१५	२०	१२	२१	१७	१३	४४	तुला. १३।५५	१२	२	३	भ.१२।२१ उ. २४।४७ या., गणेश चतुर्थी (चंद्रदर्शनं निषेधः), जैनसंवत्सरी
५	गु	४९	४६	२६	०८	स्वा	५६	१०	२८	४२	ब्र	३१	१६	१८	४४	ब	१७	५५	१३	२४	१३	१४	४३	तुला.	१३	३	४	ऋषि पंचमी [F श्रव.-४ राहुः २३।५८, श्लेषा.-२ केतुः २३।५८
६	शु	५४	३०	२८	०२	विशा	...	...	...	...	ऐ	३२	१२	१९	०७	कौ	२१	५९	१५	०२	०९	१४	४२	वृश्चि. २४।३३	१४	४	५	सौर (सूर्य) षष्ठी, स्कन्द दर्शनं, ललिता षष्ठी व्र. (गुर्जरे)
७	श	...	...	...	...	विशा	२	२६	७	१३	वै	३४	००	१९	५०	ग	२७	१८	१७	१०	०५	१५	४१	वृश्चि.	१५	५	६	मुक्ताभरणव्र., उमामहेश्वरपू., दूब[illegible] गौरीआवाहन ७।१३ उपरान्त
७	र	०	१४	६	२१	अनु	९	३७	१०	०६	वि	३६	१८	२०	४६	व	०	१४	६	२१	०१	१५	४०	वृश्चि.	१६	६	७	भ. ६।२१ उ. १९।३५ या., गौरी पूजन १०।०६ उपरान्त
८	सो	६	२४	८	४९	ज्ये	१७	०७	१३	०६	प्री	३८	४०	२१	४३	ब	६	२४	८	४९	३० ५७	१५	३८	धनु. १३।०६	१७	७	८	दधीचीजयंती, श्रीराधा ८, गौरीविसर्जन १३।०६ उपरान्त, मार्गी गुरुः२२।१६
९	म	१२	२१	११	१२	मूल	२४	१९	१६	००	आ	४०	३८	२२	३१	कौ	१२	२१	११	१२	५४	१६	३७	धनु.	१८	८	९	अदुःखनवमीव्र., श्रीचंद्र(उदासीनसंप्रदाय) [K तक चित्रा बुधः २७।०२
१०	बु	१७	३०	१३	१६	पूषा	३०	३८	१८	३२	सौ	४१	४७	२२	५९	ग	१७	३०	१३	१६	५०	१६	३६	मक. २५।०५	१९	९	१०	भ.२६।०७ उ., दशावतारव्र., श्रीरामदेवजी का मेला [B शुक्रः २१।५२
११	गु	२१	२२	१४	४९	उषा	३५	३९	२०	३२	शो	४१	५३	२३	०२	वि	२१	२२	१४	४९	४६	१७	३५	मक.	२०	१०	११	भ. १४।४९ या., जलझूलनी ११ व्र., हरिवासरः २९।०४ से
१२	शु	२३	३९	१५	४५	श्रव	३९	०८	२१	५७	अ	४०	४४	२२	३५	वा	२३	३९	१५	४५	४२	१७	३४	मक.	२१	११	१२	प्रदोषः, वामन जयंती, दुग्धव्रतं, गोत्रिरात्र व्र., हरिवासरः १३।२९ K
१३	श	२४	१९	१६	०१	धनि	४१	०१	२२	४२	सु	३८	१७	२१	३६	तै	२४	१९	१६	०१	३७	१८	३३	कुंभे १०।२४	२२	१२	१३	पंचकप्रारम्भः १०।२४, उफा. रविः ६।५३ (सौरः २१।४३), चित्रा. B
१४	र	२३	२२	१५	३९	शत	४१	२१	२२	५०	धृ	३४	३५	२०	०८	व	२३	२२	१५	३९	३३	१८	३२	कुंभे	२३	१३	१४	भ. १५।३९ उ. २७।१४ या., अनन्त १४, कदली व्रतं पूजनं, रंभारोपणं
१५	सो	२०	५७	१४	४२	पूभा	४०	१७	२२	२५	शू	२९	४४	१८	१२	ब	२०	५७	१४	४२	२९	१९	३०	मीने १६।३४	२४	१४	१५	पूर्णिमाव्र.पु., प्रोष्ठपदी, महालयश्राद्धारंभः, महेश्वरपू., कु.संध्यापूजा, A

[A इंदुला १५, आपस्तंभ, तैतरीय, अथर्ववेदि उपाकर्म, पातस्पर्शः २३।१९, मोक्षः २७।०५, चित्रा.भौमः ९।००

अयनांशाः २३।५७।५२
२१ प. भा.शु. १ र. इष्टघटी २९।२६
(रेल्वे घ. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौरि
४	५	५	८	५	४	९	४
१४	१३	०९	१८	०७	१७	२३	१३
३०	४७	१५	३९	१२	३९	२७	५४
०२	३९	४८	५७	४२	५४	०९	४९
५८	३८	७८	१	७३	७	३	५७
०३	४७	२१	२०	३४	३४	११	५७
पूफा	ह	उफा	पूषा	उफा	पूफा	ध	पूफा
१	२	४	२व	४	२	१	१



अगस्त रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
३१	र	४	१४	०२	११	५८	०२	८	३४	३०	५८	६	२७	६	५०	३१	१०	५	२२	५	५०
१	चं	४	१५	००	१३	५८	०४	८	१२	३०	५५	६	२७	६	५०	३१	०७	५	२२	५	४९
२	मं	४	१५	५८	१७	५८	०६	७	५१	३०	५३	६	२८	६	४९	३१	०४	५	२३	५	४८
३	बु	४	१६	५६	२३	५८	०७	७	२९	३०	५०	६	२८	६	४८	३१	०१	५	२३	५	४७
४	गु	४	१७	५४	३०	५८	०९	७	०७	३०	४८	६	२८	६	४७	३०	५८	५	२३	५	४७
५	शु	४	१८	५२	३९	५८	११	६	४४	३०	४५	६	२८	६	४६	३०	५५	५	२४	५	४६
६	श	४	१९	५०	५०	५८	१२	६	२२	३०	४३	६	२८	६	४५	३०	५२	५	२४	५	४५
७	र	४	२०	४९	०३	५८	१४	६	००	३०	४०	६	२८	६	४४	३०	४९	५	२४	५	४४
८	चं	४	२१	४७	१७	५८	१६	५	३७	३०	३७	६	२९	६	४४	३०	४५	५	२४	५	४३
९	मं	४	२२	४५	३३	५८	१८	५	१४	३०	३५	६	२९	६	४३	३०	४२	५	२५	५	४२
१०	बु	४	२३	४३	५१	५८	२०	४	५२	३०	३२	६	२९	६	४२	३०	३९	५	२५	५	४१
११	गु	४	२४	४२	११	५८	२२	४	२९	३०	३०	६	२९	६	४१	३०	३६	५	२५	५	४०
१२	शु	४	२५	४०	३२	५८	२३	४	०६	३०	२७	६	२९	६	४०	३०	३३	५	२६	५	३९
१३	श	४	२६	३८	५६	५८	२५	३	४३	३०	२४	६	३०	६	३९	३०	३०	५	२६	५	३८
१४	र	४	२७	३७	२१	५८	२७	३	२०	३०	२२	६	३०	६	३८	३०	२६	५	२६	५	३७
१५	चं	४	२८	३५	४८	५८	२९	२	५७	३०	१९	६	३०	६	३७	३०	२३	५	२६	५	३६

अयनांशाः २३।५७।५३
२२ पं. भा.शु. ७ र. इष्टघटी २९।१८
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	५	५	८	५	४	९	४
२१	१८	१७	१८	१५	१८	२३	२०
१६	२०	५०	३४	४७	३२	०४	४१
५९	१२	३५	२२	२४	५०	५३	१२
५८	३९	६६	०	७३	७	३	५८
१५	०८	२३	०२	२९	३३	११	११
पूफा	ह	ह	पूषा	ह	पूफा	श्र	पूफा
३	३	३	२व	२	२	४	३



अयनांशाः २३।५७।५४
२३ पं भा.शु.१४ र. इष्टघटी २९।१०
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

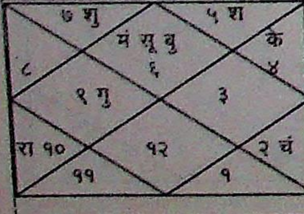
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	५	५	८	५	४	९	४
२८	२२	२४	१८	२४	१९	२२	२७
०५	५५	४४	३८	२१	२५	४२	२९
२४	१६	०३	१०	३०	३५	३८	१७
५८	३९	४७	१	७३	७	३	५८
२८	३०	१६	१९	२४	३०	११	२७
उफा	ह	चि	पूषा	चि	पूफा	श्र	उफा
१	४	१	२	१	२	४	१



आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, १६ सितंबर से २९ सितंबर तक नवलगढ चंद्रः																										तारीख			शरदृतु रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति महा., सितंबर २००८
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	मं	१७	१६	१३	१४	उभा	३८	०२	२१	३२	गं	२३	५३	१५	५२	कौ	१७	१६	१३	१४	३० २५	६ १९	६ २९	मीने		२५	१५	१६	कन्यायां रविः १७।०० [H सौरः ७।५० [G पश्चिमायाम् २७।०५
२	बु	१२	३३	११	२१	रेव	३४	५२	२०	१६	वृ	१७	१३	१३	१३	ग	१२	३३	११	२१	२१	२०	२८	मेषे	२०।१६	२६	१६	१७	भ. २२।१७ उ., पंचक समाप्तिः २०।१६, विश्वकर्मा पू., कन्यायां H
३	गु	७	०५	९	१०	अश्वि	३१	०४	१८	४६	ध्रु	९	५९	१०	२०	वि	७	०५	९	१०	१७	२०	२७	मेषे		२७	१७	१८	भ. ९।१० या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।१३, भौमास्तः G
४	शु	१	१०	६	४८	भर	२६	५६	१७	०७	व्या	२ ५४	२२ ३७	७ २८	१७ ११	बा	१	१०	६	४८	१३	२०	२६	वृषे	२२।४२	२८	१८	१९	भरणी श्राद्ध, तुलायां शुक्रः ८।४१, पूफा.-३ शनिः ८।२५, C
५	शु	५५	०५	२८	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[E पातस्पर्शः २६।४६, हस्ते सौरः १३।०५
६	श	४९	०२	२५	५८	कृति	२२	४४	१५	२६	व	४६	५४	२५	०७	ग	२२	०१	१५	०९	०९	२१	२५	वृषे		२९	१९	२०	भ. २५।५८ उ., चंद्रषष्ठी [C शनेरुदयः पूर्वस्याम् १९।२५
७	र	४३	१५	२३	३९	रोहि	१८	४२	१३	५०	सि	३९	२४	२२	०७	वि	१६	०५	१२	४७	०५	२१	२३	मिथु.	२५।०५	३०	२०	२१	भ. १२।४७ या., श्रीमहालक्ष्मी व्र.
८	सो	३७	५२	२१	३१	मृग	१५	०१	१२	२२	व्य	३२	१२	१९	१५	बा	१०	२९	१०	३३	०१	२२	२२	मिथु		३१	२१	२२	अशोकाष्टमी, सायन तुलायां भानुः २१।१५
९	मं	३३	००	१९	३४	आर्द्रा	११	४८	११	०५	व	२५	२५	१६	३२	तै	५	२१	८	३१	२९ ५७	२२	२१	कर्के	२८।१६	१	२२	२३	सौभाग्यवतीनां श्राद्धं, भा. अश्विनारंभः, बुधास्तः पश्चिमायाम् १४।३५
१०	बु	२८	४३	१७	५२	पुन	९	०८	१०	०२	प	१९	०६	१४	०१	व	०	४७	६	४१	५३	२३	२०	कर्के		२	२३	२४	भ. ६।४१ उ. १७।५२ या., वक्री बुधः २०।०९, स्वा. शुक्रः १९।३८
११	गु	२५	०५	१६	२५	पुष्य	७	०५	९	१३	शि	१३	१७	११	४२	बा	२५	०५	१६	२५	४९	२३	१९	कर्के		३	२४	२५	इंदिरा ११ व्र., तुलायां भौमः १०।२१ [F रविः २२।२४
१२	शु	२२	०७	१५	१४	श्ले	५	४१	८	४०	सि	८	००	९	३६	तै	२२	०७	१५	१४	४५	२४	१८	सिंहे	८।४०	४	२५	२६	प्रदोषः, सन्यासिनां श्राद्धं, गजच्छाया योगः २२।२४ से , हस्ते F
१३	श	१९	५५	१४	२२	मघा	५	०१	८	२५	सा	३ ५९	१९ १९	७ ३०	४४ ०८	व	१९	५५	१४	२२	४१	२४	१६	सिंहे		५	२६	२७	भ. १४।२२ उ. २६।०४ या., मासिकशिवरात्री व्र., युगादि, शस्त्रादि A
१४	र	१८	३५	१३	५१	पूफा	५	१०	८	२९	शु	५६	००	२८	४९	श	१८	३५	१३	५१	३७	२५	१५	कन्या	१४।३३	६	२७	२८	पातमोक्षः ६।४४ [A हतानां श्राद्धं, गजच्छाया योगः ८।२५ तक, E
३०	सो	१८	१५	१३	४३	उफा	६	१६	८	५५	ब्र	५३	३४	२७	५१	ना	१८	१५	१३	४३	३३	२५	१४	कन्या		७	२८	२९	देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., सर्वपितृ श्राद्धम्, मातामह श्रा., B [B गजच्छाया (बोधायन) ८।५५ से १३।४३ तक

अयनांशाः २३।५७।५५
२४ पं. आ.कृ. ७ र. इष्टघटी २९।०२
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	५	५	८	६	४	९	५
०४	२७	२८	१८	०२	२०	२२	०४
५५	३२	४४	५१	५५	१७	२०	१९
२०	५४	१६	२०	०१	४८	२३	१०
५८	३९	१३	२	७३	७	३	५८
४२	५२	३९	३८	१८	२४	११	४२
उफा	चि	चि	पूषा	चि	पूफा	श्र	उफा
३	२	२	२	३	३	४	३



सितम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१६ मं	४	२९	३४	१७	५८	३१	२	३४	३०	१६	६	३०	६	३७	३०	२०	५	२७	५	३५
१७ बु	५	००	३२	४८	५८	३३	२	११	३०	१४	६	३०	६	३६	३०	१७	५	२७	५	३४
१८ गु	५	०१	३१	२१	५८	३५	१	४८	३०	११	६	३०	६	३५	३०	१४	५	२७	५	३३
१९ शु	५	०२	२९	५५	५८	३७	१	२४	३०	०८	६	३१	६	३४	३०	१०	५	२८	५	३२
२० श	५	०३	२८	३२	५८	३९	१	०१	३०	०६	६	३१	६	३३	३०	०७	५	२८	५	३१
२१ र	५	०४	२७	११	५८	४१	०	३८	३०	०३	६	३१	६	३२	३०	०४	५	२८	५	३०
२२ चं	५	०५	२५	५१	५८	४३	०	१४+	३०	०१	६	३१	६	३१	३०	०१	५	२८	५	२९
२३ मं	५	०६	२४	३४	५८	४४	०	०९-	२९	५८	६	३१	६	३०	२९	५८	५	२९	५	२८
२४ बु	५	०७	२३	१८	५८	४७	०	३२	२९	५५	६	३१	६	३०	२९	५४	५	२९	५	२७
२५ गु	५	०८	२२	०५	५८	४९	०	५६	२९	५३	६	३२	६	२९	२९	५१	५	२९	५	२६
२६ शु	५	०९	२०	५३	५८	५१	१	१९	२९	५०	६	३२	६	२८	२९	४८	५	३०	५	२५
२७ श	५	१०	१९	४४	५८	५३	१	४२	२९	४७	६	३२	६	२७	२९	४५	५	३०	५	२४
२८ र	५	११	१८	३७	५८	५५	२	०६	२९	४५	६	३२	६	२६	२९	४२	५	३०	५	२३
२९ चं	५	१२	१७	३१	५८	५७	२	२९	२९	४२	६	३२	६	२५	२९	३८	५	३१	५	२२

संक्रांति फलम्

ता. १६ सितंबर २००८
आश्वि. कृ. १ भौमे कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. १७।०० वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १७।०० से २३।२४ तक । (दान- गृह वस्त्र) ।

अयनांशाः २३।५७।५६
२५ पं. आ.कृ.१४ र. इष्टघटी २८।५४
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	६	५	८	६	४	९	५
११	०२	२७	१९	११	२१	२१	११
४६	१३	५६	१३	२७	०९	५८	१०
५२	०६	१५	३६	५३	०६	०७	५४
५८	४०	३६	३	७३	७	३	५८
५६	१५	०७	५४	१३	१४	११	५८
ह	चि	चि	पूषा	स्वा	पूफा	श्र	ह
१	३	२व	२	२	३	४	१



आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, ३० सितंबर से १४ अक्टूबर तक नवलगढ — चंद्रः — तारीख — शरदृतु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ६०२२, सितंबर-अक्टूबर २००८

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै. टा.	आ.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	मं	१९	०१	१४	०२	हस्त	८	२५	९	४७	ऐ	५२	०२	२७	१४	ब	१९	०१	१४	०२	२९ २९	६ २६	६ १३	तुला. २२।२४	८	२९	३०	नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेन जयंती
२	बु	२१	०२	१४	५१	चित्रा	११	४४	११	०८	वै	५१	२९	२७	०२	कौ	२१	०२	१४	५१	२४	२६	१२	तुला.	९	३०	१	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), अक्टूबर १० ता. ३१
३	गु	२४	२१	१६	११	स्वा	१६	१९	१२	५८	वि	५१	५५	२७	१३	ग	२४	२१	१६	११	२०	२७	११	तुला.	१०	१	२	म. २९।०३ उ., सव्वाल १०, गांधी जयन्ती
४	शु	२८	५६	१८	०१	विशा	२२	०७	१५	१८	प्री	५३	१७	२७	४६	वि	२८	५६	१८	०१	१६	२७	१०	वृश्चि. ८।४१	११	२	३	म. १८।०१ या., (व) हस्ते बुधः २८।२१
५	श	३४	३४	२०	१७	अनु	२८	५८	१८	०२	आ	५५	१९	२८	३५	ब	१	३८	७	०७	१२	२८	०९	वृश्चि.	१२	३	४	उपांग ललिता व्र. [D (आश्वलायन शास्त्रा), कार्तिक स्नान प्रा.
६	र	४०	५३	२२	४९	ज्ये	३६	२८	२१	०३	सौ	५७	४४	२९	३४	कौ	७	४०	९	३२	०८	२८	०७	धनु. २१।०३	१३	४	५	स्वा. भौमः ८।३३, विशा. शुक्रः १७।५७
७	सो	४७	१६	२५	२३	मूल	४४	०५	२४	०७	शो	...	...	...	...	ग	१४	०५	१२	०६	०४	२९	०६	धनु.	१४	५	६	म. २५।२३ उ., सरस्वती आवाहनं मूलभे [E (सौरः २५।३५)
८	मं	५३	०५	२७	४३	पूषा	५१	१२	२६	५८	शो	०	०४	६	३१	वि	२०	१६	१४	३५	००	२९	०५	धनु.	१५	६	७	म. १४।३५ या., भद्रकाली अवतार, महाष्टमी, सरस्वती पूजनं पू.षाभे
९	बु	५७	४४	२९	३५	उषा	५७	१२	२९	२३	अ	१	५४	७	१५	बा	२५	३४	१६	४३	२८ ५६	३०	०४	मक. ९।३७	१६	७	८	मन्वादि, शस्त्रादि पूजा, बलिदानं उ.षाभे, पूषा.-३ गुरुः १५।४१
१०	गु	...	...	...	...	श्रव	...	...	...	...	सु	२	४७	७	३७	तै	२९	२६	१८	१६	५२	३०	०३	मक.	१७	८	९	बोद्धावतार, दिजया १०, शमीपूजा [C श्रवणे, चित्रा.रविः ११।२४ E
१०	शु	०	४२	६	४७	श्रव	१	३६	७	०९	धृ	२	२२	७	२७	ग	०	४२	६	४७	४८	३१	०२	कुंभे १९।४६	१८	९	१०	म.१९।०६ उ., पट्टाभिषेक, सरस्वती विसर्जनं, पंचकप्रारम्भः १९।४६, C
११	श	१	४५	७	१३	धनि	४	०९	८	११	शू	० ५७	२८ ०१	६ २१	४२ २०	वि	१	४५	७	१३	४४	३१	०१	कुंभे	१९	१०	११	म. ७।१३ या., पापांकुशा ११ व्र., पातस्पर्शः १७।४६, मोक्षः २१।४९
१२	र	०	४९	६	५२	शत	४	४५	८	२६	वृ	५२	०२	२७	२१	बा	०	४९	६	५२	४०	३२	००	मीने २६।०७	२०	११	१२	प्रदोषः, कार्तिके द्विदलं त्यजेत्, बुधोदयः पूर्वस्याम् १८।०५
१३	र	५८	००	२९	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A शरद पूर्णिमा, कोजागरी व्र., बंगीय लक्ष्मी पूजा, नवान्न B
१४	सो	५३	२७	२७	५५	पूभा	३	२९	७	५६	ध्रु	४५	३९	२४	४८	ग	२५	५५	१६	५४	३६	३२	५ ५९	मीने	२१	१२	१३	म. २७।५५ उ., वृश्चिके शुक्रः २३।०५ [B भक्षण, आश्वयुजी कर्म D
१५	मं	४७	३०	२५	३३	उभा	० ५६	३३ ५२	६ २३	४६ ०४	व्या	३८	०५	२१	४७	वि	२०	३६	१४	४७	३२	३३	५८	मेषे २९।०४	२२	१३	१४	म. १४।४७ या., पंचक समाप्तिः २९।०४, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A

अयनांशाः २३।५७।५७
२६ पं. आ.शु. ६ र. इष्टघटी २८।४५
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	६	५	८	६	४	९	५
१८	०६	२१	१९	२०	२१	२१	१८
४०	५५	३३	४४	००	५९	३५	०४
०४	५६	३२	३८	०४	०६	५२	३२
५९	४०	७०	५	७३	७	३	५९
१०	३७	०३	०८	०७	०१	११	१५
ह	स्वा	ह	पूषा	चि	पूफा	श्र	ह
३	१	४व	२	१	३	४	३



सितम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकत्ता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
३० म	५	१३	१६	२८	५८	५९	२	५२	२९	३९	६	३३	६	२४	२९	३५	५	३१	५	२१
१ बु	५	१४	१५	२६	५९	०१	३	१६	२९	३७	६	३३	६	२३	२९	३२	५	३१	५	२०
२ गु	५	१५	१४	२७	५९	०३	३	३९	२९	३४	६	३३	६	२३	२९	२९	५	३१	५	१९
३ शु	५	१६	१३	३०	५९	०५	४	०२	२९	३१	६	३३	६	२२	२९	२६	५	३२	५	१८
४ श	५	१७	१२	३४	५९	०७	४	२५	२९	२९	६	३३	६	२१	२९	२२	५	३२	५	१७
५ र	५	१८	११	४१	५९	०९	४	४८	२९	२६	६	३४	६	२०	२९	१९	५	३२	५	१६
६ चं	५	१९	१०	५०	५९	११	५	११	२९	२३	६	३४	६	१९	२९	१६	५	३३	५	१५
७ मं	५	२०	१०	०१	५९	१३	५	३४	२९	२१	६	३४	६	१८	२९	१३	५	३३	५	१४
८ बु	५	२१	०९	१४	५९	१५	५	५७	२९	१८	६	३४	६	१८	२९	१०	५	३४	५	१३
९ गु	५	२२	०८	२९	५९	१७	६	२०	२९	१६	६	३५	६	१७	२९	०६	५	३४	५	१२
१० शु	५	२३	०७	४६	५९	१९	६	४३	२९	१३	६	३५	६	१६	२९	०३	५	३४	५	१२
११ श	५	२४	०७	०५	५९	२१	७	०६	२९	१०	६	३५	६	१५	२९	००	५	३५	५	११
१२ र	५	२५	०६	२६	५९	२३	७	२८	२९	०८	६	३५	६	१५	२८	५७	५	३५	५	१०
१३ चं	५	२६	०५	४९	५९	२५	७	५१	२९	०५	६	३६	६	१४	२८	५४	५	३५	५	०९
१४ मं	५	२७	०५	१५	५९	२७	८	१३	२९	०३	६	३६	६	१३	२८	५१	५	३६	५	०८

मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो। सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुखी हो, उ.फा. महर्घता हो। आश्विन शुक्ला षष्ठी रविवार ज्येष्ठा होने से सब धान्यों में समर्घता हो। शु. एकादशी को शनिवार होने से शत्रु तथा चौरादि से उपद्रव हो, पूर्णिमा उ.भा. युक्त होने से समर्घता और अश्विनी का अभाव होने से महर्घता हो। धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों।

अयनांशाः २३।५७।५८
२७ पं. आ.शु.१२ र. इष्टघटी २८।३६
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	६	५	८	६	४	९	५
२५	१९	१४	२०	२८	२२	२१	२५
३४	४१	३३	२४	३१	४७	१३	००
५६	२४	४६	००	२८	२५	३६	०३
५९	४१	३१	६	७२	६	३	५९
२४	००	४७	१७	५९	४४	११	३१
चि	स्वा	ह	पूषा	चि	पूफा	श्र	मि
१	२	२व	३	३	३	४	१

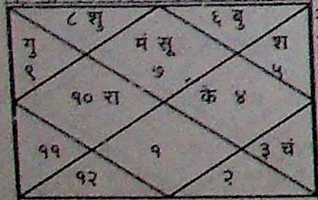


॥ श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम् ॥

कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, १५ अक्टूबर से २८ अक्टूबर तक नवलगढ																								चंद्रः		तारीख			शरदृत्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णोति महा., अक्टूबर २००८
ति.	वा	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	बु	४८	३३	२२	४६	अश्वि	५१	०५	२७	००	ह	२९	३९	१८	२५	बा	१४	०६	१२	१२	२८ २८	६ ३३	५ ५७	मेषे		२३	१४	१५	[B तुलायां सौरः १८।४७, पूफा.-४ शनिः १५।३४
२	गु	३२	५८	१९	४५	भर	४५	२१	२४	४२	व	२०	३७	१४	४९	तै	६	४७	९	१७	२४	३४	५६	वृषे	३०।०७	२४	१५	१६	म. ३०।१२ उ., आकाश दीपारंभः, तुलायां रविः २८।५७, C
३	शु	२५	१२	१६	३९	कृति	३९	३०	२२	२३	सि	११	२२	११	०७	वि	२५	१२	१६	३९	२०	३५	५५	वृषे		२५	१६	१७	भ. १६।३९ या., करवा ४ चन्द्रोदयः १९।४३, दशरथ ललिता व्र., B
४	श	१७	३८	१३	३८	रोहि	३३	५७	२०	१०	व्य	२ ५३	१० २३	७ २७	२७ ५६	बा	१७	३८	१३	३८	१६	३५	५४	वृषे		२६	१७	१८	[C मार्गी बुधः १६।०६, अनु. शुक्रः १६।५३
५	र	१०	३५	१०	५०	मृग	२९	०१	१८	१२	प	४५	०८	२४	३९	तै	१०	३५	१०	५०	१३	३६	५३	मिथु.	७।०९	२७	१८	१९	स्कन्द षष्ठी
६	सो	४	२०	८	२१	आर्द्रा	२४	५७	१६	३५	शि	३७	४०	२१	४०	व	४	२१	८	२१	०९	३६	५२	मिथु.		२८	१९	२०	म. ८।२१ उ. १९।१५ या.
७	सो	५९	०१	३०	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[A १४, प्रभात स्नानं, चित्रा. बुधः १६।३६, ज्येष्ठा. शुक्रः १६।३९
८	मं	५५	०१	२८	३७	पुन	२१	५६	१५	२३	सि	३१	०३	१९	०२	वा	२६	५५	१७	२३	०५	३७	५१	कर्के	९।३९	२९	२०	२१	होई (अहोरी) ८ [E मोक्षः २१।२२, स्वा. रविः २१।५३
९	बु	५१	५८	२०	२५	पुष्य	२०	००	१४	३८	सा	२५	२०	१६	४६	तै	२३	२०	१५	५८	०१	३८	५०	कर्के		३०	२१	२२	सायन वृश्चिके भानुः ३०।३८
१०	गु	१०	०२	२६	३९	श्ले	१९	०९	१४	१८	शु	२०	२८	१४	४९	व	२०	५१	१४	५९	२७ ५७	३८	४९	सिंहे	१४।१८	१	२२	२३	भ. १४।५९ उ. २६।३९ या., भा. कार्तिकारंभः, पातस्पर्शः १७।०४, E
११	शु	४९	०७	२६	१८	मघा	१९	२०	१४	२३	शु	१६	२६	१३	१३	ब	१९	२५	१४	२५	५३	३९	४८	सिंहे		२	२३	२४	रमा ११ व्र., स्वा. सौरः ११।१७. विशा. भौमः १९।४३
१२	श	४९	१०	२६	२०	पूफा	२०	३०	१४	५२	ब्र	१३	१२	११	५६	कौ	१९	०१	१४	१६	५०	४०	४७	कन्या	२१।०२	३	२४	२५	गोवत्स द्वादशी [D गोत्रिरात्र व्र.
१३	र	५०	१२	२६	४५	उफा	२२	३६	१५	४३	ऐ	१०	४३	१०	५८	ग	१९	३३	१४	२९	४६	४०	४७	कन्या		४	२५	२६	भ. २६।४५ उ., प्रदोषः, धनतेरस, धन्वन्तरीजयंती, यमायदीपदानं, D
१४	सो	५२	१०	२७	३३	हस्त	२५	३७	१६	५६	वै	८	५७	१०	१६	वि	२१	०३	१५	०६	४२	४१	४६	तुला.	२१।४१	५	२६	२७	भ. १५।०६ या., मासिकशिवरात्री व्र., दीपदानं, रुप (नरक) A
३०	मं	५५	०६	२८	४४	चित्रा	२९	३३	१८	३१	वि	७	५५	९	५२	च	२३	२९	१६	०५	३८	४२	४५	तुला		६	२७	२८	देवपितृकार्येऽमा., महालक्ष्मी पूजा, कुवेर पू.

अयनांशाः २३।५७।५९
२८ पं. का.कृ. ५ र. इष्टघटी २८।२६
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	६	५	८	७	४	९	६
०२	१६	१४	२१	०७	२३	२०	०१
३१	२९	३८	११	०१	३३	५१	५७
२८	३२	२५	११	५९	३८	२१	२६
५९	४१	४१	७	७२	६	३	५९
३८	२३	५७	२१	५१	२५	११	४७
चि	स्वा	ह	पूषा	अनु	पूफा	श्र	चि
३	३	२	३	२	४	४	३



अक्टुबर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेलवे-टाईम						कलकता रेलवे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	दि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१५	बु	५	२८	०४	४२	५९	२९	८	३५	२९	००	६	३६	६	१२	२८	४८	५	३६	५	०७
१६	गु	५	२९	०४	४१	५९	३१	८	५७	२८	५७	६	३७	६	१२	२८	४५	५	३७	५	०६
१७	शु	६	००	०३	४३	५९	३३	९	१९	२८	५५	६	३७	६	११	२८	४१	५	३७	५	०६
१८	श	६	०१	०३	१६	५९	३५	९	४१	२८	५२	६	३७	६	१०	२८	३८	५	३७	५	०५
१९	र	६	०२	०२	५१	५९	३७	१०	०३	२८	५०	६	३७	६	०९	२८	३५	५	३८	५	०४
२०	चं	६	०३	०२	२९	५९	४०	१०	२४	२८	४७	६	३८	६	०९	२८	३२	५	३८	५	०३
२१	मं	६	०४	०२	०८	५९	४१	१०	४६	२८	४५	६	३८	६	०८	२८	२९	५	३९	५	०२
२२	बु	६	०५	०१	५०	५९	४३	११	०७	२८	४२	६	३९	६	०७	२८	२६	५	३९	५	०२
२३	गु	६	०६	०१	३३	५९	४५	११	२८	२८	४०	६	३९	६	०७	२८	२३	५	४०	५	०१
२४	शु	६	०७	०१	१९	५९	४७	११	४९	२८	३७	६	३९	६	०६	२८	२०	५	४०	५	००
२५	श	६	०८	०१	०६	५९	४९	१२	१०	२८	३५	६	४०	६	०६	२८	१७	५	४१	४	५९
२६	र	६	०९	००	५६	५९	५१	१२	३०	२८	३३	६	४०	६	०५	२८	१४	५	४१	४	५९
२७	चं	६	१०	००	४७	५९	५३	१२	५१	२८	३०	६	४०	६	०४	२८	११	५	४२	४	५८
२८	मं	६	११	००	४०	५९	५५	१३	११	२८	२८	६	४१	६	०४	२८	०८	५	४२	४	५७

संक्रांति फलम्

ता. १६ अक्टूबर २००८
का. कृ. २ गुरौ तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. २८।५७ वारात् ३ नक्षत्रात् ५ वारनाम नंदा गणकान् सुस्वदा नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुस्वदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा। मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्सा पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) २२।५७ से भृगौ १०।५७ तक । (दान- तिल) ।

अयनांशाः २३।५८।०१
२९ पं. का.कृ.१३ र. इष्टघटी २८।१५
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	६	५	८	७	४	९	६
०९	२१	२२	२२	१५	२४	२०	०८
२९	२०	००	०५	३१	१७	२९	५६
३९	२०	४४	३९	२१	२३	०६	३८
५९	४१	८३	८	७२	६	३	६०
५२	४६	४६	२१	४०	०१	११	०२
स्वा	वि	ह	पूषा	अनु	पूफा	श्र	स्वा
१	१	४	३	४	४	४	१



कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, २९ अक्टूबर से १३ नवंबर तक नवलगढ चंद्रः तारीख

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	भा.	मु.	इं.
१	बु	५९	००	३०	१८	स्वा	३४	२५	२०	२८	प्री	७	३८	९	४५	किं	२६	५५	१७	२८	२७/३५	६/४२	५/४४	तुला.	७	२८	२९
२	गु	…	…	…	…	विशा	४०	१२	२२	४८	आ	८	०४	९	५७	बा	३१	१९	१९	१४	३१	४३	४३	वृश्चि. १६।११	८	२९	३०
२	शु	३	५०	८	१६	अनु	४६	५२	२५	२८	सौ	९	१३	१०	२५	कौ	३	५०	८	१६	२७	४४	४३	वृश्चि.	९	१	३१
३	श	९	३५	१०	३४	ज्ये	५४	१४	२८	२६	शो	११	००	११	०८	ग	९	३५	१०	३४	२४	४४	४२	धनु. २८।२६	१०	२	१
४	र	१५	५८	१३	०८	मूल	…	…	…	…	अ	१३	१६	१२	०३	वि	१५	५८	१३	०८	२०	४५	४१	धनु.	११	३	२
५	सो	२२	३९	१५	४९	मूल	९	५७	७	३२	सु	१५	४६	१३	०४	बा	२२	३९	१५	४९	१७	४६	४०	धनु.	१२	४	३
६	मं	२९	०४	१८	२४	पूषा	९	३८	१०	३७	धृ	१८	०५	१४	००	तै	२९	०४	१८	२४	१३	४६	४०	मक. १७।२२	१३	५	४
७	बु	३४	३७	२०	३८	उषा	१६	३९	१३	२७	शू	१९	५०	१४	४३	ग	१	५८	७	३४	१०	४७	३९	मक.	१४	६	५
८	गु	३८	४२	२२	१७	श्रव	२२	२६	१५	४६	गं	२०	३६	१५	०२	वि	६	५२	९	३२	०६	४८	३८	कुंभे २८।४१	१५	७	६
९	शु	४०	५४	२३	१०	धनि	२६	३०	१७	२५	वृ	२०	००	१४	४९	बा	१०	०३	१०	५०	०३	४९	३८	कुंभे	१६	८	७
१०	श	४०	५७	२३	१२	शत	२८	३१	१८	१४	ध्रु	१७	४७	१३	५६	तै	११	११	११	१८	००	४९	३७	कुंभे	१७	९	८
११	र	३८	४५	२२	२०	पूभा	२८	२३	१८	११	व्या	१३	५२	१२	२३	व	१०	०६	१०	५२	२६/५६	५०	३७	मीने १२।१७	१८	१०	९
१२	सो	३४	२९	२०	३८	उभा	२६	०९	१७	१८	ह	८	१२	१०	०७	ब	६	५१	९	३५	५३	५१	३६	मीने	१९	११	१०
१३	मं	२८	२३	१८	१३	रेव	२२	०३	१५	४१	व	०/५२	५८/२६	७/२७	१५/५०	कौ	१	३७	७	३०	५०	५१	३६	मेषे १५।४१	२०	१२	११
१४	बु	२०	५१	१५	१३	अश्वि	१६	२९	१३	२८	व्य	४२	५०	२४	००	व	२०	५१	१५	१३	४७	५२	३५	मेषे	२१	१३	१२
१५	गु	१२	१८	११	४८	भर	९	५३	१०	५०	व	३२	३५	१९	५५	ब	१२	१८	११	४८	४४	५३	३५	वृषे १६।०८	२२	१४	१३

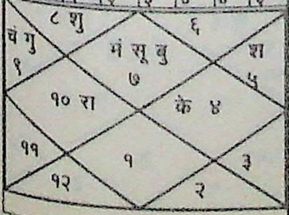
हेमन्तर्तु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ६०५१, अक्टूबर-नवंबर २००८

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

बलीपूजा, गोवर्धन पू., अन्नकूटं देशाचारे, गोक्रीडा, मार्गपाली बं., C
चंद्रदर्शनम् (मु.४५), भ्रातृ २, यम २, यमुना स्नानं, कलम दवात पू.
जिल्काद ११, तुलायां बुधः २७।०१ [B पुष्करयात्रा, अनु.भौमः १९।१४
भ.२३।५० उ.,दूर्वागणपतिव्र.,नवंबर ११ ता. ३० [C गुर्जराणां नूतनवर्षारंभः
भ. १३।०८ या. [F २३।३६, अनुषि मूले शुक्रः १७।३७ [J १४।२३, M
सौभाग्य ५, पाण्डव ५, पूषा.-४ गुरुः २८।०२ [M विशा.सौरः १८।२५
वन्हि (रवि) षष्ठी, श्रव.-३ राहुः २१।३७, श्लेषा.-१ केतुः २१।३७
भ. २०।३८ उ., कल्पादि, विशा. रविः ३०।०१, स्वा. बुधः ७।१५
भ.९।३२ या.,पंचकप्रारम्भः २८।४१, गोपाष्टमी,पातस्पर्शः ९।१०,मोक्षः J
युगादि,कुष्माण्ड(अक्षय) ९, वृश्चिके भौमः २६।२४, बुधास्तः पूर्वस्यां F
[A पंचकसमाप्तिः, कार्तिकस्नानपूर्तिः, पद्मकयोगः, प्रशस्तापूर्णिमा, P
भ. १०।५२ उ. २२।२० या., प्रबोधिनी ११ व्र., देवोत्थापनं, तुलसी D
मन्वादि [D विवाह,चतुर्मासव्रतसमाप्तिः,भीष्मपंचकप्रा. [E त्रिपुरोत्सव, B
पंचक समाप्तिः १५।४१, प्रदोषः, वैकुण्ठ १४ [P विशा. बुधः १२।१५
भ. १५।१३ उ. २५।३३ या., रोटकव्रतसमाप्तिः,कार्तिकव्रतोद्यापनं, E
मन्वादि, पूर्णिमाव्रतंपुण्यञ्च, गोपद्मव्रतसमाप्ति, नानकजयंती, भीष्म A

अयनांशाः २३।५८।०२
३० पं. का.शु. ४ र. इष्टघटी २८।०३
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	६	६	८	७	४	९	६
१६	२६	०२	२३	२३	२४	२०	१५
२९	१३	३३	०६	५९	५८	०६	५७
२५	४९	५०	५०	१९	१५	५०	३५
६०	४२	९५	९	७२	५	३	६०
०६	०९	५७	१५	२६	३५	११	१६
स्वा	वि	चि	पूषा	ज्ये	पूफा	श्र	स्वा
३	२	३	३	३	४	४	३



अक्टूबर ता.	वा.	रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम रा.	अं.	क.	वि.	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२९	बु	६	१२	००	३६	५९	५७	१३	३१	२८	२५	६	४१	६	०३	२८	०५	५	४३	४	५७
३०	गु	६	१३	००	३३	५९	५९	१३	५१	२८	२३	६	४२	६	०३	२८	०३	५	४३	४	५६
३१	शु	६	१४	००	३२	६०	०१	१४	१०	२८	२१	६	४२	६	०२	२८	००	५	४४	४	५६
१	श	६	१५	००	३३	६०	०३	१४	२९	२८	१८	६	४२	६	०२	२७	५७	५	४४	४	५५
२	र	६	१६	००	३६	६०	०५	१४	४८	२८	१६	६	४३	६	०१	२७	५४	५	४५	४	५४
३	चं	६	१७	००	४१	६०	०७	१५	०७	२८	१४	६	४३	६	०१	२७	५१	५	४५	४	५४
४	मं	६	१८	००	४७	६०	०८	१५	२६	२८	११	६	४४	६	००	२७	४९	५	४६	४	५३
५	बु	६	१९	००	५६	६०	१०	१५	४४	२८	०९	६	४४	६	००	२७	४६	५	४६	४	५३
६	गु	६	२०	०१	०६	६०	१२	१६	०२	२८	०७	६	४५	६	००	२७	४३	५	४७	४	५२
७	शु	६	२१	०१	१८	६०	१४	१६	२०	२८	०५	६	४५	५	५९	२७	४१	५	४८	४	५२
८	श	६	२२	०१	३२	६०	१६	१६	३७	२८	०३	६	४६	५	५९	२७	३८	५	४८	४	५१
९	र	६	२३	०१	४७	६०	१७	१६	५५	२८	०१	६	४६	५	५९	२७	३५	५	४९	४	५१
१०	चं	६	२४	०२	०५	६०	१९	१७	१२	२७	५८	६	४७	५	५८	२७	३३	५	४९	४	५१
११	मं	६	२५	०२	२४	६०	२१	१७	२८	२७	५६	६	४७	५	५८	२७	३०	५	५०	४	५०
१२	बु	६	२६	०२	४५	६०	२२	१७	४५	२७	५४	६	४८	५	५८	२७	२८	५	५१	४	५०
१३	गु	६	२७	०३	०७	६०	२४	१८	०१	२७	५२	६	४८	५	५७	२७	२५	५	५१	४	४९

मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो ॥यथा-बुधेरसक्षयोभूम्याम्॥ पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो। कृष्णा प्रतिपदा बुधवार होने से वर्षा मध्यम हो। कृष्णा त्रयोदशी को रविवार होने से जौ गेहूँ महँगे हों। मंगलवारी अमावस होने से महाअग्नि काण्ड हो, चित्रा होने से महर्घता हो। पूर्णिमा गुरुवार और भरणी युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें। अनुराधा में शुक्र होने से अल्प वृष्टि तथा चौपायों में पीड़ा हो।

अयनांशाः २३।५८।०३
३१ पं. का.शु.११ र. इष्टघटी २७।५०
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	७	६	८	८	४	९	६
२३	०१	१३	२४	०२	२५	१९	२३
३०	१०	५३	१४	२५	३५	४४	००
४३	००	२३	०९	२८	५१	३५	१०
६०	४२	९७	१०	७२	५	३	६०
१८	३२	३६	०५	०८	०५	११	३०
वि	वि	स्वा	पूषा	मू	पूफा	श्र	चि
२	४	३	४	१	४	३	१



मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, १४ नवंबर से २७ नवंबर तक नवलगढ																							चंद्रः		तारीख			हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति महा., नवंबर २००८
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	आ.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	शु	३	१५	८	१२	कृति	२ ५५	४३ ३२	७ २९	५९ ०६	प	२२	०३	१५	४३	की	३	१५	८	१२	२६ ४१	६ ५४	५ ३४	वृषे	२३	१५	१४	नेहरुजयन्ती (बालदिवस)
२	शु	१४	०९	२८	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A समाप्तिः, वृश्चिके रविः २८।४२
३	श	४५	२६	२५	०५	मृग	४८	४३	२६	२४	शि	११	३६	११	३३	व	११	४२	१४	४७	३८	५५	३४	मिथु. १५।४३	२४	१६	१५	स. १४।४७ उ. २५।०५ या., सौभाग्य सुंदरी व्र., आकाशदीप A
४	र	[illegible]	३१	२१	५६	आर्द्रा	४२	४४	२४	०१	सि	१ ५२	३७ २५	७ २७	३४ ५३	ब	११	२०	११	२७	३५	५५	३३	मिथु.	२५	१७	१६	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।४०, वृश्चिके सौरः १६।१६
५	सो	३०	४४	१९	१४	पुन	३७	५५	२२	०६	शु	४४	१०	२४	३६	कौ	३	५७	८	३१	३२	५६	३३	कर्क १६।३२	२६	१८	१७	[C पूषा. शुक्रः २०।२४
६	मं	२५	२०	१७	०५	पुष्य	३४	२९	२०	४४	शु	३७	०४	२१	४६	व	२५	२०	१७	०५	२९	५७	३२	कर्के	२७	१९	१८	स. १७।०५ उ. २८।१४ या., पातस्पर्शः ९।५५, मोक्षः १५।०४, C
७	बु	२१	२८	१५	३३	श्ले	३२	३४	१९	५९	ब्र	३१	११	१९	२६	ब	२१	२८	१५	३३	२६	५८	३२	सिंहे १९।५९	२८	२०	१९	कालभैरवाष्टमी, अनु. रविः १२।०१ (सौरः २३।१८), वृश्चिके B
८	गु	१९	१०	१४	३८	मघा	३२	११	१९	५१	ऐ	२६	३३	१७	३६	कौ	१९	१०	१४	३८	२४	५८	३२	सिंहे	२९	२१	२०	[B बुधः १७।२५
९	शु	१८	२४	१४	२१	पूफा	३३	१७	२०	१८	वै	२३	०७	१६	१४	ग	१८	२४	१४	२१	२१	५९	३२	कन्या २६।३०	३०	२२	२१	अ. २६।२५ उ., सायन धनुषि भानुः २८।१०, अनु. बुधः १९।३९
१०	श	१९	०४	१४	३८	उफा	३५	४३	२१	१७	वि	२०	४६	१५	१८	वि	१९	०४	१४	३८	१८	७ ००	३१	कन्या	१	२३	२२	भ. १४।३८ या., आ. मार्गशीर्षारंभः
११	र	२१	०१	१५	२५	हस्त	३९	२१	२२	४५	प्री	१९	२३	१४	४६	बा	२१	०१	१५	२५	१६	०१	३१	कन्या	२	२४	२३	उत्पत्ति ११ व्र., वैतरणी व्र., उषा.-१ गुरुः ७।४०, D
१२	सो	२४	०४	१६	३९	चित्रा	४४	००	२४	३८	आ	१८	५२	१४	३४	तै	२४	०४	१६	३९	१३	०२	३१	तुला. ११।३९	३	२५	२४	[D उफा.-१ शनिः ११।४९
१३	मं	२८	०५	१८	१६	स्वा	४९	३१	२६	५१	सौ	१९	०४	१४	४०	व	२८	०५	१८	१६	११	०२	३१	तुला.	४	२६	२५	स. १८।१६ उ., प्रदोषः_ मासिकशिवरात्री व्र.
१४	बु	३२	५५	२०	१३	विशा	५५	४५	२९	२१	शो	१९	५४	१५	०१	वि	०	२४	७	१३	०९	०३	३१	वृश्चि. २२।४२	५	२७	२६	अ. ७।१३ या., महाव्रतारंभः
३०	गु	३८	२५	२२	२६	अनु	...	...	...	..	अ	२१	१४	१५	३३	च	५	३४	९	१७	०६	०४	३०	वृश्चि.	६	२८	२७	देवपितृकार्येऽमा., गौरीतपोव्र.

अयनांशाः २३।५८।०४
३२ पं. मा.कृ. ४ र. इष्टघटी २७।३७
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	७	६	८	८	४	९	७
००	०६	२५	२५	१०	२६	१९	००
३३	०८	१३	२७	४९	०९	२२	०४
२६	५१	४२	०२	१७	४८	१९	१७
६०	४२	१६	१०	७१	४	३	६०
३०	५५	२५	५०	४५	३२	११	४२
वि	अनु	वि	पूषा	मू	पूफा	श्र	वि
४	१	२	४	४	४	३	४



नवम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकत्ता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१४	शु	६	२८	०३	३१	६०	२६	१८	१६	२७	५०	६	४९	५	५७	२७	२३	५	५२	४	४९
१५	श	६	२९	०३	५७	६०	२७	१८	३२	२७	४८	६	५०	५	५७	२७	२१	५	५३	४	४९
१६	र	७	००	०४	२४	६०	२९	१८	४७	२७	४७	६	५०	५	५७	२७	१८	५	५३	४	४८
१७	चं	७	०१	०४	५३	६०	३१	१९	०२	२७	४५	६	५१	५	५७	२७	१६	५	५४	४	४८
१८	मं	७	०२	०५	२४	६०	३२	१९	१६	२७	४३	६	५१	५	५६	२७	१४	५	५४	४	४८
१९	बु	७	०३	०५	५६	६०	३४	१९	३०	२७	४१	६	५२	५	५६	२७	१२	५	५५	४	४८
२०	गु	७	०४	०६	३०	६०	३५	१९	४४	२७	३९	६	५२	५	५६	२७	१०	५	५६	४	४८
२१	शु	७	०५	०७	०५	६०	३७	१९	५७	२७	३८	६	५३	५	५६	२७	०७	५	५६	४	४७
२२	श	७	०६	०७	४२	६०	३८	२०	१०	२७	३६	६	५४	५	५६	२७	०५	५	५७	४	४७
२३	र	७	०७	०८	२०	६०	३९	२०	२३	२७	३४	६	५४	५	५६	२७	०३	५	५८	४	४७
२४	चं	७	०८	०८	५९	६०	४१	२०	३५	२७	३३	६	५५	५	५६	२७	०२	५	५८	४	४७
२५	मं	७	०९	०९	४०	६०	४२	२०	४७	२७	३१	६	५५	५	५६	२७	००	५	५९	४	४७
२६	बु	७	१०	१०	२२	६०	४४	२०	५८	२७	३०	६	५६	५	५६	२६	५८	६	००	४	४७
२७	गु	७	११	११	०६	६०	४५	२१	१०	२७	२८	६	५७	५	५६	२६	५६	६	००	४	४७

संक्रांति फलम्

ता. १५ नवंबर २००८
मार्ग. कृ. ३ शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २८।४२ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा प्रभाउ रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् गुरूदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) २२।१८ से २८।४२ तक। (दान- दीप)।

अयनांशाः २३।५८।०५
३३ पं. मा.कृ.११ र. इष्टघटी २७।२३
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	७	७	८	८	४	९	७
०७	११	०६	२६	१९	२६	१९	०७
३७	१०	२३	४४	१०	३९	००	०९
२६	२०	३७	५५	१०	४२	०४	४६
६०	४३	१४	११	७१	३	३	६०
४०	१७	४९	३०	१६	५५	११	५३
अनु	अनु	अनु	उषा	पूषा	पूफा	श्र	अनु
२	३	१	१	२	४	३	२

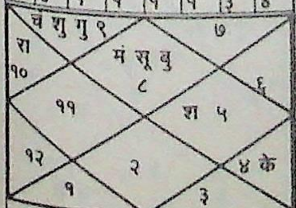


मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, २८ नवंबर से १२ दिसंबर तक नवलगढ चंद्रः तारीख हेमन्तर्त्तु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ६०८१, नवंबर-दिसंबर २००८

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा	आ.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	शु	४४	२९	२४	५२	अनु	२	३३	८	०६	सु	२२	५९	१६	१६	किं	११	२२	११	३७	२६ ०४	७ ०५	५ ३०	वृश्चि.	७	२९	२८	[C ज्येष्ठा. भौमः ८।०१
२	श	५०	५६	२७	२८	ज्ये	९	५२	११	०२	धृ	२५	०६	१७	०८	बा	१७	३९	१४	०९	०२	०५	३०	धनु. ११।०२	८	३०	२९	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), ज्येष्ठा. बुधः ३०।३८, उषा. शुक्रः २५।५५
३	र	५७	३८	३०	०१	मूल	१७	३१	१४	०७	शू	२७	२६	१८	०५	तै	२४	१५	१६	४८	००	०६	३०	धनु.	९	१	३०	रंभास्येयं, जिल्हेज १२
४	सो	...	...	...	...	पूषा	२५	१४	१७	१३	गं	२९	४८	१९	०२	व	३०	५६	१९	२९	२५ ५८	०७	३०	मक. २३।५८	१०	२	१	भ. ११।२९ उ., दिसंबर १२ ता. ३१, पातस्पर्शः २६।००, C
४	मं	४	०१	८	४७	उषा	३२	४०	२०	१२	वृ	३१	५५	१९	५४	वि	४	०१	८	४७	५६	०८	३०	मक.	११	३	२	भ. ८।४७ या., पातमोक्षः ९।३०, ज्येष्ठा. रविः १६।१८ B
५	बु	१०	०७	११	११	श्रव	३९	२२	२२	५३	ध्रु	३३	२६	२०	३१	बा	१०	०७	११	११	१५	०८	३०	मक.	१२	४	३	नागपंचमी, स्कंदषष्ठी
६	गु	१५	०२	१३	१०	धनि	४४	५०	२५	०५	व्या	३४	०३	२०	४६	तै	१५	०२	१३	१०	५३	०९	३०	कुंभे १२।०४	१३	५	४	पंचक प्रारम्भः १२।०४
७	शु	१८	२३	१४	३१	शत	४८	३७	२६	३७	ह	३३	२२	२०	३१	व	१८	२३	१४	३१	५१	१०	३१	कुंभे	१४	६	५	भ. १४।३१ उ. २६।५५ या.
८	श	१९	४७	१५	०५	पूभा	५०	२३	२७	२०	व	३१	०८	१९	३८	ब	१९	४७	१५	०५	५०	११	३१	मीने २१।१४	१५	७	६	[B (सौरः २६।२४), मकरे शुक्रः २१।५२
९	र	१९	०१	१४	४८	उभा	५०	०१	२७	१२	सि	२७	१३	१८	०५	कौ	१९	०१	१४	४८	४८	११	३१	मीने	१६	८	७	कल्पादि
१०	सो	१६	०१	१३	३७	रेव	४७	३२	२६	१३	व्य	२१	३५	१५	५०	ग	१६	०१	१३	[illegible]	४७	१२	३१	मेषे २६।१३	१७	९	८	भ. २४।४३ उ., पंचक समाप्तिः २६।१३, धनुषि मूले बुधः १८।४३
११	मं	१०	५८	११	३६	अश्वि	४३	१०	२४	२९	व	१४	१९	१२	५६	वि	१०	५८	११	३६	४६	१३	३१	मेषे	१८	१०	९	भ. ११।३६ या., मोक्षदा ११ व्र., गीता जयंती, D
१२	बु	४	१०	८	५३	भर	३७	१५	२२	०७	प	५ ५५	३७ ५०	९ २९	२८ ३३	बा	४	१०	८	५३	४५	१३	३१	वृषे २७।२७	१९	११	१०	प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र. [D मकरे उषा.-२ गुरुः २०।२२
१३	बु	५५	५९	२९	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा
१४	गु	४६	५०	२५	५८	कृति	३०	१३	१९	१९	सि	४५	१४	२५	२०	ग	२१	२९	१५	५०	४४	१४	३२	वृषे	२०	१२	११	भ. २५।५८ उ., पिशाच मोचन श्राद्धं, श्रव. शुक्रः ११।३१
१५	शु	३७	१२	२२	०८	रोहि	२२	३४	१६	१६	सा	३४	१४	२०	५६	वि	१२	०२	१२	०४	४३	१५	३२	मिथु. २६।४३	२१	१३	१२	भ. १२।०४ या., श्री दत्त जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A

अयनांशाः २३।५८।०६
३४ पं. मा.शु. ३ र. इष्टघटी २७।१०
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	७	७	८	८	४	९	७
१४	१६	१७	२८	२७	२७	१८	१४
४२	१४	२४	०७	२७	०५	३७	१६
३५	२७	२५	१४	१८	१४	४८	२७
६०	४३	९४	१२	७०	३	३	६१
४९	३९	०३	०५	४०	१६	११	०३
अनु	अनु	ज्ये	उषा	उषा	उफा	श्र	अनु
४	४	१	१	१	१	३	४



नवम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२८	शु	७	१२	११	५१	६०	४६	२१	२०	२७	२७	६	५७	५	५६	२६	५४	६	०१	४	४७
२९	श	७	१३	१२	३७	६०	४७	२१	३१	२७	२६	६	५८	५	५६	२६	५३	६	०२	४	४७
३०	र	७	१४	१३	२४	६०	४९	२१	४०	२७	२४	६	५८	५	५६	२६	५१	६	०३	४	४७
१	च	७	१५	१४	१३	६०	५०	२१	५०	२७	२३	६	५९	५	५६	२६	५०	६	०३	४	४७
२	मं	७	१६	१५	०३	६०	५१	२१	५९	२७	२२	७	००	५	५६	२६	४८	६	०४	४	४७
३	बु	७	१७	१५	५४	६०	५२	२२	०८	२७	२१	७	००	५	५७	२६	४७	६	०५	४	४७
४	गु	७	१८	१६	४६	६०	५३	२२	१६	२७	२०	७	०१	५	५७	२६	४६	६	०५	४	४७
५	शु	७	१९	१७	३९	६०	५४	२२	२३	२७	१९	७	०२	५	५७	२६	४४	६	०६	४	४८
६	श	७	२०	१८	३३	६०	५५	२२	३१	२७	१८	७	०२	५	५७	२६	४३	६	०७	४	४८
७	र	७	२१	१९	२९	६०	५६	२२	३८	२७	१७	७	०३	५	५८	२६	४२	६	०७	४	४८
८	चं	७	२२	२०	२५	६०	५७	२२	४४	२७	१६	७	०३	५	५८	२६	४१	६	०८	४	४८
९	मं	७	२३	२१	२२	६०	५८	२२	५०	२७	१५	७	०४	५	५८	२६	४०	६	०८	४	४९
१०	बु	७	२४	२२	२०	६०	५९	२२	५६	२७	१४	७	०५	५	५८	२६	३९	६	०९	४	४९
११	गु	७	२५	२३	१९	६१	००	२३	०१	२७	१४	७	०५	५	५९	२६	३८	६	१०	४	४९
१२	शु	७	२६	२४	१९	६१	०१	२३	०५	२७	१३	७	०६	५	५९	२६	३८	६	१०	४	४९

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा- प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे॥ कृष्णा एकादशी को रविवार होने से कपासादि सूत के भावों में मंदी हो। गुरुवारी अमावस होने से वृष्टि तथा सुभिक्ष हो लेकिन अनुराधा योग नेष्ट है। पूर्णिमा शुक्रवार और रोहिणी युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। शनिवार की सक्रांति होने से सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो। पूर्वाषाढा में शुक्र होने से लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो, जल में उत्पन्न जीव पीड़ित हों। अनुराधा में बुध होने से सुभिक्ष हो, पक्षियों में पीड़ा हो, प्रजा सुखी हों।

अयनांशाः २३।५८।०७
३५ पं. मा.शु. ९ र. इष्टघटी २६।५७
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	७	७	८	९	४	९	७
२१	२१	२८	२९	०५	२७	१८	२१
४८	२१	२२	३३	३९	२६	१५	२४
४३	०७	४९	२७	४७	०४	३३	०९
६०	४४	९४	१२	६९	२	३	६१
५०	०९	१३	३६	५५	३५	११	१०
ज्ये	ज्ये	ज्ये	उषा	उषा	उफा	श्र	ज्ये
२	२	४	१	३	१	३	२

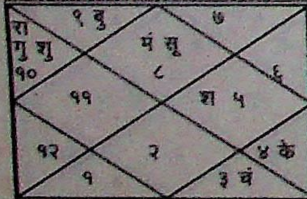


पोष कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, १३ दिसंबर से २७ दिसंबर तक नवलगढ — चंद्रः — तारीख — हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे मार्गशीर्षकृष्णेति महा., दिसंबर २००८

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	आ.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	श	२७	३५	१८	१८	मृग	१४	४७	१३	१०	शु	२३	१४	१६	३३	बा	२	२१	८	१२	३५ / ४२	७ / १५	५ / ३२	मिथु.	२२	१४	१३	
२	र	१८	२५	१४	३८	आर्द्रा	७	२०	१०	१२	शु	१२	३३	१२	१७	ग	१८	२५	१४	३८	४१	१६	३३	कर्क २६।११	२३	१५	१४	म. २४।५६ उ., पातस्पर्शः १८।५९, मोक्षः २५।४८
३	सो	१०	०८	११	२०	पुन	० / ५५	४१ / १४	७ / २९	३३ / २२	ब्र	२ / ५३	३४ / ३४	८ / २८	१८ / ४२	वि	१०	०८	११	२०	४१	१७	३३	कर्क	२४	१६	१५	म. ११।२० या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।४०, A
४	मं	३	०४	८	३१	श्ले	५१	१४	२७	४७	वै	४५	४६	२५	३६	बा	३	०४	८	३१	४०	१७	३३	सिंहे २७।४७	२५	१७	१६	पूषा. बुधः ३०।१४
५	मं	५७	३५	३०	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A धनुषि मूले रविः ११।१६ (सौरः २८।१०)
६	बु	५३	५०	२८	५०	मघा	४८	५७	२६	५३	वि	३९	१९	२३	०१	ग	२५	२८	१७	२९	४०	१८	३४	सिंहे	२६	१८	१७	म. २८।५० उ.
७	गु	५१	५६	२८	०५	पूफा	४८	२९	२६	४२	प्री	३४	२०	२१	०२	वि	२२	३८	१६	२२	३९	१८	३४	सिंहे	२७	१९	१८	म. १६।२२ या.
८	शु	५१	५५	२८	०५	उफा	४९	५०	२७	१५	आ	३०	५०	१९	३९	बा	२१	४२	१६	००	३९	१९	३५	कन्या ८।४६	२८	२०	१९	धनुषि मूले भौमः ११।१०, बुधोदयः पश्चिमायाम् २७।३६
९	श	५३	४१	२८	४८	हस्त	५२	५५	२८	२९	सौ	२८	४३	१८	४९	तै	२२	३४	१६	२१	३९	२०	३५	कन्या	२९	२१	२०	[B प्रारम्भ १७।२७
१०	र	५७	०१	३०	०८	चित्रा	५७	२९	३०	२०	शो	२७	५३	१८	२९	व	२५	०९	१७	२४	३९	२०	३६	तुला. १७।२०	३०	२२	२१	म. १७।२४ उ. ३०।०८ या., सायन मकरे भानुः, सायन उत्तरायण B
११	सो	...	...	...	...	स्वा	...	...	...	...	अ	२८	०६	१८	३५	ब	२९	०९	११	००	३९	२१	३६	तुला.	१	२३	२२	मा. पोषारंभः, धनि. शुक्रः २७।१६, अयन करिदिन
११	मं	१	३४	७	५९	स्वा	३	१४	८	३९	सु	२९	०९	११	०१	बा	१	३४	७	५९	३९	२१	३७	वृश्चि. २८।३७	२	२४	२३	सफला ११ व्र., सुरुप द्वादशी १२, पातस्पर्शः २१।४७, मोक्षः ३०।३९
१२	बु	७	०७	१०	१२	विशा	९	५४	११	११	धृ	३०	४८	११	४१	तै	७	०७	१०	१२	३९	२१	३७	वृश्चि.	३	२५	२४	प्रदोषः, उषा.-३ गुरुः २५।२३
१३	गु	१३	१५	१२	४०	अनु	१७	०७	१४	१३	शू	३२	४७	२०	२९	व	१३	१५	१२	४०	३९	२२	३८	वृश्चि.	४	२६	२५	म. १२।४० उ. २५।५७ या., मासिकशिवरात्री व्र., बडादिन, C
१४	शु	१९	४३	१५	१५	ज्ये	२४	३७	१७	१३	गं	३४	५८	२१	२२	श	१९	४३	१५	१५	४०	२२	३८	धनु. १७।१३	५	२७	२६	[C उषा. बुधः २२।०७
३०	श	२६	१६	१७	५३	मूल	३२	१२	२०	१५	वृ	३७	११	२२	१५	ना	२६	१६	१७	५३	४०	२३	३९	धनु.	६	२८	२७	देवपितृकार्येऽमा., कुहूः, मकरे बुधः २८।४५

अयनांशाः २३।५८।०८
३६ पं. पौ.कृ. २ र. इष्टघटी २६।४५
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	७	८	९	९	४	९	७
२८	२६	०९	०१	१३	२७	१७	२८
५५	३०	२३	०३	४६	४१	५३	३२
३९	१८	१५	०२	२८	५४	१८	४०
६१	४४	९४	१३	६८	१	३	६१
०३	२२	२१	०३	५९	५१	११	१६
ज्ये	ज्ये	मू	उषा	श्र	उफा	श्र	ज्ये
४	३	३	२	२	१	३	४



ता. वा.	दिसम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
१३ श	७	२७	२५	२०	६१	०२	२३	१०	२७	१३	७	०६	५	५९	२६	३७	६	११	४	५०
१४ र	७	२८	२६	२१	६१	०२	२३	१३	२७	१२	७	०७	६	००	२६	३६	६	१२	४	५०
१५ चं	७	२९	२७	२४	६१	०३	२३	१७	२७	१२	७	०८	६	००	२६	३६	६	१२	४	५१
१६ मं	८	००	२८	२७	६१	०४	२३	१९	२७	११	७	०८	६	०१	२६	३५	६	१३	४	५१
१७ बु	८	०१	२९	३०	६१	०४	२३	२२	२७	११	७	०९	६	०१	२६	३५	६	१३	४	५१
१८ गु	८	०२	३०	३५	६१	०५	२३	२४	२७	११	७	०९	६	०२	२६	३५	६	१४	४	५२
१९ शु	८	०३	३१	४०	६१	०६	२३	२५	२७	११	७	१०	६	०२	२६	३५	६	१४	४	५२
२० श	८	०४	३२	४५	६१	०६	२३	२६	२७	११	७	१०	६	०२	२६	३४	६	१५	४	५३
२१ र	८	०५	३३	५१	६१	०७	२३	२६	२७	११	७	११	६	०३	२६	३४	६	१५	४	५३
२२ चं	८	०६	३४	५८	६१	०७	२३	२६	२७	११	७	११	६	०३	२६	३४	६	१६	४	५४
२३ मं	८	०७	३६	०५	६१	०७	२३	२६	२७	११	७	१२	६	०४	२६	३४	६	१६	४	५४
२४ बु	८	०८	३७	१२	६१	०८	२३	२५	२७	११	७	१२	६	०५	२६	३५	६	१७	४	५५
२५ गु	८	०९	३८	२०	६१	०८	२३	२३	२७	११	७	१३	६	०५	२६	३५	६	१७	४	५५
२६ शु	८	१०	३९	२८	६१	०८	२३	२२	२७	११	७	१३	६	०६	२६	३५	६	१८	४	५६
२७ श	८	११	४०	३७	६१	०९	२३	१९	२७	१२	७	१४	६	०६	२६	३६	६	१८	४	५६

संक्रांति फलम्

ता. १५ दिसंबर २००८

पौष कृ. ३ चंद्रे धनुष्यर्कः प्र. (स्टै.) टा. ११।१६ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्पदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्पदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमी विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) ११।१६ से २५।४० तक। (दान- वस्त्र)।

अयनांशाः २३।५८।०९
३७ पं. पौ.कृ.१० र. इष्टघटी २६।३५
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	८	८	९	९	४	९	८
०६	०१	२०	०२	२१	२७	१७	०५
०३	४१	१९	३५	४५	५२	३१	४१
११	५३	४२	२७	५८	३३	०२	४८
६१	४४	९२	१३	६७	१	३	६१
०७	४२	२१	२४	४९	०५	११	२०
मू	मू	पूषा	उषा	श्र	उफा	श्र	मू
२	१	३	२	४	१	३	२

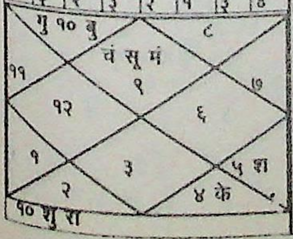


पोष शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, २८ दिसंबर से ११ जनवरी तक नवलगढ — चंद्रः — तारीख — शिशिरर्त्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ६५११, दिसं. २००८ - जनवरी २००९

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	र	३२	४३	२०	२८	पूषा	३९	४०	२३	३५	ध्रु	३९	१९	२३	०७	ब	३२	४३	२०	२८	२५ ४१	७ २३	५ ३९	मक. २९।५९	७	२९	२८	पूषा. रविः २१।२७ (सौरः २९।११), कुंभे शुक्रः २६।२६
२	सो	३८	५५	२२	५७	उषा	४६	५२	२६	०८	व्या	४१	१३	२३	५३	बा	५	५१	९	४४	४२	२३	४०	मक.	८	३०	२९	चंद्रदर्शनम् (मु.४५)
३	मं	४४	३५	२५	१४	श्रव	५३	३३	२८	४९	ह	४२	४५	२४	३०	तै	११	४९	१२	०७	४२	२४	४१	मक.	९	१	३०	मोहर्रम १ सन १४३० हि.
४	बु	४९	३६	२७	१०	धनि	५९	२४	३१	१०	व	४३	४०	२४	५२	व	१७	०७	१४	१५	४३	२४	४१	कुंभे १८।०२	१०	२	३१	भ. १४।१५ उ. २७।१० या., पंचक प्रारम्भः १८।०२
५	गु	५३	०५	२८	३८	शत	...	...	...	...	सि	४३	४४	२४	५४	ब	२१	२५	१५	५८	४४	२४	४२	कुंभे	११	३	१	जनवरी १ ता. ३१ सन २००९ ई., वक्री शनिः १४।०९
६	शु	५५	१६	२९	३१	शत	४	०४	९	०२	व्य	४२	४२	२४	२९	कौ	२४	२२	१७	०९	४५	२५	४३	मीने २८।०४	१२	४	२	[A रविः २३।२४ (सौरः ३०।००)
७	श	५५	३९	२९	४०	पूभा	७	१६	१०	१९	व	४०	२१	२३	३३	ग	२५	४१	१७	४१	४७	२५	४४	मीने	१३	५	३	भ. २९।४० उ., शत. शुक्रः २८।३६
८	र	५४	०९	२९	०५	उभा	८	४३	१०	५४	प	३६	३३	२२	०२	वि	२५	०८	१७	२८	४८	२५	४४	मीने	१४	६	४	भ. १७।२८ या., शांकम्भरी यात्रा, श्रव. बुधः २६।५५
९	सो	५०	४४	२७	४३	रेव	८	१९	१०	४५	शि	३१	१५	१९	५५	बा	२२	४१	१६	२९	४९	२५	४५	मेषे १०।४५	१५	७	५	पंचक समाप्तिः १०।४५, पूषा. भौमः २९।५९
१०	मं	४५	३३	२५	३९	अश्वि	६	०४	९	५१	सि	२४	२९	१७	१३	तै	१८	२१	१४	४६	५१	२५	४६	मेषे	१६	८	६	पातस्पर्शः २६।२१, श्रव.-२ राहुः १९।१५, पुष्ये-४ केतुः १९।१५
११	बु	३८	४९	२२	५७	भर	२ ५६	०७ ४६	८ ३०	१६ ०८	सा	१६	२५	१३	५९	व	१२	२१	१२	२२	५२	२५	४६	वृषे १३।४७	१७	९	७	भ. १२।२२ उ. २२।५७ या., पुत्रदा ११ व्र., मन्वादि, पातमोक्षः ८।३१
१२	गु	३०	५४	१९	४७	रोहि	५०	१९	२७	३३	शु	७ ५७	१५ १६	१० ३०	२० २०	ब	४	५९	९	२५	५४	२६	४७	वृषे	१८	१०	८	उषा.-४ गुरुः १३।३४
१३	शु	२२	०९	१६	१७	मृग	४३	१२	२४	४३	ब्र	४६	४७	२६	०८	तै	२२	०९	१६	१७	५६	२६	४८	मिथु. १४।०९	१९	११	९	प्रदोषः
१४	श	१३	००	१२	३८	आर्द्रा	३५	५२	२१	४६	ऐ	३६	०७	२१	५२	व	१३	००	१२	३८	५८	२६	४९	मिथु.	२०	१२	१०	भ. १२।३८ उ. २२।४७ या., पूर्णिमा व्रतं, शाकंभरी जयंती, उषा. A
१५	र	३	५०	८	५८	पुन	२८	४२	१८	५५	वै	२५	३७	१७	४१	ब	३	५०	८	५८	२६ ००	२६	५०	कर्क १३।३७	२१	१३	११	पूर्णिमा पुण्यं, माघ स्नानारंभः

अयनांशाः २३।५८।१०
३८ पं. पौ.शु. १ र. इष्टघटी २६।२७
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	८	९	९	९	४	९	८
१३	०६	००	०४	२९	२७	१७	१२
११	५५	४७	१०	३६	५७	०८	५१
०७	४८	१७	१३	३४	५१	४७	१९
६१	४५	८४	१३	६६	०	३	६१
०९	०२	१५	४२	२३	१९	११	२३
मू	मू	उषा	उषा	ध	उफा	श्र	मू
४	३	२	३	२	१	३	४



दिसम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२८ र	८	१२	४१	४६	६१	०९	२३	१६	२७	१२	७	१४	६	०७	२६	३६	६	१९	४	५७
२९ चं	८	१३	४२	५५	६१	०९	२३	१३	२७	१२	७	१४	६	०७	२६	३७	६	१९	४	५८
३० मं	८	१४	४४	०४	६१	०९	२३	०९	२७	१३	७	१५	६	०८	२६	३७	६	१९	४	५८
३१ बु	८	१५	४५	१३	६१	०९	२३	०५	२७	१४	७	१५	६	०९	२६	३८	६	२०	४	५९
१ गु	८	१६	४६	२३	६१	१०	२३	००	२७	१४	७	१५	६	०९	२६	३९	६	२०	५	००
२ शु	८	१७	४७	३३	६१	१०	२२	५५	२७	१५	७	१६	६	१०	२६	४०	६	२०	५	००
३ श	८	१८	४८	४२	६१	१०	२२	५०	२७	१६	७	१६	६	१०	२६	४१	६	२१	५	०१
४ र	८	१९	४९	५२	६१	१०	२२	४३	२७	१७	७	१६	६	११	२६	४२	६	२१	५	०१
५ चं	८	२०	५१	०१	६१	१०	२२	३७	२७	१७	७	१७	६	१२	२६	४३	६	२१	५	०२
६ मं	८	२१	५२	११	६१	१०	२२	३०	२७	१८	७	१७	६	१२	२६	४४	६	२१	५	०३
७ बु	८	२२	५३	२१	६१	०९	२२	२३	२७	१९	७	१७	६	१३	२६	४५	६	२१	५	०३
८ गु	८	२३	५४	३०	६१	०९	२२	१५	२७	२०	७	१७	६	१४	२६	४६	६	२२	५	०४
९ शु	८	२४	५५	३९	६१	०९	२२	०६	२७	२२	७	१८	६	१४	२६	४८	६	२२	५	०५
१० श	८	२५	५६	४८	६१	०९	२१	५८	२७	२३	७	१८	६	१५	२६	४९	६	२२	५	०६
११ र	८	२६	५७	५७	६१	०८	२१	४९	२७	२४	७	१८	६	१५	२६	५१	६	२२	५	०६

अयनांशाः २३।५८।११
३९ पं. पौ.शु. ८ र. इष्टघटी २६।२३
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	८	९	९	१०	४	९	८
२०	१२	०९	०५	०७	२७	१६	२०
१९	११	३७	४६	१६	५८	४६	०१
१३	५६	३५	४३	०६	०५	३१	००
६१	४५	५९	१३	६४	०	३	६१
१०	२०	२९	५६	३५	२८	११	२३
पूषा	मू	उषा	उषा	श	उफा	श्र	पूषा
३	४	४	३	१	१व	३	३



अयनांशाः २३।५८।१२
४० पं. पौ.शु.१५ र. इष्टघटी २६।२१
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	८	९	९	१०	४	९	८
२७	१७	१३	०७	१४	२७	१६	२७
२७	३०	५२	२४	४१	५२	२४	१०
१७	१०	३३	४२	४६	३५	१६	३७
६१	४५	२	१४	६२	१	३	६१
०८	३७	५४	०५	२०	१३	११	२१
उषा	पूषा	श्र	उषा	श	उफा	श्र	उषा
१	२	२व	४	३	१व	२	१



माघ कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, १२ जनवरी से २६ जनवरी तक नवलगढ																								चंद्रः	तारीख		
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.
१	र	५५	०७	२९	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	सो	४७	११	२६	१८	पुष्य	२२	१०	१६	१८	वि	१५	३६	१३	४०	तै	२१	०२	१५	५०	२६ ०१	७ २६	५ ५०	कर्के	२२	१४	१२
३	मं	४०	२८	२३	३७	श्ले	१६	३८	१४	०५	प्री	६ ५८	२३ १४	९ ३०	५९ ४३	व	१३	३९	१२	५३	०४	२६	५१	सिंहे १४।०५	२३	१५	१३
४	बु	३५	१५	२१	३२	मघा	१२	२९	१२	२५	सौ	५१	२३	२७	५९	ब	७	३८	१०	२९	०६	२६	५२	सिंहे	२४	१६	१४
५	गु	३१	५०	२०	१०	पूफा	९	५९	११	२५	शो	४६	००	२५	५०	कौ	३	११	८	४५	०८	२६	५३	कन्या १७।१७	२५	१७	१५
६	शु	३०	२४	१९	३५	उफा	९	२३	११	१०	अ	४२	१२	२४	१८	ग	०	५२	७	४६	१०	२५	५४	कन्या	२६	१८	१६
७	श	३९	०१	१९	५०	हस्त	१०	४५	११	४३	सु	३९	५७	२३	२४	वि	०	२७	७	३६	१३	२५	५४	तुला. २४।१७	२७	१९	१७
८	र	३३	३५	२०	५१	चित्रा	१४	०३	१३	०२	धृ	३९	१२	२३	०६	बा	२	०४	८	१५	१५	२५	५५	तुला.	२८	२०	१८
९	सो	३७	५२	२२	३४	स्वा	१९	०५	१५	०३	शू	३९	४३	२३	१८	तै	५	३२	९	३८	१८	२५	५६	तुला.	२९	२१	१९
१०	मं	४३	२८	२४	४८	विशा	२५	२९	१७	३६	गं	४१	१३	२३	५४	व	१०	३२	११	३७	२०	२५	५७	वृश्चि. १०।५५	३०	२२	२०
११	बु	४९	५३	२७	२२	अनु	३२	४७	२०	३१	वृ	४३	१८	२४	४४	ब	१६	३६	१४	०३	२३	२४	५८	वृश्चि.	१	२३	२१
१२	गु	५६	३७	३०	०३	ज्ये	४०	३०	२३	३६	ध्रु	४५	४१	२५	४१	कौ	२३	१४	१६	४२	२६	२४	५८	धनु. २३।३६	२	२४	२२
१३	शु	...	...	...	...	मूल	४८	१३	२६	४१	व्या	४८	०१	२६	३६	ग	२९	५८	१९	२३	२८	२४	५९	धनु.	३	२५	२३
१३	श	३	१५	८	४१	पूषा	५५	३५	२९	३८	ह	५०	०५	२७	२६	व	३	१५	८	४१	३१	२४	६ ००	धनु.	४	२६	२४
१४	र	९	२६	११	१०	उषा	...	...	...	...	व	५१	४४	२८	०५	श	९	२६	११	१०	३४	२३	०१	मक. १२।२०	५	२७	२५
३०	सो	१५	०१	१३	२३	उषा	२	२५	८	२१	सि	५२	५२	२८	३२	ना	१५	०१	१३	२३	३७	२३	०२	मक.	६	२८	२६

शिशिरर्तु रविरुत्तरे पोषकृष्णेति महा., जनवरी २००९

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

गुरोरस्तः

[A व्र., मकरे रविः २९।५५, निरयन उत्तरायनारंभः
वक्री बुधः ११।५९, [गुरोरस्तः पश्चिमायाम् १०।४८]
म. १२।५३ उ. २३।३७ या., सौभाग्य सुन्दरीव्र., संकट हरगणपति A
तिलकुटी ४ चन्द्रोदयः ९१।३५, गौरी चतुर्थी, मकरे सौरः १२।१४
बुधास्तः पश्चिमायाम् २२।५७, सक्रान्ति करिदिन
म. ११।३५ उ., पूषा. शुक्रः २२।०५ [B धनुषि बुधः ११।५७, मीने C
म. ७।३६ या., स्वामी विवेकानन्द जयंती [C शुक्रः ३०।११
पातस्पर्शः ३०।११, (व) उषा. बुधः ७।३३
पातमोक्षः १२।५१, सायन कुंभे भानुः २८।०१
म. ११।३७ उ. २४।४८ या., अभि.प्र.रविः१९।०३ (सौरः २४।४९)
षट्तिला ११ व्र., था. माघारंभः
तिल द्वादशी, श्रव.-१ गुरुः १७।२५ [D भौमः १७।५४
प्रदोषः, नेताजी जयन्ती, श्रव. रविः २५।४० (सौरः ३१।१०), उषा. D
म. ८।४१ उ. २१।५७ या., मासिकशिवरात्री व्र., अभि.नि. रविः E
युगादि, बुधोदयः पूर्वस्याम् २४।४४ [E २२।३९ (सौरः २८।०५)
देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., मौनी ३०, गणराज्यदिवस, (व) B

अयनांशाः २३।५८।१३
४१ पं. मा.कृ. ८ र. इष्टघटी २६।२२
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	८	९	९	१०	४	९	९
०४	२२	०९	०९	२१	२७	१६	०४
३५	५०	२९	०३	४९	४१	०२	१९
०६	१९	२८	३६	५७	५०	०१	५७
६१	४५	७४	१४	५९	१	३	६१
०५	५३	२२	१०	२८	५७	११	१८
उषा	पूषा	उषा	उषा	पूषा	उफा	श्र	उषा
३	३	४व	४	१	१व	२	३



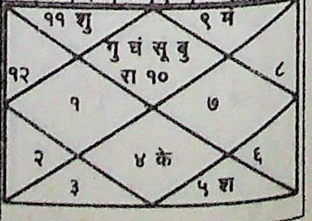
जनवरी		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१२	च	८	२७	५९	०५	६१	०८	२१	३९	२७	२५	७	१८	६	१६	२६	५२	६	२२	५	०७
१३	मं	८	२९	००	१३	६१	०८	२१	२९	२७	२७	७	१८	६	१७	२६	५४	६	२२	५	०८
१४	बु	९	००	०१	२१	६१	०७	२१	१९	२७	२८	७	१८	६	१७	२६	५५	६	२२	५	०८
१५	गु	९	०१	०२	२८	६१	०७	२१	०८	२७	२९	७	१८	६	१८	२६	५७	६	२२	५	०९
१६	शु	९	०२	०३	३५	६१	०६	२०	५७	२७	३१	७	१८	६	१९	२६	५९	६	२२	५	१०
१७	श	९	०३	०४	४१	६१	०६	२०	४५	२७	३२	७	१८	६	१९	२७	०१	६	२२	५	१०
१८	र	९	०४	०५	४७	६१	०५	२०	३३	२७	३४	७	१८	६	२०	२७	०३	६	२२	५	११
१९	चं	९	०५	०६	५२	६१	०५	२०	२१	२७	३६	७	१८	६	२१	२७	०५	६	२२	५	१२
२०	मं	९	०६	०७	५७	६१	०४	२०	०८	२७	३७	७	१८	६	२१	२७	०७	६	२२	५	१३
२१	बु	९	०७	०९	०१	६१	०३	१९	५५	२७	३९	७	१८	६	२२	२७	०९	६	२२	५	१३
२२	गु	९	०८	१०	०५	६१	०३	१९	४१	२७	४१	७	१८	६	२२	२७	११	६	२२	५	१४
२३	शु	९	०९	११	०७	६१	०२	१९	२७	२७	४२	७	१८	६	२३	२७	१३	६	२१	५	१५
२४	श	९	१०	१२	०९	६१	०१	१९	१३	२७	४४	७	१८	६	२४	२७	१५	६	२१	५	१५
२५	र	९	११	१३	११	६१	००	१८	५८	२७	४६	७	१८	६	२४	२७	१८	६	२१	५	१६
२६	चं	९	१२	१४	११	६१	००	१८	४३	२७	४८	७	१८	६	२५	२७	२०	६	२१	५	१७

संक्रांति फलम्

ता. १३ जनवरी २००९
माघ कृ. ३ भौमे मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २९।५५ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बाल्यवस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) २९।५५ से बुधे २१।५५ तक। (दान- काष्ट - अन्न)।

अयनांशाः २३।५८।१४
४२ पं. मा.कृ.१४ रः इष्टघटी २६।२७
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	८	९	९	१०	४	९	९
११	२८	००	१०	२८	२७	१५	११
४२	१२	५६	४२	३५	२६	३९	२८
२७	१६	४५	५५	४५	०६	४५	४५
६१	४६	५३	१४	५५	२	३	६१
००	०८	४४	१२	४७	३८	११	१२
श्र	उषा	उषा	श्र	पूषा	उफा	श्र	श्र
१	१	२व	१	३	१व	२	१



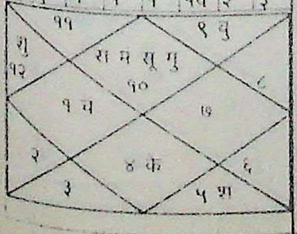
माघ शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, २७ जनवरी से ९ फरवरी तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | शिशिरर्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ६१४१, जनवरी-फरवरी २००९

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे.	टा.	भा.	मु.	इं.	
१	म	१९	५०	१५	१९	श्रव	८	३२	१०	४७	व्य	५३	२३	२८	४४	व	१९	५०	१५	१९	२६ ४०	७ २३	६ ०३	कुंभे	२३।५३	७	२९	२७	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक प्रारम्भः २३।५३, श्री वल्लभ जयंती, A
२	बु	२३	४६	१६	५२	धनि	१३	५०	१२	५४	व	५३	०९	२८	३८	कौ	२३	४६	१६	५२	४३	२२	०३	कुंभे		८	१	२८	सफर २ |A मकरे भौमः २५।५१
३	गु	२६	३९	१८	०१	शत	१८	१०	१४	३८	प	५२	०५	२८	१२	ग	२६	३९	१८	०१	४६	२२	०४	कुंभे		९	२	२९	भ. ३०।२५ उ.
४	शु	२८	२१	१८	४२	पूभा	२१	२३	१५	५४	शि	५०	०६	२७	२४	वि	२८	२१	१८	४२	४९	२१	०५	मीने	९।३८	१०	३	३०	भ. १८।४२ या., वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी, उभा. शुक्रः २३।१८
५	श	२८	४४	१८	५०	उभा	२३	२१	१६	४१	सि	४७	०४	२६	१०	बा	२८	४४	१८	५०	५३	२१	०६	मीने		११	४	३१	वसन्त पञ्चमी
६	र	२७	४५	१८	२६	रेव	२३	५९	१६	५६	सा	४२	५८	२४	३१	तै	२७	४५	१८	२६	५६	२०	०७	मेषे	१६।५६	१२	५	१	पंचक समाप्तिः १६।५६, फरवरी २ ता. २८, पातस्पर्शः २७।४८, C
७	सो	२५	२२	१७	२८	अश्वि	२३	१५	१६	३८	शु	३७	४५	२२	२६	व	२५	२२	१७	२८	५९	२०	०७	मेषे		१३	६	२	भ. १७।२८ उ. २८।४७ या., मन्वादि, पुत्र ७, रथ ७, अचला ७, D
८	मं	२१	३७	१५	५८	भर	२१	१२	१५	४८	शु	३१	३०	१९	५५	व	२१	३७	१५	५८	२७ ०३	१९	०८	वृषे	२१।३०	१४	७	३	भीष्माष्टमी |D पातमोक्षः ८।३३
९	बु	१६	३६	१३	५७	कृति	१७	५४	१४	२८	ब्र	२४	१५	१७	०१	कौ	१६	३६	१३	५७	०६	१९	०९	वृषे		१५	८	४	|C मार्गी बुधः २५।४६
१०	गु	१०	३१	११	३०	रोहि	१३	३२	१२	४३	ऐ	१६	०९	१३	४६	ग	१०	३१	११	३०	०९	१८	१०	मिथु.	२३।४२	१६	९	५	भ. २२।०९ उ., धनि. रविः २८।४७, श्रव.-२ गुरुः २०।०५
११	शु	३	३४	८	४३	मृग	८	२०	१०	३७	वै	७ ५८	२४ ०७	१० ३०	१५ ३२	वि	३	३४	८	४३	१३	१७	१०	मिथु.		१७	१०	६	भ. ८।४३ या., जया ११ व्र., भीष्मद्वादशी, धनि. सौरः ९।१७
१२	शु	५५	५९	२९	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	|B श्रव. भौमः २४।३०
१३	श	४८	०७	२६	३१	आर्द्रा	२ ५६	३३ २९	८ २९	१८ ५२	प्री	४८	३९	२६	४४	कौ	२२	०५	१६	०७	१६	१७	११	कर्के	२४।२९	१८	११	७	प्रदोषः, कल्पादि, मकरे बुधः २४।३७
१४	र	४०	१७	२३	२३	पुष्य	५०	३१	२७	२८	आ	३९	११	२२	५६	ग	१४	११	१२	५६	२०	१६	१२	कर्के		१९	१२	८	भ. २३।२३ उ., (व) पूफा.-४ शनिः २६।४८
१५	सो	३२	४८	२०	२२	श्ले	४४	५८	२५	१५	सौ	३०	०१	१९	१६	वि	६	२८	९	५१	२४	१५	१३	सिंहे	२५।१५	२०	१३	९	भ. ९।५१ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, माघ स्नान पूर्त्तिः, B

अयनांशाः २३।५८।१५
४३ पं. मा.शु. ६ र. इष्टघटी २६।३५
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	९	८	९	११	४	९	९
१८	०३	२७	१२	०४	२७	१५	१८
४९	३५	४२	२२	५२	०५	१७	३६
०८	५०	००	१३	३७	४७	३०	५०
६०	४६	५	१४	५१	३	३	६१
५३	२१	०५	०९	००	१५	११	०५
श्र	उभा	उषा	श्र	उभा	उफा	श्र	श्र
३	३	१	१	१	१व	२	३



जनवरी		रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेलवे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेलवे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२७	मं	९	१३	१५	११	६०	५९	१८	२८	२७	५०	७	१८	६	२६	२७	२२	६	२१	५	१७
२८	बु	९	१४	१६	०९	६०	५८	१८	१२	२७	५२	७	१७	६	२६	२७	२५	६	२०	५	१८
२९	गु	९	१५	१७	०७	६०	५७	१७	५६	२७	५४	७	१७	६	२७	२७	२७	६	२०	५	१९
३०	शु	९	१६	१८	०४	६०	५६	१७	४०	२७	५६	७	१७	६	२७	२७	३०	६	२०	५	१९
३१	श	९	१७	१९	००	६०	५५	१७	२३	२७	५८	७	१७	६	२८	२७	३२	६	१९	५	२०
१	र	९	१८	१९	५५	६०	५४	१७	०७	२८	००	७	१६	६	२८	२७	३५	६	१९	५	२१
२	चं	९	१९	२०	४८	६०	५३	१६	४९	२८	०२	७	१६	६	२९	२७	३७	६	१९	५	२१
३	मं	९	२०	२१	४१	६०	५२	१६	३२	२८	०५	७	१६	६	३०	२७	४०	६	१८	५	२२
४	बु	९	२१	२२	३३	६०	५१	१६	१४	२८	०७	७	१५	६	३०	२७	४३	६	१८	५	२३
५	गु	९	२२	२३	२३	६०	४९	१५	५६	२८	०९	७	१५	६	३१	२७	४५	६	१७	५	२३
६	शु	९	२३	२४	१३	६०	४८	१५	३८	२८	११	७	१५	६	३१	२७	४८	६	१७	५	२४
७	श	९	२४	२५	०१	६०	४७	१५	१९	२८	१३	७	१४	६	३२	२७	५१	६	१६	५	२५
८	र	९	२५	२५	४८	६०	४६	१५	००	२८	१६	७	१४	६	३२	२७	५४	६	१६	५	२५
९	चं	९	२६	२६	३३	६०	४४	१४	४१	२८	१८	७	१३	६	३३	२७	५६	६	१५	५	२६

मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों। सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति हो, अपिच-उत्तराषाढा योग नेष्ट है। शुक्ला पडवा को मंगलवार होने से ईतिभय हो। शुक्ला सप्तमी सोमवार होने से दुर्भिक्ष हो, तथा राजविग्रह हो। माघ शुक्लाष्टमी को कृतिका न होने से फागुण में रोली लगे। पूर्णिमा आश्लेषा युक्त होने से महर्घता हो।

अयनांशाः २३।५८।१६
४४ पं. मा.शु.१४ र. इष्टघटी २६।४५
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	९	९	९	११	४	९	९
२५	०९	००	१४	१०	२६	१४	२५
५४	००	२९	०१	३१	४१	५५	४३
५७	४८	०९	०१	३७	२३	१४	५९
६०	४६	४५	१४	४४	३	३	६०
४५	३२	४२	०३	४१	४७	११	५६
ध	उषा	उषा	श्र	उभा	उफा	श्र	ध
१	४	२	२	३	१व	२	१



फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, १० फरवरी से २५ फरवरी तक नवलगढ — चंद्रः — तारीख — शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति महा., फरवरी २००९

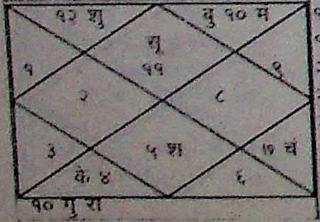
इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	
१	म	२६	०१	१७	३९	मघा	४०	१४	२३	२०	शो	२१	२५	१५	४९	कौ	२६	०१	१७	३९	२७ २६	७ १५	६ १३	सिंहे	२१	१४	१०	[गुरोरुदयः पूर्वस्याम् १६।५५]
२	बु	२०	२०	१५	२२	पूफा	३६	३८	२१	५३	अ	१३	३९	१२	४२	ग	२०	२०	१५	२२	३१	१४	१४	कन्या २७।३७	२२	१५	११	भ. २६।२६ उ.
३	गु	१६	०२	१३	३८	उफा	३४	३२	२१	०२	सु	७	०१	१०	०२	वि	१६	०२	१३	३८	३५	१३	१५	कन्या	२३	१६	१२	भ. १३।३८ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।१८, A
४	शु	१३	२९	१२	३६	हस्त	३४	१२	२०	५३	धृ	१ ५७	४२ ५०	७ ३०	५३ २०	बा	१३	२९	१२	३६	३८	१२	१६	कन्या	२४	१७	१३	पातस्पर्शः २५।५२, मोक्षः ३०।३४
५	श	१२	५१	१२	२०	चित्रा	३५	४८	२१	३१	गं	५५	३५	२९	२६	तै	१२	५१	१२	२०	४२	१२	१६	तुला. ९।०६	२५	१८	१४	[A कुंभे रविः १८।५० (सौरः २२।५२)
६	र	१४	१५	१२	५३	स्वा	३९	२०	२२	५५	वृ	५४	५२	२९	०७	व	१४	१५	१२	५३	४६	११	१७	तुला.	२६	१९	१५	भ. १२।५३ उ. २५।२७ या.
७	सो	१७	३५	१४	१२	विशा	४४	३९	२५	०२	ध्रु	५५	२९	२९	२१	ब	१७	३५	१४	१२	५०	१०	१८	वृश्चि. १८।२६	२७	२०	१६	
८	मं	२२	३६	१६	११	अनु	५१	२३	२७	४२	व्या	५७	१०	३०	०१	कौ	२२	३६	१६	११	५३	०९	१८	वृश्चि.	२८	२१	१७	रेव. शुक्रः २३।५१
९	बु	२८	४६	१८	३९	ज्ये	५८	५८	३०	४४	ह	५९	२८	३०	५६	ग	२८	४६	१८	३९	५७	०८	१९	धनु. ३०।४४	२९	२२	१८	रामदास ९, सायन मीने भानुः १८।०५, श्रव. बुधः १०।५६
१०	गु	३५	३०	२१	१९	मूल	...	...	...	...	व	...	...	...	...	व	२	०७	७	५८	२८ ०१	०७	२०	धनु.	३०	२३	१९	भ. ७।५८ उ. २१।१९ या., शत. रविः ९।१६ (सौरः १२।५२), B
११	शु	४२	०९	२३	५८	मूल	६	५१	९	५१	व	२	००	७	५५	ब	८	५३	१०	४०	०५	०७	२१	धनु.	१	२४	२०	विजया ११ व्र., भा. फाल्गुनारंभः
१२	श	४८	१२	२६	२२	पूषा	१४	२३	१२	५१	सि	४	१९	८	४९	कौ	१५	१८	१३	१३	०९	०६	२१	मक. ११।३३	२	२५	२१	[B श्रव.-३ गुरुः २८।०५
१३	र	५३	२०	२८	२५	उषा	२१	१०	१५	३३	व्य	६	०४	९	३०	ग	२०	५६	१५	२७	१३	०५	२२	मक.	३	२६	२२	भ. २८।२५ उ., प्रदोषः
१४	सो	५७	१८	२९	५९	श्रव	२६	५७	१७	५१	व	७	०५	९	५४	वि	२५	२९	१७	१६	१७	०४	२३	कुंभे ३०।५०	४	२७	२३	भ. १७।१६ या., पंचक प्रारम्भः ३०।५०, महाशिवरात्री व्रतम्
३०	म	...	...	...	...	धनि	३१	३६	१९	४१	प	७	१२	९	५६	च	२८	५१	१८	३५	२१	०३	२३	कुंभे	५	२८	२४	पितृकार्येऽमा.
३०	बु	०	०६	७	०४	शत	३५	०४	२१	०३	शि	६	२४	९	३६	ना	०	०६	७	०४	२५	०२	२४	कुंभे	६	२९	२५	देवकार्येऽमा.

गुरोरुदयः

अयनांशाः २३।५८।१७
४५ प. फा. कृ. ६ र. इष्टघटी २६।५८
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	९	९	९	११	४	९	१०
०२	१४	०६	१५	०१	२६	१४	०२
५९	२७	५५	३८	२०	१३	३२	५०
४४	००	०३	५३	३६	३४	५९	०१
६०	४६	६६	१३	३६	४	३	६०
३५	४१	२९	१३	१८	१३	११	४५
ध	श्र	उषा	श्र	उभा	पूफा	श्र	ध
३	२	४	२	४	४व	२	३



फरवरी रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम — रवि गति — रवि क्रान्ति दक्षिण — मुम्बई रेल्वे-टाईम — कलकता रेल्वे-टाईम

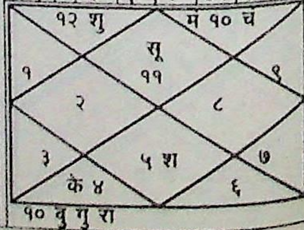
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	मुम्बई दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
१०	म	९	२७	२७	१८	६०	४३	१४	२२	२८	२०	७	१३	६	३३	२७	५९	६	१५	५	२६
११	बु	९	२८	२८	०१	६०	४२	१४	०२	२८	२३	७	१२	६	३४	२८	०२	६	१४	५	२७
१२	गु	९	२९	२८	४२	६०	४०	१३	४२	२८	२५	७	१२	६	३४	२८	०५	६	१४	५	२८
१३	शु	१०	००	२९	२३	६०	३९	१३	२२	२८	२८	७	११	६	३५	२८	०८	६	१३	५	२८
१४	श	१०	०१	३०	०२	६०	३७	१३	०२	२८	३०	७	११	६	३५	२८	११	६	१२	५	२९
१५	र	१०	०२	३०	३९	६०	३६	१२	४१	२८	३३	७	१०	६	३५	२८	१४	६	१२	५	२९
१६	चं	१०	०३	३१	१५	६०	३५	१२	२१	२८	३५	७	१०	६	३६	२८	१७	६	११	५	३०
१७	मं	१०	०४	३१	५०	६०	३३	१२	००	२८	३७	७	०९	६	३६	२८	२०	६	१०	५	३०
१८	बु	१०	०५	३२	२३	६०	३२	११	३९	२८	४०	७	०९	६	३७	२८	२३	६	१०	५	३१
१९	गु	१०	०६	३२	५४	६०	३०	११	१७	२८	४२	७	०८	६	३७	२८	२६	६	०९	५	३१
२०	शु	१०	०७	३३	२४	६०	२८	१०	५६	२८	४५	७	०८	६	३८	२८	२९	६	०८	५	३२
२१	श	१०	०८	३३	५२	६०	२७	१०	३४	२८	४८	७	०७	६	३८	२८	३२	६	०७	५	३२
२२	र	१०	०९	३४	१९	६०	२५	१०	१२	२८	५०	७	०६	६	३८	२८	३५	६	०७	५	३३
२३	च	१०	१०	३४	४४	६०	२३	९	५१	२८	५३	७	०६	६	३९	२८	३८	६	०६	५	३३
२४	मं	१०	११	३५	०८	६०	२२	९	२८	२८	५५	७	०५	६	३९	२८	४२	६	०५	५	३४
२५	बु	१०	१२	३५	२९	६०	२०	९	०६	२८	५८	७	०४	६	३९	२८	४५	६	०४	५	३४

संक्रांति फलम्

ता. १२ फरवरी २००९
फा. कृ. ३ गुरौ कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १८।५० वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १२।२६ से १८।५० तक । (दान- गोड - अन्न) ।

अयनांशाः २३।५८।१८
४६ पं. फा.कृ.१३ र. इष्टघटी २७।१३
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

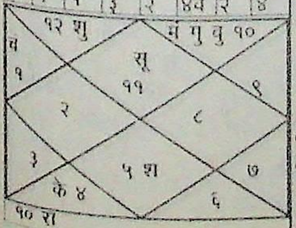
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	९	९	९	११	४	९	१०
१०	१९	१५	१७	१९	२५	१४	०९
०३	५४	२०	१५	०३	४३	१०	५४
१९	११	२४	२१	१८	०३	४३	४५
६०	४६	७८	१३	२५	४	३	६०
२४	४९	३८	३८	१६	३२	११	३४
श	श्र	श्र	श्र	रे	पूफा	श्र	श
२	३	२	३	१	४व	२	१



फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, २६ फरवरी से ११ मार्च तक नवलगढ																								चंद्रः		तारीख			वसंतर्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः ६१७१, फरवरी-मार्च २००९
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	गु	१	३७	७	४०	पूभा	३७	२०	२१	५७	सि	४	३९	८	५३	व	१	३७	७	४०	२८ २९	७ ०१	६ २४	मीने	१५।४६	७	३०	२६	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), धनि. भौमः २७।२६
२	शु	१	५५	७	४६	उभा	३८	२९	२२	२४	सा	२ ५८	०० २४	७ ३०	४८ २९	कौ	१	५५	७	४६	३३	००	२५	मीने		८	१	२७	फुलरिया २, श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती, रविलावल ३, D
३	श	१	०४	७	२५	रेव	३८	३४	२२	२५	शु	५४	०१	२८	३६	ग	१	०४	७	२५	३७	६ ५९	२६	मेषे	२२।२५	९	२	२८	भ. १९।०५ उ. ३०।३९ या., पंचकसमाप्तिः २२।२५, धनि.बुधः १४।४७
४	श	५९	०९	३०	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	|D पातस्पर्शः १९।०७, मोक्षः २३।१५
५	र	५६	२०	२९	३०	अश्वि	३७	४३	२२	०३	ब्र	४८	५४	२६	३२	व	२७	५२	१८	०७	४१	५८	२६	मेषे	'	१०	३	१	याज्ञवल्क्य जयंती, मार्च ३ ता. ३१
६	सो	५२	४२	२८	०२	भर	३६	०१	२१	२१	ऐ	४३	०८	२४	१२	कौ	२४	३८	१६	४८	४५	५७	२७	वृषे	२७।०८	११	४	२	|A पहिले, होलिका दहनं भद्रोत्तरम्, करिदिन, श्रव.-१ F
७	म	४८	२१	२६	१६	कृति	३३	३५	२०	२२	वै	३६	४७	२१	३९	ग	२०	३८	१५	११	४९	५६	२८	वृषे		१२	५	३	भ. २६।१६ उ. |F राहुः १६।५०, पुष्ये-३ केतुः १६।५०
८	बु	४३	२६	२४	१७	रोहि	३०	३४	१९	०८	वि	२९	५८	१८	५४	वि	१५	५९	१३	१९	५३	५५	२८	मिथु.	३०।२७	१३	६	४	भ. १३।१९ या., होलाष्टक, पूभा. रविः १५।३२ (सौरः १८।२४), E
९	गु	३८	०१	२२	०६	मृग	२७	०२	१७	४३	प्री	२२	४४	१५	५९	वा	१०	४८	११	१३	५७	५४	२९	मिथु.		१४	७	५	|E कुंभे बुधः २८।०५
१०	शु	३२	१४	१९	४७	आर्द्रा	२३	०६	१६	०७	आ	१५	१०	१२	५७	तै	५	१२	८	५८	२९ ०१	५३	२९	मिथु.		१५	८	६	भ. ३०।३४ उ., बुधास्तः पूर्वस्याम् २२।५६, श्रव.-४ गुरुः २५।०७
११	श	२६	१२	१७	२१	पुन	१८	५५	१४	२६	सौ	७ ५९	२१ २४	९ ३०	४८ ३७	वि	२६	१२	१७	२१	०५	५२	३०	कर्के	८।५२	१६	९	७	भ. १७।२१ या., आमलकी ११ व्र., बिड़कुला-ढाल थापणा भद्रा के B
१२	र	२०	०५	१४	५३	पुष्य	१४	३७	१२	४२	अ	५१	३२	२७	२७	बा	२०	०५	१४	५३	०९	५१	३१	कर्के		१७	१०	८	प्रदोषः, मेला श्रीश्यामजी (खाटु) |C पातस्पर्शः २१।१६, मोक्षः २५।११
१३	सो	१४	०५	१२	२८	श्ले	१०	२५	११	००	सु	४३	५२	२४	२२	तै	१४	०५	१२	२८	१४	५०	३१	सिंहे	११।००	१८	११	९	शत. बुधः ११।१५ |B बाद, कुंभे भौमः १६।०४, वक्री शुक्रः ८।११
१४	मं	८	२८	१०	१२	मघा	६	३४	९	२६	धृ	३६	३८	२१	२८	व	८	२८	१०	१२	१८	४९	३२	सिंहे		१९	१२	१०	भ. १०।१२ उ. २१।०९ या., पूर्णिमा व्रतं, जेलपोणी भद्रा के A
१५	बु	३	३०	८	१२	पूफा	३	२२	८	०८	शू	३०	०३	१८	४९	ब	३	३०	८	१२	२२	४८	३२	कन्या	१३।५२	२०	१३	११	मन्वादि, पूर्णिमा पुण्यं, छारेंडी देशाचारे, करिदिन, वसन्त १, C

अयनांशाः २३।५८।१९
४७ प. फा.शु. ५ र. इष्टघटी २७।३०
(रेल्वे घ. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	९	९	९	११	४	९	१०
१७	२५	२४	१८	२१	२५	१३	१६
०५	२२	५७	४९	१९	१०	४८	५८
३४	०९	०९	५७	१५	४०	२८	०१
६०	४६	८७	१३	११	४	३	६०
१२	५४	०७	२०	०१	४४	११	२०
श	ध	ध	श्र	रे	पूफा	श्र	श
४	१	१	३	२	४व	२	४



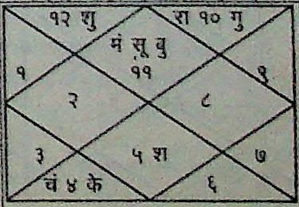
फरवरी रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकत्ता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२६	गु	१०	१३	३५	५०	६०	१८	८	४४	२९	००	७	०४	६	४०	२८	४८	६	०४	५	३५
२७	शु	१०	१४	३६	०८	६०	१७	८	२१	२९	०३	७	०३	६	४०	२८	५१	६	०३	५	३५
२८	श	१०	१५	३६	२५	६०	१५	७	५९	२९	०६	७	०२	६	४१	२८	५४	६	०२	५	३६
१	र	१०	१६	३६	४०	६०	१३	७	३६	२९	०८	७	०२	६	४१	२८	५७	६	०१	५	३६
२	चं	१०	१७	३६	५३	६०	११	७	१३	२९	११	७	०१	६	४१	२९	०१	६	००	५	३७
३	मं	१०	१८	३७	०४	६०	०९	६	५०	२९	१४	७	००	६	४१	२९	०४	६	००	५	३७
४	बु	१०	१९	३७	१४	६०	०८	६	२७	२९	१६	६	५९	६	४२	२९	०७	५	५९	५	३७
५	गु	१०	२०	३७	२१	६०	०६	६	०४	२९	१९	६	५९	६	४२	२९	१०	५	५८	५	३८
६	शु	१०	२१	३७	२७	६०	०४	५	४१	२९	२२	६	५८	६	४२	२९	१३	५	५७	५	३८
७	श	१०	२२	३७	३१	६०	०२	५	१७	२९	२४	६	५७	६	४३	२९	१७	५	५६	५	३९
८	र	१०	२३	३७	३३	६०	००	४	५४	२९	२७	६	५६	६	४३	२९	२०	५	५५	५	३९
९	चं	१०	२४	३७	३३	५९	५८	४	३१	२९	३०	६	५५	६	४३	२९	२३	५	५४	५	४०
१०	मं	१०	२५	३७	३२	५९	५६	४	०७	२९	३२	६	५५	६	४४	२९	२६	५	५३	५	४०
११	बु	१०	२६	३७	२८	५९	५४	३	४४	२९	३५	६	५४	६	४४	२९	३०	५	५२	५	४०

मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से शुभ हैं, पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो। सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो। मार्गशीर्ष से फाल्गुन तक शुक्ल पक्ष में तिथियां क्षय होने से लोगों का स्वास्थ्य बिगड़े, राजविग्रह हो और छत्रभंग भी हो। कृ. षष्ठी को स्वाति होने से दुर्भिक्ष हो। मगलवारी अमावस धनिष्ठा योग से दुर्भिक्ष हो, बुधवारी अमावस शतभिषा योग सुभिक्ष और सुखद है। शु. चतुर्थी क्षय होने से मूंग घी महंगे हों। शु. सप्तमी को कृतिका होने से सुभिक्ष हो। शु. सप्तमी को आर्द्रा होने से अवर्षण हो। पूर्णिमा पू.फा. युक्त होने से समर्घता हो।

अयनांशाः २३।५८।२०
४८ पं. फा.शु.१२ र. इष्टघटी २७।४८
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	१०	१०	९	११	४	९	१०
२४	००	०५	२०	२१	२४	१३	२३
०६	५९	३१	२२	४६	३७	२६	५९
२१	४०	२१	१२	११	१९	१३	४२
५९	४६	९५	१२	६	४	३	६०
५९	५८	२३	५८	०८	४७	११	०६
पूभा	ध	ध	श्र	रे	पूफा	श्र	पूभा
२	३	४	४	२व	४व	२	२



चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०६५, शाकः १९३०, १२ मार्च से २६ मार्च तक — नवलगढ — चंद्रः — तारीख — वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति महा., मार्च २००९

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	बु	५९	२७	३०	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A योग सू.उ. से २१।५७ तक, मासिकशिवरात्री व्र., उभा. बुधः D
२	गु	५६	४५	२९	२८	उफा	१	०८	७	१४	गं	२४	२२	१६	३१	तै	२७	५६	१७	५७	२९ २६	६ ४६	६ ३३	कन्या	२१	१४	१२	[D १५।४९, (व) पूफा.-३ शनिः ३०।२३
३	शु	५५	३६	२९	००	हस्त	०	१०	६	४९	वृ	१९	४९	१४	४१	व	२५	५९	१७	०९	३०	४५	३३	तुला. १८।५१	२२	१५	१३	भ. १७।०९ उ. २९।०० या., कल्पादि
४	श	५६	१३	२९	१३	चित्रा	०	४५	७	०२	ध्रु	१६	३५	१३	२२	ब	२५	४२	१७	०१	३४	४४	३४	तुला.	२३	१६	१४	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।००, मीने रविः १५।३८ (सौरः १८।०३)
५	र	५८	४१	३०	११	स्वा	३	०३	७	५६	व्या	१४	४५	१२	३७	कौ	२७	१५	१७	३७	३८	४३	३४	वृश्चि. २७।०५	२४	१७	१५	शत. भौमः २८।२७
६	सो	...	...	...	...	विशा	७	०९	९	३४	ह	१४	२०	१२	२६	ग	३०	३६	१८	५७	४२	४२	३५	वृश्चि.	२५	१८	१६	[C गुरुः २२।२२, (व) उभा. शुक्रः १७।१०
६	मं	२	५६	७	५१	अनु	१२	५३	११	५०	व	१५	१२	१२	४६	व	२	५६	७	५१	४६	४१	३६	वृश्चि.	२६	१९	१७	भ. ७।५१ उ. २०।५५ या., उभा. रविः २३।५८ (सौरः २६।१६), B
७	बु	८	३३	१०	०५	ज्ये	१९	५४	१४	३७	सि	१७	०४	१३	२९	ब	८	३३	१०	०५	५१	४०	३६	धनु. १४।३७	२७	२०	१८	[B भौमोदयः पूर्वस्याम् १५।०३, पूभा. बुधः ९।५६
८	गु	१५	००	१२	३९	मूल	२७	३७	१७	४१	व्य	१९	३१	१४	२७	कौ	१५	००	१२	३९	५५	३९	३७	धनु.	२८	२१	१९	शीतला पूजनं
९	शु	२१	३९	१५	१७	पूषा	३५	२३	२०	४७	व	२२	०३	१५	२७	ग	२१	३९	१५	१७	५९	३८	३७	मक. २७।३१	२९	२२	२०	भ. २८।३३ उ., सायन मेषे भानुः १६।५९
१०	श	२७	४७	१७	४३	उषा	४२	३२	२३	३७	प	२४	१३	१६	१७	वि	२७	४७	१७	४३	३० ०३	३६	३८	मक.	३०	२३	२१	भ. १७।४३ या.
११	र	३२	५०	१९	४४	श्रव	४८	३६	२६	०२	शि	२५	३७	१६	५०	व	०	२९	६	४७	०७	३५	३८	मक.	१	२४	२२	पापमोचनी ११ व्र., भा. चैत्रारंभः, मीने बुधः २१।३९, धनि.-१ C
१२	सो	३६	२८	२१	०९	धनि	५३	१३	२७	५२	सि	२५	५७	१६	५७	कौ	४	५२	८	३१	११	३४	३९	कुंभे १५।०१	२	२५	२३	पंचक प्रारम्भः १५।०१, वारुणी योग २७।५२ से सू.उं. तक
१३	मं	३८	३०	२१	५७	शत	५६	१७	२९	०४	सा	२५	०४	१६	३५	ग	७	४३	९	३८	१५	३३	३९	कुंभे	३	२६	२४	भ. २१।५७ उ., प्रदोषः, [शुक्रास्तः पश्चिमायाम् ७।४९], वारुणी A
१४	बु	३८	५४	२२	०६	पूभा	५७	४८	२९	३९	शु	२२	५७	१५	४३	वि	८	५६	१०	०६	१९	३२	४०	मीने २३।३४	४	२७	२५	भ. १०।०६ या., पातस्पर्शः ९।५७, मोक्षः १४।०१
३०	गु	३७	४७	२१	३८	उभा	५७	५४	२९	४०	शु	१९	३६	१४	२१	च	८	३३	९	५६	२४	३१	४०	मीने	५	२८	२६	देवपितृकार्येऽमा., केतकी अहर्गणः ६११९, चक्र ६, मन्वादि

अयनांशाः २३।५८।२१
४९ पं. चै.कृ. ५ र. इष्टघटी २८।०७
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	१०	१०	९	११	४	९	११
०१	०६	१७	२५	२०	२४	१३	००
०५	१९	०५	५१	०९	०३	०३	५९
३६	२८	३१	४०	०९	५४	५७	४०
५९	४६	१०१	१२	२३	४	३	५९
४६	५९	१८	३१	५१	४४	११	५१
पूभा	ध	श	श्र	रे	पूफा	श्र	पूभा
४	४	४	४	२व	४व	१	४



मार्च ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि.	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेल्वे टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
१२	गु	१०	२७	३७	२३	५९	५२	३	२०	२९	३८	६	५३	६	४४	२९	३३	५	५२	५	४१
१३	शु	१०	२८	३७	१५	५९	५१	२	५६	२९	४०	६	५२	६	४४	२९	३६	५	५१	५	४१
१४	श	१०	२९	३७	०६	५९	४९	२	३३	२९	४३	६	५१	६	४५	२९	३९	५	५०	५	४१
१५	र	११	००	३६	५८	५९	४७	२	०९	२९	४६	६	५१	६	४५	२९	४३	५	४९	५	४२
१६	चं	११	०१	३६	४१	५९	४५	१	४५	२९	४८	६	५०	६	४५	२९	४६	५	४८	५	४२
१७	मं	११	०२	३६	२६	५९	४३	१	२२	२९	५१	६	४९	६	४५	२९	४९	५	४७	५	४३
१८	बु	११	०३	३६	०८	५९	४१	०	५८	२९	५४	६	४८	६	४६	२९	५२	५	४६	५	४३
१९	गु	११	०४	३५	४९	५९	३९	०	३४	२९	५६	६	४७	६	४६	२९	५६	५	४५	५	४३
२०	शु	११	०५	३५	२८	५९	३७	०	१०-	२९	५९	६	४७	६	४६	२९	५९	५	४४	५	४४
२१	श	११	०६	३५	०४	५९	३५	०	१३+	३०	०२	६	४६	६	४६	३०	०२	५	४३	५	४४
२२	र	११	०७	३४	३९	५९	३३	०	३७	३०	०५	६	४५	६	४७	३०	०५	५	४२	५	४४
२३	चं	११	०८	३४	११	५९	३१	१	०१	३०	०७	६	४४	६	४७	३०	०९	५	४१	५	४५
२४	मं	११	०९	३३	४२	५९	२८	१	२४	३०	१०	६	४३	६	४७	३०	१२	५	४०	५	४५
२५	बु	११	१०	३३	१०	५९	२६	१	४८	३०	१३	६	४२	६	४७	३०	१५	५	३९	५	४५
२६	गु	११	११	३२	३७	५९	२४	२	११	३०	१५	६	४१	६	४८	३०	१८	५	३८	५	४६

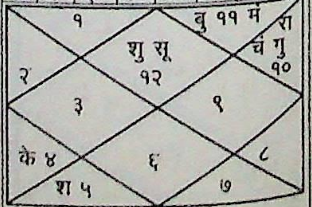
संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २००९

चैत्र कृ. ४ शनौ मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १५।३८ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १५।३८ से २२।०२ तक । (दान- भूमि माला) ।

अयनांशाः २३।५८।२२
५० पं. चै.कृ.११ र. इष्टघटी २८।२७
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	र.	सौर
११	१०	१०	९	११	४	९	११
०८	११	२९	२३	१६	२३	१२	०७
०३	४८	४२	१७	३८	३१	४१	५७
१४	२०	३६	४९	५८	२०	४२	५२
५९	४६	११३	१२	३६	४	३	५९
३२	५८	१२	००	४१	३२	११	३६
उभा	श	पूभा	श्र	उभा	पूफा	श्र	उभा
२	२	३	४	४व	४व	१	२



नवलगढ दैनिक लग्नसारणी से नीचे नगरों में लग्नप्रवेश बनाने के लिए संस्कार कोष्ठक (मिनिटों में)

नगरो के नाम	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
अमृतसर (पंजा.)	- २	- ६	- ८	- ७	- ४	+ ०	+ ५	+ ८	+ १०	+ ९	+ ६	+ २
अजमेर (राज.)	+ ३	+ ४	+ ४	+ ४	+ ३	+ २	+ १	- १	- १	- १	+ ०	+ १
अहमदावाद (गुज.)	+ १४	+ १८	+ २०	+ १९	+ १६	+ ११	+ ७	+ ३	+ १	+ २	+ ५	+ ९
आकोला (महा.)	- २	+ ४	+ ७	+ ५	+ ०	- ७	- १४	- २०	- २३	- २१	- १६	- ९
आगरा (उ.प्र.)	- ११	- १०	- १०	- १८	- १०	- ११	- १२	- १२	- १२	- १२	- १२	- ११
इंदौर (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ८	+ ७	+ ३	- २	- ७	- ११	- १४	- १३	- ९	- ४
उज्जैन (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ७	+ ६	+ ३	- २	- ६	- १०	- १२	- ११	- ८	- ३
उदयपुर (राज.)	+ ८	+ ११	+ १२	+ १२	+ ९	+ ६	+ ३	+ ०	- १	- १	+ २	+ ५
कोलकाता (वंगा.)	- ४९	- ४५	- ४२	- ४३	- ४७	- ५२	- ५७	- ६२	- ६४	- ६३	- ५९	- ५४
कानपुर (उ.प्र.)	- २०	- १९	- १८	- १८	- १९	- २०	- २२	- २३	- २४	- २३	- २२	- २१
काटमाण्डु (नेपा.)	- ३९	- ३८	- ३८	- ३८	- ३९	- ४०	- ४१	- ४२	- ४३	- ४२	- ४२	- ४१
कोल्हापुर (महा.)	+ १२	+ २१	+ २६	+ २४	+ १६	+ ५	- ५	- १४	- १९	- १७	- ९	+ १
गोहाटी (आसा)	- ६५	- ६४	- ६३	- ६३	- ६५	- ६६	- ६८	- ६९	- ७०	- ७०	- ६८	- ६७
चंढीगढ (पंजा.)	१०	- १२	- १४	- १३	- ११	- ८	- ५	- २	- ०	- १	- ३	- ७
चित्तौडगढ (राज.)	+ ४	+ ६	+ ८	+ ७	+ ५	+ २	- १	- ३	- ५	- ४	- २	+ १
चिन्नई (तमि.)	- ९	+ ३	+ ९	+ ६	- ४	- १८	- ३१	- ४३	- ५०	- ४७	- ३६	- २३
जयपुर (राज.)	- २	- १	- १	- १	- २	- ३	- ३	- ४	- ५	- ४	- ४	- ३
जौधपुर (राज.)	+ १२	+ १३	+ १४	+ १४	+ १२	+ ११	+ ९	+ ८	+ ७	+ ७	+ ८	+ १०
डिब्रुगढ (आसा)	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ८०	- ८०	- ८०	- ८०	- ७९
दरभंगा (बिहा.)	- ४२	- ४०	- ३९	- ४०	- ४१	- ४३	- ४४	- ४६	- ४६	- ४६	- ४५	- ४३
दिल्ली	- ९	- १०	- १०	- १०	- ९	- ९	- ८	- ७	- ६	- ७	- ७	- ८
नागपुर (महा.)	- ११	- ५	- २	- ४	- ९	- १५	- २१	- २७	- ३०	- २९	- २४	- १७
पटना (बिहा.)	- ३९	- ३७	- ३६	- ३६	- ३८	- ४०	- ४२	- ४४	- ४५	- ४५	- ४३	- ४१
पूना (महा.)	+ १२	+ २०	+ २४	+ २२	+ १५	+ ७	- २	- १०	- १४	- १२	- ६	+ ३
बडौदा (गुज.)	+ १२	+ १७	+ २०	+ १९	+ १४	+ ९	+ ३	- २	- ५	- ३	+ १	+ ६
बीकानेर (राज.)	+ ७	+ ६	+ ६	+ ६	७	+ ७	+ ८	+ ८	+ ८	+ ८	+ ८	+ ७
बैंगलोर (कर्ना.)	+ १	+ १३	+ १९	+ १७	+ ६	- ७	- २१	- ३३	- ३९	- ३६	- २६	- १३
भागलपुर (बिहा.)	- ४५	- ४३	- ४२	- ४२	- ४४	- ४७	- ५०	- ५२	- ५३	- ५२	- ५१	- ४८
भुवनेश्वर (उडी.)	- ३७	- ३१	- २८	- २९	- ३५	- ४२	- ४९	- ५५	- ५८	- ५७	- ५१	- ४५
भोपाल (म.प्र.)	- ५	- १	+ १	- ०	- ३	- ८	- १२	- १६	- १८	- १८	- १४	- १०
मुम्बई (महा.)	+ ६	+ २३	+ २७	+ २५	+ १९	+ ११	+ २	- ५	- ९	- ७	- १	+ ७
वाराणसी (उ.प्र.)	- ३०	- २७	- २६	- २७	- २९	- ३१	- ३३	- ३६	- ३७	- ३६	- ३४	- ३२
सोलापुर (महा.)	+ ४	+ १३	+ १७	+ १५	+ ८	- १	- ११	- २०	- २४	- २२	- १५	- ५
श्रीनगर (ज.क)	- ५	- ११	- १४	- १३	- ८	- १	+ ६	+ १३	+ १६	+ १५	+ ९	+ २
हैदराबाद (आं.प्र)	- ६	+ ३	+ ८	+ ६	- २	- १२	- २२	- ३०	- ३५	- ३३	- २५	- १६

॥ संवत् २०६६ ॥ संस्कार कोष्ठक ज्ञानायः पञ्चाङ्गस्थ नवलगढ (राज.) की दैनिक लग्न प्रवेश सारणी से उपर लिखे नगरों का प्रवेश व समाप्ति काल संस्कार कोष्ठक की सहायता से किसी भी दिन का स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं।

उदाहरण - १ मई २००९ को हैदराबाद (आं.प्र) में कर्क लग्न का प्रवेश और समाप्ति काल ज्ञात करना है। पंचांग में १ मई २००९ को कर्क का प्रवेश काल दिवा घंटा १० मिनट ५० और समाप्ति काल दिवा घंटा १ मिनट १० लिखा हुआ है। संस्कार कोष्ठक में हैदराबाद (आं.प्र) के कर्क में + ६ मि. और सिंह में - २ मि. है (सिंह का प्रवेश काल ही कर्क का समाप्ति काल है)। अतः कर्क के प्रवेश दिवा १०।५० में + ६ मि. का संस्कार किया (यदि - हो तो घटा दें और + हो तो जोड दें) तो हैदराबाद (आं.प्र) का स्पष्ट प्रवेश काल दिवा १०।५६ हो गया कर्क के समाप्ति काल दिवा घंटा १ मिनट १० में - २ मि. का संस्कार किया तो कर्क का समाप्ति काल दिवा १।०८ स्पष्ट हो गया। ऐसे ही संस्कार कोष्ठक में लिखे हुए ३५ नगरों में से किसी भी नगर का कोई भी लग्न स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं।

रेल्वे मध्यान्तर निकालने की विधि -

जिस गांव का रेल्वे मध्यान्तर निकालना हो उस गांव का एटलस (भारत के नकसे) से रेखांश प्राप्त करे उस रेखांश में से ८२।३० अंश घटाकर शेष को ४ से गुणा करें गुणन फल उस नगर का मध्यम रेल्वेंतर मिनट धन होगा। उदाहरण - कोलकाता का रेखांश ८८।३० रेखांश धन है इसमें से ८२।३० घटाया (८८।३०-८२।३०) = शेष + ६ अंशो को ४ से गुणा किया + ६ X ४ = २४ यही कोलकाता का २४ मिनिट धन मध्यम रेल्वेंतर हुआ।

यदि अभीष्ट स्थान के रेखांश ८२।३० रेखांश से कम हों तो ८२।३० में से अभीष्ट नगर के रेखांश घटाकर शेष को ४ से गुणा करने से अभीष्ट नगर का ऋण रेल्वे मध्यान्तर होगा। उदा० - मुम्बई के रेखांश ७२।४८ है इसको ८२।३० में से घटाया शेष ९।४२ रहा इनको ४ से गुणा किया तो गुणनफल ३८।४८ मिनिट मुम्बई का मध्यम रेल्वेन्तर हुआ।

रेल्वे मध्यान्तर को स्फुट रेल्वेन्तर जानने की विधि

जिस तारीख का स्फुट रेल्वेंतर जानना हो तो उस तारीख का अक्षांशादि सारणी के पेज मे लिखे वेलान्तर मिनिटों को व्यस्त चिन्ह (ऋण धन का चिन्ह बदल कर) संस्कार करने से स्फुट रेल्वेन्तर उस तारीख का होगा जैसे तारीख १४ जनवरी को वेलान्तर + ९।२० मिनिट धन है इसको व्यस्त चिन्ह धन को ऋण चिन्ह - किया तो हुआ -९।२० यह कोलकाता का +२४ में वैजिकरीत्या संस्कार किया तो + २४।० - ९।२० = + १४।४० ता०-१५ जनवरी को स्फुट रेल्वेन्तर हुआ ऐसे ही मुम्बई -३८।४८ संस्कार किया तो वैजिकरीत्या (योगे युतिः स्यात्क्षययोः स्वयोर्वा) के अनुसार -३८।४८ - ९।२० का जोड किया तो ४८।०८ मुम्बई में स्फुट रेल्वेंतर मिनिट ऋण हुये उनको रेल्वे टाइम में धन ऋण करने से स्थानिक स्फुट टाइम हुई।

ले. पं. ग्यारसीलाल शर्मा, विले पारले, मुम्बई

संवत् २०६६, दिनमान एवं सूर्योदयास्त जानने की सरल विधि -

जिस नगर का दिनमान जानना चाहें उस नगर का अक्षांश पंचांग से या एटलस (भारत के नकसे से) प्राप्त करें उसके पश्चात पंचांग में लिखी दैनिक रवि क्रान्ति और अंक्षाश की सहायता से चर सारणी से अभीष्ट दिन की चरपल प्राप्त करें। चर पलों को दूगुना करके घटी ३०।०० में रवि क्रान्ति उत्तर (धन) हो तो जोड़ दें और रवि क्रान्ति दक्षिण (ऋण) हो तो ३०।० घटी में से घटा दे दिनमान घटी पल होगा। दिनमान की घटी पलों में ५ का भाग देने से सूर्य घटी (देशी) सूर्यास्त का घंटा मिनट होगा। देशी सूर्यास्त के घंटा मिनटों को १२ में से घटा देने से देशी सूर्योदय का घंटा मिनट होगा। इसमें रेल्वे मध्यांतर मिनट तथा वेलान्तर संस्कार करने से रेलवे टाइम का सूर्योदय एवं सूर्यास्त का घण्टा मिनिटात्मक काल होगा।

दिनमान = ३० + (चरपल x २)

स्टैण्डर्ड सूर्यास्त = दिनमान ÷ ५ + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

स्टैण्डर्ड सूर्योदय = १२ − (दिनमान ÷ ५) + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

उदाहरण - संवत् २०६६, तारीख १ अगस्त २००९ को बांसवाडा (राज.) अक्षांशाः २३° ३०' उ., रेखांशाः ७४° २४' पू. का स्पष्ट दिनमान एवं स्टैण्डर्ड सूर्योदय/सूर्यास्त गणित द्वारा ज्ञात करना है। ० अगस्त २००९ को पञ्चाङ्गस्थ रवि क्रान्ति अंश-कलादि (धन) +१८।०२ है यहाँ अक्षांश और रवि क्रान्ति की सहायता से चरपल संस्कार सारणी से ८१ पल प्राप्त हुई. इनको २ से गुणा किया (१६२ = ८१ x २) पल ६० से ज्यादा है अत: ६० का भाग दिया तो घट्यादि + २।४२ हुआ यहाँ रवि क्रान्ति उत्तर है अतः घटी ३० में जोड़ दिया (३०।० + २।४२) तो घट्यात्मक ३२।४२ दिनमान हुआ। इसमें ५ का भाग दिया लब्धि घंटादि ६ घंटा ३२ मिनट २४ से. देशी सूर्यास्त टाइम हुई इसको १२ में से घटा दिया तो ५ घंटा २७ मिनट ३६ से. देशी सूर्योदय समय हो गया इसमें रेल्वेऽन्तर संस्कार के लिए - बांसवाडा (राज.) का रेखांश ८२।३० से कम है अतः ((८२।३० - ७४।२४) x ४) रेल्वे मध्यान्तर मिनट (ऋण) -३२ सैकण्ड २४ को व्यस्तचिन्ह (ऋण हो तो धन और धन हो तो ऋण) करके सूर्योदय/सूर्यास्त में जोड़ दिया तो ६।००।०० सूर्योदय और ७।०४।४८ सूर्यास्त बांसवाडा (राज.) का मध्यम मान से हुआ। इसमें तारीख १ अगस्त २००९ को वेलान्तर मिनट + ६ सैकण्ड २१ को धनर्ण करने से स्टैण्डर्ड (रेल्वे) ६।०६।२१ सूर्योदय और ७।११।०९ सूर्यास्त (अर्धादिक रूप से सूर्योदय ६ बजकर ०६ मिनट और सूर्यास्त ७ बजकर ११ मिनट) समय स्पष्ट हो गया। इस तरह भारत के किसी भी गांव का जान लीजिये।

रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे, ॥ अथ मास तारीखोपरि वेलान्तरम् ॥ मिनट-सेकण्ड, ई.सन् २००९

ता.	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर
	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.
१	+ ३।२८	+१३।३५	+१२।२६	+ ४।००	- २।५०	- २।११	+ ३।४९	+ ६।२१	+ ०।०५	-१०।१५	-१६।२४	-११।०५
२	+ ३।५६	+१३।४२	+१२।१४	+ ३।४३	- २।५७	- २।०२	+ ४।०१	+ ६।१७	- ०।१४	-१०।३५	-१६।२६	-१०।४२
३	+ ४।२४	+१३।४९	+१२।०२	+ ३।२५	- ३।०३	- १।५२	+ ४।१२	+ ६।१३	- ०।३३	-१०।५४	-१६।२६	-१०।१९
४	+ ४।५२	+१३।५५	+११।४९	+ ३।०७	- ३।०९	- १।४२	+ ४।२३	+ ६।०८	- ०।५३	-११।१२	-१६।२६	- ९।५५
५	+ ५।१९	+१४।०१	+११।३६	+ २।५०	- ३।१५	- १।३२	+ ४।३३	+ ६।०२	- १।१३	-११।३०	-१६।२५	- ९।३०
६	+ ५।४५	+१४।०५	+११।२२	+ २।३३	- ३।२०	- १।२१	+ ४।४४	+ ५।५५	- १।३३	-११।४८	-१६।२३	- ९।०५
७	+ ६।११	+१४।०९	+११।०८	+ २।१६	- ३।२४	- १।१०	+ ४।५३	+ ५।४९	- १।५४	-१२।०६	-१६।२०	- ८।४०
८	+ ६।३७	+१४।१२	+१०।५४	+ १।५९	- ३।२८	- ०।५९	+ ५।०३	+ ५।४१	- २।१४	-१२।२३	-१६।१६	- ८।१४
९	+ ७।०२	+१४।१४	+१०।३९	+ १।४३	- ३।३१	- ०।४८	+ ५।१२	+ ५।३३	- २।३५	-१२।४०	-१६।१२	- ७।४७
१०	+ ७।२७	+१४।१५	+१०।२४	+ १।२६	- ३।३३	- ०।३६	+ ५।२१	+ ५।२४	- २।५६	-१२।५६	-१६।०७	- ७।२०
११	+ ७।५१	+१४।१६	+१०।०८	+ १।१०	- ३।३५	- ०।२४	+ ५।२९	+ ५।१५	- ३।१७	-१३।१२	-१६।००	- ६।५३
१२	+ ८।१४	+१४।१६	+ ९।५२	+ ०।५५	- ३।३७	- ०।११	+ ५।३७	+ ५।०५	- ३।३८	-१३।२७	-१५।५३	- ६।२५
१३	+ ८।३७	+१४।१५	+ ९।३६	+ ०।३९	- ३।३८	+ ०।०१	+ ५।४४	+ ४।५५	- ३।५९	-१३।४२	-१५।४६	- ५।५७
१४	+ ९।००	+१४।१३	+ ९।२०	+ ०।२४	- ३।३८	+ ०।१४	+ ५।५१	+ ४।४४	- ४।२०	-१३।५६	-१५।३७	- ५।२९
१५	+ ९।२१	+१४।१०	+ ९।०३	+ ०।०९	- ३।३८	+ ०।२६	+ ५।५७	+ ४।३२	- ४।४२	-१४।१०	-१५।२७	- ५।००
१६	+ ९।४२	+१४।०७	+ ८।४६	- ०।०५	- ३।३७	+ ०।३९	+ ६।०३	+ ४।२०	- ५।०३	-१४।२३	-१५।१७	- ४।३१
१७	+१०।०२	+१४।०३	+ ८।२९	- ०।१९	- ३।३५	+ ०।५२	+ ६.०९	+ ४।०८	- ५।२५	-१४।३६	-१५।०६	- ४।०२
१८	+१०।२२	+१३।५९	+ ८।१२	- ०।३३	- ३।३३	+ १।०५	+ ६।१३	+ ३।५५	- ५।४६	-१४।४८	-१४।५४	- ३।३२
१९	+१०।४१	+१३।५३	+ ७।५४	- ०।४६	- ३।३१	+ १।१८	+ ६।१८	+ ३।४१	- ६।०८	-१४।५९	-१४।४१	: ३।०३
२०	+१०।५९	+१३।४७	+ ७।३७	- ०।५९	- ३।२८	+ १।३१	+ ६।२२	+ ३।२७	- ६।२९	-१५।१०	-१४।२७	- २।३३
२१	+११।१६	+१३।४१	+ ७।१९	- १।११	- ३।२४	+ १।४४	+ ६।२५	+ ३।१२	- ६।५०	-१५।२०	-१४।१२	- २।०३
२२	+११।३३	+१३।३४	+ ७।०१	- १।२३	- ३।२०	+ १।५७	+ ६।२७	+ २।५७	- ७।११	-१५।२९	-१३।५७	- १।३३
२३	+११।४८	+१३।२६	+ ६।४३	- १।३५	- ३।१५	+ २।१०	+ ६।२९	+ २।४२	- ७।३३	-१५।३८	-१३।४१	- १।०३
२४	+१२।०३	+१३।१७	+ ६।२५	- १।४६	- ३।१०	+ २।२३	+ ६।३१	+ २।२६	- ७।५४	-१५।४६	-१३।२४	- ०।३३
२५	+१२।१८	+१३।०८	+ ६।०७	- १।५७	- ३।०४	+ २।३६	+ ६।३२	+ २।१०	- ८।१४	-१५।५४	-५३।०६	- ०।०४
२६	+१२।३१	+१२।५८	+ ५।४९	- २।०७	- २।५८	+ २।४८	+ ६।३२	+ १।५३	- ८।३५	-१६।००	-१२।४८	+ ०।२६
२७	+१२।४४	+१२।४८	+ ५।३१	- २।१६	- २।५२	+ ३।०१	+ ६।३२	+ १।३६	- ८।५६	-१६।०६	-१२।२८	+ ०।५६
२८	+१२।५६	+१२।३७	+ ५।१२	- २।२६	- २।४४	+ ३।१३	+ ६।३१	+ १।१९	- ९।१६	-१६।११	-१२।०९	+ १।२५
२९	+१३।०७	. . .	+ ४।५४	- २।३४	- २।३७	+ ३।२६	+ ६।२९	+ १।०१	- ९।३६	-१६।१६	-११।४८	+ १।५५
३०	+१३।१७	. . .	+ ४।३६	- २।४२	- २।२९	+ ३।३७	+ ६।२७	+ ०।४३	- ९।५६	-१६।१९	-११।२७	+ २।२४
३१	+१३।२६	. . .	+ ४।१८	. . .	- २।२०	. . .	+ ६।२५	+ ०।२४	. : .	-१६।२२	. . .	+ २।५३

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् । वासरमणिरिव तमसां राशीन्नाशयति विघ्नानाम् ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११०, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११० भोग्यकलिः ४२६८९० अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्यराज्येतो गताब्दाः संवत् २०६६ शाकः १९३१ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शुक्रः, मंत्री चंद्रः, सस्येशो गुरुः, धान्येशो भौमः, मेघेशो रविः, रसेशः शनिः, नीरसेशो गुरुः, फलेशो रविः, धनेशो बुधः, दुर्गेशो रविः, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादि षष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णु विंशतिकायां १६ शुभकृत्नाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि ११।११।५।१७ भोग्य मासादि ०।१८।५४।४३ विश्वेदेव दैवतं युगम् । वर्षनाम श्रावण । चतुर्मेघनाम संवर्तः । रोहिणी निवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा १८ । समय वाहनं दुर्दुरः । स्तंभ २ जल तृण । सोमवत्यमा. ३ । सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी ३ । भानु सप्तमी २ । बुधाष्टमी २ । रविदशमी २ । समय मुहूर्तानि ३१५ । समय दिनानि ३५४ । तिथि क्षयः १६ । तिथि वृद्धिः १० । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९९ । स्वपति विश्वा १२६ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ८७ । स्वपति विश्वा १२३ । वर्षा विश्वा १३ । धान्यम् ११ । तृणम् १५ । शीतम् १५ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । (क्षुधा १७ । तृष्णा ९ । निद्रा १३ । आलस्य ९ । उद्यम ७ । शान्ति ५ ; क्रोध ७ । दण्ड ९ । मैत्री १७ । उत्सव १५ । पाप १५ । पुण्य ११ । उग्रत्व ११ । रसोत्पत्तिः ९ । फलोत्पत्तिः १३ । व्याधि ११ । व्याधिनाश ७ । आचार ५ । अनाचार ९ । मृत्यु ५ । जन्म १३ । चौर १९ । उपशमन ७ । अग्निभय १३ । अग्निशमः ५ ।) सत्यम् ॥, धर्म १॥, पाप १८ । ऐक्यम् ११९ । शनि दृष्टिः दक्षिणस्याम । ग्रहणं १ चन्द्रमसः, २ सूर्यस्य । उद्रिजः ७ । जरायुजः ३ । पिण्डजः १३ । स्वदेजः ९ ।

अथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजाशुक्रस्तत्फलम् - शुक्रस्य राज्ये बहुसस्यसंकुला सुतीव्रवेगाः सरितोऽम्बुराशिभिः । फलन्ति वृक्षा बहुगोप्रसूतिर्वसुन्धरापार्थिवसौस्यसंयुता ॥ मंत्रीचंद्रस्तत्फलम् - शशिनि मन्त्रिगते बहुसस्यवत्यपि धरा रमते सुस्समण्डिता । वियति वारिधरा बहुवर्षिणो जनपदाः सुस्वराशिसुशोभिताः ॥ सस्येशोगुरुस्तत्फलम् - कणपतौसुरराजपुरोहिते सकलसौस्यकरः श्रुतिपूर्वकः । जलधरा जलदा बहुसस्यदा रसपयांसि बहुनि वसूनि वै ॥ धान्येशोभौमस्तत्फलम् - भूमिजेग्रीष्मधान्येशेग्रीष्मधान्यमहर्घकम् । शालीक्षुघृततैलादिमहर्घाणिभवन्ति च ॥ मेघेशोरविस्तत्फलम् - जलदपेयदिवासरपेतदासरसिवैरमतेजनतारसम् । यवचणेक्षुनिवारसुशालिभिः सुस्वचयंसुलभंभुवि वर्तते ॥ रसेशः शनिस्तत्फलम् - रविसुते रसपेरससंक्षयोनजलदागददाश्वपयोधराः । अजगवांगजवाजिस्वरोष्ट्रहाजनपदेषुनरा न रसैर्युताः ॥ नीरसेशोगुरुस्तत्फलम् - हरिद्रापीतवस्तूनिपीतवस्त्रादिकंचयत । नीरसेशोयदाजीवः सर्वेषांप्रीतिरुत्तमा ॥ फलेशोरविस्तत्फलम् - द्रुमवतीवरपुष्पवतीधराप्रमुदिताफलभोगविशेषता । बहुजलंजलदोभुविमुंचति क्वचिदपिप्रमितं फलपो रविः ॥ धनेशोबुधस्तत्फलम् - द्रविणपो हिमरश्मिसुतो यदा विविधसंग्रहवस्तुफल तदा । द्वीजवरा जपयज्ञसुसंयुताः कृषिविशेष विशेषितमानसाः ॥ दुर्गेशोरविस्तत्फलम् - नयविशेषकरस्तरणिस्तदा गतभया नरराजपुररोगमाः । समधिकेन तदा नृपतोन्यतः पथिषुसंव्रजतां न भयं क्वचित ॥ शुभकृत नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते तत्फलम् - शुभकृद्वत्सरेपृथ्वीराजतेविविधोत्सवैः । आतंकचोराभयदाराजानःसमरोत्सुकाः ॥ वर्षनाम श्रावण तत्फलम् - मनोल्हादंप्रकुर्वतिजनाः सौस्यसमायुताः । श्रावणेवृष्टिरत्युग्रागोमहिष्यादिकं सुखम् ॥ चतुर्मेघनाम संवर्तस्तत्फलम् - संवर्तजलपूरिता । रोहिणी निवासः समुद्रे तत्फलम् - समुद्रे तु महावृष्टिः । समय निवासो मालाकारगृहे तत्फलम् - सर्ववस्तुसमर्घ स्यान्मालाकारगृहेऽद्बके ॥ अपिच - मालिनः प्रचुरा वृष्टिः । एवं संचिन्त्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

(१) पौष शुक्ला १५ गुरुवार,
संवत् २०६६, ता. ३१ दिसंबर २००९,
खण्डग्रासं चन्द्रग्रहणम्, परमग्रास .०७

	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
नवलगढ घ.	४२	४३	४४	२
स्थानिक प.	२४	३८	५२	२८
रेल्वे घं.	२४	२४	२५	०
टाईम मि.	२२	५१	२१	५९

इस ग्रहण का सूतक स्टै १५।२२ बजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनो को छोडकर भोजनादि निषेध है ।

पञ्चाङ्ग गणित कर्ताः श्री श्री १०८
पं. ईश्वरदत्त शर्मणोऽनुग्रहीत शिष्यः
पं. ग्यारसी लाल शर्मा (शास्त्री), ५८, राम कुटीर,
३ रा माला, हनुमान रोड, विलेपार्ले (पूर्व)
मुम्बई ४०० ०५७, दूरध्वनि क्र.: ८३७ २७८३

(१) श्रावणकृष्णा ३० बुधवासरे, संवत् २०६६
ता.२२ जुलाई २००९, (सू.उ.५।५२)
ग्रस्तोदयं खण्डग्रासं सूर्यग्रहणम्

स्थल	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
नवलगढ घटी-प.	५९।१९	१।३२	३।५४	३।५४
रेल्वेटाईम घं.-मि.	२९।३५	६।२८	७।२५	१।३४

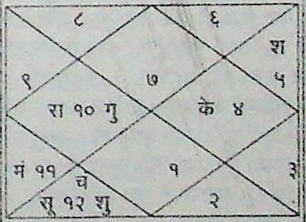
इस ग्रहण का सूतक पूर्वदिन सायं स्टै ५।३५ बजे से प्रारम्भ होगा ।

(२) माघ कृष्णा ३० शुक्रवासरे, संवत् २०६६
ता. १५ जनवरी २०१०, खण्डग्रासं सूर्यग्रहणम्

स्थल	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
नवलगढ घटी-प.	१०।५४	१५।२२	१९।१५	८।२१
रेल्वेटाईम घं.-मि.	११।४७	१३।३४	१५।०८	३।२०

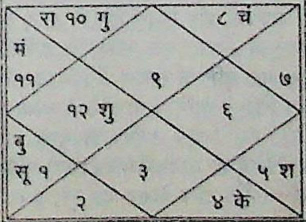
इस ग्रहण का सूतक पूर्वदिन रात्री स्टै ११।४८ बजे से प्रारम्भ होगा ।

वर्ष लग्नम् ६।२१



१२ बु

वर्षेश लग्नम् ८।०९



लाभ स्वर्च कोष्ठक

राशि	अष्टोत्तरी मतेन लाभ	अष्टोत्तरी मतेन स्वर्च	विंशोत्तरी मतेन लाभ	विंशोत्तरी मतेन स्वर्च
मेष	२	८	११	५
वृष	११	१४	५	१४
मिथुन	१४	११	११	११
कर्क	८	११	५	८
सिंह	११	५	८	५
कन्या	१४	११	११	११
तुला	११	१४	५	१४
वृश्चिक	२	८	११	५
धनु	५	१४	८	११
मकर	८	८	२	१४
कुंभ	८	८	२	१४
मीन	५	१४	८	११

।। ग्रहयोगाद्वर्ष फलम् ।। संवत् २०६६

ग्रहयोग देखता वर्षफल मध्यम होगा । इस वर्ष में राजा शुक्र है । रसेश शनि है । मेघेश और फलेश और दुर्गेश रवि है । मंत्री चंद्र है । धान्येश मंगल है । धनेश बुध है । सस्येश और नीरसेश गुरु है । इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ५ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए हैं और ५ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए है अतः वर्षफल मध्यम होगा । **चैत्र** - वर्षलग्न तुला होने से मध्यदेश में विग्रह तथा छत्रभंग हो । पूर्व में भी छत्रभंग और उपद्रव हो । दुर्भिक्ष हो वायु बहुत चले वर्षा कम हो पश्चिम में महायुद्ध हो और दाढभय तथा महँगाई हो । दक्षिण में सुख, उत्तर में दुर्भिक्ष और पश्चिम में दो मास कुछ उत्पात हो । **बैशाख** - टीडी आदि से धान्य महँगा हो । रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों । हाथियों को पीड़ा हो । प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त, मांस, मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । विप्रगण पीड़ित हों, अल्पवृष्टि हो, कहीं कुछ उपद्रव हो । कुम्भ का बृहस्पति होने से उसमें वज्रदंश नामक मेघ वर्षता है, कांसी, पीतल, लोह, मंजीठ, सीसा, सोना सस्तापन रहे, नमक महँगा तथा मरु देश में धान्य महँगा हो, सिंधु देश में कटक तथा चालक प्रदेश में वस्त्र कंबल हींग महँगे हों, छत्रभंग हो और रस कपास वस्त्र यह सर्वत्र महँगे हों । युगंधरी के विक्रय से लाभ हो ।

ज्येष्ठ - रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है । तुष धान्य मँहगे हों । टीडी आदि से धान्य महँगा हो । अश्विनी में शुक्र होने से ब्राह्मण जाति में विरोध हो । जौ, तिल, उडद कम हों, अश्वपालक पीड़ित हो । **आषाढ** - तुष धान्य, कपास, तिल, सूत महँगे हों, किरात तथा यवन पीड़ित हों, वर्षा का अभाव हो । कुंभ का गुरु वक्री होने से राजाओं को विजय श्री मिलें, सब धान्यों के भाव तेज हों, घी तेल तुला और भाण्ड (बर्तन) के भाव मंदे हो, सुभिक्ष हो । वायु से अतिवृष्टि हो, धान्य महंगा हो, और तपस्वियों के आश्रमों और राजाओं को पीड़ा हो । गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, ग्रहपात हो, **श्रावण** - कपास सूत मंदा हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग हो । रोहिणी पर मंगल होने से कपास वस्त्र और सूत की महँगाई हो । धान्य की महर्घता हो, रस (मधुर आदि) को हानि हो । महावृष्टि हो, श्रावण में बुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । घनिष्ठा नक्षत्र में गुरु उदय होने से सब धान्य सम्यक् रुपेण उत्पन्न हों तथा क्षुद्र (क्रूर), पाखण्डी गण (वेदनिन्दक) और उनके भक्त लोग पीडित हो । कोशल तथा कलिङ्ग देश का नाश और अतिवृष्टि हो ।

भाद्रपद - क्षेत्र के बंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो । उ.फा.में स्थित शनैश्चर राजा, गुड़, नमक, भिक्षुक, जल और तक्षशिला नगरी को पीडित करता है । पुनर्वसु में शुक्र होने से अन्न का अभाव हो, अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो । उड़द मूंग कम उत्पन्न हों, प्राणियों के धातुओं (वसा, रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । परस्पर सप्तम गुरु और शुक्र वृष्टि के बाधक हैं । विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो । आर्द्रा पर मंगल होने से वृष्टि हो । सिंह में शनि अस्त होने से व्यथा उत्पन्न हो । गौओं को पीडा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो । **आश्विन** - कन्या का शनि होने से काश्मीर पीडित हो घोड़ो में रव (शब्द) पूरित विग्रह हो रत्न धातु चांदी हाथी घोड़े बैल छाली, भैस, मंजीठ और केसर यह रस कस सहित सब सस्ते हों और सब मनुष्यों को सुख हो तथा धान्य क्रय लाभदायक हो । उड़द मूंग कम उत्पन्न हों । हस्तिपति पीडित हों और अतिवृष्टि हो । तिलों का नाश तथा भैंसों को पीड़ा हो । कन्या का शनि उदय होने से धान्यादि भाव तेज हों । पृथ्वी पर अन्नोत्पत्ति उत्तम हो ।

कार्तिक - स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो । मेघों की गर्जना के साथ वर्षा हो, गणिका, कौरव, विप्रवर्ग और चित्रकार पीडित हों अतिवृष्टि हो । अन्नोत्पत्ति उत्तम हो । कुआँ बनाने वालों और पक्षियों को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो । **मार्गशीर्ष** - सुभिक्ष हो, कहीं कहीं दुर्भिक्ष भी हो, गौओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो । अतिवृष्टि हो, दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो । साँपों का भय अधिक हो । धन राशि पर राहु होने से भैंसे, घोड़े, हाथी गधे, मोटरगाड़ी (चतुष्पद) इनके मूल्य में कमी हो । तुष धान्य की महँगाई हो, सुन्दर वृष्टि हो, वाणिज्य कर्म करने वाले प्रभावित हों । ईख, शाली और घी महँगे हों । क्षत्रियों में परस्पर विरोध हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । धन राशि में बुध का उदय होने से प्रजा में सुख का उदय हो । **पौष** - क्षत्रियों में प्रधान का अभाव हो अनावृष्टि हो । हस्त नक्षत्र में स्थित शनैश्चर, हजाम, चक्रिक (कुम्भार, तेली आदि), चोर, वैद्य (डाक्टर), शिल्पी, हाथी पकड़ने वाले, वेश्या, कोशल देश में निवास करने वाले, माली इन सबों को पीडित करता है । (यथा - हस्ते नापितचाक्रिकचौरभिषक्सूचिका द्विपग्राहाः । बन्धक्यः कौशलका मालाकाराश्च पीड्यन्ते ।।१।। - वाराहीसं.) । धान्य मन्दा हो, जल में उत्पन्न जीव पीड़ित हों ।

माघ - कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । क्षेत्रपति का क्षय हो, । अन्नोत्पत्ति उत्तम हो । कर्णपीड़ा हो । आपसी विरोध से क्षति हो, और राजा कमजोर हों । **फाल्गुन** - पाखण्डियों में भय उत्पन्न हो, अन्न की उत्पत्ति हो, छोटे बालकों में पीड़ा हो, वर्षा का अभाव हो । शतभिषा नक्षत्र में स्थित शुक्र शौण्डिकों (मद्यविक्रेता - कलवारों) को पीड़ित करता है । श्रवण में बुध होने से गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में बर्फ (ओले) गिरने का भय हो । उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र में स्थित शनैश्चर राजा, गुड़, नमक, भिक्षुक, जल और तक्षशिला नगरी को पीडित करता है । कर्क राशि में मंगल का उदय होने से वैश्यों को बहुत पीड़ा हो, धान्योत्पत्ति हो । कुम्भ राशि में गुरु के अस्त होने से प्रजा में और गर्भवती स्त्रियों में पीड़ा हो । गायें पीड़ित हों । वर्षा का अभाव हो । पूर्वभाद्रपदा में स्थित शुक्र जुआड़ी लोग, कुरु तथा पञ्जाब देश में स्थित जनों को पीड़ित और वृष्टि करता है । **चैत्र** -उ.भा. में स्थित शुक्र फल-मूलों को पीड़ित और और सुभिक्ष करता है । आगे सर्वज्ञ जगत नियन्ता जगदीश्वराधीन है, गो प्रजा भाग्य प्रबल है ।

लाभ - खर्च देखनें की विधि और फल - जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-खर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

॥ संवत् २०६६ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः ॥

अथ उपनयन मुहूर्त्ताः

सन२००९	चैत्र शुक्लपक्षः
अप्रे. ५	शु.११ रवौ आश्ले. अभिजिति
	बैशाख मासः
अप्रे. २९	शु.५ बुधे आर्द्रा ल. २।४
	ज्येष्ठ मासः
मई १०	कृ.१ रवौ अनु. अभिजिति
जून ४	शु.१२ गुरौ स्वात्यां अभिजिति
	आषाढ मासः
जून १०	कृ.३ बुधे पू.षा. ल. ३
जून १२	कृ.४ शुक्रे श्रवणे अभि.
जून २६	शु.४ शुक्रे आश्ले. अभिजिति
जुला. २	शु.११ गुरौ स्वात्यां अभिजिति
	श्रावण मासः
जुला.२७	शु.६ चंद्रे हस्ते ल. ९ (स्टैं.१५।५५ उप.)
	भाद्रपद मासः
अग. १०	कृ.४ चंद्रे उ.भा. ल. ९
अग. १५	कृ.९ शनौ रोहि. अभिजिति
	कार्तिक मासः
अक्टू.१९	शु.१ चंद्रे स्वात्यां लग्नाऽभावः
	मार्गशीर्ष मासः
नवं. १३	कृ.१२ शुक्रे हस्ते अभिजिति
नवं. १४	कृ.१३ शनौ चित्रा अभिजिति
	पोष मासः
दिसं. ११	कृ.१० शुक्रे चित्रा ल. २
दिसं. १२	कृ.११ शनौ चित्रा ल. ९
दिसं. १२	कृ.११ शनौ स्वाति अभिजिति
सन२०१०	फाल्गुन मासः
फर. ११	कृ.१३ गुरौ उ.षा. अभिजिति

अथ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः

सन२००९	ज्येष्ठ मासः
जून ४	शु.१२ गुरौ स्वात्यां अभिजिति
	श्रावण मासः
जुला.३१	शु.१० शुक्रे अनु. अभिजिति
	भाद्रपद मासः
अग. ७	कृ.१ शुक्रे शत. ल. ९
सितं. ४	शु.१५ शुक्रे शते. अभिजिति
	कार्तिक मासः
अक्टू.२८	शु.१० बुधे धनि. ल. ९
	मार्गशीर्ष मासः
दिसं. २	शु.१५ बुधे रोहि. ल. ९।११।१२

वृषचक्ररहिताः गेहारंभ (भूमिपूजन) मुहूर्त्ताः

सन२००९	बैशाख मासः
अप्रे. २०	कृ.१० चंद्रे धनि. अभिजिति (स्टैं. १२।०४ उप.)
अप्रे. २०	कृ.१० चंद्रे शत. ल. ५।६

अथ नूतन गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००९	बैशाख मासः
मई ७	शु.१३ गुरौ चित्रा ल. २
	ज्येष्ठ मासः
मई २०	कृ.११ बुधे उ.भा. ल. ३।५ (सिंहे शु. चं. मं. ८ दो.)
जून १	शु.९ चंद्रे उ.फा. अभि. (रि.ति.दो.)
सन२०१०	फाल्गुन मासः
फर. ११	कृ.१३ गुरौ उ.षा. अभिजिति

कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश(वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००९	बैशाख मासः
अप्रे. १७	कृ.८ शुक्रे उ.षा. अभिजिति
अप्रे. १८	कृ.८ शनौ उ.षा. ल. २ (स्टैं. ७।५२ या.)

अथ जीर्ण गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००९	बैशाख मासः
अप्रे. २०	कृ.१० चंद्रे शत. ल. ५
	ज्येष्ठ मासः
जून ४	शु.१२ गुरौ स्वात्यां अभिजिति
जून ५	शु.१३ शुक्रे स्वात्यां ल. ३ (स्टैं. ६।४९ या.)
	श्रावण मासः
जुला.२९	शु.८ बुधे स्वात्यां अभिजिति
	कार्तिक मासः
अक्टू.२८	शु.१० बुधे धनि. ल. ९
	मार्गशीर्ष मासः
नवं. २५	शु.८ बुधे शत. ल. ९।१२

कुंभचक्ररहिता जीर्णगृहप्रवेश(वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२००९	बैशाख मासः
अप्रे. २०	कृ.१० चंद्रे शत. ल. ५
	श्रावण मासः
जुला.१०	कृ.३ शुक्रे धनिष्ठा ल. ५ (स्टैं. ९।०३ या.)
	कार्तिक मासः
अक्टू.१९	शु.१ चंद्रे स्वात्यां अभिजिति
सन२०१०	फाल्गुन मासः
फर. १५	शु.१ चंद्रे शत. अभिजिति

अथ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः

सन२००९	बैशाख मासः
अप्रे. ३०	शु.६ गुरौ पुन. अभि.
	ज्येष्ठ मासः
मई १०	कृ.१ रवौ अनु. अभि.
जून ४	शु.१२ गुरौ स्वात्यां अभिजिति
	आषाढ मासः
जून १२	कृ.४ शुक्रे श्रवणेऽभिजिति
जून १४	कृ.६ रवौ शत. अभि. (मासान्तः)
जून २४	शु.२ बुधे पुन. ल. ६
जुला. १	शु.१० बुधे स्वात्यां ल. ६
जुला. २	शु.११ गुरौ स्वात्यां अभिजिति
जुला. ४	शु.१२ शनौ अनु. अभिजिति
	श्रावण मासः
जुला.१०	कृ.३ शुक्रे धनि. अभिजिति
जुला.१२	कृ.५ रवौ शत. अभिजिति
सन२०१०	फाल्गुन मासः
फर. १५	शु.१ चंद्रे शत. अभिजिति

॥ संवत् २०६६ मध्ये विवाह मुहूर्ताः ॥

सन्२००९	वैशाख कृष्णपक्षः
अप्रे. १७	८ भृगौ उषा. दिवा ल. २, रात्रौ अ.गोधूलि, ८।९।१२ रे. ९ IIIIIIIS! (मीने सोग्रांगः)
	वैशाख शुक्लपक्षः
अप्रे. २८	४ भौमे मृगे रात्रौ ल. ९।१२, रे. १० IIIIIIIIII (धनु. चं. ७ पू., मीनः सोग्रांगः)
मई ५	११ भौमे उफा. दिवा ल. ३।५, रात्रौ अ. गोधूलि ८ रे. ९ IIIIIISIII (मिथु. स्टैं. ९।३६ उप. सिंहः सोग्रांगः, वृश्चि बु. ७ दो.)
मई ७	१३ गुरौ स्वाती रात्रौ ल. ११।१२, रे. ९ IIIIIIISII (कुंभे श. ७ दो., मीनः सोग्रांगः)
	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः
मई १२	३ भौमे मूले. रात्रौ ल. गोधूलि, रे. १० IIIIIIIIII
मई १९	१० भौमे उभा. रात्रौ ल. १, रे. ८ IIIIIISSII
मई २०	११ बुधे उभा. दिवा ल. ५, रात्रौ अ. गो. ९ रे. ८ IIIIIISSII (सिं सोग्रांगः, गु. ७ पू.)
	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः
मई २६	२ भौमे मृगे दिवा ल. ५, रे. १० IIIIIIIIII (सोग्रांगः, गु. ७ पू.)
मई ३०	७ शनौ मघा दिवा ल.३,रात्रौ अ.गो.रे.७ IIIISISSII
मई ३१	८ रवौ उफा. रात्रौ ल. १, रे. ९ IIIIIISIII (सोग्रांगः ,स्टैं.२७।५६ उप.)
जून १	९ चंद्रे उफा. दिवा ३।५,रात्रौ गोधूलि, ९।१२ रे. ९ IIIIIISIII (सिंह सोग्रांगः गु.७ पू.,मीने चं.७ पू.)
जून २	१० भौमे हस्ते दिवा ल. ३।५, रे. ९ IIIIIIISII (सिं. सोग्रांगः, गु. ७ पू.)
जून ४	१२ गुरौ स्वाती दिवा ल. ३।५ रात्रौ अ. गो. ९।१२ रे. ८ SIIISIIIII (सिंहः सोग्रांगः गु. ७ पू.)
जून ६	१४ शनौ अनु. दिवा ल. ५ रात्रौ ९, रे. ८ IIIISIISII (सिं. सोग्रांगः गु. ७ पू. धन. स्टैं. २१।५७ यावत्)
	आषाढ कृष्णपक्षः
जून ८	९ चंद्रे मूले रात्रौ ल. गो. १२।१, रे. ८ IIIISIISII (मेषः सोग्रांगः)
जून ९	२ भौमे मूले दिवा ल. ३।५, रे. ८ IIIISIISII (मि. चं. ७ पू., सिं. सोग्रांगः गु. ७ पू.)
जून १७	९ बुधे रेवत्यां दिवा ल. ५, रात्रौ अ. गोधूलि, ११।१ रे. ९ IIIIIIISII (सिं. सोग्रांगः गु. ७ पू., रात्रौ कुंभे श. ७ दो., मेषः सोग्रांगः स्टैं. २७।३९ यावत्तदुपरान्त भद्रारंभः)
	आषाढ शुक्लपक्षः
जून २६	४ भृगौ मघा रात्रौ अ. गो. १।२, रे. ७ IIIISISSII (मेषः सोग्रांगः)
जून २८	६ रवौ उफा. रात्रौ ल. अ.गोधूलि, रे. ७ ISIIIISSII
जुला. १	१० बुधे स्वाती रात्रौ ल. गो. ११।१, रे. ९ IIIIIIISII (कुंभे श. ७ दो., मे. सोग्रांगः, चं. ७ पू.)
जुला. २	११ गुरौ स्वाती दिवा ल. ५, रे. ९ IIIIIIISII (सोग्रांगः गु.७ पू.)
जुला. ३	११ भृगौ अनु. रात्रौ ल.अ.गो.,१।११, रे.७ SSIISIIIII (कुंभे श. ७ दो.)

अग्रे चतुर्मासारंभः

	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः
नवं. २७	१० बुधे उभा. दिवा ल. ११।१, रात्रौ गोधूलि रे. ६ IIIISISSISद.
नवं. २७	१० बुधे उभा. रात्रौ ल. ४।५, रे. ७ IIIISISSII (कर्कः सोग्रांगः गु. ७ पू.)
दिसं. १	१४ भौमे रोहि. रात्रौ ल. ६, रे. ८ IIIISIISII (सोग्रांगः स्टैं. २६।३२ उपरान्त)
दिसं. २	१५ बुधे रोहि. दिवाल.११।१ रात्रौ ४, रे.८ IIIISIISII (कर्कः सोग्रांगः गु. ७ पू.)
	पौष कृष्णपक्षः
दिसं. ८	७ भौमे मघा दिवा ल. ११, रे. ७ ISIISISIII (चं.७पू.)
दिसं. १०	९ गुरौ हस्ते रात्रौ ल. अ. गो. ५, रे. ८ SIIIIIISII

अग्रे शुक्रास्तत्वादभावः तदुपरान्त गुरोरस्तः

भैरव भवानि संवाद

भैरंव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
छासठ संयत का कहो श्रीमुख से सब हाल ॥
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देस्वतां श्रेष्ठ जमानो होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये पांच अधिकार ।
रोहिणी वास समुद्र में वृष्टि बने अपार ॥
समय वास माली यहाँ मंदा करे व्यापार ।
अनाज पाणी हो घणा मंगल गावें नार ॥
रस कस में तेजी रहे व्यापारी हों खुशाल ।
वर्षा तेरह जाणियो प्रजा होसी निहाल ॥
नीरस .सस्याधिप गुरु मंदा अन्न बिकाय ।
गुरुचरणों का ध्यान धरुँ चित्त सदा लगाय ॥

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

सन्२००९	वैशाख शुक्लपक्षः
मई ६	१२ बुधे चित्रा रात्रौ ल. ९।११, रे. ८ IIIISISIII (धनुः स्टैं. २२।४९ उप.)
मई ७	१३ गुरौ चित्रा दिवा ल. २।५,रात्रौ ८, रे.८ IIIISISIII (सोग्रांगः सिंह, रात्रौ बु. ७ पू.)
	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः
मई १७	८ रवौ धनि. दिवा ल. ४, रात्रौ अ. गोधूलि रे. ७ SISगुIIIISII (कर्कः सोग्रांगः रा.७ दो.)
	आषाढ शुक्लपक्षः
जून ३०	९ भौमे चित्रा दिवाल.५ रात्रौ अ.गो.१,रे.९ IIIIIISIII (सिंहःसोग्रांगः,स्टैं.१०।०८ उप.,मेषः सोग्रांगःचं.७ पू.)
जुला. १	१० बुधे चित्रा दिवा लग्नाऽभावः रे. १० IIIIIIIIII (कर्के चिन्त्यम्)
	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः
नवं. २२	५ रवौ श्रवणे रात्रौ अः गो. ६, रे. १० IIIIIIIIII (कन्या सोग्रांगः)
नवं. २९	१२ रवौ अश्वि. दिवा ल. ११, रात्रौ अ. गोधूलि ४।५ रे. ७ SSIIIISIII (कर्कः सोग्रांगः)

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

चैत्र शुक्लपक्षं संवत् २०६६, शाकः १९३१, २७ मार्च से ९ अप्रेल तक नवलगढ चंद्रः | तारीख

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.
१	शु	३५	२१	२०	३८	रेव	५६	४५	२९	१२	ब्र	१५	१०	१२	३४	किं	६	४५	९	१२	३० २८	६ ३०	६ ४१	मेषे २९।१२	६	२९	२७
२	श	३१	५०	१९	१३	अश्वि	५४	३९	२८	२०	ऐ	९	४८	१०	२४	बा	३	४४	७	५८	३२	२९	४१	मेषे	७	३०	२८
३	र	२७	२९	१७	२७	भर	५१	५१	२७	१२	वै	३ ५७	४२ ०२	७ २९	५६ १६	ग	२७	२९	१७	२७	३६	२७	४२	मेषे	८	१	२९
४	सो	२२	३५	१५	२८	कृति	४८	३७	२५	५३	प्री	५०	०४	२६	२८	वि	२२	३५	१५	२८	४०	२६	४२	वृषे ८।५३	९	२	३०
५	मं	१७	२३	१३	२३	रोहि	४५	११	२४	३०	‹।।	४२	५७	२३	३६	बा	१७	२३	१३	२३	४४	२५	४३	वृषे	१०	३	३१
६	बु	१२	०५	११	१४	मृग	४१	४४	२३	०६	सौ	३५	४९	२०	४४	तै	१२	०५	११	१४	४८	२४	४३	मिथु. ११।४८	११	४	१
७	गु	६	५०	९	०७	आर्द्रा	३८	२३	२१	४४	शो	२८	४६	१७	५३	व	६	५०	९	०७	५२	२३	४४	मिथु.	१२	५	२
८	शु	१	४३	७	०३	पुन	३५	१३	२०	२७	अ	२१	५०	१५	०६	ब	१	४३	७	०३	५६	२२	४४	कर्के १४।४६	१३	६	३
९	शु	५६	४५	२९	०४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१०	श	५२	०३	२७	१०	पुष्य	३२	१५	१९	१५	सु	१५	०५	१२	२३	तै	२४	२३	१६	०६	३१ ००	२१	४५	कर्के	१४	७	४
११	र	४७	३९	२५	२३	श्ले	२९	३४	१८	०९	धृ	८	३३	९	४५	व	१९	५१	१४	१६	०४	२०	४५	सिंहे १८।०९	१५	८	५
१२	सो	४३	३९	२३	४६	मघा	२७	१४	१७	१२	शू	२ ५६	१५ १५	७ २८	१३ ४९	ब	१५	३७	१२	३३	०८	१९	४६	सिंहे	१६	९	६
१३	मं	४०	०९	२२	२१	पूफा	२५	२२	१६	२६	वृ	५०	४६	२६	३६	कौ	११	५१	११	०२	१२	१८	४६	कन्या २२।१७	१७	१०	७
१४	बु	३७	२३	२१	१४	उफा	२४	०९	१५	५६	ध्रु	४५	५३	२४	३८	ग	८	४१	९	४५	१६	१६	४७	कन्या	१८	११	८
१५	गु	३५	३२	२०	२८	हस्त	२३	४९	१५	४७	व्या	४१	४६	२२	५८	वि	६	२१	८	४८	२०	१५	४७	तुला. २७।५२	१९	१२	९

वसंतर्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः ६२००, मार्च-अप्रेल २००९

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

शुक्रोदयः

नवरात्रारम्भः, घटस्था., [शुक्रोदयः पूर्वस्याम् २८।१२] C
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे
भ. २८।२९ उ., गणगौरी पूजा, अरुन्धती व्रतं पूजनञ्च, मन्वादि, A
भ.१५।२८ या. [A मत्स्योत्पत्तिः,मनोरथ तृतीयाव्र.,सौभाग्यशयनव्र., E
कल्पादि, डोलोत्सवः, स्कन्द षष्ठी व्र., रेव. रविः १०।४७ F
अप्रेल ४ ता. ३०, पूभा. भौमः २९।२३ [E शिवशक्तिपू.,रविलास्सर ४
भ. ९।०७ उ. २०।०४ या., भवान्युत्पत्तिः, अशोककलिका प्राशनं
श्री रामनवमी [F (सौरः १२।४७), रेव. बुधः ९।४४
[C ध्वजारो., पंचकसमाप्तिः २९।१२, आरोग्य १,विद्या १, कल्पादि
[D अश्वमेधयज्ञफलं, धनि.-२ गुरुः १६।२९
भ. १४।१६ उ. २५।२३ या., कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः
हरि दमनोत्सवः, पातस्पर्शः १४।३७, मोक्षः १८।३५, मेंषे अश्वि. G
प्रदोषः, जैन महावीर जयंती, शिव पूजन विशेषः [G बुधः २०।५२
भ. २१।१४ उ. [B वैशाख स्नानारंभः, चित्रान्नदानं भक्षणञ्च, D
भ. ८।४८ या., मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, B

अयनांशाः २३।५८।२३
५१ पं. चै.शु. ३ र. इष्टघटी २८।४७
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	१०	११	९	११	४	९	११
१४	१७	१३	२४	१२	२३	१२	१४
५९	१६	१९	४०	०९	००	१९	५४
१२	५९	०८	१०	१६	२९	२६	१२
५९	४६	१२व	११	३८	४	३	५९
१७	५५	५३	२५	३३	१३	११	१९
उभा	श	उभा	ध	उभा	पूफा	श्र	उभा
४	४	३	१	३व	३व	१	४



मार्च रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२७	शु	११	१२	३२	०१	५९	२२	२	३५	३०	१८	६	४१	६	४८	३०	२२	५	३७	५	४६
२८	श	११	१३	३१	२४	५९	२०	२	५८	३०	२१	६	४०	६	४८	३०	२५	५	३६	५	४६
२९	र	११	१४	३०	४४	५९	१८	३	२२	३०	२३	६	३९	६	४८	३०	२८	५	३६	५	४७
३०	चं	११	१५	३०	०२	५९	१६	३	४५	३०	२६	६	३८	६	४९	३०	३१	५	३५	५	४७
३१	मं	११	१६	२९	१८	५९	१४	४	०९	३०	२९	६	३७	६	४९	३०	३५	५	३४	५	४७
१	बु	११	१७	२८	३३	५९	१२	४	३२	३०	३१	६	३६	६	४९	३०	३८	५	३३	५	४८
२	गु	११	१८	२७	४५	५९	१०	४	५५	३०	३४	६	३६	६	४९	३०	४१	५	३२	५	४८
३	शु	११	१९	२६	५५	५९	०८	५	१८	३०	३७	६	३५	६	४९	३०	४४	५	३१	५	४८
४	श	११	२०	२६	०३	५९	०६	५	४१	३०	३९	६	३४	६	५०	३०	४७	५	३०	५	४९
५	र	११	२१	२५	०९	५९	०४	६	०४	३०	४२	६	३३	६	५०	३०	५१	५	२९	५	४९
६	चं	११	२२	२४	१३	५९	०२	६	२६	३०	४४	६	३२	६	५०	३०	५४	५	२८	५	५०
७	मं	११	२३	२३	१४	५९	००	६	४९	३०	४७	६	३२	६	५०	३०	५७	५	२७	५	५०
८	बु	११	२४	२२	१४	५८	५८	७	१२	३०	५०	६	३१	६	५१	३१	००	५	२६	५	५०
९	गु	११	२५	२१	१२	५८	५६	७	३४	३०	५२	६	३०	६	५१	३१	०३	५	२५	५	५१

मास फलम्

इस पक्ष में प्रतिपदा को शुक्र होने से सुभिक्ष हो। पूर्णिमा हस्त युक्त होने से समर्घता हो। रेवती में बुध होने से श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों। पूर्वा भाद्रपद पर मंगल होने से तिल, वस्त्र, कपास, सुपारी आदि महँगे हो। अश्विनी में बुध होने से जौ गेहूँ में रोग हो। ईख, दूध, रस और घी अदि सस्ते हों। मीन राशि में शुक्रोदय होने से संसार में सुख तथा सुभिक्ष हो। चैत्र में शुक्रोदय होने से उपद्रव अधिक हों।

अयनांशाः २३।५८।२४
५२ पं. चै.शु.११ र. इष्टघटी २९।०६
(रेल्वे घं. मि. १७।५८)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	१०	११	९	११	४	९	११
२१	२२	२७	२५	०८	२२	११	२१
५३	४५	४०	५८	०३	३२	५७	४८
३०	११	३०	१२	४६	०८	११	३९
५९	४६	१२४	१०	२८	३	३	५९
०३	५०	३१	४६	३३	४८	११	०३
रे	पूभा	रे	ध	उभा	पूफा	श्र	रे
२	१	४	१	२व	३व	१	२



वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, १० अप्रेल से २५ अप्रेल तक नवलगढ																								चंद्रः		तारीख			वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति महा., अप्रेल २००९
ति.	वा.	घ.	प.	घ.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	गु	३४	५२	२०	११	चित्रा	२४	३५	१६	०४	ह	३८	३७	२१	४१	बा	५	०५	८	१६	३१ २४	६ १४	६ ४८	तुला.		२०	१३	१०	बुधोदयः पश्चिमायाम् १५।३७
२	श	३५	३४	२०	२७	स्वा	२६	४०	१६	५३	व	३६	३२	२०	५०	तै	५	०३	८	१४	२८	१३	४९	तुला.		२१	१४	११	[A मोक्षः २८।४७, सायन वृषे भानुः २७।५९, उभा. भौमः ८।०३
३	र	३७	४६	२१	१९	विशा	३०	११	१८	१७	सि	३५	३८	२०	२७	व	६	२९	८	४८	३२	१२	४९	वृश्चि.	११।५२	२२	१५	१२	भ. ८।४८ उ. २१।१९ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।४३
४	सो	४१	३०	२२	४७	अनु	३५	१२	२०	१६	व्य	३५		२०	३३	ब	९	२८	९	५९	३६	११	५०	वृश्चि.		२३	१६	१३	अनुसूया जयंती, मेषे अश्वि. रविः २४।०७ (सौरः २६।०८), भर. B
५	मं	४६	३६	२४	४९	ज्ये	४१	३३	२२	४७	व	३७	१६	२१	०५	कौ	१३	५६	११	४४	४०	१०	५०	धनु.	२२।४७	२४	१७	१४	मीने भौमः २५।०७
६	बु	५२	४४	२७	१५	मूल	४८	५५	२५	४३	प	३९	२६	२१	५६	ग	१९	३६	१४	००	४४	०९	५१	धनु.		२५	१८	१५	भ. २७।१५ उ. [B बुधः ११।५७
७	गु	५९	११	२९	५२	पूषा	५६	४४	२८	५०	शि	४२	०३	२२	५७	वि	२६	०२	१६	३३	४८	०८	५१	धनु.		२६	१९	१६	भ. १६।३३ या.
८	शु	...	...	...	...	उषा	...	...	...	...	सि	४४	३७	२३	५८	बा	३२	३४	१९	०९	५१	०७	५२	मक.	११।३६	२७	२०	१७	बूढो बारयोड़ो
८	श	५	४०	८	२२	उषा	४	२४	७	५२	सा	४६	३९	२४	४६	कौ	५	४०	८	२२	५५	०६	५२	मक.		२८	२१	१८	मार्गी शुक्रः १३।२०
९	र	११	०५	१०	३१	श्रव	११	१०	१०	३३	शु	४७	४३	२५	११	ग	११	०५	१०	३१	५९	०५	५३	कुंभे	२३।४२	२९	२२	१९	भ. २३।२३ उ., पंचक प्रारम्भः २३।४२, पातस्पर्शः २४।०४, A
१०	सो	१५	००	१२	०४	धनि	१६	३१	१२	४१	शु	४७	२९	२५	०४	वि	१५	००	१२	०४	३२ ०३	०४	५३	कुंभे		३०	२३	२०	भ. १२।०४ या.
११	मं	१७	०७	१२	५४	शत	२०	०६	१४	०६	ब	४५	४७	२४	२२	बा	१७	०७	१२	५४	०७	०३	५४	कुंभे		१	२४	२१	वरुथिनि ११ व्र., भा. बैशाखारंभः, कृत्ति. बुधः १२।४८
१२	बु	१७	१६	१२	५७	पूभा	२१	४८	१४	४५	ऐ	४२	३३	२३	०४	तै	१७	१६	१२	५७	१०	०२	५४	मीने	८।४०	२	२५	२२	प्रदोषः
१३	गु	१५	३३	१२	१४	उभा	२१	३९	१४	४१	वै	३७	५२	२१	१०	व	१५	३३	१२	१४	१४	०१	५५	मीने		३	२६	२३	भ. १२।१४ उ. २३।३७ या., मासिकशिवरात्री व्र., वृषे बुधः २७।४१
१४	शु	१२	०६	१०	५१	रेव	१९	५०	१३	५७	वि	३१	५३	१८	४६	श	१२	०६	१०	५१	१८	००	५६	मेषे	१३।५७	४	२७	२४	पंचक समाप्तिः १३।५७, पितृकार्येऽमा.
३०	श	७	१५	८	५४	अश्वि	१६	४१	१२	४०	प्री	२४	५३	१५	५७	ना	७	१५	८	५४	२१	००	५६	मेषे		५	२८	२५	देवकार्येऽमा.

अयनांशाः २३।५८।२५
१ पं. बै.कृ. ४ सो. इष्टघटी ४४।५०
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	१०	०	९	११	४	९	११
००	२९	१४	२७	०५	२२	११	२९
००	५३	१७	२३	१७	०२	३०	५५
००	२२	४९	५८	१७	५४	५६	०३
५८	४६	१११	९	८	३	३	५८
४६	४१	१३	५३	४७	११	११	४४
अ	पूभा	म	ध	उभा	पूफा	श्र	रे
१	३	१	२	१व	३व	१	४



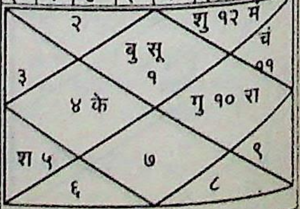
अप्रेल रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१०	शु	११	२६	२०	०८	५८	५४	७	५६	३०	५५	६	२९	६	५१	३१	०६	५	२४	५	५१
११	श	११	२७	११	०५	५८	५२	८	१८	३०	५७	६	२८	६	५१	३१	०९	५	२४	५	५१
१२	र	११	२८	१७	५३	५८	५०	८	४०	३१	००	६	२८	६	५२	३१	१३	५	२३	५	५२
१३	चं	११	२९	१६	४३	५८	४८	९	०२	३१	०३	६	२७	६	५२	३१	१६	५	२२	५	५२
१४	मं	०	००	१५	३१	५८	४६	९	२४	३१	०५	६	२६	६	५२	३१	१९	५	२१	५	५२
१५	बु	०	०१	१४	१६	५८	४४	९	४५	३१	०८	६	२५	६	५२	३१	२२	५	२०	५	५३
१६	गु	०	०२	१३	००	५८	४२	१०	०७	३१	१०	६	२५	६	५३	३१	२५	५	१९	५	५३
१७	शु	०	०३	११	४२	५८	४०	१०	२८	३१	१३	६	२४	६	५३	३१	२८	५	१८	५	५३
१८	श	०	०४	१०	२१	५८	३८	१०	४९	३१	१५	६	२३	६	५३	३१	३१	५	१८	५	५४
१९	र	०	०५	०८	५९	५८	३६	११	१०	३१	१८	६	२२	६	५३	३१	३४	५	१७	५	५४
२०	चं	०	०६	०७	३५	५८	३४	११	३०	३१	२०	६	२२	६	५४	३१	३७	५	१६	५	५५
२१	मं	०	०७	०६	०९	५८	३२	११	५१	३१	२२	६	२१	६	५४	३१	४०	५	१५	५	५५
२२	बु	०	०८	०४	४१	५८	३०	१२	११	३१	२५	६	२०	६	५४	३१	४३	५	१४	५	५५
२३	गु	०	०९	०३	११	५८	२८	१२	३१	३१	२७	६	२०	६	५५	३१	४६	५	१४	५	५६
२४	शु	०	१०	०१	४०	५८	२६	१२	५१	३१	३०	६	१९	६	५५	३१	४८	५	१३	५	५६
२५	श	०	११	००	०६	५८	२४	१३	११	३१	३२	६	१८	६	५५	३१	५१	५	१२	५	५७

संक्रांति फलम्

ता. १३ अप्रेल २००९
बैशा. कृ. ४ चंद्रे मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २४।०७ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्टान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित्कंचुकी गतालिकावस्था (उभी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १८।०७ [illegible] तक । (दान- मेष) ।

अयनांशाः २३।५८।२६
२ पं. बै.कृ.१० सो. इष्टघटी ४५।०७
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	११	०	९	११	४	९	०
०६	०४	२५	२८	०५	२१	११	०६
५०	३७	५६	३०	०७	४२	०८	४५
४२	४३	१४	४५	२५	२१	४१	२५
५८	४६	८२	९	८	२	३	५८
३३	३२	३५	०४	०२	३५	११	२८
अ	उभा	भ	ध	उभा	पूफा	श्र	अ
३	१	४	२	१	३व	१	३



वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, २६ अप्रेल से ९ मई तक नवलगढ़																							चंद्रः	तारीख			ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ६२३०, अप्रेल-मई २००९
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	र	१	२२	६	३१	भर	१२	३३	११	००	आ	१७	०७	१२	५०	ब	१	२२	६	३१	३२ २५	५ ५९	६ ५७	वृषे १६।३२	६	२९	२६	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), शिवाजी जयंती
२	र	५४	४५	२७	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	|A जमादिलावल ५, भर. रविः १५।५८ (सौरः १८।२२)
३	सो	४७	५३	२५	०७	कृति	७	५०	९	०६	सौ	८	५४	९	३२	तै	२१	२२	१४	३०	२८	५८	५७	वृषे	७	१	२७	अक्षय तृतीया, युगादि, कल्पादि, परशुराम जयंती, A
४	म	४१	०४	२२	२३	रोहि	२ ५८	५४ ०४	७ २९	०७ ११	शो	० ५२	३२ १३	६ २६	१० ५०	व	१४	२९	११	४५	३२	५७	५८	मिथु. १८।०८	८	२	२८	भ. ११।४५ उ. २२।२३ या., अगस्त्यास्तः ७।२८
५	बु	३४	३४	१९	४६	आर्द्रा	५३	३९	२७	२४	सु	४४	१४	२३	३८	व	७	४७	९	०३	३६	५६	५८	मिथु.	९	३	२९	श्री आद्यशंकराचार्य जयंती
६	गु	२८	३५	१७	२१	पुन	४९	४९	२५	५१	धृ	३६	४२	२०	३६	कौ	१	३१	६	३२	३९	५५	५९	कर्के २०।१३	१०	४	३०	श्री रामानुज जयंती
७	शु	२३	१४	१५	१२	पुष्य	४६	४०	२४	३४	शू	२९	४३	१७	४८	व	२३	१४	१५	१२	४२	५४	५९	कर्के	११	५	१	भ. १५।१२ उ. २६।१४ या., गंगोत्पत्ति, मई ५ ता. ३१, C
८	श	१८	३७	१३	२०	श्ले	४४	१५	२३	३६	गं	२३	२०	१५	१३	ब	१८	३७	१३	२०	४६	५४	७ ००	सिंहे २३।३६	१२	६	२	पातमोक्षः १०।२६
९	र	१४	४५	११	४७	मघा	४२	३५	२२	५५	वृ	१७	३४	१२	५४	कौ	१४	४५	११	४७	४९	५३	०१	सिंहे	१३	७	३	सीता ९
१०	सो	११	४०	१०	३२	पूफा	४१	४३	२२	३३	ध्रु	१२	२५	१०	५०	ग	११	४०	१०	३२	५३	५२	०१	कन्या २८।३१	१४	८	४	भ. २२।०२ उ. |C पातस्पर्शः २९।४८, कुंभे धनि.-३ गुरुः १३।५४
११	मं	९	२३	९	३६	उफा	४१	३८	२२	३१	व्या	७	५५	९	०१	वि	९	२३	९	३६	५६	५१	०२	कन्या	१५	९	५	भ. ९।३६ या., मोहिनी ११ व्र.
१२	बु	७	५६	९	०१	हस्त	४२	२६	२२	४९	ह	४	०५	७	२९	बा	७	५६	९	०१	५९	५१	०२	कन्या	१६	१०	६	प्रदोषः, रेव. भौमः १४।२६
१३	गु	७	२३	८	४७	चित्रा	४४	१०	२३	३०	व	० ५८	५९ ३८	६ २९	१३ १७	तै	७	२३	८	४७	३३ ०२	५०	०३	तुला. ११।०६	१७	११	७	नृसिंह १४, टैगोर जयन्ती, वक्री बुधः २१।३३
१४	शु	७	५०	८	५७	स्वा	४६	५५	२४	३५	व्य	५७	०९	२८	४१	व	७	५०	८	५७	०६	४९	०३	तुला.	१८	१२	८	भ. ८।५७ उ. २१।१२ या., कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमा व्रतं
१५	श	९	२१	९	३३	विशा	५०	४६	२६	०७	व	५६	३२	२८	२५	बं	९	२१	९	३३	०९	४९	०४	वृश्चि. १९।४१	१९	१३	९	पूर्णिमा पुण्यं, बैशाखस्नानपूर्तिः धर्म प्रीत्यर्थं जलकुंभदानं

अयनांशाः २३।५८।२७
३ प. वै.शु. ३ सो. इष्टघटी ४५।२३
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	११	१	९	११	४	९	०
१३	१०	०३	२९	०६	२१	१०	१३
३९	०२	५२	३१	४७	२६	४६	३३
५१	४९	४०	३०	४२	१०	२५	५७
५८	४६	४८	८	२२	१	३	५८
१९	२०	००	०९	०६	५६	११	१३
भ	उभा	कृ	घ	उभा	पूफा	श्र	भ
१	३	३	२	२	३व	१	१



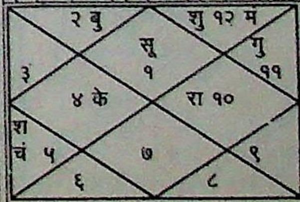
अप्रेल रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२६	र	०	११	५८	३०	५८	२३	१३	३०	३१	३४	६	१८	६	५६	३१	५४	५	११	५	५७
२७	चं	०	१२	५६	५३	५८	२१	१३	५०	३१	३७	६	१७	६	५६	३१	५७	५	११	५	५७
२८	मं	०	१३	५५	१४	५८	१९	१४	०९	३१	३९	६	१७	६	५६	३२	००	५	१०	५	५८
२९	बु	०	१४	५३	३३	५८	१७	१४	२७	३१	४१	६	१६	६	५६	३२	०३	५	०९	५	५८
३०	गु	०	१५	५१	५०	५८	१५	१४	४६	३१	४४	६	१५	६	५७	३२	०५	५	०८	५	५९
१	शु	०	१६	५०	०५	५८	१४	१५	०४	३१	४६	६	१५	६	५७	३२	०८	५	०८	५	५९
२	श	०	१७	४८	१९	५८	१२	१५	२२	३१	४८	६	१४	६	५७	३२	११	५	०७	५	५९
३	र	०	१८	४६	३१	५८	१०	१५	४०	३१	५०	६	१४	६	५८	३२	१३	५	०७	६	००
४	चं	०	१९	४४	४१	५८	०८	१५	५७	३१	५२	६	१३	६	५८	३२	१६	५	०६	६	००
५	मं	०	२०	४२	४९	५८	०७	१६	१५	३१	५४	६	१३	६	५८	३२	१९	५	०५	६	०१
६	बु	०	२१	४०	५६	५८	०५	१६	३२	३१	५७	६	१२	६	५९	३२	२१	५	०५	६	०१
७	गु	०	२२	३९	०१	५८	०३	१६	४८	३१	५९	६	१२	६	५९	३२	२४	५	०४	६	०२
८	शु	०	२३	३७	०४	५८	०२	१७	०५	३२	०१	६	११	६	५९	३२	२६	५	०४	६	०२
९	श	०	२४	३५	०६	५८	००	१७	२१	३२	०३	६	११	७	००	३२	२९	५	०३	६	०२

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा- प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे॥ पांच शनिवार होने से महँगाई हो । कृ. चतुर्दशी शुक्रवार होने से पृथ्वी पर अन्नोत्पत्ति उत्तम हो । वैशाखी शनिवारी अमावस को अश्विनी होने से महर्घ-समर्घ मध्यम हो । शुक्ला तृतिया को कृतिका होने से मध्यम वर्ष जानना । शुक्ला पंचमी को बुधवार होने से पवन अधिक चले । शुक्लाष्टमी को शनिवार होने से जल शोष, प्रजापीड़ित और राजनीति में हलचल हो । वैशाख शुक्ल नौमी को मघा होने से पृथ्वी पर कष्ट हो । शुक्ला चतुर्दशी को शुक्रवार होने से पृथ्वी पर अन्नोत्पत्ति उत्तम हो । पूर्णिमा शनिवार और विशाखा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो ।

अयनांशाः २३।५८।२९
४ पं. वै.शु.१० सो. इष्टघटी ४५।३८
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	११	१	१०	११	४	९	०
२०	१५	०७	००	०९	२१	१०	२०
२७	२६	३६	२५	५६	१४	२४	२०
२९	२६	०४	३९	५१	४३	१०	४५
५८	४६	१०	७	३३	१	३	५७
०७	०६	०७	१०	०१	१४	११	५९
भ	उभा	कृ	घ	उभा	पूफा	श्र	भ
३	४	४	३	२	३व	१	३

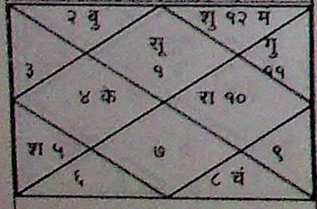


ज्येष्ट कृष्णपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, १० मई से २४ मई तक — नवलगढ — चंद्रः — तारीख — ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति महा., मई २००९

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	र	१२	०२	१०	३७	अनु	५५	४५	२८	०६	प	५६	५१	२८	३२	कौ	१२	०२	१०	३७	३३ १२	५ ४८	७ ०५	वृश्चि.		२०	१४	१०	बुधास्तः पश्चिमायाम् २४।३३
२	सो	१५	५३	१२	०८	ज्ये	...	...	...	...	शि	५८	०३	२९	००	ग	१५	५३	१२	०८	१५	४७	०५	वृश्चि.		२१	१५	११	भ. २५।०४ उ., नारद जयंती, वीणादानं, कृत्ति. रविः १०।०९ C
३	मं	२०	५०	१४	०७	ज्ये	१	५२	६	३१	सि	...	...	...	...	वि	२०	५०	१४	०७	१८	४७	०६	धनु.	६।३१	२२	१६	१२	भ. १४।०७ या., अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१४, उषा.-४ B
४	बु	२६	४४	१६	२७	मूल	८	५५	९	२०	सि	०	०३	५	४७	बा	२६	४४	१६	२७	२१	४६	०६	धनु.		२३	१७	१३	[B राहुः १४।२९, पुष्ये-२ केतुः १४।२९
५	गु	३३	१०	१९	०२	पूषा	१६	३७	१२	२४	सा	२	३४	६	४७	तै	३३	१०	१९	०२	२४	४५	०७	मक.	१९।११	२४	१८	१४	वृषे रविः २१।०२ (सौरः २४।३०)
६	शु	३९	३८	२१	३६	उषा	२४	२९	१५	३२	शु	५	२०	७	५३	ग	६	२८	८	२०	२६	४५	०७	मक.		२५	१९	१५	भ. २१।३६ उ., पातस्पर्शः १३।२१, मोक्षः १९।४१, रेव. शुक्रः १०।३२
७	श	४५	३०	२३	५६	श्रव	३१	५५	१८	३०	शु	७	५२	८	५३	वि	१२	४२	१०	४२	२९	४४	०८	मक.		२६	२०	१६	भ. १०।४९ या. [C (सौरः १३।२१)
८	र	५०	०८	२५	४७	धनि	३८	१६	२१	०२	ब्र	९	४४	९	३७	बा	१८	०१	१२	५६	३२	४४	०९	कुंभे	७।५०	२७	२१	१७	पंचक प्रारम्भः ७।५०, मार्गी शनिः २२।३८
९	सो	५३	००	२६	५५	शत	४३	०१	२२	५६	ऐ	१०	३०	९	५५	तै	२१	४८	१४	२७	३५	४३	०९	कुंभे		२८	२२	१८	[A भाऊका ३०, वट सावित्री व्र. (मरु.)
१०	मं	५३	५०	२७	१५	पूभा	४५	४९	२४	०३	वै	९	५०	९	३९	व	२३	४१	१५	११	३७	४३	१०	मीने	१७।५०	२९	२३	१९	भ. १५।११ उ. २७।१५ या.
११	बु	५२	३२	२६	४३	उभा	४६	३३	२४	१९	वि	७	३२	८	४३	ब	२३	२७	१५	०५	४०	४२	१०	मीने		३०	२४	२०	अपरा ११ व्र., सायन मिथुने भानुः २७।०९
१२	गु	४९	१२	२५	२३	रेव	४५	१४	२३	४८	प्री	३ ५७	३३ ५६	७ २८	०७ ५२	कौ	२१	०७	१४	०१	४२	४२	११	मेषे	२३।४८	३१	२५	२१	पंचक समाप्तिः २३।४८
१३	शु	४४	०४	२३	१९	अश्वि	४२	०८	२२	३३	सौ	५०	५६	२६	०४	ग	१६	५१	१२	२६	४५	४२	११	मेषे		१	२६	२२	भ. २३।१९ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., भा. ज्येष्ठारंभः
१४	श	३७	३१	२०	४१	भर	३७	३५	२०	४३	शो	४२	४७	२२	४८	वि	१०	५७	१०	०४	४७	४१	१२	वृषे	२६।११	२	२७	२३	भ. १०।०४ या., मेषे अश्वि. भौमः २६।३०
३०	र	२९	५६	१७	३९	कृति	३२	००	१८	२९	अ	३३	४८	१९	१२	च	३	५०	७	१३	४९	४१	१२	वृषे		३	२८	२४	शनैश्चर जयन्ती, देवपितृकार्येऽमा., बटपूजनम् मरुस्थले, A

अयनांशाः २३।५८।३०
५ पं. ज्ये.कृ. २ सो. इष्टघटी ४५।५०
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	म.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	११	१	१०	११	४	९	०
२७	२०	०६	०१	१४	२१	१०	२७
५३	४८	५९	१२	१४	०८	०१	०५
४४	२०	२२	३९	०५	१४	५५	५६
५७	४५	२३	६	४१	०	३	५७
५६	५०	१७	०६	१७	३१	११	४५
कृ	रे	कृ	ध	उभा	पूफा	श्र	कृ
१	२	४व	३	४	३व	१	१



मई	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१० र	०	२५	३३	०६	५७	५८	१७	३७	३२	०५	६	१०	७	००	३२	३१	५	०२	६	०३
११ चं	०	२६	३१	०५	५७	५७	१७	५२	३२	०७	६	१०	७	०१	३२	३३	५	०२	६	०३
१२ मं	०	२७	२९	०१	५७	५५	१८	०८	३२	०९	६	०९	७	०१	३२	३६	५	०१	६	०४
१३ बु	०	२८	२६	५७	५७	५४	१८	२३	३२	११	६	०९	७	०१	३२	३८	५	०१	६	०४
१४ गु	०	२९	२४	५१	५७	५२	१८	३७	३२	१२	६	०९	७	०२	३२	४०	५	०१	६	०५
१५ शु	१	००	२२	४३	५७	५१	१८	५२	३२	१४	६	०८	७	०२	३२	४३	५	००	६	०५
१६ श	१	०१	२०	३४	५७	४९	१९	०६	३२	१६	६	०८	७	०२	३२	४५	५	००	६	०६
१७ र	१	०२	१८	२३	५७	४८	१९	१९	३२	१८	६	०८	७	०३	३२	४७	४	५९	६	०६
१८ चं	१	०३	१६	११	५७	४६	१९	३३	३२	२०	६	०७	७	०३	३२	४९	४	५९	६	०७
१९ मं	१	०४	१३	५७	५७	४५	१९	४६	३२	२१	६	०७	७	०४	३२	५१	४	५९	६	०७
२० बु	१	०५	११	४३	५७	४४	१९	५८	३२	२३	६	०७	७	०४	३२	५३	४	५८	६	०७
२१ गु	१	०६	०९	२६	५७	४२	२०	११	३२	२४	६	०६	७	०४	३२	५५	४	५८	६	०८
२२ शु	१	०७	०७	०९	५७	४१	२०	२३	३२	२६	६	०६	७	०५	३२	५७	४	५८	६	०८
२३ श	१	०८	०४	५०	५७	४०	२०	३४	३२	२८	६	०६	७	०५	३२	५९	४	५७	६	०९
२४ र	१	०९	०२	३०	५७	३८	२०	४६	३२	२९	६	०६	७	०५	३३	०१	४	५७	६	०९

संक्रांति फलम्

ता. १४ मई २००९
ज्ये. कृ. ५ गुरौ वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २१।०२ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लौहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (वैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १४।३८ से २१।०२ तक (दान- गौ) ।

अयनांशाः २३।५८।३१
६ पं. ज्ये.कृ. ९ सो. इष्टघटी ४६।००
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	११	१	१०	११	४	९	१
०३	२६	०३	०१	१९	२१	०९	०३
५८	०८	२५	५१	२२	०६	३९	४९
४३	१७	२३	५६	४४	४८	३९	३६
५७	४५	३४	४	४७	०	३	५७
४५	३२	५१	५७	३१	१३	११	३३
कृ	रे	कृ	ध	रे	पूफा	उषा	कृ
३	३	३व	३	१	३	४	३



ज्येष्ट शुक्लपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, २५ मई से ७ जून तक नवलगढ चंद्रः तारीख

ग्रीष्मर्त्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ६२५९, मई-जून २००९

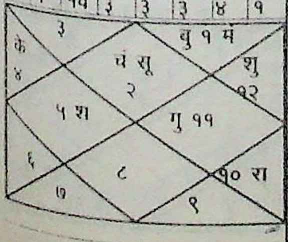
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प:	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	सो	२१	४३	१४	२२	रोहि	२५	४९	१६	००	सु	२४	२१	१५	२५	ब	२१	४३	१४	२२	३३ ५१	५ ४०	७ १३	मिथु. २६।४३	४	२९	२५	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्री गंगादशाश्वमेधस्नान प्रा., भाऊका-, A
२	मं	१३	२१	११	००	मृग	१९	२८	१३	२७	धृ	१४	४६	११	३४	कौ	१३	२१	११	००	५४	४०	१३	मिथु.	५	१	२६	रंभा व्रतं, जमादिलास्सर ६
३	बु	५	०९	७	४३	आर्द्रा	१३	२२	११	००	शू	५ ५६	२१ २१	७ २८	४८ १२	ग	५	०९	७	४३	५६	४०	१४	कर्क २७।१९	६	२	२७	भ. १८।०९ उ. २८।३९ या., प्रताप जयंती, पातस्पर्शः २७।१४
४	बु	५७	२७	२८	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A करिदिनरोहि. रविः ६।२४ (सौरः १०।४७), D
५	गु	५०	३५	२५	५३	पुन	७	५०	८	४७	वृ	४८	०१	२४	५२	ब	२३	५४	१५	१३	५८	३९	१५	कर्के	७	३	२८	पातमोक्षः ९।१९ [D (व) मेषे बुधः १७।१२
६	शु	४४	४१	२३	३२	पुष्य	३ ५९	०८ २८	६ २९	५५ २७	ध्रु	४०	३१	२१	५२	कौ	१७	३०	१२	३९	३४ ००	३९	१५	सिंहे २९।२७	८	४	२९	[C १३।१९, मार्गी बुधः २६।४०, मेषे अश्वि. शुक्रः १०।०२
७	श	३९	५५	२१	३७	मघा	५६	५९	२८	२७	व्या	३३	५६	१९	१३	ग	१२	१०	१०	३१	०२	३९	१६	सिंहे	९	५	३०	भ. २१।३७ उ.
८	र	३६	२३	२०	१२	पूफा	५५	४४	२७	५६	ह	२८	२१	१६	५९	वि	८	०१	८	५१	०३	३९	१६	सिंहे	१०	६	३१	भ. ८।५१ या., दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती, बुधोदयः पूर्वस्याम् C
९	सो	३४	०८	१९	१८	उफा	५५	४४	२७	५६	व	२३	४७	१५	०९	बा	५	०६	७	४१	०५	३९	१७	कन्या ९।५३	११	७	१	जून ६ ता. ३०
१०	मं	३३	०७	१८	५३	हस्त	५६	५८	२८	२६	सि	२०	१४	१३	४४	तै	३	२८	७	०२	०७	३८	१७	कन्या	१२	८	२	गंगा दशहरा व्र.
११	बु	३३	२१	१८	५९	चित्रा	५९	२४	२९	२४	व्य	१७	४१	१२	४३	व	३	०६	६	५३	०८	३८	१८	तुला. १६।५१	१३	९	३	भ. ६।५३ उ. १८।५९ या., निर्जला ११ व्र.
१२	गु	३४	४६	१९	३३	स्वा	...	...	...	...	व	१६	०५	१२	०४	ब	३	५५	७	१२	१०	३८	१८	तुला.	१४	१०	४	[B व्र., कबीर जयंती, ज्येष्ठी योगः, मृगे रविः २८।१८
१३	शु	३७	१८	२०	३३	स्वा	२	५८	६	४९	प	१५	२१	११	४६	कौ	५	५५	८	००	११	३८	१८	वृश्चि. २६।०९	१५	११	५	प्रदोषः, वट सावित्री व्रतारंभः
१४	श	४०	४९	२१	५७	विशा	७	३३	८	३९	शि	१५	२७	११	४९	ग	८	५६	९	१२	१२	३८	१९	वृश्चि.	१६	१२	६	भ. २१।५७ उ., वृषे बुधः ६।२२
१५	र	४५	१५	२३	४४	अनु	१३	०४	१०	५२	सि	१६	१५	१२	०८	वि	१२	५६	१०	४८	१४	३८	१९	वृश्चि.	१७	१३	७	भ. १०।४८ या., मन्वादि, गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, अब्द साध्य B

अयनांशाः २३।५८।३२

७ प. ज्ये.शु. १ सो. इष्टघटी ४६।०७

(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श	रा.	सौर
१	०	०	१०	११	४	९	१
१०	०१	२९	०२	२५	२१	०९	१०
४२	२६	५३	२३	१०	१०	१७	३१
३३	०५	०९	०१	२०	२९	२४	५५
५७	४५	२०	३	५२	०	३	५७
३६	१२	१४	४५	१६	५६	११	२२
रो	अ	कृ	घ	रे	पूफा	उषा	रो
१	१	१४	३	३	३	४	१



मई		रविस्पस्ट पातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२५	चं	१	१०	००	०८	५७	३७	२०	५७	३२	३१	६	०६	७	०६	३३	०२	४	५७	६	१०
२६	मं	१	१०	५७	४५	५७	३६	२१	०७	३२	३२	६	०५	७	०६	३३	०४	४	५६	६	१०
२७	बु	१	११	५५	२१	५७	३५	२१	१७	३२	३३	६	०५	७	०७	३३	०६	४	५६	६	११
२८	गु	१	१२	५२	५६	५७	३४	२१	२७	३२	३५	६	०५	७	०७	३३	०७	४	५६	६	११
२९	शु	१	१३	५०	३०	५७	३३	२१	३७	३२	३६	६	०५	७	०७	३३	०९	४	५६	६	११
३०	श	१	१४	४८	०२	५७	३१	२१	४६	३२	३७	६	०५	७	०८	३३	१०	४	५६	६	१२
३१	र	१	१५	४५	३४	५७	३०	२१	५५	३२	३८	६	०५	७	०८	३३	१२	४	५६	६	१२
१	चं	१	१६	४३	०४	५७	२९	२२	०३	३२	३९	६	०५	७	०८	३३	१३	४	५५	६	१३
२	मं	१	१७	४०	३४	५७	२८	२२	११	३२	४०	६	०५	७	०९	३३	१४	४	५५	६	१३
३	बु	१	१८	३८	०२	५७	२७	२२	१९	३२	४१	६	०५	७	०९	३३	१६	४	५५	६	१३
४	गु	१	१९	३५	२९	५७	२६	२२	२६	३२	४२	६	०५	७	१०	३३	१७	४	५५	६	१४
५	शु	१	२०	३२	५६	५७	२५	२२	३३	३२	४३	६	०५	७	१०	३३	१८	४	५५	६	१४
६	श	१	२१	३०	२१	५७	२५	२२	३९	३२	४४	६	०५	७	१०	३३	१९	४	५५	६	१५
७	र	१	२२	२७	४६	५७	२४	२२	४५	३२	४५	६	०५	७	११	३३	२०	४	५५	६	१५

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं यथा- एकमासेरवेर्वाराः पंचनस्युः शुभावहाः॥ कृष्णा प्रतिपदा को रविवार होने से पवन अधिक चले। कृष्णा द्वादशी में रेवती होने से कष्ट हो। अमावस्या रविवार कृतिका योग सुभिक्ष और सुखद है। शुक्ला चतुर्थी का क्षय होने से मूंग घी महंगें हों। ज्येष्ठ सुदी तीज को आर्द्रा में वर्षा हो तो दुर्भिक्ष करे। पूर्णिमा अनुराधा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें।

अयनांशाः २३।५८।३३

८ पं. ज्ये.शु. ९ सो. इष्टघटी ४६।१२

(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	०	०	१०	०	४	९	१
१७	०६	२८	०२	०१	२१	०८	१७
२५	४१	५३	४५	२७	१९	५५	१३
२४	२९	११	२६	४७	१३	०८	०२
५७	४४	८	२	५५	१	३	५७
२९	५१	२०	२८	५७	३९	११	१३
रो	अ	कृ	घ	अ	पूफा	उषा	रो
३	३	१	३	१	३	४	३



आषाढ कृष्णपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, ८ जून से २२ जून तक — नवलगढ — ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति महा., जून २००९

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै.	टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	सो	५०	२८	२५	४९	ज्ये	१९	२५	१३	२४	सा	१७	४४	१२	४३	बा	१७	४५	१२	४४	३४ १५	५ ३८	७ २०	धनु.	१३।२४	१८	१४	८	मृगे सौरः १०।११
२	म	५६	२१	२८	१०	मूल	२६	२७	१६	१३	शु	१९	४६	१३	३२	तै	२३	२०	१४	५८	१६	३८	२०	धनु.		१९	१५	९	[B सौरः १०।५८, अयन करिदिन
३	बु	...	...	...	...	पूषा	३४	०१	१९	१४	शु	२२	१५	१४	३२	व	२९	२८	१७	२५	१७	३८	२१	मक.	२६।०१	२०	१६	१०	भ. १७।२५ उ., पातस्पर्शः ११।४६, मोक्षः २०।५४, भर. भौमः २२।२४
३	गु	२	४०	६	४२	उषा	४१	५१	२२	२२	ब्र	२४	५७	१५	३७	वि	२	४०	६	४२	१८	३८	२१	मक.		२१	१७	११	भ. ६।४२ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१५
४	शु	९	०५	९	१६	श्रव	४९	३२	२५	२६	ऐ	२७	३९	१६	४२	बा	९	०५	९	१६	१९	३८	२१	मक.		२२	१८	१२	
५	श	१५	०८	११	४१	धनि	५६	३३	२८	१५	वै	२९	५८	१७	३७	तै	१५	०८	११	४१	१९	३८	२२	कुंभे	१४।५४	२३	१९	१३	पंचक प्रारम्भः १४।५४, भर. शुक्रः २९।३७
६	र	२०	१८	१३	४५	शत	...	...	...	...	वि	३१	३१	१८	१४	व	२०	१८	१३	४५	२०	३८	२२	कुंभे		२४	२०	१४	भ. १३।४५ उ. २६।३५ या., मिथुने रविः २७।४३
७	सो	२४	०४	१५	१६	शत	२	२४	६	३६	प्री	३१	५४	१८	२४	ब	२४	०४	१५	१६	२१	३८	२२	मीने	२५।५५	२५	२१	१५	मिथुने सौरः १०।२७, वक्री गुरुः २४।३३
८	मं	२६	०१	१६	०२	पूभा	६	३६	८	१६	आ	३०	५२	१७	५९	कौ	२६	०१	१६	०२	२१	३८	२३	मीने		२६	२२	१६	
९	बु	२५	५४	१६	००	उभा	८	५१	९	११	सौ	२८	११	१६	५४	ग	२५	५४	१६	००	२२	३८	२३	मीने		२७	२३	१७	भ. २७।३९ उ., रोहि. बुधः २७।१५
१०	गु	२३	३९	१५	०६	रेव	९	००	९	१४	शो	२३	४७	१५	०९	वि	२३	३९	१५	०६	२२	३८	२३	मेषे	९।१४	२८	२४	१८	भ. १५।०६ या., पंचक समाप्तिः ९।१४
११	शु	१९	२४	१३	२४	अश्वि	७	०८	८	३०	अ	१७	४७	१२	४५	बा	१९	२४	१३	२४	२२	३९	२३	मेषे		२९	२५	१९	योगिनी ११ व्र.
१२	श	१३	२४	११	००	भर	३ ५८	२७ १६	७ २८	०१ ५७	सु	१०	१९	९	४६	तै	१३	२४	११	००	२२	३९	२४	वृषे	१२।३३	३०	२६	२०	प्रदोषः
१३	र	५	५९	८	०२	रोहि	५२	००	२६	२७	धृ	१ ५२	४० ०८	६ २६	१९ ३०	व	५	५९	८	०२	२२	३९	२४	वृषे		३१	२७	२१	भ. ८।०२ उ. १८।२४ या., मासिकशिवरात्री व्र., आर्द्रा. रविः A
१४	र	५७	३२	२८	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[A २७।२०, सायन कर्के भानुः, सायन दक्षिणायन प्रारम्भ ११।०९
३०	सो	४८	२९	२५	०३	मृग	४५	०४	२३	४१	गं	४२	०२	२२	२८	च	२३	०४	१४	५३	२२	३९	२४	मिथु.	१३।०५	१	२८	२२	देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., भा. आषाढारंभः, आर्द्रा. B

अयनांशाः २३।५८।३४
९ पं.आ.कृ. १ सो.इष्टघटी ४६।१४
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

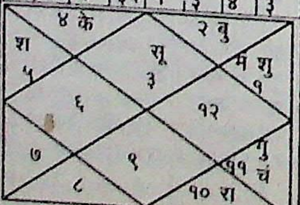
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	०	१	१०	०	४	९	१
२४	११	०१	०२	०८	२१	०८	२३
०७	५४	२५	५८	०८	३२	३२	५३
२४	१८	५८	४८	२८	५२	५३	१०
५७	४४	३९	१	५८	२	३	५७
२२	२८	३९	०९	५०	२०	११	०५
मृ	अ	कृ	ध	अ	पूफा	उषा	मृ
१	४	२	३	३	३	४	१



जून ता.	वा.	रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
८	चं	१	२३	२५	०९	५७	२३	२२	५१	३२	४६	६	०५	७	११	३३	२१	४	५५	६	१५
९	मं	१	२४	२२	३२	५७	२२	२२	५६	३२	४६	६	०५	७	११	३३	२२	४	५५	६	१६
१०	बु	१	२५	१९	५४	५७	२१	२३	०१	३२	४७	६	०५	७	१२	३३	२२	४	५५	६	१६
११	गु	१	२६	१७	१५	५७	२०	२३	०५	३२	४८	६	०५	७	१२	३३	२३	४	५५	६	१६
१२	शु	१	२७	१४	३६	५७	२०	२३	०९	३२	४८	६	०५	७	१२	३३	२४	४	५५	६	१७
१३	श	१	२८	११	५५	५७	१९	२३	१२	३२	४९	६	०५	७	१२	३३	२४	४	५५	६	१७
१४	र	१	२९	०९	१४	५७	१८	२३	१६	३२	४९	६	०५	७	१३	३३	२५	४	५५	६	१७
१५	चं	२	००	०६	३३	५७	१८	२३	१८	३२	४९	६	०५	७	१३	३३	२५	४	५६	६	१८
१६	मं	२	०१	०३	५०	५७	१७	२३	२१	३२	५०	६	०५	७	१३	३३	२६	४	५६	६	१८
१७	बु	२	०२	०१	०८	५७	१७	२३	२३	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१८
१८	गु	२	०२	५८	२४	५७	१६	२३	२४	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९
१९	शु	२	०३	५५	४०	५७	१६	२३	२५	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९
२०	श	२	०४	५२	५६	५७	१५	२३	२६	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९
२१	र	२	०५	५०	११	५७	१५	२३	२६	३२	५०	६	०६	७	१५	३३	२६	४	५७	६	१९
२२	चं	२	०६	४७	२५	५७	१४	२३	२६	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	१९

अयनांशाः २३।५८।३५
१० पं.आ.कृ. ७ सो.इष्टघटी ४६।१३
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	०	१	१०	०	४	९	२
००	१७	०७	०३	१५	२१	०८	००
४८	०४	३०	०२	०७	५१	१०	३२
४४	२९	५६	५२	३३	१४	३८	२९
५७	४४	६७	०	६१	३	३	५७
१७	०३	५१	११	०९	००	११	००
मृ	भ	कृ	धं	भ	पूफा	उषा	मृ
३	२	४	३व	१	३	४	३



अयनांशाः २३।५८।३६
११ पं.आ.कृ.३० सो.इष्टघटी ४६।१०
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	०	१	१०	०	४	९	२
०७	२२	१६	०२	२२	२२	०७	०७
२९	११	३८	५७	२१	१४	४८	११
३४	२४	२०	३०	२८	०८	२२	१३
५७	४३	९९	१	६३	३	३	५६
१४	३७	०८	३२	०२	३७	११	५६
आ	भ	रो	ध	भ	पूफा	उषा	आ
१	३	२	३व	३	३	४	१



आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, २३ जून से ७ जुलाई तक नवलगढ

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.
१	मं	३९	१४	२१	२१	आर्द्रा	३७	५४	२०	४९	वृ	३१	४५	१८	२१	किं	१३	५१	११	१२	३४/२२	५/३९	७/२४	मिथु.	२	२९	२३
२	बु	३०	११	१७	४४	पुन	३०	५६	१८	०२	ध्रु	२१	३४	१४	१७	बा	४	४०	७	३२	२२	४०	२४	कर्क १२।४३	३	३०	२४
३	गु	२१	४२	१४	२१	पुष्य	२४	३२	९:१	२९	व्या	११	५०	१०	२४	ग	२१	४२	१४	२१	२१	४०	२५	कर्क	४	१	२५
४	शु	१४	०५	११	१८	श्ले	१९	०३	१३	१७	ह	२/५४	४६/४०	६/२७	४७/३२	वि	१४	०५	११	१८	२१	४०	२५	सिंहे १३।१७	५	२	२६
५	श	७	४०	८	४४	मघा	१४	४६	११	३५	सि	४७	४०	२४	४४	बा	७	४०	८	४४	२१	४१	२५	सिंहे	६	३	२७
६	र	२	३८	६	४४	पूफा	११	५६	१०	२७	व्य	४१	५६	२२	२७	तै	२	३८	६	४४	२०	४१	२५	कन्या १६।१६	७	४	२८
७	र	५९	१४	२९	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	सो	५७	२७	२८	४०	उफा	१०	४२	९	५८	व	३७	३२	२०	४२	वि	२८	०७	१६	५६	१९	४१	२५	कन्या	८	५	२९
९	मं	५७	२३	२८	३९	हस्त	११	०७	१०	०८	प	३४	३०	१९	३०	बा	२७	१२	१६	३४	१९	४२	२५	तुला. २२।२९	९	६	३०
१०	बु	५८	५४	२९	१६	चित्रा	१३	११	१०	५८	शि	३२	४७	१८	४९	तै	२७	५७	१६	५३	१८	४२	२५	तुला.	१०	७	१
११	गु	…	…	…	…	स्वा	१६	४८	१२	२५	सि	३२	१४	१८	३६	व	३०	१४	१७	४८	१७	४२	२५	तुला.	११	८	२
११	शु	१	५२	६	२७	विशा	२१	४४	१४	२४	सा	३२	५३	१८	४८	वि	१	५२	६	२७	१६	४३	२५	वृश्चि. ७।५२	१२	९	३
१२	श	६	०१	८	०७	अनु	२७	४४	१६	४९	शु	३४	००	१९	१९	बा	६	०१	८	०७	१५	४३	२५	वृश्चि.	१३	१०	४
१३	र	११	०५	१०	०९	ज्ये	३४	३१	१९	३२	शु	३५	५३	२०	०५	तै	११	०५	१०	०९	१४	४३	२५	धनु. १९।३२	१४	११	५
१४	सो	१६	४५	१२	२६	मूल	४१	४९	२२	२८	ब्र	३८	१२	२१	०१	व	१६	४५	१२	२६	१२	४४	२५	धनु.	१५	१२	६
१५	मं	२२	४९	१४	५२	पूषा	४९	२५	२५	३०	ऐ	४०	४४	२२	०२	व	२२	४९	१४	५२	११	४४	२५	धनु.	१६	१३	७

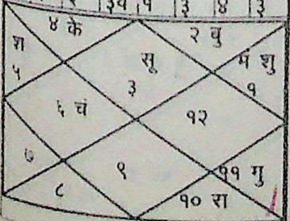
वर्षर्तु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ६२८८, जून-जुलाई २००९

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

- पातस्पर्शः १७।४०, मोक्षः २५।१८
- चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्री जगदीश रथ यात्रा
- भ. २४।४६ उ., रज्जव ७
- भ. ११।१८ या., मृगे बुधः २८।४०, कृत्ति. शुक्रः २५।५९
- स्कंध षष्ठी [A गोपद्मव्रतोद्यापनं, हरिवासरः १४।२४ से २०।५८ B
- भ. २९।२२ उ., कृत्ति. भौमः २८।३१
- [B तक, पातमोक्षः ७।२७, वृषे भौमः १९।५८, बुधास्तः D
- भ. १६।५६ या., वृषे शुक्रः २८।४६ [D पूर्वस्याम् २०।४५
- भड़ली ९, मिथुने बुधः २२।१३
- मन्वादि, आशा दशमी, जुलाई ७ ता. ३१
- भ. १७।४८ उ., पातस्पर्शः २२।३१ [E सौरः १२।२४
- भ. ६।२७ या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास व्रतारंभः, A
- प्रदोषः, श्रावणे वर्जयेच्छाकम्, आर्द्रा. बुधः ८।३७
- जया पार्वती व्रतं, पुन. रविः २६।५७ [C आषाढी योगः
- भ. १२।२६ उ. २५।३८ या., पूर्णिमा व्रतं, वायु परीक्षा, पुन. E
- मन्वादि, पूर्णिमा पुण्यं, गुरु पूर्णिमा, गोपद्मव्रतारंभ, व्यासपूजा, C

अयनांशाः २३।५८।३७
१२ पं. आ.शु. ८ सो. इष्टघटी ४६।०५
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	०	१	१०	०	४	९	२
१४	२७	२८	०२	२९	२२	०७	१३
१०	१५	१७	४२	४७	४१	२६	४९
०४	१८	३१	४८	३१	१६	०७	३५
५७	४३	१११	२	६४	४	३	५६
१२	०९	०६	५१	३५	१२	११	५४
आ ३	कृ १	मृ २	ध ३व	कृ १	पूफा ३	उषा ४	आ ३



जून ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२३	मं	२	०७	४४	३९	५७	१४	२३	२६	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	२०
२४	बु	२	०८	४१	५३	५७	१३	२३	२५	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	२०
२५	गु	२	०९	३९	०७	५७	१३	२३	२३	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५८	६	२०
२६	शु	२	१०	३६	२०	५७	१३	२३	२२	३२	५०	६	०८	७	१५	३३	२६	४	५८	६	२०
२७	श	२	११	३३	३२	५७	१३	२३	१९	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२५	४	५८	६	२०
२८	र	२	१२	३०	४५	५७	१२	२३	१७	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२५	४	५८	६	२०
२९	चं	२	१३	२७	५७	५७	१२	२३	१४	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२४	४	५९	६	२०
३०	मं	२	१४	२५	०९	५७	१२	२३	१०	३२	४८	६	०९	७	१६	३३	२४	४	५९	६	२१
१	बु	२	१५	२२	२१	५७	१२	२३	०७	३२	४७	६	०९	७	१६	३३	२३	४	५९	६	२१
२	गु	२	१६	१९	३३	५७	१२	२३	०२	३२	४७	६	०९	७	१६	३३	२२	५	००	६	२१
३	शु	२	१७	१६	४५	५७	१२	२२	५८	३२	४६	६	१०	७	१६	३३	२२	५	००	६	२१
४	श	२	१८	१३	५७	५७	१२	२२	५३	३२	४६	६	१०	७	१६	३३	२१	५	००	६	२१
५	र	२	१९	११	०८	५७	१२	२२	४७	३२	४५	६	१०	७	१६	३३	२०	५	०१	६	२१
६	चं	२	२०	०८	२०	५७	१२	२२	४१	३२	४४	६	११	७	१६	३३	१९	५	०१	६	२१
७	मं	२	२१	०५	३२	५७	१२	२२	३५	३२	४३	६	११	७	१६	३३	१८	५	०१	६	२१

संक्रांति फलम्

ता. १४ जून २००९

आषा. कृ. ६ रवौ मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २७।४३ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २७।४३ से चंद्रे १०।०७ तक। (दान- वस्त्रान्न)।

अयनांशाः २३।५८।३८
१३ पं. आ.शु.१४ सो. इष्टघटी ४५।५८
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	१	२	१०	१	४	९	२
२०	०२	१२	०२	०७	२३	०७	२०
५०	१५	०६	१९	२३	१२	०३	२७
२७	४९	१६	०७	४१	२१	५१	४८
५७	४२	१२६	४	६५	४	३	५६
१२	३९	३२	०५	५४	४५	११	५३
पुन १	कृ २	आ २	ध ३व	कृ ४	पूफा ३	उषा ४	पुन १



श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, ८ जुलाई से २२ जुलाई तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेति महा., जुलाई २००९

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	
१	बु	२९	०३	१७	२२	उषा	५७	०५	२८	३५	वै	४३	२१	२३	०५	कौ	२९	०३	१७	२२	३४ १०	५ ४५	७ २५	मक.	८।१६	१७	१४	८	नक्त व्रतारंभः, पूफा.-४ शनिः १४।३६
२	गु	३५	१५	११	५१	श्रव	...	...	...	...	वि	४५	५४	२४	०७	तै	२	१०	६	३७	०८	४५	२४	मक.		१८	१५	९	बृहत्तल्वा, रोहि. शुक्रः ८।५७
३	शु	४१	०८	२२	१३	श्रव	४	३५	७	३६	प्री	४८	०९	२५	०१	व	८	१५	९	०३	०७	४६	२४	कुंभे	२१।०३	१९	१६	१०	भ. ९।०३ उ. २२।१३ या., पंचक प्रारम्भः २१।०३, पुन. बुधः १६।५३
४	श	४६	२०	२४	१८	धनि	११	४०	१०	२६	आ	४९	५३	२५	४३	ब	१३	४९	११	१८	०५	४६	२४	कुंभे		२०	१७	११	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।५२
५	र	५०	३०	२५	५८	शत	१७	५६	१२	५७	सौ	५०	४७	२६	०५	कौ	१८	३३	१३	१२	०३	४७	२४	कुंभे		२१	१८	१२	नागपञ्चमी (मरु.)
६	सो	५३	१५	२७	०५	पूभा	२३	००	१४	५९	शो	५०	३६	२६	०१	ग	२२	०३	१४	३६	०१	४७	२४	मीने	८।३२	२२	१९	१३	भ. २७।०५ उ.
७	मं	५४	१६	२७	३०	उभा	२६	३२	१६	२४	अ	४९	०३	२५	२५	वि	२३	५८	१५	२३	००	४७	२३	मीने		२३	२०	१४	भ. १५।२३ या., उषा.-३ राहुः १२।०८, पुष्ये-१ केतुः १२।०८
८	बु	५३	२६	२७	१०	रेव	२८	१८	१७	०७	सु	४६	०३	२४	१३	बा	२४	०५	१५	२६	३३ ५८	४८	२३	मेषे	१७।०७	२४	२१	१५	पंचक समाप्तिः १७।०७, कर्के बुधः ८।००
९	गु	५०	४१	२६	०५	अश्वि	२८	१०	१७	०५	घृ	४१	३१	२२	२५	तै	२२	१७	१४	४३	५६	४८	२३	मेषे		२५	२२	१६	पातस्पर्शः २७।४२, कर्के रविः १४।४० (सौरः २५।२६), निरयन A
१०	शु	४६	०८	२४	१६	भर	२६	१३	१६	१८	शू	३५	२९	२०	००	व	१८	३७	१३	१६	५४	४९	२२	वृषे	२२।००	२६	२३	१७	भ. १३।१६ उ. २४।१६ या., पातमोक्षः ९।४७, रोहि. भौमः २३।४०
११	श	३९	५९	२१	४९	कृति	२२	३४	१४	५१	गं	२८	०७	१७	०४	व	१३	१३	११	०७	५१	४९	२२	वृषे		२७	२४	१८	कामिका ११ व्र. |A दक्षिणायनारंभः, पुष्ये बुधः २१।३६
१२	र	३२	३०	१८	५०	रोहि	१७	२९	१२	५०	वृ	१९	३५	१३	४०	कौ	६	२२	८	२३	४९	५०	२२	मिथु.	२३।३९	२८	२५	१९	प्रदोषः, पुष्ये रविः २६।३१
१३	सो	२४	०३	१५	२८	मृग	११	१९	१०	२२	ध्रु	१०	०८	९	५४	व	२४	०३	१५	२८	४७	५०	२१	मिथु.		२९	२६	२०	भ. १५।२८ उ. २५।४० या., मासिकशिवरात्री व्र., पुष्ये सौरः १३।४२
१४	मं	१४	५७	११	५०	आर्द्रा	४ ५७	२५ १२	७ २८	३७ ४४	व्या	० ४९	०६ ४६	५ २५	५३ ४५	श	१४	५७	११	५०	४५	५१	२१	कर्के	२३।२७	३०	२७	२१	पितृकार्येऽमा., मृगे शुक्रः ७।०५ |B सायन सिंहे भानुः २२।०८
३०	बु	५	३७	८	०६	पुष्य	५०	०१	२५	५२	व	३९	२५	२१	३८	ना	५	३७	८	०६	४२	५२	२०	कर्के		३१	२८	२२	ग्रस्तोदयं सूर्यग्रहणम्, देवकार्येऽमा., हरियाली ३०, B

अयनांशाः २३।५८।३९
१४ पं. श्रा.कृ. ६ सो. इष्टघटी ४५।५०
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	१	२	१०	१	४	९	२
२७	०७	२७	०१	१५	२३	०६	२७
३०	१२	०८	४७	०८	४७	४१	०६
५२	४७	३८	०१	२१	०४	३६	०६
५७	४२	१२९	५	६७	५	३	५६
१३	०७	०८	१३	००	१४	११	५५
पुन	कृ	पुन	ध	रो	पूफा	उषा	पुन
३	४	३	३व	२	४	४	३



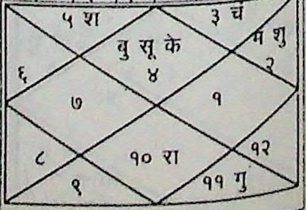
जुलाई रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
८ बु	२	२२	०२	४४	५७	१२	२२	२९	३२	४२	६	११	७	१६	३३	१७	५	०२	६	२०
९ गु	२	२२	५९	५५	५७	१२	२२	२२	३२	४१	६	१२	७	१६	३३	१५	५	०२	६	२०
१० शु	२	२३	५७	०७	५७	१२	२२	१४	३२	४०	६	१२	७	१६	३३	१४	५	०३	६	२०
११ श	२	२४	५४	२०	५७	१२	२२	०७	३२	३९	६	१२	७	१६	३३	१३	५	०३	६	२०
१२ र	२	२५	५१	३२	५७	१३	२१	५८	३२	३८	६	१३	७	१६	३३	१२	५	०३	६	२०
१३ चं	२	२६	४८	४५	५७	१३	२१	५०	३२	३७	६	१३	७	१६	३३	१०	५	०४	६	२०
१४ मं	२	२७	४५	५७	५७	१३	२१	४१	३२	३६	६	१३	७	१६	३३	०९	५	०४	६	२०
१५ बु	२	२८	४३	११	५७	१३	२१	३२	३२	३४	६	१४	७	१५	३३	०७	५	०५	६	१९
१६ गु	२	२९	४०	२४	५७	१४	२१	२२	३२	३३	६	१४	७	१५	३३	०६	५	०५	६	१९
१७ शु	३	००	३७	३८	५७	१४	२१	१२	३२	३२	६	१४	७	१५	३३	०४	५	०५	६	१९
१८ श	३	०१	३४	५२	५७	१५	२१	०२	३२	३०	६	१५	७	१५	३३	०२	५	०६	६	१९
१९ र	३	०२	३२	०७	५७	१५	२०	५१	३२	२९	६	१५	७	१५	३३	०१	५	०६	६	१८
२० चं	३	०३	२९	२२	५७	१६	२०	४०	३२	२८	६	१५	७	१४	३२	५९	५	०७	६	१८
२१ मं	३	०४	२६	३७	५७	१६	२०	२९	३२	२६	६	१६	७	१४	३२	५७	५	०७	६	१८
२२ बु	३	०५	२३	५३	५७	१७	२०	१७	३२	२४	६	१६	७	१४	३२	५५	५	०७	६	१८

संक्रांति फलम्.

ता. १६ जुलाई २००९
श्रा. कृ. ९ गुरौ कर्केऽर्कः प्र. (स्टैः) टा. १४।४० वारात् ५ नक्षत्रात् ५ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यभावे सम वत्सा उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः बुधे (स्टै.) २६।४० से गुरौ १४।४० तक। (दान- घृत, धेनु)।

अयनांशाः २३।५८।४०
१५ पं. श्रा.कृ.१३ सो. इष्टघटी ४५।४२
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

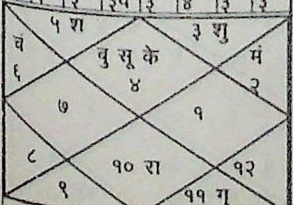
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	१	३	१०	१	४	९	३
०४	१२	११	०१	२३	२४	०६	०३
११	०६	४९	०७	००	२५	१९	४४
३१	००	४५	२६	१८	०७	२०	४३
५७	४१	१२०	६	६७	५	३	५६
१६	३४	२२	१२	५७	४१	११	५९
पु	रो	पु	ध	रो	पूफा	उषा	पु
१	१	३	३व	४	४	३	१



श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, २३ जुलाई से ६ अगस्त तक नवलगढ																								चंद्रः	तारीख			वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ६३१८, जुलाई-अगस्त २००९
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	बु	५६	२४	२८	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[D भा. श्रावणारंभः, श्लेषा. बुधः १०।३४ [J पातस्पर्शः २५।२३
२	गु	४७	४३	२४	५७	श्ले	४३	१९	२३	१२	सि	२९	२४	१७	३७	बा	२१	५८	१४	३९	३३/४०	५/५२	७/२०	सिंहे २३।१२	१	२९	२३	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), ग्रहण-करिदिन, श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, D
३	शु	३९	५३	२१	५०	मघा	३७	२८	२०	५२	व्य	२०	००	१३	५३	तै	१३	३९	११	२०	३७	५३	१९	सिंहे	२	१	२४	तीज, स्वर्णगौरी व्र., मधुश्रवा व्र.(गुर्जरे), सुकृत तृतीया व्र., सावान ८
४	श	३३	१८	१९	१२	पूफा	३२	५२	१९	०२	व	११	३२	१०	३०	व	६	२४	८	२७	३५	५३	१९	कन्या २४।४०	३	२	२५	भ. ८।२७ उ. १९।१२ या., वरद चतुर्थी. दूर्वा गणपति व्र.
५	र	२८	१६	१७	१२	उफा	२९	४८	१७	४९	प	४/५८	१६/२३	७/२९	३६/१५	ब	०	३३	६	०७	३२	५४	१८	कन्या	४	३	२६	कल्कीजयंती, नागपञ्चमी,नागदष्टव्र.,वर्णषष्ठी, बुधोदयः पश्चिमायाम् E
६	सो	२५	०१	१५	५५	हस्त	२८	३२	१७	१९	सि	५४	०२	२७	३१	तै	२५	०१	१५	५५	२९	५४	१८	तुला. २९।२१	५	४	२७	रोटक व्रतारंभः, सोमेश्वर पूजनं [E २५।१७, मिथुने शुक्रः २७।३९
७	मं	२३	४५	१५	२५	चित्रा	२९	१२	१७	३५	सा	५१	१६	२६	२५	व	२३	४५	१५	२५	२६	५५	१७	तुला.	६	५	२८	भ. १५।२५ उ. २७।२७ या., शीतला, तुलसी जयंती, दुर्गाष्टमी, J
८	बु	२४	२६	१५	४२	स्वा	३१	४८	१८	३९	शु	५०	०२	२५	५६	ब	२४	२६	१५	४२	२४	५५	१७	तुला.	७	६	२९	पातमोक्षः ७।२५ [B हिरण्यकेशीय, काण्वमध्यन्दिन (कात्या.), C
९	गु	२७	००	१६	४४	विशा	३६	१२	२०	२५	शु	५०	१०	२६	००	कौ	२७	००	१६	४४	२१	५६	१६	वृश्चि. १३।५४	८	७	३०	सिंहे मघा. बुधः १५।०३, (व) मकरे धनि.-२ गुरुः २५।१७
१०	शु	३१	०८	१८	२४	अनु	४२	०४	२२	४६	ब्र	५१	२५	२६	३०	ग	३१	०८	१८	२४	१८	५६	१५	वृश्चि.	९	८	३१	[A हयग्रीवजयंती, नारियल १५, यजुर्वेदि, तैतरीय, बौधायन, B
११	श	३६	२७	२०	३१	ज्ये	४९	००	२५	३३	ऐ	५३	२७	२७	२०	व	३	३९	७	२५	१५	५७	१५	धनु. २५।३३	१०	९	१	भ. ७।२५ उ. २०।३१ या., पवित्रा ११ व्र., अगस्त ८ ता. ३१, M
१२	र	४२	२९	२२	५७	मूल	५६	३२	२८	३४	वै	५५	५७	२८	२०	ब	९	२४	९	४३	१२	५७	१४	धनु.	११	१०	२	दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं, श्लेषा. रविः २५।२७
१३	सो	४८	४९	२५	२९	पूषा	...	...	...	...	वि	५८	३६	२९	२४	कौ	१५	३७	१२	१३	०९	५८	१३	धनु.	१२	११	३	प्रदोषः,श्लेषा.सौरः १४।०९ [M तिलकपुण्यतिथि, आर्द्रा.शुक्रः २२।५२
१४	मं	५५	०४	२८	००	पूषा	४	१४	७	४०	प्री	...	...	...	...	ग	२१	५७	१४	४५	०६	५८	१३	मक. १४।२६	१३	१२	४	भ. २८।०० उ. मूणमाण्डणा (भद्रोत्तरं), [C अथर्ववेदि उपाकर्म
१५	बु	...	...	...	...	उषा	११	५०	१०	४३	प्री	१	०८	६	२६	वि	२८	०५	१७	१३	०३	५९	१२	मक.	१४	१३	५	भ. १७।१३ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, रक्षाबंधनं श्रावणी (भरु), A
१५	गु	०	५८	६	२३	श्रव	१९	०४	१३	३७	आ	३	२६	७	२२	ब	०	५८	६	२३	००	५९	११	कुंभे २६।५९	१५	१४	६	पंचकप्रारम्भः २६।५९, आपस्तंभ, ऋग्वेदि उपाकर्म, मृगे भौमः ११।३०

अयनांशाः २३।५८।४१
१६ पं.श्रा.शु. ६ सो.इष्टघटी ४५।३३
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	१	३	१०	२	४	९	३
१०	१६	२५	००	००	२५	०५	१०
५२	५५	१८	२१	५८	०६	५७	२३
३५	१४	१७	३३	३४	०९	०५	५२
५७	४०	१०८	६	६८	६	३	५७
२०	५९	५३	५९	४७	०५	११	०५
पु	रो	श्ले	ध	मृ	पूफा	उषा	पु
३	३	३	३व	३	४	३	३



जुलाई रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२३	गु	३	०६	२१	१०	५७	१७	२०	०५	३२	२३	६	१७	७	१४	३२	५३	५	०८	६	१७
२४	शु	३	०७	१८	२७	५७	१८	१९	५२	३२	२१	६	१७	७	१३	३२	५१	५	०८	६	१७
२५	श	३	०८	१५	४५	५७	१८	१९	४०	३२	२०	६	१७	७	१३	३२	४९	५	०९	६	१६
२६	र	३	०९	१३	०४	५७	१९	१९	२७	३२	१८	६	१८	७	१३	३२	४७	५	०९	६	१६
२७	चं	३	१०	१०	२३	५७	२०	१९	१३	३२	१६	६	१८	७	१२	३२	४५	५	१०	६	१६
२८	मं	३	११	०७	४३	५७	२१	१८	५९	३२	१४	६	१८	७	१२	३२	४३	५	१०	६	१५
२९	बु	३	१२	०५	०३	५७	२१	१८	४५	३२	१२	६	१९	७	१२	३२	४१	५	१०	६	१५
३०	गु	३	१३	०२	२४	५७	२२	१८	३१	३२	११	६	१९	७	११	३२	३८	५	११	६	१४
३१	शु	३	१३	५९	४६	५७	२३	१८	१६	३२	०९	६	१९	७	११	३२	३६	५	११	६	१४
१	श	३	१४	५७	०९	५७	२४	१८	०२	३२	०७	६	२०	७	१०	३२	३४	५	१२	६	१३
२	र	३	१५	५४	३३	५७	२५	१७	४६	३२	०५	६	२०	७	१०	३२	३१	५	१२	६	१३
३	चं	३	१६	५१	५८	५७	२६	१७	३१	३२	०३	६	२०	७	०९	३२	२९	५	१२	६	१२
४	मं	३	१७	४९	२३	५७	२७	१७	१५	३२	०१	६	२०	७	०९	३२	२७	५	१३	६	११
५	बु	३	१८	४६	५०	५७	२७	१६	५९	३१	५९	६	२१	७	०८	३२	२४	५	१३	६	११
६	गु	३	१९	४४	१७	५७	२८	१६	४३	३१	५७	६	२१	७	०८	३२	२२	५	१४	६	१०

मास फलम्

सूर्यग्रहण २२ जुला.२००९, बुधवार
श्रावण में पांच बुधवार शुभद है। श्रावण में पांच बृहस्पतिवार होने से दुर्भिक्ष हो तथा छत्रभंग हो । कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों। कृष्णा एकादशी को कृत्तिका होने से मध्यम फल हो । कृष्णा चतुर्दशी को आर्द्रा होने से अन्नादि भाव में तेजी हो । बुधवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष, पुष्य योग समर्घता एवं मध्यम वर्षा कारक है । पूर्णिमा गुरुवार और श्रवण युक्त होने से शुभ फल दायिनी है । श्रावणी पूर्णिमा को श्रवण होने से धान्योत्पत्ति वहुत हो । सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों ।

अयनांशाः २३।५८।४२
१७पं. श्रा.शु.१३ सो.इष्टघटी ४५।२३
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	१	४	९	२	४	९	३
१७	२१	०७	२९	०९	२५	०५	१७
३४	४०	२४	३०	०२	४९	३४	०३
१४	१८	४३	५४	२१	४९	५०	४६
५७	४०	९६	७	६९	६	३	५७
२६	२२	५४	३२	३२	२६	११	१२
श्ले	रो	म	ध	आ	पूफा	उषा	श्ले
१	४	३	२व	१	४	३	१

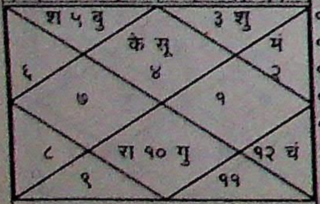


भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, ७ अगस्त से २० अगस्त तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति महा., अगस्त २००९

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	शु	६	२२	८	३३	धनि	२५	४५	१६	१८	सौ	५	१९	८	०८	कौ	६	२२	८	३३	३२/५६	६/००	७/१०	कुंभे		१६	१५	७	पूफा. बुधः १८।२४
२	श	११	०४	१०	२६	शत	३१	४२	१८	४१	शो	६	४०	८	४१	ग	११	०४	१०	२६	५३	००	१०	कुंभे		१७	१६	८	भ. २३।१५ उ., कज्जली(बूढी ३)
३	र	१४	५२	११	५८	पूभा	३६	४२	२०	४२	अ	७	२०	८	५७	वि	१४	५२	११	५८	५०	०१	०९	मीने	१४।१४	१८	१७	९	भ. ११।५८ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।५४
४	सो	१७	३४	१३	०३	उभा	४०	३४	२२	१५	सु	७	१०	८	५३	बा	१७	३४	१३	०३	४६	०१	०८	मीने		१९	१८	१०	[A २३।१७,पातस्पर्शः २५।०५, मोक्षः २९।५६, उफा.-१ शनिः १५।०४
५	मं	१८	५८	१३	३७	रेव	४३	०७	२३	१७	धृ	६	००	८	२६	तै	१८	५८	१३	३७	४३	०२	०७	मेषे	२३।१७	२०	१९	११	चंद्रषष्ठी (मरु.), वृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), पंचक समाप्तिः A
६	बु	१८	५६	१३	३७	अश्वि	४४	१४	२३	४४	शू	३	४५	७	३२	व	१८	५६	१३	३७	४०	०३	०६	मेषे		२१	२०	१२	भ. १३।३७ उ. २५।२३ या., हलषष्ठी
७	गु	१७	२३	१३	००	भर	४३	५०	२३	३५	गं	०/५५	१७/३७	६/२८	१०/१८	ब	१७	२३	१३	००	३६	०३	०६	वृषे	२९।२७	२२	२१	१३	मन्वादि, जम्माष्टमी ᳚. स्मा., शीतला व्र., पुन. शुक्रः ९।५०
८	शु	१४	२०	११	४८	कृति	४१	५९	२२	५१	ध्रु	४९	४६	२५	५८	कौ	१४	२०	११	४८	३३	०४	०५	वृषे		२३	२२	१४	जम्माष्टमी व्र. वैष्ण. [C मिथुने भौमः १३।१६
९	श	९	५२	१०	०१	रोहि	३८	४५	२१	३४	व्या	४२	४७	२३	११	ग	९	५२	१०	०१	२९	०४	०४	वृषे		२४	२३	१५	भ. २०।५५ उ., गोगानवमी, भारतीयस्वतंत्रतादिवस
१०	र	४	०४	७	४२	मृग	३४	१८	१९	४८	ह	३४	४९	२०	००	वि	४	०४	७	४२	२६	०५	०३	मिथु.	८।४४	२५	२४	१६	भ. ७।४२ या., अजा ११ व्र.स्मार्त, सिंहे मघा. रविः २३।०९, C
११	र	५७	१२	२८	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[B सौरः १३।०१, उफा. बुधः १०।२६
१२	सो	४९	२५	२५	५१	आर्द्रा	२८	५२	१७	३८	व	२६	०२	१६	३०	कौ	२३	२२	१५	२६	२२	०५	०२	मिथु.		२६	२५	१७	अजा ११ व्र.वैष्ण., जैनपर्युषण, वत्सपूजा, सिंहे मघा. B
१३	मं	४१	०१	२२	३०	पुन	२२	४१	१५	१०	सि	१६	३८	१२	४५	ग	१५	१५	१२	१२	१९	०६	०१	कर्के	९।४८	२७	२६	१८	भ. २२।३० उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
१४	बु	३२	२०	१९	०२	पुष्य	१६	०७	१२	३३	व्य	६/५७	५१/००	८/२८	५१/५४	वि	६	४१	८	४६	१५	०६	००	कर्के		२८	२७	१९	भ. ८।४६ या., कुशांग्रहणी, पिठोरी ३०, कन्यायां बुधः २९।३५
३०	गु	२३	४३	१५	३६	श्ले	९	२९	९	५४	प	४७	२०	२५	०३	ना	२३	४३	१५	३६	११	०७	६/५९	सिंहे	९।५४	२९	२८	२०	देवपितृकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, लोहार्गल स्ना., मातृ ३०

अयनांशाः २३।५८।४३
१८ पं. भा.कृ. ४ सो. इष्टघटी ४५।१४
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	१	४	९	२	[illegible]	९	३
२४	२६	१८	२८	१७	२६	०५	२३
१६	२०	०६	३७	११	३५	१२	४४
३९	५५	२८	१२	०४	४८	३४	३७
५७	३९	८४	७	७०	६	३	५७
३४	४३	४१	४९	११	४४	११	२१
श्ले	मृ	पूफा	घ	आ	पूफा	उषा	श्ले
३	१	२	२व	४	४	३	३



अगस्त ता.	वा.	रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि.	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
७	शु	३	२०	४१	४६	५७	२९	१६	२६	३१	५५	६	२१	७	०७	३२	१९	५	१४	६	१०
८	श	३	२१	३९	५५	५७	३१	१६	०९	३१	५३	६	२२	७	०७	३२	१७	५	१४	६	०९
९	र	३	२२	३६	४६	५७	३२	१५	५२	३१	५०	६	२२	७	०६	३२	१४	५	१५	६	०८
१०	चं	३	२३	३४	१८	५७	३३	१५	३४	३१	४८	६	२२	७	०६	३२	११	५	१५	६	०८
११	मं	३	२४	३१	५०	५७	३४	१५	१७	३१	४६	६	२३	७	०५	३२	०९	५	१५	६	०७
१२	बु	३	२५	२९	२४	५७	३५	१४	५९	३१	४४	६	२३	७	०४	३२	०६	५	१६	६	०६
१३	गु	३	२६	२६	५९	५७	३६	१४	४१	३१	४२	६	२३	७	०४	३२	०३	५	१६	६	०६
१४	शु	३	२७	२४	३५	५७	३७	१४	२२	३१	३९	६	२३	७	०३	३२	०१	५	१७	६	०५
१५	श	३	२८	२२	१३	५७	३९	१४	०४	३१	३७	६	२४	७	०२	३१	५८	५	१७	६	०४
१६	र	३	२९	१९	५२	५७	४०	१३	४५	३१	३५	६	२४	७	०२	३१	५५	५	१७	६	०३
१७	चं	४	००	१७	३२	५७	४१	१३	२६	३१	३३	६	२४	७	०१	३१	५२	५	१८	६	०३
१८	मं	४	०१	१५	१३	५७	४३	१३	०७	३१	३०	६	२४	७	००	३१	४९	५	१८	६	०२
१९	बु	४	०२	१२	५५	५७	४४	१२	४७	३१	२८	६	२५	७	००	३१	४७	५	१८	६	०१
२०	गु	४	०३	१०	३९	५७	४५	१२	२८	३१	२५	६	२५	६	५९	३१	४४	५	१९	६	००

संक्रांति फलम्

ता. १६ अगस्त २००९
भा. कृ. १० रवौ सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २३।०९ वारात् ४ नक्षत्रात् ६ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्ट। मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पांयसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १६।४५ से २३।०९ तक। (दान- छत्र)।

अयनांशाः २३।५८।४४
१९ पं. भा.कृ.१२ सो. इष्टघटी ४५।०५
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

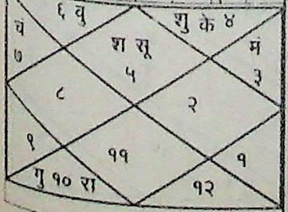
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	२	४	९	२	४	९	४
०१	००	२७	२७	२५	२७	०४	००
००	५६	२२	४२	२४	२३	५०	२६
००	५०	०४	२१	१४	४४	१९	३६
५७	३९	७२	७	७०	६	३	५७
४२	०१	०६	४९	४८	५९	११	३२
म	मृ	उफा	घ	पुन	उफा	उषा	म
१	३	१	२व	२	१	३	१



भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, २१ अगस्त से ४ सितंबर तक नवलगढ चंद्रः																									तारीख			वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ६३४७, अगस्त-सितंबर २००९
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	शु	१५	३३	१२	२०	मघा	३ ५७	१२ ४१	७ २९	२४ ११	शि	३८	१२	२१	२४	ब	१५	३३	१२	२०	३२ ०८	६ ०७	६ ५८	सिंहे	३०	२९	२१	कर्केशुक्रः २१।२७ [C भा.भाद्रपदारंभः,रमजान ९,पातस्पर्शः २२।२५, G
२	श	८	१३	९	२५	उफा	५३	१८	२७	२७	सि	२९	५३	१८	०५	कौ	८	१३	९	२५	०४	०७	५७	कन्या १०।४२	३१	३०	२२	चंद्रदर्शनम् (मु.४५), वराह जयंती, सायन कन्यायां भानुः २९।१९
३	र	२	०७	६	५९	हस्त	५०	२७	२६	१९	सा	२२	४३	१५	१३	ग	२	०७	६	५९	००	०८	५६	कन्या	१	१	२३	भ.१८।०० उ. २९।११ या.,गणेशचतुर्थी (चंद्रदर्शनंनिषेधः),मन्वादि, A
४	र	५७	३८	२९	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A जैनसंवत्सरी, हरितालिकाव्र.,हस्तिगौरीव्र., सामवेदि उपाकर्म, C
५	सो	५५	०१	२८	०९	चित्रा	४९	२७	२५	५५	शु	१६	५६	१२	५५	ब	२६	०४	१६	३४	३१ ५७	०८	५५	तुला. १४।०१	२	२	२४	ऋषिपंचमी, पुष्येशुक्रः १६।५३ [F धनि.-१ गुरुः २६।४६ [G मोक्षः २६।४९
६	मं	५४	२९	२७	५६	स्वा	५०	२८	२६	२०	शु	१२	४४	११	१५	कौ	२४	२८	१५	५६	५३	०९	५४	तुला.	३	३	२५	सौर (सूर्य) षष्ठी, स्कन्द दर्शनं, ललिता षष्ठी व्र. (गुर्जरे), (व) F
७	बु	५६	०१	२८	३४	विशा	५३	३२	२७	३४	ब्र	१०	१२	१०	१४	ग	२४	५८	१६	०९	४९	०९	५३	वृश्चि. २१।११	४	४	२६	भ. २८।३४ उ., मुक्ताभरणव्र.,उमामहेश्वरपू., दूबड़ीसातम, आर्द्रा. H
८	गु	५९	३०	२९	५८	अनु	५८	२९	२९	३४	ऐ	९	१८	९	१३	वि	२७	३१	१७	१०	४५	१०	५२	वृश्चि.	५	५	२७	भ.१७।१० या.,दधीचीजयंती, गौरीआवाहन २९।३४ यावत्,शनेरस्तः D
९	शु	...	...	...	...	ज्ये	...	...	...	...	वै	९	५०	१०	०६	बा	३१	५०	१८	५४	४१	१०	५१	वृश्चि.	६	६	२८	श्री राधा ८, श्रीचंद्र (उदासीन संप्रदाय), गौरीपूजन [H भौमः २१।३०
९	श	४	३०	७	५९	ज्ये	४	५५	८	०९	वि	११	३०	१०	४७	कौ	४	३०	७	५९	३८	११	५०	धनु. ८।०९	७	७	२९	अदुःख नवमी व्र., दशावतार व्र., गौरी विसर्जन ८।०९ उपरान्त
१०	र	१०	३४	१०	२५	मूल	१२	२२	११	०८	प्री	१३	५३	११	४५	ग	१०	३४	१०	२५	३४	११	४९	धनु.	८	८	३०	भ. २३।४३ उ., श्री रामदेवजी का मेला, पूफा.रविः १९।०९, हस्ते J
११	सो	१७	०४	१३	०१	पूषा	२०	११	१४	१६	आ	१६	३४	१२	४९	वि	१७	०४	१३	०१	३०	१२	४८	मक. २१।०३	९	९	३१	भ. १३।०१ या.,जलझूलनी ११ व्र., पूफा.सौरः ९।४५ [J बुधः २६।१०
१२	मं	२३	२६	१५	३५	उषा	२७	५२	१७	२१	सौ	१९	०९	१३	५२	बा	२३	२६	१५	३५	२६	१२	४७	मक.	१०	१०	१	प्रदोषः, वामन जयंती, दुग्धव्रतं, गोत्रिरात्र व्र., सितंबर ९ ता. ३०
१३	बु	२९	१४	१७	५४	श्रव	३४	५९	२०	१२	शो	२१	२०	१४	४५	तै	२९	१४	१७	५४	२२	१३	४६	मक.	११	११	२	[D पश्चि. २६।२४, अगस्त्योदयः ९।१७ [B संध्यापूजा,श्लेषा.शुक्रः२०।३८
१४	गु	३४	१२	१९	५४	धनि	४१	१७	२२	४४	अ	२२	५२	१५	२२	ग	१	४९	६	५७	१८	१३	४४	कुंभे ९।३१	१२	१२	३	भ.१९।५४ उ.,पंचकप्रारम्भः ९।३१, अनन्त १४,कदलीव्रतंपू.,रंभारोपणं
१५	शु	३८	१०	२१	३०	शत	४६	३६	२४	५२	सु	२३	४१	१५	४२	वि	६	१८	८	४५	१४	१४	४३	कुंभे	१३	१३	४	भ. ८।४५ या.,पूर्णिमा व्र.पु.,प्रौष्ठपदी,महालयश्राद्धारंभः,महेश्वरपू.,कृ. B

अयनांशाः २३।५८।४५
२८ पं. भा.शु. ५ सो. इष्टघटी ४४।५७
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	२	५	९	३	४	९	४
०७	०५	०५	२६	०३	२८	०४	०७
४४	२७	०३	४८	४१	१३	२८	०९
२४	४५	१८	२१	३०	१६	०३	५४
५७	३८	५६	७	७१	७	३	५७
५२	१६	३६	३२	२१	११	११	४४
म	मृ	उफा	ध	पु	उफा	उषा	म
३	४	३	२व	१	१	३	३



अगस्त रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेलवे-टाईम						कलकता रेलवे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२१	शु	४	०४	०८	२५	५७	४७	१२	०८	३१	२३	६	२५	६	५८	३१	४१	५	१९	५	५९
२२	श	४	०५	०६	११	५७	४८	११	४८	३१	२१	६	२५	६	५८	३१	३८	५	१९	५	५८
२३	र	४	०६	०३	५९	५७	५०	११	२७	३१	१८	६	२६	६	५७	३१	३५	५	२०	५	५८
२४	चं	४	०७	०१	४९	५७	५१	११	०७	३१	१६	६	२६	६	५६	३१	३२	५	२०	५	५७
२५	मं	४	०७	५९	४०	५७	५३	१०	४६	३१	१३	६	२६	६	५५	३१	२९	५	२०	५	५६
२६	बु	४	०८	५७	३३	५७	५४	१०	२६	३१	११	६	२६	६	५५	३१	२६	५	२१	५	५५
२७	गु	४	०९	५५	२७	५७	५६	१०	०५	३१	०८	६	२६	६	५४	३१	२३	५	२१	५	५४
२८	शु	४	१०	५३	२२	५७	५७	९	४४	३१	०६	६	२७	६	५३	३१	२०	५	२१	५	५३
२९	श	४	११	५१	१९	५७	५९	९	२२	३१	०३	६	२७	६	५२	३१	१७	५	२२	५	५२
३०	र	४	१२	४९	१८	५८	००	९	०१	३१	०१	६	२७	६	५१	३१	१४	५	२२	५	५१
३१	चं	४	१३	४७	१८	५८	०२	८	३९	३०	५८	६	२७	६	५१	३१	११	५	२२	५	५१
१	मं	४	१४	४५	२०	५८	०४	८	१८	३०	५६	६	२७	६	५०	३१	०८	५	२२	५	५०
२	बु	४	१५	४३	२४	५८	०५	७	५६	३०	५३	६	२८	६	४९	३१	०५	५	२३	५	४९
३	गु	४	१६	४१	२९	५८	०७	७	३४	३०	५१	६	२८	६	४८	३१	०२	५	२३	५	४८
४	शु	४	१७	३९	३६	५८	०९	७	१२	३०	४८	६	२८	६	४७	३०	५९	५	२३	५	४७

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा-प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे॥ चैत्र से लेकर भाद्रपद तक शुक्ल पक्ष में तिथियां क्षय होने से धान्योत्पत्ति कम हो। गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो आश्लेषा योग समर्घता कारक है। शुक्ला चतुर्थी का क्षय होने से मूंग घी महंगें हों। सुदी छठ को अनुराधा नहीं होने से दुर्भिक्ष हों। पूर्णिमा शुक्रवार और शतभिषा युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों।

अयनांशाः २३।५८।४६
२१ पं. भा.शु.११ सो. इष्टघटी ४४।४९
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	२	५	९	३	४	९	४
१४	०९	१०	२५	१२	२९	०४	१३
३०	५३	३३	५७	०२	०४	०५	५४
०२	१७	३०	०७	३३	०२	४८	४१
५८	३७	३२	६	७१	७	३	५७
०३	२८	१०	५९	५२	२०	११	५७
पूफा	आ	ह	ध	पु	उफा	उषा	पूफा
१	१	१	१व	३	१	३	१



आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, ५ सितंबर से १८ सितंबर तक नवलगढ चंद्रः																										तारीख			शरदृत्तू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति महा., सितंबर २००९
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	श	४१	०४	२२	४०	पूभा	५०	५३	२६	३५	धृ	२३	४१	१५	४२	बा	९	४५	१०	०८	३१ १०	६ १४	६ ४२	मीने	२०।१२	१४	१४	५	[E वक्री बुधः २१।००
२	र	४२	५३	२३	२४	उभा	५४	०७	२७	५३	शू	२२	४९	१५	२२	तै	१२	०६	११	०५	०६	१४	४१	मीने		१५	१५	६	पातस्पर्शः १५।०६, मोक्षः १९।२६, बुधास्तः पश्चिमायाम् १७।०५
३	सो	४३	३६	२३	४१	रेव	५६	१६	२८	४५	गं	२१	०७	१४	४२	व	१३	२३	११	३६	०२	१५	४०	मेषे	२८।४५	१६	१६	७	भ. ११।३६ उ. २३।४१ या., पंचक समाप्तिः २८।४५, E
४	मं	४३	१४	२३	३३	अश्वि	५७	२१	२९	१२	वृ	१८	३१	१३	४०	ब	१३	३२	११	४०	३० ५८	१५	३९	मेषे		१७	१७	८	अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।३६, कन्यायां उफा.-२ D
५	बु	४१	४८	२२	५९	भर	५७	२४	२९	१३	ध्रु	१५	०६	१२	१८	कौ	१२	३७	११	१९	५४	१६	३८	मेषे		१८	१८	९	भरणी श्राद्ध, चंद्रषष्ठी [D शनिः १३।५९
६	गु	३९	१९	२२	००	कृति	५६	२७	२८	५१	व्या	१०	५०	१०	३६	ग	१०	४०	१०	३२	५०	१६	३६	वृषे	११।१०	१९	१९	१०	भ. २२।०० उ.
७	शु	३५	५२	२०	३८	रोहि	५४	३१	२८	०५	ह	५ ५९	४५ ५५	८ ३०	३५ १५	वि	७	४२	९	२२	४६	१७	३५	वृषे		२०	२०	११	भ. ९।२२ या., श्रीमहालक्ष्मी व्र.
८	श	३१	२८	१८	५३	मृग	५१	४१	२६	५८	सि	५३	१८	२७	३७	बा	३	४६	७	४८	४२	१७	३४	मिथु.	१५।३४	२१	२१	१२	अशोकाष्टमी [B उषा.-२ राहुः ९।५०, पुन्.-४ केतुः ९।५०
९	र	२६	१३	१६	४७	आर्द्रा	४८	०१	२५	३०	व्य	४६	०२	२४	४२	ग	२६	१३	१६	४७	३८	१८	३३	मिथु.		२२	२२	१३	भ. २७।३६ उ., सौभाग्यवतीनां श्राद्धं, उफा. रविः १३।०३ C
१०	सो	२०	१०	१४	२२	पुन	४३	३७	२३	४५	व	३८	०८	२१	३३	वि	२०	१०	१४	२२	३४	१८	३२	कर्के	१८।१३	२३	२३	१४	भ. १४।२२ या. [C (सौरः २७।५६), (व) उफा. बुधः २५।१६
११	मं	१३	२९	११	४२	पुष्य	३८	३८	२१	४६	प	२९	४५	१८	१३	बा	१३	२९	११	४२	३०	१९	३१	कर्के		२४	२४	१५	इंदिरा ११ व्र., सन्यासिनां श्राद्धं, सिंहे मघा. शुक्रः २१।३०, B
१२	बु	६	२०	८	५९	श्ले	३३	१८	१९	३८	शि	२१	०३	१४	४४	तै	६	२०	८	५१	२६	१९	३०	सिंहे	१९।३८	२५	२५	१६	भ. २९।५५ उ., प्रदोषः, युगादि, कन्यायां रविः २३।०९
१३	बु	५८	५९	२९	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[A विश्वकर्मा पू., कन्यायां सौरः १४।०२, पुन. भौमः १५।११
१४	गु	५१	४२	२७	००	मघा	२७	५३	१७	२९	सि	१२	१३	११	१३	वि	२५	१९	१६	२७	२२	१९	२८	सिंहे		२६	२६	१७	भ. १६।२७ या., मासिकशिवरात्री व्र., शस्त्रादि हतानां श्राद्धं, A
३०	शु	४४	५२	२४	१७	पूफा	२२	४६	१५	२६	सा	३ ५५	३२ १७	७ २८	४५ २७	च	१८	१२	१३	३७	१८	२०	२७	कन्या	२०।५८	२७	२७	१८	देवपितृकार्येऽमा., सर्वपितृ श्राद्धम्, पातस्पर्शः १९।३६, मोक्षः २३।२५

अयनांशाः २३।५८।४७
२२ पं.आ.कृ. ३ सो. इष्टघटी ६४।४१
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	२	५	९	३	४	९	४
२१	१४	१२	२५	२०	२९	०३	२०
१६	१३	२९	१०	२७	५५	४३	४१
५९	०४	०७	२९	०९	४२	३३	०३
५८	३६	७	६	७२	७	३	५८
१५	३७	२२	११	२२	२६	११	११
पूफा	आ	ह	ध	श्ले	उफा	उषा	पूफा
३	३	१व	१व	२	१	३	३



सितम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
५ श	४	१८	३७	४५	५८	१०	६	५०	३०	४६	६	२८	६	४६	३०	५६	५	२४	५	४६
६ र	४	१९	३५	५५	५८	१२	६	२७	३०	४३	६	२८	६	४६	३०	५२	५	२४	५	४५
७ चं	४	२०	३४	०७	५८	१४	६	०५	३०	४१	६	२८	६	४५	३०	४९	५	२४	५	४४
८ मं	४	२१	३२	२१	५८	१६	५	४३	३०	३८	६	२९	६	४४	३०	४६	५	२४	५	४३
९ बु	४	२२	३०	३७	५८	१७	५	२०	३०	३५	६	२९	६	४३	३०	४३	५	२५	५	४२
१० गु	४	२३	२८	५४	५८	१९	४	५७	३०	३३	६	२९	६	४२	३०	४०	५	२५	५	४१
११ शु	४	२४	२७	१३	५८	२१	४	३४	३०	३०	६	२९	६	४१	३०	३७	५	२५	५	४०
१२ श	४	२५	२५	३५	५८	२३	४	१२	३०	२८	६	२९	६	४०	३०	३४	५	२६	५	३९
१३ र	४	२६	२३	५७	५८	२५	३	४९	३०	२५	६	२९	६	३९	३०	३०	५	२६	५	३८
१४ चं	४	२७	२२	२२	५८	२७	३	२६	३०	२२	६	३०	६	३९	३०	२७	५	२६	५	३७
१५ मं	४	२८	२०	४९	५८	२८	३	०३	३०	२०	६	३०	६	३८	३०	२४	५	२६	५	३६
१६ बु	४	२९	१९	१७	५८	३०	२	४०	३०	१७	६	३०	६	३७	३०	२१	५	२७	५	३५
१७ गु	५	००	१७	४८	५८	३२	२	१६	३०	१४	६	३०	६	३६	३०	१८	५	२७	५	३४
१८ शु	५	०१	१६	२०	५८	३४	१	५३	३०	१२	६	३०	६	३५	३०	१४	५	२७	५	३३

संक्रांति फलम्

ता. १६ सितंबर २००९
आश्वि. कृ. १२ बुधे कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. २३।०९ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २३।०९ से २९।३३ तक। (दान- गृह वस्त्र)।

अयनांशाः २३।५८।४८
२३ पं.आ.कृ.१० सो. इष्टघटी ४४।३३
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	२	५	९	३	५	९	४
२८	१८	०९	२४	२८	००	०३	२७
०५	२६	१५	३०	५५	४७	२१	२९
२४	३४	१७	०४	०६	५४	१७	०८
५८	३५	५२	५	७२	७	३	५८
२८	४०	४८	११	५०	२९	११	२७
उफा	आ	उफा	ध	श्ले	उफा	उषा	उफा
१	४	४व	१व	४	२	३	१



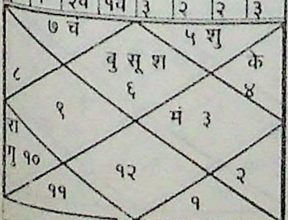
आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, १९ सितंबर से ४ अक्टूबर तकनवलगढ																								चंद्रः	तारीख			शरदृत्तु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ६३७६, सितंबर-अक्टूबर २००९
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	श	३८	५१	२१	५३	उफा	१८	१७	१३	३९	शु	४७	४६	२५	२७	किं	११	४३	११	०२	३० १४	६ २०	६ २६	कन्या	२८	२८	१९	नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेन जयंती , मातामह श्रा.
२	र	३४	०२	१९	५८	हस्त	१४	५३	१२	१८	ब्र	४१	१५	२२	५१	बा	६	१६	८	५१	१०	२१	२५	तुला. २३।५०	२९	२९	२०	चंद्रदर्शनम् (मु.३०) [A (आश्वलायन शास्वा), कार्तिक स्नान प्रा., D
३	सो	३०	४७	१८	४०	चित्रा	१२	५४	११	३१	ऐ	३६	०३	२०	४६	तै	२	११	७	१४	०६	२१	२४	तुला.	३०	१	२१	भ. ३०।१८ उ., सव्वाल १० [D (व) श्रव.-४ गुरुः १४।३४
४	मं	२९	२४	१८	०७	स्वा	१२	४०	११	२६	वै	३२	२०	१९	१८	वि	२९	२४	१८	०७	०२	२२	२३	वृश्चि. २९।५२	३१	२	२२	भ. १८।०७ या., सायन तुलायां भानुः २७।०३
५	बु	३०	००	१८	२२	विशा	१४	२२	१२	०७	वि	३०	११	१८	२७	बा	३०	००	१८	२२	२९ ५८	२२	२१	वृश्चि.	१	३	२३	उपांग ललिता व्र., भा. अश्विनारंभः [B रविः २८।३३, बुधोदयः E
६	गु	३२	३७	१९	२५	अनु	१८	०२	१३	३५	प्री	२९	३७	१८	१३	कौ	१	०४	६	४८	५४	२३	२०	वृश्चि.	२	४	२४	(व) सिंहे बुधः ८।१९ [E पूर्वस्याम् १७।१०, पूफा. शुक्रः १९।५१
७	शु	३७	०२	२१	१२	ज्ये	२३	२९	१५	४७	आ	३०	२४	१८	३३	ग	४	३७	८	१४	५०	२३	१९	धनु. १५।४७	३	५	२५	भ. २१।१२ उ., सरस्वती आवाहनं मूलभे, भद्रकाली अवतार
८	श	४२	४८	२३	३१	मूल	३०	२१	१८	३२	सौ	३२	१६	१९	१८	वि	९	४६	१०	१८	४६	२४	१८	धनु.	४	६	२६	भ. १०।१८ या., महाष्टमी, सरस्वती पूजनं पू.षाभे, हस्ते B
९	र	४९	१८	२६	०७	पूषा	३८	०१	२१	३७	शो	३४	४४	२०	१८	बा	१६	००	१२	४८	४२	२४	१७	मक. २८।२४	५	७	२७	मन्वादि, शस्त्रादि पूजा, बलिदानं उ.षाभे, हस्ते सौरः १९।१८
१०	सो	५५	५०	२८	४५	उषा	४५	५०	२४	४५	अ	३७	२२	२१	२१	तै	२२	३६	१५	२७	३८	२५	१६	मक.	६	८	२८	बोद्धावतार, विजया १०, शमीपूजा, पट्टाभिषेक, सरस्वती C
११	मं	...	...	...	...	श्रव	५३	१०	२७	४१	सु	३९	३९	२२	१७	व	२८	५४	१७	५९	३४	२५	१४	मक.	७	९	२९	भ. १७।५९ उ. [C विसर्जनं श्रवणे [G मार्गी बुधः ९।०९
११	बु	१	४५	७	०७	धनि	५९	३०	३०	१४	धृ	४१	१४	२२	५५	वि	१	४५	७	०७	३०	२५	१३	कुंभे १७।०१	८	१०	३०	भ. ७।०७ या., पंचक प्रारम्भः १७।०१, पापांकुशा ११ व्र., G
१२	गु	६	३७	९	०५	शत	...	...	...	...	शू	४१	५०	२३	१०	बा	६	३७	९	०५	२५	२६	१२	कुंभे	९	११	१	प्रदोषः,कार्त्तिकेद्विदलंत्यजेत्, अक्टूबर १० ता. ३१, पातस्पर्शः २७।२६
१३	शु	१०	०९	१०	३०	शत	४	३४	८	१६	गं	४१	२३	२३	००	तै	१०	०९	१०	३०	२१	२६	११	मीने २७।२६	१०	१२	२	गांधी जयन्ती, पातमोक्षः ७।४८, शनेरुदयः पूर्वस्याम् ३०।१२
१४	श	१२	१५	११	२१	पूभा	८	१६	९	४५	वृ	३९	४९	२२	२३	व	१२	१५	११	२१	१७	२८	१०	मीने	११	१३	३	भ. ११।२१ उ. २३।३४ या., पूर्णिमा व्रतं, शरद पूर्णिमा, कोजागरी व्र.
१५	र	१२	५७	११	३८	उभा	१०	३७	१०	४२	ध्रु	३७	१२	२१	२०	ब	१२	५७	११	३८	१३	२७	०९	मीने	१२	१४	४	पूर्णिमा पुण्यं, बंगीय लक्ष्मी पूजा, नवान्न भक्षण, आश्वयुजी कर्म A

अयनांशाः २३।५८।४९

२४ पं. आ.शु. ३ सो. इष्टघटी ४४।२५

(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	२	५	९	४	५	९	५
०४	२२	०२	२३	०७	०१	०२	०४
५५	३३	०९	५७	२६	४०	५९	१९
२०	१५	५२	१०	१२	१६	०२	०१
५८	३४	५८	४	७३	७	३	५८
४२	३९	५३	०१	१५	२८	११	४२
उफा	पुन	उफा	ध	म	उफा	उषा	उफा
३	१	२व	१व	३	२	२	३



सितम्बर		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ गति रेल्वे-टाईम				रवि		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१९	श	५	०२	१४	५४	५८	३६	१	३०	३०	०९	६	३०	६	३४	३०	११	५	२८	५	३२
२०	र	५	०३	१३	३१	५८	३८	१	०७	३०	०६	६	३१	६	३३	३०	०८	५	२८	५	३१
२१	चं	५	०४	१२	०९	५८	४०	०	४३	३०	०४	६	३१	६	३२	३०	०५	५	२८	५	३०
२२	मं	५	०५	१०	४९	५८	४२	०	२०+	३०	०१	६	३१	६	३१	३०	०२	५	२८	५	२९
२३	बु	५	०६	०९	३१	५८	४४	०	०३-	२९	५९	६	३१	६	३१	२९	५८	५	२९	५	२८
२४	गु	५	०७	०८	१५	५८	४६	०	२७	२९	५६	६	३१	६	३०	२९	५५	५	२९	५	२७
२५	शु	५	०८	०७	०१	५८	४८	०	५०	२९	५३	६	३२	६	२९	२९	५२	५	२९	५	२६
२६	श	५	०९	०५	४९	५८	५०	१	१३	२९	५१	६	३२	६	२८	२९	४९	५	३०	५	२५
२७	र	५	१०	०४	३९	५८	५२	१	३७	२९	४८	६	३२	६	२७	२९	४६	५	३०	५	२४
२८	चं	५	११	०३	३१	५८	५४	२	००	२९	४५	६	३२	६	२६	२९	४२	५	३०	५	२३
२९	मं	५	१२	०२	२५	५८	५६	२	२३	२९	४३	६	३२	६	२५	२९	३९	५	३०	५	२२
३०	बु	५	१३	०१	२१	५८	५८	२	४७	२९	४०	६	३३	६	२५	२९	३६	५	३१	५	२१
१	गु	५	१४	००	१९	५९	००	३	१०	२९	३७	६	३३	६	२४	२९	३३	५	३१	५	२०
२	शु	५	१४	५९	१९	५९	०२	३	३३	२९	३५	६	३३	६	२३	२९	३०	५	३४	५	१९
३	श	५	१५	५८	२१	५९	०४	३	५७	२९	३२	६	३३	६	२२	२९	२६	५	३२	५	१८
४	र	५	१६	५७	२५	५९	०६	४	२०	२९	२९	६	३३	६	२१	२९	२३	५	३२	५	१७

मास फलम्

इस माह में पांच शनिवार एवं पांच रविवार होने से नेष्ट फलप्रद और महर्घता हो। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और पूर्वाफाल्गुनी योग समर्घता कारक हो। आसोज सुदी पड़वा को शनिवार होने से धान्यादि भाव में मंदी हो। पूर्णिमा उत्तराभाद्रपद युक्त होने से शुभ फल दायिनी है लेकिन आश्विन की पूर्णिमा को अश्विनी का अभाव होने से महर्धता हो। बुधवार की सक्रांति होने से रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो। कन्या राशि में बुध का अस्त होने से चौर भय तथा अतिवृष्टि हो।

अयनांशाः २३।५८।५०

२५ पं. आ.शु.१० सो. इष्टघटी ४४।१७

(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	२	४	९	४	५	९	५
११	२६	२७	२३	१६	०२	०२	११
४६	३२	३८	३२	००	३२	३६	१०
५२	२६	१४	४९	१४	२५	४६	४५
५८	३३	३	२	७३	७	३	५८
५६	३१	४२	४४	४०	२५	११	५८
ह	पुन	उफा	घ	पूफा	उफा	उषा	ह
१	२	१व	१व	१	२	२	१



कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, ५ अक्टूबर से १८ अक्टूबर तक नवलगढ

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै.	टा.	तारीख भा.	मु.	इं.
१	सो	१२	२४	११	२६	रेव	११	४४	११	१०	व्या	३३	३९	१९	५५	कौ	१२	२४	११	२६	२९ ०९	६ २८	६ ०८	मेषे	११।१०	१३	१५	५
२	मं	१०	४६	१०	४७	अश्वि	११	४६	११	११	ह	२९	१६	१८	११	ग	१०	४६	१०	४७	०५	२८	०७	मेषे		१४	१६	६
३	बु	८	१३	९	४६	भर	१०	५६	१०	५१	व	२४	१४	१६	११	वि	८	१३	९	४६	०१	२९	०५	वृषे	१६।४४	१५	१७	७
४	गु	४	५७	८	२८	कृति	९	२४	१०	१५	सि	१८	३९	१३	५७	बा	४	५७	८	२८	२८ ५७	३०	०४	वृषे		१६	१८	८
५	शु	१	०८	६	५७	रोहि	७	१८	९	२५	व्य	१२	३९	११	३४	तै	१	०८	६	५७	५३	३०	०३	मिथु.	२०।५७	१७	१९	९
६	शु	५६	५४	२९	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०
७	श	५२	१६	२७	२५	मृग	४	४७	८	२५	व	६ ५९	१८ ४०	९ ३०	०२ २३	वि	२४	३६	१६	२१	४९	३१	०२	मिथु.		१८	२०	१०
८	र	४७	१७	२५	२६	आर्द्रा	१ ५८	५४ ४२	७ ३०	१७ ००	शि	५२	४४	२७	३७	बा	१९	४८	१४	२६	४५	३१	०१	कर्के	२४।२०	१९	२१	११
९	सो	४२	०१	२३	२०	पुष्य	५५	१२	२८	३६	सि	४५	३५	२४	४६	तै	१४	४०	१२	२४	४१	३२	००	कर्के		२०	२२	१२
१०	मं	३६	३०	२१	०८	श्ले	५१	२८	२७	०८	सा	३८	१३	२१	४९	व	९	१६	१०	१४	३७	३२	५ ५९	सिंहे	२७।०८	२१	२३	१३
११	बु	३०	५१	१८	५३	मघा	४७	३९	२५	३६	शु	३०	४५	१८	५१	ब	३	४०	८	०१	३३	३३	५८	सिंहे		२२	२४	१४
१२	गु	२५	१४	१६	३९	पूफा	४३	५५	२४	०७	शु	२३	१७	१५	५२	तै	२५	१४	१६	३९	२९	३३	५७	कन्या	२९।४६	२३	२५	१५
१३	शु	१९	५२	१४	३१	उफा	४०	३२	२२	४७	ब्र	१६	०२	१२	५९	व	१९	५२	१४	३१	२५	३४	५६	कन्या		२४	२६	१६
१४	श	१५	०४	१२	३६	हस्त	३७	४९	२१	४२	ऐ	९	१३	१०	१६	श	१५	०४	१२	३६	२१	३५	५५	कन्या		२५	२७	१७
३०	र	११	०७	११	०२	चित्रा	३६	०५	२१	०१	वै	३ ५७	०३ ५०	७ २९	४८ ४३	ना.	११	०७	११	०२	१७	३५	५४	तुला.	९।१८	२६	२८	१८

शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति महा., अक्टूबर २००९

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

- प्रंचक समाप्तिः ११।१०, कर्के भौमः ६।५२, कन्यायां बुधः ७।१३, D
- भ. २२।१९ उ. |D उफा.-३ शनिः ११।००
- भ. ९।४६ या., करवा ४ चन्द्रोदयः २०।०१, दशरथ ललिता F
- |F व्र., उफा. शुक्रः १६।००
- भ. २९।१६ उ., स्कन्द षष्ठी
- |A (नरक) १४, प्रभात स्नानं, तुलायां रविः ११।०६ (सौरः २४।५९)
- भ. १६।२१ या., चित्रा. रविः १७।३३, कन्यायां शुक्रः ८।४४
- होई (अहोरी) ८, चित्रा. सौरः ७।४८, पुष्ये भौमः १३।२९
- हस्ते बुधः २७।२० |B मार्गपाली बंधन, हस्ते शुक्रः १०।१९
- भ. १०।१४ उ. २१।०८ या., मार्गी गुरुः २१।३९
- रमा ११ व्र., गोवत्स द्वादशी, पातस्पर्शः १३।३५, मोक्षः १७।३६
- प्रदोषः, धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, यमायदीपदानं, गोत्रिरात्र व्र.
- भ. १४।३१ उ. २५।३१ या., मासिकशिवरात्री व्र., दीपदानं
- पितृकार्येऽमा., महालक्ष्मी पूजा, कुबेर पू., आकाश दीपारंभः, रुप A
- देवकार्येऽमा., बलीपूजा, गोवर्धन पू., अन्नकूटं देशाचारे, गोक्रीडा, B

अयनांशाः २३।५८।५१

२६ प. का.कृ. ९ सो. इष्टघटी ४४।०८

(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	३	५	९	४	५	९	५
१८	००	००	२३	२४	०३	०२	१८
४०	२३	३८	१७	३६	२४	१४	०४
०४	१८	२७	४३	५८	००	३१	२३
५९	३२	६१	१	७४	७	३	५९
१०	१५	१८	२३	०२	१८	११	१५
ह	पुन	उफा	श्र	पूफा	उफा	उषा	ह
३	४	२	४१	४	३	२	३



अक्टुबर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
५	चं	५	१७	५६	३२	५९	०८	४	४३	२९	२७	६	३४	६	२०	२९	२०	५	३२	५	१६
६	मं	५	१८	५५	४०	५९	१०	५	०६	२९	२४	६	३४	६	१९	२९	१७	५	३३	५	१५
७	बु	५	१९	५४	५०	५९	१२	५	२९	२९	२१	६	३४	६	१९	२९	१४	५	३३	५	१५
८	गु	५	२०	५४	०३	५९	१४	५	५२	२९	१९	६	३४	६	१८	२९	१०	५	३३	५	१४
९	शु	५	२१	५३	१७	५९	१६	६	१५	२९	१६	६	३५	६	१७	२९	०७	५	३४	५	१३
१०	श	५	२२	५२	३४	५९	१९	६	३७	२९	१४	६	३५	६	१६	२९	०४	५	३४	५	१२
११	र	५	२३	५१	५२	५९	२१	७	००	२९	११	६	३५	६	१५	२९	०१	५	३५	५	११
१२	चं	५	२४	५१	१३	५९	२३	७	२३	२९	०८	६	३५	६	१५	२८	५८	५	३५	५	१०
१३	मं	५	२५	५०	३६	५९	२५	७	४५	२९	०६	६	३६	६	१४	२८	५५	५	३५	५	०९
१४	बु	५	२६	५०	००	५९	२७	८	०८	२९	०३	६	३६	६	१३	२८	५२	५	३६	५	०८
१५	गु	५	२७	४९	२७	५९	२९	८	३०	२९	०१	६	३६	६	१२	२८	४८	५	३६	५	०७
१६	शु	५	२८	४८	५६	५९	३१	८	५२	२८	५८	६	३६	६	१२	२८	४५	५	३७	५	०७
१७	श	५	२९	४८	२७	५९	३३	९	१४	२८	५६	६	३७	६	११	२८	४२	५	३७	५	०६
१८	र	६	००	४८	००	५९	३५	९	३६	२८	५३	६	३७	६	१०	२८	३९	५	३७	५	०५

संक्रांति फलम्

ता. १७ अक्टूबर २००९

का. कृ. १४ शनौ तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. ११।०६ वारात् ४.नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः शकुनिकरणे प्रविष्ट। महर्घफलं श्वान्‌वाहनं शार्दूलोपवाहनं सुभिक्षकारक चित्रकवस्त्रं पाशायुधं वस्त्रपात्रं गुड़भक्षणं हरिद्रालेपनं क्षत्रीयजातिः कमलपुष्पं कोडीभूषणं कृष्णजिकंचुकी वंन्ध्यावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः भृगौ (स्टै.) २९।०६ से शनौ १७।०६ तक। (दान- तिल गोरस)।

अयनांशाः २३।५८।५२

२७ पं. का.कृ. ९ सो. इष्टघटी ४३।५९

(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	३	५	९	५	५	९	५
२५	०४	०९	२३	०३	०४	०१	२४
३४	०४	४७	१२	१६	१४	५२	५९
५६	५४	१९	१७	०९	३७	१५	५४
५९	३०	९४	०	७४	७	३	५९
२४	५०	२८	०२	२१	०८	११	३१
चि	पु	उफा	श्र	उफा	उफा	उषा	चि
१	१	४	४	२	३	२	१



कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, १९ अक्टूबर से २ नवंबर तक नवलगढ																						चंद्रः		तारीख		
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	रटै. टा.	भा.	मु.	इं.
१	सो	८	२२	९	५७	स्वा	३५	३८	२०	५१	प्री	५३	४२	२८	०५	व	८	२२	९	५७	२८ १४	६ ३६	५ ५३	तुला.	२७	२९	१९
२	मं	७	०५	९	२६	विशा	३६	४४	२१	१८	आ	५०	५२	२६	५७	कौ	७	०५	९	२६	१०	३६	५२	वृश्चि. १५।०७	२८	३०	२०
३	बु	७	२९	९	३७	अनु	३९	३२	२२	२६	सौ	४९	२४	२६	२३	ग	७	२९	९	३७	०६	३७	५१	वृश्चि.	२९	१	२१
४	गु	९	४२	१०	३०	ज्ये	४४	०३	२४	१५	शो	४९	१७	२६	२०	वि	९	४२	१०	३०	०२	३८	५०	धनु. २४।१५	३०	२	२२
५	शु	१३	३६	१२	०५	मूल	५०	०७	२६	४१	अ	५०	२३	२६	४७	बा	१३	३६	१२	०५	२७ ५८	३८	४९	धनु.	१	३	२३
६	श	१९	००	१४	१५	पूषा	५७	१९	२९	३५	सु	५२	२२	२७	३५	तै	१९	००	१४	१५	५४	३९	४८	धनु.	२	४	२४
७	र	२५	२३	१६	४९	उषा	...	...	...	...	धृ	५४	५१	२८	३६	व	२५	२३	१६	४९	५१	३९	४८	मक. १२।२१	३	५	२५
८	सो	३२	०४	१९	३०	उषा	५	०६	८	४२	शू	५७	२०	२९	३६	ब	३२	०४	१९	३०	४७	४०	४७	मक.	४	६	२६
९	मं	३८	२२	२२	०१	श्रव	१२	४६	११	४७	गं	५९	१९	३०	२४	बा	५	१८	८	४८	४३	४१	४६	कुंभे २५।१४	५	७	२७
१०	बु	४३	३४	२४	०७	धनि	१९	४०	१४	३३	वृ	...	...	...	...	तै	११	०७	११	०८	३९	४१	४५	कुंभे	६	८	२८
११	गु	४७	१६	२५	३६	शत	२५	१४	१६	४८	वृ	०	१९	६	५०	व	१५	३७	१२	५७	३६	४२	४४	कुंभे	७	९	२९
१२	शु	४९	१२	२६	२३	पूभा	२९	१०	१८	२३	ध्रु	० ५८	०८ ३६	६ ३०	४६ ०९	ब	१८	२७	१४	०५	३२	४३	४३	मीने १२।०३	८	१०	३०
१३	श	४९	२१	२६	२८	उभा	३१	२२	१९	१६	ह	५५	४१	२९	००	कौ	१९	२८	१४	३१	२८	४३	४३	मीने	९	११	३१
१४	र	४७	५०	२५	५२	रेव	३१	५४	१९	३०	व	५१	२८	२७	१९	ग	१८	४५	१४	१४	२५	४४	४२	मेषे ११।३०	१०	१२	१
१५	सो	४४	५४	२४	४३	अश्वि	३०	५९	१९	०९	सि	४६	०८	२५	१२	वि	१६	३१	१३	२१	२१	४५	४१	मेषे	११	१३	२

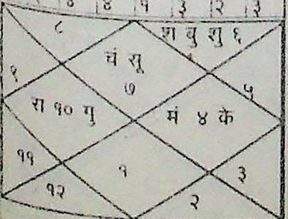
शरदृतू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ६४०६, अक्टूबर-नवंबर २००९

इसमें लिखे अंक सब स्टेंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

गुर्जराणां नूतन वर्षारंभः
चंद्रदर्शनम्(मु.४५). भ्रातृ २, यम २, यमुना स्नानं, कलमदवातपू., C
भ. २१।५८ उ., दूर्वागणपति व्र., जिल्काद ११, धनि.-१ गुरुः २७।३३
भ. १०।३० या. [C चित्रा. बुधः २८।१८, बुधास्तः पूर्वस्याम् १३।५२
सौभाग्य ५, पाण्डव ५, भा.कार्तिकारंभः, स्वा.रविः २८।०३, सायन F
स्वा. सौरः १७।३०, तुलायां बुधः २६।१६ [F वृश्चिके भानुः १२।२५
भ. १६।४९ उ. ३०।०९ या.,कल्पादि [A त्रिपुरोत्सव, पुष्करयात्रा, H
गोपाष्टमी [H नानकजयंती, भीष्मपंचक समाप्ति, कार्तिक स्नान पूर्तिः
पंचक प्रारम्भः २५।१४, युगादि, कुष्माण्ड (अक्षय) ९, पातस्पर्शः J
स्वा. बुधः २५।०५, चित्रा. शुक्रः २७।१० [J १३।५२, मोक्षः १९।०४
भ. १२।५७ उ. २५।३६ या., प्रबोधिनी ११ व्र., देवोत्थापनं, तुलसी D
मन्वादि [D विवाह, चतुर्मास व्रत समाप्तिः, भीष्म पंचक प्रा.
प्रदोषः [E समाप्तिः, कार्तिक व्रतोद्यापनं, नवंबर ११ ता. ३०
भ. २५।५२ उ., पंचक समाप्तिः १९।३०, वैकुण्ठ १४, रोटक व्रत E
भ. १३।२१ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, गोपद्मव्रत समाप्ति, A

अयनांशा: २३।५८।५३
२८ पं. का.शु. १ सो. इष्टघटी ४३।४९
(रेल्वे घ. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	३	५	९	५	५	९	६
०२	०७	२१	२३	११	०५	०१	०१
३१	३६	२०	१६	५७	०३	३०	५७
२८	०३	०४	४०	३०	५३	००	१७
५९	२९	१०२	१	७४	६	३	५९
३८	१४	०६	२६	३८	५४	११	४७
चि	पु	ह	श्र	ह	उफा	उषा	चि
३	२	४	४	१	३	२	३



अक्टुबर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम		रवि				गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क	वि	क.	वि.	अं.	क	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१९	चं	६	०१	४७	३४	५९	३७	९	५८	२८	५०	६	३७	६	१०	२८	३६	५	३८	५	०४
२०	मं	६	०२	४७	११	५९	३९	१०	१९	२८	४८	६	३८	६	०९	२८	३३	५	३८	५	०३
२१	बु	६	०३	४६	५०	५९	४१	१०	४१	२८	४५	६	३८	६	०८	२८	३०	५	३९	५	०३
२२	गु	६	०४	४६	३१	५९	४३	११	०२	२८	४३	६	३८	६	०८	२८	२७	५	३९	५	०२
२३	शु	६	०५	४६	१४	५९	४५	११	२३	२८	४०	६	३९	६	०७	२८	२४	५	४०	५	०१
२४	श	६	०६	४५	५९	५९	४७	११	४४	२८	३८	६	३९	६	०६	२८	२१	५	४०	५	००
२५	र	६	०७	४५	४६	५९	४९	१२	०५	२८	३६	६	४०	६	०६	२८	१८	५	४१	५	००
२६	चं	६	०८	४५	३५	५९	५१	१२	२५	२८	३३	६	४०	६	०५	२८	१५	५	४१	४	५९
२७	मं	६	०९	४५	२६	५९	५३	१२	४६	२८	३१	६	४०	६	०५	२८	१२	५	४१	४	५८
२८	बु	६	१०	४५	१९	५९	५५	१३	०६	२८	२८	६	४१	६	०४	२८	०९	५	४२	४	५८
२९	गु	६	११	४५	१४	५९	५७	१३	२६	२८	२६	६	४१	६	०३	२८	०६	५	४२	४	५७
३०	शु	६	१२	४५	१०	५९	५९	१३	४६	२८	२४	६	४२	६	०३	२८	०३	५	४३	४	५६
३१	श	६	१३	४५	०९	६०	००	१४	०५	२८	२१	६	४२	६	०२	२८	००	५	४४	४	५६
१	र	६	१४	४५	०९	६०	०२	१४	२५	२८	१९	६	४२	६	०२	२७	५८	५	४४	४	५५
२	चं	६	१५	४५	१२	६०	०४	१४	४४	२८	१७	६	४३	६	०१	२७	५५	५	४५	४	५५

अयनांशाः २३।५८।५४
२९ पं. का.शु. ८ सो. इष्टघटी ४३।३८
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	३	६	९	५	५	९	६
०९	१०	०३	२३	२०	०५	०१	०८
२९	५५	१४	३०	४०	५१	०७	५६
३९	२१	०७	४८	४३	२४	४५	२९
५९	२७	१०१	२	७४	६	३	६०
५२	२५	०८	४८	५३	३७	११	०२
स्वा	पु	चि	ध	ह	उफा	उषा	स्वा
१	३	३	१	४	३	२	१



अयनांशाः २३।५८।५५
३० पं. का.शु.१५ सो. इष्टघटी ४३।२६
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

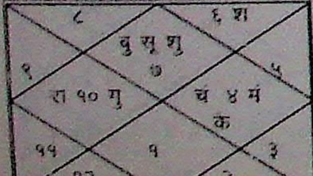
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	३	६	९	५	५	९	६
१६	१४	१४	२३	२९	०६	००	१५
२९	०१	५३	५४	२५	३६	४५	५७
२५	०९	२९	२६	२८	४७	२९	२६
६०	२५	९८	४	७५	६	३	६०
०६	२०	१०	०८	०४	१७	११	१६
स्वा	पु	स्वा	ध	चि	उफा	उषा	स्वा
३	४	३	१	२	३	२	३



मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, ३ नवंबर से १६ नवंबर तक नवलगढ चंद्रः																									तारीख			हेमन्तर्तु रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति महा., नवंबर २००९
ति.	वा.	च.	प.	घ.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	मं	४०	५२	२२	०६	भर	२८	५४	१८	११	व्य	३९	५७	२२	४४	बा	१२	५९	११	५७	२७ १८	६ ४५	५ ४१	वृषे २४।०३	१२	१४	३	तुलायां शुक्रः ११।०९, उफा.-४ शनिः १२।२३
२	बु	३६	०३	२१	११	कृति	२५	५७	१७	०९	व	३३	०६	२०	०१	तै	८	३२	१०	११	१४	४६	४०	वृषे	१३	१५	४	
३	गु	३०	४३	१९	०४	रोहि	२२	२८	१५	४६	प	२५	५०	१७	०७	व	३	२५	८	०९	११	४७	३९	मिथु. २७।०२	१४	१६	५	भ. ८।०९ उ. १९।०४ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः १९।४५, C
४	शु	२५	११	१६	५२	मृग	१८	४४	१४	१७	शि	१८	२३	१४	०९	वा	२५	११	१६	५२	०७	४८	३९	मिथु.	१५	१७	६	विशा. रविः १२।१० (सौरः २४।३८)
५	श	१९	२८	१४	४०	आर्द्रा	१४	५७	१२	४७	सि	१०	५४	११	१०	तै	१९	३८	१४	४०	०४	४८	३८	कर्के २९।४१	१६	१८	७	[C सौभाग्य सुंदरी व्र., विशा. बुधः २७।२५
६	र	१४	१२	१२	३०	पुन	११	१७	११	२०	सा	३ ५६	२९ १७	८ २२	१३ २०	व	१४	१२	१२	३०	०१	४९	३७	कर्के	१७	१९	८	भ. १२।३० उ. २३।२७ या., पातस्पर्शः २७।५०, स्वा. शुक्रः १८।५६
७	सो	८	५९	१०	२५	पुष्य	७	५०	९	५८	शु	४९	१५	२६	३२	ब	८	५९	१०	२५	२६ ५७	५०	३७	कर्के	१८	२०	९	कालभैरवाष्टमी, पातमोक्षः ८।४९, श्लेषा. भौमः १२।२०
८	मं	४	०२	८	२७	श्ले	४	३८	८	४२	ब्र	४२	२७	२३	४९	कौ	४	०२	८	२७	५४	५१	३६	सिंहे ८।४२	१९	२१	१०	
९	म	५९	२७	३०	३७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A आकाशदीप समाप्तिः, वृश्चिके रविः १०।५१ (सौरः २२।२९)
१०	बु	५५	१३	२८	५६	मघा	१ ५९	४५ १७	७ ३०	३३ ३४	ऐ	३५	५६	२१	१४	व	२७	१६	१७	४६	५१	५१	३६	सिंहे	२०	२२	११	भ. १७।४६ उ. २८।५६ या.
११	गु	५१	२७	२७	२७	उफा	५७	१६	२९	४७	वै	२९	४६	१८	४७	व	२३	१५	१६	१०	४८	५२	३५	कन्या १२।२१	२१	२३	१२	उत्पत्ति ११ व्र.स्मार्त, वैतरणी व्र., वृश्चिके बुधः १।४९
१२	शु	४८	१९	२६	१३	हस्त	५५	५३	२९	१४	वि	२४	०३	१६	३०	कौ	१९	४७	१४	४७	४४	५३	३५	कन्या	२२	२४	१३	उत्पत्ति ११ व्र.वैष्ण.
१३	श	४५	५९	२५	१७	चित्रा	५५	१९	२३	०१	प्री	१८	५५	१४	२८	ग	१७	०२	१३	४२	४१	५४	३४	तुला. १७।०५	२३	२५	१४	भ. २५।१७ उ., प्रदोषः, नेहरुजयन्ती (बालदिवस), अनु. बुधः १२।४३
१४	र	४४	३९	२४	४६	स्वा	५५	४३	२९	१२	आ	१४	२९	१२	४२	वि	१५	१०	१२	५८	३८	५४	३४	तुला.	२४	२६	१५	भ. १२।५८ या., मासिकशिवरात्री व्र.
३०	सो	४४	२९	२४	४३	विशा	५७	१८	२९	५०	सौ	१०	५४	११	१७	च	१४	२४	१२	४१	३५	५५	३३	वृश्चि. २३।३८	२५	२७	१६	देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., गौरीतपोव्र., महाव्रतारंभः, A

अयनांशाः २३।५८।५६
३१ प. मा.कृ. ७ सो. इष्टघटी ४३।१३
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	३	६	९	६	५	९	६
२३	१६	२६	२४	०८	०७	००	२३
३०	५१	११	२७	११	१९	२३	००
४३	२५	३६	११	२९	३८	१४	०२
६०	२२	९५	५	७५	५	३	६०
१८	५५	१६	२४	१४	५३	११	३०
वि	श्ले	वि	ध	स्वा	उफा	उषा	वि
२	१	२	१	१	४	२	१



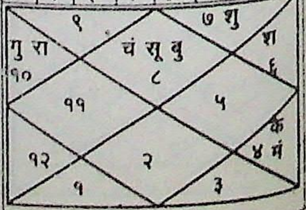
नवम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।-- रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
३	मं	६	१६	४५	१६	६०	०६	१५	०३	२८	१४	६	४३	६	०१	२७	५२	५	४५	४	५४
४	बु	६	१७	४५	२२	६०	०८	१५	२१	२८	१२	६	४४	६	०१	२७	४९	५	४६	४	५३
५	गु	६	१८	४५	३०	६०	१०	१५	४०	२८	१०	६	४४	६	००	२७	४७	५	४६	४	५३
६	शु	६	१९	४५	४०	६०	१२	१५	५८	२८	०८	६	४५	६	००	२७	४४	५	४७	४	५२
७	श	६	२०	४५	५२	६०	१३	१६	१६	२८	०५	६	४५	५	५९	२७	४१	५	४७	४	५२
८	र	६	२१	४६	०५	६०	१५	१६	३३	२८	०३	६	४६	५	५९	२७	३९	५	४८	४	५१
९	चं	६	२२	४६	२०	६०	१७	१६	५१	२८	०१	६	४६	५	५९	२७	३६	५	४९	४	५१
१०	मं	६	२३	४६	३७	६०	१९	१७	०८	२७	५९	६	४७	५	५८	२७	३३	५	४९	४	५१
११	बु	६	२४	४६	५६	६०	२०	१७	२४	२७	५७	६	४७	५	५८	२७	३१	५	५०	४	५०
१२	गु	६	२५	४७	१६	६०	२२	१७	४१	२७	५५	६	४८	५	५८	२७	२८	५	५०	४	५०
१३	शु	६	२६	४७	३८	६०	२४	१७	५७	२७	५३	६	४८	५	५७	२७	२६	५	५१	४	४९
१४	श	६	२७	४८	०२	६०	२५	१८	१३	२७	५१	६	४९	५	५७	२७	२४	५	५२	४	४९
१५	र	६	२८	४८	२७	६०	२७	१८	२८	२७	४९	६	४९	५	५७	२७	२१	५	५२	४	४९
१६	चं	६	२९	४८	५४	६०	२९	१८	४३	२७	४७	६	५०	५	५७	२७	१९	५	५३	४	४९

संक्रांति फलम्

ता. १६ नवंबर २००९
मार्ग. कृ. ३० चंद्रे वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १०।५१ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः चतुष्पादकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं मेषवाहनं महिषोपवाहनं पीडाकारक कंबलवस्त्रं अंकुशायुधं करपात्रं मधुभक्षणं अंजनलेपनं वैश्यजातिः मल्लिकापुष्पं नीलभूषणं चर्मकंचुकी अतिवंध्यावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः रवौ (स्टै.) २८।२७ से [illegible] तक। (दान- दीप)।

अयनांशाः २३।५८।५७
३२ पं. मा.कृ.३० सो. इष्टघटी ४३।००
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

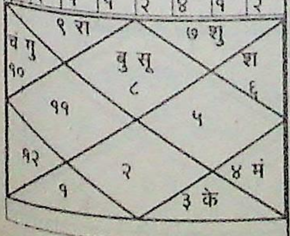
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	३	७	९	६	५	९	७
००	१९	०७	२५	१६	०७	००	००
३३	२३	१२	०८	५८	५९	००	०४
२५	४७	०२	३३	२६	३२	५८	०८
६०	२०	९३	६	७५	५	३	६०
३०	०९	२१	३५	२१	२६	११	४२
वि	श्ले	अनु	ध	स्वा	उफा	उषा	वि
४	१	२	१	४	४	२	४



मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, १७ नवंबर से २ दिसंबर तक नवलगढ																							चंद्रः		तारीख			हेमन्तर्तु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ६४३५, नवंबर-दिसंबर २००९
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	मं	४५	३८	२५	११	अनु	…	…	…	…	शो	८	१५	१०	१४	किं	१४	५२	१२	५३	२६/३३	६/५६	५/३३	वृश्चि.	२६	२८	१७	धनुषि उषा.-१ राहुः ७।२७, मिथुने पुन.-३ केतुः ७।२७
२	बु	४८	११	२६	१३	अनु	०	०८	७	००	अ	६	४१	९	३७	बा	१६	४३	१३	३८	३०	५७	३३	वृश्चि.	२७	२९	१८	चंद्रदर्शनम् (मु.१५)
३	गु	५२	१०	२७	४९	ज्ये	४	२३	८	४३	सु	६	१०	९	२६	तै	१९	५९	१४	५७	२७	५७	३२	धनु. ८।४३	२८	१	१९	रंभास्येयं, जिल्हेज १२, अनु. रविः १८।११ (सौरः २९।३१), E
४	शु	५७	२७	२९	५७	मूल	९	५७	१०	५७	धृ	६	४३	९	४०	व	२४	३८	१६	५०	२४	५८	३२	धनु.	२९	२	२०	भ. १६।५० उ. २९।५७ या. [E विशा. शुक्रः ९।५७
५	श	…	…	…	…	पूषा	१६	४१	१३	४०	शू	८	११	१०	१५	ब	३०	२८	१९	१०	२२	५९	३२	मक. २०।२४	३०	३	२१	नागपंचमी, पातस्पर्शः २४।२५
५	र	३	४२	८	२८	उषा	२४	१५	१६	४२	गं	१०	२१	११	०८	बा	३	४२	८	२८	१९	७/००	३१	मक.	१	४	२२	स्कंदषष्ठी, भा. मार्गशीर्षारंभः, पातमोक्षः ७।३७, सायन C
६	सो	१०	२९	११	१२	श्रवं	३२	०८	१९	५२	वृ	१२	५१	१२	०९	तै	१०	२९	११	१२	१६	०१	३१	मक.	२	५	२३	[C धनुषि भानुः ९।५८, ज्येष्ठा. बुधः २६।४९
७	मं	१७	०८	१३	५३	धनि	३९	४०	२२	५३	ध्रु	१५	१४	१३	०७	व	१७	०८	१३	५३	१४	०१	३१	कुंभे ९।२५	३	६	२४	भ. १३।५३ उ. २७।०६ या., पंचक प्रारम्भः ९।२५
८	बु	२२	५८	१६	१३	शत	४६	१३	२५	३१	व्या	१७	०१	१३	५१	ब	२२	५८	१६	१३	१२	०२	३१	कुंभे	४	७	२५	[A २२।२७, बुधोदयः पश्चिमायाम् २०।००
९	गु	२७	२१	१७	५९	पूभा	५१	१३	२७	३२	ह	१७	४६	१४	०९	कौ	२७	२१	१७	५९	०९	०३	३१	मीने २१।०६	५	८	२६	कल्पादि
१०	शु	२९	५४	१९	०१	उभा	५४	२१	२८	४८	व	१७	०७	१३	५५	ग	२९	५४	१९	०१	०७	०४	३१	मीने	६	९	२७	वृश्चिके शुक्रः ८।५४ [D व्र., गीता जयंती, धनि.-२ गुरुः ३०।००
११	श	३०	२३	१९	१४	रेव	५५	३०	२९	१६	सि	१४	५७	१३	०३	व	०	२३	७	१४	०५	०४	३०	मेषे २९।१६	७	१०	२८	भ. ७।१४ उ. १९।१४ या., पंचक समाप्तिः २९।१६, मोक्षदा ११ D
१२	र	२८	५३	१८	३८	अश्वि	५४	४५	२८	५९	व्य	११	१२	११	३४	बा	२८	५३	१८	३८	०३	०५	३०	मेषे	८	११	२९	अनंग त्रयोदशी व्र., अनु. शुक्रः २४।३०
१३	सो	२५	३२	१७	१९	भर	५२	२०	२८	०२	व	५/५९	५८/२७	९/३०	२९/५३	तै	२५	३२	१७	१९	०९	०६	३०	मेषे	९	१२	३०	प्रदोषः [B दिसंबर १२ ता. ३१, धनुषि मूले बुधः २०।०९
१४	मं	२०	४०	१५	२३	कृति	४८	३४	२६	३२	शि	५१	५१	२७	५१	व	२०	४०	१५	२३	२५/५९	०७	३०	वृषे ९।४२	१०	१३	१	भ. १५।२३ उ. २६।१३ या., श्री दत्त जयंती, पिशाच मोचन श्राद्धं, B
१५	बु	१४	३७	१२	५९	रोहि	४३	५१	२४	४०	सि	४३	२९	२४	३१	ब	१४	३७	१२	५९	५७	०८	३०	वृषे	११	१४	२	पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा, ज्येष्ठा. रविः A

अयनांशाः २३।५८।५८
३३ पं. मा.शु. ६ सो. इष्टघटी ४२।४६
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	३	७	९	६	५	८	७
०७	२१	१८	२५	२५	०८	२९	०७
३७	३५	०२	५८	४६	३६	३८	०९
२६	२४	०३	००	०७	०७	४३	३७
६०	१६	९२	७	७५	४	३	६०
४०	५५	१७	४१	२६	५६	११	५३
अनु	श्ले	ज्ये	ध	वि	उफा	उषा	अनु
२	२	१	१	२	४	१	२



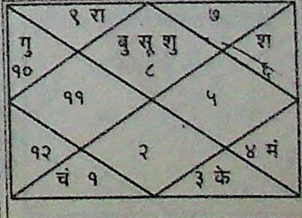
नवम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकत्ता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१७	मं	७	००	४९	२३	६०	३०	१८	५८	२७	४५	६	५१	५	५७	२७	१७	५	५४	४	४८
१८	बु	७	०१	४९	५३	६०	३२	१९	१३	२७	४३	६	५१	५	५६	२७	१४	५	५४	४	४८
१९	गु	७	०२	५०	२५	६०	३३	१९	२७	२७	४१	६	५२	५	५६	२७	१२	५	५५	४	४८
२०	शु	७	०३	५०	५८	६०	३५	१९	४१	२७	४०	६	५२	५	५६	२७	१०	५	५६	४	४८
२१	श	७	०४	५१	३३	६०	३६	१९	५४	२७	३८	६	५३	५	५६	२७	०८	५	५६	४	४७
२२	र	७	०५	५२	०९	६०	३८	२०	०७	२७	३६	६	५३	५	५६	२७	०६	५	५७	४	४७
२३	चं	७	०६	५२	४७	६०	३९	२०	२०	२७	३५	६	५४	५	५६	२७	०४	५	५८	४	४७
२४	मं	७	०७	५३	२६	६०	४१	२०	३२	२७	३३	६	५५	५	५६	२७	०२	५	५८	४	४७
२५	बु	७	०८	५४	०६	६०	४२	२०	४४	२७	३२	६	५५	५	५६	२७	००	५	५९	४	४७
२६	गु	७	०९	५४	४८	६०	४३	२०	५६	२७	३०	६	५६	५	५६	२६	५८	६	००	४	४७
२७	शु	७	१०	५५	३१	६०	४४	२१	०७	२७	२९	६	५६	५	५६	२६	५७	६	००	४	४७
२८	श	७	११	५६	१६	६०	४६	२१	१८	२७	२७	६	५७	५	५६	२६	५५	६	०१	४	४७
२९	र	७	१२	५७	०२	६०	४७	२१	२८	२७	२६	६	५८	५	५६	२६	५३	६	०२	४	४७
३०	चं	७	१३	५७	४९	६०	४८	२१	३८	२७	२५	६	५८	५	५६	२६	५२	६	०२	४	४७
१	मं	७	१४	५८	३७	६०	५०	२१	४८	२७	२३	६	५९	५	५६	२६	५०	६	०३	४	४७
२	बु	७	१५	५९	२७	६०	५१	२१	५७	२७	२२	७	००	५	५६	२६	४९	६	०४	४	४७

मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो। पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो यथा- ॥बुधेरसक्षयो भूम्याम्॥ कृष्णा चतुर्दशी में स्वाति होने से वर्षा का अभाव हो। सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुख हो। शुक्लपक्ष में पंचमी की वृद्धि होने से सुभिक्ष हो। शुक्ला एकादशी को शनिवार होने से अनावृष्टि और प्रजा उपद्रव हों। पूर्णिमा बुधवार और रोहिणी युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों।

अयनांशाः २३।५८।५९
३४ पं. मा.शु.१३ सो. इष्टघटी ४२।३३
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	३	७	९	७	५	८	७
१४	२३	२८	२६	०४	०९	२९	१४
४२	२३	४४	५४	३४	०८	१६	१६
३५	००	१९	५५	१७	५९	२८	१८
६०	१३	९०	८	७५	४	३	६१
४९	१२	४४	४२	२९	२२	११	०३
अनु	श्ले	ज्ये	ध	अनु	उफा	उषा	अनु
४	३	४	२	१	४	१	४



॥ श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम् ॥

पौष कृष्णपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, ३ दिसंबर से १६ दिसंबर तक नवलगढ																							चंद्रः		तारीख			हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे मार्गशीर्षकृष्णेति महा., दिसंबर २००९
ति.	वा.	घ	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	गु	७	४८	१०	१५	मृग	३८	३२	२२	३३	सा	३४	३८	२१	००	कौ	७	४८	१०	१५	२५ ५५	७ ०८	५ ३०	मिथु. ११।३८	१२	१५	३	ज्येष्ठा. सौरः ८।३६
२	शु	०	३४	७	२२	आर्द्रा	३३	०१	२०	२२	शु	२५	३६	१७	२३	ग	०	३४	७	२२	५३	०९	३०	मिथु.	१३	१६	४	भ. १७।५५ उ. २८।२८ या., पातस्पर्शः २४।२२
३	शु	५३	१६	२८	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
४	श	४६	११	२५	३८	पुन	२७	३७	१८	१३	शु	१६	३७	१३	४९	व	११	४०	१५	०२	५२	१०	३०	कर्के १२।४४	१४	१७	५	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।५२, पातमोक्षः ७।४२
५	र	३९	३४	२३	००	पुष्य	२२	३६	१६	१३	ब्र	७ ५९	५५ ४२	१० ३१	२० ०३	कौ	१२	४७	१२	१७	५०	११	३१	कर्के	१५	१८	६	
६	सो	३३	३७	२०	३८	श्ले	१८	११	१४	२८	वै	५२	०२	२८	००	ग	६	२९	९	४७	४९	११	३१	सिंहे १४।२८	१६	१९	७	भ. २०।३८ उ.
७	मं	२८	२९	१८	३५	मघा	१४	३३	१३	०१	वि	४५	०३	२५	१३	वि	०	५५	७	३४	४७	१२	३१	सिंहे	१७	२०	८	भ. ७।३४ या.
८	बु	२४	१७	१६	५५	पूफा	११	४९	११	५६	प्री	३८	५१	२२	४५	कौ	२४	१७	१६	५५	४६	१३	३१	कन्या १७।४३	१८	२१	९	।A हस्ते-१ शनिः ७।५२
९	गु	२१	०७	१५	४०	उफा	१०	०३	११	१५	आ	३३	२७	२०	३६	ग	२१	०७	१५	४०	४५	१३	३१	कन्या	१९	२२	१०	भ. २७।१२ उ., पूषा. बुधः २३।२२, ज्येष्ठा. शुक्रः १४।४८
१०	शु	१९	०१	१४	५०	हस्त	९	२१	१०	५८	सौ	२८	५६	१८	४८	वि	१९	०१	१४	५०	४४	१४	३२	तुला. २३।००	२०	२३	११	भ. १४।५० या.
११	श	१८	०३	१४	२८	चित्रा	९	४४	११	०८	शो	२५	१७	७	२२	बा	१८	०३	१४	२८	४३	१५	३२	तुला.	२१	२४	१२	सफला ११ व्र., सुरुप द्वादशी १२
१२	र	१८	१५	१४	३३	स्वा	११	१४	११	४५	अ	२२	३२	१६	१६	तै	१८	१५	१४	३३	४२	१५	३२	वृश्चि. ३०।३०	२२	२५	१३	प्रदोषः, [शुक्रास्तः पूर्वस्याम् २५।५०]
१३	सो	१९	३७	१५	०७	विशा	१३	५२	१२	४९	सु	२०	४१	१५	३२	व	१९	३७	१५	०७	४१	१६	३२	वृश्चि.	२३	२६	१४	भ. १५।०७ उ. २७।३३ या., मासिकशिवरात्री व्र., A
१४	मं	२२	०७	१६	०७	अनु	१७	३४	१४	१८	धृ	१९	४१	१५	०९	श	२२	०७	१६	०७	४१	१७	३३	वृश्चि.	२४	२७	१५	धनुषि मूले रविः २५।२५
३०	बु	२५	४२	१७	३४	ज्ये	२२	२०	१६	१३	शू	१९	३१	१५	०५	ना	२५	४२	१७	३४	४०	१७	३३	धनु. १६।१३	२५	२८	१६	देवपितृकार्येऽमा., कुहूः, धनुषि मूले सौरः १०।२३

शुक्रास्तः

अयनांशाः २३।५९।००
३५ प. पौ.कृ. ६ सो. इष्टघटी ४२।२०
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	३	८	९	७	५	८	७
२१	२४	०९	२७	१३	०९	२८	२१
४८	४२	०८	५८	२२	३७	५४	२४
४३	५५	१०	४३	४६	४७	१२	००
६०	८	८६	९	७५	३	३	६१
५७	५६	०३	३८	३१	४६	११	१०
ज्ये	श्ले	मू	ध	अनु	उफा	उषा	ज्ये
२	३	३	२	४	४	१	२



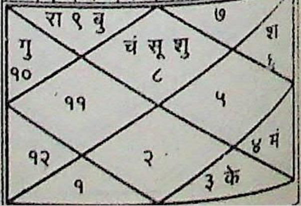
दिसम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
३ गु	७	१७	००	१७	६०	५२	२२	०५	२७	२१	७	००	५	५७	२६	४७	६	०४	४	४७
४ शु	७	१८	०१	०९	६०	५३	२२	१४	२७	२०	७	०१	५	५७	२६	४६	६	०५	४	४७
५ श	७	१९	०२	०२	६०	५४	२२	२२	२७	१९	७	०१	५	५७	२६	४५	६	०६	४	४८
६ र	७	२०	०२	५६	६०	५५	२२	२९	२७	१८	७	०२	५	५७	२६	४३	६	०६	४	४८
७ चं	७	२१	०३	५१	६०	५६	२२	३६	२७	१७	७	०३	५	५७	२६	४२	६	०७	४	४८
८ मं	७	२२	०४	४७	६०	५७	२२	४३	२७	१६	७	०३	५	५८	२६	४१	६	०८	४	४८
९ बु	७	२३	०५	४४	६०	५८	२२	४९	२७	१५	७	०४	५	५८	२६	४०	६	०८	४	४८
१० गु	७	२४	०६	४२	६०	५९	२२	५४	२७	१५	७	०४	५	५८	२६	३९	६	०९	४	४९
११ शु	७	२५	०७	४१	६१	००	२३	००	२७	१४	७	०५	५	५९	२६	३९	६	१०	४	४९
१२ श	७	२६	०८	४०	६१	०१	२३	०४	२७	१३	७	०६	५	५९	२६	३८	६	१०	४	४९
१३ र	७	२७	०९	४१	६१	०१	२३	०९	२७	१३	७	०६	५	५९	२६	३७	६	११	४	५०
१४ चं	७	२८	१०	४२	६१	०२	२३	१२	२७	१२	७	०७	६	००	२६	३७	६	११	४	५०
१५ मं	७	२९	११	४४	६१	०३	२३	१६	२७	१२	७	०७	६	००	२६	३६	६	१२	४	५०
१६ बु	८	००	१२	४७	६१	०४	२३	१९	२७	११	७	०८	६	०१	२६	३६	६	१३	४	५१

संक्रांति फलम्

ता. १५ दिसंबर २००९
पौष कृ. १४ भौमे धनुष्यर्कः प्र. (स्टै.) टा. २५।२५ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः चतुष्पादकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं मेषवाहनं महिषोपवाहनं पीड़ाकारक कंबलवस्त्रं अंकुशायुधं करपात्रं मधुभक्षणं अंजनलेपनं वैश्यजातिः मल्लिकापुष्पं नीलभूषणं चर्मकंचुकी अतिवंध्यावस्था (सूती) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रास्तः पूर्वस्याम। पुण्यकालः (स्टै.) २५।२५ से बुध ७।४९ तक। (दान- वस्त्र)।

अयनांशाः २३।५९।०१
३६ पं. पौ.कृ.१३ सो.इष्टघटी ४२।०८
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	३	८	९	७	५	८	७
२८	२५	१८	२९	२२	१०	२८	२८
५५	३१	३९	०८	११	०२	३१	३२
३८	११	३६	४४	२६	०९	५७	३१
६१	४	७३	१०	७५	३	३	६१
०३	०५	२७	२९	३२	०६	११	१६
ज्ये	श्ले	पूषा	ध	ज्ये	ह	उषा	ज्ये
४	३	२	२	२	१	१	[illegible]

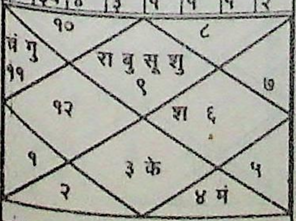


१=१

पोष शुक्लपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, १७ दिसंबर से ३१ दिसंबर तक नवलगढ																							चंद्रः		तारीख			हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ६४६५, दिसंबर २००९
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	गु	३०	११	११	२५	मूल	२८	०६	१८	३२	गं	२०	०७	१५	२०	ब	३०	११	११	२५	२५ ४०	७ १८	५ ३४	धनु.		२६	२९	१७	पातस्पर्शः २५।३२
२	शु	३५	५२	२१	३९	पूषा	३४	४४	२१	१२	वृ	२१	२६	१५	५३	बा	२	५९	८	३०	३९	१८	३४	मक.	२७।५५	२७	३०	१८	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पातमोक्षः १२।१६
३	श	४२	१२	२४	१२	उषा	४२	०६	२४	०९	ध्रु	२३	२१	१६	३९	तै	८	५६	१०	५३	३९	१९	३४	मक.		२८	१	१९	मोहोर्रम १ सन १४३१ हि. , कुंभे धनि.-३ गुरुः १९।११
४	र	४९	००	२६	५५	श्रव	४९	५५	२७	१८	व्या	२५	४१	१७	३६	व	१५	३४	१३	३३	३९	१९	३५	मक.		२९	२	२०	भ. १३।३३ उ. २६।५५ या., धनुषि मूले शुक्रः २९।००
५	सो	५५	५१	२९	४०	धनि	५७	४६	३०	२६	ह	२८	१०	१८	३६	ब	२२	२६	१६	१९	३९	२०	३५	कुंभे	१६।५३	३०	३	२१	पंचक प्रारम्भः १६।५३, सायन मकरे भानुः, सायन उत्तरायण B
६	मं	...	...	...	...	शत	...	...	...	...	व	३०	२८	१९	३१	कौ	२९	०५	१८	५९	३९	२०	३६	कुंभे		१	४	२२	भा. पोषारंभः, उषा. बुधः २८।३९, अयन करिदिन
६	बु	२	०९	८	१२	शत	५	०४	९	२३	सि	३२	०७	२०	१२	तै	२	०९	८	१२	३९	२१	३६	मीने	२९।१९	२	५	२३	[B प्रारम्भ २३।१५. वक्री भौमः ९।१९
७	गु	७	२०	१०	१७	पूभा	११	१९	११	५३	व्य	३२	४६	२०	२८	व	७	२०	१०	१७	३९	२१	३७	मीने		३	६	२४	भ. १०।१७ उ. २३।०६ या.
८	शु	१०	५४	११	४३	उभा	१६	००	१३	४६	व	३२	०३	२०	११	ब	१०	५४	११	४३	३९	२२	३८	मीने		४	७	२५	शांकभरी यात्रा, बडादिन
९	श	१२	२८	१२	२२	रेव	१८	४५	१४	५२	प	२९	४८	१९	१७	कौ	१२	२८	१२	२२	४०	२२	३८	मेषे	१४।५२	५	८	२६	पंचक समाप्तिः १४।५२
१०	र	११	५६	१२	०९	अश्वि	१९	२८	१५	१०	शि	२५	५४	१७	४४	ग	११	५६	१२	०९	४०	२३	३९	मेषे		६	९	२७	भ. २३।४४ उ., वक्री बुधः १०।११
११	सो	९	१९	११	०७	भर	१८	०९	१४	३९	सि	२०	२३	१५	३२	वि	९	१९	११	०७	४१	२३	३९	वृषे	२०।२४	७	१०	२८	भ. ११।०७ या., पुत्रदा ११ व्र., मन्वादि, पातस्पर्शः १८।२३. C
१२	मं	४	४९	९	१९	कृति	१५	०३	१३	२४	सा	१३	२४	१२	४५	बा	४	४९	९	१९	४१	२३	४०	वृषे		८	११	२९	प्रदोषः, पूषा. सौरः ११।२४ [C मोक्षः २७।०१, पूषा. रविः २७।३७
१३	मं	५८	४५	३०	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[A शाकंभरी जयंती, माघ स्नानारंभः, पूषा. शुक्रः १९।११
१४	बु	५१	२५	२७	५८	रोहि	१०	२५	११	३४	शु	५ ५६	१३ ०३	९ २९	२९ ४९	ग	२५	१२	१७	२९	४२	२४	४१	मिथु.	२२।२८	९	१२	३०	भ. २७।५८ उ., (व) पूषा. बुधः ९।२०, बुधास्तः पश्चिमायाम् २२।१०
१५	गु	४३	१३	२४	४१	मृग	४ ५८	३९ ०९	९ ३०	१६ ४०	ब्र	४६	१३	२५	५३	वि	१७	२४	१४	२१	४३	२४	४१	मिथु.		१०	१३	३१	भ. १४।२१ या., खण्डग्रासं चन्द्रग्रहणम्, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A

अयनांशाः २३।५९।०२
३७ पं. पौ.शु. ५ सो. इष्टघटी ४१।५८
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	३	८	१०	८	५	८	८
०६	२५	२५	००	०१	१०	२८	०५
०३	४३	५२	२४	००	२१	०९	४१
१०	५६	४९	२३	११	४८	४१	३९
६१	१	४०	११	७५	२	३	६१
०७	१७	४३	१४	३२	२४	११	२०
मू	श्ले	पूषा	ध	मू	ह	उषा	मू
२	३व	४	३	१	१	१	२



दिसम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकत्ता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१७	गु	८	०१	१३	५१	६१	०४	२३	२१	२७	११	७	०९	६	०१	२६	३५	६	१३	४	५१
१८	शु	८	०२	१४	५५	६१	०५	२३	२३	२७	११	७	०९	६	०१	२६	३५	६	१४	४	५२
१९	श	८	०३	१६	००	६१	०५	२३	२५	२७	११	७	१०	६	०२	२६	३५	६	१४	४	५२
२०	र	८	०४	१७	०५	६१	०६	२३	२६	२७	११	७	१०	६	०२	२६	३४	६	१५	४	५३
२१	चं	८	०५	१८	११	६१	०६	२३	२६	२७	११	७	११	६	०३	२६	३४	६	१५	४	५३
२२	मं	८	०६	१९	१८	६१	०७	२३	२६	२७	११	७	११	६	०३	२६	३४	६	१६	४	५४
२३	बु	८	०७	२०	२४	६१	०७	२३	२६	२७	११	७	१२	६	०४	२६	३४	६	१६	४	५४
२४	गु	८	०८	२१	३२	६१	०८	२३	२५	२७	११	७	१२	६	०४	२६	३५	६	१७	४	५५
२५	शु	८	०९	२२	४०	६१	०८	२३	२४	२७	११	७	१३	६	०५	२६	३५	६	१७	४	५५
२६	श	८	१०	२३	४८	६१	०८	२३	२२	२७	११	७	१३	६	०५	२६	३५	६	१८	४	५६
२७	र	८	११	२४	५६	६१	०९	२३	२०	२७	११	७	१३	६	०६	२६	३६	६	१८	४	५६
२८	चं	८	१२	२६	०५	६१	०९	२३	१७	२७	१२	७	१४	६	०७	२६	३६	६	१८	४	५७
२९	मं	८	१३	२७	१४	६१	०९	२३	१४	२७	१२	७	१४	६	०७	२६	३७	६	१९	४	५७
३०	बु	८	१४	२८	२३	६१	०९	२३	१०	२७	१३	७	१५	६	०८	२६	३७	६	१९	४	५८
३१	गु	८	१५	२९	३२	६१	१०	२३	०६	२७	१३	७	१५	६	०८	२६	३८	६	२०	४	५९

मास फलम्

चन्द्रग्रहण ३१ दिस.२००९, गुरुवार

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो यथा ॥चन्द्रजीवौ यदापंचधान्यादीनां समर्घता॥ बुधवारी अमावस ज्येष्ठा योग दुर्भिक्ष है । शुक्रा ४ रविवार होने से बीमारी बढे । शु. नौमी को शनिवार होने से अन्नादि मावों में समर्घता हो । पूर्णिमा गुरुवार और मृगशिरा युक्त होने से शुभ फल दायिनी है । मंगलवार की सक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो. घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों ।

अयनांशाः २३।५९।०३
३८ पं. पौ.शु.११ सो. इष्टघटी ४१।५०
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	३	८	१०	८	५	८	८
१३	२५	२७	०१	०९	१०	२७	१२
११	१८	२५	४५	४८	३६	४७	५१
०६	०१	५५	०३	५७	२७	२६	१०
६१	६	३०	११	७५	१	३	६१
०९	५९	३३	५४	३२	४१	११	२३
मू	श्ले	उषा	ध	मू	ह	उषा	मू
४	३व	१व	३	३	१	१	४



॥ श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम् ॥

माघ कृष्णपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, १ जनवरी से १५ जनवरी तक नवलगढ चंद्रः																									तारीख			शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे पोषकृष्णोति महा., जनवरी २०१०
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	शु	३४	३६	२१	०४	पुन	५१	१७	२७	५५	ऐ	३६	०२	२१	४९	बा	८	५६	१०	५९	२५ ४४	७ २४	५ ४२	कर्क २२।३७	११	१४	१	ग्रहण-करिदिन, जनवरी १ ता. ३१ सन २०१० ई.
२	श	२५	५२	१७	४६	पुष्य	४४	२८	२५	१२	वै	२५	४८	१७	४४	तै	०	१२	७	३०	४५	२५	४३	कर्क	१२	१५	२	भ. २८।०३ उ.
३	र	१७	२७	१४	२४	श्ले	३८	०५	२२	३९	वि	१५	४७	१३	४४	वि	१७	२७	१४	२४	४६	२५	४३	सिंहे २२।३९	१३	१६	३	भ. १४।२४ या., तिलकुटी ४ चन्द्रोदयः २०।५०, सौभाग्य सुन्दरी A
४	सो	९	४१	११	१७	मघा	३२	२८	२०	२४	प्री	६ ५७	१९ ३६	९ ३०	५६ २८	बा	९	४१	११	१७	४८	२५	४४	सिंहे	१४	१७	४	[A व्र., संकट हरगणपति व्र., गौरी चतुर्थी
५	मं	२	५३	८	३४	पूफा	२७	५६	१८	३६	सौ	४९	५२	२७	२२	तै	२	५३	८	३४	४९	२५	४५	कन्या २४।१३	१५	१८	५	भ. ३०।२१ उ., धनि.-४ गुरुः १९।२०
६	मं	५७	१९	३०	२१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
७	बु	५३	१४	२८	४३	उफा	२४	४५	१७	१९	शो	४३	१८	२४	४५	वि	२५	०४	१७	२७	५०	२५	४६	कन्या	१६	१९	६	भ. १७।२७ या., स्वामी विवेकानन्द जयंती
८	गु	५०	४५	२७	४३	हस्त	२३	०५	१६	३९	अ	३८	०१	२२	३८	बा	२१	४६	१६	०८	५२	२५	४६	तुला. २८।३४	१७	२०	७	[C बुधोदयः पूर्वस्याम् १९।१३
९	शु	४९	५७	२७	२४	चित्रा	२३	०२	१६	३८	सु	३४	०१	२१	०२	तै	२०	०८	१५	२९	५४	२६	४७	तुला.	१८	२१	८	
१०	श	५०	४८	२७	४५	स्वा	२४	३७	१७	१६	धृ	३१	१७	१९	५७	व	२०	१०	१५	३०	५५	२६	४८	तुला.	१९	२२	९	भ. १५।३० उ. २७।४५ या., पातस्पर्शः २२।०८, मोक्षः ३०।२८, C
११	र	५३	०९	२८	४१	विशा	२७	४२	१८	३१	शू	२९	४७	१९	२०	व	२१	४८	१६	०९	५७	२६	४९	वृश्चि. १२।०९	२०	२३	१०	षट्तिला ११ व्र., उषा. रविः २९।३४, (व) मूले बुधः २५।२०
१२	सो	५६	४९	३०	०९	अनु	३२	०८	२०	१७	गं	२९	१९	१९	०९	कौ	२४	५०	१७	२२	५९	२६	४९	वृश्चि.	२१	२४	११	तिल द्वादशी, उषा. सौरः १२।१२, उषा. शुक्रः ९।२६
१३	मं	...	...	...	...	ज्ये	३७	४०	२२	३०	वृ	२९	४४	१९	१९	ग	२९	०४	१९	०३	२६ ०१	२६	५०	धनु. २२।३०	२२	२५	१२	प्रदोषः [B उत्तरायनारंभः, वक्री शनिः ११।०५
१३	बु	१	३२	८	०३	मूल	४४	०४	२५	०३	ध्रु	३०	५२	१९	४६	व	१	३२	८	०३	०३	२६	५१	धनु.	२३	२६	१३	भ. ८।०३ उ. २१।०७ या., मासिकशिवरात्री व्र., मकरे शुक्रः २५।०१
१४	गु	७	०५	१०	१५	पूषा	५१	०५	२७	५२	व्या	३२	३०	२०	२६	श	७	०५	१०	१५	०५	२६	५२	धनु.	२४	२७	१४	युगादि, मकरे रविः १२।०५ (सौरः १८।२६), निरयन B
३०	शु	१३	१२	१२	४२	उषा	५८	३२	३०	५०	ह	३४	३१	२१	१४	ना	१३	१२	१२	४२	०७	२६	५३	मक. १०।३५	२५	२८	१५	ग्रस्तास्तं सूर्यग्रहणम्, देवपितृकार्येऽमा., मौनी ३०, सक्रान्ति करिदिन

अयनांशाः २३।५९।०४

३९ पं. मा.कृ. ४ सो. इष्टघटी ४१।४५

(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	३	८	१०	८	५	८	८
२०	२४	२०	०३	१८	१०	२७	२०
१९	११	२१	१०	३७	४६	२५	००
१२	५६	२५	००	३९	१८	११	५१
६१	१२	८२	१२	७५	०	३	६१
१०	४१	३७	२९	३१	५५	११	२३
पूषा	श्ले	पूषा	ध	पूषा	ह	उषा	पूषा
३	३व	३व	३	२	१	१	३



जनवरी		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकत्ता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१	शु	८	१६	३०	४२	६१	१०	२३	०१	२७	१४	७	१५	६	०९	२६	३९	६	२०	४	५९
२	श	८	१७	३१	५१	६१	१०	२२	५६	२७	१५	७	१६	६	१०	२६	३९	६	२०	५	००
३	र	८	१८	३३	०१	६१	१०	२२	५१	२७	१५	७	१६	६	१०	२६	४०	६	२०	५	०१
४	चं	८	१९	३४	११	६१	१०	२२	४५	२७	१६	७	१६	६	११	२६	४१	६	२१	५	०१
५	मं	८	२०	३५	२०	६१	१०	२२	३९	२७	१७	७	१७	६	११	२६	४२	६	२१	५	०२
६	बु	८	२१	३६	३०	६१	१०	२२	३२	२७	१८	७	१७	६	१२	२६	४४	६	२१	५	०३
७	गु	८	२२	३७	३९	६१	०९	२२	२४	२७	१९	७	१७	६	१३	२६	४५	६	२१	५	०३
८	शु	८	२३	३८	४९	६१	०९	२२	१७	२७	२०	७	१७	६	१३	२६	४६	६	२२	५	०४
९	श	८	२४	३९	५८	६१	०९	२२	०८	२७	२१	७	१८	६	१४	२६	४७	६	२२	५	०५
१०	र	८	२५	४१	०७	६१	०९	२२	००	२७	२२	७	१८	६	१५	२६	४९	६	२२	५	०५
११	चं	८	२६	४२	१६	६१	०९	२१	५१	२७	२४	७	१८	६	१५	२६	५०	६	२२	५	०६
१२	मं	८	२७	४३	२४	६१	०८	२१	४१	२७	२५	७	१८	६	१६	२६	५२	६	२२	५	०७
१३	बु	८	२८	४४	३२	६१	०८	२१	३१	२७	२६	७	१८	६	१७	२६	५३	६	२२	५	०८
१४	गु	८	२९	४५	४०	६१	०७	२१	२१	२७	२८	७	१८	६	१७	२६	५५	६	२२	५	०८
१५	शु	९	००	४६	४८	६१	०७	२१	१०	२७	२९	७	१८	६	१८	२६	५७	६	२२	५	०९

संक्रांति फलम्

ता. १४ जनवरी २०१०

माघ कृ. १४ गुरौ मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १२।०५ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः चतुष्पादकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं मेषवाहनं महिषोपवाहनं पीड़ाकारक कंबलवस्त्रं अंकुशायुधं करपात्रं मधुभक्षणं अंजनलेपनं वैश्यजातिः मल्लिकापुष्पं नीलभूषणं चर्मकंचुकी अतिवंध्यावस्था (सूती) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रास्तः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १२।०५ से २८।०५ तक । (दान [illegible] अन्न) ।

अयनांशाः २३।५९।०५

४० पं. मा.कृ.१२ सो. इष्टघटी ४१।४४

(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	३	८	१०	८	५	८	८
२७	२२	१२	०४	२७	१०	२७	२७
२७	२७	३९	३८	२६	५०	०२	१०
१७	१५	४५	५६	१३	२८	५५	२८
६१	१७	३९	१२	७५	०	३	६१
०८	५०	४३	५९	३०	१०	११	२१
उषा	श्ले	मू	ध	उषा	ह	उषा	उषा
१	२व	४व	४	१	१	१	१



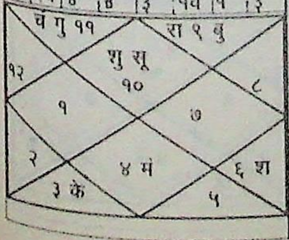
माघ शुक्लपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, १६ जनवरी से ३० जनवरी तक नवलगढ चंद्रः

शिशिरर्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः ६४९५, जनवरी २०१०

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	श	१९	४४	१५	०९	श्रव	…	…	…	…	व	३६	४८	२२	०९	व	१९	४४	१५	१९	२६ १०	७ २५	५ ५३	मक.		२६	२९	१६	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्री वल्लभ जयंती, मार्गी बुधः १०।१८
२	र	२६	२७	१८	००	श्रव	६	१५	९	५५	सि	३९	११	२३	०६	कौ	२६	२७	१८	००	१२	२५	५४	कुंभे	२३।२९	२७	१	१७	पंचक प्रारम्भः २३।२९, सफर २
३	सो	३३	०९	२०	४१	धनि	१४	००	१३	०९	व्य	४१	२९	२४	०१	ग	३३	०९	२०	४१	१४	२५	५५	कुंभे		२८	२	१८	पूषा.-४ राहुः २९।०६, पुन.-२ केतुः २९।०६
४	मं	३९	२६	२३	११	शत	२१	३०	१६	०१	व	४३	२९	२४	४८	व	६	२२	९	५८	१७	२५	५६	कुंभे		२९	३	१९	भ. ९।५८ उ. २३।११ या., वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी
५	बु	४४	५७	२५	२४	पूभा	२८	२१	१८	४५	प	४४	५३	२५	२२	ब	१२	१९	१२	२०	२०	२५	५७	मीने	१२।०६	३०	४	२०	वसन्त पञ्चमी, अभि.प्र.रविः२५।१२ (सौरः ३५।०१), सायन कुंभे A
६	गु	४९	१४	२७	०६	उभा	३४	०८	२१	०४	शि	४५	२१	२५	३३	कौ	१७	१६	१४	१९	२२	२५	५७	मीने		१	५	२१	भा. माघारंभः, पूषा. बुधः १०।००, श्रव. शुक्रः २३।४९
७	शु	५१	५४	२८	१०	रेव	३८	२८	२२	४८	सि	४४	३८	२५	१६	ग	२०	४७	१५	४३	२५	२४	५८	मेषे	२२।४८	२	६	२२	भ. २८।१० उ., पंचक समाप्तिः २२।४८, मन्वादि, पुत्र ७, रथ ७, C
८	श	५२	४३	२८	२९	अश्वि	४१	०४	२३	५०	सा	४२	३१	२४	२५	वि	२२	३३	१६	२५	२८	२४	५९	मेषे		३	७	२३	भ. १६।२५ या., भीष्माष्टमी, नेताजी जयन्ती, पातस्पर्शः २४।३३, B
९	र	५१	३२	२८	०१	भर	४१	४६	२४	०६	शु	३८	५४	२२	५७	बा	२२	२४	१६	२१	३०	२४	६ ००	वृषे	३०।०३	४	८	२४	श्रव. रविः ७।४९ (सौरः १३।२३), अभि.नि. रविः २८।४८
१०	सो	४८	२५	२६	४६	कृति	४०	३३	२३	३६	शु	३३	४३	२०	५३	तै	२०	१३	१५	२९	३३	२३	०१	वृषे		५	९	२५	अभि.नि. सौरः १०।१७ [B मोक्षः ३०।३१
११	मं	४३	२९	२४	४७	रोहि	३७	३१	२२	२३	ब्र	२७	०४	१८	१३	व	१६	१०	१३	५१	३६	२३	०२	वृषे		६	१०	२६	भ. १३।५१ उ. २४।४७ या., जया ११ व्र., गणराज्यदिवस
१२	बु	३६	५७	२२	०९	मृग	३२	५३	२०	३२	ऐ	१९	०५	१५	०१	ब	१०	२४	११	३२	३९	२३	०२	मिथु.	९।३२	७	११	२७	भीष्मद्वादशी, (त्र) पुष्ये भौमः २६।२१
१३	गु	२९	०८	१९	०१	आर्द्रा	२६	५८	१८	०९	वै	९	५९	११	२२	कौ	३	११	८	३९	४२	२२	०३	मिथु.		८	१२	२८	प्रदोषः, कल्यादि [C अचला ७
१४	शु	२०	२४	१५	३१	पुन	२०	०६	१५	२४	वि	० ४९	०१ २७	७ २७	२२ ०८	व	२०	२४	१५	३१	४५	२२	०४	कर्के	१०।०७	९	१३	२९	स. ५५।३१ उ. २५।४१ या. [A भानुः ९।५०, शत.-१ गुरुः २७।३६
१५	श	११	०८	११	४८	पुष्य	१२	४२	१२	२६	आ	३८	३९	२२	४९	ब	११	०८	११	४८	४९	२१	०५	कर्क		१०	१४	३०	पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, माघ स्नान पूर्तिः

अयनांशाः २३।५९।०६
४१ पं. मा.शु. ३ सो. इष्टघटी ४१।४५
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	३	८	१०	९	५	८	९
०४	२०	१२	०६	०६	१०	२६	०४
३५	०९	०६	११	१४	४९	४०	१९
०६	४५	५१	०९	३५	१७	४०	४८
६१	२१	२६	१३	७५	०	३	६१
०५	४६	०५	२५	२७	३६	११	१८
उषा	श्ले	मू	घ	उषा	ह	उषा	उषा
३	२व	४	४	३	१च	१	३



जनवरी रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१६ श	९	०१	४७	५४	६१	०७	२०	५९	२७	३०	७	१८	६	१९	२६	५९	६	२२	५	१०
१७ र	९	०२	४९	०१	६१	०६	२०	४८	२७	३२	७	१८	६	१९	२७	००	६	२२	५	१०
१८ चं	९	०३	५०	०७	६१	०६	२०	३६	२७	३४	७	१८	६	२०	२७	०२	६	२२	५	११
१९ मं	९	०४	५१	१३	६१	०५	२०	२४	२७	३५	७	१८	६	२०	२७	०४	६	२२	५	१२
२० बु	९	०५	५२	१७	६१	०४	२०	११	२७	३७	७	१८	६	२१	२७	०६	६	२२	५	१२
२१ गु	९	०६	५३	२२	६१	०४	१९	५८	२७	३८	७	१८	६	२२	२७	०८	६	२२	५	१३
२२ शु	९	०७	५४	२५	६१	०३	१९	४४	२७	४०	७	१८	६	२२	२७	१०	६	२२	५	१४
२३ श	९	०८	५५	२८	६१	०२	१९	३१	२७	४२	७	१८	६	२३	२७	१३	६	२२	५	१५
२४ र	९	०९	५६	३०	६१	०१	१९	१६	२७	४४	७	१८	६	२४	२७	१५	६	२१	५	१५
२५ चं	९	१०	५७	३२	६१	०१	१९	०२	२७	४६	७	१८	६	२४	२७	१७	६	२१	५	१६
२६ मं	९	११	५८	३२	६१	००	१८	४७	२७	४८	७	१८	६	२५	२७	१९	६	२१	५	१७
२७ बु	९	१२	५९	३२	६०	५९	१८	३२	२७	४९	७	१८	६	२५	२७	२२	६	२१	५	१७
२८ गु	९	१४	००	३१	६०	५८	१८	१६	२७	५१	७	१७	६	२६	२७	२४	६	२०	५	१८
२९ शु	९	१५	०१	२९	६०	५७	१८	००	२७	५३	७	१७	६	२७	२७	२७	६	२०	५	१९
३० श	९	१६	०२	२६	६०	५६	१७	४४	२७	५६	७	१७	६	२७	२७	२९	६	२०	५	१९

मास फलम्

सूर्यग्रहण १५ जन. २०१०, शुक्रवार

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा- ॥प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे॥ पांच शनिवार होने से महँगाई हो। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और उत्तराषाढा योग होने से दुर्भिक्ष हो। शु. पड़वा को शनिवार होने से सब धान्योत्पत्ति उत्तम हो। शुक्लाष्टमी को कृत्तिका न होने से फागुण में रोली लगे। पूर्णिमा पुष्य युक्त और मघा का अभाव होने से महर्धता हो। गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें।

अयनांशाः २३।५९।०७
४२ पं. मा.शु.१० सो. इष्टघटी ४१।४९
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	३	८	१०	९	५	८	९
११	१७	१६	०७	१५	१०	२६	११
४२	३०	५७	४६	०२	४२	१८	२८
२७	००	०५	०९	३८	४९	२४	३६
६१	२३	५७	१३	७५	१	३	६१
००	५०	५७	४६	२४	२१	११	१२
श्र	श्ले	पूषा	श	श्र	ह	पूषा	श्र
१	१व	२	१	२	१च	४	१



फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, ३१ जनवरी से १४ फरवरी तक नवलगढ — चंद्रः — तारीख — शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति महा., जनवरी-फरवरी २०१०

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	
१	र	१	४३	८	०२	श्ले	५ ५७	११ ५७	२ ३०	२५ ३२	सौ	२७	५६	१८	३१	कौ	१	४३	८	०२	२६ ५२	७ २१	६ ०६	सिंहे ९।२५	११	१५	३१	
२	र	५२	३५	२८	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	|B शत.-२ गुरुः १४।३४
३	सो	४४	१०	२५	००	पूफा	५१	३०	२७	५६	शो	१७	३८	१४	२४	व	१८	१६	१४	३९	५५	२०	०६	सिंहे	१२	१६	१	भ. १४।३९ उ. २५।०० या., फरवरी २ ता. २८, धनि. शुक्रः १४।२९
४	मं	३६	५४	२२	०५	उफा	४६	१४	२५	४९	अ	८ ५१	०६ ३५	१० ३१	३४ १०	व	१०	२२	११	२९	५८	२०	०७	कन्या ९।२२	१३	१७	२	अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।४७
५	बु	३१	०७	१९	४६	हस्त	४२	३१	२४	२०	धृ	५२	२७	२८	१८	कौ	३	४९	८	५१	२७ ०२	१९	०८	कन्या	१४	१८	३	उषा. बुधः १५।०९
६	गु	२७	०९	१८	१०	चित्रा	४०	३९	२३	३४	शू	४६	४९	२६	०२	व	२७	०९	१८	१०	०५	१९	०९	तुला. ११।५१	१५	१९	४	भ. १८।१० उ. २९।४१ या., पातस्पर्शः १८।०८, मोक्षः २३।२५, B
७	शु	२५	१४	१७	२३	स्वा	४०	४७	२३	३७	गं	४२	४९	२४	२६	व	२५	१४	१७	२३	०९	१८	०९	तुला.	१६	२०	५	मकरे बुधः २८।४४
८	श	२५	२३	१७	२६	विशा	४२	५६	२४	२८	वृ	४०	२७	२३	२८	कौ	२५	२३	१७	२६	१२	१७	१०	वृश्चि. १८।५१	१७	२१	६	धनि. रविः १०।५७ (सौरः १५।३०), कुंभे शुक्रः २१।५७
९	र	२७	३२	१८	१८	अनु	४६	५८	२६	०४	ध्रु	३९	३३	२३	०६	ग	२७	३२	१८	१८	१६	१७	११	वृश्चि.	१८	२२	७	भ.-३१।०० उ., रामदास ९
१०	सो	३१	२५	१९	५०	ज्ये	५२	३३	२८.	१७	व्या	३९	५५	२३	१४	वि	३१	२५	१९	५०	१९	१६	१२	धनु. २८।१७	१९	२३	८	भ. १९।५० या.
११	मं	३६	४०	२१	५५	मूल	५९	१७	३०	५८	ह	४१	१७	२३	४६	व	३	५५	८	४९	२३	१५	१३	धनु.	२०	२४	९	विजया ११ व्र., [शुक्रोदयः पश्चिमायाम् १४।००]
१२	बु	४२	४९	२४	२२	पूषा	...	...	...	...	व	४३	१७	२४	३४	कौ	९	४१	११	०७	२६	१५	१३	धनु.	२१	२५	१०	|C (सौरः २९।०५)
१३	गु	४९	२७	२७	०१	पूषा	६	४५	९	५६	सि	४५	३८	२५	२९	ग	१६	०७	१३	४१	३०	१४	१४	मक. १६।४२	२२	२६	११	भ. २७।०१ उ., प्रदोषः, शत. शुक्रः २९।३२
१४	शु	५६	१२	२९	४२	उषा	१४	३१	१३	०२	व्य	४८	०६	२६	२८	वि	२२	५१	१६	२२	३४	१३	१५	मक.	२३	२७	१२	भ. १६।२२ या., महाशिवरात्री व्रतम्, कुंभे रविः २४।५९ C
३०	श	...	...	...	...	श्रव	२२	१८	१६	०८	व	५०	२९	२७	२४	च	२९	३३	१९	०२	३७	१३	१५	कुंभे २९।३९	२४	२८	१३	पंचक प्रारम्भः २९।३९, पितृकार्येऽमा., श्रव. बुधः ९।०२, A
३०	र	२	५०	८	२०	धनि	२९	५३	१९	०९	प	५२	३९	२८	१५	ना	२	५०	८	२०	४१	१२	१६	कुंभे	२५	२९	१४	देवकार्येऽमा. |A (व) उफा.-४ शनिः २६।३८

शुक्रोदयः

अयनांशाः २३।५९।०८
४३ पं. फा.कृ. ३ सो. इष्टघटी ४९।५८
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	३	८	१०	९	५	८	९
१८	१४	२४	०९	२३	१०	२५	१८
४९	४२	३८	२३	५०	३१	५६	३६
०८	२६	०३	२३	१६	१४	०९	४२
६०	२३	७४	१४	७५	२	३	६१
५३	३९	२२	०३	२०	०३	११	०५
श्र	पु	पूषा	श	ध	ह	पूषा	श्र
३	४व	४	१	१	१व	४	३



जनवरी रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम — रवि गति — रवि क्रान्ति दक्षिण- — मुम्बई रेलवे-टाईम — कलकता रेलवे-टाईम

ता. वा	रा.	अं.	क.	वि	गति क.	गति वि.	क्रान्ति अं.	क्रान्ति क.	मुम्बई दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
३१ र	९	१७	०३	२२	६०	५५	१७	२८	२७	५८	७	१७	६	२८	२७	३२	६	१९	५	२०
१ चं	९	१८	०४	१७	६०	५४	१७	११	२८	००	७	१६	६	२८	२७	३४	६	१९	५	२१
२ मं	९	१९	०५	११	६०	५३	१६	५४	२८	०२	७	१६	६	२९	२७	३७	६	१९	५	२१
३ बु	९	२०	०६	०४	६०	५२	१६	३६	२८	०४	७	१६	६	२९	२७	३९	६	१८	५	२२
४ गु	९	२१	०६	५६	६०	५१	१६	१८	२८	०६	७	१५	६	३०	२७	४२	६	१८	५	२३
५ शु	९	२२	०७	४७	६०	५०	१६	००	२८	०८	७	१५	६	३०	२७	४५	६	१७	५	२३
६ श	९	२३	०८	३७	६०	४८	१५	४२	२८	११	७	१५	६	३१	२७	४७	६	१७	५	२४
७ र	९	२४	०९	२५	६०	४७	१५	२४	२८	१३	७	१४	६	३२	२७	५०	६	१६	५	२४
८ चं	९	२५	१०	१२	६०	४६	१५	०५	२८	१५	७	१४	६	३२	२७	५३	६	१६	५	२५
९ मं	९	२६	१०	५९	६०	४५	१४	४६	२८	१८	७	१४	६	३३	२७	५६	६	१५	५	२६
१० बु	९	२७	११	४३	६०	४३	१४	२६	२८	२०	७	१३	६	३३	२७	५९	६	१५	५	२६
११ गु	९	२८	१२	२७	६०	४२	१४	०७	२८	२२	७	१३	६	३३	२८	०२	६	१४	५	२७
१२ शु	९	२९	१३	०९	६०	४१	१३	४७	२८	२५	७	१२	६	३४	२८	०४	६	१४	५	२७
१३ श	१०	००	१३	४९	६०	३९	१३	२७	२८	२७	७	१२	६	३४	२८	०७	६	१३	५	२८
१४ र	१०	०१	१४	२९	६०	३८	१३	०७	२८	२९	७	११	६	३५	२८	१०	६	१२	५	२९

संक्रांति फलम्

ता. १२ फरवरी २०१०
फा. कृ. १४ भृगौ कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २४।५९ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः शकुनिकरणे प्रविष्टा महर्घफलं श्वानवाहनं शार्दूलोपवाहनं सुभिक्षकारक चित्रकवस्त्रं पाशायुधं वस्त्रपात्रं गुड़भक्षणं हरिद्रालेपनं क्षत्रीयजातिः कमलपुष्पं कोडीभूषणं कृष्णजिकंचुकी वंन्ध्यावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विदाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) १८।३५ से २४।५९ तक। (दान- गोड़ - अन्न)।

अयनांशाः २३।५९।०९
४४ पं. फा.कृ.१० सो.इष्टघटी ४२।०८
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	३	९	१०	१०	५	८	९
२५	१२	०३	११	०२	१०	२५	२५
५४	०२	४८	०२	३७	१४	३३	४३
५७	५०	१७	२२	२१	४८	५३	५१
६०	२१	८३	१४	७५	२	३	६०
४५	१७	२३	१५	१५	४३	११	५६
ध	पु	उषा	श	ध	ह	पूषा	ध
१	३व	३	२	३	१व	४	१



फाल्गुन शुक्लपक्षः संवत् २०६६, शाकः १९३१, १५ फरवरी से २८ फरवरी तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | शिशिरर्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ६५२५, फरवरी २०१०

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	सो	९	०७	१०	५०	शत	३७	०५	२२	०१	शि	५४	२८	२८	५८	ब	९	०७	१०	५०	२७ ४५	७ ११	६ १७	कुंभे	२६	३०	१५	चंद्रदर्शनम् (मु.१५)
२	मं	१४	५२	१३	०७	पूभा	४३	४३	२४	३९	सि	५५	४८	२९	२९	कौ	१४	५२	१३	०७	४९	१०	१८	मीने १८।०१	२७	१	१६	फुलरिया २, श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती, रविलम्बक ३.
३	बु	१९	५५	१५	०७	उभा	४९	३५	२६	५९	सा	५६	३०	२९	४५	ग	१९	५५	१५	०७	५२	०९	१८	मीने	२८	२	१७	भ. २७।५९ उ., बुधास्तः पूर्वस्याम् २६।५६
४	गु	२४	०१	१६	४५	रेव	५४	२७	२८	५५	शु	५६	२५	२९	४२	वि	२४	०१	१६	४५	५६	०८	१९	मेषे २८।५५	२९	३	१८	भ. १६।४५ या., [गुरोरस्तः पश्चिमायाम् १९।११], A
५	शु	२६	५६	१७	५४	अश्वि	५८	०५	३०	२२	शु	५५	२०	२९	१६	बा	२६	५६	१७	५४	२८ ००	०८	२०	मेषे	३०	४	१९	याज्ञवल्क्य जयंती, शत. रवि. १५।२५ (सौरः १९।०५)
६	श	२८	३०	१८	३१	भर	...	...	...	...	ब्र	५३	०९	२८	२२	तै	२८	३०	१८	३१	०४	०७	२०	मेषे	१	५	२०	भा. फाल्गुनारंभः
७	र	२८	३०	१८	३०	भर	०	२१	७	१४	ऐ	४९	४४	२६	५९	व	२८	३०	१८	३०	०८	०६	२१	वृषे १३।२२	२	६	२१	भ. १८।३० उ. ३०।१५ या., घनि. बुधः २७।५०
८	सो	२६	५१	१७	५०	कृति	१	०२	७	३०	वै	४५	०२	२५	०६	ब	२६	५१	१७	५०	१२	०५	२२	वृषे	३	७	२२	होलाष्टक, पूभा. शुक्रः २१।१०
९	मं	२३	३४	१६	३०	रोहि	० ५७	०६ ३१	७ ३०	०६ ०४	वि	३९	०१	२२	४१	कौ	२३	३४	१६	३०	१६	०४	२२	मिथु. १८।४०	४	८	२३	[A पंचक समाप्तिः २८।५५, पातस्पर्शः १३।३८, मोक्षः १८।३२, C
१०	बु	१८	४१	१४	३२	आर्द्रा	५३	२९	२८	२७	प्री	३१	४६	१९	४५	ग	१८	४१	१४	३२	२०	०३	२३	मिथु.	५	९	२४	भ. २५।१९ उ. [C सायन मीने भानुः २३।५३, शत.-३ गुरुः १४।२२
११	गु	१२	२१	११	५९	पुन	४८	०८	२६	१७	आ	२३	२२	१६	२३	वि	१२	२१	११	५९	२४	०२	२४	कर्के २०।५२	६	१०	२५	भ. ११।५९ या., आमलकी ११ व्र., बिड़कुला-ढाल थापणा भद्रा D
१२	शु	४	४७	८	५६	पुष्य	४१	४६	२३	४४	सौ	१४	०१	१२	३७	बा	४	४७	८	५६	२८	०१	२४	कर्के	७	११	२६	प्रदोषः, मेला श्रीश्यामजी (खाटु) [D के बाद, कुंभे बुधः ३०।२६
१३	शु	५६	१५	२९	३१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B होलिका दहनं, मन्वादि, करिदिन
१४	श	४७	११	२५	५३	श्ले	३४	४३	२०	५३	शो	३ ५३	५७ २५	८ २८	३५ २२	ग	२१	४८	१५	४३	३२	००	२५	सिंहे २०।५३	८	१२	२७	भ. २५।५३ उ.
१५	र	३७	५८	२२	१०	मघा	२७	२४	१७	५७	सु	४२	५१	२४	०८	वि	१२	३६	१२	०२	३६	६ ५९	२६	सिंहे	९	१३	२८	भ. १२।०२ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, जेलपोणी भद्रा के बाद, B

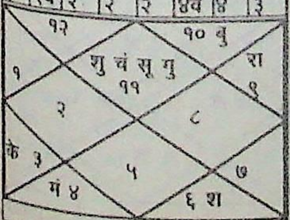
गुरोरस्तः

अयनांशाः २३।५९।१०

४५ पं. फा.शु. १ सो. इष्टघटी ४२।२८

(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	३	९	१०	१०	५	८	१०
०२	०९	१३	१२	११	०९	२५	०२
५९	४५	५१	४२	२३	५३	११	४९
४४	१८	५७	३७	४३	५७	३८	५२
६०	१७	८९	१४	७५	३	३	६०
३५	१२	५३	२४	०८	१९	११	४५
घ	पु	श्र	श	श	उफा	पूभा	घ
३	२व	२	२	२	४व	४	३



फरवरी ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
१५	चं	१०	०२	१५	०६	६०	३६	१२	४६	२८	३२	७	११	६	३५	२८	१३	६	१२	५	२९
१६	मं	१०	०३	१५	४३	६०	३५	१२	२६	२८	३४	७	१०	६	३६	२८	१६	६	११	५	३०
१७	बु	१०	०४	१६	१८	६०	३४	१२	०५	२८	३७	७	०९	६	३६	२८	१९	६	१०	५	३०
१८	गु	१०	०५	१६	५१	६०	३२	११	४४	२८	३९	७	०९	६	३७	२८	२२	६	१०	५	३१
१९	शु	१०	०६	१७	२३	६०	३०	११	२२	२८	४२	७	०८	६	३७	२८	२५	६	०९	५	३१
२०	श	१०	०७	१७	५३	६०	२९	११	०१	२८	४४	७	०८	६	३७	२८	२८	६	०८	५	३२
२१	र	१०	०८	१८	२२	६०	२७	१०	३९	२८	४७	७	०७	६	३८	२८	३१	६	०८	५	३२
२२	चं	१०	०९	१८	४९	६०	२५	१०	१८	२८	४९	७	०६	६	३८	२८	३५	६	०७	५	३३
२३	मं	१०	१०	१९	१५	६०	२४	९	५६	२८	५२	७	०६	६	३९	२८	३८	६	०६	५	३३
२४	बु	१०	११	१९	३९	६०	२२	९	३४	२८	५५	७	०५	६	३९	२८	४१	६	०५	५	३४
२५	गु	१०	१२	२०	०१	६०	२०	९	१२	२८	५७	७	०४	६	३९	२८	४४	६	०५	५	३४
२६	शु	१०	१३	२०	२१	६०	१९	८	४९	२९	००	७	०४	६	४०	२८	४७	६	०४	५	३५
२७	श	१०	१४	२०	४०	६०	१७	८	२७	२९	०२	७	०३	६	४०	२८	५०	६	०३	५	३५
२८	र	१०	१५	२०	५७	६०	१५	८	०४	२९	०५	७	०२	६	४०	२८	५३	६	०२	५	३६

संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २०१०

चैत्र कृ. १४ रवौ मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २१।४८ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम्ने घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः शकुनिकरणे प्रविष्टा महर्घफलं श्वान्वाहनं शार्दूलोपवाहनं सुभिक्षकारक चित्रकवस्त्रं पाशायुधं वस्त्रपात्रं गुड़भक्षणं हरिद्रालेपनं क्षत्रीयजातिः कमलपुष्पं कोडीभूषणं कृष्णजिकंचुकी वंन्ध्यावस्था (उभी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) २१।४८ से २८।१२ तक । (दान- भूमि माला) ।

अयनांशाः २३।५९।११

४६ पं. फा.शु. ८ सो. इष्टघटी ४२।३५

(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	३	९	१०	१०	५	८	१०
१०	०७	२४	१४	२०	०९	२४	०९
०३	५९	४०	२३	०९	२९	४९	५४
१९	५५	४८	४१	१३	१२	२३	३६
६०	१२	९६	१४	७५	३	३	६०
२४	०४	३७	२९	००	४९	११	३४
श	पु	घ	श	पूभा	उफा	पूभा	श
२	२व	१	३	१	४व	४	१



चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०६६, शाकः १९३१, १ मार्च से १५ मार्च तक नवलगढ चंद्रः																										तारीख			वसंतर्तु रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति महा., मार्च २०१०
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.		भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	सो	२९	०१	१८	३५	पूफा	२०	१६	१५	०५	घृ	३२	३३	११	५९	बा	३	२६	८	२१	२८ ४०	६ ५८	६ २६	कन्या २०।२४		१०	१४	१	वसन्त १, छारंडी देशाचारे, करिदिन, मार्च ३ ता. ३१, शत. B
२	मं	२०	४८	१५	१७	उफा	१३	४८	१२	२९	शू	२२	५३	१६	०६	ग	२०	४८	१५	१७	४४	५७	२७	कन्या		११	१५	२	भ. २५।४८ उ., पातस्पर्शः १४।१२, मोक्षः १८।१२, मीने शुक्रः २१।२३
३	बु	१३	४८	१२	२७	हस्त	८	२९	१०	२०	गं	१४	१३	१२	३७	वि	१३	४८	१२	२७	४८	५६	२७	तुला. २१।२९		१२	१६	३	भ. १२।२७ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।३५, कल्पादि
४	गु	८	२३	१०	१६	चित्रा	४	४३	८	४८	वृ	६	५२	९	४०	बा	८	२३	१०	१६	५२	५५	२८	तुला.		१३	१७	४	पूभा. रविः २१।४२ (सौरः २४।३६), शत.-४ गुरुः ९।५६
५	शु	४	५६	८	५३	स्वा	२	५२	८	०३	ध्रु	१ ५६	०६ ५९	७ २९	२० ४२	तै	४	५६	८	५३	५६	५४	२९	वृश्चि. २६।०३		१४	१८	५	उभा. शुक्रः १३।३४
६	श	३	४१	८	२२	विशा	३	०९	८	०९	ह	५४	४०	२८	४५	व	३	४१	८	२२	२९ ००	५३	२९	वृश्चि.		१५	१९	६	भ. ८।२२ उ. २०।२६ या.
७	र	४	४०	८	४४	अनु	५	३७	९	०७	व	५४	००	२८	२८	ब	४	४०	८	४४	०४	५२	३०	वृश्चि.		१६	२०	७	[B बुधः २८।४९
८	सो	७	४४	९	५७	ज्ये	१०	०६	१०	५३	सि	५४	४४	२८	४५	कौ	७	४४	९	५७	०८	५१	३०	धनु. १०।५३		१७	२१	८	शीतला पूजनं
९	मं	१२	३३	११	५१	मूल	१६	१५	१३	२०	व्य	५६	३२	२९	२७	ग	१२	३३	११	५१	१३	५०	३१	धनु.		१८	२२	९	भ. २५।०१ उ., पूभा. बुधः १४।३५
१०	बु	१८	३८	१४	१६	पूषा	२३	३३	१६	१४	व	५८	५८	३०	२४	वि	१८	३८	१४	१६	१७	४९	३२	मक. २३।००		१९	२३	१०	भ. १४।१६ या.
११	गु	२५	२१	१६	५६	उषा	३१	२६	१९	२२	प	...	...	...	...	बा	२५	२१	१६	५६	२१	४८	३२	मक.		२०	२४	११	पापमोचनी ११ व्र., मार्गी भौमः १२।०९
१२	शु	३२	११	१९	३९	श्रव	३९	२३	२२	३२	प	१	४०	७	२७	तै	३२	११	१९	३९	२५	४७	३३	मक.		२१	२५	१२	[A चक्र ६, मन्वादि, पातस्पर्शः २२।२९, मोक्षः २७।०२
१३	श	३८	३९	२२	१३	धनि	४६	५७	२५	३२	शि	४	१४	८	२७	ग	५	३०	८	५८	२९	४६	३३	कुंभे १२।०४		२२	२६	१३	भ. २२।१३ उ., पंचक प्रारम्भः १२।०४, प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
१४	र	४४	२९	२४	३२	शत	५३	५३	२८	१८	सि	६	२४	९	१८	वि	११	४१	११	२५	३३	४५	३४	कुंभे		२३	२७	१४	भ. ११।२५ या., मीने रविः २१।४८ (सौरः २४।१६), मीने बुधः २०।१२
३०	सो	४९	२९	२६	३१	पूभा	...	...	...	...	सा	८	०१	९	५६	च	१७	०७	१३	३४	३७	४३	३४	मीने २४।०९		२४	२८	१५	देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., केतकी अहर्गणः ६५५३, A

अयनांशाः २३।५९।१२
४७ पं. चै.कृ. १ सो. इष्टघटी ४२।५२
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

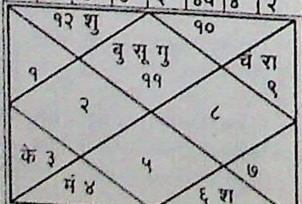
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	३	१०	१०	१०	५	८	१०
१७	०६	०६	१६	२८	०९	२४	१६
०५	५१	१९	०५	५३	०१	२७	५७
३३	५७	३७	०६	४२	१३	०७	५२
६०	६	१०४	१४	७४	४	३	६०
१२	३२	१३	३०	५०	१३	११	२०
श	पु	ध	श	पूभा	उफा	पूषा	श
४	२व	४	३	३	४व	४	४



मार्च		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१	चं	१०	१६	२१	१३	६०	१४	७	४१	२९	०८	७	०२	६	४१	२८	५७	६	०१	५	३६
२	मं	१०	१७	२१	२६	६०	१२	७	१९	२९	१०	७	०१	६	४१	२९	००	६	०१	५	३६
३	बु	१०	१८	२१	३८	६०	१०	६	५६	२९	१३	७	००	६	४१	२९	०३	६	००	५	३७
४	गु	१०	१९	२१	४८	६०	०८	६	३३	२९	१६	६	५९	६	४२	२९	०६	५	५९	५	३७
५	शु	१०	२०	२१	५६	६०	०६	६	१०	२९	१८	६	५९	६	४२	२९	०९	५	५८	५	३८
६	श	१०	२१	२२	०३	६०	०४	५	४६	२९	२१	६	५८	६	४२	२९	१३	५	५७	५	३८
७	र	१०	२२	२२	०७	६०	०३	५	२३	२९	२४	६	५७	६	४३	२९	१६	५	५६	५	३९
८	चं	१०	२३	२२	१०	६०	०१	५	००	२९	२६	६	५६	६	४३	२९	१९	५	५५	५	३९
९	मं	१०	२४	२२	१०	५९	५९	४	३६	२९	२९	६	५६	६	४३	२९	२२	५	५४	५	३९
१०	बु	१०	२५	२२	०९	५९	५७	४	१३	२९	३२	६	५५	६	४४	२९	२६	५	५४	५	४०
११	गु	१०	२६	२२	०६	५९	५५	३	४९	२९	३४	६	५४	६	४४	२९	२९	५	५३	५	४०
१२	शु	१०	२७	२२	०१	५९	५३	३	२६	२९	३७	६	५३	६	४४	२९	३२	५	५२	५	४१
१३	श	१०	२८	२१	५४	५९	५१	३	०२	२९	४०	६	५२	६	४४	२९	३५	५	५१	५	४१
१४	र	१०	२९	२१	४५	५९	४९	२	३८	२९	४२	६	५२	६	४५	२९	३९	५	५०	५	४१
१५	चं	११	००	२१	३४	५९	४७	२	१५	२९	४५	६	५१	६	४५	२९	४२	५	४९	५	४२

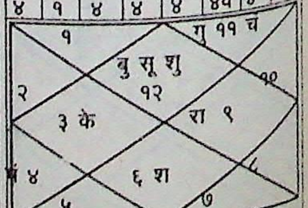
अयनांशाः २३।५९।१३
४८ पं. चै.कृ. ८ सो. इष्टघटी ४३।१०
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	३	१०	१०	११	५	८	१०
२४	०६	१८	१७	०७	०८	२४	२३
०६	२२	५२	४६	३७	३०	०४	५९
२१	३५	३३	२५	००	४३	५२	३३
५९	१	१११	१४	७४	४	३	६०
५९	०७	५६	२७	३९	३१	११	०६
पूभा	पु	श	श	उभा	उफा	पूषा	पूभा
२	१व	४	४	२	४व	४	२



अयनांशाः २३।५९।१४
४९ पं. चै.कृ.३० सो. इष्टघटी ४३।२९
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	३	११	१०	११	५	८	११
०१	०६	०२	१९	१६	०७	२३	००
०५	३०	१६	२७	१९	५८	४२	५९
३६	०७	३४	१३	००	३३	३६	३२
५९	३	११८	१४	७४	४	३	५९
४६	५५	१९	२०	२८	४१	११	५१
पूभा	पु	पूभा	श	उभा	उफा	पूषा	पूभा
४	१	४	४	४	४व	४	४



नवलगढ दैनिक लग्नसारणी से नीचे नगरों में लग्नप्रवेश बनाने के लिए संस्कार कोष्ठक (मिनिटों में)

नगरों के नाम	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
अमृतसर (पंजा.)	- २	- ६	- ८	- ७	- ४	+ ०	+ ५	+ ८	+ १०	+ ९	+ ६	+ २
अजमेर (राज.)	+ ३	+ ४	+ ४	+ ४	+ ३	+ २	+ १	- १	- १	- १	+ ०	+ १
अहमदाबाद (गुज.)	+ १४	+ १८	+ २०	+ १९	+ १६	+ ११	+ ७	+ ३	+ १	+ २	+ ५	+ ९
आकोला (महा.)	- २	+ ४	+ ७	+ ५	+ ०	- ७	- १४	- २०	- २३	- २१	- १६	- ९
आगरा (उ.प्र.)	- ११	- १०	- १०	- १०	- १०	- ११	- १२	- १२	- १२	- १२	- १२	- ११
इंदौर (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ८	+ ७	+ ३	- २	- ७	- ११	- १४	- १३	- ९	- ४
उज्जैन (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ७	+ ६	+ ३	- २	- ६	- १०	- १२	- ११	- ८	- ३
उदयपुर (राज.)	+ ८	+ ११	+ १२	+ १२	+ ९	+ ६	+ ३	+ ०	- १	- १	+ २	+ ५
कोलकाता (बंगा.)	- ४९	- ४५	- ४२	- ४३	- ४७	- ५२	- ५७	- ६२	- ६४	- ६३	- ५९	- ५४
कानपुर (उ.प्र.)	- २०	- १९	- १८	- १८	- १९	- २०	- २२	- २३	- २४	- २३	- २२	- २०
काठमाण्डु (नेपा.)	- ३९	- ३८	- ३८	- ३८	- ३९	- ४०	- ४१	- ४२	- ४३	- ४२	- ४२	- ४१
कोल्हापुर (महा.)	+ १२	+ २१	+ २६	+ २४	+ १६	+ ५	- ५	- १४	- १९	- १७	- ९	+ १
गौहाटी (आसा)	- ६५	- ६४	- ६३	- ६३	- ६५	- ६६	- ६८	- ६९	- ७०	- ७०	- ६८	- ६७
चंडीगढ (पंजा.)	- १०	- १२	- १४	- १३	- ११	- ८	- ५	- २	- ०	- १	- ३	- ७
चित्तौडगढ (राज.)	+ ४	+ ६	+ ८	+ ७	+ ५	+ २	- १	- ३	- ५	- ४	- २	+ १
चिन्नई (तमि.)	- ९	+ ३	+ ९	+ ६	- ४	- १८	- ३१	- ४३	- ५०	- ४७	- ३६	- २३
जयपुर (राज.)	- २	- १	- १	- १	- २	- ३	- ३	- ४	- ५	- ४	- ४	- ३
जोधपुर (राज.)	+ १२	+ १३	+ १४	+ १४	+ १२	+ ११	+ ९	+ ८	+ ७	+ ७	+ ८	+ १०
डिब्रुगढ (आसा)	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ८०	- ८०	- ८०	- ८०	- ७९
दरभंगा (बिहा.)	- ४२	- ४०	- ३९	- ४०	- ४१	- ४३	- ४४	- ४६	- ४६	- ४६	- ४५	- ४३
दिल्ली	- ९	- १०	- १०	- १०	- ९	- ९	- ८	- ७	- ६	- ७	- ७	- ८
नागपुर (महा.)	- ११	- ५	- २	- ४	- ९	- १५	- २१	- २७	- ३०	- २९	- २४	- १७
पटना (बिहा.)	- ३९	- ३७	- ३६	- ३६	- ३८	- ४०	- ४२	- ४४	- ४५	- ४५	- ४३	- ४१
पूना (महा.)	+ १२	+ २०	+ २४	+ २२	+ १५	+ ७	- २	- १०	- १४	- १२	- ६	+ ३
बडौदा (गुज.)	+ १२	+ १७	+ २०	+ १९	+ १४	+ ९	+ ३	- २	- ५	- ३	+ १	+ ६
बीकानेर (राज.)	+ ७	+ ६	+ ६	+ ६	+ ७	+ ७	+ ८	+ ८	+ ८	+ ८	+ ८	+ ७
बैंगलोर (कर्ना.)	+ १	+ १३	+ १९	+ १७	+ ६	- ७	- २१	- ३३	- ३९	- ३६	- २६	- १३
भागलपुर (बिहा.)	- ४५	- ४३	- ४२	- ४२	- ४४	- ४७	- ५०	- ५२	- ५३	- ५२	- ५१	- ४८
भुवनेश्वर (उडी.)	- ३७	- ३१	- २८	- २९	- ३५	- ४२	- ४९	- ५५	- ५८	- ५७	- ५१	- ४५
भोपाल (म.प्र.)	- ५	- १	+ १	- ०	- ३	- ८	- १२	- १६	- १८	- १८	- १४	- १०
मुम्बई (महा.)	+ १६	+ २३	+ २७	+ २५	+ १९	+ ११	+ २	- ५	- ९	- ७	- १	+ ७
वाराणसी (उ.प्र.)	- ३०	- २७	- २६	- २७	- २९	- ३१	- ३३	- ३६	- ३७	- ३६	- ३४	- ३२
सोलापुर (महा.)	+ ४	+ १३	+ १७	+ १५	+ ८	- १	- ११	- २०	- २४	- २२	- १५	- ५
श्रीनगर (ज.क)	- ५	- ११	- १४	- १३	- ८	- १	+ ६	+ १३	+ १६	+ १५	+ ९	+ २
हैदराबाद (आं.प्र)	- ६	+ ३	+ ८	+ ६	- २	- १२	- २२	- ३०	- ३५	- ३३	- २५	- १६

॥ संवत् २०६७ ॥ संस्कार कोष्ठक ज्ञानार्थ:- पञ्चाङ्गस्थ नवलगढ (राज.) की दैनिक लग्न प्रवेश सारणी से उपर लिखे नगरों का प्रवेश व समाप्ति काल संस्कार कोष्ठक की सहायता से किसी भी दिन का स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं।

उदाहरण - १ मई २०१० को बैंगलोर (कर्ना.) में सिंह लग्न का प्रवेश और समाप्ति काल ज्ञात करना है। पंचांग में १ मई २०१० को सिंह का प्रवेश काल दिवा घंटा १ मिनट ११ और समाप्ति काल दिवा घंटा ३ मिनट २८ लिखा हुआ है। संस्कार कोष्ठक में बैंगलोर (कर्ना.) के सिंह में + ६ मि. और कन्या में - ७ मि. है (कन्या का प्रवेश काल ही सिंह का समाप्ति काल है)। अतः सिंह के प्रवेश दिवा १।११ में + ६ मि. का संस्कार किया (यदि - हो तो घटा दें और + हो तो जोड दें) तो बैंगलोर (कर्ना.) का स्पष्ट प्रवेश काल दिवा १।१७ हो गया सिंह के समाप्ति काल दिवा घंटा ३ मिनट २८ में - ७ मि. का संस्कार किया तो सिंह का समाप्ति काल दिवा ३।२१ स्पष्ट हो गया। ऐसे ही संस्कार कोष्ठक म लिखे हुए ३५ नगरों में से किसी भी नगर का कोई भी लग्न स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं।

रेल्वे मध्यान्तर निकालने की विधि -

जिस गांव का रेल्वे मध्यान्तर निकालना हो उस गांव का एटलस (भारत के नकसे) से रेखांश प्राप्त करे उस रेखांश में से ८२।३० अंश घटाकर शेष को ४ से गुणा करें गुणन फल उस नगर का मध्यम रेल्वेंतर मिनट धन होगा। उदाहरण - कोलकाता का रेखांश ८८।३० रेखांश धन है इसमें से ८२।३० घटाया (८८।३०-८२।३०) = शेष + ६ अंशो को ४ से गुणा किया + ६ X ४ = २४ यही कोलकाता का २४ मिनिट धन मध्यम रेल्वेंतर हुआ।

यदि अभीष्ट स्थान के रेखांश ८२।३० रेखांश से कम हों तो ८२।३० में से अभीष्ट नगर के रेखांश घटाकर शेष को ४ से गुणा करने से अभीष्ट नगर का ऋण रेल्वे मध्यान्तर होगा। उदा० - मुम्बई के रेखांश ७२।४८ है इसको ८२।३० में से घटाया शेष ९।४२ रहा इनको ४ से गुणा किया तो गुणनफल ३८।४८ मिनिट मुम्बई का मध्यम रेल्वेन्तर हुआ।

रेल्वे मध्यान्तर को स्फुट रेल्वेन्तर जानने की विधि

जिस तारीख का स्फुट रेल्वेंतर जानना हो तो उस तारीख का अंक्षाशादि सारणी के पेज में लिखे वेलान्तर मिनिटों को व्यस्त चिन्ह (ऋण धन का चिन्ह बदल कर) संस्कार करने से स्फुट रेल्वेन्तर उस तारीख का होगा जैसे तारीख १४ जनवरी को वेलान्तर + ९।२० मिनिट धन है इसको व्यस्त चिन्ह धन को ऋण चिन्ह - किया तो हुआ -९।२० यह कोलकाता का +२४ में वैजिकरीत्या संस्कार किया तो + २४।० - ९।२० = + १४।४० ता०-१५ जनवरी को स्फुट रेल्वेन्तर हुआ ऐसे ही मुम्बई -३८।४८ संस्कार किया तो वैजिकरीत्या (योगे युतिः स्यात्क्षययोः स्वयोर्वा) के अनुसार -३८।४८ - ९।२० का जोड किया तो ४८।०८ मुम्बई में स्फुट रेल्वेंतर मिनिट ऋण हुये उनको रेल्वे टाइम में धन ऋण करने से स्थानिक स्फुट टाइम हुई।

ले. पं. ग्यारसीलाल शर्मा, विले पारले, मुम्बई

संवत् २०६७, दिनमान एवं सूर्योदयास्त जानने की सरल विधि -

जिस नगर का दिनमान जानना चाहें उस नगर का अक्षांश पंचांग से या एटलस (भारत के नकसे से) प्राप्त करें उसके पश्चात पंचांग में लिखी दैनिक रवि क्रान्ति और अंक्षाश की सहायता से चर सारणी से अभीष्ट दिन की चरपल प्राप्त करें। चर पलों को दुगुना करके घटी ३०।०० में रवि क्रान्ति उत्तर (धन) हो तो जोड़ दें और रवि क्रान्ति दक्षिण (ऋण) हो तो ३०।० घटी में से घटा दे दिनमान घटी पल होगा। दिनमान की घटी पलों में ५ का भाग देने से सूर्य घटी (देशी) सूर्यास्त का घंटा मिनट होगा। देशी सूर्यास्त के घंटा मिनटों को १२ में से घटा देने से देशी सूर्योदय का घंटा मिनट होगा। इसमें रेल्वे मध्यांतर मिनट तथा वेलान्तर संस्कार करने से रेल्वे टाइम का सूर्योदय एवं सूर्यास्त का घण्टा मिनिटात्मक काल होगा।

दिनमान = ३० + (चरपल x २)

स्टैण्डर्ड सूर्यास्त = दिनमान ÷ ५ + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

स्टैण्डर्ड सूर्योदय = १२ – (दिनमान ÷ ५) + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

उदाहरण - संवत् २०६७, तारीख १ फरवरी २०११ को बैंगलोर (कर्ना.) अक्षांशाः १२°५८' उ., रेखांशाः ७७°३६' पू. का स्पष्ट दिनमान एवं स्टैण्डर्ड सूर्योदय/सूर्यास्त गणित द्वारा ज्ञात करना है। १ फरवरी २०११ को पञ्चाङ्गस्थ रवि क्रान्ति अंश-कलादि (ऋण) -१७।१५ है यहाँ अक्षांश और रवि क्रान्ति की सहायता से चरपल संस्कार सारणी से -४० पल प्राप्त हुई. इनको २ से गुणा किया (-८० = -४० x २) पल ६० से ज्यादा है अतः ६० का भाग दिया तो घट्यादि - १।२० हुआ यहाँ रवि क्रान्ति दक्षिण है अतः घटी ३० में से घटा दिया (३०।० - १।२०) तो घट्यात्मक २८।४० दिनमान हुआ। इसमें ५ का भाग दिया लब्धि घंटादि ५ घंटा ४४ मिनट ०० से. देशी सूर्यास्त टाइम हुई इसको १२ में से घटा दिया तो ६ घंटा १६ मिनट ०० से. देशी सूर्योदय समय हो गया इसमें रेल्वेऽन्तर संस्कार के लिए - बैंगलोर (कर्ना.) का रेखांश ८२।३० से कम है अतः ((८२।३० - ७७।३६) x ४) रेल्वे मध्यान्तर मिनट (ऋण) -१९ सेकण्ड ३६ को व्यस्तचिन्ह (ऋण हो तो धन और धन हो तो ऋण) करके सूर्योदय/सूर्यास्त में जोड दिया तो ६।३५।३६ सूर्योदय और ६।०३।३६ सूर्यास्त बैंगलोर (कर्ना.) का मध्यम मान से हुआ। इसमें तारीख १ फरवरी २०११ को वेलान्तर मिनट +१३ सेकण्ड ३१ को धनर्ण करने से स्टैण्डर्ड (रेल्वे) ६।४९।०७ सूर्योदय और ६।१७।०७ सूर्यास्त (अर्वादिक रुप से सूर्योदय ६ बजकर ४९ मिनट और सूर्यास्त ६ बजकर १७ मिनट) समय स्पष्ट हो गया। इस तरह भारत के किसी भी गांव का जान लीजिये।

रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे, ॥ अथ मास तारीखोपरि वेलान्तरम् ॥ मिनट-सेकण्ड, ई.सन् २०१०

ता.	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर
	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.
१	+ ३।२१	+१३।३३	+१२।२९	+ ४।०५	- २।४८	- २।१३	+ ३।४७	+ ६।२२	+ ०।१०	-१०।१०	-१६।२४	-११।१०
२	+ ३।५०	+१३।४१	+१२।१७	+ ३।४७	- २।५५	- २।०४	+ ३।५८	+ ६।१९	- ०।०९	-१०।३०	-१६।२६	-१०।४७
३	+ ४।१७	+१३।४८	+१२।०५	+ ३।२९	- ३।०२	- १।५५	+ ४।०९	+ ६।१४	- ०।२९	-१०।४९	-१६।२६	-१०।२४
४	+ ४।४५	+१३।५४	+११।५३	+ ३।१२	- ३।०८	- १।४५	+ ४।२०	+ ६।०९	- ०।४८	-११।०८	-१६।२६	-१०।०१
५	+ ५।१२	+१४।००	+११।३९	+ २।५४	- ३।१३	- १।३४	+ ४।३१	+ ६।०४	- १।०८	-११।२६	-१६।२५	- ९।३६
६	+ ५।३९	+१४।०४	+११।२६	+ २।३७	- ३।१८	- १।२४	+ ४।४१	+ ५।५७	- १।२८	-११।४४	-१६।२३	- ९।११
७	+ ६।०५	+१४।०८	+११।१२	+ २।२०	- ३।२३	- १।१३	+ ४।५१	+ ५।५०	- १।४८	-१२।०२	-१६।२१	- ८।४६
८	+ ६।३१	+१४।११	+१०।५८	+ २।०३	- ३।२६	- १।०२	+ ५।०१	+ ५।४३	- २।०९	-१२।१९	-१६।१७	- ८।२०
९	+ ६।५६	+१४।१४	+१०।४३	+ १।४७	- ३।३०	- ०।५०	+ ५।१०	+ ५।३५	- २।३०	-१२।३६	-१६।१३	- ७।५४
१०	+ ७।२१	+१४।१५	+१०।२८	+ १।३०	- ३।३२	- ०।३८	+ ५।१९	+ ५।२७	- २।५१	-१२।५२	-१६।०८	- ७।२७
११	+ ७।४५	+१४।१६	+१०।१२	+ १।१४	- ३।३५	- ०।२६	+ ५।२७	+ ५।१७	- ३।१२	-१३।०८	-१६।०२	- ७।००
१२	+ ८।०९	+१४।१६	+ ९।५६	+ ०।५९	- ३।३६	- ०।१४	+ ५।३५	+ ५।०८	- ३।३३	-१३।२३	-१५।५५	- ६।३२
१३	+ ८।३२	+१४।१५	+ ९।४०	+ ०।४३	- ३।३७	- ०।०२	+ ५।४३	+ ४।५७	- ३।५४	-१३।३८	-१५।४८	- ६।०४
१४	+ ८।५४	+१४।१३	+ ९।२४	+ ०।२८	- ३।३८	+ ०।११	+ ५।५०	+ ४।४७	- ४।१५	-१३।५३	-१५।३९	- ५।३६
१५	+ ९।१६	+१४।११	+ ९।०७	+ ०।१३	- ३।३७	+ ०।२३	+ ५।५६	+ ४।३५	- ४।३७	-१४।०६	-१५।३०	- ५।०७
१६	+ ९।३७	+१४।०८	+ ८।५१	- ०।०१	- ३।३७	+ ०।३६	+ ६।०२	+ ४।२३	- ४।५८	-१४।२०	-१५।१९	- ४।३८
१७	+ ९।५८	+१४।०४	+ ८।३३	- ०।१६	- ३।३५	+ ०।४९	+ ६।०८	+ ४।११	- ५।१९	-१४।३२	-१५।०८	- ४।०९
१८	+१०।१७	+१४।००	+ ८।१६	- ०।२९	- ३।३४	+ १।०२	+ ६।१३	+ ३।५८	- ५।४१	-१४।४५	-१४।५७	- ३।३९
१९	+१०।३६	+१३।५५	+ ७।५९	- ०।४३	- ३।३१	+ १।१५	+ ६।१७	+ ३।४५	- ६।०२	-१४।५६	-१४।४४	- ३।१०
२०	+१०।५४	+१३।४९	+ ७।४१	- ०।५६	- ३।२८	+ १।२८	+ ६।२१	+ ३।३१	- ६।२४	-१५।०७	-१४।३०	- २।४०
२१	+११।१२	+१३।४३	+ ७।२३	- १।०८	- ३।२५	+ १।४१	+ ६।२४	+ ३।१६	- ६।४५	-१५।१७	-१४।१६	- २।१०
२२	+११।२९	+१३।३६	+ ७।०५	- १।२०	- ३।२१	+ १।५४	+ ६।२७	+ ३।०१	- ७।०६	-१५।२७	-१४।०१	- १।४०
२३	+११।४५	+१३।२८	+ ६।४८	- १।३२	- ३।१६	+ २।०७	+ ६।२९	+ २।४६	- ७।२७	-१५।३६	-१३।४५	- १।११
२४	+१२।००	+१३।१९	+ ६।२९	- १।४३	- ३।११	+ २।२०	+ ६।३१	+ २।३०	- ७।४८	-१५।४४	-१३।२८	- ०।४१
२५	+१२।१४	+१३।१०	+ ६।११	- १।५४	- ३।०६	+ २।३३	+ ६।३२	+ २।१४	- ८।०९	-१५।५२	-१३।१०	- ०।११
२६	+१२।२८	+१३।०१	+ ५।५३	- २।०४	- २।५९	+ २।४६	+ ६।३२	+ १।५७	- ८।३०	-१५।५९	-१२।५२	+ ०।१९
२७	+१२।४१	+१२।५१	+ ५।३५	- २।१४	- २।५३	+ २।५८	+ ६।३२	+ १।४०	- ८।५०	-१६।०५	-१२।३३	+ ०।४९
२८	+१२।५३	+१२।४०	+ ५।१७	- २।२३	- २।४६	+ ३।११	+ ६।३१	+ १।२३	- ९।११	-१६।१०	-१२।१३	+ १।१८
२९	+१३।०४	. . .	+ ४।५९	- २।३२	- २।३८	+ ३।२३	+ ६।३०	+ १।०५	- ९।३१	-१६।१५	-११।५३	+ १।४८
३०	+१३।१४	. . .	+ ४।४१	- २।४०	- २।३०	+ ३।३५	+ ६।२८	+ ०।४७	- ९।५१	-१६।१९	-११।३२	+ २।१७
३१	+१३।२४	. . .	+ ४।२३	. . .	- २।२२	. . .	+ ६।२५	+ ०।२९	. . .	-१६।२२	. . .	+ २।४६

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् । वासरमणिरिव तमसां राशीन्नाशयति विघ्नानाम् ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५१११, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५१११ भोग्यकलिः ४२६८८९ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्यराज्येतो गताब्दाः संवत् २०६७ शाकः १९३२ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा भौमः , मंत्री बुधः, सस्येशः शुक्रः, धान्येशो गुरुः, मेघेशो भौमः, रसेशो रविः, नीरसेशः शुक्रः, फलेशो रविः, धनेशो गुरुः, दुर्गेशश्चंद्रः, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादि षष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णु विंशतिकायां १७ शोभननाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि ११।१५।१८।४३ भोग्य मासादि ०।१४।४१।१७ विश्वेदेव दैवतं युगम् । वर्षनाम श्रावण । चतुर्मेघनाम पुष्करः । रोहिणी निवासो पर्वते । समय निवासो कुंभकारगृहे । समय विश्वा १८ । समय वाहनं वृषभः । स्तंभ २ वायु अन्न । सोमवत्यमा. ० । सोमवती पंचमी १ । अंगारकी चतुर्थी २ । भानु सप्तमी १ । बुधाष्टमी २ । रविदशमी ३ । समय मुहूर्तानि ३९० । समय दिनानि ३८४ । तिथि क्षयः २१ । तिथि वृद्धिः १५ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९६ । स्वपति विश्वा १०८ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९९ । स्वपति विश्वा ८७ । वर्षा विश्वा ५ । धान्यम् १७ । तृणम् १५ ' शीतम् १५ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । (क्षुधा १३ । तृष्णा ५ । निद्रा ९ । आलस्य ५ । उद्यम ३ । शान्ति १ । क्रोध ३ । दण्ड ५ । मैत्री १३ । उत्सव ११ । पाप ११ । पुण्य ७ । उग्रत्व ९ । रसोत्पत्तिः ७ । फलोत्पत्तिः ११ । व्याधि ९ । व्याधिनाश ५ । आचार ३ । अनाचार ७ । मृत्यु ३ । जन्म ११ । चौर १७ । उपशमन ५ । अग्निमय ११ । अग्निशमः ३ ।) सत्यम् ॥, धर्म ९॥, पाप १८ । ऐक्यम् ११७ । शनि दृष्टिः दक्षिणस्याम । ग्रहणं १ सूर्यस्य । उद्रिजः ३ । जरायुजः ३ । पिण्डजः ३ । स्वदेजः ३ ।

अथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजाभौमस्तत्फलम् - भौमे नृपे वह्निभयं जनक्षयं चौराकुलं पार्थिवविग्रहं च । दुःस्वं प्रजाव्याधिवियोगपीडा स्वल्पं पयो मुञ्चति वारिवाहः ॥ मंत्रीबुधस्तत्फलम् - शशिसुतेशुभमंत्रिसमागतेस्वपतिनारमते मदनक्रियाम् । बहुधनबहुवादिसमन्वितंयवमसूरचणान्नमहर्घताम ॥ सस्येशःशुक्रस्तत्फलम् - शुक्रोयदाधान्यपतिर्धरायांमेघोजलंवर्षतिशोभनम् प्रियम् । गोधूमशालीक्षुघनं प्रियंगुवृक्षेषु पुष्पाणि सुखप्रदानि ॥ धान्येशोगुरुस्तत्फलम् - गुरौधान्यपतौ याते यवगोधूमशालयः । पच्यन्तेसर्वदेशेषुयज्वानोब्राह्मणादयः ॥ मेघेशोभौमस्तत्फलम् - अवनिजेजलदस्यपतौभुविश्रुतिविचारविहीनधरामराः । क्वचिदपिप्रचुरंजलमल्पकंक्वचिदपिप्रशमंबहुतापदम् ॥ रसेशोरविस्तत्फलम् - रसपतौतरणीधरणोतदावित्तसभागरताल्पपयोधरा । वसनतैलघृतप्रियमानवाः सुखेरसंनभुनक्ति महीपतिः ॥ नीरसेशः शुक्रस्तत्फलम् - कर्परागरगन्धानांहेममौक्तिकवाससाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेतनीरसेशोभृगुर्यदि ॥ फलेशोरविस्तत्फलम् - द्रुमवतीवरपुष्पवतीधराप्रमुदिताफलभोगविशेषता । बहुजलंजलदोभुविमुंचति क्वचिदपिप्रमितं फलपो रविः ॥ धनेशोगुरुस्तत्फलम् - सुमनसां च गुरुर्द्रविणाधिपो वणिजवृत्तिपराः सुखभाजनाः । फलितपुष्पितभूमिरुहाः सदा विविधद्रव्ययुता भुवि मानवाः ॥ दुर्गेशश्चंद्रस्तत्फलम् - गढपतिर्मृगलांछनको यदा नृपसुराज्यविलासितपौरजाः । बहुधनेक्षुजगोरसभोगिनो नरवरा नरवर्णितविग्रहाः ॥ शोभन नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते तत्फलम् - शोभनेवत्सरेधात्रीप्रजानांरोगशोकदा । तथापिसुखिनोलोकाबहुसस्यार्घवृष्टयः ॥ वर्षनाम श्रावण तत्फलम् - मनोल्हादंप्रकुर्वतिजनाः सौख्यसमायुताः । श्रावणेवृष्टिरत्युग्रागोमहिष्यादिकं सुखम् ॥ चतुर्मेघनाम पुष्करस्तत्फलम् - पुष्करेमंदवृष्टिश्च । रोहिणी निवासो पर्वते तत्फलम् - पर्वते बिन्दुमात्रश्च । समय निवासो कुंभकारगृहे तत्फलम् - कुंभकारगृहे वासो तद्वर्षे मध्यमं फलम् ॥ अपिच - अनावृष्टि प्रजापतौ । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

(१) नोट - ज्येष्ठ शुक्ला १५ शनिवार, संवत् २०६७, ता. २६ जून २०१०, नवलगढ में खण्डग्रास **चंद्रग्रहण** का अभाव है लेकिन भारत के अन्य भागों में दिखाई देगा ।

जहाँ ग्रहण दिखाई नहीं दे वहाँ तत्सम्बधि धार्मिक कृत्य करना आवश्यक नहीं है ।

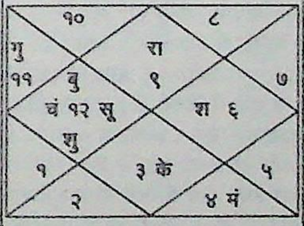
नोट- ग्रहणों का विशेष विवरण वार्षिकपञ्चाङ्ग में देखें ।

(१) पौष कृष्णा ३० भौमवासरे, संवत् २०६७, ता. ४ जनवरी २०११, अल्पग्रासं **सूर्यग्रहणम्**

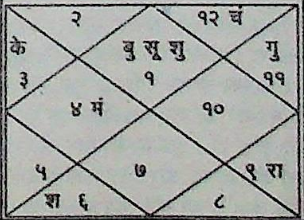
स्थल	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
नवलगढ घटी-प.	१९।२९	२०।१८	२१।०४	१।३५
रेल्वेटाईम घं.-मि.	१५।१२	१५।३२	१५।५०	०।३८

इस ग्रहण का सूतक पूर्वदिन उत्तररात्री स्टै ३।१० बजे से प्रारम्भ होगा । ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनो को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

वर्ष लग्नम् ८।१६



वर्षेश लग्नम् ०।०२



लाभ खर्च कोष्ठक

राशि	अष्टोत्तरी मतेन लाभ	अष्टोत्तरी मतेन खर्च	विंशोत्तरी मतेन लाभ	विंशोत्तरी मतेन खर्च
मेष	८	१४	२	१४
वृष	२	८	११	५
मिथुन	५	५	२	५
कर्क	१४	२	११	१४
सिंह	२	१४	१४	११
कन्या	५	५	२	५
तुला	२	८	११	५
वृश्चिक	८	१४	२	१४
धनु	११	५	१४	२
मकर	१४	१४	८	५
कुंभ	१४	१४	८	५
मीन	११	५	१४	२

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता:
श्री.श्री १०८ पं. ईश्वरदत्त शर्मणोऽनुग्रहीत शिष्यः
पं. ग्यारसी लाल शर्मा (शास्त्री),
५८, राम कुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड,
विलेपार्ले (पूर्व) मुम्बई ४०० ०५७,
दूरध्वनि क्र.: ८३७ २७८३

।। ग्रहयोगाद्वर्ष फलम् ।। संवत् २०६७

ग्रहयोग देखता वर्षफल उत्तम होगा । इस वर्ष में राजा और मेघेश मंगल हैं । मंत्री बुध हैं । धान्येश और धनेश गुरु हैं । सस्येश और नीरसेश शुक्र हैं । रसेश और फलेश रवि हैं । दुर्गेश चंद्र हैं । इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ६ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए हैं और ४ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए हैं अतः वर्षफल उत्तम होगा । **चैत्र** - वर्षलग्न धन होने से उत्तर पूर्व में सुख हो, मध्यप्रदेश में प्रबल वर्षा से दुर्भिक्ष तथा रोग हो । पश्चिम में पांच मास में घी धान्य सस्ते हों, दक्षिण में सुख रहे, किन्तु चौपायो को कुछ पीड़ा हो । सुभिक्ष हो, रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है । गुरु उदय से वर्षा हो और श्रृंगार की वस्तुएं और धान्य बहुत महँगाई हो । जौ गेहूँ में रोग हो । ईख, दूध, रस और घी अदि सस्ते हों । **प्र.वैशाख** - तुष धान्य महँगे हो और तिलों का अभाव हो । भरणी में स्थित शुक्र किरात तथा यवनों को पीड़ित करता है । हाथियों को पीड़ा हो, धान्य महँगे हों, प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । अतिवृष्टि हो, साँपों का भय अधिक हो । **द्वि.वैशाख** - व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । मीन के बृहस्पति होने से संभव नामक मेघ वर्षता है, खण्ड वृष्टि होती है और सब धान्य महंगे होते है । राज विरोध से पांच महीने भय रहे पीछे सुख और सुभिक्ष हो । शाली, गेहूँ, शक्कर, तिल, गुड़ यह महँगे हों । मजीठ, नारियल, श्वेत वस्त्र, हाथीदांत, कपूर, नमक और घी महंगे हों । मरुदेश में महापीड़ा तथा दुर्भिक्ष हो । चौपायों का मरण और धान्य तथा घी तेल महंगे हों, तिल, कपास, सस्ते हों, आबू में छत्रभंग हो और मारवाड में उत्पात हो । टीडी आदि से धान्य महँगा हो । **ज्येष्ठ** - अभाव हो, अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो । प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । अल्पवृष्टि तथा विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो । कपास, तिल, सूत महँगे हों । सुभिक्ष हो, वायु से वर्षा हो । तेल का मूल्य बढ जाय । **आषाढ** - कपास सूत मंदा हो । शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग, अनावृष्टि । मघा नक्षत्र को शुक्र के भेदन करने से हस्तिपति पीडित हों और अतिवृष्टि हों । आषाढ में बुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । घोड़ों का मूल्य बढे । आश्लेषा में बुध होने से महावृष्टि हो, पू.फा. नक्षत्र को शुक्र के भेदन करने से शबर-पुलिन्द जन पीड़ित हों और अतिवृष्टि हो । मीन का गुरु वक्री होने से चोर तथा राजाओं के द्वारा धन का नाश हो । निराधार प्रजा पीडित हो, तुल भाण्ड गुड़ खाण्ड इनका भाव तेज हो । लवण, घी, तैलादि और सब धान्य महँगे हों, कपास महँगा हो ।

श्रावण - कुरु देश में निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पपोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जाबस्थ जन पीड़ित हों तथा वृष्टि हो । परस्पर सप्तम राशि में गुरु और शुक्र होने से अवृष्टि हो । पूर्वाफाल्गुनी में बुध होने से क्षेत्र के बंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो, क्षुधा, शस्त्र, चौर और रोगों की वृद्धि हो । तुष धान्य उत्तम हो, घृत गुड़ और नमक महंगे हो । मेघों की गर्जना के साथ वर्षा हो, कौरव और चित्रकार पीडित हों अनावृष्टि हो । कुओं बनाने वालों और पक्षियों को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो । **भाद्रपद** - गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों । चावल तथा गेहूँ महँगे हों, शस्त्रनिपात हो, धातुओं की महँगाई हो अन्न भाव तेज हो । स्वाती पर मंगल होने से अनावृष्टि हो । पू.फा. में बुध होने से क्षेत्र के बंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो । मीन में बृहस्पति के उदय होने से राजाओं के युद्ध का योग हो और मनुष्यों में महामारी से पीड़ा हो, धान्य का नाश हो । उ.भा. में गुरु उदय होने से वल्लीज (मूँग आदि अन्न) की उत्पत्ति उत्तम हो शेष उत्पत्ति कम हो । **आश्विन** - प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त,मांस,मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । कपास और गेहूँ का भाव महँगा हो । स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो । गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो मन्द वर्षा हो ।

कार्तिक - कुओं बनाने वालों और पक्षियों को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो, गौओं को पीड़ा हो, कार्तिक मास में बुध का उदय होने से शस्त्र, चोर, अग्नि, रोग, जल और दुर्भिक्ष का भय हो । ज्येष्ठा में बुध होने से ईख, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो ।

मार्गशीर्ष - क्षत्रियों में पीड़ा हो, तुष धान्य महँगा हो । स्वाती नक्षत्र में शुक्र होने से अतिवृष्टि तथा दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो । जल बहुत हो, गायें दूध कम दें, पृथ्वी अन्न से पूरित हो, शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो ।

पौष - ईख, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो, रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो । पौष में बुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । क्षत्रियों में परस्पर विरोध हो अनावृष्टि हो । बुध मूल को भेदने से व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । चित्रा नक्षत्र में स्थित शनैश्चर स्त्रीगण, लेखक, चित्रकार, भाण्ड (अनेक प्रकार के वैश्यों के धन - भाण्ड वणिङ्मूलधने भूपाश्वभूषयोरिति मेदिनी) इन सबों को पीडित करता है । **माघ** - प्रधान वैद्य (डाक्टर) पीड़ित हों अनावृष्टि हो । धान्य, गुड शक्कर सस्ते हों । श्रवण में बुध होने से गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में बर्फ (ओले) गिरने का भय हो । जल में उत्पन्न जीव पीड़ित हों, गायें पीड़ित हों ।

फाल्गुन - व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । धान्य सम्पदा अच्छी हो, सुभिक्ष हो, कर्णपीड़ा हो । तिल, वस्त्र, कपास, सुपारी आदि महँगे हो । श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । पाखण्डियों में भय उत्पन्न हो । **चैत्र** - वर्षा तथा अन्न का अभाव हो, श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो । मीन राशि में बुध का अस्त होने से राज्यवर्ग में पीड़ा और प्रजा सुखी हो । आगे सर्वज्ञ जगत नियन्ता जगदीश्वराधीन हैं, गो प्रजा भाग्य प्रबल है ।

लाभ - खर्च देखनें की विधि और फल - जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-खर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

॥ संवत् २०६७ मध्ये उपनयनादि मुहूर्त्ताः ॥

अथ उपनयन मुहूर्त्ताः

सन२०१० चैत्र शुक्लपक्षः
मार्च २६ शु. ११ शुक्रे आश्ले. ल. २
(स्टें. १०।१० या.)
ज्येष्ठ मासः
मई ३० कृ. ३ रवौ मुले अभिजिति
जून १४ शु. २ चंद्रे पुन. अभिजिति
जून १६ शु. ४ बुधे आश्ले. ल. ५
जून २१ शु. १० चंद्रे चित्रा. अभिजिति
आषाढ मासः
जून २८ कृ. २ चंद्रे उ.षा. अभिजिति
सन२०११ माघ मासः
जन. २१ कृ. २ शुक्रे आश्ले. अभिजिति
जन. २४ कृ. ५ चंद्रे उ.फा. ल. ११।१२
फर. ४ शु. १ शुक्रे धनि. अभिजिति
फर. ६ शु. ३ रवौ पू. भा. अभिजिति
फाल्गुन कृष्णपक्षः
फर. २० कृ. ३ रवौ उ.फा. अभिजिति
मार्च ७ शु. २ चंद्रे रेवत्यां अभिजिति

अथ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः

सन२०१० द्वि. वैशाख मासः
मई २४ शु. ११ चंद्रे हस्ते अभिजिति
मई २६ शु. १३ बुधे स्वा. ल. ३ (ति. दो.)
आषाढ मासः
जुला. २१ शु. ११ बुधेऽनुराधा. ल. ५।६
जुला. २६ शु. १५ चंद्रे उ.षा. ल. ५
श्रावण मासः
जुला. २८ कृ. २ बुधे धनि. ल. ५
(स्टें. ११।२२ या.)
जुला. २९ कृ. ३ गुरौ शते. ल. ९ (ति. दो.)
अग. २१ शु. १२ शनौ उ.षा. ल. ९
भाद्रपद मासः
अग. २५ कृ. १ बुधे शते. ल. ६।९
अग. २७ कृ. ३ शुक्रे उ.भा. अभिजिति
कार्तिक मासः
नवं. १५ शु. ९ चंद्रे शत. ल. ११।१२
(कुंभ स्टें. १३।५२ उप.)

वृषचक्ररहिताः गेहारंभ (भूमिपूजन) मुहूर्त्ताः

सन२०१० प्र. वैशाख मासः
मई १५ कृ. २ शनौ रोहि. अभिजिति
मई १९ कृ. ६ बुधे पुष्ये ल. ३।५।६ (ति.दो.)
ज्येष्ठ मासः
जून ४ कृ. ७ शुक्रे शतेऽभिजिति
आषाढ मासः
जुला. १७ शु. ६ शनौ हस्तेऽभिजिति
श्रावण मासः
जुला. ३१ कृ. ५ शनौ उ.भा. अभिजिति
अग. १४ शु. ५ शनौ चित्रा. अभिजिति
भाद्रपद मासः
सितं. १ कृ. ७ बुधे रोहि. ल. ९
सितं. ९ शु. १ गुरौ उ.फा. अभिजिति
कार्तिक मासः
नवं. १२ शु. ६ शुक्रे उ.षा. ल. ९
नवं. १८ शु. १२ गुरौ रेवत्यामभिजिति
मार्गशीर्ष मासः
दिसं. २ कृ. १२ गुरौ चित्रा. अभिजिति
दिसं. ३ कृ. १३ शुक्रे स्वात्यामभिजिति
सन२०११ माघ मासः
जन. २४ कृ. ५ चंद्रे उ.फा. ल. ११।१२
(ल. मीन १२।०५ या.)
जन. २४ कृ. ५ चंद्रे हस्तेऽभिजिति
फर. ४ शु. १ शुक्रे धनि. अभिजिति
फाल्गुन मासः
मार्च १२ शु. ७ शनौ रोहि. अभिजिति

अथ नूतन गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०११ माघ मासः
जन. २८ कृ. १० शुक्रे अनु. अभिजिति
फर. १२ शु. ९ शनौ रोहि. अभि. (रि.ति.दो.)
फाल्गुन मासः
मार्च १२ शु. ७ शनौ रोहि. अभिजिति

कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश(वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०१० प्र. वैशाख मासः
मई १५ कृ. २ शनौ रोहि. अभिजिति
ज्येष्ठ मासः
मई २८ कृ. १ शुक्रे अनु. ल. ३।५
(ल. ५ स्टें. १२।१० या.)
सन२०११ माघ मासः
जन. २४ कृ. ५ चंद्रे उ.फा. ल. ११
(चं.श.८ दो., मं.१२ दो.)
फाल्गुन मासः
फर. २४ कृ. ७ गुरौ अनु. ल. ३
(स्टें. १३।३३ उप.)
फर. २५ कृ. ८ शुक्रे अनु. अभिजिति

अथ जीर्ण गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०१० द्वि. वैशाख शुक्लपक्षः
मई १९ शु. ६ बुधे पुष्ये ल. ३।५
मार्गशीर्ष मासः
दिसं. ३ कृ. १३ शुक्रे स्वात्यामभिजिति
दिसं. ११ शु. ६ शनौ धनि. अभिजिति
सन२०११ माघ मासः
फर. १६ शु. १३ बुधे पुष्ये ल. २।३

कुंभचक्ररहिता जीर्णगृहप्रवेश(वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०१० ज्येष्ठ मासः
जून ३ कृ. ६ गुरौ धनि. ल. ३
(स्टें. ७।१४ या.)
जून ४ कृ. ७ शुक्रे शत. अभिजिति
श्रावण मासः
जुला. २८ कृ. २ बुधे धनि. ल. ५।६
सन२०११ माघ मासः
जन. २० कृ. १ गुरौ पुष्येऽभिजिति
जन. २६ कृ. ८ बुधे स्वात्यां ल. ११।१२।२
(ल. कुंभ ८।५२ उप.)
फर. ४ शु. १ शुक्रे धनि. अभिजिति
फर. ५ शु. २ शनौ शत. अभिजिति

अथ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः

सन२०१० द्वि. वैशाख शुक्लपक्षः
मई १५ शु. २ शनौ रोहि. अभिजिति
मई १६ शु. ३ रवौ मृगे अभिजिति
मई १९ शु. ६ बुधे पुष्ये ल. ३
मई २४ शु. ११ चंद्रे हस्ते अभिजिति
ज्येष्ठ मासः
जून २ कृ. ५ बुधे श्रवणेऽभिजिति
जून ४ कृ. ७ शुक्रे शत. अभिजिति
जून १४ शु. २ चंद्रे पुन. अभिजिति
जून २१ शु. १० चंद्रे चित्रा. अभिजिति
जून २४ शु. १३ गुरौ अनु. अभिजिति
आषाढ मासः
जून २८ कृ. २ चंद्रे उ.षा. अभिजिति
जुला. १ कृ. ५ गुरौ शत. अभिजिति
जुला. ४ कृ. ७ रवौ उ.भा. अभिजिति
सन२०११ माघ मासः
जन. २४ कृ. ५ चंद्रे हस्तेऽभिजिति
फर. ४ शु. १ शुक्रे धनि. अभिजिति
फर. ५ शु. २ शनौ शत. अभिजिति
फर. १६ शु. १३ बुधे पुष्येऽभिजिति
सन२०११ फाल्गुन मासः
फर. २० कृ. ३ रवौ उ.फा. अभिजिति
फर. २४ कृ. ७ गुरौ अनु. ल. ३
(स्टें. १३।३३ उप.)
मार्च ७ शु. २ चंद्रे रेव. अभिजिति
मार्च ९ शु. ४ बुधे अश्वि. ल. ३
(स्टें. १४।०५ या.)
मार्च १२ शु. ७ शनौ रोहि. अभिजिति

॥ संवत् २०६७ मध्ये विवाह मुहूर्ताः ॥

सन्२०१०	द्वि. बैशाख शुक्लपक्षः
मई १५	२ शनौ रोहि. दिवा. ल. ५।६, रे. १० IIIIIIIIII
मई १५	२ शनौ मृगे रात्रौ ल. ११।१२, रे. ९ IISशुIIIIIII (मी. श. ७ दो.)
मई २४	११ चंद्रे हस्ते दिवा ल. ४।५, रे. ८ IIISगुSIIIII
	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः
मई २८	१ भृगौ अनु. दिवा ल. ४, रे. ८ IIISबुIIISII
मई २९	२ शनौ मूले दिवा ल.६ रात्री गो. १२, रे. ८ SSIIIIIIII (क. सोग्रांगः, रा. ४ दो. गु. ७ पू., मीने श. ७ दोषः)
मई ३०	३ रवौ मूले दिवा ल. ५, रे. ८ SSIIIIIIII (सोग्रांगः)
मई ३१	३ चंद्रे उषा. रात्रौ ल. गोधूलि, रे. ७ IIIISIISISद.
जून ६	९ रवौ उभा. दिवा ल. ४।५, रात्रौ अ.गोधूलि ११ रे. ७ IISगुISIISII (सिंहः सोग्रांगः)
	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः
जून १९	८ शनौ हस्ते रात्रौ ल.१२,रे.६ ISISगुSISIII (श.चं.७दो.)
जून २०	९ रवौ हस्ते दिवा ल. ४।५, रे. ७ ISISगुSIIIII
जून २१	१० चंद्रे स्वातौ रात्रौ ल. गोधूलि, १०।१, रे. ९ IIIIIISIII (मक. शु. ७ पू., मेषे चं. ७ पू.)
जून २४	१३ गुरौ अनु. दिवा ल. ४।५, रे. ८ SSIIIIIIII
	आषाढ कृष्णपक्षः
जून २८	२ चंद्रे उषा. दिवा ल. ४।६, रे. १० IIIIIIIIII
जुला. ४	७ रवौ उभा. दिवा ल. ४।५, रे. ६ IISगुSIISIS
जुला. ८	११ गुरौ रोहि. रात्रौ ल. १०।१, रे. ७ SSIIIIISII (मक. बु. ७ पू. स्टै. २०।३३ उप.)
	आषाढ शुक्लपक्षः
जुला. १४	३ बुधे मघा दिवा ल. ६।७, रे. ९ IISशुIIIIIII (कन्या सोग्रांगः गु.७ पू.रा.४ दो.,तुला.शनि.१२ दोषस्तेनत्याज्यः)
	अग्रे कर्केऽर्कः
	कार्तिक शुक्लपक्षः
नवं. १८	१२ गुरौ रेवत्यां रात्रौ ल. गोधूलि ४।६, रे. ८ SIIISIIIII (कन्या. सोग्रांगः स्टै. २७।५८ या.)
	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः
नवं. २२	१ चंद्रे रोहि. दिवा ल.१०।१ रात्रौ ४।६, रे. ८ IIIISIISII (मेषे शु. ७ दो., कन्या सोग्रांगः रा ४ दो.)
नवं. २३	२ भौमे मृगे दिवा ल.१०।१ रात्रौ ४।६, रे. ९ IIIISIIIII (मेषे शु. ७ पू., कन्या सोग्रांगः रा. ४ दो.)
नवं. २८	७ रवौ मघा दिवा ल. १०, रे. ८ SIIIIIISII
नवं. २९	८ चंद्रे उफा. रात्रौ ल. ६, रे. ८ IIIISIISII (सोग्रांगः रा. ४ दो. स्टै. २६।०३ उप.)
नवं. ३०	९ भौमे उफा. दिवा १०।११, रात्रौ अ. गोधूलि रे. ७ IIIISIISISद. (गोधूल्यां भौम ८ दोषः)
दिसं. २	१२ गुरौ स्वातौ रात्रौ ल. ४।५, रे. ९ IISशुIIIIII (कर्कः स्टै. २१।१८ उप., सिंहे गु. ७ पू.)
	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः
दिसं. ८	३ बुधे उषा. रात्रौ ल. ५, रे. ९ SIIIIIIIII
	अग्रे धनुष्यर्कः
सन्२०११	पोष शुक्लपक्षः
जन. १६	११ रवौ रोहिण्यांदिवा ल. ११।१२।१, रात्री गोधूलि रे. ६ SIIISSIIISद.
	माघ कृष्णपक्षः
जन. २१	२ शुक्रे मघा. रात्रौ ल. गो. ८, रे. १० IIIIIIIIII (गोधूल्यां तु सप्तम भौम दोषः)
जन. २३	४ रवौ उफा. रात्रौ ल. गोधूलि, ८, रे. ८ IIIIIISSII (गो. भौम ७ दो.)
जन. २४	५ चंद्रे उफा. दिवा ल. ११, रे. ८ IIIIIISSII
जन. २८	१० शुक्रे अनु. दिवा ल. ११।१२।२, रे. ९ IIIIIISII
	माघ शुक्लपक्षः
फर. ७	४ चंद्रे रेवत्यां रात्रौ ल. ८, रे. ६ SSIISIISII (स्टै. २५।४९ उपरांत)
फर. ८	५ भौमे रेवत्यां दिवा ल. ११।१२, रात्रौ अ.गोधूलि ८ रे. ६ SSIISIISII (गोधू. भौ. ७ दो.)
फर. १८	१५ भृगौ मघा दिवा ल. १, रात्रौ ८, रे. ७ IIIISISSII (वृश्चि. स्टै. २६।४४ या.)
	फाल्गुन कृष्णपक्षः
फर. १९	१ शनौ उफा. दिवा ल.१, रात्रौ ८।१०, रे. १० IIIIIIIIII
फर. २४	७ गुरौ अनु. रात्रौ अ. गो. १०, रे. ७ SIIIIISSII (गोधू. भौ. ७ दो.)
फर. २५	८ शुक्रे अनु. दिवा ल. १२।१, रे. ८ SIIIIIISII
	फाल्गुन शुक्लपक्षः
मार्च ७	२ चंद्रे रेवत्यां दिवा ल. १।४, रात्री१०, रे.८ SIIISIIIII (कर्के शु. ७ पू.)
मार्च ८	३ भौमे रेवत्यां दिवा ल. १, रे. ७ SIIISIIIISद.
मार्च ११	६ शुक्रे रोहि. रात्रौ ल. १०, रे. ७ SIIIIISSII
	अग्रेमीनेऽर्कः

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

सन्२०१०	ज्येष्ठ कृष्णपक्षः
जून ८	११ भौमे अश्वि. दिवा ल. ५, रात्रौ ९, रे. ८ SIIIIIISII (सिंहः सोग्रांगः धनु. सोग्रांगः केशु. ७ पू.)
जून ९	१२ बुधे अश्वि. दिवा ल. ४, रे. ७ SIIIIISSII
	ज्येष्ठ शुक्लपक्षः
जून २०	९ रवौ चित्रा. रात्री अ. गो. १०।१२, रे. ९ IIIIIIISII (अ.गो. स्टै. ११।२८ उप. मीने श.चं. ७ दो.)
जून २१	१० चंद्रे चित्रा दिवा ल.४।५,रे.९ IIIIIIISII (सिंहेसोग्रांगः)
	आषाढ कृष्णपक्षः
जून ३०	४ बधे धनि. दिवा ल. ४, रात्री गोधूलि, १ रे. ६ IIISशुSISSII (कर्के चं. ७ पू.)

भैरव भवानि संवाद

भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
सड़सठ संयत का कहो श्रीमुख से सब हाल ॥
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देखतां श्रेष्ठ जमानो होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये षट्क अधिकार ।
समय वास माली यहाँ मंदा करे व्यापार ।
रोहिणी पर्वत पर वसी भूमितनय मेघेश ।
रसकसकी कमतीरहे रसपति भये दिनेश ॥
वर्षा विश्वा पांच है करे तेज व्यापार ।
पण सुरगुरु धान्येश है करै धान्य की सार ।
फलसंवत्सर का कहा देख ग्रहों का चार ।
रामकुमार का कथन है भजन जगत् में सार ॥

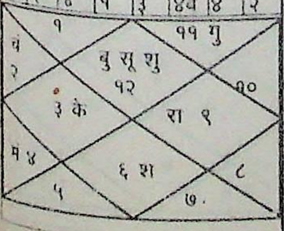
	कार्तिक शुक्लपक्षः
नवं. १८	१२ गुरौ अश्वि. रात्रौ ल. ७ रे. ९ IIIISIIIII (स्टै. २९।३० उप. चं. ७, श. १२ दोषौ)
	मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः
दिसं. १	१० बुधे चित्रा. रात्रौ ल. ५।७, रे. ७ IISशुSगुIIISII (सिंहे शु. ३ दो., तुला श. १२ दो.)
दिसं. २	१२ गुरौ चित्रा दिवा ल. १०।११।१ , रे. ८ IISशुSगुIIISII (मेषे चं. ७ पू.)
	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः
दिसं. ९	४ गुरौ श्रवणे रात्रौ ल. ६, रे. १० IIIIIIIIII (सोग्रांगः रा. ४ दो., गु. ७ पू.)
दिसं. १०	५ शुक्रे श्रवणे दिवा ल. ११।१, रात्रौ अ. गो. ४ रे. ९ IIIIIIISII (अ. गो. भौ. ८ दो., कर्के चं. ७ पू.)
दिसं. १०	५ शुक्रे धनि. रात्रौ ल. ६, रे. ८ IIIIIISSII (सोग्रांगः, रा. ४ दो., गु. ७ पू.)
दिसं. ११	६ शनौ धनि. दिवा ल. १,रात्रौ अ.गो.४, रे.८ IIIIIISSII (अ.गो. भौ. ८ दो.)
सन्२०११	माघ शुक्लपक्षः
फर. ४	१ शुक्रे धनि. दिवा ल. २, रे. ९ ISIIIIIIII
फर. ८	५ भौमे अश्वि. रात्रौ ल. ९, रे. १० IIIIIIIIII (स्टै. २८।४८ उप. के. ७ दो.)
फर. ९	६ बुधे अश्वि. दिवा ल. ३, रात्रौ ल. ९, रे. १० IIIIIIIIII (मिथु. सोग्रांगः, रा. शु. ७ पू., धनु. के. ७ दो.)
	फाल्गुन कृष्णपक्षः
फर. २१	४ चंद्रे चित्रा रात्रौ ल. ८।९, रे. ८ ISIIIIISISदग्धा (धनु. के .७ दो.)
	फाल्गुन शुक्लपक्षः
मार्च ८	३ भौमे अश्वि. दिवा ल. ३।४, रे. ९ IIIIIIIIISदग्धा

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, १६ मार्च से ३० मार्च तक																								नवलगढ चंद्रः		तारीख			वसंतर्त्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः ६५५४, मार्च २०१०
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	मं	५३	३४	२८	०८	पूभा	०	०५	६	४४	शु	९	०१	१०	१९	किं	२१	४०	१५	२२	२९ ४१	६ ४२	६ ३५	मीने		२५	२९	१६	नवरात्रारम्भः, घटस्था., ध्वजारो., आरोग्य १, विद्या १, कल्पादि, D
२	बु	५६	४३	२९	२२	उभा	५	२१	८	५०	शु	९	१९	१०	२५	बा	२५	१८	१६	४८	४५	४१	३५	मीने		२६	३०	१७	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, उभा. रविः ३०।०७
३	गु	५८	५१	३०	१२	रेव	९	४२	१०	३३	ब्र	८	५३	१०	१३	तै	२७	५६	१७	५१	५०	४०	३६	मेषे	१०।३३	२७	१	१८	गणगौरी पूजा, मन्वादि, मत्स्योत्पत्तिः, पंचक समाप्तिः १०।३३, A
४	शु	५९	५७	३०	३८	अश्वि	१३	०४	११	५३	ऐ	७	४०	९	४३	व	२९	३४	१८	२९	५४	३९	३६	मेषे		२८	२	१९	भ. १८।२९ उ. ३०।३८ या. [A अरुन्धती व्रतं पूजनञ्च, मनोरथ B
५	श	...	...	...	...	भर	१५	२६	१२	४८	वै	५	४०	८	५४	ब	३०	०७	१८	४१	५८	३८	३७	वृषे	१८।५८	२९	३	२०	कल्पादि, सायन मेषे भानुः २२।४७, गुरोरुदयः पूर्वस्याम् २६।३१
५	र	०	०१	६	३७	कृति	१६	४३	१३	१८	वि	२ ५९	४८ ०२	७ ३०	४४ १३	बा	०	०१	६	३७	३० ०२	३७	३८	वृषे		३०	४	२१	डोलोत्सवः, स्कन्द षष्ठी व्र. [B तृतीया व्र., सौभाग्य शयन व्र., C
६	र	५८	५०	३०	०९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[C शिवशक्ति पू., रविलास्यर ४, उभा. सौरः ८।२८, पूभा.-१ H
७	सो	५६	३२	२९	१२	रोहि	१६	५४	१३	२१	आ	५४	२२	२८	२०	ग	२७	५१	१७	४४	०६	३६	३८	मिथु.	२५।१२	१	५	२२	भ. २९।१२ उ., भा. चैत्रारंभः, रेव. बुधः २९।११, पूषा.-३ राहुः K
८	मं	५३	००	२७	४७	मृग	१५	५५	१२	५६	सौ	४८	४४	२६	०४	वि	२४	५७	१६	३३	१०	३४	३९	मिथु.		२	६	२३	भ. १६।३३ या., भवान्युत्पत्तिः,अशोककलिका प्राशनं [H गुरुः ७।०४
९	बु	४८	१८	२५	५३	आर्द्रा	१३	४४	१२	०३	शो	४२	०९	२३	२५	बा	२०	४९	१४	५३	१४	३३	३९	कर्के	२९।०४	३	७	२४	श्री रामनवमी [K २६।३९, पुन.-१ केतुः २६।३९
१०	गु	४२	२६	२३	३०	पुन	१०	२३	१०	४१	अ	३४	३७	२०	२३	तै	१५	३२	१२	४५	१८	३२	४०	कर्के		४	८	२५	बुधोदयः पश्चिमायाम् २१।०६ [D उभा. बुधः १२।५९, रेव. शुक्रः ६।५३
११	शु	३५	३५	२०	४५	पुष्य	५	५६	८	५४	सु	२६	१६	१७	०२	व	९	०८	१०	१०	२३	३१	४०	कर्के		५	९	२६	भ. १०।१० उ. २०।४५ या.,कामदा ११ व्र.,लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः, F
१२	श	२७	५६	१७	४०	श्लेे	० ५४	३५ ३४	६ २८	४४ २०	धृ	१७	१४	१३	२४	ब	१	५१	७	१५	२७	३०	४१	सिंहे	६।४४	६	१०	२७	प्रदोषः, हरि दमनोत्सवः [F मेषे अश्वि. शुक्रः २५।१७ [N १४।५०
१३	र	१९	५१	१४	२५	पूफा	४८	१८	२५	४८	शू	७ ५८	४६ ०८	९ २९	३५ ४४	तै	१९	५१	१४	२५	३१	२९	४१	सिंहे		७	११	२८	जैन महावीर जयंती, शिव पूजन विशेषः, पातस्पर्शः ११।०२, मोक्षः N
१४	सो	११	४०	११	०८	उफा	४२	११	२३	२०	वृ	४८	४२	२५	५७	व	११	४०	११	०८	३५	२८	४२	कन्या	७।१०	८	१२	२९	भ. ११।०८ उ. २१।३१ या., पूर्णिमा व्रतं, मेषे अश्वि. बुधः २७।०२
१५	म	३	४८	७	५८	हस्त	३६	४०	२१	०६	ध्रु	३९	४९	२२	२२	ब	३	४८	७	५८	३९	२७	४२	कन्या		९	१३	३०	मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा पुण्यं, बैशाख स्नानारंभः

अयनांशाः २३।५९।१५
५० पं. चै.शु. ७ सो. इष्टघटी ४३।४९
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	३	११	१०	११	५	८	११
०८	०७	१६	२१	२४	०७	२३	०७
०३	११	१४	०७	५९	२५	२०	५७
१३	१८	३९	०३	३६	३४	२१	४३
५९	८	१२व	१४	७४	४	३	५९
३२	२४	००	०९	१५	४४	११	३५
उभा	पु	उभा	पूभा	रे	उफा	पूषा	उभा
२	२	४	१	३	४व	४	२



मार्च		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेलवे-टाईम						कलकता रेलवे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१६	मं	११	०१	२१	२२	५९	४५	१	५१	२९	४८	६	५०	६	४५	२९	४५	५	४८	५	४२
१७	बु	११	०२	२१	०७	५९	४३	१	२७	२९	५०	६	४९	६	४५	२९	४८	५	४७	५	४२
१८	गु	११	०३	२०	५०	५९	४१	१	०४	२९	५३	६	४८	६	४६	२९	५२	५	४६	५	४३
१९	शु	११	०४	२०	३१	५९	३९	०	४०	२९	५६	६	४८	६	४६	२९	५५	५	४५	५	४३
२०	श	११	०५	२०	१०	५९	३७	०	१६-	२९	५९	६	४७	६	४६	२९	५८	५	४४	५	४४
२१	र	११	०६	१९	४७	५९	३५	०	०८+	३०	०१	६	४६	६	४६	३०	०१	५	४३	५	४४
२२	चं	११	०७	१९	२३	५९	३३	०	३१	३०	०४	६	४५	६	४७	३०	०५	५	४२	५	४४
२३	मं	११	०८	१८	५६	५९	३१	०	५५	३०	०७	६	४४	६	४७	३०	०८	५	४१	५	४५
२४	बु	११	०९	१८	२७	५९	२९	१	१९	३०	०९	६	४३	६	४७	३०	११	५	४०	५	४५
२५	गु	११	१०	१७	५६	५९	२७	१	४२	३०	१२	६	४३	६	४७	३०	१४	५	४०	५	४५
२६	शु	११	११	१७	२३	५९	२५	२	०६	३०	१५	६	४२	६	४८	३०	१८	५	३९	५	४६
२७	श	११	१२	१६	४८	५९	२३	२	२९	३०	१७	६	४१	६	४८	३०	२१	५	३८	५	४६
२८	र	११	१३	१६	१०	५९	२१	२	५३	३०	२०	६	४०	६	४८	३०	२४	५	३७	५	४६
२९	चं	११	१४	१५	३१	५९	१९	३	१६	३०	२३	६	३९	६	४८	३०	२७	५	३६	५	४७
३०	मं	११	१५	१४	५०	५९	१७	३	४०	३०	२५	६	३८	६	४८	३०	३१	५	३५	५	४७

मास फलम्

इस पक्ष में प्रतिपदा को मंगलवार होने से सात भांति की ईति उत्पन्न हो अर्थात् (१) अत्यंत वर्षा हो (२) बिल्कुल ही न हो (३) टिड्डी दल आवें (४) मूषे अधिक हों (५) चिड़ी कमेड़ी कबूतर आदि पक्षी अधिक हों (६) कातर गजाई हों (७) रोली आदि लग जाय । यथा- ॥ईतयः सप्तधाभौमे पीड़ादुःस्वपराभवाः॥ शुक्ला अष्टमी को मंगलवार होने से अल्प वर्षा हो । पूर्णिमा हस्त युक्त होने से समर्धता हो । उत्तरा भाद्रपद में बुध होने से राजनीति में क्लेश तथा पक्षियों में आरोग्यता हो, प्राणियों के धातुओं (वसा, रक्त, मांस, मेधा, अस्थि, मज्जा और शुक्र) की हानि हो ।

अयनांशाः २३।५९।१६
५१ पं. चै.शु.१४ सो. इष्टघटी ४४।०९
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	३	११	१०	०	५	८	११
१४	०८	२९	२२	०३	०६	२२	१४
५९	२२	४७	४५	३८	५२	५८	५४
१२	१६	०४	३०	४१	३९	०६	०३
५९	१२	१०६	१३	७४	४	३	५९
१७	२०	५०	५५	०२	३९	११	१९
उभा	पु	रे	पूभा	अ	उफा	पूषा	उभा
४	२	४	१	२	४व	३	४



प्र.वैशाख्य कृष्णपक्ष: संवत् २०६७, शाकः १९३२, ३१ मार्च से १४ अप्रेल तक नवलगढ																								चंद्रः	तारीख			वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति महा., मार्च-अप्रेल २०१०
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	मं	५६	४१	२९	०७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	बु	१,२	४८	२६	४५	चित्रा	३२	११	१९	१८	व्या	३१	४८	१९	०९	तै	२३	३५	१५	५१	३०/४३	६/२६	६/४३	तुला. ८।०८	१०	१४	३१	रेव. रविः १६।५६ (सौरः १९।००)
३	गु	४६	३१	२५	०१	स्वा	२९	०९	१८	०४	ह	२४	५९	१६	२४	व	१८	२७	१३	४७	४७	२४	४३	तुला.	११	१५	१	भ. १३।४७ उ. २५।०१ या., अप्रेल ४ ता. ३०, पूभा.-२ गुरुः B
४	शु	४	०९	२४	०३	विशा	२७	५६	१७	३४	व	१९	३७	१४	१४	ब	१५	०६	१२	२६	५१	२३	४४	वृश्चि. ११।३७	१२	१६	२	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।२७, अनुसूया जयंती
५	श	४३	५२	२३	५५	अनु	२८	४५	१७	५२	सि	१५	५२	१२	४३	कौ	१३	४६	११	५२	५५	२२	४४	वृश्चि.	१३	१७	३	[B ११।४२, (व) उफा.-३ शनिः १७।४९
६	र	४५	४३	२४	३८	ज्ये	३१	३८	१९	००	व्य	१३	४९	११	५३	ग	१४	३३	१२	१०	५९	२१	४५	धनु. १९।००	१४	१८	४	भ. २४।३८ उ.
७	सो	४९	३०	२६	०८	मूल	३६	२८	२०	५५	व	१३	२२	११	४१	वि	१७	२५	१३	१८	३१/०३	२०	४५	धनु.	१५	१९	५	भ. १३।१८ या., बूढो बास्योड़ो
८	मं	५४	५२	२८	१६	पूषा	४२	५४	२३	२८	प	१४	१७	१२	०२	बा	२२	०२	१५	०८	०७	१९	४६	मक. ३०।११	१६	२०	६	भर. शुक्रः २०।५२
९	बु	...	...	...	...	उषा	५०	२२	२६	२७	शि	१६	१५	१२	४८	तै	२७	५८	१७	२९	११	१८	४६	मक.	१७	२१	७	भर. बुधः २९।४७
९	गु	१	१४	६	४७	श्रव	५८	१६	२९	३५	सि	१८	४८	१३	४८	ग	१	१४	६	४७	१५	१७	४७	मक.	१८	२२	८	भ. २०।०६ उ.
१०	शु	७	५६	९	२६	धनि	...	...	...	...	सा	२१	२८	१९	५१	वि	७	५६	९	२६	१९	१६	४७	कुंभे १९।०८	१९	२३	९	भ. ९।२६ या., पंचक प्रारम्भः १९।०८
११	श	१४	१६	११	५७	धनि	५	५९	८	३८	शु	२३	४९	१५	४६	बा	१४	१६	११	५७	२३	१५	४८	कुंभे	२०	२४	१०	वरुथिनि ११ व्र., पातस्पर्शः ६।३७, मोक्षः ११।३१
१२	र	१९	५१	१४	१०	शत	१२	५८	११	२५	शु	२५	३३	१६	२७	तै	१९	५१	१४	१०	२७	१४	४८	कुंभे	२१	२५	११	प्रदोषः
१३	सो	२४	२०	१५	५६	पूभा	१८	५५	१३	४७	ब्र	२६	२५	१६	४६	ग	२४	२०	१५	५६	३१	१२	४९	मीने ७।१४	२२	२६	१२	भः १५।५६ उ. २८।३८ या., मासिकशिवरात्री व्र.
१४	मं	२७	३३	१७	१३	उभा	२३	४३	१५	४१	ऐ	२६	२२	१६	४४	श	२७	३३	१७	१३	३५	११	४९	मीने	२३	२७	१३	[A मासारंभः, मेषे अश्वि. रविः ६।१६ (सौरः ८।२१)
३०	बु	२९	३५	१८	०१	रेव	२७	१९	१७	०६	वै	२५	२३	१६	१९	ना	२९	३५	१८	०१	३९	१०	५०	मेषे १७।०६	२४	२८	१४	पंचक समाप्तिः १७।०६, देवपितृकार्येऽमा., अधिक A

अयनांशाः २३।५९।१७
५२ पं. प्र.बै.कृ. ७ सो. इष्टघटी ४४।२८
(रेल्वे घं. मि. २४।०७)

सू.	मं.	बु	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	३	०	१०	०	५	८	११
२१	०९	५०	२४	१२	०६	२२	२१
५३	५९	४३	२२	१६	२०	३५	४८
२९	०७	५४	०७	११	४२	५०	३०
५९	१५	७३	१३	७३	४	३	५९
०३	४४	२७	३८	४८	२६	११	०३
रे	पु	अ	पूभा	अ	उफा	पूभा	रे
२	२	४	२	४	३व	३	२



मार्च		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
३१	बु	११	१६	१४	०७	५९	१५	४	०३	३०	२८	६	३८	६	४९	३०	३४	५	३४	५	४७
१	गु	११	१७	१३	२२	५९	१३	४	२६	३०	३१	६	३७	६	४९	३०	३७	५	३३	५	४८
२	शु	११	१८	१२	३४	५९	११	४	४९	३०	३३	६	३६	६	४९	३०	४०	५	३२	५	४८
३	श	११	१९	११	४५	५९	०९	५	१२	३०	३६	६	३५	६	४९	३०	४३	५	३१	५	४८
४	र	११	२०	१०	५३	५९	०६	५	३५	३०	३९	६	३४	६	५०	३०	४७	५	३०	५	४९
५	चं	११	२१	१०	००	५९	०४	५	५८	३०	४१	६	३३	६	५०	३०	५०	५	२९	५	४९
६	मं	११	२२	०९	०४	५९	०२	६	२१	३०	४४	६	३३	६	५०	३०	५३	५	२८	५	४९
७	बु	११	२३	०८	०७	५९	००	६	४४	३०	४६	६	३२	६	५०	३०	५६	५	२७	५	५०
८	गु	११	२४	०७	०७	५८	५८	७	०६	३०	४९	६	३१	६	५१	३०	५९	५	२६	५	५०
९	शु	११	२५	०६	०५	५८	५६	७	२८	३०	५२	६	३०	६	५१	३१	०२	५	२६	५	५०
१०	श	११	२६	०५	०१	५८	५४	७	५१	३०	५४	६	२९	६	५१	३१	०६	५	२५	५	५१
११	र	११	२७	०३	५६	५८	५२	८	१३	३०	५७	६	२९	६	५१	३१	०९	५	२४	५	५१
१२	चं	११	२८	०२	४८	५८	५०	८	३५	३०	५९	६	२८	६	५२	३१	१२	५	२३	५	५२
१३	मं	११	२९	०१	३८	५८	४८	८	५७	३१	०२	६	२७	६	५२	३१	१५	५	२२	५	५२
१४	बु	०	००	००	२६	५८	४६	९	१९	३१	०४	६	२६	६	५२	३१	१८	५	२१	५	५२

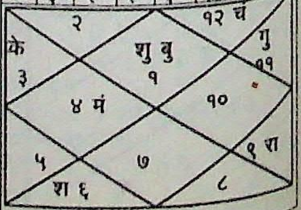
संक्रांति फलम्

ता. १४ अप्रेल २०१०

प्र.बैशा. कृ. ३० बुधे मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ६।१६ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा पूर्वान्हे १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः नागकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं वृषभवाहनं व्याघ्रोपवाहनं स्थैर्यकारक दिगम्बरवस्त्रं अस्त्रायुधं भूमीपात्रं आज्यंभक्षणं अगरुलेपनं शूद्रजातिः पाटलिकापुष्पं दर्पणभूषणं वल्कलकंचुकी सुतावस्था (सूती) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः भौमे (स्टै.) २४।१६ से बुधे [illegible]।१६ तक । (दानः मेष) ।

अयनांशाः २३।५९।१८
१ पं. प्र.बै.कृ.३० बु. इष्टघटी ०।१४
(रेल्वे पं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१२	३	०	१०	०	५	८	११
००	१२	१७	२६	२२	०५	२२	२९
००	२१	४९	१३	२४	४५	०९	५४
००	४३	४४	०८	२६	२१	३५	५५
५८	१९	२२	१३	७३	४	३	५८
४६	०७	४५	१२	३१	०३	११	४४
	पु	भ	पूभा	भ	उफा	पूभा	रे
१	३	२	२	३	३व	३	४



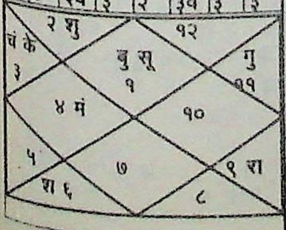
प्र.वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, १५ अप्रेल से २८ अप्रेल तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | वसंततर्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः ६५८४, अप्रेल २०१०

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	
१	गु	३०	२७	१८	२०	अश्वि	२९	४८	१८	०५	वि	२३	२९	१५	३३	किं	०	११	६	१४	३१ / ४३	६ / ०९	६ / ५१	मेषे	२५	२९	१५	चंद्रदर्शनम् (मु.१५)
२	शु	३०	१६	१८	१५	भर	३१	१७	१८	३९	प्री	२०	४७	१४	२७	बा	०	३१	६	२१	४७	०८	५१	वृषे २४।४४	२६	१	१६	जमादिलावल ५, पूभा.-३ गुरुः ७।१४
३	श	२९	०९	१७	४७	कृति	३१	५१	१८	५२	आ	१७	२०	१३	०३	ग	२९	०९	१७	४७	५१	०७	५२	वृषे	२७	२	१७	भ. २९।२६ उ., कृत्ति. शुक्रः १७।४६
४	र	२७	१३	१७	००	रोहि	३१	३६	१८	४५	सौ	१३	१३	११	२४	वि	२७	१३	१७	००	५४	०६	५२	वृषे	२८	३	१८	भ. १७।०० या., वक्री बुधः २१।३८
५	सो	२४	३१	१५	५४	मृग	३०	३६	१८	२०	शो	८	२८	९	२९	बा	२४	३१	१५	५४	५८	०५	५३	मिथु. ६।३४	२९	४	१९	|B पश्चिमायाम् १९।०६
६	मं	२१	०५	१४	३१	आर्द्रा	२८	५३	१७	३८	अ	३ / ५७	०९ / १२	७ / २८	२० / ५७	तै	२१	०५	१४	३१	३२ / ०२	०४	५३	मिथु.	३०	५	२०	सायन वृषे भानुः ९।४६, वृषे शुक्रः ११।१२
७	बु	१६	५६	१२	५०	पुन	२६	२८	१६	३९	धृ	५०	४४	२६	२१	व	१६	५६	१२	५०	०६	०३	५४	कर्के १०।५५	१	६	२१	भ. १२।५० उ. २३।५३ या., मा. बैशाखारंभः, बुधास्तः B
८	गु	१२	०५	१०	५२	पुष्य	२३	२२	१५	२३	शू	४३	४३	२३	३२	ब	१२	०५	१०	५२	०९	०३	५४	कर्के	२	७	२२	पातस्पर्शः २७।२३
९	शु	६	३४	८	३९	श्ले	१९	३७	१३	५२	गं	३६	१२	२०	३०	कौ	६	३४	८	३९	१३	०२	५५	सिंहे १३।५२	३	८	२३	पातमोक्षः ७।४९
१०	श	०	३०	६	१३	मघा	१५	२१	१२	०९	वृ	२८	१८	१७	२०	ग	०	३०	६	१३	१७	०१	५५	सिंहे	४	९	२४	भ. १६।५६ उ. २७।३७ या., कमला ११ व्र.स्मार्त
११	श	५४	०१	२७	३७	०	.०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	|A अगस्त्यास्तः १३।३८
१२	र	४७	२३	२४	५७	पूफा	१०	४५	१०	१८	ध्रु	२०	११	१४	०४	ब	२०	४४	१४	५७	२०	००	५६	कन्या १५।५०	५	१०	२५	कमला ११ व्र.वैष्ण.
१३	सो	४०	५५	२२	२१	उफा	६	०५	८	२५	व्या	१२	०२	१०	४८	कौ	१४	०७	११	३८	२४	५ / ५९	५६	कन्या	६	११	२६	प्रदोषः, श्लेषा. भौमः १२।३६
१४	मं	३४	५४	१९	५६	हस्त	१ / ५७	४० / ५०	६ / २९	३८ / ०६	ह	४ / ५६	०७ / ४३	७ / २८	३७ / ३९	ग	७	५१	९	०६	२८	५८	५७	तुला. १७।५०	७	१२	२७	भ. १९।५६ उ., भर. रविः २२।०७ (सौरः २४।३५)
१५	बु	२९	४४	१७	५१	स्वा	५५	०२	२७	५८	सि	५०	०८	२६	००	वि	२	१२	६	५०	३१	५७	५८	तुला.	८	१३	२८	भ. ६।५० या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, रोहि. शुक्रः १६।०४, A

अयनांशाः २३।५९।१९
२ पं. प्र.बै.शु. ७ बु. इष्टघटी ०।३२
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	३	०	१०	१	५	८	०
०६	१४	१८	२७	००	०५	२१	०६
५०	४३	१८	४४	५८	१८	४७	४५
४२	०४	५९	१४	१५	१६	१९	१६
५८	२१	१८	१२	७३	३	३	५८
३३	३३	५५	४६	१५	३७	११	२८
अ	पु	भ	पूभा	कृ	उफा	पूभा	अ
३	४	२व	३	२	३व	३	३



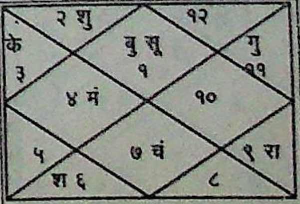
अप्रेल	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१५ गु	०	००	५९	१३	५८	४४	९	४०	३१	०७	६	२६	६	५२	३१	२१	५	२०	५	५३
१६ शु	०	०१	५७	५७	५८	४२	१०	०२	३१	०९	६	२५	६	५३	३१	२४	५	१९	५	५३
१७ श	०	०२	५६	३९	५८	४०	१०	२३	३१	१२	६	२४	६	५३	३१	२७	५	१९	५	५३
१८ र	०	०३	५५	१९	५८	३८	१०	४४	३१	१४	६	२३	६	५३	३१	३०	५	१८	५	५४
१९ चं	०	०४	५३	५८	५८	३६	११	०५	३१	१७	६	२३	६	५३	३१	३३	५	१७	५	५४
२० मं	०	०५	५२	३४	५८	३४	११	२५	३१	१९	६	२२	६	५४	३१	३६	५	१६	५	५५
२१ बु	०	०६	५१	०९	५८	३३	११	४६	३१	२२	६	२१	६	५४	३१	३९	५	१५	५	५५
२२ गु	०	०७	४९	४१	५८	३१	१२	०६	३१	२४	६	२१	६	५४	३१	४२	५	१५	५	५५
२३ शु	०	०८	४८	१२	५८	२९	१२	२६	३१	२७	६	२०	६	५५	३१	४५	५	१४	५	५६
२४ श	०	०९	४६	४०	५८	२७	१२	४६	३१	२९	६	१९	६	५५	३१	४८	५	१३	५	५६
२५ र	०	१०	४५	०७	५८	२५	१३	०६	३१	३१	६	१९	६	५५	३१	५१	५	१२	५	५६
२६ चं	०	११	४३	३२	५८	२३	१३	२६	३१	३४	६	१८	६	५५	३१	५३	५	११	५	५७
२७ मं	०	१२	४१	५५	५८	२१	१३	४५	३१	३६	६	१७	६	५६	३१	५६	५	११	५	५७
२८ बु	०	१३	४०	१७	५८	१९	१४	०४	३१	३८	६	१७	६	५६	३१	५९	५	१०	५	५८

मास फलम्

दो वैशाख होने से कहीं - कहीं धान्य की उत्पत्ति उत्तम हो। इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो यथा-बुधेरसक्षयोभूम्याम्॥ मास के प्रथम दिन में बुधवार होने से अन्न की महँगाई हो। अमावस को रेवती होने से सुभिक्ष हो। शुक्ला ३ को कृतिका होने से मध्यन वर्ष जानना। शुक्ला पंचमी को सोमवार होने से अतिवृष्टि हो। पूर्णिमा स्वाति युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। बुधवार की सक्रांति होने से रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो।

अयनांशाः २३।५९।२०
३ पं. प्र.बै.शु.१५ बु. इष्टघटी ०।४८
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	३	०	१०	१	५	८	०
१३	१७	१४	२९	०९	०४	२१	१३
३९	२०	४५	१२	३०	५४	२५	३३
५०	२१	०७	०४	१३	३२	०४	४८
५८	२३	३९	१२	७२	३	३	५८
१९	३८	५४	१५	५९	०५	११	१३
भ	श्ले	भ	पूभा	कृ	उफा	पूभा	भ
१	१	१व	३	४	३व	३	१



द्वि.वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, २९ अप्रेल से १४ मई तक नवलगढ

ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे प्र.वैशाखकृष्णेति महा., अप्रेल-मई २०१०

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै.	टा.	तारीख भा.	मु.	इ.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	गु	२५	४८	१६	१४	विशा	५३	३२	२७	२१	व्य	४४	३७	२३	४७	कौ	२५	४४	१६	१४	३२ ३५	५ ५६	६ ५८	वृश्चि.	२१।२७	९	१४	२९	
२	शु	२३	१४	१५	१३	अनु	५३	३७	२७	२२	व	४०	२१	२२	०४	ग	२३	१४	१५	१३	३८	५५	५९	वृश्चि.		१०	१५	३०	भ. २६।५८ उ., (व) अश्वि. बुधः ९।२६
३	श	२२	२७	१४	५४	ज्ये	५५	२८	२८	०६	प	३७	३०	२०	५४	वि	२२	२७	१४	५४	४२	५५	५९	धनु.	२८।०६	११	१६	१	भ. १४।५४ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०७, मई ५ ता. ३१, C
४	र	२३	३०	१५	१८	मूल	५९	०७	२९	३३	शि	३६	०५	२०	२०	बा	२३	३०	१५	१८	४५	५४	७ ००	धनु.		१२	१७	२	|C मीने पूभा.-४ गुरुः २९।०२
५	सो	२६	२२	१६	२६	पूषा	...	...	...	...	सि	३६	०५	२०	१९	तै	२६	२२	१६	२६	४८	५३	००	धनु.		१३	१८	३	
६	मं	३०	५१	१८	१३	पूषा	४	२८	७	४०	सा	३७	१७	२०	४७	व	३०	५१	१८	१३	५२	५२	०१	मक.	१४।१७	१४	१९	४	भ. १८।१३ उ.
७	बु	३६	३३	२०	२९	उषा	११	०९	१०	१९	शु	३९	२२	२१	३६	वि	३	३६	७	१८	५५	५२	०२	मक.		१५	२०	५	भ. ७।१८ या., पातस्पर्शः १४।५०, मोक्षः २०।५७
८	गु	४२	५२	२३	००	श्रव	१८	४०	१३	१९	शु	४१	५६	२२	३७	बा	९	४२	९	४३	५८	५१	०२	कुंभे	२६।५१	१६	२१	६	पंचक प्रारम्भः २६।५१
९	शु	४९	१०	२५	३०	धनि	२६	२२	१६	२३	ब्र	५४	२७	२३	३७	तै	१६	०५	१२	१६	३३ ०२	५०	०३	कुंभे		१७	२२	७	टैगोर जयन्ती
१०	श	५४	४५	२७	४३	शत	३३	३७	१९	१८	ऐ	४६	३०	२४	२५	ग	२२	०५	१४	३९	०५	४९	०३	कुंभे		१८	२३	८	भ. १४।३९ उ. २७।४३ या.
११	र	५९	१०	२९	२९	पूभा	३९	५२	२१	४६	वै	४७	४०	२४	५३	ब	२७	०८	१६	४०	०८	४९	०४	मीने	१५।११	१९	२४	९	कमला ११ व्र., मृगे शुक्रः १५।५८
१२	सो	...	...	...	...	उभा	४४	४७	२३	४३	वि	४७	४९	२४	५४	कौ	३०	५०	१८	०८	११	४८	०४	मीने		२०	२५	१०	|A (सौरः १९।३४), बुधोदयः पूर्वस्याम् १७।१५
१२	मं	२	०७	६	३८	रेव	४८	१२	२५	०४	प्री	४६	४०	२४	२७	तै	२	०७	६	३८	१४	४७	०५	मेषे	२५।०४	२१	२६	११	पंचकं समाप्तिः २५।०४, प्रदोषः, कृत्ति. रविः १६।१८ A
१३	बु	३	३१	७	११	अश्वि	५०	०८	२५	५०	आ	४४	२१	२३	३१	व	३	३१	७	११	१७	४७	०६	मेषे		२२	२७	१२	भ. ७।११ उ. १९।१४ या., मासिकशिवरात्री व्र., मार्गी बुधः १८।२५
१४	गु	३	२६	७	०८	भर	५०	४५	२६	०४	सौ	४०	५९	२२	१०	श	३	२६	७	०८	२०	४६	०६	मेषे		२३	२८	१३	पितृकार्येऽमा. |B मिथुने शुक्रः २८।३५
३०	शु	२	०१	६	३४	कृति	५०	१३	२५	५१	शो	३६	३९	२०	२५	ना	२	०१	६	३४	२३	४६	०७	वृषे	८।०३	२४	२९	१४	देवकार्येऽमा., अधिक मास समाप्तिः, वृषे रविः २७।११, B

अयनांशाः २३।५९।२१

४ पं.द्वि.वै.कृ. ७ बु.इष्टघटी १।०२

(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	३	०	११	१	५	८	०
२०	२०	१०	००	१८	०४	२१	२०
२७	११	२७	३६	००	३४	०२	२०
२९	१९	१३	१०	१४	४१	४९	३७
५८	२५	२७	११	७२	२	३	५७
०७	२६	१४	४१	४१	२९	११	५९
भ	श्ले	अ	पूभा	रो	उफा	पूषा	भ
३	२	४व	४	३	३व	३	३



अप्रेल ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२९	गु	०	१४	३८	३६	५८	१८	१४	२३	३१	४१	६	१६	६	५६	३२	०२	५	०९	५	५८
३०	शु	०	१५	३६	५४	५८	१६	१४	४१	३१	४३	६	१५	६	५७	३२	०५	५	०९	५	५९
१	श	०	१६	३५	१०	५८	१४	१५	००	३१	४५	६	१५	६	५७	३२	०७	५	०८	५	५९
२	र	०	१७	३३	२४	५८	१२	१५	१८	३१	४७	६	१४	६	५७	३२	१०	५	०७	५	५९
३	चं	०	१८	३१	३६	५८	११	१५	३६	३१	५०	६	१४	६	५८	३२	१३	५	०७	६	००
४	मं	०	१९	२९	४६	५८	०९	१५	५३	३१	५२	६	१३	६	५८	३२	१५	५	०६	६	००
५	बु	०	२०	२७	५५	५८	०७	१६	११	३१	५४	६	१३	६	५८	३२	१८	५	०५	६	०१
६	गु	०	२१	२६	०२	५८	०५	१६	२८	३१	५६	६	१२	६	५९	३२	२१	५	०५	६	०१
७	शु	०	२२	२४	०८	५८	०४	१६	४४	३१	५८	६	१२	६	५९	३२	२३	५	०४	६	०१
८	श	०	२३	२२	१२	५८	०२	१७	०१	३२	००	६	११	६	५९	३२	२६	५	०४	६	०२
९	र	०	२४	२०	१४	५८	०१	१७	१७	३२	०२	६	११	७	००	३२	२८	५	०३	६	०२
१०	चं	०	२५	१८	१४	५७	५९	१७	३३	३२	०४	६	१०	७	००	३२	३०	५	०३	६	०३
११	मं	०	२६	१६	१३	५७	५७	१७	४९	३२	०६	६	१०	७	००	३२	३३	५	०२	६	०३
१२	बु	०	२७	१४	१०	५७	५६	१८	०४	३२	०८	६	१०	७	०१	३२	३५	५	०२	६	०४
१३	गु	०	२८	१२	०६	५७	५४	१८	१९	३२	१०	६	०९	७	०१	३२	३८	५	०१	६	०४
१४	शु	०	२९	१०	००	५७	५३	१८	३४	३२	१२	६	०९	७	०२	३२	[illegible]	५	[illegible]	६	[illegible]

संक्रांति फलम्

ता. १४ मई २०१०

द्वि.वैशा. कृ. ३० भृगौ वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २७।११ वारात् ३ नक्षत्रात् ५ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः बवकरणे प्रादेष्टा। मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) [illegible] से २७।११ तक । (दान- [illegible]

अयनांशाः २३।५९।२२

५ पं.द्वि.वै.कृ.१३ बु.इष्टघटी १।१४

(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	३	०	११	१	५	८	०
२७	२३	०८	०१	२६	०४	२०	२०
१३	१४	४१	५६	२८	१९	४०	०५
४४	०७	३९	०३	०७	०९	३३	४०
५७	२६	२	११	७२	१	३	५७
५६	५९	११	०२	२२	५१	११	४९
कृ	श्ले	अ	पूभा	मृ	उफा	पूषा	कृ
१	२	३	४	१	३व	३	१

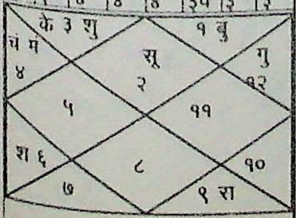


द्वि.वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, १५ मई से २७ मई तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः ६६१४, मई २०१०

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	शु	५९	२८	२९	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	श	५६	०४	२८	१०	रोहि	४८	४६	२५	१६	अ	३१	३२	१८	२२	बा	२७	५२	१६	५४	३३ २६	५ ४५	७ ०७	वृषे	२५	३०	१५	चंद्रदर्शनम् (मु.४५), शिवाजी जयंती, वृषे सौरः ६।४२
३	र	५१	५७	२६	३१	मृग	४६	३७	२४	२३	सु	२५	४८	१६	०४	तै	२४	०५	१५	२२	२८	४४	०८	मिथु. १२।५१	२६	१	१६	युगादि, कल्पादि, परशुराम जयंती, अक्षय तृतीया, जमादिलाखर ६
४	सो	४७	१९	२४	३९	आर्द्रा	४३	५६	२३	१८	धृ	१९	३५	१३	३४	व	१९	४१	१३	३६	३१	४४	०८	मिथु.	२७	२	१७	भ. १३।३६ उ. २४।३९ या.
५	मं	४२	१९	२२	३९	पुन	४०	५२	२२	०४	शू	१३	००	१०	५५	ब	१४	५१	११	४०	३४	४३	०९	कर्क १६।२३	२८	३	१८	श्री आद्यशंकराचार्य जयंती, पातस्पर्शः १७।४०, मोक्षः २३।५३
६	बु	३७	०२	२०	३२	पुष्य	३७	३२	२०	४४	गं	६ ५९	१० ०८	८ २९	११ २२	कौ	९	४२	९	३६	३७	४३	१०	कर्के	२९	४	१९	श्री रामानुज जयंती, उभा.-१ गुरुः २६।४८
७	गु	३१	३५	१८	२१	श्ले	३४	०१	१९	१९	ध्रु	५५	५९	२६	३०	ग	४	२१	७	२७	३९	४२	१०	सिंहे १९।१९	३०	५	२०	भ. १८।२१ उ. २९।१४ या., गंगोत्पत्ति, आर्द्रा. शुक्रः १७।४४
८	शु	२६	०३	१६	०७	मघा	३०	२६	१७	५२	व्या	४४	४९	२३	३८	ब	२६	०३	१६	०७	४२	४२	११	सिंहे	३१	६	२१	सायन मिथुने भानुः ८।५६
९	श	२०	३३	१३	५५	पूफा	२६	५२	१६	२७	ह	३७	४२	२०	४६	कौ	२०	३३	१३	५५	४४	४२	११	कन्या २२।०६	१	७	२२	सीता ९, भा. ज्येष्ठारंभः
१०	र	१५	१२	११	४६	उफा	२३	३०	१५	०५	व	३०	४६	१७	५९	ग	१५	१२	११	४६	४६	४१	१२	कन्या	२	८	२३	भ. २२।४४ उ., भर. बुधः १६।४२ [B आर्द्रा.-४ केतुः २४।१९
११	सो	१०	१०	९	४५	हस्त	२०	२९	१३	५२	सि	२४	०८	१५	२०	वि	१०	१०	९	४५	४९	४१	१२	तुला. २५।२१	३	९	२४	भः ९।४५ या., मोहिनी ११ व्र., पूषा.-२ राहुः २४।१९, B
१२	मं	५	४१	७	५७	चित्रा	१८	०२	१२	५३	व्य	१७	५९	१२	५२	बा	५	४१	७	५७	५१	४०	१३	तुला.	४	१०	२५	प्रदोषः, रोहिं. रविः १२।३३ (सौरः १६।५९)
१३	बु	१	५६	६	२६	स्वा	१६	२३	१२	१३	व	१२	२९	१०	४०	तै	१	५६	६	२६	५३	४०	१३	तुला.	५	११	२६	भ. २९।१९ उ., नृसिंह १४, सिंहे मघा. भौमः १४।५७
१४	बु	५९	०८	२९	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A वैशाखस्नानपूर्तिः, धर्म प्रीत्यर्थं जलकुंभदानं
१५	गु	५७	३०	२८	४०	विशा	१५	४४	११	५७	प	७	४७	८	४७	वि	२८	०९	१६	५६	५५	४०	१४	वृश्चि. ५।५९	६	१२	२७	भ. १६।५६ या., कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A

अयनांशाः २३।५९।२३
६ पं. द्वि.वै.शु. ६ बु. इष्टघटी १।२३
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	३	०	११	२	५	८	१
०३	२६	१०	०३	०४	०४	२०	०३
५८	२७	२७	११	५३	०८	१८	४९
४३	५२	५५	११	३७	१८	१८	२७
५७	२८	३१	१०	७२	१	३	५७
४५	२१	५७	१९	००	०९	११	३३
कृ	श्ले	अ	पूभा	मृ	उफा	पूभा	कृ
३	३	४	४	४	३व	३	३



मई	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम			रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१५ श	१	००	०७	५३	५७	५१	१८	४८	३२	१४	६	०८	७	०२	३२	४२	५	००	६	०५
१६ र	१	०१	०५	४४	५७	५०	१९	०२	३२	१६	६	०८	७	०२	३२	४४	५	००	६	०५
१७ चं	१	०२	०३	३४	५७	४८	१९	१६	३२	१७	६	०८	७	०३	३२	४६	४	५९	६	०६
१८ मं	१	०३	०१	२२	५७	४७	१९	२९	३२	१९	६	०७	७	०३	३२	४९	४	५९	६	०६
१९ बु	१	०३	५९	०९	५७	४५	१९	४३	३२	२१	६	०७	७	०३	३२	५१	४	५९	६	०७
२० गु	१	०४	५६	५५	५७	४४	१९	५५	३२	२२	६	०७	७	०४	३२	५३	४	५८	६	०७
२१ शु	१	०५	५४	३९	५७	४३	२०	०८	३२	२४	६	०७	७	०४	३२	५५	४	५८	६	०८
२२ श	१	०६	५२	२१	५७	४१	२०	२०	३२	२६	६	०६	७	०५	३२	५६	४	५८	६	०८
२३ र	१	०७	५०	०३	५७	४०	२०	३२	३२	२७	६	०६	७	०५	३२	५८	४	५७	६	०९
२४ चं	१	०८	४७	४३	५७	३९	२०	४३	३२	२९	६	०६	७	०५	३३	००	४	५७	६	०९
२५ मं	१	०९	४५	२२	५७	३८	२०	५४	३२	३०	६	०६	७	०६	३३	०२	४	५७	६	१०
२६ बु	१	१०	४२	५९	५७	३६	२१	०५	३२	३२	६	०५	७	०६	३३	०४	४	५७	६	१०
२७ गु	१	११	४०	३६	५७	३५	२१	१५	३२	३३	६	०५	७	०६	३३	०५	४	५६	६	१०

मास फलम्

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो यथा- चन्द्रजीवौ यदापंचधान्यादीनां समर्घता॥ यह पक्ष तेरह दिन का होने से प्रजा में बीमारी महर्घता आदिक उपद्रव हों । कृ. चतुर्दशी को गुरुवार होने से पृथ्वी पर अन्नोत्पत्ति उत्तम हो । शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और कृतिका योग सुभिक्ष कारक है । शुक्ला ३ को मृगशिरा होने से दुर्भिक्ष होता हो, शु.पंचमी को मंगलवार होने से युद्ध (उपद्रव) हो । पूर्णिमा विशाखा युक्त से दुर्भिक्ष हो । स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे ।

अयनांशाः २३।५९।२४
७ पं. द्वि.वै.शु.१३ बु. इष्टघटी १।३०
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	३	०	११	२	५	८	१
१०	२९	१५	०४	१३	०४	१९	१०
४२	४९	३२	२१	१६	०२	५६	३१
३३	१८	५३	०२	२९	१९	०२	४६
५७	२९	५०	९	७१	०	३	५७
३६	३३	२४	३१	३६	२७	११	२२
रो	श्ले	भ	उभा	आ	उफा	पूभा	रो
१	४	१	१	२	३व	२	१



॥ श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम् ॥

ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, २८ मई से १२ जून तक — नवलगढ — चंद्रः — तारीख — ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे द्वि.वैशाखकृष्णेति महा., मई-जून २०१०

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	
१	शु	५७	११	२८	३२	अनु	१६	१६	१२	१०	शि	४	०३	७	१७	बा	२७	१०	१६	३२	३३/५७	५/४०	७/१४	वृश्चि.	७	१३	२८	[B पुन. शुक्रः २१।४८, मार्गी शनिः १५।३०
२	श	५८	१७	२८	५८	ज्ये	१८	०८	१२	५५	सि	१/५९	२२/४८	६/२९	१२/३५	तै	२७	३४	१६	४१	५९	३९	१५	धनु. १२।५५	८	१४	२९	नारद जयंती, वीणादानं
३	र	...	...	...	...	मूल	२१	२६	१४	१३	शु	५९	२४	२९	२५	व	२९	२५	१७	२५	३४/०१	३९	१५	धनु.	९	१५	३०	भ. १७।२५ उ., पातस्पर्शः २८।२४
३	सो	०	५३	६	००	पूषा	२६	०८	१६	०६	शु	...	...	...	...	वि	०	५३	६	००	०३	३९	१६	मक. २२।३९	१०	१६	३१	भ. ६।०० या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।२०, पातमोक्षः १३।३६, B
४	मं	४	५१	७	३५	उषा	३२	०८	१८	३०	शु	०	०६	५	४१	बा	४	५१	७	३५	०५	३९	१६	मक.	११	१७	१	जून ६ ता. ३०
५	बु	१०	०१	९	३९	श्रव	३९	०८	२१	१८	ब्र	१	४३	६	२०	तै	१०	०१	९	३९	०६	३८	१७	मक.	१२	१८	२	[C (सौरः १६।२४)
६	गु	१५	५९	१२	०२	धनि	४६	४१	२४	१९	ऐ	४	००	७	१४	व	१५	५९	१२	०२	०८	३८	१७	कुंभे १०।४७	१३	१९	३	भ. १२।०२ उ. २५।१६ या., पंचक प्रारम्भः १०।४७
७	शु	२२	११	१४	३१	शत	५४	१२	२७	१९	वै	६	३३	८	१५	ब	२२	११	१४	३१	०९	३८	१८	कुंभे	१४	२०	४	कृत्ति. बुधः १२।३२
८	श	२७	५९	१६	४९	पूभा	...	...	...	...	वि	८	५५	९	१२	कौ	२७	५९	१६	४९	११	३८	१८	मीने २३।२४	१५	२१	५	[A जयन्ती, वट सावित्री व्र. (मरु.), रोहि. बुधः १८।२०
९	र	३२	४६	१८	४४	पूभा	१	०१	६	०२	प्री	१०	३८	९	५३	तै	०	३२	५	५१	१२	३८	१९	मीने	१६	२२	६	वृषे बुधः १८।१७
१०	सो	३६	०४	२०	०४	उभा	६	३७	८	१७	आ	११	१९	१०	०९	व	४	३८	७	२९	१३	३८	१९	मीने	१७	२३	७	भ. ७।२९ उ. २०।०४ या.
११	मं	३७	४०	२०	४२	रेव	१०	३८	९	५३	सौ	१०	४३	९	५५	ब	७	०६	८	२८	१५	३८	२०	मेषे ९।५३	१८	२४	८	पंचक समाप्तिः ९।५३, अपरा ११ व्र., मृगे रविः १०।२७ C
१२	बु	३७	२९	२०	३७	अश्वि	४२	५५	१०	४८	शो	८	४५	९	०८	कौ	७	४८	८	४५	१६	३८	२०	मेषे	१९	२५	९	कर्के शुक्रः ८।४२
१३	गु	३५	३६	१९	५२	भर	१३	३०	११	०२	अ	५	२३	७	४७	ग	६	४५	८	२०	१७	३८	२०	वृषे १६।५९	२०	२६	१०	भ. १९।५२ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
१४	शु	३२	१५	१८	३२	कृति	१२	३२	१०	३८	सु	०/५४	४५/५९	५/२७	५६/३७	वि	४	०५	७	१६	१८	३८	२१	वृषे	२१	२७	११	भ. ७।१६ या., उभा.-२ गुरुः १२।५७, पुष्ये शुक्रः २८।४५
३०	श	२७	४०	१६	४२	रोहि	१०	१५	९	४४	शू	४८	१९	२४	५७	च	०	०६	५	३०	१९	३८	२१	मिथु. २१।०६	२२	२८	१२	देवपितृकार्येऽमा., वटपूजनम् मरुस्थले, भाऊका ३०, शनैश्चर A

अयनांशाः २३।५९।२५
८ पं. ज्ये.कृ. ५ बु. इष्टघटी १।३५
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	४	०	११	२	५	८	९
१७	०३	२३	०५	२१	०४	१९	१७
२५	१९	३२	२५	३६	०१	३३	१२
२४	२२	०८	०४	२१	१९	४७	५४
५७	३०	८१	८	७१	०	३	५७
२९	३६	०७	३८	०९	१६	११	१३
रो	म	भ	उषा	पुन	उफा	पूभा	रो
३	१	४	१	१	३	२	३



मई	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२८ शु	१	१२	३८	११	५७	३४	२१	२५	३२	३४	६	०५	७	०७	३३	०७	४	५६	६	११
२९ श	१	१३	३५	४५	५७	३३	२१	३५	३२	३६	६	०५	७	०७	३३	०८	४	५६	६	११
३० र	१	१४	३३	१८	५७	३२	२१	४४	३२	३७	६	०५	७	०८	३३	१०	४	५६	६	१२
३१ चं	१	१५	३०	५०	५७	३१	२१	५३	३२	३८	६	०५	७	०८	३३	११	४	५६	६	१२
१ मं	१	१६	२८	२०	५७	३०	२२	०१	३२	३९	६	०५	७	०८	३३	१३	४	५५	६	१३
२ बु	१	१७	२५	५०	५७	२९	२२	०९	३२	४०	६	०५	७	०९	३३	१४	४	५५	६	१३
३ गु	१	१८	२३	१८	५७	२८	२२	१७	३२	४१	६	०५	७	०९	३३	१५	४	५५	६	१३
४ शु	१	१९	२०	४६	५७	२७	२२	२४	३२	४२	६	०५	७	०९	३३	१६	४	५५	६	१४
५ श	१	२०	१८	१३	५७	२६	२२	३५	३२	४३	६	०५	७	१०	३३	१८	४	५५	६	१४
६ र	१	२१	१५	३८	५७	२५	२२	३७	३२	४४	६	०५	७	१०	३३	१९	४	५५	६	१५
७ चं	१	२२	१३	०३	५७	२४	२२	४३	३२	४५	६	०५	७	१०	३३	२०	४	५५	६	१५
८ मं	१	२३	१०	२७	५७	२३	२२	४९	३२	४५	६	०५	७	११	३३	२१	४	५५	६	१५
९ बु	१	२४	०७	५०	५७	२२	२२	५४	३२	४६	६	०५	७	११	३३	२१	४	५५	६	१६
१० गु	१	२५	०५	१२	५७	२१	२२	५९	३२	४७	६	०५	७	११	३३	२२	४	५५	६	१६
११ शु	१	२६	०२	३३	५७	२१	२३	०४	३२	४७	६	०५	७	१२	३३	२३	४	५५	६	१६
१२ श	१	२६	५९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा-॥प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे॥ पांच शनिवार होने से महँगाई हो। कृष्णा प्रतिपदा को शुक्रवार होने से समर्घता हो। कृष्णा एकादशी में रेवती होने से खण्ड वृष्टि हो। शनिवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष हो, रोहिणी योग सुभिक्ष और सुखद है। सुदी दोयज व तीज को आर्द्रा में वर्षा हो तो दुर्भिक्ष करे। पूर्णिमा शनिवार मूल युक्त होने से दुर्भिक्ष हो, पूर्णिमा को ज्येष्ठा का अभाव होने से महर्घता हो। मंगलवार की सक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन के [illegible] हों।

अयनांशाः २३।५९।२६
९ पं. ज्ये.कृ.१२ बु. इष्टघटी १।३६
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

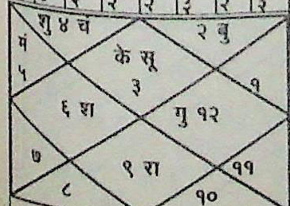
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	४	१	११	२	५	८	१
२४	०६	०३	०६	२९	०४	१९	२३
०७	५६	५८	२२	५२	०५	१९	५३
२४	३२	३६	४४	५०	२०	३१	०१
५७	३१	१००	७	७०	०	३	[illegible]
२२	३४	०२	४१	३८	५९	११	०५
मृ	म	कृ	उषा	पुन	उफा	पूभा	मृ
१	३	३	१	३	३	२	१



ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत २०६७, शाकः १९३२, १३ जून से २६ जून तक																		नवलगढ					चंद्रः		तारीख			ग्रीष्मर्त्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ६६४३, जून २०१०
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	र	२२	०७	१४	२८	मृग	६	५५	८	२४	गं	४०	५६	२२	००	ब	२२	०७	१४	२८	३४ ११	५ ३८	७ २२	मिथु.	२३	२९	१३	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), भाऊका-करिदिन, श्री गंगादशाश्वमेधस्नान B
२	सो	१५	५४	१२	००	आर्द्रा	२ ५८	५१ ११	६ २८	४६ ५७	वृ	३३	०६	१८	५२	कौ	१५	५४	१२	००	२०	३८	२२	कर्के २३।२५	२४	१	१४	रंभा व्रतं, रज्जव ७ [B प्रा., पातस्पर्शः १८।२८, मोक्षः २८।५८
३	मं	९	१७	९	२१	पुष्य	५३	३५	२७	०४	ध्रु	२५	००	१५	३८	ग	९	१७	९	२१	२१	३८	२२	कर्के	२५	२	१५	भ. २०।०० उ., प्रताप जयंती, मिथुने रविः ९।५२ (सौरः १६।३९)
४	बु	२	३२	६	३९	श्ले	४८	५३	२५	११	व्या	१६	५०	१२	२२	वि	२	३२	६	३९	२१	३८	२२	सिंहे २५।११	२६	३	१६	भ. ६।३९ या., बुधास्तः पूर्वस्याम् २६।०३
५	बु	५५	५२	२७	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A ९।२९ (सौरः १७।१०), मिथुने बुधः २१।२३, अयन करिदिन
६	गु	४९	२७	२५	२५	मघा	४४	२७	२३	२५	ह	८	४७	९	०९	कौ	२२	३६	१४	४१	२१	३८	२३	सिंहे	२७	४	१७	[E दक्षिणायन प्रारम्भ १६।५७
७	शु	४३	३२	२३	०३	पूफा	४०	२९	२१	५०	व	१ ५३	०० ४०	६ २७	०२ ०६	ग	१६	२६	१२	१३	२२	३८	२३	कन्या २७।२८	२८	५	१८	भ. २३।०३ उ.
८	श	३८	१४	२०	५६	उफा	३७	०८	२०	३०	व्य	४६	५१	२४	२३	वि	१०	४८	९	५८	२२	३९	२३	कन्या	२९	६	१९	भ. ९।५८ या., दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती, मृगे बुधः १६।५७
९	र	३३	४४	१९	०८	हस्त	३४	३४	१९	२८	व	४०	४२	२१	५५	बा	५	५३	८	००	२२	३९	२४	कन्या	३०	७	२०	पूफा. भौमः २७।५१
१०	सो	३०	०९	१७	४२	चित्रा	३२	५४	१८	४९	प	३५	१९	१९	४६	तै	१	४८	६	२२	२२	३९	२४	तुला. ७।०६	३१	८	२१	भ. २९।०८ उ., गंगा दशहरा व्र., सायन कर्के भानुः, सायन E
११	मं	२७	३४	१६	४१	स्वा	३२	१६	१८	३३	शि	३०	४५	१७	५७	वि	२७	३४	१६	४१	२२	३९	२४	तुला.	५	९	२२	भ. १६।४१ या., निर्जला ११ व्र., भ. आषाढारंभः, आर्द्रा. रविः A
१२	बु	२६	०४	१६	०५	विशा	३२	४२	१८	४४	सि	२७	०४	१६	२९	बा	२६	०४	१६	०५	२२	३९	२४	वृश्चि. १२।३९	२	१०	२३	प्रदोषः, वट सावित्री व्रतारंभः, पातस्पर्शः १४।२६, मोक्षः २६।५२, D
१३	गु	२५	४४	१५	५७	अनु	३४	१६	१९	२२	सा	२४	१८	१५	२३	तै	२५	४४	१५	५७	२२	४०	२४	वृश्चि.	३	११	२४	[D श्लेषा. शुक्रः १५।१८
१४	शु	२६	३१	१६	१६	ज्ये	३६	५७	२०	२७	शु	२२	२६	१४	३८	व	२६	३१	१६	१६	२२	४०	२४	धनु. २०।२७	४	१२	२५	भ. १६।३६ उ. २८।३६ या., गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, अब्दसाध्य C
१५	श	२८	२७	१७	०३	मूल	४०	४४	२१	५८	शु	२१	२७	१४	१५	ब	२८	२७	१७	०३	२१	४०	२५	धनु.	५	१३	२६	मन्वादि, कबीर जयंती [C व्र., ज्येष्ठी योगः, आर्द्रा. बुधः २३।१८

अयनांशाः २३।५९।२७
१० पं. ज्ये.शु. ४ बु. इष्टघटी १।३५
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	४	१	११	३	५	८	२
००	१०	१६	०७	०८	०४	१८	००
४८	४०	२९	१३	०५	१४	४९	३२
४४	०४	१४	२६	३१	१८	१६	२०
५७	३२	११६	६	७०	१	३	५७
१७	२५	३१	३९	०३	४१	११	००
मृ	म	रो	उभा	पु	उफा	पूभा	मृ
३	४	२	२	२	३	२	३



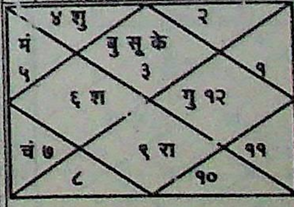
जून	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेलवे-टाईम						कलकता रेलवे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१३ र	१	२७	५७	१४	५७	१९	२३	१२	३२	४८	६	०५	७	१२	३३	२४	४	५५	६	१७
१४ चं	१	२८	५४	३३	५७	१९	२३	१५	३२	४९	६	०५	७	१३	३३	२५	४	५५	६	१७
१५ मं	१	२९	५१	५२	५७	१८	२३	१८	३२	४९	६	०५	७	१३	३३	२५	४	५६	६	१८
१६ बु	२	००	४९	१०	५७	१७	२३	२०	३२	५०	६	०५	७	१३	३३	२६	४	५६	६	१८
१७ गु	२	०१	४६	२७	५७	१७	२३	२२	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१८
१८ शु	२	०२	४३	४४	५७	१६	२३	२४	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१८
१९ श	२	०३	४१	००	५७	१६	२३	२५	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९
२० र	२	०४	३८	१५	५७	१५	२३	२६	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९
२१ चं	२	०५	३५	३०	५७	१५	२३	२६	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५७	६	१९
२२ मं	२	०६	३२	४५	५७	१४	२३	२६	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५८	६	१९
२३ बु	२	०७	२९	५९	५७	१४	२३	२६	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	२०
२४ गु	२	०८	२७	१३	५७	१४	२३	२५	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	२०
२५ शु	२	०९	२४	२७	५७	१३	२३	२४	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५८	६	२०
२६ श	२	१०	२१	४०	५७	१३	२३	२२	३२	५०	६	०८	७	१५	३३	२६	४	५८	६	२०

संक्रांति फलम्

ता. १५ जून २०१०
ज्ये. शु. ३ भौमे मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ९।५२ वारात् ५ नक्षत्रात् ५ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) ९।५२ से १६।१६ तक। (दान- वस्त्रान्न)।

अयनांशाः २३।५९।२८
११ पं. ज्ये.शु.१२ बु. इष्टघटी १।३२
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	४	२	११	३	५	८	२
०७	१४	००	०७	१६	०४	१८	०७
२९	२९	४७	५६	१३	२८	२७	११
३४	२४	२२	३७	५२	०६	०१	०४
५७	३३	१२९	५	६९	२	३	५६
१४	१२	१८	३१	२३	२१	११	५६
आ	पूफा	मृ	उभा	पु	उफा	पूभा	आ
१	१	३	२	४	३	२	१



॥ श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम् ॥

आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, २७ जून से ११ जुलाई तक नवलगढ

वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेति महा., जून-जुलाई २०१०

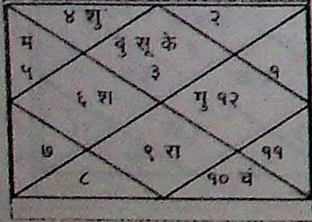
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै.	टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	र	३१	२९	१८	१६	पूषा	४५	३५	२३	५५	ब्र	२१	२१	१४	१३	कौ	३१	२९	१८	१६	३४ २१	५ ४०	७ २५	धनु.		६	१४	२७	
२	सो	३५	३३	१९	५४	उषा	५१	२६	२६	१५	ऐ	२२	०४	१४	३०	तै	३	२३	७	०२	२०	४१	२५	मक.	६।२८	७	१५	२८	
३	मं	४०	३४	२१	५५	श्रव	५८	०९	२८	५६	वै	२३	३२	१५	०६	व	७	५७	८	५२	२०	४१	२५	मक.		८	१६	२९	भ. ८।५२ उ. २१।५५ या.
४	बु	४६	१९	२४	१३	धनि	...	...	...	...	वि	२५	३६	१५	५६	ब	१३	२१	११	०२	१९	४१	२५	कुंभे	१८।२३	९	१७	३०	पंचक प्रारम्भः १८।२३, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०२
५	गु	५२	२६	२६	४०	धनि	५	२८	७	५३	प्री	२८	०२	१६	५५	कौ	१९	२१	१३	२६	१८	४२	२५	कुंभे		१०	१८	१	जुलाई ७ ता. ३१, पुन. बुधः २५।५९
६	शु	५८	२६	२९	०५	शत	१३	०२	१०	५५	आ	३०	३४	१७	५६	ग	२५	२९	१५	५४	१७	४२	२५	कुंभे		११	१९	२	भ. २९।०५ उ.
७	श	...	...	...	...	पूभा	२०	२०	१३	५१	सौ	३२	४५	१८	४९	वि	३१	१३	१८	१२	१६	४३	२५	मीने	७।०८	१२	२०	३	भ. १८।१२ या.
७	र	३	४५	७	१३	उभा	२६	४७	१६	२६	शो	३४	११	१९	२४	ब	३	४५	७	१३	१५	४३	२५	मीने		१३	२१	४	
८	सो	७	५१	८	५२	रेव	३१	५५	१८	२९	अ	३४	३१	१९	३२	कौ	७	५१	८	५२	१४	४३	२५	मेषे	१८।२९	१४	२२	५	पंचक समाप्तिः १८।२९, सिंहे मघा. शुक्रः ६।३०
९	मं	१०	२०	९	५२	अश्वि	३५	२१	१९	५२	सु	३३	२९	१९	०७	ग	१०	२०	९	५२	१३	४४	२५	मेषे		१५	२३	६	भ. २२।०५ उ., पुन. रविः ९।०६ (सौरः १८।३६), कर्के बुधः २०।४८
१०	बु	१०	५६	१०	०६	भर	३६	५५	२०	३०	धृ	३०	५७	१८	०७	वि	१०	५६	१०	०६	११	४४	२५	वृषे	२६।३३	१६	२४	७	भ. १०।०६ या., पातस्पर्शः २२।०४
११	गु	९	३८	९	३६	कृति	३६	३७	२०	२३	शू	२६	५३	१६	३०	बा	९	३८	९	३६	१०	४५	२५	वृषे		१७	२५	८	योगिनी ११ व्र., पातमोक्षः ७।०८, पुष्ये बुधः १२।४५
१२	शु	६	३०	८	२१	रोहि	३४	३५	१९	३५	गं	२१	२३	१४	१८	तै	६	३०	८	२१	०८	४५	२४	वृषे		१८	२६	९	प्रदोषः, बुधोदयः पश्चिमायाम् १६।०७
१३	श	१	४४	६	२७	मृग	३१	०२	१८	१०	वृ	१४	३७	११	३६	व	१	४४	६	२७	०७	४५	२४	मिथु.	६।५७	१९	२७	१०	भ. ६।२७ उ. १७।१७ या., मासिकशिवरात्री व्र.
१४	श	५५	३७	२८	००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	
३०	र	४८	२५	२५	०८	आर्द्रा	२६	१७	१६	१७	ध्रु	६ ५८	४५ ०६	८ २३	२८ ००	च	२२	०६	१४	३६	०५	४६	२४	मिथु.		२०	२८	११	देवपितृकार्येऽमा.

अयनांशाः २३।५९।२९

१२ पं. आ.कृ. ४ बु. इष्टघटी १।२७

(रेल्वे घ. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	४	२	११	३	५	८	२
१४	१८	१६	०८	२४	०४	१८	१३
१०	२४	०३	३१	१७	४६	०४	४९
०४	०३	४०	४४	२२	३४	४५	२६
५७	३३	१३०	४	६८	३	३	१६
१२	५६	१३	२०	३८	००	११	५४
आ	पूफा	आ	उभा	श्लै	उफा	पूषा	आ
३	२	३	२	३	३	२	३



जून ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२७	र	२	११	१८	५३	५७	१३	२३	२०	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२५	४	५८	६	२०
२८	चं	२	१२	१६	०५	५७	१२	२३	१७	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२५	४	५८	६	२०
२९	मं	२	१३	१३	१८	५७	१२	२३	१५	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२४	४	५९	६	२०
३०	बु	२	१४	१०	३०	५७	१२	२३	११	३२	४८	६	०९	७	१६	३३	२४	४	५९	६	२०
१	गु	२	१५	०७	४२	५७	१२	२३	०८	३२	४८	६	०९	७	१६	३३	२३	४	५९	६	२१
२	शु	२	१६	०४	५४	५७	१२	२३	०३	३२	४७	६	०९	७	१६	३३	२२	५	००	६	२१
३	श	२	१७	०२	०६	५७	१२	२२	५९	३२	४६	६	१०	७	१६	३३	२२	५	००	६	२१
४	र	२	१७	५९	१७	५७	१२	२२	५४	३२	४६	६	१०	७	१६	३३	२१	५	००	६	२१
५	चं	२	१८	५६	२९	५७	१२	२२	४९	३२	४५	६	१०	७	१६	३३	२०	५	०१	६	२१
६	मं	२	१९	५३	४१	५७	१२	२२	४३	३२	४४	६	११	७	१६	३३	१९	५	०१	६	२१
७	बु	२	२०	५०	५२	५७	१२	२२	३७	३२	४३	६	११	७	१६	३३	१८	५	०१	६	२१
८	गु	२	२१	४८	०४	५७	१२	२२	३०	३२	४२	६	११	७	१६	३३	१७	५	०२	६	२१
९	शु	२	२२	४५	१६	५७	१२	२२	२३	३२	४१	६	१२	७	१६	३३	१६	५	०२	६	२०
१०	श	२	२३	४२	२८	५७	१२	२२	१६	३२	४०	६	१२	७	१६	३३	१५	५	०३	६	२०
११	र	२	२४	३९	४०	५७	१२	२२	०८	३२	३९	६	१२	७	१६	३३	१३	५	०३	६	२०

मास फलम्

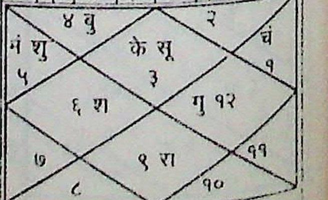
इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद है। पांच सोमवार होने से धान्य सरता हो, कृ.द्वितीया को सोमवार से सुभिक्ष हो, कृ. तीज को श्रवण होने से समर्घता कारक है, कृ. १२ को रोहिणी होने से दुर्भिक्ष हो, अमावस्या आर्द्रा योग सुभिक्ष-सुखद है, शु. १ में पुनर्वसु नक्षत्र का २१ घटी भोग है अतः चौमासे में ३५ प्रतिशत वर्षा हो, शुक्ला पंचमी को शुक्रवार होने से भारी तूफान चले, पूर्णिमा को पूर्वाषाढा के अभाव से महर्घता हो, लेकिन पूर्णिमा साठ घटी से अधिक है अतः धान्य का सुभिक्ष रहे, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हों, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे।

अयनांशाः २३।५९।३०

१३ पं. आ.कृ.१० बु. इष्टघटी १।२०

(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	४	३	११	४	५	८	२
२०	२२	००	०८	०२	०५	१७	२०
५०	२३	४८	५८	१५	०९	४२	२७
२७	३७	०३	१६	२०	२८	३०	३९
५७	३४	१२०	३	६७	३	३	१६
१२	३६	०१	०४	४७	३७	११	५३
पुन	पूफा	पुन	उभा	म	उफा	पूषा	पुन
१	३	४	२	१	३	२	१



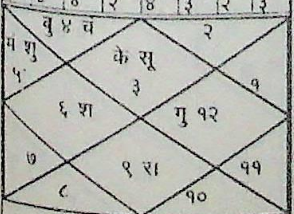
आषाढ शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, १२ जुलाई से २६ जुलाई तक नवलगढ																							चंद्रः	तारीख			वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ६६७२, जुलाई २०१०
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	सो	४०	२८	२१	५८	पुन	२०	३९	१४	०२	ह	४८	५१	२५	१९	किं	१४	३०	११	३४	३४ ०४	५ ४६	७ २४	कर्के ८।३७	२१	२९	१२	|A पूर्णिमा, मन्वादि, गोपद्मव्रतारंभ, आषाढी योगः
२	मं	३२	०९	१८	३९	पुष्य	१४	२९	११	३५	व	३९	१९	२१	३१	बा	६	२०	८	१९	०२	४७	२४	कर्के	२२	३०	१३	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), श्री जगदीश रथ यात्रा
३	बु	२३	४८	१५	१९	श्ले	८	१०	९	०४	ध्रु	२९	४९	१७	४३	ग	२३	४८	१५	१९	००	४७	२३	सिंहे ९।०४	२३	१	१४	भ. २५।४१ उ., सावान ८, उफा. भौमः १४।३५
४	गु	१५	४६	१२	०६	मघा	२ ५६	०४ ३३	६ २८	३८ २५	व्य	२०	३७	१४	०३	वि	१५	४६	१२	०६	३३ ५८	४८	२३	सिंहे	२४	२	१५	भ. १२।०६ या., श्लेषा. बुधः १६।००
५	शु	८	२१	९	०९	उफा	५१	५३	२६	३४	व	११	५७	१०	३५	बा	८	२१	९	०९	५६	४८	२३	कन्या ९।५५	२५	३	१६	स्कंध षष्ठी, कर्के रविः २०।४९, निरयन दक्षिणायनारंभः, F
६	श	१	५३	६	३४	हस्त	४८	२२	२५	१०	प	४ ५७	०६ १४	७ २८	२७ ४२	तै	१	५३	६	३४	५४	४९	२२	कन्या	२६	४	१७	भ. २८।२८ उ., कर्के सौरः ७।३८
७	श	५६	३८	२८	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	|F पूफा. शुक्र. २७।४४
८	र	५२	४३	२६	५५	चित्रा	४६	११	२४	१८	सि	५१	२९	२६	२५	वि	२४	२९	१५	३७	५२	४९	२२	तुला. १२।३९	२७	५	१८	भ. १५।३७ या. |B (सौरः १९।५५), कन्यायां भौमः ५।५३
९	सो	५०	१६	२५	५६	स्वा	४५	२८	२४	०१	सा	४६	५५	२४	३६	बा	२१	१७	१४	२९	५०	५०	२२	तुला.	२८	६	१९	भड़ली ९, पातस्पर्शः २२।४१ |E व्रतारंभः, गोपद्मव्रतोद्यापनं
१०	मं	४९	१९	२५	३४	विशा	४६	१३	२४	२०	शु	४३	३३	२३	१५	तै	१९	३६	१३	४१	४७	५०	२१	वृश्चि. १८।१२	२९	७	२०	मन्वादि, आशा दशमी, पातमोक्षः ६।१६, पुष्ये रविः ८।४० B
११	बु	४९	४९	२५	४७	अनु	४८	२४	२५	१२	शु	४१	२०	२२	२३	व	१९	२३	१३	३६	४५	५१	२१	वृश्चि.	३०	८	२१	भ. १३।३६ उ. २५।४७ या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास E
१२	गु	५१	३७	२६	३०	ज्ये	५१	५१	२६	३६	ब्र	४०	११	२१	५६	व	२०	३३	१४	०५	४३	५१	२०	धनु. २६।३६	३१	९	२२	श्रावणे वर्जयेच्छाकम्, सायन सिंहे भानुः २७।५५
१३	शु	५४	३४	२७	४१	मूल	५६	२५	२८	२६	ऐ	३९	५५	२१	५०	कौ	२२	५७	१५	०३	४०	५२	२०	धनु.	१	१०	२३	प्रदोषः, जया पार्वती व्रतं, भा. श्रावणारंभः, सिंहे मघा. बुधः C
१४	श	५८	२६	२९	१५	पूषा	…	…	…	…	वै	४०	२५	२२	०३	ग	२६	२३	१६	२६	३८	५२	२०	धनु.	२	११	२४	भ. २९।१५ उ. |C २०।५०, वक्री गुरुः २८।५८
१५	र	…	…	…	…	पूषा	१	५२	६	३८	वि	४१	३४	२२	३१	वि	३०	४०	१८	०९	३५	५३	१९	मक. १३।१४	३	१२	२५	भ. १८।०९ या., पूर्णिमा व्रतं, वायु परीक्षा, व्यासपूजा, गुरु A
१५	सो	३	०५	७	०७	उषा	८	०४	९	०७	प्री	४३	१३	२३	११	ब	३	०५	७	०७	३३	५३	१९	मक.	४	१३	२६	पूर्णिमा पुण्यञ्च, पूषा.-१ राहुः २२।००, आर्द्रा.-३ केतुः २२।००

अयनांशाः २३।५९।३१

१४ पं. आ.शु. ३ बु. इष्टघटी १।१२

(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	४	३	११	४	५	८	२
२७	२६	१४	०९	१०	०५	१७	२७
३०	२७	१०	१५	०७	३६	२०	०५
५२	४८	०८	४७	०१	३२	१४	५८
५७	३५	१०७	१	६६	४	३	५६
१३	१५	१२	४५	४२	१२	११	५५
पुन	पूफा	पु	उभा	म	उफा	पूषा	पुन
३	४	४	२	४	३	२	३



जुलाई रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेलवे-टाईम						कलकता रेलवे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१२ चं	२	२५	३६	५२	५७	१३	२२	००	३२	३८	६	१३	७	१६	३३	१२	५	०३	६	२०
१३ मं	२	२६	३४	०५	५७	१३	२१	५२	३२	३७	६	१३	७	१६	३३	११	५	०४	६	२०
१४ बु	२	२७	३१	१८	५७	१३	२१	४३	३२	३६	६	१३	७	१६	३३	०९	५	०४	६	२०
१५ गु	२	२८	२८	३१	५७	१३	२१	३४	३२	३५	६	१४	७	१६	३३	०८	५	०४	६	२०
१६ शु	२	२९	२५	४४	५७	१४	२१	२४	३२	३३	६	१४	७	१५	३३	०६	५	०५	६	१९
१७ श	३	००	२२	५८	५७	१४	२१	१५	३२	३२	६	२४	७	१५	३३	०४	५	०५	६	१९
१८ र	३	०१	२०	१२	५७	१५	२१	०४	३२	३१	६	१५	७	१५	३३	०३	५	०६	६	१९
१९ चं	३	०२	१७	२७	५७	१५	२०	५४	३२	२९	६	१५	७	१५	३३	०१	५	०६	६	१९
२० मं	३	०३	१४	४२	५७	१५	२०	४३	३२	२८	६	१५	७	१५	३२	५९	५	०७	६	१८
२१ बु	३	०४	११	५७	५७	१६	२०	३१	३२	२६	६	१६	७	१४	३२	५७	५	०७	६	१८
२२ गु	३	०५	०९	१३	५७	१६	२०	२०	३२	२५	६	१६	७	१४	३२	५६	५	०७	६	१८
२३ शु	३	०६	०६	२९	५७	१७	२०	०८	३२	२३	६	१६	७	१४	३२	५४	५	०८	६	१७
२४ श	३	०७	०३	४६	५७	१८	१९	५५	३२	२२	६	१७	७	१३	३२	५२	५	०८	६	१७
२५ र	३	०८	०१	०४	५७	१८	१९	४३	३२	२०	६	१७	७	१३	३२	५०	५	०९	६	१६
२६ चं	३	०८	५८	२२	५७	१९	१९	३०	३२	१८	६	१७	७	१३	३२	४८	५	०९	६	१६

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २०१०

आषा. शु. ५ भृगौ कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २०।४९ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैर्ऋत्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) ८।४९ से २०।४९ तक । (दान- घृत, धेनु) ।

अयनांशाः २३।५९।३२

१५ पं. आ.शु.११ बु. इष्टघटी १।०३

(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	५	३	११	४	५	८	३
०४	००	२६	०९	१७	०६	१६	०३
११	३६	००	२३	५१	०७	५७	४४
३१	२०	२१	५५	२९	३०	५९	३५
५७	३५	९३	०	६५	४	३	५६
१६	५१	३९	२३	४२	४४	११	५९
पु	उफा	श्ले	उभा	पूफा	उफा	पूषा	पु
१	२	३	२	२	३	२	१



श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, २७ जुलाई से १० अगस्त तक नवलगढ — चंद्रः — तारीख — वर्षर्तु रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेति महा., जुलाई-अगस्त २०१०

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	मं	८	२२	९	१५	श्रव	१४	५३	११	५१	आ	४५	१७	२४	०१	कौ	८	२२	९	१५	३३ ३०	५ ५४	७ १८	कुंभे	२५।१७	५	१४	२७	पंचक प्रारम्भः २५।१७, नक्त व्रतारंभः, उफा.-४ शनिः २०।४०
२	बु	१४	०९	११	३४	घनि	२२	०७	१४	४५	सौ	४७	३९	२४	५८	ग	१४	०९	११	३४	२७	५५	१७	कुंभे		६	१५	२८	भ. २४।४६ उ., बृहत्तल्पा
३	गु	२०	११	१३	५९	शत	२९	३७	१७	४६	शो	५०	०८	२५	५८	वि	२०	११	१३	५९	२४	५५	१७	कुंभे		७	१६	२९	भ. १३।५९ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।०४, उफा. शुक्रः ९।१८
४	शु	२६	१४	१६	२५	पूभा	३७	०३	२०	४५	अ	५२	२८	२६	५५	वा	२६	१४	१६	२५	२२	५६	१६	मीने	१४।०१	८	१७	३०	
५	श	३१	५३	१८	४१	उभा	४४	०२	२३	३३	सु	५४	२२	२७	४१	तै	३१	५३	१८	४१	१९	५६	१६	मीने		९	१८	३१	नागपञ्चमी (मरु.)
६	र	३६	४२	२०	३७	रेव	५०	०७	२५	५९	धृ	५५	३०	२८	०८	ग	४	२४	७	४२	१६	५७	१५	मेषे	२५।५९	१०	१९	१	भ. २०।३७ उ., पंचक समाप्तिः २५।५९, अगस्त ८ ता. ३१, A
७	सो	४०	१३	२२	०२	अश्वि	५४	५३	२७	५४	शू	५५	३२	२८	१०	वि	८	३७	९	२४	१३	५७	१४	मेषे		११	२०	२	भ. ९।२४ या., पातस्पर्शः २०।०७, मोक्षः २६।१३, पूफा. बुधः २४।४६
८	मं	४२	०६	२२	४८	भर	५७	५९	२९	०९	गं	५४	१५	२७	४०	वा	११	२१	१०	३०	१०	५८	१४	मेषे		१२	२१	३	श्लेपा. रविः ७।३६ (सौरः २०।२१)
९	बु	४२	०७	२२	४९	कृति	५९	१४	२९	४०	वृ	५१	२८	२६	३३	तै	१२	१९	१०	५४	०७	५८	१३	वृषे	११।२१	१३	२२	४	|A तिलकपुण्यतिथि, कन्यायां शुक्रः १२।२४
१०	गु	४०	११	२२	०३	रोहि	५८	३४	२९	२४	ध्रु	४७	०९	२४	५०	व	११	२३	१०	३२	०३	५९	१२	वृषे		१४	२३	५	भ. १०।३२ उ. २२।०३ या., हस्ते भौमः १७।३२
११	शु	३६	२२	२०	३२	मृग	५६	०४	२८	२५	व्या	४१	१७	२२	३०	व	८	३०	९	२३	००	५९	११	मिथु.	१७।००	१५	२४	६	कामिका ११ व्र.
१२	श	३०	५०	१८	२०	आर्द्रा	५१	५५	२६	४६	ह	३४	०२	१९	३७	कौ	३	४७	७	३१	३२ ५७	६ ००	११	मिथु.		१६	२५	७	प्रदोषः
१३	र	२३	४७	१५	३१	पुन	४६	२२	२४	३३	व	२५	३२	१६	१३	व	२३	४७	१५	३१	५४	००	१०	कर्के	१९।०९	१७	२६	८	भ. १५।३१ उ. २५।५६ या., मासिकशिवरात्री व्र.
१४	सो	१५	३४	१२	१४	पुष्य	३९	४७	२१	५६	सि	१६	०५	१२	२७	श	१५	३४	१२	१४	५१	०१	०९	कर्के		१८	२७	९	पितृकार्येऽमा.
३०	मं	६	३२	८	३८	श्ले	३२	३५	१९	०३	व्य	५ ५५	५७ २९	८ २८	२४ १३	ना	६	३२	८	३८	४७	०१	०८	सिंहे	१९।०३	१९	२८	१०	देवकार्येऽमा., हरियाली ३०, हस्ते शुक्रः २७।१८

अयनांशाः २३।५९।३३
१६ पं. श्रा.कृ. २ बु. इष्टघटी ०।५४
(रेल्वे घ. मि. ६।१६)

सू.	मं	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	५	४	११	४	५	८	३
१०	०४	०६	०९	२५	०६	१६	१०
५२	४९	१३	२२	२७	४२	३५	२३
३५	००	०३	२९	३२	०४	४४	४४
५७	३६	७९	१	६४	५	३	५७
२०	२५	१३	००	२३	१३	११	०५
पु	उफा	म	उभा	पूफा	उफा	पूषा	पु
३	३	२	२व	४	४	१	३



जुलाई		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेलवे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकत्ता रेलवे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२७	मं	३	०९	५५	४१	५७	२०	१९	१६	३२	१७	६	१८	७	१२	३२	४६	५	०९	६	१६
२८	बु	३	१०	५३	०१	५७	२०	१९	०३	३२	१५	६	१८	७	१२	३२	४३	५	१०	६	१५
२९	गु	३	११	५०	२१	५७	२१	१८	४९	३२	१३	६	१८	७	१२	३२	४१	५	१०	६	१५
३०	शु	३	१२	४७	४२	५७	२२	१८	३५	३२	११	६	१९	७	११	३२	३९	५	११	६	१४
३१	श	३	१३	४५	०४	५७	२३	१८	२०	३२	०९	६	१९	७	११	३२	३७	५	११	६	१४
१	र	३	१४	४२	२७	५७	२४	१८	०५	३२	०७	६	१९	७	१०	३२	३४	५	११	६	१३
२	चं	३	१५	३९	५१	५७	२४	१७	५०	३२	०५	६	२०	७	१०	३२	३२	५	१२	६	१३
३	मं	३	१६	३७	१५	५७	२५	१७	३५	३२	०३	६	२०	७	०९	३२	३०	५	१२	६	१२
४	बु	३	१७	३४	४०	५७	२६	१७	१९	३२	०१	६	२०	७	०९	३२	२७	५	१३	६	१२
५	गु	३	१८	३२	०७	५७	२७	१७	०३	३१	५९	६	२१	७	०८	३२	२५	५	१३	६	११
६	शु	३	१९	२९	३४	५७	२८	१६	४६	३१	५७	६	२१	७	०८	३२	२२	५	१३	६	१०
७	श	३	२०	२७	०२	५७	२९	१६	३०	३१	५५	६	२१	७	०७	३२	२०	५	१४	६	१०
८	र	३	२१	२४	३१	५७	३०	१६	१३	३१	५३	६	२२	७	०७	३२	१७	५	१४	६	०९
९	चं	३	२२	२२	०२	५७	३१	१५	५६	३१	५१	६	२२	७	०६	३२	१५	५	१५	६	०८
१०	मं	३	२३	१९	३३	५७	३२	१५	३९	३१	४९	६	२२	७	०६	३२	१२	५	१५	६	०८

मास फलम्

श्रावण में पांच मंगलवार होने से महाभय हो यथा- ॥पंचभौमे भयंमहत्॥ कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों । कृष्णा एकादशी को मृगशिरा होने से दुर्भिक्ष हो । श्रावण अमावस्या को मंगलवार और आश्लेषा होने से अरिष्टकारी योग बनता है । शुक्ला सप्तमी को स्वाति नक्षत्र सुभिक्ष कारक है । पूर्णिमा धनिष्ठा युक्त होने से शुभ फल दायिनी है । सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस धृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो ।

अयनांशाः २३।५९।३४
१७ पं. श्रा.कृ. ९ बु. इष्टघटी ०।४५
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

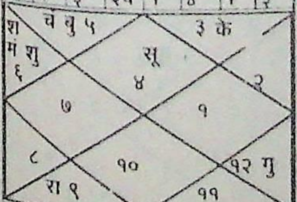
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	५	४	११	५	५	८	३
१७	०९	१४	०९	०२	०७	१६	१७
३४	०५	४१	११	५३	१९	१३	०३
१५	३८	३३	२५	३५	५३	२८	३७
५७	३६	६३	२	६२	५	३	५७
२६	५९	३०	२२	४८	३९	११	१२
श्ले	उफा	पूफा	उभा	उफा	उफा	पूषा	श्ले
१	४	१	२व	२	४	१	१



श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, ११ अगस्त से २४ अगस्त तक नवलगढ																								चंद्रः	तारीख			वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ६७०२, अगस्त २०१०
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	मं	५७	०७	२८	५२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[C (कात्या.), अथर्ववेदि उपाकर्म, चित्रा. शुक्रः १८।३७
२	बु	४७	४१	२५	०६	मघा	२५	१०	१६	०६	प	४४	५९	२४	०१	वा	२२	२२	१४	५९	३२ ४४	६ ०२	७ ०७	सिंहे	२०	२९	११	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंघारा) देशाचारे
३	गु	३८	४३	२१	३१	पूफा	१८	००	१३	१५	शि	३४	५१	११	५९	तै	१३	०७	११	१७	४०	०२	०७	कन्या १८।३४	२१	१	१२	तीज, स्वर्णगौरी व्र., मधुश्रवाव्र.(गुर्जरे), सुकृत तृतीया व्र., रमजान ९
४	शु	३०	३६	१८	१७	उफा	११	३४	१०	४०	सि	२५	२५	१६	१३	व	४	३१	७	५१	३७	०३	०६	कन्या	२२	२	१३	भ. ७।५१ उ. १८।१७ या., वरद चतुर्थी, दूर्बा गणपति व्र.
५	श	२३	४५	१५	३४	हस्त	६	१५	८	३३	सा	१७	००	१२	५१	बा	२३	४५	१५	३४	३४	०३	०५	तुला. १९।४३	२३	३	१४	कल्की जयंती, नागपञ्चमी, नागदष्ट व्र., वर्णषष्ठी, पातस्पर्शः I
६	र	१८	३०	१३	२८	चित्रा	२	२६	७	०२	शु	९	५२	१०	०१	तै	१८	३०	१३	२८	३०	०४	०४	तुला.	२४	४	१५	शीतला, भारतीयस्वतंत्रतादिवस [I १८।०४, मोक्षः २३।००
७	सो	१५	०२	१०	०५	स्वा	०	२२	६	१३	शु	४	११	७	४५	व	१५	०२	१२	०५	२७	०४	०३	वृश्चि. २४।०६	२५	५	१६	भ. १२।०५ उ. २३।४२ या., तुलसी जयंती, दुर्गाष्टमी, रोटक D
८	मं	१३	३०	११	२९	विशा	०	१०	६	०९	ब्र	० ५७	०२ २५	६ २१	०६ ०३	ब	१३	३०	११	२९	२३	०५	०२	वृश्चि.	२६	६	१७	सिंहे मघा. सौर ५१।१४
९	बु	१३	५१	११	३८	अनु	१	५१	६	५०	वै	५६	१०	२८	३३	कौ	१३	५१	११	३८	१९	०५	०१	वृश्चि.	२७	७	१८	[D व्रतारंभः, सोमेश्वरपूजनं, सिंहे मघा. रविः २९।१८
१०	गु	१५	५४	१२	२८	ज्ये	५	१४	८	१२	वि	५६	०६	२८	३२	ग	१५	५४	१२	२८	१६	०६	००	धनु. ८।१२	२८	८	१९	भ. २५।०६ उ. [E सायन कन्यायां भानुः ११।०६
११	शु	१९	२२	१३	५१	मूल	१०	०४	१०	०८	प्री	५६	५८	२८	५४	वि	१९	२२	१३	५१	१२	०६	६ ५९	धनु.	२९	९	२०	भ. १३।५१ या., पवित्रा ११ व्र., बुधास्तः पश्चिमायाम् २५।५१
१२	श	२३	५८	१५	४२	पूषा	१६	००	१२	३१	आ	५८	३२	२९	३२	बा	२३	५८	१५	४२	०९	०७	५८	मक. १९।१०	३०	१०	२१	प्रदोषः, दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं, वक्री बुधः १६।१२
१३	र	२९	१८	१७	५०	उषा	२२	४१	१५	१२	सौ	...	...	...	...	तै	२९	१८	१७	५०	०५	०७	५७	मक.	३१	११	२२	[A (मरु), पंचक प्रारम्भः ७।३२, हयग्रीव जयंती, नारियल १५ B
१४	सो	३५	०३	२०	०९	श्रव	२९	५०	१८	०४	सौ	०	३०	६	२०	ग	२	०८	६	५९	०९	०८	५६	मक.	१	१२	२३	भ. २०।०९ उ., सूणमाण्डणा ऋग्वेदि उपाकर्म, भा. भाद्रपदारंभः, E
१५	मं	४१	०३	२२	३३	धनि	३७	११	२१	०१	शो	२	४४	७	१४	वि	८	०२	९	२१	३१ ५७	०८	५५	कुंभे ७।३२	२	१३	२४	भ. ९।२१ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, रक्षाबंधनं (भद्रोत्तरं), श्रावणी A
																												[B यजुर्वेदि, तैतरीय, हिरण्यकेशीय,आपस्तंभ,बौधायन,काण्वमध्यन्दिन C

अयनांशाः २३।५९।३५
१८ पं. श्रा.शु. २ बु. इष्टघटी ०।३६.
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	५	४	११	५	५	८	३
२४	१३	२१	०८	१०	०८	१५	२३
१६	२६	१०	५०	०७	००	५१	४४
३९	०७	२५	५६	३५	४०	१३	२८
५७	३७	४३	३	६०	६	३	५७
३४	३१	३९	४०	५२	०३	११	२१
श्ले	ह	पूफा	उभा	ह	उफा	पूषा	श्ले
३	२	३	२व	१	४	१	३



अगस्त		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
११	बु	३	२४	१७	०५	५७	३४	१५	२१	३१	४७	६	२२	७	०५	३२	०९	५	१५	६	०७
१२	गु	३	२५	१४	३९	५७	३५	१५	०३	३१	४४	६	२३	७	०५	३२	०७	५	१६	६	०६
१३	शु	३	२६	१२	१४	५७	३६	१४	४५	३१	४२	६	२३	७	०४	३२	०४	५	१६	६	०६
१४	श	३	२७	०९	५०	५७	३७	१४	२७	३१	४०	६	२३	७	०३	३२	०१	५	१६	६	०५
१५	र	३	२८	०७	२७	५७	३८	१४	०८	३१	३८	६	२४	७	०३	३१	५८	५	१७	६	०४
१६	चं	३	२९	०५	०५	५७	४०	१३	४९	३१	३५	६	२४	७	०२	३१	५६	५	१७	६	०३
१७	मं	४	००	०२	४५	५७	४१	१३	३१	३१	३३	६	२४	७	०१	३१	५३	५	१८	६	०३
१८	बु	४	०१	००	२६	५७	४२	१३	११	३१	३१	६	२४	७	०१	३१	५०	५	१८	६	०२
१९	गु	४	०१	५८	०८	५७	४४	१२	५२	३१	२८	६	२५	७	००	३१	४७	५	१८	६	०१
२०	शु	४	०२	५५	५१	५७	४५	१२	३२	३१	२६	६	२५	६	५९	३१	४४	५	१९	६	००
२१	श	४	०३	५३	३६	५७	४६	१२	१२	३१	२४	६	२५	६	५८	३१	४२	५	१९	६	००
२२	र	४	०४	५१	२३	५७	४८	११	५२	३१	२१	६	२५	६	५८	३१	३९	५	१९	५	५९
२३	चं	४	०५	४९	१०	५७	४९	११	३२	३१	१९	६	२५	६	५७	३१	३६	५	२०	५	५८
२४	मं	४	०६	४७	००	५७	५१	११	१२	३१	१६	६	२६	६	५६	३१	३३	५	२०	५	५७

संक्रांति फलम्

ता. १६ अगस्त २०१० श्रा. शु. ७ चंद्रे सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २९।१८ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी वाल्यावस्था (वैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) २२।५४ से २९।१८ तक। (दान- छत्र)।

अयनांशाः २३।५९।३६
१९ पं. श्रा.शु. ९ बु. इष्टघटी ०।२७
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	५	४	११	५	५	८	४
०१	१७	२४	०८	१७	०८	१५	००
००	५०	५३	२१	०६	४४	२८	२६
००	२०	२२	३२	४२	०२	५७	२८
५७	३८	१३	४	५८	६	३	५७
४२	०३	३४	५३	२७	२४	११	३२
म	ह	पूफा	उभा	ह	उफा	पूषा	म
१	३	४	२व	३	४	१	१



भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, २५ अगस्त से ८ सितंबर तक नवलगढ — चंद्रः — तारीख — शरदृतु रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति महा., अगस्त-सितंबर २०१०

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	बु	४७	०४	२४	५८	शत	४४	३४	२३	५९	अ	५	०४	८	१०	बा	१४	०३	११	४६	३१ ५४	६ ०९	६ ५४	कुंभे		३	१४	२५	[B पूफा. रविः २५।१८
२	गु	५२	५७	२७	२०	पूभा	५१	५०	२६	५३	सु	७	२२	९	०६	तै	२०	०१	१४	१०	५०	०९	५३	मीने	२०।१०	४	१५	२६	चित्रा. भौमः २०।४२
३	शु	५८	२९	२९	३३	उभा	५८	४७	२९	४१	धृ	९	३१	९	५८	व	२५	४६	१६	२८	४६	१०	५२	मीने		५	१६	२७	भ. १६।२८ उ. २९।३३ या., कज्जली(बूढी ३), अगस्त्योदयः १५।२६
४	श	...	...	...	...	रेव	...	...	...	...	शू	११	२३	१०	४३	ब	३१	०३	१८	३५	४२	१०	५१	मीने		६	१७	२८	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।३७, पातस्पर्शः ७।२३, मोक्षः १२।२८
४	र	३	२६	७	३३	रेव	५	०९	८	१४	गं	१२	४३	११	१६	बा	३	२६	७	३३	३९	११	५०	मेषे	८।१४	७	१८	२९	पंचक समाप्तिः ८।१४, हस्ते-१ शनिः १८।०२
५	सो	७	२९	९	११	अश्वि	१०	३८	१०	२६	वृ	१३	२०	११	३१	तै	७	२९	९	११	३५	११	४९	मेषे		८	१९	३०	बृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), हलषष्ठी, चंद्रषष्ठी (मरु.), B
६	मं	१०	१८	१०	१९	भर	१४	५६	१२	१०	ध्रु	१३	००	११	२४	व	१०	१८	१०	१९	३१	१२	४८	वृषे	१८।३१	९	२०	३१	भ. १०।१९ उ. २२।४०. या., शीतला व्र., पूफा. सौरः १५।५८, C
७	बु	११	३७	१०	५१	कृति	१७	४५	१३	१८	व्या	११	२८	१०	४७	व	११	३७	१०	५१	२७	१२	४७	वृषे		१०	२१	१	मन्वादि, जन्माष्टमी व्र. स्मा., सितंबर ९ ता. ३०
८	गु	११	१५	१०	४३	रोहि	१८	५३	१३	४६	ह	८	३५	९	३९	कौ	११	१५	१०	४३	२३	१३	४६	मिथु.	२५।४३	११	२२	२	जन्माष्टमी व्र. वैष्ण. [C तुलायां शुक्रः २८।३४
९	शु	९	०२	९	५०	मृग	१८	१३	१३	३०	व	४ ५८	१७ २९	७ २९	५६ ३७	ग	९	०२	९	५०	१९	१३	४५	मिथु.		१२	२३	३	भ. २१।०७ उ., गोगानवमी, (व) उभा.-१ गुरुः २५।२८
१०	श	५	०१	८	१४	आर्द्रा	१५	४४	१२	३१	व्य	५१	१६	२६	४४	वि	५	०१	८	१४	१५	१३	४४	कर्के	२९।२०	१३	२४	४	भ. ८।१४ या., अजा ११ व्र.स्मार्त
११	श	५९	१६	२९	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[A लोहार्गल स्ना., मातृ ३०
१२	र	५२	००	२७	०२	पुन	११	३५	१०	५२	व	४२	४६	२३	२०	कौ	२५	४९	१६	३३	११	१४	४२	कर्के		१४	२५	५	अजा ११ व्र.वैष्ण., जैनपर्युषण, वत्सपूजा, तुलायां भौमः २६।४५
१३	सो	४३	३२	२३	३९	पुष्य	५ ५९	५८ १४	८ २९	३७ ५६	प	३३	१२	१९	३१	ग	१७	५३	१३	२३	०७	१४	४१	सिंहे	२९।५६	१५	२६	६	भ. २३।३९ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
१४	मं	३४	११	१९	५५	मघा	५१	४५	२६	५७	शि	२२	५१	१५	२३	वि	८	५६	९	४९	०३	१५	४०	सिंहे		१६	२७	७	भ. ९।४९ या., (व) मघा. बुधः २२।०८
३०	बु	२४	२७	१६	०२	पूफा	४४	००	२३	५१	सि	१२	०५	११	०५	ना	२४	२७	१६	०२	३० ५९	१५	३९	कन्या	२९।०६	१७	२८	८	कुशांग्रहणी, पिठोरी ३०, देवपितृकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, A

अयनांशाः २३।५९।३७
२० प. भा.कृ. १ बु इष्टघटी ०।१८
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	५	४	११	५	५	८	४
०७	२२	२४	०७	२३	०९	१५	०७
४४	१८	२६	४४	४७	२९	०६	०९
२४	१२	३४	००	०९	४१	४२	४६
५७	३८	२८	५	५५	६	३	५७
५२	३४	१८	५८	२४	४५	११	४४
म	ह	पूफा	उभा	चि	उफा	पूषा	म
३	४	४व	२व	१	४	१	३

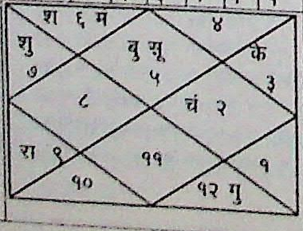


अगस्त रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम | रवि गति | रवि क्रान्ति उत्तर+ | मुम्बई रेल्वे-टाईम | कलकता रेल्वे-टाईम

ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	मुम्बई दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२५	बु	४	०७	४४	५०	५७	५२	१०	५१	३१	१४	६	२६	६	५६	३१	३०	५	२०	५	५६
२६	गु	४	०८	४२	४३	५७	५४	१०	३१	३१	१२	६	२६	६	५५	३१	२७	५	२१	५	५५
२७	शु	४	०९	४०	३६	५७	५५	१०	१०	३१	०९	६	२६	६	५४	३१	२४	५	२१	५	५४
२८	श	४	१०	३८	३१	५७	५७	९	४९	३१	०७	६	२७	६	५३	३१	२१	५	२१	५	५३
२९	र	४	११	३६	२८	५७	५८	९	२७	३१	०४	६	२७	६	५२	३१	१८	५	२१	५	५३
३०	चं	४	१२	३४	२६	५८	००	९	०६	३१	०२	६	२७	६	५२	३१	१५	५	२२	५	५२
३१	मं	४	१३	३२	२६	५८	०२	८	४५	३०	५९	६	२७	६	५१	३१	१२	५	२२	५	५१
१	बु	४	१४	३०	२८	५८	०३	८	२३	३०	५७	६	२७	६	५०	३१	०९	५	२२	५	५०
२	गु	४	१५	२८	३१	५८	०५	८	०१	३०	५४	६	२७	६	४९	३१	०६	५	२३	५	४९
३	शु	४	१६	२६	३६	५८	०७	७	३९	३०	५१	६	२८	६	४८	३१	०३	५	२३	५	४८
४	श	४	१७	२४	४२	५८	०८	७	१७	३०	४९	६	२८	६	४७	३०	५९	५	२३	५	४७
५	र	४	१८	२२	५०	५८	१०	६	५५	३०	४६	६	२८	६	४७	३०	५६	५	२४	५	४६
६	चं	४	१९	२१	००	५८	१२	६	३३	३०	४४	६	२८	६	४६	३०	५३	५	२४	५	४५
७	मं	४	२०	१९	१२	५८	१३	६	१०	३०	४१	६	२८	६	४५	३०	५०	५	२४	५	४४
८	बु	४	२१	१७	२५	५८	१५	५	४८	३०	३९	६	२९	६	४४	३०	४७	५	२४	५	४३

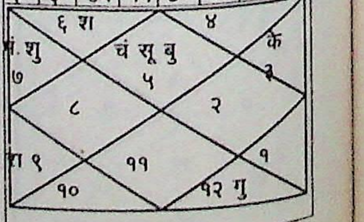
अयनांशाः २३।५९।३८
२१ पं. भा.कृ. ७ बु. इष्टघटी ०।१०
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	५	४	११	६	५	८	४
१४	२६	१९	०६	००	१०	१४	१३
३०	४९	१९	५९	०३	१७	४४	५४
०२	४०	०९	२८	४१	१५	२६	३२
५८	३९	५८	६	५१	६	३	५७
०३	०४	०२	५१	२७	५६	११	५७
पूफा	त्रि	पूफा	उभा	चि	ह	पूषा	पूफा
१	२	२व	२व	३	१	१	१



अयनांशाः २३।५९।३९
२२ पं. भा.कृ.३० बु. इष्टघटी ०।०२
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	६	४	११	६	५	८	४
२१	०१	१३	०६	०५	११	१४	२०
१६	२४	०५	०९	४९	०६	२२	४०
५९	४१	३१	२२	१२	२२	११	५५
५८	३९	३६	७	४६	७	३	५८
१५	३५	१८	३१	१८	०८	११	११
पूफा	चि	म	उभा	चि	ह	पूषा	पूफा
३	३	४व	१व	४	१	१	३



भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, ९ सितंबर से २३ सितंबर तक नवलगढ																								चंद्रः	तारीख		
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.
१	गु	१४	४५	१२	१०	उफा	३६	३०	२०	५२	सा	१ ५०	१५ ४५	६ २६	४६ ३४	ब	१४	४५	१२	१०	३० ५५	६ १६	६ ३८	कन्या	१८	२९	९
२	शु	५	३५	८	३०	हस्त	२९	४४	१८	१०	शु	४०	५८	२२	३९	कौ	५	३५	८	३०	५१	१६	३७	तुला. २८।५९	१९	३०	१०
३	शु	५७	२५	२९	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
४	श	५०	४१	२६	३३	चित्रा	२४	११	१५	५७	ब्र	३२	१५	१९	११	व	२३	५०	१५	४९	४७	१७	३६	तुला.	२०	१	११
५	र	४५	४४	२४	३५	स्वा	२०	१५	१४	२३	ऐ	२४	५६	१६	१५	ब	१७	५७	१३	२८	४३	१७	३४	तुला.	२१	२	१२
६	सो	४२	५०	२३	२६	विशा	१८	१६	१३	३६	वै	१९	१२	१३	५८	कौ	१४	००	११	५४	३९	१८	३३	वृश्चि. ७।४३	२२	३	१३
७	मं	४२	०५	२३	०८	अनु	१८	२२	१३	३९	वि	१५	११	१२	२२	ग	१२	११	११	१०	३५	१८	३२	वृश्चि.	२३	४	१४
८	बु	४३	२६	२३	४१	ज्ये	२०	३४	१४	३२	प्री	१२	५०	११	२६	वि	१२	२९	११	१८	३१	१८	३१	धनु. १४।३२	२४	५	१५
९	गु	४६	३७	२४	५८	मूल	२४	३९	१६	११	आ	१२	०३	११	०८	बा	१४	४८	१२	१४	२७	१९	३०	धनु.	२५	६	१६
१०	शु	५१	१६	२६	५०	पूषा	३०	१७	१८	२६	सौ	१२	३३	११	२०	तै	१८	४६	१३	५०	२३	१९	२९	मक. २५।०५	२६	७	१७
११	श	५६	५५	२९	०६	उषा	३७	०२	२१	०८	शो	१४	००	११	५६	व	२३	५९	१५	५५	१९	२०	२७	मक.	२७	८	१८
१२	र	...	...	...	...	श्रव	४४	२३	२४	०५	अ	१६	०५	१२	४६	ब	२९	५७	१८	१९	१५	२०	२६	मक.	२८	९	१९
१२	सो	३	०३	७	३४	धनि	५१	५६	२७	०७	सु	१८	२८	१३	४४	बा	३	०३	७	३४	११	२५	२५	कुंभे १३।३६	२९	१०	२०
१३	मं	९	१९	१०	०५	शत	५९	२१	३०	०५	धृ	२०	५०	१४	४१	तै	९	१९	१०	०५	०७	२१	२४	कुंभे	३०	११	२१
१४	बु	१५	२०	१२	३०	पूभा	...	...	...	...	शू	२३	०१	१५	३४	व	१५	२०	१२	३०	०३	२२	२३	मीने २६।५४	३१	१२	२२
१५	गु	२०	५८	१४	४५	पूभा	६	२३	८	५५	गं	२४	५२	१६	१९	ब	२०	५८	१४	४५	२९ ५९	२२	२२	मीने	१	१३	२३

शरदृतु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ६७३१, सितंबर २०१०

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

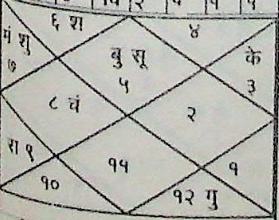
- ९ पातस्पर्शः १४।५८, मोक्षः १८।५३, स्वा. शुक्रः ८।३९
- १० चंद्रदर्शनम्(मु.३०), मन्वादि, वराहजयंती, हरितालिकाव्र., हस्तिगौरीव्र., A
- ० [A सामवेदि उपाकर्म, बुधोदयः पूर्व. ६।५६, शनेरस्तः पश्चि. ११।२६
- ११ भ. १५।४९ उ. २६।३३ या., गणेश चतुर्थी (चंद्रदर्शननिषेधः), जैन M
- १२ ऋषिपंचमी [E रविः १९।१२, मार्गीबुधः १७।३३ [M संवत्सरी, सव्वाल १०
- १३ सौर(सूर्य) षष्ठी, स्कन्द दर्शनं, ललिताषष्ठी व्र. (गुर्जरे), उफा. E
- १४ भ.२३।०८ उ., गौरी आवाहन १३।३९ यावत्, मुक्ताभरणव्र., उमामहेश्वर G
- १५ भ. ११।१८ स्र., दधीचीजयंती, श्रीराधा ८, गौरीपूजन १४।३२ यावत्, L
- १६ अदुःखनवमीव्र., श्रीचंद्र (उदासीनसंप्रदाय), गौरीविसर्जन १६।११ या., H
- १७ दशावतारव्र., श्रीरामदेवजी का मेला, विश्वकर्मापू., कन्यायांसौरः २०।१५
- १८ भ.१५।५५ उ. २९।०६ या., जलझूलनी ११ व्र., विष्णुश्रृंखला २१।०८ से, J
- १९ वामनजयंती, दुग्धव्रतं, विष्णुश्रृंखला २४।०५ या., हरिवासरः १५।०६ या.
- २० पंचक प्रारम्भः १३।३६, प्रदोषः, गोत्रिरात्र व्र. [L स्वा. भौमः २८।१९
- २१ [G पू., दूबड़ी सातम, उफा. सौरः १०।०८ [H कन्यायांरविः २९।१८
- २२ भ. १२।३० उ. २५।३९ या., पूर्णिमाव्रतं, अनन्त १४, कदली व्रतं पूजनं, B
- २३ पूर्णिमापुण्यं, प्रौष्ठपदी, महालय श्राद्धारंभः, महेश्वरपूजनं, इंदुला १५, D

अयनांशाः २३।५९।४०

२३ पं. भा.शु. ८ बु. इष्टघटी -१।५६

(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	६	४	११	६	५	८	४
२८	०६	११	०५	१०	११	१३	२७
०५	०३	४०	१५	५३	५६	५९	२९
२३	१२	१७	२६	५२	४३	५६	००
५८	४०	२२	७	३९	७	३	५८
२८	०४	५१	५४	२८	१६	११	२७
उफा	चि	म	उभा	स्वा	ह	पूषा	उफा
१	४	४	१व	२	१	१	१



सितम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेलवे-टाईम						कलकता रेलवे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
९	गु	४	२२	१५	४१	५८	१७	५	२५	३०	३६	६	२९	६	४३	३०	४४	५	२५	५	४२
१०	शु	४	२३	१३	५८	५८	१९	५	०३	३०	३३	६	२९	६	४२	३०	४१	५	२५	५	४१
११	श	४	२४	१२	१६	५८	२१	४	४०	३०	३१	६	२९	६	४१	३०	३७	५	२५	५	४०
१२	र	४	२५	१०	३७	५८	२२	४	१७	३०	२८	६	२९	६	४१	३०	३४	५	२५	५	३९
१३	चं	४	२६	०८	५९	५८	२४	३	५४	३०	२५	६	२९	६	४०	३०	३१	५	२६	५	३८
१४	मं	४	२७	०७	२४	५८	२६	३	३१	३०	२३	६	३०	६	३९	३०	२८	५	२६	५	३७
१५	बु	४	२८	०५	५०	५८	२८	३	०८	३०	२०	६	३०	६	३८	३०	२५	५	२६	५	३६
१६	गु	४	२९	०४	१८	५८	३०	२	४५	३०	१८	६	३०	६	३७	३०	२२	५	२७	५	३५
१७	शु	५	००	०२	४८	५८	३२	२	२२	३०	१५	६	३०	६	३६	३०	१८	५	२७	५	३४
१८	श	५	०१	०१	२०	५८	३४	१	५९	३०	१२	६	३०	६	३५	३०	१५	५	२७	५	३३
१९	र	५	०१	५९	५३	५८	३६	१	३६	३०	१०	६	३०	६	३४	३०	१२	५	२७	५	३२
२०	चं	५	०२	५८	२९	५८	३८	१	१२	३०	०७	६	३१	६	३३	३०	०९	५	२८	५	३१
२१	मं	५	०३	५७	०७	५८	४०	०	४९	३०	०४	६	३१	६	३३	३०	०६	५	२८	५	३०
२२	बु	५	०४	५५	४६	५८	४२	०	२६	३०	०२	६	३१	६	३२	३०	०२	५	२८	५	२९
२३	गु	५	०५	५४	२८	५८	४३	०	०२+	२९	५९	६	३१	६	३१	२९	५९	५	२९	५	२८

[J हरिवासरः ३०।०६ से, पूफा. बुधः ८।३२ [B रंभारोपणं, पातस्पर्शः १५।०२, मोक्षः १९।५० [D कु. संध्यापूजा, भा. अश्विनारंभः, सायनतुलायांभानुः ८।५१

संक्रांति फलम्

ता. १६ सितंबर २०१०, भा. शु. ९ गुरौ कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. २९।१८ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो .ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) २९।१८ से भृगौ ११।४२ तक। (दान- गृह वस्त्र)

अयनांशाः २३।५९।४१

२४ पं. भा.शु.१४ बु. इष्टघटी -१।४८

(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	६	४	११	६	५	८	५
०४	१०	१७	०४	१५	१२	१३	०४
५५	४५	१६	१९	०४	४७	३७	१८
२०	१०	३६	३८	२८	५४	४०	५३
५८	४०	७७	८	३०	७	३	५८
४२	३४	२९	००	२५	२२	११	४२
उफा	स्वा	पूफा	उभा	स्वा	ह	पूषा	उफा
३	२	२	१व	३	१	१	३



आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, २४ सितंबर से ७ अक्टूबर तक नवलगढ | चंद्रः | तारीख | शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति महा., सितंबर-अक्टूबर २०१०

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	
१	शु	२६	०४	१६	४८	उभा	१२	५७	११	३३	वृ	२६	१८	१६	५४	कौ	२६	०४	१६	४८	२९ ५५	६ २३	६ २०	मीने	२	१४	२४	[B (सौरः २५।३१) मूले-४ राहुः १९।४१, आर्द्रा.-२ केतुः १९।४१
२	श	३०	३२	१८	३६	रेव	१८	५५	१३	५७	ध्रु	२७	१५	१७	१७	ग	३०	३२	१८	३६	५१	२३	१९	मेषे १३।५७	३	१५	२५	पंचक समाप्तिः १३।५७
३	र	३४	१६	२०	०६	अश्वि	२४	१२	१६	०४	व्या	२७	३८	१७	२७	व	२	३०	७	२३	४७	२३	१८	मेषे	४	१६	२६	भ. ७।२३ उ. २०।०६ या., हस्ते-२ शनिः १४।४७
४	सो	३७	०६	२१	१४	भर	२८	३९	१७	५१	ह	२७	२०	१७	२०	ब	५	४८	८	४३	४३	२४	१७	वृषे २४।१५	५	१७	२७	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।३१, भरणी श्राद्ध. हस्ते रविः १०।४२ B
५	मं	३८	५२	२१	५७	कृति	३२	०४	१९	१४	व	२६	१५	१६	५४	कौ	८	०७	९	३९	३९	२४	१६	वृषे	६	१८	२८	चंद्रषष्ठी, उफा. बुधः १२।४४
६	बु	३९	२२	२२	१०	रोहि	३४	१७	२०	०८	सि	२४	१२	१६	०६	ग	९	१६	१०	०७	३५	२५	१५	वृषे	७	१९	२९	भ. २२।१० उ., (व) पूभा.-४ गुरुः १८।४३
७	गु	३८	२६	२१	४८	मृग	३५	०८	२०	२९	व्य	२१	०३	१४	५०	वि	९	०४	१०	०३	३०	२५	१४	मिथु. ८।२३	८	२०	३०	भ. १०।०३ या., श्रीमहालक्ष्मी व्र., कन्यायां बुधः ११।२५
८	शु.	३५	५७	२०	४९	आर्द्रा	३४	२८	२०	१३	व	१६	४२	१३	०७	बा	७	२३	९	२३	२६	२६	१२	मिथु.	९	२१	१	अशोकाष्टमी, अक्टूबर १० ता. ३१
९	श	३१	५४	१९	१२	पुन	३२	१३	१९	२०	प	११	०५	१०	५२	तै	४	०७	८	०५	२२	२६	११	कर्के १३।३६	१०	२२	२	भ. ३०।१० उ., सौभाग्यवतीनां श्राद्धं, गांधी जयन्ती, बुधास्तः C
१०	र	२६	१९	१६	५९	पुष्य	२८	२८	१७	५०	शि	४ ५६	१३ ११	८ २८	०८ ५५	वि	२६	१९	१६	५९	१८	२७	१०	कर्के	११	२३	३	भ. १६।५९ या. [C पूर्वस्याम् २७।२२
११	सो	१९	२३	१४	१३	श्ले	२३	२२	१५	४८	सा	४७	०७	२५	१८	बा	१९	२३	१४	१३	१४	२७	०९	सिंहे १५।४८	१२	२४	४	इंदिरा ११ व्र., सन्यासिनां श्राद्धं [D से २४।१६ तक
१२	मं	११	२९	११	००	मघा	१७	१२	१३	२०	शु	३७	१८	२१	२३	तै	११	२९	११	००	१०	२८	०८	सिंहे	१३	२५	५	प्रदोषः,युगादि, गजच्छायायोगः ११।०० से १३।२० तक, पातस्पर्शः A
१३	बु	२	३४	७	३०	पूफा	१०	१८	१०	३६	शु	२७	०१	१७	१७	व	२	३४	७	३०	०६	२८	०७	कन्या १५।५३	१४	२६	६	भ. ७।३० उ. १७।४१ या., मासिकशिवरात्री व्र., शस्त्रादि हतानां श्राद्धं
१४	बु	५३	२८	२७	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A ११।२८, मोक्षः १५।२२, विशा. भौमः १९।०३, हस्ते बुधः २६।३०
३०	गु	४४	२८	२४	१६	उफा	३ ५६	०९ १३	७ २८	४४ ५८	ब्र	१६	३८	१३	०८	च	१८	५४	१४	०३	०२	२९	०६	कन्या	१५	२७	७	देवपितृकार्येऽमा., सर्वपितृ श्राद्धम्, गजच्छाया (बोधायन) ७।४४ D

अयनांशाः २३।५९।४२
२५ पं. आ.कृ. ६ बु. इष्टघटी -१।३९
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	६	४	११	६	५	८	५
११	१५	२७	०३	१८	१३	१३	११
४६	३०	५४	२४	०३	३९	१५	१०
५२	३५	०७	०२	३५	३४	२५	३७
५८	४१	१०३	७	१८	७	३	५८
५५	०३	२३	४९	३३	२४	११	५८
ह	स्वा	उफा	उभा	स्वा	ह	मू	ह
१	३	१	१व	४	२	४	१



सितम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२४ शु	५	०६	५३	११	५८	४६	०	२१-	२९	५६	६	३१	६	३०	२९	५६	५	२९	५	२७
२५ श	५	०७	५१	५७	५८	४७	०	४४	२९	५४	६	३३	६	२९	२९	५३	५	२९	५	२६
२६ र	५	०८	५०	४४	५८	४९	१	०८	२९	५१	६	३२	६	२८	२९	५०	५	२९	५	२५
२७ चं	५	०९	४९	३४	५८	५२	१	३१	२९	४९	६	३२	६	२७	२९	४६	५	३०	५	२४
२८ मं	५	१०	४८	२५	५८	५४	१	५४	२९	४६	६	३२	६	२६	२९	४३	५	३०	५	२३
२९ बु	५	११	४७	१९	५८	५६	२	१८	२९	४३	६	३२	६	२६	२९	४०	५	३०	५	२२
३० गु	५	१२	४६	१४	५८	५७	२	४१	२९	४१	६	३२	६	२५	२९	३७	५	३१	५	२१
१ शु	५	१३	४५	१२	५९	००	३	०४	२९	३८	६	३३	६	२४	२९	३४	५	३१	५	२०
२ श	५	१४	४४	११	५९	०२	३	२८	२९	३५	६	३३	६	२३	२९	३०	५	३१	५	१९
३ र	५	१५	४३	१३	५९	०४	३	५१	२९	३३	६	३३	६	२२	२९	२७	५	३२	५	१९
४ चं	५	१६	४२	१७	५९	०६	४	१४	२९	३०	६	३३	६	२१	२९	२४	५	३२	५	१८
५ मं	५	१७	४१	२२	५९	०८	४	३७	२९	२७	६	३४	६	२१	२९	२१	५	३२	५	१७
६ बु	५	१८	४०	३०	५९	१०	५	००	२९	२५	६	३४	६	२०	२९	१८	५	३३	५	१६
७ गु	५	१९	३९	४०	५९	१२	५	२३	२९	२२	६	३४	६	१९	२९	१४	५	३३	५	१५

मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा- ॥प्रजावृद्धिस्तुभार्गवे॥ पांच शनिवार होने से महँगाई हो। आश्विन कृष्ण एकादशी को सोमवार होने से गाय भैंस महँगी हों। गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हों दुःख का नाश हो। आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो। पूर्णिमा शुक्रवार और रेवती युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। पूर्णिमा शनिवार युक्त नेष्ट है। रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों।

अयनांशाः २३।५९।४३
२६ पं. आ.कृ.१३ बु. इष्टघटी -१।३१
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	६	५	११	६	५	८	५
१८	२०	१०	०२	१९	१४	१२	१८
४०	१९	१६	३०	३०	३१	५३	०४
०४	२३	५२	४३	२३	२१	०९	१४
५९	४१	१०७	७	३	७	३	५९
१०	३२	१८	१९	३८	२३	११	१५
ह	वि	ह	पूभा	स्वा	ह	मू	ह
३	१	१	४व	४	२	४	३.

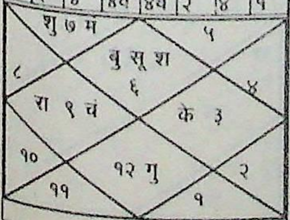


आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, ८ अक्टूबर से २३ अक्टूबर तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | शरदृतु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ६७६०, अक्टूबर २०१०

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टं. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	शु	३६	०३	२०	५५	चित्रा	४९	५७	२६	२८	ऐ	६/५७	३१/०४	९/२९	०६/१२	किं	१०	०९	१०	३३	२८/५८	६/२९	६/०५	तुला. १५।४०	१६	२८	८	नवरात्रारम्भः, घटस्था.अग्रसेनजयंती, मातामहश्रा., वक्रीशुक्रः १८।५९
२	श	२८	४१	१७	५९	स्वा	४४	५२	२४	२७	वि	४८	३७	२५	५७	बा	२	१२	७	२३	५४	३०	०४	तुला.	१७	२९	९	चंद्रदर्शनम् (मु.१५) [B समाप्तिः २०।१८, बंगीय लक्ष्मी पूजा, D
३	र	२२	४८	१५	३८	विशा	४१	२२	२३	०३	प्री	४१	२८	२३	०६	ग	२२	४८	१५	३८	५०	३०	०२	वृश्चि. १७।२०	१८	१	१०	भ. २६।४३ उ., जिल्काद ११, चित्रा. रविः २३।४२
४	सो	१८	४४	१४	०१	अनु	३९	४५	२२	२५	आ	३५	५१	२०	५२	वि	१८	४४	१४	०१	४६	३१	०१	वृश्चि.	१९	२	११	भ. १४।०१ या.,चित्रा.सौरः१४।०० [D नवान्नभक्षण, आश्वयुजीकर्म K
५	मं	१६	४३	१३	१३	ज्ये	४०	१२	२२	३६	सौ	३१	५६	१९	१८	बा	१६	४३	१३	१३	४२	३२	००	धनु. २२।३६	२०	३	१२	उपांग ललिता व्र. [C पातस्पर्शः २०।३०, मोक्षः २५।४६, तुलायां G
६	बु	१६	५२	१३	१७	मूल	४२	४४	२३	३८	शो	२९	४१	१८	२४	तै	१६	५२	१३	१७	३८	३२	५/५९	धनु.	२१	४	१३	सरस्वती आवाहनं मूलभे, चित्रा. बुधः १५।२७ [G रविः १७।१६, H
७	गु	१९	०५	१४	१०	पूषा	४७	११	२५	२५	अ	२८	५९	१८	०८	व	१९	०५	१४	१०	३४	३३	५८	धनु.	२२	५	१४	भ. १४।१० उ. २६।५५ या.,भद्रकाली अवतार, सरस्वती पूजनं पू.षाभे
८	शु	२३	०६	१५	४८	उषा	५३	१२	२७	५०	सु	२९	३७	१८	२४	ब	२३	०६	१५	४८	३०	३३	५७	मक. ७।५८	२३	६	१५	महाष्टमी, शस्त्रादि पूजा, बलिदानं उ.षाभे, शनेरुदयः पूर्वस्याम् २९।३६
९	श	२८	२९	१७	५८	श्रव	...	...	...	...	धृ	३१	१५	१९	०४	कौ	२८	२९	१७	५८	२६	३४	५६	मक.	२४	७	१६	मन्वादि, शुक्रास्तः पश्चिमायाम् १९।२४ [K (आश्वलायनशास्त्रा)
१०	र	३४	४१	२०	२७	श्रव	०	१५	६	४०	शू	३३	२८	१९	५७	तै	१	३१	७	११	२२	३४	५५	कुंभे २०।११	२५	८	१७	विजया १०, शमीपूजा, पट्टाभिषेक, बोद्धावतार, सरस्वती विसर्जनं A
११	सो	४१	०८	२३	०२	धनि	७	५०	९	४३	गं	३५	५१	२०	५५	व	७	५४	९	४५	१८	३५	५४	कुं	२६	९	१८	भ. ९।४५ उ. २३।०२ या., पापांकुशा ११ व्र., तुलायां सौरः ७।१२
१२	मं	४७	१६	२५	३०	शत	१५	२१	१२	४४	वृ	३८	०१	२१	४८	ब	१४	१४	१२	१७	१४	३६	५३	कुंभे	२७	१०	१९	कार्त्तिके द्विदलंत्यजेत्, वृश्चिके भौमः २६।१८ [H तुलायां बुधः १२।४१
१३	बु	५२	४६	२७	४३	पूभा	२२	२५	१५	३४	ध्रु	३९	४५	२२	३०	कौ	२०	०६	१४	३८	११	३६	५२	मीने ८।५३	२८	११	२०	प्रदोषः [A श्रवणे, पंचकप्रारम्भः २०।११, आकाशदीपारंभः, C
१४	गु	५७	२५	२९	३५	उभा	२८	४४	१८	०६	व्या	४०	५१	२२	५७	ग	२५	११	१६	४१	०७	३७	५१	मीने	२९	१२	२१	भ. २९।३५ उ., स्वा. बुधः १२।१९ [E १८।१४. हस्ते-३ शनिः २२।१३
१५	शु	...	...	...	...	रेव	३४	११	२०	१८	ह	४१	१६	२३	०८	वि	२९	२३	१८	२२	०३	३७	५१	मेषे २०।१८	३०	१३	२२	भ. १८।२२ या., पूर्णिमा व्रतं, शरद पूर्णिमा, कोजागरी व्र., पंचक B
१५	श	१	०७	७	०५	अश्वि	३८	४५	२२	०८	व	४०	५९	२३	०२	ब	१	०७	७	०५	२७/५९	३८	५०	मेषे	१	१४	२३	पूर्णिमापुण्यं, कार्तिकस्नानप्रा., भा.कार्तिकारंभः, सायन वृश्चिकेभानुः E

अयनांशाः २३।५९।४४
२७ पं. आ.शु. ६ बु. इष्टघटी -१।२२
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	६	५	११	६	५	८	५
२५	२५	२२	०१	१९	१५	१२	२४
३४	११	४०	४१	०५	२२	३०	५९
५५	३३	१२	३८	०७	५२	५४	४५
५९	४२	१०४	६	१३	७	३	५९
२४	०१	०७	३४	२६	१९	११	३१
चि	वि	ह	पूभा	स्वा	ह	म	चि
१	२	४	४व	४व	२	४	१



अक्टुबर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम		रवि				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
८	शु	५	२०	३८	५२	५९	१४	५	४६	२९	१९	६	३४	६	१८	२९	११	५	३३	५	१४
९	श	५	२१	३८	०६	५९	१६	६	०९	२९	१७	६	३५	६	१७	२९	०८	५	३४	५	१३
१०	र	५	२२	३७	२२	५९	१८	६	३२	२९	१४	६	३५	६	१६	२९	०५	५	३४	५	१२
११	चं	५	२३	३६	४०	५९	२०	६	५५	२९	१२	६	३५	६	१६	२९	०२	५	३४	५	११
१२	मं	५	२४	३६	००	५९	२२	७	१७	२९	०९	६	३५	६	१५	२८	५९	५	३५	५	१०
१३	बु	५	२५	३५	२२	५९	२४	७	४०	२९	०६	६	३६	६	१४	२८	५५	५	३५	५	०९
१४	गु	५	२६	३४	४६	५९	२६	८	०२	२९	०४	६	३६	६	१३	२८	५२	५	३६	५	०९
१५	शु	५	२७	३४	१२	५९	२८	८	२४	२९	०१	६	३६	६	१३	२८	४९	५	३६	५	०८
१६	श	५	२८	३३	४१	५९	३०	८	४७	२८	५९	६	३६	६	१२	२८	४६	५	३६	५	०७
१७	र	५	२९	३३	११	५९	३२	९	०९	२८	५६	६	३७	६	११	२८	४३	५	३७	५	०६
१८	चं	६	००	३२	४३	५९	३४	९	३१	२८	५४	६	३७	६	१०	२८	४०	५	३७	५	०५
१९	मं	६	०१	३२	१८	५९	३६	९	५२	२८	५१	६	३७	६	१०	२८	३७	५	३८	५	०४
२०	बु	६	०२	३१	५४	५९	३८	१०	१४	२८	४९	६	३८	६	०९	२८	३४	५	३८	५	०४
२१	गु	६	०३	३१	३३	५९	४०	१०	३५	२८	४६	६	३८	६	०८	२८	३१	५	३९	५	०३
२२	शु	६	०४	३१	१३	५९	४२	१०	५७	२८	४४	६	३८	६	०८	२८	२८	५	३९	५	०२
२३	श	६	०५	३०	५५	५९	४४	११	१८	२८	४१	६	३९	६	०७	२८	२५	५	३९	५	०१

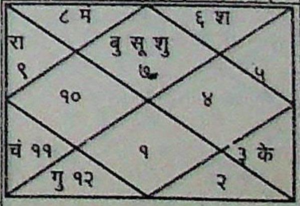
संक्रांति फलम्

ता. १७ अक्टूबर २०१०

आश्वि. शु. १० रवौ तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. १७।१६ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रास्तः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) ११।१६ से २३।१६ तक । (दान- तिल गोरस) ।

अयनांशाः २३।५९।४५
२८ पं. आ.शु.१३ बु. इष्टघटी -१।१२
(रेल्वे घं. मि. ६।५६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	७	६	११	६	५	८	६
०२	००	०४	००	१६	१६	१२	०१
३१	०७	३५	५८	४१	१३	०८	५७
२७	०१	२९	३४	३३	४५	३८	०८
५९	४२	९९	५	२९	७	३	५९
३८	२९	३४	३४	१०	१२	११	४७
चि	वि	चि	पूभा	स्वा	ह	मू	चि
३	४	४	४व	४व	२	४	३



कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, २४ अक्टूबर से ६ नवंबर तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति महा., अक्टूबर-नवंबर २०१०

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	र	३	५५	८	१३	भर	४२	२६	२३	३७	सि	३९	५९	२२	३८	कौ	३	५५	८	१३	२७ ५५	६ ३९	५ ४९	वृषे २९।५६	२	१५	२४	स्वा. रविः १०।१२ (सौरः २३।४२), अनु. भौमः १९।००
२	सो	५	४९	८	५९	कृति	४५	१५	२४	४५	व्य	३८	१८	२१	५८	ग	५	४९	८	५९	५१	३९	४८	वृषे	३	१६	२५	भ. २१।१४ उ.
३	मं	६	४९	९	२४	रोहि	४७	११	२५	३२	व	३५	५४	२१	०१	वि	६	४९	९	२४	४८	४०	४७	वृषे	४	१७	२६	भ. ९।२४ या., करवा ४ चन्द्रोदयः २०।०७, दशरथ ललिता व्र.
४	बु	६	५५	९	२६	मृग	४८	१०	२५	५७	प	३२	४५	१९	४७	बा	६	५५	९	२६	४४	४१	४६	मिथु. १३।४७	५	१८	२७	[A मार्गपाली बंधन, विशा. रविः १८।१९, (व) चित्रा. शुक्रः १३।१८
५	गु	६	००	९	०५	आर्द्रा	४८	०९	२५	५७	शि	२८	४९	१८	१३	तै	६	००	९	०५	४०	४१	४५	मिथु.	६	१९	२८	स्कन्द षष्ठी [D कुबेर पू.,
६	शु	४	०२	८	१९	पुन	४७	०३	२५	३१	सि	२४	०१	१६	१८	व	४	०२	८	१९	३७	४२	४४	कर्के १९।४०	७	२०	२९	भ. ८।१९ उ. १९।४५ या., विशा. बुधः १९।०५
७	श	०	५७	७	०५	पुष्य	४४	४९	२४	३८	सा	१८	१९	१४	०२	ब	०	५७	७	०५	३३	४३	४४	कर्के	८	२१	३०	होई (अहोरी) ८, पातस्पर्शः २५।४२, मोक्षः ३०।३६
८	श	५६	४५	२९	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[C (व) कुंभे पूभा.-३ गुरुः २५।५०
९	र	५१	२६	२७	१८	श्ले	४१	२९	२३	१९	शु	११	४२	११	२४	तै	२४	१३	१६	२४	२९	४३	४३	सिंहे २३।१९	९	२२	३१	[B गोत्रिरात्र व्र., दीपदानं, वृश्चिके बुधः २९।५६
१०	सो	४५	०९	२४	४७	मघा	३७	१०	२१	३६	शु	४ ५६	१३ ०१	८ २१	२५ ०८	व	१८	२३	१४	०५	२६	४४	४२	सिंहे	१०	२३	१	भ. १४।०५ उ. २४।४७ या., नवंबर ११ ता. ३०, C
११	मं	३८	०६	२१	५९	पूफा	३२	०४	१९	३४	ऐ	४७	१३	२५	३८	ब	११	४२	११	२५	२२	४५	४१	कन्या २५।०१	११	२४	२	रमा ११ व्र., [शुक्रोदयः पूर्वस्याम् २२।००]
१२	बु	३०	३७	१९	००	उफा	२६	२७	१७	२०	वै	३८	०४	२१	५९	कौ	४	२३	८	३१	१९	४५	४१	कन्या	१२	२५	३	गोवत्स द्वादशी, धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, यमायदीपदानं
१३	गु	२३	००	१५	५८	हस्त	२०	४२	१५	०३	वि	२८	५२	१८	१९	व	२३	००	१५	५८	१५	४६	४०	तुला. २५।५६	१३	२६	४	भ. १५।५८ उ. २६।२९ या., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., B
१४	शु	१५	३९	१३	०२	चित्रा	१५	११	१२	५१	प्री	१९	५५	१४	४५	श	१५	३९	१३	०२	१२	४७	३९	तुला.	१४	२७	५	पितृकार्येऽमा., रुप (नरक) १४, प्रभात स्नानं महालक्ष्मी पूजा, D
३०	श	८	५७	१०	२२	स्वा	१०	२०	१०	५६	आ	११	३३	११	२५	ना	८	५७	१०	२२	०८	४७	३९	वृश्चि. २७।४५	१५	२८	६	देवकार्येऽमा., बलीपूजा, गोवर्धन पू., अन्नकूटं देशाचारे, गोक्रीडा, A

शुक्रोदयः

अयनांशाः २३।५९।४६
२९ पं. का.कृ. ४ बु. इष्टघटी -१।०१
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	७	६	११	६	५	८	६
०९	०५	१५	००	१२	१७	११	०८
२९	०५	५९	२३	४६	०३	४६	५६
३८	४५	२४	००	१८	३६	२३	२०
५९	४२	१५	४	३७	७	३	६०
५२	५६	२२	२४	३३	०१	११	०२
स्वा	अनु	स्वा	पूभा	स्वा	ह	मू	स्वा
१	१	३	४व	२व	३	४	१



अक्टुबर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२४ र	६	०६	३०	४०	५९	४६	११	३९	२८	३९	६	३९	६	०६	२८	२२	५	४०	५	०१
२५ चं	६	०७	३०	२६	५९	४८	१२	००	२८	३६	६	३९	६	०६	२८	१९	५	४०	५	००
२६ मं	६	०८	३०	१५	५९	५०	१२	२०	२८	३४	६	४०	६	०५	२८	१६	५	४१	४	५९
२७ बु	६	०९	३०	०५	५९	५२	१२	४१	२८	३१	६	४०	६	०५	२८	१३	५	४१	४	५८
२८ गु	६	१०	२९	५७	५९	५४	१३	०१	२८	२९	६	४१	६	०४	२८	१०	५	४२	४	५८
२९ शु	६	११	२९	५२	५९	५६	१३	२१	२८	२६	६	४१	६	०४	२८	०७	५	४२	४	५७
३० श	६	१२	२९	४८	५९	५८	१३	४१	२८	२४	६	४१	६	०३	२८	०४	५	४३	४	५६
३१ र	६	१३	२९	४६	६०	००	१४	०१	२८	२२	६	४२	६	०३	२८	०१	५	४३	४	५६
१ चं	६	१४	२९	४६	६०	०२	१४	२०	२८	१९	६	४२	६	०२	२७	५८	५	४४	४	५५
२ मं	६	१५	२९	४८	६०	०४	१४	३९	२८	१७	६	४३	६	०२	२७	५५	५	४४	४	५५
३ बु	६	१६	२९	५२	६०	०६	१४	५८	२८	१५	६	४३	६	०१	२७	५३	५	४५	४	५४
४ गु	६	१७	२९	५७	६०	०७	१५	१७	२८	१३	६	४४	६	०१	२७	५०	५	४६	४	५४
५ शु	६	१८	३०	०५	६०	०९	१५	३५	२८	१०	६	४४	६	००	२७	४७	५	४६	४	५३
६ श	६	१९	३०	१४	६०	११	१५	५३	२८	०८	६	४५	६	००	२७	४५	५	४७	४	५३

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट हैं। पंचमी को आर्द्रा होने से घास का भाव तेज हो और अल्पवृष्टि से चौपाये पीड़ित हों। अमावस्या को स्वाति होने से दुर्भिक्ष (महर्घ) हो, और शनिवारी होने से अन्न तेज हो। शुक्ला सप्तमी शनिवार होने से धान्य और सफेद वस्तु के भावों में तेजी हो। पूर्णिमा को कृतिका की वृद्धि होने से भाव सस्ते हों। मंगलवार की सक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों।

अयनांशाः २३।५९।४७
३० पं. का.कृ.१२ बु. इष्टघटी -२।४९
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

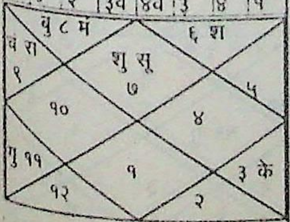
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	७	६	१०	६	५	८	६
१६	१०	२६	२९	०८	१७	११	१५
२९	०७	५७	५६	२६	५२	२४	५७
२५	४०	०४	०४	३९	०२	०८	१७
६०	४३	९२	३	३४	६	३	६०
०६	२३	१७	०५	१०	४७	११	१६
स्वा	अनु	वि	पूभा	स्वा	ह	मू	स्वा
३	३	३	३व	१व	३	४	३



कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, ७ नवंबर से २१ नवंबर तक नवलगढ																								चंद्रः	तारीख			हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ६७९०, नवंबर २०१०
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	र	३	१९	८	०८	विशा	६	३२	९	२५	सौ	४ ५७	०२ ४१	८ २९	२५ ५२	व	३	१९	८	०८	२७ ०५	६ ४८	५ ३८	वृश्चि.	१६	२९	७	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), भ्रातृ २, यम २, यमुनास्नानं, कलमदवात पू., B
२	र	५९	०७	३०	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	|B गुर्जराणां नूतन वर्षारंभः, विशा. सौरः ६।५०, अनु. बुधः १०।२७
३	सो	५६	३६	२९	२७	अनु	४	०९	८	२९	अ	५२	३८	२७	५२	तै	२७	३७	१७	५२	०१	४९	३७	वृश्चि.	१७	१	८	जिल्हेज १२ |A जयंती, गोपद्मव्रत समाप्ति, त्रिपुरोत्सव, भीष्म C
४	मं	५५	५६	२९	१२	ज्ये	३	२७	८	१२	सु	४९	०३	२६	२७	व	२६	००	१७	१४	२६ ५८	५०	३७	धनु. ८।१२	१८	२	९	भ. १७।१४ उ. २९।१२ या., दूर्वागणपति व्र.
५	बु	५७	१३	२९	४४	मूल	४	३५	८	४०	धृ	४६	५९	२५	३८	व	२६	१९	१७	२२	५५	५०	३६	धनु.	१९	३	१०	सौभाग्य ५, पाण्डव ५ [C पंचक समाप्ति, कार्तिक स्नान पूर्तिः
६	गु	...	...	...	...	पूषा	७	३६	९	५३	शू	४६	२१	२५	२४	कौ	२८	३४	१८	१७	५२	५१	३६	मक. १६।१९	२०	४	११	पातस्पर्शः २६।२४, ज्येष्ठा. भौमः ३०।०३ [E सौरः ११।४४
६	शु	०	२१	७	००	उषा	१२	२२	११	४९	गं	४६	५९	२५	४०	तै	०	२१	७	००	४८	५२	३५	मक.	२१	५	१२	कल्पादि, पातमोक्षः ९।११ [D चतुर्मास व्रतसमाप्तिः, भीष्म पंचक प्रा.
७	श	५	०५	८	५५	श्रव	१८	३५	१४	१९	वृ	४८	३४	२६	१८	व	५	०५	८	५५	४५	५३	३५	कुंभे २७।४३	२२	६	१३	भ. ८।५५ उ. २२।०४ या., पंचक प्रारम्भः २७।४३ [J शुक्रः १५।४५
८	र	१०	५९	११	१७	धनि	२५	४६	१७	१२	ध्रु	५०	४२	२७	१०	व	१०	५९	११	१७	४२	५३	३४	कुंभे	२३	७	१४	गोपाष्टमी, नेहरुजयन्ती (बालदिवस), भौमास्तः पश्चिमायाम् २९।३३
९	सो	१७	२३	१३	५२	शत	३३	१८	२०	१३	व्या	५२	५५	२८	०४	कौ	१७	२३	१३	५२	३९	५४	३४	कुंभे	२४	८	१५	युगादि, कुष्माण्ड (अक्षय) ९, बुधोदयः पश्चिमायाम् १०।२३
१०	मं	२३	४१	१६	२३	पूभा	४०	३५	२३	०९	ह	५४	४९	२८	५१	ग	२३	४१	१६	२३	३६	५५	३३	मीने १६।२६	२५	९	१६	भ. २९।३४ उ., आकाशदीप समाप्तिः, वृश्चिके रविः १७।०० (सौरः G
११	बु	२९	१८	१८	३९	उभा	४७	०७	२५	४७	व	५६	०४	२९	२१	वि	२९	१८	१८	३९	३३	५६	३३	मीने	२६	१०	१७	भ. १८।३९ या., प्रबोधिनी ११ व्र., देवोत्थापनं, तुलसी विवाह, D
१२	गु	३३	५०	२०	२९	रेव	५२	३३	२७	५८	सि	५६	२४	२९	३०	ब	१	४१	७	३७	३०	५७	३३	मेषे २७।५८	२७	११	१८	पंचक समाप्तिः २७।५८, मन्वादि [G २८।४२), ज्येष्ठा. बुधः ९।१६
१३	शु	३७	०६	२१	४८	अश्वि	५६	४५	२९	३९	व्य	५५	४६	२९	१६	कौ	५	३७	९	१२	२८	५७	३२	मेषे	२८	१२	१९	प्रदोषः, वैकुण्ठ १४, अनु. रविः २४।२०, मार्गी गुरुः १०।४९, मार्गी J
१४	श	३९	०५	२२	३६	भर	५९	४४	३०	५२	व	५४	०९	२८	३८	ग	८	१४	१०	१६	२५	५८	३२	मेषे	२९	१३	२०	भ. २२।३६ उ., रोटक व्रत समाप्तिः, कार्तिक व्रतोद्यापनं, अनु. E
१५	र	३९	५०	२२	५५	कृति	...	...	...	...	प	५१	३६	२७	३७	वि	९	३५	१०	४९	२२	५९	३२	वृषे १३।०५	३०	१४	२१	भ. १०।४९ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, पुष्कर यात्रा, नानक A

अयनांशाः २३।५९।४८
३१ प. का.शु. ५ बु. इष्टघटी -२।३६
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	७	७	१०	६	५	८	६
२३	१५	०७	२९	०५	१८	११	२२
३०	१२	३५	३८	०३	३८	०१	५९
४२	४१	५४	३७	२७	३९	५२	५३
६०	४३	८९	१	२०	६	३	६०
१८	४९	५४	४१	४८	२९	११	३०
वि २	अनु ४	अनु २	पूभा ३व	चि ४व	ह ३	मू ४	वि १



नवम्बर रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे टाईम						कलकता रेल्वे टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	कः	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
७	र	६	२०	३०	२५	६०	१३	१६	११	२८	०६	६	४५	५	५९	२७	४२	५	४७	४	५२
८	चं	६	२१	३०	३८	६०	१५	१६	२९	२८	०४	६	४६	५	५९	२७	३९	५	४८	४	५२
९	मं	६	२२	३०	५३	६०	१६	१६	४६	२८	०२	६	४६	५	५९	२७	३७	५	४८	४	५१
१०	बु	६	२३	३१	०९	६०	१८	१७	०३	२७	५९	६	४७	५	५८	२७	३४	५	४९	४	५१
११	गु	६	२४	३१	२८	६०	२०	१७	२०	२७	५७	६	४७	५	५८	२७	३२	५	५०	४	५०
१२	शु	६	२५	३१	४७	६०	२२	१७	३७	२७	५५	६	४८	५	५८	२७	२९	५	५०	४	५०
१३	श	६	२६	३२	०९	६०	२३	१७	५३	२७	५३	६	४८	५	५७	२७	२७	५	५१	४	५०
१४	र	६	२७	३२	३२	६०	२५	१८	०९	२७	५१	६	४९	५	५७	२७	२४	५	५२	४	४९
१५	चं	६	२८	३२	५७	६०	२७	१८	२४	२७	४९	६	४९	५	५७	२७	२२	५	५२	४	४९
१६	मं	६	२९	३३	२४	६०	२८	१८	४०	२७	४७	६	५०	५	५७	२७	१९	५	५३	४	४९
१७	बु	७	००	३३	५२	६०	३०	१८	५५	२७	४६	६	५०	५	५७	२७	१७	५	५३	४	४८
१८	गु	७	०१	३४	२२	६०	३१	१९	०९	२७	४४	६	५१	५	५६	२७	१५	५	५४	४	४८
१९	शु	७	०२	३४	५३	६०	३३	१९	२३	२७	४२	६	५२	५	५६	२७	१३	५	५५	४	४८
२०	श	७	०३	३५	२६	६०	३४	१९	३७	२७	४०	६	५२	५	५६	२७	११	५	५५	४	४८
२१	र	७	०४	३६	००	६०	३६	१९	५१	२७	३८	६	५३	५	५६	२७	०८	५	५६	४	४८

संक्रांति फलम्

ता. १६ नवंबर २०१०

का. शु. १० भौमे वृश्चिकेऽर्कः प. (स्टै.) टा. १७।०० वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १०।३६ से १७।०० तक। (दान- दीप)।

अयनांशाः २३।५९।४९
३२ पं. का.शु.११ बु. इष्टघटी -२।२३
(रेल्वे घं. मि.॰ ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	७	७	१०	६	५	८	७
००	२०	१७	२९	०३	१९	१०	००
३३	२०	५६	३१	२९	२३	३९	०३
२५	४४	१४	०७	१८	०३	३७	५९
६०	४४	८६	०	३	६	३	६०
३०	१५	२६	१५	२७	०८	११	४२
वि ४	ज्ये २	ज्ये १	पूभा ३व	चि ४व	ह ३	मू ४	वि ४

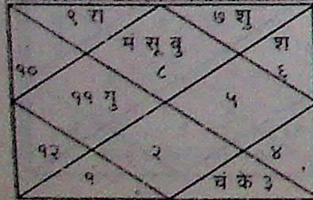


।। श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम् ।।

मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, २२ नवंबर से ५ दिसंबर तक नवलगढ																								चंद्रः	तारीख			हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति महा., नवंबर-दिसंबर २०१०
ति.	वा.	घ	प.	चं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	सो	३९	२९	२२	४७	कृति	१	३१	७	३६	शि	४८	१४	२६	१७	बा	९	४६	१०	५४	२६/२०	७/००	५/३१	वृषे	१	१५	२२	भा. मार्गशीर्षारंभः, सायन धनुषि भानुः १५।४७
२	मं	३८	०९	२२	१६	रोहि	२	१९	७	५६	सि	४४	०६	२४	३९	तै	८	५५	१०	३५	१७	००	३१	मिथु. १९।५७	२	१६	२३	हस्ते-४ शनिः १०।१६
३	बु	३५	५८	२१	२४	मृग	२	१२	७	५४	सा	३९	१९	२२	४५	व	७	०८	९	५२	१५	०१	३१	मिथु.	३	१७	२४	भ. ९।५२ उ. २१।२४ या., सौभाग्य सुंदरी व्र.
४	गु	३३	०१	२०	१४	आर्द्रा	१/५९	१७/४१	७/३०	३३/५४	शु	३३	५४	२०	३५	ब	४	३४	८	५२	१२	०२	३१	कर्के २५।०५	४	१८	२५	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।००, पातस्पर्शः ११।३४, मोक्षः १९।२५, B
५	शु	२९	२१	१८	४७	पुष्य	५७	२४	३०	००	शु	२७	५७	१८	१४	कौ	१	१५	७	३३	१०	०३	३१	कर्के	५	१९	२६	[B धनुषि मूले बुधः २४।५७
६	श	२५	०५	१७	०५	श्ले	५४	३२	२८	५२	ब्र	२१	३०	१५	३९	व	२५	०५	१७	०५	०८	०४	३१	सिंहे २८।५२	६	२०	२७	भ. १७।०५ उ. २८।०९ या.
७	र	२०	१५	१५	१०	मघा	५१	१०	२७	३२	ऐ	१४	३५	१२	५४	ब	२०	१५	१५	१०	०५	०४	३०	सिंहे	७	२१	२८	कालभैरवाष्टमी
८	सो	१४	५७	१३	०४	पूफा	४७	२४	२६	०३	वै	७/५९	३८/४६	१०/३०	००/५९	कौ	१४	५७	१३	०४	०३	०५	३०	सिंहे	८	२२	२९	धनुषि मूले भौमः ३०।०२, मूलें-३ राहुः १७।१६, आर्द्रा.-१ C
९	मं	९	२०	१०	५०	उफा	४३	२३	२४	२७	प्री	५२	०१	२७	५४	ग	९	२०	१०	५०	०१	०६	३०	कन्या ७।३९	९	२३	३०	भ. २१।४० उ.
१०	बु	३	३१	८	३१	हस्त	३९	२०	२२	५१	आ	४४	१६	२४	४९	वि	३	३१	८	३१	२५	०७	३०	कन्या	१०	२४	१	भ. ८।३१ या., उत्पत्ति ११ व्र.स्मार्त, वैतरणी व्र., दिसंबर १२ ता. ३१
११	बु	५७	४७	३०	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०/५९	०	०	०	०	०	०	[C केतुः १७।१६
१२	गु	५२	१६	२८	०२	चित्रा	३५	२७	२१	१८	सौ	३६	४०	२१	४७	कौ	२४	५८	१७	०७	५७	०७	३०	तुला. १०।०४	११	२५	२	उत्पत्ति ११ व्र.वैष्ण., ज्येष्ठा. रविः २८।३६, स्वा. शुक्रः ९।१९
१३	शु	४७	१७	२६	०३	स्वा	३२	०१	१९	५६	शो	२९	२६	१८	५५	ग	१९	४१	१५	०१	५६	०८	३०	तुला.	१२	२६	३	भ. २६।०३ उ., प्रदोषः, ज्येष्ठा. सौरः १४।४९
१४	श	४३	०५	२४	२३	विशा	२९	१६	१८	५१	अ	२२	४५	१६	१५	वि	१५	०३	१३	१०	५४	०९	३०	वृश्चि. १३।०६	१३	२७	४	भ. १३।१० या., मासिकशिवरात्री व्र.]A गुरुः १८।५६
३०	र	३९	५३	२३	०७	अनु	२७	२८	१८	०९	सु	१६	४८	१३	५३	च	११	१९	११	४१	५२	१०	३०	वृश्चि.	१४	२८	५	देवपितृकार्येऽमा., गौरीतपोव्र., महाव्रतारंभः, मीने पूभा.-४ A

अयनांशाः २३।५९।५०
३३ पं. मा.कृ. ३ बु. इष्टघटी -२।०९
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	७	७	१०	६	५	८	७
०७	२५	२७	२९	०३	२०	१०	०७
३७	३१	४१	३३	५५	०४	१७	०९
२५	४२	३४	४५	५५	५०	२१	२८
६०	४४	७८	१	१३	५	३	६०
४०	३९	३७	१२	०२	४४	११	५३
अनु	ज्ये	ज्ये	पूभा	चि	ह	मू	अनु
२	३	४	३	४	४	४	२



नवम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकत्ता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२२	चं	७	०५	३६	३६	६०	३७	२०	०४	२७	३७	६	५३	५	५६	२७	०६	५	५७	४	४७
२३	मं	७	०६	३७	१४	६०	३९	२०	१७	२७	३५	६	५४	५	५६	२७	०४	५	५७	४	४७
२४	बु	७	०७	३७	५२	६०	४०	२०	२९	२७	३४	६	५४	५	५६	२७	०२	५	५८	४	४७
२५	गु	७	०८	३८	३३	६०	४२	२०	४१	२७	३२	६	५५	५	५६	२७	०१	५	५९	४	४७
२६	शु	७	०९	३९	१४	६०	४३	२०	५३	२७	३०	६	५६	५	५६	२६	५९	५	५९	४	४७
२७	श	७	१०	३९	५७	६०	४४	२१	०४	२७	२९	६	५६	५	५६	२६	५७	६	००	४	४७
२८	र	७	११	४०	४१	६०	४५	२१	१५	२७	२८	६	५७	५	५६	२६	५५	६	०१	४	४७
२९	चं	७	१२	४१	२७	६०	४७	२१	२६	२७	२६	६	५८	५	५६	२६	५४	६	०२	४	४७
३०	मं	७	१३	४२	१३	६०	४८	२१	३६	२७	२५	६	५८	५	५६	२६	५२	६	०२	४	४७
१	बु	७	१४	४३	०१	६०	४९	२१	४५	२७	२४	६	५९	५	५६	२६	५०	६	०३	४	४७
२	गु	७	१५	४३	५१	६०	५०	२१	५५	२७	२२	६	५९	५	५६	२६	४९	६	०४	४	४७
३	शु	७	१६	४४	४१	६०	५२	२२	०३	२७	२१	७	००	५	५७	२६	४८	६	०४	४	४७
४	श	७	१७	४५	३३	६०	५३	२२	१२	२७	२०	७	०१	५	५७	२६	४६	६	०५	४	४७
५	र	७	१८	४६	२५	६०	५४	२२	२०	२७	१९	७	०१	५	५७	२६	४५	६	०६	४	४८

मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो । इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो । अमावस को रविवार अनुराधा योग दुर्भिक्ष कारक है । पूर्णिमा मृगशिरा युक्त होने से महर्घता हो । गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें । मूल में बुध होने से पशु पक्षी और बालकों में पीड़ा हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े [illegible] हों ।

अयनांशाः २३।५९।५१
३४ पं. मा.कृ.१० बु. इष्टघटी -३।५६
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	८	८	१०	६	५	८	७
१४	००	०६	२९	०६	२०	०९	१४
४२	४५	०६	४६	०९	४३	५५	१६
३४	२६	२५	२९	४६	३६	०६	०९
६०	४५	६०	२	२६	५	३	६१
४९	०२	३६	३८	३९	१६	११	०३
अनु	मू	मू	पूभा	चि	ह	मू	अनु
४	१	२	३	४	४	३	४

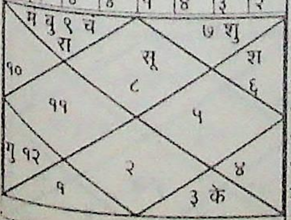


मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, ६ दिसंबर से २१ दिसंबर तकनवल[illegible] — तारीख — हेमन्तर्तु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ६८१९, दिसंबर २०१०

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	सो	३७	५८	२२	२२	ज्ये	२६	५२	१७	५५	धृ	११	४८	११	५४	किं	८	४४	१०	४०	२५ ५१	७ १०	५ ३१	धनु. १७।५५	१५	२९	६	[A १०।३३, मोक्षः २६।३२, सायन मकरे भानुः, सायन B
२	मं	३७	३१	२२	११	मूल	२७	३८	१८	१४	शू	७	५१	१०	१९	बा	७	३२	१०	१२	४९	११	३१	धनु.	१६	३०	७	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पातस्पर्शः १३।४७, मोक्षः २६।०४
३	बु	३८	३६	२२	३८	पूषा	२९	५४	१९	०९	गं	५	०५	९	१४	तै	७	५१	१०	२०	४८	१२	३१	मक. २५।२९	१७	१	८	रंभास्त्येयं, मोहोर्रम १ सन १४३२ हि.
४	गु	४१	१९	२३	४४	उषा	३३	४३	२०	४२	वृ	३	३३	८	३८	व	९	४५	११	०६	४७	१२	३१	मक.	१८	२	९	भ. ११।०६ उ. २३।४४ या.
५	शु	४५	३२	२५	२६	श्रव	३८	५९	२२	४९	ध्रु	३	१२	८	३०	ब	१३	१४	१२	३१	४५	१३	३१	मक.	१९	३	१०	नागपंचमी, वक्री बुधः ३०।४४
६	श	५१	००	२७	३८	धनि	४५	२९	२५	२५	व्या	३	५७	८	४९	कौ	१८	०७	१४	२९	४४	१४	३२	कुंभे १२।०४	२०	४	११	पंचक प्रारम्भः १२।०४, स्कंदषष्ठी
७	र	५७	१६	३०	०९	शत	५२	४६	२८	२१	ह	५	३२	९	२७	ग	२४	०३	१६	५२	४३	१४	३२	कुंभे	२१	५	१२	भ. ३०।०९ उ.
८	सो	...	...	...	...	पूभा	...	...	...	..	व	७	३६	१०	१८	वि	३०	२९	१९	२७	४२	१५	३२	मीने २४।३६	२२	६	१३	भ. १९।२७ या.
८	मं	३	३९	८	४४	पूभा	०	१३	७	२१	सि	९	४४	११	०९	ब	३	३९	८	४४	४२	१६	३२	मीने	२३	७	१४	कल्पादि, बुधास्तः पश्चिमायाम् १३।२७
९	बु	९	३७	११	०७	उभा	७	१७	१०	११	व्य	११	२८	११	५२	कौ	९	३७	११	०७	४१	१६	३३	मीने	२४	८	१५	[B उत्तरायण प्रारम्भ २९।०४, विशा. शुक्रः २४।०८
१०	गु	१४	३०	१३	०५	रेव	१३	२२	१२	३८	व	१२	२४	१२	१४	ग	१४	३०	१३	०५	४०	१७	३३	मेषे १२।३८	२५	९	१६	भ. २५।५२ उ., पंचक समाप्तिः १२।३८, धनुषि मूले C
११	शु	१७	५७	१४	२९	अश्वि	१८	०४	१४	३१	प	१२	१४	१२	११	वि	१७	५७	१४	२९	४०	१८	३३	मेषे	२६	१०	१७	भ. १४।२९ या., मोक्षदा ११ व्र., गीता जयंती, पूषा. भौमः २०।४८
१२	श	१९	४७	१५	१३	भर	२१	१३	१५	४७	शि	१०	५२	११	३९	बा	१९	४७	१५	१३	३९	१८	३४	वृषे २२।००	२७	११	१८	प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र.
१३	र	१९	५८	१५	१८	कृति	२२	४७	१६	२६	सि	८	१४	१०	३६	तै	१९	५८	१५	१८	३९	१९	३४	वृषे	२८	१२	१९	[C रविः ७।३५ (सौरः १६।३६)
१४	सो	१८	३७	१४	४६	रोहि	२२	५३	१६	२८	सा	४ ५९	२३ २८	९ ३५	०५ ०७	व	१८	३७	१४	४६	३९	१९	३५	मिथु. २८।१८	२९	१३	२०	भ. १४।४६ उ. २६।१८ या., श्री दत्त जयंती, पिशाच मोचन श्राद्धं
१५	मं	१५	५५	१३	४२	मृग	२१	४०	१६	००	शु	५३	३५	२८	४६	ब	१५	५५	१३	४२	३९	२०	३५	मिथु.	३०	१४	२१	पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा, पातस्पर्शः A

अयनांशाः २३।५९।५२
३५ पं. मा.शु. ३ बु. इष्टघटी -३।४३
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	८	८	११	६	५	८	७
२१	०६	११	००	०९	२१	०९	२१
४८	०१	२५	०९	४९	१८	३२	२३
४२	५०	०८	०२	४६	५८	५१	५१
६०	४५	११	४	३७	४	३	६१
५७	२४	०४	००	१६	४५	११	१०
ज्ये	मू	मू	पूभा	स्वा	ह	मू	ज्ये
२	२	४	४	१	४	३	२



दिसम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेलवे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेलवे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
६	चं	७	१९	४७	१९	६०	५५	२२	२७	२७	१८	७	०२	५	५७	२६	४४	६	०६	४	४८
७	मं	७	२०	४८	१४	६०	५६	२२	३४	२७	१७	७	०३	५	५७	२६	४३	६	०७	४	४८
८	बु	७	२१	४९	०९	६०	५७	२२	४१	२७	१६	७	०३	५	५८	२६	४२	६	०८	४	४८
९	गु	७	२२	५०	०६	६०	५८	२२	४७	२७	१६	७	०४	५	५८	२६	४१	६	०८	४	४८
१०	शु	७	२३	५१	०४	६०	५९	२२	५३	२७	१५	७	०४	५	५८	२६	४०	६	०९	४	४९
११	श	७	२४	५२	०२	६०	५९	२२	५८	२७	१४	७	०५	५	५९	२६	३९	६	०९	४	४९
१२	र	७	२५	५३	०२	६१	००	२३	०३	२७	१३	७	०६	५	५९	२६	३८	६	१०	४	४९
१३	चं	७	२६	५४	०२	६१	०१	२३	०८	२७	१३	७	०६	५	५९	२६	३७	६	११	४	५०
१४	मं	७	२७	५५	०३	६१	०२	२३	१२	२७	१२	७	०७	६	००	२६	३७	६	११	४	५०
१५	बु	७	२८	५६	०५	६१	०३	२३	१५	२७	१२	७	०७	६	००	२६	३६	६	१२	४	५०
१६	गु	७	२९	५७	०८	६१	०३	२३	१८	२७	१२	७	०८	६	००	२६	३६	६	१२	४	५१
१७	शु	८	००	५८	११	६१	०४	२३	२१	२७	११	७	०८	६	०१	२६	३५	६	१३	४	५१
१८	श	८	०१	५९	१५	६१	०५	२३	२३	२७	११	७	०९	६	०१	२६	३५	६	१४	४	५२
१९	र	८	०३	००	२०	६१	०५	२३	२४	२७	११	७	०९	६	०२	२६	३५	६	१४	४	५२
२०	चं	८	०४	०१	२५	६१	०६	२३	२५	२७	११	७	१०	६	०२	२६	३४	६	१५	४	५२
२१	मं	८	०५	०२	३१	६१	०६	२३	२६	२७	११	७	११	६	०३	२६	३४	६	१५	४	५३

संक्रांति फलम्

ता. १६ दिसंबर २०१०
मार्ग. शु. १० गुरौ धनुष्यर्कः प्र. (स्टै.) टा. ७।३५ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) ७।३५ से १३।५९ तक । (दान- वस्त्र) ।

अयनांशाः २३।५९।५३
३६ पं. मा.शु. ९ बु. इष्टघटी -३।३१
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	८	८	११	६	५	८	७
२८	११	१०	००	१४	२१	०९	२८
५५	२०	०४	४०	३६	५०	१०	३२
३८	४२	१५	५९	११	३३	३५	२२
६१	४५	५५	५	४५	४	३	६१
०३	४५	५७	१८	२२	११	११	१६
ज्ये	मू	मू	पूभा	स्वा	ह	मू	ज्ये
४	४	४व	४	३	४	३	४



पोष कृष्णपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, २२ दिसंबर से ४ जनवरी तक नवलगढ चंद्रः																									तारीख			शिशिरर्तू रविरुत्तरे मार्गशीर्षकृष्णेति महा., दिसं. २०१०-जन. २०११ रा
ति.	वा.		प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	बु	१२	०५	१२	१०	आर्द्रा	१९	२३	१५	०५	ब्र	४६	५७	२६	०७	कौ	१२	०५	१२	१०	२५ ३९	७ २०	५ ३६	मिथु.	१	१५	२२	भा. पोषारंभः, (व) वृश्चिके ज्येष्ठा. बुधः ३०।४२, अयन करिदिन
२	गु	७	२२	१०	१८	पुन	१६	१४	१३	५१	ऐ	३९	४१	२३	१३	ग	७	२२	१०	१८	३९	२१	३६	कर्के ८।११	२	१६	२३	भ. २१।१५ उं.
३	शु	२	००	८	०९	पुष्य	१२	३०	१२	२१	वै	३२	०३	२०	११	वि	२	००	८	०९	३९	२१	३७	कर्के	३	१७	२४	भ. ८।०९ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।५९, बुधोदयः B
४	शु	५६	१५	२९	५१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	|B पूर्वस्याम् २१।५०
५	श	५०	१८	२७	२९	श्ले	८	२५	१०	४४	वि	२४	११	१७	०२	कौ	२३	१७	१६	४०	३९	२२	३७	सिंहे १०।४४	४	१८	२५	बडादिन
६	र	४४	२४	२५	०८	मघा	४	१२	९	०३	प्री	१६	१७	१३	५३	ग	१७	२०	१४	१८	४०	२२	३८	सिंहे	५	१९	२६	भ. २५।०८ उ.
७	सो	३८	४४	२२	५२	पूफा	० ५६	०५ १६	७ २९	२५ ५३	आ	८	२८	१०	४६	वि	११	३१	११	५९	४०	२३	३९	कन्या १३।०१	६	२०	२७	भ. ११।५९ या.
८	मं	३३	२९	२०	४६	हस्त	५२	५२	२८	३२	सौ	० ५३	५५ ४६	७ २१	४५ ५३	बा	६	०३	९	४८	४१	२३	३९	कन्या	७	२१	२८	|A वृश्चिके शुक्रः २३।१२
९	बु	२८	४६	१८	५४	चित्रा	५०	०४	२७	२५	अ	४७	०४	२६	१३	तै	१	०२	७	४८	४१	२३	४०	तुला. १५।५७	८	२२	२९	भ. ३०।०४ उ., पूषा. रविः ९।४६ (सौरः १७।३६)
१०	गु	२४	४५	१७	१७	स्वा	४७	५९	२६	३५	सु	४०	५६	२३	४६	वि	२४	४५	१७	१७	४२	२४	४०	तुला.	९	२३	३०	भ. १७।१७ या., मार्गी बुधः २३।४५
११	शु	२१	२९	१६	००	विशा	४६	४१	२६	०४	धृ	३५	२६	२१	३४	बा	२१	२९	१६	००	४३	२४	४१	वृश्चि. २०।१०	१०	२४	३१	सफला ११ व्र., सुरुप द्वादशी १२, पातस्पर्शः २५।०१
१२	श	१९	०७	१५	०३	अनु	४६	१७	२५	५५	शू	३०	३९	१९	४०	तै	१९	०७	१५	०३	४४	२४	४२	वृश्चि.	११	२५	१	प्रदोषः, जनवरी १ ता. ३१ सन २०११ ई., पातमोक्षः १४।५१, A
१३	र	१७	४०	१४	२९	ज्ये	४६	४९	२६	०८	गं	२६	३६	१८	०३	व	१७	४०	१४	२९	४५	२४	४२	धनु. २६।०८	१२	२६	२	भ. १४।२९ उ. २६।२१ या., मासिकशिवरात्री व्र.
१४	सो	१७	१५	१४	१९	मूल	४८	२२	२६	४६	वृ	२३	२१	१६	४५	श	१७	१५	१४	१९	४६	२५	४३	धनु.	१३	२७	३	उषा. भौमः २८।१८
३०	मं	१७	५५	१४	३५	पूषा	५१	००	२७	४९	ध्रु	२०	५६	१५	४७	ना	१७	५५	१४	३५	४७	२५	४४	धनु.	१४	२८	४	सूर्यग्रहणम्, देवपितृकार्येऽमा., कुहूः

अयनांशाः २३।५९।५४
३७ पं. पौ.कृ. १ बु. इष्टघटी -३।२१
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	८	[illegible]	११	६	५	८	८
०६	१६	०१	०१	२०	२२	०८	०५
०३	४१	१७	२१	१३	१८	४८	४१
१०	५३	४४	५०	०९	००	२०	३०
६१	४६	७६	६	५१	३	३	६१
०७	०४	३२	३२	३१	३४	११	२०
मू	पूषा	मू	पूभा	दि	ह	मू	मू
२	२	१व	४	१	४	३	२



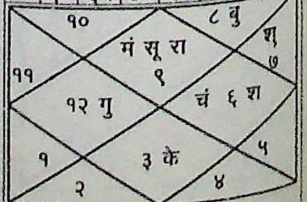
दिसम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेलवे-टाईम						कलकता रेलवे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२२	बु	८	०६	०३	३७	६१	०७	२३	२६	२७	११	७	११	६	०३	२६	३४	६	१६	४	५३
२३	गु	८	०७	०४	४४	६१	०७	२३	२६	२७	११	७	१२	६	०४	२६	३४	६	१६	४	५४
२४	शु	८	०८	०५	५१	६१	०८	२३	२५	२७	११	७	१२	६	०४	२६	३५	६	१७	४	५४
२५	श	८	०९	०६	५९	६१	०८	२३	२४	२७	११	७	१२	६	०५	२६	३५	६	१७	४	५५
२६	र	८	१०	०८	०७	६१	०८	२३	२२	२७	११	७	१३	६	०५	२६	३५	६	१८	४	५६
२७	चं	८	११	०९	१५	६१	०९	२३	२०	२७	११	७	१३	६	०६	२६	३५	६	१८	४	५६
२८	मं	८	१२	१०	२४	६१	०९	२३	१८	२७	१२	७	१४	६	०६	२६	३६	६	१८	४	५७
२९	बु	८	१३	११	३३	६१	०९	२३	१५	२७	१२	७	१४	६	०७	२६	३६	६	१९	४	५७
३०	गु	८	१४	१२	४२	६१	०९	२३	११	२७	१३	७	१५	६	०८	२६	३७	६	१९	४	५८
३१	शु	८	१५	१३	५१	६१	०९	२३	०७	२७	१३	७	१५	६	०८	२६	३८	६	१९	४	५९
१	श	८	१६	१५	०१	६१	१०	२३	०३	२७	१४	७	१५	६	०९	२६	३८	६	२०	४	५९
२	र	८	१७	१६	१०	६१	१०	२२	५८	२७	१५	७	१६	६	०९	२६	३९	६	२०	५	००
३	चं	८	१८	१७	२०	६१	१०	२२	५२	२७	१५	७	१६	६	१०	२६	४०	६	२०	५	००
४	मं	८	१९	१८	३०	६१	१०	२२	४६	२७	१६	७	१६	६	११	२६	४१	६	२१	५	०१

संक्रांति फलम्

ता. १४ जनवरी २०११
पौष शु. ९ भृगौ मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १८।१४ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १८।१४ से शनौ १०।१४ तक । (दान- काष्ट -

अयनांशाः २३।५९।५५
३८ पं. पौ.कृ. ९ बु. इष्टघटी -३।१३
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

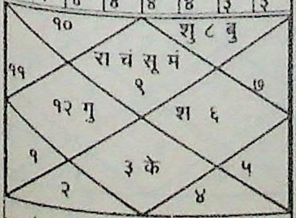
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	८	७	११	६	५	८	८
१३	२२	२५	०२	२६	२२	०८	१२
११	०५	३९	१०	२८	४१	२६	५१
०५	११	२३	५९	४२	००	०४	०१
६१	४६	६	७	५६	२	३	६१
०९	२१	५४	४०	१५	५४	११	२३
मू	पूषा	ज्ये	पूभा	वि	ह	मू	मू
४	३	३व	४	२	४	३	४



पोष शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, ५ जनवरी से १९ जनवरी तक नवलगढ चंद्रः																									तारीख			शिशिरर्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः ६८४९. जनवरी २०११
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	बु	१९	४३	१५	१९	उषा	५४	४६	२९	१९	व्या	१९	२३	१५	१०	ब	१९	४३	१५	१९	२५ ४९	७ २५	५ ४५	मक. १०।०९	१५	२९	५	चंद्रदर्शनम् (मु.४५), ग्रहण-करिदिन, अनु. शुक्रः ८।४४
२	गु	२२	४४	१६	३१	श्रव	५९	४०	३१	१७	ह	१८	४६	१४	५६	कौ	२२	४४	१६	३१	५०	२५	४५	मक.	१६	१	६	सफर २, उभा.-१ गुरुः १६।१४
३	शु	२६	५६	१८	१२	धनि	...	...	...	...	व	१९	०२	१५	०२	ग	२६	५६	१८	१२	५२	२५	४६	कुंभे २०।२६	१७	२	७	भ. ३१।१२ उ., पंचक प्रारम्भः २०।२६, धनुषि मूले बुधः २५।४७
४	श	३२	१२	२०	१८	धनि	५	४०	९	४१	सि	२०	०८	१५	२९	वि	३२	१२	२०	१८	५३	२६	४७	कुंभे	१८	३	८	भ. २०।१८ या., मकरे भौमः ११।१५
५	र	३८	१९	२२	४५	शत	१२	३४	१२	२७	व्य	२१	५४	१६	११	ब	५	११	९	३०	५५	२६	४८	कुंभे	१९	४	९	[B (सौरः २४।३९), निरयन उत्तरायनारंभः
६	सो	४४	५१	२५	२	पूभा	२०	०२	१५	२६	व	२४	०३	१७	०३	कौ	११	३४	१२	०३	५७	२६	४८	मीने ८।४१	२०	५	१०	
७	मं	५१	११	२७	५४	उभा	२७	३२	१८	२७	प	२६	१३	१७	५५	ग	१८	०३	१४	३९	५९	२६	४९	मीने	२१	६	११	भ. २७।५४ उ., उषा. रविः ११।४३ (सौरः १८।२५)
८	बु	५६	४२	३०	०६	रेव	३४	३०	२१	१४	शि	२७	५७	१८	३७	वि	२४	०५	१७	०४	२६ ०१	२६	५०	मेषे २१।१४	२२	७	१२	भ. १७।०४ या., पंचक समाप्तिः २१।१४, शांकभरी यात्रा, महाभद्रा
९	गु	...	...	...	...	अश्वि	४०	२०	२३	३४	सि	२८	५१	१८	५८	बा	२८	५९	१९	०१	०३	२६	५१	मेषे	२३	८	१३	
९	शु	०	५३	७	४७	भर	४४	३९	२५	१७	सा	२८	३६	१८	५२	कौ	०	५३	७	४७	०५	२६	५२	मेषे	२४	९	१४	पातस्पर्शः २०।३७, मोक्षः २९।३५, मकरे रविः १८।१४ B
१०	श	३	२१	८	४६	कृति	४७	१०	२६	१७	शु	२६	५७	१८	१३	ग	३	२१	८	४६	०७	२६	५२	वृषे ७।३६	२५	१०	१५	भ. २०।५९ उ., मन्वादि
११	र	३	५६	९	००	रोहि	४७	४८	२६	३३	शु	२३	५१	१६	५८	वि	३	५६	९	००	०९	२६	५३	वृषे	२६	११	१६	भ. ९।०० या., पुत्रदा ११ व्र., सक्रान्ति करिदिन
१२	सो	२	३४	८	२७	मृग	४६	३९	२६	०५	ब्र	११	१५	१५	०७	बा	२	३४	८	२७	११	२५	५४	मिथु. १४।२४	२७	१२	१७	प्रदोषः, ज्येष्ठा. शुक्रः २९।०६, चित्रा.-१ शनिः २६।५३
१३	सो	५९	२४	३१	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A स्नानारंभः, पूषा. बुधः १३।११
१४	मं	५४	३९	२९	१७	आर्द्रा	४३	५४	२४	५९	ऐ	१३	१८	१२	४४	ग	२७	१२	१८	१८	१४	२५	५५	मिथु.	२८	१३	१८	भ. २९।१७ उ.
१५	बु	४८	३५	२६	५१	पुन	३९	४७	२३	२०	वै	६ ५७	०६ ५६	९ ३०	५२ ३५	वि	२१	४५	१६	०७	१६	२५	५६	कर्के १७।४७	२९	१४	१९	भ. १६।०७ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, शाकंभरी जयंती, माघ A

अयनांशाः २३।५९।५५
३९ पं. पौ.शु. १ बु. इष्टघटी -३।०८
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	८	७	११	७	५	८	८
२०	२७	२७	०३	०३	२२	०८	२०
११	३०	४३	०७	१३	५९	०३	००
१२	२४	५६	३८	५१	३६	४९	४२
६१	४६	४४	८	५९	२	३	६१
१०	३६	०५	४२	५३	१२	११	२३
पूषा	उषा	ज्ये	पूभा	वि	ह	मू	पूषा
३	१	४	४	४	४	३	३



जनवरी		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
५	बु	८	२०	१९	३९	६१	१०	२२	४०	२७	१७	७	१७	६	११	२६	४२	६	२१	५	०२
६	गु	८	२१	२०	४९	६१	१०	२२	३३	२७	१८	७	१७	६	१२	२६	४३	६	२१	५	०२
७	शु	८	२२	२१	५८	६१	०९	२२	२६	२७	१९	७	१७	६	१३	२६	४४	६	२१	५	०३
८	श	८	२३	२३	०८	६१	०९	२२	१९	२७	२०	७	१७	६	१३	२६	४६	६	२२	५	०४
९	र	८	२४	२४	१७	६१	०९	२२	१०	२७	२१	७	१७	६	१४	२६	४७	६	२२	५	०५
१०	चं	८	२५	२५	२६	६१	०९	२२	०२	२७	२२	७	१८	६	१५	२६	४८	६	२२	५	०५
११	मं	८	२६	२६	३५	६१	०९	२१	५३	२७	२३	७	१८	६	१५	२६	५०	६	२२	५	०६
१२	बु	८	२७	२७	४३	६१	०८	२१	४४	२७	२५	७	१८	६	१६	२६	५१	६	२२	५	०७
१३	गु	८	२८	२८	५२	६१	०८	२१	३४	२७	२६	७	१८	६	१६	२६	५३	६	२२	५	०७
१४	शु	८	२९	३०	००	६१	०७	२१	२४	२७	२७	७	१८	६	१७	२६	५५	६	२२	५	०८
१५	श	९	००	३१	०७	६१	०७	२१	१३	२७	२९	७	१८	६	१८	२६	५६	६	२२	५	०९
१६	र	९	०१	३२	१४	६१	०७	२१	०२	२७	३०	७	१८	६	१८	२६	५८	६	२२	५	०९
१७	चं	९	०२	३३	२१	६१	०६	२०	५१	२७	३२	७	१८	६	१९	२७	००	६	२२	५	१०
१८	मं	९	०३	३४	२७	६१	०६	२०	३९	२७	३३	७	१८	६	२०	२७	०२	६	२२	५	११
१९	बु	९	०४	३५	३२	६१	०५	२०	२७	२७	३५	७	१८	६	२०	२७	०४	६	२२	५	१२

अयनांशाः २३।५९।५६
४० पं. पौ.शु. ८ बु. इष्टघटी -३।०६
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	९	८	११	७	५	८	८
२७	०२	०४	०४	१०	२३	०७	२७
२७	५७	१६	११	२१	१२	४१	१०
१६	१७	१९	२६	५४	५२	३४	१९
६१	४६	६८	९	६२	१	३	६१
०८	४९	३४	३९	४२	२९	११	२१
उषा	उषा	मू	उभा	अनु	ह	मू	उषा
१	२	२	१	३	४	३	१



अयनांशाः २३।५९।५७
४१ पं. पौ.शु.१५ बु. इष्टघटी -३।०७
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	९	८	११	७	५	८	९
०४	०८	१२	०५	१७	२३	०७	०४
३५	२५	५६	२१	४७	२०	१९	१९
०५	३८	५०	३३	४६	५९	१८	३९
६१	४७	८०	१०	६४	०	३	६१
०५	०१	३२	३०	५५	५४	११	१८
उषा	उषा	मू	उभा	ज्ये	चि	मू	उषा
३	४	४	१	१	१	३	३



माघ कृष्णपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, २० जनवरी से ३ फरवरी तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे पोषकृष्णोति महा., जनवरी-फरवरी २०११

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	गु	४१	३४	२४	०३	पुष्य	३४	४०	२१	१७	प्री	४९	०२	२७	०२	बा	१५	११	१३	२९	२६ १९	७ २५	५ ५६	कर्के	३०	१५	२०	अभि.प्र.रविः३१।२१, सायन कुंभे भानुः १५।३९, श्रव. भौमः ३०।२६
२	शु	३३	५८	२१	००	श्ले	२८	५५	१८	५९	आ	३९	४२	२३	१७	तै	७	४९	१०	३२	२२	२५	५७	सिंहे १८।५९	१	१६	२१	भा. माघारंभः, अभि.प्र. सौरः १३।१४
३	श	२६	०९	१७	५२	मघा	२२	५५	१६	३४	सौ	३०	१३	१९	२९	व	०	०३	७	२६	२४	२४	५८	सिंहे	२	१७	२२	भ. ७।२६ उ. १७।५२ या., तिलकुटी ४ चन्द्रोदयः २०।५५, A
४	र	१८	२९	१४	४८	पूफा	१७	०३	१४	१३	शो	२०	५३	१५	४५	बा	१८	२९	१४	४८	२७	२४	५९	कन्या ११।४०	३	१८	२३	नेताजी जयन्ती [A सौभाग्य सुन्दरी व्र., संकट हरगणपति व्र., E
५	सो	११	२१	११	५६	उफा	११	४२	१२	०५	अ	१२	००	१२	१२	तै	११	२१	११	५६	३०	२४	६ ००	कन्या	४	१९	२४	श्रव. रविः १३।५९ (सौरः १९।३६) [E गौरी चतुर्थी
६	मं	५	०२	९	२४	हस्त	७	१०	१०	१६	सु	३ ५६	४९ २७	८ २९	५५ ५८	व	५	०२	९	२४	३३	२३	००	तुला. २१।३०	५	२०	२५	भ. ९।२४ उ. २०।१७ या., स्वामी विवेकानन्द जयंती, अभि.नि. C
७	मं	५९	४६	३१	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[C रविः १०।५७ (सौरः १६।३०)
८	बु	५५	४६	२९	४२	चित्रा	३	४३	८	५२	शू	५०	०५	२७	२५	बा	२७	३८	१८	२६	३६	२३	०१	तुला.	६	२१	२६	गणराज्यदिवस, पातस्पर्शः २०।५५, मोक्षः २७।२७, उभा.-२ गुरुः D
९	गु	५३	०६	२८	३७	स्वा	१	२९	७	५८	गं	४४	४७	२५	१८	तै	२४	१६	१७	०५	३९	२३	०२	वृश्चि. २५।३८	७	२२	२७	[D ११।५६, वक्री शनिः २५।१७
१०	शु	५१	४५	२८	०४	विशा	०	३३	७	३६	वृ	४०	३१	२३	३५	व	२२	१७	१६	१७	४२	२२	०३	वृश्चि.	८	२३	२८	भ. १६।१७ उ. २८।०४ या., उषा. बुधः २३।३३
११	श	५१	४१	२८	०२	अनु	०	५५	७	४४	ध्रु	३७	१५	२२	१६	व	२१	३४	१५	५९	४५	२२	०४	वृश्चि.	९	२४	२९	षट्तिला ११ व्र.
१२	र	५२	४४	२८	२७	ज्ये	२	२९	८	२१	व्या	३४	५४	२१	१९	कौ	२२	०४	१६	११	४८	२१	०५	धनु. ८।२१	१०	२५	३०	तिल द्वादशी, मकरे बुधः २९।१८, धनुषि मूले शुक्रः ७।५६
१३	सो	५४	५०	२९	१७	मूल	५	०९	९	२५	ह	३३	२२	२०	४२	ग	२३	४०	१६	४९	५१	२१	०५	धनु.	११	२६	३१	भ. २९।१७ उ., प्रदोषः, मूले-२ राहुः १४।५३, मृगे-४ केतुः १४।५३
१४	मं	५७	५१	३०	२९	पूषा	८	४७	१०	५१	व	३२	३३	२०	२२	वि	२६	१५	१७	५०	५४	२०	०६	मक. १७।१६	१२	२७	१	भ. १७।५० या., मासिकशिवरात्री व्र., फरवरी २ ता. २८, B
३०	बु	...	...	...	...	उषा	१३	१८	१२	३९	सि	३२	२५	२०	१८	च	२९	४२	१९	१३	५८	२०	०७	मक.	१३	२८	२	पितृकार्येऽमा., मौनी ३०, युगादि [B बुधास्तः पूर्वस्याम् ७।५९
३०	गु	१	४६	८	०२	श्रव	१८	३७	१४	४६	व्य	३२	५४	२०	२९	ना	१	४६	८	०२	२७ ०१	१९	०८	कुंभे २७।५६	१४	२९	३	पंचक प्रारम्भः २७।५६, देवकार्येऽमा., (व) हस्ते-४ शनिः २४।०४.

अयनांशाः २३।५९।५८
४२ पं. मा.कृ. ८ बु. इष्टघटी -३।१२
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	९	८	११	७	५	८	९
११	१३	२२	०६	२५	२३	०६	११
४२	५५	४१	३७	२७	२३	५७	२८
२६	१२	४२	२१	३२	५०	०३	२७
६१	४७	८६	११	६६	०	३	६१
००	१०	५८	१५	३८	०१	११	१२
श्र	श्र	पूषा	उषा	ज्ये	चि	मू	श्र
१	२	३	१	३	१व	३	१



जनवरी रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२०	गु	९	०५	३६	३७	६१	०४	२०	१४	२७	३६	७	१८	६	२१	२७	०६	६	२२	५	१२
२१	शु	९	०६	३७	४२	६१	०४	२०	०१	२७	३८	७	१८	६	२२	२७	०८	६	२२	५	१३
२२	श	९	०७	३८	४६	६१	०३	१९	४८	२७	४०	७	१८	६	२२	२७	१०	६	२२	५	१४
२३	र	९	०८	३९	४९	६१	०२	१९	३४	२७	४२	७	१८	६	२३	२७	१२	६	२२	५	१४
२४	चं	९	०९	४०	५१	६१	०२	१९	२०	२७	४३	७	१८	६	२३	२७	१४	६	२१	५	१५
२५	मं	९	१०	४१	५३	६१	०१	१९	०५	२७	४५	७	१८	६	२४	२७	१७	६	२१	५	१६
२६	बु	९	११	४२	५४	६१	००	१८	५१	२७	४७	७	१८	६	२५	२७	१९	६	२१	५	१६
२७	गु	९	१२	४३	५४	६०	५९	१८	३५	२७	४९	७	१८	६	२५	२७	२१	६	२१	५	१७
२८	शु	९	१३	४४	५३	६०	५८	१८	२०	२७	५१	७	१७	६	२६	२७	२४	६	२०	५	१८
२९	श	९	१४	४५	५१	६०	५७	१८	०४	२७	५३	७	१७	६	२६	२७	२६	६	२०	५	१९
३०	र	९	१५	४६	४८	६०	५६	१७	४८	२७	५५	७	१७	६	२७	२७	२८	६	२०	५	१९
३१	चं	९	१६	४७	४५	६०	५५	१७	३२	२७	[illegible]	७	१७	६	२८	२७	३१	६	१९	५	२०
१	मं	९	१७	४८	४०	६०	५४	१७	१५	२७	५९	७	१६	६	२८	२७	३३	६	१९	५	२०
२	बु	९	१८	४९	३४	६०	५३	१६	५८	२८	०१	७	१६	६	२९	२७	३६	६	१९	५	२१
३	गु	९	१९	५०	२८	६०	५२	१६	४०	२८	०३	७	१६	६	२९	२७	३९	६	१८	५	२२

मास फलम्

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो यथा- ।।चन्द्रजीवौ यदापंचधान्यादीनां समर्घता।। पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो। गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हो। शुक्ला पडवा को शुक्रवार होने से सुभिक्ष हो। शुक्लाष्टमी को कृत्तिका न होने से फागुण में रोली लगे। पूर्णिमा मघा युक्त होने से समर्घता हो। शनिवार की सक्रांति होने से सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो। श्रवण पर मंगल होने से रोग हो, धान्योत्पत्ति कम हो, पीछे वर्षा हो।

अयनांशाः २३।५९।५९
४३ पं. मा.कृ.३० बु. इष्टघटी -३।१९
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

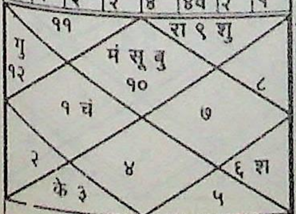
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	९	९	११	८	५	८	९
१८	१९	०३	०७	०३	२३	०६	१८
४९	२५	०५	५८	१८	२१	३४	३६
०७	४२	०८	१०	११	२५	४७	३२
६०	४७	९९	११	६७	०	३	६१
५३	१७	४८	५५	५९	४६	११	०५
श्र	श्र	उषा	उभा	मू	चि	मू	श्र
३	३	२	२	१	१व	२	३



माघ शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, ४ फरवरी से १८ फरवरी तक नवलगढ चंद्रः																									तारीख			शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः ६८७९, फरवरी २०११
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	आ.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	शु	६	२७	९	५४	धनि	२४	४१	१७	११	व	३३	५९	२०	५५	ब	६	२७	९	५४	२७ ०४	७ १९	६ ०९	कुंभे	१५	३०	४	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), श्री वल्लभ जयंती
२	श	११	५३	१२	०४	शत	३१	२६	१९	५३	प	३५	३६	२१	३३	कौ	११	५३	१२	०४	०८	१८	०९	कुंभे	१६	१	५	रविलावल ३
३	र	१७	५८	१४	२९	पूभा	३८	४५	२२	४८	शि	३७	३८	२२	२१	ग	१७	५८	१४	२९	११	१८	१०	मीने १६।०३	१७	२	६	भ. २७।४५ उ., वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी, धनि. रविः १७।०६ A
४	सो	२४	२६	१७	०४	उभा	४६	२१	२५	४९	सि	३९	५४	२३	१५	वि	२४	२६	१७	०४	१५	१७	११	मीने	१८	३	७	भ. १७।०४ या. [A (सौरः २१।४३), धनि. भौमः २९।०९, C
५	मं	३०	५७	१९	३९	रेव	५३	५०	२८	४८	सा	४२	०७	२४	०७	बा	३०	५७	१९	३९	१८	१६	१२	मेषे २८।४८	१९	४	८	पंचक समाप्तिः २८।४८, वसन्त पञ्चमी [C श्रव. बुधः १७।१५
६	बु	३६	५८	२२	०३	अश्वि	...	...	...	...	शु	४३	५४	२४	४९	कौ	४	०४	८	५३	२२	१६	१२	मेषे	२०	५	९	पातस्पर्शः ८।०६, मोक्षः १४।०५
७	गु	४२	००	२४	०३	अश्वि	०	४३	७	३२	शु	४४	५५	२५	१३	ग	९	३९	११	०७	२५	१५	१३	मेषे	२१	६	१०	भ. २४।०३ उ., मन्वादि, पुत्र ७, रथ ७, अचला ७, D
८	शु	४५	३१	२५	२७	भर	६	२६	९	४९	ब्र	४४	४७	२५	०९	वि	१३	५८	१२	५०	२९	१४	१४	वृषे १६।१७	२२	७	११	भ. १२।५० या., भीष्माष्टमी, उभा.-३ गुरुः २८।०५
९	श	४७	१२	२६	०६	कृत्ति	१०	३६	११	२८	ऐ	४३	१६	२४	३२	बा	१६	३७	१३	५२	३३	१३	१५	वृषे	२३	८	१२	कुंभे रविः ३१।०८ [D पूषा. शुक्रः २४।५३
१०	र	४६	४८	२५	५६	रोहि	१२	५२	१२	२२	वै	४०	०९	२३	१६	तै	१७	१७	१४	०७	३६	१३	१५	मिथु. २४।३०	२४	९	१३	कुंभे सौरः ११।१७
११	सो	४४	१९	२४	५६	मृग	१३	०७	१२	२७	वि	३५	२५	२१	२२	व	१५	५१	१३	३२	४०	१२	१६	मिथु.	२५	१०	१४	भ. १३।३२ उ. २४।५६ या., जया ११ व्र.. धेनि. बुधः २०।५४
१२	मं	३९	५२	२३	०८	आर्द्रा	११	२१	११	४४	प्री	२९	०५	१८	४९	ब	१२	२१	१२	०७	४४	११	१७	कर्के २८।४२	२६	११	१५	भीष्मद्वादशी, कुंभे भौमः १५।४९
१३	बु	३३	३८	२०	३८	पुन	७	४४	१०	१६	आ	२१	१८	१५	४२	कौ	६	५८	९	५७	४८	१०	१७	कर्के	२७	१२	१६	प्रदोषः, कल्पादि
१४	गु	२६	०१	१७	३४	पुष्य	२ ५६	३२ ०६	८ २१	१० ३६	सौ	१२	१९	१२	०५	ग	०	००	७	१०	५२	१०	१८	सिंहे २९।३६	२८	१३	१७	भ. १७।३४ उ. २७।५२ या. [B २९।४२, कुंभे बुधः १७।३५
१५	शु	१७	२२	१४	०६	मघा	४८	५८	२६	४४	शो	२ ५१	२४ ५३	८ २७	०६ ५४	ब	१७	२२	१४	०६	५५	०९	१९	सिंहे	२९	१४	१८	पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, माघ स्नान पूर्त्तिः, सायन मीने भानुः B

अयनांशाः २४।००।००
४४ पं. मा.शु. ६ बु. इष्टघटी -३।३०
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	९	९	११	८	५	८	९
२५	२४	१४	०९	११	२३	०६	२५
५४	५६	०३	२३	१७	१३	१२	४३
५६	५४	१७	२५	२०	५०	३२	४१
६०	४७	९७	१२	६९	१	३	६०
४५	२१	११	३०	०२	३०	११	५६
ध	ध	श्र	उभा	मू	ह	मू	ध
१	१	२	२	४	४व	२	१



फरवरी रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे·टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे·टाईम						कलकता रेल्वे·टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
४ शु	९	२०	५१	२०	६०	५१	१६	२३	२८	०६	७	१६	६	३०	२७	४१	६	१८	५	२२
५ श	९	२१	५२	११	६०	५०	१६	०५	२८	०८	७	१५	६	३०	२७	४४	६	१७	५	२३
६ र	९	२२	५३	०१	६०	४९	१५	४७	२८	१०	७	१५	६	३१	२७	४७	६	१७	,	२४
७ चं	९	२३	५३	५०	६०	४८	१५	२८	२८	१२	७	१४	६	३१	२७	५०	६	१६	५	२४
८ मं	९	२४	५४	३७	६०	४६	१५	०९	२८	१५	७	१४	६	३२	२७	५२	६	१६	५	२५
९ बु	९	२५	५५	२४	६०	४५	१४	५०	२८	१७	७	१४	६	३२	२७	५५	६	१५	५	२६
१० गु	९	२६	५६	०९	६०	४४	१४	३१	२८	१९	७	१३	६	३३	२७	५८	६	१५	५	२६
११ शु	९	२७	५६	५२	६०	४२	१४	१२	२८	२२	७	१३	६	३३	२८	०१	६	१४	५	२७
१२ श	९	२८	५७	३५	६०	४१	१३	५२	२८	२४	७	१२	६	३४	२८	०४	६	१४	५	२७
१३ र	९	२९	५८	१६	६०	४०	१३	३२	२८	२६	७	१२	६	३४	२८	०७	६	१३	५	२८
१४ चं	१०	००	५८	५५	६०	३८	१३	१२	२८	२९	७	११	६	३५	२८	१०	६	१३	५	२८
१५ मं	१०	०१	५९	३४	६०	३७	१२	५१	२८	३१	७	११	६	३५	२८	१३	६	१२	५	२९
१६ बु	१०	०३	००	१०	६०	३५	१२	३१	२८	३४	७	१०	६	३६	२८	१६	६	११	५	३०
१७ गु	१०	०४	००	४६	६०	३४	१२	१०	२८	३६	७	१०	६	३६	२८	१९	६	११	५	३०
१८ शु	१०	०५	०१	२०	६०	३२	११	४९	२८	३९	७	०९	६	३७	२८	२२	६	१०	५	३१

संक्रांति फलम्

ता. १२ फरवरी २०११
माघ शु. ९ शनौ कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ३१।०८ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्ट नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) २४।४४ से ३१।०८ तक । (दान- गोड़ - अन्न) ।

अयनांशाः २४।००।०१
४५ पं. मा.शु.१३ बु. इष्टघटी -३।४३
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	१०	९	११	८	५	८	१०
०२	००	२५	१०	१९	२३	०५	०२
५९	२८	४२	५२	२३	०१	५०	४९
४३	३१	१८	२९	०५	१६	१६	४३
६०	४७	१०३	१३	६९	२	३	६०
३५	२४	३२	००	५१	११	११	४५
ध	ध	ध	उफा	पूषा	ह	मू	ध
३	३	१	३	२	४व	२	३



फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, १९ फरवरी से ४ मार्च तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | वसंतर्तु रविरुत्तरे माघकृष्णेति महा., फरवरी-मार्च २०११

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	श	८	१०	१०	२४	पूफा	४१	३३	२३	४५	सु	४१	१३	२३	३७	कौ	८	१०	१०	२४	२७/५९	७/०८	६/२०	कन्या २९।०१	३०	१५	१९	शत. रविः २१।३५ (सौरः २५।१७)
२	श	५८	५०	३०	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
३	र	४९	५५	२७	०५	उफा	३४	२१	२०	५२	धृ	३०	४२	११	२४	व	२४	११	१६	५१	२८/०३	०७	२०	कन्या	१	१६	२०	भ. १६।५१ उ. २७।०५ या., भा. फाल्गुनारंभः
४	सो	४१	४९	२३	५०	हस्त	२७	५१	१८	१४	शू	२०	४५	१५	२४	ब	१५	४६	१३	२५	०७	०६	२१	तुला. २९।०५	२	१७	२१	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।५५, पातस्पर्शः १२।३९, मोक्षः १७।०६
५	मं	३४	५६	२१	०४	चित्रा	२२	२७	१६	०४	गं	११	४०	११	४५	कौ	८	१३	१०	२२	११	०५	२२	तुला.	३	१८	२२	शत. बुधः ११।१३, उषा. शुक्रः ११।५२
६	बु	२९	३३	१८	५४	स्वा	१८	३०	१४	२८	वृ	३/५७	४२/०३	८/२१	३३/५४	ग	२	०४	७	५४	१५	०४	२२	तुला.	४	१९	२३	भ. १८।५४ उ. ३०।०४ या., शत. भौमः २६।२२
७	गु	२५	५४	१७	२५	विशा	१६	१४	१३	३३	व्या	५१	५१	२७	४८	ब	२५	५४	१७	२५	१९	०३	२३	वृश्चि. ७।४३	५	२०	२४	
८	शु	२४	०४	१६	४०	अनु	१५	४४	१३	२०	ह	४८	०५	२६	१६	कौ	२४	०४	१६	४०	२३	०२	२४	वृश्चि.	६	२१	२५	मकरे शुक्रः ७।५८
९	श	२३	५९	१६	३७	ज्ये	१६	५८	१३	४९	व	४५	३९	२५	१७	ग	२३	५९	१६	३७	२७	०१	२४	धनु. १३।४९	७	२२	२६	भ. २८।५० उ., रामदास ९
१०	र	२५	३०	१७	१२	मूल	१९	४६	१४	५५	सि	४४	२२	२४	४५	वि	२५	३०	१७	१२	३१	००	२५	धनु.	८	२३	२७	भ. १७।१२ या., उभा.-४ गुरुः ८।१७
११	सो	२८	२३	१८	२१	पूषा	२३	५५	१६	३३	व्य	४४	०५	२४	३७	बा	२८	२३	१८	२१	३५	६/५९	२५	मक. २३।०२	९	२४	२८	विजया ११ व्र.
१२	मं	३२	२१	१९	५५	उषा	२९	०६	१८	३७	व	४४	३३	२४	४८	कौ	०	१७	७	०५	३९	५८	२६	मक.	१०	२५	१	मार्च ३ ता. ३१, पूभा. बुधः १५।०१
१३	बु	३७	०८	२१	४९	श्रव	३५	०६	२१	००	प	४५	३८	२५	१३	ग	४	४०	८	५०	४३	५७	२७	मक.	११	२६	२	भ. २१।४९ उ., प्रदोषः, महा शिवरात्री व्रतम्
१४	गु	४२	३१	२३	५७	धनि	४१	४०	२३	३७	शि	४७	०८	२५	४८	वि	९	४७	१०	५१	४७	५६	२७	कुंभे १०।१७	१२	२७	३	भ. १०।५१ या., पंचक प्रारम्भः १०।१७
३०	शु	४८	२०	२६	१५	शत	४८	४०	२६	२४	सि	४८	५७	२६	३०	च	१५	२४	१३	०५	५१	५५	२८	कुंभे	१३	२८	४	देवपितृकार्येऽमा., पूभा. रविः २७।५१ (सौरः ३०।४९)

अयनांशाः २४।००।०२
४६ पं. फा.कृ. ६ बु. इष्टघटी -३।५८
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	१०	१०	११	८	५	८	१०
१०	०६	०८	१२	२७	२२	०५	०९
०३	००	०६	२४	३३	४४	२८	५४
१८	१८	३८	५०	५९	०१	०१	२७
६०	४७	१०९	१३	७०	२	३	६०
२४	२४	५८	२६	२९	४९	११	३४
श	ध	श	उभा	उषा	ह	मू	श
२	४	१	३	१	४व	२	१



फरवरी रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकत्ता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१९	श	१०	०६	०१	५२	६०	३१	११	२८	२८	४१	७	०८	६	३७	२८	२५	६	०९	५	३१
२०	र	१०	०७	०२	२३	६०	२९	११	०६	२८	४४	७	०८	६	३७	२८	२८	६	०९	५	३२
२१	चं	१०	०८	०२	५२	६०	२७	१०	४५	२८	४६	७	०७	६	३८	२८	३१	६	०८	५	३२
२२	मं	१०	०९	०३	१९	६०	२६	१०	२३	२८	४९	७	०७	६	३८	२८	३४	६	०७	५	३३
२३	बु	१०	१०	०३	४५	६०	२४	१०	०१	२८	५१	७	०६	६	३९	२८	३७	६	०६	५	३३
२४	गु	१०	११	०४	१०	६०	२३	९	३९	२८	५४	७	०५	६	३९	२८	४०	६	०६	५	३४
२५	शु	१०	१२	०४	३२	६०	२१	९	१७	२८	५७	७	०५	६	३९	२८	४३	६	०५	५	३४
२६	श	१०	१३	०४	५३	६०	१९	८	५५	२८	५९	७	०४	६	४०	२८	४६	६	०४	५	३५
२७	र	१०	१४	०५	१३	६०	१८	८	३२	२९	०२	७	०३	६	४०	२८	४९	६	०३	५	३५
२८	चं	१०	१५	०५	३०	६०	१६	८	१०	२९	०४	७	०३	६	४०	२८	५३	६	०२	५	३५
१	मं	१०	१६	०५	४६	६०	१४	७	४७	२९	०७	७	०२	६	४१	२८	५६	६	०२	५	३६
२	बु	१०	१७	०६	००	६०	१२	७	२४	२९	१०	७	०१	६	४१	२८	५९	६	०१	५	३६
३	गु	१०	१८	०६	१२	६०	१०	७	०१	२९	१२	७	००	६	४१	२९	०२	६	००	५	३७
४	शु	१०	१९	०६	२३	६०	०९	६	३८	२९	१५	७	००	६	४२	२९	०५	५	५९	५	३७

मास फलम्

इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो। मार्गशीर्ष से फाल्गुन तक शुक्ल पक्ष में तिथियों की वृद्धि होने से स्वास्थ्य उत्तम (निरोग) रहें, कृष्णा षष्ठी को स्वाति होने से दुर्भिक्ष हो। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और शतभिषा योग सुभिक्ष और सुखद है। शुक्ल नवमी को आर्द्रा होने से अवर्षण हो, पूर्णिमा पूर्वाफाल्गुनी युक्त होने से समर्घता हो। सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो।

अयनांशाः २४।००।०३
४७ पं. फा.कृ.१३ बु. इष्टघटी -२।१४
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	१०	१०	११	९	५	८	१०
१७	११	२१	१३	०५	२२	०५	१६
०५	३१	१२	५९	४८	२२	०५	५७
३३	५९	४३	५४	५२	३३	४६	४३
६०	४७	११४	१३	७०	३	३	६०
१२	२२	५२	४६	५८	२३	११	२०
श	श	पूभा	उभा	उषा	ह	मू	श
४	२	१	४	३	४व	२	४

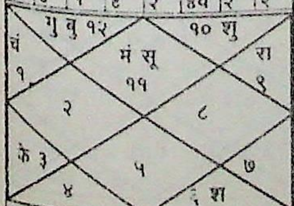


फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०६७, शाकः १९३२, ५ मार्च से १९ मार्च तक — नवलगढ — चंद्रः — तारीख — वसंतर्त्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ६९०८, मार्च २०११

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	श	५४	२८	२८	४२	पूभा	५५	५८	२९	१८	सा	५१	०१	२७	१९	किं	२१	२३	१५	२८	२८ ५५	६ ५४	६ २८	मीने २२|३४	१४	२९	५	श्रव. शुक्रः १९|०६
२	र	...	...	...	...	उभा	...	...	...	...	शु	५३	१४	२८	११	वा	२७	३९	१७	५७	५९	५३	२९	मीने	१५	३०	६	चंद्रदर्शनम् (मु.४५), फुलरिया २, श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती, B
२	सो	०	५०	७	१२	उभा	३	२९	८	१६	शु	५५	२८	२९	०४	कौ	०	५०	७	१२	२९ ०३	५२	३०	मीने	१६	१	७	रविलास्वर ४
३	मं	७	१०	९	४३	रेव	१०	५७	११	१४	ब्र	५७	३१	२९	५२	ग	७	१०	९	४३	०७	५१	३०	मेषे ११|१४	१७	२	८	भ. २२|५६ उ., पंचक समाप्तिः ११|१४, उभा. बुधः १३|३१
४	बु	१३	१०	१२	०६	अश्वि	१८	०६	१४	०५	ऐ	५९	०९	३०	३०	वि	१३	१०	१२	०६	१२	५०	३१	मेषे	१८	३	९	भ. १२|०६ या., बुधादयः पश्चिमायाम् १९|०५
५	गु	१८	३०	१४	१३	भर	२४	३६	१६	३९	वै	...	...	...	...	बा	१८	३०	१४	१३	१६	४९	३१	वृषे २३|१४	१९	४	१०	याज्ञवल्क्य जयंती
६	शु	२२	४५	१५	५४	कृति	३०	०१	१८	४८	वै	०	०७	६	५१	तै	२२	४५	१५	५४	२०	४८	३२	वृषे	२०	५	११	[B पातस्पर्शः १३|३८, मोक्षः १८|४४, मीने बुधः १९|५६
७	श	२५	२९	१६	५९	रोहि	३३	५७	२०	२२	वि	० ५८	०० ३४	६ ३०	४७ १३	व	२५	२९	१६	५९	२४	४७	३३	वृषे	२१	६	१२	भ. १६|५९ उ. २९|१५ या., पूभा. भौमः २४|००
८	र	२६	२६	१७	२०	मृग	३६	०६	२१	१२	आ	५५	३९	२९	०१	ब	२६	२६	१७	२०	२८	४६	३३	मिथु. ८|५३	२२	७	१३	होलाष्टक, रेव.-१ गुरुः १७|०८
९	सो	२५	२०	१६	५३	आर्द्रा	३६	१६	२१	१५	सौ	५१	०७	२७	११	कौ	२५	२०	१६	५३	३२	४५	३४	मिथु.	२३	८	१४	मीने रविः २७|५७ (सौरः ३०|२८)
१०	मं	२२	०८	१५	३५	पुन	३४	२४	२०	२९	शो	४४	५६	२४	४२	ग	२२	०८	१५	३५	३६	४४	३४	कर्के १४|४५	२४	९	१५	भ. २६|३८ उ., रेव. बुधः २०|४६
११	बु	१६	५८	१३	३०	पुष्य	३०	३६	१८	५७	अ	३७	१३	२१	३६	वि	१६	५८	१३	३०	४०	४३	३५	कर्के	२५	१०	१६	भ. १३|३० या., आमलकी ११ व्र., विड़कुला-ढाल थापणा भद्रा C
१२	गु	१०	०३	१०	४२	श्ले	२५	०७	१६	४४	सु	२८	११	१७	५८	बा	१०	०३	१०	४२	४४	४१	३५	सिंहे १६|४४	२६	११	१७	प्रदोषः, मेला श्रीश्यामजी (खाटु) [C के बाद, धनि. शुक्रः २३|५५
१३	शु	१	४३	७	२१	मघा	१८	२२	१४	०१	धृ	१८	०६	१३	५५	तै	१	४३	७	२१	४९	४०	३६	सिंहे	२७	१२	१८	भ. २७|३६ उ.. उभा. रविः १२|१६ (सौरः १४|४१)
१४	शु	५२	२०	२७	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A बाद, होलिका दहनं, करिदिन, पातस्पर्शः ८|१२, मोक्षः १२|०६
१५	श	४२	३०	२३	३९	पूफा	१०	४६	१०	५८	शु	७ ५६	१९ ११	९ २१	३५ ०८	वि	१७	२९	१३	३९	५३	३९	३६	कन्या १६|१०	२८	१३	१९	भ. १३|३९ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, जेलपोणी भद्रा के A

अयनांशाः २४|००|०४
४८ पं. फा.शु. ४ बु. इष्टघटी -२|३२
(रेल्वे घं. मि. ६|१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	१०	११	११	९	५	८	१०
२४	१७	०४	१५	१४	२१	०४	२३
०६	०३	४०	३७	०६	५७	४३	५९
२०	१७	१२	११	५२	२३	३०	२४
५९	४७	११४	१४	७१	३	३	६०
५९	१७	०९	०३	२१	५२	११	०६
पूभा	श	उभा	उभा	श्र	ह	मू	पूभा
२	४	१	४	२	४व	२	२



मार्च		रविस्पस्ट प्रातः ६|२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
५	श	१०	२०	०६	३१	६०	०७	६	१५	२९	१८	६	५९	६	४२	२९	०९	५	५८	५	३८
६	र	१०	२१	०६	३८	६०	०५	५	५२	२९	२०	६	५८	६	४२	२९	१२	५	५७	५	३८
७	चं	१०	२२	०६	४३	६०	०३	५	२९	२९	२३	६	५७	६	४३	२९	१५	५	५६	५	३९
८	मं	१०	२३	०६	४६	६०	०१	५	०५	२९	२६	६	५७	६	४३	२९	१८	५	५६	५	३९
९	बु	१०	२४	०६	४७	५९	५९	४	४२	२९	२८	६	५६	६	४३	२९	२२	५	५५	५	३९
१०	गु	१०	२५	०६	४७	५९	५७	४	१८	२९	३१	६	५५	६	४३	२९	२५	५	५४	५	४०
११	शु	१०	२६	०६	४४	५९	५५	३	५५	२९	३४	६	५४	६	४४	२९	२८	५	५३	५	४०
१२	श	१०	२७	०६	४०	५९	५४	३	३१	२९	३६	६	५३	६	४४	२९	३१	५	५२	५	४०
१३	र	१०	२८	०६	३३	५९	५२	३	०८	२९	३९	६	५३	६	४४	२९	३५	५	५१	५	४१
१४	चं	१०	२९	०६	२५	५९	५०	२	४४	२९	४२	६	५२	६	४५	२९	३८	५	५०	५	४१
१५	मं	११	००	०६	१४	५९	४८	२	२०	२९	४४	६	५१	६	४५	२९	४१	५	४९	५	४२
१६	बु	११	०१	०६	०२	५९	४६	१	५७	२९	४७	६	५०	६	४५	२९	४४	५	४८	५	४२
१७	गु	११	०२	०५	४८	५९	४४	१	३३	२९	५०	६	४९	६	४५	२९	४८	५	४७	५	४२
१८	शु	११	०३	०५	३१	५९	४२	१	०९	२९	५२	६	४९	६	४६	२९	५१	५	४६	५	४३
१९	श	११	०४	०५	१३	५९	४०	०	४६	२९	५५	६	४८	६	४६	२९	५४	५	४५	५	४३

संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २०११

फा. शु. ९ चंद्रे मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २७|५७ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २७|५७ से भौमे १०|२१ तक। (दान-भूमि माला)।

अयनांशाः २४|००|०५
४९ पं. फा.शु.११ बु. इष्टघटी -२|५१
(रेल्वे घं. मि. ६|१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	१०	११	११	९	५	८	११
०१	२२	१७	१७	२२	२१	०४	००
०५	३३	१९	१६	२७	२९	२१	५९
३५	५८	५०	१२	१९	११	१५	२३
५९	४७	९६	१४	७१	४	३	५९
४६	१०	२२	१६	४०	१४	११	५१
पूभा	पूभा	रे	रे	श्र	ह	मू	पूभा
४	१	१	१	४	४व	२	४



चैत्र कृष्णपक्ष संवत २०६७, शाकः १९३२, २० मार्च से ३ अप्रेल तक नवलगढ

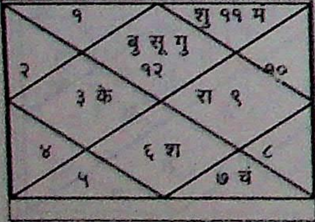
वसंतर्त्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति महा., मार्च-अप्रेल २०११

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टे. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	र	३२	४१	१९	४२	उफा	२/५५	५१/०४	७/२८	४६/४०	वृ	४५	१३	२४	४३	बा	७	३५	९	४०	२९/५७	६/३८	६/३७	कन्या	२९	१४	२०	वसन्त १, छारेंडी देशाचारे, करिदिन, सायन मेषे भानुः २८।३६
२	सो	२३	१९	१५	५७	चित्रा	४८	०२	२५	५०	ध्रु	३४	४५	२०	३१	ग	२३	१९	१५	५७	३०/०१	३७	३७	तुला. १५।१२	३०	१५	२१	भ. २६।१२ उ.
३	मं	१४	५४	१२	३४	स्वा	४२	१०	२३	२८	व्या	२५	०९	१६	३९	वि	१४	५४	१२	३४	०५	३६	३८	तुला.	१	१६	२२	भ. १२।३४ या., अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।४९, कल्पादि, B
४	बु	७	५१	९	४३	विशा	३७	५२	२१	४३	ह	१६	४४	१३	१७	बा	७	५१	९	४३	०९	३५	३८	वृश्चि. १६।०६	२	१७	२३	[B भा. चैत्रारंभः, कुंभे शुक्रः १३।४०
५	गु	२	३१	७	३४	अनु	३५	२३	२०	४३	व	९	४७	१०	२८	तै	२	३१	७	३४	१३	३४	३९	वृश्चि.	३	१८	२४	भ. ३०।११ उ. [A मोक्षः २२।४१, रेव. रविः २३।०५ G
६	गु	५९	०४	३०	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[G (सौरः २५।१२), वक्री बुधः १३।०७
७	शु	५७	४३	२९	३८	ज्ये	३४	५४	२०	३०	सि	४	२२	८	१७	वि	२८	१०	१७	४८	१७	३२	३९	धनु. २०।३०	४	१९	२५	भ. १७।४८ या., शीतला पूजनं, [गुरोरस्तः पश्चिमायाम् १४।४०], C
८	श	५८	२१	२९	५२	मूल	३६	२४	२१	०५	व्य	०/५८	३६/२०	६/२९	४६/५१	बा	२७	४९	१७	३९	२२	३१	४०	धनु.	५	२०	२६	[D सू.उ. से ८।२४ तक, अप्रेल ४ ता. ३०
९	र	...	...	...	...	पूषा	३९	४३	२२	२४	प	५७	३२	२९	३१	तै	२९	२४	१८	१६	२६	३०	४१	मक. २८।५०	६	२१	२७	रेव.-२ गुरुः १५।५५, शत. शुक्रः २७।०६
९	सो	०	५१	६	४९	उषा	४४	३७	२४	२०	शि	५७	५३	२९	३८	ग	०	५१	६	४९	३०	२९	४१	मक.	७	२२	२८	भ. १९।३२ उ., मेषे अश्वि. बुधः १०।४३
१०	मं	४	४७	८	२३	श्रव	५०	४२	२६	४५	सि	५९	०८	३०	०७	वि	४	४७	८	२३	३४	२८	४२	मक.	८	२३	२९	भ. ८।२३ या., उभा. भौमः २३।५४ [C मीने भौमः १७।३७
११	बु	९	५१	१०	२३	धनि	५७	३५	२९	२९	सा	...	...	...	...	बा	९	५१	१०	२३	३८	२७	४२	कुंभे १६।०५	९	२४	३०	पंचक प्रारम्भ. १६।०५, पापमोचनी ११ व्र.
१२	गु	१५	३८	१२	४१	शत	...	...	...	...	सा	१	००	६	५०	तै	३५	३८	१२	४१	४२	२६	४३	कुंभे	१०	२५	३१	प्रदोषः, वारुणी योग १२।४१ से सू.उ. तक, पातस्पर्शः १७।३६, A
१३	शु	२१	४७	१५	०८	शत	४	५८	८	२४	शु	३	११	७	४१	व	२१	४७	१५	०८	४६	२५	४३	मीने २८।३७	११	२६	१	भ. १५।०८ उ. २८।२२ या., मासिकशिवरात्री व्र., वारुणी योग D
१४	श	२८	०१	१७	३६	पूभा	१२	२६	११	२२	शु	५	२८	८	३५	श	२८	०१	१७	३६	५०	२४	४४	मीने	१२	२७	२	(व) मीने रेव. बुध. १६।४१ [E बुधास्तः पश्चिमायाम् ७।२८
३०	र	३४	०९	२०	०२	उभा	११	५१	१४	११	ब्र	७	४४	९	२८	च	१	०८	६	५०	५४	२२	४४	मीने	१३	२८	३	देवपितृकार्येऽमा., केतकी अहर्गणः ६९३७, चक्र ६, मन्वादि, E

गुरोरस्तः

अयनांशाः २४।००।०६
५० पं. चै.कृ. ४ बु. इष्टघटी -११११
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	१०	११	११	१०	५	८	११
०८	२८	२६	१८	००	२०	०३	०७
०३	०३	३९	५६	४९	५८	५८	५७
१३	४६	४०	२९	४२	४२	५९	३४
५९	४७	५४	१४	७१	४	३	५९
३२	०२	१६	२४	५४	३०	११	३६
उभा	पूभा	रे	रे	ध	ह	मू	उभा
२	३	३	१	३	४व	२	२



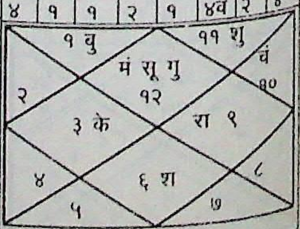
मार्च ता. वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२० र	११	०५	०४	५३	५९	३८	०	२२-	२९	५८	६	४७	६	४६	२९	५७	५	४५	५	४३
२१ चं	११	०६	०४	३०	५९	३६	०	०२+	३०	०१	६	४६	६	४६	३०	०१	५	४४	५	४४
२२ मं	११	०७	०४	०६	५९	३४	०	२६	३०	०३	६	४५	६	४७	३०	०४	५	४३	५	४४
२३ बु	११	०८	०३	४०	५९	३२	०	४९	३०	०६	६	४४	६	४७	३०	०७	५	४२	५	४५
२४ गु	११	०९	०३	११	५९	३०	१	१३	३०	०९	६	४४	६	४७	३०	१०	५	४१	,	४५
२५ शु	११	१०	०२	४१	५९	२७	१	३७	३०	११	६	४३	६	४७	३०	१४	५	४०	५	४५
२६ श	११	११	०२	०८	५९	२६	२	००	३०	१४	६	४२	६	४७	३०	१७	५	३९	५	४६
२७ र	११	१२	०१	३४	५९	२३	२	२४	३०	१७	६	४१	६	४८	३०	२०	५	३८	५	४६
२८ चं	११	१३	००	५७	५९	२१	२	४७	३०	१९	६	४०	६	४८	३०	२३	५	३७	५	४६
२९ मं	११	१४	००	१९	५९	१९	३	११	३०	२२	६	३९	६	४८	३०	२७	५	३६	५	४७
३० बु	११	१४	५९	३८	५९	१७	३	३४	३०	२५	६	३९	६	४८	३०	३०	५	३५	५	४७
३१ गु	११	१५	५८	५५	५९	१५	३	५७	३०	२७	६	३८	६	४९	३०	३३	५	३४	५	४७
१ शु	११	१६	५८	१०	५९	१३	४	२१	३०	३०	६	३७	६	४९	३०	३६	५	३३	५	४८
२ श	११	१७	५७	२४	५९	११	४	४४	३०	३३	६	३६	६	४९	३०	३९	५	३२	५	४८
३ र	११	१८	५६	३५	५९	०९	५	०७	३०	३५	६	३५	६	४९	३०	४३	५	३१	५	४८

मास फलम्

इस पक्ष में अमावस्या उत्तराभाद्रपद योग सुभिक्ष और सुखद है। मीन राशि में गुरु के अस्त होने से सुभिक्ष हो, कुशल हो, धान्य की समर्घता हो और धान्य अधिक हो। शतभिषा में शुक्र होने से प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, शतभिषा नक्षत्र में स्थित शुक्र शौण्डिकों (मद्यविक्रेता - कलवारों) को पीड़ित करता है। अश्विनी में बुध होने से जौ गेहूँ में रोग हो। ईख, दूध, रस और घी आदि सस्ते हों, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीड़ित हों।

अयनांशाः २४।००।०७
५१ पं. चै.कृ.११ बु. इष्टघटी -११३०
(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	११	०	११	१०	५	८	११
१४	०३	००	२०	०९	२०	०३	१४
५९	३२	२३	३७	१३	२६	३६	५३
११	२७	०८	३५	४०	४३	४४	५५
५९	४६	२	१४	७२	४	३	५९
१७	५१	०३	२९	०७	३८	११	१९
उभा	उभा	अ	रे	श	ह	मू	उभा
४	१	१	२	१	४व	२	४



नवलगढ दैनिक लग्नसारणी से नीचे नगरों में लग्नप्रवेश बनाने के लिए संस्कार कोष्ठक (मिनिटों में)

नगरों के नाम	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
अमृतसर (पंजा.)	- २	- ६	- ८	- ७	- ४	+ ०	+ ५	+ ८	+ १०	+ ९	+ ६	+ २
अजमेर (राज.)	+ ३	+ ४	+ ४	+ ४	+ ३	+ २	+ १	- १	- १	- १	+ ०	+ १
अहमदाबाद (गुज.)	+ १४	+ १८	+ २०	+ १९	+ १६	+ ११	+ ७	+ ३	+ १	+ २	+ ५	+ ९
आकोला (महा.)	- २	+ ४	+ ७	+ ५	+ ०	- ७	- १४	- २०	- २३	- २१	- १६	- ९
आगरा (उ.प्र.)	- ११	- १०	- १०	- १०	- १०	- ११	- १२	- १२	- १२	- १२	- १२	- ११
इंदौर (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ८	+ ७	+ ३	- २	- ७	- ११	- १४	- १३	- ९	- ४
उज्जैन (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ७	+ ६	+ ३	- २	- ६	- १०	- १२	- ११	- ८	- ३
उदयपुर (राज.)	+ ८	+ ११	+ १२	+ १२	+ ९	+ ६	+ ३	+ ०	- १	- १	+ २	+ ५
कोलकाता (बंगा.)	- ४९	- ४५	- ४२	- ४३	- ४७	- ५२	- ५७	- ६२	- ६४	- ६३	- ५९	- ५४
कानपुर (उ.प्र.)	- २०	- १९	- १८	- १८	- १९	- २०	- २२	- २३	- २४	- २३	- २२	- २१
काठमाण्डु (नेपा.)	- ३९	- ३८	- ३८	- ३८	- ३९	- ४०	- ४१	- ४२	- ४३	- ४२	- ४२	- ४१
कोल्हापुर (महा.)	+ १२	+ २५	+ २६	+ २४	+ १६	+ ५	- ५	- १४	- १९	- १७	- ९	+ १
गौहाटी (आसा)	- ६५	- ६४	- ६३	- ६३	- ६५	- ६६	- ६८	- ६९	- ७०	- ७०	- ६८	- ६७
चंडीगढ (पंजा.)	- १०	- १२	- १४	- १३	- ११	- ८	- ५	- २	- ०	- १	- ३	- ७
चित्तौडगढ (राज.)	+ ४	+ ६	+ ८	+ ७	+ ५	+ २	- १	- ३	- ५	- ४	- २	+ १
चित्रई (तमि.)	- ९	+ ३	+ ९	+ ६	- ४	- १८	- ३१	- ४३	- ५०	- ४७	- ३६	- २३
जयपुर (राज.)	- २	- १	- १	- १	- २	- ३	- ३	- ४	- ५	- ४	- ४	- ३
जौधपुर (राज.)	+ १२	+ १३	+ १४	+ १४	+ १२	+ ११	+ ९	+ ८	+ ७	+ ७	+ ८	+ १०
डिब्रुगढ (आसा)	- ७२	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ८०	- ८०	- ८०	- ८०	- ७९
दरभंगा (विहा.)	- ४२	- ४०	- ३९	- ४०	- ४१	- ४३	- ४४	- ४६	- ४६	- ४६	- ४५	- ४३
दिल्ली	- ९	- १०	- १०	- १०	- ९	- ९	- ८	- ७	- ६	- ७	- ७	- ८
नागपुर (महा.)	- ११	- ५	- २	- ४	- ९	- १५	- २१	- २७	- ३०	- २९	- २४	- १७
पटना (विहा.)	- ३९	- ३७	- ३६	- ३६	- ३८	- ४०	- ४२	- ४४	- ४५	- ४५	- ४३	- ४१
पूना (महा.)	+ १२	+ २०	+ २४	+ २२	+ १५	+ ७	- २	- १०	- १४	- १२	- ६	+ ३
वडौदा (गुज.)	+ १२	+ १७	+ २०	+ १९	+ १४	+ ९	+ ३	- २	- ५	- ३	+ १	+ ६
वीकानेर (राज.)	+ ७	+ ६	+ ६	+ ६	+ ७	+ ७	+ ८	+ ८	+ ८	+ ८	+ ८	+ ७
बैंगलोर (कर्ना.)	+ १	+ १३	+ १९	+ १७	+ ६	- ७	- २१	- ३३	- ३९	- ३६	- २६	- १३
भागलपुर (विहा.)	- ४५	- ४३	- ४२	- ४२	- ४४	- ४७	- ५०	- ५२	- ५३	- ५२	- ५१	- ४८
भुवनेश्वर (उडी.)	- ३७	- ३१	- २८	- २९	- ३५	- ४२	- ४९	- ५५	- ५८	- ५७	- ५१	- ४५
भोपाल (म.प्र.)	- ५	- १	+ १	- ०	- ३	- ८	- १२	- १६	- १८	- १८	- १४	- १०
मुम्बई (महा.)	+ १६	+ २३	+ २७	+ २५	+ १९	+ ११	+ २	- ५	- ९	- ७	- १	+ ७
वाराणसी (उ.प्र.)	- ३०	- २७	- २६	- २७	- २९	- ३१	- ३३	- ३६	- ३७	- ३६	- ३४	- ३२
सोलापुर (महा.)	+ ४	+ १३	+ १७	+ १५	+ ८	- १	- ११	- २०	- २४	- २२	- १५	- ५
श्रीनगर (ज.क)	- ५	- ११	- १४	- १३	- ८	- १	+ ६	+ १३	+ १६	+ १५	+ ९	+ २
हैदराबाद (आं.प्र)	- ६	+ ३	+ ८	+ ६	- २	- १२	- २२	- ३०	- ३५	- ३३	- २५	- १६

॥ संवत् २०६८ ॥ संस्कार कोष्ठक ज्ञानायः- पञ्चाङ्गस्थ नवलगढ (राज.) की दैनिक लग्न प्रवेश सारणी से उपर लिखे नगरों का प्रवेश व समाप्ति काल संस्कार कोष्ठक की सहायता से किसी भी दिन का स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं।

उदाहरण - १ मई २०११ को मुम्बई (महा.) में तुला लग्न का प्रवेश और समाप्ति काल ज्ञात करना है। पंचांग में १ मई २०११ को तुला का प्रवेश काल सायँ घंटा ५ मिनट ४४ और समाप्ति काल रात्रौ घंटा ८ मिनट ०४ लिखा हुआ है। संस्कार कोष्ठक में मुम्बई (महा.) के तुला में + २ मि. और वृश्चिक में - ५ मि. है (वृश्चिक का प्रवेश काल ही तुला का समाप्ति काल है)। अतः तुला के प्रवेश सायँ ५।४४ में + २ मि. का संस्कार किया (यदि - हो तो घटा दें और + हो तो जोड दें) तो मुम्बई (महा.) का स्पष्ट प्रवेश काल सायँ ५।४६ हो गया तुला के समाप्ति काल रात्रौ घंटा ८ मिनट ०४ में - ५ मि. का संस्कार किया तो तुला का समाप्ति काल रात्रौ ७।५९ स्पष्ट हो गया। ऐसे ही संस्कार कोष्ठक में लिखे हुए ३५ नगरों में से किसी भी नगर का कोई भी लग्न स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं।

रेल्वे मध्यान्तर निकालने की विधि -

जिस गांव का रेल्वे मध्यान्तर निकालना हो उस गांव का एटलस (भारत के नकसे) से रेखांश प्राप्त करे उस रेखांश में से ८२।३० अंश घटाकर शेष को ४ से गुणा करें गुणन फल उस नगर का मध्यम रेल्वेंतर मिनट धन होगा। उदाहरण - कोलकाता का रेखांश ८८।३० रेखांश धन है इसमें से ८२।३० घटाया (८८।३०-८२।३०) = शेष + ६ अंशो को ४ से गुणा किया + ६ X ४ = २४ यही कोलकाता का २४ मिनिट धन मध्यम रेल्वेंतर हुआ।

यदि अभीष्ट स्थान के रेखांश ८२।३० रेखांश से कम हों तो ८२।३० में से अभीष्ट नगर के रेखांश घटाकर शेष को ४ से गुणा करने से अभीष्ट नगर का ऋण रेल्वे मध्यान्तर होगा। उदा० - मुम्बई के रेखांश ७२।४८ है इसको ८२।३० में से घटाया शेष ९।४२ रहा इनको ४ से गुणा किया तो गुणनफल ३८।४८ मिनिट मुम्बई का मध्यम रेल्वेन्तर हुआ।

रेल्वे मध्यान्तर को स्फुट रेल्वेन्तर जानने की विधि

जिस तारीख का स्फुट रेल्वेंतर जानना हो तो उस तारीख का अंक्षाशादि सारणी के पेज में लिखे वेलान्तर मिनिटों को व्यस्त चिन्ह (ऋण धन का चिन्ह बदल कर) संस्कार करने से स्फुट रेल्वेन्तर उस तारीख का होगा जैसे तारीख १४ जनवरी को वेलान्तर + ९।२० मिनिट धन है इसको व्यस्त चिन्ह धन को ऋण चिन्ह - किया तो हुआ -९।२० यह कोलकाता का +२४ में वैजिकरीत्या संस्कार किया तो + २४।० - ९।२० = + १४।४० ता०-१५ जनवरी को स्फुट रेल्वेन्तर हुआ ऐसे ही मुम्बई -३८।४८ संस्कार किया तो वैजिकरीत्या (योगे युतिः स्यात्क्षययोः स्वयोर्वा) के अनुसार -३८।४८ - ९।२० का जोड किया तो ४८।०८ मुम्बई में स्फुट रेल्वेतर मिनिट ऋण हुये उनको रेल्वे टाइम में धन ऋण करने से स्थानिक स्फुट टाइम हुई।

ले. पं. ग्यारसीलाल शर्मा, विले पारले, मुम्बई

संवत् २०६८, दिनमान एवं सूर्योदयास्त जानने की सरल विधि -

जिस नगर का दिनमान जानना चाहें उस नगर का अक्षांश पंचांग से या एटलस (भारत के नकसे से) प्राप्त करें उसके पश्चात पंचांग में लिखी दैनिक रवि क्रान्ति और अंक्षाश की सहायता से चर सारणी से अभीष्ट दिन की चरपल प्राप्त करें। चर पलों को दूगुना करके घटी ३०।०० में रवि क्रान्ति उत्तर (धन) हो तो जोड़ दें और रवि क्रान्ति दक्षिण (ऋण) हो तो ३०।० घटी में से घटा दे दिनमान घटी पल होगा। दिनमान की घटी पलों में ५ का भाग देने से सूर्य घटी (देशी) सूर्यास्त का घंटा मिनट होगा। देशी सूर्यास्त के घंटा मिनटों को १२ में से घटा देने से देशी सूर्योदय का घंटा मिनट होगा। इसमें रेल्वे मध्यांतर मिनट तथा वेलान्तर संस्कार करने से रेल्वे टाइम का सूर्योदय एवं सूर्यास्त का घण्टा मिनिटात्मक काल होगा।

दिनमान = ३० + (चरपल x २)

स्टैण्डर्ड सूर्यास्त = दिनमान ÷ ५ + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

स्टैण्डर्ड सूर्योदय = १२ − (दिनमान ÷ ५) + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

उदाहरण - संवत् २०६८, तारीख १ नवंबर २०११ को मुम्बई (महा.) अक्षांशा: १८° ५७' उ., रेखांशा: ७२° ५०' पू. का स्पष्ट दिनमान एवं स्टैण्डर्ड सूर्योदय/सूर्यास्त गणित द्वारा ज्ञात करना है। १ नवंबर २०११ को पञ्चाङ्गस्थ रवि क्रान्ति अंश-कलादि (ऋण) -१४।१६ है यहाँ अक्षांश और रवि क्रान्ति की सहायता से चरपल संस्कार सारणी से -४९ पल प्राप्त हुई. इनको २ से गुणा किया (-९८ = -४९ x २) पल ६० से ज्यादा है अतः ६० का भाग दिया तो घट्यादि - १।३८ हुआ यहाँ रवि क्रान्ति दक्षिण है अतः घटी ३० में से घटा दिया (३०।० - १।३८) तो घट्यात्मक २८।२२ दिनमान हुआ। इसमें ५ का भाग दिया लब्धि घंटादि ५ घंटा ४० मिनट २४ से. देशी सूर्यास्त टाइम हुई इसको १२ में से घटा दिया तो ६ घंटा १९ मिनट ३६ से. देशी सूर्योदय समय हो गया इसमें रेल्वेऽन्तर संस्कार के लिए - मुम्बई (महा.) का रेखांश ८२।३० से कम है अतः ((८२।३० - ७२।५०) x ४) रेल्वे मध्यान्तर मिनट (ऋण) -३८ सेकण्ड ४० को व्यस्तचिन्ह (ऋण हो तो धन और धन हो तो ऋण) करके सूर्योदय/सूर्यास्त में जोड दिया तो ६।५८।१६ सूर्योदय और ६।१९।०४ सूर्यास्त मुम्बई (महा.) का मध्यम मान से हुआ। इसमें तारीख १ नवंबर २०११ को वेलान्तर मिनट -१६ सेकण्ड २४ को धनर्ण करने से स्टैण्डर्ड (रेल्वे) ६।४१।५२ सूर्योदय और ६।०२।४० सूर्यास्त (अर्धादिक रुप से सूर्योदय ६ बजकर ४२ मिनट और सूर्यास्त ६ बजकर ०३ मिनट) समय स्पष्ट हो गया। इस तरह भारत के किसी भी गांव का जान लीजियें।

रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे, ॥ अथ मास तारीखोपरि वेलान्तरम् ॥ मिनट-सेकण्ड, ई.सन् २०११

ता.	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर
	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.
१	+ ३।१४	+१३।३१	+१२।३२	+ ४।०९	- २।४६	- २।१५	+ ३।४४	+ ६।२३	+ ०।१५	-१०।०६	-१६।२४	-११।१५
२	+ ३।४३	+१३।३९	+१२।२०	+ ३।५१	- २।५३	- २।०६	+ ३।५६	+ ६।२०	- ०।०४	-१०।२५	-१६।२५	-१०।५३
३	+ ४।११	+१३।४६	+१२।०८	+ ३।३४	- ३।००	- १।५७	+ ४।०७	+ ६।१५	- ०।२४	-१०।४४	-१६।२६	-१०।३०
४	+ ४।३८	+१३।५३	+११।५६	+ ३।१६	- ३।०६	- १।४७	+ ४।१८	+ ६।१०	- ०।४३	-११।०३	-१६।२६	-१०।०७
५	+ ५।०६	+१३।५८	+११।४३	+ २।५९	- ३।१२	- १।३७	+ ४।२९	+ ६।०५	- १।०३	-११।२२	-१६।२६	- ९।४२
६	+ ५।३२	+१४।०३	+११।२९	+ २।४१	- ३।१७	- १।२६	+ ४।३९	+ ५।५९	- १।२३	-११।४०	-१६।२४	- ९।१८
७	+ ५।५९	+१४।०७	+११।१५	+ २।२४	- ३।२१	- १।१५	+ ४।४९	+ ५।५२	- १।४३	-११।५७	-१६।२२	- ८।५२
८	+ ६।२५	+१४।११	+११।०१	+ २।०७	- ३।२५	- १।०४	+ ४।५९	+ ५।४५	- २।०४	-१२।१५	-१६।१८	- ८।२७
९	+ ६।५०	+१४।१३	+१०।४६	+ १।५१	- ३।२९	- ०।५३	+ ५।०८	+ ५।३७	- २।२५	-१२।३२	-१६।१४	- ८।००
१०	+ ७।१५	+१४।१५	+१०।३१	+ १।३४	- ३।३२	- ०।४१	+ ५।१७	+ ५।२९	- २।४५	-१२।४८	-१६।०९	- ७।३४
११	+ ७।३९	+१४।१६	+१०।१६	+ १।१८	- ३।३४	- ०।२९	+ ५।२५	+ ५।२०	- ३।०६	-१३।०४	-१६।०४	- ७।०६
१२	+ ८।०३	+१४।१६	+१०।००	+ १।०२	- ३।३६	- ०।१७	+ ५।३३	+ ५।१०	- ३।२७	-१३।२०	-१५।५७	- ६।३९
१३	+ ८।२६	+१४।१५	+ ९।४४	+ ०।४७	- ३।३७	- ०।०५	+ ५।४१	+ ५।००	- ३।४९	-१३।३५	-१५।५०	- ६।११
१४	+ ८।४९	+१४।१४	+ ९।२८	+ ०।३२	- ३।३७	+ ०।०८	+ ५।४८	+ ४।४९	- ४।१०	-१३।४९	-१५।४१	- ५।४३
१५	+ ९।११	+१४।१२	+ ९।११	+ ०।१७	- ३।३७	+ ०।२१	+ ५।५५	+ ४।३८	- ४।३१	-१४।०३	-१५।३२	- ५।१४
१६	+ ९।३२	+१४।०९	+ ८।५५	+ ०।०२	- ३।३७	+ ०।३३	+ ६।०१	+ ४।२६	- ४।५३	-१४।१७	-१५।२२	- ४।४५
१७	+ ९।५३	+१४।०५	+ ८।३८	- ०।१२	- ३।३६	+ ०।४६	+ ६।०७	+ ४।१४	- ५।१४	-१४।२९	-१५।११	- ४।१६
१८	+१०।१२	+१४।०१	+ ८।२०	- ०।२६	- ३।३४	+ ०।५९	+ ६।१२	+ ४।०१	- ५।३६	-१४।४२	-१५।००	- ३।४७
१९	+१०।३२	+१३।५६	+ ८।०३	- ०।३९	- ३।३२	+ १।१२	+ ६।१६	+ ३।४८	- ५।५७	-१४।५३	-१४।४७	- ३।१७
२०	+१०।५०	+१३।५१	+ ७।४५	- ०।५२	- ३।२९	+ १।२५	+ ६।२०	+ ३।३४	- ६।१८	-१५।०५	-१४।३४	- २।४८
२१	+११।०८	+१३।४४	+ ७।२८	- १।०५	- ३।२५	+ १।३८	+ ६।२४	+ ३।२०	- ६।४०	-१५।१५	-१४।२०	- २।१८
२२	+११।२५	+१३।३७	+ ७।१०	- १।१७	- ३।२२	+ १।५१	+ ६।२७	+ ३।०५	- ७।०१	-१५।२५	-१४।०५	- १।४८
२३	+११।४१	+१३।३०	+ ६।५२	- १।२९	- ३।१७	+ २।०४	+ ६।२९	+ २।५०	- ७।२२	-१५।३४	-१३।४९	- १।१८
२४	+११।५६	+१३।२१	+ ६।३४	- १।४०	- ३।१२	+ २।१७	+ ६।३१	+ २।३४	- ७।४३	-१५।४२	-१३।३२	- ०।४८
२५	+१२।११	+१३।१३	+ ६।१६	- १।५१	- ३।०७	+ २।३०	+ ६।३२	+ २।१८	- ८।०४	-१५।५०	-१३।१५	- ०।१८
२६	+१२।२५	+१३।०३	+ ५।५८	- २।०२	- ३।०१	+ २।४३	+ ६।३२	+ २।०२	- ८।२५	-१५।५७	-१२।५७	+ ०।१२
२७	+१२।३८	+१२।५३	+ ५।४०	- २।११	- २।५४	+ २।५५	+ ६।३२	+ १।४५	- ८।४६	-१६।०३	-१२।३८	+ ०।४१
२८	+१२।५०	+१२।४३	+ ५।२१	- २।२१	- २।४७	+ ३।०८	+ ६।३२	+ १।२७	- ९।०६	-१६।०९	-१२।१८	+ १।११
२९	+१३।०१	. . .	+ ५।०३	- २।३०	- २।४०	+ ३।२०	+ ६।३१	+ १।१०	- ९।२६	-१६।१४	-११।५८	+ १।४०
३०	+१३।१२	. . .	+ ४।४५	- २।३८	- २।३२	+ ३।३२	+ ६।२९	+ ०।५२	- ९।४६	-१६।१८	-११।३७	+ २।०९
३१	+१३।२२	. . .	+ ४।२७	. . .	- २।२४	. . .	+ ६।२६	+ ०।३३	. . .	-१६।२१	. . .	+ २।३८

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् । वासरमणिरिव तमसा राशींन्नाशयति विघ्नानाम् ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११२, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११२ भोग्यकलिः ४२६८८८ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्यराज्येतो गताब्दाः संवत् २०६८ शाकः १९३३ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा चंद्रः, मंत्री गुरुः, सस्येशः शनिः, धान्येशः शुक्रः, मेघेशो बुधः, रसेशश्चंद्रः, नीरसेशः शनिः, फलेशो बुधः, धनेशः शनिः, दुर्गेशो बुधः, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादि षष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णु विंशतिकायां १८ क्रोधीनाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि ११।१९।३२।१० भोग्य मासादि ०।१०।२७।५० विश्वेदेव दैवतं युगम् । वर्षनाम भाद्रपद । चतुर्मेघनाम द्रोणः । रोहिणी निवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा ५ । समय वाहनं मृगः । स्तंभ २ जल अन्न । सोमवत्यमा. २ । सोमवती पंचमी ३ । अंगारकी चतुर्थी ० । भानु सप्तमी २ । बुधाष्टमी १ । रविदशमी २ । समय मुहूर्तानि ३३० । समय दिनानि ३५४ । तिथि क्षयः १५ । तिथि वृद्धिः ९ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९३ । स्वपति विश्वा ८४ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ८७ । स्वपति विश्वा ९६ । वर्षा विश्वा ११ । धान्यम् १७ । तृणम् १५ । शीतम् १५ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । (क्षुधा ९ । तृष्णा १ । निद्रा ५ । आलस्य १ । उद्यम १७ । शान्ति १ । क्रोध ३ । दण्ड ५ । मैत्री १३ । उत्सव ११ । पाप ११ । पुण्य ७ । उग्रत्व ७ । रसोत्पत्ति. ५ । फलोत्पत्तिः ९ । व्याधि ७ । व्याधिनाश ३ । आचार १९ । अनाचार ७ । मृत्यु ३ । जन्म ११ । चौर १७ । उपशमन ५ । अग्निभय ११ । अग्निशमः ३ ।) सत्यम् ॥, धर्म १॥, पाप १८ । ऐक्यम् १२३ । शनि दृष्टिः दक्षिणस्याम । ग्रहणं २ चन्द्रमसः । उद्रिजः १३ । जरायुजः ३ । पिण्डजः ७ । स्वदेजः ११ ।

अथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजाचंद्रस्तत्फलम् - चन्द्रे नृपे मंगलशोभनानि प्रभूतवृष्टिः प्रचूरं च धान्यम् । सोख्यं जनानामुदयो नृपाणां प्रशाम्यति व्याधिजरा नराणाम् ॥ मंत्रीगुरुस्तत्फलम् - विविधधान्ययुतास्फलुमेदिनीप्रचरतोयघनामुदिता भवेत् । नृपतयो जलपालनतत्परः सुरगुरौ ननुमंत्रिसमागते ॥ सस्येशः शनिस्तत्फलम् - रविसुतेयदिधान्यपतौजनानृपतिभिः परिपीडितविग्रहाः । गदभयंतुषधान्यहरंसदादुरितवादविवादयुतानराः ॥ धान्येशः शुक्रस्तत्फलम् - भृगौपश्चिमधान्येशे पश्चाद्धान्यं न पश्यति । सस्यंसमर्घतांयातिस्वल्पंक्षीरंगवामपि ॥ मेघेशोबुधस्तत्फलम् - अमृतरश्मिसुतेयदिवारिपेबहुजलंतुषधान्यरसादिकम् । द्विजवरायजनोत्सुकचेतसोविविधसौख्ययुताधरणीतदा ॥ रसेशश्चंद्रस्तत्फलम् - यदिविधौरसपेभुविमानवोनवनवांयुवती बुभुजे प्रियाम् । जलधरावहुवारिविधायकारसवतीधनधान्यवतीमही ॥ नीरसेशः शनिस्तत्फलम् - अयः पिण्डादिलोहानांकृष्णवस्त्रादिवस्तुनाम् । अर्घवृद्धिः प्रजायेतमन्देनीरसनायके ॥ फलेशोबुधस्तत्फलम् - यदिवुधेफलपेफलमुत्तमंजलधराजलराशिमुचस्तदा । बहुतृणंकुसुमैः कमलैर्युतंजनपदोजनसौख्यमुदान्वितः ॥ धनेशः शनिस्तत्फलम् - द्रविणपे रविजे विरलं धनं गदरता धरणीपतयः सदा । अगनिका वणिजः कृषिजीविनो द्विजवराः परिपीडितमानसाः ॥ दुर्गेशोबुधस्तत्फलम् - विषयसाम्यसुखं शशिजे प्रभौ भवति राशिगते तु विशेषतः । राशिसुते यदि कोटकपालके पथिषु द्रव्ययुजां न भयं क्वचित् ॥ क्रोधी नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते तत्फलम् - क्रोध्यब्देत्वसिलालोकाः क्रोधलोभपरायणाः । ईतिदोषेणसततंमध्यसस्यार्घवृष्टयः ॥ वर्षनाम भाद्रपद तत्फलम् - अंर्घमहर्घतांयात धनधान्यं समं भवेत् । मघवावर्षतिस्वच्छं संपदोभोद्रवर्षके ॥ चतुर्मेघनाम द्रोणस्तत्फलम् - द्रोणेवर्षतिसर्वदा । रोहिणी निवासः समुद्रे तत्फलम् - समुद्रे तु महावृष्टिः । समय निवासो मालाकारगृहे तत्फलम् - सर्ववस्तुसमर्घं स्यान्मालाकारगृहेऽब्दके ॥ अपिच - मालिनः प्रचुरा वृष्टिः । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

(१) ज्येष्ठ शुक्ला १५ बुधवार, संवत् २०६८. ता. १५ जून २०११, स्वग्रासं **चन्द्रग्रहणम्**, परमग्रास १.७२

	स्पर्श	सम्मी	मध्य	उन्मी	मोक्ष	पर्व
नवलगढ घ.	४५	४८	५०	५२	५५	९
स्थानिक प.	५३	२२	२९	३५	०४	११
रेल्वे घं.	२३	२४	२५	२६	२७	३
टाईम मि.	५९	५९	४९	४०	४०	४०

इस ग्रहण का सूतक स्टै १४।५९ बजे से प्रारम्भ होगा ।

(२) मार्गशीर्ष शुक्ला १५ शनिवार, संवत् २०६८, ता.१० दिसंबर २०११, स्वग्रासं **चन्द्रग्रहणम्**, परमग्रा. १.११

	स्पर्श	सम्मी	मध्य	उन्मी	मोक्ष	पर्व
नवलगढ घ.	२७	३१	३२	३३	३६	८
स्थानिक प.	३९	००	०६	११	३२	५४
रेल्वे घं.	१८	१९	२०	२०	२१	३
टाईम मि.	१७	३७	०३	३०	५०	३३

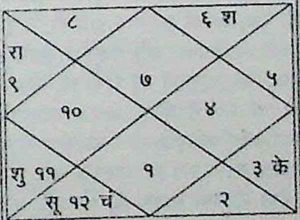
इस ग्रहण का सूतक स्टै ९।१७ बजे से प्रारम्भ होगा ।
नोट- ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है ।

सूर्यग्रहणाऽभावः

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता:

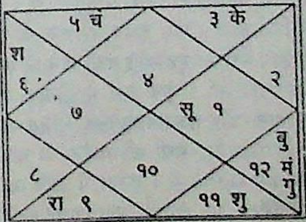
श्री.श्री १०८ पं. ईश्वरदत्त शर्मणोऽनुग्रहीत शिष्यः
पं. ग्यारसी लाल शर्मा (शास्त्री),
५८, राम कुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड़,
विलेपार्ले (पूर्व) मुम्बई ४०० ०५७.
दूरध्वनि क्र.: ८३७ २७८३

वर्ष लग्नम् ६।०७



१२ मं बु गु

वर्षेश लग्नम् ३।०६



लाभ स्खर्च कोष्ठक

	अष्टोत्तरी मतेन		विंशोत्तरी मतेन	
राशि	लाभ	स्खर्च	लाभ	स्खर्च
मेष	१४	२	११	१४
वृष	८	११	५	८
मिथुन	११	८	११	५
कर्क	५	८	५	२
सिंह	८	२	८	१४
कन्या	११	८	११	५
तुला	८	११	५	८
वृश्चिक	१४	२	११	१४
धनु	२	११	८	५
मकर	५	५	२	८
कुंभ	५	५	२	८
मीन	२	११	८	५

॥ ग्रहयोगाद्वर्ष फलम् ॥ संवत् २०६८

ग्रहयोग देखता वर्षफल उत्तम होगा। इस वर्ष में राजा और रसेश चंद्र हैं। मेघेश और फलेश और दुर्गेश बुध हैं। मंत्री गुरु हैं। धान्येश शुक्र है। सस्येश और नीरसेश और धनेश शनि हैं। इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ७ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए हैं और ३ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए हैं अतः वर्षफल उत्तम होगा। **चैत्र** - वर्षलग्न तुला होने से मध्यदेश में विग्रह तथा छत्रभंग हो, पूर्व में भी छत्रभंग और उपद्रव हो, दुर्भिक्ष हो वायु बहुत चले वर्षा कम हो पश्चिम में महायुद्ध हो और दाढभय तथा महँगाई हो, दक्षिण में सुख, उत्तर में दुर्भिक्ष और पश्चिम में दो मास कुछ उत्पात हो। **वैशाख** - प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, उ.भा. में स्थित शुक्र फल-मूलों को पीड़ित करता है, । गुरु उदय राजाओं के युद्ध का योग हो सुभिक्ष हो, बहुत वृष्टि हो। रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है, तुष धान्य मँहगे हों। मेष राशि में गुरु होने से प्रबुद्ध नाम का मेघ चारों ओर जल वर्षाता है, सुभिक्ष होता है, राजाओं में विग्रह रहता है, वस्त्र, कर्पीठ, सोना, चाँदी, तांबा, कपास और मूंगे यह सस्ते होते हैं। घोडो में महा रोग हो, गेहूँ - चावल, घी, उड़द इनकी सस्ती होती है और दक्षिण उत्तर में खण्ड वृष्टि होती है, दक्षिणोत्तर देश में कहीं छत्रभंग भी हो, वर्षा हो, कपास तथा अन्न महँगा हो। भेदपाठ में राज्यपीडा तथा देश भंग हो, रस की महँगाई हो, व्यापार लाभ में संशय रहे गुर्जर देश में उपद्रव होने से छत्रभंग हो। जौ, तिल, उड़द कम हों। **ज्येष्ठ** - धान्य महँगे हों और वैर बढे, किरात तथा यवन पीड़ित हों, विप्रगण पीड़ित हों, अल्पवृष्टि हो, कहीं कुछ उपद्रव हो, कपास, तिल, सूत महँगे हों, वृश्चिक का राहु होने से घी तथा कपड़ों का भाव मंदा हो, वायु से वर्षा हो। **आषाढ** - वर्षा अधिक हो, गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह हो, आषाढ में बुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो, बालकों को पीड़ा हो, कपास सूत मंदा हो। धान्य, रस (मधुर आदि) की महर्घता हो, चौपायों में पीड़ा, कपास वस्त्र और सूत की महँगाई हो। कोसल तथा कलिङ्ग देश का नाश और अतिवृष्टि हो। आश्लेषा में बुध होने से महावृष्टि हो, तुष धान्य उत्पन्न हों। मासांत में अन्न का अभाव हो, अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो। **श्रावण** - मघा में बुध होने से वर्षा मध्यम हो, धान्यादि भाव तेज हों, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग हो, विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो, सुभिक्ष हो। लोगों को सर्पों से अत्यन्त पीडा हो। **भाद्रपद** - आश्लेषा में बुध होने से महावृष्टि हो, तुष धान्य उत्पन्न हों। मघा नक्षत्र को शुक्र के भेदन करने से हस्तिपति पीडित हों और अतिवृष्टि हो। पुनर्वसु पर मंगल होने से तिलों की हानि हो तथा वैरा पीड़ित हों। पू.फा. नक्षत्र को शुक्र के भेदन करने से शबर-पुलिन्द जन पीडित हों और अतिवृष्टि हो। मेष का बृहस्पति वक्री होने से चन्दन, पुष्प, सुगन्धवाली वस्तुएं और तैलादि सब दो मास महँगे हों। कुरु देश में निवास करने वाले, जाङ्गल (स्वल्पपोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जाबस्थ जन पीड़ित हों।

आश्विन - पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो, मेघों की गर्जना के साथ वर्षा हो, कौरव और चित्रकार पीडित हों। उड़द मूंग कम उत्पन्न हों। कन्या में शनि अस्त होने से धातुओं की महँगाई हो अन्न भाव तेज हो। स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो। परस्पर सप्तम राशि में गुरु और शुक्र होने से रोग और अवृष्टि हो। गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो। साँपों का भय अधिक हो। दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो। **कार्तिक** - रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, धान्य सम्पदा अच्छी हो। तुष धान्य की महँगाई हो, सुन्दर वृष्टि हो, वाणिज्य कर्म करने वाले प्रभावित हों। तुला राशि में बुध का उदय होने से, भूकंप तथा युद्धादि हों। शस्त्र, चोर, अग्नि, रोग, जल और दुर्भिक्ष का भय हो। क्षत्रियों में परस्पर विरोध हो अनावृष्टि हो। ईख, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो। क्षत्रियों में प्रधान का अभाव हो अनावृष्टि हो।

मार्गशीर्ष - गुरु उदय से धान्य का विदेशों में बहुत निर्यात हो, बहुत वृष्टि हो। क्षेत्रपति का क्षय हो, प्रधान वैद्य पीड़ित हों। तेल का मूल्य बढे, बुंध का अस्त होने से धातुओं के भाव तेज हों। स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो। **पौष** - कर्णपीड़ा हो, ईख, शाली और घी महँगे हों, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो। घोड़ों का मूल्य बढे। पाखण्डियों में भय उत्पन्न हो। व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों। **माघ** - धान्य मन्दा हो, धन राशि में बुध का अस्त होने से राजाओं में भय हो। शतभिषा नक्षत्र में स्थित शुक्र शौण्डिकों (मद्यविक्रेता - कलवारों) को पीड़ित करता है। उत्तराषाढा में बुध होने से अन्न की उत्पत्ति हो, छोटे बालकों में पीड़ा हो, वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति हो। मंगल अश्रुमुख वक्र (औदयिक नक्षत्र से द्वादश नक्षत्र में यदि मङ्गल वक्री हो तो वह अश्रुमुख कहलाता है) होने से रसों में दोष पैदा हो तथा रोग की वृद्धि और अनावृष्टि हो। जुआड़ी लोग, कुरु तथा पञ्जाब देश में स्थित जन पीड़ित हों। श्रवण में बुंध होने से गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में वर्फ (ओले) गिरने का भय हो, उ.भाद्रपद में स्थित शुक्र फल-मूलों को पीडित करता है।

फाल्गुन - तेल का मूल्य बढे, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों। रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है। पूर्वाभाद्रपद में बुध होने से क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो। कुम्भ राशि में बुध का उदय होने से मार्ग में हवा बहुत चले। अश्विनी में शुक्र होने से ब्राह्मण जाति में विरोध हो। जौ, तिल, उड़द कम हों, अश्वपालक पीड़ित हो। उ.भा. में बुध होने से राजनीति में क्लेश हो, उ.भा. को बुध के भेदने से प्राणियों के धातुओं (वसा, रक्त, मांस, मेधा, अस्थि, मज्जा और शुक्र) की हानि हो। भरणी पर गुरु होने से सुभिक्ष हो तथा धान्य सम्पदा अच्छी हो।

चैत्र - मीन राशि में बुध का अस्त होने से राज्यवर्ग में पीड़ा हो। उड़द, मूंग, तिल और अन्य धान्यादि भाव तेज हों। आगे गो प्रजा भाग्य प्रबल है।

लाभ - खर्च देखने की विधि और फल - जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-खर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है।

॥ संवत् २०६८ मध्ये उपनयनादि मुहूर्ता. ॥

अथ उपनयन मुहूर्त्ताः

सन२०११	वैशाख मासः
मई ५	शु.२ गुरौ रोहि. अभिजिति
मई ८	शु.५ रवौ आर्द्रा ल. २ (मं. सू. १२ दो.)
मई १३	शु.१० शुक्रे उ.फा. अभिजिति
	आषाढ मासः
जून १७	कृ.२ शुक्रे पू.षा. अभिजिति
जून २०	कृ.५ चंद्रे धनि. अभिजिति
सन२०१२	माघ मासः
फर. ३	शु.११ शुक्रे मृगे अभिजिति
	फाल्गुन मासः
फर. २४	शु.३ शुक्रे उ.भा. अभिजिति

अथ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः

सन२०११	वैशाख मासः
मई १३	शु.१० शुक्रे उ.फा. अभिजिति
मई १६	शु.१४ चंद्रे स्वात्यां ल. ६ (ति. दो.)
	ज्येष्ठ मासः
मई १८	कृ.१ बुधेऽनुराधा ल. ५।६
जून ११	शु.१० शनौ चित्रा. अभिजिति
	मार्गशीर्ष मासः
नवं. १४	कृ.३ चंद्रे मृगे अभि. (ति.दो.)
सन२०१२	चैत्र कृष्णपक्षः
मार्च ९	कृ.१ शुक्रे उ.फा. ल. ३ (स्टै. १२।३६ उप.)
मार्च ९	कृ.१ शुक्रे हस्ते ल. ५ (स्टै. १८।०० या.)
मार्च १०	कृ.२ शनौ हस्ते अभिजिति
मार्च १२	कृ.५ चंद्रे स्वात्यां ल. १२

वृषचक्ररहिताः गेहारंभ (भूमिपूजन) मुहूर्त्ताः

सन२०११	वैशाख मासः
अप्रे. २७	कृ.१० बुधे धनि. ल. २।३
	ज्येष्ठ मासः
मई २८	कृ.११ शनौ रेवत्यां अभिजिति
जून ११	शु.१० शनौ चित्रा अभिजिति
	श्रावण मासः
जुला.१८	कृ.३ चंद्रे शत. ल. ९ (स्टै. ११।०० या.)
	मार्गशीर्ष मासः
नवं. २१	कृ.११ चंद्रे उ.फा. अभिजिति
दिसं. १	शु.७ गुरौ धनि. अभिजिति
सन२०१२	माघ मासः
जन. २५	शु.२ बुधे शत. ल. ३ (स्टै. १५।५६ उप.)
फर. ३	शु.११ शुक्रे मृगे अभिजिति
	फाल्गुन मासः
फर. २४	शु.३ शुक्रे उ.भा. ल. २
फर. २५	शु.३ शनौ रेवत्यां ल. ३ (स्टै. १४।०९ उप., ति.दो.)

अथ नूतन गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०११	वैशाख मासः
मई १३	शु.१० शुक्रे उ.फा. अभिजिति
	ज्येष्ठ मासः
मई २८	कृ.११ शनौ रेवत्यां अभिजिति
जून ९	शु.८ गुरौ उ.फा. अभिजिति
जून ११	शु.१० शनौ चित्रा अभिजिति
सन२०१२	माघ मासः
जन. १९	कृ.११ गुरौ अनु. अभिजिति

कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश(वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०११	वैशाख मासः
मई ५	शु.२ गुरौ रोहि. अभिजिति
	ज्येष्ठ मासः
मई १८	कृ.१ बुधे अनु. ल. ३।५
सन२००२	माघ मासः
जन. २८	शु.५ शनौ उ.भा. अभिजिति
	फाल्गुन मासः
फर. २४	शु.३ शुक्रे उ.भा. अभिजिति

अथ जीर्ण गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०११	वैशाख मासः
अप्रे. २७	कृ.१० बुधे धनि. ल. २।३
अप्रे. २८	कृ.११ गुरौ शत. अभिजिति
मई ९	शु.६ चंद्रे पुष्ये ल. २।३
	कार्तिक मासः
नवं. ४	शु.९ शुक्रे धनि. अभिजिति
	मार्गशीर्ष मासः
नवं. २३	कृ.१३ बुधे स्वात्यां ल. ९।११
दिसं. १	शु.७ गुरौ धनि. अभिजिति

कुंभचक्ररहिता जीर्णगृहप्रवेश(वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०११	ज्येष्ठ मासः
जून ६	शु.५ चंद्रे पुष्ये ल. ३
सन२०१२	माघ मासः
जन. २५	शु.२ बुधे धनि. ल. ३ (स्टै. १५।५६ या.)
जन २५	शु.२ बुधे शत. ल. ३ (स्टै. १५।५६ उप.)
जन. २६	शु.३ गुरौ शत. अभिजिति
	फाल्गुन मासः
फर. १३	कृ.६ चंद्रे स्वात्यामभिजिति

अथ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः

सन२०११	वैशाख मासः
मई ५	शु.२ गुरौ रोहि. अभि.
मई ९	शु.६ चंद्रे पुष्ये अभिजिति
मई १३	शु.१० शुक्रे उ.फा. अभि. (ति.क्ष.दो.)
मई १५	शु.१३ रवौ चित्रा. अभि. (मासान्त दोषः)
	ज्येष्ठ मासः
जून ११	शु.१० शनौ चित्रा. अभिजिति
जून १२	शु.११ रवौ स्वा. अभिजिति
	आषाढ मासः
जून २०	कृ.५ चंद्रे धनि. अभिजिति
जुला. ७	शु.७ गुरौ उ.फा. अभिजिति
जुला. १०	शु.१० रवौ स्वा. ल. ६
सन२०१२	माघ मासः
जन. २६	शु.३ गुरौ शत. अभिजिति
जन. २८	शु.५ शनौ उ.भा. अभिजिति
जन. २९	शु.६ रवौ रेवत्यां अभिजिति
जन. ३०	शु.७ चंद्रे अश्वि. अभिजिति
फर. ३	शु.११ शुक्रे मृगे अभिजिति
फर. ५	शु.१३ रवौ पुन. ल. ३
	फाल्गुन मासः
फर. १३	कृ.६ चंद्रे स्वात्यां अभिजिति
फर. २४	शु.३ शुक्रे उ.भा. अभिजिति
	चैत्र कृष्णपक्षः
मार्च १०	कृ.२ शनौ हस्तेऽभिजिति
मार्च १२	कृ.५ चंद्रे स्वात्यां ल. १२

॥ संवत् २०६८ मध्ये विवाह मुहूर्ताः ॥

सन्२०११ — **बैशाख शुक्लपक्षः**

मई ५ — २ गुरौ रोहि. दि. ल. ५, रात्री ८।११, रे. ९ IIIIIISIII (वृश्चि. चं. ७ पू.)
मई १७ — १५ भौमे अनु. रात्री ल. १०।१२, रे. ७ IIIISISSII

ज्येष्ठ कृष्णपक्षः

मई १८ — १ बुधे अनु. दिवा ल. ५।६, रे. ८ IIIISISIII
मई २८ — ११ शनौ रेवत्यां दिवा ल. ५।६, रात्री अ. गो १०।१ रे. ७ SIIISIISII (कन्या सोग्रांगः)

ज्येष्ठ शुक्लपक्षः

जून ७ — ६ भौमे मघा रात्री ल.अ.गो. १०।११।१ रे.८ IIIIIISSII (कुं. चं. ७ पू.)
जून ८ — ७ बुधे मघा दिवा ल. ३, रे. ९ IIIIIIISII
जून ९ — ८ गुरौ उफा. रात्री ल. गो. १०।१२, रे. ९ IIIIIIISII
जून १२ — ११ रवौ स्वाती रात्री अ. गो. १०।११।१, रे. ८ IIIISISIII (मेषे चं. ७ पू.)
जून १४ — १३ भौमेऽनुराधा रात्री ल. १०।११।१, रे. ९ IIIISIIIII

आषाढ कृष्णपक्षः

जून २४ — ८ शुक्रे रेवत्यां रात्री अ. गो. १०।११।१, रे. ७ SIIISIISII
जून २५ — ९ शनौ रेवत्यां दिवा ल. ४, रे. ६ SIIISISSII

आषाढ शुक्लपक्षः

जुला. ५ — ४ भौमे मघा दिवा ल. ४।६, रे. ९ IIIIIIISII
जुला. ६ — ५ बुधे उफा. रात्री अ. गो.११।२ रे.१० IIIIIIIIII (अ.गो. स्टै.१७।४४ उप. कुंभ चं. ७ पू.,वृषे रा.७ दोषसोग्रांगश्च)
जुला. ७ — ७ गुरौ उफा. दिवा ल. ४, रे. १० IIIIIIIIII
जुला. ९ — ९ शनौ स्वाती रात्री ल. गोधूलि ११, रे. ९ IIIISIIIII
जुला.१० — १० रवौ स्वाती दिवा ल ४, रे. ९ IIIISIIIII

अग्रे चतुर्मासारंभः

मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः

नवं. २० — १० रवौ उफा. दिवा ९, रात्रौ ७, रे. ८ SIIIIIISII (मेषः स्टै. १७।०८ या. रे ७ दग्धा तुला सोग्रांगः)
नवं. २१ — ११ चंद्रे उफा. दिवा ल. ९।१०, रे. ८ SIIIIIISII
नवं. २१ — ११ चंद्रे हस्ते दिवा ल.१२,रात्रौ अ.गो. ३,रे.८ SIIIIIISII (मीने श. ७ दो., मिथु. गु. ७ पू.)
नवं. २२ — १२ भौमे हस्ते दिवा ९।१०, रे. ८ SIIIIIISII

मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः

नवं. २८ — ४ चंद्रे उभा. रात्री ल.६, रे.७ SSIIIIISII (स्टै.२६।२२उ.)
नवं. २९ — ५ भौमे उभा. दिवा ल.९।१२,रात्री अ.गो.,रे.७ SSIIIIISII
दिसं. ३ — ९ शनौ उभा. रात्री ल ६, रे. ८ SIIIIIIISद. (वं. ७ पू., स्टै. २६।०१ उप.)
दिसं. ४ — १० रवौ उभा. दिवा ल.९।१०,रात्री गो., रे.८ SIIIIIIISद.

पोष कृष्णपक्षः

दिसं. ११ — १ रवौ मृगे दिवा ल. ९।१२, रात्रौ गो., रे.७ ISIISIISII (धनु. चं. ७ पू.)
दिसं. १५ — ५ गुरौ मघा. रात्रौ ल. ६, रे. ८ ISIIIISIII

सन्२०१२ — **माघ कृष्णपक्षः**

जन. १६ — ८ चंद्रे स्वाती रात्रौ ल. ६, रे. ६ SIISशुSIISII (स्टै. २३।३१ उपरान्त)
जन. १९ — ११ गुरौ अनु. दिवा ल. १२, रात्रौ अ.गो.,रे.८ ISIIIIISII (अ. गो. स्टै. १९।०९ यावत्)

माघ शुक्लपक्षः

जन. २७ — ४ शुक्रे उभा. रात्रौ ल. ८, रे. ७ SIIISIISII (सोग्रांगः रा. ७ पू.)
जन. २८ — ५ शनौ उभा. दिवा ल. ३, रात्रौ अ.गो., रे.७ SIIISIISII

फाल्गुन कृष्णपक्षः

फर. ८ — १ बुधे मघा दिवा ल.३, रात्रौ गो. ६।९, रे.८ IIIISIISII (कन्या. शु. ७ पू.)
फर. ११ — ४ शनौ हस्ते दिवा. ल.३, रात्रौ गो. ९, रे.६ IIISशुSISII
फर. १२ — ५ रवौ स्वाती रात्रौ ल. ९, रे. ८ ISIISIIIII (स्टै. २८।४० उपरांत)
फर. १७ — ११ शुक्रे मूले दिवा ल.१२।३,रात्रौ अ.गो. रे.८ ISIIIIISII (मिथु. चं. ७ पू.)

फाल्गुन शुक्लपक्षः

फर. २४ — ३ शुक्रे उभा. दिवा ल. ३।४, रात्रौ ९, रे. ९ ISIIIIIIII
फर. २५ — ३ शनौ रेवत्यां दिवा ल. ४, रे. ८ IISशुIIIIISद

चैत्र कृष्णपक्षः

मार्च १० — २ शनौ हस्ते दिवा ल. ३, रे. ७ SIISबुSIIIII
मार्च ११ — ४ रवौ स्वाती दिवा ल.३।४ रात्री गो. ९, रे.७ IIIISIISIS
मार्च ११ — ४ रवौ स्वाती रात्री ल. १०, रे. ८ IIIISIISII

अग्रे मीनेऽर्कः

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

सन्२०११ — **वैशाख शुक्लपक्षः**

मई १४ — १२ शनौ चित्रा. रात्रौ ल. ११, रे. ९ SIIIIIIIII (शु. ३ दो. स्टै. २५।३६ उप.)
मई १५ — १३ रवौ चित्रा दि. ल. ५, रे. ९ SIIIIIIIII (मासांतः)

ज्येष्ठ कृष्णपक्षः

मई २४ — ७ भौमे धनि. दिवा ल. ५, रे. ८ SIIIIIISII (चं. ७ पू.)
मई २९ — १२ रवौ अश्वि. दिवा ल. ५,रात्री ल. ९, रे.८ IISगुIIIISII (धनु सोग्रांगः कें. ७ दो.)

भैरव भवानि संवाद

भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
अड़सठ संयत का कहो श्रीमुख से सब हाल ॥
भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से में समझावुं तोय ।
राजामंत्री देस्तातां श्रेष्ठ जमानो होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये सात अधिकार ।
रोहिणी वास समुद्र में वृष्टि बने अपार ॥
समय वास माली यहाँ मंदा करे व्यापार ।
अनाज पाणी हो घणा घरघर मंगलाचार ।
राजा रसपति चंद्र हैं मंत्री भये गुरुदेव ।
मेघ दुर्ग अरु फलपति कबज किये बुधदेव ॥
वर्षा विश्वा रुद्र है समय जाणियो पांच ।
रामकुवारात्मज कहे भजन कर्यां ना.आंच ॥

ज्येष्ठ शुक्लपक्षः

जून ११ — १० शनौ चित्रा दि. ल. ५,रात्रौ गो.१०।११, रे.९ IIIIIIISII (कुंभः स्टै. २४।१५ या.)

आषाढ कृष्णपक्षः

जून १८ — ३ शनौ श्रवणे रात्रौ ल. १, रे. ९ IIIIIISII
जून २० — ५ चंद्रे धनि. दिवा ल.४।६,रात्रौ गो.१०।१,रे.८ ISIIIIISII (कर्के चं. ७ पू., कन्या सोग्रांगः)
जून २५ — ९ शनौ अश्वि. रात्रौ ल. अ. गो. १०, रे. ७ SISगुIIIISII (मक. स्टै. २२।०१ यावत्)

आषाढ शुक्लपक्षः

जुला. ८ — ८ भृगौ चित्रा रात्रौ अ. गोधूलि ११, रे. ८ IIIIISISद.
जुला. ९ — ९ शनौ चित्रा. दिवा ४।६,रे.९ IIIIIISII (कन्या. सोग्रांगः)

मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः

नवं. २९ — ५ भौमे श्रवणे रात्रौ ६, रे. १० IIIIIIIIII
नवं. ३० — ६ बुधे श्रवणे दिवा ल.९।१२,रात्रौ अ.गो.,रे.१० IIIIIIIIII
नवं. ३० — ६ बुधे धनि रात्रौ ल. ६, रे. ९ IIIIIIISII
दिसं. १ — ७ गुरौ धनि. दिवा ल. ९।१०।१२, रात्रौ अ. गोधूलि रे. ९ IIIIIIISII

सन्२०१२ — **माघ शुक्लपक्षः**

जन. २४ — १ भौमे श्रवणे दिवा ल. १२।१, रे. १० IIIIIIIIII
जन. २५ — २ बुधे धनि. दिवा ल. ३ रात्रौ ७, रे. ८ ISIIIISIII (तुला. सोग्रांगः, गु. ७ पू.)
जन. २९ — ६ रवौ अश्वि. रात्री ल. ७, रे. ६ ISSगुISIISII (सोग्रांगः, गु. चं. ७ पू.)
जन. ३० — ७ चंद्रे अश्वि. दिवा ल. १२।३, रात्रौ अ. गोधूलि रे. ६ ISSगुISIISII

(दृष्टिदोषरचेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

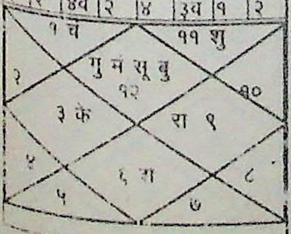
चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, ४ अप्रेल से १८ अप्रेल तक																						नवलगढ		चंद्रः	तारीख			वसंतर्त्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः ६९३८, अप्रेल २०११
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	आ.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें। F [F I [I
१	सो	४०	०२	२२	२२	रेव	२७	०३	१७	११	ऐ	९	५१	१०	१८	किं	७	०९	९	१३	३० ५८	६ २१	६ ४५	मेषे १७।११	१४	२९	४	नवरात्रारम्भः, घटस्था., ध्वजारो.,आरोग्य १, विद्या १, कल्पादि, B
२	मं	४५	३२	२४	३३	अश्वि	३३	५६	१९	५४	वै	११	४४	११	०२	बा	१२	५२	११	२९	३१ ०२	२०	४५	मेषे	१५	३०	५	चंद्रदर्शनम्(मु.३०), शृंगार(सिंधारा) देशाचारे [H मृगे-३ केतुः १२।३४
३	बु	५०	२७	२६	३०	भर	४०	१७	२२	२६	वि	१३	१७	११	३८	तै	१८	०६	१३	३४	०६	१९	४६	वृषे २९।०१	१६	१	६	गणगौरी पूजा, मन्वादि, मत्स्योत्पत्तिः, अरुन्धती व्रतंपूजनञ्च, मनोरथ A
४	गु	५४	३२	२८	०७	कृति	४५	५४	२४	४०	प्री	१४	१९	१२	०२	व	२२	३७	१५	२१	१०	१८	४६	वृषे	१७	२	७	भ.१५।२१ उ. २८।०७ या., पूभा. शुक्रः २९।०६ [A तृतीयाव्र., सौभाग्य C
५	शु	५७	३३	२९	१८	रोहि	५०	३०	२६	२९	आ	१४	४०	१२	०९	ब	२६	१२	१६	४६	१४	१७	४७	वृषे	१८	३	८	कल्पादि, डोलोत्सवः [C शयन व्र., शिवशक्तिपू., जमादिलावल ५
६	श	५९	०९	२९	५६	मृग	५३	४८	२७	४७	सौ	१४	०५	११	५४	कौ	२८	३३	१७	४१	१८	१६	४७	मिथु. १५।१२	१९	४	९	स्कन्दषष्ठीव्र. [B पंचकसमाप्तिः १७।११, (व) हस्ते-३ शनिः २४।००, D
७	र	५९	०९	२९	५४	आर्द्रा	५५	३२	२८	२८	शो	१२	२४	११	१३	ग	२९	२३	१८	००	२२	१५	४८	मिथु.	२०	५	१०	भ. २९।५४ उ., रेव.-३ गुरुः ११।०७ [D मूले-१ राहुः १२।३४, H
८	सो	५७	२१	२९	१०	पुन	५५	३२	२८	२७	अ	९	२५	१०	००	वि	२८	३०	१७	३८	२६	१४	४८	कर्के २२।११	२१	६	११	भ. १७।३८ या., भवान्युत्पत्तिः, अशोककलिका प्राशनं
९	मं	५३	४२	२७	४२	पुष्य	५३	४३	२७	४२	सु	५ ५९	०० ०५	८ २९	१३ ५१	बा	२५	४६	१६	३१	३०	१३	४९	कर्के	२२	७	१२	श्री रामनवमी [G दोलोत्सवः, मेषे अश्वि. रविः १२।२५ J
१०	बु	४८	१९	२५	३१	श्ले	५०	१०	२६	१६	शू	५१	४७	२६	५४	तै	२१	१४	१४	४१	३४	१२	४९	सिंहे २६।१६	२३	८	१३	पातस्पर्शः २५।३०, मोक्षः २९।५२ [J (सौरः १४।३४)
११	गु	४१	२२	२२	४३	मघा	४५	०४	२४	१२	गं	४३	१४	२३	२८	व	१५	०१	१२	११	३८	११	५०	सिंहे	२४	९	१४	भ. १२।११ उ. २२।४३ या., कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त G
१२	शु	३३	१०	१९	२६	पूफा	३८	४६	२१	४०	वृ	३३	४१	१९	३८	व	७	२५	९	०७	४२	१०	५०	कन्या २६।५८	२५	१०	१५	प्रदोषः, हरि दमनोत्सवः, रेव. भौमः २७।५२
१३	श	२४	०८	१५	४८	उफा	३१	३९	१८	४८	ध्रु	२३	२६	१५	३१	तै	२४	०८	१५	४८	४६	०९	५१	कन्या	२६	११	१६	जैन महावीर जयंती, शिव पूजन विशेषः, मीने शुक्रः १२।०१
१४	र	१४	४२	१२	००	हस्त	२४	१२	१५	४८	व्या	१२	५०	११	१६	व	१४	४२	१२	००	५०	०८	५१	तुला. २६।१९	२७	१२	१७	भ. १२।०० उ. २२।०७ या., पूर्णिमा व्रतं [E चित्रान्नदानं भक्षणञ्च
१५	सो	५	१९	८	१४	चित्रा	१६	५४	१२	५२	ह	२ ५२	१६ ०५	७ २६	०१ ५७	ब	५	१९	८	१४	५३	०७	५२	तुला.	२८	१३	१८	मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा पुण्यं, वैशाख स्नानारंभः, E

अयनांशाः २४।००।०८

५२ पं. चै.शु. ३ बु. इष्टघटी -१।५०

(रेल्वे घं. मि. ६।१६)

	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	११	११	११	१०	५	८	११
२१	०८	२८	२२	१७	१९	०३	२१
५३	५९	१९	१९	३८	५४	१४	४८
२९	४७	३८	०४	५७	०७	२९	२२
५९	४६	३९	१४	७२	४	३	५९
०३	३८	१२	३०	१७	४०	११	०३
रे	उभा	रे	रे	श	ह	मू	रे
२	२	४व	२	४	३व	१	२



अप्रेल रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकत्ता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
४	चं	११	१९	५५	४४	५९	०७	५	३०	३०	३८	६	३४	६	५०	३०	४६	५	३०	५	४९
५	मं	११	२०	५४	५१	५९	०५	५	५३	३०	४१	६	३४	६	५०	३०	४९	५	२९	५	४९
६	बु	११	२१	५३	५६	५९	०३	६	१५	३०	४३	६	३३	६	५०	३०	५२	५	२८	५	४९
७	गु	११	२२	५२	५९	५९	०१	६	३८	३०	४६	६	३२	६	५०	३०	५५	५	२८	५	५०
८	शु	११	२३	५२	००	५८	५९	७	०१	३०	४८	६	३१	६	५१	३०	५९	५	२७	५	५०
९	श	११	२४	५०	५८	५८	५७	७	२३	३०	५१	६	३०	६	५१	३१	०२	५	२६	५	५०
१०	र	११	२५	४९	५५	५८	५५	७	४५	३०	५४	६	३०	६	५१	३१	०५	५	२५	५	५१
११	चं	११	२६	४८	५०	५८	५३	८	०८	३०	५६	६	२९	६	५१	३१	०८	५	२४	५	५१
१२	मं	११	२७	४७	४३	५८	५१	८	३०	३०	५९	६	२८	६	५२	३१	११	५	२३	५	५१
१३	बु	११	२८	४६	३३	५८	४९	८	५२	३१	०१	६	२७	६	५२	३१	१४	५	२२	५	५२
१४	गु	११	२९	४५	२२	५८	४७	९	१३	३१	०४	६	२६	६	५२	३१	१७	५	२१	५	५२
१५	शु	०	००	४४	०९	५८	४५	९	३५	३१	०६	६	२६	६	५२	३१	२०	५	२०	५	५३
१६	श	०	०१	४२	५४	५८	४३	९	५६	३१	०९	६	२५	६	५३	३१	२३	५	२०	५	५३
१७	र	०	०२	४१	३६	५८	४१	१०	१८	३१	११	६	२४	६	५३	३१	२६	५	१९	५	५३
१८	चं	०	०३	४०	१७	५८	३९	१०	३९	३१	१४	६	२४	६	५३	३१	२९	५	१८	५	५४

संक्रांति फलम्

ता. १४ अप्रेल २०११

चैत्र शु. ११ गुरौ मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १२।२५ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः विष्टीकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं अश्ववाहनं सिंहोपवाहनं स्थैर्यकारक कृष्णवस्त्रं कुन्तायुधं पत्रपात्रं चित्रान्नभक्षणं ओतुमदोल्लेपनं विप्रजातिः दुर्वापुष्पं गुंजाभूषणं नीलकंचुकी वृद्धावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) ६।२५ से १८।२५ तक। (दान- मेष)।

अयनांशाः २४।००।०९

१ पं. चै.शु.११ गु. इष्टघटी १५।३७

(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	११	११	११	१०	५	८	११
००	१५	२२	२४	२७	१९	०२	२९
००	२३	१३	१८	३६	१६	४८	५४
००	५१	१४	४१	१९	०१	१३	४६
५८	४६	३९	१४	७२	४	३	५८
४६	२१	४४	२७	२७	३२	११	४४
अ	उभा	रे	रे	पूभा	ह	मू	रे
१	४	२व	३	३	३व	१	४



॥ श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम् ॥

वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, १९ अप्रेल से ३ मई तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति महा., अप्रेल-मई २०११

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	सो	५६	२६	२८	४९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२	मं	४८	३३	२५	३१	स्वा	१०	१४	१०	११	सि	४२	४४	२३	११	तै	२२	२१	१५	०२	३१ ५७	६ ०६	६ ५३	वृश्चि. २६।२७	२९	१४	१९	उभा. शुक्रः ६।१४
३	बु	४२	००	२२	५३	विशा	४	३९	७	५६	व्य	३४	२७	१९	५१	व	१५	०६	१२	०७	३२ ०१	०५	५३	वृश्चि.	३०	१५	२०	भ. १२।०७ उ. २२।५३ या., सायन वृषे भानुः १५।३५, बुधोदयः B
४	गु	३७	०८	२०	५५	अनु	० ५८	३२ ०८	६ २९	१७ ११	व	२७	३१	१७	०४	ब	९	२१	९	४८	०५	०४	५४	धनु. २९।११	१	१६	२१	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।४१, अनुसूया जयंती, भा. वैशाखारंभः
५	शु	३४	१२	१९	४४	मूल	५७	४४	२९	०८	प	२२	०६	१४	५३	कौ	५	२६	८	१३	०८	०३	५४	धनु.	२	१७	२२	[B पूर्वस्याम् २९।४८
६	श	३३	१८	१९	२१	पूषा	५९	२०	२९	४६	शि	१८	२०	१३	२२	ग	३	३०	७	२६	१२	०२	५५	धनु.	३	१८	२३	भ. १९।२१ उ., मार्गी बुधः २५।०४
७	र	३४	२४	१९	४६	उषा	...	...	...	...	सि	१६	०९	१२	२८	वि	३	३७	७	२८	१६	०१	५५	मक. १२।०३	४	१९	२४	भ. ७।२८ या., रेव.-४ गुरुः ८।१२
८	सो	३७	२१	२०	५६	उषा	२	५३	७	०९	सा	१५	२८	१२	११	बा	५	४१	८	१६	२०	००	५६	मक.	५	२०	२५	बूढो बास्योड़ो, पातस्पर्शः २१।२३, मोक्षः २७।२२
९	मं	४१	५०	२२	४३	श्रवं	८	०४	९	१३	शु	१६	०४	१२	२५	तै	९	२७	९	४६	२३	५ ५९	५६	कुंभे २२।२७	६	२१	२६	पंचक प्रारम्भः २२।२७, [गुरोरुदयः पूर्वस्याम् १८।४१]
१०	बु	४७	२३	२४	५६	धनि	१४	३२	११	४७	शु	१७	३८	१३	०२	व	१४	३१	११	४७	२७	५८	५७	कुंभे	७	२२	२७	भ. ११।४७ उ. २४।५६ या., भर. रविः २८।१६
११	गु	५३	३२	२७	२२	शत	२१	४८	१४	४०	ब्र	१९	५०	१३	५३	ब	२०	२७	१४	०८	३०	५७	५७	कुंभे	८	२३	२८	वरुथिनि ११ व्र., भर. सौरः ६।४७, अगस्त्यास्तः १९।४७
१२	शु	५९	४८	२९	५२	पूभा	२९	२२	१७	४१	ऐ	२२	१६	१४	५१	कौ	२६	४२	१६	३७	३४	५६	५८	मीने १०।५६	९	२४	२९	[A मासिकशिवरात्री व्र., मई ५ ता. ३१
१३	श	...	...	...	...	उभा	३६	५१	२०	४०	वै	२४	४०	१५	४८	ग	३२	५१	१९	०४	३७	५६	५९	मीने	१०	२५	३०	प्रदोषः, रेव. शुक्रः ६।३९
१३	र	५	४९	८	१५	रेव	४३	५५	२३	२९	वि	२६	४८	१६	३८	व	५	४९	८	१५	४१	५५	५९	मेषे २३।२९	११	२६	१	भ. ८।१५ उ. २१।२२ या., पंचक समाप्तिः २३।२९, A
१४	सो	११	१७	१०	२५	अश्वि	५०	२५	२६	०४	प्री	२८	३०	१७	१८	श	११	१७	१०	२५	४४	५४	७ ००	मेषे	१२	२७	२	पितृकार्येऽमा.
३०	मं	१६	०५	१२	१९	भर	५६	१३	२८	२३	आ	२९	४०	१७	४५	ना	१६	०५	१२	१९	४८	५३	००	मेषे	१३	२८	३	देवकार्येऽमा., मेषे अश्वि. भौमः १३।३८

गुरोरुदयः

अयनांशाः २४।००।१०
२ पं. वै.कृ. ४ गु. इष्टघटी १५।५४
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	११	११	११	११	५	८	०
०६	२०	१९	२५	०६	१८	०२	०६
५०	४७	०४	५९	०३	४५	२५	४५
४३	३२	३१	३४	४९	००	५८	०८
५८	४६	७	१४	७२	४	३	५८
३३	०५	३९	२१	३४	१७	११	२८
अ	रे	रे	रे	उभा	ह	मू	अ
३	२	१व	३	१	३व	१	३



पर गु

अप्रेल ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ •रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
१९	मं	०	०४	३८	५६	५८	३७	११	००	३१	१६	६	२३	६	५३	३१	३२	५	१७	५	५४
२०	बु	०	०५	३७	३३	५८	३५	११	२०	३१	१९	६	२२	६	५४	३१	३५	५	१६	५	५४
२१	गु	०	०६	३६	०८	५८	३३	११	४१	३१	२१	६	२१	६	५४	३१	३८	५	१६	५	५५
२२	शु	०	०७	३४	४१	५८	३१	१२	०१	३१	२४	६	२१	६	५४	३१	४१	५	१५	५	५५
२३	श	०	०८	३३	१२	५८	२९	१२	२२	३१	२६	६	२०	६	५४	३१	४४	५	१४	५	५६
२४	र	०	०९	३१	४१	५८	२७	१२	४२	३१	२८	६	१९	६	५५	३१	४७	५	१३	५	५६
२५	चं	०	१०	३०	०९	५८	२५	१३	०१	३१	३१	६	१९	६	५५	३१	५०	५	१२	५	५६
२६	मं	०	११	२८	३४	५८	२४	१३	२१	३१	३३	६	१८	६	५५	३१	५३	५	१२	५	५७
२७	बु	०	१२	२६	५८	५८	२२	१३	४०	३१	३६	६	१७	६	५६	३१	५६	५	११	५	५७
२८	गु	०	१३	२५	१९	५८	२०	१३	५९	३१	३८	६	१७	६	५६	३१	५८	५	१०	५	५८
२९	शु	०	१४	२३	३९	५८	१८	१४	१८	३१	४०	६	१६	६	५६	३२	०१	५	१०	५	५८
३०	श	०	१५	२१	५७	५८	१६	१४	३७	३१	४२	६	१६	६	५७	३२	०४	५	०९	५	५८
१	र	०	१६	२०	१४	५८	१५	१४	५५	३१	४५	६	१५	६	५७	३२	०७	५	०८	५	५९
२	चं	०	१७	१८	२८	५८	१३	१५	१३	३१	४७	६	१४	६	५७	३२	०९	५	०७	५	५९
३	मं	०	१८	१६	४१	५८	११	१५	३१	३१	४९	६	१४	६	५८	३२	१२	५	०७	६	००

मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से अग्नि का भय हो तथा कहीं वर्षा में देरी हो यथा- ॥पंचभौमे भयंवह्ने वृष्टिरोधस्तु कुत्रचित्॥ मगलवारी अमावस भरणी योग होने से उपघात और व्याधि हो । शुक्ला ३ को रोहिणी होने से सुभिक्ष हो । शुक्ला पंचमी को सूर्यवार होने से मंद वर्षा हो । शुक्ला नौमी को मघा होने से पृथ्वी पर दुर्भिक्ष हो । पूर्णिमा मंगलवार और विशाखा युक्त होने से व्याधि की वृद्धि हो । रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, [illegible] हों ।

अयनांशाः २४।००।११
३ पं. वै.कृ.११ गु. इष्टघटी १६।१०
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

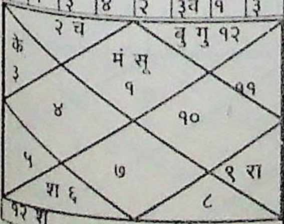
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	११	११	११	११	५	८	०
१३	२६	१९	२७	१४	१८	०२	१३
३९	०९	५२	३९	३२	१६	०३	३३
५१	१३	४३	३०	०७	००	४२	४०
५८	४५	२४	१४	७२	३	३	५८
१९	४७	५७	११	४०	५६	११	१३
भ	रे	रे	रे	उभा	ह	मू	भ
१	३	१	४	४	३व	१	१



वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, ४ मई से १७ मई तक																									नवलगढ	चंद्रः	तारीख			ग्रीष्मर्त्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः २८, मई २०११
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.		भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टेंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	बु	२०	०९	१३	५६	कृति	...	...	...	...	सौ	३०	१५	१७	५८	व	२०	०९	१३	५६	३२/५१	५/५२	७/०१	वृषे	१०।५४		१४	२९	४	चंद्रदर्शनम् (मु.३०)
२	गु	२३	२३	१५	१३	कृति	१	१७	६	२३	शो	३०	१२	१७	५६	कौ	२३	२३	१५	१३	५४	५२	०१	वृषे			१५	१	५	शिवाजी जयंती, परशुराम जयंती, जमादिलाखर ६
३	शु	२५	३८	१६	०६	रोहि	५	२७	८	०२	अ	२९	२३	१७	३६	ग	२५	३८	१६	०६	५८	५१	०२	मिथु.	२०।४३		१६	२	६	भ. २८।२४ उ., युगादि, कल्पादि, अक्षय तृतीया
४	श	२६	५०	१६	३४	मृग	८	३६	९	१७	सु	२७	४५	१६	५६	वि	२६	५०	१६	३४	३३/०९	५०	०३	मिथु.			१७	३	७	भ. १६।३४ या., टैगोर जयन्ती
५	र	२६	४९	१६	३३	आर्द्रा	१०	३७	१०	०४	धृ	२५	०९	१५	५३	बा	२६	४९	१६	३३	०४	५०	०३	कर्क	२८।२०		१८	४	८	श्री आद्यशंकराचार्य जयंती, मेषे अश्वि.-१ गुरुः १२।४२
६	सो	२५	२७	१६	००	पुन	११	२१	१०	२१	शू	२१	३०	१४	२५	तै	२५	२७	१६	००	०७	४९	०४	कर्क			१९	५	९	श्री रामानुज जयंती, पातस्पर्शः ११।१७, मोक्षः १७।४१
७	मं	२२	४२	१४	५३	पुष्य	१०	४४	१०	०६	गं	१६	४४	१२	३०	व	२२	४२	१४	५३	१०	४८	०४	कर्क			२०	६	१०	भ. १४।५३ उ. २६।०७ या., गंगोत्पत्ति
८	बु	१८	३३	१३	१३	श्ले	८	४३	९	१७	वृ	१०	५१	१०	०८	व	१८	३३	१३	१३	१३	४८	०५	सिंहे	९।१७		२१	७	११	कृत्ति. रविः २२।२७ (सौरः २५।४६), मेषे अश्वि. बुधः १२।५६, C
९	गु	१३	०७	११	०२	मघा	५	२४	७	५७	धु	३/५५	५४/५८	७/२८	२१/१०	कौ	१३	०७	११	०२	१६	४७	०५	सिंहे			२२	८	१२	सीता ९ [C मेषे अश्वि. शुक्रः ६।३१
१०	शु	६	३५	८	२४	पूफा	०/५५	५७/३३	६/२७	०९/५९	ह	४७	१९	२४	४२	ग	६	३५	८	२४	१९	४६	०६	कन्या	११।३८		२३	९	१३	भ. १८।५७ उ. २९।२५ या., मोहिनी ११ व.स्मार्त
११	शु	५९	०७	२९	२५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०		०	०	०	[A धर्म प्रीत्यर्थ जलकुंभदानं, भौमोदयः पूर्वस्याम् ६।१६
१२	श	५१	०८	२६	१३	हस्त	४९	३५	२५	३६	व	३८	०७	२१	०१	ब	२५	११	१५	५०	२२	४६	०७	कन्या			२४	१०	१४	मोहिनी ११ व्र.वैष्ण.
१३	र	४२	५६	२२	५५	चित्रा	४३	२५	२३	०७	सि	२८	४१	१७	१४	कौ	१७	०२	१२	३४	२५	४५	०७	तुला.	१२।२२		२५	११	१५	प्रदोषः, वृषे रविः ९।२० (सौरः १२।५५)
१४	सो	३४	५४	१९	४२	स्वा	३७	२४	२०	४२	व्य	१९	१८	१३	२८	ग	८	५२	९	१७	२८	४५	०८	तुला.			२६	१२	१६	भ. १९।४२ उ., नृसिंह १४
१५	मं	२७	२४	१६	४२	विशा	३१	५८	१८	३१	व	१०	१६	९	५१	वि	१	०४	६	१०	३१	४४	०८	वृश्चि.	१३।०२		२७	१३	१७	भ. ६।१० या., कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वैशाखस्नानपूर्त्तिः, A

अयनांशाः २४।००।१२
४ पं. वै.शु. २ गु. इष्टघटी १६।२४
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	०	११	११	११	५	८	०
२०	०१	२४	२९	२३	१७	०१	२०
२७	२८	०७	१८	०१	४९	४१	२०
२९	४७	३८	०६	०९	४४	२७	२९
५८	४५	५०	१३	७२	३	३	५७
०७	२८	३४	५७	४६	३०	११	५९
भ	अ	रे	रे	रे	ह	मू	भ
३	१	३	४	२	३व	१	३



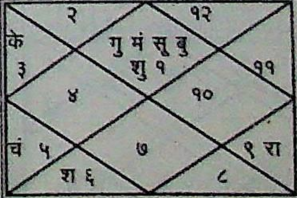
मई		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेलवे-टाईम						कलकता रेलवे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
४	बु	०	१९	१४	५२	५८	०९	१५	४९	३१	५१	६	१३	६	५८	३२	१५	५	०६	६	००
५	गु	०	२०	१३	०१	५८	०८	१६	०६	३१	५३	६	१३	६	५८	३२	१७	५	०६	६	०१
६	शु	०	२१	११	०९	५८	०६	१६	२३	३१	५६	६	१२	६	५९	३२	२०	५	०५	६	०१
७	श	०	२२	०९	१५	५८	०४	१६	४०	३१	५८	६	१२	६	५९	३२	२२	५	०४	६	०१
८	र	०	२३	०७	१९	५८	०३	१६	५७	३२	००	६	११	६	५९	३२	२५	५	०४	६	०२
९	चं	०	२४	०५	२१	५८	०१	१७	१३	३२	०२	६	११	७	००	३२	२७	५	०३	६	०२
१०	मं	०	२५	०३	२२	५७	५९	१७	२९	३२	०४	६	१०	७	००	३२	३०	५	०३	६	०३
११	बु	०	२६	०१	२२	५७	५८	१७	४५	३२	०६	६	१०	७	००	३२	३२	५	०२	६	०३
१२	गु	०	२६	५९	१९	५७	५६	१८	००	३२	०८	६	१०	७	०१	३२	३५	५	०२	६	०४
१३	शु	०	२७	५७	१६	५७	५५	१८	१५	३२	१०	६	०९	७	०१	३२	३७	५	०१	६	०४
१४	श	०	२८	५५	१०	५७	५३	१८	३०	३२	१२	६	०९	७	०१	३२	३९	५	०१	६	०४
१५	र	०	२९	५३	०३	५७	५२	१८	४५	३२	१३	६	०८	७	०२	३२	४२	५	००	६	०५
१६	चं	१	००	५०	५५	५७	५०	१८	५९	३२	१५	६	०८	७	०२	३२	४४	५	००	६	०५
१७	मं	१	०१	४८	४५	५७	४९	१९	१३	३२	१७	६	०८	७	०३	३२	४६	४	५९	६	०६

संक्रांति फलम्

ता. १५ मई २०११
वैशा. शु. १३ रवौ वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ९।२० वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित्कंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे उम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः शनौ (स्टै.) २६।५६ से रवौ ९।२० तक। (दान- गौ)।

असनांशाः २४।००।१३
५ पं. वै.शु. ९ गु. इष्टघटी १६।३६
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	०	०	०	०	५	८	०
२७	०६	०१	००	०१	१७	०१	२७
१३	४६	०७	५४	३०	२६	१९	०५
४५	०२	१५	५८	४८	५०	१२	३९
५७	४५	७९	१३	७२	२	३	५७
५६	०८	५२	४०	५१	५८	११	४५
कृ	अ	अ	अ	अ	ह	मू	कृ
१	३	१	१	१	३व	१	१



ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, १८ मई से १ जून तक — नवलगढ — चंद्रः — तारीख — ग्रीष्मर्त्तु रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति महा., मई-जून २०११

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	बु	२०	४८	१४	०३	अनु	२७	२८	१६	४३	प	९ / ५४	५४ / २६	६ / २०	२९ / ३०	कौ	२०	४८	१४	०३	३३ / ३३	५ / ४४	७ / ०९	वृश्चि.		२८	१४	१८	[A जयन्ती, वट सावित्री व्र. (मरु.), जून ६ ता. ३०, B
२	गु	१५	२७	११	५४	ज्ये	२४	१४	१५	२५	सि	४८	१०	२४	५९	ग	१५	२७	११	५४	३६	४३	०९	धनु.	१५।२५	२९	१५	१९	भ. २३।०३ उ., नारद जयंती, वीणादानं [B कृत्ति. शुक्रः २८।५३
३	शु	११	३७	१०	२१	मूल	२२	३४	१४	४४	सा	४३	१५	२३	००	वि	११	३७	१०	२१	३८	४३	१०	धनु.		३०	१६	२०	भ. १०।२१ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१४, पातस्पर्शः २९।०२
४	श	९	३१	९	३१	पूषा	२२	३९	१४	४६	शु	३९	४६	२१	३७	बा	९	३१	९	३१	४१	४२	११	मक.	२०।५३	३१	१७	२१	पातमोक्षः १३।४६, सायन मिथुने भानुः १४।४४, भर. भौमः C
५	र	९	१८	९	२५	उषा	२४	३५	१५	३२	शु	३७	४९	२०	४९	तै	९	१८	९	२५	४३	४२	११	मक.		१	१८	२२	भा. ज्येष्ठारंभः, पातस्पर्शः २३।०८, भर. शुक्रः ५।५४
६	सो	१०	५८	१०	०४	श्रव	२८	२१	१७	०२	ब्र	३७	१८	२०	३६	व	१०	५८	१०	०४	४६	४१	१२	मक.		२	१९	२३	भ. १०।०४ उ. २२।४० या., अश्वि.-२ गुरुः ७।३७
७	मं	१४	२२	११	२६	धनि	३३	४३	१९	१०	ऐ	३८	०२	२०	५४	ब	१४	२२	११	२६	४८	४१	१२	कुंभे	६।०२	३	२०	२४	पंचक प्रारम्भः ६।०२ [C ६।५२, भर. बुधः ९।४०
८	बु	१९	११	१३	२१	शत	४०	२०	२१	४९	वै	३९	४५	२१	३५	कौ	१९	११	१३	२१	५०	४१	१३	कुंभे		४	२१	२५	रोहि. रविः १८।४२ (सौरः २३।१२)
९	गु	२४	५६	१५	३९	पूभा	४७	४२	२४	४५	वि	४२	०४	२२	३०	ग	२४	५६	१५	३९	५३	४०	१३	मीने	१८।००	५	२२	२६	भ. २८।५२ उ.
१०	शु	३१	०४	१८	०६	उभा	५५	१२	२७	४५	प्री	४४	३२	२३	२९	वि	३१	०४	१८	०६	५५	४०	१४	मीने		६	२३	२७	भ. १८।०६ या.
११	श	३७	००	२०	२७	रेव	...	...	...	...	आ	४६	४६	२४	२२	ब	४	०६	७	१८	५७	४०	१४	मीने		७	२४	२८	अपरा ११ व्र., कृत्ति. बुधः २९।०५
१२	र	४२	१८	२२	३४	रेव	२	२२	६	३६	सौ	४८	२९	२५	०३	कौ	९	४५	९	३३	५९	३९	१५	मेषे	६।३६	८	२५	२९	पंचक समाप्तिः ६।३६
१३	सो	४६	३९	२४	१९	अश्वि	८	४७	९	१०	शो	४९	२९	२५	२७	ग	१४	३६	११	२९	३४ / ०१	३९	१५	मेषे		९	२६	३०	भ. २४।१९ उ., प्रदोषः, वृषे बुधः २३।४२, बुधास्तः पूर्वस्याम् ११।१५
१४	मं	४९	५७	२५	३८	भर	१४	१५	११	२१	अ	४९	३९	२५	३१	वि	१८	२७	१३	०२	०२	३९	१६	वृषे	१७।४९	१०	२७	३१	भ. १३।०२ या., मासिकशिवरात्री व्र.
३०	बु	५२	१०	२६	३१	कृति	१८	३९	१३	०६	सु	४८	५८	२५	१४	च	२१	१२	१४	०७	०४	३९	१६	वृषे		११	२८	१	देवपितृकार्येऽमा., बटपूजनम् मरुस्थले, भाऊका ३०, शनैश्चर A

अयनांशाः २४।००।१४
६ पं. ज्ये.कृ. २ गु. इष्टघटी १६।४६
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	०	०	०	०	५	८	१
०३	१२	१०	०२	१०	१७	००	०३
५८	००	२७	२९	०१	०७	५६	४९
४४	५२	२६	४०	००	४८	५६	१९
५७	४४	९०	१३	७२	२	३	५७
४५	४६	२३	२०	५६	२२	११	३३
कृ	अ	अ	अ	अ	ह	मू	कृ
३	४	४	१	४	३द	१	३



मई ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि.	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
१८	बु	१	०२	४६	३४	५७	४७	१९	२६	३२	१९	६	०७	७	०३	३२	४८	४	५९	६	०६
१९	गु	१	०३	४४	२१	५७	४६	१९	३९	३२	२०	६	०७	७	०३	३२	५०	४	५९	६	०७
२०	शु	१	०४	४२	०७	५७	४४	१९	५२	३२	२२	६	०७	७	०४	३२	५२	४	५८	६	०७
२१	श	१	०५	३९	५१	५७	४३	२०	०५	३२	२४	६	०७	७	०४	३२	५४	४	५८	६	०८
२२	र	१	०६	३७	३४	५७	४२	२०	१७	३२	२५	६	०६	७	०४	३२	५६	४	५८	६	०८
२३	चं	१	०७	३५	१६	५७	४०	२०	२९	३२	२७	६	०६	७	०५	३२	५८	४	५७	६	०९
२४	मं	१	०८	३२	५६	५७	३९	२०	४०	३२	२८	६	०६	७	०५	३३	००	४	५७	६	०९
२५	बु	१	०९	३०	३६	५७	३८	२०	५१	३२	३०	६	०६	७	०६	३३	०१	४	५७	६	०९
२६	गु	१	१०	२८	१३	५७	३७	२१	०२	३२	३१	६	०६	७	०६	३३	०३	४	५७	६	१०
२७	शु	१	११	२५	५०	५७	३५	२१	१३	३२	३३	६	०५	७	०६	३३	०५	४	५६	६	१०
२८	श	१	१२	२३	२६	५७	३४	२१	२३	३२	३४	६	०५	७	०७	३३	०६	४	५६	६	११
२९	र	१	१३	२१	००	५७	३३	२१	३२	३२	३५	६	०५	७	०७	३३	०८	४	५६	६	११
३०	चं	१	१४	१८	३३	५७	३२	२१	४२	३२	३६	६	०५	७	०८	३३	१०	४	५६	६	१२
३१	म	१	१५	१६	०५	५७	३१	२१	५०	३२	३८	६	०५	७	०८	३३	११	४	५६	६	१२
१	बु	१	१६	१३	३६	५७	३०	२१	५९	३२	३९	६	०५	७	०८	३३	[illegible]	४	५६	६	१२

मास फलम्

चन्द्रग्रहण १५ जून २०११, बुधवार

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो यथा- ।।बुधेरसक्षयोभूम्याम्।। ज्येष्ठ कृ.पड़वा को बुधवार होने से अन्न की महँगाई, दुर्भिक्ष और वृष्टि का अभाव हो । कृष्ण एकादशी में रेवती होने से खण्ड वृष्टि हो । अमावस्या कृतिका योग सुभिक्ष और सुखद है । सुदी तीज को आर्द्रा में वर्षा हो तो दुर्भिक्ष करे । शुक्ल १० को शनिवार होने से वृष्टि को रोक लगे, गायों में बिमारी फैले । पूर्णिमा ज्येष्ठा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो । बुधवार की सक्राति होने से रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो ।

अयनांशाः २४।००।१५
७ पं. ज्ये.कृ. ९ गु. इष्टघटी १६।५३
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	०	०	०	०	५	८	१
१०	१७	२१	०४	१८	१६	००	१०
४२	१३	४९	०१	३१	५३	३४	३१
३४	०९	०२	४६	४४	०५	४१	३८
५७	४४	१०४	१२	७३	१	३	५७
३६	२४	१४	५५	००	४४	११	२२
रो	भ	भ	अ	भ	ह	मू	रो
१	२	३	२	२	३व	१	१



ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, २ जून से १५ जून तक — नवलगढ — चंद्रः — तारीख — ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ५७, जून २०११

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	गु	५३	१५	२६	५६	रोहि	२१	५९	१४	२६	धृ	४७	२६	२४	३७	किं	२२	५०	१४	४७	३४ ०६	५ ३८	७ १७	मिथु. २६।५६	१२	२९	२	माऊका-करिदिन, श्री गंगादशाश्वमेधस्नान प्रा.
२	शु	५३	१४	२६	५६	मृग	२४	१४	१५	२०	शू	४५	०१	२३	३९	वा	२३	२४	१५	००	०८	३८	१७	मिथु.	१३	३०	३	चंद्रदर्शनम् (मु.९५), पातस्पर्शः १५।२०
३	श	५२	१०	२६	३०	आर्द्रा	२५	२५	१५	४८	गं	४१	४५	२२	२०	तै	२२	५०	१४	४६	०९	३८	१८	मिथु.	१४	१	४	रंभा व्रतं, प्रताप जयंती, रज्जव ७, पातमोक्षः ५।४४, रोहि. C
४	र	५०	०१	२५	३८	पुन	२५	३३	१५	५१	वृ	३७	३९	२०	४२	व	२१	१३	१४	०७	१०	३८	१८	कर्के ९।५३	१५	२	५	भ. १४।०७ उ. २५।३८ या., (व) हस्ते-२ शनिः १५।३०
५	सो	४६	५३	२४	२३	पुष्य	२४	४१	१५	३०	ध्रु	३२	४३	१८	४३	व	१८	३५	१३	०४	१२	३८	१९	कर्के	१६	३	६	वृश्चिके ज्येष्ठा.-४ राहुः १०।१४, वृषे मृगे-२-केतुः १०।१४
६	मं	४२	५०	२२	४६	श्ले	२२	५२	१४	४७	व्या	२७	०२	१६	२७	कौ	१४	५८	११	३७	१३	३८	१९	सिंहे १४।४७	१७	४	७	अश्वि.-३ गुरुः २७।३७ ।C बुधः २४।३०, वृषे शुक्रः २२।३४
७	बु	३७	५७	२०	४९	मघा	२०	११	१३	४२	ह	२०	३९	१३	५३	ग	१०	२९	९	५०	१४	३८	२०	सिंहे	१८	५	८	भ. २०।४९ उ., मृगे रविः १६।३६ (सौरः २२।३६), कृत्ति.भौमः ९।०९
८	गु	३२	२२	१८	३५	पूफा	१६	४६	१२	२०	व	१३	४०	११	०६	वि	५	१४	७	४३	१५	३८	२०	कन्या १७।५७	१९	६	९	भ. ७।४३ या., दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती
९	शु	२६	१६	१६	०८	उफा	१२	४७	१०	४४	सि	६ ५८	११ २३	८ २८	०६ ५९	कौ	२६	१६	१६	०८	१६	३८	२०	कन्या	२०	७	१०	।B योगः, मिथुने रविः १६।०१ (सौरः २२।५२)
१०	श	१९	१०	१३	३४	हस्त	८	२४	८	५१	व	५०	२३	२५	४७	ग	१९	५०	१३	३४	१७	३८	२१	तुला. २०।०५	२१	८	११	भ. २४।१५ उ., गंगा दशहरा व्र., मृगे बुधः ५।५८
११	र	१३	५५	१०	५६	चित्रा	३ ५९	५० २०	७ २६	१० २२	प	४२	२४	२२	३५	वि	१३	१५	१०	५६	१८	३८	२१	तुला.	२२	९	१२	भ. १०।५६ या., निर्जला ११ व्र., वृषे भौमः २३।१९, रोहि. D
१२	सो	६	४६	८	२०	विशा	५५	०८	२७	४१	शि	३४	३६	१९	२८	बा	६	४६	८	२०	१९	३८	२१	वृश्चि. २२।०५	२३	१०	१३	प्रदोषः, वट सावित्री व्रतारंभः, मार्गी शनिः २६।०३ ।D शुक्रः २७।२९
१३	मं	०	३८	५	५३	अनु	५१	३१	२६	१४	सि	२७	११	१६	३०	तै	०	३८	५	५३	२०	३८	२२	वृश्चि.	२४	११	१४	भ. २७।४० उ., मिथुने बुधः ६।३२
१४	मं	५५	०५	२७	४०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	।A वटसावित्री व्रतं, अब्द साध्य व्र., कबीर जयंती, ज्येष्ठी B
१५	बु	५०	२५	२५	४८	ज्ये	४८	४३	२५	०७	सा	२०	२२	१३	४७	वि	२२	३७	१४	४१	२०	३८	२२	धनु. २५।०७	२५	१२	१५	भ. १४।४१ या., स्वग्रस्तं चन्द्रग्रहणम्, मन्वादि, गुर्जराणां A

अयनांशा. २४।००।१६
८ पं. ज्ये.शु. १ गु. इष्टघटी १६।५७
(रेल्वे घ. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	०	१	०	०	५	८	१
१७	२२	०४	०५	२७	१६	००	१७
२५	२२	५५	३०	०२	४२	१२	१२
२४	४६	२४	५०	५७	५८	२५	४६
५७	२४	१२०	१२	७३	१	३	५७
२९	०१	१३	२७	०४	०३	११	१३
रो	म	कृ	अ	कृ	ह	मू	रो
३	३	३	२	१	३व	१	३



ता.	वा.	रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेलवे टाईम रा.	अ.	क.	वि.	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
										३२	४०	६	०५	७	०९	३३	१४	४	५५	६	१३
२	गु	१	१७	११	०६	५७	२९	२२	०७	३२	४१	६	०५	७	०९	३३	१५	४	५५	६	१३
३	शु	१	१८	०८	३५	५७	२८	२२	१५	३२	४२	६	०५	७	०९	३३	१६	४	५५	६	१४
४	श	१	१९	०६	०३	५७	२७	२२	२२	३२	४३	६	०५	७	१०	३३	१७	४	५५	६	१४
५	र	१	२०	०३	२९	५७	२६	२२	२९	३२	४४	६	०५	७	१०	३३	१८	४	५५	६	१४
६	चं	१	२१	००	५५	५७	२५	२२	३६	३२	४५	६	०५	७	१०	३३	१९	४	५५	६	१५
७	मं	१	२१	५८	२०	५७	२४	२२	४२	३२	४५	६	०५	७	११	३३	२०	४	५५	६	१५
८	बु	१	२२	५५	४४	५७	२३	२२	४८	३२	४६	६	०५	७	११	३३	२१	४	५५	६	१६
९	गु	१	२३	५३	०८	५७	२२	२२	५३	३२	४७	६	०५	७	११	३३	२२	४	५५	६	१६
१०	शु	१	२४	५०	३०	५७	२२	२२	५८	३२	४७	६	०५	७	१२	३३	२३	४	५५	६	१६
११	श	१	२५	४७	५२	५७	२१	२३	०३	३२	४८	६	०५	७	१२	३३	२३	४	५५	६	१७
१२	र	१	२६	४५	१२	५७	२०	२३	०७	३२	४८	६	०५	७	१२	३३	२४	४	५५	६	१७
१३	चं	१	२७	४२	३३	५७	१९	२३	११	३२	४९	६	०५	७	१३	३३	२५	४	५५	६	१७
१४	मं	१	२८	३९	५२	५७	१९	२३	१४	३२	४९	६	०५	७	१३	३३	२५	४	५६	६	१८
१५	बु	१	२९	३७	११	५७	१८	२३	१७												

संक्रांति फलम्

ता. १५ जून २०११
ज्ये. शु. १५ बुधे मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १६।०१ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं फिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालअवस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १६।०१ से २२।२५ तक। (दान- वस्त्रान्न)।

अयनांशाः २४।००।१७
९ पं. ज्ये.शु. ८ गु. इष्टघटी १६।५९
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	०	१	०	१	५	७	१
२४	२७	१९	०६	०५	१६	२९	२३
०७	२९	३२	५६	३४	३७	५०	५२
२५	३८	५२	२६	३९	४०	१०	५३
५७	४३	१३०	११	७३	०	३	५७
२२	३७	५५	५५	०८	२१	११	०५
मृ	कृ	रो	अ	कृ	ह	ज्ये	मृ
१	१	३	३	३	२व	४	१

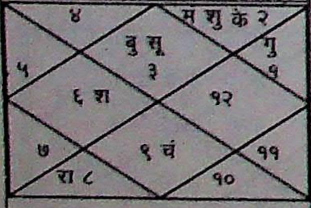


आषाढ कृष्णपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, १६ जून से १ जुलाई तक नवलगढ

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै.	टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णेति महा., जून-जुलाई २०११
																													इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	गु	४६	४८	२४	२१	मूल	४७	०१	२४	२६	शु	१४	२१	११	२२	बा	१८	२८	१३	०१	३४ २१	५ ३८	७ २२	धनु.		२६	१३	१६	ग्रहण-करिदिन, पातमोक्षः १३।३६
२	शु	४४	३१	२३	२७	पूषा	४६	३६	२४	१७	शु	९	१७	९	२१	तै	१५	२९	११	५०	२१	३८	२३	धनु.		२७	१४	१७	आर्द्रा. बुधः ७।३८
३	श	४३	४४	२३	०८	उषा	४७	४१	२४	४३	ब्र	५	२१	७	४७	व	१३	५५	११	१२	२२	३८	२३	मक.	६।२०	२८	१५	१८	भ. ११।१२ उ. २३।०८ या. [B २२।४४, हस्ते-३ शनिः १२।०६
४	र	४४	३४	२३	२८	श्रव	५०	२२	२५	४७	ऐ	२	३९	६	४२	ब	१३	५६	११	१३	२२	३८	२३	मक.		२९	१६	१९	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।१२
५	सो	४७	०३	२४	२८	धनि	५४	३८	२७	३०	वै	१	१५	६	०९	कौ	१५	३७	११	५३	२२	३९	२४	कुंभे	१४।३४	३०	१७	२०	पंचक प्रारम्भः १४।३४
६	मं	५१	०२	२६	०४	शत	...	...	...	...	वि	१	०९	६	०६	ग	१८	५२	१३	११	२२	३९	२४	कुंभे		३१	१८	२१	भ. २६।०४ उ., सायन कर्के भानुः, सायन दक्षिणायन प्रारम्भ B
७	बु	५६	१४	२८	०९	शत	०	२१	५	४७	प्री	२	०९	६	३१	वि	२३	३१	१५	०३	२२	३९	२४	मीने	२५।४८	१	१९	२२	भ. १५।०३ या., भा. आषाढारंभः, आर्द्रा. रविः १५।३८ (सौरः A
८	गु	...	...	...	...	पूभा	७	०९	८	३१	आ	४	०१	७	१६	बा	२९	०८	१७	१८	२२	३९	२४	मीने		२	२०	२३	पुन. बुधः १७।२०, मृगे शुक्रः २५।३९
८	शु	२	०७	६	३०	उभा	१४	३२	११	२८	सौ	६	२२	८	१२	कौ	२	०७	६	३०	२२	४०	२४	मीने		३	२१	२४	[A २३।२३), बुधोदयः पश्चिमायाम् २६।०१, अयन करिदिन
९	श	८	०४	८	५४	रेव	२१	५३	१४	२५	शो	८	४५	९	१०	ग	८	०४	८	५४	२२	४०	२४	मेषे	१४।२५	४	२२	२५	भ. २२।०१ उ., पंचक समाप्तिः १४।२५, अश्वि.-४ गुरुः २०।५१
१०	र	१३	३०	११	०४	अश्वि	२८	३६	१७	०७	अ	१०	४४	९	५८	वि	१३	३०	११	०४	२१	४०	२५	मेषे		५	२३	२६	भ. ११।०४ या., रोहि. भौमः २२।०१
११	सो	१७	५६	१२	५१	भर	३४	१६	१९	२३	सु	११	५६	१०	२७	बा	१७	५६	१२	५१	२१	४०	२५	वृषे	२५।५२	६	२४	२७	योगिनी ११ व्र.
१२	मं	२१	०२	१४	०६	कृति	३८	३७	२१	०८	धृ	१२	०९	१०	३२	तै	२१	०२	१४	०६	२०	४१	२५	वृषे		७	२५	२८	प्रदोषः, पातस्पर्शः २१।२६, कर्के बुधः २३।५५
१३	बु	२२	४१	१४	४६	रोहि	४१	३२	२२	१८	शू	११	१४	१०	११	व	२२	४१	१४	४६	२०	४१	२५	वृषे		८	२६	२९	भ. १४।४६ उ. २६।५३ या., मासिकशिवरात्री व्र.,मिथुने शुक्रः १२।३२
१४	गु	२२	५३	१४	५१	मृग	४३	०२	२२	५४	गं	९	१०	९	२१	श	२२	५३	१४	५१	१९	४१	२५	मिथु.	१०।४०	९	२७	३०	पुष्ये बुधः २१।०४
३०	शु	२१	४१	१४	२२	आर्द्रा	४३	१२	२२	५९	वृ	५	५९	८	०५	ना	२१	४१	१४	२२	१८	४२	२५	मिथु.		१०	२८	१	देवपितृकार्येऽमा., जुलाई ७ ता. ३१, पातमोक्षः ६।१५

अयनांशाः २४।००।१८
१० पं. आ.कृ. १ गु. इष्टघटी १६।५८
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

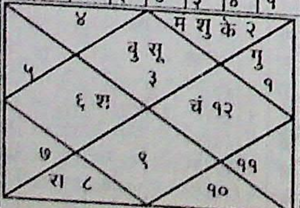
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	१	२	०	१	५	७	२
००	०२	०४	०८	१४	१६	२९	००
४८	३३	५५	१८	०६	३७	२७	३२
४४	४१	३९	०३	५१	१६	५४	१२
५७	४३	१३०	११	७३	०	३	५७
१७	१२	१७	१८	१३	२१	११	००
मृ	कृ	मृ	अ	रो	ह	ज्ये	मृ
३	२	४	३	२	२	४	३



जून ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
१६	गु	२	००	३४	२९	५७	१७	२३	२०	३२	५०	६	०५	७	१३	३३	२५	४	५६	६	१८
१७	शु	२	०१	३१	४६	५७	१७	२३	२२	३२	५०	६	०६	७	१३	३३	२६	४	५६	६	१८
१८	श	२	०२	२९	०३	५७	१६	२३	२४	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१८
१९	र	२	०३	२६	१९	५७	१६	२३	२५	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९
२०	चं	२	०४	२३	३५	५७	१५	२३	२६	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९
२१	मं	२	०५	२०	५०	५७	१५	२३	२६	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५७	६	१९
२२	बु	२	०६	१८	०५	५७	१४	२३	२६	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	१९
२३	गु	२	०७	१५	१९	५७	१४	२३	२६	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	२०
२४	शु	२	०८	१२	३३	५७	१४	२३	२५	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	२०
२५	श	२	०९	०९	४७	५७	१३	२३	२४	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	२०
२६	र	२	१०	०७	००	५७	१३	२३	२२	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५८	६	२०
२७	चं	२	११	०४	१३	५७	१३	२३	२१	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२५	४	५८	६	२०
२८	मं	२	१२	०१	२६	५७	१२	२३	१८	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२५	४	५८	६	२०
२९	बु	२	१२	५८	३८	५७	१२	२३	१५	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२५	४	५९	६	२०
३०	गु	२	१३	५५	५१	५७	१२	२३	१२	३२	४८	६	०९	७	१६	३३	२४	४	५९	६	२०
१	शु	२	१४	५३	०३	५७	१२	२३	०८	३२	४८	६	०९	७	१६	३३	२३	४	५९	६	२१

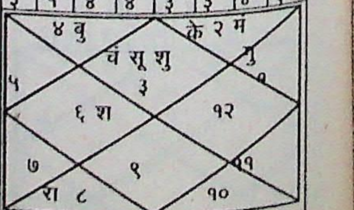
अयनांशाः २४।००।१९
११ पं. आ.कृ. ८ गु. इष्टघटी १६।५५
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	म.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	१	२	०	१	५	७	२
०७	०७	११	०९	२२	१६	२९	०७
२९	३४	३५	३५	३९	४१	०५	१०
३४	४९	५२	११	३७	४८	३९	५६
५७	४२	११८	१०	७३	१	३	५६
१४	४७	३१	३८	१८	०३	११	५६
आ	कृ	आ	अ	रो	ह	ज्ये	आ
१	४	४	३	४	३	४	१



अयनांशाः २४।००।२०
१२ पं. आ.कृ.१४ गु. इष्टघटी १६।५०
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

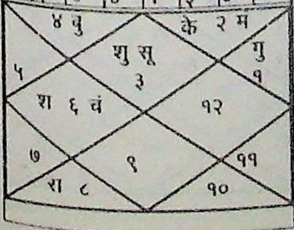
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	१	३	०	२	५	७	२
१४	१२	०२	१०	०१	१६	२८	१३
१०	३३	४२	४७	१३	५१	४३	४९
०५	००	३१	२१	०१	१३	२४	१८
५७	४२	१०४	९	७३	१	३	५६
१२	२१	०४	५२	२४	४४	११	५४
आ	रो	पुन	अ	मृ	ह	ज्ये	आ
३	१	४	४	३	३	४	३



आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, २ जुलाई से १५ जुलाई तक नवलगढ चंद्रः																									तारीख			वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ८७, जुलाई २०११
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	श	१९	१२	१३	२३	पुन	४२	१०	२२	३४	ध्रु	१ ५६	४४ ३५	६ २८	२४ २०	ब	१९	१२	१३	२३	३४ १७	५ ४२	७ २५	कर्क १६।४३	११	२९	२	
२	र	१५	३८	११	५८	पुष्य	४०	०७	२१	४५	ह	५०	३७	२५	५७	कौ	१५	३८	११	५८	१६	४२	२५	कर्क	१२	३०	३	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्री जगदीश रथ यात्रा
३	सो	११	११	१०	११	श्ले	३७	१६	२०	३७	व	४४	०१	२३	१९	ग	११	११	१०	११	१५	४३	२५	सिंहे २०।४७	१३	१	४	भ. २१।११ उ., सावान ८, आर्द्रा. शुक्रः २३।१८
४	मं	६	०१	८	०७	मघा	३३	४९	१९	१५	सि	३६	५८	२०	३०	वि	६	०१	८	०७	१४	४३	२५	सिंहे	१४	२	५	भ. ८।०७ या.
५	बु	०	२२	५	५३	पूफा	३०	०१	१७	४४	व्य	२९	३७	१७	३५	बा	०	२२	५	५३	१३	४४	२५	कन्या २३।२१	१५	३	६	स्कंध षष्टी, पुन. रविः १५।१५ (सौरः २४।४९)
६	बु	५४	३०	२७	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A आषाढी योगः, मृगे भौमः २३।००, पुन. शुक्रः २०।२१
७	गु	४८	३४	२५	१०	उफा	२६	०४	१६	१०	व	२२	१०	१४	३६	ग	२१	३१	१४	२०	१२	४४	२५	कन्या	१६	४	७	भ. २५।१० उ.
८	शु	४२	४३	२२	५०	हस्त	२२	१०	१४	३६	प	१४	४४	११	३८	वि	१५	३६	११	५९	१०	४४	२५	तुला. २५।५१	१७	०	८	भ. ११।५९ या.
९	श	३७	०९	२०	३७	चित्रा	१८	२८	१३	०८	शि	७	२८	८	४४	बा	९	५३	९	४२	०९	४५	२४	तुला.	१८	६	९	मडली ९, श्लेषा. बुधः ६।४८
१०	र	३१	५९	१८	३३	स्वा	१५	०८	११	४९	सि	० ५३	२८ ५०	५ २७	५६ १८	तै	४	३०	७	३४	०७	४५	२४	वृश्चि. २८।५६	१९	७	१०	भ. २९।३६ उ., मन्वादि, आशा दशमी
११	सो	२७	२०	१६	४२	विशा	१२	१६	१०	४०	शु	४७	३९	२४	४९	वि	२७	२०	१६	४२	०६	४६	२४	वृश्चि.	२०	८	११	भ. १६।४२ या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास व्रतारंभः, B
१२	मं	२३	१८	१५	०५	अनु	१०	००	९	४६	शु	४२	००	२२	३४	बा	२३	१८	१५	०५	०४	४६	२४	वृश्चि.	२१	९	१२	प्रदोषः, श्रावणे वर्जयेच्छाकम्
१३	बु	१९	५८	१३	४६	ज्ये	८	२५	९	०९	ब्र	३६	५८	२०	३४	तै	१९	५८	१३	४६	०२	४७	२४	धनु. ९।०९	२२	१०	१३	जया पार्वती व्रतं [B गोपद्मव्रतोद्यापनं, पातस्पर्शः ८।१७, मोक्षः २१।०२
१४	गु	१७	३०	१२	४७	मूल	७	३९	८	५१	ऐ	३२	३९	१८	५१	व	१७	३०	१२	४७	००	४७	२३	धनु.	२३	११	१४	भ. १२।४७ उ. २४।२६ या., पूर्णिमा व्रतं, वायु परीक्षा
१५	शु	१६	०१	१२	१२	पूषा	७	५०	८	५६	वै	२९	०९	१७	२७	ब	१६	०१	१२	१२	३३ ५९	४८	२३	मक. १५।०१	२४	१२	१५	मन्वादि, पूर्णिमा पुण्यं, गोपद्मव्रतारंभ, व्यासपूजा, गुरु पूर्णिमा, A

अयनांशाः २४।००।२०
१३ पं. आ.शु. ७ गु. इष्टघटी १६।४३
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	१	३	०	२	५	७	२
२०	१७	१४	११	०९	१७	२८	२०
५०	२८	०५	५३	४७	०५	२१	२७
२७	११	१७	५७	०८	२३	०८	३१
५७	४१	८८	९	७३	२	३	५६
१२	५५	३३	०२	३१	२४	११	५३
पुन	रो	पु	अ	आ	ह	ज्ये	पुन
१	३	४	४	१	३	४	१



जुलाई		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम			रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
							२३	०४	३२	४७	६	०९	७	१६	३३	२३	५	००	६	२१
२ श	२	१५	५०	१५	५७	१२	२३	००	३२	४७	६	०९	७	१६	३३	२२	५	००	६	२१
३ र	२	१६	४७	२६	५७	१२	२२	५५	३२	४६	६	१०	७	१६	३३	२१	५	००	६	२१
४ चं	२	१७	४४	३८	५७	१२	२२	५०	३२	४५	६	१०	७	१६	३३	२०	५	०१	६	२१
५ मं	२	१८	४१	५०	५७	१२	२२	४४	३२	४४	६	१०	७	१६	३३	१९	५	०१	६	२१
६ बु	२	१९	३९	०१	५७	१२	२२	३८	३२	४४	६	११	७	१६	३३	१८	५	०१	६	२१
७ गु	२	२०	३६	१३	५७	१२	२२	३२	३२	४३	६	११	७	१६	३३	१७	५	०२	६	२१
८ शु	२	२१	३३	२५	५७	१२	२२	२५	३२	४२	६	११	७	१६	३३	१६	५	०२	६	२०
९ श	२	२२	३०	३७	५७	१२	२२	१८	३२	४१	६	१२	७	१६	३३	१५	५	०२	६	२०
१० र	२	२३	२७	४९	५७	१२	२२	१०	३२	४०	६	१२	७	१६	३३	१४	५	०३	६	२०
११ चं	२	२४	२५	०१	५७	१२	२२	०२	३२	३९	६	१२	७	१६	३३	१२	५	०३	६	२०
१२ मं	२	२५	२२	१३	५७	१३	२१	५४	३२	३७	६	१३	७	१६	३३	११	५	०४	६	२०
१३ बु	२	२६	१९	२५	५७	१३	२१	४५	३२	३६	६	१३	७	१६	३३	०९	५	०४	६	२०
१४ गु	२	२७	१६	३८	५७	१३	२१	३६	३२	३५	६	१४	७	१६	३३	०८	५	०४	६	२०
१५ शु	२	२८	१३	५१	५७	१३														

मास फलम्

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो यथा- ॥चन्द्रजीवौ यदापंचधान्यादीनां समर्घता॥ पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो। कृष्णा द्वितीया को शुक्रवार होने से सुभिक्ष हो। कृष्णा नौमी को शनिवार होने से दुर्भिक्ष हो। कृष्णा त्रयोदशी में रोहिणी होने से उत्तम पवन चले। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और आर्द्रा योग सुभिक्ष और सुखद हो। शुक्ला प्रतिपदा में पुनर्वसु नक्षत्र का ४२ घटी भोग है अतः चौमासे में ७० प्रतिशत वर्षा हो। शुक्ला पंचमी को बुधवार होने से पवन अधिक चले। पूर्णिमा पूर्वाषाढा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। पूर्णिमा १५ घटी से अधिक है अतः चौमासे भर सुभिक्ष रहे।

अयनांशाः २४।००।२१
१४ पं. आ.शु.१४ गु. इष्टघटी १६।३५
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	१	३	०	२	५	७	२
२७	२२	२३	१२	१८	१७	२७	२७
३०	२०	३४	५४	२२	२४	५८	०५
५३	१७	२५	२७	०४	०८	५३	५०
५७	४१	७१	८	७३	३	३	५६
१३	२९	१७	०७	३८	०२	११	५५
पुन	रो	श्ले	अ	आ	ह	ज्ये	पुन
३	४	३	४	४	३	४	३



श्रावण कृष्णपक्ष संवत २०६८, शाकः १९३३, १६ जुलाई से ३० जुलाई तक नवलगढ चंद्रः

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे.	टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेति महा., जुलाई २०११ — इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	श	१५	३९	१२	०४	उषा	९	०७	९	२७	वि	२६	३४	१६	२६	कौ	१५	३९	१२	०४	३३/५७	५/४८	७/२३	मक.		२५	१३	१६	नक्त व्रतारंभः, कर्के रविः २६।५८, निरयन दक्षिणायनारंभः
२	र	१६	३२	१२	२५	श्रव	११	३६	१०	२७	प्री	२५	००	१५	४९	ग	१६	३२	१२	२५	५५	४९	२३	कुंभे	२३।०९	२६	१४	१७	भ. २४।४८ उ. पंचक प्रारम्भः २३।०९, बृहत्तल्पा, कर्के C
३	सो	१८	४६	१३	१९	धनि	१५	२३	११	५८	आ	२४	२८	१५	३६	वि	१८	४६	१३	१९	५२	४९	२२	कुंभे		२७	१५	१८	भ. १३।१९ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।१८
४	मं	२२	१९	१४	४५	शत	२०	२८	१४	०१	सौ	२४	५९	१५	४९	बा	२२	१९	१४	४५	५०	५०	२२	कुंभे		२८	१६	१९	[C सौरः १३।५१, भर.-१ गुरुः १७।३४
५	बु	२७	०६	१६	४०	पूभा	२६	४४	१६	३२	शो	२६	२५	१६	२४	तै	२७	०६	१६	४०	४८	५०	२१	मीने	९।५२	२९	१७	२०	नागपञ्चमी (मरु.), पुष्ये रविः १४।४९ (सौरः २६।०८), सिंहे B
६	गु	३२	४७	१८	५७	उभा	३३	५१	१९	२३	अ	२८	३३	१७	१६	व	३२	४७	१८	५७	४६	५१	२१	मीने		३०	१८	२१	भ. १८।५७ उ. [B मघा. बुधः ११।५१
७	शु	३८	४९	२१	२३	रेव	४१	२०	२२	२३	सु	३०	५९	१८	१५	वि	५	४६	८	१०	४३	५१	२१	मेषे	२२।२३	३१	१९	२२	भ. ८।१० या., पंचक समाप्तिः २२।२३
८	श	४४	३८	२३	४३	अश्वि	४८	३३	२५	१७	धृ	३३	१८	१९	११	बा	११	४७	१०	३५	४१	५२	२०	मेषे		१	२०	२३	[शुक्रास्तः पूर्वस्याम् १५।१०] भा. श्रावणारंभः, A
९	र	४९	३५	२५	४२	भर	५४	५६	२७	५१	शू	३५	०२	१९	५३	तै	१७	१४	१२	४६	३८	५२	२०	मेषे		२	२१	२४	पातस्पर्शः १६।२१, मोक्षः २५।१४
१०	सो	५३	१२	२७	१०	कृत्ति	५९	५८	२९	५२	गं	३५	४९	२०	१२	व	२१	३४	१४	३०	३६	५३	१९	वृषे	१०।२४	३	२२	२५	भ. १४।३० उ. २७।१० या., मिथुने भौमः १६।३३
११	मं	५५	०८	२७	५७	रोहि	...	...	...	...	वृ	३५	२१	२०	०२	व	२४	२२	१५	३८	३३	५३	१९	वृषे		४	२३	२६	कामिका ११ व्र., पुष्ये शुक्रः १६।४०
१२	बु	५५	१७	२८	०१	रोहि	३	२०	७	१४	ध्रु	३३	२९	१९	१७	कौ	२५	२६	१६	०४	३१	५४	१८	मिथु.	१९।३९	५	२४	२७	[A सायन सिंहे भानुः ९।४३, कर्के शुक्रः २३।४१,
१३	गु	५३	३७	२७	२१	मृग	४	५७	७	५३	व्या	३०	११	१७	५९	ग	२४	३८	१५	४६	२८	५४	१८	मिथु.		६	२५	२८	भ. २७।२१ उ., प्रदोषः
१४	शु	५०	१७	२६	०२	आर्द्रा	४	४९	७	५१	ह	२५	२९	१६	०७	वि	२२	०८	१४	४६	२५	५५	१७	कर्के	२५।२३	७	२६	२९	भ. १४।४६ या., मासिकशिवरात्री व्र
३०	श	४५	३२	२४	०८	पुन	३/५९	०५/५९	७/२९	०९/५५	व	१९	३२	१३	४४	च	१८	०४	१३	०९	२२	५५	१६	कर्के		८	२७	३०	देवपितृकार्येऽमा., हरियाली ३०

शुक्रास्तः

अयनांशाः २४।००।२२
१५ पं. श्रा.कृ. ६ गु. इष्टघटी १६।२७
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	१	४	०	२	५	७	३
०४	२७	००	१३	२६	१७	२७	०३
११	०९	५६	४८	५७	४७	३६	४४
३२	१७	१७	१६	५२	१४	३७	२७
५७	४१	५१	७	७३	३	३	५६
१६	०२	३८	०६	४६	३९	३१	५९
पु	मृ	म	म	पुन	ह	ज्ये	पु
१	२	१	१	३	३	४	१



ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	मुम्बई दि.मा. घ.	प.	सू.उ. घं.	मि.	सू.अ. घं.	मि.	कलकता दि.मा. घ.	प.	सू.उ. घं.	मि.	सू.अ. घं.	मि.
जुलाई	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		रेल्वे-टाईम						रेल्वे-टाइम					
१६ श	२	२९	११	०४	५७	१४	२१	२७	३२	३४	६	१४	७	१५	३३	०६	५	०५	६	१९
१७ र	३	००	०८	१८	५७	१४	२१	१७	३२	३२	६	१४	७	१५	३३	०५	५	०५	६	१९
१८ चं	३	०१	०५	३२	५७	१४	२१	०७	३२	३१	६	१५	७	१५	३३	०३	५	०६	६	१९
१९ मं	३	०२	०२	४६	५७	१५	२०	५६	३२	३०	६	१५	७	१५	३३	०१	५	०६	६	१९
२० बु	३	०३	००	०१	५७	१५	२०	४५	३२	२८	६	१५	७	१५	३३	००	५	०६	६	१८
२१ गु	३	०३	५७	१७	५७	१६	२०	३४	३२	२७	६	१६	७	१४	३२	५८	५	०७	६	१८
२२ शु	३	०४	५४	३२	५७	१६	२०	२३	३२	२५	६	१६	७	१४	३२	५६	५	०७	६	१८
२३ श	३	०५	५१	४९	५७	१७	२०	११	३२	२४	६	१६	७	१४	३२	५४	५	०८	६	१७
२४ र	३	०६	४९	०६	५७	१७	१९	५८	३२	२२	६	१७	७	१३	३२	५२	५	०८	६	१७
२५ चं	३	०७	४६	२३	५७	१८	१९	४६	३२	२०	६	१७	७	१३	३२	५०	५	०९	६	१७
२६ मं	३	०८	४३	४१	५७	१९	१९	३३	३२	१९	६	१७	७	१३	३२	४८	५	०९	६	१६
२७ बु	३	०९	४१	००	५७	१९	१९	२०	३२	१७	६	१८	७	१२	३२	४६	५	०९	६	१६
२८ गु	३	१०	३८	१९	५७	२०	१९	०७	३२	१५	६	१८	७	१२	३२	४४	५	१०	६	१५
२९ शु	३	११	३५	४०	५७	२१	१८	५२	३२	१३	६	१८	७	१२	३२	४२	५	१०	६	१५
३० श	३	१२	३३	०५	५७	२२	१८	३८	३२	१२	६	१९	७	११	३२	३९	५	११	६	१४

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २०११
श्रा. कृ. १ शनौ कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २६।५८ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्व गमनमाग्नेयां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः बिल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्सा उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १४।५८ से २६।५८ तक। (दान- घृत, धेनु) ।

अयनांशाः २४।००।२३
१५ पं. श्रा.कृ.१३ गु. इष्टघटी १६।१८
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	२	४	०	३	५	७	?
१०	०१	०५	१४	०५	१८	२७	१०
५?	५५	४७	३४	३४	१४	१४	२३
३६	०७	२६	४७	३५	२७	२२	३६
५७	४०	२६	९	७३	४	३	५७
२०	३४	४४	०१	५४	१२	११	०५
पु	मृ	म	भ	पु	ह	ज्ये	पु
३	३	२	१	१	३	४	३



श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, ३१ जुलाई से १३ अगस्त तक नवलगढ — चंद्रः — तारीख

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	भा.	मु.	इं.
१	र	३९	३८	२१	४७	श्ले	५५	४९	२८	१६	सि	१२	३२	१०	५७	किं	१२	४२	११	०१	३३ १९	५ ५६	७ १६	सिंहे २८।१६	९	२८	३१
२	सो	३२	५६	१९	०७	मघा	५०	५६	२६	१९	व्य	४ ५६	४३ २४	७ २८	५० ३०	वा	६	२२	८	२९	१६	५७	१५	सिंहे	१०	२९	१
३	मं	२५	४७	१६	१६	पूफा	४५	४४	२४	१४	प	४७	४८	२५	०४	ग	२५	४७	१६	१६	१३	५७	१४	कन्या २९।४३	११	१	२
४	बु	१८	३१	१३	२२	उफा	४०	३२	२२	१०	शि	३९	१५	२१	३९	वि	१८	३१	१३	२२	१०	५८	१४	कन्या	१२	२	३
५	गु	११	२९	१०	३४	हस्त	३५	४२	२०	१५	सि	३०	५७	१८	२१	बा	११	२९	१०	३४	०७	५८	१३	कन्या	१३	३	४
६	शु	४	५६	७	५७	चित्रा	३१	२७	१८	३४	सा	२३	०९	१५	१४	तै	४	५६	७	५७	०४	५९	१२	तुला. ७।२२	१४	४	५
७	शु	५९	०८	२९	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
८	श	५४	१०	२७	३९	स्वा	२८	०१	१७	१२	शु	१५	५९	१२	२३	वि	२६	३२	१६	३६	०१	५९	१२	तुला.	१५	५	६
९	र	५०	०८	२६	०३	विशा	२५	२९	१६	११	शु	९	३३	९	४९	बा	२२	०२	१४	४८	३२ ५८	६ ००	५१	वृश्चि. १०।२४	१६	६	७
१०	सो	४७	०४	२४	५०	अनु	२३	५४	१५	३४	ब्र	३ ५९	५३ ०२	७ २९	३३ ३०	तै	१८	२९	१३	२४	५५	००	१०	वृश्चि.	१७	७	८
११	मं	४४	५९	२४	०१	ज्ये	२३	१६	१५	१९	वै	५४	५४	२७	५९	व	१५	५५	१२	२३	५१	०१	०९	धनु. १५।१९	१८	८	९
१२	बु	४३	५०	२३	३३	मूल	२३	३५	१५	२७	वि	५१	३३	२६	३८	व	१४	१७	११	४४	४८	०१	०८	धनु.	१९	९	१०
१३	गु	४३	२७	२३	२८	पूषा	२४	४९	१५	५७	पी	४८	५६	२५	३६	कौ	१३	३६	११	२८	४५	०२	०८	मक. २२।०८	२०	१०	११
१४	शु	४४	२०	२३	४६	उषा	२६	५८	१६	४९	आ	४७	०२	२४	५१	ग	१३	५०	११	३४	४१	०२	०७	मक.	२१	११	१२
१५	श	४६	०२	२४	२७	श्रव	३०	०३	१८	०४	सौ	४५	५६	२४	२५	वि	१५	०३	१२	०४	३८	०३	०६	मक.	२२	१२	१३

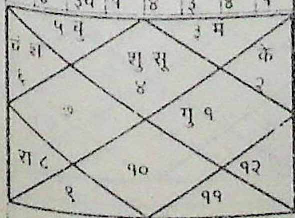
वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ११६, जुलाई-अगस्त २०११

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।

|C सोमेश्वरपूजनं, अगस्त ८ ता. ३१, तिलकपुण्यतिथि
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, रोटक व्रतारंभः, C
भ. २६।४९ उ., तीज, स्वर्णगौरी व्र., मधुश्रवा व्र.(गुर्जरे), सुकृत H
भ. १३।२२ या., वरद चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्र., श्लेषा. रविः G
कल्की जयंती, नागपञ्चमी, नागदष्ट व्र., वर्णषष्ठी, आर्द्रा. भौमः E
भ. २९।३८ उ., तुलसी जयंती, शीतला, पातस्पर्शः २३।३२, D
|G १३।४५ (सौरः २६।३४), वक्री बुधः २६।५०
भ. १६।३६ या., दुर्गाष्टमी, श्लेषा. शुक्रः १२।१९ |D मोक्षः २९।३५
|E १३।४८, बुधास्तः पश्चिमायाम् ८।२८ |H तृतीया व्र., रमजान ९
ज्येष्ठा.-३ राहुः ७।५२, मृगे १ केतुः ७।५२
भ. १२।२३ उ. २४।०१ या., पवित्रा ११ व्र.
दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं
प्रदोषः |B बौधायन, काण्वमध्यन्दिन (कात्या.), अथर्ववेदि, K
भ. २३।४६ उ., सूणमाण्डणा |K ऋग्वेदि उपाकर्म हयग्रीव जयंती
भ. १२।०४ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, रक्षाबंधनं (भद्रोत्तरं), श्रावणी A
|A (मरु), नारियल १५, यजुर्वेदि, तैतरीय, हिरण्यकेशीय, आपस्तंभ, B

अयनांशाः २४।००।२४
१७ पं. श्रा शु. ५ गु. इष्टघटी १६।०८
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	२	४	०	३	५	७	३
१७	०६	०७	१५	१४	१८	२६	१७
३४	३७	१७	१३	१२	४५	१२	०३
१५	४३	११	२६	१६	३०	०७	२९
५७	४०	७	४	७४	४	३	५७
२६	०६	३६	५१	०२	४४	११	०२
श्ले	पू	म	भ	पु	ह	ज्ये	श्ले
१	४	३व	१	४	३	४	१



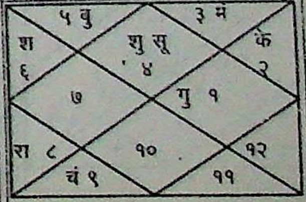
जुलाई ता.	वा.	रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि.	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
३१	र	३	१३	३०	२२	५७	२२	१८	२४	३२	१०	६	१९	७	११	३२	३७	५	११	६	१४
१	चं	३	१४	२७	४५	५७	२३	१८	०९	३२	०८	६	१९	७	१०	३२	३५	५	११	६	१३
२	मं	३	१५	२५	०८	५७	२४	१७	५४	३२	०६	६	२०	७	१०	३२	३३	५	१२	६	१३
३	बु	३	१६	२२	३२	५७	२५	१७	३८	३२	०४	६	२०	७	१०	३२	३०	५	१२	६	१२
४	गु	३	१७	१९	५७	५७	२६	१७	२३	३२	०२	६	२०	७	०९	३२	२८	५	१३	६	१२
५	शु	३	१८	१७	२३	५७	२७	१७	०७	३२	००	६	२१	७	०९	३२	२५	५	१३	६	११
६	श	३	१९	१४	५०	५७	२८	१६	५०	३१	५८	६	२१	७	०८	३२	२३	५	१३	६	११
७	र	३	२०	१२	१८	५७	२९	१६	३४	३१	५६	६	२१	७	०८	३२	२०	५	१४	६	१०
८	चं	३	२१	०९	४७	५७	३०	१६	१७	३१	५४	६	२२	७	०७	३२	१८	५	१४	६	०९
९	मं	३	२२	०७	१७	५७	३१	१६	००	३१	५२	६	२२	७	०६	३२	१५	५	१५	६	०९
१०	बु	३	२३	०४	४८	५७	३२	१५	४३	३१	४९	६	२२	७	०६	३२	१३	५	१५	६	०८
११	गु	३	२४	०२	२०	५७	३३	१५	२५	३१	४७	६	२२	७	०५	३२	१०	५	१५	६	०७
१२	शु	३	२४	५९	५४	५७	३४	१५	०८	३१	४५	६	२३	७	०५	३२	०७	५	१६	६	०७
१३	श	३	२५	५७	२८	५७	३६	१४	५०	३१	४३	६	२३	७	०४	३२	०५	५	१६	६	०६

मास फलम्

श्रावण में पांच शनिवार होंने से दुर्भिक्ष हो। कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों। कृष्णा एकादशी को रोहिणी होंने से सुभिक्ष हो। कृष्णा चतुर्दशी को आर्द्रा होने से अन्नादि भाव में तेजी हो। अमावस्या पुनर्वसु योग समर्घता कारक है। श्रावणी पूर्णिमा को श्रवण होने से धान्योत्पत्ति बहुत हो। शनिवार की सङ्क्रांति होने से अशुभ फलकारक है सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो। भरणी पर गुरु होने से सुभिक्ष हो तथा धान्य सम्पदा अच्छी हो।

अयनांशाः २४।००।२५
१८ पं. श्रा.शु.१३ गु. इष्टघटी १५।५९
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	२	४	०	३	५	७	३
२४	५१	०४	१५	२२	१९	२६	२३
१६	१७	२९	४३	५०	२०	२९	४४
४०	०३	५४	३८	५२	०४	५१	२०
५७	३९	४३	३	७४	५	३	५७
३४	३८	२६	३६	१०	१३	११	२९
श्ले	आ	म	भ	श्ले	ह	ज्ये	श्ले
३	२	२व	१	२	३	३	३

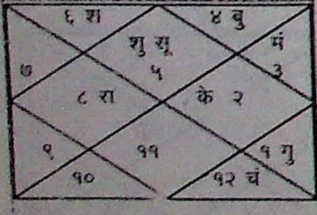


भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, १४ अगस्त से २९ अगस्त तक नवलगढ — चंद्रः — तारीख — वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णोति महा., अगस्त २०११

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	र	४८	४५	२५	३३	धनि	३४	०७	१९	४२	शो	४५	३६	२४	१८	बा	१७	१५	१२	५७	३२ ३४	६ ०३	७ ०५	कुंभे	६।५०	२३	१३	१४	पंचक प्रारम्भः ६।५०
२	सो	५२	३०	२७	०४	शत	३९	११	२१	४४	अ	४६	०४	२४	२९	तै	२०	२९	१४	१६	३१	०४	०४	कुंभे		२४	१४	१५	भारतीयस्वतंत्रतादिवस [F श्लेषा. बुधः २४।४७
३	मं	५७	१ ;	२८	५८	पूभा	४५	१४	२४	१०	सु	४७	१९	२५	००	व	२४	४५	१५	५८	२७	०४	०३	मीने	१७।३१	२५	१५	१६	भ. १५।५८ उ. २८।५८ या., कज्जली(बूढी ३), (व) कर्के F
४	बु	...	...	...	...	उभा	५२	०७	२६	५६	धृ	४९	१४	२५	४६	ब	२९	५७	१८	०४	२४	०५	०२	मीने		२६	१६	१७	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।५२, सिंहे मघा. रविः ११।२७ (सौरः C
४	गु	२	४९	७	१३	रेव	५९	३५	२९	५५	शू	५१	३७	२६	४४	बा	२	४९	७	१३	२०	०५	०१	मेषे	२९।५५	२७	१७	१८	पंचक समाप्तिः २९।५५, पातस्पर्शः २४।५६, हस्ते-४ शनिः २१।३२
५	शु	८	५७	९	४१	अश्वि	...	...	...	...	गं	५४	०८	२७	४५	तै	८	५७	९	४१	१७	०६	००	मेषे		२८	१८	१९	बृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोल्री), हलषष्ठी, चंद्रषष्ठी B
६	श	१५	०९	१२	१०	अश्वि	७	०९	८	५८	वृ	५६	२४	२८	४०	व	१५	०९	१२	१०	१३	०६	००	मेषे		२९	१९	२०	भ. १२।१० उ. २५।२१ या., शीतला व्र. [B (मरु.), पातमोक्षः ६।५९
७	र	२०	४९	१४	२६	भर	१४	१९	११	५०	ध्रु	५७	५८	२९	१८	ब	२०	४९	१४	२६	०९	०७	६ ५९	वृषे	१८।३०	३०	२०	२१	जन्माष्टमी व्र. स्मा. [C २५।२६), सिंहे मघा. शुक्रः ७।१४
८	सो	२५	२२	१६	१६	कृत्ति	२०	२६	१४	१८	व्या	५८	२७	२९	३०	कौ	२५	२२	१६	१६	०६	०७	५८	वृषे		३१	२१	२२	मन्वादि, जन्माष्टमी व्र. वैष्ण.
९	मं	२८	१८	१७	२७	रोहि	२५	०३	१६	०९	ह	५७	३२	२९	०९	ग	२८	१८	१७	२७	०२	०८	५७	मिथु.	२८।४८	१	२२	२३	भ. २९।४६ उ., गोगानवमी, भा. भाद्रपदारंभः, सायन कन्यायां E
१०	बु	२९	१९	१७	५२	मृग	२७	४७	१७	१५	व	५५	०२	२८	०९	वि	२९	१९	१७	५२	३१ ५८	०८	५६	मिथु.		२	२३	२४	भ. १७।५२ या., पुन. भौमः २०।३६, बुधोदयः पूर्वस्याम् १०।२१
११	गु	२८	१४	१७	२६	आर्द्रा	२८	३०	१७	३३	सि	५०	५२	२६	३०	बा	२८	१४	१७	२६	५५	०९	५५	मिथु.		३	२४	२५	अजा ११ व्र., जैनपर्युषण, वत्सपूजा [E भानुः १६।५४
१२	शु	२५	०८	१६	१२	पुन	२७	१२	१७	०२	व्य	४५	०६	२४	१२	तै	२५	०८	१६	१२	५१	०९	५४	कर्के	११।१४	४	२५	२६	प्रदोषः [A १३।४१, पूफा. शुक्रः २५।३२, अगस्त्योदयः २१।३५
१३	श	२०	१०	१४	१४	पुष्य	२४	०३	१५	४७	व	३७	५४	२१	१९	व	२०	१०	१४	१४	४७	१०	५२	कर्के		५	२६	२७	भ. १४।१४ उ. २५।०० या., मासिकशिवरात्री व्र., मार्गी बुधः A
१४	र	१३	३९	११	३८	श्ले	१९	२३	१३	५५	प	२९	३१	१७	५८	श	१३	३९	११	३८	४३	१०	५१	सिंहे	१३।५५	६	२७	२८	कुशांग्रहणी, पिठोरी ३०, पितृकार्येऽमा. [D सोमवती अमा.
३०	सो	५	५६	८	३३	मघा	१३	३३	११	३६	शि	२०	१४	१४	१६	ना	५	५६	८	३३	३९	११	५०	सिंहे		७	२८	२९	देवकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, लोहार्गल स्ना., मातृ ३०, D

अयनांशाः २४।००।२६
१९ प. भा.कृ. ४ गु. इष्टघटी १५।५०
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	२	३	०	४	५	७	४
०१	१५	२८	१६	०१	१९	२६	००
००	५३	४४	०४	३०	५७	०७	२६
००	०१	३३	५५	२०	५२	३६	२०
५७	३९	४७	२	७४	५	३	५७
४२	०९	५८	१७	१७	३९	११	३२
म	आ	श्ले	म	म	ह	ज्ये	म
१	३	४व	१	१	३	३	१



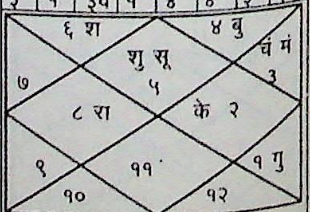
अगस्त रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१४	र	३	२६	५५	०४	५७	३७	१४	३१	३१	४१	६	२३	७	०३	३२	०२	५	१६	६	०५
१५	चं	३	२७	५२	४१	५७	३८	१४	१३	३१	३८	६	२३	७	०३	३१	५९	५	१७	६	०४
१६	मं	३	२८	५०	१९	५७	३९	१३	५४	३१	३६	६	२४	७	०२	३१	५६	५	१७	६	०४
१७	बु	३	२९	४७	५८	५७	४१	१३	३५	३१	३४	६	२४	७	०१	३१	५४	५	१७	६	०३
१८	गु	४	००	४५	३९	५७	४२	१३	१६	३१	३१	६	२४	७	०१	३१	५१	५	१८	६	०२
१९	शु	४	०१	४३	२०	५७	४३	१२	५७	३१	२९	६	२४	७	००	३१	४८	५	१८	६	०१
२०	श	४	०२	४१	०४	५७	४५	१२	३७	३१	२७	६	२५	६	५९	३१	४५	५	१८	६	०१
२१	र	४	०३	३८	४८	५७	४६	१२	१७	३१	२४	६	२५	६	५९	३१	४२	५	१९	६	००
२२	चं	४	०४	३६	३४	५७	४७	११	५७	३१	२२	६	२५	६	५८	३१	३९	५	१९	५	५९
२३	मं	४	०५	३४	२२	५७	४९	११	३७	३१	१९	६	२५	६	५७	३१	३६	५	१९	५	५८
२४	बु	४	०६	३२	१०	५७	५०	११	१७	३१	१७	६	२६	६	५६	३१	३३	५	२०	५	५७
२५	गु	४	०७	३०	०१	५७	५२	१०	५६	३१	१५	६	२६	६	५६	३१	३१	५	२०	५	५६
२६	शु	४	०८	२७	५२	५७	५३	१०	३६	३१	१२	६	२६	६	५५	३१	२८	५	२०	५	५५
२७	श	४	०९	२५	४६	५७	५५	१०	१५	३१	१०	६	२६	६	५४	३१	२५	५	२१	५	५५
२८	र	४	१०	२३	४०	५७	५६	९	५४	३१	०७	६	२६	६	५३	३१	२२	५	२१	५	५४
२९	चं	४	११	२१	३७	५७	५८	९	३३	३१	०५	६	२७	६	५३	३१	१९	५	२१	५	५३

संक्रांति फलम्

ता. १७ अगस्त २०११
भा. कृ. ४ बुधे सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ११।२७ वारात् ५ नक्षत्रात् ५ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः ववकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रास्तः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः भौमे (स्टै.) २९।०३ से बुधे ११।२७ तक । (दान- छत्र) ।

अयनांशाः २४।००।२७
२० पं. भा.कृ.११ गु. इष्टघटी १५।४२
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	२	३	०	४	५	७	४
०७	२०	२४	१६	१०	२०	२५	०१
४४	२५	५०	१६	१०	३८	४५	०९
२५	३१	०७	४८	३५	३३	२०	३८
५७	३८	८	०	७४	६	३	५७
५२	३९	०३	५५	२३	०२	११	४४
म	पुन	श्ले	भ	म	ह	ज्ये	म
३	१	३व	१	४	४	३	३



भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, ३० अगस्त से १२ सितंबर तक नवलगढ

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.
१	सो	५७	२९	२९	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	मं	४८	४३	२५	४०	पूफा	७	०२	९	००	सि	१०	२६	१०	२१	बा	२३	०६	१५	२६	३१ ३६	६ ११	६ ४९	कन्या १४।२०	८	२९	३०
३	बु	४०	०५	२२	१४	उफा	० ५३	१७ ४७	६ २७	१८ ४३	सा	० ५०	२८ ४२	६ २६	२३ २८	तै	१४	२१	११	५६	३२	१२	४८	कन्या	९	१	३१
४	गु	३१	५९	१९	००	चित्रा	४७	५५	२५	२२	शु	४१	२६	२२	४६	व	५	५६	८	३४	२८	१२	४७	तुला. १४।३०	१०	२	१
५	शु	२४	४७	१६	०७	स्वा	४३	०२	२३	२५	ब्र	३२	५७	१९	२३	बा	२४	४७	१६	०७	२४	१२	४६	तुला.	११	३	२
६	श	१८	४५	१३	४३	विशा	३९	२३	२१	५८	ऐ	२५	२८	१६	२४	तै	१८	४५	१३	४३	२०	१३	४५	वृश्चि. १६।१७	१२	४	३
७	र	१४	०३	११	५१	अनु	३७	०७	२१	०४	वै	१९	०४	१३	५१	व	१४	०३	११	५१	१६	१३	४४	वृश्चि.	१३	५	४
८	सो	१०	४६	१०	३२	ज्ये	३६	१५	२०	४४	वि	१३	५०	११	४६	ब	१०	४६	१०	३२	१२	१४	४३	धनु. २०।४४	१४	६	५
९	मं	८	५४	९	४८	मूल	३६	४४	२०	५६	प्री	९	४३	१०	०७	कौ	८	५४	९	४८	०८	१४	४२	धनु.	१५	७	६
१०	बु	८	२३	९	३६	पूषा	३८	२९	२१	३८	आ	६	४०	८	५५	ग	८	२३	९	३६	०४	१५	४०	मक. २७।५३	१६	८	७
११	गु	९	०४	९	५३	उषा	४१	२२	२२	४८	सौ	४	३४	८	०५	वि	९	०४	९	५३	००	१५	३९	मक.	१७	९	८
१२	शु	१०	५१	१०	३६	श्रव	४५	१५	२४	२१	शो	३	२०	७	३५	बा	१०	५१	१०	३६	३० ५६	१६	३८	मक.	१८	१०	९
१३	श	१३	३६	११	४२	धनि	५०	००	२६	१६	अ	२	५१	७	२५	तै	१३	३६	११	४२	५२	१६	३७	कुंभे १३।१६	१९	११	१०
१४	र	१७	१४	१३	१०	शत	५५	३३	२८	३०	सु	३	०३	७	३०	व	१७	१४	१३	१०	४८	१७	३६	कुंभे	२०	१२	११
१५	सो	२१	३९	१४	५७	पूभा	...	...	...	...	धृ	३	५१	७	४९	ब	२१	३९	१४	५७	४४	१७	३५	मीने २४।२१	२१	१३	१२

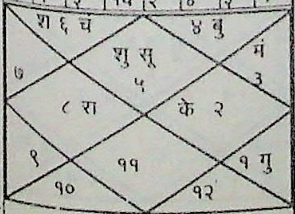
शरदृत्तु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः १४६, अगस्त-सितंबर २०११

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।

[A मन्वादि, सव्वाल १०, पातस्पर्शः १५।०९, मोक्षः १९।३२, पूफा. M चंद्रदर्शनम्(मु.४५), वक्रीगुरुः २६।१६ [M रविः ७।२७ (सौरः२२।१०) वराहजयंती, हरितालिकाव्र., हस्तिगौरीव्र., सामवेदि उपाकर्म, A भ. ८।३४ उ. १९।०० या., गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शनं निषेधः), जैन E ऋषिपंचमी, ललिताषष्ठीव्र. (गुर्जरे) [E संवत्सरी, सितंबर ९ ता. ३० सौर(सूर्य) षष्ठी, स्कन्ददर्शनं, मुक्ताभरणव्र., उमामहेश्वरपू., दूबड़ीसातम भ. ११।५१ उ. २३।०७ या., गौरीआवाहन २१।०४ यावत्, सिंहेमघा. G दधीचीजयंती, श्रीराधा ८, गौरी पूजन २०।४४ यावत् [G बुधः २७।२५ अदुःख नवमी व्र., श्रीचंद्र (उदासीनसंप्रदाय), दशावतारव्र., गौरी B भ. २१।४१ उ., श्रीरामदेवजी का मेला, उफा. शुक्रः १९।२३ भ. ९।५३ या., जलझूलनी ११ व्र., वामनजयंती [I कर्के भौमः १४।१० प्रदोषः, दुग्धव्रतं, गोत्रिरात्रव्र., हरिवासरः ७।१७ से १०।३६ तक, I पंचकप्रारम्भः १३।१६, कन्यायांशुक्रः ११।४८ [B विसर्जन २०।५६ यावत् भ. १३।१० उ. २६।०१ या., पूर्णिमा व्रतं, अनन्त १४, कदली व्रतं C पूर्णिमापुण्यं, प्रौष्ठपदी, महालय श्राद्धारंभः, महेश्वरपूजनं, कु. संध्यापूजा [C पूजनं, रंभारोपणं, इंदुला १५

अयनांशाः २४।००।२८
२१ पं. भा.शु. ४ गु. इष्टघटी १५।३४
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	२	३	०	४	५	७	४
१४	२४	२६	१६	१८	२१	२५	१३
३०	५४	३७	१९	५१	२१	२३	५४
०२	२८	०८	०२	२९	४७	०५	२४
५८	३८	४६	०	७४	६	३	५७
०३	०७	२१	२९	२८	२२	११	५९
पूफा	पुन	श्ले	भ	पूफा	ह	ज्ये	पूफा
१	२	३	१व	२	४	३	१



ता.	वा.	अगस्त रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
३०	मं	४	१२	११	३५	५७	५९	९	११	३१	०२	६	२७	६	५२	३१	१६	५	२२	५	१२
३१	बु	४	१३	१७	३४	५८	०१	८	५०	३१	००	६	२७	६	५१	३१	१२	५	२२	५	५१
१	गु	४	१४	१५	३५	५८	०३	८	२८	३०	५७	६	२७	६	५०	३१	०९	५	२२	५	५०
२	शु	४	१५	१३	३८	५८	०४	८	०६	३०	५५	६	२७	६	४९	३१	०६	५	२३	५	४९
३	श	४	१६	११	४२	५८	०६	७	४५	३०	५२	६	२८	६	४८	३१	०३	५	२३	५	४८
४	र	४	१७	०९	४९	५८	०८	७	२३	३०	५०	६	२८	६	४८	३१	००	५	२३	५	४७
५	चं	४	१८	०७	५६	५८	०९	७	००	३०	४७	६	२८	६	४७	३०	५७	५	२३	५	४६
६	मं	४	१९	०६	०६	५८	११	६	३८	३०	४४	६	२८	६	४६	३०	५४	५	२४	५	४५
७	बु	४	२०	०४	१७	५८	१३	६	१६	३०	४२	६	२८	६	४५	३०	५१	५	२४	५	४४
८	गु	४	२१	०२	३०	५८	१५	५	५३	३०	३९	६	२९	६	४४	३०	४८	५	२४	५	४३
९	शु	४	२२	००	४५	५८	१७	५	३१	३०	३७	६	२९	६	४३	३०	४५	५	२५	५	४२
१०	श	४	२२	५९	०१	५८	१८	५	०८	३०	३४	६	२९	६	४२	३०	४१	५	२५	५	४१
११	र	४	२३	५७	१९	५८	२०	४	४५	३०	३१	६	२९	६	४२	३०	३८	५	२५	५	४०
१२	चं	४	२४	५५	४०	५८	२२	४	२३	३०	२९	६	२९	६	४१	३०	३५	५	२५	५	३९

मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट हैं। पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। चैत्र से लेकर भाद्रपद तक शुक्ल पक्ष में तिथियां क्षय होने से धान्योत्पत्ति कम हो। सोमवारी अमावस मघा योग होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति और समर्धता कारक हो। सुदी चौथ को गुरुवार और चित्रा होने से दुर्भिक्ष हो। सुदी छठ को अनुराधा नहीं होने से दुर्भिक्ष हों। पूर्णिमा पूर्वाभाद्रपद युक्त और वृद्धि होने से भाव सस्ते हों। बुधवार की सक्रांति होने से रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो।

अयनांशाः २४।००।२९
२२ पं. भा.शु.११ गु. इष्टघटी १५।२६
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	७	४	०	४	५	७	४
२१	२९	०४	१६	२७	२२	२५	२०
१७	१९	२५	११	३२	०७	००	४०
००	४२	५९	२६	५४	१४	४९	४६
५८	३७	९०	१	७४	६	३	५८
१५	३५	४९	५३	३१	३९	११	११
पूफा	पुन	म	भ	उफा	ह	ज्ये	पूफा
३	३	२	१व	१	४	३	३



आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, १३ सितंबर से २७ सितंबर तक नवलगढ

शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति महा., सितंबर २०११

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टे. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	
१	मं	२६	४७	१७	००	पूभा	१	४७	७	००	शू	५	१३	८	२३	कौ	२६	४७	१७	००	३० ४०	६ १७	६ ३४	मीने	२२	१४	१३	पातस्पर्शः ६।४१, मोक्षः ११।५३, उफा. रविः २५।२१, पूफा. C
२	बु	३२	३१	१९	१८	उभा	८	४०	९	४६	गं	७	०४	९	०८	ग	३२	३१	१९	१८	३६	१८	३२	मीने	२३	१५	१४	उफा. सौरः १६।२१, पुष्ये भौमः २२।४९ [C बुधः २१।२८
३	गु	३८	४३	२१	४७	रेव	१६	०२	१२	४३	वृ	९	१९	१०	०२	व	५	३३	८	३२	३२	१८	३१	मेषे १२।४३	२४	१६	१५	भ. ८।३२ उ. २१।४७ या., पंचक समाप्तिः १२।४३
४	शु	४५	०३	२४	२०	अश्वि	२३	४०	१५	४७	ध्रु	११	४७	११	०२	ब	११	५२	११	०४	२८	१९	३०	मेषे	२५	१७	१६	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।३६, बुधास्तः पूर्वस्याम् १२।२५
५	श	५१	१०	२६	४७	भर	३१	१२	१८	४८	व्या	१४	१४	१२	०१	कौ	१८	०९	१३	३५	२४	१९	२९	वृषे २५।३२	२६	१८	१७	भरणी श्राद्ध, विश्वकर्मा पू., कन्यायां रविः ११।२७ (सौरः २६।२८)
६	र	५६	३०	२८	५६	कृत्ति	३८	०९	२१	३५	ह	१६	१९	१२	५१	ग	२३	५६	१५	५४	२०	२०	२८	वृषे	२७	१९	१८	भं. २८।५६ उ., [शुक्रोदयः पश्चिमायाम् १०।२५], B
७	सो	...	...	...	...	रोहि	४४	०१	२३	५७	द	१७	४०	१३	२४	वि	२८	४३	१७	४९	१६	२०	२७	वृषे	२८	२०	१९	भ. १७।४९ या. [B चंद्रषष्ठी, हस्ते शुक्रः १२।५६, E
७	मं	०	३२	६	३४	मृग	४८	१९	२५	४०	सि	१७	५५	१३	३१	ब	०	३२	६	३४	१२	२१	२५	मिथु. १२।५४	२९	२१	२०	श्रीमहालक्ष्मी व्र., अशोकाष्टमी, उफा. बुधः २५।५९
८	बु	२	५२	७	३०	आर्द्रा	५०	४०	२६	३७	व्य	१६	४५	१३	०३	कौ	२	५२	७	३०	०८	२१	२४	मिथु.	३०	२२	२१	सौभाग्यवतीनां श्राद्धं [E चित्रा.-१ शनिः २८।३४
९	गु	३	०९	७	३७	पुन	५०	५५	२६	४३	व	१३	५६	११	५६	ग	३	०९	७	३७	०४	२१	२३	कर्के २०।४७	३१	२३	२२	भ. १९।२१ उ., कन्यायां बुधः २०।४७
१०	शु	१	१४	६	५२	पुष्य	४९	०२	२५	५९	प	९	२३	१०	०७	वि	१	१४	६	५२	००	२२	२२	कर्के	१	२४	२३	भ. ६।५२ या., इंदिरा ११ व्र.स्मार्त, भा. अश्विनारंभः, सायन A
११	शु	५७	१४	२१	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A तुलायां भानुः १४।३९, शनेरस्तः पश्चिमायाम् १६।०१
१२	श	५१	१७	२६	५३	श्ले	४५	१२	२४	२७	शि	३ ५५	१० २४	७ २८	३८ ३२	कौ	२४	२८	१६	१०	२९ ५६	२२	२१	सिंहे २४।२७	२	२५	२४	इंदिरा ११ व्र.वैष्ण., सन्यासिनां श्राद्धं [D मोक्षः १३।१३
१३	र	४३	४४	२३	५३	मघा	३९	४४	२२	१७	सा	४६	१९	२४	५५	ग	१७	४१	१३	२७	५२	२३	२०	सिंहे	३	२६	२५	भ. २३।५३ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., युगादि
१४	सो	३५	०१	२०	२४	पूफा	३३	०३	१९	३७	शु	३६	१७	२०	५४	वि	९	२९	१०	११	४८	२३	१८	कन्या २४।५३	४	२७	२६	भ. १०।११ या., शस्त्रादि हतानां श्राद्धं, पातस्पर्शः ९।०८, D
३०	मं	२५	३६	१६	३८	उफा	२५	३८	१६	३२	शु	२५	४०	१६	४०	च	०	२२	६	३३	४४	२४	१७	कन्या	५	२८	२७	देवपितृकार्येऽमा., सर्वपितृ श्राद्धम्, हस्ते रविः १६।५१

शुक्रोदयः

अयनांशाः २४।००।३०

२३ पं. आ.कृ. ३ गु. इष्टघटी १५।१८

(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	३	४	०	५	५	७	४
२८	०३	१६	१५	०६	२२	२४	२७
०५	४१	१६	५४	१४	५४	३८	२८
२४	०२	३३	०८	४२	३३	३४	५१
५८	३७	११०	३	७४	६	३	५८
२८	००	४७	१५	३४	५३	११	२७
उफा	पु	पूफा	भ	उफा	ह	ज्ये	उफा
१	१	१	१व	३	४	३	१



सितम्बर ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि.	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
१३	मं	४	२५	५४	०२	५८	२४	४	००	३०	२६	६	२९	६	४०	३०	३२	५	२६	५	३८
१४	बु	४	२६	५२	२५	५८	२६	३	३७	३०	२४	६	३०	६	३९	३०	२९	५	२६	५	३७
१५	गु	४	२७	५०	५१	५८	२८	३	१४	३०	२१	६	३०	६	३८	३०	२६	५	२६	५	३६
१६	शु	४	२८	४९	१८	५८	२९	२	५१	३०	१८	६	३०	६	३७	३०	२२	५	२७	५	३५
१७	श	४	२९	४७	४८	५८	३१	२	२८	३०	१६	६	३०	६	३६	३०	१९	५	२७	५	३४
१८	र	५	००	४६	१९	५८	३३	२	०४	३०	१३	६	३०	६	३५	३०	१६	५	२७	५	३४
१९	चं	५	०१	४४	५२	५८	३५	१	४१	३०	१०	६	३०	६	३५	३०	१३	५	२७	५	३३
२०	मं	५	०२	४३	२८	५८	३७	१	१८	३०	०८	६	३१	६	३४	३०	१०	५	२८	५	३२
२१	बु	५	०३	४२	०५	५८	३९	०	५५	३०	०५	६	३१	६	३३	३०	०६	५	२८	५	३१
२२	गु	५	०४	४०	४४	५८	४१	०	३१	३०	०२	६	३१	६	३२	३०	०३	५	२८	५	३०
२३	शु	५	०५	३९	२५	५८	४३	०	०८+	३०	००	६	३१	६	३१	३०	००	५	२९	५	२९
२४	श	५	०६	३८	०८	५८	४५	०	१५-	२९	५७	६	३१	६	३०	२९	५७	५	२९	५	२८
२५	र	५	०७	३६	५३	५८	४७	०	३९	२९	५४	६	३१	६	२९	२९	५४	५	२९	५	२७
२६	चं	५	०८	३५	४०	५८	४९	१	०२	२९	५२	६	३२	६	२८	२९	५०	५	२९	५	२६
२७	मं	५	०९	३४	२९	५८	५१	१	२५	२९	४९	६	३२	६	२८	२९	४७	५	३०	५	२५

संक्रांति फलम्

ता. १७ सितंबर २०११

आश्वि. कृ. ५ शनौ कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. ११।२७ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित्कंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रास्तः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) ११।२७ से १७।५१ तक। (दान- गृह वस्त्र)।

अयनांशाः २४।००।३१

२४ पं. आ.कृ. ९ गु. इष्टघटी १५।१०

(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	३	४	०	५	५	७	५
०४	०७	२९	१५	१४	२३	२४	०४
५५	५८	२१	२७	५६	४३	१६	१८
२०	१७	०४	२९	४७	२२	११	४४
५८	३६	१११	४	७४	७	३	५८
४२	२४	४१	३२	३६	०५	११	४२
उफ	पु	उफा	भ	ह	चि	ज्ये	उफा
३	२	१	१व	२	१	३	३



आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, २८ सितंबर से १२ अक्टूबर तक नवलगढ चंद्रः तारीख

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	भा.	मु.	इं.
१	बु	१५	५७	१२	४७	हस्त	१७	५९	१३	३६	ब्र	१४	५१	१२	२१	ब	१५	५७	१२	४७	२९/४०	६/२४	६/१६	तुला. २४।०६	६	२९	२८
२	गु	६	३२	९	०२	चित्रा	१०	३६	१०	३९	ऐ	४/५४	१४/११	८/२८	०६/०५	कौ	६	३२	९	०२	३६	२५	१५	तुला.	७	३०	२९
३	गु	५७	४९	२९	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०
४	शु	५०	१०	२६	२९	स्वा	३/५८	५६/२५	८/२९	००/४७	वि	४५	००	२४	२५	व	२३	५०	१५	५७	३१	२५	१४	वृश्चि. २४।१७	८	१	३०
५	श	४३	५६	२४	००	अनु	५४	१९	२८	०९	प्री	३६	५६	२१	१२	ब	१६	५२	१३	१०	२७	२६	१३	वृश्चि.	९	२	१
६	र	३९	२०	२२	१०	ज्ये	५१	५२	२७	११	आ	३०	१०	१८	३०	कौ	११	२४	११	००	२३	२६	१२	धनु. २७।११	१०	३	२
७	सो	३६	२७	२१	०२	मूल	५१	०९	२६	५४	सौ	२४	४८	१६	२२	ग	७	३९	९	३०	१९	२७	१०	धनु.	११	४	३
८	मं	३५	२२	२०	३६	पूषा	५२	१०	२७	१९	शो	२०	५१	१४	४८	वि	५	४१	८	४४	१५	२७	०९	धनु.	१२	५	४
९	बु	३५	५७	२०	५०	उषा	५४	४६	२८	२२	अ	१८	१४	१३	४५	बा	५	२७	८	३९	११	२८	०८	मक. ९।३१	१३	६	५
१०	गु	३८	०२	२१	४१	श्रव	५८	४५	२९	५८	सु	१६	५०	१३	१२	तै	६	४८	९	११	०७	२८	०७	मक.	१४	७	६
११	शु	४१	२५	२३	०३	धनि	...	...	...	...	धृ	१६	२९	१३	०४	व	९	३४	१०	१८	०३	२९	०६	कुंभे १८।५७	१५	८	७
१२	श	४५	५०	२४	४९	धनि	३	५३	८	०३	शू	१७	००	१३	१७	ब	१३	३०	११	५३	२८/५९	२९	०५	कुंभे	१६	९	८
१३	र	५१	००	२६	५४	शत	९	५६	१०	२८	गं	१८	१०	१३	४६	कौ	१८	२०	१३	५०	५५	३०	०४	मीने ३०।२८	१७	१०	९
१४	सो	५६	४३	२९	११	पूभा	१६	३६	१३	०९	वृ	१९	४८	१४	२६	ग	२३	४७	१६	०१	५१	३०	०३	मीने	१८	११	१०
१५	मं	...	...	...	...	उभा	२३	४३	१६	००	ध्रु	२१	४६	१५	१३	वि	२९	४०	१८	२३	४७	३१	०२	मीने	१९	१२	११
१५	बु	२	४३	७	३६	रेव	३१	०४	१८	५७	व्या	२३	५६	१६	०६	ब	२	४३	७	३६	४३	३१	०१	मेषे १८।५७	२०	१३	१२

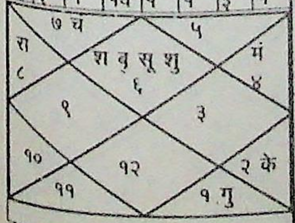
शरदृत्तू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः १७५. सितंबर-अक्टूबर २०११

इसमें लिखे अंक सब स्टेंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेन जयंती , मातामह श्रा., हस्ते D
चंद्रदर्शनम् (मु.१५) [D सौरः ७।४३, हस्ते बुधः ७।३८, चित्रा. H
[A लक्ष्मी पूजा, नवान्न भक्षण, आश्वयुजी कर्म (आश्वलायन B
भ. १५।५७ उ. २६।२९ या., जिल्काद ११ [E २९।३३, रोहि.-४ G
उपांग ललिता व्र., अक्टूबर १० ता. ३१ [H शुक्रः ३०।१८
गांधी जयन्ती [B शाखा), चित्रा. सौरः २०।१३ [G केतुः २९।३३
भ. २१।०२ उ., सरस्वती आवाहनं मूलभे, भद्रकाली अवतार
भ. ८।४४ या., महाष्टमी, सरस्वती पूजनं पू.षाभे, तुलायां शुक्रः I
मन्वादि, शस्त्रादि पूजा, बलिदानं उ.षाभे, चित्रा. बुधः २२।५४
बोद्धावतार, विजया १०, शमीपूजा, पट्टाभिषेक, सरस्वती विसर्जनं C
भ. १०।१८ उ. २३।०३ या., पंचक प्रारम्भः १८।५७, पापांकुशा ११ व्र.
कार्त्तिके द्विदलं त्यजेत्, पातस्पर्शः ९।५९, मोक्षः १५।१६ [I १४।५८
प्रदोषः, तुलायां बुधः २३।०४, स्वा. शुक्रः २३।३७, ज्येष्ठा.-२ राहुः E
भ. २९।११ उ., चित्रा. रविः २९।५२ [C श्रवणे, श्लेषा. भौमः २६।३३
भ. १८।२३ या., पूर्णिमा व्रतं, शरद पूर्णिमा, कोजागरी व्र., वंगीय A
पूर्णिमा पुण्यं, पंचक समाप्तिः १८।५७, कार्तिक स्नान प्रा.

अयनांशाः २४।००।३२
२५ पं. आ.शु. २ गु. इष्टघटी १५।०२
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	३	५	०	५	५	७	५
११	१२	१२	१४	२३	२४	२३	११
४६	११	०८	५२	३९	३३	५४	१०
५२	१०	५९	१०	०१	२१	०३	२८
५८	३५	१०६	५	७४	७	३	५८
५५	४५	३७	४२	३७	१३	११	५८
ह	पु	ह	भ	चि	चि	ज्ये	ह
१	३	१	१व	१	१	३	१



सितम्बर रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे टाईम

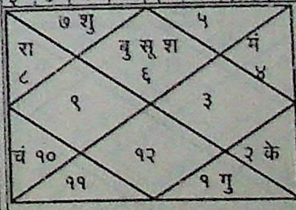
ता. वा	रा.	अं	क	वि	क.	वि	रवि क्रान्ति दक्षिण अं.	क.	मुम्बई रेल्वे टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२८ बु	५	१०	३३	२०	५८	५३	१	४९	२९	४७	६	३२	६	२७	२९	४४	५	३०	५	२४
२९ गु	५	११	३२	१३	५८	५५	२	१२	२९	४४	६	३२	६	२६	२९	४१	५	३०	५	२३
३० शु	५	१२	३१	०८	५८	५७	२	३६	२९	४१	६	३२	६	२५	२९	३८	५	३१	५	२२
१ श	५	१३	३०	०५	५८	५९	२	५९	२९	३९	६	३३	६	२४	२९	३४	५	३१	५	२१
२ र	५	१४	२९	०४	५९	०१	३	२२	२९	३६	६	३३	६	२३	२९	३१	५	३१	५	२०
३ चं	५	१५	२८	०५	५९	०३	३	४५	२९	३३	६	३३	६	२२	२९	२८	५	३२	५	१९
४ मं	५	१६	२७	०८	५९	०५	४	०९	२९	३१	६	३३	६	२२	२९	२५	५	३२	५	१८
५ बु	५	१७	२६	१३	५९	०७	४	३२	२९	२८	६	३३	६	२१	२९	२२	५	३२	५	१७
६ गु	५	१८	२५	२०	५९	०९	४	५५	२९	२५	६	३४	६	२०	२९	१८	५	३३	५	१६
७ शु	५	१९	२४	३०	५९	११	५	१८	२९	२३	६	३४	६	१९	२९	१५	५	३३	५	१५
८ श	५	२०	२३	४१	५९	१३	५	४१	२९	२०	६	३४	६	१८	२९	१२	५	३३	५	१४
९ र	५	२१	२२	५४	५९	१५	६	०४	२९	१८	६	३४	६	१७	२९	०९	५	३४	५	१३
१० चं	५	२२	२२	१०	५९	१७	६	२६	२९	१५	६	३५	६	१७	२९	०६	५	३४	५	१२
११ मं	५	२३	२१	२७	५९	२०	६	४९	२९	१२	६	३५	६	१६	२९	०२	५	३४	५	११
१२ बु	५	२४	२०	४७	५९	२२	७	१२	२९	१०	६	३५	६	१५	२८	५९	५	३५	५	१०

मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो। पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो यथा- ।।बुधेरसक्षयो भूम्याम्।। मगलवारी अमावस होने से उपघात-अल्पवृष्टि और उत्तराफाल्गुनी होने से दुर्भिक्ष (महर्घ) हो। शुक्ला तृतीया का क्षय होने से मुंग घी महंगें हों। कृ. छठ रविवार और ज्येष्ठा होने से सब धान्यों में समर्धता हो। पूर्णिमा बुधवार और रेवती युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। शनिवार की सक्रांति होने से सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो।

अयनांशाः २४।००।३३
२६ पं. आ.शु.१० गु. इष्टघटी १४।५३
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	३	५	०	६	५	७	५
१८	१६	२४	१४	०२	२५	२३	१८
४०	१९	१७	०९	२१	२४	३१	०४
०४	२१	१०	१२	२१	०७	४८	०६
५९	३५	१००	६	७४	७	३	५९
१०	०३	३६	४१	३७	१८	११	१५
ह	पु	चि	भ	चि	चि	ज्ये	ह
३	४	१	१व	३	१	३	३



कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, १३ अक्टूबर से २६ अक्टूबर तक नवलगढ																								चद्रः	तारीख			शरदृतू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति महा., अक्टूबर २०११
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	गु	८	५६	१०	०६	अश्वि	३८	३२	२१	५७	ह	२६	११	१७	००	कौ	८	५६	१०	०६	२८ ३९	६ ३२	६ ००	मेषे	२१	१४	१३	स्वा. बुधः २६।२६, (व) अश्वि.-४ गुरुः १२।२१
२	शु	१५	१०	१२	३७	भर	४५	५५	२४	५४	व	२८	२५	१७	५४	ग	१५	१०	१२	३७	३५	३३	५ ५९	मेषे	२२	१५	१४	भ. २५।५० उ.
३	श	२१	१०	१५	०१	कृति	५२	५७	२७	४४	सि	३०	२५	१८	४३	वि	२१	१०	१५	०१	३१	३३	५८	वृषे ७।३८	२३	१६	१५	भ. १५।०१ या., करवा ४ चन्द्रोदयः १९।५८, दशरथ ललिता व्र.
४	र	२६	३९	१७	१३	रोहि	५९	१९	३०	१७	व्य	३२	०१	१९	२२	बा	२६	३९	१७	१३	२७	३४	५७	वृषे	२४	१७	१६	चित्रा.-२ शनिः २१।२६
५	सो	३१	१४	१९	०४	मृग	...	...	...	...	व	३२	५२	१९	४३	तै	३१	१४	१९	०४	२३	३४	५६	मिथु. १९।२५	२५	१८	१७	आकाश दीपारंभः, तुलायां रविः २३।२५
६	मं	३४	२९	२०	२२	मृग	४	३५	८	२५	प	३२	४२	१९	४०	ग	३	०२	७	४७	१९	३५	५५	मिथु.	२६	१९	१८	भ. २०।२२ उ., स्कन्द षष्ठी, तुलायां सौरः १३।२४
७	बु	३६	०१	२१	००	आर्द्रा	८	२३	९	५७	शि	३१	१४	१९	०५	वि	५	२७	८	४६	१५	३५	५४	कर्के २८।३८	२७	२०	१९	भ. ८।४६ या., होई (अहोरी) ८
८	गु	३५	३६	२०	५१	पुन	१०	२५	१०	४६	सि	२८	१६	१७	५४	बा	६	०३	९	०१	१२	३६	५३	कर्के	२८	२१	२०	विशा. शुक्रः १६।५४ [C वृश्चिके भानुः २४।०३
९	शु	३३	१०	१९	५२	पुष्य	१०	२७	१०	४७	सा	२३	४०	१६	०५	तै	४	३८	८	२८	०८	३७	५२	कर्के	२९	२२	२१	पातस्पर्शः २३।०२, मोक्षः २७।५६
१०	श	२८	४३	१८	०६	श्ले	८	३०	१०	०१	शु	१७	२९	१३	३७	व	१	१०	७	०५	०४	३७	५१	सिंहे १०।०१	३०	२३	२२	भ. ७।०५ उ. १८।०६ या., विशा. बुधः १८।२२
११	र	२२	२९	१५	३७	मघा	४ ५९	४१ १८	८ ३०	३० २१	शु	९	४९	१०	३३	बा	२२	२९	१५	३७	००	३८	५०	सिंहे	१	२४	२३	रमा ११ व्र., गोवत्स द्वादशी, भा. कार्तिकारंभः, सायन C
१२	सो	१४	४७	१२	३३	उफा	५२	४२	२७	४३	ब्र	० ५०	५१ ५६	६ २०	५९ ०१	तै	१४	४७	१२	३३	२७ ५६	३८	४९	कन्या ११।४४	२	२५	२४	प्रदोषः, धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, यमायदीपदानं, गोत्रिरात्र व्र., A
१३	मं	६	००	९	०३	हस्त	४५	२०	२४	४७	वै	४०	२१	२२	४८	व	६	००	९	०३	५२	३९	४८	कन्या	३	२६	२५	भ. ९।०३ उ. १९।१२ या., मासिकशिवरात्री व्र., दीपदानं
१४	मं	५६	३६	२९	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A स्वा. रविः १६।२१ (सौरः २९।५५) [B कुवेर पू., वलीपूजा
३०	बु	४६	५९	२५	२७	चित्रा	३७	४०	२१	४४	वि	२९	३०	१८	२८	च	२१	४६	१५	२२	४९	४०	४७	तुला. ११।१५	४	२७	२६	देवपितृकार्येऽमा., रुप (नरक) १४, प्रभात स्नानं, महालक्ष्मी पूजा, B

अयनांशाः २४।००।३४
२७ पं. का.कृ. १ गु. इष्टघटी १४।४४
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	३	६	०	६	५	७	५
२५	२०	०५	१३	११	२६	२३	२४
३४	२२	४४	१९	०३	१५	०९	५९
५५	२८	२६	५९	४३	१७	३२	३७
५९	३४	९५	७	७४	७	३	५९
२४	१७	०८	२७	३८	१९	११	३१
चि	श्ले	चि	अ	स्वा	चि	ज्ये	चि
५	२	४	४व.	२	१	२	१



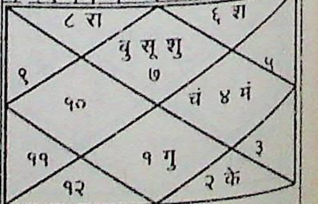
अक्टुबर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गत्ति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१३ गु	५	२५	२०	०९	५९	२४	७	३४	२९	०७	६	३५	६	१४	२८	५६	५	३५	५	१०
१४ शु	५	२६	१९	३२	५९	२६	७	५७	२९	०५	६	३६	६	१४	२८	५३	५	३६	५	०९
१५ श	५	२७	१८	५८	५९	२८	८	१९	२९	०२	६	३६	६	१३	२८	५०	५	३६	५	०८
१६ र	५	२८	१८	२६	५९	३०	८	४१	२८	५९	६	३६	६	१२	२८	४७	५	३६	५	०७
१७ चं	५	२९	१७	५५	५९	३२	९	०३	२८	५७	६	३७	६	११	२८	४४	५	३७	५	०६
१८ मं	६	००	१७	२७	५९	३४	९	२५	२८	५४	६	३७	६	११	२८	४१	५	३७	५	०५
१९ बु	६	०१	१७	०१	५९	३६	९	४७	२८	५२	६	३७	६	१०	२८	३८	५	३८	५	०५
२० गु	६	०२	१६	३७	५९	३८	१०	०९	२८	४९	६	३८	६	०९	२८	३४	५	३८	५	०४
२१ शु	६	०३	१६	१५	५९	४०	१०	३०	२८	४७	६	३८	६	०९	२८	३१	५	३८	५	०३
२२ श	६	०४	१५	५५	५९	४२	१०	५२	२८	४४	६	३८	६	०८	२८	२८	५	३९	५	०२
२३ र	६	०५	१५	३७	५९	४४	११	१३	२८	४२	६	३९	६	०७	२८	२५	५	३९	५	०१
२४ चं	६	०६	१५	२१	५९	४६	११	३४	२८	३९	६	३९	६	०७	२८	२२	५	४०	५	०१
२५ मं	६	०७	१५	०७	५९	४८	११	५५	२८	३७	६	३९	६	०६	२८	१९	५	४०	५	००
२६ बु	६	०८	१४	५४	५९	५०	१२	१५	२८	३४	६	४०	६	०५	२८	१६	५	४१	४	५९

संक्रांति फलम्

ता. १७ अक्टूबर २०११
का. कृ. ५ चंद्रे तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. २३।२५ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं स्वरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (वैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १७।२५ से २९।२५ तक । (दान- तिल) ।

अयनांशाः २४।००।३५
२८ पं. का.कृ. ८ गु. इष्टघटी १४।३४
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	३	६	०	६	५	७	६
०२	२४	१६	१२	१९	२७	२२	०१
३१	२०	३६	२६	४६	०६	४७	५७
२७	०२	४२	१३	०६	३०	१७	००
५९	३३	९७	७	७४	७	३	५९
३८	२७	४८	५६	३८	१८	११	४७
चि	श्ले	स्वा	अ	स्वा	चि	ज्ये	चि
३	३	३	४व	४	२	२	३



कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, २७ अक्टूबर से १० नवंबर तक नवलगढ

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टे. टा.
१	गु	३७	३८	२१	४३	स्वा	३०	११	१८	४५	प्री	१८	४३	१४	०९	कि	१२	१४	११	३४	२७ ४५	६ ४०	५ ४६	तुला.
२	शु	२८	५९	१८	१७	विशा	२३	२१	१६	०१	आ	८ ५८	२३ ५२	१० ३०	०२ १४	बा	३	११	७	५७	४१	४१	४५	वृश्चि. १०।४०
३	श	२१	२६	१५	१६	अनु	१७	३३	१३	४३	शो	५०	२३	२६	५१	ग	२१	२६	१५	१६	३७	४२	४५	वृश्चि.
४	र	१५	२०	१२	५०	ज्ये	१३	११	११	५२	अ	४३	११	२३	५९	वि	१५	२०	१२	५०	३४	४२	४४	धनु. ११।५९
५	सो	१०	५६	११	०५	मूल	१०	३०	१०	५५	सु	३७	२७	२१	४२	बा	१०	५६	११	०५	३०	४३	४३	धनु.
६	मं	८	२५	१०	०६	पूषा	९	४०	१०	३६	धृ	५३	१५	२०	०२	तै	८	२५	१०	०६	२६	४४	४२	मक. १६।३८
७	बु	७	५४	९	५४	उषा	१०	४६	११	०३	शू	३०	३६	१८	५९	व	७	५४	९	५४	२३	४४	४२	मक.
८	गु	९	१७	१०	२८	श्रव	१३	४३	१२	१४	ग	२९	२२	१८	३०	ब	९	१७	१०	२८	१९	४५	४१	कुंभे २५।०५
९	शु	१२	२५	११	४४	धनि	१८	१८	१४	०५	वृ	२९	२३	१८	३१	कौ	१२	२५	११	४४	१६	४६	४०	कुंभे
१०	श	१६	५७	१३	३३	शत	२४	१३	१६	२८	ध्रु	३०	२३	१८	५६	ग	१६	५७	१३	३३	१२	४७	३९	कुंभे
११	र	२२	३१	१५	४८	पूभा	३१	०४	१९	१३	व्या	३२	०५	१९	३७	वि	२२	३१	१५	४८	०९	४०	३९	मीने १२।३०
१२	सो	२८	४१	१८	१६	उभा	३८	२५	२२	१०	ह	३४	११	२०	२८	बा	२८	४१	१८	१६	०६	४८	३८	मीने
१३	मं	३५	०३	२०	५०	रेव	४५	५५	२५	११	व	३६	२५	२१	२३	कौ	१	५२	७	३३	०२	४९	३८	मेषे २५।११
१४	बु	४१	२०	२३	२१	अश्वि	५३	१७	२८	०८	सि	३८	३४	२२	१५	ग	८	१३	१०	०७	२६ ५३	४९	३७	मेषे
१५	गु	४७	१९	२५	४६	भर	...	...	...	...	व्य	४०	२८	२३	०२	वि	१४	२१	१२	३५	५६	५०	३६	मेषे

हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः २०४, अक्टूबर-नवंबर २०११

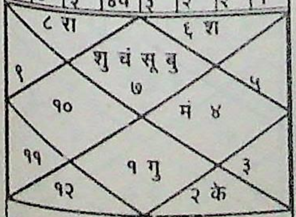
इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

ति.	तारीख भा.	मु.	इं.	
१	५	२८	२७	गोवर्धन पू., अन्नकूटं देशाचारे, गोक्रीडा, मार्गपाली बं., गुर्जराणां K
२	६	२९	२८	चंद्रदर्शनम्(मु.३०), भ्रातृ २, यम २, यमुना स्नानं, कलमदवातपू., B
३	७	१	२९	भ. २५।५९ उ., जिल्हेज १२, वृश्चिकेबुधः १४।०२ [K नूतन वर्षारंभः
४	८	२	३०	भ. १२।५० या., दूर्वागणपति व्र., सिंहे मघा. भौमः २०।५५
५	९	३	३१	सौभाग्य ५, पाण्डव ५, अनु. बुधः २२।२६, अनु. शुक्रः १०।११
६	१०	४	१	कल्पादि, वन्हि (रवि) षष्ठी, नवंबर ११ ता. ३०
७	११	५	२	भ. ९।५४ उ. २२।०६ या., पातस्पर्शः १२।१६, मोक्षः १८।३९
८	१२	६	३	पंचक प्रारम्भः २५।०५, गोपाष्टमी [B बुधोदयः पश्चिमायाम् १०।११, E
९	१३	७	४	युगादि, कुष्माण्ड (अक्षय) ९ [D चतुर्मास व्रतसमाप्तिः, भीष्मपंचक L
१०	१४	८	५	भ. २६।३८ उ. [E वृश्चिके शुक्रः १७।५१, शनेरुदयः पूर्वस्याम् १८।४८
११	१५	९	६	भ. १५।४८ या., प्रबोधिनी ११ व्र., देवोत्थापनं, तुलसी विवाह, D
१२	१६	१०	७	मन्वादि, विशा. सौरः १३।०३, (व) अश्वि.-३ गुरुः १६।०७
१३	१७	११	८	पंचकसमाप्तिः २५।११, प्रदोषः,वैकुण्ठ १४ [L प्रा., विशा.रविः २४।२८
१४	१८	१२	९	भ. २३।२१ उ., रोटक व्रत समाप्तिः, कार्तिक व्रतोद्यापनं
१५	१९	१३	१०	भ. १२।३५ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, त्रिपुरोत्सव, पुष्कर A

[A यात्रा, गोपद्मव्रत समाप्ति, नानक जयंती, भीष्म पंचक समाप्ति, कार्तिक स्नान पूर्तिः, ज्येष्ठा. बुधः २८।११, ज्येष्ठा. शुक्रः २७।३०

अयनांशाः २४।००।३६
२९ पं. का.शु. १ गु. इष्टघटी १४।२३
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

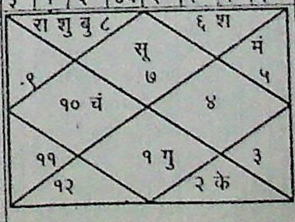
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	३	६	०	६	५	७	६
०९	२८	२७	११	२८	२७	२२	०८
२९	११	०१	२९	२८	५७	२५	५६
३८	२९	००	५२	२९	२३	०२	१२
५९	३२	८६	८	७४	७	३	६०
५२	३२	५७	०८	३७	१३	११	०२
स्वा	श्ले	वि	अ	वि	चि	ज्ये	स्वा
१	४	३	४व	३	२	२	१



ता. वा.	अक्टुबर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि.	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२७ गु	६	०९	१४	४४	५९	५२	१२	३६	२८	३२	६	४०	६	०५	२८	१३	५	४१	४	५९
२८ शु	६	१०	१४	३६	५९	५४	१२	५६	२८	२९	६	४०	६	०४	२८	१०	५	४२	४	५८
२९ श	६	११	१४	३०	५९	५६	१३	१६	२८	२७	६	४१	६	०४	२८	०८	५	४२	४	५७
३० र	६	१२	१४	२६	५९	५८	१३	३६	२८	२५	६	४१	६	०३	२८	०५	५	४३	४	५७
३१ चं	६	१३	१४	२३	६०	००	१३	५६	२८	२२	६	४२	६	०३	२८	०२	५	४३	४	५६
१ मं	६	१४	१४	२३	६०	०१	१४	१५	२८	२०	६	४२	६	०२	२७	५९	५	४४	४	५५
२ बु	६	१५	१४	२४	६०	०२	१४	३५	२८	१८	६	४३	६	०२	२७	५६	५	४४	४	५५
३ गु	६	१६	१४	२७	६०	०५	१४	५४	२८	१५	६	४३	६	०१	२७	५३	५	४५	४	५४
४ शु	६	१७	१४	३३	६०	०७	१५	१२	२८	१३	६	४४	६	०१	२७	५१	५	४५	४	५४
५ श	६	१८	१४	४०	६०	०९	१५	३१	२८	११	६	४४	६	००	२७	४८	५	४६	४	५३
६ र	६	१९	१४	४८	६०	११	१५	४९	२८	०९	६	४४	६	००	२७	४५	५	४७	४	५३
७ चं	६	२०	१४	५९	६०	१२	१६	०७	२८	०६	६	४५	५	५९	२७	४२	५	४७	४	५२
८ मं	६	२१	१५	१२	६०	१४	१६	२५	२८	०४	६	४५	५	५९	२७	४०	५	४८	४	५२
९ बु	६	२२	१५	२६	६०	१६	१६	४२	२८	०२	६	४६	५	५९	२७	३७	५	४८	४	५१
१० गु	६	२३	१५	४२	६०	१८	१६	५९	२८	००	६	४६	५	५८	२७	३५	५	४९	४	५१

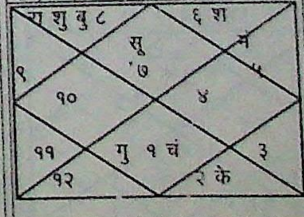
अयनांशाः २४।००।३७
३० पं. का.शु. ८ गु. इष्टघटी १४।११
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	४	७	०	७	५	७	६
१६	०१	०६	१०	०७	२८	२२	१५
२९	५६	५४	३३	१०	४७	०२	५७
२५	०८	४३	०३	५०	३२	४६	०९
६०	३१	८१	८	७४	७	३	६०
०६	२९	१८	०२	३७	०५	११	१६
स्वा	म	अनु	अ	अनु	वि	ज्ये	स्वा
३	१	२	४व	२	२	२	३



अयनांशाः २४।००।३७
३१ पं. का.शु.१५ गु. इष्टघटी १३।५८
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

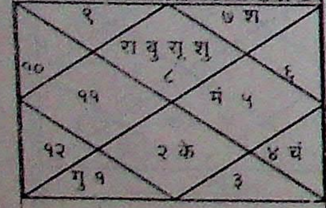
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	४	७	०	७	५	७	६
२३	०५	१५	०९	१५	२९	२१	२२
३०	३३	५४	३७	५३	३६	४०	५९
४२	१०	०३	५५	०७	३४	३१	४४
६०	३०	६९	७	७४	६	३	६०
१८	२०	४६	३७	३६	५३	११	३०
वि	म	अनु	अ	अनु	चि	ज्ये	वि
२	२	४	३व	४	२	२	१



मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, ११ नवंबर से २५ नवंबर तक नवलगढ																							चंद्रः	तारीख			हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति महा., नवंबर २०११
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	शु	५२	४८	२७	५८	भर	०	१८	६	५८	व	४२	०३	२३	४०	बा	२०	०७	१४	५४	२६ ५२	६ ५१	५ ३६	वृषे १३।३९	२०	१४	११	|A व्र., नेहरुजयन्ती (बालदिवस)
२	श	५७	४३	२९	५७	कृति	६	५३	९	३७	प	४३	१२	२४	०९	तै	२५	२०	१७	००	४९	५२	३५	वृषे	२१	१५	१२	
३	र	...	...	...	...	रोहि	१२	५०	१२	०१	शि	४३	४६	२४	२३	व	२९	५२	१८	४१	४६	५२	३५	मिथु. २५।०६	२२	१६	१३	भ. १८।४९ उ., तुलायां चित्रा.-३ शनिः २२।३२
३	सो	१	४६	७	३६	मृग	१७	५९	१४	०५	सि	४३	३७	२४	२०	वि	१	४६	७	३६	४३	५३	३४	मिथु.	२३	१७	१४	भ. ७।३६ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।२५, सौभाग्य सुंदरी A
४	मं	४	५०	८	५०	आर्द्रा	२२	०५	१५	४४	सा	४२	३३	२३	५५	बा	४	५०	८	५०	४०	५४	३४	मिथु.	२४	१८	१५	पातस्पर्शः २६।१३
५	बु	६	३९	९	३४	पुन	२४	५४	१६	५२	शु	४०	२४	२३	०४	तै	६	३९	९	३४	३७	५५	३४	कर्के १०।३८	२५	१९	१६	आकाशदीप समाप्तिः, पातमोक्षः १०।१६, वृश्चिके रविः २३।१०
६	गु	६	५८	९	४३	पुष्य	२६	१५	१७	२५	शु	३७	०४	२१	४५	व	६	५८	९	४३	३४	५६	३३	कर्के	२६	२०	१७	भ. ९।४३ उ. २१।३३ या., वृश्चिके सौरः १०।५४
७	शु	५	४१	९	१३	श्ले	२५	५९	१७	२०	ब्र	३२	२४	१९	५४	ब	५	४१	९	१३	३१	५६	३३	सिंहे १७।२०	२७	२१	१८	कालभैरवाष्टमी
८	श	२	४५	८	०३	मघा	२४	०७	१६	३६	ऐ	२६	२८	१७	३२	कौ	२	४५	८	०३	२८	५७	३२	सिंहे	२८	२२	१९	अनु. रविः ३०।२९
९	श	५८	१५	३०	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१०	?	५२	१७	२७	५३	पूफा	२०	४५	१५	१६	वै	१९	१८	१४	४१	व	२५	२५	१७	०८	२६	५८	३२	कन्या २०।५०	२९	२३	२०	भ. १७।०८ उ. २७।५३ या., अनु. सौरः १७।५६
११	सो	४५	११	२५	०३	उफा	१६	०३	१३	२४	वि	११	०३	११	२४	ब	१८	५०	१४	३१	२३	५९	३२	कन्या	३०	२४	२१	उत्पत्ति ११ व्र., वैतरणी व्र., धनुषि मूले शुक्रः २०।५७
१२	मं	३७	१२	२१	५२	हस्त	१०	१९	११	०७	प्री	९ ५२	५६ १५	७ २७	४६ ५३	कौ	११	१६	११	३०	२०	५९	३२	तुला. २१।५२	१	२५	२२	भा. मार्गशीर्षारंभः, सायन धनुषि भानुः २१।३७
१३	बु	२८	४२	१८	२९	चित्रा	३ ५७	५४ १२	८ २९	३४ ५३	सौ	४२	१०	२३	५२	ग	२	५९	८	१२	१८	७ ००	३१	तुला.	२	२६	२३	भ. १८।२९ उ. २८।४६ या., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
१४	गु	२०	०६	१५	०३	विशा	५०	३३	२७	१४	शो	३२	०५	१९	५१	श	२०	०६	१५	०३	१५	०१	३१	वृश्चि. २१।५३	३	२७	२४	पितृकार्येऽमा., गौरीतपोव्र., महाव्रतारंभः, वक्री बुधः २३।४६
३०	शु	११	४४	११	४४	अनु	४४	२३	२४	४७	अ	२२	१६	१५	५६	ना	११	४४	११	४४	१३	०२	३१	वृश्चि.	४	२८	२५	देवकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।००।३८
३२ पं. मा.कृ. ६ गु. इष्टघटी १३।४५
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	४	७	०	७	६	७	७
००	०९	२२	०८	२४	००	२१	००
३३	०१	५९	४६	३५	२४	१८	०३
२५	३५	३४	३५	१६	०५	१५	५१
६०	२९	४५	६	७४	६	३	६०
३०	००	२२	५५	३४	३८	११	४२
वि	म	ज्ये	अ	ज्ये	चि	ज्ये	वि
४	३	२	३व	३	३	२	४



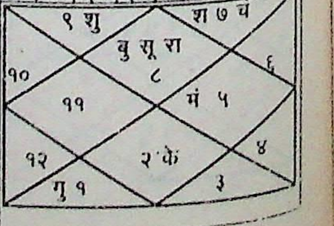
नवम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
११ शु	६	२४	१६	००	६०	२०	१७	१६	२७	५८	६	४७	५	५८	२७	३२	५	५०	४	५०
१२ श	६	२५	१६	१२	६०	२१	१७	३३	२७	५६	६	४७	५	५८	२७	३०	५	५०	४	५०
१३ र	६	२६	१६	४०	६०	२३	१७	४९	२७	५४	६	४८	५	५८	२७	२७	५	५१	४	५०
१४ चं	६	२७	१७	०३	६०	२५	१८	०५	२७	५२	६	४९	५	५७	२७	२५	५	५१	४	४९
१५ मं	६	२८	१७	२८	६०	२६	१८	२१	२७	५०	६	४९	५	५७	२७	२२	५	५२	४	४९
१६ बु	६	२९	१७	५४	६०	२८	१८	३६	२७	४८	६	५०	५	५७	२७	२०	५	५३	४	४९
१७ गु	७	००	१८	२२	६०	२९	१८	५१	२७	४६	६	५०	५	५७	२७	१८	५	५३	४	४८
१८ शु	७	०१	१८	५१	६०	३१	१९	०६	२७	४४	६	५१	५	५६	२७	१५	५	५४	४	४८
१९ श	७	०२	१९	२२	६०	३२	१९	२०	२७	४२	६	५१	५	५६	२७	१३	५	५५	४	४८
२० र	७	०३	१९	५४	६०	३४	१९	३४	२७	४१	६	५२	५	५६	२७	११	५	५५	४	४८
२१ चं	७	०४	२०	२८	६०	३५	१९	४८	२७	३९	६	५३	५	५६	२७	०९	५	५६	४	४८
२२ मं	७	०५	२१	०४	६०	३७	२०	०१	२७	३७	६	५३	५	५६	२७	०७	५	५७	४	४७
२३ बु	७	०६	२१	४१	६०	३८	२०	१४	२७	३६	६	५४	५	५६	२७	०५	५	५७	४	४७
२४ गु	७	०७	२२	१९	६०	४०	२०	२६	२७	३४	६	५४	५	५६	२७	०३	५	५८	४	४७
२५ शु	७	०८	२२	५९	६०	४१	२०	३८	२७	३२	६	५५	५	५६	२७	०१	५	५९	४	४७

संक्रांति फलम्

ता. १६ नवंबर २०११
मार्ग. कृ. ५ बुधे वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २३।१० वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं स्वर्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विग्रहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १६।४६ से २३।१० तक। (दानदीप) ।

अयनांशाः २४।००।३९
३३ पं. मा.कृ.१४ गु. इष्टघटी १३।३१
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	४	७	०	८	६	७	७
०७	१२	२६	०८	०३	०१	२०	०७
३७	२०	०५	००	१७	०९	५६	०९
२५	१३	२०	५५	०९	४१	००	११
६०	२७	४	५	७४	६	३	६०
४०	३०	५५	५८	३२	२०	११	५३
अनु	म	ज्ये	अ	मू	चि	ज्ये	अनु
२	४	३व	३व	१	३	२	२

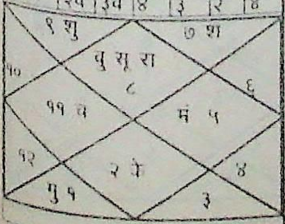


मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, २६ नवंबर से १० दिसंबर तक नवलगढ — हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः २३४, नवंबर-दिसंबर २०११

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टे. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	श	४	०१	८	३९	ज्ये	३९	०४	२२	४०	सु	१३	०४	१२	१६	ब	४	०१	८	३९	२६ १०	७ ०३	५ ३१	धनु. २२।४०	५	२९	२६	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), पूफा. भौमः १६।५४
२	श	५७	२०	२९	५८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A व्रतंपुण्यञ्च, द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा
३	र	५१	५८	२७	५१	मूल	३५	००	२१	०३	धृ	४ ५७	४२ ३०	८ ३०	५६ ०३	तै	२४	२७	१६	५०	०८	०३	३१	धनु.	६	१	२७	रंभास्येयं, मोहोर्रम १ सन १४३३ हि., पातस्पर्शः १४।३७, B
४	सो	४८	१५	२६	२२	पूषा	३२	२८	२०	०३	गं	५१	३७	२७	४३	व	१९	५२	१५	०१	०६	०४	३०	मक. २५।५५	७	२	२८	भ. १५।०१ उ. २६।२२ या.
५	मं	४६	२६	२५	३९	उषा	३१	४३	१९	४६	वृ	४७	१२	२५	५८	ब	१७	०४	१३	५४	०४	०५	३०	मक.	८	३	२९	नागपंचमी
६	बु	४६	३५	२५	४४	श्रव	३२	५४	२०	१५	ध्रु	४४	२१	२४	५०	कौ	१६	१४	१३	३५	०२	०६	३०	मक.	९	४	३०	स्कंदषष्ठी
७	गु	४८	४६	२६	३७	धनि	३६	०१	२१	३१	व्या	४३	०२	२४	१९	ग	१७	२५	१४	०४	००	०६	३०	कुंभे ८।४७	१०	५	१	भ. २६।३७ उ., पंचक प्रारम्भः ८।४७, दिसंबर १२ ता. ३१
८	शु	५२	४२	२८	१२	शत	४०	५५	२३	२९	ह	४३	०५	२४	२१	वि	२०	३०	१५	१९	२५ ५८	०७	३०	कुंभे	११	६	२	भ. १५।१९ या., पूषा. शुक्रः १४।३९
९	श	५८	०५	३०	२२	पूभा	४७	१४	२६	०१	व	४४	१५	२४	५०	वा	२५	१४	१७	१३	५६	०८	३०	मीने ११।२१	१२	७	३	कल्पादि, ज्येष्ठा. रविः १०।४५ (सौरः २१।०२)
१०	र	...	...	...	...	उभा	५४	२९	२८	५६	सि	४६	१०	२५	३७	तै	३१	०७	१९	३६	५४	०९	३०	मीने	१३	८	४	[B मोक्षः २६।५३, बुधास्तः पश्चिमायाम् १५।१३
१०	सो	४	२०	८	५३	रेव	...	...	...	...	व्य	४८	२६	२६	३२	ग	४	२०	८	५३	५३	०९	३०	मीने	१४	९	५	भ. २२।५३ उ., (व) अनु. बुधः १०।०६
११	मं	१०	५५	११	३२	रेव	२	०५	८	००	व	५०	४०	२७	२६	वि	१०	५५	११	३२	५१	१०	३१	मेषे ८।००	१५	१०	६	भ. ११।३२ या., पंचक समाप्तिः ८।००, मोक्षदा ११ व्र., गीता जयंती
१२	बु	१७	१९	१४	०६	अश्वि	९	३५	११	०१	प	५२	३४	२८	१२	बा	१७	१९	१४	०६	५०	११	३१	मेषे	१६	११	७	प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र.
१३	गु	२३	०८	१६	२७	भर	१६	३४	१३	४९	शि	५३	५५	२८	४६	तै	२३	०८	१६	२७	४८	१२	३१	वृषे २०।२९	१७	१२	८	बुधोदयः पूर्वस्याम् २९।४६
१४	शु	२८	०८	१८	२७	कृति	२२	४७	१६	१९	सि	५४	३६	२९	०२	व	२८	०८	१८	२७	४७	१२	३१	वृषे	१८	१३	९	भ. १८।२७ उ., पिशाच मोचन श्राद्धं
१५	श	३२	०८	२०	०४	रोहि	२८	०५	१८	२७	सा	५४	३१	२९	०१	वि	०	१४	७	१९	४६	१३	३१	वृषे	१९	१४	१०	भ. ७।१९ या., खग्रासं चन्द्रग्रहणम्, श्री दत्त जयंती, पूर्णिमा A

अयनांशाः २४।००।४०
३४ प. मा.शु. ७ गु. इष्टघटी १३।१७
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	४	७	०	८	६	७	७
१४	१५	२१	०७	११	०१	२०	१४
४२	२७	५३	२२	५८	५२	३३	१६
३४	३८	४५	३२	३९	५८	४४	००
६०	२५	७४	४	७४	५	३	६१
५२	४६	२४	४९	२७	५८	११	०३
अनु	पूफा	ज्ये	अ	मू	चि	ज्ये	अनु
४	१	२व	३व	४	३	२	४



नवम्बर ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि.	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२६	श	७	०९	२३	४०	६०	४३	२०	५०	२७	३१	६	५६	५	५६	२६	५९	५	५९	४	४७
२७	र	७	१०	२४	२३	६०	४४	२१	०२	२७	२९	६	५६	५	५६	२६	५७	६	००	४	४७
२८	चं	७	११	२५	०६	६०	४५	२१	१२	२७	२८	६	५७	५	५६	२६	५६	६	०१	४	४७
२९	मं	७	१२	२५	५२	६०	४६	२१	२३	२७	२७	६	५७	५	५६	२६	५४	६	०१	४	४७
३०	बु	७	१३	२६	३८	६०	४८	२१	३३	२७	२५	६	५८	५	५६	२६	५२	६	०२	४	४७
१	गु	७	१४	२७	२६	६०	४९	२१	४३	२७	२४	६	५९	५	५६	२६	५१	६	०३	४	४७
२	शु	७	१५	२८	१५	६०	५०	२१	५२	२७	२३	६	५९	५	५६	२६	४९	६	०३	४	४७
३	श	७	१६	२९	०५	६०	५१	२२	०१	२७	२२	७	००	५	५७	२६	४८	६	०४	४	४७
४	र	७	१७	२९	५६	६०	५२	२२	१०	२७	२०	७	०१	५	५७	२६	४७	६	०५	४	४७
५	चं	७	१८	३०	४८	६०	५३	२२	१८	२७	१९	७	०१	५	५७	२६	४५	६	०५	४	४८
६	मं	७	१९	३१	४२	६०	५४	२२	२५	२७	१८	७	०२	५	५७	२६	४४	६	०६	४	४८
७	बु	७	२०	३२	३६	६०	५५	२२	३३	२७	१७	७	०२	५	५७	२६	४३	६	०७	४	४८
८	गु	७	२१	३३	३२	६०	५७	२२	३९	२७	१७	७	०३	५	५८	२६	४२	६	०७	४	४८
९	शु	७	२२	३४	२८	६०	५७	२२	४६	२७	१६	७	०४	५	५८	२६	४१	६	०८	४	४८
१०	श	७	२३	३५	२६	६०	५८	२२	५२	२७	१५	७	०४	५	५८	२६	४०	६	०९	४	४९

मास फलम्

चन्द्रग्रहण १० दिस.२०११, शनिवार

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा- ॥प्रजावृद्धिस्तु भार्गवे॥ पांच शनिवार होने से महँगाई हो। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और अनुराधा योग दुर्भिक्ष कारक है। पूर्णिमा रोहिणी युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। बुधवार की सक्रांति होने से रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो। तुला का शनि होने से धान्य महँगे हो, शहरों वा गावों के मनुष्य क्लेशयुक्त हों। पृथ्वी कम्पित हो सब मुनि श्रेष्ठो में भी देह पीड़ा हो। शहर व गावों के सब मनुष्यों की हानि हो जल बहुत कम वर्षे और मनुष्य सुख तथा धन से हीन रहें।

अयनांशाः २४।००।४१
३५ पं. मा.शु.१३ गु. इष्टघटी १३।०५
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	म.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	४	७	०	८	६	७	७
२१	१८	१२	०६	२०	०२	२०	२१
४८	२२	४६	५२	३९	३३	११	२३
४२	०९	१०	४२	३१	३३	२९	४२
६.	२३	५८	३	७४	५	३	६१
५७	४६	४०	३०	२१	३३	११	१०
ज्ये	पूफा	अनु	अ	पूषा	चि	ज्ये	ज्ये
२	२	३व	३व	३	३	२	२

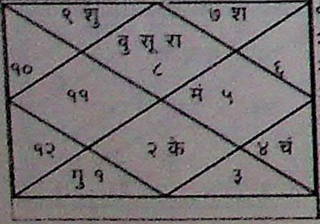


पोष कृष्णपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, ११ दिसंबर से २४ दिसंबर तक नवलगढ

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे मार्गशीर्षकृष्णेति महा., दिसंबर २०११ — इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	र	३५	०८	२१	१७	मृग	३२	२५	२०	११	शु	५३	४०	२८	४२	बा	३	४५	८	४४	२५ ४५	७ १४	५ ३१	मिथु. ७।२२	२०	१५	११	ग्रहण-करिदिन, ज्येष्ठा.-१ राहुः २७।१०, रोहि.-३ केतुः २७।१०
२	सो	३७	०३	२२	०६	आर्द्रा	३५	४३	२१	३१	शु	५१	५९	२८	०२	तै	६	१३	९	४४	४३	१४	३२	मिथु.	२१	१६	१२	(व) अश्वि.-२ गुरुः ११।०७
३	मं	३७	५१	२२	२३	पुन	३७	५६	२२	२५	ब्र	४९	२६	२७	०१	व	७	३५	१०	१७	४३	१५	३२	कर्के १६।१४	२२	१७	१३	भ. १०।१७ उ. २२।२३ या., उषा. शुक्रः ८।५१
४	बु	३७	३१	२२	१६	पुष्य	३९	०४	२२	५३	ऐ	४६	००	२५	४०	ब	७	४९	१०	२३	४२	१६	३२	कर्के	२३	१८	१४	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।१२, मार्गी बुधः १७।५२
५	गु	३६	०३	२१	४१	श्ले	३९	०५	२२	५४	वै	४१	४२	२३	५०	कौ	६	५५	१०	०२	४१	१६	३३	सिंहे २२।५४	२४	१९	१५	मकरे शुक्रः २५।३१
६	शु	३३	२८	२०	४०	मघा	३८	०१	२२	२९	वि	३६	३०	२१	५३	ग	४	५२	९	१४	४०	१७	३३	सिंहे	२५	२०	१६	भ. २०।४० उ., धनुषि मूले रविः १३।४४ (सौरः २२।४८), C
७	श	२९	५०	१९	१३	पूफा	३५	५६	२१	४०	प्री	३०	२९	१९	२९	वि	१	४५	७	५९	४०	१७	३३	कन्या २७।२४	२६	२१	१७	भ. ७।५९ या.
८	र	२५	१३	१७	२३	उफा	३२	५४	२०	२८	आ	२३	४२	१६	४७	कौ	२५	१३	१७	२३	३९	१८	३४	कन्या	२७	२२	१८	[C चित्रा.-४ शनिः ३१।०७
९	सो	१९	४७	१५	१३	हस्त	२९	०५	१८	५७	सौ	१६	१६	१३	४९	ग	१९	४७	१५	१३	३९	१९	३४	तुला. ३०।०५	२८	२३	१९	भ. २६।०२ उ.
१०	मं	१३	४१	१२	४७	चित्रा	२४	३७	१७	१०	शो	८ ५९	१६ ५२	१० ३१	३८ १६	वि	१३	४१	१२	४७	३९	१९	३५	तुला.	२९	२४	२०	भ. १२।४७ या.
११	बु	७	०६	१०	१०	स्वा	१९	४४	१५	१३	सु	५१	१४	२७	४९	बा	७	०६	१०	१०	३९	२०	३५	तुला.	३०	२५	२१	साफला ११ व्र., सुरुप द्वादशी १२
१२	गु	०	१४	७	२६	विशा	१४	३८	१३	११	धृ	४२	३२	२४	२१	तै	०	१४	७	२६	३९	२०	३६	वृश्चि. ७।४२	१	२६	२२	भ. २८।४२ उ., प्रदोषः, भा. पोषारंभः, सायन मकरे A
१३	गु	५३	२४	२८	४२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A भानुः, सायन उत्तरायण प्रारम्भ १०।५४
१४	श	४६	५०	२६	०५	अनु	९	३५	११	११	शू	३४	०१	२०	५७	वि	२०	०३	१५	२२	३९	२१	३६	वृश्चि.	२	२७	२३	भ. १५।२२ या., मासिकशिवरात्री व्र., श्रव. शुक्रः २७।५५, अयन B
३०	श	४०	४८	२३	४०	ज्ये	४	५५	९	१९	गं	२५	५३	१७	४३	च	१३	४२	१२	५०	३९	२१	३७	धनु. ९।१९	३	२८	२४	देवपितृकार्येऽमा., कुहूः, ज्येष्ठा. बुधः २०।१० [B करिदिन

अयनांशाः २४।००।४२
३६ प. पौ.कृ. ५ गु. इष्टघटी १२।५३
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	४	७	०	८	६	७	७
२८	२१	०९	०६	२९	०३	१९	२८
५५	०१	५१	३२	१९	११	४९	३२
३७	४६	२५	१८	३०	०१	१४	१३
६१	२१	१७	२	७४	५	३	६१
०३	२७	०२	०६	१२	०५	११	१६
ज्ये	पूफा	अनु	अ	उषा	चि	ज्ये	ज्ये
४	३	२	२व	१	३	१	४



दिसम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम

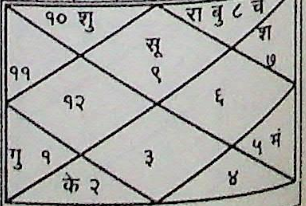
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	रवि गति वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
११ र	७	२४	३६	२४	६०	५९	२२	५७	२७	१४	७	०५	५	५८	२६	३९	६	०९	४	४९
१२ चं	७	२५	३७	२३	६१	००	२३	०२	२७	१४	७	०५	५	५९	२६	३८	६	१०	४	४९
१३ मं	७	२६	३८	२३	६१	०१	२३	०७	२७	१३	७	०६	५	५९	२६	३७	६	११	४	५०
१४ बु	७	२७	३९	२४	६१	०२	२३	११	२७	१२	७	०७	६	००	२६	३७	६	११	४	५०
१५ गु	७	२८	४०	२६	६१	०२	२३	१४	२७	१२	७	०७	६	००	२६	३६	६	१२	४	५०
१६ शु	७	२९	४१	२८	६१	०३	२३	१७	२७	१२	७	०८	६	००	२६	३६	६	१२	४	५१
१७ श	८	००	४२	३२	६१	०४	२३	२०	२७	११	७	०८	६	०१	२६	३५	६	१३	४	५१
१८ र	८	०१	४३	३५	६१	०४	२३	२२	२७	११	७	०९	६	०१	२६	३५	६	१३	४	५१
१९ चं	८	०२	४४	४०	६१	०५	२३	२४	२७	११	७	०९	६	०२	२६	३५	६	१४	४	५२
२० मं	८	०३	४५	४५	६१	०६	२३	२५	२७	११	७	१०	६	०२	२६	३५	६	१५	४	५२
२१ बु	८	०४	४६	५१	६१	०६	२३	२६	२७	११	७	१०	६	०३	२६	३४	६	१५	४	५३
२२ गु	८	०५	४७	५७	६१	०७	२३	२६	२७	११	७	११	६	०३	२६	३४	६	१६	४	५३
२३ शु	८	०६	४९	०३	६१	०७	२३	२६	२७	११	७	११	६	०४	२६	३४	६	१६	४	५४
२४ श	८	०७	५०	११	६१	०८	२३	२६	२७	११	७	१२	६	०४	२६	३५	६	१७	४	५४

संक्रांति फलम्

ता. १६ दिसंबर २०११
पौष कृ. ६ भृगौ धनुष्यर्कः प्र. (स्टै.) टा. १३।४४ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) १३।४४ से २०।०८ तक। (दानवस्त्र)।

अयनांशाः २४।००।४३
३७ पं. पौ.कृ.१२ गु. इष्टघटी १२।४३
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	४	७	०	९	६	७	८
०६	२३	१४	०६	०७	०३	१९	०५
०३	२४	१६	२१	५८	४५	२६	४१
०९	०३	५२	५५	१७	००	५८	२१
६१	१८	५९	०	७४	४	३	६१
०७	४५	०८	३९	००	३३	११	२०
मू	पूफा	अनु	अ	उषा	चि	ज्ये	मू
२	४	४	२व	४	४	१	२



पौष शुक्लपक्ष संवत २०६८, शाकः १९३३, २५ दिसंवर से ९ जनवरी तक नवलगढ

शिशिरर्त्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः २६३, दिसंबर २०११ - जनवरी २०१२

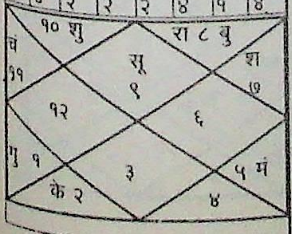
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टे_ टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	र	३५	४१	२१	३८	मूल	० / ५७	५४ / ५५	७ / ३०	४३ / ३२	वृ	१८	२६	१४	४४	किं	८	०७	१०	३६	२५ / ३९	७ / २२	५ / ३७	धनु.	४	२९	२५	बडादिन
२	सो	३१	४७	२०	०५	उषा	५६	१४	२९	५२	ध्रु	११	५१	१२	०६	बा	३	३३	८	४७	३९	२२	३८	मक. १२।१८	५	३०	२६	चंद्रदर्शनम् (मु.४५), मार्गी गुरुः १५।१३
३	मं	२९	२३	१९	०८	श्रव	५६	०७	२९	४९	व्या	६	२४	९	५६	तै	०	२२	७	३१	४०	२२	३८	मक.	६	१	२७	भ. ३०।५५ उ., सफर २
४	बु	२८	४६	१८	५३	धनि	५७	४८	३०	३०	ह	२ / ५९	१४ / ३२	८ / ३१	१६ / १२	वि	२८	४६	१८	५३	४०	२३	३९	कुंभे १८।०४	७	२	२८	भ. १८।५३ या., पंचक प्रारम्भः १८।०४
५	गु	३०	०१	१९	२४	शत	...	...	...	...	सि	५८	१६	३०	४२	बा	३०	०१	१९	२४	४१	२३	४०	कुंभे	८	३	२९	पूषा. रविः १५।५५ (सौंरः २३।४९)
६	शु	३३	०९	२०	३९	शत	१	१७	७	५५	व्य	५८	२३	३०	४५	कौ	१	२१	७	५६	४२	२४	४०	मीने २७।२५	९	४	३०	
७	श	३७	५८	२२	३५	पूभा	६	३१	१०	००	व	५९	३८	३१	१५	ग	५	२२	९	३३	४३	२४	४१	मीने	१०	५	३१	भ. २२।३५ उ.
८	र	४३	५९	२५	००	उभा	१३	०८	१२	३९	प	...	...	...	...	वि	१०	५१	११	४५	४४	२४	४२	मीने	११	६	१	भ. ११।४५ या., शांकभरी यात्रा, जनवरी १ ता. ३१ सन २०१२ ई.
९	सो	५०	३७	२७	३९	रेव	२०	३६	१५	३९	प	१	३७	८	०३	बा	१७	१६	१४	१९	४५	२४	४२	मेषे १५।३९	१२	७	२	पंचक समाप्तिः १५।३९
१०	मं	५७	१२	३०	१७	अश्वि	२८	१८	१८	४४	शि	३	५६	८	५९	तै	२३	५७	१६	५९	४६	२५	४३	मेषे	१३	८	३	उफा. भौमः १३।३५, धनि. शुक्रः २४।१६
११	बु	...	...	...	...	भर	३५	३७	२१	४०	सि	६	०८	९	५२	व	३०	१६	१९	३१	४७	२५	४४	वृषे २८।२०	१४	९	४	भ. १९।३१ उ., मन्वादि, धनुषि मूले बुधः ७।३१
११	गु	३	०५	८	३९	कृति	४२	०२	२४	१४	सा	७	४६	१०	३१	वि	३	०५	८	३९	४८	२५	४४	वृषे	१५	१०	५	भ. ८।३९ या., पुत्रदा ११ व्र., पातस्पर्शः २७।४४
१२	शु	७	५५	१०	३५	रोहि	४७	१४	२६	१९	शु	८	३३	१०	५०	बा	७	५५	१०	३५	५०	२५	४५	वृषे	१६	११	६	प्रदोषः
१३	श	११	२१	११	५८	मृग	५१	०४	२७	५१	शु	८	२०	१०	४५	तै	११	२१	११	५८	५१	२५	४६	मिथु. १५।०९	१७	१२	७	[A अश्वि.-३ गुरुः २१।१४
१४	र	१३	२२	१२	४६	आर्द्रा	५३	३२	२८	५०	ब्र	७	०२	१०	१४	व	१३	२२	१२	४६	५३	२६	४७	मिथु.	१८	१३	८	भ. १२।४६ उ. २४।५७ या., पूर्णिमा व्रतं, शाकंभरी जयंती, A
१५	सो	१३	५६	१३	००	पुन	५४	४०	२९	१७	ऐ	४	३८	९	१७	ब	१३	५६	१३	००	५५	२६	४७	कर्क २३।१३	१९	१४	९	पूर्णिमा पुण्यं, माघ स्नानारंभः, कुंभे शुक्रः ११।०६

अयनांशाः २४।००।४४

३८ पं. पौ.शु. ५ गु. इष्टघटी १२।३६

(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	४	७	०	९	६	७	८
१३	२५	२२	०६	१६	०४	१९	१२
११	२६	१३	२१	३५	१५	०४	५०
०५	१४	१९	४५	२९	०९	४३	५२
६१	१५	७७	०	७३	३	३.	६१
०९	३८	११	४९	४४	५८	११	२३
मू	पूफा	ज्ये	अ	श्र	चि	ज्ये	मू
४	४	२	२	२	४	१	४



दिसम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
					६१	०८	२३	२४	२७	११	७	१२	६	०५	२६	३५	६	१७	४	५५
२५ र	८	०८	५१	१८	६१	०८	२३	२३	२७	११	७	१३	६	०५	२६	३५	६	१७	४	५५
२६ चं	८	०९	५२	२६	६१	०९	२३	२१	२७	११	७	१३	६	०६	२६	३५	६	१८	४	५६
२७ मं	८	१०	५३	३४	६१	०९	२३	१८	२७	१२	७	१४	६	०६	२६	[illegible]	६	१८	४	५७
२८ बु	८	११	५४	४३	६१	०९	२३	१५	२७	१२	७	१४	६	०७	२६	३६	६	१९	४	५७
२९ गु	८	१२	५५	५२	६१	०९	२३	१२	२७	१३	७	१४	६	०७	२६	३७	६	१९	४	५८
३० शु	८	१३	५७	०१	६१	०९	२३	०८	२७	१३	७	१५	६	०८	२६	३८	६	१९	४	५८
३१ श	८	१४	५८	१०	६१	१०	२३	०४	२७	१४	७	१५	६	०९	२६	३८	६	२०	४	५९
१ र	८	१५	५९	२०	६१	१०	२२	५९	२७	१४	७	१६	६	०९	२६	३९	६	२०	५	००
२ चं	८	१७	००	२९	६१	१०	२२	५४	२७	१५	७	१६	६	१०	२६	४०	६	२०	५	००
३ मं	८	१८	०१	३९	६१	१०	२२	४८	२७	१६	७	१६	६	११	२६	४१	६	२१	५	०१
४ बु	८	१९	०२	४८	६१	१०	२२	४२	२७	१७	७	१६	६	११	२६	४२	६	२१	५	०२
५ गु	८	२०	०३	५८	६१	०९	२२	३५	२७	१८	७	१७	६	१२	२६	४३	६	२१	५	०२
६ शु	८	२१	०५	०८	६१	१०	२२	२८	२७	१९	७	१७	६	१२	२६	४४	६	२१	५	०३
७ श	८	२२	०६	१७	६१	०९	२२	२०	२७	२०	७	१७	६	१३	२६	४५	६	२२	५	०४
८ र	८	२३	०७	२७	६१	०९	२२	१२	२७	२१	७	१७	६	१४	२६	४७	६	२२	५	०४
९ चं	८	२४	०८	३६	६१	०९														

मास फलम्

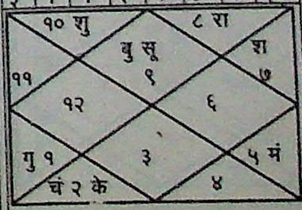
इस माह में पांच रविवार नेष्ट फलप्रद हैं। पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। पौष की अमावस्या को ज्येष्ठा और शनिवार योग से अनावृष्टि हो। शुक्ला एकादशी को कृत्तिका होने से लाल वस्तुओं तथा धान्य के भावों में तेजी हो। पूर्णिमा पुनर्वसु युक्त होने से महर्घता हो। शुक्रवार की सक्रांति होने से प्रजासुखी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे। उत्तराषाढा में शुक्र होने से लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो, रोगों की उत्पत्ति हो।

अयनांशाः २४।००।४५

३९ पं. पौ.शु.११ गु. इष्टघटी १२।३१

(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	४	८	०	९	६	७	८
२०	२७	०१	०६	२५	०४	१८	२०
१९	०५	४१	३१	१०	४१	४२	००
११	०३	४६	३६	४२	२५	२७	३३
६१	१२	८५	२	७३	३	३	६१
१०	००	२६	१५	२५	२१	११	२३
पूषा	उफा	मू	अ	ध	चि	ज्ये	पूषा
३	१	१	२	१	४	१	३



माघ कृष्णपक्ष संवत २०६८, शाकः १९३३, १० जनवरी से २३ जनवरी तक नवलगढ																								चंद्रः	तारीख			शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे पोषकृष्णेति महा., जनवरी २०१२
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	मं	१३	११	१२	४२	पुष्य	५४	३६	२९	१६	वै	९ ५६	१२ ४९	७ ३०	५५ ०९	कौ	१३	११	१२	४२	२५ ५६	७ २६	५ ४८	कर्के	२०	१५	१०	|C अभि.प्र.रविः१३।३१ (सौरः १९।२७), उषा. बुधः २८।०७
२	बु	[illegible]	१५	११	५६	श्ले	५३	३१	२८	५०	प्री	५१	३७	२८	०५	ग	११	१५	११	५६	५८	२६	४९	सिंहे २८।५०	२१	१६	११	भ. २३।२३ उ., उषा. रविः १७।५२ (सौरः २४।३७)
३	गु	८	२०	१०	४६	मघा	५१	३६	२८	०४	आ	४५	४५	२५	४४	वि	८	२०	१०	४६	२६ ००	२६	५०	सिंहे	२२	१७	१२	भ. १०।४६ या , तिलकुटी ४ चन्द्रोदयः २१।०५, सौभाग्य A
४	शु	४	३७	९	१६	पूफा	४९	०४	२७	०३	सौ	३९	२१	२३	१०	बा	४	३७	९	१६	०२	२६	५१	सिंहे	२३	१८	१३	पूषा. बुधः १५।२९
५	श	०	१८	७	३३	उफा	४६	०६	२५	५२	शो	३२	३६	२०	२८	तै	०	१८	७	३३	०४	२६	५१	कन्या ८।४६	२४	१९	१४	भ. २९।३९ उ., मकरे रविः २४।२३ (सौरः ३०।५२), निरयन B
६	श	५५	३५	२९	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	|A सुन्दरी व्र., संकट हरगणपति व्र., गौरी चतुर्थी
७	र	५०	३७	२७	४०	हस्त	४२	५२	२४	३४	अ	२५	३५	१७	४०	वि	२३	०८	१६	४१	०६	२६	५२	कन्या	२५	२०	१५	भ. १६।४१ या., स्वामी विवेकानन्द जयंती
८	सो	४५	३१	२५	३८	चित्रा	३९	२८	२३	१३	सु	१८	२५	१४	४७	बा	१८	०४	१४	३९	०९	२६	५३	तुला. ११।५४	२६	२१	१६	सक्रान्ति करिदिन
९	मं	४०	२२	२३	३४	स्वा	३६	०२	२१	५०	धृ	११	११	११	५४	तै	१२	५७	१२	३६	११	२५	५४	तुला.	२७	२२	१७	|B उत्तरायनारंभः, बुधास्तः पूर्वस्याम् २९।०१, शत. शुक्रः २२।२९
१०	बु	३५	१५	२१	३१	विशा	३२	३७	२०	२८	शू	३ ५६	५७ ४६	९ ३०	०० ०८	व	७	४९	१०	३३	१३	२५	५५	वृश्चि. १४।४९	२८	२३	१८	भ. १०।३३ उ. २१।३१ या., पातस्पर्शः ११।२९, मोक्षः २१।४५
११	गु	३०	१७	१९	३२	अनु	२९	२०	१९	०९	वृ	४९	४३	२७	१८	ब	२	४५	८	३१	१६	२५	५५	वृश्चि.	२९	२४	१९	षटतिला ११ व्र.
१२	शु	२५	३१	१७	३७	ज्ये	२६	१७	१७	५६	ध्रु	४२	५५	२४	३५	तै	२५	३१	१७	३७	१८	२५	५६	धनु. १७।५६	३०	२५	२०	प्रदोषः, तिल द्वादशी, सायन कुंभे भानुः २१।२९
१३	श	२१	१०	१५	५३	मूल	२३	३६	१६	५१	व्या	३६	२८	२२	००	व	२१	१०	१५	५३	२१	२५	५७	धनु.	१	२६	२१	भ. १५।५३ उ. २७।०५ या., मासिकशिवरात्री व्र., भा. माघारंभः, C
१४	र	१७	२४	१४	२२	पूषा	२१	३२	१६	०१	ह	३०	३२	१९	३७	श	१७	२४	१४	२२	२४	२४	५८	मक. २१।५२	२	२७	२२	युगादि |D मकरे बुधः ३०।४४
३०	सो	१४	२८	१३	११	उषा	२०	१८	१५	३१	व	२५	१८	१७	३१	ना	१४	२८	१३	११	२६	२४	५९	मक.	३	२८	२३	देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., मौनी ३०, नेताजी जयन्ती, D

अयनांशाः २४।००।४६
४० प. मा.कृ. ३ गु. इष्टघटी १२।२९
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	४	८	०	१०	६	७	८
२७	२८	११	०६	०३	०५	१८	२७
२०	१६	५३	५१	४३	०२	२०	१०
१६	५६	४८	३४	२७	५१	१२	१०
६१	७	८९	३	७३	२	३	६१
०८	५१	४२	३८	०१	४१	११	२१
उषा	उफा	मू	अ	ध	चि	ज्ये	उषा
१	१	४	३	४	४	१	१



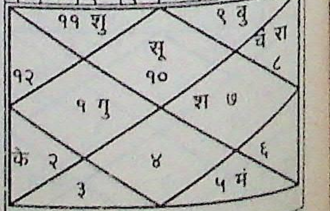
जनवरी		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१०	मं	८	२५	०९	४५	६१	०९	२२	०४	२७	२२	७	१८	६	१४	२६	४८	६	२२	५	०५
११	बु	८	२६	१०	५४	६१	०९	२१	५५	२७	२३	७	१८	६	१५	२६	५०	६	२२	५	०६
१२	गु	८	२७	१२	०३	६१	०८	२१	४६	२७	२४	७	१८	६	१६	२६	५१	६	२२	५	०६
१३	शु	८	२८	१३	११	६१	०८	२१	३६	२७	२६	७	१८	६	१६	२६	५३	६	२२	५	०७
१४	श	८	२९	१४	१९	६१	०८	२१	२६	२७	२७	७	१८	६	१७	२६	५४	६	२२	५	०८
१५	र	९	००	१५	२६	६१	०७	२१	१६	२७	२८	७	१८	६	१८	२६	५६	६	२२	५	०९
१६	चं	९	०१	१६	३४	६१	०७	२१	०५	२७	३०	७	१८	६	१८	२६	५८	६	२२	५	०९
१७	मं	९	०२	१७	४१	६१	०६	२०	५३	२७	३१	७	१८	६	१९	२६	५९	६	२२	५	१०
१८	बु	९	०३	१८	४७	६१	०६	२०	४२	२७	३३	७	१८	६	२०	२७	०१	६	२२	५	११
१९	गु	९	०४	१९	५२	६१	०५	२०	३०	२७	३४	७	१८	६	२०	२७	०३	६	२२	५	११
२०	शु	९	०५	२०	५८	६१	०४	२०	१७	२७	३६	७	१८	६	२१	२७	०५	६	२२	५	१२
२१	श	९	०६	२२	०२	६१	०४	२०	०४	२७	३८	७	१८	६	२१	२७	०७	६	२२	५	१३
२२	र	९	०७	२३	०६	६१	०३	१९	५१	२७	३९	७	१८	६	२२	२७	०९	६	२२	५	१४
२३	चं	९	०८	२४	०९	६१	०३	१९	३७	२७	४१	७	१८	६	२३	२७	१२	६	२२	५	१४

संक्रांति फलम्

ता. १४ जनवरी २०१२
माघ कृ. ५ शनौ मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २४।२३ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) २४।२३ से रवौ १६।२३ तक । (दान- काष्ट अन्न) ।

अयनांशाः २४।००।४७
४१ पं. मा.कृ.११ गु. इष्टघटी १२।३१
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	४	८	०	१०	६	७	९
०४	२८	२२	०७	१२	०५	१७	०४
३५	५८	३१	२१	१३	१९	५७	१९
०५	००	४४	०२	१५	३२	५७	३०
६१	३	९३	४	७२	१	३	६१
०५	०८	०५	५७	३३	५९	११	१८
उषा	उफा	पूषा	अ	श	चि	ज्ये	उषा
३	१	३	३	२	४	१	३

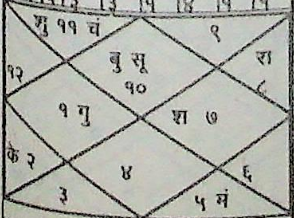


Digitized by Sarayu Trust Foundation, Delhi and eGangotri.Funding by MoE-IKS

माघ शुक्लपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, २४ जनवरी से ७ फरवरी तक नवलगढ चंद्रः																										तारीख			शिशिरर्त्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः २९३, जनवरी-फरवरी २०१२
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	मं	१२	३९	१२	२७	श्रव	२०	०९	१५	२७	सि	२०	५९	१५	४८	ब	१२	३९	१२	२७	३६/२९	७/२४	५/५९	कुंभे	२७।३७	४	२९	२४	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक प्रारम्भः २७।३७, श्री वल्लभ जयंती, A
२	बु	१२	०८	१२	१५	धनि	२१	२१	१५	५६	व्य	१७	४४	१४	२९	कौ	१२	०८	१२	१५	३२	२४	०६	कुंभे		५	१	२५	रविलावल ३, अभि.नि. रविः १७।०७ (सौरः २२।४३), पूभा. B
३	गु	१३	१३	१२	४०	शत	२४	०३	१७	००	व	१५	४२	१३	४०	ग	१३	१३	१२	४०	३५	२३	०१	कुंभे		६	२	२६	भ. २५।०८ उ., वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी, गणराज्यदिवस
४	शु	१५	५५	१३	४५	पूभा	२८	२१	१८	४३	प	१४	५४	१३	२१	वि	१५	५५	१३	४५	३८	२३	०२	मीने	१२।१४	७	३	२७	भ. १३।४५ या. [B शुक्रः २३।१६
५	श	२०	१५	१५	२८	उभा	३४	१०	२१	०२	शि	१५	२०	१३	३०	बा	२०	१५	१५	२८	४१	२२	०३	मीने		८	४	२८	वसन्त पञ्चमी
६	र	२५	५५	१७	४४	रेव	४१	१०	२३	५०	सि	१६	४८	१४	०५	तै	२५	५५	१७	४४	४४	२२	०४	मेषे	२३।५०	९	५	२९	पंचक समाप्तिः २३।५०
७	सो	३२	२७	२०	२०	अश्वि	४८	५१	२६	५४	सा	१८	५८	१४	५७	व	३२	२७	२०	२०	४७	२२	०४	मेषे		१०	६	३०	भ. २०।२० उ., मन्वादि, पुत्र ७, रथ ७, अचला ७, पातस्पर्शः C
८	मं	३९	१२	२३	०२	भर	५६	३४	२९	५९	शु	२१	२४	१५	५४	वि	५	५२	९	४२	५०	२१	०५	मेषे		११	७	३१	भ. ९।४२ या., भीष्माष्टमी, पातमोक्षः १३।२७
९	बु	४५	२६	२५	३१	कृति	…	…	…	…	शु	२३	३५	१६	४७	बा	१२	२५	१२	११	५३	२१	०६	वृषे	१२।४३	१२	८	१	फरवरी २ ता. २९ [C २९।२०, श्रव. बुधः १०।२६
१०	गु	५०	३३	२७	३३	कृति	३	४१	८	४८	ब्र	२५	०६	१७	२२	तै	१८	१०	१४	३६	५७	२०	०७	वृषे		१३	९	२	[A श्रव. रविः २०।०८ (सौरः २५।४८), वक्री भौमः १९।१०
११	शु	५४	०४	२८	५७	रोहि	९	३३	११	०९	ऐं	२५	३१	१७	३२	व	२२	३२	१६	२०	२७/००	१९	०८	मिथु.	२४।०५	१४	१०	३	भ. १६।२० उ. २८।५७ या., जया ११ ब्र., मीने शुक्रः ८।०४
१२	श	५५	४७	२९	३८	मृग	१३	५०	१२	५१	वै	२४	३९	१७	११	ब	२५	१०	१७	२३	०३	१९	०८	मिथु.		१५	११	४	भीष्मद्वादशी
१३	र	५५	३८	२९	३४	आर्द्रा	१६	२१	१३	५१	वि	२२	२३	१६	१५	कौ	२५	५७	१७	४१	०७	१८	०९	मिथु.		१६	१२	५	प्रदोषः, कल्पादि, उभा. शुक्रः २७।३१ [D बुधः २९।३७
१४	सो	५३	४५	२८	४८	पुन	१७	०५	१४	०८	प्री	१८	४२	१४	४६	ग	२४	५५	१७	१६	१०	१८	१०	कर्के	८।०७	१७	१३	६	भ. २८।४८ उ., धनि. रविः २३।१५ (सौरः २७।५५), धनि. D
१५	मं	५०	२१	२७	२५	पुष्य	१६	१२	१३	४६	आ	१३	४२	१२	४६	वि	२२	१४	१६	११	१४	१७	११	कर्के		१८	१४	७	भ. १६।११ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, माघ स्नान पूर्तिः

अयनांशाः २४।००।४८
४२ पं. मा.शु. ३ गु. इष्टघटी १२।३६
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	४	९	०	१०	६	७	९
११	२९	०३	०७	२०	०५	१७	११
४२	०४	३५	५९	३९	३१	३५	२८
२६	३४	०७	२९	३१	१५	४१	१९
६१	२	९७	६	७२	१	३	६१
००	०४	१४	११	००	१५	११	१२
श्र	उफा	उषा	अ	पूभा	चि	ज्ये	श्र
१	१व	३	३	१	४	१	१



जनवरी रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्वई रेलवे-टाईम						कलकता रेलवे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क	वि	क.	वि.	अं.	क	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प	घं.	मि.	घं.	मि.
२४ म	९	०९	२५	१२	६१	०२	१९	२३	२७	४३	७	१८	६	२३	२७	१४	६	२१	५	१५
२५ बु	९	१०	२६	१४	६१	०१	१९	०९	२७	४५	७	१८	६	२४	२७	१६	६	२१	५	१६
२६ गु	९	११	२७	१५	६१	००	१८	५४	२७	४७	७	१८	६	२४	२७	१८	६	२१	५	१६
२७ शु	९	१२	२८	१५	६०	५९	१८	३९	२७	४९	७	१८	६	२५	२७	२१	६	२१	५	१७
२८ श	९	१३	२९	१४	६०	५९	१८	२४	२७	५१	७	१७	६	२६	२७	२३	६	२०	५	१८
२९ र	९	१४	३०	१३	६०	५८	१८	०८	२७	५२	७	१७	६	२६	२७	२५	६	२०	५	१८
३० चं	९	१५	३१	१०	६०	५७	१७	५२	२७	५५	७	१७	६	२७	२७	२८	६	२०	५	१९
३१ मं	९	१६	३२	०७	६०	५६	१७	३६	२७	५७	७	१७	६	२७	२७	३०	६	२०	५	२०
१ बु	९	१७	३३	०३	६०	५५	१७	१९	२७	५९	७	१७	६	२८	२७	३३	६	१९	५	२०
२ गु	९	१८	३३	५७	६०	५४	१७	०२	२८	०१	७	१६	६	२९	२७	३५	६	१९	५	२१
३ शु	९	१९	३४	५१	६०	५३	१६	४५	२८	०३	७	१६	६	२९	२७	३८	६	१८	५	२२
४ श	९	२०	३५	४३	६०	५१	१६	२७	२८	०५	७	१६	६	३०	२७	४१	६	१८	५	२२
५ र	९	२१	३६	३५	६०	५०	१६	०९	२८	०७	७	१५	६	३०	२७	४३	६	१८	५	२३
६ चं	९	२२	३७	२५	६०	४९	१५	५१	२८	१०	७	१५	६	३१	२७	४६	६	१७	५	२४
७ मं	९	२३	३८	१४	६०	४८	१५	३३	२८	१२	७	१५	६	३१	२७	४९	६	१७	५	२४

मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो। सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रवल उदय धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुख हो। शुक्ला प्रतिपदा को मंगलवार होने से ईतिभय हो। शुक्ला सप्तमी सोमवार होने से दुर्भिक्ष हो, तथा राजविग्रह हो। शुक्लाष्टमी को कृतिका न होने से फागुण में रोली लगे। पूर्णिमा पुष्य युक्त और मघा का अभाव होने से महर्घता हो। शनिवार की सक्रांति होने से अशुभ फलकारक हैं सभी तरह की वस्तुओं का क्षय हो प्रजा में दुर्भिक्ष हो, धान्यादि भाव तेज हो और रोगों की अधिकता हो।

अयनांशाः २४।००।४९
४३ पं. मा.शु.१० गु. इष्टघटी १२।४३
(रेल्वे घं. मिं. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	४	९	०	१०	६	७	९
१८	२८	१५	०८	२९	०५	१७	१८
४९	३३	१०	४६	०१	३७	१३	३६
०७	३९	४५	१६	३७	५०	२६	२४
६०	७	१०२	७	७१	०	३	६१
५३	३५	२०	२०	२१	३१	११	०५
श्र	उफा	श्र	अ	पूभा	चि	ज्ये	श्र
३	१व	२	३	३	४	१	३



फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, ८ फरवरी से २१ फरवरी तक नवलगढ																								चंद्रः	तारीख			शिशिरर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति महा., फरवरी २०१२
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	बु	४५	४३	२५	३३	श्ले	१३	५६	१२	५१	सौ	७	३५	१०	१८	बा	१८	११	१४	३३	२७ १७	७ १६	६ ११	सिंहे १२।५१	१९	१५	८	वक्री शनिः ९।४४
२	गु	४०	१३	२३	२१	मघा	१०	३६	११	३०	शो	० ५२	३४ ५५	७ २८	३० २६	तै	१३	०४	१२	२९	२१	१६	१२	सिंहे	२०	१६	९	[A बुधोदयः पश्चिमायाम् ७।३६
३	शु	३४	११	२०	५५	पूफा	६	३४	९	५३	सु	४४	५६	२५	१३	व	७	१५	१०	०९	२५	१५	१३	कन्या १५।२७	२१	१७	१०	भ. १०।०९ उ. २०।५५ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।५८, D
४	श	२७	५९	१८	२६	उफा	२ ५७	११ ४५	८ ३०	०७ २०	धृ	३६	५१	२१	५९	ब	१	०६	७	४१	२८	१४	१४	कन्या	२२	१८	११	अश्वि.-४ गुरुः १९।०३ [D कुंभे बुधः २३।३२
५	र	२१	५३	१५	५९	चित्रा	५३	३५	२८	४०	शू	२८	५४	१८	४७	तै	२१	५३	१५	५९	३२	१४	१४	तुला. १७।२९	२३	१९	१२	पातस्पर्शः १९।५०, मोक्षः २५।१५, (व) पूफा. भौमः १६।१९, B
६	सो	१६	०७	१३	४०	स्वा	४९	५२	२७	१०	गं	२१	१५	१५	४३	व	१६	०७	१३	४०	३६	१३	१५	तुला.	२४	२०	१३	भ. १३।४० उ. २४।३५ या., कुंभे रविः १३।१८ (सौरः १७।३०)
७	मं	१०	५२	११	३३	विशा	४६	४२	२५	५३	वृ	१४	०१	१२	४८	ब	१०	५२	११	३३	३९	१२	१६	वृश्चि. २०।११	२५	२१	१४	शत. बुधः १५।३७
८	बु	६	११	९	४०	अनु	४४	०९	२४	५१	ध्रु	७	१५	१०	०५	कौ	६	११	९	४०	४३	११	१७	वृश्चि.	२६	२२	१५	[B अनु.-४ राहुः २४।४८, रोहि.-२ केतुः २४।४८
९	गु	२	०९	८	०२	ज्ये	४२	१२	२४	०३	व्या	० ५५	५९ ११	.७ २९	३४ १५	ग	२	०९	८	०२	४७	११	१७	धनु. २४।०३	२७	२३	१६	भ. १९।१९ उ. ३०।३९ या., रामदास ९
१०	गु	५८	४१	३०	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[C सौरः ७।३०
११	शु	५५	५३	२९	३१	मूल	४०	५३	२३	३१	व	४९	५५	२७	०८	ब	२७	१३	१८	०३	५१	१०	१८	धनु.	२८	२४	१७	विजया ११ व्र.स्मार्त, रेव. शुक्रः १२।३०
१२	श	५३	४७	२८	४०	पूषा	४०	१२	२३	१४	सि	४५	११	२५	१३	कौ	२४	४५	१७	०३	५४	०९	१९	मक. २९।१२	२९	२५	१८	विजया ११ व्र.वैष्ण.
१३	र	५२	२५	२८	०६	उषा	४०	१५	२३	१४	व्य	४१	०२	२३	३३	ग	२३	०१	१६	२०	५८	०८	१९	मक.	३०	२६	१९	भ. २८।०६ उ.,प्रदोषः, शत. रविः २७।४४, सायन मीने भानुः ११।३२
१४	सो	५१	५६	२७	५४	श्रव	४१	०७	२३	३४	व	३७	३४	२२	०९	वि	२२	०५	१५	५७	२८ ०२	०७	२०	मक.	१	२७	२०	भ. १५।५७ या., महाशिवरात्री व्रतम्, भा. फाल्गुनारंभः, शत. C
३०	मं	५२	२८	२८	०५	धनि	४२	५८	२४	१७	प	३४	५१	२१	०३	च	२२	०५	१५	५६	०६	०६	२१	कुंभे ११।५३	२	२८	२१	पंचक प्रारम्भः ११।५३, देवपितृकार्येऽमा., पूभा. बुधः २१।४८, A

अयनांशाः २४।००।५०
४४ पं. फा.कृ. २ गु. इष्टघटी १२।५४
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	४	९	०	११	६	७	९
२५	२७	२७	०९	०७	०५	१६	२५
५४	२३	२२	४०	१८	३९	५१	४३
५६	५८	३७	४४	४७	१३	१०	३३
६०	१३	१०७	८	७०	०	३	६०
४५	०४	२३	२२	३४	१४	११	५६
ध	उफा	ध	अ	उभा	चि	ज्ये	ध
१	१व	२	३	२	४व	१	१



फरवरी रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
८ बु	९	२४	३९	०२	६०	४७	१५	१४	२८	१४	७	१४	६	३२	२७	५२	६	१६	५	२५
९ गु	९	२५	३९	४९	६०	४५	१४	५५	२८	१६	७	१४	६	३२	२७	५४	६	१६	५	२५
१० शु	९	२६	४०	३४	६०	४४	१४	३६	२८	१९	७	१३	६	३३	२७	५७	६	१५	५	२६
११ श	९	२७	४१	१८	६०	४३	१४	१६	२८	२१	७	१३	६	३३	२८	००	६	१५	५	२७
१२ र	९	२८	४२	०१	६०	४१	१३	५७	२८	२३	७	१२	६	३४	२८	०३	६	१४	५	२७
१३ चं	९	२९	४२	४२	६०	४०	१३	३७	२८	२६	७	१२	६	३४	२८	०६	६	१३	५	२८
१४ मं	१०	००	४३	२२	६०	३८	१३	१७	२८	२८	७	११	६	३५	२८	०९	६	१३	५	२८
१५ बु	१०	०१	४४	०१	६०	३७	१२	५६	२८	३१	७	११	६	३५	२८	१२	६	१२	५	२९
१६ गु	१०	०२	४४	३८	६०	३६	१२	३६	२८	३३	७	१०	६	३६	२८	१५	६	११	५	२९
१७ शु	१०	०३	४५	१४	६०	३४	१२	१५	२८	३६	७	१०	६	३६	२८	१८	६	११	५	३०
१८ श	१०	०४	४५	४८	६०	३३	११	५४	२८	३८	७	०९	६	३६	२८	२१	६	१०	५	३०
१९ र	१०	०५	४६	२१	६०	३१	११	३३	२८	४१	७	०९	६	३७	२८	२४	६	०९	५	३१
२० चं	१०	०६	४६	५२	६०	३०	११	११	२८	४३	७	०८	६	३७	२८	२७	६	०९	५	३१
२१ मं	१०	०७	४७	२१	६०	२८	१०	५०	२८	४६	७	०७	६	३८	२८	३०	६	०८	५	३२

संक्रांति फलम्

ता. १३ फरवरी २०१२
फा. कृ. ६ चंद्रे कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १३।१८ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यमावे महर्घता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः रवी (स्टै.) ३०।५४ से चंद्रे १३।१८ तक। (दानः गौ[illegible]

अयनांशाः २४।००।५०
४५ पं. फा.कृ. ९ गु. इष्टघटी १३।०७
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	४	१०	०	११	६	७	१०
०२	२५	१०	१०	१५	०५	१६	०२
५९	३७	०५	४२	३०	३५	२८	४९
४३	१२	३६	१३	०८	२६	५५	३५
६०	१८	११७	९	६९	०	३	६०
३५	००	३०	१९	४०	५७	११	४५
ध	पूफ	श	अ	उभा	चि	अनु	ध
३	४व	२	४	४	४व	४	३

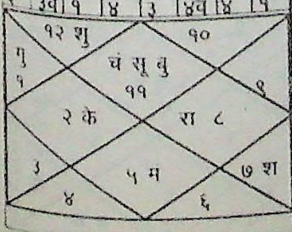


फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०६८, शाकः १९३३, २२ फरवरी से ८ मार्च तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | वसंतर्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ३२२, फरवरी-मार्च २०१२

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	बु	५४	१०	२८	४५	शत	४५	५४	२५	२७	शि	३३	०१	२०	१८	किं	२३	११	१६	२२	२८ १०	७ ०५	६ २१	कुंभे	३	२९	२२	
२	गु	५७	०९	२९	५६	पूभा	५०	०४	२७	०६	सि	३२	०८	१९	५६	बा	२५	३०	१७	१७	१४	०४	२२	मीने २०।३८	४	३०	२३	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), फुलरिया २, श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती
३	शु	...	...	...	...	उभा	५५	२८	२९	१५	सा	३२	१४	१९	५७	तै	२९	०८	१८	४३	१८	०४	२३	मीने	५	१	२४	रविलास्पर ४
३	श	१	२८	७	३८	रेव	...	...	...	...	शु	३३	१८	२०	२२	ग	९	२८	७	३८	२२	०३	२३	मीने	६	२	२५	म. २०।४० उ., ग्रासस्पर्शः ८।२५, मोक्षः १४।०९
४	र	६	५६	९	४८	रेव	२	०५	७	५२	शु	३५	११	२१	०६	वि	६	५६	९	४८	२६	०२	२४	मेषे ७।५२	७	३	२६	म. ९।४८ या., पंचक समाप्तिः ७।५२
५	सो	१३	२०	१२	२१	अश्वि	९	३३	१०	५०	ब्र	३७	३७	२२	०३	बा	१३	२०	१२	२१	३०	०१	२५	मेषे	८	४	२७	याज्ञवल्क्य जयंती, मीने बुधः १५।०२
६	मं	२०	०९	१५	०३	भर	१७	२८	१३	५९	ऐ	४०	१२	२३	०५	तै	२०	०९	१५	०३	३४	००	२५	वृषे २०।४६	९	५	२८	मेषे अश्वि. शुक्रः २८।०९
७	बु	२६	४४	१७	४०	कृति	२५	११	१७	०३	वै	४२	२८	२३	५८	व	२६	४४	१७	४०	३८	६ ५९	२६	वृषे	१०	६	२९	म. १७।४० उ. ३०।५२ या., उभा. बुधः १८।०१
८	गु	३२	२६	१९	५६	रोहि	३२	०४	१९	४७	वि	४३	५७	२४	३३	व	३२	२६	१९	५६	४२	५८	२७	वृषे	११	७	१	होलाष्टक, मार्च ३ ता. ३१
९	शु	३६	३७	२१	३५	मृग	३७	३१	२१	५७	प्री	४४	१५	२४	३९	बा	४	४५	८	५१	४६	५७	२७	मिथु. ८।५७	१२	८	२	भर.-१ गुरुः २४।३५
१०	श	३८	५२	२२	२८	आर्द्रा	४१	०७	२३	२३	आ	४३	०३	२४	०९	तै	८	०१	१०	०८	५०	५६	२८	मिथु.	१३	९	३	|A थापणा भद्रा के पहिले, पूभा. रविः १०।०० (सौरः १३।०१)
११	र	३८	५९	२२	३०	पुन	४२	४०	२३	५९	सौ	४०	१२	२२	५९	व	९	१३	१०	३६	५४	५५	२८	कर्के १७।५४	१४	१०	४	म. १०।३६ उ. २२।३० या., आमलकी ११ व्र., बिड़कुला-ढाल A
१२	सो	३७	०१	२१	४२	पुष्य	४२	१०	२३	४६	शो	३५	४३	२१	११	व	८	१६	१०	१२	५८	५४	२९	कर्के	१५	११	५	मेला श्रीश्यामजी (खाटु)
१३	मं	३३	०५	२०	०७	श्ले	३९	४८	२२	४८	अ	२९	४२	१८	४५	कौ	५	१८	९	००	२९ ०२	५३	३०	सिंहे २२।४८	१६	१२	६	प्रदोषः
१४	बु	२७	३३	१७	५३	मघा	३५	५२	२१	१२	सु	२२	२१	१५	४८	ग	०	३०	७	०४	०६	५२	३०	सिंहे	१७	१३	७	म. १७।५३ उ. २८।३४ या., होलिका दहनं भद्रोत्तरम्, करिदिन
१५	गु	२०	४६	१५	०२	पूफा	३०	४७	१९	०९	धु	१३	५९	१२	२६	व	२०	४६	१५	०९	११	५०	३१	कन्या २४।३५	१८	१४	८	मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, छारेंडी देशाचारे, करिदिन

अयनांशाः २४।००।५१
४६ पं. फा.शु. २ गु. इष्टघटी १३।२२
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	४	१०	०	११	६	७	१०
१०	२३	२२	११	२३	०५	१६	०९
०३	१९	५४	५०	३४	२६	०६	५४
१८	०७	३९	०२	३६	३६	३९	१८
६०	२१	१०६	१०	६८	१	३	६०
२४	४४	५०	१०	३४	४०	११	३४
श	पूफा	पूभा	अ	रे	चि	अनु	श
२	३व	१	४	३	४व	४	१



ता.	वा.	फरवरी रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि.	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२२	बु	१०	०८	४७	४९	६०	२६	१०	२८	२८	४८	७	०७	६	३८	२८	३३	६	०७	५	३३
२३	गु	१०	०९	४८	१६	६०	२५	१०	०६	२८	५१	७	०६	६	३८	२८	३६	६	०७	५	३३
२४	शु	१०	१०	४८	४०	६०	२३	९	४४	२८	५३	७	०५	६	३९	२८	३९	६	०६	५	३३
२५	श	१०	११	४९	०४	६०	२१	९	२२	२८	५६	७	०५	६	३९	२८	४२	६	०५	५	३४
२६	र	१०	१२	४९	२५	६०	२०	९	००	२८	५९	७	०४	६	४०	२८	४६	६	०४	५	३४
२७	चं	१०	१३	४९	४५	६०	१८	८	३८	२९	०१	७	०३	६	४०	२८	४९	६	०३	५	३५
२८	मं	१०	१४	५०	०३	६०	१६	८	१५	२९	०४	७	०३	६	४०	२८	५२	६	०३	५	३५
२९	बु	१०	१५	५०	१९	६०	१५	७	५२	२९	०६	७	०२	६	४१	२८	५५	६	०२	५	३६
१	गु	१०	१६	५०	३३	६०	१३	७	३०	२९	०९	७	०१	६	४१	२८	५८	६	०१	५	३६
२	शु	१०	१७	५०	४६	६०	११	७	०७	२९	१२	७	०१	६	४१	२९	०१	६	००	५	३७
३	श	१०	१८	५०	५७	६०	०९	६	४४	२९	१४	७	००	६	४२	२९	०५	५	५९	५	३७
४	र	१०	१९	५१	०६	६०	०७	६	२१	२९	१७	६	५९	६	४२	२९	०८	५	५८	५	३८
५	चं	१०	२०	५१	१४	६०	०५	५	५८	२९	२०	६	५८	६	४२	२९	११	५	५८	५	३८
६	मं	१०	२१	५१	१९	६०	०४	५	३४	२९	२२	६	५८	६	४३	२९	१४	५	५७	५	३८
७	बु	१०	२२	५१	२३	६०	०२	५	११	२९	२५	६	५७	६	४३	२९	१७	५	५६	५	३९
८	गु	१०	२३	५१	२४	६०	००	४	४८	२९	२८	६	५६	६	४३	२९	२१	५	५५	५	३९

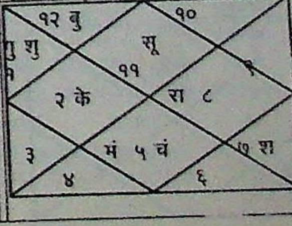
अयनांशाः २४।००।५२
४७ पं. फा.शु. ८ गु. इष्टघटी १३।३९
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	४	११	०	०	६	७	१०
१७	२०	०४	१३	०१	०५	१५	१६
०५	४०	२७	०३	३०	१२	४४	५७
३३	०४	५७	३०	४८	५७	२४	३५
६०	२३	८३	१०	६७	२	३	६०
१२	३९	१२	५५	१६	२०	११	२०
श	पूफा	उभा	अ	अ	चि	अनु	श
४	३व	१	४	१	४व	४	४



अयनांशाः २४।००।५३
४८ पं. फा.शु.१५ गु. इष्टघटी १३।५७
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	४	११	०	०	६	७	१०
२४	१७	११	१४	०९	०४	१५	२३
०६	५४	४५	२२	१७	५४	२२	५९
२०	०३	५७	००	०१	४९	०९	१६
५९	२३	३०	११	६५	२	३	६०
५९	२३	३४	३५	४०	५६	११	०६
पूभा	पूफा	उभा	भ	अ	चि	अनु	पूभा
२	२व	३	१	३	४व	४	२



॥ श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम् ॥

चैत्र कृष्णपक्ष संवत २०६८, शाकः १९३३, ९ मार्च से २२ मार्च तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | वसंतर्त्तु रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति महा., मार्च २०१२

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	शु	१३	१२	१२	०६	उफा	२४	५८	१६	४९	शू	४ / ५५	५४ / २६	८ / २९	४७ / ००	कौ	१३	१२	१२	०६	२९ / १५	६ / ४९	६ / ३१	कन्या	१९	१५	९	वसन्त १, पातस्पर्शः ८।१५, मोक्षः १२।३६
२	श	५	१५	८	५४	हस्त	१८	५४	१४	२२	वृ	४५	५९	२५	१२	ग	५	१५	८	५४	१९	४८	३२	तुला. २५।०९	२०	१६	१०	भ. १९।१८ उ. २९।४४ या., कल्पादि
३	श	५७	१९	२९	४४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A योग ६।५२ से १७।३३ तक, सायन मेषे भानुः १०।२५
४	र	४९	५०	२६	४३	चित्रा	१२	५८	११	५९	ध्रु	३६	५०	२१	३१	ब	२३	३२	१६	१२	२३	४७	३२	तुला.	२१	१७	११	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।००, भर. शुक्रः २९।४३
५	सो	४३	०५	२४	००	स्वा	७	३४	९	४८	व्या	२८	१२	१८	०३	कौ	१६	२३	१३	१९	२७	४६	३३	वृश्चि. २६।२२	२२	१८	१२	वक्री बुधः २३।००
६	मं	३७	१५	२१	३९	विशा	२ / ५९	५७ / १६	७ / ३०	५६ / २७	ह	२०	१८	१४	५२	ग	१०	०३	१०	४६	३१	४५	३३	वृश्चि.	२३	१९	१३	भ. २१।३९ उ.
७	बु	३२	२९	१९	४३	ज्ये	५६	४४	२९	२६	व	१३	१३	१२	०१	वि	४	४४	८	३८	३५	४४	३४	धनु. २९।२६	२४	२०	१४	भ. ८।३८ या., मीने रविः १०।०६ (सौरः १२।४१)
८	गु	२८	५२	१८	१६	मूल	५५	२०	२८	५१	सि	७	०४	९	३२	बा	०	३३	६	५६	३९	४३	३५	धनु.	२५	२१	१५	शीतला पूजनं, बुधास्तः पश्चिमायाम् १८।०४
९	शु	२६	२३	१७	१५	पूषा	५५	०३	२८	४३	व्य	१ / ५७	५० / २७	७ / २९	२६ / ४०	ग	२६	२३	१७	१५	४३	४२	३५	धनु.	२६	२२	१६	भ. २८।५५ उ.
१०	श	२५	०२	१६	४१	उषा	५५	५२	२९	०१	प	५३	५९	२८	१६	वि	२५	०२	१६	४१	४८	४१	३६	मक. १०।४५	२७	२३	१७	भ. १६।४१ या., उभा. रविः १८।२५ (सौरः २०।५४)
११	र	२४	४५	१६	३३	श्रव	५७	४२	२९	४४	शि	५१	२१	२७	१२	बा	२४	४५	१६	३३	५२	३९	३६	मक.	२८	२४	१८	पापमोचनी ११ व्र. [B भौमः १०।०५
१२	सो	२५	३२	१६	५१	धनि	…	…	…	…	सि	४९	३३	२६	२७	तै	२५	३२	१६	५१	५६	३८	३७	कुंभे १८।१५	२९	२५	१९	पंचक प्रारम्भः १८।१५, प्रदोषः, भर.-२ गुरुः २३।५९
१३	मं	२७	२०	१७	३३	धनि	०	३६	६	५२	सा	४८	३१	२६	०२	व	२७	२०	१७	३३	३० / ००	३७	३७	कुंभे	३०	२६	२०	भ. १७।३३ उ. ३०।०३ या., मासिकशिवरात्री व्र., वारुणी A
१४	बु	३०	०८	१८	३९	शत	४	२६	८	२२	शु	४८	१४	२५	५४	श	३०	०८	१८	३९	०४	३६	३८	मीने २७।४५	१	२७	२१	भा. चैत्रारंभः, पातस्पर्शः ११।५१, मोक्षः १७।०१, (व) मघा. B
३०	गु	३३	५३	२०	०८	पूभा	९	१२	१०	१६	शु	४८	४२	२६	०४	च	१	५६	७	२१	०८	३५	३८	मीने	२	२८	२२	देवपितृकार्येऽमा., केतकी अहर्गणः ३५१, चक्र ७, मन्वादि

अयनांशाः २४।००।५४
४९ पं. चै.कृ. ८ गु. इष्टघटी १४।१६
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	४	११	०	०	६	७	११
०१	१५	१२	१५	१६	०४	१४	००
०५	१६	१५	४४	५१	३२	५९	५९
३५	११	३१	५३	०३	३९	५३	१४
५९	२१	२८	१२	६३	३	३	५९
४६	०१	२९	१०	४३	२८	११	५१
पूभा	पूफा	उभा	भ	भ	चि	अनु	पूभा
४	१व	३व	१	२	४व	४	४



मार्च		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम		रवि गति		रबि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि	घं.	मि	घ.	प.	घं.	मि	घं.	मि
९	शु	१०	२४	५१	२४	५९	५८	४	२४	२९	३०	६	५५	६	४३	२९	२४	५	५४	५	४०
१०	श	१०	२५	५१	२२	५९	५६	४	०१	२९	३३	६	५४	६	४४	२९	२७	५	५३	५	४०
११	र	१०	२६	५१	१८	५९	५४	३	३७	२९	३६	६	५४	६	४४	२९	३०	५	५२	५	४०
१२	चं	१०	२७	५१	१२	५९	५२	३	१४	२९	३८	६	५३	६	४४	२९	३४	५	५१	५	४१
१३	मं	१०	२८	५१	०४	५९	५०	२	५०	२९	४१	६	५२	६	४४	२९	३७	५	५०	५	४१
१४	बु	१०	२९	५०	५४	५९	४८	२	२६	२९	४४	६	५१	६	४५	२९	४०	५	४९	५	४२
१५	गु	११	००	५०	४२	५९	४६	२	०३	२९	४६	६	५०	६	४५	२९	४४	५	४९	५	४२
१६	शु	११	०१	५०	२९	५९	४४	१	३९	२९	[illegible]	६	५०	६	४५	२९	४७	५	४८	५	४२
१७	श	११	०२	५०	१३	५९	४२	१	१५	२९	५२	६	४९	६	४५	२९	५०	५	४७	५	४३
१८	र	११	०३	४९	५५	५९	४०	०	५१	२९	५५	६	४८	६	४६	२९	५३	५	४६	५	४३
१९	चं	११	०४	४९	३५	५९	३८	०	२८	२९	५७	६	४७	६	४६	२९	५७	५	४५	५	४३
२०	मं	११	०५	४९	१३	५९	३६	०	०४-	३०	००	६	४६	६	४६	३०	००	५	४४	५	४४
२१	बु	११	०६	४८	५०	५९	३४	०	२०+	३०	०३	६	४५	६	४६	३०	०३	५	४३	५	४४
२२	गु	११	०७	४८	२४	५९	३२	०	४३	३०	०५	६	४५	६	४७	३०	०६	५	४२	५	४४

संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २०१२
चैत्र कृ. ७ बुधे मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १०।०६ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्वदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुस्वदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं केस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १०।०६ से १६।३० ([illegible] भूमि माला) ।

अयनांशाः २४।००।५५
५० पं. चै.कृ.३० गु. इष्टघटी १४।३६
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	४	११	०	०	६	७	११
०८	१३	०७	१७	२४	०४	१४	०७
०३	००	०८	११	१०	०७	३७	५७
१३	३५	०३	३५	०५	००	३८	२६
५९	१६	५४	१२	६१	३	३	५९
३२	५८	४८	४०	१७	५४	११	३६
उभा	म	उभा	भ	भ	चि	अनु	उभा
२	४व	२व	२	४	४व	४	२



नवलगढ दैनिक लग्नसारणी से नीचे नगरों में लग्नप्रवेश बनाने के लिए संस्कार कोष्ठक (मिनिटों में)

नगरों के नाम	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
अमृतसर (पंजा.)	- २	- ६	- ८	- ७	- ४	+ ०	+ ५	+ ८	+ १०	+ ९	+ ६	+ २
अजमेर (राज.)	+ ३	+ ४	+ ४	+ ४	+ ३	+ २	+ १	- १	- १	- १	+ ०	+ १
अहमदाबाद (गुज.)	+ १४	+ १८	+ २०	+ १९	+ १६	+ ११	+ ७	+ ३	+ १	+ २	+ ५	+ ९
आकोला (महा.)	- २	+ ४	+ ७	+ ५	+ ०	- ७	- १४	- २०	- २३	- २१	- १६	- ९
आगरा (उ.प्र.)	- ११	- १०	- १०	- १०	- १०	- ११	- १२	- १२	- १२	- १२	- १२	- ११
इंदौर (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ८	+ ७	+ ३	- २	- ७	- ११	- १४	- १३	- ९	- ४
उज्जैन (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ७	+ ६	+ ३	- २	- ६	- १०	- १२	- ११	- ८	- ३
उदयपुर (राज.)	+ ८	+ ११	+ १२	+ १२	+ ९	+ ६	+ ३	+ ०	- १	- १	+ २	+ ५
कोलकाता (बंगा.)	- ४९	- ४५	- ४२	- ४३	- ४७	- ५२	- ५७	- ६२	- ६४	- ६३	- ५९	- ५४
कानपुर (उ.प्र.)	- २०	- १९	- १८	- १८	- १९	- २०	- २२	- २३	- २४	- २३	- २२	- २१
काठमाण्डु (नेपा.)	- ३९	- ३८	- ३८	- ३८	- ३९	- ४०	- ४१	- ४२	- ४३	- ४२	- ४२	- ४१
कोल्हापुर (महा.)	+ १२	+ २१	+ २६	+ २४	+ १६	+ ५	- ५	- १४	- १९	- १७	- ९	+ १
गौहाटी (आसा)	- ६५	- ६४	- ६३	- ६३	- ६५	- ६६	- ६८	- ६९	- ७०	- ७०	- ६८	- ६७
चंडीगढ (पंजा.)	- १०	- १२	- १४	- १३	- ११	- ८	- ५	- २	- ०	- १	- ३	- ७
चित्तौडगढ (राज.)	+ ४	+ ६	+ ८	+ ७	+ ५	+ २	- १	- ३	- ५	- ४	- २	+ १
चित्रई (तमि.)	- ९	+ ३	+ ९	+ ६	- ४	- १८	- ३१	- ४३	- ५०	- ४७	- ३६	- २३
जयपुर (राज.)	- २	- १	- १	- १	- २	- ३	- ३	- ४	- ५	- ४	- ४	- ३
जोधपुर (राज.)	+ १२	+ १३	+ १४	+ १४	+ १२	+ ११	+ ९	+ ८	+ ७	+ ७	+ ८	+ १०
डिब्रुगढ (आसा)	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ८०	- ८०	- ८०	- ८०	- ७९
दरभंगा (बिहा.)	- ४२	- ४०	- ३९	- ४०	- ४१	- ४३	- ४४	- ४६	- ४६	- ४६	- ४५	- ४३
दिल्ली	- ९	- १०	- १०	- १०	- ९	- ९	- ८	- ७	- ६	- ७	- ७	- ८
नागपुर (महा.)	- ११	- ५	- २	- ४	- ९	- १५	- २१	- २७	- ३०	- २९	- २४	- १७
पटना (बिहा.)	- ३९	- ३७	- ३६	- ३६	- ३८	- ४०	- ४२	- ४४	- ४५	- ४५	- ४३	- ४१
पूना (महा.)	+ १२	+ २०	+ २४	+ २२	+ १५	+ ७	- २	- १०	- १४	- १२	- ६	+ ३
बडौदा (गुज.)	+ १२	+ १७	+ २०	+ १९	+ १४	+ ९	+ ३	- २	- ५	- ३	+ १	+ ६
बीकानेर (राज.)	+ ७	+ ६	+ ६	+ ६	+ ७	+ ७	+ ८	+ ८	+ ८	+ ८	+ ८	+ ७
बैंगलोर (कर्ना.)	+ १	+ १३	+ १९	+ १७	+ ५	- ७	- २१	- ३३	- ३९	- ३६	- २६	- १३
भागलपुर (बिहा.)	- ४५	- ४३	- ४२	- ४२	- ४४	- ४७	- ५०	- ५२	- ५३	- ५२	- ५१	- ४८
भुवनेश्वर (उडी.)	- ३७	- ३१	- २८	- २९	- ३५	- ४२	- ४९	- ५५	- ५८	- ५७	- ५१	- ४५
भोपाल (म.प्र.)	- ५	- १	+ १	०	- ३	- ८	- १२	- १६	- १८	- १८	- १४	- १०
मुम्बई (महा.)	+ १६	+ २३	+ २७	+ २५	+ १९	+ ११	+ २	- ५	- ९	- ७	- १	+ ७
वाराणसी (उ.प्र.)	- ३०	- २७	- २६	- २७	- २९	- ३१	- ३३	- ३६	- ३७	- ३६	- ३४	- ३२
सोलापुर (महा.)	+ ४	+ १३	+ १७	+ १५	+ ८	- ५	- ११	- २०	- २४	- २२	- १५	- ५
श्रीनगर (ज.का.)	- ५	- ११	- १४	- १३	- ८	- १	+ ६	+ १३	+ १६	+ १५	+ ९	+ २
हैदराबाद (आं.प्र.)	- ६	+ ३	+ ८	+ ६	- २	- १२	- २२	- ३०	- ३५	- ३३	- २५	- १६

॥ संवत् २०६९ ॥ संस्कार कोष्ठक ज्ञानाय:- पञ्चाङ्गस्थ नवलगढ (राज.) की दैनिक लग्न प्रवेश सारणी से उपर लिखे नगरों का प्रवेश व समाप्ति काल संस्कार कोष्ठक की सहायता से किसी भी दिन का स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं ।

उदाहरण - १ मई २०१२ को वाराणसी (उ.प्र.) में मेष लग्न का प्रवेश और समाप्ति काल ज्ञात करना है । पंचांग में १ मई २०१२ को मेष का प्रवेश काल प्रातः घंटा ५ मिनट ०२ और समाप्ति काल दिवा घंटा ६ मिनट ३८ लिखा हुआ है । संस्कार कोष्ठक में वाराणसी (उ.प्र.) के मेष में - ३० मि. और वृष में - २७ मि. है (वृष का प्रवेश काल ही मेष का समाप्ति काल है) । अतः मेष के प्रवेश प्रातः ५।०२ में - ३० मि. का संस्कार किया (यदि - हो तो घटा दें और + हो तो जोड दें) तो वाराणसी (उ.प्र.) का स्पष्ट प्रवेश काल प्रातः ४।३२ हो गया मेष के समाप्ति काल दिवा घंटा ६ मिनट ३८ में - २७ मि. का संस्कार किया तो मेष का समाप्ति काल-दिवा ६।११ स्पष्ट हो गया । ऐसे ही संस्कार कोष्ठक में लिखे हुए ३५ नगरों में से किसी भी नगर का कोई भी लग्न स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं ।

रेल्वे मध्यान्तर निकालने की विधि -

जिस गांव का रेल्वे मध्यान्तर निकालना हो उस गांव का एटलस (भारत के नकसे) से रेखांश प्राप्त करे उस रेखांश में से ८२।३० अंश घटाकर शेष को ४ से गुणा करें गुणन फल उस नगर का मध्यम रेल्वेंतर मिनट धन होगा । उदाहरण - कोलकाता का रेखांश ८८।३० रेखांश धन है इसमें से ८२।३० घटाया (८८।३०-८२।३०) = शेष + ६ अंशो को ४ से गुणा किया + ६ X ४ = २४ यही कोलकाता का २४ मिनिट धन मध्यम रेल्वेंतर हुआ ।

यदि अभीष्ट स्थान के रेखांश ८२।३० रेखांश से कम हों तो ८२।३० में से अभीष्ट नगर के रेखांश घटाकर शेष को ४ से गुणा करने से अभीष्ट नगर का ऋण रेल्वे मध्यान्तर होगा । उदा० - मुम्बई के रेखांश ७२।४८ है इसको ८२।३० में से घटाया शेष ९।४२ रहा इनको ४ से गुणा किया तो गुणनफल ३८।४८ मिनिट मुम्बई का मध्यम रेल्वेन्तर हुआ ।

रेल्वे मध्यान्तर को स्फुट रेल्वेन्तर जानन की विधि

जिस तारीख का स्फुट रेल्वेंतर जानना हो तो उस तारीख का अंक्षाशादि सारणी के पेज में लिखे वेलान्तर मिनिटों को व्यस्त चिन्ह (ऋण धन का चिन्ह बदल कर) संस्कार करने से स्फुट रेल्वेन्तर उस तारीख का होगा जैसे तारीख १४ जनवरी को वेलान्तर + ९।२० मिनिट धन है इसको व्यस्त चिन्ह धन को ऋण चिन्ह - किया तो हुआ -९।२० यह कोलकाता का +२४ में वैजिकरीत्या संस्कार किया तो + २४।० - ९।२० = + १४।४० ता०-१५ जनवरी को स्फुट रेल्वेन्तर हुआ ऐसे ही मुम्बई -३८।४८ संस्कार किया तो वैजिकरीत्या (योगे युतिः स्यात्क्षययोः स्वयोर्वा) के अनुसार -३८।४८ - ९।२० का जोड किया तो ४८।०८ मुम्बई में स्फुट रेल्वेंतर मिनिट ऋण हुये उनको रेल्वे टाइम में धन ऋण करने से स्थानिक स्फुट टाइम हुई ।

ले. पं. ग्यारसीलाल शर्मा, विले पारले, मुम्बई

संवत् २०६९, दिनमान एवं सूर्योदयास्त जानने की सरल विधि -

जिस नगर का दिनमान जानना चाहें उस नगर का अक्षांश पंचांग से या एटलस (भारत के नकसे से) प्राप्त करें उसके पश्चात पंचांग में लिखी दैनिक रवि क्रान्ति और अंक्षाश की सहायता से चर सारणी से अभीष्ट दिन की चरपल प्राप्त करें। चर पलों को दूगुना करके घटी ३०।०० में रवि क्रान्ति उत्तर (धन) हो तो जोड़ दें और रवि क्रान्ति दक्षिण (ऋण) हो तो ३०।० घटी में से घटा दे दिनमान घटी पल होगा। दिनमान की घटी पलों में ५ का भाग देने से सूर्य घटी (देशी) सूर्यास्त का घंटा मिनट होगा। देशी सूर्यास्त के घंटा मिनटों को १२ में से घटा देने से देशी सूर्योदय का घंटा मिनट होगा। इसमें रेल्वे मध्यांतर मिनट तथा वेलान्तर संस्कार करने से रेल्वे टाइम का सूर्योदय एवं सूर्यास्त का घण्टा मिनिटात्मक काल होगा।

दिनमान = ३० + (चरपल x २)

स्टैण्डर्ड सूर्यास्त = दिनमान ÷ ५ + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

स्टैण्डर्ड सूर्योदय = १२ − (दिनमान ÷ ५) + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

उदाहरण - संवत् २०६९, तारीख १ मई २०१२ को वाराणसी (उ.प्र.) अक्षांशः २५° २०′ उ., रेखांशः ८३° ०′ पू. का स्पष्ट दिनमान एवं स्टैण्डर्ड सूर्योदय/सूर्यास्त गणित द्वारा ज्ञात करना है। १ मई २०१२ को पञ्चाङ्गस्थ रवि क्रान्ति अंश-कलादि (धन) +१५।०८ है यहाँ अक्षांश और रवि क्रान्ति की सहायता से चरपल संस्कार सारणी से ७३ पल प्राप्त हुई. इनको २ से गुणा किया (१४६ = ७३ x २) पल ६० से ज्यादा है अतः ६० का भाग दिया तो घट्यादि + २।२६ हुआ यहाँ रवि क्रान्ति उत्तर है अतः घटी ३० में जोड़ दिया (३०।० + २।२६) तो घट्यात्मक ३२।२६ दिनमान हुआ। इसमें ५ का भाग दिया लब्धि घंटादि ६ घंटा २९ मिनट १२ से. देशी सूर्यास्त टाइम हुई इसको १२ में से घटा दिया तो ५ घंटा ३० मिनट ४८ से. देशी सूर्योदय समय हो गया इसमें रेल्वेऽन्तर संस्कार के लिए वाराणसी (उ.प्र.) का रेखांश ८२।३० से ज्यादा है अतः ((८३। ० - ८२।३०) x ४) रेल्वे मध्यान्तर मिनट (धन) + २ सेकण्ड ०० को व्यस्तचिन्ह (ऋण हो तो धन और धन हो तो ऋण) करके सूर्योदय/सूर्यास्त में से घटा दिया तो ५।२८।४८ सूर्योदय और ६।२७।१२ सूर्यास्त वाराणसी (उ.प्र.) का मध्यम मान से हुआ। इसमें तारीख १ मई २०१२ को वेलान्तर मिनट - २ सेकण्ड ५१ को धनर्ण करने से स्टैण्डर्ड (रेल्वे) ५।२५।५७ सूर्योदय और ६।२४।२१ सूर्यास्त (अर्धादिक रुप से सूर्योदय ५ बजकर २६ मिनट और सूर्यास्त ६ बजकर २४ मिनट) समय स्पष्ट हो गया। इस तरह भारत के किसी भी गांव का जान लीजिये।

रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे, ॥ अथ मास तारीखोपरि वेलान्तरम् ॥ मिनट-सेकण्ड, ई.सन् २०१२

ता.	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रेल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर
	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.
१	+ ३।०७	+१३।२८	+१२।२३	+ ३।५६	- २।५१	- २।०८	+ ३।५३	+ ६।२१	+ ०।००	-१०।२१	-१६।२५	-१०।५९
२	+ ३।३६	+१३।३७	+१२।११	+ ३।३८	- २।५८	- १।५९	+ ४।०४	+ ६।१६	- ०।१९	-१०।४०	-१६।२६	-१०।३६
३	+ ४।०४	+१३।४४	+११।५९	+ ३।२०	- ३।०५	- १।४९	+ ४।१५	+ ६।१२	- ०।३९	-१०।५९	-१६।२७	-१०।१३
४	+ ४।३१	+१३।५१	+११।४६	+ ३।०३	- ३।११	- १।३९	+ ४।२६	+ ६।०६	- ०।५८	-११।१७	-१६।२६	- ९।४९
५	+ ४।५९	+५३।५७	+११।३२	+ २।४५	- ३।१६	- १।२९	+ ४।३७	+ ६।००	- १।१८	-११।३५	-१६।२५	- ९।२४
६	+ ५।२६	+१४।०२	+११।१९	+ २।२८	- ३।२०	- १।१८	+ ४।४७	+ ५।५४	- १।३९	-११।५३	-१६।२३	- ८।५९
७	+ ५।५२	+१४।०६	+११।०४	+ २।११	- ३।२५	- १।०७	+ ४।५७	+ ५।४७	- १।५९	-१२।११	-१६।१९	- ८।३३
८	+ ६।१८	+१४।१०	+१०।५०	+ १।५५	- ३।२८	- ०।५५	+ ५।०६	+ ५।३९	- २।२०	-१२।२८	-१६।१६	- ८।०७
९	+ ६।४४	+१४।१२	+१०।३५	+ १।३८	- ३।३१	- ०।४४	+ ५।१५	+ ५।३१	- २।४०	-१२।४४	-१६।११	- ७।४०
१०	+ ७।०९	+१४।१४	+१०।२०	+ १।२२	- ३।३३	- ०।३२	+ ५।२३	+ ५।२२	- ३।०१	-१३।००	-१६।०५	- ७।१३
११	+ ७।३३	+१४।१५	+१०।०४	+ १।०६	- ३।३५	- ०।२०	+ ५।३२	+ ५।१३	- ३।२२	-१३।१६	-१५।५९	- ६।४६
१२	+ ७।५७	+१४।१६	+ ९।४८	+ ०।५१	- ३।३७	- ०।०८	+ ५।३९	+ ५।०३	- ३।४४	-१३।३१	-१५।५२	- ६।१८
१३	+ ८।२१	+१४।१५	+ ९।३२	+ ०।३५	- ३।३७	+ ०।०५	+ ५।४६	+ ४।५२	- ४।०५	-१३।४६	-१५।४४	- ५।५०
१४	+ ८।४३	+१४।१४	+ ९।१५	+ ०।२०	- ३।३७	+ ०।१८	+ ५।५३	+ ४।४१	- ४।२६	-१४।००	-१५।३५	- ५।२१
१५	+ ९।०५	+१४।१२	+ ८।५९	+ ०।०६	- ३।३७	+ ०।३०	+ ५।५९	+ ४।२९	- ४।४८	-१४।१४	-१५।२५	- ४।५२
१६	+ ९।२७	+१४।०९	+ ८।४२	- ०।०९	- ३।३६	+ ०।४३	+ ६।०५	+ ४।१७	- ५।०९	-१४।२७	-१५।१४	- ४।२३
१७	+ ९।४७	+१४।०६	+ ८।२४	- ०।२३	- ३।३४	+ ०।५६	+ ६।१०	+ ४।०४	- ५।३०	-१४।३९	-१५।०३	- ३।५४
१८	+१०।०८	+१४।०२	+ ८।०७	- ०।३६	- ३।३२	+ १।०९	+ ६।१५	+ ३।५१	- ५।५२	-१४।५१	-१४।५०	- ३।२५
१९	+१०।२७	+१३।५७	+ ७।५०	- ०।४९	- ३।३०	+ १।२२	+ ६।१९	+ ३।३७	- ६।१३	-१५।०२	-१४।३७	- २।५५
२०	+१०।४५	+१३।५२	+ ७।३२	- १।०२	- ३।२६	+ १।३५	+ ६।२३	+ ३।२३	- ६।३५	-१५।१३	-१४।२३	- २।२५
२१	+११।०३	+१३।४६	+ ७।१४	- १।१४	- ३।२३	+ १।४८	+ ६।२६	+ ३।०९	- ६।५६	-१५।२३	-१४।०९	- १।५५
२२	+११।२०	+१३।३९	+ ६।५६	- १।२६	- ३।१८	+ २।०१	+ ६।२८	+ २।५४	- ७।१७	-१५।३२	-१३।५३	- १।२६
२३	+११।३७	+१३।३१	+ ६।३८	- १।३८	- ३।१३	+ २।१४	+ ६।३०	+ २।३८	- ७।३८	-१५।४०	-१३।३७	- ०।५६
२४	+११।५२	+१३।२३	+ ६।२०	- १।४९	- ३।०८	+ २।२७	+ ६।३२	+ २।२२	- ७।५९	-१५।४८	-१३।१९	- ०।२६
२५	+१२।०७	+१३।१५	+ ६।०२	- १।५९	- ३।०२	+ २।४०	+ ६।३२	+ २।०६	- ८।२०	-१५।५६	-१३।०२	+ ०।०४
२६	+१२।२१	+१३।०५	+ ५।४४	- २।०९	- २।५६	+ २।५२	+ ६।३२	+ १।४९	- ८।४१	-१६।०२	-१२।४३	+ ०।३४
२७	+१२।३४	+१२।५६	+ ५।२६	- २।१९	- २।४९	+ ३।०५	+ ६।३२	+ १।३२	- ९।०१	-१६।०८	-१२।२४	+ १।०३
२८	+१२।४७	+१२।४५	+ ५।०८	- २।२८	- २।४२	+ ३।१७	+ ६।३१	+ १।१४	- ९।२१	-१६।१३	-१२।०३	+ १।३३
२९	+१२।५८	+१२।३४	+ ४।४९	- २।३६	- २।३४	+ ३।२९	+ ६।२९	+ ०।५६	- ९।४१	-१६।१७	-११।४३	+ २।०२
३०	+१३।०९	. . .	+ ४।३१	- २।४४	- २।२६	+ ३।४१	+ ६।२७	+ ०।३८	-१०।०१	-१६।२१	-११।२१	+ २।३१
३१	+१३।१९	. . .	+ ४।१३	. . .	- २।१७	. . .	+ ६।२४	+ ०।१९	. . .	-१६।२३	. . .	+ ३।००

स जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् । वासरमणिरिव तमसां राशीन्नाशयति विघ्नानाम् ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११३, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११३ भोग्यकलिः ४२६८८७ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्यराज्येतो गताब्दाः संवत् २०६९ शाकः १९३४ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा शुक्रः, मंत्री शुक्रः, सस्येशश्चंद्रः, धान्येशः शनिः, मेघेशो गुरुः, रसेशो भौमः, नीरसेशो रविः, फलेशो गुरुः, धनेशो रविः, दुर्गेशो गुरुः, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादि षष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णु विंशतिकायां १९ विश्वावसुनाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि ११।२३।४५।३६ भोग्य मासादि ०।६।१४।२४ विश्वेदेव दैवतं युगम् । वर्षनाम आश्विन । चतुर्मेघनाम आवर्तः । रोहिणी निवासो पर्वते । समय निवासो कुंभकारगृहे । समय विश्वा २० । समय वाहनं दुर्दुरः । स्तंभ १ तृण । सोमवत्यमा. २ । सोमवती पंचमी १ । अंगारकी चतुर्थी २ । भानु सप्तमी २ । बुधाष्टमी ३ । रविदशमी ५ । समय मुहूर्तानि ३९० । समय दिनानि ३८४ । तिथि क्षयः १८ । तिथि वृद्धिः १२ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ९९ । रूपपति विश्वा १२६ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ८७ । रूपपति विश्वा १२३ । वर्षा विश्वा १७ । धान्यम् १७ । तृणम् १५ । शीतम् १५ । तेजः ११ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । (क्षुधा ५ । तृष्णा १५ । निद्रा ५ । आलस्य १ । उद्यम १७ । शान्ति १ । क्रोध ३ । दण्ड ५ । मैत्री १३ । उत्सव ११ । पाप ११ । पुण्य ७ । उग्रत्व ५ । रसोत्पत्तिः ३ । फलोत्पत्तिः ७ । व्याधि ५ । व्याधिनाश १९ । आचार १९ । अनाचार ७ । मृत्यु ३ । जन्म ११ । चौर १७ । उपशमन ५ । अग्निभय ११ । अग्निशमः ३ ।) सत्यम् ॥, धर्म १॥, पाप १८ । ऐक्यम् १२९ । शनि दृष्टिः पश्चिमायाम् । ग्रहणाऽभावः । उद्रिजः ९ । जरायुजः ३ । पिण्डजः ११ । स्वदेजः ५ ।

अथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजाशुक्रस्तत्फलम् - शुक्रस्य राज्ये बहुसस्यसंकुला सुतीव्रवेगाः सरितोऽम्बुराशिभिः । फलन्ति वृक्षा बहुगोप्रसूतिर्वसुन्धरापार्थिवसौख्यसंयुता ॥ मंत्रीशुक्रस्तत्फलम् - भृगुसुतेननुमंत्रिपदंगतेशलभमूषकमूषकरौहिषः । भवन्ति धान्यसमर्घतयामलंजनपदेषुजलं सरितोधिकम् ॥ सस्येशश्चंद्रस्तत्फलम् - सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुख्यं मेघः पयो मुञ्चति गोपगोधुक् । देवद्विजाराधनतत्परा नृपा धरा भवेद्धान्यधनौघपूर्णा ॥ धान्येशः शनिस्तत्फलम् - दुर्भिक्षंजायते तत्र कलहंदेशविग्रहं । सोराष्ट्रदेशो नष्टश्च यत्र धान्याधिपः शनिः ॥ मेघेशोगुरुस्तत्फलम् - गुरुरणिप्रियवृष्टिकरः सदाखिलविलासवतीधरणीतदा श्रुतिविचारपरानरपालकारससमृद्धियुताखिलमानवाः ॥ रसेशोभौमस्तत्फलम् - यदिधरातनयो रसपोभवेन्नरसराशियुता जनता शुभा । नरपतिर्विषमोजनतापदोनजलदोबहुवृष्टिकरोभुवि ॥ नीरसेशोरविस्तत्फलम् - नीरसाधिपतौसूर्येताम्रचन्दनयोरपि । रत्नमाणिक्यमुक्तादेरर्घवृद्धिः प्रजायते ॥ फलेशोगुरुस्तत्फलम् - सुरगुरुः फलनायकतांगतोगतभयावनराशिमहाद्रुमाः । यजनयाजनकोत्सवमन्दिराः श्रुतिविचारपराद्विजपूर्वकाः ॥ धनेशोरविस्तत्फलम् - द्रविणपे यदिवासरपेतदावणिजतोबहुद्रव्यमसागमः । गजतुरंगममेषखरोष्ट्रतोधनचयंलभतेक्रयविक्रयात् ॥ दुर्गेशोगुरुस्तत्फलम् - सुरगुरौ गढपे नयशोभिता नरवरा नरपाः करपालिताः । गिरिषु वै नगरेषु समं सुखं सुखमेति द्विजशस्त्रवताम विशाम् ॥ विश्वावसु नामास्यः संवत्सरः प्रवर्तते तत्फलम् - अब्देविश्वावसौशश्वदघोररोगाकुलाधरा । सस्यार्घवृष्टयोमध्याभूपालानातिभूतयः ॥ वर्षनाम आश्विन तत्फलम् - सुभिक्षंपूर्वसस्यंस्याज्वररोगाकुलजगत् । आश्विनेशोभनावृष्टिर्नृपसौख्यकरीसदा ॥ चतुर्मेघनाम आवर्तस्तत्फलम् - आवर्तेछिन्न वृष्टिश्च । रोहिणी निवासो पर्वते तत्फलम् - पर्वते बिन्दुमात्रश्च । समय निवासो कुंभकारगृहे तत्फलम् - कुंभकारगृहे वासो तद्वर्षे मध्यमं फलम् ॥ अपिच - अनावृष्टि प्रजापतौ । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

(१) नोट - ज्येष्ठ शुक्ला १५ सोमवार, संवत् २०६९, ता. ४ जून २०१२, नवलगढ में खण्डग्रास **चंद्रग्रहण** का अभाव है लेकिन भारत के अन्य भागों में दिखाई देगा ।

(१) ज्येष्ठ कृष्णा ३० चन्द्रवासरे, संवत् २०६९, ता. २१ मई २०१२, नवलगढ (राज.) में **सूर्यग्रहण** का अभाव है लेकिन भारत के अन्य भागों में दिखाई देगा ।

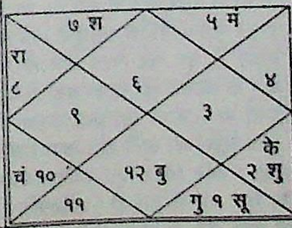
जहाँ ग्रहण दिखाई नहीं दे वहाँ तत्सम्बधि धार्मिक कृत्य करना आवश्यक नहीं है ।

नोट- ग्रहणों का विशेष विवरण वार्षिकपञ्चाङ्ग में देखें ।

वर्ष लग्नम् ५।२८



वर्षेश लग्नम् ५।२७



लाभ खर्च कोष्ठक

	अष्टोत्तरी मतेन		विंशोत्तरी मतेन	
राशि	लाभ	खर्च	लाभ	खर्च
मेष	२	८	११	५
वृष	११	१४	५	१४
मिथुन	१४	११	११	११
कर्क	८	११	५	८
सिंह	११	५	८	५
कन्या	१४	११	११	११
तुला	११	१४	५	१४
वृश्चिक	२	८	११	५
धनु	५	१४	८	११
मकर	८	८	२	१४
कुंभ	८	८	२	१४
मीन	५	१४	८	११

पञ्चाङ्ग गणित कर्ताः
श्री.श्री १०८ पं. ईश्वरदत्त शर्मणोऽनुग्रहीत शिष्यः
पं. ग्यारसी लाल शर्मा (शास्त्री),
५८, राम कुटीर, ३ रा माला,
हनुमान रोड, विलेपार्ले (पूर्व)
मुम्बई ४०० ०५७,
दूरध्वनि क्र.: ८३७ २७८३

।। ग्रहयोगाद्वर्ष फलम् ।। संवत् २०६९

ग्रहयोग देखता वर्षफल उत्तम होगा । इस वर्ष में राजा और मंत्री शुक्र हैं । धान्येश शनि हैं । नीरसेश और धनेश रवि हैं । सस्येश चंद्र हैं । रसेश मंगल हैं । मेघेश और फलेश और दुर्गेश गुरु हैं । इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ६ स्थान सौम्यग्रहों को प्राप्त हुए हैं और ४ स्थान उग्रग्रहों को उपलब्ध हुए हैं अतः वर्षफल उत्तम होगा । **चैत्र** - वर्षलग्न कन्या होने से पूर्व में स्थिरता, घी की महँगाई और ३ मास मंजीठ आदि सस्ते हों । दक्षिण में मरी पड़े, बंगाल में उपद्रव हो । पश्चिम में लोक विग्रह और अन्न महँगा हो, फिर चौपायों में सुख, पूर्वोत्तर में राजविग्रह, मध्य देश में प्रजाभंग और घी में समर्घता (सस्ता) हो । **वैशाख** - तुला का शनि उदय होने से पृथ्वीश संधि करे । राजनीति में क्लेश हो, धान्य की महर्घता हो, रस (मधुर आदि) हो । श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । वर्षा तथा खेती मध्यम हो । ईख, दूध, रस और घी अदि सस्ते हों । **ज्येष्ठ** - तेल का मूल्य बढे, वृषराशि में गुरु होने से नंदशाल नामक मेघ वर्षा करता है और सब रस सस्ते होते हैं, स्त्री और हाथियों को पीड़ा हो परस्पर विरोध हो, गेहूँ, चावल, चने, मूंग, उड़द, तिल महँगे हों । श्रृंगाल मालवा इनमें उत्पात हो राजाओं में विग्रह हो देश भंग हो, घी और धान्य थोड़े कम बिके, वर्षा हो, चौपायों में रोग हो, गुरु उदय से सुभिक्ष हो, पाषाण शाली मणि रत्न महंगे हों, ज्येष्ठ में गुरु उदय से अनावृष्टि हो । कृत्तिका नक्षत्र में गुरु उदय होने से गाड़ी से तथा अग्नि से आजीविका चलने वाले (लोहार, सोनार आदि) और गौ ये सब पीड़ित हो । लोगों में व्याधि और लड़ाई हो, पर लाल और पीले पुष्पों की वृद्धि हो । वायु से वर्षा हो । **आषाढ** - सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों । आषाढ में बुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । आर्द्रा में बुध होने से वर्षा अधिक हो, गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह हो, घोड़ों का मूल्य बढे । पुनर्वसु में बुध होने से बालकों को पीड़ा हो, कपास सूत मंदा हो । रोहिणी नक्षत्र पर बृहस्पति होने से वर्षा तथा खेती मध्यम हो । **श्रावण** - आश्लेषा में बुध होने से महावृष्टि हो, तुष धान्यं उत्पन्न हों, घृत गुड़ और नमक महंगे हो । रस (मधुर आदि) का क्षय हो । तुला का शनि होने से धान्य महँगे हो, शहरों वा गावों के मनुष्य क्लेशयुक्त हों, पृथ्वी कम्पित हो सब मुनि श्रेष्ठो में भी देह पीड़ा हो, जल बहुत कम वर्षे । **प्र.भाद्रपद** - चावल तथा गेहूँ महँगे हों । आर्द्रा में शुक्र होने से कोसल तथा कलिङ्ग देश का नाश और अतिवृष्टि हो । आश्लेषा में बुध होने से महावृष्टि हो, तुष धान्य उत्पन्न हों, पुनर्वसु में शुक्र होने से अन्न का अभाव हो, अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो । स्वाती पर मंगल होने से अनावृष्टि हो । मघा में बुध होने से वर्षा कम हो, धान्य हानि हो । सिंह राशि में बुध का अस्त होने से वर्षा कम हो । **द्वि.भाद्रपद** - पूर्वाफाल्गुनी में बुध होने से क्षेत्र के बंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो । विद्याधरों के युद्ध मे विमर्द हो । उड़द मूंग कम उत्पन्न हों, प्राणियों के धातुओं (वसा,रक्त, मांस, मेधा,अस्थि,मज्जा और शुक्र) की हानि हो । कपास और गेहूँ का भाव महँगा हो । लोगों को सर्पों से अत्यन्त पीडा हो । स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो । गणिका, शिल्पी, और विप्र वर्ग पीडित हो । हस्तिपति पीडित हों और अतिवृष्टि हो । **आश्विन** - वृष का बृहस्पति वक्री होने से पांच महीने बैल आदि चौपाये तथा तौल के बिकनेवाले पदार्थ और वर्तन महँगे हों । सब धान्यादि भावों में आठ महीने महंगाई रहे, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो । तुला राशि में बुध का उदय होने से भूकंप तथा युद्धादि हों । शबर-पुलिन्द जन पीड़ित हों और अतिवृष्टि हो । स्वाती नक्षत्र में स्थित शनैश्चर मागध (कीर्ति गाने वाले या मगध देश में रहनेवाले), गुप्तचर, दूत, सारथी, नाव पर चलने वाले, नट आदि इन सबों को पीडित करता है । जाङ्गल (स्वल्पपोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जाबस्थ जन पीड़ित हों तथा वृष्टि हो । सुभिक्ष हो, मनुष्य सुखी हों । **कार्तिक** - धातुओं के भाव तेज हों । क्षत्रियों में पीड़ा हो, तुष धान्य महँगा हो । तुला का शनि उदय होने से पृथ्वीश संधि करे वर्षा नहीं हो । कुआँ बनाने वालों को पीड़ा हो तथा सुन्दर वृष्टि हो । सुभिक्ष हो,स्वाति में शुक्र होने से क्षेम और सुभिक्ष हो, अतिवृष्टि तथा दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो । जल बहुत हो, गायें दूध कम दें, पृथ्वी अन्न से पूरित हो । शालि, तिल, घी और उड़द महँगे हो । **मार्गशीर्ष** - वाणिज्य कर्म करने वाले प्रभावित हों । शालि, तिल, घी, उड़द, ईख, और शाली महँगे हो तथा घोड़ों में रोग हो । गुरु उदय से सुभिक्ष हो, पाषाण शाली मणि रत्न महंगे हों, धान्य का विदेशों में बहुत निर्यात हो । सुनार भड़ भूजे और ग्वालों को शस्त्र तथा अग्नि से घातादि की पीड़ा हो, तुला राशि का राहु होने से दुर्भिक्ष हो, चावल और कंबल तथा कांसी का क्रय लाभ प्रद हो । क्षत्रियों में प्रधान का अभाव हो, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । धातुओं के भाव तेज हों । **पौष** - अन्न की उत्पत्ति हो, छोटे बालकों में पीड़ा हो, जल में उत्पन्न जीव पीड़ित हों । धान्य सस्ता हो और गुड शक्कर भी सस्ते हों । श्रवण में बुध होने से गुड़ अलसी और चणे अदि धान्य में बर्फ (ओले) गिरने का भय हो । **माघ** - गायें पीड़ित हों, वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति हो । शतभिषा पर मंगल होने से धान्योत्पत्ति उत्तम हों । मार्ग में शीत हवा बहुत चले, माघ में बुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो । शतभिषा में बुध होने से शूद्रों में रोगोत्पत्ति हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों । श्रवण में शुक्र होने से प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, कर्णपीड़ा हो । कुंभ राशि में मंगल का अस्त होने से चौर तथा अग्नि का भय हो, राजाओं में विग्रह हो । पूर्वा भाद्रपद पर मंगल होने से तिल, वस्त्र, कपास, सुपारी आदि महँगे हो । **फाल्गुन** - हिमपात (ठंढ) हो, शतभिषा नक्षत्र में स्थित शुक्र शौण्डिकों (मद्यविक्रेता - कलवारों) को पीडित करता है । व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़ (अश्व) पीडित हों । अन्न का अभाव हो, जुआड़ी लोग, कुरु तथा पञ्जाब देश में स्थित जन पीड़ित हों और वृष्टि हो । उ.भा. में स्थित शुक्र फल-मूलों को पीड़ित करता है । रेवती नक्षत्र पर मगल होने से सुभिक्ष हो । **चैत्र** - कृपया - पक्ष के पृष्ठ पर देखें, आगे सर्वज्ञ जगत नियन्ता जगदीश्वराधीन है, गो प्रजा भाग्य प्रबल हैं ।

लाभ - स्वर्च देखने की विधि और फल - जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-स्वर्च के अंको को जोड़कर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है ।

॥ संवत् २०६९ मध्ये उपनयनादि मुहूर्ताः ॥

अथ उपनयन मुहूर्त्ताः

सन२०१२ चैत्रमासः
अप्रे. २ शु.१० चंद्रे पुष्ये ल. १
अप्रे. ४ शु.१२ बुधे पू. फा.ल. १।२
बैशास्व मासः
अप्रे. २६ शु.५ गुरौ मृगे अभिजिति
ज्येष्ठ मासः
मई ३१ शु.१० गुरौ हस्ते ल. ४
आषाढ मासः
जून २१ शु.२ गुरौ पुन. अभिजिति
जून २२ शु.३ शुक्रे पुष्येऽभिजिति
सन२०१३ पोष मासः
जन. १६ शु.५ बुधे पू.भा. ल. १
जन. २३ शु.१२ बुधे मृगे ल. १२।१
माघ मासः
जन. २८ कृ.१ चंद्रे आश्ले. अभिजिति
फर. १ कृ.५ शुक्रे हस्ते ल. ११

अथ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्त्ताः

सन२०१२ ज्येष्ठ मासः
मई ३१ शु.१० गुरौ हस्ते ल. ३
श्रावण मासः
अग. १ शु.१४ बुधे उ.षा. ल. ५।६
(कन्या. स्टै. ११।०१ या.)
प्र. भाद्रपद मासः
अग. ४ कृ.२ शनौ शतेऽभिजिति
कार्तिक मासः
नवं. १ कृ.३ गुरौ रोहि. अभिजिति
नवं. २ कृ.३ शुक्रे रोहि. ल. ९
(स्टै. ११।२६ या.)
नवं. २ कृ.३ शुक्रे मृगे अभि. (ति. दो.)
नवं. २४ शु.११ शनौ रेवत्यां अभिजिति
नवं. २८ शु.१५ बुधे रोहिण्यां लग्नाऽभावः

मार्गशीर्ष मासः
नवं. ३० कृ.२ शुक्रे मृगे अभिजिति
सन२०१३ पोषमासः
जन १८ शु.७ शुक्रे रेवत्यां अभिजिति
जन. २३ शु.१२ बुधे मृगे ल. ११।१२।२।३
जन. २४ शु.१३ गुरौ मृगे ल. ११
(स्टै. ९।१८ या.)
माघ मासः
जन. ३१ कृ.४ गुरौ उ.फा. अभिजिति

वृषचक्ररहिताः गेहारंभ (भूमिपूजन) मुहूर्त्ताः

सन२०१२ बैशास्व मासः
अप्रे. १८ कृ.१२ बुधे उ. भा.ल. ६
अप्रे. २६ शु.५ गुरौ मृगे अभिजिति
अप्रे. २८ शु.७ शनौ पुष्ये ल. ६
आषाढ मासः
जून १३ कृ.९ बुधे रेवत्यां ल ५।६
श्रावण मासः
जुला.१६ कृ.१२ चंद्रे मृगे अभि.(आवश्यके)
जुला.२३ शु.४ चंद्रे उ.फा. अभिजिति
प्र. भाद्रपद मासः
अग. ३ कृ.१ शुक्रे धनि. अभिजिति
अग. ११ कृ.९ शनौ रोहि. अभि. (ति.दो.)
अग. १३ कृ.१ चंद्रे मृगे अभिजिति
आश्विन मासः
अक्टू.२७ शु.१३ शनौ उ.भा. अभिजिति
कार्तिक मासः
नवं. ३ कृ.४ शनौ मृगेऽभिजिति
नवं. १० कृ.११ शनौ उ.फा. ल. १२
माघ मासः
सन२०१३
फर. ८ कृ.१३ शुक्रे उ.षा. अभिजिति
फर. १३ शु.३ बुधे उ.भा. ल. १२।२।३

अथ नूतन गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०१२ बैशास्व मासः
अप्रे. १३ कृ.८ शुक्रे उ.षा. अभिजिति
अप्रे. १८ कृ.१२ बुधे उ.भा. ल. ६
(स्टै. १७।१७ या., मौ. १२ दो.)
आषाढ मासः
जून १३ कृ.९ बुधे रेव. ल. ३।५।६
(मिथुने सू. शु.गु.के. १२ दो.,
कन्या. भो १२ दो.)
सन२०१३ पोष मासः
जन. १६ शु.५ बुधे उ.भा. ल. २
जन. १७ शु.६ गुरौ उ.भा. अभिजिति
जन. २३ शु.१२ बुधे मृगे ल. ११।१२ (कुंभे
सू.मौ.बु. १२ दो., मीने श. ८ दो.)
जन. २४ शु.१३ गुरौ मृगे ल. ११
(स्टै. ९।१८ या., सू.बु मं. १२ दो.)
माघ मासः
फर. ८ कृ.१३ शुक्रे उ.षा. अभिजिति

कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश(वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०१२ बैशास्व मासः
अप्रे. २६ शु.५ गुरौ मृगे अभिजिति
सन२०१३ पोष मासः
जन. १८ शु.७ शुक्रे रेव. अभिजिति
माघ मासः
जन. ३१ कृ.४ गुरौ उ.फा. अभिजिति

अथ जीर्ण गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०१२ बैशास्व मासः
अप्रे. १६ कृ.११ चंद्रे धनि. ल. २,३, अभि.
अप्रे. १६ कृ.११ चंद्रे शत. ल. ५
अप्रे. २८ शु.७ शनौ पुष्ये ल. ६
श्रावण मासः
जुल. २६ शु.८ गुरौ स्वात्यां ल. ८
(स्टै. १४।२८ उप.)

मार्गशीर्ष मासः
दिसं. १० कृ.१२ चंद्रे स्वात्यां अभिजिति

कुंभचक्ररहिता जीर्णगृहप्रवेश(वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०१२ श्रावण मासः
जुला. ७ कृ.४ शनौ शत. ल. ८
(स्टै. १६।४४ उप.)

अथ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः

सन२०१२ बैशास्व मासः
अप्रे. २६ शु.५ गुरौ मृगे अभिजिति
अप्रे. २८ शु.७ शनौ पुन. अभिजिति
ज्येष्ठ मासः
मई ३० शु.९ बुधे उ.फा. ल ६
मई ३१ शु.१० गुरौ हस्ते अभिजिति
आषाढ मासः
जून २१ शु.२ गुरौ पुन. अभिजिति
जून २२ शु.३ शुक्रे पुष्ये अभिजिति
जून २९ शु.१० शुक्रे स्वा. अभिजिति
श्रावण मासः
जुला. ६ कृ.३ शुक्रे धनि. अभिजिति
जुला. ८ कृ.५ रवौ शत. ल. ६
(स्टै. ११।३२ या.)
जुला. ९ कृ.६ चंद्रे उ.भा. ल. ६
(स्टै. १२।३८ उप.)
सन२०१३ पोष मासः
जन. १७ शु.६ गुरौ उ.भा. अभिजिति
जन. १८ शु.७ शुक्रे रेवत्यां अभिजिति
जन. २३ शु.१२ बुधे मृग. ल. १२।२
जन. २७ शु.१५ रवौ पुष्ये अभिजिति
माघ मासः
जन. ३१ कृ.४ गुरौ उ.फा. अभिजिति
फर. १ कृ.५ शुक्रे हस्ते अभिजिति

॥ संवत् २०६९ मध्ये विवाह मुहूर्ताः ॥

सन२०१२

बैशाख कृष्णपक्षः

अप्रे. १४ — ९ शनौ उषा. दिवा ल. २, रे. ९ SIIIIIIII (सोग्रांगः श. ७ दो.)

बैशाख शुक्लपक्षः

अप्रे. २५ — ४ बुधे मृगे रात्रौ ल. ११, रे. ७ IISशुIIISSII (भौम ७ दो.)

अप्रे. २६ — ५ गुरौ मृगे दिवा ल. २, रे. ७ IISशुIIISSII (रा. ७ दो.)

अग्रे गुरोरस्तत्वादभावः तदुपरान्त शुक्रास्तः

आषाढ कृष्णपक्षः

जून १४ — १० गुरौ रेवत्यां दिवा ल. ३।४, रे. ८ SIIIIIISII (कर्कः ९।४९ यावत्)

आषाढ शुक्लपक्षः

जून २४ — ५ रवौ मघा दिवा ल. ४, रात्रौ अ. गो. १० रे. ८ IIIIIISSII (मकरे बु. ७ पू.)

जून २७ — ८ बुधे हस्ते दिवा ल. ४।५, रात्रौ अ.गोधूलि रे. ८ IIIIIISISद.

जून २७ — ८ बुधे हस्ते रात्रौ ल. १०।११, रे. ९ IIIIIISII (मकरे बु. ७ पू.)

जून २८ — ९ गुरौ स्वातौ रात्रौ २, रे. ९ IIIIIISII (रा. ७ दो., स्टै. २७।१२ उपरांत)

जून २९ — १० शुक्रे स्वातौ दिवा ल. ४।५, रात्रौ गोधूलि १०।११ रे. ९ IIIIIISII (मकरे बु. ७ पू.)

अग्रे चतुर्मासारंभ

कार्तिक शुक्लपक्षः

नवं. २४ — ११ शनौ रेवत्यां दिवा ल. १०।११, रात्रौ ४।६ रे. १० IIIIIIIII

नवं. २८ — १५ बुधे रोहि. रात्रौ ल. ४।६, रे. ७ IISगुISIISII

मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः

नवं. २९ — १ गुरौ रोहि. दिवा ल. १०।११, रे. ७ IISगुISIISII

नवं. २९ — १ गुरौ मृगे रात्रौ ४।६, रे. १० IIIIIIIII

नवं. ३० — २ शुक्रे मृगे दिवा ल. १५, रात्रौ अ. गोधूलि रे. १० IIIIIIIII (अ.गो. भौ. ८ दो.)

दिसं. ७ — ८ शुक्रे उफा. दिवा ल. १०।११, रात्रौ ४।६ रे. ८ SIIIIISII (कुंभे चं. ७ पू.)

दिसं. ८ — ९ शनौ हस्ते दिवा ल. १०।११, रात्रौ अ.गोधूलि रे. ८ IIIIIISISद (अ.गो. भौ. ८ दो.)

अग्रे धनुष्यर्कः

सन्२०१३

पोषशुक्लपक्षः

जन. १६ — ५ बुधे उभा. रात्रौ ल. ६।९, रे. ९ IIIIISIII (कन्या चं. ७ पू.)

जन. १७ — ६ गुरौ उभा. दिवा ल. ११।२।३, रे. १० IIIIIIIII (मिथुने शु. ७ पू.)

जन. १७ — ६ गुरौ रेवत्यां रात्रौ ६।९, रे. ९ IIIIIISII (कन्या. चं. ७ पू.)

जन. १८ — ७ भृगौ रेवत्यां दिवा ल. ११।२।३, रे. ९ IIIIIISII (मिथु. शु ७ पू.)

जन. २३ — १२ बुधे मृगे रात्रौ ल. ६, रे. ८ SIIIIIIIS

माघ कृष्णपक्षः

जन. ३० — ३ बुधे उफा. रात्रौ ल. ६।९, रे. ९ IIIIIISII

जन. ३१ — ४ गुरौ उफा. दिवा ल.१२।३,रात्रौ गो.,रे.९ IIIIIISII (मीने चं. ७ पू., गो. भौ. ८ दो.)

जन. ३१ — ४ गुरौ हस्ते रात्रौ ल. ९, रे. ९ IIIIIISII

फर. १ — ५ शुक्रे हस्ते दिवा ल.१२।३,रात्रौ गो.,रे.९ IIIIIISII (मीने चं. ७ पू., गो. भौ. ८ दो.)

फर. ४ — ९ चंद्रे अनु. रात्रौ ल. अ. गो., रे. ७ SIIISIISII (स्टै. १६।४८ उप., भौ. ८ दो.)

फर. ५ — १० भौमे अनु. दिवा ल. १२, रे. ७ SIIISIISII

फर. ६ — ११ बुधे मूले दिवा ल.३, रे.८ ISIIIIISII (चं.७ पू.)

फर. ६ — ११ बुधे मूले रात्रौ ल. ७, रे. ७ ISIIIIISISद. (सोग्रांगः के. ७ दो.)

फर. ७ — १२ गुरौ मूले दिवा ल. १२, रे. ८ ISIIIIISII

अग्रे शुक्रास्तत्वादभावः

भैरव भवानि संवाद

भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
उन्हेत्तर संयत का कहो श्रीमुख से सब हाल ॥

भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देखतां श्रेष्ठ जमानो होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये षटक अधिकार ।
समय वासो घटकार के रोहिणी पर्वत धार ॥
मेघ नाम आवर्त्त है समय है विश्वा बीस ।
वर्षा सत्तरा जाणियों शनि धान्य के ईश ॥
मेघ दुर्ग अरु फलपति कबज किये बुधदेव ।
सस्याधिप शशि बन गये रसपति मंगलदेव ॥
धननिरसाधिप सूर्य है राजा मंत्री भृगु जान ।
गुरुचरणों में धाम है करयाँ गुरु का मान ॥

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

सन२०१२

आषाढ शुक्लपक्षः

जून १५ — ११ शुक्रे अश्वि. दिवा ल. ४, रे. ७ SIIIIISSII

कार्तिक शुक्लपक्षः

नवं. २५ — १२ रवौ अश्वि. रात्रौ ल. ४।६, रे. ७ SSIIIISIII (कन्या. स्टै. २६।५८ या.)

मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः

दिसं. ९ — ११ रवौ चित्रा दिवाल.१०।११,रात्रौ ४।६,रे.९ IIIIIISII

सन्२०१३

पोष शुक्लपक्षः

जन. १४ — ३ चंद्रे धनि. लग्नाऽभावः रे. १० IIIIIIIII (दिवा कुंभे चिन्त्यम्)

जन. १९ — ८ शनौ अश्वि. दिवा ल. ११।१२।२, रात्रौ अ. गोधूलि रे. ९ IIIIIISII (अ. गो. भौ. ७ दो.)

माघ कृष्णपक्षः

फर १ — ५ शुक्रे चित्रा रात्रौ ल. ६, रे. १० IIIIIIIII (स्टै. २२।५२ या.)

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

पञ्चाङ्ग गणित कर्ता -

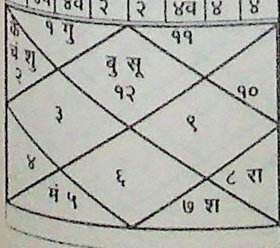
पं. श्री रामकुंवारात्मज ग्यारसीलाल शर्मा
मु. डूमोली कलाँ, पो. डूमोली खुर्द
वाया- सिंघाना, जि. झुन्झुनू (राज.) पिन. ३३३५१६.

चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, २३ मार्च से ६ अप्रेल तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | वसंतर्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः ३५२, मार्च-अप्रेल २०१२

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	शु	३८	३६	२२	००	उभा	१४	५३	१२	३१	ब्र	४९	५४	२६	३२	कि	६	१०	९	०२	३०/१२	६/३४	६/३९	मीने	३	२९	२३	नवरात्रारम्भः, घटस्था., ध्वजारो., आरोग्य १, विद्या १, कल्पादि
२	श	४४	१२	२४	१४	रेव	२१	२७	१५	०८	ऐ	५१	४४	२७	१४	बा	११	२०	११	०५	१६	३३	३९	मेषे १५।०८	४	३०	२४	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक समाप्तिः १५।०८, श्रृंगार (सिंघारा) C
३	र	५०	३०	२६	४४	अश्वि	२८	४६	१८	०२	वै	५४	०५	२८	१०	तै	१७	१९	१३	२७	२१	३२	४०	मेषे	५	१	२५	गणगौरी पूजा, मन्वादि, मत्स्योत्पत्तिः, अरुन्धती व्रतं पूजनञ्च, A
४	सो	५७	१५	२९	२४	भर	३६	३६	२१	०९	वि	५६	४५	२९	१२	व	२३	५३	१६	०४	२५	३१	४०	वृषे २७।५६	६	२	२६	भ. १६।०४ उ. २९।२४ या., (व) पूभा. बुधः २१।१४
५	मं	...	...	...	...	कृति	४४	३३	२४	१९	प्री	५९	२४	३०	१५	ब	३०	३९	१८	४५	२९	२९	४१	वृषे	७	३	२७	कल्पादि [C देशाचारे, कृत्ति. शुक्रः २३।२५ [E जमादिलावल ५
५	बु	४	००	८	०४	रोहि	५२	०७	२७	१९	आ	...	...	...	...	बा	४	००	८	०४	३३	२८	४१	वृषे	८	४	२८	डोलोत्सवः, स्कन्द षष्ठी व्र., वृषे शुक्रः ७।४०
६	गु	१०	०७	१०	३०	मृग	५८	४२	२९	५६	आ	१	४३	७	०८	तै	१०	०७	१०	३०	३७	२७	४२	मिथु. १६।४१	९	५	२९	[A मनोरथ तृतीया व्र., सौभाग्य शयन व्र., शिवशक्ति पू., E
७	शु	१५	०२	१२	२७	आर्द्रा	...	...	...	...	सौ	३	०७	७	४१	व	१५	०२	१२	२७	४१	२६	४२	मिथु.	१०	६	३०	भ. १२।२७ उ. २५।११ या., अशोककलिका प्राशनं, रेव. रविः D
८	श	१८	१६	१३	४३	आर्द्रा	३	४८	७	५६	शो	३	१८	७	४४	व	१८	१६	१३	४३	४५	२५	४३	कर्के २६।५७	११	७	३१	भवान्युत्पत्तिः, रेव.सौरः ७।२५ [D २९।१४, बुधोदयः पूर्वस्याम् २७।१३
९	र	१९	२४	१४	०९	पुन	६	५७	९	१०	अ	१/५८	५८/५२	७/२९	११/५७	कौ	१९	२४	१४	०९	४९	२४	४४	कर्के	१२	८	१	श्री रामनवमी, अप्रेल ४ ता. ३० [F पातस्पर्शः २२।१३, मोक्षः २६।४५
१०	सो	१८	१९	१३	४२	पुष्य	७	५६	९	३३	धृ	५४	०५	२८	०१	ग	१८	१९	१३	४२	५३	२३	४४	कर्के	१३	९	२	भ. २५।१० उ., (व) कुंभे बुधः १२।०९, (व) चित्रा.-३ शनिः १९।३९
११	मं	१५	०४	१२	२३	श्ले	६	४७	९	०४	शू	४७	३९	२५	२५	वि	१५	०४	१२	२३	५७	२२	४५	सिंहे ९।०४	१४	१०	३	भ. १२।२३ या., कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः, F
१२	बु	९	५२	१०	१७	मघा	३/५८	३९/४९	७/२९	४८/५२	गं	३९	४६	२२	१५	बा	९	५२	१०	१७	३१/०१	२१	४५	सिंहे	१५	११	४	प्रदोषः, हरि दमनोत्सवः, मार्गी बुधः २४।३३, भर.-३ गुरुः १०।५२
१३	गु	३	०३	७	३३	उफा	५२	४७	२७	२६	वृ	३०	४५	१८	३८	तै	३	०३	७	३३	०५	१९	४६	कन्या ११।१८	१६	१२	५	भ. २८।१९ उ., जैन महावीर जयंती, शिव पूजन विशेषः
१४	गु	५४	५८	२८	१९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B वैशाख स्नानारंभः, चित्रान्नदानं भक्षणञ्च, मीने बुधः १३।४६
१५	शु	४६	०९	२४	४६	हस्त	४५	५८	२४	४२	ध्रु	२०	५६	१४	४१	वि	२०	३९	१४	३४	०९	१८	४६	कन्या	१७	१३	६	भ. १४।३४ या., मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च B

अयनांशाः २४।००।५६
५१ पं. चै.शु. ६ गु. इष्टघटी १४।५६
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	म.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	४	११	०	१	६	७	११
१४	११	०१	१८	०१	०३	१४	१४
४९	१६	३१	४१	१०	३८	१५	५३
११	३९	५५	३३	२६	३४	२२	४६
५९	११	३१	१३	५८	४	३	५९
१७	५३	४३	०५	१५	१५	११	१९
उभा	म	पूभा	भ	कृ	चि	अनु	उभा
४	४व	४व	२	२	४व	४	४



मार्च ता.	वा	रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि.	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२३	शु	११	०८	४७	५६	५९	३०	१	०७	३०	०८	६	४४	६	४७	३०	१०	५	४१	५	४५
२४	श	११	०९	४७	२६	५९	२८	१	३१	३०	११	६	४३	६	४७	३०	१३	५	४०	५	४५
२५	र	११	१०	४६	५४	५९	२६	१	५४	३०	१३	६	४२	६	४७	३०	१६	५	३९	५	४५
२६	चं	११	११	४६	२०	५९	२४	२	१८	३०	१६	६	४१	६	४८	३०	१९	५	३८	५	४६
२७	मं	११	१२	४५	४४	५९	२२	२	४१	३०	१९	६	४०	६	४८	३०	२३	५	३७	५	४६
२८	बु	११	१३	४५	०६	५९	२०	३	०५	३०	२१	६	४०	६	४८	३०	२६	५	३६	५	४७
२९	गु	११	१४	४४	२६	५९	१८	३	२८	३०	२४	६	३९	६	४८	३०	२९	५	३५	५	४७
३०	शु	११	१५	४३	४४	५९	१६	३	५२	३०	२७	६	३८	६	४९	३०	३२	५	३४	५	४७
३१	श	११	१६	४२	५९	५९	१४	४	१५	३०	२९	६	३७	६	४९	३०	३५	५	३३	५	४८
१	र	११	१७	४२	१३	५९	१२	४	३८	३०	३२	६	३६	६	४९	३०	३९	५	३२	५	४८
२	चं	११	१८	४१	२५	५९	१०	५	०१	३०	३५	६	३५	६	४९	३०	४२	५	३१	५	४८
३	मं	११	१९	४०	३४	५९	०७	५	२४	३०	३७	६	३५	६	५०	३०	४५	५	३१	५	४९
४	बु	११	२०	३९	४२	५९	०५	५	४७	३०	४०	६	३४	६	५०	३०	४८	५	३०	५	४९
५	गु	११	२१	३८	४७	५९	०४	६	१०	३०	४३	६	३३	६	५०	३०	५१	५	२९	५	४९
६	शु	११	२२	३७	५१	५९	०१	६	३३	३०	४५	६	३२	६	५०	३०	५५	५	२८	५	५०

मास फलम्

इस पक्ष में प्रतिपदा को शुक्र होने से सुभिक्ष हो। शुक्ला पंचमी की वृद्धि होने से सुभिक्ष हो। पूर्णिमा हस्त युक्त होने से समर्घता हो। कृत्तिका पर शुक्र होने से सरसों उड़द कम हों और सब धान्य उत्पन्न हों, अतिवृष्टि हो, नदियों में बहुत बाढ़ आवे। पूर्वाभाद्रपद में बुध होने से कहीं दुर्भिक्ष हो और कहीं क्षेम तथा आरोग्यता हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो। मीन राशि में बुध का उदय होने से अति वृष्टि से दुर्भिक्ष हो।

अयनांशाः २४।००।५७
५२ पं. चै.शु.१३ गु. इष्टघटी १५।१५
(रेल्वे घं. मि. १२।२५)

सू.	म.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	४	१०	०	१	६	७	११
२१	१०	२९	२०	०७	०३	१३	२१
५३	०९	५०	१४	४७	०८	५३	४८
२९	४८	४०	१६	१५	०३	०७	१३
५९	६	८	१३	५४	४	३	५९
०३	२४	१०	२६	२५	२९	११	०३
रे	म	पूभा	भ	कृ	चि	अनु	रे
२	४व	३	३	४	३व	४	२



वैशाख कृष्णपक्ष संवत २०६९, शाकः १९३४, ७ अप्रेल से २१ अप्रेल तक नवलगढ चंद्रः																									तारीख			वसंतर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति महा., अप्रेल २०१२
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	श	३७	०२	२१	०६	चित्रा	३८	५०	२१	४९	व्या	१०	३९	१०	३३	बा	११	३८	१०	५७	३१ १३	६ १७	६ ४७	तुला. ११।१६	१८	१४	७	रोहि. शुक्रः २३।३०
२	र	२८	०२	१७	२९	स्वा	३१	५०	१९	००	ह	० ५०	१८ ०९	६ २६	२३ २०	तै	२	३१	७	१७	१७	१६	४७	तुला.	१९	१५	८	भ. २७।४४ उ.
३	सो	१९	३३	१४	०४	विशा	२५	२२	१६	२४	सि	४०	३६	२२	३०	वि	१९	३३	१४	०४	२१	१५	४८	वृश्चि. ११।०१	२०	१६	९	भ. १४।०४ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।५६
४	मं	११	५४	११	००	अनु	१९	४८	१४	०९	व्य	३१	५३	१८	५९	बा	११	५४	११	००	२५	१४	४८	वृश्चि.	२१	१७	१०	अनुसूया जयंती
५	बु	५	२४	८	२३	ज्ये	१५	२४	१२	२३	व	२४	०९	१५	५३	तै	५	२४	८	२३	२९	१३	४९	धनु. १२।२३	२२	१८	११	[A १३।३६, मोक्षः १९।१८, अनु.-३ राहुः २२।२३, रोहि.-१ D
६	गु	०	१५	६	१८	मूल	१२	२४	११	०९	प	१७	३५	१३	१४	व	०	१५	६	१८	३३	१२	४९	धनु.	२३	१९	१२	भ. ६।१८ उ. १७।२९ या.
७	गु	५६	३४	२८	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[D केतुः २२।२३
८	शु	५४	३०	२७	५९	पूषा	१०	५४	१०	३३	शि	१२	१६	११	०५	बा	२५	२१	१६	१९	३७	११	५०	मक. १६।२९	२४	२०	१३	बूढो बास्योड़ो, मेषे अश्वि. रविः १८।३५ (सौरः २०।४६), B
९	श	५४	०२	२७	४७	उषा	१०	५९	१०	३३	सि	८	१३	९	२७	तै	२४	०६	१५	४८	४१	१०	५०	मक.	२५	२१	१४	मार्गी भौमः २०।१८ [B उभा. बुधः १९।३९
१०	र	५५	०३	२८	१०	श्रव	१२	३५	११	११	सा	५	२४	८	१९	व	२४	२२	१५	५४	४५	०९	५१	कुंभे २३।४३	२६	२२	१५	भ. १५।५४ उ. २८।१० या., पंचक प्रारम्भः २३।४३, पातस्पर्शः A
११	सो	५७	२८	२९	०७	धनि	१५	३८	१२	२३	शु	३	४६	७	३८	ब	२६	०७	१६	३५	४९	०८	५१	कुंभे	२७	२३	१६	वरुथिनि ११ व्र.स्मार्त
१२	मं	...	...	...	...	शत	१९	५८	१४	०६	शु	३	११	७	२३	कौ	२९	०८	१७	४६	५२	०७	५२	कुंभे	२८	२४	१७	वरुथिनि ११ व्र.वैष्ण.
१२	बु	१	०६	६	३२	पूभा	२५	२३	१६	१५	ब्र	३	३०	७	३०	तै	१	०६	६	३२	५६	०६	५२	मीने ९।४१	२९	२५	१८	प्रदोषः, भरः-४ गुरुः २६।१४
१३	गु	५	४०	८	२१	उभा	३१	४०	१८	४५	ऐ	४	३४	७	५४	व	५	४०	८	२१	३२ ००	०५	५३	मीने	३०	२६	१९	भ. ८।२१ उ. २१।२२ या., मासिकशिवरात्री व्र., सायन C
१४	शु	११	०१	१०	२८	रेव	३८	३६	२१	३०	वै	६	१३	८	३३	श	११	०१	१०	२८	०४	०४	५३	मेषे २१।३०	३१	२७	२०	पंचक समाप्तिः २१।३० [C वृषे भानुः २१।२४
३०	श	१६	५६	१२	४२	अश्वि	४६	०२	२४	२८	वि	८	२१	९	२३	ना	१६	५६	१२	४२	०८	०३	५४	मेषे	१	२८	२१	देवपितृकार्येऽमा., भा. वैशाखारंभः

अयनांशाः २४।००।५८
१ पं. बै.कृ. ८ शु. इष्टघटी ३०।५९
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	४	११	०	१	६	७	११
००	०९	०३	२२	१४	०२	१३	२९
००	४०	१७	०६	५६	३०	२६	५४
००	१४	४२	२६	१०	२९	५२	३८
५८	०	४३	१३	४८	४	३	५८
४६	०३	३९	४६	३८	३६	११	४४
अ	म	पूभा	भ	रो	चि	अनु	रे
१	३च	४	३	२	३च	४	४



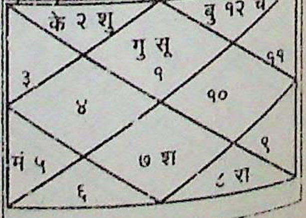
अप्रेल रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
७ श	११	२३	३६	५२	५८	५९	६	५५	३०	४८	६	३१	६	५०	३०	५८	५	२७	५	५०
८ र	११	२४	३५	५१	५८	५७	७	१८	३०	५०	६	३१	६	५१	३१	०१	५	२६	५	५०
९ चं	११	२५	३४	४९	५८	५५	७	४०	३०	५३	६	३०	६	५१	३१	०४	५	२५	५	५१
१० मं	११	२६	३३	४४	५८	५३	८	०२	३०	५६	६	२९	६	५१	३१	०७	५	२४	५	५१
११ बु	११	२७	३२	३७	५८	५१	८	२४	३०	५८	६	२८	६	५१	३१	१०	५	२३	५	५१
१२ गु	११	२८	३१	२९	५८	४९	८	४६	३१	०१	६	२७	६	५२	३१	१३	५	२२	५	५२
१३ शु	११	२९	३०	१८	५८	४७	९	०८	३१	०३	६	२७	६	५२	३१	१६	५	२२	५	५२
१४ श	०	००	२९	०५	५८	४५	९	३०	३१	०६	६	२६	६	५२	३१	२०	५	२१	५	५२
१५ र	०	०१	२७	५०	५८	४३	९	५१	३१	०८	६	२५	६	५२	३१	२३	५	२०	५	५३
१६ चं	०	०२	२६	३४	५८	४१	१०	१३	३१	११	६	२४	६	५३	३१	२६	५	१९	५	५३
१७ मं	०	०३	२५	१५	५८	३९	१०	३४	३१	१३	६	२४	६	५३	३१	२९	५	१८	५	५४
१८ बु	०	०४	२३	५४	५८	३७	१०	५५	३१	१६	६	२३	६	५३	३१	३२	५	१७	५	५४
१९ गु	०	०५	२२	३२	५८	३५	११	१५	३१	१८	६	२२	६	५४	३१	३५	५	१६	५	५४
२० शु	०	०६	२१	०७	५८	३४	११	३६	३१	२१	६	२२	६	५४	३१	३८	५	१६	५	५५
२१ श	०	०७	१९	४१	५८	३२	११	५६	३१	२३	६	२१	६	५४	३१	४१	५	१५	५	५५

संक्रांति फलम्

ता. १३ अप्रेल २०१२
वैशा. कृ. ८ भृगौ गे.वेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १८।३५ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्टान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित्कंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १२।३५ से २४।३५ तक । (दान- मेष) ।

अयनांशाः २४।००।५९
२ पं. बै.कृ.१४ शु. इष्टघटी ३१।१७
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	४	११	०	१	६	७	०
०६	०९	०९	२३	२०	०१	१३	०६
५०	५५	२७	४३	१६	५८	०४	४४
४३	०१	५३	२५	२९	१७	३७	५९
५८	४	६४	१३	४१	४	३	५८
३३	५५	०९	५८	४८	३४	११	३८
अ	म	उभा	भ	रो	चि	अनु	अ
३	३	२	४	४	३च	३	३



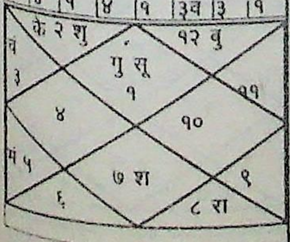
वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, २२ अप्रेल से ६ मई तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः ३८२, अप्रेल-मई २०१२

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	र	२३	१६	१५	२०	भर	५३	४६	२७	३२	प्री	१०	४६	१०	२०	ब	२३	१६	१५	२०	३२ ११	६ ०२	६ ५५	मेषे	२	२९	२२	चंद्रदर्शनम् (मु.१५)
२	सो	२९	४७	१७	५६	कृति	...	...	...	...	आ	१३	२४	११	२३	कौ	२९	४७	१७	५६	१५	०१	५५	वृषे १०।१९	३	१	२३	शिवाजी जयंती, जमादिलाखर ६
३	मं	३६	१७	२०	३१	कृति	१	३८	६	४०	सौ	१६	०३	१२	२५	तै	३	०५	७	१४	१९	००	५६	वृषे	४	२	२४	युगादि, कल्पादि, परशुराम जयंती, अक्षय तृतीया
४	बु	४२	१९	२२	५५	रोहि	९	१६	९	४२	शो	१८	२९	१३	२३	व	९	२४	९	४५	२२	५ ५९	५६	मिथु. २३।०८	५	३	२५	भ. ९।४५ उ. २२।५५ या., मृगे शुक्रः ९।२७
५	गु	४७	३१	२४	५९	मृग	१६	१७	१२	२९	अ	२०	२४	१४	०८	ब	१५	०५	१२	००	२६	५८	५७	मिथु.	६	४	२६	श्री आद्यशंकराचार्य जयंती, रेव. बुधः २१।२८
६	शु	५१	२४	२६	३१	आर्द्रा	२२	१५	१४	५२	सु	२१	२६	१४	३२	कौ	१९	४०	१३	४९	२९	५८	५७	मिथु.	७	५	२७	श्री रामानुज जयंती, भर. रविः १०।२५ (सौरः १३।००), B
७	श	५३	३४	२७	२२	पुन	२६	४४	१६	३८	धृ	२१	१८	१४	२८	ग	२२	४४	१५	०२	३३	५७	५८	कर्के १०।१५	८	६	२८	भ. २७।२२ उ., गंगोत्पत्ति, पातस्पर्शः २९।०४
८	र	५३	४४	२७	२६	पुष्य	२९	२४	१७	४	शू	१९	४५	१३	५०	वि	२३	५५	१५	३०	३६	५६	५८	कर्के	९	७	२९	भ. १५।३० या., पातमोक्षः ११।२४
९	सो	५१	५२	२६	४०	श्ले	३०	०४	१७	५७	गं	१६	३६	१२	३३	बा	२३	०५	१५	०९	४०	५५	५९	सिंहे १७।५७	१०	८	३०	सीता ९, [गुरोरस्तः पश्चिमायाम् २४।१९]
१०	मं	४७	५८	२५	०५	मघा	२८	४२	१७	२३	वृ	११	४७	१०	३७	तै	२०	१०	१३	५८	४३	५४	७ ००	सिंहे	११	९	१	मई ५ ता. ३१ [B अगस्त्यास्तः २५।५६
११	बु	४२	१५	२२	४७	पूफा	२	२८	१६	०५	ध्रु	५ ५७	२५ ३५	८ २८	०३ ५५	व	१५	२०	१२	०२	४७	५३	००	कन्या २१।३९	१२	१०	२	भ. १२।०२ उ. २२।४७ या., मोहिनी ११ व्र.
१२	गु	३५	०२	१९	५३	उफा	२०	३७	१४	०७	ह	४८	३८	२५	२०	ब	८	४९	९	२४	५०	५३	०१	कन्या	१३	११	३	कृति.-१ गुरुः ७।३४
१३	शु	२६	३९	१६	३२	हस्त	१४	३०	११	४०	व	३८	४९	२१	२३	कौ	०	५९	६	१५	५३	५२	०१	तुला. २२।१८	१४	१२	४	प्रदोषः, नृसिंह १४ [A बुधः २३।०३
१४	श	१७	३२	१२	५२	चित्रा	७	३३	८	५२	सि	२८	२७	१७	१४	व	१७	३२	१२	५२	५७	५१	०२	तुला.	१५	१३	५	भ. १२।५२ उ. २२।५९ या., कूर्मोत्पत्तिः, पूर्णिमा व्रतं, मेषे अश्वि. A
१५	र	८	०६	९	०५	स्वा	० ५२	१० ४७	५ २६	५५ ५७	व्य	१७	५४	१३	००	ब	८	०६	९	०५	३३ ००	५०	०२	वृश्चि. २११४१	१६	१४	६	पूर्णिमा पुण्यं, वैशाखस्नानपूर्त्तिः, धर्म प्रीत्यर्थं जलकुंभदानं

गुरोरस्तः

अयनांशाः २४।०१।००
३ पं. वै.शु. ६ शु. इष्टघटी ३१।३३
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	४	११	०	१	६	७	०
१३	१०	१७	२५	२४	०१	१२	१३
३९	४३	४९	२१	४४	२६	४२	३३
५१	०३	१४	३८	२५	३७	२२	३२
५८	९	८१	१४	३३	४	३	५८
१९	२२	१३	०६	०८	२६	११	१३
भ	म	रे	भ	मृ	चि	अनु	भ
१	४	१	४	१	३व	३	१



ता.	वा.	अप्रेल रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२२	र	०	०८	१८	१२	५८	३०	१२	१७	३१	२६	६	२०	६	५४	३१	४३	५	१४	५	५५
२३	चं	०	०९	१६	४२	५८	२८	१२	३७	३१	२८	६	२०	६	५५	३१	४६	५	१३	५	५६
२४	मं	०	१०	१५	१०	५८	२६	१२	५७	३१	३०	६	१९	६	५५	३१	४९	५	१३	५	५६
२५	बु	०	११	१३	३६	५८	२४	१३	१६	३१	३३	६	१८	६	५५	३१	५२	५	१२	५	५७
२६	गु	०	१२	१२	००	५८	२२	१३	३६	३१	३५	६	१८	६	५६	३१	५५	५	११	५	५७
२७	शु	०	१३	१०	२२	५८	२०	१३	५५	३१	३७	६	१७	६	५६	३१	५८	५	१०	५	५७
२८	श	०	१४	०८	४२	५८	१९	१४	१४	३१	४०	६	१६	६	५६	३२	०१	५	१०	५	५८
२९	र	०	१५	०७	०१	५८	१७	१४	३२	३१	४२	६	१६	६	५७	३२	०३	५	०९	५	५८
३०	चं	०	१६	०५	१८	५८	१५	१४	५१	३१	४४	६	१५	६	५७	३२	०६	५	०८	५	५९
१	मं	०	१७	०३	३३	५८	१३	१५	०९	३१	४६	६	१५	६	५७	३२	०९	५	०८	५	५९
२	बु	०	१८	०१	४६	५८	११	१५	२७	३१	४९	६	१४	६	५७	३२	११	५	०७	६	००
३	गु	०	१८	५९	५७	५८	१०	१५	४५	३१	५१	६	१४	६	५८	३२	१४	५	०६	६	००
४	शु	०	१९	५८	०७	५८	०८	१६	०२	३१	५३	६	१३	६	५८	३२	१७	५	०६	६	००
५	श	०	२०	५६	१५	५८	०६	१६	१९	३१	५५	६	१२	६	५९	३२	१९	५	०५	६	०१
६	र	०	२१	५४	२१	५८	०५	१६	३६	३१	५७	६	१२	६	५९	३२	२२	५	०५	६	०१

मास फलम्

इस माह मे पांच शनिवार होने से महँगाई हो। पांच रविवार होने से वर्षा के गर्भ को बिगाड़ते है यथा- ॥पंचार्कयोगे वैशाखे वृष्टिगर्भविनाशकः॥ कृ. चतुर्दशी को शुक्रवार होने से पृथ्वी पर अन्नोत्पत्ति उत्तम हो। शनिवारी अमावस होने से दुर्भिक्ष हो, वैशाखी अमावस को अश्विनी होने से महर्ध-समर्ध मध्यम हो। शुक्ला ३ को कृतिका होने से मध्यम वर्ष जानना। शुक्ला पंचमी को गुरुवार होने से सुभिक्ष हो, पूर्णिमा स्वाति युक्त होने से दुर्भिक्ष हो, विशाखा का क्षय होने से महँगाई हो। प्रजासुखी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे।

अयनांशाः २४।०१।०१
४ पं. वै.शु.१३ शु. इष्टघटी ३१।४७
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	४	११	०	१	६	७	०
२०	१२	२८	२७	२८	००	१२	२०
२७	००	०४	००	०४	५६	२०	२०
३०	३७	५५	४०	१५	१९	०६	२०
५८	१३	९६	१४	२१	४	३	५७
०७	१६	३८	११	५४	१०	११	५९
भ	म	रे	कृ	मृ	चि	अनु	भ
३	४	४	१	२	३व	३	३



ज्येष्ठ कृष्णपक्ष संवत २०६९, शाकः १९३४, ७ मई से २० मई तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | ग्रीष्मर्त्तु रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति महा., मई २०१२

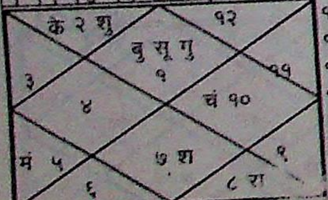
इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.
१	र	५८	४३	२९	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	सो	४९	४९	२५	४५	अनु	४५	५२	२४	११	व	७/५७	२९/२८	८/२८	४९/४९	तै	२४	१२	१५	३०	३३/०३	५/५०	७/०३	वृश्चि.	१७	१५	७
३	मं	४९	४६	२२	३१	ज्ये	३९	४६	२१	४४	शि	४८	०४	२५	०७	व	१५	४१	१२	०५	०६	४९	०४	धनु. २१।४४	१८	१६	८
४	बु	३४	५३	१९	४६	मूल	३४	५१	१९	४५	सि	४०	०१	२१	४९	ब	८	१०	९	०४	०९	४८	०४	धनु.	१९	१७	९
५	गु	२९	२९	१७	३५	पूषा	३१	२३	१८	२१	सा	३३	०३	१९	०१	कौ	२	००	६	३६	१३	४८	०५	मक. २४।०६	२०	१८	१०
६	शु	२५	४७	१६	०६	उषा	२९	३८	१७	३८	शु	२७	२८	१६	४६	व	२५	४७	१६	०६	१६	४७	०५	मक.	२१	१९	११
७	श	२३	५७	१५	२१	श्रव	२९	४४	१७	४०	शु	२३	२४	१५	०८	ब	२३	५७	१५	२१	१९	४६	०६	मक.	२२	२०	१२
८	र	२४	००	१५	२२	घनि	३१	४२	१८	२७	ब्र	२०	५०	१४	०६	कौ	२४	००	१५	२२	२१	४६	०६	कुंभे ५।५८	२३	२१	१३
९	सो	२५	५४	१६	०७	शत	३५	२६	१९	५६	ऐ	१९	४३	१३	३८	ग	२५	५४	१६	०७	२४	४५	०७	कुंभे	२४	२२	१४
१०	मं	२९	२५	१७	३१	पूभा	४०	४२	२२	०२	वै	१९	५२	१३	४२	वि	२९	२५	१७	३१	२७	४५	०८	मीने १५।२७	२५	२३	१५
११	बु	३४	१३	१९	२६	उभा	४७	०९	२४	३६	वि	२१	०५	१४	१०	ब	१	४२	६	२५	३०	४४	०८	मीने	२६	२४	१६
१२	गु	३९	५६	२१	४२	रेव	५४	२४	२७	२९	ध्री	२३	०२	१४	५७	कौ	७	००	८	३२	३३	४४	०९	मेषे २७।२९	२७	२५	१७
१३	शु	४६	०९	२४	११	अश्वि	…	…	…	…	आ	२५	२८	१५	५४	ग	१३	०१	१०	५६	३५	४३	०९	मेषे	२८	२६	१८
१४	श	५२	३४	२६	४४	अश्वि	२	०५	६	३३	सौ	२८	०७	१६	५७	वि	१९	२३	१३	२८	३८	४३	१०	मेषे	२९	२७	१९
३०	र	५८	५४	२९	१६	भर	९	५९	९	३९	शो	३०	४६	१८	०१	च	२५	४६	१६	०१	४०	४२	१०	वृषे १६।२५	३०	२८	२०

[A ३०, वट सावित्री व्र. (मरु.), सायन मिथुने भानुः २०।३३, C
नारद जयंती, वीणादानं, टैगोर जयन्ती
भ. १२।०५ उ. २२।३१ या. [C कृत्ति. बुधः ७।०८
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।४१
पातस्पर्शः १६।१२, मोक्षः २४।१५, कृत्ति. रविः २८।३६, पूफा. B
भ. १६।०६ उ. २७।३८ गा., कृत्ति.सौरः ७।५९, मिथुने शुक्रः २८।११
[B भौमः ६।४९, बुधास्तः पूर्वस्याम् २५।३२
पंचक प्रारम्भः ५।५८, भर. बुधः १३।०३
भ. २८।४४ उ., वृषे रविः १५।२९ (सौरः १९।०७)
भ. १७।३१ या., वक्री शुक्रः २६।५९
अपरा ११ व्र. [D शनिः १४।२६
पंचक समाप्तिः २७।२९, वृषे कृत्ति.-२ गुरुः ९।२९
भ. २४।११ उ., प्रदोषः, (व) वृषे शुक्रः २३।५८
भ. १३।२८.या., मासिकशिवरात्री व्र., (व) कन्यायां चित्रा.-२ D
शनैश्चर जयन्ती, देवपितृकार्येऽमा., बटपूजनम् मरुस्थले, भाऊका A

अयनांशाः २४।०१।०२
५ पं. ज्ये.कृ. ६ शु. इष्टघटी ३१।५९
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	४	०	०	१	६	७	०
२७	१३	१०	२८	२९	००	११	२७
१३	४३	०३	४०	५६	२८	५७	०५
४५	५९	२२	०७	४२	०९	५१	३१
५७	१६	११०	१४	७	३	३	५७
५६	४०	१८	१३	४४	४३	११	४५
कृ १	पूफा १	अ ४	कृ १	मृ २	चि ३व	अनु ३	कृ १



मई ता.	वा	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
७	चं	०	२२	५२	२६	५८	०३	१६	५३	३१	५९	६	१२	६	५९	३२	२४	५	०४	६	०२
८	मं	०	२३	५०	२९	५८	०१	१७	०९	३२	०१	६	११	७	००	३२	२७	५	०३	६	०२
९	बु	०	२४	४८	३०	५८	००	१७	२५	३२	०३	६	११	७	००	३२	२९	५	०३	६	०३
१०	गु	०	२५	४६	३०	५७	५८	१७	४१	३२	०५	६	१०	७	००	३२	३२	५	०२	६	०३
११	शु	०	२६	४४	२८	५७	५७	१७	५७	३२	०७	६	१०	७	०१	३२	३४	५	०२	६	०३
१२	श	०	२७	४२	२५	५७	५५	१८	१२	३२	०९	६	०९	७	०१	३२	३६	५	०१	६	०४
१३	र	०	२८	४०	२०	५७	५३	१८	२७	३२	११	६	०९	७	०१	३२	३९	५	०१	६	०४
१४	चं	०	२९	३८	१३	५७	५२	१८	४१	३२	१३	६	०९	७	०२	३२	४१	५	००	६	०५
१५	मं	१	००	३६	०५	५७	५०	१८	५५	३२	१५	६	०८	७	०२	३२	४३	५	००	६	०५
१६	बु	१	०१	३३	५६	५७	४९	१९	०९	३२	१७	६	०८	७	०२	३२	४५	५	००	६	०६
१७	गु	१	०२	३१	४५	५७	४८	१९	२३	३२	१८	६	०८	७	०३	३२	४७	४	५९	६	०६
१८	शु	१	०३	२९	३२	५७	४६	१९	३६	३२	२०	६	०७	७	०३	३२	५०	४	५९	६	०७
१९	श	१	०४	२७	१९	५७	४५	१९	४९	३२	२२	६	०७	७	०४	३२	५२	४	५८	६	०७
२०	र	१	०५	२५	०३	५७	४३	२०	०२	३२	२३	६	०७	७	०४	३२	५४	४	५८	६	०८

संक्रांति फलम्

ता. १४ मई २०१२
ज्ये. कृ. ९ चंद्रे वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १५।२९ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुस्वदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुस्वदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः गरकरणे प्र[illegible]ष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं स्वरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पाताले विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) ९।०५ से १५।२९ तक। (दान- गौ)।

अयनांशाः २४।०१।०३
६ पं. ज्ये.कृ.१३ शु. इष्टघटी ३२।०९
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	४	०	१	२	६	७	१
०३	१५	२३	००	००	००	११	०३
५८	४९	३२	१९	०२	०२	३५	४९
४४	४६	४५	३५	००	४६	३५	११
५७	१९	१२२	१४	८	३	३	५७
४५	३७	२८	११	५२	२२	११	३३
कृ ३	पूफा १	भ ४	कृ २	मृ ३व	चि ३व	अनु ३	कृ ३



ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत २०६९, शाकः १९३४, २१ मई से ४ जून तक नवलगढ चंद्रः तारीख

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.
१	सो	…	…	…	…	कृति	१७	३०	१२	४२	अ	३३	१६	११	००	कि	३१	५८	१८	२९	३३ / ४३	५ / ४२	७ / ११	वृषे	३१	२९	२१
१	मं	४	५७	७	४०	रोहि	२४	४८	१५	३७	सु	३५	२८	१९	५३	ब	४	५७	७	४०	४५	४१	११	मिथु. २१।००	१	३०	२२
२	बु	१०	२८	९	५२	मृग	३१	३४	१८	१८	धृ	३७	१२	२०	३४	कौ	१०	२८	९	५२	४८	४१	१२	मिथु.	२	१	२३
३	गु	१५	१४	११	४६	आर्द्रा	३७	३०	२०	४१	शू	३८	१५	२०	५९	ग	१५	१४	११	४६	५०	४१	१३	मिथु.	३	२	२४
४	शु	१८	५८	१३	१६	पुन	४२	२१	२२	३७	गं	३८	२७	२१	०३	वि	१८	५८	१३	१६	५२	४०	१३	कर्के १६।१०	४	३	२५
५	श	२१	२३	१४	१३	पुष्य	४५	५०	२४	००	वृ	३७	३४	२०	४२	बा	२१	२३	१४	१३	५४	४०	१४	कर्के	५	४	२६
६	र	२२	१७	१४	३४	श्ले	४७	४६	२४	४६	ध्रु	३५	२७	१९	५०	तै	२२	१७	१४	३४	५६	४०	१४	सिंहे २४।४६	६	५	२७
७	सो	२१	२९	१४	१५	मघा	४८	०१	२४	५२	व्या	३२	००	१८	२७	व	२१	२९	१४	१५	५८	३९	१५	सिंहे	७	६	२८
८	मं	१९	००	१३	१५	पूफा	४६	३६	२४	१८	ह	२७	१०	१६	३१	ब	१९	००	१३	१५	३४ / ००	३९	१५	सिंहे	८	७	२९
९	बु	१४	५१	११	३५	उफा	४३	३७	२३	०६	व	२१	०२	१४	०४	कौ	१४	५१	११	३५	०२	३९	१६	कन्या ६।०३	९	८	३०
१०	गु	९	१२	९	१९	हस्त	३९	१४	२१	२०	सि	१३	४०	११	०७	ग	९	१२	९	१९	०४	३९	१६	कन्या	१०	९	३१
११	शु	२	१७	६	३३	चित्रा	३३	४२	१९	०७	व्य	५ / ५६	१६ / ०३	७ / २८	४५ / ०४	वि	२	१७	६	३३	०५	३८	१७	तुला. ८।१७	११	१०	१
१२	शु	५४	२०	२७	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१३	श	४५	४३	२३	५६	स्वा	२७	२२	१६	३५	प	४६	१५	२४	०८	कौ	२०	०६	१३	४१	०७	३८	१७	तुला.	१२	११	२
१४	र	३६	४६	२०	२१	विशा	२०	३३	१३	५१	शि	३६	१२	२०	०७	ग	११	१६	१०	०९	०९	३८	१८	वृश्चि. ८।३३	१३	१२	३
१५	सो	२७	४९	१६	४६	अनु	१३	३८	११	०५	सि	२६	०८	१६	०५	वि	२	१६	६	३३	१०	३८	१८	वृश्चि.	१४	१३	४

ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः ४११, मई-जून २०१२

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

- २१ भाऊका-करिदिन, वृषे बुधः २१।२५
- २२ चंद्रदर्शनम् (मु.३०), करिदिनं, श्री गंगादशाश्वमेधस्नान प्रा., C
- २३ रंभा व्रतं, रह्लाव ७, पातस्पर्शः १७।४६ [C भा. ज्येष्ठारंभः
- २४ भ. २४।३५ उ., प्रताप जयंती, पातमोक्षः १०।०५, रोहि. D
- २५ भ. १३।१६ या. [D रविः २४।५१ (सौरः २९।२४)
- २६ रोहि. बुधः १२।४३
- २७ [A व्र., कबीर जयंती, ज्येष्ठी योगः, मिथुने बुधः १७।३३
- २८ भ. १४।१५ उ. २५।५० या.
- २९ दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती
- ३० [गुरोरुदयः पूर्वस्याम् १२।४७]
- ३१ भ. २०।०० उ., गंगा दशहरा व्र., कृत्ति. ३ गुरुः १३।३०
- १ भ.. ६।३३ या., निर्जला ११ व्र., [शुक्रास्तः पश्चिमायाम् २९।४८] B
- ० [B जून ६ ता. ३०, मृगे बुधः १४।२८,
- २ प्रदोषः, वट सावित्री व्रतारंभः
- ३ भ. २०।२१ उ., (व) रोहि. शुक्रः १७।३५
- ४ भ. ६।३३ या., मन्वादि, गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, अब्द साध्य A

गुरोरुदयः

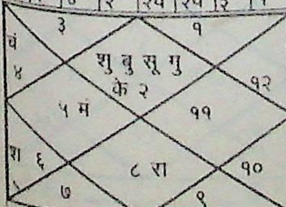
शुक्रास्तः

अयनांशाः २४।०१।०३

७ पं. ज्ये.शु. ४ शु. इष्टघटी ३२।१६

(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	४	१	१	१	५	७	१
१०	१८	०८	०१	२८	२९	११	१०
४२	१४	२०	५८	०९	४०	१३	३१
३४	५७	३७	३९	०५	४८	२०	३०
५७	२२	१३९	१४	२५	२	३	५७
३६	१०	२६	०६	२४	५०	११	२२
रो	पूफा	कृ	कृ	मृ	चि	अनु	रो
१	२	४	२	२व	२व	३	१



मई ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम रा.	अं.	क.	वि.	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२१	चं	१	०६	२२	४७	५७	४२	२०	१४	३२	२५	६	०६	७	०४	३२	५६	४	५८	६	०८
२२	मं	१	०७	२०	२९	५७	४१	२०	२६	३२	२६	६	०६	७	०५	३२	५७	४	५७	६	०८
२३	बु	१	०८	१८	१०	५७	३९	२०	३७	३२	२८	६	०६	७	०५	३२	५९	४	५७	६	०९
२४	गु	१	०९	१५	४९	५७	३८	२०	४९	३२	२९	६	०६	७	०६	३३	०१	४	५७	६	०९
२५	शु	१	१०	१३	२७	५७	३७	२१	००	३२	३१	६	०६	७	०६	३३	०३	४	५७	६	१०
२६	श	१	११	११	०४	५७	३६	२१	१०	३२	३२	६	०५	७	०६	३३	०४	४	५६	६	१०
२७	र	१	१२	०८	४०	५७	३५	२१	२०	३२	३४	६	०५	७	०७	३३	०६	४	५६	६	११
२८	च	१	१३	०६	१५	५७	३३	२१	३०	३२	३५	६	०५	७	०७	३३	०८	४	५६	६	११
२९	मं	१	१४	०३	४८	५७	३२	२१	३९	३२	३६	६	०५	७	०७	३३	०९	४	५६	६	१२
३०	बु	१	१५	०१	२१	५७	३१	२१	४८	३२	३७	६	०५	७	०८	३३	११	४	५६	६	१२
३१	गु	१	१५	५८	५२	५७	३०	२१	५७	३२	३८	६	०५	७	०८	३३	१२	४	५६	६	१२
१	शु	१	१६	५६	२२	५७	२९	२२	०५	३२	४८	६	०५	७	०९	३३	१३	४	५५	६	१३
२	श	१	१७	५३	५१	५७	२८	२२	१३	३२	४१	६	०५	७	०९	३३	१५	४	५५	६	१३
३	र	१	१८	५१	१९	५७	२७	२२	२१	३२	४२	६	०५	७	०९	३३	१६	४	५५	६	१४
४	चं	१	१९	४८	४६	५७	२६	२२	२८	३२	४३	६	०५	७	१०	३३	१७	४	५५	६	१४

मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो ! कृष्णा प्रतिपदा को सोमवार होने से समर्धता हो। कृष्णा द्वादशी में रेवती होने से कष्ट हो। अमावस को रविवार होने से सन्ताप और भरणी योग सुभिक्ष और सुखद है। शुक्ला प्रतिपदा की वृद्धि होने से सुभिक्ष हो । ज्येष्ठ सुदी तीज को आर्द्रा में वर्षा हो तो दुर्भिक्ष करे । पूर्णिमा अनुराधा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो । सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणें की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो ।

अयनांशाः २४।०१।०४

८ पं. ज्ये.शु.११ शु. इष्टघटी ३२।२०

(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	४	१	१	१	५	७	१
१७	२०	२३	०३	२४	२९	१०	१७
२५	५६	४२	३६	३२	२२	५१	१२
२५	५७	२६	५७	४३	४३	०४	३७
५७	२४	१२९	१३	३६	२	३	५७
२९	२३	१५	५७	४१	१४	११	१३
रो	पूफा	मृ	कृ	मृ	चि	अनु	रो
३	३	१	३	१व	२व	३	३



आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, ५ जून से १९ जून तक नवलगढ चंद्रः																										तारीख			ग्रीष्मर्त्तू रविरुत्तरे ज्येष्ठकृष्णोति महा., जून २०१२
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	मं	१९	१६	१३	२०	ज्ये	७	००	८	२६	सा	१६	२४	१२	११	कौ	१९	१६	१३	२०	३४ १२	५ ३८	७ १९	धनु.	८।२६	१५	१४	५	बुधोदयः पश्चिमायाम् २५।०८
२	बु	११	२८	१०	१३	मूल	१ ५६	०३ ०९	६ २८	०३ ०६	शु	७ ५२	१६ ०५	८ २२	३२ १६	ग	११	२८	१०	१३	१३	३८	१९	धनु.		१६	१५	६	भ. २०।४९ उ.
३	गु	४	४८	७	३३	उषा	५२	४२	२६	४३	ब्र	५२	०४	२६	२७	वि	४	४८	७	३३	१४	३८	१९	मक.	९।४१	१७	१६	७	भ. ७।३३ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०८, मृगे रविः २२।४५ B
४	गु	५९	३७	२९	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[B (सौरः २८।४९), आर्द्रा. बुधः २४।१५
५	शु	५६	११	२८	०६	श्रव	५०	५९	२६	०१	ऐ	४६	२९	२४	१३	कौ	२७	३९	१६	४१	१५	३८	२०	मक.		१८	१७	८	[A (सौरः २९।०४), उफा. भौमः २२।३७, कृत्ति.-४ गुरुः २५।२९
६	श	५४	४४	२७	३१	धनि	५१	१२	२६	०७	वै	४२	२८	२२	३७	ग	२५	१२	१५	४३	१६	३८	२०	कुंभे	१३।५८	१९	१८	९	भ. २७।३१ उ., पंचक प्रारम्भः १३।५८
७	र	५५	२२	२७	४६	शत	५३	२७	२७	००	वि	४०	०५	२१	४०	वि	२४	४७	१५	३३	१७	३८	२१	कुंभे		२०	१९	१०	भ. १५।३३ या.
८	सो	५७	५७	२८	४८	पूभा	५७	३७	२८	४१	प्री	३९	१७	२१	२१	बा	२६	२५	१६	१२	१८	३८	२१	मीने	२२।१२	२१	२०	११	[शुक्रोदयः पूर्वस्याम् १८।३६] शुक्रोदयः
९	मं	...	...	...	...	उभा	...	...	...	...	आ	३९	५४	२१	३६	तै	२९	५३	१७	३५	१९	३८	२१	मीने		२२	२१	१२	
९	बु	२	१३	६	३१	उभा	३	२६	७	००	सौ	४१	३७	२२	१७	ग	२	१३	६	३१	२०	३८	२२	मीने		२३	२२	१३	भ. ११।३४ उ.
१०	गु	७	४५	८	४४	रेव	१०	२७	९	४९	शो	४४	०३	२३	१५	वि	७	४५	८	४४	२०	३८	२२	मेषे	९।४९	२४	२३	१४	भ. ८।४४ या., पंचक समाप्तिः ९।४९, मिथुने रविः २२।१० A
११	शु	१४	०१	११	१५	अश्वि	१८	१०	१२	५४	अ	४६	४७	२४	२१	बा	१४	०१	११	१५	२१	३८	२२	मेषे		२५	२४	१५	योगिनी ११ व्र., पुन. बुधः ६।४४
१२	श	२०	२९	१३	५०	भर	२६	०१	१६	०२	सु	४९	३१	२५	२७	तै	२०	२९	१३	५०	२१	३८	२३	वृषे	२२।४९	२६	२५	१६	प्रदोषः
१३	र	२६	४१	१६	११	कृति	३३	३६	१९	०४	धृ	५१	५५	२६	२४	व	२६	४१	१६	११	२२	३८	२३	वृषे		२७	२६	१७	भ. १६।११ उ. २९।२८ या., मासिकशिवरात्री व्र., अनु.-२ C
१४	सो	३२	११	१८	३४	रोहि	४०	३६	२१	५३	शू	५३	४९	२७	१०	श	३२	११	१८	३४	२२	३८	२३	वृषे		२८	२७	१८	[C राहुः २०।०६, कृत्ति.-४ केतुः २०।०६
३०	मं	३७	०९	२०	३०	मृग	४६	५०	२४	२३	गं	५५	०६	२७	४१	च	४	५०	७	३५	२२	३९	२३	मिथु.	११।१०	२९	२८	१९	देवपितृकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।०१।०५
९ पं. आ.कृ. ५ शु. इष्टघटी ३२।२२
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	४	२	१	१	५	७	१
२४	२३	०८	०५	२०	२९	१०	२३
०७	५३	०९	१४	०६	०८	२८	५२
२५	३७	५९	०५	४८	५६	४९	४५
५७	२६	५११५	१३	३७	१	३	५७
२२	१९	३५	४५	२८	३६	११	०५
मृ	पूफा	आ	कृ	रो	चि	अनु	मृ
१	४	१	३	४व	२व	३	१



जून	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
५ मं	१	२०	४६	१२	५७	२५	२२	३४	३२	४३	६	०५	७	१०	३३	१८	४	५५	६	१४
६ बु	१	२१	४३	३८	५७	२४	२२	४१	३२	४४	६	०५	७	१०	३३	१९	४	५५	६	१५
७ गु	१	२२	४१	०२	५७	२३	२२	४६	३२	४५	६	०५	७	११	३३	२०	४	५५	६	१५
८ शु	१	२३	३८	२५	५७	२३	२२	५२	३२	४६	६	०५	७	११	३३	२१	४	५५	६	१५
९ श	१	२४	३५	४८	५७	२२	२२	५७	३२	४७	६	०५	७	११	३३	२२	४	५५	६	१६
१० र	१	२५	३३	१०	५७	२१	२३	०२	३२	४७	६	०५	७	१२	३३	२३	४	५५	६	१६
११ चं	१	२६	३०	३१	५७	२०	२३	०६	३२	४८	६	०५	७	१२	३३	२३	४	५५	६	१७
१२ मं	१	२७	२७	५१	५७	२०	२३	१०	३२	४८	६	०५	७	१२	३३	२४	४	५५	६	१७
१३ बु	१	२८	२५	११	५७	१९	२३	१३	३२	४९	६	०५	७	१३	३३	२४	४	५५	६	१७
१४ गु	१	२९	२२	३०	५७	१८	२३	१६	३२	४९	६	०५	७	१३	३३	२५	४	५६	६	१७
१५ शु	२	००	१९	४८	५७	१८	२३	१९	३२	४९	६	०५	७	१३	३३	२५	४	५६	६	१८
१६ श	२	०१	१७	०५	५७	१७	२३	२१	३२	५०	६	०६	७	१३	३३	२६	४	५६	६	१८
१७ र	२	०२	१४	२२	५७	१६	२३	२३	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१८
१८ चं	२	०३	११	३९	५७	१६	२३	२५	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९
१९ मं	२	०४	०८	५५	५७	१५	२३	२६	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९

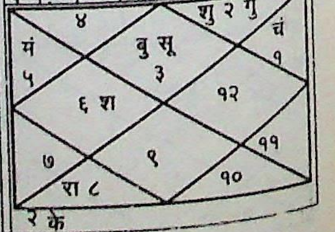
संक्रांति फलम्

ता. १४ जून २०१२

आषा. कृ. १० गुरौ मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २२।१० वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः बालवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं व्याघ्रवाहनं अश्वोपवाहनं भीतिकारक पीतवस्त्रं गदायुधं रौप्यपात्रं पायसभक्षणं कुंकुमलेपनं भूतजातिः जातिपुष्पं कंकणभूषणं पर्णकंचुकी कुमारिकावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २२।१० से २८।३४ तक। (दान- वस्त्रान्न)।

अयनांशाः २४।०१।०६
१० पं. आ.कृ.११ शु. इष्टघटी ३२।२१
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	४	२	१	१	५	७	२
००	२७	२०	०६	१६	२८	१०	००
४८	०३	४९	४९	०९	५९	०६	३२
४५	०७	४८	३९	३९	४२	३४	०४
५७	२८	९९	१३	२७	०	३	५७
१७	०२	००	३०	२३	५६	११	००
मृ	उफा	पुन	कृ	रो	चि	अनु	मृ
३	१	१	४	२व	२व	३	३



आषाढ शुक्लपक्ष संवत २०६९, शाकः १९३४, २० जून से ३ जुलाई तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | ग्रीष्मर्त्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ४४१, जून-जुलाई २०१२

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	
१	बु	४१	०५	२२	०५	आर्द्रा	५२	१०	२६	३१	वृ	५५	३७	२७	५४	किं	९	१५	९	२१	३४ २२	५ ३९	७ २४	मिथु.	३०	२९	२०	सायन कर्के भानुः, सायन दक्षिणायन प्रारम्भ २८।३३
२	गु	४३	५९	२३	१५	पुन	५६	२९	२८	१५	ध्रु	५५	२९	२७	४७	बा	१२	४०	१०	४३	२२	३९	२४	कर्के २१।५१	३१	३०	२१	चंद्रदर्शनम् (मु.४५), श्री जगदीश रथ यात्रा, आर्द्रा. रविः २१।४७ B
३	शु	४५	४४	२३	५७	पुष्य	५९	४१	२९	३१	व्या	५४	१०	२७	१९	तै	१५	००	११	३९	२२	३९	२४	कर्के	१	१	२२	भा. आषाढारंभः, सावान ८
४	श	४६	१८	२४	११	श्ले	...	...	...	...	ह	५२	०१	२६	२८	व	१६	१०	१२	०८	२२	३९	२४	कर्के	२	२	२३	भ. १२।०८ उ. २४।११ या., पुष्ये बुधः २७।३५
५	र	४५	३७	२३	५४	श्ले	१	४०	६	२०	व	४८	५३	२५	१३	ब	१६	०७	१२	०६	२२	४०	२४	सिंहे ६।२०	३	३	२४	[B (सौरः २९।३५), कन्यायां भौमः २२।५९, कर्के बुधः १६।५८, D
६	सो	४३	३९	२३	०८	मघा	२	२६	६	३८	सि	४४	४५	२३	३४	कौ	१४	४७	११	३५	२१	४०	२५	सिंहे	४	४	२५	स्कंध षष्ठी, मार्गी शनिः २९।४०
७	मं	४०	३०	२१	५२	पूफा	१	५८	६	२८	व्य	३९	३८	२१	३२	ग	१२	१३	१०	३३	२१	४०	२५	कन्या १२।२०	५	५	२६	भ. २१।५२ उ. [D अयन करिदिन
८	बु	३६	१०	२०	०९	उफा	० ५७	१९ ३४	५ २८	४८ ४२	व	३३	३५	१९	०७	वि	८	२९	९	०४	२०	४१	२५	कन्या	६	६	२७	भ. ९।०४ या.
९	गु	३०	५०	१८	०१	चित्रा	५३	४९	२७	१२	प	२६	४०	१६	२१	बा	३	३७	७	०८	२०	४१	२५	तुला. १६।००	७	७	२८	भड़ली ९, मार्गी शुक्रः १२।२८
१०	शु	२४	३३	१५	३१	स्वा	४९	१२	२५	२२	शि	१९	००	१३	१७	ग	२४	३३	१५	३१	१९	४१	२५	तुला.	८	८	२९	भ. २६।०९ उ., मन्वादि, आशा दशमी, रोहि.-१ गुरुः २८।५५
११	श	१७	३२	१२	४३	विशा	४३	५७	२३	१६	सि	१०	४२	९	५८	वि	१७	३२	१२	४३	१८	४२	२५	वृश्चि. १७।४९	९	९	३०	भ. १२।४३ या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास व्रतारंभः, C
१२	र	१०	००	९	४२	अनु	३८	१६	२१	००	सा	१ ५२	५५ ५२	६ २६	२८ ५१	बा	१०	००	९	४२	१८	४२	२५	वृश्चि.	१०	१०	१	प्रदोषः, श्रावणे वर्जयेच्छाकम्, जुलाई ७ ता. ३१
१३	सो	२	०९	६	३४	ज्ये	३२	२६	१८	४१	शु	४३	४७	२३	१३	तै	२	०९	६	३४	१७	४२	२५	धनु. १८।४१	११	११	२	भ. २७।२७ उ. [C गोपद्मव्रतोद्यापनं, हरिवासरः २३।१६ से २८।४३
१४	सो	५४	२१	२७	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A गोपद्मव्रतारंभ, व्यासपूजा, गुरु पूर्णिमा, आषाढी योगः
१५	मं	४६	५१	२४	२७	मूल	२६	४९	१६	२६	ब्र	३४	५५	१९	४१	वि	२०	३१	१३	५५	१६	४३	२५	धनु.	१२	१२	३	भ. १३।५५ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वायु परीक्षा, A

अयनांशाः २४।०१।०७

११ पं. आ.शु. ३ शु. इष्टघटी ३२।१८

(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	५	३	१	१	५	७	२
०७	००	०१	०८	१३	२८	०९	०७
२९	२३	२९	२३	४४	५५	४४	१०
३५	५६	३९	१५	१९	१५	१८	४८
५७	२९	८०	१३	११	०	३	५६
१४	३२	५१	११	२३	१५	११	५६
आ	उफा	पुन	कृ	रो	चि	अनु	आ
१	२	४	४	२व	२व	२	१



जून ता. वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम रा.	अं.	क.	वि.	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेलवे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२० बु	२	०५	०६	१०	५७	१५	२३	२६	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९
२१ गु	२	०६	०३	२५	५७	१४	२३	२६	३२	५०	६	०६	७	१५	३३	२६	४	५७	६	१९
२२ शु	२	०७	००	३९	५७	१४	२३	२६	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	१९
२३ श	२	०७	५७	५३	५७	१४	२३	२५	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	२०
२४ र	२	०८	५५	०७	५७	१३	२३	२४	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	२०
२५ चं	२	०९	५२	२०	५७	१३	२३	२३	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५८	६	२०
२६ मं	२	१०	४९	३४	५७	१३	२३	२१	३२	५०	६	०८	७	१५	३३	२६	४	५८	६	२०
२७ बु	२	११	४६	४६	५७	१२	२३	१९	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२५	४	५८	६	२०
२८ गु	२	१२	४३	५९	५७	१२	२३	१६	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२५	४	५९	६	२०
२९ शु	२	१३	४१	११	५७	१२	२३	१३	३२	४८	६	०९	७	१६	३३	२४	४	५९	६	२०
३० श	२	१४	३८	२३	५७	१२	२३	०९	३२	४८	६	०९	७	१६	३३	२४	४	५९	६	२१
१ र	२	१५	३५	३५	५७	१२	२३	०५	३२	४७	६	०९	७	१६	३३	२३	४	५९	६	२१
२ चं	२	१६	३२	४७	५७	१२	२३	०१	३२	४७	६	०९	७	१६	३३	२२	५	००	६	२१
३ मं	२	१७	२९	५९	५७	१२	२२	५६	३२	४६	६	१०	७	१६	३३	२१	५	००	६	२१

मास फलम्

इस माह में पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो। आषाढ़ में पांच मंगलवार होने से शुभ हैं। कृष्णा द्वितीया को बुधवार होने से दुर्भिक्ष हो। कृ. छठ को शनिवार होने से गेहूं के भाव मंदे हों और कार्तिक में महंगे हो। कृष्णा नौमी को बुधवार होने से दुर्भिक्ष हो। आषाढ कृष्णा चतुर्दशी में रोहिणी होने से राजयुद्ध तथा प्रजा में शोक हो। आषाढ कृष्णा चतुर्दशी को सोमवार होने से धान्य और तृणादि (घास) में कमी हो। मगलवारी अमावस होने से उपघात-अल्पवृष्टि और मृगशिरा योग सुभिक्ष और सुखद है। शुक्ला पंचमी को रविवार होने से कहीं कहीं वृष्टि हो। शु. एकादशी को शनिवार होने से सुभिक्ष हो। पूर्णिमा मंगलवार और मूल युक्त होने से व्याधि हो। पूर्णिमा तीस घटी से अधिक है अतः समर्धता हो।

अयनांशाः २४।०१।०८

१२ पं. आ.शु.१० शु. इष्टघटी ३२।१३

(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	५	३	१	१	५	७	२
१४	०३	०९	०९	१३	२८	०९	१३
१०	५४	५४	५४	१५	५५	२२	४९
०५	५१	२७	२८	०४	३८	०३	१०
५७	३०	५९	१२	६	०	३	५६
१२	५३	५२	४९	१०	२७	११	५४
आ	उफा	पु	कृ	रो	चि	अनु	आ
३	३	२	४	१	२	२	३



॥ श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम् ॥

श्रावण कृष्णपक्ष संवत २०६९, शाकः १९३४, ४ जुलाई से १९ जुलाई तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेति महा., जुलाई २०१२

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	बु	४०	०३	२१	४५	पूषा	२१	४५	१४	२५	ऐ	२६	३३	१६	२०	बा	१३	१९	११	०३	३४ १४	५ ४३	७ २५	मक. १९।५८	१३	१३	४	नक्त व्रतारंभः
२	गु	३४	२०	१९	२८	उषा	१७	३८	१२	४७	वै	१९	००	१३	२०	तै	७	०२	८	३२	१३	४४	२५	मक.	१४	१४	५	बृहत्तल्पा, पुन. रविः २१।२४
३	शु	३०	०१	१७	४४	श्रव	१४	५१	११	४०	वि	१२	३३	१०	४५	व	१	५८	६	३१	१२	४४	२५	कुंभे २३।२२	१५	१५	६	भ. ६।३१ उ. १७।४४ या., पंचक प्रारम्भः २३।२२, चतुर्थीव्रतं B
४	श	२७	२८	१६	४४	घनि	१३	४३	११	१३	प्री	७	२६	८	४३	बा	२७	२८	१६	४४	११	४४	२५	कुंभे	१६	१६	७	[B चन्द्रोदयः २१।२३, पुन. सौरः ७।०१
५	र	२६	५१	१६	२९	शत	१४	२८	११	३२	आ	३	५१	७	१७	तै	२६	५१	१६	२९	०९	४५	२४	कुंभे	१७	१७	८	नागपञ्चमी (मरु.), श्लेषा. बुधः ११।१६
६	सो	२८	१६	१७	०४	पूभा	१७	१२	१२	३८	सौ	१	५२	६	३०	व	२८	१६	१७	०४	०८	४५	२४	मीने ६।१७	१८	१८	९	भ. १७।०४ उ. २९।३८ या.
७	मं	३१	३६	१८	२४	उभा	२१	५१	१४	३०	शो	१	२७	६	२०	ब	३१	३६	१८	२४	०६	४६	२४	मीने	१९	१९	१०	[A निरयन दक्षिणायनारंभः, रोहि.-२ गुरुः ११।४१
८	बु	३६	३२	२०	२३	रेव	२८	०६	१७	००	अ	२	२४	६	४४	बा	३	५३	७	१९	०४	४६	२४	मेषे १७।००	२०	२०	११	पंचक समाप्तिः १७।००, हस्ते भौमः ६।०८
९	गु	४२	३१	२२	४७	अश्वि	३५	२६	१९	५७	सु	४	२४	७	३२	तै	९	२५	९	३३	०३	४७	२४	मेषे	२१	२१	१२	[C पश्चिमायाम् ५।५१
१०	शु	४८	५७	२५	२२	भर	४३	१५	२३	०५	धृ	७	०१	८	३५	व	१५	४३	१२	०४	०१	४७	२३	मेषे	२२	२२	१३	भ. १२।०४ उ. २५।२२ या.
११	श	५५	०९	२७	५१	कृति	५०	५५	२६	१०	शू	९	४६	९	४२	ब	२२	०६	१४	३८	३३ ५६	४८	२३	वृषे ५।५२	२३	२३	१४	कामिका ११ व्र., पातस्पर्शः २५।४२
१२	र	...	...	...	...	रोहि	५७	५५	२८	५८	गं	१२	१४	१०	४२	कौ	२८	००	१७	००	५७	४८	२३	वृषे	२४	२४	१५	वक्री बुधः २४।३९
१२	सो	०	३८	६	०४	मृग	...	...	...	...	वृ	१४	०३	११	२६	तै	०	३८	६	०४	५५	४९	२३	मिथु. १८।१४	२५	२५	१६	प्रदोषः, पातमोक्षः ११।२२, कर्के रविः ९।०७ (सौरः २०।०४), A
१३	मं	५	०४	७	५१	मृग	३	५४	७	२३	ध्रु	१५	०१	११	५०	व	५	०४	७	५१	५३	४९	२२	मिथु.	२६	२६	१७	भ. ७।५१ उ. २०।३३ या., मासिकशिवरात्री व्र., बुधास्तः C
१४	बु	८	१४	९	०७	आर्द्रा	८	४१	९	१८	व्या	१५	०१	११	५०	श	८	१४	९	०७	५१	५०	२२	कर्के २८।२५	२७	२७	१८	पितृकार्येऽमा.
३०	गु	१०	०८	९	५३	पुन	१२	१३	१०	४३	ह	१४	०१	११	२६	ना	१०	०८	९	५३	४९	५०	२२	कर्के	२८	२८	१९	देवकार्येऽमा., हरियाली ३०, पुष्ये रविः २०।५८

अयनांशाः २४।०१।०९
१३ पं. श्रा.कृ. ३ शु. इष्टघटी ३२।०७
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	५	३	१	१	५	७	२
२०	०७	१५	११	१४	२९	०८	२०
५०	३४	४२	२२	३५	००	५९	२७
२८	४९	३२	५२	४२	५३	४७	२३
५७	३२	३५	१२	१९	१	३	५६
१२	०७	२६	२२	२७	०९	११	५३
पुन	उफा	पु	रो	रो	चि	अनु	पुन
१	४	४	१	२	२	२	१



जुलाई	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
४ बु	२	१८	२७	१०	५७	१२	२२	५१	३२	४५	६	१०	७	१६	३३	२०	५	००	६	२१
५ गु	२	१९	२४	२२	५७	१२	२२	४६	३२	४५	६	१०	७	१६	३३	२०	५	०१	६	२१
६ शु	२	२०	२१	३४	५७	१२	२२	४०	३२	४४	६	११	७	१६	३३	१९	५	०१	६	२१
७ श	२	२१	१८	४५	५७	१२	२२	३३	३२	४३	६	११	७	१६	३३	१७	५	०२	६	२१
८ र	२	२२	१५	५७	५७	१२	२२	२७	३२	४२	६	११	७	१६	३३	१६	५	०२	६	२०
९ चं	२	२३	१३	०९	५७	१२	२२	२०	३२	४१	६	१२	७	१६	३३	१५	५	०२	६	२०
१० मं	२	२४	१०	२१	५७	१२	२२	१२	३२	४०	६	१२	७	१६	३३	१४	५	०३	६	२०
११ बु	२	२५	०७	३३	५७	१२	२२	०४	३२	३९	६	१२	७	१६	३३	१३	५	०३	६	२०
१२ गु	२	२६	०४	४६	५७	१३	२१	५६	३२	३८	६	१३	७	१६	३३	११	५	०३	६	२०
१३ शु	२	२७	०१	५८	५७	१३	२१	४७	३२	३७	६	१३	७	१६	३३	१०	५	०४	६	२०
१४ श	२	२७	५९	११	५७	१३	२१	३८	३२	३५	६	१३	७	१६	३३	०८	५	०४	६	२०
१५ र	२	२८	५६	२५	५७	१४	२१	२९	३२	३४	६	१४	७	१५	३३	०७	५	०५	६	१९
१६ चं	२	२९	५३	३८	५७	१४	२१	१९	३२	३३	६	१४	७	१५	३३	०५	५	०५	६	१९
१७ मं	३	००	५०	५२	५७	१४	२१	०९	३२	३१	६	१५	७	१५	३३	०४	५	०६	६	१९
१८ बु	३	०१	४८	०६	५७	१५	२०	५९	३२	३०	६	१५	७	१५	३३	०२	५	०६	६	१९
१९ गु	३	०२	४५	२१	५७	१५	२०	४८	३२	२९	६	१५	७	१५	३३	००	५	०६	६	१८

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २०१२
श्रा. कृ. १२ चंद्रे कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ९।०७ वारात् ५ नक्षत्रात् ५ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा पूर्वान्ह १ प्रहर व्यापिनी नृपतीन् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः रवौ (स्टै.) २१।०७ से चंद्रे ९।०७ तक। (दानः घृत, धेनु)।

अयनांशाः २४।०१।१०
१४ पं. श्रा.कृ.१० शु. इष्टघटी ३१।५९
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	५	३	१	१	५	७	२
२७	११	१८	१२	१७	२९	०८	२७
३०	२२	२५	४८	२७	१०	३७	०५
५३	५९	२५	००	३५	५६	३२	४२
५७	३३	५	११	३०	१	३	५६
१३	१३	५४	५२	४९	४९	११	५५
पुन	ह	श्ले	रो	रो	चि	अनु	पुन
३	१	१	१	३	२	२	३



श्रावण शुक्लपक्ष संवत २०६९, शाकः १९३४, २० जुलाई से २ अगस्त तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | वर्षर्तु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ४७१, जुलाई-अगस्त २०१२

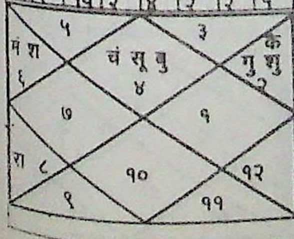
इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	आ.	मु.	इं.
१	शु	१०	४७	१०	०९	पुष्य	१४	३२	११	३९	व	१२	०१	१०	३९	ब	१०	४७	१०	०९	३३/४६	५/५१	७/२१	कर्क	२९	२९	२०
२	श	१०	१४	९	५७	श्ले	१५	४०	१२	०७	सि	९	०४	९	२९	कौ	१०	१४	९	५७	४४	५१	२१	सिंहे १२।०७	३०	३०	२१
३	र	८	३६	९	१८	मघा	१५	४६	१२	१०	व्य	५	१६	७	५८	ग	८	३६	९	१८	४१	५२	२०	सिंहे	३१	१	२२
४	सो	६	०२	८	१७	पूफा	१४	५७	११	५१	व	०/५५	४२/३०	६/२८	०९/०४	वि	६	०२	८	१७	३९	५२	२०	कन्या १७।४३	१	२	२३
५	मं	२	४०	६	५७	उफा	१३	२१	११	१३	शि	४९	४१	२५	४५	बा	२	४०	६	५७	३६	५३	१९	कन्या	२	३	२४
६	मं	५८	३७	२९	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
७	बु	५३	५८	२७	२८	हस्त	११	०५	१०	१९	सि	४३	२३	२३	१४	ग	२६	२१	१६	२६	३४	५३	१९	तुला. २१।४७	३	४	२५
८	गु	४८	४७	२५	२५	चित्रा	८	१५	९	१२	सा	३६	३९	२०	३३	वि	२१	२५	१४	२८	३१	५४	१८	तुला.	४	५	२६
९	शु	४३	१०	२३	१०	स्वा	४	५४	७	५२	शु	२९	३२	१७	४३	बा	१६	०१	१२	१९	२८	५४	१८	वृश्चि. २४।४६	५	६	२७
१०	श	३७	१२	२०	४८	विशा	१/५७	०९/०५	६/२८	२२/४५	शु	२२	०६	१४	४५	तै	१०	१३	१०	००	२६	५५	१७	वृश्चि.	६	७	२८
११	र	३०	५८	१८	१९	ज्ये	५२	४७	२७	०२	ब्र	१४	२६	११	४२	व	४	०६	७	३४	२३	५५	१६	धनु. २७।०२	७	८	२९
१२	सो	२४	४०	१५	४८	मूल	४८	२९	२५	२०	ऐ	६/५८	३८/५४	८/२९	३५/२१	बा	२४	४०	१५	४८	२०	५६	१६	धनु.	८	९	३०
१३	मं	१८	२८	१३	२०	पूषा	४४	२६	२३	४३	वि	५१	२३	२६	३०	तै	१८	२८	१३	२०	१७	५६	१५	मक. २९।२०	९	१०	३१
१४	बु	१२	४०	११	०१	उषा	४०	५४	२२	१९	प्री	४४	२१	२३	४१	व	१२	४०	११	०१	१४	५७	१५	मक.	१०	११	१
१५	गु	७	३४	८	५९	श्रव	३८	१६	२१	१६	आ	३८	०२	२१	१०	ब	७	३४	८	५९	११	५७	१४	मक.	११	१२	२

पुष्ये सौरः ८।२० [D चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्र., रमजान ९, सायन F
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंघारा) देशाचारे, सुकृत तृतीया व्र.
भ. २०।५० उ., तीज, स्वर्णगौरी व्र., मधुश्रवा व्र.(गुर्जरे), वरद D
भ. ८।१७ या., रोटक व्रतारंभः, सोमेश्वरपूजनं, भा. श्रावणारंभः, H
कल्कीजयंती, नागपञ्चमी, नागदष्टव्र., वर्णषष्ठी [H मृगे शुक्रः ११।०७
[A व्रतं, सूणमाण्डणा (भद्रा के पूर्व), यजुर्वेदि, बौधायन, काण्व- B
भ. २७।२८ उ., शीतला, तुलसी जयंती [B मध्यन्दिन (कात्या.), E
भ. १४।२८ या., दुर्गाष्टमी [F सिंहेभानुः १५।३२, (व) पुष्येबुधः ९।२६
पातस्पर्शः १५।१४, मोक्षः २४।१३ [E अथर्ववेदि उपाकर्म, अगस्त ८ J
[J ता. ३१, तिलकपुण्यतिथि, तुलायां चित्रा.-३ शनिः ९।३७
भ. ७।३४ उ. १८।१९ या., पवित्रा ११ व्र.
प्रदोषः, दधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं
मिथुने शुक्रः २८।२९ [C ऋग्वेदि उपाकर्म, श्लेषा. रविः १९।५४
भ. ११।०१ उ. २१।५७ या., हयग्रीव जयंती, नारियल १५, पूर्णिमा A
पूर्णिमापुण्यं, रक्षाबंधनं श्रावणी(मरु),तैतरीय,हिरण्यकेशीय,आपस्तंभ, C

अयनांशाः २४।०१।११
१५ पं. श्रा.शु. १ शु. इष्टघटी ३१।५०
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	५	३	१	१	५	७	३
०४	१५	१७	१४	२१	२९	०८	०३
११	१८	२६	०९	३१	२५	१५	४४
३२	३८	३१	२२	००	४०	१७	१८
५७	३४	२७	११	३९	२	३	५६
१६	१५	१५	१७	३६	२९	११	५९
पु	ह	श्ले	रो	रो	चि	अनु	पु
१	२	१व	२	४	२	२	१



जुलाई ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२०	शु	३	०३	४२	३६	५७	१६	२०	३७	३२	२७	६	१६	७	१४	३२	५८	५	०७	६	१८
२१	श	३	०४	३९	५२	५७	१६	२०	२५	३२	२६	६	१६	७	१४	३२	५६	५	०७	६	१८
२२	र	३	०५	३७	०८	५७	१७	२०	१४	३२	२४	६	१६	७	१४	३२	५५	५	०८	६	१७
२३	चं	३	०६	३४	२५	५७	१७	२०	०१	३२	२२	६	१७	७	१४	३२	५३	५	०८	६	१७
२४	मं	३	०७	३१	४२	५७	१८	१९	४९	३२	२१	६	१७	७	१३	३२	५१	५	०८	६	१७
२५	बु	३	०८	२९	००	५७	१९	१९	३६	३२	१९	६	१७	७	१३	३२	४९	५	०९	६	१६
२६	गु	३	०९	२६	१९	५७	१९	१९	२३	३२	१७	६	१८	७	१३	३२	४७	५	०९	६	१६
२७	शु	३	१०	२३	३८	५७	२०	१९	०९	३२	१६	६	१८	७	१२	३२	४४	५	१०	६	१५
२८	श	३	११	२०	५८	५७	२१	१८	५६	३२	१४	६	१८	७	१२	३२	४२	५	१०	६	१५
२९	र	३	१२	१८	१९	५७	२१	१८	४१	३२	१२	६	१९	७	११	३२	४०	५	१०	६	१४
३०	चं	३	१३	१५	४०	५७	२२	१८	२७	३२	१०	६	१९	७	११	३२	३८	५	११	६	१४
३१	मं	३	१४	१३	०३	५७	२३	१८	१२	३२	०८	६	१९	७	११	३२	३५	५	११	६	१३
१	बु	३	१५	१०	२६	५७	२४	१७	५७	३२	०६	६	२०	७	१०	३२	३३	५	१२	६	१३
२	गु	३	१६	०७	५०	५७	२५	१७	४२	३२	०४	६	२०	७	१०	३२	३१	५	१२	६	१२

मास फलम्

इस माह (श्रावण) में पांच बुधवार और पांच गुरुवार होने से मिलाजुला फल (महर्घ-समर्घ) हो। मास के प्रथम दिन में बुधवार होने से अन्न की महँगाई हो। श्रावण कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों। श्रावण कृष्णा एकादशी को कृत्तिका होने से मध्यम फल हो। श्रावण कृष्णा चतुर्दशी को आर्द्रा होने से अन्नादि भाव में तेजी हो। गुरुवारी अमावस होने से उत्तम वृष्टि, सुभिक्ष हो, पुनर्वसु योग समर्घता कारक है। पूर्णिमा गुरुवार और श्रवण युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। श्रावणी पूर्णिमा को श्रवण होने से धान्योत्पत्ति वहुत हो। सोमवार की सक्रांति होने से दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणों की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सदभाव अधिक हो।

अयनांशाः २४।०१।१२
१६ पं. श्रा.शु. ९ शु. इष्टघटी ३१।४१
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	५	३	१	१	५	७	३
१०	११	१३	१५	२६	२९	०७	१०
५२	२१	०३	२६	२९	४४	५३	२३
३६	१३	४४	३०	२७	५४	०१	२७
५७	३५	४५	१०	४६	३	३	५७
२०	११	२२	३८	२१	०६	११	०५
पु	ह	पु	रो	मृ	चि	अनु	पु
३	३	३व	२	१	२	२	३

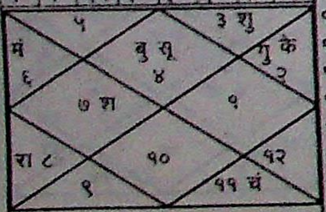


प्र.भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, ३ अगस्त से १७ अगस्त तक नवलगढ — वर्षर्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति महा., अगस्त २०१२

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	शु	३	३१	७	२२	धनि	३६	५०	२०	४२	सौ	३२	४४	१९	०४	कौ	३	३१	७	२२	३३ ०८	५ ५८	७ १३	कुंभे ८।५५	१२	१३	३	पंचक प्रारम्भः ८।५५, श्लेषा. सौरः ८।४७, चित्रा. भौमः ११।४५, C
२	श	०	४९	६	१८	शत	३६	५४	२०	४४	शो	२८	३७	१७	२५	ग	०	४९	६	१८	०५	५९	१३	कुंभे	१३	१४	४	म. १८।०० उ. २९।५३ या., कज्जली(बूढी ३)
३	श	५९	४७	२९	५३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A लोहार्गल स्ना., मातृ ३०, अधिक मासारंभः, सिंहे मघा. F
४	र	…	…	…	…	पूभा	३८	४२	२१	२८	अ	२५	५४	१६	२१	ब	२९	५५	१७	५७	०२	५९	१२	मीने १५।१३	१४	१५	५	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।०७, बुधोदयः पूर्वस्याम् २६।१३
४	सो	०	२९	६	११	उभा	४२	१७	२२	५४	सु	२४	३६	१५	५०	बा	०	२९	६	११	३२ ५९	६ ००	११	मीने	१५	१६	६	[C रोहि.-३ गुरुः २१।२४ [F सौरः ७।३९
५	मं	३	०३	७	१३	रेव	४७	३५	२५	०२	धृ	२४	४४	१५	५४	तै	३	०३	७	१३	५५	००	१०	मेषे २५।०२	१६	१७	७	चंद्रषष्ठी (मरु.) बृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), पंचक समाप्तिः B
६	बु	७	२०	८	५७	अश्वि	५४	१७	२७	४३	शू	२६	०४	१६	२६	व	७	२०	८	५७	५२	०१	०९	मेषे	१७	१८	८	भ. ८।५७ उ. २२।०० या., शीतला व्र., पातस्पर्शः २२।५३, मार्गी E
७	गु	१२	५४	११	११	भर	…	…	…	…	गं	२८	१९	१७	२१	ब	१२	५४	११	११	४९	०१	०९	मेषे	१८	१९	९	मन्वादि, जन्माष्टमी व्र. स्मा., पातमोक्षः ६।३९
८	शु	१९	१२	१३	४२	भर	१	५०	६	४५	वृ	३०	५८	१८	२५	कौ	१९	१२	१३	४२	४६	०२	०८	वृषे १३।३२	१९	२०	१०	मन्वादि, जन्माष्टमी व्र. वैष्ण. [E बुधः १९।१३, आर्द्रा. शुक्रः २१।०८
९	श	२५	३३	१६	१५	कृति	९	३७	९	५३	ध्रु	३३	३४	१९	२८	ग	२५	३३	१६	१५	४२	०२	०७	वृषे	२०	२१	११	भ. २९।२७ उ., गोगानवमी [B २५।०२, हलषष्ठी,
१०	र	३१	१७	१८	३३	रोहि	१६	५६	१२	४९	व्या	३५	३८	२०	१८	वि	३१	१७	१८	३३	३९	०३	०६	मिथु. २६।०९	२१	२२	१२	भ. १८।३३ या.
११	सो	३५	४९	२०	२३	मृग	२३	१३	१५	२१	ह	३६	४६	२०	४५	ब	३	४२	७	३२	३५	०३	०५	मिथु.	२२	२३	१३	अजा ११ व्र., जैनपर्युषण [D भारतीयस्वतंत्रतादिवस
१२	मं	३८	५०	२१	३६	आर्द्रा	२८	०६	१७	१८	व	३६	४३	२०	४५	कौ	७	३१	९	०४	३२	०४	०४	मिथु.	२३	२४	१४	वत्सपूजा, तुलायां भौमः ९।५०
१३	बु	४०	१३	२२	०९	पुन	३१	२२	१८	३७	सि	३५	२३	२०	१३	ग	९	४३	९	५७	२८	०४	०४	कर्के १२।२१	२४	२५	१५	भ. २२।०९ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., D
१४	गु	३९	५८	२२	०४	पुष्य	३३	०४	१९	१८	व्य	३२	४७	१९	११	वि	१०	१६	१०	११	२५	०५	०३	कर्के	२५	२६	१६	भ. १०।११ या., सिंहे मघा. रविः १७।३६
३०	शु	३८	१६	२१	२४	श्ले	३३	१८	१९	२४	व	२८	५९	१७	४१	च	९	१६	९	४८	२१	०५	०३	सिंहे १९।२४	२६	२७	१७	कुशांग्रहणी, पिठोरी ३०, देवपितृकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, A

अयनांशाः २४।०१।१३
१७ पं.प्र.भा.कृ. १ शु.इष्टघटी ३१।३१
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

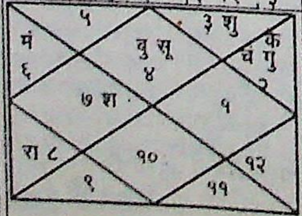
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	५	३	१	२	६	७	३
१७	२३	०८	१६	०२	००	०७	१७
३४	३०	२५	३८	१०	०८	३०	०३
१५	१४	०३	५०	१२	२६	४६	२१
५७	३६	२४	९	५१	३	३	५७
२६	०४	५८	५५	३३	४२	११	१२
श्ले	चि	पु	रो	मृ	चि	अनु	श्ले
१	१	२व	२	३	३	२	१



अगस्त ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि.	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
३	शु	३	१७	०५	१४	५७	२६	१७	२६	३२	०२	६	२०	७	०९	३२	२८	५	१३	६	१२
४	श	३	१८	०२	४०	५७	२७	१७	११	३२	००	६	२१	७	०९	३२	२६	५	१३	६	११
५	र	३	१९	००	०७	५७	२८	१६	५४	३१	५८	६	२१	७	०८	३२	२३	५	१३	६	११
६	चं	३	१९	५७	३५	५७	२९	१६	३८	३१	५६	६	२१	७	०८	३२	२१	५	१४	६	१०
७	मं	३	२०	५५	०३	५७	३०	१६	२१	३१	५४	६	२१	७	०७	३२	१८	५	१४	६	०९
८	बु	३	२१	५२	३३	५७	३१	१६	०४	३१	५२	६	२२	७	०७	३२	१६	५	१४	६	०९
९	गु	३	२२	५०	०४	५७	३२	१५	४७	३१	५०	६	२२	७	०६	३२	१३	५	१५	६	०८
१०	शु	३	२३	४७	३६	५७	३३	१५	३०	३१	४८	६	२२	७	०५	३२	११	५	१५	६	०७
११	श	३	२४	४५	०९	५७	३४	१५	१२	३१	४६	६	२३	७	०५	३२	०८	५	१६	६	०७
१२	र	३	२५	४२	४३	५७	३५	१४	५४	३१	४३	६	२३	७	०४	३२	०५	५	१६	६	०६
१३	चं	३	२६	४०	१८	५७	३६	१४	३६	३१	४१	६	२३	७	०४	३२	०३	५	१६	६	०५
१४	मं	३	२७	३७	५५	५७	३८	१४	१७	३१	३९	६	२३	७	०३	३२	००	५	१७	६	०५
१५	बु	३	२८	३५	३२	५७	३९	१३	५९	३१	३७	६	२४	७	०२	३१	५७	५	१७	६	०४
१६	गु	३	२९	३३	११	५७	४०	१३	४०	३१	३४	६	२४	७	०२	३१	५४	५	१७	६	०३
१७	शु	४	००	३०	५२	५७	४२	१३	२१	३१	३२	६	२४	७	०१	३१	५१	५	१८	६	०२

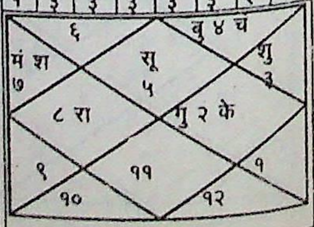
अयनांशाः २४।०१।१४
१८ पं.प्र.भा.कृ. ८ शु.इष्टघटी ३१।२२
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	५	३	१	२	६	७	३
२४	२७	०७	१७	०८	००	०७	२३
१६	४५	४०	४५	२३	३६	०८	४४
४०	१६	३३	४९	४७	००	३०	१२
५७	३६	२०	९	५५	४	३	५७
३४	५४	१६	०६	३७	१५	११	२१
श्ले	चि	पु	रो	आ	चि	अनु	श्ले
३	२	२	३	१	३	२	३



अयनांशाः २४।०१।१४
१९ पं.प्र.भा.कृ.३० शु.इष्टघटी ३१।१३
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	६	३	१	२	६	७	४
०१	०२	१२	१८	१५	०१	०६	००
००	०५	२२	४६	०३	०७	४६	२६
००	५९	४९	५४	०९	२०	१५	११
५७	३७	६५	८	५८	४	३	५७
४२	४२	५९	१२	५०	४६	११	३२
म	चि	पु	रो	आ	चि	अनु	म
१	३	३	३	३	३	२	१

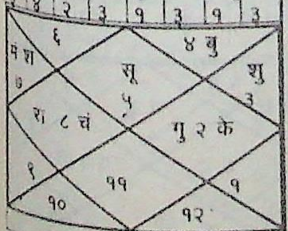


प्र.भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत २०६९, शाकः १९३४, १८ अगस्त से ३१ अगस्त तक नवलगढ चंद्रः तारीख | वर्षर्तु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ५००, अगस्त २०१२

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	श	३५	१९	२०	१३	मघा	३२	१७	१९	००	प	२४	१०	१५	४६	किं	६	५५	८	५२	३२/१८	६/०६	७/०१	सिंहे	२७	२८	१८	
२	र	३१	२५	१८	४०	पूफा	३०	१७	१८	१३	शि	१८	३१	१३	३०	बा	३	२८	७	२९	१४	०६	००	कन्या २३।५८	२८	२९	१९	चंद्रदर्शनम् (मु.४५), अनु.-१ राहुः १७।४४, कृत्ति.-३ केतुः १७।४४
३	सो	२६	४८	१६	५०	उफा	२७	३६	१७	०९	सि	१२	१५	११	०१	ग	२६	४८	१६	५०	१०	०७	६/५९	कन्या	२९	१	२०	भ. २७।५१ उ., सव्वाल १०
४	मं	२१	४५	१४	४९	हस्त	२४	२८	१५	५४	स्रु	५/५८	३४/३९	८/२९	२१/३५	वि	२१	४५	१४	४९	०७	०७	५८	तुला. २७।१५	३०	२	२१	भ. १४।४९ या., पातस्पर्शः २२।४८, मोक्षः २८।११, B
५	बु	१६	२९	१२	४३	चित्रा	२१	०६	१४	३४	शु	५१	३७	२६	४७	बा	१६	२९	१२	४३	०३	०८	५७	तुला.	३१	३	२२	सायन कन्यायां भानुः २२।४३, पुन. शुक्रः १८।०३
६	गु	११	०७	१०	३५	स्वा	१७	४०	१३	१२	ब्र	४४	३५	२३	५८	तै	११	०७	१०	३५	३९/५९	०८	५६	तुला.	१	.४	२३	भा. भाद्रपदारंभः
७	शु	५	४६	८	२७	विशा	१४	१६	११	५१	ऐ	३७	३६	२१	११	व	५	४६	८	२७	५६	०९	५५	वृश्चि. ६।११	२	५	२४	भ. ८।२७ उ. १९।२४ या., स्वा. भौमः २३।३०
८	श	०	३०	६	२१	अनु	१०	५७	१०	३२	वै	३०	४१	१८	२५	ब	०	३०	६	२१	५२	०९	५४	वृश्चि.	३	६	२५	[B श्लेषा. बुधः ६।४५
९	श	५५	२३	२८	१८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A (सौरः २८।२३), बुधास्तः पूर्वस्याम् १०।२७
१०	र	५०	२५	२६	२०	ज्ये	७	४५	९	१६	वि	२३	५४	१५	४३	तै	२२	५२	१५	१८	४८	१०	५३	धनु. ९।१६	४	७	२६	अगस्त्योदयः २७।४४
११	सो	४५	४४	२४	२७	मूल	४	४६	८	०४	प्री	१७	१७	१३	०५	व	१८	०१	१३	२३	४४	१०	५२	धनु.	५	८	२७	भ. १३।२३ उ. २४।२७ या., कमला ११ व्र., रोहि.-४ गुरुः ९।१८
१२	मं	४१	२७	२२	४५	पूषा	२/५९	०४/५१	७/३०	००/०७	आ	१०	५६	१०	३३	ब	१३	३१	११	३५	४०	१०	५१	मक. १२।४६	६	९	२८	सिंहे मघा. बुधः २९।५४
१३	बु	३७	४७	२१	१८	श्रव	५८	१७	२९	३०	सौ	४/५९	५९/३७	८/३०	११/०२	कौ	९	३१	९	५९	३७	११	५०	मक.	७	१०	२९	प्रदोषः
१४	गु	३४	५६	२०	१०	धनि	५७	३६	२९	१४	अ	५४	५८	२८	११	ग	६	१३	८	४१	३३	११	४८	कुंभे १७।१९	८	११	३०	भ. २०।१० उ., पंचक प्रारम्भः १७।१९, पूफा. रविः १३।३६ A
१५	शु	३३	०७	१९	२७	शत	५८	०३	२९	२५	सु	५१	१३	२६	४१	वि	३	५२	७	४५	२९	१२	४७	कुंभे	९	१२	३१	भ. ७।४५ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च

अयनांशाः २४।०१।१५
२० पं.प्र.भा.शु. ७ शु.इष्टघटी ३१।०५
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	६	३	१	२	६	७	४
०७	०६	२२	१९	२२	०१	०६	०७
४४	३२	००	४१	०३	४२	२३	०९
२५	०७	४०	२६	०७	०७	५९	२९
५७	३८	१०१	७	६१	५	३	५७
५२	२७	३९	१३	२६	१४	११	४४
म	चि	श्ले	रो	पुन	चि	अनु	म
३	४	२	३	१	३	१	३



ता.	वा	अगस्त रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि	सू. अ. घं.	मि	कलकत्ता रेल्वे टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि	सू. अ. घं.	मि
१८	श	४	०१	२८	३३	५७	४३	१३	०१	३१	३०	६	२४	७	००	३१	४९	५	१८	६	०२
१९	र	४	०२	२६	१६	५७	४४	१२	४२	३१	२७	६	२५	७	००	३१	४६	५	१८	६	०१
२०	चं	४	०३	२४	००	५७	४६	१२	२२	३१	२५	६	२५	६	५९	३१	४३	५	१९	६	००
२१	मं	४	०४	२१	४६	५७	४७	१२	०२	३१	२२	६	२५	६	५८	३१	४०	५	१९	५	५९
२२	बु	४	०५	१९	३३	५७	४८	११	४२	३१	२०	६	२५	६	५७	३१	३७	५	१९	५	५८
२३	गु	४	०६	१७	२१	५७	५०	११	२२	३१	१८	६	२६	६	५७	३१	३४	५	२०	५	५७
२४	शु	४	०७	१५	११	५७	५१	११	०१	३१	१५	६	२६	६	५६	३१	३१	५	२०	५	५७
२५	श	४	०८	१३	०३	५७	५३	१०	४१	३१	१३	६	२६	६	५५	३१	२८	५	२०	५	५६
२६	र	४	०९	१०	५५	५७	५४	१०	२०	३१	१०	६	२६	६	५४	३१	२५	५	२१	५	५५
२७	चं	४	१०	०८	५०	५७	५६	९	५९	३१	०८	६	२६	६	५४	३१	२२	५	२१	५	५४
२८	मं	४	११	०६	४६	५७	५८	९	३८	३१	०५	६	२७	६	५३	३१	१९	५	२१	५	५३
२९	बु	४	१२	०४	४३	५७	५९	९	१६	३१	०३	६	२७	६	५२	३१	१६	५	२२	५	५२
३०	गु	४	१३	०२	४२	५८	०१	८	५५	३१	००	६	२७	६	५१	३१	१३	५	२२	५	५१
३१	शु	४	१४	००	४३	५८	०२	८	३३	३०	५८	६	२७	६	५०	३१	१०	५	२२	५	५०

संक्रांति फलम्

ता. १६ अगस्त २०१२
प्र.भा. कृ. १४ गुरो सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १७।३६ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः शकुनिकरणे प्रविष्टा महर्घफलं श्वान्वाहनं शार्दूलोपवाहनं सुभिक्षकारक चित्रकवस्त्रं पाशायुधं वस्त्रपात्रं गुड़भक्षणं हरिद्रालेपनं क्षत्रीयजातिः कमलपुष्पं कोडीभूषणं कृष्णजिकंचुकी वंध्यावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) ११।१२ से १७।३६ तक। (दान- छत्र) ।

अयनांशाः २४।०१।१६
२१ पं.प्र.भा.शु.१५ शु.इष्टघटी ३०।५७
(रेल्वे घं: मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	६	४	१	२	६	७	४
१४	११	०४	२०	२९	०२	०६	१३
३०	०३	५०	२८	१९	२०	०१	५४
०२	२३	५९	५०	४४	०४	४४	१६
५८	३९	११६	६	६३	५	३	५७
०३	१०	५३	०९	३३	४०	११	५७
पूफा	स्वा	म	रो	पुन	चि	अनु	पूफा
१	२	२	४	३	३	१	१

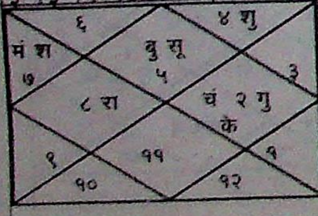


॥ श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम् ॥

द्वि.भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत २०६९, शाकः १९३४, १ सितंबर से १६ सितं. तक नवलगढ																								चंद्रः	तारीख			शरदृत्तु रविर्दक्षिणे प्र.भाद्रपदकृष्णोति महा., सितंबर २०१२
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	श	३२	३६	१९	१५	पूभा	५९	५०	३०	०८	धृ	४८	३१	२५	३७	बा	२	४१	७	१७	३१ २५	६ १२	६ ४६	मीने २३।५४	१०	१३	१	सितंबर ९ ता. ३०, कर्के शुक्रः ९।४७
२	र	३३	३२	१९	३७	उभा	...	...	...	...	शू	४६	५९	२५	०१	तै	२	५२	७	२२	२९	१३	४५	मीने	११	१४	२	पातस्पर्शः २७।१७
३	सो	३६	००	२०	३७	उभा	३	०४	७	२७	गं	४६	३९	२४	५३	व	४	३३	८	०३	१७	१३	४४	मीने	१२	१५	३	भ. ८।०३ उ. २०।३७ या., पातमोक्षः ८।५३
४	मं	३९	५९	२२	१३	रेव	७	४७	९	२१	वृ	४७	२७	२५	१३	ब	७	४७	९	२१	१३	१४	४३	मेषे ९।२१	१३	१६	४	पंचक समाप्तिः ९।२१, अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।५१, B
५	बु	४५	१६	२४	२०	अश्वि	१३	५४	११	४८	ध्रु	४९	१३	२५	५५	कौ	१२	२८	११	१३	०९	१४	४२	मेषे	१४	१७	५	[B पूफा. बुधः २६।४५, पुष्ये शुक्रः १२।४७
६	गु	५१	२७	२६	५०	भर	२१	०६	१४	४१	व्या	५१	४०	२६	५४	ग	१८	१६	१३	३३	०५	१५	४१	वृषे २१।२७	१५	१८	६	भ. २६।५० उ.
७	शु	५७	५९	२९	२७	कृति	२८	५२	१७	४८	ह	५४	२०	२७	५९	वि	२४	४३	१६	०८	०१	१५	४०	वृषे	१६	१९	७	भ. १६।०८ या.
८	श	...	...	...	...	रोहि	३६	३६	२०	५४	व	५६	४६	२८	५८	बा	३१	१०	१८	४४	३० ५७	१६	३८	वृषे	१७	२०	८	[A १३।४९, कन्यायां रविः १७।३६, श्लेषा. शुक्रः १६।३२
८	र	४	०९	७	५६	मृग	४३	३४	२३	४२	सि	५८	२७	२९	३९	कौ	४	०९	७	५६	५३	१६	३७	मिथु. १०।२१	१८	२१	९	
९	सो	९	१५	९	५८	आर्द्रा	४९	१३	२५	५८	व्य	५८	५८	२९	५२	ग	९	१५	९	५८	४९	१६	३६	मिथु.	१९	२२	१०	भ. २२।४६ उ., चित्रा.-४ शनिः २२।०४
१०	मं	१२	४८	११	२४	पुन	५३	०८	२७	३२	व	५८	०६	२९	३१	वि	१२	४८	११	२४	४५	१७	३५	कर्के २१।१३	२०	२३	११	भ. ११।२४ या., उफा. बुधः २५।५४
११	बु	१४	२९	१२	०५	पुष्य	५५	०९	२८	२१	प	५५	४२	२८	३४	बा	१४	२९	१२	०५	४१	१७	३४	कर्के	२१	२४	१२	कमला ११ व्र.
१२	गु	१४	१२	११	५९	श्ले	५५	१९	२८	२५	शि	५१	४७	२७	०१	तै	१४	१२	११	५९	३७	१८	३३	सिंहे २८।२५	२२	२५	१३	प्रदोषः, उफा. रविः ७।३० (सौरः २२।३३), कन्यायां बुधः २१।१०
१३	शु	१२	०४	११	०८	मघा	५३	४८	२७	४९	सि	४६	३१	२४	५५	व	१२	०४	११	०८	३३	१८	३२	सिंहे	२३	२६	१४	भ. ११।०८ उ. २२।२८ या., मासिकशिवरात्री व्र., विशा. भौमः ६।२५
१४	श	८	२०	९	३९	पूफा	५०	५४	२६	४०	सा	४०	०४	२२	२०	श	८	२०	९	३९	२९	१९	३०	सिंहे	२४	२७	१५	पितृकार्येऽमा.
३०	र	३	१६	७	३८	उफा	४६	५९	२५	०७	शु	३२	४३	१९	२४	ना	३	१६	७	३८	२५	१९	२२	कन्या ८।१९	२५	२८	१६	देवकार्येऽमा., अधिक मास समाप्तिः, पातस्पर्शः ९।१३, मोक्षः A

अयनांशाः २४।०१।१७
२२ पं.द्वि.भा.कृ. ७ शु.इष्टघटी ३०।४९
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	६	४	१	३	६	७	४
२१	१५	१८	२१	०६	०३	०५	२०
१७	३९	२९	०८	५०	००	३९	४०
००	३४	५१	३०	०५	५१	२९	३८
५८	३९	११५	५	६५	६	३	५८
१५	५१	१८	००	१९	०२	११	११
पूफा	स्वा	पूफा	रो	पु	चि	अनु	पूफा
३	३	२	४	२	३	१	३



सितम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१ श	४	१४	५८	४५	५८	०४	८	१२	३०	५५	६	२७	६	५०	३१	०७	५	२२	५	४९
२ र	४	१५	५६	४९	५८	०६	७	५०	३०	५३	६	२८	६	४९	३१	०४	५	२३	५	४८
३ चं	४	१६	५४	५५	५८	०७	७	२८	३०	५०	६	२८	६	४८	३१	०१	५	२३	५	४७
४ मं	४	१७	५३	०२	५८	०९	७	०६	३०	४८	६	२८	६	४७	३०	५८	५	२३	५	४६
५ बु	४	१८	५१	११	५८	११	६	४४	३०	४५	६	२८	६	४६	३०	५५	५	२४	५	४६
६ गु	४	१९	४९	२२	५८	१२	६	२१	३०	४२	६	२८	६	४५	३०	५२	५	२४	५	४५
७ शु	४	२०	४७	३४	५८	१४	५	५९	३०	४०	६	२८	६	४४	३०	४८	५	२४	५	४४
८ श	४	२१	४५	४९	५८	१६	५	३६	३०	३७	६	२९	६	४४	३०	४५	५	२५	५	४३
९ र	४	२२	४४	०५	५८	१८	५	१४	३०	३५	६	२९	६	४३	३०	४२	५	२५	५	४२
१० चं	४	२३	४२	२३	५८	२०	४	५१	३०	३२	६	२९	६	४२	३०	३९	५	२५	५	४१
११ मं	४	२४	४०	४२	५८	२१	४	२८	३०	२९	६	२९	६	४१	३०	३६	५	२५	५	४०
१२ बु	४	२५	३९	०४	५८	२३	४	०५	३०	२७	६	२९	६	४०	३०	३३	५	२६	५	३९
१३ गु	४	२६	३७	२७	५८	२५	३	४२	३०	२४	६	३०	६	३९	३०	३०	५	२६	५	३८
१४ शु	४	२७	३५	५२	५८	२७	३	१९	३०	२२	६	३०	६	३८	३०	२६	५	२६	५	३७
१५ श	४	२८	३४	१९	५८	२९	२	५६	३०	१९	६	३०	६	३७	३०	२३	५	२६	५	३६
१६ र	४	२९	३२	४८	५८	३१	२	३३	३०	१६	६	३०	६	३७	३०	२०	५	२७	५	३५

संक्रांति फलम्

ता. १६ सितंबर २०१२

द्वि.भा. कृ. ३० रवौ कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. १७।३६ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः किंस्तुघ्नकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं कुकुटवाहनं वानरोपवाहनं अपमृत्युकारक श्यामवस्त्रं वाणायुधं वंशपात्रं शर्कराभक्षणं कपूरलेपनं संकर्जातिः जपापुष्पं स्वर्णभूषणं पाण्डुरकंचुकी प्रव्राजिकावस्था (उभी) मु. ४५ धान्यभावं समर्घ वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १७।३६ से २४।०० तक। (दान· गृह वस्त्र)।

अयनांशाः २४।०१।१८
२३ पं.द्वि.भा.कृ.१३ शु.इष्टघटी ३०।४९
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	६	५	१	३	६	७	४
२८	२०	०१	२१	१४	०३	०५	२७
०५	२०	३७	३९	३१	४४	१७	२८
२४	३०	५४	४९	५३	०६	१३	५३
५८	४०	१०६	३	६६	६	३	५८
२८	३१	३६	४६	४८	२२	११	२७
उफा	वि	उफा	रो	पु	चि	अनु	उफा
१	१	२	४	४	४	१	१



द्वि.भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, १७ सितंबर से ३० सितंबर तक नवलगढ

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.
१	र	५७	१८	२९	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२	सो	५०	४४	२६	३७	हस्त	४२	२५	२३	१८	शु	२४	४७	१६	१४	बा	२४	०४	१५	५७	३० २१	६ २०	६ २८	कन्या	२६	२९	१७
३	मं	४३	५६	२३	५४	चित्रा	३७	३४	२१	२२	ब्र	१६	३०	१२	५६	तै	१७	२१	१३	१६	१७	२०	२७	तुला. १०।२०	२७	१	१८
४	बु	३७	१३	२१	१४	स्वा	३२	४५	१९	२६	ऐ	८ ५९	०९ ५८	९ ३०	३६ २०	व	१०	३२	१०	३३	१३	२०	२६	तुला.	२८	२	१९
५	गु	३०	४६	१८	३९	विशा	२८	१२	१७	३८	वि	५२	०५	२७	११	ब	३	५६	७	५५	०९	२१	२५	वृश्चि. १२।०४	२९	३	२०
६	शु	२४	४८	१६	१७	अनु	२४	०७	१६	००	प्री	४४	३६	२४	१२	तै	२४	४८	१६	१७	०५	२१	२३	वृश्चि.	३०	४	२१
७	श	१९	२५	१४	०८	ज्ये	२०	३७	१४	३७	आ	३७	३८	२१	२५	व	१९	२५	१४	०८	०१	२२	२२	धनु. १४।३७	३१	५	२२
८	र	१४	४२	१२	१५	मूल	१७	४६	१३	२९	सौ	३१	१२	१८	५१	ब	१४	४२	१२	१५	२९ ५७	२२	२१	धनु.	१	६	२३
९	सो	१०	४२	१०	[illegible]	पूषा	१५	३९	१२	३८	शो	२५	२३	१६	३२	कौ	१०	४२	१०	४०	५३	२३	२०	मक. १८।२८	२	७	२४
१०	मं	७	२९	९	२३	उषा	१४	१८	१२	०६	अ	२०	११	१४	२८	ग	७	२९	९	२३	४९	२३	१९	मक.	३	८	२५
११	बु	५	०७	८	२७	श्रव	१३	४८	११	५५	सु	१५	४२	१२	४०	वि	५	०७	८	२७	४५	२४	१८	कुंभे २३।५७	४	९	२६
१२	गु	३	४३	७	५३	धनि	१४	१४	१२	०६	धृ	११	५७	११	११	बा	३	४३	७	५३	४१	२४	१६	कुंभे	५	१०	२७
१३	शु	३	२०	७	४५	शत	१५	४२	१२	४१	शू	९	०३	१०	०२	तै	३	२०	७	४५	३७	२५	१५	कुंभे	६	११	२८
१४	श	४	०४	८	०३	पूभा	१८	१५	१३	४३	गं	६	५९	९	१३	व	४	०४	८	०३	३२	२५	१४	मीने ७।२५	७	१२	२९
१५	र	५	५८	८	४९	उभा	२१	५७	१५	१२	वृ	५	५१	८	४६	ब	५	५८	८	४९	२८	२६	१३	मीने	८	१३	३०

शरदृतु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ५३०, सितंबर २०१२

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

[A मोक्षः १३।०३, वृश्चिके भौमः २०।५८, सिंहे मघा. शुक्रः १०।२८
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), सामवेदिउपाकर्म, विश्वकर्मापू., कन्यायांसौरः ८।४०
मन्वादि, वराह जयंती, हरितालिका व्र., हस्तिगौरी व्र., जिल्काद ११
भ. १०।३३ उ. २१।१४ या., गणेशचतुर्थी (चंद्रदर्शनं निषेधः), जैन K
ऋषिपंचमी, ललिताषष्ठीव्र. (गुर्जरे) [K संवत्सरी, हस्ते बुधः ११।३६
सौर(सूर्य) षष्ठी, स्कन्ददर्शनं, दूबड़ीसातम, गौरीआवाहन १६।०० या.
भ. १४।०८ उ. २५।१० या., मुक्ताभरण व्र., उमामहेश्वर पू., गौरी C
दधीचीजयंती, श्रीराधा ८, गौरीविसर्जन १३।२९ यावत्, भा.अश्विनारंभः
अदुःस्व नवमी व्र., श्री चंद्र (उदासीन संप्रदाय), दशावतार व्र.
भ. २०।५२ उ., श्री रामदेवजी का मेला, विष्णुश्रृंखला १२।०६ से
भ. ८।२७ या., पंचक प्रारम्भः २३।५७, जलझूलनी ११ व्र., B
प्रदोषः, दुग्धव्रतं, गोत्रिरात्रव्र., हस्तेसौरः १३।५६, चित्रा. बुधः ११।३०
अनन्त १४, कदली व्रतं पूजनं, रंभारोपणं, पातस्पर्शः ७।५१, A
भ. ८।०३ उ. २०।२२ या., पूर्णिमा व्रतं, प्रौष्ठपदी, महालय L
पूर्णिमा पुण्यं, महेश्वरपूजनं, कु. संध्यापूजा [L श्राद्धारंभः, इंदुला १५

[C पूजन १४।३७ यावत्, सायन तुलायां भानुः २०।२९ [B वामन जयंती, विष्णुश्रृंखला ११।५५ तक, हस्ते रविः २३।०१

अयनांशाः २४।०१।१९
१६ पं.द्वि.भा.शु. ६ शु.इष्टघटी ३०।३३
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	६	५	१	३	६	७	५
०४	२५	१३	२२	२२	०४	०४	०४
५५	०५	५५	०२	२३	२९	५४	१८
२०	५८	५४	१४	२६	३१	५८	३६
५८	४१	१०१	२	६८	६	३	५८
४२	०९	१४	२७	०४	३८	११	४२
उफा	वि	ह	रो	श्ले	चि	अनु	उफा
३	२	३	४	२	४	१	३



सितम्बर ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि.	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू.उ. घं.	मि.	सू.अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू.उ. घं.	मि.	सू.अ. घं.	मि.
१७	चं	५	००	३१	१९	५८	३३	२	१०	३०	१४	६	३०	६	३६	३०	१७	५	२७	५	३४
१८	मं	५	०१	२९	५२	५८	३५	१	४७	३०	११	६	३०	६	३५	३०	१४	५	२७	५	३३
१९	बु	५	०२	२८	२६	५८	३७	१	२४	३०	०८	६	३१	६	३४	३०	१०	५	२८	५	३२
२०	गु	५	०३	२७	०३	५८	३८	१	००	३०	०६	६	३१	६	३३	३०	०७	५	२८	५	३१
२१	शु	५	०४	२५	४२	५८	४१	०	३७	३०	०३	६	३१	६	३२	३०	०४	५	२८	५	३०
२२	श	५	०५	२४	२२	५८	४२	०	१४+	३०	००	६	३१	६	३१	३०	०१	५	२८	५	२९
२३	र	५	०६	२३	०५	५८	४४	०	१०-	२९	५८	६	३१	६	३०	२९	५८	५	२९	५	२८
२४	चं	५	०७	२१	४९	५८	४६	०	३३	२९	५५	६	३१	६	२९	२९	५४	५	२९	५	२७
२५	मं	५	०८	२०	३५	५८	४८	०	५६	२९	५२	६	३२	६	२९	२९	५१	५	२९	५	२६
२६	बु	५	०९	१९	२४	५८	५०	१	२०	२९	५०	६	३२	६	२८	२९	४८	५	३०	५	२५
२७	गु	५	१०	१८	१४	५८	५२	१	४३	२९	४७	६	३२	६	२७	२९	४५	५	३०	५	२४
२८	शु	५	११	१७	०७	५८	५४	२	०७	२९	४५	६	३२	६	२६	२९	४१	५	३०	५	२३
२९	श	५	१२	१६	०१	५८	५६	२	३०	२९	४२	६	३२	६	२५	२९	३८	५	३१	५	२२
३०	र	५	१३	१४	५८	५८	५९	२	५३	२९	३९	६	३३	६	२४	२९	३५	५	३१	५	२१

मास फलम्

इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो। पांच रविवार नेष्ट हैं। कृष्णाष्टमी रोहिणीयुक्त होने से शुभदा है। भादवा की अमावस उत्तरा फाल्गुनी और रविवारी होने से घी आदि की महर्घता हो। सुदि द्वितिया सोमवार होने से धान्योत्पत्ति उत्तम और चौपायों की वृद्धि हो। शु. षष्ठी को अनुराधा होने से सुभिक्ष हों। उत्तराभाद्रपद युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रौगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों। पूर्वाफाल्गुनी में बुध होने से क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो।

अयनांशाः २४।०१।२०
२५ पं.द्वि.भा.शु.१३ शु.इष्टघटी ३०।२५
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	६	५	१	४	६	७	५
११	२९	२५	२२	००	०५	०४	११
४६	५५	२३	१५	२३	१६	३२	१०
५२	५०	४५	१९	२०	४२	४२	२०
५८	४१	९४	१	६९	६	३	५८
५६	४५	२९	०५	११	५२	१९	५८
ह	वि	चि	रो	म	चि	अनु	ह
१	३	१	४	१	४	१	१



आश्विन कृष्णपक्ष संवत २०६९, शाकः १९३४, १ अक्टूबर से १५ अक्टूबर तक नवलगढ																								चंद्रः	तारीख			शरदृतु रविर्दक्षिणे द्वि.भाद्रपदकृष्णेति महा., अक्टूबर २०१२
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	सो	९	०५	१०	०४	रेव	२६	४८	१७	०९	ध्रु	५	३८	८	४१	कौ	९	०५	१०	०४	२९ २४	६ २६	६ १२	मेषे १७।०९	९	१४	१	पंचक समाप्तिः १७।०९, अक्टूबर १० ता. ३१, तुलायां बुधः १७।२५
२	मं	१३	२१	११	४७	अश्वि	३२	४५	१९	३३	व्या	६	१९	८	५८	ग	१३	२१	११	४७	२०	२७	११	मेषे	१०	१५	२	भ. २४।४९ उ., गांधी जयन्ती
३	बु	१८	४२	१३	५६	भर	३९	४१	२२	२०	ह	७	४९	९	३५	वि	१८	४२	१३	५६	१६	२७	१०	वृषे २९।०४	११	१६	३	भ. १३।५६ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।०७, भरणी श्राद्ध, अनु. C
४	गु	२४	५५	१६	२५	कृति	४७	१९	२५	२३	व	९	५८	१०	२७	बा	२४	५५	१६	२५	१२	२८	०८	वृषे	१२	१७	४	वक्री गुरुः २८।२० [C भौमः १५।२८
५	शु	३१	३३	१९	०५	रोहि	५५	१२	२८	३३	सि	१२	३२	११	२९	तै	३१	३३	१९	०५	०८	२८	०७	वृषे	१३	१८	५	चंद्रषष्ठी, स्वा. बुधः २७।२१, शनेरस्तः पश्चिमायाम् १६।०७
६	श	३८	०७	२१	४३	मृग	...	...	...	...	व्य	१५	०९	१२	३२	ग	४	५२	८	२५	०४	२९	०६	मिथु. १८।०६	१४	१९	६	भ. २१।४३ उ.
७	र	४३	५५	२४	०३	मृग	२	४६	७	३६	व	१७	२४	१३	२७	वि	११	०८	१०	५७	००	२९	०५	मिथु.	१५	२०	७	भ. १०।५७ या., बुधोदयः पश्चिमायाम् २२।३१
८	सो	४८	२३	२५	५१	आर्द्रा	९	२६	१०	१६	प	१८	४७	१४	०१	बा	१६	२१	१३	०२	२६ ६	३०	०४	कर्के २९।५३	१६	२१	८	श्रीमहालक्ष्मी व्र., अशोकाष्टमी
९	मं	५१	०४	२६	५६	पुन	१४	३६	१२	२१	शि	१८	५७	१४	०५	तै	१९	५८	१४	२९	५२	३०	०३	कर्के	१७	२२	९	सौभाग्यवतीनां श्राद्धं, पूफा. शुक्रः २१।२०
१०	बु	५१	४०	२७	११	पुष्य	१७	५४	१३	४०	सि	१७	३६	१३	३३	व	२१	३७	१५	१०	४८	३१	०२	कर्के	१८	२३	१०	भ. १५।१० उ. २७।११ या., चित्रा. रविः १२।०१ (सौरः २६।२६), B
११	गु	५०	०९	२६	३५	श्ले	१९	०९	१४	११	सा	१४	३७	१२	२२	ब	२१	०९	१४	५९	४४	३१	०१	सिंहे १४।११	१९	२४	११	इंदिरा ११ व्र., पातस्पर्शः १८।५४, मोक्षः २३।५९
१२	शु	४६	३९	२५	११	मघा	१८	२२	१३	५३	शु	९	५८	१०	३१	कौ	१८	३७	१३	५९	४०	३२	००	सिंहे	२०	२५	१२	सन्यासिनां श्राद्धं [B स्वा.-१ शनिः १६।०१
१३	श	४१	२७	२३	०७	पूफा	१५	४५	१२	५०	शु	३ ५६	४८ २२	८ २९	०४ ०५	ग	१४	१४	१२	१४	३६	३२	५ ५९	कन्या १८।२९	२१	२६	१३	भ. २३।०७ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., युगादि
१४	र	३४	५३	२०	३०	उफा	११	३६	११	११	ऐ	४७	५२	२५	४२	वि	८	१८	९	५२	३२	३३	५८	कन्या	२२	२७	१४	भ. ९।५२ या., शस्त्रादि हतानां श्राद्धं [A बुधः १२।४०
३०	सो	२७	२०	१७	३०	हस्त	६	१९	९	०५	वै	३८	४०	२२	०१	च	१	१२	७	०२	२८	३४	५७	तुला. ११।५५	२३	२८	१५	द्रेवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., सर्वपितृ श्राद्धम्, विशा. A

अयनांशाः २४।०१।२१
२६ पं. आ.कृ. ५ शु. इष्टघटी ३०।१६
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	७	६	१	४	६	७	५
१८	०४	०६	२२	०८	०६	०४	१८
४०	४९	०७	१८	३०	०५	१०	०३
०४	५४	२९	४३	३३	२०	२७	५७
५९	४२	८८	०	७०	७	३	५९
१०	२१	४८	११	०९	०३	११	१५
ह	अनु	चि	रो	म	चि	अनु	ह
३	१	४	४व	३	४	१	३



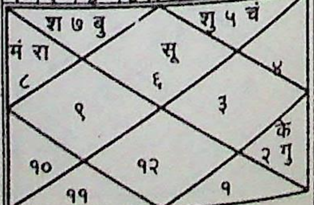
अक्टुबर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेलवे-टाईम						कलकता रेलवे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१ चं	५	१४	१३	५६	५९	०१	३	१६	२९	३७	६	३३	६	२३	२९	३२	५	३१	५	२०
२ मं	५	१५	१२	५७	५९	०३	३	४०	२९	३४	६	३३	६	२३	२९	२९	५	३२	५	१९
३ बु	५	१६	१२	००	५९	०५	४	०३	२९	३१	६	३३	६	२२	२९	२५	५	३२	५	१८
४ गु	५	१७	११	०४	५९	०७	४	२६	२९	२९	६	३३	६	२१	२९	२२	५	३२	५	१७
५ शु	५	१८	१०	११	५९	०९	४	४९	२९	२६	६	३४	६	२०	२९	१९	५	३३	५	१६
६ श	५	१९	०९	२०	५९	११	५	१२	२९	२३	६	३४	६	१९	२९	१६	५	३३	५	१५
७ र	५	२०	०८	३०	५९	१३	५	३५	२९	२१	६	३४	६	१८	२९	१३	५	३३	५	१४
८ चं	५	२१	०७	४३	५९	१५	५	५८	२९	१८	६	३४	६	१८	२९	१०	५	३४	५	१३
९ मं	५	२२	०६	५८	५९	१७	६	२१	२९	१६	६	३५	६	१७	२९	०६	५	३४	५	१२
१० बु	५	२३	०६	१५	५९	१९	६	४४	२९	१३	६	३५	६	१६	२९	०३	५	३४	;	१२
११ गु	५	२४	०५	३४	५९	२१	७	०६	२९	१०	६	३५	६	१५	२९	००	५	३५	५	११
१२ शु	५	२५	०४	५५	५९	२३	७	२९	२९	०८	६	३५	६	१५	२८	५७	५	३५	५	१०
१३ श	५	२६	०४	१८	५९	२५	७	५१	२९	०५	६	३६	६	१४	२८	५४	५	३५	५	०९
१४ र	५	२७	०३	४४	५९	२७	८	१४	२९	०३	६	३६	६	१३	२८	५१	५	३६	५	०८
१५ चं	५	२८	०३	११	५९	२९	८	३६	२९	००	६	३६	६	१२	२८	४८	५	३६	५	०७

मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। सोमवारी अमावस होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रबल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुख हो। शुक्ला चतुर्थी का क्षय होने से मूंग घी महंगें हों। आसोज सुदी नौमी को मंगलवार होने से कपासादि का भाव मंदा हो। पूर्णिमा अश्विनी युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। मंगलवार की सक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों।

अयनांशाः २४।०१।२२
२७ पं. आ.कृ.१२ शु. इष्टघटी ३०।०७
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	७	६	१	४	६	७	५
२५	०९	१६	२२	१६	०६	०३	२४
३४	४८	१३	१२	४४	५५	४८	५९
५५	००	०३	१४	११	०२	१२	२८
५९	४२	८३	१	७१	७	३	५९
२४	५४	१७	४४	००	१०	११	३१
चि	अनु	स्वा	रो	पूफा	स्वा	अनु	चि.
१	२	३	४व	२	१	१	१



आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, १६ अक्टूबर से २९ अक्टूबर तक नवलगढ चंद्रः | तारीख

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.
१	मं	१९	१४	१४	१६	चित्रा	० ५३	१८ ५९	६ २८	४१ ०९	वि	२९	०३	१८	११	ब	११	१४	१४	१६	२८ २४	६ ३४	५ ५६	तुला.	२४	२९	१६
२	बु	१०	५७	१०	५७	विशा	४७	४१	२५	३९	प्री	११	२०	१४	११	कौ	१०	५७	१०	५७	२०	३५	५५	वृश्चि. २०।१६	२५	३०	१७
३	गु	२	५०	७	४३	अनु	४१	४८	२३	१८	आ	९	४९	१०	३१	ग	२	५०	७	४३	१६	३५	५४	वृश्चि.	२६	१	१८
४	गु	५५	१३	२८	४१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
५	शु	४८	२१	२५	५६	ज्ये	३६	३७	२१	१५	सौ	० ५२	४२ १७	६ २७	५३ ३१	ब	२१	४१	१५	१६	१२	३६	५३	धनु. २१।१५	२७	२	१९
६	श	४२	३०	२३	३६	मूल	३२	२२	१९	३३	अ	४४	३९	२४	२८	कौ	१५	१६	१२	४३	०९	३६	५२		२८	३	२०
७	र	३७	४७	२१	४४	पूषा	२९	१४	१८	११	सु	३७	५८	२१	४८	ग	९	५८	१०	३६	०५	३७	५१	२४।०५	२९	४	२१
८	सो	३४	२१	२०	२२	उषा	२७	२२	१७	३५	धृ	३२	१९	१९	३३	वि	५	५३	८	५९	०१	३८	५०	मकरे	३०	५	२२
९	मं	३२	१९	१९	३४	श्रव	२६	५०	१७	२२	शू	२७	४३	१७	४४	बा	३	०९	७	५४	२७ ५७	३८	४९	कुंभे २९।२८	१	६	२३
१०	बु	३१	३८	१९	१८	धनि	२७	३९	१७	४२	गं	२४	१४	१६	२०	तै	१	४७	७	२२	५३	३९	४८	कुंभे	२	७	२४
११	गु	३२	१९	१९	३५	शत	२९	४७	१८	३४	वृ	२१	४७	१५	२३	व	१	४८	७	२३	४९	४०	४७	कुंभे	३	८	२५
१२	शु	३४	१७	२०	२३	पूभा	३३	०९	१९	५६	ध्रु	२०	२९	१४	४९	ब	३	०८	७	५६	४६	४०	०७	मीने ३।३३	४	९	२६
१३	श	३७	२६	२१	३९	उभा	३७	३९	२१	४५	व्या	१९	५१	१४	३७	कौ	५	४२	८	५८	४२	४१	४६	मीने	५	१०	२७
१४	र	४१	३५	२३	२०	रेव	४३	०८	२३	५७	ह	२०	०७	१४	४४	ग	९	२३	१०	२७	३८	४२	४५	मेषे २३।५७	६	११	२८
१५	सो	४६	३८	२५	२२	अश्वि	४९	२७	२६	२९	व	२१	०६	१५	०९	वि	१४	००	१२	१८	३५	४२	४४	मेषे	७	१२	२९

शरदृतु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ५५९, अक्टूबर २०१२

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेनजयंती , आकाशदीपारंभः, मातामह E
चंद्रदर्शनम्(मु.४५), तुलायांसौरः१९।३७ [E श्रा., तुलायां रविः २९।३४
भ. १८।१० उ. २८।४१ या., जिल्हेज १२
[A श्रवणे, भा. कार्तिकारंभः, पातस्पर्शः ९।०४, मोक्षः १५।०४, D
उपांग ललिता व्र. [D स्वा. रविः २२।३०, वृश्चिके बुधः १०।२५, I
सरस्वती आवाहनं मूलभे, उफा.शुक्रः २६।५० [I कन्यायांशुक्रः २१।३२
भ. २१।४४ उ., भद्रकाली अवतार, सरस्वती पूजनं पू.षाभे, F
भ. ८।५९ या., महाष्टमी, बलिदानं उ.षाभे, सायन वृश्चिके भानुः G
पंचक प्रारम्भः २९।२८, मन्वादि, शस्त्रादि पूजा, सरस्वती विसर्जनं A
बोद्धावतार, विजया १०, शमीपूजा, पट्टाभिषेक, स्वा. सौरः १२।०८
भ. ७।२३ उ. १९।३५ या., पापांकुशा ११ व्र. [G २९।५३, M
कार्तिके द्विदलं त्यजेत्, अनु. बुधः ११।४३ [M ज्येष्ठा. भौमः ७।१७
प्रदोषः [F विशा.-४ राहुः १५।२०, कृत्ति.-२ केतुः १५।२०
भ. २३।२० उ., पंचक समाप्तिः २३।५७
भ. १२।१८ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, शरद पूर्णिमा, कोजागरी व्र., B
[B बंगीय लक्ष्मी पूजा, नवान्न भक्षण, आश्वयुजी कर्म (आश्वलायन शाखा), कार्तिक स्नान प्रा.

अयनांशाः २४।०१।२३
२८ पं. आ.शु. ५ शु.इष्टघटी २९।५७
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	७	६	१	४	६	७	६
०२	१४	२५	२१	२५	०७	०३	०१
३१	४९	३४	५५	०३	४५	२५	५६
२७	५८	०३	५७	३०	२७	५६	५१
५९	४३	७५	३	७१	७	३	५९
३८	२७	०३	०७	४५	१४	११	४७
चि	अनु	वि	रो	पूफा	स्वा	अनु	चि
३	४	२	४व	४	१	१	३



ता.	वा.	अक्टूबर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
१६	मं	५	२९	०२	४०	५९	३१	८	५८	२८	५७	६	३७	६	१२	२८	४४	५	३७	५	०६
१७	बु	६	००	०२	११	५९	३३	९	२०	२८	५५	६	३७	६	११	२८	४१	५	३७	५	०६
१८	गु	६	०१	०१	४५	५९	३५	९	४२	२८	५२	६	३७	६	१०	२८	३८	५	३७	५	०५
१९	शु	६	०२	०१	२०	५९	३७	१०	०४	२८	५०	६	३८	६	०९	२८	३५	५	३८	५	०४
२०	श	६	०३	००	५७	५९	३९	१०	२५	२८	४७	६	३८	६	०९	२८	३२	५	३८	५	०३
२१	र	६	०४	००	३७	५९	४१	१०	४६	२८	४५	६	३८	६	०८	२८	२९	५	३९	५	०२
२२	चं	६	०५	००	१८	५९	४३	११	०८	२८	४२	६	३९	६	०७	२८	२६	५	३९	५	०२
२३	मं	६	०६	००	०२	५९	४५	११	२९	२८	४०	६	३९	६	०७	२८	२३	५	४०	५	०१
२४	बु	६	०६	५९	४७	५९	४७	११	५०	२८	३७	६	३९	६	०६	२८	२०	५	४०	५	००
२५	गु	६	०७	५९	३४	५९	४९	१२	१०	२८	३५	६	४०	६	०६	२८	१७	५	४१	४	५९
२६	शु	६	०८	५९	२४	५९	५१	१२	३१	२८	३२	६	४०	६	०५	२८	१४	५	४१	४	५९
२७	श	६	०९	५९	१५	५९	५३	१२	५१	२८	३०	६	४०	६	०४	२८	११	५	४२	४	५८
२८	र	६	१०	५९	०८	५९	५५	१३	११	२८	२८	६	४१	६	०४	२८	०८	५	४२	४	५७
२९	चं	६	११	५९	०३	५९	५७	१३	३१	२८	२५	६	४१	६	०३	२८	०५	५	४३	४	५७

संक्रांति फलम्

ता. १६ अक्टूबर २०१२

आश्वि. शु. १ भौमे तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. २९।३४ वारात् ३ नक्षत्रात् ५ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरितकंचुकी गताल्पकावस्था (उभी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) २३।३४ से बुधे ११।३४ तक। (दान- तिल गोरस)।

अयनांशाः २४।०१।२३
२९ पं. आ.शु.१२ शु. इष्टघटी २९।४६
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	७	७	१	५	६	७	६
०९	१९	०३	२१	०३	०८	०३	०८
२९	५५	३७	३०	२७	३६	०३	५६
३८	३७	४३	१०	५१	१०	४१	०३
५९	४३	५९	४	७२	७	३	६०
५२	५७	०५	२५	२५	१५	११	०२
स्वा	ज्ये	अनु	रो	उफा	स्वा	वि	स्वा
१	१	१	४व	३	१	४	१



कार्तिक कृष्णपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, ३० अक्टूबर से १३ नवंबर तक नवलगढ — हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति महा., अक्टूबर-नवंबर २०१२

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टे. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	मं	५२	२५	२७	४१	भर	५६	२७	२९	१८	सि	२२	३९	१५	४७	बा	१९	२६	१४	२९	२७ ३१	६ ४३	५ ४३	मेषे	८	१३	३०	
२	बु	५८	४५	३०	१४	कृति	...	...	...	...	व्य	२४	४२	१६	३६	तै	२५	३०	१६	५६	२७	४४	४३	वृषे १२।०२	९	१४	३१	हस्ते शुक्रः २८।११
३	गु	...	...	...	...	कृति	३	५५	८	१८	व	२७	०३	१७	३४	व	३२	०२	१९	३३	२४	४४	४२	वृषे	१०	१५	१	म. १९।३३ उ., नवंबर ११ ता. ३०
३	शु	५	२२	८	५४	रोहि	११	४३	११	२६	प	२९	३५	१८	३५	वि	५	२२	८	५४	२०	४५	४१	मिथु. २५।००	११	१६	२	भ. ८।५४ या., करवा ४ चन्द्रोदयः २०।१९, दशरथ ललिता व्र.
४	श	१२	००	११	३४	मृग	१९	२७	१४	३२	शि	३१	५७	१९	३३	बा	१२	००	११	३४	१७	४६	४०	मिथु.	१२	१७	३	[A (व) रोहि.-३ गुरुः १७।३५, चित्रा. शुक्रः २६।१७
५	र	१८	११	१४	०३	आर्द्रा	२६	४१	१७	२७	सि	३३	५२	२०	१९	तै	१८	११	१४	०३	१३	४६	४०	मिथु.	१३	१८	४	[C मोक्षः २६।११, विशा. रविः ३०।३८,
६	सो	२३	२२	१६	०८	पुन	३२	५५	१९	५७	सा	३४	५७	२०	४६	व	२३	२२	१६	०८	१०	४७	३९	कर्के १३।२३	१४	१९	५	भ. १६।०८ उ. २८।५८ या., स्कन्द षष्ठी, पातस्पर्शः १८।२०, C
७	मं	२७	०५	१७	३८	पुष्य	३७	४२	२१	५३	शु	३४	५२	२०	४५	ब	२७	०५	१७	३८	०६	४८	३८	कर्के	१५	२०	६	होई (अहोरी) ८, विशा. सौरः १९।१५
८	बु	२८	५८	१८	२४	श्ले	४०	४०	२३	०४	शु	३३	२१	२०	०९	कौ	२८	५८	१८	२४	०३	४९	३८	सिंहे २३।०४	१६	२१	७	वक्री बुधः १३।०२, स्वा.-२ शनिः ९।१३
९	गु	२८	४९	१८	२१	मघा	४१	३७	२३	२८	ब्र	३०	१४	१८	५५	ग	२८	४९	१८	२१	००	४९	३७	सिंहे	१७	२२	८	भ. ३०।०० उ., बुधास्तः पश्चिमायाम् २५।०४, शनेरुदयः D
१०	शु	२६	३४	१७	२८	पूफा	४०	३३	२३	०३	ऐ	२५	३०	१७	०२	वि	२६	३४	१७	२८	२६ ५६	५०	३७	कन्या २८।५०	१८	२३	९	भ. १७।२८ या., धनुषि मूले भौमः ९।२१
११	श	२२	२३	१५	४८	उफा	३७	३७	२१	५४	वै	१९	१२	१४	३२	बा	२२	२३	१५	४८	५३	५१	३६	कन्या	१९	२४	१०	रमा ११ व्र., गोवत्स द्वादशी [D पूर्वस्याम् २३।५७
१२	र	१६	२८	१३	२७	हस्त	३३	०४	२०	०५	वि	११	३०	११	२८	तै	१६	२८	१३	२७	५०	५२	३५	कन्या	२०	२५	११	प्रदोषः, धनतेरस, धन्वन्तरी जयंती, यमायदीपदानं, गोत्रिरात्र व्र., A
१३	सो	९	१०	१०	३२	चित्रा	२७	१४	१७	४६	प्री	२ ५२	३९ ५७	७ २८	५६ ०३	व	९	१०	१०	३२	४७	५२	३५	तुला. ६।५९	२१	२६	१२	भ. १०।३२ उ. २०।५५ या., मासिकशिवरात्री व्र., दीपदानं
१४	मं	०	५०	७	१३	स्वा	२०	३१	१५	०५	सौ	४२	३८	२३	५६	श	०	५०	७	१३	४४	५३	३५	तुला.	२२	२७	१३	देवपितृकार्येऽमा., रूप (नरक) १४, प्रभात स्नानं महालक्ष्मी पूजा, B
३०	मं	५९	५५	२७	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B कुबेर पू., बलीपूजा,

अयनांशाः २४।०१।२४
३० पं. का.कृ. ३ शु. इष्टघटी २९।३४
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	७	७	९	५	६	७	६
१६	२५	०९	२०	११	०९	०२	१५
२९	०४	०८	५५	५६	२६	४१	५७
२४	४७	२१	३३	३७	५१	२५	००
६०	४४	२७	५	७३	७	३	६०
०६	२६	२६	३७	०१	१३	११	१६
स्वा	ज्ये	अनु	रो	ह	स्वा	वि	स्वा
३	३	२	४व	१	१	४	३



२ च.

अक्टुबर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
३० मं	६	१२	५९	०१	५९	५९	१३	५१	२८	२३	६	४२	६	०३	२८	०३	५	४३	४	५६
३१ बु	६	१३	५९	००	६०	०१	१४	११	२८	२१	६	४२	६	०२	२८	००	५	४४	४	५६
१ गु	६	१४	५९	००	६०	०३	१४	३०	२८	१८	६	४२	६	०२	२७	५७	५	४४	४	५५
२ शु	६	१५	५९	०३	६०	०५	१४	४९	२८	१६	६	४३	६	०१	२७	५४	५	४५	४	५४
३ श	६	१६	५९	०८	६०	०७	१५	०८	२८	१४	६	४३	६	०१	२७	५१	५	४५	४	५४
४ र	६	१७	५९	१५	६०	०८	१५	२६	२८	११	६	४४	६	००	२७	४९	५	४६	४	५३
५ चं	६	१८	५९	२३	६०	१०	१५	४५	२८	०९	६	४४	६	००	२७	४६	५	४६	४	५३
६ मं	६	१९	५९	३३	६०	१२	१६	०३	२८	०७	६	४५	६	००	२७	४३	५	४७	४	५२
७ बु	६	२०	५९	४५	६०	१४	१६	२०	२८	०५	६	४५	५	५९	२७	४०	५	४८	४	५२
८ गु	६	२१	५९	५९	६०	१५	१६	३८	२८	०३	६	४६	५	५९	२७	३८	५	४८	४	५१
९ शु	६	२३	००	१४	६०	१७	१६	५५	२८	००	६	४६	५	५९	२७	३५	५	४९	४	५१
१० श	६	२४	००	३२	६०	१९	१७	१२	२७	५८	६	४७	५	५८	२७	३३	५	४९	४	५०
११ र	६	२५	००	५१	६०	२१	१७	२९	२७	५६	६	४७	५	५८	२७	३०	५	५०	४	५०
१२ चं	६	२६	०१	११	६०	२२	१७	४५	२७	५४	६	४८	५	५८	२७	२८	५	५१	४	५०
१३ मं	६	२७	०१	३४	६०	२४	१८	०१	२७	५२	६	४८	५	५७	२७	२५	५	५१	४	४९

मास फलम्

इस माह कार्तिक में पांच मंगलवार होने से शुभ है। पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो यथा- ॥बुधेरसक्षयो भूम्याम्॥ कृ. पंचमी को आर्द्रा होने से घास का का भाव तेज हो और अल्पवृष्टि से चौपायों को दुःख हो।. पूर्णिमा बुधवार और कृतिका युक्त होने से शुभ फल दायिनी है। गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें। हस्त नक्षत्र में शुक्र होने से कौरव और चित्रकार पीडित हों, मेघों की गर्जना के साथ कहीं कहीं वर्षा हो।

अयनांशाः २४।०१।२५
३१ पं. का.कृ.१० शु. इष्टघटी २९।२१
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	८	७	१	५	६	७	६
२३	००	०९	२०	२०	१०	०२	२२
३०	१७	४४	१३	२९	१७	१९	५९
४२	१३	३३	०७	१५	०५	१०	३५
६०	४४	२९	६	७३	७	३	६०
१८	५३	३२	३८	३१	०७	११	३०
वि	मू	अनु	रो	ह	स्वा	वि	वि
२	१	२व	४व	४	२	४	१



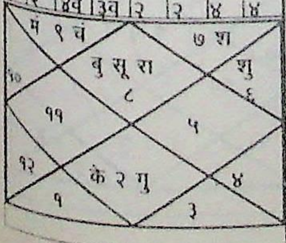
कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, १४ नवंबर से २८ नवंबर तक नवलगढ — चंद्रः — तारीख — हेमन्तर्तु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ५८८, नवंबर २०१२

ति	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।F [F
१	बु	४२	४२	२३	५९	विशा	१३	१९	१२	१३	शो	३२	०३	१९	४३	किं	१७	१८	१३	४९	२६ ४१	६ ५४	५ ३४	वृश्चि. ६।५७	२३	२८	१४	गोवर्धन पू., अन्नकूटं देशाचारे, गोक्रीडा, मार्गपाली बं., गुर्जराणां C
२	गु	३३	४०	२०	२२	अनु	६	०२	९	११	अ	२१	३३	१५	३२	बा	८	०८	१०	१०	३८	५५	३४	धनु. ३०।३३	२४	२९	१५	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), भ्रातृ २, यम २, यमुनास्नानं, कलमदवातपू., J
३	शु	२५	०९	१६	५९	मूल	५९ ५२	०६ ५३	३० २८	३३ ०४	सु	११	२४	११	२९	ग	२५	०९	१६	५९	३५	५५	३३	धनु.	२५	१	१६	भ. २७।२५ उ., मोहोर्रम १ सन १४३४ हि., पातस्पर्शः २९।४६, वृश्चिके K
४	श	१७	३३	१३	५७	पूषा	४७	४४	२६	०२	धृ	१	५६	७	४२	वि	१७	३३	१३	५७	३२	५६	३३	धनु.	२६	२	१७	भ.१३।५७ या., दूर्वागणपतिव्र., पातमोक्षः १६।३४, तुलायांशुक्रः १२।२२
५	र	११	१२	११	२६	उषा	४४	००	२४	३३	गं	५३ ४६	२५ ०३	२८ २५	१८ २२	बा	११	१२	११	२६	२९	५७	३२	मक. ७।३६	२७	३	१८	सौभाग्य ५, पाण्डव ५, (व) तुलायां बुधः २६।४४ [K सौरः१७।०७, L
६	सो	६	२२	९	३१	श्रव	४१	५६	२३	४४	वृ	४०	०१	२२	५८	तै	६	२२	९	३१	२६	५८	३२	मक.	२८	४	१९	कल्पादि, अनु.रविः १२।३९ (सौरः २४।०९) [L (व) विशा.बुधः १५।२९
७	मं	३	१९	८	१८	धनि	४१	३९	२३	३८	ध्रु	३५	२६	२१	०९	व	३	१९	८	१८	२३	५८	३२	कुंभे ११।३५	२९	५	२०	भ. ८।१८ उ. १९।५८ या., पंचक प्रारम्भः ११।३५
८	बु	२	०७	७	५०	शत	४३	१२	२४	१६	व्या	३२	२०	१९	५५	ब	२	०७	७	५०	२१	५९	३२	कुंभे	३०	६	२१	युगादि, गोपाष्टमी, कुष्माण्ड (अक्षय) ९, सायन धनुषि भानुः २७।२७
९	गु	२	४८	८	०७	पूभा	४६	२८	२५	३५	ह	३०	३७	१९	१५	कौ	२	४८	८	०७	१८	७ ००	३१	मीने १९।१२	१	७	२२	भा. मार्गशीर्षारंभः, बुधोदयः पूर्वस्याम् १६।५८, स्वा. शुक्रः २१।५५
१०	शु	५	१२	९	०६	उभा	५१	१५	२७	३१	व	३०	०९	१९	०४	ग	५	१२	९	०६	१६	०१	३१	मीने	२	८	२३	भ. २१।४९ उ. [J आकाशदीप समाप्तिः, वृश्चिके रविः २९।१९
११	श	९	०६	१०	४०	रेव	५७	१४	२९	५५	सि	३०	४२	१९	१८	वि	९	०६	१०	४०	१३	०२	३१	मेषे २९।५५	३	९	२४	भ. १०।४० या., प्रबोधिनी ११ व्र., देवोत्थापनं, तुलसी विवाह, B
१२	र	१४	१०	१२	४२	अश्वि	...	...	...	...	व्य	३२	०३	१९	५२	बा	१४	१०	१२	४२	११	०२	३१	मेषे	४	१०	२५	प्रदोषः, मन्वादि [C नूतन वर्षारंभः, नेहरुजयन्ती (बालदिवस)
१३	सो	२०	०२	१५	०४	अश्वि	४	०१	८	४०	व	३३	५४	२०	३७	तै	२०	०२	१५	०४	०९	०३	३१	मेषे	५	११	२६	वैकुण्ठ १४, रोटक व्रत समाप्तिः, पूषा. भौमः २४।३९
१४	मं	२६	२३	१७	३७	भर	११	२२	११	३७	प	३६	०५	२१	३०	व·	२६	२३	१७	३७	०६	०४	३०	वृषे १८।२२	६	१२	२७	भ. १७।३७ उ. ३०।५६ या., कार्तिक व्रतोद्यापनं, मार्गी बुधः १५।४२
१५	बु	३२	५७	२०	१५	कृति	१८	५८	१४	४०	शि	३८	२३	२२	२६	ब	३२	५७	२०	१५	०४	०५	३०	वृषे	७	१३	२८	मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, त्रिपुरोत्सव, पुष्कर यात्रा, नानक A

[B चतुर्मास व्रतसमाप्तिः, पंचकसमाप्तिः २९।५५, भीष्मपंचक प्रा., हरिवासरः २३।१७ से २९।५५ [A जयंती, गोपद्मव्रतसमाप्ति, भीष्मपंचक समाप्ति, कार्तिकस्नान पूर्तिः, महाकार्तिकी

अयनांशाः २४।०१।२६
३२ पं. का.शु. ३ शु. इष्टघटी २९।०८
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	८	७	१	५	६	७	७
००	०५	०३	१९	२९	११	०१	००
३३	३२	०९	२४	०५	०६	५६	०३
२४	४५	५९	१३	११	२८	५४	४२
६०	४५	८१	७	७३	६	३	६०
३०	१९	२२	२५	५७	५८	११	४२
वि	मू	वि	रो	चि	स्वा	वि	वि
४	२	४व	३व	२	२	४	४



नवम्बर ता.	वा.	रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
१४	बु	६	२८	०१	५८	६०	२६	१८	१७	२७	५०	६	४९	५	५७	२७	२३	५	५२	४	४९
१५	गु	६	२९	०२	२४	६०	२७	१८	३२	२७	४८	६	५०	५	५७	२७	२१	५	५३	४	४९
१६	शु	७	००	०२	५१	६०	२९	१८	४७	२७	४६	६	५०	५	५७	२७	१८	५	५३	४	४८
१७	श	७	०१	०३	२०	६०	३०	१९	०२	२७	४५	६	५१	५	५७	२७	१६	५	५४	४	४८
१८	र	७	०२	०३	५०	६०	३२	१९	१७	२७	४३	६	५१	५	५६	२७	१४	५	५४	४	४८
१९	चं	७	०३	०४	२३	६०	३४	१९	३१	२७	४१	६	५२	५	५६	२७	१२	५	५५	४	४८
२०	मं	७	०४	०४	५६	६०	३५	१९	४४	२७	३९	६	५२	५	५६	२७	०९	५	५६	४	४८
२१	बु	७	०५	०५	३१	६०	३७	१९	५८	२७	३८	६	५३	५	५६	२७	०७	५	५६	४	४७
२२	गु	७	०६	०६	०८	६०	३८	२०	११	२७	३६	६	५४	५	५६	२७	०५	५	५७	४	४७
२३	शु	७	०७	०६	४६	६०	३९	२०	२३	२७	३४	६	५४	५	५६	२७	०३	५	५८	४	४७
२४	श	७	०८	०७	२५	६०	४१	२०	३५	२७	३३	६	५५	५	५६	२७	०२	५	५८	४	४७
२५	र	७	०९	०८	०६	६०	४२	२०	४७	२७	३१	६	५५	५	५६	२७	००	५	५९	४	४७
२६	चं	७	१०	०८	४८	६०	४४	२०	५९	२७	३०	६	५६	५	५६	२६	५८	६	००	४	४७
२७	मं	७	११	०९	३२	६०	४५	२१	१०	२७	२८	६	५७	५	५६	२६	५६	६	०१	४	४७
२८	बु	७	१२	१०	१७	६०	४६	२१	२१	२७	२७	६	५७	५	५६	२६	५४	६	०१	४	४७

संक्रांति फलम्

ता. १५ नवंबर २०१२
का. शु. २ गुरौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २९।१९ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं, पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) २२।५५ से २९।१९ तक । (दान- दीप) ।

अयनांशाः २४।०१।२७
३३ पं. का.शु.१० शु. इष्टघटी २८।५४
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	८	६	१	६	६	७	७
०७	१०	२५	१८	०७	११	०१	०७
३७	५१	०५	३०	४३	५४	३४	०९
२५	०८	४४	३२	५४	३८	३९	१०
६०	४५	३३	७	७४	६	३	६०
४०	४२	५६	५७	१८	४५	११	५३
अनु	मू	वि	रो	स्वा	स्वा	वि	अनु
२	४	२व	३व	१	२	४	२



मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, २९ नवंबर से १३ दिसंबर तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | हेमन्तर्तु रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति महा., नवंबर-दिसंबर २०१२

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	आ	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	गु	३९	३१	२२	५४	रोहि	२६	३७	१७	४४	सि	४०	४०	२३	२२	बा	६	१४	९	३५	२६/०२	७/०५	५/३०	वृषे	८	१४	२९	
२	शु	४५	५५	२५	२८	मृग	३४	०७	२०	४५	सा	४२	४८	२४	१४	तै	१२	४४	१२	१२	००	०६	३०	मिथु. ७।१५	९	१५	३०	
३	श	५१	५०	२७	५१	आर्द्रा	४१	१४	२३	३७	शु	४४	३७	२४	५८	व	१८	५६	१४	४१	२५/५८	०७	३०	मिथु.	१०	१६	१	म. १४।४१ उ. २७।५१ या., सौभाग्य सुंदरी व्र., दिसंबर १२ ता. ३१
४	र	५७	००	२९	५६	पुन	४७	४१	२६	१२	शु	४५	५३	२५	२९	ब	२४	३०	१६	५६	५६	०८	३०	कर्क ११।३५	११	१७	२	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।४९, ज्येष्ठा. रविः १६।५५ (सौरः २७।१४)
५	सो	...	...	...	...	पुष्य	५३	०९	२८	२४	ब्र	४६	२४	२५	४२	कौ	२९	११	१८	४९	५५	०८	३०	कर्क	१२	१८	३	विशा. शुक्रः १५।४६
५	मं	९	०४	७	३५	श्ले	५७	२०	३०	०५	ऐ	४५	५५	२५	३१	तै	१	०४	७	३५	५३	०९	३०	सिंहे ३०।०५	१३	१९	४	
६	बु	३	४७	८	४१	मघा	५९	५६	३१	०९	वै	४४	१३	२४	५१	व	३	४७	८	४१	५१	१०	३१	सिंहे	१४	२०	५	भ. ८।४१ उ. २०।५९ या.
७	गु	४	५०	९	०७	पूफा	...	...	...	...	वि	४१	१०	२३	३९	ब	४	५०	९	०७	५०	११	३१	सिंहे	१५	२१	६	कालभैरवाष्टमी, वृश्चिके बुधः ९।५६, स्वा.-३ शनिः २०।३९
८	शु	४	०६	८	५०	पूफा	०/५९	४८/५७	७/३१	३१/१०	प्री	३६	४३	२१	५२	कौ	४	०६	८	५०	४८	११	३१	कन्या १३।२९	१६	२२	७	(व) रोहि.-२ गुरुः ९।२०
९	श	१	३२	७	४९	हस्त	५७	२०	३०	०८	आ	३०	५०	१९	३२	ग	१	३२	७	४९	४७	१२	३१	कन्या	१७	२३	८	भ. १९।०३ उ. ३०।०६ या., अनु. बुधः ३०।१९
१०	श	५७	१५	३०	०६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A शुक्रः १६।१९
११	र	५१	२१	२७	४५	चित्रा	५३	०९	२८	२८	सौ	२३	३७	१६	३९	ब	२४	२९	१७	००	४६	१३	३१	तुला. १७।२३	१८	२४	९	उत्पत्ति ११ व्र.स्मार्त, वैतरणी व्र.
१२	सो	४४	०६	२४	५२	स्वा	४७	३८	२६	१७	शो	१५	११	१३	१८	कौ	१७	५२	१४	२२	४५	१३	३१	तुला.	१९	२५	१०	उत्पत्ति ११ व्र.वैष्ण.
१३	मं	३५	४८	२१	३३	विशा	४१	०६	२३	४१	अ	५/५५	४७/३९	९/२९	३३/३०	ग	१०	०३	११	१५	४४	१४	३२	वृश्चि. १८।२१	२०	२६	११	म. २१।३३ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., वृश्चिके A
१४	बु	२६	४९	१७	५८	अनु	३३	५५	२०	४९	धृ	४५	०३	२५	१६	वि	१	२१	७	४७	४३	१५	३२	वृश्चि.	२१	२७	१२	म. ७।४७ या., महाव्रतारंभः
३०	गु	१७	२२	१४	१५	ज्ये	२६	२८	१७	५०	शू	३४	१८	२०	५९	ना	१७	२९	१४	१५	४२	१५	३२	धनु.. १७।५०	२२	२८	१३	देवपितृकार्येऽमा., गौरीतपोव्र.

अयनांशाः २४।०१।२८
३४ पं. मा.कृ. २ शु. इष्टघटी २८।४१
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	८	६	१	६	६	७	७
१४	१६	२५	१७	१६	१२	०१	१४
४२	१२	०५	३४	२४	४१	१२	१५
३३	०८	४८	०२	५३	१०	२४	५१
६०	४६	३८	८	७४	६	३	६१
४९	०३	२३	११	३५	३०	११	०३
अनु	पूषा	वि	रो	स्वा	स्वा	वि	अनु
४	१	२	३व	३	२	४	४



नवम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि	घं.	मि	घ.	प.	घं.	मि	घं.	मि.
२९	गु	७	१३	११	०३	६०	४७	२१	३१	२७	२६	६	५८	५	५६	२६	५३	६	०२	४	४७
३०	शु	७	१४	११	५०	६०	४९	२१	४१	२७	२४	६	५८	५	५६	२६	५१	६	०३	४	४७
१	श	७	१५	१२	३९	६०	५०	२१	५०	२७	२३	६	५९	५	५६	२६	५०	६	०३	४	४७
२	र	७	१६	१३	२९	६०	५१	२१	५९	२७	२२	७	००	५	५६	२६	४८	६	०४	४	४७
३	चं	७	१७	१४	१९	६०	५२	२२	०८	२७	२१	७	००	५	५७	२६	४७	६	०५	४	४७
४	मं	७	१८	१५	११	६०	५३	२२	१६	२७	२०	७	०१	५	५७	२६	४६	६	०५	४	४७
५	बु	७	१९	१६	०५	६०	५४	२२	२४	२७	१९	७	०२	५	५७	२६	४४	६	०६	४	४८
६	गु	७	२०	१६	५९	६०	५५	२२	३१	२७	१८	७	०२	५	५७	२६	४३	६	०७	४	४८
७	शु	७	२१	१७	५४	६०	५६	२२	३८	२७	१७	७	०३	५	५८	२६	४२	६	०७	४	४८
८	श	७	२२	१८	५०	६०	५७	२२	४४	२७	१६	७	०३	५	५८	२६	४१	६	०८	४	४८
९	र	७	२३	१९	४८	६०	५८	२२	५०	२७	१५	७	०४	५	५८	२६	४०	६	०८	४	४९
१०	चं	७	२४	२०	४६	६०	५९	२२	५६	२७	१४	७	०५	५	५८	२६	३९	६	०९	४	४९
११	मं	७	२५	२१	४५	६१	००	२३	०१	२७	१४	७	०५	५	५९	२६	३८	६	१०	४	४९
१२	बु	७	२६	२२	४५	६१	०१	२३	०६	२७	१३	७	०६	५	५९	२६	३८	६	१०	४	४९
१३	गु	७	२७	२३	४५	६१	०२	२३	१०	२७	१३	७	०६	५	५९	२६	३७	६	११	४	५०

संक्रांति फलम्

ता. १५ दिसंबर २०१२
मार्ग. शु. ३ शनौ धनुष्यर्कः प्र. (स्टै.) टा. १९।५३ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ .वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमी विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्याकालः (स्टै.) १९।५३ से २६।१७ तक । (दान- वस्त्र) ।

अयनांशाः २४।०१।२९
३५ पं. मा.कृ. ८ शु. इष्टघटी २८।२८
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	८	७	१	६	६	७	७
२१	२१	०१	१६	२५	१३	००	२१
४८	३५	३२	३६	०७	२५	५०	२३
४१	२९	१८	५२	४०	४१	०८	३३
६०	४६	७१	८	७४	६	३	६१
५७	२२	३७	०६	४८	१०	११	१०
ज्ये	पूषा	वि	रो	वि	स्वा	वि	ज्ये
२	३	४	२व	२	३	४	२



मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, १४ दिसंबर से २८ दिसंबर तक नवलगढ चंद्रः तारीख

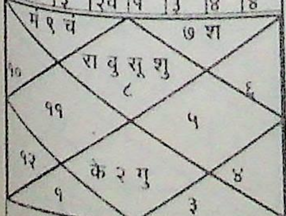
हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ६१८, दिसंबर २०१२

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	
१	शु	८	१७	१०	३५	मूल	१९	११	१४	५६	गं	२३	४६	१६	४६	ब	८	१७	१०	३५	२५ ४९	७ १६	५ ३३	धनु.	२३	२९	१४	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), उषा. भौमः ७।४८, अनु. शुक्रः ८।२३
२	शु	५९	३८	३१	०७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	|B विशा.-३ राहुः १२।५७, मेषे कृत्ति.-१ केतुः १२।५७
३	श	५१	५५	२८	०३	पूषा	१२	३२	१२	१७	वृ	१३	४५	१२	४७	तै	२५	३७	१७	३२	४१	१७	३३	मक १७।४१	२४	१	१५	रंभास्त्येयं, सफर २, धनुषि मूले रविः १९।५३ (सौरः २९।०१)
४	र	४५	३५	२५	३१	उषा	६	५७	१०	०४	ध्रु	४ ५६	३७ ४३	९ २९	०८ ५९	व	१८	३२	१४	४२	४०	१७	३३	मक.	२५	२	१६	भ. १४।४२ उ. २५।३१ या.
५	सो	४१	००	२३	४२	श्रव	२	५०	८	२६		५०	१४	२७	२४	ब	१३	०२	१२	३१	३९	१८	३४	कुंभे ११।५३	२६	३	१७	पंचक प्रारम्भः ११।५३, नागपंचमी
६	मं	३८	२७	२२	४१	धनि	०	३३	७	३२	व	४५	२३	२५	२८	कौ	९	२७	११	०५	३९	१८	३४	कुंभे	२७	४	१८	स्कंदषष्ठी, मकरे भौमः १४।३६, ज्येष्ठा. बुधः २३।४७
७	बु	३८	०५	२२	३३	शत	०	१९	७	२७	सि	४२	१५	२४	१३	ग	७	५९	१०	३०	३९	१९	३५	मीने २५।५६	२८	५	१९	भ. २२।३३ उ. |A मूले बुधः २१।४३, बुधास्तः पूर्वस्याम् ९।३८
८	गु	३९	५१	२३	१६	पूभा	२	१२	८	१३	व्य	४०	४४	२३	३७	वि	८	४१	१०	४८	३९	२०	३५	मीने	२९	६	२०	भ. १०।४८ या.
९	शु	४३	३४	२४	४६	उभा	६	०६	९	४६	व	४०	४१	२३	३७	बा	११	२९	११	५१	३९	२०	३६	मीने	३०	७	२१	कल्पादि, सायन मकरे भानुः, सायन उत्तरायण प्रारम्भ १६।४५
१०	श	४८	४९	२६	५२	रेव	११	४२	१२	०१	प	४१	४९	२४	०४	तै	१६	००	१३	४५	३९	२१	३६	मेषे १२।०१	१	८	२२	पंचक समाप्तिः १२।०१, भा. पोषारंभः, अयन करिदिन
११	र	५५	०६	२९	२३	अश्वि	१८	३४	१४	४६	शि	४३	४५	२४	५१	व	२१	५१	१६	०५	३९	२१	३७	मेषे	२	९	२३	भ. १६।०५ उ. २९।२३ या., मोक्षदा ११ व्र., गीता जयंती, तुलायां B
१२	सो	…	…	…	…	भर	२६	१०	१७	४९	सि	४६	०६	२५	४८	ब	२८	२६	१८	४४	३९	२२	३७	वृषे २४।३६	३	१०	२४	ज्येष्ठा. शुक्रः २४।१५
१२	मं	१	५१	८	०७	कृति	३४	००	२०	५८	सा	४८	३२	२६	४७	बा	१	५१	८	०७	३९	२२	३८	वृषे	४	११	२५	प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र., बडादिन
१३	बु	८	४०	१०	५०	रोहि	४१	४३	२४	०३	शु	५०	४९	२७	४२	तै	८	४०	१०	५०	४०	२२	३८	वृषे	५	१२	२६	पिशाच मोचन श्राद्धं |C (सौरः ३०।०१)
१४	गु	१५	०८	१३	२६	मृग	४८	५९	२६	५९	शु	५२	४५	२८	२९	व	१५	०८	१३	२६	४०	२३	३९	मिथु. १३।३३	६	१३	२७	भ. १३।२६ उ. २६।३९ या., श्री दत्त जयंती, पूर्णिमा व्रतं, धनुषि A
१५	शु	२१	०५	१५	४९	आर्द्रा	५५	४०	२९	३९	ब्र	५४	१२	२९	०४	ब	२१	०५	१५	४९	४१	२३	३९	मिथु.	७	१४	२८	पूर्णिमा पुण्यं, द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा, पूषा. रविः २२।०५ C

अयनांशाः २४।०१।३०
३६ पं. मा.शु. १ शु. इष्टघटी २८।१६
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	८	७	१	७	६	७	७
२८	२७	१०	१५	०३	१४	००	२८
५१	००	३८	४१	५१	०७	२७	३२
२०	५७	१४	११	४९	४६	५३	०४
६१	४६	८४	७	७४	५	३	६१
०२	३९	१५	४३	५८	४७	११	१६
ज्ये	उषा	अनु	रो	अनु	स्वा	वि	ज्ये
४	१	३	२च	१	३	४	४

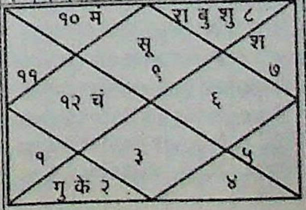


दिसम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम

ता.	वा.	रविस्पस्ट रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
१४	शु	७	२८	२४	४७	६१	०२	२३	१३	२७	१२	७	०७	६	००	२६	३६	६	१२	४	५०
१५	श	७	२९	२५	४९	६१	०३	२३	१७	२७	१२	७	०८	६	००	२६	३६	६	१२	४	५१
१६	र	८	००	२६	५२	६१	०४	२३	१९	२७	११	७	०८	६	०१	२६	३५	६	१३	४	५१
१७	चं	८	०१	२७	५६	६१	०४	२३	२२	२७	११	७	०९	६	०१	२६	३५	६	१३	४	५१
१८	मं	८	०२	२९	००	६१	०५	२३	२४	२७	११	७	०९	६	०२	२६	३५	६	१४	४	५२
१९	बु	८	०३	३०	०५	६१	०६	२३	२५	२७	११	७	१०	६	०२	२६	३५	६	१४	४	५२
२०	गु	८	०४	३१	१०	६१	०६	२३	२६	२७	११	७	१०	६	०२	२६	३४	६	१५	४	५३
२१	शु	८	०५	३२	१६	६१	०७	२३	२६	२७	११	७	११	६	०३	२६	३४	६	१५	४	५३
२२	श	८	०६	३३	२३	६१	०७	२३	२६	२७	११	७	११	६	०३	२६	३४	६	१६	४	५४
२३	र	८	०७	३४	३०	६१	०७	२३	२६	२७	११	७	१२	६	०४	२६	३४	६	१६	४	५४
२४	चं	८	०८	३५	३७	६१	०८	२३	२५	२७	११	७	१२	६	०५	२६	३५	६	१७	४	५५
२५	मं	८	०९	३६	४५	६१	०८	२३	२३	२७	११	७	१३	६	०५	२६	३५	६	१७	४	५५
२६	बु	८	१०	३७	५४	६१	०८	२३	२१	२७	११	७	१३	६	०६	२६	३५	६	१८	४	५६
२७	गु	८	११	३९	०२	६१	०९	२३	१९	२७	१२	७	१४	६	०६	२६	३६	६	१८	४	५६
२८	शु	८	१२	४०	११	६१	०९	२३	१६	२७	१२	७	१४	६	०७	२६	३६	६	१९	४	५७

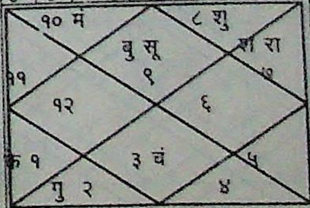
अयनांशाः २४।०१।३१
३७ पं. मा.शु. ९ शु. इष्टघटी २८।०६
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	९	७	१	७	६	७	८
०६	०२	२०	१४	१२	१४	००	०५
०३	२८	४५	४९	३६	४७	०५	४१
०९	१३	५४	०५	५७	०२	३७	१२
६१	४६	८९	७	७५	५	३	६१
०७	५३	२३	०२	०५	२१	११	२०
मू	उषा	ज्ये	रो	अनु	स्वा	वि	मू
२	२	२	२च	३	३	४	२



अयनांशाः २४।०१।३२
३८ पं. मा.शु.१५ शु. इष्टघटी २७।५९
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	९	८	१	७	६	६	८
१३	०७	०१	१४	२१	१५	२९	१२
११	५७	१९	०२	२२	२३	४३	५०
०५	०२	३२	२९	४५	०५	२२	४३
६१	४७	९९	६	७५	४	३	६१
०९	०५	४७	०७	०९	५२	११	२३
मू	उषा	मू	रो	ज्ये	स्वा	वि	मू
४	४	१	२व	२	३	३	४

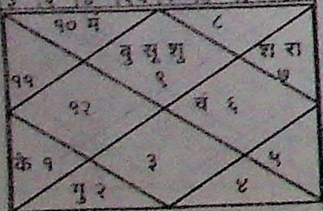


पोष कृष्णपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, २९ दिसंबर से ११ जनवरी तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे मार्गशीर्षकृष्णेति महा.,दिसं.२०१२-जन. २०१३

ति	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	श	२६	१९	१७	५५	पुन	...	...	...	...	ऐ	५५	०५	२९	२५	कौ	२६	१९	१७	५५	२५ ४२	७ २३	५ ४०	कर्क २५।२९	८	१५	२९	
२	र	[illegible]	४४	१९	४१	पुन	१	३७	८	०३	वै	५५	१९	२९	३१	ग	३०	४४	१९	४१	४२	२४	४१	कर्क	९	१६	३०	
३	सो	३४	१३	२१	०५	पुष्य	६	४४	१०	०६	वि	५४	४८	२९	१९	व	२	३५	८	२६	४३	२४	४१	कर्क	१०	१७	३१	भ. ८।२६ उ. २१।०५ या., श्रव. भौमः ९।१४
४	मं	३६	३७	२२	०३	श्ले	१०	५३	११	४६	प्री	५३	२७	२८	४७	ब	५	३३	९	३८	४४	२४	४२	सिंहे ११।४६	११	१८	१	अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।२७, जनवरी १ ता. ३१ A
५	बु	३७	५१	२२	३३	मघा	१३	५७	१२	५९	आ	५१	११	२७	५३	कौ	७	२२	१०	२१	४६	२५	४३	सिंहे	१२	१९	२	[A सन २०१३ ई.
६	गु	३७	४८	२२	३२	पूफा	१५	४९	१३	४५	सौ	४७	५६	२६	३५	ग	७	५९	१०	३६	४७	२५	४४	कन्या ११।५१	१३	२०	३	भ. २२।३२ उ.
७	शु	३६	२४	२१	५९	उफा	१६	२५	१३	५९	शो	४३	३६	२४	५१	वि	७	१६	१०	११	४८	२५	४४	कन्या	१४	२१	४	भ. १०।११ या., धनुषि मूले शुक्रः १५।४३
८	श	३३	३७	२०	५२	हस्त	१५	४०	१३	४१	अ	३८	११	२२	४२	बा	५	११	९	३०	४९	२५	४५	तुला. २५।२०	१५	२२	५	पूषा. बुधः १३।००, (व) रोहि.-१ गुरुः ७।५९
९	र	२९	२८	१९	१३	चित्रा	१३	३३	१२	५१	सु	३१	३२	२०	०६	तै	१	४३	८	०७	५१	२५	४६	तुला.	१६	२३	६	भ. ३०।११ उ.
१०	सो	२४	०१	१७	०२	स्वा	१०	०९	११	२९	धृ	२४	११	१७	०६	वि	२४	०१	१७	०२	५२	२५	४६	वृश्चि. २८।०९	१७	२४	७	भ. १७।०२ या.
११	मं	१७	२३	१४	२३	विशा	५ ५६	३३ ५७	९ ३१	३९ २०	शू	१५	४३	१३	४३	बा	१७	२३	१४	२३	५४	२६	४७	वृश्चि.	१८	२५	८	सफला ११ व्र., सुरुप द्वादशी १२
१२	बु	९	४९	११	२१	ज्ये	५३	३८	२८	५३	गं	६ ५६	२८ ४१	१० ३०	०१ ०६	तै	९	४९	११	२१	५६	२६	४८	धनु. २८।५३	१९	२६	९	प्रदोषः
१३	गु	१	३५	८	०४	मूल	४६	५७	२६	१२	वृ	४६	३६	२६	०४	व	१	३५	८	०४	५८	२६	४९	धनु.	२०	२७	१०	भ. ८।०४ उ. १८।२२ या., मासिकशिवरात्री व्र., B
१४	गु	५३	०४	२८	३९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B उषा. रविः २४।०२ (सौरः ३०।५०)
३०	शु	४४	३७	२५	१६	पूषा	४०	१८	२३	३३	व्या	३६	३३	२२	०३	च	१८	४८	१४	५७	२६ ००	२६	५०	मक. २८।५५	२१	२८	११	देवपितृकार्येऽमा., कुहूः

अयनांशाः २४।०१।३२
३९ पं. पौ.कृ. ७ शु. इष्टघटी २७।५४
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	९	८	१	८	६	६	८
२०	१३	१२	१३	००	१५	२९	२०
१९	२७	०७	२२	०८	१५	२१	००
११	०५	५६	४८	५८	५२	०७	२४
६१	४७	९३	४	७५	४	३	६१
१०	१४	५२	५९	१२	२०	११	२३
पूषा	श्र	मू	रो	मू	स्वा	चि	पूषा
३	२	४	२व	१	३	३	३



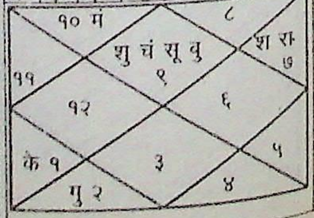
ता. वा	दिसम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अ.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि	सू. अ. घं.	मि.
२९ श	८	१३	४१	२०	६१	०९	२३	१३	२७	१२	७	१४	६	०७	२६	३७	६	१९	४	५८
३० र	८	१४	४२	२९	६१	०९	२३	०९	२७	१३	७	१५	६	०८	२६	३७	६	१९	४	५८
३१ चं	८	१५	४३	३८	६१	१०	२३	०५	२७	१४	७	१५	६	०९	२६	३८	६	२०	४	५९
१ मं	८	१६	४४	४८	६१	१०	२३	००	२७	१४	७	१५	६	०९	२६	३९	६	२०	५	००
२ बु	८	१७	४५	५८	६१	१०	२२	५५	२७	१५	७	१६	६	१०	२६	४०	६	२०	५	००
३ गु	८	१८	४७	०७	६१	१०	२२	४९	२७	१६	७	१६	६	१०	२६	४१	६	२१	५	०१
४ शु	८	१९	४८	१७	६१	१०	२२	४३	२७	१७	७	१६	६	११	२६	४२	६	२१	५	०१
५ श	८	२०	४६	२७	६१	१०	२२	३७	२७	१७	७	१७	६	१२	२६	४३	६	२१	५	०२
६ र	८	२१	५०	३६	६१	०९	२२	३०	२७	१८	७	१७	६	१२	२६	४४	६	२१	५	०३
७ चं	८	२२	५१	४६	६१	०९	२२	२२	२७	१९	७	१७	६	१३	२६	४५	६	२१	५	०४
८ मं	८	२३	५२	५५	६१	०९	२२	१४	२७	२०	७	१७	६	१४	२६	४६	६	२२	५	०४
९ बु	८	२४	५४	०४	६१	०९	२२	०६	२७	२२	७	१८	६	१४	२६	४८	६	२२	५	०५
१० गु	८	२५	५५	१३	६१	०९	२१	५७	२७	२३	७	१८	६	१५	२६	४९	६	२२	५	०६
११ शु	८	२६	५६	२२	६१	०८	२१	४८	२७	२४	७	१८	६	१५	२६	५१	६	२२	५	०६

मास फलम्

इस माह में पांच शनिवार होने से महँगाई हो। पांच रविवार नेष्ट फलप्रद है। शुक्रवारी अमावस होने से उद्धत मेघों से जलभ्रंश हो और खेती में बहुत उपद्रव हों तथा चौरो के उपद्रव भी नित्य रहें। शुक्ला चतुर्दशी की वृद्धि होने से सुभिक्ष हो। पूर्णिमा रविवार और पुष्य युक्त होने से धन की हानि हो। रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों। श्रवण पर मंगल होने से रोग हो, धान्योत्पत्ति कम हो, पीछे वर्षा हो। मूल में शुक्र होने से लोकभय और क्षेत्रपति का क्षय हो, प्रधान वैद्य पीड़ित हों अनावृष्टि हो।

अयनांशाः २४।०१।३३
४० पं. पौ.कृ.३० शु. इष्टघटी २७।५२
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	९	८	१	८	६	६	८
२७	१८	२३	१२	०८	१६	२८	२७
२७	५८	१३	५१	५५	२४	५८	१०
१५	०५	१७	४१	२४	२५	५१	०१
६१	४७	९६	३	७५	३	३	६१
०८	२१	५१	४२	१३	४४	११	२१
उषा	श्र	पूषा	रो	मू	स्वा	चि	उषा
१	३	३	१व	३	३	३	१



पौष शुक्लपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, १२ जनवरी से २७ जनवरी तक नवलगढ

शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः ६४७, जनवरी २०१३

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टै.	टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	श	३६	४३	२२	०७	उषा	३४	१०	२१	०६	ह	२६	५३	१८	११	किं	१०	३४	११	३९	२६ ०२	७ २६	५ ५०	मक.	-	२२	२९	१२	[A निरयन उत्तरायनारंभः, उषा. बुधः २१।३८
२	र	२९	४७	१९	२१	श्रव	२९	००	१९	०२	व	१७	५८	१४	३७	बा	३	०६	८	४०	०४	२६	५१	कुंभे	३०।१२	२३	३०	१३	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पंचक प्रारम्भः ३०।१२, मकरे रविः ३०।३३, A
३	सो	२४	१८	१७	०९	धनि	२५	१४	१७	३१	सि	१०	०८	११	२९	ग	२४	१८	१७	०९	०६	२६	५२	कुंभे		२४	१	१४	भ. २८।१९ उ., रविलावल ३, मकरे सौरः १३।०४, [C
४	मं	२०	३७	१५	४०	शत	२३	१५	१६	४३	व्य	३ ५८	४० ४७	८ ३०	५३ ५६	वि	२०	३७	१५	४०	०८	२६	५३	कुंभे		२५	२	१५	भ. १५।४० या., मकरे बुधः २२।२९, स्वा.-४ शनिः २६।४६, D
५	बु	१९	०२	१५	०२	पूभा	२३	१९	१६	४५	प	५५	३७	२९	४०	बा	१९	०२	१५	०२	१०	२५	५४	मीने	१०।४०	२६	३	१६	धनि. भौमः ३१।१६ [C पूषा. शुक्रः ३१।००
६	गु	१९	३९	१५	१७	उभा	२५	३२	१७	३८	शि.	५४	०९	२९	०५	तै	१९	३९	१५	१७	१३	२५	५४	मीने		२७	४	१७	[D सक्रान्ति करिदिन
७	शु	२२	२७	१६	२४	रेव	२९	४९	१९	२१	सि	५४	१४	२९	०७	व	२२	२७	१६	२४	१५	२५	५५	मेषे	१९।२१	२८	५	१८	भ. १६।२४ उ. २९।१५ या., पंचक समाप्तिः १९।२१
८	श	२७	०८	१८	१६	अश्वि	३५	५१	२१	४५	सा	५५	३४	२९	३९	ब	२७	०८	१८	१६	१८	२५	५६	मेषे		२९	६	१९	शांकभरी यात्रा, सायन कुंभे भानुः २७।२०
९	र	३३	११	२०	४१	भर	४३	०७	२४	३९	शु	५७	४२	३०	३०	बा	०	०१	७	२५	२०	२५	५७	मेषे		३०	७	२०	अभि.प्र.रविः१९।४० (सौरः २५।३९)
१०	सो	४०	००	२३	२५	कृति	५१	००	२७	४८	शु.	…	…	…	…	तै	६	३३	१०	०२	२३	२४	५८	वृषे	७।२६	१	८	२१	भा. माघारंभः, पातस्पर्शः १४।४३, मोक्षः ३०।५८, श्रव. बुधः २१।४८
११	मं	४६	५४	२६	१०	रोहि	५८	५३	३०	५७	शु	०	१५	७	३०	व	१३	३०	१२	४८	२६	२४	५८	वृषे		२	९	२२	भ. १२।४८ उ. २६।१० या., पुत्रदा ११ व्र., मन्वादि
१२	बु	५३	२२	२८	४५	मृग	…	…	…	…	ब्र	२	४३	८	२९	ब.	२०	१४	१५	२९	२८	२४	५९	मिथु.	२०।२८	३	१०	२३	नेताजी जयन्ती, श्रव. रविः २६।१७
१३	गु	५८	५८	३०	५९	मृग	६	१६	९	५४	ऐ	४	४६	९	१८	कौ	२६	१८	१७	५५	३१	२४	६ ००	मिथु.		४	११	२४	प्रदोषः, श्रव. सौरः ८।०१, अभि.नि. रविः २३।१६ (सौरः २८।५५)
१४	शु	…	…	…	…	आर्द्रा	१२	४७	१२	३०	वै	६	०९	९	५१	ग	३१	२२	१९	५६	३४	२३	०१	मिथु.		५	१२	२५	कुंभे भौमः १७।४१, उषा शुक्रः २२।१७
१४	श	३	३१	८	४७	पुन	१८	१६	१४	४१	वि	६	४५	१०	०५	व	३	३१	८	४७	३७	२३	०२	कर्के	८।११	६	१३	२६	भ. ८।४७ उ. २१।३१ या., पूर्णिमा व्रतं, शाकंभरी जयंती, B
१५	र	६	५४	१०	०८	पुष्य	२२	४०	१६	२६	प्री	६	२८	९	५८	ब	६	५४	१०	०८	४०	२२	०३	कर्के		७	१४	२७	पूर्णिमा पुण्यं, माघ स्नानारंभः [B गणराज्यदिवस

अयनांशाः २४।०१।३४

४१ प. पौ.शु. ७ शु. इष्टघटी २७।५४

(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
[illegible]	९	९	१	८	६	६	९
[illegible]	२४	०४	१२	१७	१६	२८	०४
[illegible]	२९	४२	२९	४१	४८	३६	१९
[illegible]	४४	३१	५०	५५	४३	३६	२१
६१	४७	१०८	२	७५	३	३	६१
[illegible]	२५	४१	२०	१३	०६	११	१८
[illegible]	घ	उषा	रो	पूभा	स्वा	वि	उषा
[illegible]	१	३	१व	२	४	३	३



जनवरी ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाइम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाइम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
१२	श	८	२७	५७	३०	६१	०८	२१	३९	२७	२५	७	१८	६	१६	२६	५२	६	२२	५	०७
१३	र	८	२८	५८	३८	६१	०८	२१	२९	२७	२७	७	१८	६	१७	२६	५४	६	२२	५	०८
१४	चं	८	२९	५९	४६	६१	०७	२१	१८	२७	२८	७	१८	६	१७	२६	५६	६	२२	५	०८
१५	मं	९	०१	००	५३	६१	०७	२१	०७	२७	२९	७	१८	६	१८	२६	५७	६	२२	५	०९
१६	बु	९	०२	०२	००	६१	०६	२०	५६	२७	३१	७	१८	६	१९	२६	५९	६	२२	५	१०
१७	गु	९	०३	०३	०७	६१	०६	२०	४५	२७	३२	७	१८	६	१९	२७	०१	६	२२	५	११
१८	शु	९	०४	०४	१२	६१	०५	२०	३३	२७	३४	७	१८	६	२०	२७	०३	६	२२	५	११
१९	श	९	०५	०५	१८	६१	०५	२०	२०	२७	३६	७	१८	६	२१	२७	०५	६	२२	५	१२
२०	र	९	०६	०६	२२	६१	०४	२०	०७	२७	३७	७	१८	६	२१	२७	०७	६	२२	५	१३
२१	चं	९	०७	०७	२६	६१	०४	१९	५४	२७	३९	७	१८	६	२२	२७	०९	६	२२	५	१३
२२	मं	९	०८	०८	३०	६१	०३	१९	४१	२७	४१	७	१८	६	२२	२७	११	६	२२	५	१४
२३	बु	९	०९	०९	३३	६१	०२	१९	२७	२७	४२	७	१८	६	२३	२७	१३	६	२१	५	१५
२४	गु	९	१०	१०	३५	६१	०१	१९	१२	२७	४४	७	१८	६	२४	२७	१५	६	२१	५	१५
२५	शु	९	११	११	३६	६१	०१	१८	५८	२७	४६	७	१८	६	२४	२७	१८	६	२१	५	१६
२६	श	९	१२	१२	३६	६१	००	१८	४३	२७	४८	७	१८	६	२५	२७	२०	६	२१	५	१७
२७	र	९	१३	१३	३६	६०	५९	१८	२७	२७	५०	७	१८	६	२६	२७	२२	६	२१	५	१७

संक्रांति फलम्

ता. १३ जनवरी २०१३

पौष शु. २ रवौ मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ३०।३३ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा प्रभात् रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं स्वगे विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) ३०।३३ से चंद्रे २२।३३ तक । (दान- काष्ट - अन्न) ।

अयनांशाः २४।०१।३५

४२ पं. पौ.शु.१४ शु. इष्टघटी २७।५८

(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	१०	९	१	८	६	६	९
११	००	१६	१२	२६	१७	२८	११
४२	०१	३८	१७	२८	०८	१४	२८
२५	४५	२२	४९	२२	२९	२०	१०
६१	४७	१०४	०	७५	२	३	६१
००	२७	११	५४	१२	२६	११	१२
श्र	घ	श्र	रो	पूषा	स्वा	चि	श्र
१	३	२	१व	४	४	३	१



माघ कृष्णपक्ष संवत २०६९, शाकः १९३४, २८ जनवरी से १० फरवरी तक नवलगढ़ चंद्रः | तारीख

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	भा.	मु.	इं.
१	सो	९	११	११	०२	श्ले	२५	५९	१७	४६	आ	५	२१	९	३०	कौ	९	११	११	०२	२६ ४३	७ २२	६ ०३	सिंहे १७।४६	८	१५	२८
२	मं	१०	२२	११	३१	मघा	२८	१८	१८	४१	सौ	३	२४	८	४३	ग	१०	२२	११	३१	४६	२२	०४	सिंहे	९	१६	२९
३	बु	१०	३३	११	३४	पूफा	२९	४०	१९	१३	शो	० ५७	४१ १३	७ ३०	३८ १४	वि	१०	३३	११	३४	४९	२१	०५	कन्या २५।१८	१०	१७	३०
४	गु	९	४९	११	१६	उफा	३०	०९	१९	२४	सु	५३	०५	२८	३५	बा	९	४९	११	१६	५३	२१	०६	कन्या	११	१८	३१
५	शु	८	१२	१०	३७	हस्त	२९	४८	१९	१५	धृ	४८	१७	२६	३९	तै	८	१२	१०	३७	५६	२०	०७	तुला. ३१।०३	१२	१९	१
६	श	५	४४	९	३७	चित्रा	२८	३६	१८	४६	शू	४२	४९	२४	२७	व	५	४४	९	३७	५९	२०	०७	तुला.	१३	२०	२
७	र	२	२४	८	१७	स्वा	२६	३५	१७	५७	गं	३६	४१	२१	५९	ब	२	२४	८	१७	२७ ०३	१९	०८	तुला.	१४	२१	३
८	र	५८	१२	३०	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
९	सो	५३	११	२८	३५	विशा	२३	४४	१६	४८	वृ	२९	५२	१९	१५	तै	२५	४६	१७	३८	०६	१८	०९	वृश्चि. ११।०७	१५	२२	४
१०	मं	४७	२३	२६	१५	अनु	२०	०४	१५	१९	ध्रु	२२	२४	१६	१५	व	२०	२४	१५	२७	१०	१८	१०	वृश्चि.	१६	२३	५
११	बु	४०	५६	२३	४०	ज्ये	१५	४१	१३	३४	व्या	१४	२१	१३	०२	ब	१४	१४	१२	५९	१३	१७	१०	धनु. १३।३४	१७	२४	६
१२	गु	३४	०४	२०	५४	मूल	१०	४६	११	३५	ह	५ ५७	५१ ०६	९ ३०	३७ ०७	कौ	७	३३	१०	१८	१७	१७	११	धनु.	१८	२५	७
१३	शु	२७	०२	१८	०५	पूषा	५	३४	९	५९	सि	४८	२२	२६	३७	ग	०	३३	७	२९	२०	१६	१२	मक. १४।५८	१९	२६	८
१४	श	२०	१३	१५	२०	उषा	० ५५	२५ ४३	७ २३	२५ ३२	व्य	३९	५६	२३	१४	श	२०	१३	१५	२०	२४	१५	१३	मक.	२०	२७	९
३०	र	१४	०१	१२	५१	धनि	५१	५४	२८	००	व	३२	०६	२०	०५	ना	१४	०१	१२	५१	२७	१५	१३	कुंभे १६।४३	२१	२८	१०

शिशिरर्त्तू रविरुत्तरे पोषकृष्णेति महा., जनवरी-फरवरी २०१३

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

मकरे शुक्रः १४।०७
भ. २३।३५ उ., धनि. बुधः १४।४१
भ. ११।३४ या., तिलकुटी ४ चन्द्रोदयः २१।१४, सौभाग्य सुन्दरी A
[A व्र., संकट हरगणपति व्र., गौरी चतुर्थी, मार्गी गुरुः २७।२५
फरवरी २ ता. २८
भ. ९।३७ उ. २१।०० या., शत. भौमः २८।०४, कुंभे बुधः ९।५१
स्वामी विवेकानन्द जयंती, पातस्पर्शः ११।५४, मोक्षः १९।२२, B
[B बुधोदयः पश्चिमायाम् १०।१४
[D ३०।००, श्रव. शुक्रः १३।४०
भ. १५।२७ उ. २६।१५ या., धनि. रविः २९।२४, शत. बुधः D
षट्तिला ११ व्र., धनि. सौरः १०।०८
तिल द्वादशी
भ. १८।०५ उ. २८।४१ या., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., C
[C भौमास्तः पश्चिमायाम् २९।५१
पंचक प्रारम्भः १६।४३, देवपितृकार्येऽमा., मौनी ३०, युगादि

अयनांशाः २४।०१।३६
४३ पं. मा.कृ. ५ शु. इष्टघटी २८।०६
(रेल्वे घ. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	१०	९	१	९	६	६	९
१८	०५	२८	१२	०५	१७	२७	१८
४९	३३	५३	१५	१४	२३	५२	३६
०६	४९	०२	५०	४२	२७	०५	१५
६०	४७	१०५	०	७५	१	३	६१
५३	२६	१०	३२	११	४४	११	०५
श्र	ध	ध	रो	उफा	स्वा	वि	श्र
३	४	२	१	३	४	३	३



जनवरी ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाइम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाइम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकत्ता रेल्वे-टाइम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२८	चं	९	१४	१४	३५	६०	५८	१८	१२	२७	५२	७	१७	६	२६	२७	२५	६	२०	५	१८
२९	मं	९	१५	१५	३३	६०	५७	१७	५६	२७	५४	७	१७	६	२७	२७	२७	६	२०	५	१९
३०	बु	९	१६	१६	२९	६०	५६	१७	४०	२७	५६	७	१७	६	२७	२७	३०	६	२०	५	२०
३१	गु	९	१७	१७	२५	६०	५५	१७	२३	२७	५८	७	१७	६	२८	२७	३२	६	१९	५	२०
१	शु	९	१८	१८	२०	६०	५४	१७	०६	२८	००	७	१६	६	२८	२७	३५	६	१९	५	२१
२	श	९	१९	१९	१४	६०	५३	१६	४९	२८	०२	७	१६	६	२९	२७	३७	६	१९	५	२१
३	र	९	२०	२०	०७	६०	५२	१६	३१	२८	०५	७	१६	६	३०	२७	४०	६	१८	५	२२
४	चं	९	२१	२०	५८	६०	५१	१६	१४	२८	०७	७	१५	६	३०	२७	४३	६	१८	५	२३
५	मं	९	२२	२१	४९	६०	४९	१५	५५	२८	०९	७	१५	६	३१	२७	४५	६	१७	५	२३
६	बु	९	२३	२२	३८	६०	४८	१५	३७	२८	११	७	१५	६	३१	२७	४८	६	१७	५	२४
७	गु	९	२४	२३	२७	६०	४७	१५	१८	२८	१४	७	१४	६	३२	२७	५१	६	१६	५	२५
८	शु	९	२५	२४	१३	६०	४६	१५	००	२८	१६	७	१४	६	३२	२७	५४	६	१६	५	२५
९	श	९	२६	२४	५९	६०	४४	१४	४०	२८	१८	७	१३	६	३३	२७	५७	६	१५	५	२६
१०	र	९	२७	२५	४४	६०	४३	१४	२१	२८	२१	७	१३	६	३३	२७	५९	६	१५	५	२६

मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। अमावस को रविवार और धनिष्ठा योग दुर्भिक्ष कारक है, शुक्ला प्रतिपदा को सोमवार होने से सुभिक्ष हो। शुक्ला सप्तमी रविवार होने से दुर्भिक्ष परन्तु भरणी होने से धान्योत्पत्ति उत्तम हो। पूर्णिमा सोमवार और मघा युक्त होने से धान्य महँगा हो। मंगलवार की सक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हो, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों।

अयनांशाः २४।०१।३७
४४ पं. मा.कृ.१३ शु. इष्टघटी २८।१७
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	१०	१०	१	९	६	६	९
२५	११	१०	१२	१४	१७	२७	२५
५४	०५	५५	२३	००	३३	२९	४३
५६	४०	०३	५१	५०	२८	५०	२४
६०	४७	९७	१	७५	१	३	६०
४५	२२	५१	५७	०२	०१	११	५६
ध	श	श	रो	श्र	स्वा	वि	ध
१	२	२	१	२	४	३	१



माघ शुक्लपक्ष संवत २०६९, शाकः १९३४, ११ फरवरी से २५ फरवरी तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | शिशिरर्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ६७७, फरवरी २०१३

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	
१	सो	८	४८	१०	४५	शत	४९	२१	२६	५८	प	२५	१२	१७	१९	ब	८	४८	१०	४५	२७ ३१	७ १४	६ १४	कुंभे	२२	२९	११	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), श्री वल्लभ जयंती
२	मं	५	०१	९	१३	पूभा	४८	२५	२६	३५	शि	१९	३०	१५	०१	कौ	५	०१	९	१३	३५	१३	१५	मीने २०।३७	२३	१	१२	रविलास्वर ४, कुंभे रविः १९।२७ (सौरः २३।४२)
३	बु	२	५७	८	२३	उभा	४९	२१	२६	५७	सि	१५	१३	१३	१७	ग	२	५७	८	२३	३८	१२	१६	मीने	२४	२	१३	भ. २०।१५ उ., [शुक्रास्तः पूर्वस्याम् १३।५०] वरद (कुंद) ४, A
४	गु	२	४९	८	१९	रेव	५२	१४	२८	०५	सा	१२	२९	१२	११	वि	२	४९	८	१९	४२	१२	१६	मेषे २८।०५	२५	३	१४	भ. ८।१९ या., पंचक समाप्तिः २८।०५, वसन्त पञ्चमी, B
५	शु	४	४३	९	०४	अश्वि	५६	५९	२९	५८	शु	११	१८	११	४२	बा	४	४३	९	०४	४६	११	१७	मेषे	२६	४	१५	पातस्पर्शः ८।३३, मोक्षः १५।१७, धनि. शुक्रः २९।१३
६	श	८	३२	१०	३५	भर	…	…	…	…	शु	११	३४	११	४७	तै	८	३२	१०	३५	५०	१०	१८	मेषे	२७	५	१६	[A तिल चतुर्थी, [B पूभा. बुधः २१।०२
७	र	१३	५७	१२	४४	भर	३	२३	८	३०	ब्र	१३	००	१२	२१	व	१३	५७	१२	४४	५४	०९	१९	वृषे १५।१३	२८	६	१७	भ. १२।४४ उ. २५।५९ या., मन्वादि, भीष्माष्टमी, पुत्र ७, रथ ७, C
८	सो	२०	२४	१५	१८	कृति	१०	४९	११	२८	ऐ	१५	१४	१३	१४	ब	२०	२४	१५	१८	५७	०८	१९	वृषे	२९	७	१८	सायन मीने भानुः १७।२२ [C अचला ७, विजया ७
९	मं	२७	१३	१८	०१	रोहि	१८	४२	१४	३६	वै	१७	४६	१४	१४	कौ	२७	१३	१८	०१	२८ ०१	०७	२०	मिथु. २८।०९	३०	८	१९	शत. रविः ९।५३ (सौरः १३।४३), पूभा. भौमः २५।४१, D
१०	बु	३३	४१	२०	३५	मृग	२६	२१	१७	३९	वि	२०	०८	१५	१०	तै	०	३३	७	२०	०५	०७	२१	मिथु.	१	९	२०	भा. फाल्गुनारंभः [D वक्री शनिः १३।०१
११	गु	३९	१४	२२	४७	आर्द्रा	३३	१०	२०	२१	प्री	२१	५३	१५	५१	व	६	३८	९	४५	०९	०६	२१	मिथु.	२	१०	२१	भ. ९।४५ उ. २२।४७ या., जया ११ व्र., कुंभे शुक्रः १३।०५
१२	शु	४३	२८	२४	२८	पुन	३८	४५	२२	३५	आ	२२	४३	१६	१०	ब	११	३३	११	४२	१३	०५	२२	कर्के १६।०४	३	११	२२	भीष्मद्वादशी [E भर.-४ केतुः १०।४०
१३	श	४६	११	२५	३२	पुष्य	४२	५५	२४	१४	सौ	२२	२७	१६	०२	कौ	१५	०२	१३	०४	१७	०४	२३	कर्के	४	१२	२३	प्रदोषः, कल्पादि, वक्री बुधः २५।११
१४	र	४७	२५	२६	०१	श्ले	४५	४०	२५	१९	शो	२१	०२	१५	२८	ग	१७	००	१३	५१	२१	०३	२३	सिंहे २५।१९	५	१३	२४	भ. २६।०१ उ., रोहि.-२ गुरुः २७।५६, विशा.-२ राहुः १०।४०, E
१५	सो	४७	१८	२५	५७	मघा	४७	०४	२५	५२	अ	१८	३२	१४	२७	वि	१७	३२	१४	०३	२५	०२	२४	सिंहे	६	१४	२५	भ. १४।०३ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, माघ स्नान पूर्तिः

अयनांशाः २४।०१।३८

४५ पं. मा.शु. ५ शु. इष्टघटी २८।३०

(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	१०	१०	१	९	६	६	१०
०२	१६	२१	१२	२२	१७	२७	०२
४२	३७	०६	४१	४६	३८	०७	४९
४३	००	२३	३७	४२	२५	३४	२६
६०	४७	६४	३	७५	०	३	६०
३५	१७	५३	१९	०६	१७	११	४५
ध	श	पूभा	रो	श्र	स्वा	चि	ध
३	३	१	१	४	४	३	३



फरवरी रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
११	चं	९	२८	२६	२७	६०	४२	१४	०१	२८	२३	७	१२	६	३४	२८	०२	६	१४	५	२७
१२	मं	९	२९	२७	०९	६०	४०	१३	४२	२८	२५	७	१२	६	३४	२८	०५	६	१३	५	२८
१३	बु	१०	००	२७	४९	६०	३९	१३	२१	२८	२८	७	११	६	३५	२८	०८	६	१३	५	२८
१४	गु	१०	०१	२८	२८	६०	३७	१३	०१	२८	३०	७	११	६	३५	२८	११	६	१२	५	२९
१५	शु	१०	०२	२९	०५	६०	३६	१२	४१	२८	३३	७	१०	६	३५	२८	१४	६	१२	५	२९
१६	श	१०	०३	२९	४१	६०	३५	१२	२०	२८	३५	७	१०	६	३६	२८	१७	६	११	५	३०
१७	र	१०	०४	३०	१६	६०	३३	११	५९	२८	३८	७	०९	६	३६	२८	२०	६	१०	५	३०
१८	चं	१०	०५	३०	४९	६०	३२	११	३८	२८	४०	७	०९	६	३७	२८	२३	६	१०	५	३१
१९	मं	१०	०६	३१	२१	६०	३०	११	१७	२८	४३	७	०८	६	३७	२८	२६	६	०९	५	३१
२०	बु	१०	०७	३१	५१	६०	२८	१०	५५	२८	४५	७	०८	६	३८	२८	२९	६	०८	५	३२
२१	गु	१०	०८	३२	१९	६०	२७	१०	३४	२८	४८	७	०७	६	३८	२८	३२	६	०७	५	३२
२२	शु	१०	०९	३२	४६	६०	२५	१०	१२	२८	५०	७	०६	६	३८	२८	३५	६	०७	५	३३
२३	श	१०	१०	३३	११	६०	२४	९	५०	२८	५३	७	०६	६	३९	२८	३८	६	०६	५	३३
२४	र	१०	११	३३	३५	६०	२२	९	२८	२८	५५	७	०५	६	३९	२८	४२	६	०५	५	३४
२५	चं	१०	१२	३३	५७	६०	२०	९	०६	२८	५८	७	०४	६	३९	२८	४५	६	०४	५	३४

संक्रांति फलम्

ता. १२ फरवरी २०१३

माघ शु. २ भौमे कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १९।२७ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृदलेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १३।०३ से १९।२७ तक । (दान- गोड़ - अन्न) ।

अयनांशाः २४।०१।३९

४६ पं. मा.शु.१२ शु. इष्टघटी २८।४५

(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

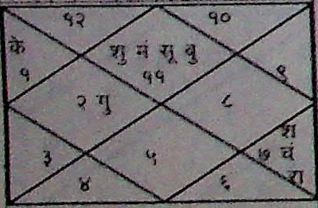
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	१०	१०	१	१०	६	६	१०
१०	२२	२५	१३	०१	१७	२६	०९
०३	०७	५६	०८	३२	३८	४५	५४
१८	३५	०६	४२	१४	१४	१९	१०
६०	४७	२	४	७५	०	३	६०
२४	०९	४१	३६	०३	२६	११	३४
श	पुन	पूभा	रो	ध	स्वा	चि	श
२	१	२	१	३	४व	३	१



फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, २६ फरवरी से ११ मार्च तक नवलगढ																							चंद्रः		तारीख			वसंतर्तू रविरुत्तरे माघकृष्णेति महा., फरवरी-मार्च २०१३
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	मं	४५	५९	२५	२४	पूफा	४७	२०	२५	५७	सु	१५	०२	१३	०२	बा	१६	४७	१३	४४	२८ २९	७ ०१	६ २४	सिंहे	७	१५	२६	बुधास्तः पश्चिमायाम् २३।५९, शत. शुक्रः २१।०१
२	बु	४३	४१	२४	२९	उफा	४६	३९	२५	३९	धृ	१०	४१	११	१६	तै	१४	५७	१२	५९	३३	००	२५	कन्या ७।५४	८	१६	२७	
३	गु	४०	३९	२३	१५	हस्त	४५	१४	२५	०४	शू	५	३८	९	१४	व	१२	१६	११	५४	३७	६ ५९	२६	कन्या	९	१७	२८	भ. ११।५४ उ. २३।१५ या., पातस्पर्शः १४।२४, मोक्षः १९।३९
४	शु	३७	०१	२१	४६	चित्रा	४३	१६	२४	१६	गं	० ५४	०४ ०२	७ २८	०० ३५	व	८	५४	१०	३२	४१	५८	२६	तुला. १२।४२	१०	१८	१	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०५, मार्च ३ ता. ३१
५	श	३२	५७	२०	०८	स्वा	४०	५२	२३	१८	ध्रु	४७	४३	२६	०२	कौ	५	०३	८	५८	४५	५७	२७	तुला.	११	१९	२	
६	र	२८	३२	१८	२१	विशा	३८	०८	२२	११	व्या	४१	०८	२३	२३	ग	०	४७	७	१५	४९	५६	२८	वृश्चि. १६।२८	१२	२०	३	भ. १८।२१ उ. २९।२४ या.
७	सो	२३	४७	१६	२६	अनु	३५	०६	२०	५७	ह	३४	१८	२०	३८	व	२३	४७	१६	२६	५३	५५	२८	वृश्चि.	१३	२१	४	पूभा. रविः १६।०९ (सौरः १९।१४), मीने भौमः १९।३७, A
८	मं	१८	४७	१४	२५	ज्ये	३१	४९	१९	३७	व	२७	१६	१७	४८	कौ	१८	४७	१४	२५	५७	५४	२९	धनु. १९।३७	१४	२२	५	|A (व) शत. बुधः २०।३७
९	बु	१३	३३	१२	१८	मूल	२८	२०	१८	१३	सि	२०	०४	१४	५५	ग	१३	३३	१२	१८	२९ ०१	५३	२९	धनु.	१५	२३	६	भ. २३।१४ उ., रामदास ९
१०	गु	८	१२	१०	०९	पूषा	२४	४५	१६	४६	व्य	१२	४७	११	५९	वि	८	१२	१०	०९	०५	५२	३०	मक. २२।२४	१६	२४	७	भ. १०।०९ या.
११	शु	२	५२	८	००	उषा	२१	१६	१५	२१	व	५ ५८	३२ २५	९ ३०	०३ १३	बा	२	५२	८	००	१०	५१	३१	मक.	१७	२५	८	विजया ११ व्र., उभा. भौमः २६।०४
१२	शु	५७	४४	२९	५७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
१३	श	५३	०७	२८	०४	श्रव	१८	०४	१४	०३	शि	५१	४६	२७	३२	ग	२५	२२	१६	५९	१४	५०	३१	कुंभे २५।२९	१८	२६	९	भ. २८।०४ उ., पंचक प्रारम्भः २५।२९, प्रदोषः, पूभा. शुक्रः १३।११
१४	र	४९	१५	२६	३१	धनि	१५	२८	१३	००	सि	४५	४३	२५	०६	वि	२१	०५	१५	१५	१८	४९	३२	कुंभे	१९	२७	१०	भ. १५।१५ या., महाशिवरात्री व्रतम्
३०	सो	४६	२६	२५	२२	शत	१३	४३	१२	१७	सा	४०	२९	२२	५९	च	१७	४४	१३	५३	२२	४७	३२	मीने ३०।०२	२०	२८	११	देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., बुधोदयः पूर्वस्याम् २८।११

अयनांशाः २४।०१।४०
४७ पं. फा.कृ. ४ शु. इष्टघटी २९।०२
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	१०	१०	१	१०	६	६	१०
१७	२७	२३	१३	१०	१७	२६	१६
०५	३७	००	४४	१७	३२	२३	५७
३३	०७	१४	३४	२१	५९	०३	२६
६०	४६	५४	५	७४	१	३	६०
१२	५९	४७	३८	५८	०९	११	२०
श	पूभा	पूभा	रो	श	स्वा	वि	श
४	३	१व	२	२	४व	२	४



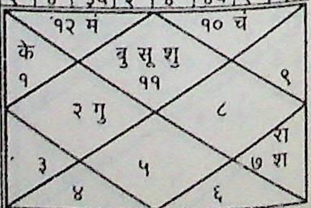
फरवरी रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अ.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२६	म	१०	१३	३४	१७	६०	१८	८	४३	२९	०१	७	०४	६	४०	२८	४८	६	०४	५	३५
२७	बु	१०	१४	३४	३५	६०	१७	८	२१	२९	०३	७	०३	६	४०	२८	५५	६	०३	५	३५
२८	गु	१०	१५	३४	५२	६०	१५	७	५८	२९	०६	७	०२	६	४१	२८	५४	६	०२	५	३६
१	शु	१०	१६	३५	०७	६०	१३	७	३५	२९	०८	७	०१	६	४१	२८	५७	६	०१	५	३६
२	श	१०	१७	३५	२०	६०	११	७	१२	२९	११	७	०१	६	४१	२९	०१	६	००	५	३७
३	र	१०	१८	३५	३१	६०	१०	६	४९	२९	१४	७	००	६	४१	२९	०४	५	५९	५	३७
४	चं	१०	१९	३५	४१	६०	०८	६	२६	२९	१६	६	५९	६	४२	२९	०७	५	५९	५	३७
५	मं	१०	२०	३५	४९	६०	०६	६	०३	२९	१९	६	५९	६	४२	२९	१०	५	५८	५	३८
६	बु	१०	२१	३५	५५	६०	०४	५	४०	२९	२२	६	५८	६	४२	२९	१३	५	५७	५	३८
७	गु	१०	२२	३५	५९	६०	०२	५	१७	२९	२४	६	५७	६	४३	२९	१७	५	५६	५	३९
८	शु	१०	२३	३६	०१	६०	००	४	५३	२९	२७	६	५६	६	४३	२९	२०	५	५५	५	३९
९	श	१०	२४	३६	०१	५९	५८	४	३०	२९	३०	६	५५	६	४३	२९	२३	५	५४	५	४०
१०	र	१०	२५	३५	५९	५९	५७	४	०६	२९	३२	६	५५	६	४४	२९	२६	५	५३	५	४०
११	चं	१०	२६	३५	५६	५९	५५	३	४३	२९	३५	६	५४	६	४४	२९	३०	५	५२	५	४०

मास फलम्

इस माह फाल्गुन में पांच मंगलवार शुभ है। पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो यथा- ॥बुधेरसक्षयो भूम्याम्॥ सोमवारी अमावस और शतभिषा योग होने से सुभिक्ष क्षेम आरोग्य वर्षा का प्रवल उदय-धान्य की उत्पत्ति और प्रजा सुख हो। शुक्रा अष्टमी को आर्द्रा होने से अवर्षण हो। पूर्णिमा उत्तराफाल्गुनी युक्त होने से समर्धता हो। गुरुवार की सक्रांति होने स सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें।

अयनांशाः २४।०१।४१
४८ पं. फा.कृ.११ शु. इष्टघटी २९।२०
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	११	१०	१	१०	६	६	१०
२४	०३	१६	१४	१९	१७	२६	२३
०६	०५	०२	२८	०१	२२	००	५९
२०	२३	५७	३६	५७	५०	४८	०७
५९	४६	५३	६	७४	१	३	६०
५९	४७	३८	५५	५४	५०	११	०६
पूभा	पूभा	श	रो	श	स्वा	वि	पूभा
२	४	३व	२	४	४व	२	२



फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, १२ मार्च से २७ मार्च तक   नवलगढ   चंद्रः | तारीख | वसंतर्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ७०६, मार्च २०१३

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टैं. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	मं	४४	५७	२४	४५	पूभा	१३	०७	१२	०१	शु	३६	१६	२१	१७	किं	१५	३२	१२	५९	२९ २६	६ ४६	६ ३३	मीने	२१	२९	१२	पातस्पर्शः १२।२६, मोक्षः १७।४०
२	बु	४४	५८	२४	४५	उभा	१३	५५	१२	१९	शु	३३	१४	२०	०३	बा	१४	४७	१२	४०	३०	४५	३३	मीने	२२	३०	१३	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), फुलरिया २, श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती
३	गु	४६	३८	२५	२३	रेव	१६	१५	१३	१४	ब्र	३१	२८	१९	१९	तै	१५	३६	१२	५९	३४	४४	३४	मेषे १३।१४	२३	१	१४	पंचक समाप्तिः १३।१४, जमादिलावल ५, मीने रविः १६।१५ D
४	शु	४९	५६	२६	४२	अश्वि	२०	१२	१४	४८	ऐ	३०	५९	१९	०७	व	१८	०७	१३	५८	३८	४३	३४	मेषे	२४	२	१५	भ. १३।५८ उ. २६।४२ या. [D (सौरः १८।५४)
५	श	५४	४५	२८	३६	भर	२५	४१	१६	५८	वै	३१	४२	१९	२३	ब	२२	१२	१५	३५	४२	४२	३५	वृषे २३।३६	२५	३	१६	याज्ञवल्क्य जयंती
६	र	...	...	...	...	कृति	३२	२७	१९	४०	वि	३३	२४	२०	०२	कौ	२७	४०	१७	४५	४७	४१	३६	वृषे	२६	४	१७	उभा. रविः २४।३५ (सौरः २७।०६), मीने शुक्रः १३।३६
६	सो	०	४८	६	५९	रोहि	४०	०२	२२	४१	प्री	३५	४४	२०	५७	तै	०	४८	६	५९	५१	४०	३६	वृषे	२७	५	१८	मार्गी बुधः १२।२१
७	मं	७	२२	९	३५	मृग	४७	५०	२५	४७	आ	३८	१८	२१	५८	व	७	२२	९	३५	५५	३९	३७	मिथु. १२।१४	२८	६	१९	भ. ९।३५ उ. २२।५४ या., उभा. शुक्रः २९।४८
८	बु	१३	५३	१२	११	आर्द्रा	५५	०९	२८	४१	सौ	४०	३३	२२	५१	ब	१३	५३	१२	११	५९	३८	३७	मिथु.	२९	७	२०	होलाष्टक, सायन मेषे भानुः १६।१५
९	गु	१९	३८	१४	२८	पुन	...	...	...	...	शो	४२	०२	२३	२५	कौ	१९	३८	१४	२८	३० ०३	३६	३८	कर्के २४।३६	३०	८	२१	[A रेव. भौमः ७।०२
१०	शु	२४	०४	१६	१३	पुन	१	२७	७	१०	अ	४२	२७	२३	३४	ग	२४	०४	१६	१३	०७	३५	३८	कर्के	१	९	२२	भ. २८।५१ उ., भा. चैत्रारंभः [C भद्रा के बाद
११	श	२६	५१	१७	१८	पुष्य	६	१३	९	०३	सु	४१	३२	२३	११	वि	२६	५१	१७	१८	११	३४	३९	कर्के	२	१०	२३	भ. १७।१८ या., आमलकी ११ व्र., बिड़कुला-ढाल थापणा C
१२	र	२७	४९	१७	४१	श्ले	९	१५	१०	१५	धृ	३९	१४	२२	१५	बा	२७	४९	१७	४१	१५	३३	३९	सिंहे १०।१५	३	११	२४	प्रदोषः, मेला श्रीश्यामजी (खाटू), रोहि.-३ गुरुः २८।०४
१३	सो	२७	०३	१७	२१	मघा	१०	३५	१०	४६	शू	३५	३६	२०	४६	तै	२७	०३	१७	२१	२०	३२	४०	सिंहे	४	१२	२५	पातस्पर्शः २०।०९, मोक्षः २५।१०, (व) स्वा.-३ शनिः १५।०३
१४	मं	२४	४३	१६	२४	पूफा	१०	२०	१०	३९	गं	३०	४७	१८	४९	व	२४	४३	१६	२४	२४	३१	४०	कन्या १६।३२	५	१३	२६	भ. १६।२४ उ. २७।४४ या., होलिका दहनं भद्रोत्तरम्, करिदिन, A
१५	बु	२१	०६	१४	५६	उफा	८	४४	९	५९	वृ	२४	५६	१६	२८	ब	२१	०६	१४	५६	२८	३०	४१	कन्या	६	१४	२७	मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपूण्यञ्च, छारेंडी देशाचारे, करिदिन

अयनांशाः २४।०१।४१

४९ पं. फा.शु. ४ शु. इष्टघटी २९।३९

(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	११	१०	१	१०	६	६	११
०१	०८	११	१५	२७	१७	२५	००
०५	३२	४७	२०	४५	०८	३८	५९
३५	११	०५	०९	५६	०१	३२	०६
५९	४६	११	७	७४	२	३	५९
४६	३३	०५	५६	४८	२९	११	५९
पूभा	उभा	श	रो	पूभा	स्वा	वि	पूभा
४	२	२व	२	३	४व	२	४



मार्च		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१२	मं	१०	२७	३५	५१	५९	५३	३	१९	२९	३८	६	५३	६	४४	२९	३३	५	५२	५	४१
१३	बु	१०	२८	३५	४३	५९	५१	२	५६	२९	४०	६	५२	६	४४	२९	३६	५	५१	५	४१
१४	गु	१०	२९	३५	३४	५९	४९	२	३२	२९	४३	६	५१	६	४५	२९	३९	५	५०	५	४१
१५	शु	११	००	३५	२३	५९	४७	२	०८	२९	४६	६	५१	६	४५	२९	४३	५	४९	५	४२
१६	श	११	०१	३५	०९	५९	४५	१	४५	२९	४८	६	५०	६	४५	२९	४६	५	४८	५	४२
१७	र	११	०२	३४	५४	५९	४३	१	२१	२९	५१	६	४९	६	४५	२९	४९	५	४७	५	४३
१८	चं	११	०३	३४	३७	५९	४१	०	५७	२९	५४	६	४८	६	४६	२९	५२	५	४६	५	४३
१९	मं	११	०४	३४	१७	५९	३९	०	३३	२९	५७	६	४७	६	४६	२९	५६	५	४५	५	४३
२०	बु	११	०५	३३	५६	५९	३७	०	१०	२९	५९	६	४६	६	४६	२९	५९	५	४४	५	४४
२१	गु	११	०६	३३	३३	५९	३५	०	१४+	३०	०२	६	४६	६	४६	३०	०२	५	४३	५	४४
२२	शु	११	०७	३३	०८	५९	३३	०	३८	३०	०५	६	४५	६	४७	३०	०६	५	४२	५	४४
२३	श	११	०८	३२	४०	५९	३१	१	०१	३०	०७	६	४४	६	४७	३०	०९	५	४१	५	४५
२४	र	११	०९	३२	११	५९	२९	१	२५	३०	१०	६	४३	६	४७	३०	१२	५	४०	५	४५
२५	चं	११	१०	३१	३९	५९	२६	१	४९	३०	१३	६	४२	६	४७	३०	१५	५	३९	५	४५
२६	मं	११	११	३१	०६	५९	२५	२	१२	३०	१५	६	४१	६	४८	३०	१९	५	३८	५	४६
२७	बु	११	१२	३०	३०	५९	२२	२	३६	३०	१८	६	४१	६	४८	३०	२२	५	३७	५	४६

संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २०१३

फा. शु. ३ गुरौ मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १६।१५ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रास्तः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) १६।१५ से २२।३९ तक । (दान- भूमि माला) ।

अयनांशाः २४।०१।४२

५० पं. फा.शु.१० शु. इष्टघटी २९।५८

(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	११	१०	१	११	६	६	११
०८	१३	१२	१६	०६	१६	२५	०७
०३	५७	३६	१८	२९	४८	१६	५७
१३	१६	३१	३३	१४	५५	१७	१७
५९	४६	२८	८	७४	३	३	५९
३२	१८	३७	५२	४२	०३	११	३५
उभा	उभा	श	रो	उभा	स्वा	वि	उभा
२	४	२	२	१	४व	२	२



चैत्र कृष्णपक्ष संवत २०६९, शाकः १९३४, २८ मार्च से १० अप्रेल तक																							नवलगढ		चंद्रः	तारीख			वसंतर्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति महा., मार्च-अप्रेल २०१३
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	गु	१६	२८	१३	०४	हस्त	६	०५	८	५५	ध्रु	१८	१८	१३	४८	कौ	१६	२८	१३	०४	३० ३२	६ २९	६ ४१	तुला.	२०।१५	७	१५	२८	वसन्त १
२	शु	११	०८	१०	५४	चित्रा	२	४१	७	३२	व्या	११	०६	१०	५४	ग	११	०८	१०	५४	३६	२७	४२	तुला.		८	१६	२९	भ. २११४६ उ., कल्पादि
३	श	५	२२	८	३५	विशा	५८ ५८	४५ ३९	२९ २८	५८ १८	ह	३ ५५	३३ ४८	७ २८	५२ ४५	वि	५	२२	८	३५	४०	२६	४२	वृश्चि.	२२।४३	९	१७	३०	भ. ८।३५ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०१, रेव. शुक्रः २२।५९
४	श	५९	२०	३०	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[A अहर्गणः ७३५, चक्र ७, मन्वादि, मेषे अश्वि. शुक्रः १६।४९
५	र	५३	२१	२७	४६	अनु	५०	३२	२६	३८	सि	४८	०४	२५	३९	कौ	२६	२१	१६	५८	४४	२५	४३	वृश्चि.		१०	१८	३१	रेव. रविः ११।२४ (सौरः १३।३७)
६	सो	४७	३२	२५	२५	ज्ये	४६	३४	२५	०२	व्य	४०	२९	२२	३६	ग	२०	२७	१४	३५	४८	२४	४३	धनु.	२५।०२	११	१९	१	भ. २५।२५ उ., अप्रेल ४ ता. ३०, पूभा. बुधः १३।५२
७	मं	४२	००	२३	११	मूल	४२	५३	२३	३२	व	३३	०६	१९	३७	वि	१४	४५	१२	१७	५२	२३	४४	धनु.		१२	२०	२	भ. १२।१७ या.
८	बु	३६	५३	२१	०७	पूषा	३९	३७	२२	१२	प	२६	०३	१६	४७	बा	९	२४	१०	०७	५६	२२	४४	मक.	२७।५४	१३	२१	३	शीतला पूजनं,
९	गु	३२	१६	१९	१५	उषा	३६	५२	२१	०५	शि	१९	२३	१४	०६	तै	४	३१	८	०९	३१ ००	२१	४५	मक.		१४	२२	४	[B मोक्षः २१।२३
१०	शु	२८	१८	१७	३९	श्रव	३४	४५	२०	१४	सि	१३	१५	११	३८	व	०	१३	६	२५	०४	२०	४५	मक.		१५	२३	५	भ. ६।२५ उ. १७।३९ या.
११	श	२५	०५	१६	२१	धनि	३३	२५	१९	४१	सा	७	४१	९	२३	बा	२५	०५	१६	२१	०८	१९	४६	कुंभे	७।५५	१६	२४	६	पंचक प्रारम्भः ७।५५, पापमोचनी ११ व्र., पातस्पर्शः १६।००, B
१२	र	२२	४६	१५	२४	शत	३२	५९	१९	२९	शु	२ ५८	४८ ३८	७ २९	२५ ४५	तै	२२	४६	१५	२४	१२	१८	४६	कुंभे		१७	२५	७	प्रदोषः, वारुणी योग १५।२४ से १९।२९ तक
१३	सो	२१	२७	१४	५१	पूभा	३३	३३	१९	४२	ब्र	५५	२३	२८	२६	व	२१	२७	१४	५१	१६	१६	४७	मीने	१३।३६	१८	२६	८	भ. १४।५१ उ. २६।४५ या., मासिकशिवरात्री व्र.
१४	मं	२१	१६	१४	४६	उभा	३५	१३	२०	२१	ऐ	५३	०४	२७	२९	श	२१	१६	१४	४६	२०	१५	४८	मीने		१९	२७	९	मीने बुधः २७।२१
३०	बु	२२	१५	१५	०८	रेव	३८	०४	२१	२८	वै	५१	४०	२६	५४	ना	२२	१५	१५	०८	२४	१४	४८	मेषे	२१।२८	२०	२८	१०	पंचक समाप्तिः २१।२८, देवपितृकार्येऽमा., केतकी A

अयनांशाः २४।०१।४३
५१ पं. चै.कृ. २ शु. इष्टघटी ३०।१८
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	११	१०	१	११	६	६	११
१४	१९	१७	१०	१५	१६	२४	१४
५९	२०	२०	२३	११	२६	५४	५३
११	२९	४४	०९	४४	००	०२	३८
५९	४६	७४	९	७४	३	३	५९
१७	०१	१४	४२	३४	३३	११	१९
उभा	रे	श	रो	उभा	स्वा	वि	उभा
४	१	४	३	४	३च	२	४



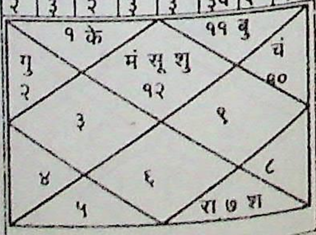
मार्च रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेलवे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेलवे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२८ गु	११	१३	२९	५३	५९	२०	२	५९	३०	२१	६	४०	६	४८	३०	२५	५	३६	५	४६
२९ शु	११	१४	२९	१३	५९	१८	३	२३	३०	२३	६	३९	६	४८	३०	२८	५	३५	५	४७
३० श	११	१५	२८	३२	५९	१६	३	४६	३०	२६	६	३८	६	४९	३०	३१	५	३५	५	४७
३१ र	११	१६	२७	४८	५९	१४	४	०९	३०	२९	६	३७	६	४९	३०	३५	५	३४	५	४७
१ चं	११	१७	२७	०२	५९	१२	४	३२	३०	३१	६	३६	६	४९	३०	३८	५	३३	५	४८
२ मं	११	१८	२६	१४	५९	१०	४	५६	३०	३४	६	३६	६	४९	३०	४१	५	३२	५	४८
३ बु	११	१९	२५	२४	५९	०८	५	१९	३०	३७	६	३५	६	४९	३०	४४	५	३१	५	४८
४ गु	११	२०	२४	३२	५९	०६	५	४२	३०	३९	६	३४	६	५०	३०	४७	५	३०	५	४९
५ शु	११	२१	२३	३८	५९	०४	६	०४	३०	४२	६	३३	६	५०	३०	५१	५	२९	५	४९
६ श	११	२२	२२	४२	५९	०२	६	२७	३०	४५	६	३२	६	५०	३०	५४	५	२८	५	५०
७ र	११	२३	२१	४४	५९	००	६	५०	३०	४७	६	३२	६	५०	३०	५७	५	२७	५	५०
८ चं	११	२४	२०	४४	५८	५८	७	१२	३०	५०	६	३१	६	५१	३१	००	५	२६	५	५०
९ मं	११	२५	१९	४२	५८	५६	७	३५	३०	५२	६	३०	६	५१	३१	०३	५	२५	५	५१
१० बु	११	२६	१८	३८	५८	५४	७	५७	३०	५५	६	२९	६	५१	३१	०६	५	२४	५	५१

मास फलम्

इस पक्ष में कृ. अष्टमी को बुधवार होने से अल्प वर्षा हो। अमावस्या रेवती योग सुभिक्ष और सुखद है। रेवती में शुक्र होने से प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो। रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है। पूर्वाभाद्रपद में बुध होने से कहीं दुर्भिक्ष हो और कहीं क्षेम तथा आरोग्यता हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो। अश्विनी में शुक्र होने से ब्राह्मण जाति में विरोध हो। जौ, तिल, उड़द कम हों। अश्विनी में स्थित शुक्र अश्वपालकों को पीड़ित करता है।

अयनांशाः २४।०१।४४
५२ पं. चै.कृ.१० शु. इष्टघटी ३०।३७
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	११	१०	१	११	६	६	११
२१	२४	२४	१८	२३	१५	२४	२१
५३	४१	३४	३३	५३	५९	३१	४८
२९	४१	१०	१७	२३	५१	४६	०५
५९	४५	७१	१०	७४	३	३	५९
०३	४२	१०	२६	२७	५८	११	०३
रे	रे	पूभा	रो	रे	स्वा	वि	रे
२	३	२	३	३	३च	२	२



नवलगढ दैनिक लग्नसारणी से नीचे नगरों में लग्नप्रवेश बनाने के लिए संस्कार कोष्टक (मिनिटों में)

नगरों के नाम	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
अमृतसर (पंजा.)	- २	- ६	- ८	- ७	- ४	+ ०	+ ५	+ ८	+ १०	+ ९	+ ६	+ २
अजमेर (राज.)	+ ३	+ ४	+ ४	+ ४	+ ३	+ २	+ १	- १	- १	- १	+ ०	+ १
अहमदाबाद (गुज.)	+ १४	+ १८	+ २०	+ १९	+ १६	+ ११	+ ७	+ ३	+ १	+ २	+ ५	+ ९
आकोला (महा.)	- २	+ ४	+ ७	+ ५	+ ०	- ७	- १४	- २०	- २३	- २१	- १६	- ९
आगरा (उ.प्र.)	- ११	- १०	- १०	- १०	- १०	- ११	- १२	- १२	- १२	- १२	- १२	- ११
इंदौर (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ८	+ ७	+ ३	- २	- ७	- ११	- १४	- १३	- ९	- ४
उज्जैन (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ७	+ ६	+ ३	- २	- ६	- १०	- १२	- ११	- ८	- ३
उदयपुर (राज.)	+ ८	+ ११	+ १२	+ १२	+ ९	+ ६	+ ३	+ ०	- १	- १	+ २	+ ५
कोलकाता (बंगा.)	- ४९	- ४५	- ४२	- ४३	- ४७	- ५२	- ५७	- ६२	- ६४	- ६३	- ५९	- ५४
कानपुर (उ.प्र.)	- २०	- १९	- १८	- १८	- १९	- २०	- २२	- २३	- २४	- २३	- २२	- २१
काठमाण्डु (नेपा.)	- ३९	- ३८	- ३८	- ३८	- ३९	- ४०	- ४१	- ४२	- ४३	- ४२	- ४२	- ४१
कोल्हापुर (महा.)	+ १२	+ २१	+ २६	+ २४	+ १६	+ ५	- ५	- १४	- १९	- १७	- ९	+ १
गोहाटी (आसा)	- ६५	- ६४	- ६३	- ६३	- ६५	- ६६	- ६८	- ६९	- ७०	- ७०	- ६८	- ६७
चंडीगढ (पंजा.)	- १०	- १२	- १४	- १३	- ११	- ८	- ५	- २	०	- १	- ३	- ७
चित्तौडगढ (राज.)	+ ४	+ ६	+ ८	+ ७	+ ५	+ २	- १	- ३	- ५	- ४	- २	+ १
चित्रई (तमि.)	- ९	+ ३	+ ९	+ ६	- ४	- १८	- ३१	- ४३	- ५०	- ४७	- ३६	- २३
जयपुर (राज.)	- २	- १	- १	- १	- २	- ३	- ३	- ४	- ५	- ४	- ४	- ३
जोधपुर (राज.)	+ १२	+ १३	+ १४	+ १४	+ १२	+ ११	+ ९	+ ८	+ ७	+ ७	+ ८	+ १०
डिब्रुगढ (आसा)	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ८०	- ८०	- ८०	- ८०	- ७९
दरभंगा (विहा.)	- ४२	- ४०	- ३९	- ४०	- ४१	- ४३	- ४४	- ४६	- ४६	- ४६	- ४५	- ४३
दिल्ली	- ९	- १०	- १०	- १०	- ९	- ९	- ८	- ७	- ६	- ७	- ७	- ८
नागपुर (महा.)	- ११	- ५	- २	- ४	- ९	- १५	- २१	- २७	- ३०	- २९	- २४	- १७
पटना (विहा.)	- ३९	- ३७	- ३६	३६	- ३८	- ४०	४२	४४	- ४५	- ४५	- ४३	- ४१
पूना (महा.)	+ १२	+ २०	+ २४	+ २२	+ १५	+ ७	२	- १०	- १४	- १२	६	+ ३
वडोदा (गुज.)	+ १२	+ १७	+ २०	+ १९	+ १४	+ ९	+ ३	२	- ५	- ३	+ १	+ ६
बीकानेर (राज.)	+ ७	+ ६	+ ६	+ ६	+ ७	+ ७	+ ८	+ ८	+ ८	+ ८	+ ८	+ ७
बेंगलोर (कर्ना.)	+ १	+ १३	+ १९	+ १७	+ ६	- ७	- २१	- ३३	- ३९	- ३६	२६	१३
भागलपुर (विहा.)	- ४५	४३	- ४२	- ४२	- ४४	४७	- ५०	- ५२	- ५३	- ५२	- ५१	- ४८
भुवनेश्वर (उडी.)	- ३७	- ३१	- २८	२९	- ३५	- ४२	- ४९	- ५५	- ५८	- ५७	- ५१	- ४५
भोपाल (म.प्र.)	- ५	- ४	+ १	- ०	- ३	- ८	१२	- १६	- १८	- १८	- १४	- १०
मुम्बई (महा.)	+ १६	+ २३	+ २७	+ २५	+ १९	+ ११	+ २	- ५	- ९	- ७	- १	+ ७
वाराणसी (उ.प्र.)	- ३०	- २७	- २६	- २७	- २९	- ३१	- ३३	- ३६	- ३७	- ३६	- ३४	- ३२
सोलापुर (महा.)	+ ४	+ १३	+ १७	+ १५	+ ८	- १	- ११	- २०	- २४	- २२	- १५	- ५
श्रीनगर (ज.क)	- ५	- ११	- १४	- १३	- ८	- १	+ ६	+ १३	+ १६	+ १५	+ ९	+ २
हैदराबाद (आं.प्र)	- ६	+ ३	+ ८	+ ६	- २	- १२	- २२	- ३०	- ३५	- ३३	- २५	- १६

॥ संवत् २०७० ॥ संस्कार कोष्टक ज्ञानायः- पञ्चाङ्गस्थ नवलगढ (राज.) की दैनिक लग्न प्रवेश सारणी से उपर लिखे नगरों का प्रवेश व समाप्ति काल संस्कार कोष्ठक की सहायता से किसी भी दिन का स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं।

उदाहरण - १ मई २०१३ को श्रीनगर (ज.क) में कन्या लग्न का प्रवेश और समाप्ति काल ज्ञात करना है। पंचांग में १ मई २०१३ को कन्या का प्रवेश काल दिवा घंटा ३ मिनट २७ और समाप्ति काल सायँ घंटा ५ मिनट ४३ लिखा हुआ है। संस्कार कोष्ठक में श्रीनगर (ज.क) के कन्या में - १ मि. और तुला में + ६ मि. है (तुला का प्रवेश काल ही कन्या का समाप्ति काल है)। अतः कन्या के प्रवेश दिवा ३।२७ में - १ मि. का संस्कार किया (यदि - हो तो घटा दें और + हो तो जोड़ दें) तो श्रीनगर (ज.क) का स्पष्ट प्रवेश काल दिवा ३।२६ हो गया कन्या के समाप्ति काल सायँ घंटा ५ मिनट ४३ में + ६ मि. का संस्कार किया तो कन्या का समाप्ति काल सायँ ५।४९ स्पष्ट हो गया। ऐसे ही संस्कार कोष्टक में लिखे हुए ३५ नगरों में से किसी भी नगर का कोई भी लग्न स्पष्ट ज्ञात कर सकते हैं।

रेल्वे मध्यान्तर निकालने की विधि -

जिस गांव का रेल्वे मध्यान्तर निकालना हो उस गांव का एटलस (भारत के नक्शे) से रेखांश प्राप्त करें उस रेखांश में से ८२।३० अंश घटाकर शेष को ४ से गुणा करें गुणन फल उस नगर का मध्यम रेल्वेंतर मिनट धन होगा। उदाहरण - कोलकाता का रेखांश ८८।३० रेखांश धन है इसमें से ८२।३० घटाया (८८।३०-८२।३०) = शेष + ६ अंशों को ४ से गुणा किया + ६ X ४ = २४ यही कोलकाता का २४ मिनिट धन मध्यम रेल्वेंतर हुआ।

यदि अभीष्ट स्थान के रेखांश ८२।३० रेखांश से कम हों तो ८२।३० में से अभीष्ट नगर के रेखांश घटाकर शेष को ४ से गुणा करने से अभीष्ट नगर का ऋण रेल्वे मध्यान्तर होगा। उदा० - मुम्बई के रेखांश ७२।४८ हैं इसको ८२।३० में से घटाया शेष ९।४२ रहा इनको ४ से गुणा किया तो गुणनफल ३८।४८ मिनिट मुम्बई का मध्यम रेल्वेन्तर हुआ।

रेल्वे मध्यान्तर को स्फुट रेल्वेन्तर जानने की विधि

जिस तारीख का स्फुट रेल्वेंतर जानना हो तो उस तारीख का अंक्षांशादि सारणी के पेज में लिखे वेलान्तर मिनिटों को व्यस्त चिन्ह (ऋण धन का चिन्ह बदल कर) संस्कार करने से स्फुट रेल्वेन्तर उस तारीख का होगा जैसे तारीख १४ जनवरी को वेलान्तर + ९।२० मिनिट धन है इसको व्यस्त चिन्ह धन को ऋण चिन्ह - किया तो हुआ -९।२० यह कोलकाता का +२४ में वैजिकरीत्या संस्कार किया तो + २४।० - ९।२० = + १४।४० ता०-१५ जनवरी को स्फुट रेल्वेन्तर हुआ ऐसे ही मुम्बई -३८।४८ संस्कार किया तो वैजिकरीत्या (योगे युतिः स्यात्क्षययोः स्वयोर्वा) के अनुसार -३८।४८ - ९।२० का जोड किया तो ४८।०८ मुम्बई में स्फुट रेल्वेंतर मिनिट ऋण हुये उनको रेल्वे टाइम में धन ऋण करने से स्थानिक स्फुट टाइम हुई।

ले. पं. ग्यास्सीलाल शर्मा, विले पारले, मुम्बई

चैत्र कृष्णपक्ष संवत् २०६९, शाकः १९३४, २८ मार्च से १० अप्रेल तक																					नवलगढ			चंद्रः	तारीख			वसंतर्त्तू रविरुत्तरे फाल्गुनकृष्णेति महा., मार्च-अप्रेल २०१३
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	गु	१६	२८	१३	०४	हस्त	६	०५	८	५५	ध्रु	१८	१८	१३	४८	कौ	१६	२८	१३	०४	३०/३२	६/२९	६/४१	तुला. २०।१५	७	१५	२८	वसन्त १
२	शु	११	०८	१०	५४	चित्रा	२/५८	४१/४५	७/२९	३२/५८	व्या	११	०६	१०	५४	ग	११	०८	१०	५४	३६	२७	४२	तुला.	८	१६	२९	भ. २१।४६ उ., कल्पादि
३	श	५	२२	८	३५	विशा	५४	३९	२८	१८	ह	३/५५	३३/४८	७/२८	५२/४५	वि	५	२२	८	३५	४०	२६	४२	वृश्चि. २२।४३	९	१७	३०	भ. ८।३५ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।०१, रेव. शुक्रः २२।५९
४	श	५९	२०	३०	२०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A अहर्गणः ७३५, चक्र ७, मन्वादि, मेषे अश्वि. शुक्रः १६।४९
५	र	५३	२१	२०	४६	अनु	५०	३२	२६	३८	सि	४८	०४	२५	३९	कौ	२६	२१	१६	५८	४४	२५	४३	वृश्चि.	१०	१८	३१	रेव. रविः ११।२४ (सौरः १३।३७)
६	सो	४३	३२	२५	२५	ज्ये	४६	३४	२५	०२	व्य	४०	२९	२२	३६	ग	२०	२७	१४	३५	४८	२४	४३	धनु. २५।०२	११	१९	१	भ. २५।२५ उ., अप्रेल ४ ता. ३०, पूभा. बुधः १३।५२
७	मं	४२	००	२३	११	मूल	४२	५३	२३	३२	व	३३	०६	१९	३७	वि	१४	४५	१२	१७	५२	२३	४४	धनु.	१२	२०	२	भ. १२।१७ या.
८	बु	३६	५३	२१	०७	पूषा	३९	३७	२२	१२	प	२६	०३	१६	४७	बा	९	२४	१०	०७	५६	२२	४४	मक. २७।५४	१३	२१	३	शीतला पूजनं,
९	गु	३२	१६	१९	१५	उषा	३६	५२	२१	०५	शि	१९	२३	१४	०६	तै	४	३१	८	०९	३१/००	२१	४५	मक.	१४	२२	४	[B मोक्षः २१।२३
१०	शु	२८	१८	१७	३९	श्रव	३४	४५	२०	१४	सि	१३	१५	११	३८	व	०	१३	६	२५	०४	२०	४५	मक.	१५	२३	५	भ. ६।२५ उ. १७।३९ या.
११	श	२५	०५	१६	२१	धनि	३३	२५	१९	४१	सा	७	४१	९	२३	बा	२५	०५	१६	२१	०८	१९	४६	कुंभे ७।५५	१६	२४	६	पंचक प्रारम्भः ७।५५, पापमोचनी ११ व्र., पातस्पर्शः १६।००, B
१२	र	२२	४६	१५	२४	शत	३२	५९	१९	२९	शु	२/५८	४८/३८	७/२९	२५/४५	तै	२२	४६	१५	२४	१२	१८	४६	कुंभे	१७	२५	७	प्रदोषः, वारुणी योग १५।२४ से १९।२९ तक
१३	सो	२१	२७	१४	५१	पूभा	३३	३३	१९	४२	ब्र	५५	२३	२८	२६	व	२१	२७	१४	५१	१६	१६	४७	मीने १३।३६	१८	२६	८	भ. १४।५१ उ. २६।४५ या., मासिकशिवरात्री व्र.
१४	मं	२१	१६	१४	४६	उभा	३५	१३	२०	२१	ऐ	५३	०४	२७	२९	श	२१	१६	१४	४६	२०	१५	४८	मीने	१९	२७	९	मीने बुधः २७।२१
३०	बु	२२	१५	१५	०८	रेव	३८	०४	२१	२८	वै	५१	४०	२६	५४	ना	२२	१५	१५	०८	२४	१४	४८	मेषे २१।२८	२०	२८	१०	पंचक समाप्तिः २१।२८, देवपितृकार्येऽमा., केतकी A

अयनांशाः २४।०१।४३
५१ प. चै.कृ. २ शु. इष्टघटी ३०।१८
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	११	१०	९	११	६	६	११
१४	१९	१७	१७	१५	१६	२४	१४
५९	२०	२०	२३	११	२६	५४	५३
११	२९	४४	०९	४४	००	०२	३८
५९	४६	५४	९	४४	३	३	५९
१७	०९	१४	४२	३४	३३	११	१९
उभा	रे	श	रो	उभा	स्वा	वि	उभा
४	१	४	३	४	३व	२	४



मार्च		रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२८	गु	११	१३	२९	५३	५९	२०	२	५९	३०	२१	६	४०	६	४८	३०	२५	५	३६	५	४६
२९	शु	११	१४	२९	१३	५९	१८	३	२३	३०	२३	६	३९	६	४८	३०	२८	५	३५	५	४७
३०	श	११	१५	२८	३२	५९	१६	३	४६	३०	२६	६	३८	६	४९	३०	३१	५	३५	५	४७
३१	र	११	१६	२७	४८	५९	१४	४	०९	३०	२९	६	३७	६	४९	३०	३५	५	३४	५	४७
१	चं	११	१७	२७	०२	५९	१२	४	३२	३०	३१	६	३६	६	४९	३०	३८	५	३३	५	४८
२	मं	११	१८	२६	१४	५९	१०	४	५६	३०	३४	६	३६	६	४९	३०	४१	५	३२	५	४८
३	बु	११	१९	२५	२४	५९	०८	५	१९	३०	३७	६	३५	६	४९	३०	४४	५	३१	५	४८
४	गु	११	२०	२४	३२	५९	०६	५	४२	३०	३९	६	३४	६	५०	३०	४७	५	३०	५	४९
५	शु	११	२१	२३	३८	५९	०४	६	०४	३०	४२	६	३३	६	५०	३०	५१	५	२९	५	४९
६	श	११	२२	२२	४२	५९	०२	६	२७	३०	४५	६	३२	६	५०	३०	५४	५	२८	५	५०
७	र	११	२३	२१	४४	५९	००	६	५०	३०	४७	६	३२	६	५०	३०	५७	५	२७	५	५०
८	चं	११	२४	२०	४४	५८	५८	७	१२	३०	५०	६	३१	६	५१	३१	००	५	२६	५	५०
९	मं	११	२५	१९	४२	५८	५६	७	३५	३०	५२	६	३०	६	५१	३१	०३	५	२५	५	५१
१०	बु	११	२६	१८	३८	५८	५४	७	५७	३०	५५	६	२९	६	५१	३१	०६	५	२४	५	५१

मास फलम्

इस पक्ष में कृ. अष्टमी को बुधवार होने से अल्प वर्षा हो । अमावस्या रेवती योग सुभिक्ष और सुखद है । रेवती में शुक्र होने से प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो । रेवती में स्थित शुक्र पथिकों (यात्रियों) को पीड़ित करता है । पूर्वाभाद्रपद में बुध होने से कहीं दुर्भिक्ष हो और कहीं क्षेम तथा आरोग्यता हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो । अश्विनी में शुक्र होने से ब्राह्मण जाति में विरोध हो । जौ, तिल, उड़द कम हों । अश्विनी में स्थित शुक्र अश्वपालकों को पीड़ित करता है ।

अयनांशाः २४।०१।४४
५२ पं. चै.कृ.१० शु. इष्टघटी ३०।३७
(रेल्वे घं. मि. १८।३५)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	११	१०	९	११	६	६	११
२१	२४	२४	१८	२३	१५	२४	२१
५३	४१	३४	३३	५३	५९	३१	४८
२९	४१	१०	१७	२३	५१	४६	०५
५९	४५	७१	१०	७४	३	३	५९
०३	४२	१०	२६	२७	५८	११	०३
रे	रे	पूभा	रो	रे	स्वा	वि	रे
२	३	२	३	३	३व	२	२



नवलगढ दैनिक लग्नसारणी से नीचे नगरों में लग्नप्रवेश बनाने के लिए संस्कार कोष्ठक (मिनिटों में)

नगरों के नाम	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
अमृतसर (पंजा.)	- २	- ६	- ८	- ७	- ४	+ ०	+ ५	+ ८	+ १०	+ ९	+ ६	+ २
अजमेर (राज.)	+ ३	+ ४	+ ४	+ ४	+ ३	+ २	+ १	- १	- १	- १	+ ०	+ १
अहमदाबाद (गुज.)	+ १४	+ १८	+ २०	+ १९	+ १६	+ ११	+ ७	+ ३	+ १	+ २	+ ५	+ ९
आकोला (महा.)	- २	+ ४	+ ७	+ ५	+ ०	- ७	- १४	- २०	- २३	- २१	- १६	- ९
आगरा (उ.प्र.)	- ११	- १०	- १०	- १०	- १०	- ११	- १२	- १२	- १२	- १२	- १२	- ११
इंदौर (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ८	+ ७	+ ३	- २	- ७	- ११	- १४	- १३	- ९	- ४
उज्जैन (म.प्र.)	+ १	+ ५	+ ७	+ ६	+ ३	- २	- ६	- १०	- १२	- ११	- ८	- ३
उदयपुर (राज.)	+ ८	+ ११	+ १२	+ १२	+ ९	+ ६	+ ३	+ ०	- १	- १	+ २	+ ५
कोलकाता (बंगा.)	- ४९	- ४५	- ४२	- ४३	- ४७	- ५२	- ५७	- ६२	- ६४	- ६३	- ५९	- ५४
कानपुर (उ.प्र.)	- २०	- १९	- १८	- १८	- १९	- २०	- २२	- २३	- २४	- २३	- २२	- २१
काठमाण्डु (नेपा.)	- ३९	- ३८	- ३८	- ३८	- ३९	- ४०	- ४१	- ४२	- ४३	- ४२	- ४२	- ४१
कोल्हापुर (महा.)	+ १२	+ २१	+ २६	+ २४	+ १६	+ ५	- ५	- १४	- १९	- १७	- ९	+ १
गौहाटी (आसा)	- ६५	- ६४	- ६३	- ६३	- ६५	- ६६	- ६८	- ६९	- ७०	- ७०	- ६८	- ६७
चंडीगढ (पंजा.)	- १०	- १२	- १४	- १३	- ११	- ८	- ५	- २	- ०	- १	- ३	- ७
चित्तौडगढ (राज.)	+ ४	+ ६	+ ८	+ ७	+ ५	+ २	- १	- ३	- ५	- ४	- २	+ १
चिन्नई (तमि.)	- ९	+ ३	+ ९	+ ६	- ४	- १८	- ३१	- ४३	- ५०	- ४७	- ३६	- २३
जयपुर (राज.)	- २	- १	- १	- १	- २	- ३	- ३	- ४	- ५	- ४	- ४	- ३
जोधपुर (राज.)	+ १२	+ १३	+ १४	+ १४	+ १२	+ ११	+ ९	+ ८	+ ७	+ ७	+ ८	+ १०
डिब्रुगढ (आसा)	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ७९	- ८०	- ८०	- ८०	- ८०	- ७९
दरभंगा (विहा.)	- ४२	- ४०	- ३९	- ४०	- ४१	- ४३	- ४४	- ४६	- ४६	- ४६	- ४५	- ४३
दिल्ली	- ९	- १०	- १०	- १०	- ९	- ९	- ८	- ७	- ६	- ७	- ७	- ८
नागपुर (महा.)	- ११	- ५	- २	- ४	- ९	- १५	- २१	- २७	- ३०	- २९	- २४	- १७
पटना (विहा.)	- ३९	- ३७	- ३६	३६	३८	- ४०	४२	४४	- ४५	४५	४३	- ४१
पूना (महा.)	+ १२	+ २०	+ २४	+ २२	+ १५	+ ७	- २	- १०	- १४	- १२	- ६	+ ३
बडौदा (गुज.)	+ १२	+ १७	+ २०	+ १९	+ १४	+ ९	+ ३	२	- ५	३	+ १	+ ६
बीकानेर (राज.)	+ ७	+ ६	+ ६	+ ६	+ ७	+ ७	+ ८	+ ८	+ ८	+ ८	+ ८	+ ७
बेंगलोर (कर्ना.)	+ १	+ १३	+ १९	+ १७	+ ६	- ७	- २१	- ३३	- ३९	- ३६	- २६	१३
भागलपुर (विहा.)	- ४५	- ४३	- ४२	- ४२	- ४४	- ४७	- ५०	- ५२	- ५३	- ५२	- ५१	- ४८
भुवनेश्वर (उडी.)	- ३७	- ३१	- २८	- २९	- ३५	- ४२	- ४९	- ५५	- ५८	- ५७	- ५१	- ४५
भोपाल (म.प्र.)	- ५	- १	+ १	- ०	- ३	- ८	१२	- १६	- १८	- १८	- १४	- १०
मुम्बई (महा.)	+ १६	+ २३	+ २७	+ २५	+ १९	+ ११	+ २	- ५	- ९	- ७	- १	+ ७
वाराणसी (उ.प्र.)	- ३०	- २७	- २६	- २७	- २९	- ३१	- ३३	- ३६	- ३७	- ३६	- ३४	- ३२
सोलापुर (महा.)	+ ४	+ १३	+ १७	+ १५	+ ८	- १	- ११	- २०	- २४	- २२	- १५	- ५
श्रीनगर (ज.क)	- ५	- ११	- १४	- १३	- ८	- १	+ ६	+ १३	+ १६	+ १५	+ ९	+ २
हैदराबाद (आं.प्र)	- ६	+ ३	+ ८	+ ६	- २	- १२	- २२	- ३०	- ३५	- ३३	- २५	- १६

।। संवत् २०७० ।। संस्कार कोष्टक ज्ञानायः- पञ्चाङ्गस्थ नवलगढ (राज.) की दैनिक लग्न प्रवेश सारणी से उपर लिखे नगरों का प्रवेश व समाप्ति काल संस्कार कोष्ठक की सहायता से किसी भी दिन का स्पष्ट ज्ञात कर सकते है।

उदाहरण - १ मई २०१३ को श्रीनगर (ज.क) में कन्या लग्न का प्रवेश और समाप्ति काल ज्ञात करना है। पंचांग में १ मई २०१३ को कन्या का प्रवेश काल दिवा घंटा ३ मिनट २७ और समाप्ति काल सायँ घंटा ५ मिनट ४३ लिखा हुआ है। संस्कार कोष्ठक में श्रीनगर (ज.क) के कन्या में - १ मि. और तुला में + ६ मि. है (तुला का प्रवेश काल ही कन्या का समाप्ति काल है)। अतः कन्या के प्रवेश दिवा ३।२७ में - १ मि. का संस्कार किया (यदि - हो तो घटा दें और + हो तो जोड दें) तो श्रीनगर (ज.क) का स्पष्ट प्रवेश काल दिवा ३।२६ हो गया कन्या के समाप्ति काल सायँ घंटा ५ मिनट ४३ में + ६ मि. का संस्कार किया तो कन्या का समाप्ति काल सायँ ५।४९ स्पष्ट हो गया। ऐसे ही संस्कार कोष्ठक में लिखे हुए ३५ नगरों में से किसी भी नगर का कोई भी लग्न स्पष्ट ज्ञात कर सकते है।

रेल्वे मध्यान्तर निकालने की विधि -

जिस गांव का रेल्वे मध्यान्तर निकालना हो उस गांव का एटलस (भारत के नक्शे) से रेखांश प्राप्त करे उस रेखांश में से ८२।३० अंश घटाकर शेष को ४ से गुणा करें गुणन फल उस नगर का मध्यम रेल्वेंतर मिनट धन होगा। उदाहरण - कोलकाता का रेखांश ८८।३० रेखांश धन है इसमें से ८२।३० घटाया (८८।३०-८२।३०) = शेष + ६ अंशो को ४ से गुणा किया + ६ X ४ = २४ यही कोलकाता का २४ मिनिट धन मध्यम रेल्वेंतर हुआ।

यदि अभीष्ट स्थान के रेखांश ८२।३० रेखांश से कम हों तो ८२।३० में से अभीष्ट नगर के रेखांश घटाकर शेष को ४ से गुणा करने से अभीष्ट नगर का ऋण रेल्वे मध्यान्तर होगा। उदा० - मुम्बई के रेखांश ७२।४८ है इसको ८२।३० में से घटाया शेष ९।४२ रहा इनको ४ से गुणा किया तो गुणनफल ३८।४८ मिनिट मुम्बई का मध्यम रेल्वेन्तर हुआ।

रेल्वे मध्यान्तर को स्फुट रेल्वेन्तर जानने की विधि

जिस तारीख का स्फुट रेल्वेंतर जानना हो तो उस तारीख का अंशाशादि सारणी के पेज में लिखे वेलान्तर मिनिटों को व्यस्त चिन्ह (ऋण धन का चिन्ह बदल कर) संस्कार करने से स्फुट रेल्वेन्तर उस तारीख का होगा जैसे तारीख १४ जनवरी को वेलान्तर + ९।२० मिनिट धन है इसको व्यस्त चिन्ह धन को ऋण चिन्ह - किया तो हुआ -९।२० यह कोलकाता का +२४ में वैजिकरीत्या संस्कार किया तो + २४।० - ९।२० = + १४।४० ता०-१५ जनवरी को स्फुट रेल्वेन्तर हुआ ऐसे ही मुम्बई -३८।४८ संस्कार किया तो वैजिकरीत्या (योगे युतिः स्यात्क्षययोः स्वयोर्वा) के अनुसार -३८।४८ - ९।२० का जोड किया तो ४८।०८ मुम्बई में स्फुट रेल्वेंतर मिनिट ऋण हुये उनको रेल्वे टाइम में धन ऋण करने से स्थानिक स्फुट टाइम हुई।

ले. पं. ग्यास्सीलाल शर्मा, विले पारले, मुम्बई

संवत् २०७०, दिनमान एवं सूर्योदयास्त जानने की सरल विधि

जिस नगर का दिनमान जानना चाहें उस नगर का अक्षांश पंचांग से या एटलस (भारत के नकसे से) प्राप्त करें उसके पश्चात पंचांग में लिखी दैनिक रवि क्रान्ति और अक्षांश की सहायता से चर सारणी से अभीष्ट दिन की चरपल प्राप्त करें। चर पलों को दूगुना करके घटी ३०।०० में रवि क्रान्ति उत्तर (धन) हो तो जोड़ दें और रवि क्रान्ति दक्षिण (ऋण) हो तो ३०।० घटी में से घटा दे दिनमान घटी पल होगा। दिनमान की घटी पलों में ५ का भाग देने से सूर्य घटी (देशी) सूर्यास्त का घंटा मिनट होगा। देशी सूर्यास्त के घंटा मिनटों को १२ में से घटा देने से देशी सूर्योदय का घंटा मिनट होगा। इसमें रेल्वे मध्यांतर मिनट तथा वेलान्तर संस्कार करने से रेल्वे टाइम का सूर्योदय एवं सूर्यास्त का घण्टा मिनिटात्मक काल होगा।

दिनमान = ३० ± (चरपल x २)

स्टैण्डर्ड सूर्यास्त = दिनमान ÷ ५ + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

स्टैण्डर्ड सूर्योदय = १२ – (दिनमान ÷ ५) + (वेलान्तर + रेल्वेऽन्तर)

उदाहरण - संवत् २०७०, तारीख १ अगस्त २०१३ को श्रीनगर (ज.क) अक्षांशः ३४° ६' उ., रेखांशः ७४° ५४' पू. का स्पष्ट दिनमान एवं स्टैण्डर्ड सूर्योदय/सूर्यास्त गणित द्वारा ज्ञात करना है। १ अगस्त २०१३ को पञ्चाङ्गस्थ रवि क्रान्ति अंश-कलादि (धन) +१८।०१ है यहाँ अक्षांश और रवि क्रान्ति की सहायता से चरपल संस्कार सारणी से १२६ पल प्राप्त हुई. इनको २ से गुणा किया (२५२ = १२६ x २) पल ६० से ज्यादा है अतः ६० का भाग दिया तो घट्यादि + ४।१२ हुआ यहाँ रवि क्रान्ति उत्तर है अतः घटी ३० में जोड़ दिया (३०।० + ४।१२) तो घट्यात्मक ३४।१२ दिनमान हुआ। इसमें ५ का भाग दिया लब्धि घंटादि ६ घंटा ५० मिनट २४ से. देशी सूर्यास्त टाइम हुई इसको १२ में से घटा दिया तो ५ घंटा ०९ मिनट ३६ से. देशी सूर्योदय समय हो गया इसमें रेल्वेऽन्तर संस्कार के लिए

श्रीनगर (ज.क) का रेखांश ८२।३० से कम है अतः ((८२।३० - ७४।५४) x ४) रेल्वे मध्यान्तर मिनट (ऋण) -३० सेकण्ड २४ को व्यस्तचिन्ह (ऋण हो तो धन और धन हो तो ऋण) करके सूर्योदय/सूर्यास्त में जोड़ दिया तो ५।४०।०० सूर्योदय और ७।२०।४८ सूर्यास्त श्रीनगर (ज.क) का मध्यम मान से हुआ। इसमें तारीख १ अगस्त २०१३ को वेलान्तर मिनट + ६ सेकण्ड २१ को धनर्ण करने से स्टैण्डर्ड (रेल्वे) ५।४६।२१ सूर्योदय और ७।२७।०९ सूर्यास्त (अर्धादिक रुप से सूर्योदय ५ बजकर ४६ मिनट और सूर्यास्त ७ बजकर २७ मिनट) समय स्पष्ट हो गया। इस तरह भारत के किसी भी गांव का जान लीजिये।

रेल्वे प्रातः ६।२७ बजे, ॥ अथ मास तारीखोपरि वेलान्तरम् ॥ मिनट-सेकण्ड, ई.सन् २०१३

ता.	जनवरी मि.से.	फरवरी मि.से.	मार्च मि.से.	अप्रेल मि.से.	मई मि.से.	जून मि.से.	जुलाई मि.से.	अगस्त मि.से.	सितंबर मि.से.	अक्टूबर मि.से.	नवंबर मि.से.	दिसंबर मि.से.
१	+ ३।२८	+१३।३४	+१२।२५	+ ४।००	- २।५०	- २।११	+ ३।५०	+ ६।२१	+ ०।०५	-१०।१६	-१६।२५	-११।०५
२	+ ३।५७	+१३।४२	+१२।१४	+ ३।४२	- २।५७	- २।०१	+ ४।०१	+ ६।१७	- ०।१५	-१०।३५	-१६।२६	-१०।४२
३	+ ४।२४	+१३।४९	+१२।०१	+ ३।२४	- ३।०३	- १।५२	+ ४।१३	+ ६।१३	- ०।३४	-१०।५४	-१६।२७	-१०।१९
४	+ ४।५२	+१३।५५	+११।४९	+ ३।०७	- ३।०९	- १।४२	+ ४।२३	+ ६।०८	- ०।५४	-११।१३	-१६।२७	- ९।५५
५	+ ५।१९	+१४।००	+११।३५	+ २।४९	- ३।१५	- १।३१	+ ४।३४	+ ६।०२	- १।१४	-११।३१	-१६।२५	- ९।३०
६	+ ५।४६	+१४।०५	+११।२२	+ २।३२	- ३।१९	- १।२१	+ ४।४४	+ ५।५५	- १।३४	-११।४९	-१६।२३	- ९।०५
७	+ ६।१२	+१४।०९	+११।०८	+ २।१५	- ३।२४	- १।१०	+ ४।५४	+ ५।४९	- १।५४	-१२।०७	-१६।२१	- ८।४०
८	+ ६।३७	+१४।११	+१०।५३	+ १।५९	- ३।२७	- ०।५८	+ ५।०४	+ ५।४१	- २।१५	-१२।२४	-१६।१७	- ८।१४
९	+ ७।०३	+१४।१४	+१०।३८	+ १।४२	- ३।३१	- ०।४७	+ ५।१३	+ ५।३३	- २।३६	-१२।४०	-१६।१२	- ७।४७
१०	+ ७।२७	+१४।१५	+१०।२३	+ १।२६	- ३।३३	- ०।३५	+ ५।२१	+ ५।२४	- २।५६	-१२।५७	-१६।०७	- ७।२०
११	+ ७।५१	+१४।१५	+१०।०८	+ १।१०	- ३।३५	- ०।२३	+ ५।३०	+ ५।१५	- ३।१७	-१३।१२	-१६।०१	- ६।५३
१२	+ ८।१५	+१४।१५	+ ९।५२	+ ०।५४	- ३।३६	- ०।११	+ ५।३७	+ ५।०५	- ३।३९	-१३।२८	-१५।५४	- ६।२५
१३	+ ८।३८	+१४।१४	+ ९।३६	+ ०।३९	- ३।३७	+ ०।०२	+ ५।४५	+ ४।५४	- ४।००	-१३।४३	-१५।४६	- ५।५७
१४	+ ९।००	+१४।१२	+ ९।१९	+ ०।२४	- ३।३८	+ ०।१४	+ ५।५२	+ ४।४४	- ४।२१	-१३।५७	-१५।३७	- ५।२९
१५	+ ९।२१	+१४।१०	+ ९।०२	+ ०।०९	- ३।३७	+ ०।२७	+ ५।५८	+ ४।३२	- ४।४३	-१४।११	-१५।२८	- ५।००
१६	+ ९।४२	+१४।०७	+ ८।४६	- ०।०५	- ३।३६	+ ०।४०	+ ६।०४	+ ४।२०	- ५।०४	-१४।२४	-१५।१७	- ४।३१
१७	+१०।०२	+१४।०३	+ ८।२८	- ०।२०	- ३।३५	+ ०।५३	+ ६।०९	+ ४।०७	- ५।२५	-१४।३६	-१५।०६	- ४।०२
१८	+१०।२२	+१३।५८	+ ८।११	- ०।३३	- ३।३३	+ १।०६	+ ६।१४	+ ३।५४	- ५।४७	-१४।४८	-१४।५४	- ३।३२
१९	+१०।४१	+१३।५३	+ ७।५४	- ०।४६	- ३।३०	+ १।१९	+ ६।१८	+ ३।४१	- ६।०८	-१५।००	-१४।४१	- ३।०३
२०	+१०।५९	+१३।४७	+ ७।३६	- ०।५९	- ३।२७	+ १।३२	+ ६।२२	+ ३।२७	- ६।३०	-१५।१०	-१४।२७	- २।३३
२१	+११।१६	+१३।४०	+ ७।१८	- १।१२	- ३।२४	+ १।४५	+ ६।२५	+ ३।१२	- ६।५१	-१५।२१	-१४।१३	- २।०३
२२	+११।३३	+१३।३३	+ ७।००	- १।२४	- ३।१९	+ १।५८	+ ६।२८	+ २।५७	- ७।१२	-१५।३०	-१३।५७	- १।३३
२३	+११।४८	+१३।२५	+ ६।४२	- १।३५	- ३।१५	+ २।११	+ ६।३०	+ २।४२	- ७।३३	-१५।३९	-१३।४१	- १।०३
२४	+१२।०३	+१३।१७	+ ६।२४	- १।४६	- ३।१०	+ २।२४	+ ६।३१	+ २।२६	- ७।५४	-१५।४७	-१३।२४	- ०।३४
२५	+१२।१८	+१३।०८	+ ६।०६	- १।५७	- ३।०४	+ २।३७	+ ६।३२	+ २।०९	- ८।१५	-१५।५४	-१३।०६	- ०।०४
२६	+१२।३१	+१२।५८	+ ५।४८	- २।०७	- २।५८	+ २।४९	+ ६।३२	+ १।५३	- ८।३६	-१६।०१	-१२।४८	+ ०।२६
२७	+१२।४४	+१२।४८	+ ५।३०	- २।१७	- २।५१	+ ३।०२	+ ६।३२	+ १।३६	- ८।५६	-१६।०७	-१२।२९	+ ०।५६
२८	+१२।५५	+१२।३७	+ ५।१२	- २।२६	- २।४४	+ ३।१४	+ ६।३१	+ १।१८	- ९।१७	-१६।१२	-१२।०९	+ १।२५
२९	+१३।०६	. . .	+ ४।५४	- २।३४	- २।३६	+ ३।२६	+ ६।३०	+ १।००	- ९।३७	-१६।१६	-११।४८	+ १।५५
३०	+१३।१७	. . .	+ ४।३६	- २।४२	- २।२८	+ ३।३८	+ ६।२७	+ ०।४२	- ९।५७	-१६।२०	-११।२७	+ २।२४
३१	+१३।२६	. . .	+ ४।१८	. . .	- २।२०	. . .	+ ६।२५	+ ०।२३	. . .	-१६।२३	. . .	+ २।५२

र. जयति सिन्धुरवदनो देवो यत्पादपङ्कजस्मरणम् । वासरमणिरिव तमसां राशीन्नाशयति विघ्नानाम् ॥ अथास्मिन् वर्षे सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११४, तत्र कृतयुग प्रमाणम् १७२८०००, त्रेतायुग प्रमाणम् १२९६०००, द्वापरयुग प्रमाणम् ८६४०००, कलियुग प्रमाणम् ४३२०००, तन्मध्ये गतकलिः ५११४ भोग्यकलिः ४२६८८६ अथास्मिन् संवत्सरे श्रीमन्नृपति वीरविक्रमादित्यराज्येतो गताब्दाः संवत् २०७० शाकः १९३५ । अथाऽस्मिन् वर्षे राजा गुरुः, मंत्री शनिः, सस्येशो भौमः, धान्येशो रविः, मेघेशः शुक्रः, रसेशो गुरुः, नीरसेशो भौमः, फलेशः शुक्रः, धनेशश्चंद्रः, दुर्गेशः शुक्रः, एते दशाधिकारिणः । तत्र बार्हस्पत्य मानेन प्रभवादि षष्ट्यब्दानां मध्ये विष्णु विंशतिकायां २० पराभवनाम संवत्सरः प्रवर्तते । तस्य मेषाऽर्क समये गत मासादि ११।२७।५२।२ भोग्य मासादि ०।२।०।५८ विश्वेदेव दैवतं युगम् । वर्षनाम कार्तिक । चतुर्मेघनाम संवर्तः । रोहिणी निवासः समुद्रे । समय निवासो मालाकारगृहे । समय विश्वा ८ । समय वाहनं चातकः । स्तंभ २ वायु अन्न । सोमवत्यमा. १ । सोमवती पंचमी २ । अंगारकी चतुर्थी ३ । भानु सप्तमी १ । बुधाष्टमी २ । रविदशमी २ । समय मुहूर्तानि ३७५ । समय दिनानि ३५४ । तिथि क्षयः १९ । तिथि वृद्धिः १३ । अष्टोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा ८७ । स्वपति विश्वा ११४ । विंशोत्तरी मतेन उत्पत्ति विश्वा १२३ । स्वपति विश्वा ८७ । वर्षा विश्वा ९ । धान्यम् ९ । तृणम् ७ । शीतम् ७ । तेजः १७ । वायुः १३ । वृद्धिः १५ । क्षयः १५ । विग्रह ११ । (क्षुधा १ । तृष्णा ११ । निद्रा १ । आलस्य १५ । उद्यम १७ । शान्ति १ । क्रोध ३ । दण्ड १ । मैत्री १३ । उत्सव ११ । पाप ११ । पुण्य ७ । उग्रत्व ३ । रसोत्पत्तिः १९ । फलोत्पत्तिः ७ । व्याधि ५ । व्याधिनाश १९ । आचार १९ । अनाचार ७ । मृत्यु ३ । जन्म ११ । चौर १७ । उपशमन ५ । अग्निभय ११ । अग्निशमः ३ ।) सत्यम् ॥, धर्म १॥, पाप १८ । ऐक्यम् १०३ । शनि दृष्टिः पश्चिमायाम् । ग्रहणं १ चन्द्रमसः । उद्भिजः ५ । जरायुजः ३ । पिण्डजः १५ । स्वदेजः १३ ।

अथाधिकारिणां फलम् । अथास्मिन् वर्षे राजागुरुस्तत्फलम् - गुरौ नृपे वर्षति कामदं जलं महीतले कामदुघाश्चधेनवः । यजन्तिविप्रा बहवोऽग्निहोत्रिणो महोत्सवः सर्वजनेषु वर्तते ॥ मंत्रीशनिस्तत्फलम् - रविसुतेयदिमंत्रिणिपार्थिवाविनयसंरहिताबहुदुःखदाः । नजलदाजलदाजनतापदाजनपदेषु सुखंनधनंक्वचित् ॥ सस्येशोभौमस्तत्फलम् - प्रथमधान्यपतौधरणीसुतेगजतुरंगखरोष्ट्रगवामपि । प्रभवदोबहुरोगघनोजल.नसमसौख्यकरंतुषधान्यहृत् ॥ धान्येशोरविस्तत्फलम् - पश्चाद्धान्याधिपेसूर्येपश्चाद्धान्यंतदानहि । विग्रहंभूभृतांधान्यंमहर्घंजेवरपीडनम् ॥ मेघेशः शुक्रस्तत्फलम् - भृगुसुतोजलदस्यपतिर्यदाजलमुचोजलदादिविशोभनाः । धननिधानयुताद्विजपालकानृपतयो जनतासुखदायकाः ॥ रसेशोगुरुस्तत्फलम् - यदिगुरुरसपोजनसौख्यदः कमलवन्तिसरांसि तृणानि च । जनपदाद्विजपूजनतत्परागजसुवाजिरथौघयुतानृपाः ॥ नीरसेशोभौमस्तत्फलम् - नीरसेशोयदाभौमः प्रवालरक्तवाससाम् । रक्तचंदनताम्राणामर्घवृद्धिर्दिनेदिने ॥ फलेशः शुक्रस्तत्फलम् - यदि फलस्यपतौभृगुजेधराभृदुकुगारमहीरुहराशयः । बहुफलानरनातसुभोगदाद्विजवराः श्रुतिपाठपरायणाः ॥ धनेशश्चंद्रस्तत्फलम् - धनपतिर्मृगलाञ्छनकोयदारसचयक्रयविक्रयतो धनम् । वसनशालिसुगंधर संबहुद्रविणतैलघृतं नृपसौख्यकम् ॥ दुर्गेशः शुक्रस्तत्फलम् - नरवरेभुविशेषपतिर्यदा भृगुसुतो बहुसौख्यकरो मतः । विनयवाणिजगेहसमः सुखे गतवनं निकटेऽपि च दूरतः॥ पराभव नामाख्यः संवत्सरः प्रवर्तते तत्फलम् - पराभवाब्देराज्ञः स्यात्मसमरः सहशत्रुभिः । आमगक्षुद्रसस्यानिप्रभूतान्यल्पवृष्टयः ॥ वर्षमाम कार्तिक तत्फलम् - पापबुद्धीरतालोकाभवंतिकार्तिकेसदा । देवतानंचमन्यंतेराज्यंचतस्करैर्हतम् ॥ चतुर्मेघनाम संवर्तस्तत्फलम् - संवर्तेजलपूरिता । रोहिणी निवासः समुद्रे तत्फलम् - समुद्रे तु महावृष्टिः । समय निवासो मालाकारगृहे तत्फलम् - सर्ववस्तुसमर्घं स्यान्मालाकारगृहेऽद्बके ॥ अपिच - मालिनः प्रचुरा वृष्टिः । एवं संचित्य देवज्ञैः कथनीयं शुभाऽशुभम् ॥

(१) चैत्र शुक्ला १५ गुरुवार, संवत् २०७०, ता. २५ अप्रैल २०१३, खण्डग्रासं चन्द्रग्रहणम्, परमग्रास .०३

	स्पर्श	मध्य	मोक्ष	पर्व
नवलगढ घ.	४८	४८	४९	१
स्थानिक प.	१४	५८	४३	२९
रेल्वे घं.	२५	२५	२५	०
टाईम मि.	१७	३५	५३	३५

इस ग्रहण का सूतक स्टै १६।१७ बजे से प्रारम्भ होगा। ग्रहण के सूतक में बाल वृद्ध और अस्वस्थ जनों को छोड़कर भोजनादि निषेध है।

पञ्चाङ्ग गणित कर्ताः
श्री श्री १०८ पं. ईश्वरदत्त शर्मणोऽनुग्रहीत शिष्यः
पं. ग्यारसी लाल शर्मा (शास्त्री),
५८, राम कुटीर, ३ रा माला, हनुमान रोड,
विलेपार्ले (पूर्व) मुम्बई ४०० ०५७,
दूरध्वनि क्र.: ८३७ २७८३

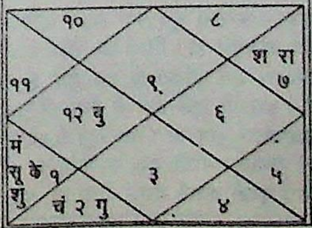
सूर्यग्रहणाऽभावः

नोट- ग्रहणों का विशेष विवरण वार्षिक पञ्चाङ्ग में देखें।

वर्ष लग्नम् ४।०८



वर्षेश लग्नम् ८।१८



लाभ स्वर्च कोष्ठक

	अष्टोत्तरी मतेन		विंशोत्तरी मतेन	
राशि	लाभ	स्वर्च	लाभ	स्वर्च
मेष	११	५	१४	२
वृष	५	१४	८	११
मिथुन	८	११	१४	८
कर्क	२	११	८	५
सिंह	५	५	११	२
कन्या	८	११	१४	८
तुला	५	१४	८	११
वृश्चिक	११	५	१४	२
धनु	१४	११	११	८
मकर	२	८	५	११
कुंभ	२	८	५	११
मीन	१४	११	११	८

।। ग्रहयोगाद्वर्ष फलम् ।। संवत् २०७०

ग्रहयोग देखना वर्षफल उत्तम होगा। इस वर्ष में राजा और रसेश गुरु है। मेघेश और फलेश और दुर्गेश शुक्र हैं। मंत्री शनि हैं। धान्येश रवि है। धनेश चंद्र हैं। सस्येश और नीरसेश मंगल है। इस ग्रहमंडल की विधानसभा में ६ स्थान सौम्यग्रहो को प्राप्त हुए हैं और ४ स्थान उग्रग्रहो को उपलब्ध हुए हैं अतः वर्षफल उत्तम होगा। **चैत्र** - वर्षलग्न सिंह होने से दक्षिण में दाढ़भय, धान्य में समर्घता और छः मास तक महाधन की प्राप्ति हो। पश्चिम में धातु की वस्तु और फल महँगे हों, उत्तर में महावृष्टि और राजा प्रजा में सुख हो। पूर्व में आधी उपज हो, आगे पांच मास में कल्याण हो, मध्य देश में ५ मास राजयुद्ध रहे। तुला का शनि उदय होने से पृथ्वीश संधि करे वर्षा नहीं हो, श्रृंगार की वस्तुएं महंगी हो, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोडे (अश्व) पीडित हों, तुष धान्य महँगे हो और तिलों का अभाव हो, भरणी में स्थित शुक्र किरात तथा यवनों को पीड़ित करता है। **वैशाख** - ईख, दूध, रस और घी अदि सस्ते हों, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले पीडित हो, सुभिक्ष हो और उत्तम वर्षा हो, सरसों उडद कम हों और सब धान्य उत्पन्न हों, अतिवृष्टि हो, कहीं कुछ उपद्रव हो, कपास, तिल, सूत महँगे हों, कृत्तिका के मंगल से धान्य महंगा हो, वायु से वर्षा हो। **ज्येष्ठ** - आर्द्रा में बुध होने से वर्षा अधिक हो, गेहूँ तिल उड़द सस्ते हों, ग्रहपात तथा पवन का प्रवाह हो, मिथुन में बृहस्पति होने से बालकों तथा घोडो में पीडा हो खण्ड वृष्टि हो, उस समय में कर्कोटक नाम का मेघ वर्षा करता है, लोग चोरों से पीडित हों, पश्चिम के सिंधु देश में वायव्य में और उत्तर दिशा में चित्र विचित्र वर्षा (कहीं वर्षा कहीं अभाव) हो तथा रोग पीडा हो, सफेद वस्त्र तथा कांसी कपूर चंदन जायफल नारियल सुपारी सोना और चाँदी सस्ते होकर फिर महंगे हो। भैंस और हाथियों को बड़ा कष्ट हो और पूर्व, आग्नेय, दक्षिण इशान इन दिशाओं के देशों में सुभिक्ष हो। राजा लोग स्वस्थ रहें, प्रजा में वृद्धि हो, सुभिक्ष हो, पृथ्वी पर मंगल हों, तेल-खांड-शकर और धातु सस्ते हों, सोंठ, मिर्च, पीपल, मँजीठ, जायफल, कंकोल यह महँगे हों, मिथुन राशि में गुरु के अस्त होने से तैल, घी, लवण की महर्घता हो, वर्षा कम हो। पुनर्वसु के बुध से कपास सूत मंदा हो, अश्मक और विदर्भ देश में अनय (उपद्रव) हो। **आषाढ** - उत्तम वर्षा हो, विद्याधरों के युद्ध में विमर्द हो। चौपायों में पीडा हो, आर्द्रा पर बृहस्पति होने से सुभिक्ष हो, बृहस्पति के उदय से राजाओं में रण तथा अन्न की महर्घता हो, अनावृष्टि हो, जङ्गली जानवर, चूहा, शलभ (टीडी) और पक्षियों से धान्य का नाश हो। मनुष्यों में व्याधि का भय हो तथा मित्रों से भी राजाओं को द्वेष हो। लोगों को सर्पो से अत्यन्त पीडा हो, आर्द्रा पर मंगल होने से वृष्टि हो। मघा नक्षत्र को शुक्र के भेदन करने से हस्तिपति पीडित हों और अतिवृष्टि हो। आषाढ में बुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो। **श्रावण** - कपास सूत मंदा हो, शस्त्रनिपात (युद्ध), क्षुधा, रोग हो, शबर-पुलिन्द जन पीड़ित हों और अतिवृष्टि हो। तिलों का नाश, जाङ्गल (स्वल्पोदक स्थान) में निवास करने वाले और पञ्जावस्थ जन पीडित हों तथा वृष्टि हो। आश्लेषा में बुध होने से महावृष्टि हो, तुष धान्य उत्पन्न हों। हस्त में शुक्र होने से मेघों की गर्जना के साथ वर्षा हो, कौरव और चित्रकार पीडित हों, **भाद्रपद** - पुष्य पर मंगल होने से आपसी विरोध से क्षति हो, और राजा कमजोर हों, बंटवारे को लेकर पडौसी देश से मनमुटाव हो, अन्न मँदा हो, क्षुधा, शस्त्र, चोर और रोगों की वृद्धि हो। कुआँ बनाने वालों पीड़ा हो, पुनर्वसु पर गुरु होने से अनावृष्टि से सर्वत्र दुर्भिक्ष हो। उड़द मूंग कम उत्पन्न हों, प्राणियों के धातुओं (वसा, रक्त, मांस, मेधा, अस्थि, मज्जा और शुक्र) की हानि हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य मे वृद्धि हो, स्वाति में शुक्र होने से क्षेम और सुभिक्ष हो, अतिवृष्टि तथा दूत, वाणिज्य कर्म करने वाले, नाव चलाने वाले इनमें उपद्रव हो, आश्लेषा के मंगल से बहुत वर्षा हो, साँपो का भय अधिक हो। **आश्विन** - रसायन के मुल्य में वृद्धि हो, सुन्दर वृष्टि हो, वाणिज्य कर्म करने वाले प्रभावित हों, क्षत्रियों में परस्पर विरोध हो शु.पक्ष में अनावृष्टि हो, ज्येष्ठा में शुक्र होने से क्षेत्रपति का क्षय हो, क्षत्रियों में प्रधान का अभाव हो, तुला में शनि अस्त होने से धान्य कम उपजे। **कार्तिक** - मन्द वर्षा हो, परस्पर सप्तम राशि में गुरु और शुक्र अनावृष्टि करते है, प्रधान वैद्य (डाक्टर) पीड़ित हों। विशाखा नक्षत्र में स्थित शनैश्चर त्रिगर्त, चीन और कुलूत देश में रहने वाले मनुष्य, कुङ्कुम, लाख, धान्य, मंजीठ और कौसुम्भ के पुष्पों को पीड़ित करता है। तुला राशि में बुध का उदय होने से भूकंप तथा युद्धादि हों, शस्त्र, चोर, अग्नि, रोग, जल का भय हो, मिथुन का गुरु वक्री होने से चौपाये महंगे हों, वस्त्रादि सस्ते हों, जल में उत्पन्न जीव पीड़ित हों। **मार्गशीर्ष** - गाँओं को पीड़ा हो, स्नेह (तेल, घृत आदि), रस (मधुर आदि) के मुल्य में वृद्धि हो, धातुओं के भाव तेज हों, ज्येष्ठा में बुध होने से ईख, शाली और घी महँगे हों तथा घोड़ों में रोग हो, हस्त पर मंगल होने से अल्पवृष्टि हो, तुष धान्य उत्तम हो, घृत गुड़ और नमक महगे हो। **पौष** - मंगलवार की सक्रांति होने से धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों, धान्य मन्दा हो वर्षा हो, परस्पर सप्तम राशि में गुरु और शुक्र अनावृष्टि करते है, चावल तथा गेहूँ महँगे हों, श्रवण में बुध होने से गुड अलसी और चणे अदि धान्य में वर्फ (ओले) गिरने का भय हो, आर्द्रा के गुरु से सुभिक्ष हो और उत्तम वर्षा हो, बुध का उदय होने से पृथ्वी धान्य तथा रस से पूर्ण हो, पौष में बुध का उदय होने से कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो। **माघ** - गायें पीड़ित हों, वर्षा का अभाव और रोगोत्पत्ति हो। शतभिषा में बुध होने से शूद्रों में रोगोत्पत्ति हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीडित हों, कुम्भ राशि में बुध का अस्त होने से हवा बहुत चले और हिम (ठंढ) से वृक्ष जल जायें, माघ में बुध का अस्त होने से सुभिक्ष हो। **फाल्गुन** - क्षेत्रपति का क्षय हो, मकर राशि में बुध का उदय होने से पृथ्वी धान्य तथा रस से पूर्ण हो, मंगल असिमुसल वक्त्र होने से चोरो से पीडा, अनावृष्टि और शस्त्रभय हो। मंगल अश्रुमुख वक्र होने से रसों में दोष पैदा हो तथा रोग की वृद्धि और अनावृष्टि हो। श्रवण में शुक्र होने से कर्णपीड़ा हो, प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो। **चैत्र** - कृपया - पक्ष के पृष्ठ पर देखें। आगे गो प्रज़ा भाग्य प्रबल है।

लाभ - खर्च देखने की विधि और फल - जिस राशि का देखना हो उस राशि के सामनेवाले लाभ-खर्च के अंको को जोडकर १ घटा देवें और ८ का भाग देवें यदि १ शेष रहे तो लाभ, २ शेष रहे तो सौख्य, ३ शेष रहे तो क्लेश, ४ शेष रहे तो रोग, ५ शेष रहे तो लोकापवाद (अपयश), ६ शेष रहे तो सन्मान, ७ शेष रहे तो विजय, ८ या ० शेष रहे तो हानि होती है।

॥ संवत् २०७० मध्ये उपनयनादि मुहूर्ताः ॥

अथ उपनयन मुहूर्ताः

सन२०१३ वैशाख मासः
मई १२ शु २ रवौ रोहिण्यामभिजिति
मई १५ शु ५ बुधे पुन ल. ४
मई २० शु १० चंद्रे उ.फा. अभिजिति
मई २२ शु.१२ बुधे चित्रा. ल. ३
(सू.बु.शु.गु. १२ दो.)
ज्येष्ठ मासः
मई २७ कृ.३ चंद्रे मूलेऽभिजिति
आषाढ मासः
जुला.१० शु.२ बुधे पुष्ये ल. ५।६
जुला.११ शु.३ गुरौ आश्ले. ल. अभिजिति
सन२०१४ फाल्गुन मासः
फर. १७ कृ.२ चंद्रे उ.फा. अभिजिति
मार्च ३ शु २ चंद्रे उ.भा. अभिजिति

अथ गेहारंभ (भूमि पूजन) मुहूर्ताः

सन२०१३ चैत्र शुक्लपक्षः
अप्रै. २४ शु.१३ बुधे हस्ते ल. २।३।५।६
(ति.दो.)
वैशाख मासः
मई २५ शु.१५ शनौ अनु. अभिजिति
ज्येष्ठमासः
मई २९ कृ.५ बुधे उ.षा. ल. ९
श्रावण मासः
अग. २१ शु.१५ बुधे धनि. ल. ६
भाद्रपद मासः
अग. २३ कृ.३ शुक्रे उ.भा. अभिजिति
आश्विन मासः
अक्टू. १७ शु.१४ गुरौ उ.भा. अभि. (ति.दो.)
सन२०१४ माघ मासः
जन. १७ कृ.१ शुक्रे पुष्येऽभिजिति
फर. ८ शु.९ शनौ रोहि. ल. ३
(स्टै. १५।०४ उप.)
फर. १३ शु.१४ गुरौ पुष्येऽभिजिति (ति.दो.)
फाल्गुन मासः
फर. १७ कृ.२ चंद्रे उ.फा. अभिजिति

वृषचक्ररहिताः गेहारंभ (भूमिपूजन) मुहूर्ताः

सन२०१३ चैत्र शुक्लपक्षः
अप्रै. २४ शु.१३ बुधे हस्ते ल. २।३।५।६
(ति.दो.)
वैशाख मासः
मई ११ शु.१ शनौ रोहि. अभिजिति
मई १३ शु.३ चंद्रे मृगे अभिजिति
मई १६ शु ६ गुरौ पुष्येऽभिजिति (ति. दो.)
श्रावण मासः
जुला.२७ कृ.५ शनौ उ.भा. अभिजिति
अग. १ कृ.१० गुरौ रोहि. ल. ९
अग. ३ कृ.१२ शनौ मृगे ल. ५।६
(कन्या स्टै. ११।२७ या.)
अग. १० शु.३ शनौ उ.फा. अभिजिति
अग. १२ शु ५ चंद्रे चित्रा अभिजिति
भाद्रपद मासः
अग. २४ कृ.४ शनौ रेवत्यां अभिजिति
सित. ११ शु.६ बुधे अनु. ल. ९
कार्तिक मासः
अक्टू. २३ कृ.४ बुधे मृगे ल. २।११।१२
नव. १ कृ.१३ भृगौ हस्तेऽभिजिति
नवं. १४ शु.१२ गुरौ रेवत्यां अभिजिति
मार्गशीर्ष मासः
नवं. २३ कृ.५ शनौ पुष्येऽभिजिति (ति.दो.)
नवं. २९ कृ.११ शुक्रे हस्ते ल. ९
नवं. २९ कृ.११ शुक्रे चित्रा. अभिजिति
सन२०१४ माघ मासः
फर. ८ शु.९ शनौ रोहि. ल. ३
(स्टै. १५।०४ उप.)
फाल्गुन मासः
फर. २२ कृ.७ शनौ अनु. अभिजिति
मार्च ३ शु.२ चंद्रे उ.भा. अभिजिति

अथ नूतन गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०१३ बैशाख मासः
मई ६ कृ.१२ चंद्रे उ.भा. अभिजिति
मई २० शु.१० चंद्रे उ.फा. अभिजिति
मई २२ शु.१२ बुधे चित्रा. ल. ३
ज्येष्ठ मासः
जून ३ कृ.१० चंद्रे रेवत्यां अभिजिति
(स्टै.१२।१८ उप.)
सन२०१४ माघ मासः
फर. ८ शु.९ शनौ रोहि. ल. ३
(स्टै. १५।०४ उप.)
फर. १० शु.११ चंद्रे मृगेऽभिजिति
फाल्गुन मासः
मार्च ७ शु.७ शुक्रे रो. ल. ५
(स्टै. १७।५८ या.)

कुंभचक्ररहिताः नूतनगृहप्रवेश(वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०१३ बैशाख मासः
अप्रै. २७ कृ.२ शनौ अनु. ल. ५
मई ११ शु १ शनौ रोहि. अभिजिति
मई १३ शु ३ चंद्रे मृगेऽभिजिति
सन२०१४ फाल्गुन मासः
फर. १७ कृ.२ चंद्रे उ.फा. अभिजिति
फर. २२ कृ.७ शनौ अनु. अभिजिति
मार्च ३ शु.२ चंद्रे उ.भा. अभिजिति

अथ जीर्ण गृहप्रवेश (वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०१३ बैशाख मासः
मई १६ शु.६ गुरौ पुष्येऽभिजिति

कुंभचक्ररहिता जीर्णगृहप्रवेश(वास्तु) मुहूर्त्ताः

सन२०१३ श्रावण मासः
जुला.२४ कृ.२ बुधे धनि. ल. ५।६
कार्तिक मासः
अक्टू. २६ कृ.७ शनौ पुष्ये ल. १२
(स्टै. १६।२३ उप.)
मार्गशीर्ष मासः
नवं. २३ कृ.५ शनौ पुष्ये अभिजिति
सन२०१४ पोष मासः
जन. १६ शु.१५ गुरौ पुष्ये ल. २
माघ मासः
जन. १७ कृ.१ शुक्र पुष्ये अभिजिति

अथ देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्ताः

सन२०१३ बैशाख मासः
मई ११ शु.१ शनौ रोहि. अभिजिति
मई १२ शु.२ रवौ रोहि. अभिजिति
मई १३ शु.३ चंद्रे मृगे अभिजिति
मई १५ शु.५ बुधे पुन. ल. ३
मई १६ शु.६ गुरौ पुष्ये अभिजिति
मई २० शु.१० चंद्रे उ.फा. अभिजिति
मई २२ शु.१२ बुधे चित्रा. ल. ३
मई २५ शु.१५ शनौ अनु. अभिजिति
ज्येष्ठ मासः
मई २९ कृ.५ बुधे उ.षा. ल. ३
आषाढ मासः
जुला.१० शु.२ बुधे पुष्ये ल. ६
जुला.१४ शु.६ रवौ उ.फा. अभिजिति
जुला.१५ शु.७ चंद्रे हस्तेऽभिजिति
सन२०१४ पोष मासः
जन. १६ शु.१५ गुरौ पुन. अभिजिति
माघ मासः
जन. २२ कृ.६ बुधे हस्ते ल. १२
फर. १२ शु.१३ बुधे पुन. ल. १२।२
फाल्गुन मासः
फर. १७ कृ.२ चंद्रे उ.फा. अभिजिति
मार्च ३ शु.१ चंद्रे उ.भा. अभिजिति

॥ संवत् २०७० मध्ये विवाह मुहूर्ताः ॥

सन२०१३ — वैशाख कृष्णपक्षः

अप्रै. २९ — ४ चंद्रे मूले दिवा ल. ३।५, रात्री गो. १०।१२, रे. ९ ||||||||S|| (मिथु. चं. ७ पू., गोघू. भौ.७ दो.)

मई ६ — १२ चंद्रे उभा. दिवा ल. ५।६, रात्री १०, रे. ७ SS|||||S|| (कन्या चं. ७ पू.)

वैशाख शुक्लपक्षः

मई ११ — १ शनौ रोहि. दिवा ल.५।६,रात्री १०।११, रे.९ S||||||||

मई १२ — २ रवौ रोहि. दिवा ल. ३।५, रे. ९ S|||||||| (सिंह स्टै. १३।४४ या.)

मई १२ — २ रवौ मृगे दिवा ल. ६, रे. ९ ||Sगु||||||

मई १८ — ८ शनौ मघा दिवा ल. ६, रात्री अ. गो. १०।११ रे. ८ S||||||S|| (कुंभे चं. ७ पू.)

मई २० — १० चंद्रे उफा. दिवा ल.३।५,रात्री गो.१०।११, रे.८ |S|||||S||

मई २१ — ११ भौमे हस्ते रात्री ल. १०।११, रे. ९ ||||||S|||

ज्येष्ठ कृष्णपक्षः

मई २६ — १ रवौ मूले रात्री ल. १०।११, रे. ८ |S||S|||||

मई २७ — ३ चंद्रे मूले दिवा ल. ३, रे. ८ |S||S||||| (चं. ७ पू.)

मई २८ — ४ भौमे उषा. दिवा ल. ६, रे. ७ |||S|||S|Sद.

जून २ — ९ रवौ उभा. दिवा ल. ४।६, रात्री १०, रे. ९ |||||||S|| (कन्या चं. ७ पू., मकरः स्टै. २३।५२ यावत)

अग्रे गुरोरस्तत्वादभावः

आषाढ शुक्लपक्षः

जुला.११ — ३ गुरौ मघा रात्री ल. अ. गो. १०।१, रे.१० |||||||||| (अ.गो. भौ. ७ दो., मकरे शु. ७ पू., मेषः सोग्रांगः, रा. श. ७ दो.)

जुला.१३ — ५ शनौ उफा. रात्री १०।१, रे. १० |||||||||| (मकरे शु. ७ पू., मेषे सोग्रांगः, रा.श. ७ दो.)

जुला.१४ — ६ रवौ उफा. दिवा ल. ५, रे. १० ||||||||||

जुला.१५ — ७ चंद्रे हस्ते रात्री ल. अ. गो. १०, रे. ९ |||||||S|| (अ. गो. भौ. ७ दो. मकरे शु. ७ पू.)

अग्रे कर्केऽर्कः

मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः

नवं. १८ — १ चंद्रे रोहि. दिवा ल. १२, रात्री ३।६, रे. ९ ||||||S||| (मिथु. शु. ७ पू.)

नवं. १९ — २ भौमे रोहि. दिवा ल. ९।१२, रे. १० |||||||||| (धनु. चं. गु. ७ पू.)

नवं. १९ — २ भौमे मृगे रात्री ल. गोधूलि ६, रे. १० ||||||||||

नवं. २० — ३ बुधे मृगे दिवा ल. ९, रे. १० |||||||||| (चं.गु.७ पू.)

नवं. २५ — ७ चंद्रे मघा दि. ल. ९।१० रात्री अ. गो. ३ रे. ८ S||||||S|| (धनु. गु. ७ पू. रात्री मिथु. शु. ७ पू., स्टै. २०।११ यावत)

नवं. २८ — १० गुरौ हस्ते रात्री ल. अ.गो. ३।५, रे. ९ |||||||S|| (मिथु. शु. ७ पू.)

नवं. २९ — ११ शुक्रे हस्ते दिवा ल. ९, रे. ९ |||||||S|| (गु. ७ पू.)

मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः

दिसं. १० — ८ भौमे उभा. रात्रौ गो. ४, रे. ९ ||||S||||| (कर्के रा. ४ दो. शु. ७ पू.)

अग्रे धनुष्यर्कः

सन२०१४ — माघ कृष्णपक्षः

जन. १८ — २ शनौ मघा रात्रौ ल. गो., रे. ९ |||Sबु||||||

जन. २० — ४ चंद्रे उफा. रात्री ल. ७।८, रे. ८ ||||||SS|| (तुला. सोग्रांगः के. ७ दो., वृश्चि श. १२ दो.)

जन. २१ — ५ भौमे उफा. दिवाल.११।२।३,रात्रो गो.७, रे.८ ||||||SS|| (मि. शु. ७ पू., तुला सोग्रांगः के. ७ दो.)

जन. २१ — ५ भौमे हस्ते रात्रौ ल. ८, रे.१० |||||||||| (श.१२ दो.)

जन. २२ — ६ बुधे हस्ते दिवा ल.११।२।३,रात्री गो ,रे.१० |||||||||| (मि. शु. ७ पू.)

जन. २७ — ११ चंद्रे मूले रात्रौ ल. ७, रे. ७ ||||||SS|S (सोग्रांगः, के. ७ दो., स्टै. २४।५५ उप.)

जन. २८ — १२ भौमे मूले दिवा ल. ११।२, रे. ७ ||||||SS|S

माघ शुक्लपक्षः

फर. ३ — ४ चंद्रे उभा. दिवा ल.३, रात्री अ.गो. ७, रे.९ |||||||S|| (मि.स्टै.१४।३६ उप.शु. ७ पू.,तुला सोग्रांगः के.७ दो.)

फर. ३ — ४ चंद्रे रेवत्यां रात्री ल. ९, रे. १० |||||||||| (दशम भौमस्तेन त्याज्यः)

फर. ४ — ५ भौमे रेवत्यां दिवा ल. ११।२।३, रात्रौ अ. गोधूलि रे.१० |||||||||| (मिथु. शु. ७ पू.)

फाल्गुन कृष्णपक्षः

फर. १५ — १ शनौ मघा दिवा ल. २।३, रात्री ६, रे. ७ ||||S|SS|| (मि. शु. ७ पू., कन्या बु. ६ दो.)

फर. १७ — २ चंद्रे उफा. दिवा ल. २।३, रात्री गो., रे.१० |||||||||| (मिथु. शु. ७ पू.)

फर. १८ — ३ भौमे हस्ते दिवा ल.२।३,रात्रौ गो. ९,रे.८ |||||||S|Sद. (मिथु. शु. ७ पू. धनु. गु. ७ पू.)

फर. १९ — ४ बुधे हस्ते दिवा ल. १२, रे.८ |||||||S|Sद. (चं.७पू.)

फर. २२ — ७ शनौ अनु. दिवा ल.२,रात्रौ अ.गो.,६, रे.७ S||||||SS|| (वृषे चं. ७ पू.)

फर. २४ — ९ चंद्रे मूले दिवा ल.२।३,रात्रौ अ.गो., रे.८ |||||||SS|| (मिथु. चं. शु. ७ पू. अ.गोधूल्यान्तु स्टै. १९।१० यावत्तदुपरान्त भद्रारंभः)

फर. २६ — १२ बुधे उभा. रात्री ल. ६, रे. ७ ||Sशु|||SS||

भैरव भवानि संवाद

भैरव प्रश्नः जयजननी जगदीश्वरी तूं जग की प्रतिपाल ।
सत्तर संयत का कहो श्रीमुख से सब हाल ॥

भवानी उ.: सुनले भैरव प्रेम से मैं समझावुं तोय ।
राजामंत्री देखतां श्रेष्ठ जमानो होय ॥
सौम्यग्रहों ने वर्ष में लिये षट्क अधिकार ।
रोहिणी वास समुद्र में वृष्टि बने अपार ॥
समय वास माली यहाँ मंदा करे व्यापार ।
अनाज पाणी हो घणा घरघर मंगलाचार ॥
राजा रसपति गुरु बने सूर्य बने धान्येश ।
चंद्र धनाधिप शुक्र तो मेघां फल दुर्गेश ॥
मंगल तो दंगल करे नीरस अरु सस्येश ।
वर्षा विश्वा नौ कहो धनपति शीतल ईश ॥
संवत सत्तर फल कहा कर गुरु का ध्यान ।
हाथजोड़ विनति करुँ रखियो मेरा मान ॥
सदा विराजत चित्त में गुरु चरणों की धूल ।
क्षमा याचना प्राथीं जो कोई हो मेरी भूल ॥
विद्या वितरित कर दई जो मोहे था ज्ञान ।
सरस्वती पंचांग का माध्यम दिया महान ॥

फाल्गुन शुक्लपक्षः

मार्च २ — १ रवौ उभा. रात्रौ ल. ६।९, रे. ९ |S||||||| (कन्यां चं. ७ पू., धनु. गु. ७ पू.)

अग्रे मीनेऽर्कः

॥ कात्यायनोक्त विवाह मुहूर्त्ताः नक्षत्र चतुष्टयी ॥

सन२०१३ — वैशाख कृष्णपक्षः

मई २ — ८ गुरौ श्रवणे दिवा ल. २।३।६, रे. ८ S||||||S||

मई २ — ८ गुरौ धनि. रात्रौ ल. १२, रे. ८ S||||||S||

मई ३ — ९ भृगौ धनि. दिवा ल. २।३, रे. ८ S||||||S||

वैशाख शुक्लपक्षः

मई २२ — १२ बुधे चित्रा. दिवा ल. ३, रे. ९ S|||||||||

मार्गशीर्ष कृष्णपक्षः

नवं. २९ — ११ शुक्रे चित्रा. दिवा ल. ११, रात्रौ अ. गो. ३।५।६ रे.८ S||||||S|| (कन्या. सोग्रांगः)

मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः

दिसं. ७ — ५ शनौ श्रवणे दिवा ल. ११, रे. ९ |||||||S||

दिसं. ७ — ५ शनौ धनि. रात्रौ ल. अ.गोधूलि ६।७, रे.८ S|||||S||| (अ.गो. स्टै. १६।५२ उप., कन्या सोग्रांगः, तुला सोग्रांगः के. ७ दो.)

दिसं. ८ — ६ रवौ धनि. दिवा ल. १०, रे. ९ S|||||||||

सन२०१४ — माघ शुक्लपक्षः

जन. ३१ — १ शुक्रे धनि. रात्रौ ल. ८, रे. ७ SSSबु||||||

(दृष्टिदोषश्चेत् क्षन्तव्यं सुधिभिः)

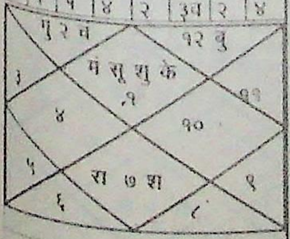
चैत्र शुक्लपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, ११ अप्रेल से २५ अप्रेल तक																					नवलगढ		चंद्रः	तारीख			वसंतर्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ७३६, अप्रेल २०१३
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ. स्टै. टा.	मा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	गु	२४	३०	१६	०१	अश्वि	४२	०८	२३	०४	वि	५१	१६	२६	४३	ब	२४	३०	१६	०१	३१/२८	६/१३	६/४९ मेषे	२१	२९	११	चंद्रदर्शनम्(मु.३०), नवरात्रारम्भः, घटस्था., ध्वजारो., आरोग्य १, G
२	शु	२७	५७	१७	२३	भर	४७	२३	२५	०९	प्री	५१	४६	२६	५५	कौ	२७	५७	१७	२३	३२	१२	४९ मेषे	२२	१	१२	श्रृंगार(सिंघारा) देशाचारे, जमादिलाखर ६, मेषेअश्वि.भौमः १८।१३, E
३	श	३२	३७	१९	१४	कृति	५३	४४	२७	४१	आ	५३	११	२७	२७	तै	०	१०	६	१५	३६	११	५० वृषे ७।४५	२३	२	१३	गणगौरी पूजा, मन्वादि, मत्स्योत्पत्तिः, अरुन्धतीव्रतं पूजनञ्च, मनोरथ A
४	र	३८	१७	२१	२९	रोहि	...	...	...	...	सौ	५५	१६	२८	१७	व	५	२२	८	१९	४०	१०	५० वृषे	२४	३	१४	भ. ८।१९ उ. २१।२९ या. [E उमा.बुधः १४।१५ [G विद्या १,कल्पादि
५	सो	४४	३६	२४	००	रोहि	१	००	६	३३	शो	५७	४८	२९	१६	ब	११	२५	१०	४३	४४	०९	५१ मिथु. २०।०५	२५	४	१५	कल्पादि, डोलोत्सवः [A तृतीयाव्र., सौभाग्य शयनव्र.,शिवशक्तिपू., C
६	मं	५१	०६	२६	३५	मृग	८	४३	९	३७	अ	...	...	...	...	कौ	१७	५३	१३	१७	४८	०८	५१ मिथु.	२६	५	१६	स्कन्द षष्ठी व्र. [D भक्षणञ्च, अश्वमेधयज्ञफलं [H पूर्वस्याम् ८।५५
७	बु	५७	०८	२८	५८	आर्द्रा	१६	२४	१२	४१	अ	०	२३	६	१६	ग	२४	१४	१५	४९	५२	०७	५२ मिथु.	२७	६	१७	भ. २८।५८ उ., प्राशस्त्य योगं २८।५८ से सू.उ. तक
८	गु	...	...	...	...	पुन	२३	२५	१५	२८	सु	२	३३	७	०७	वि	२९	४९	१८	०२	५५	०६	५२ कर्क ८।४९	२८	७	१८	भ. १८।०२ या., भवान्युत्पत्तिः, अशोककलिका प्राशनं
९	शु	२	१०	६	५७	पुष्य	२९	१३	१७	४६	धृ	३	५३	७	३८	व	२	१०	६	५७	५९	०५	५३ कर्के	२९	८	१९	श्री रामनवमी, पातस्पर्शः २२।३१,मोक्षः २८।५३,सायन वृषेभानुः २७।१४
९	श	५	३५	८	१८	श्ले	३३	२२	१९	२५	शू	४	००	७	४०	कौ	५	३५	८	१८	३२/०३	०४	५३ सिंहे १९।२५	३०	९	२०	[C मेषे अश्वि. रविः २४।४४ (सौरः २६।५९), रोहि.-४ गुरुः १९।५५
१०	र	७	०९	८	५५	मघा	३५	३९	२०	१९	गं	२/५९	४३/५१	७/३०	०८/००	ग	७	०९	८	५५	०७	०३	५४ सिंहे	१	१०	२१	भ. २०।५५ उ., आ. वैशाखारंभः, रेव. बुधः ६।४५, भर. शुक्रः ११।२२
११	सो	६	४५	८	४४	पूफा	३६	०२	२०	२७	ध्रु	५५	३२	२८	१५	वि	६	४५	८	४४	१०	०२	५४ कन्या २६।२२	२	११	२२	भ. ८।४४ या., कामदा ११ व्र., लक्ष्मीकान्त दोलोत्सवः, बुधास्तः H
१२	मं	४	२८	७	४८	उफा	३४	३९	१९	५३	व्या	४९	४९	२५	५७	बा	४	२८	७	४८	१४	०१	५५ कन्या	३	१२	२३	प्रदोषः, हरि दमनोत्सवः, [शुक्रोदयः पश्चिमायाम् २९।०० शुक्रोदय
१३	बु	०	२९	६	१२	हस्त	३१	४३	१८	४२	ह	४२	५४	२३	१०	तै	०	२९	६	१२	१८	००	५६ तुला. २९।५४	४	१३	२४	भ. २८।०२ उ., जैन महावीर जयंती, शिव पूजन विशेषः
१४	बु	५५	०३	२८	०२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०	०	[B पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वैशाख स्नानारंभः, चित्रान्नदानं D
१५	गु	४८	३४	२५	२५	चित्रा	२७	३३	१७	०१	व	३५	०२	२०	०१	वि	२१	५६	१४	४६	२१	००	५६ तुला.	५	१४	२५	भ. १४।४६ या., खण्डग्रासं चन्द्रग्रहणम्, मन्वादि, श्री हनुमज्जयंती. B

अयनांशाः २४।०१।४५

११ प. चै.शु. ३ श. इष्टघटी ४६।२१

(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	०	११	१	०	६	६	११
००	००	०५	२०	०४	१५	२४	२९
००	१७	२२	०२	०७	२५	०५	५४
००	४२	११	१८	२९	४५	३१	२९
५८	४५	८७	११	७४	४	३	५८
३१	२०	३४	१२	१७	१९	११	४४
अ	अ	उभा	रो	अ	स्वा	चि	रे
१	१	१	४	२	३व	२	४



अप्रेल	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर॰		मुम्बई रेल्वे टाईम दि.मा		सू. उ.		सू. अ.		कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा	रा	अं.	क.	वि	क.	वि	अं.	क.	घ	प	घं	मि	घं	मि	घ	प	घं	मि	घं	मि
११ गु	११	२७	१७	३२	५८	५२	८	१९	३०	५७	६	२८	६	५१	३१	१०	५	२३	५	५१
१२ शु	११	२८	१६	२३	५८	५०	८	४१	३१	००	६	२८	६	५२	३१	१३	५	२३	५	५२
१३ श	११	२९	१५	१३	५८	४८	९	०३	३१	०३	६	२७	६	५२	३१	१६	५	२२	५	५२
१४ र	०	००	१४	०१	५८	४६	९	२४	३१	०५	६	२६	६	५२	३१	१९	५	२१	५	५२
१५ चं	०	०१	१२	४७	५८	४४	९	४६	३१	०८	६	२५	६	५२	३१	२२	५	२०	५	५३
१६ मं	०	०२	११	३१	५८	४२	१०	०७	३१	१०	६	२५	६	५३	३१	२५	५	१९	५	५३
१७ बु	०	०३	१०	१२	५८	४०	१०	२९	३१	१३	६	२४	६	५३	३१	२८	५	१८	५	५३
१८ गु	०	०४	०८	५२	५८	३८	१०	५०	३१	१५	६	२३	६	५३	३१	३१	५	१८	५	५४
१९ शु	०	०५	०७	३०	५८	३६	११	१०	३१	१८	६	२२	६	५३	३१	३४	५	१७	५	५४
२० श	०	०६	०६	०६	५८	३४	११	३१	३१	२०	६	२२	६	५४	३१	३७	५	१६	५	५५
२१ र	०	०७	०४	४०	५८	३२	११	५२	३१	२२	६	२१	६	५४	३१	४०	५	१५	५	५५
२२ चं	०	०८	०३	१२	५८	३०	१२	१२	३१	२५	६	२०	६	५४	३१	४३	५	१४	५	५५
२३ मं	०	०९	०१	४३	५८	२८	१२	३२	३१	२७	६	२०	६	५५	३१	४६	५	१४	५	५६
२४ बु	०	१०	००	११	५८	२६	१२	५२	३१	३०	६	१९	६	५५	३१	४९	५	१३	५	५६
२५ गु	०	१०	५८	३७	५८	२५	१३	११	३१	३२	६	१८	६	५५	३१	५१	५	१२	५	५७

संक्रांति फलम्

ता. १३ अप्रेल २०१३

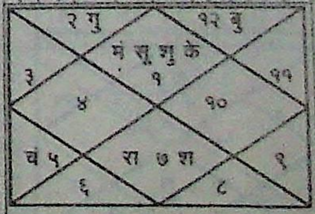
चैत्र शु. ३ शनौ मेषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २४।४४ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम मिश्रा पशून् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रास्तः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १८।४४ से रवौ ६।४४ तक। (दान- मेष)।

अयनांशाः २४।०१।४६

२ पं. चै.शु. ९ श. इष्टघटी ४६।३९

(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	०	११	१	०	६	६	०
०६	०६	१६	२१	१२	१४	२३	०६
५०	१३	१४	२२	४७	१४	४३	३४
४३	५८	५४	२५	०६	५७	१५	५१
५८	४४	१००	११	७४	४	३	५८
३३	५९	४०	४५	०९	३०	१५	२८
अ	अ	उभा	रो	अ	स्वा	चि	अ
३	२	४	४	४	३व	२	३

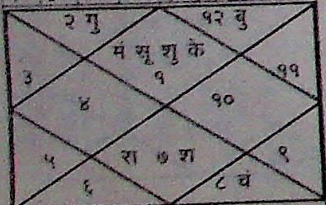


वैशाख कृष्णपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, २६ अप्रेल से १० मई तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे चैत्रकृष्णेति महा., अप्रेल-मई २०१३

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	शु	४१	१८	२२	३०	स्वा	२२	३०	१४	५९	सि	२६	२८	१६	३४	बा	१५	०२	११	५९	३२/२५	५/५९	६/५७	तुला.		६	१५	२६	ग्रहण-करिदिन
२	श	३३	३७	१९	२४	विशा	१६	५४	१२	४३	व्य	१७	३०	१२	५८	तै	७	३१	८	५८	२९	५८	५७	वृश्चि.	७।१८	७	१६	२७	भ. २९।५० उ., भर. रविः १६।३४ (सौरः १९।१३)
३	र	२५	४९	१६	१७	अनु	११	०५	१०	२३	व	८/५९	२०/१४	९/२९	१७/३८	वि	२५	४९	१६	१७	३२	५७	५८	वृश्चि.		८	१७	२८	भ. १६।१७ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।५४, मेषे अश्वि. बुधः A
४	सो	१८	१४	१३	१४	ज्ये	५	२३	८	०५	शि	५०	२९	२६	०८	बा	१८	१४	१३	१४	३६	५६	५८	धनु.	८।०५	९	१८	२९	अनुसूया जयंती
५	मं	११	०७	१०	२२	मूल	०/५५	०७/३०	५/२८	५८/०७	सि	४२	१६	२२	५०	तै	११	०७	१०	२२	३९	५५	५९	धनु.		१०	१९	३०	भर. भौमः १३।०६, मृगे-१ गुरुः १८।४२
६	बु	४	४५	७	४२	उषा	५१	५१	२६	३९	सा	३४	४६	११	४९	व	४	४५	७	४९	४३	५४	५९	मक.	९।४३	११	२०	१	भ. ७!४९ उ. १८।४० या., मई ५ ता. ३१, पातस्पर्शः १५।३२, C
७	बु	५९	१८	२९	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[A १८।३१, विशा.-१ राहुः ८।१४, भर.-३ केतुः ८।१४, B
८	गु	५५	०२	२७	५४	श्रव	४९	११	२५	३७	शु	२८	०९	१७	०९	बा	२७	०२	१६	४२	४६	५४	७/००	मक.		१२	२१	२	बूढो बास्योड़ो, कृत्ति. शुक्रः ६।३८
९	शु	५२	०२	२६	४१	धनि	४८	०१	२५	०५	शु	२२	३१	१४	५३	तै	२३	२३	१५	१४	४९	५३	०१	कुंभे	१३।१७	१३	२२	३	पंचक प्रारम्भः १३।१७ [B अगस्त्यास्तः ८।०५
१०	श	५०	२२	२६	०१	शत	४८	०२	२५	०५	ब्र	१७	५६	१३	०२	व	२१	०२	१४	१७	५३	५२	०१	कुंभे		१४	२३	४	भ. १४।१७ उ. २६।०१ या., वृषे शुक्रः २३।३४
११	र	५०	०२	२५	५२	पूभा	४९	२३	२५	३७	ऐ	१४	२६	११	३८	ब	२०	०३	१३	५२	५६	५१	०२	मीने	१९।२६	१५	२४	५	वरुथिनि ११ व्र., भर. बुधः १२।४२
१२	सो	५०	५९	२६	१४	उभा	५२	००	२६	३८	वै	११	५९	१०	३८	कौ	२०	२२	१३	५९	५९	५१	०२	मीने		१६	२५	६	[C मोक्षः २२।५२
१३	मं	५३	०९	२७	०५	रेव	५५	४६	२८	०८	वि	१०	३१	१०	०२	ग	२१	५६	१४	३६	३३/०२	५०	०३	मेषे	२८।०८	१७	२६	७	भ. २७।०५ उ., पंचक समाप्तिः २८।०८, प्रदोषः, टैगोर जयन्ती
१४	बु	५६	२२	२८	२२	अश्वि	...	...	...	...	प्री	९	५९	९	४१	वि	२४	३९	१५	४१	०६	४९	०३	मेषे		१८	२७	८	भ. १५।४१ या., मासिकशिवरात्री व्र.
३०	गु	...	...	...	...	अश्वि	०	३५	६	०३	आ	१०	१३	९	५४	च	२८	२०	१७	०९	०९	४९	०४	मेषे		१९	२८	९	पितृकार्येऽमा.
३०	शु	०	३३	६	०१	भर	६	१७	८	१९	सौ	११	१०	१०	१६	ना	०	३३	६	०१	१२	४८	०५	वृषे	१४।५६	२०	२९	१०	देवकार्येऽमा.

अयनांशाः २४।०१।४७
३ पं. वै.कृ. २ श. इष्टघटी ४६।५५
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	०	११	१	०	६	६	०
१३	११	२८	२२	२१	१४	२३	१३
३९	२७	३६	४६	२५	२३	२१	३३
५१	५०	२७	१२	४८	१५	००	२३
५८	४४	११२	१२	७४	४	३	५८
१९	३८	४३	१४	०२	३३	११	१३
भ	अ	र	रो	म	स्वा	चि	भ
१	४	४	४	३	३व	२	१



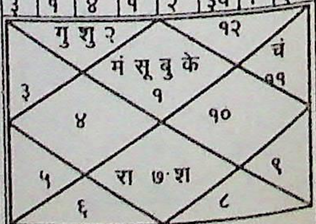
अप्रेल रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकत्ता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२६	शु	०	११	५७	०२	५८	२३	१३	३१	३१	३४	६	१८	६	५६	३१	५४	५	११	५	५७
२७	श	०	१२	५५	२५	५८	२१	१३	५०	३१	३७	६	१७	६	५६	३१	५७	५	११	५	५७
२८	र	०	१३	५३	४५	५८	१९	१४	०९	३१	३९	६	१७	६	५६	३२	००	५	१०	५	५८
२९	चं	०	१४	५२	०४	५८	१७	१४	२८	३१	४१	६	१६	६	५६	३२	०३	५	०९	५	५८
३०	मं	०	१५	५०	२२	५८	१५	१४	४६	३१	४४	६	१५	६	५७	३२	०५	५	०८	५	५९
१	बु	०	१६	४८	३७	५८	१४	१५	०५	३१	४६	६	१५	६	५७	३२	०८	५	०८	५	५९
२	गु	०	१७	४६	५१	५८	१२	१५	२३	३१	४८	६	१४	६	५७	३२	११	५	०७	५	५९
३	शु	०	१८	४५	०३	५८	१०	१५	४०	३१	५०	६	१४	६	५८	३२	१३	५	०७	६	००
४	श	०	१९	४३	१३	५८	०८	१५	५८	३१	५२	६	१३	६	५८	३२	१६	५	०६	६	००
५	र	०	२०	४१	२१	५८	०७	१६	१५	३१	५५	६	१३	६	५८	३२	१९	५	०५	६	०१
६	चं	०	२१	३९	२८	५८	०५	१६	३२	३१	५७	६	१२	६	५९	३२	२१	५	०५	६	०१
७	मं	०	२२	३७	३३	५८	०३	१६	४९	३१	५९	६	१२	६	५९	३२	२४	५	०४	६	०२
८	बु	०	२३	३५	३७	५८	०२	१७	०५	३२	०१	६	११	६	५९	३२	२६	५	०४	६	०२
९	गु	०	२४	३३	३८	५८	००	१७	२१	३२	०३	६	११	७	००	३२	२९	५	०३	६	०२
१०	शु	०	२५	३१	३८	५७	५९	१७	३७	३२	०५	६	१०	७	००	३२	३१	५	०२	६	०३

संक्रांति फलम्

ता. १४ मई २०१३
बैशा. शु. ४ भौमे वृषेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २१।३८ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा प्रदोष व्यापिनी पिशाचान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्सा उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं पाताले विनाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १५।१४ से २१।३८ तक । (दान- गौ) ।

अयनांशाः २४।०१।४८
४ पं. बै.कृ.१० श. इष्टघटी ४७।०९
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

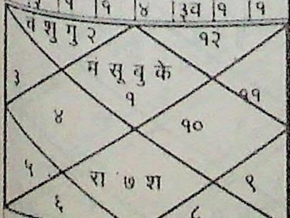
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	०	०	१	१	६	६	०
२०	१६	१२	२४	००	१३	२२	२०
२७	३९	१८	१३	०३	५१	५८	२०
३०	१२	२७	०८	३६	२८	४५	१२
५८	४४	१२३	१२	७३	४	३	५७
०७	१६	२७	३९	५४	३०	११	५९
भ	भ	अ	मृ	कृ	स्वा	वि	भ
३	१	४	१	२	३व	१	३



वैशाख शुक्लपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, ११ मई से २५ मई तक																									नवलगढ	चंद्रः	तारीख			ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः ७६६, मई २०१३
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.			भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	श	५	३२	८	००	कृति	१२	४५	१०	५३	शो	१२	४४	१०	५३	ब	५	३२	८	००	३३/१५	५/४७	७/०५	वृषे			२१	३०	११	चंद्रदर्शनम् (मु.४५), कृत्ति. रविः १०।४५ (सौरः १४।११), कृत्ति. B
२	र	११	११	१०	१५	रोहि	१९	५२	१३	४४	अ	१४	४८	११	४२	कौ	११	११	१०	१५	१८	४७	०६	मिथु. २७।१३			२२	१	१२	शिवाजी जयंती, परशुराम जयंती, रजव ७, रोहि. शुक्रः २६।३५
३	सो	१७	२१	१२	४२	मृग	२७	२७	१६	४५	सु	१७	१५	१२	४०	ग	१७	२१	१२	४२	२१	४६	०६	मिथु.			२३	२	१३	म. २५।५८ उ., युगादि, कल्यादि, अक्षय तृतीया, वृषे बुधः ८।०८
४	मं	२३	४३	१५	१४	आर्द्रा	३५	०९	१९	४९	धृ	१९	५२	१३	४२	वि	२३	४३	१५	१४	२४	४५	०७	मिथु.			२४	३	१४	म. १५।१४ या., पातस्पर्शः ७।०८, मोक्षः २१।११, वृषे रविः D
५	बु	२९	५०	१७	४१	पुन	४२	३५	२२	४७	शू	२२	१९	१४	४०	बा	२९	५०	१७	४१	२६	४५	०७	कर्के १६।०४			२५	४	१५	श्री आद्यशंकराचार्य जयंती [D २१।३८ (सौरः २५।२०)
६	गु	३५	१६	१९	५१	पुष्य	४९	१३	२५	२६	गं	२४	१७	१५	२७	कौ	२	४२	६	४९	२९	४४	०८	कर्के			२६	५	१६	श्री रामानुज जयंती, मृगे-२ गुरुः १०।००
७	शु	३९	२९	२१	३१	श्ले	५४	३६	२७	३४	वृ	२५	२४	१५	५३	ग	७	३४	८	४५	३२	४४	०९	सिंहे २७।३४			२७	६	१७	म. २१।३१ उ., गंगोत्पत्ति, रोहि. बुधः २२।१७
८	श	४२	०५	२२	३३	मघा	५८	२१	२९	०४	ध्रु	२५	१९	१५	५१	वि	११	०१	१०	०८	३५	४३	०९	सिंहे			२८	७	१८	म. १०।०८ या., कृत्ति. भौमः १६।५४
९	र	४२	४७	२२	५०	पूफा	...	...	...	...	व्या	२३	५०	१५	१५	बा	१२	४१	१०	४७	३७	४३	१०	सिंहे			२९	८	१९	सीता ९ [B बुधः १९।२७, (व) स्वा.-२ शनिः २७।०३
१०	सो	४१	३१	२२	१९	पूफा	०	१४	५	४८	ह	२०	४७	१४	०१	तै	१२	२४	१०	४०	४०	४२	१०	कन्या ११।५२			३०	९	२०	सायन मिथुने भानुः २६।२२ [C पश्चिमायाम् ८।२४
११	मं	३८	१९	२१	०१	उफा	०/५८	१०/१३	५/२८	४६/५९	व	१६	११	१२	१०	व	१०	१०	९	४६	४२	४२	११	कन्या			३१	१०	२१	म. ९।४६ उ. २१।०१ या., मोहिनी ११ व्र., बुधोदयः C
१२	बु	३३	२१	१९	०२	चित्रा	५४	३६	२७	३२	सि	१०	०५	९	४४	ब	६	०३	८	०७	४५	४१	११	तुला. १६।२०			१	११	२२	प्रदोषः, भा. ज्येष्ठारंभः [A रोहि. रविः ७।०० (सौरः ११।३७)
१३	गु	२६	५२	१६	२६	स्वा	४९	३४	२५	३१	व्य	२/५४	३९/०५	६/२७	४५/१९	कौ	०	१७	५	४८	४७	४१	१२	तुला.			२	१२	२३	नृसिंह १४, वृषे भौमः ७।२२, मृगे शुक्रः २३।१०
१४	शु	१९	१०	१३	२१	विशा	४३	२९	२३	०४	प	४४	४०	२३	३३	व	१९	१०	१३	२१	४९	४१	१२	वृश्चि. १७।४३			३	१३	२४	म. १३।२१ उ. २३।४० या., कूर्मोत्पत्तिः, मृगे बुधः ९।३५
१५	श	१०	३७	९	५५	अनु	३६	४१	२०	२१	शि	३४	४२	१९	३३	ब	१०	३७	९	५५	५२	४०	१३	वृश्चि.			४	१४	२५	पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, बैशाखस्नानपूर्तिः, धर्म प्रीत्यर्थं जलकुंभदानं, A

अयनांशाः २४।०१।४९
५ पं बै.शु. १ श. इष्टघटी ४७।२१
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
०	०	०	१	१	६	६	०
२७	२१	२७	२५	०८	१३	२२	२७
१३	४८	०८	४२	४०	२०	३६	०५
४५	००	३८	४४	३२	२५	२९	२२
५७	४३	१३७	१२	७३	४	३	५७
५६	५४	५३	५९	४७	२०	११	४५
कृ	भ	कृ	मृ	कृ	स्वा	वि	कृ
१	३	१	१	४	३व	१	१



मई	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
							१७	५३	३२	०७	६	१०	७	०१	३२	३४	५	०२	६	०३
११ श	०	२६	२९	३७	५७	५७	१८	०८	३२	०९	६	०९	७	०१	३२	३६	५	०१	६	०४
१२ र	०	२७	२७	३४	५७	५५	१८	२३	३२	११	६	०९	७	०१	३२	३८	५	०१	६	०४
१३ चं	०	२८	२५	२९	५७	५४	१८	३८	३२	१२	६	०९	७	०२	३२	४०	५	०१	६	०५
१४ मं	०	२९	२३	२३	५७	५२	१८	५२	३२	१४	६	०८	७	०२	३२	४३	५	००	६	०५
१५ बु	१	००	२१	१६	५७	५१	१९	०६	३२	१६	६	०८	७	०२	३२	४५	५	००	६	०६
१६ गु	१	०१	१९	०६	५७	४९	१९	२०	३२	१८	६	०८	७	०३	३२	४७	४	५९	६	०६
१७ शु	१	०२	१६	५६	५७	४८	१९	३३	३२	२०	६	०७	७	०३	३२	४९	४	५९	६	०७
१८ श	१	०३	१४	४४	५७	४७	१९	४६	३२	२१	६	०७	७	०४	३२	५१	४	५९	६	०७
१९ र	१	०४	१२	३०	५७	४५	१९	५९	३२	२३	६	०७	७	०४	३२	५३	४	५८	६	०७
२० चं	१	०५	१०	१६	५७	४४	२०	११	३२	२५	६	०६	७	०४	३२	५५	४	५८	६	०८
२१ मं	१	०६	०७	५९	५७	४२	२०	२३	३२	२६	६	०६	७	०५	३२	५७	४	५८	६	०८
२२ बु	१	०७	०५	४२	५७	४१	२०	३५	३२	२८	६	०६	७	०५	३२	५९	४	५७	६	०९
२३ गु	१	०८	०३	२३	५७	४०	२०	४६	३२	२९	६	०६	७	०५	३३	०१	४	५७	६	०९
२४ शु	१	०९	०१	०३	५७	३९	२०	५७	३२	३१	६	०६	७	०६	३३	०२	४	५७	६	१०
२५ श	१	०९	५८	४१	५७	३७														

अयनांशाः २४।०१।५०
६ पं. बै.शु. ८ श. इष्टघटी ४७।३१
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	०	१	१	१	६	६	१
०३	२६	१२	२७	१७	१२	२२	०३
५८	५४	२१	१४	१६	५०	१४	४९
४४	१३	४८	३०	३८	५३	१४	०३
५७	४३	१२७	१३	७३	४	३	५७
४५	३२	०१	१६	४०	०३	११	३३
कृ	कृ	रो	मृ	रो	स्वा	वि	कृ
३	१	१	२	३	२व	१	३



अयनांशाः २४।०१।५०
७ पं. बै.शु.१५ श. इष्टघटी ४७।३८
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	१	१	१	१	६	६	१
१०	०१	२९	२८	२५	१२	२१	१०
४२	५७	२६	४८	५१	२३	५१	३१
३४	४९	४६	००	५६	३४	५८	२१
५७	४३	११०	१३	७३	३	३	५७
३६	०९	५४	२८	३३	४१	११	२२
रो	कृ	मृ	मृ	मृ	स्वा	वि	रो
१	२	१	२	१	२व	१	१



ज्येष्ट कृष्णपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, २६ मई से ८ जून तक																					नवलगढ			चंद्रः	तारीख			ग्रीष्मर्तु रविरुत्तरे वैशाखकृष्णेति महा., मई-जून २०१३
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	र	१	३४	६	१८	ज्ये	२९	३७	१७	३१	सि	२४	२८	१५	२७	कौ	१	३४	६	१८	३३ ५४	५ ४०	७ १४	धनु. १७।३१	५	१५	२६	नारद जयंती, वीणादानं
२	र	५२	२५	२६	३८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	|A भाऊका ३०, वट सावित्री व्र. (मरु.), मृगे सौरः ११।०१
३	सो	४३	३५	२३	०६	मूल	२२	३९	१४	४३	सा	१४	१७	११	२३	व	१७	५७	१२	५१	५६	४०	१४	धनु.	६	१६	२७	भ. १२।५१ उ. २३।०६ या., मिथुने बुधः २३।२९
४	मं	३५	२५	१९	४९	पूषा	१६	१४	१२	०९	शु	४ ५५	३१ २६	७ २७	२८ ५०	ब	९	२४	९	२५	५८	३९	१५	मक. १७।३३	७	१७	२८	अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।३१
५	बु	२८	१८	१६	५८	उषा	१०	४४	९	५७	ब्र	४७	२०	२४	३५	कौ	१	४३	६	२०	३४ ००	३९	१५	मक.	८	१८	२९	मिथुने शुक्रः ९।४२
६	गु	२२	३४	१४	४०	श्रव	६	३०	८	१५	ऐ	४०	२७	२१	५०	व	२२	३४	१४	४०	०२	३९	१६	कुंभे ११।३८	९	१९	३०	भ. १४।४० उ. २५।४५ या., पंचक प्रारम्भः ११।३८
७	शु	१८	२५	१३	०१	धनि	३	५०	७	११	वै	३४	५६	१९	३७	ब	१८	२५	१३	०१	०३	३९	१६	कुंभे	१०	२०	३१	आर्द्रा. बुधः २२।०५, मिथुने मृगे-३ गुरुः ८।२९
८	श	१६	०४	१२	०४	शत	२	५४	६	४८	वि	३०	५२	१७	५९	कौ	१६	०४	१२	०४	०५	३९	१७	मीने २४।५९	११	२१	१	जून ६ ता. ३०
९	र	१५	२९	११	५०	पूभा	३	४४	७	०८	प्री	२८	१३	१६	५६	ग	१५	२९	११	५०	०७	३८	१७	मीने	१२	२२	२	भ. २३।५९ उ.
१०	सो	१६	३९	१२	१८	उभा	६	१७	८	०९	आ	२६	५५	१६	२४	वि	१६	३९	१२	१८	०८	३८	१८	मीने	१३	२३	३	भ. १२।१८ या., आर्द्रा. शुक्रः २०।२३
११	मं	१९	२०	१३	२२	रेव	१०	२२	९	४७	सौ	२६	४७	१६	२१	बा	१९	२०	१३	२२	१०	३८	१८	मेषे ९।४७	१४	२४	४	पंचक समाप्तिः ९।४७, अपरा ११ व्र.
१२	बु	२३	१६	१४	५६	अश्वि	१५	४२	११	५५	शो	२७	३५	१६	४०	तै	२३	१६	१४	५६	११	३८	१८	मेषे	१५	२५	५	प्रदोषः, |गुरोरस्तः पश्चिमायाम २८।५७|
१३	गु	२८	०७	१६	५३	भर	२१	५८	१४	२५	अ	२९	०४	१७	१५	व	२८	०७	१६	५३	१३	३८	१९	वृषे २१।०५	१६	२६	६	भ. १६।५३ उ., मासिकशिवरात्री व्र., रोहि. भौमः ६।३६
१४	शु	३३	३८	१९	०५	कृति	२८	५३	१७	११	सु	३१	०३	१८	०३	वि	०	४९	५	५७	१४	३८	१९	वृषे	१७	२७	७	भ. ५।५७ या., मृगे रविः २८।५४
३०	श	३९	३२	२१	२७	रोहि	३६	१२	२०	०६	धृ	३३	२१	१८	५८	च	६	३२	८	१५	१५	३८	२०	वृषे	१८	२८	८	शनैश्चर जयन्ती, देवपितृकार्येऽमा., बटपूजनम् मरुस्थले, A

गुरोरस्तः

अयनांशाः २४।०१।५१
८ पं. ज्ये.कृ. ८ श. इष्टघटी ४७।४३
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	१	२	२	२	६	६	१
१७	०६	०८	००	०४	११	२९	१७
२५	५८	२५	२२	२६	५९	२९	१२
२५	४७	०४	४९	२७	१०	४३	२९
५७	४२	९१	१३	७३	३	३	५७
२९	४७	२०	३८	२६	१३	११	१३
रो	कृ	आ	मृ	मृ	स्वा	वि	रो
३	४	१	३	४	२व	१	३



मई	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२६	र	१	१०	५६	११	५७	३६	२१	०८	३२	३२	६	०५	७	०६	३३	०४	४	५६	६	१०
२७	चं	१	११	५३	५५	५७	३५	२१	१८	३२	३३	६	०५	७	०७	३३	०६	४	५६	६	११
२८	मं	१	१२	५१	३०	५७	३४	२१	२८	३२	३५	६	०५	७	०७	३३	०७	४	५६	६	११
२९	बु	१	१३	४९	०३	५७	३३	२१	३७	३२	३६	६	०५	७	०७	३३	०९	४	५६	६	११
३०	गु	१	१४	४६	३६	५७	३२	२१	४६	३२	३७	६	०५	७	०८	३३	१०	४	५६	६	१२
३१	शु	१	१५	४४	०७	५७	३०	२१	५५	३२	३८	६	०५	७	०८	३३	१२	४	५६	६	१२
१	श	१	१६	४१	३८	५७	२९	२२	०३	३२	३९	६	०५	७	०८	३३	१३	४	५५	६	१३
२	र	१	१७	३९	०७	५७	२८	२२	११	३२	४०	६	०५	७	०९	३३	१४	४	५५	६	१३
३	चं	१	१८	३६	३६	५७	२७	२२	१९	३२	४१	६	०५	७	०९	३३	१६	४	५५	६	१३
४	मं	१	१९	३४	०३	५७	२६	२२	२६	३२	४२	६	०५	७	१०	३३	१७	४	५५	६	१४
५	बु	१	२०	३१	२९	५७	२५	२२	३३	३२	४३	६	०५	७	१०	३३	१८	४	५५	६	१४
६	गु	१	२१	२८	५५	५७	२५	२२	३९	३२	४४	६	०५	७	१०	३३	१९	४	५५	६	१५
७	शु	१	२२	२६	१९	५७	२४	२२	४५	३२	४५	६	०५	७	११	३३	२०	४	५५	६	१५
८	श	१	२३	२३	४३	५७	२३	२२	५१	३२	४६	६	०५	७	११	३३	२१	४	५५	६	१५

ज्येष्ठ मास फलम्

इस माह में पांच रविवार नेष्ट हैं । ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा को रविवार होने से पवन अधिक चले । कृष्णा एकादशी में रेवती होने से खण्ड वृष्टि हो । शनिवारी अमावस नेष्ट है, रोहिणी योग सुभिक्ष और सुखद है । ज्येष्ठ सुदी दोयज को आर्द्रा में वर्षा हो तो दुर्भिक्ष करे । पूर्णिमा को ज्येष्ठा का अभाव होने से महर्धता हो । शुक्रवार की सक्रांति होने से प्रजासुखी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैंस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे ।

अयनांशाः २४।०१।५२
९ पं. ज्ये.कृ.३० श. इष्टघटी ४७।४५
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१	१	२	२	२	६	६	१
२४	११	१८	०१	१३	११	२१	२३
०७	५७	००	५८	००	३८	०७	५२
२५	०७	४८	३२	०८	१२	२७	३६
५७	४२	६९	१३	७३	२	३	५७
२२	२४	३०	४३	१९	४१	११	०५
मृ	रो	आ	मृ	आ	स्वा	वि	मृ
१	१	४	३	२	२व	१	१

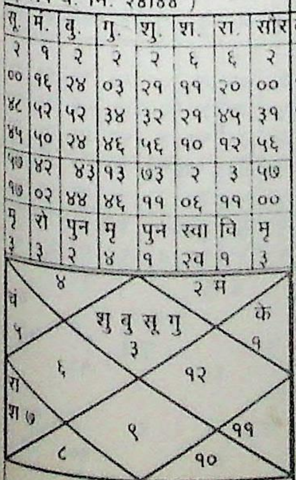


॥ श्री सरस्वती पञ्चाङ्गम् ॥

ज्येष्ठ शुक्लपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, ९ जून से २३ जून तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | ग्रीष्मर्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः ७९५, जून २०१३

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	र	४५	३९	२३	५३	मृग	४३	४४	२३	०७	शू	३५	५१	११	५८	किं	१२	३५	१०	४०	३४/१६	५/३८	७/२०	मिथु. ९।३६	१९	२९	९	भाऊका-करिदिन, करिदिनं, श्री गंगादशाश्वमेधस्नान प्रा.
२	सो	५१	४८	२६	२१	आर्द्रा	५१	१८	२६	०९	गं	३८	२२	२०	५८	बा	१८	४४	१३	०७	१७	३८	२१	मिथु.	२०	३०	१०	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), पुन. बुधः १८।४९
३	मं	५७	४६	२८	४४	पुन	५८	४०	२९	०६	वृ	४०	४७	२१	५७	तै	२४	४९	१५	३३	१८	३८	२१	कर्के २२।२२	२१	१	११	रंभा व्रतं, प्रताप जयंती, सावान ८
४	बु	…	…	…	…	पुष्य	…	…	…	…	ध्रु	४२	५२	२२	४७	व	३०	३३	१७	५१	१९	३८	२१	कर्के	२२	२	१२	भ. १७।५१ उ. [B साध्य व्र., कबीर जयंती
४	गु	३	१२	६	५४	पुष्य	५	३३	७	५१	व्या	४४	२४	२३	२४	वि	३	१२	६	५४	१९	३८	२२	कर्के	२३	३	१३	भ. ६।५४ या.
५	शु	७	४६	८	४४	श्ले	११	३६	१०	१६	ह	४५	०६	२३	४०	बा	७	४६	८	४४	२०	३८	२२	सिंहे १०।१६	२४	४	१४	मिथुने रविः २८।१९, मृगे-४ गुरुः २३।००, पुन. शुक्रः १८।१५
६	श	११	०७	१०	०५	मघा	१६	२६	१२	१३	व	४४	४२	२३	३१	तै	११	०७	१०	०५	२१	३८	२२	सिंहे	२५	५	१५	मिथुने सौरः ११।१७
७	र	१२	५८	१०	४९	पूफा	१९	४७	१३	३३	सि	४३	००	२२	५०	व	१२	५८	१०	४९	२१	३८	२३	कन्या ११।४७	२६	६	१६	भ. १०।४९ उ. २२।५६ या.
८	सो	१३	०३	१०	५२	उफा	२१	२५	१४	१२	व्य	३९	५१	२१	३५	ब	१३	०३	१०	५२	२२	३८	२३	कन्या	२७	७	१७	दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती
९	मं	११	१९	१०	१०	हस्त	२१	१३	१४	०७	व	३५	१४	१९	४४	कौ	११	१९	१०	१०	२२	३८	२३	तुला. २५।४९	२८	८	१८	[C ११।४८, कर्के शुक्रः २३।१०, अयन करिदिन
१०	बु	७	४३	८	४४	चित्रा	१९	११	१३	१९	प	२९	०९	१७	१८	ग	७	४३	८	४४	२२	३९	२३	तुला.	२९	९	१९	भ. १९।४५ उ., गंगा दशहरा व्र.
११	गु	२	२१	६	३५	स्वा	१५	२७	११	५०	शि	२१	४०	१४	१९	वि	२	२१	६	३५	२२	३९	२४	वृश्चि. २८।१९	३०	१०	२०	भ. ६।३५ या., निर्जला ११ व्र.
१२	गु	५५	२९	२७	५०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A कर्के भानुः, सायन दक्षिणायन प्रारम्भ १०।२२
१३	शु	४७	१९	२४	३५	विशा	१०	१४	९	४४	सि	१३	००	१०	५१	कौ	२१	३२	१४	१६	२२	३९	२४	वृश्चि.	३१	११	२१	प्रदोषः, वट सावित्री व्रतारंभः, आर्द्रा. रविः २७।५६, सायन A
१४	श	३८	१३	२०	५६	अनु	३/५६	४९/३५	७/२८	११/१७	सा	३/५३	१९/००	६/२६	५९/५१	ग	१२	५१	१०	४८	२२	३९	२४	धनु. २८।१७	१	१२	२२	भ. २०।५६ उ., ज्येष्ठी योगः, भा. आषाढारंभः, आर्द्रा. सौरः C
१५	र	२८	३४	१७	०५	मूल	४८	५७	२५	१४	शु	४२	१८	२२	३५	वि	३	२६	७	०२	२२	३९	२४	धनु.	२	१३	२३	भ. ७।०२ या., मन्वादि, गुर्जराणां वटसावित्री व्रतं, अब्द B

अयनांशाः २४।०१।५३
१० प. ज्ये. शु. ६ श. इष्टघटी ४७।४४
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)



जून ता.	वा	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाइम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाइम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकना रेल्वे-टाइम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
९	र	१	२४	२१	०६	५७	२२	२२	५६	३२	४६	६	०५	७	११	३३	२२	४	५५	६	१६
१०	चं	१	२५	१८	२८	५७	२१	२३	०१	३२	४७	६	०५	७	१२	३३	२२	४	५५	६	१६
११	मं	१	२६	१५	४९	५७	२०	२३	०५	३२	४८	६	०५	७	१२	३३	२३	४	५५	६	१६
१२	बु	१	२७	१३	१०	५७	२०	२३	०९	३२	४८	६	०५	७	१२	३३	२४	४	५५	६	१७
१३	गु	१	२८	१०	२९	५७	१९	२३	१३	३२	४९	६	०५	७	१२	३३	२४	४	५५	६	१७
१४	शु	१	२९	०७	४८	५७	१८	२३	१६	३२	४९	६	०५	७	१३	३३	२५	४	५५	६	१७
१५	श	२	००	०५	०७	५७	१८	२३	१८	३२	४९	६	०५	७	१३	३३	२५	४	५६	६	१८
१६	र	२	०१	०२	२४	५७	१७	२३	२१	३२	५०	६	०५	७	१३	३३	२६	४	५६	६	१८
१७	च	२	०१	५९	४२	५७	१७	२३	२३	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१८
१८	मं	२	०२	५६	५८	५७	१६	२३	२४	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९
१९	बु	२	०३	५४	१४	५७	१६	२३	२५	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९
२०	गु	२	०४	५१	३०	५७	१५	२३	२६	३२	५०	६	०६	७	१४	३३	२६	४	५६	६	१९
२१	शु	२	०५	४८	४५	५७	१५	२३	२६	३२	५०	६	०६	७	१५	३३	२६	४	५७	६	१९
२२	श	२	०६	४५	५९	५७	१४	२३	२६	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	१९
२३	र	२	०७	४३	१३	५७	१४	२३	२६	३?	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	२०

संक्रांति फलम्

ता. १४ जून २०१३
ज्ये. शु. ५ भृगौ मिथुनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २८।१९ वारात् ४ नक्षत्रात् ४ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा प्रभात रात्रि ४ प्रहर व्यापिनी गोरक्षकान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः तैतिलकरणे प्रविष्टा नेष्टफलं रासभवाहनं मेषोपवाहनं सुभिक्षकारक अरुणवस्त्रं दण्डायुधं कांस्यपात्रं पक्वान्नभक्षणं मृद्लेपनं पक्षीजातिः केतकीपुष्पं प्रवलभूषणं भूर्जपत्रकंचुकी युवावस्था (सूती) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) २८।१९ से शनौ १०।४३ तक। (दान- वस्त्रान्न)।

अयनांशाः २४।०१।५४
११ पं. ज्ये.शु.१४ श. इष्टघटी ४७।४१
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	१	२	२	३	६	६	२
०७	२१	२८	०५	००	११	२०	०७
२९	४५	३२	११	०४	०८	२२	१०
३५	५७	०९	०६	४५	२६	५७	४०
५७	४१	१४	१३	७३	१	३	५६
१४	४०	२४	४५	०२	२७	११	५६
आ	रो	पुन	मृ	पुन	स्वा	वि	आ
१	४	३	४	४	२व	१	१



आषाढ़ कृष्णपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, २४ जून से ८ जुलाई तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे ज्येष्ठकृष्णेति महा., जून-जुलाई २०१३

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.	
१	सो	१८	५०	१३	१२	पूषा	४१	२४	२२	१३	ब्र	३१	३७	१८	१८	कौ	१८	५०	१३	१२	३४ २२	५ ४०	७ २४	मक.	२७।३०	३	१४	२४	
२	मं	९	२६	९	२६	उषा	३४	२३	१९	२५	ऐ	२१	१९	१४	१२	ग	९	२६	९	२६	२१	४०	२५	मक.		४	१५	२५	भ. १९।४० उ., मृगे भौमः ६।५७, पुष्ये शुक्रः १६।५५
३	बु	०	४९	६	००	श्रव	२८	२४	१७	०२	वै	११	४७	१०	२३	वि	०	४९	६	००	२१	४०	२५	कुंभे	२८।०३	५	१६	२६	भ. ६।०० या., पंचक प्रारम्भः २८।०३, चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।५५
४	बु	५३	२६	२७	०३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	[B गुरुः १२।०९
५	गु	४.	३९	२४	४४	धनि	२३	५१	१५	१३	वि	३ ५६	१९ १६	७ २८	०० ११	कौ	२०	१८	१३	४८	२१	४१	२५	कुंभे		६	१७	२७	भौमोदयः पूर्वस्याम् १२।४४, वक्री बुधः ७।१८
६	शु	४३	४५	२३	१२	शत	२१	०६	१४	०७	आ	५०	४६	२५	५९	ग	१५	२७	११	५२	२०	४१	२५	कुंभे		७	१८	२८	भ. २३।११ उ.
७	श	४१	५६	२२	२८	पूभा	२०	२०	१३	४९	सौ	४६	५८	२४	२८	वि	१२	३४	१०	४३	१९	४१	२५	मीने	७।४९	८	१९	२९	भ. १०।४३ या., बुधास्तः पश्चिमायाम् १२।०९, आर्द्रा.-१ B
८	र	४२	१२	२२	३४	उभा	२१	४०	१४	२१	शो	४४	४९	२३	३७	बा	११	४८	१०	२५	१९	४२	२५	मीने		९	२०	३०	स्वा.-४ राहुः ५।५५, भर.-२ केतुः ५।५५
९	सो	४४	२४	२३	२८	रेव	२४	५७	१५	४१	अ	४४	११	२३	२२	तै	१३	०४	१०	५५	१८	४२	२५	मेषे	१५।४१	१०	२१	१	पंचक समाप्तिः १५।४१-जुलाई ७ ता. ३१
१०	मं	४८	१५	२५	००	अश्वि	२९	५६	१७	४१	सु	४४	४९	२३	३८	व	१६	०८	१२	०९	१७	४२	२५	मेषे		११	२२	२	भ. १२।०९ उ. २५।०० या.
११	बु	५३	१९	२७	०२	भर	३६	१३	२०	१२	धृ	४६	२७	२४	३७	ब	२०	४०	१३	५८	१६	४३	२५	वृषे	२६।५३	१२	२३	३	योगिनी ११ व्र., [गुरोरुदयः पूर्वस्याम् १५।०९]
१२	गु	५९	१०	२९	२३	कृति	४३	२२	२३	०४	शू	४८	४०	२५	११	कौ	२६	१०	१६	११	१५	४३	२५	वृषे		१३	२४	४	मिथुने भौमः २३।१६
१३	शु	...	...	...	...	रोहि	५०	५६	२६	०६	गं	५०	१२	२६	१२	ग	३२	१३	१८	३७	१४	४३	२५	वृषे		१४	२५	५	प्रदोषः, पुन. रविः २७।३३
१३	श	५	११	७	५१	मृग	५८	३४	२९	०९	वृ	५३	४७	२७	१५	व	५	११	७	५१	१२	४४	२५	मिथु.	१५।३८	१५	२६	६	भ. ७।५१ उ. २१।०६ या., मासिकशिवरात्री व्र., पुन. A
१४	र	११	२९	१०	२०	आर्द्रा	...	...	...	...	ध्रु	५६	१५	२८	१४	श	११	२९	१०	२०	११	४४	२५	मिथु.		१६	२७	७	[A सौरः १३।१४, श्लेषा. शुक्रः १६।३१
३०	सो	१७	२८	१२	४४	आर्द्रा	६	००	८	०९	व्या	५८	२६	२९	०७	ना	१७	२८	१२	४४	१०	४५	२५	कर्के	२८।१८	१७	२८	८	देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., मार्गी शनिः २४।३७

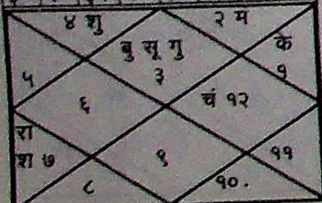
गुरोरुदयः

अयनांशाः २४।०१।५५

१२ पं. आ.कृ. ७ श. इष्टघटी ४७।३६

(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	१	२	२	३	६	६	२
१४	२६	२८	०६	०८	११	२०	१३
१०	३६	४०	४७	३५	००	००	४९
०५	३१	५१	११	२७	१४	४१	०२
५७	४१	१६	१३	७२	०	३	५६
१२	१८	००	४१	५१	४७	११	५४
आ ३	मृ १	पुन ३व	आ १	पु २	स्वा २व	वि १	आ ३



जून ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२४	च	२	०८	४०	२७	५७	१३	२३	२५	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५७	६	२०
२५	मं	२	०९	३७	४१	५७	१३	२३	२३	३२	५०	६	०७	७	१५	३३	२६	४	५८	६	२०
२६	बु	२	१०	३४	५४	५७	१३	२३	२१	३२	५०	६	०८	७	१५	३३	२६	४	५८	६	२०
२७	गु	२	११	३२	०७	५७	१३	२३	१९	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२५	४	५८	६	२०
२८	शु	२	१२	२९	१९	५७	१२	२३	१७	३२	४९	६	०८	७	१६	३३	२५	४	५८	,	२०
२९	श	२	१३	२६	३२	५७	१२	२३	१४	३२	४८	६	०८	७	१६	३३	२४	४	५९	६	२०
३०	र	२	१४	२३	४४	५७	१२	२३	१०	३२	४८	६	०९	७	१६	३३	२४	४	५९	६	२१
१	चं	२	१५	२०	५६	५७	१२	२३	०६	३२	४७	६	०९	७	१६	३३	२३	४	५९	६	२१
२	मं	२	१६	१८	०८	५७	१२	२३	०२	३२	४७	६	०९	७	१६	३३	२२	५	००	६	२१
३	बु	२	१७	१५	१९	५७	१२	२२	५८	३२	४६	६	१०	७	१६	३३	२१	५	००	६	२१
४	गु	२	१८	१२	३१	५७	१२	२२	५३	३२	४६	६	१०	७	१६	३३	२१	५	००	६	२१
५	शु	२	१९	०९	४३	५७	१२	२२	४७	३२	४५	६	१०	७	१६	३३	२०	५	०१	६	२१
६	श	२	२०	०६	५४	५७	१२	२२	४१	३२	४४	६	११	७	१६	३३	१९	५	०१	६	२१
७	र	२	२१	०४	०६	५७	१२	२२	३५	३२	४३	६	११	७	१६	३३	१८	५	०१	६	२१
८	चं	२	२२	०१	१८	५७	१२	२२	२८	३२	४२	६	११	७	१६	३३	१७	५	०२	६	२०

आषाढ मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सस्ता हो। कृष्णा तीज को श्रवण होने से समर्घता कारक है। कृष्णा नौमी को सोमवार होने से सुभिक्ष हो। कृष्णा त्रयोदशी में रोहिणी होने से उत्तम पवन चले। आषाढी अमावस सोमवार आर्द्रा योग समर्घता कारक है। शुक्ल प्रतिपदा में पुनर्वसु नक्षत्र का १३ घटी भोग है अतः चौमासे में २२ प्रतिशत वर्षा हो। शुक्ला पंचमी को शनिवार होने से नाशकारक हवा चले और उत्पात हों। पूर्णिमा पूर्वाषाढा युक्त होने से दुर्भिक्ष हो। पूर्णिमा तीस घटी से अधिक है अतः समर्घता हो। धान्यादि एवं लाल वर्ण वाली सभी वस्तुओं के भाव तेज हों, प्रजा में विग्रह हो, कहीं-कहीं हिंसादि हो, अग्निभय हो, घृत तेल लवण रस कपूर चंदन ये सब महँगे हों।

अयनांशाः २४।०१।५६

१३ पं. आ.कृ.१३ श. इष्टघटी ४७।३०

(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

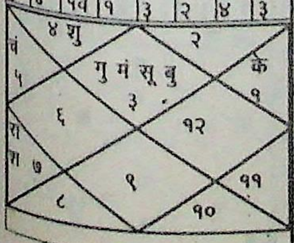
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	२	२	२	३	६	६	२
२०	०१	२५	०८	१७	१०	१९	२०
५०	२४	३४	२२	०४	५६	३८	२७
२८	३३	१९	३६	५२	४६	२६	१५
५७	४०	३७	१३	७२	०	३	५६
१२	५७	२४	३३	४०	०६	११	५३
पुन १	मृ ३	पुन २व	आ १	श्ले १	स्वा २व	स्वा ४	पुन १



आषाढ़ शुक्लपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, ९ जुलाई से २२ जुलाई तक नवलगढ चंद्रः																									तारीख			वर्षर्त्तु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ८२५, जुलाई २०१३
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	मं	२३	०१	१४	५८	पुन	१३	०५	१०	५९	ह	....	....	....	....	ब	२३	०१	१४	५८	३४ ०८	५ ४५	७ २४	कर्के	१८	२९	९	[A मन्वादि, परीक्षा, गोपद्मव्रतारंभ, आषाढी योगः, सायन C
२	बु	२८	०२	१६	५८	पुष्य	१९	४१	१३	३८	ह	०	१४	५	५१	कौ	२८	०२	१६	५८	०६	४६	२४	कर्के	१९	३०	१०	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), श्री जगदीश रथ यात्रा
३	गु	३२	१९	१८	४२	श्ले	२५	३६	१६	००	व	१	३४	६	२४	तै	०	१६	५	५३	०५	४६	२४	सिंहे १६।०१	२०	१	११	रमजान ९ [C सिंहे भानुः २१।२१
४	शु	३५	४३	२०	०४	मघा	३०	४०	१८	०२	सि	२	१६	६	४१	व	४	०८	७	२६	०३	४७	२४	सिंहे	२१	२	१२	भ. ७।२६ उ. २०।०४ या.
५	श	३७	५९	२०	५८	पूफा	३४	४०	१९	३९	व्य	२	११	६	३९	ब	६	५९	८	३५	०१	४७	२४	कन्या २५।५८	२२	३	१३	[D दक्षिणायनारंभः, (व) आर्द्रा. बुधः १४।५५
६	र	३८	५६	२१	२२	उफा	३७	२३	२०	४५	व	१ ५९	०९ ०४	६ २९	१५ २५	कौ	८	३७	९	१४	३३ ५९	४७	२३	कन्या	२३	४	१४	स्कंध षष्ठी, आर्द्रा. भौमः १८।२५, आर्द्रा.-२ गुरुः ६।०९
७	सो	३८	२५	२१	१०	हस्त	३८	४०	२१	१६	शि	५५	४४	२८	०६	ग	८	५१	९	२०	५८	४८	२३	कन्या	२४	५	१५	भ. २१।१० उ.
८	मं	३६	१९	२०	२०	चित्रा	३८	२२	२१	०९	सि	५१	०८	२६	१६	वि	७	३४	८	५०	५६	४८	२३	तुला. ९।१७	२५	६	१६	भ. ८।५० या., कर्के रविः १५।१६ (सौरः २६।१६), निरयन D
९	बु	३२	३५	१८	५१	स्वा	३६	२९	२०	२४	सा	४५	१३	२३	५४	बा	४	३९	७	४०	५३	४९	२२	तुला.	२६	७	१७	भड़ली ९, सिंहे मघा. शुक्रः १७।१८
१०	गु	२७	१७	१६	४४	विशा	३३	००	१९	०२	शु	३८	००	२१	०२	तै	०	०७	५	५२	५१	४९	२२	वृश्चि. १३।२६	२७	८	१८	भ. २७।२८ उ., मन्वादि, आशा दशमी
११	शु	२०	३१	१४	०२	अनु	२८	०७	१७	०५	शु	२९	३९	१७	४१	वि	२०	३१	१४	०२	४९	५०	२२	वृश्चि.	२८	९	१९	भ. १४।०२ या., देव शयनी ११ व्र., चातुर्मास व्रतारंभः, B
१२	श	१२	३४	१०	५२	ज्ये	२२	०२	१४	३९	ब्र	२०	१८	१३	५८	बा	१२	३४	१०	५२	४७	५०	२१	धनु. १४।३९	२९	१०	२०	प्रदोषः, श्रावणे वर्जयेच्छाकम्, पुष्ये सौरः १४।३३
१३	र	३	४१	७	२०	मूल	१५	०६	११	५४	ऐ	१० ५९	१५ ५०	९ २३	५७ ४७	तै	३	४१	७	२०	४४	५१	२१	धनु.	३०	११	२१	भ. २७।३५ उ., मार्गी बुधः ९।३२
१४	र	५४	२०	२७	३५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B गोपद्मव्रतोद्यापनं, पुष्ये रविः २७।०७, बुधोदयः पूर्वस्याम् ६।४४
१५	सो	४४	५३	२३	४९	पूषा	७	४६	८	५८	वि	४९	२२	२५	३६	वि	१९	३५	१३	४१	४२	५२	२०	मक. १४।१३	३१	१२	२२	भ. १३।४१ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, वायु व्यासपूजा, गुरु पूर्णिमा, A

अयनांशाः २४।०१।५७
१४ पं. आ.शु. ५ श. इष्टघटी ४७।२२
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
२	२	२	२	३	६	६	२
२७	०६	२१	०९	२५	१०	१९	२७
३०	१०	११	५६	३२	५८	१६	०५
५३	०६	५७	५९	४९	०७	१०	३३
५७	४०	३०	१३	७२	०	३	५६
१३	३५	५९	२२	२६	३५	११	५५
पुन	मृ	पुन	आ	श्ले	स्वा	स्वा	पुन
३	४	१व	१	३	२	४	३



जुलाई		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेलवे-टाईम						कलकता रेलवे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
९	मं	२	२२	५८	३०	५७	१२	२२	२१	३२	४१	६	१२	७	१६	३३	१५	५	०२	६	२०
१०	बु	२	२३	५५	४२	५७	१२	२२	१४	३२	४०	६	१२	७	१६	३३	१४	५	०३	६	२०
११	गु	२	२४	५२	५४	५७	१२	२२	०६	३२	३९	६	१२	७	१६	३३	१३	५	०३	६	२०
१२	शु	२	२५	५०	०६	५७	१३	२१	५८	३२	३८	६	१३	७	१६	३३	१२	५	०३	६	२०
१३	श	२	२६	४७	१९	५७	१३	२१	५०	३२	३७	६	१३	७	१६	३३	१०	५	०४	६	२०
१४	र	२	२७	४४	३२	५७	१३	२१	४१	३२	३६	६	१३	७	१६	३३	०९	५	०४	६	२०
१५	चं	२	२८	४१	४५	५७	१३	२१	३१	३२	३४	६	१४	७	१५	३३	०७	५	०५	६	१९
१६	मं	२	२९	३८	५८	५७	१४	२१	२२	३२	३३	६	१४	७	१५	३३	०६	५	०५	६	१९
१७	बु	३	००	३६	१२	५७	१४	२१	१२	३२	३२	६	१४	७	१५	३३	०४	५	०५	६	१९
१८	गु	३	०१	३३	२६	५७	१५	२१	०१	३२	३०	६	१५	७	१५	३३	०२	५	०६	६	१९
१९	शु	३	०२	३०	४१	५७	१५	२०	५१	३२	२९	६	१५	७	१५	३३	०१	५	०६	६	१८
२०	श	३	०३	२७	५६	५७	१६	२०	४०	३२	२७	६	१५	७	१४	३२	५९	५	०७	६	१८
२१	र	३	०४	२५	११	५७	१६	२०	२८	३२	२६	६	१६	७	१४	३२	५७	५	०७	६	१८
२२	चं	३	०५	२२	२८	५७	१७	२०	१६	३२	२४	६	१६	७	१४	३२	५५	५	०७	६	१८

संक्रांति फलम्

ता. १६ जुलाई २०१३
आषा. शु. ८ भौमे कर्केऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १५।१६ वारात् ५ नक्षत्रात् ५ वारनाम महोदरी चोरान् सुस्पंदा नक्षत्रनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुस्पृदा अपरान्ह ३ प्रहर व्यापिनी वैश्यान् हन्ति, दक्षिणे गमनं नैऋत्यां दृष्टिः बवकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं सिंहवाहनं गजोपवाहनं भीतिकारक श्वेतवस्त्रं भुशुण्ड्यायुधं स्वर्णपात्रं अन्नभक्षणं कस्तूरीलेपनं दैवतंजातिः पुन्नागपुष्पं पिरोजभूषणं विचित्रकंचुकी बालावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स उत्तरे राहु पश्चिमा. मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऽग्निकोणे शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः चंद्रे (स्टै.) २७।१६ से भौमे १५।१६ तक। (दान-घृत धेनु)।

अयनांशाः २४।०१।५८
१५ पं. आ.शु.१२ श. इष्टघटी ४७।१३
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	२	२	२	४	६	६	३
०४	१०	१९	११	०३	११	१८	०३
११	५३	०८	२९	५९	०४	५३	४४
३२	११	५६	५५	१०	१६	५५	१०
५७	४०	३	१३	७२	१	३	५६
१६	१५	४३	०८	१२	१६	११	५९
पु	आ	आ	आ	म	स्वा	स्वा	पु
१	२	४	२	२	२	४	१



श्रावण कृष्णपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, २३ जुलाई से ६ अगस्त तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | वर्षर्तू रविर्दक्षिणे आषाढ़कृष्णेति महा., जुलाई-अगस्त २०१३

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	
१	मं	३५	४८	२०	११	उषा	० / ५३	२७ / ४२	६ / २७	०३ / २१	श्री	३९	१५	२१	३४	बा	१०	१५	९	५८	३३ / ४०	५ / ५२	७ / २०	मक.	१	१३	२३	नक्त व्रतारंभः, भा. श्रावणारंभः
२	बु	२७	३४	१६	५४	धनि	४७	५६	२५	०३	आ	२९	५२	१७	५०	तै	१	३३	६	३०	३७	५३	१९	कुंभे १४।०८	२	१४	२४	भ. २७।२७ उ., पंचक प्रारम्भः १४।०८, बृहत्तल्पा, पुन. बुधः २४।२५
३	गु	२०	३८	१४	०८	शत	४३	३८	२३	२०	सौ	२१	३५	१४	३१	वि	२०	३८	१४	०८	३४	५३	१९	कुंभे	३	१५	२५	भ. १४।०८ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।११
४	शु	१५	२३	१२	०३	पूभा	४१	०९	२२	२१	शो	१४	४२	११	४६	बा	१५	२३	१२	०३	३२	५४	१८	मीने १६।३२	४	१६	२६	
५	श	१२	०६	१०	४५	उभा	४०	४५	२२	१२	अ	९	२६	९	४०	तै	१२	०६	१०	४५	२९	५४	१८	मीने	५	१७	२७	नागपञ्चमी (मरु.)
६	र	१०	५९	१०	१८	रेव	४२	२८	२२	५४	सु	५	५३	८	१६	व	१०	५९	१०	१८	२६	५५	१७	मेषे २२।५४	६	१८	२८	भ. १०।१८ उ. २२।२५ या., पंचक समाप्तिः २२।५४, [A
७	सो	१२	०१	१०	४३	अश्वि	४६	१४	२४	२५	धृ	४	०३	७	३३	ब	१२	०१	१०	४३	२४	५५	१७	मेषे	७	१९	२९	आर्द्रा.-३ गुरुः १२।१७
८	मं	१५	०१	११	५६	भर	५१	४४	२६	३७	शू	३	४८	७	२७	कौ	१५	०१	११	५६	२१	५६	१६	मेषे	८	२०	३०	[A पूफा. शुक्रः १९।३१
९	बु	१९	३८	१३	४७	कृति	५८	३०	२९	२०	गं	४	५०	७	५२	ग	१९	३८	१३	४७	१८	५६	१५	वृषे ९।१६	९	२१	३१	भ. २६।५३ उ., पातस्पर्शः ८।०७, मोक्षः २०।४५
१०	गु	२५	२०	१६	०५	रोहि	...	...	...	...	वृ	६	४८	८	४०	वि	२५	२०	१६	०५	१५	५७	१५	वृषे	१०	२२	१	भ. १६।०५ या., अगस्त ८ ता. ३१, तिलकपुण्यतिथि
११	शु	३१	३६	१८	३६	रोहि	६	००	८	२१	ध्रु	९	१९	९	४१	बा	३१	३६	१८	३६	१२	५७	१४	मिथु. २१।५४	११	२३	२	कामिका ११ व्र., श्लेषा. रविः २६।०३
१२	श	३७	५१	२१	०६	मृग	१३	४३	११	२७	व्या	११	५७	१०	४५	कौ	४	४४	७	५२	०९	५८	१३	मिथु.	१२	२४	३	श्लेषा. सौरः १४।५९, पुन. भौमः १७।२३
१३	र	४३	४३	२३	२८	आर्द्रा	२१	११	१४	२७	ह	१४	२४	११	४४	ग	१०	५१	१०	१९	०६	५८	१३	मिथु.	१३	२५	४	भ. २३।२८ उ., प्रदोषः, कर्के बुधः २१।०६
१४	सो	४८	५७	२५	३४	पुन	२८	०५	१७	१३	व	१६	२५	१२	३३	वि	१६	२५	१२	३३	०३	५९	१२	कर्के १०।३३	१४	२६	५	भ. १२।३३ या., मासिकशिवरात्री व्र.
३०	मं	५३	२३	२७	२०	पुष्य	३४	१५	१९	४१	सि	१७	५२	१३	०८	चं	२१	१५	१४	२९	३२ / ५९	५९	११	कर्के	१५	२७	६	देवपितृकार्येऽमा., हरियाली ३०, पुष्ये बुधः २७।१६

अयनांशाः २४।०१।५८
१६ पं. श्रा.कृ. ५ श. इष्टघटी ४७।०४
(रेल्वे घं. मि २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	२	२	२	४	६	६	३
१०	१५	२१	१३	१२	११	१८	१०
५२	३३	४०	०१	२३	१५	३१	२३
३६	५१	३७	०१	४३	०९	४०	१९
५७	३९	४५	१२	७१	१	३	५७
२०	५४	११	५०	५५	५६	११	०५
पु	आ	पुन	आ	म	स्वा	स्वा	पु
३	३	१	२	४	२	४	३



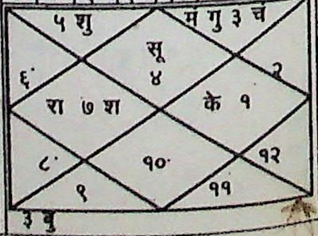
ता. वा.	जुलाई रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति उत्तर+ अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२३ म	३	०६	१९	४४	५७	१७	२०	०४	३२	२३	६	१७	७	१४	३२	५३	५	०८	६	१७
२४ बु	३	०७	१७	०१	५७	१८	१९	५२	३२	२१	६	१७	७	१३	३२	५१	५	०८	६	१७
२५ गु	३	०८	१४	१९	५७	१८	१९	३९	३२	१९	६	१७	७	१३	३२	४९	५	०९	६	१६
२६ शु	३	०९	११	३८	५७	१९	१९	२६	३२	१८	६	१८	७	१३	३२	४७	५	०५	६	१६
२७ श	३	१०	०८	५७	५७	२०	१९	१३	३२	१६	६	१८	७	१२	३२	४५	५	१०	६	१६
२८ र	३	११	०६	१६	५७	२१	१८	५९	३२	१४	६	१८	७	१२	३२	४३	५	१०	६	१५
२९ चं	३	१२	०३	३७	५७	२१	१८	४५	३२	१२	६	१९	७	१२	३२	४१	५	१०	६	१५
३० मं	३	१३	००	५८	५७	२२	१८	३१	३२	११	६	१९	७	११	३२	३८	५	११	६	१४
३१ बु	३	१३	५८	२०	५७	२३	१८	१६	३२	०९	६	१९	७	११	३२	३६	५	११	६	१४
१ गु	३	१४	५५	४३	५७	२४	१८	०१	३२	०७	६	२०	७	१०	३२	३४	५	१२	६	१३
२ शु	३	१५	५३	०७	५७	२५	१७	४६	३२	०५	६	२०	७	१०	३२	३१	५	१२	६	१३
३ श	३	१६	५०	३२	५७	२६	१७	३०	३२	०३	६	२०	७	०९	३२	२९	५	१२	६	१२
४ र	३	१७	४७	५७	५७	२६	१७	१४	३२	०१	६	२०	७	०९	३२	२७	५	१३	६	११
५ चं	३	१८	४५	२४	५७	२७	१६	५८	३१	५९	६	२१	७	०८	३२	२४	५	१३	६	११
६ मं	३	१९	४२	५१	५७	२८	१६	४२	३१	५७	६	२१	७	०८	३२	२२	५	१४	६	१०

श्रावण मास फलम्

इस माह श्रावण में पांच मंगलवार होने से दुर्भिक्ष हो, श्रावण में पांच बुधवार शुभद है । श्रावण कृष्णा प्रतिपदा को धृति योग न होने से धान्यादि भाव मंदे हों। कृष्णा एकादशी को रोहिणी होंने से सुभिक्ष हो । मगलवारी अमावस नेष्ट है, श्रावण की अमावस को पुष्य होने से मध्यम वर्षा हो। शुक्ला ७ तिथि क्षय होने से छत्रभंग हो । पूर्णिमा बुधवार और धनिष्ठा युक्त होने से शुभ फल दायिनी है । शुक्रवार की सक्रांति होने से प्रजासुखी हो, स्वर्ण चांदी के भाव तेज हों, गाय भैस हाथी घोडा मोटर गाड़ी आदि (चतुष्पद) पशु एवं वाहन के भाव तेज हो, रस कस लवण घृत के भाव सम रहे ।

अयनांशाः २४।०१।५९
१७ पं. श्रा.कृ.१२ श. इष्टघटी ४६।५५
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	२	२	२	४	६	६	३
१७	२०	२८	१४	२०	११	१८	१७
३४	१२	५०	२९	४६	३०	०९	०३
१५	०८	१६	५०	१९	३९	२४	१३
५७	३९	८१	१२	७१	२	३	५७
२६	३४	५१	२९	३८	३५	११	१२
श्ले	पुन	पुन	आ	पूफा	स्वा	स्वा	श्ले
१	१	३	३	३	२	४	१



श्रावण शुक्लपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, ७ अगस्त से २१ अगस्त तक नवलगढ																								चंद्रः	तारीख			वर्षर्तू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ८५४, अगस्त २०१३
ति	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	बु	५६	५६	२८	४७	श्ले	३९	३७	२१	५१	व्य	१८	४१	१३	२८	किं	२५	१५	१६	०६	३२ ५६	६ ००	७ १०	सिंहे २१।५१	१६	२८	७	[A जयंती, नारियल १५, पूर्णिमाव्रतं, सूणमाण्डणा (भद्रा के पूर्व), B
२	गु	५९	३८	२९	५२	मघा	४४	०७	२३	३९	व	१८	५०	१३	३३	बा	२८	२३	१७	२२	५३	००	१०	सिंहे	१७	२९	८	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), श्रृंगार (सिंधारा) देशाचारे, उफा. शुक्रः २३।२३
३	शु	...	...	...	...	पूफा	४७	४५	२५	०७	प	१८	१७	१३	२०	तै	३०	३७	१८	१६	५०	०१	०९	सिंहे	१८	१	९	तीज, स्वर्णगौरी व्र., मधुश्रवाव्र. (गुर्जरे), सुकृत तृतीयाव्र., सव्वाल १०
३	श	१	२२	६	३४	उफा	५०	२५	२६	१२	शि	१६	५९	१२	४९	ग	१	२२	६	३४	४६	०२	०८	कन्या ७।२५	१९	२	१०	भ. १८।४७ उ., वरद चतुर्थी, दूर्वा गणपति व्र.
४	र	२	१०	६	५४	हस्त	५२	०५	२६	५२	सि	१४	५५	१२	००	वि	२	१०	६	५४	४३	०२	०७	कन्या	२०	३	११	भ. ६।५४ या., नागपञ्चमी, नागदष्ट व्र., कन्यायां शुक्रः १८।३८
५	सो	१	५४	६	४८	चित्रा	५२	३७	२७	०६	सा	११	५९	१०	५०	बा	१	५४	६	४८	४०	०३	०६	तुला. १५।०२	२१	४	१२	कल्की जयंती, वर्णषष्ठी, रोटक व्रतारंभः, सोमेश्वरपूजनं
६	मं	०	२८	६	१४	स्वा	५१	५८	२६	५०	शु	८	०८	९	१८	तै	०	२८	६	१४	३६	०३	०५	तुला.	२२	५	१३	भ. २९।११ उ., तुलसीजयंती, शीतला,पातस्पर्शः १३।३०, मोक्षः २०।४२
७	मं	५७	५०	२९	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B यजुर्वेदि, तैतरीय, हिरण्यकेशीय, बौधायन, काण्वमध्यन्दिन D
८	बु	५३	५७	२७	३८	विशा	५०	०४	२६	०५	शु	३ ५७	१७ २६	७ २९	२२ ०२	वि	२६	०३	१६	२९	३३	०४	०५	वृश्चि. २०।१९	२३	६	१४	भ. १६।२९ या., दुर्गाष्टमी, श्लेषा. बुधः १४।००, बुधास्तः पूर्वस्याम् E
९	गु	४८	४९	२५	३६	अनु	४६	५५	२४	५०	ऐ	५०	३३	२६	१७	बा	२१	३१	१४	४०	२९	०४	०४	वृश्चि.	२४	७	१५	भारतीयस्वतंत्रतादिवस [E १५।०५, आर्द्रा.-४ गुरुः १७।१०
१०	शु	४२	३१	२३	०५	ज्ये	४२	३७	२३	०८	वै	४२	४३	२३	१०	तै	१५	४७	१२	२३	२६	०५	०३	धनु. २३।०८	२५	८	१६	सिंहे मघा. रविः २३।४६ [D (कात्या.), अथर्ववेदि, ऋग्वेदि H
११	श	३५	१५	२०	११	मूल	३७	२१	२१	०१	वि	३४	०६	१९	४३	व	८	५८	९	४०	२२	०५	०२	धनु.	२६	९	१७	भ. ९।४० उ. २०।११ या., पवित्रा ११ व्र., सिंहे मघा. सौरः १३।५१
१२	र	२७	१७	१७	००	पूषा	३१	२३	१८	३९	प्री	२४	५२	१६	०२	ब	१	२०	६	३८	१८	०६	०१	मक. २४।०२	२७	१०	१८	प्रदोषः, दंधि भक्षणत्यागः, पवित्रारोपणं, कर्के भौमः २४।२४
१३	सो	१८	५८	१३	४१	उषा	२५	०५	१६	०८	आ	१५	२०	१२	१४	तै	१८	५८	१३	४१	१५	०६	००	मक.	२८	११	१९	हस्ते शुक्रः २९।१० [H उपाकर्म, सिंहे मघा. बुधः २८।४८
१४	मं	१०	४१	१०	२३	श्रव	१८	५२	१३	३९	सौ	५ ५६	४८ ३८	८ २८	२६ ४६	व	१०	४१	१०	२३	११	०७	६ ५९	कुंभे २४।२९	२९	१२	२०	भ. १०।२३ उ. २०।४७ या., पंचक प्रारम्भः २४।२९, हयग्रीव A
१५	बु	२	५२	७	१६	धनि	१३	११	११	२३	अ	४८	०८	२५	२२	ब	२	५२	७	१६	०८	०७	५८	कुंभे	३०	१३	२१	पूर्णिमा पुण्यं, रक्षाबंधनं श्रावणी (मरु), आपस्तंभ उपाकर्म

अयनांशाः २४।०२।००

१८ पं. श्रा.शु. ३ श. इष्टघटी ४६।४५

(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
३	२	३	२	४	६	६	३
२४	२४	०९	१५	२९	११	१७	२३
१६	४८	५५	५५	०६	५०	४७	४४
४०	०३	४२	५६	४८	३५	०९	०४
५७	३९	११०	१२	७१	३	३	५७
३४	१४	२१	०३	१९	१२	११	२१
श्ले	पुन	पु	आ	उफा	स्वा	स्वा	श्ले
३	२	२	३	१	२	४	३



अगस्त		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
७	बु	३	२०	४०	११	५७	२९	१६	२५	३१	५५	६	२१	७	०७	३२	१९	५	१४	६	१०
८	गु	३	२१	३७	४९	५७	३१	१६	०८	३१	५३	६	२२	७	०७	३२	१६	५	१४	६	०९
९	शु	३	२२	३५	११	५७	३२	१५	५१	३१	५०	६	२२	७	०६	३२	१४	५	१५	६	०८
१०	श	३	२३	३२	५१	५७	३३	१५	३४	३१	४८	६	२२	७	०६	३२	११	५	१५	६	०८
११	र	३	२४	३०	२४	५७	३४	१५	१६	३१	४६	६	२३	७	०५	३२	०९	५	१५	६	०७
१२	चं	३	२५	२७	५७	५७	३५	१४	५८	३१	४४	६	२३	७	०४	३२	०६	५	१६	६	०६
१३	मं	३	२६	२५	३२	५७	३६	१४	४०	३१	४२	६	२३	७	०४	३२	०३	५	१६	६	०६
१४	बु	३	२७	२३	०९	५७	३७	१४	२२	३१	३९	६	२३	७	०३	३२	०१	५	१७	६	०५
१५	गु	३	२८	२०	४६	५७	३९	१४	०३	३१	३७	६	२४	७	०२	३१	५८	५	१७	६	०४
१६	शु	३	२९	१८	२५	५७	४०	१३	४४	३१	३५	६	२४	७	०२	३१	५५	५	१७	६	०३
१७	श	४	००	१६	०५	५७	४१	१३	२५	३१	३२	६	२४	७	०१	३१	५२	५	१८	६	०२
१८	र	४	०१	१३	४६	५७	४३	१३	०६	३१	३०	६	२४	७	००	३१	४९	५	१८	६	०२
१९	चं	४	०२	११	२८	५७	४४	१२	४७	३१	२८	६	२५	७	००	३१	४६	५	१८	६	०१
२०	मं	४	०३	०९	१२	५७	४५	१२	२७	३१	२५	६	२५	६	५९	३१	४४	५	१९	६	००
२१	बु	४	०४	०६	५८	५७	४७	१२	०७	३१	२३	६	२५	६	५८	३१	४१	५	१९	५	५९

संक्रांति फलम्

ता. १६ अगस्त २०१३

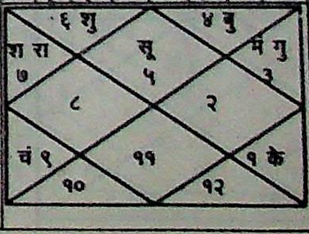
श्रा. शु. १० भृगौ सिंहेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २३।४६ वारात् ४ नक्षत्रात् ६ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) १७।२२ से २३।४६ तक । (दान- छत्र) ।

अयनांशाः २४।०२।०१

१९ पं. श्रा.शु.११ श. इष्टघटी ४६।३७

(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	२	३	२	५	६	६	४
०१	२९	२३	१७	०७	१२	१७	००
००	२१	३३	१८	२५	१४	२४	२६
००	३८	५२	५१	००	४५	५३	०३
५७	३८	१२१	११	७०	३	३	५७
४२	५४	४८	३३	५८	४७	११	३२
म	पुन	श्ले	आ	उफा	स्वा	स्वा	म
१	३	३	४	४	२	४	१



भाद्रपद कृष्णपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, २२ अगस्त से ५ सितंबर तक नवलगढ																								चंद्रः	तारीख			वर्षर्त्तू रविर्दक्षिणे श्रावणकृष्णेति महा., अगस्त-सितंबर २०१३
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	बु	५५	५६	२८	२९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A कन्यायां बुधः २४।१४, तुलायां शुक्रः ३०।१४
२	गु	५०	१८	२६	१५	शत	८	२८	९	३१	सु	४०	३९	२२	२३	तै	२२	५५	१५	१७	३३ ०४	६ ०८	६ ५७	मीने २६।२७	३१	१४	२२	सायन कन्यायां भानुः २८।३३
३	शु	४६	१७	२४	३९	पूभा	५	०८	८	११	धृ	३४	२७	१९	५५	व	१८	०३	१३	२१	००	०८	५६	मीने	१	१५	२३	भ. १३।२१ उ. २४।३९ या., कज्जली(बूढी ३), भा. भाद्रपदारंभः, E
४	श	४४	०९	२३	४८	उभा	३	३०	७	३२	शू	२९	४५	१८	०३	ब	१४	५७	१२	०७	३१ ५६	०८	५५	मीने	२	१६	२४	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।०३, पातस्पर्शः २९।२७
५	र	४४	०५	२३	४७	रेव	३	४७	७	४०	गं	२६	४१	१६	४९	कौ	१३	५१	११	४१	५३	०९	५४	मेषे ७।४०	३	१७	२५	पंचक समाप्तिः ७।४०, पातमोक्षः ११।४२ [E पुष्ये भौमः २८।१७
६	सो	४६	००	२४	३३	अश्वि	६	०५	८	३५	वृ	२५	११	१६	१४	ग	१४	४७	१२	०४	४९	०९	५३	मेषे	४	१८	२६	भ. २४।३३ उ., बृहद्गौरी व्र. (कर्नाटके डोली), हलषष्ठी, D
७	मं	४९	४५	२६	०४	भर	१०	१७	१०	१७	ध्रु	२५	१०	१६	१४	वि	१७	३९	१३	१४	४५	१०	५२	वृषे १६।४९	५	१९	२७	भ. १३।१४ या., शीतला व्र., पूफा. बुधः २२।१६, अगस्त्योदयः ९।५३
८	बु	५४	५४	२८	०८	कृति	१६	०७	१२	३७	व्या	२६	२३	१६	४४	बा	२२	१०	१५	०२	४१	१०	५१	वृषे	६	२०	२८	मन्वादि, जन्माष्टमी व्र., दशाफल व्र. [D चंद्रषष्ठी (मरु.)
९	गु	...	...	...	...	रोहि	२३	०७	१५	२६	ह	२८	२७	१७	३४	तै	२७	५१	१७	१९	३७	११	५०	मिथु. २८।५६	७	२१	२९	गोगानवमी [C स्वा.-३ राहुः २७।३६, भर.-१ केतुः २७।३६
९	शु	०	५६	६	३४	मृग	३०	४२	१८	२८	व	३०	५७	१८	३४	ग	०	५६	६	३४	३४	११	४९	मिथु.	८	२२	३०	भ. १९।५० उ., पूफा. रविः १९।४५
१०	श	७	१४	९	०५	आर्द्रा	३८	१५	२१	३०	सि	३३	२४	१९	३३	वि	७	१४	९	०५	३०	१२	४८	मिथु.	९	२३	३१	भ. ९।०५ या., पूफा. सौरः १०।३५, चित्रा. शुक्रः १३।१३, C
११	र	१३	१०	११	२८	पुन	४५	१५	२४	१८	व्य	३५	२७	२०	२३	बा	१३	१०	११	२८	२६	१२	४७	कर्के १७।३८	१०	२४	१	अजा ११ व्र., जैनपर्युषण, वत्सपूजा, सितंबर ९ ता. ३०, पुन.-१ B
१२	सो	१८	२०	१३	३३	पुष्य	५१	१९	२६	४४	व	३६	४७	२०	५६	तै	१८	२०	१३	३३	२२	१३	४५	कर्के	११	२५	२	प्रदोषः [B गुरुः १६।४३, स्वा.-३ शनिः २७।०६
१३	मं	२२	२५	१५	११	श्ले	५६	१८	२८	४४	प	३७	१७	२१	०८	व	२२	२५	१५	११	१८	१३	४४	सिंहे २८।४४	१२	२६	३	भ. १५।११ उ. २७।५० या., मासिकशिवरात्री व्र., उफा. बुधः २६।४८
१४	बु	२५	१९	१६	२१	मघा	...	...	...	...	शि	३६	५२	२०	५८	श	२५	१९	१६	२१	१४	१४	४३	सिंहे	१३	२७	४	कुशांग्रहणी, पिठोरी ३०
३०	गु	२७	०६	१७	०४	मघा	०	०७	६	१७	सि	३५	३३	२०	२७	ना	२७	०६	१७	०४	१०	१४	४२	सिंहे	१४	२८	५	देवपितृकार्येऽमा., श्री शक्ति पूजा, लोहार्गल स्ना., मातृ ३०, A

अयनांशाः २४।०२।०२
२० पं. भा.कृ. ४ श. इष्टघटी ४६।२८
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	३	४	२	५	६	६	४
०७	०३	०७	१८	१५	१२	१७	०७
४४	५२	४०	३८	४०	४२	०२	०९
२५	५३	४१	०५	४३	५२	३८	२९
५७	३८	११८	१०	७०	४	३	५७
५२	३४	१०	५९	३६	२०	११	४४
म	पु	म	आ	ह	स्वा	स्वा	म
३	१	३	४	२	२	४	३



अगस्त रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२२ गु	४	०५	०४	४४	५७	४८	११	४७	३१	२१	६	२५	६	५८	३१	३८	५	१९	५	५८
२३ शु	४	०६	०२	३२	५७	५०	११	२७	३१	१८	६	२६	६	५७	३१	३५	५	२०	५	५८
२४ श	४	०७	००	२२	५७	५१	११	०६	३१	१६	६	२६	६	५६	३१	३२	५	२०	५	५७
२५ र	४	०७	५८	१३	५७	५२	१०	४६	३१	१३	६	२६	६	५५	३१	२९	५	२०	५	५६
२६ चं	४	०८	५६	०५	५७	५४	१०	२५	३१	११	६	२६	६	५५	३१	२६	५	२१	५	५५
२७ मं	४	०९	५३	५९	५७	५६	१०	०४	३१	०८	६	२६	६	५४	३१	२३	५	२१	५	५४
२८ बु	४	१०	५१	५५	५७	५७	९	४३	३१	०६	६	२७	६	५३	३१	२०	५	२१	५	५३
२९ गु	४	११	४९	५२	५७	५९	९	२२	३१	०३	६	२७	६	५२	३१	१७	५	२२	५	५२
३० शु	४	१२	४७	५०	५८	००	९	००	३१	०१	६	२७	६	५१	३१	१४	५	२२	५	५१
३१ श	४	१३	४५	४९	५८	०२	८	३९	३०	५८	६	२७	६	५१	३१	११	५	२२	५	५०
१ र	४	१४	४३	५३	५८	०४	८	१७	३०	५६	६	२७	६	५०	३१	०८	५	२२	५	५०
२ चं	४	१५	४१	५६	५८	०५	७	५५	३०	५३	६	२८	६	४९	३१	०५	५	२३	५	४९
३ मं	४	१६	४०	०१	५८	०७	७	३३	३०	५१	६	२८	६	४८	३१	०२	५	२३	५	४८
४ बु	४	१७	३८	०८	५८	०९	७	११	३०	४८	६	२८	६	४७	३०	५९	५	२३	५	४७
५ गु	४	१८	३६	१७	५८	१०	६	४९	३०	४६	६	२८	६	४६	३०	५५	५	२४	५	४६

भाद्रपद मास फलम्

इस माह में पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो .यथा- ।।चन्द्रजीवौ यदापंच धान्यादीनां समर्घता।। बदि चौथ शनिवार होने से राजनीति प्रभावित, हड़ताल तथा दुर्भिक्ष हो । गुरुवारी अमावस और मघा योग समर्घता कारक है ।शु. चतुर्थी को सोमवार और चित्रा होने से दुर्भिक्ष हो । सुदी छठ को अनुराधा नहीं होने से दुर्भिक्ष हों । शुक्ला दशमी का क्षय होने से घी की विशेष महँगाई हों । पूर्णिमा गुरुवार और पूर्वाभाद्रपद युक्त होने से शुभ फल दायिनी है । दक्षिण की पवन चले, धान्यादि सभी वस्तुओं के भाव मंदे हो, रस घृत किराणे की वस्तुएं तेज हों, लोक, महाजन प्रसन्न हों, प्रजा में सद्भाव अधिक हो ।

अयनांशाः २४।०२।०३
२१ पं. भा.कृ.१० श. इष्टघटी ४६।२०
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	३	४	२	५	६	६	४
१४	०८	२१	१९	२३	१३	१६	१३
३०	२१	०४	५३	५३	१४	४०	५४
०२	४८	२४	०७	४१	४१	२२	०७
५८	३८	११०	१०	७०	४	३	५७
०३	१३	०४	२१	.११	५०	११	५७
पूफा	पु	पूफा	आ	चि	स्वा	स्वा	पूफा
१	२	३	४	१	२	४	१



भाद्रपद शुक्लपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, ६ सितंबर से १९ सितंबर तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | शरदृतु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ८८४, सितंबर २०१३

ति	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै टा.	भा.	मु.	इं.
१	शु	[illegible]	[illegible]	१७	२१	पूफा	२	५३	७	२४	सा	३३	२५	१९	३६	व	२७	४७	१७	२१	३१/०६	६/१४	६/४१	कन्या १३।३७	१५	२९	६
२	श	२७	३१	१७	१५	उफा	४	४०	८	०७	शु	३०	३०	१८	२७	कौ	२७	३१	१७	१५	०२	१५	४०	कन्या	१६	३०	७
३	र	२६	२१	१६	४८	हस्त	५	३२	८	२८	शु	२६	५५	१७	०१	ग	२६	२१	१६	४८	३०/५८	१५	३९	तुला. २०।३१	१७	१	८
४	सो	२४	२०	१६	००	चित्रा	५	३४	८	२९	ब्र	२२	३८	१५	१९	वि	२४	२०	१६	००	५४	१६	३८	तुला.	१८	२	९
५	मं	२१	३०	१४	५२	स्वा	४	४७	८	११	ऐ	१७	४२	१३	२१	बा	२१	३०	१४	५२	५०	१६	३६	वृश्चि. २५।४५	१९	३	१०
६	बु	१७	५३	१३	२६	विशा	३	१२	७	३४	वै	१२	०६	११	०७	तै	१७	५३	१३	२६	४६	१७	३५	वृश्चि.	२०	४	११
७	गु	१३	२८	११	४१	अनु	०/५७	५०/४४	६/२९	३७/२३	वि	५/५९	५४/०४	८/२९	३९/५५	व	१३	२८	११	४१	४२	१७	३४	धनु. २९।२३	२१	५	१२
८	शु	८	२०	९	३८	मूल	५३	५६	२७	५२	आ	५१	४०	२६	५८	ब	८	२०	९	३८	३८	१८	३३	धनु.	२२	६	१३
९	श	२	३१	७	१८	पूषा	४९	३६	२६	०९	सौ	४३	५०	२३	५०	कौ	२	३१	७	१८	३४	१८	३२	धनु.	२३	७	१४
१०	श	५६	१२	२८	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
११	र	४९	३६	२६	०९	उषा	४४	५७	२४	१७	शो	३५	४२	२०	३५	व	२२	५५	१५	२८	३०	१९	३१	मक. ७।४१	२४	८	१५
१२	सो	४२	५७	२३	३०	श्रव	४०	१३	२२	२४	अ	२७	२८	१७	१८	ब	१६	१५	१२	४९	२६	१९	२९	मक.	२५	९	१६
१३	मं	३६	३४	२०	५७	धनि	३५	४५	२०	३७	सु	१९	२३	१४	०५	कौ	९	४१	१०	१२	२२	१९	२८	कुंभे ९।३०	२६	१०	१७
१४	बु	३०	४८	१८	३९	शत	३१	५३	१९	०५	धृ	११	४३	११	०१	ग	३	३४	७	४६	१८	२०	२७	कुंभे	२७	११	१८
१५	गु	२५	५६	१६	४३	पूभा	२८	५६	१७	५५	शू	४/५८	४२/३९	८/२९	१३/४९	ब	२५	५६	१६	४३	१४	२०	२६	मीने १२।१०	२८	१२	१९

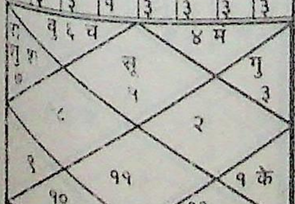
इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।

- ६ [B गौरीआवाहन ७।३४ उपरान्त, हस्तेबुधः २२।५८, स्वा.शुक्रः २४।०३
- ७ चंद्रदर्शनम् (मु.३०), पातस्पर्शः १४।३७, मोक्षः २०।०६
- ८ भ.२८।२६ उ., वराहजयंती, हरितालिकाव्र., हस्तिगौरीव्र., सामवेदि E
- ९ भ. १६।०० या., गणेश चतुर्थी (चंद्र दर्शनं निषेधः), जैन संवत्सरी
- १० ऋषि पंचमी, ललिता षष्ठी व्र. (गुर्जरे), चंपा षष्ठी
- ११ सौर(सूर्य) षष्ठी,स्कन्ददर्शनं, मुक्ताभरणव्र.,उमामहेश्वरपू., दूबड़ीसातम, B
- १२ भ. ११।४१ उ. २२।४२ या., गौरी पूजन ६।३७ से २९।२३ तक
- १३ दधीचीजयंती, श्रीराधा ८, गौरीविसर्जन २७।५२ यावत्, उफा.रविः D
- १४ अदुःखनवमी व्र., श्रीचंद्र(उदासीन संप्रदाय), श्रीरामदेवजी का मेला, F
- ० [D १३।३९ (सौरः २८।४६), श्लेषा. भौमः २७।५९ [F दशावतारव्र.
- १५ भ.१५।२८ उ. २६।०९ या.,जलझूलनी ११ व्र.स्मार्त, विष्णुश्रृं.२४।१७ से
- १६ जलझूलनी ११ व्र.वैष्ण., वामनजयंती, दुग्धव्रतं, विष्णुश्रृंखला २२।२४ A
- १७ पंचकप्रारम्भः ९।३०,प्रदोषः,गोत्रिरात्रव्र., विश्वकर्मापू., कन्यायांसौरः१४।५३
- १८ भ. १८।३९ उ. २९।३८ या., अनन्त १४, कदलीव्रतंपूजनं, रंभारोपणं
- १९ पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, प्रौष्ठपदी, महालय श्राद्धारंभः, महेश्वर पूजनं, C

[A हरिवासरः ७।३९ से १५।०२, कन्यायां रविः २३।४५, बुधोदयः पश्चि. १६।५४ [E उपाकर्म,मन्वादि, जिल्काद ११ [C कु.संध्यापूजा, इंदुला १५, पातस्पर्शः ११।४६,मोक्षः १६।५२

अयनांशाः २४।०२।०४
२२ पं. भा.शु. २ श. इष्टघटी ४६।१२
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	३	५	२	६	६	६	४
२५	१२	०३	२१	०२	१३	१६	२०
१७	४८	२८	०३	०३	४९	१८	४०
०७	२०	४५	२४	३५	५४	०७	३०
५८	३७	१०५	९	६९	५	३	५८
११	५३	२५	३७	४२	१७	११	११
पूफा	पु	उफा	पुन	चि	स्वा	स्वा	पूफा
३	३	३	१	३	३	३	३



ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि.	क.	वि.	अं.	क.	मुम्बई दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
६	शु	४	१९	३४	२७	५८	१२	६	२७	३०	४३	६	२८	६	४५	३०	५२	५	२४	५	४५
७	श	४	२०	३२	३९	५८	१४	६	०४	३०	४०	६	२८	६	४५	३०	४९	५	२४	५	४४
८	र	४	२१	३०	५३	५८	१६	५	४२	३०	३८	६	२९	६	४४	३०	४६	५	२४	५	४३
९	चं	४	२२	२९	०९	५८	१७	५	१९	३०	३५	६	२९	६	४३	३०	४३	५	२५	५	४२
१०	मं	४	२३	२७	२६	५८	१९	४	५७	३०	३३	६	२९	६	४२	३०	४०	५	२५	५	४१
११	बु	४	२४	२५	४५	५८	२१	४	३४	३०	३०	६	२९	६	४१	३०	३७	५	२५	५	४०
१२	गु	४	२५	२४	०६	५८	२३	४	११	३०	२७	६	२९	६	४०	३०	३३	५	२६	५	३९
१३	शु	४	२६	२२	२९	५८	२५	३	४८	३०	२५	६	२९	६	३९	३०	३०	५	२६	५	३८
१४	श	४	२७	२०	५४	५८	२७	३	२५	३०	२२	६	३०	६	३९	३०	२७	५	२६	५	३७
१५	र	४	२८	१९	२०	५८	२८	३	०२	३०	२०	६	३०	६	३८	३०	२४	५	२६	५	३६
१६	चं	४	२९	१७	४९	५८	३०	२	३९	३०	१७	६	३०	६	३७	३०	२१	५	२७	५	३५
१७	मं	५	००	१६	१९	५८	३२	२	१६	३०	१४	६	३०	६	३६	३०	१८	५	२७	५	३४
१८	बु	५	०१	१४	५१	५८	३४	१	५२	३०	१२	६	३०	६	३५	३०	१४	५	२७	५	३३
१९	गु	५	०२	१३	२५	५८	३६	१	२९	३०	०९	६	३०	६	३४	३०	११	५	२८	५	३२

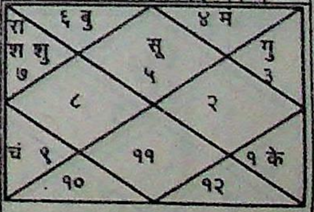
(सितम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम; रवि गति; रवि क्रान्ति उत्तर+; मुम्बई रेल्वे-टाईम; कलकता रेल्वे-टाईम)

संक्रांति फलम्

ता. १६ सितंबर २०१३
भा. शु. १२ चंद्रे कन्यायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. २३।४५ वारात् ४ नक्षत्रात् ५ वारनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा नक्षत्रनाम महोदरी चोरान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः कौलवकरणे प्रविष्टा महर्घफलं सिंहवाहनं वृषभोपवाहनं कष्टकारक नीलवस्त्रं खड्गायुधं ताम्रपात्रं मिष्ठान्नभक्षणं रक्तचंदनलेपनं सर्पजातिः वकुलपुष्पं मोतीभूषणं हरित्कंचुकी गतालकावस्था (उभी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पूर्वे राहु उत्तरे, मूलं [illegible]र्गो विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः (स्टै.) २३।४५ से ३०।०९ । (दान-गृह वस्त्र) ।

अयनांशाः २४।०२।०५
२३ पं. भा.शु. ९ श. इष्टघटी ७६।०४
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
४	३	५	२	६	६	६	४
२८	१७	१४	२२	१०	१४	१५	२७
०५	१२	५३	०८	०९	२८	५५	२८
२४	२८	५२	२२	५५	११	५२	३४
५८	३७	९३	८	६९	५	३	५८
२८	३२	१९	४९	०९	४२	११	२७
उफा	श्ले	ह	पुन	स्वा	स्वा	स्वा	उफा
१	१	२	१	२	३	३	१



आश्विन कृष्णपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, २० सितंबर से ४ अक्टूबर तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | शरदृतू रविर्दक्षिणे भाद्रपदकृष्णेति महा., सितंबर-अक्टूबर २०१३

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	शु	२२	२०	१५	१७	उभा	२७	१४	१७	१४	वृ	५३	३८	२७	४८	कौ	२२	२०	१५	१७	३० १०	६ २१	६ २५	मीने	२९	१३	२०	चित्रा. बुधः १४।२४
२	श	२०	१३	१४	२६	रेव	२७	०१	१७	१०	ध्रु	४९	५५	२६	१९	ग	२०	१३	१४	२६	०६	२१	२४	मेषे १७।१०	३०	१४	२१	भ. २६।१६ उ., पंचक समाप्तिः १७।१०
३	र	१९	४६	१४	१६	अश्वि	२८	२७	१७	४४	व्या	४७	३४	२५	२३	वि	१९	४६	१४	१६	०२	२२	२२	मेषे	३१	१५	२२	भ. १४।१६ या., चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।१८, सायन तुलायां C
४	सो	२१	०५	१४	४८	भर	३१	३५	१९	००	ह	४६	३४	२५	००	बा	२१	०५	१४	४८	२९ ५८	२२	२१	वृषे २५।२६	१	१६	२३	भरणी श्राद्ध, भा. अश्विनारंभः, पुन.-२ गुरुः १५।१४, विशा. D
५	मं	२४	०८	१६	०२	कृति	३६	२२	२०	५६	व	४६	५१	२५	०७	तै	२४	०८	१६	०२	५४	२३	२०	वृषे	२	१७	२४	चंद्रषष्ठी, तुलायां बुधः ३०।२२ [D शुक्रः १४।३४
६	बु	२८	४०	१७	५१	रोहि	४२	३३	२३	२४	सि	४८	११	२५	३९	व	२८	४०	१७	५१	५०	२३	१९	वृषे	३	१८	२५	भ. १७।५१ उ. [C भानुः २६।१९
७	गु	३४	२०	२०	०८	मृग	४९	४१	२६	१६	व्य	५०	१४	२६	२९	वि	१	२३	६	५७	४६	२४	१८	मिथु. १२।४८	४	१९	२६	भ. ६।५७ या., श्रीमहालक्ष्मी व्र., हस्ते रविः २९।१०
८	शु	४०	३५	२२	३८	आर्द्रा	५७	१३	२९	१७	व	५२	३६	२७	२७	बा	७	२५	९	२२	४२	२४	१७	मिथु.	५	२०	२७	अशोकाष्टमी, हस्ते सौरः २०।०८
९	श	४६	४३	२५	०६	पुन	...	...	...	...	प	५४	४९	२८	२०	तै	१३	४१	११	५३	३८	२५	१६	कर्के २५।३०	६	२१	२८	सौभाग्यवतीनां श्राद्धं [A पातस्पर्शः १६।३२, मोक्षः २२।०३, E
१०	र	५२	०९	२७	१६	पुन	४	२९	८	१३	शि	५६	२६	२८	५९	व	१९	३३	१४	१४	३३	२५	१४	कर्के	७	२२	२९	भ. १४।१४ उ. २७।१६ या., स्वा. बुधः २९।२२
११	सो	५६	२३	२८	५९	पुष्य	१०	५७	१०	४८	सि	५७	०७	२९	१६	ब	२४	२५	१६	१२	२९	२५	१३	कर्के	८	२३	३०	इंदिरा ११ व्र. [E वृश्चिके शुक्रः १०।४६
१२	मं	५९	११	३०	०७	श्ले	१६	११	१२	५५	सा	५६	४१	२९	०६	कौ	२७	५८	१७	३७	२५	२६	१२	सिंहे १२।५५	९	२४	१	सन्यासिनां श्राद्धं, गजच्छाया योगः ३०।०७ से , अक्टूबर १० ता. ३१
१३	बु	...	...	...	...	मघा	२०	००	१४	२६	शु	५५	०६	२८	२९	ग	३०	०१	१८	२७	२१	२६	११	सिंहे	१०	२५	२	प्रदोषः, युगादि, गजच्छाया योगः १४।२६ तक, गांधी जयन्ती, A
१३	गु	०	२८	६	३८	पूफा	२२	२१	१५	२३	शु	५२	२२	२७	२४	व	०	२८	६	३८	१७	२७	१०	कन्या २१।३२	११	२६	३	भ. ६।३८ उ. १८।४१ या., मासिकशिवरात्री व्र., शस्त्रादि हतानां श्राद्धं
१४	शु	०	१९	६	३५	उफा	२३	२०	१५	४७	ब्र	४८	३६	२५	५४	श	०	१९	६	३५	१३	२७	०९	कन्या	१२	२७	४	देवपितृकार्येऽमा., सर्वपितृ श्राद्धम्, गजच्छाया (बोधायन) B
३०	शु	५८	५४	३०	०१	०	०	०	०.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B १५।४७ से ३०।०१ तक

अयनांशाः २४।०२।०५
२४ पं. आ.कृ. २ श. इष्टघटी ४५।५६
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	३	५	२	६	६	६	५
०४	२१	२५	२३	१८	१५	१५	०४
५५	३४	२५	०७	१२	०९	३३	१८
२०	०९	०२	२३	०५	१३	३६	२७
५८	३७	८६	७	६८	६	३	५८
४२	१०	०७	५५	२९	०४	११	४२
उफा	श्ले	चि	पुन	स्वा	स्वा	स्वा	उफा
३	२	१	१	४	३	३	३



सितम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम							रवि गति		रवि क्रान्ति उत्तर+		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
											दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.		घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२०	शु	५	०३	१२	०१	५८	३८	१	०६		३०	०६	६	३१	६	३३	३०	०८	५	२८	५	३१
२१	श	५	०४	१०	३९	५८	४०	०	४३		३०	०४	६	३१	६	३२	३०	०५	५	२८	५	३०
२२	र	५	०५	०९	१९	५८	४२	०	१९+		३०	०१	६	३१	६	३१	३०	०२	५	२८	५	२९
२३	चं	५	०६	०८	०१	५८	४४	०	०४-		२९	५८	६	३१	६	३१	२९	५८	५	२९	५	२८
२४	मं	५	०७	०६	४५	५८	४६	०	२७		२९	५६	६	३१	६	३०	२९	५५	५	२९	५	२७
२५	बु	५	०८	०५	३१	५८	४८	०	५१		२९	५३	६	३२	६	२९	२९	५२	५	२९	५	२६
२६	गु	५	०९	०४	१९	५८	५०	१	१४		२९	५०	६	३२	६	२८	२९	४९	५	३०	५	२५
२७	शु	५	१०	०३	०९	५८	५२	१	३७		२९	४८	६	३२	६	२७	२९	४५	५	३०	५	२४
२८	श	५	११	०२	०१	५८	५४	२	०१		२९	४५	६	३२	६	२६	२९	४२	५	३०	५	२३
२९	र	५	१२	००	५५	५८	५६	२	२४		२९	४३	६	३२	६	२५	२९	३९	५	३०	५	२२
३०	चं	५	१२	५९	५१	५८	५८	२	४७		२९	४०	६	३३	६	२४	२९	३६	५	३१	५	२१
१	मं	५	१३	५८	४९	५९	००	३	११		२९	३७	६	३३	६	२४	२९	३३	५	३१	५	२०
२	बु	५	१४	५७	४९	५९	०२	३	३४		२९	३५	६	३३	६	२३	२९	२९	५	३१	५	१९
३	गु	५	१५	५६	५१	५९	०४	३	५७		२९	३२	६	३३	६	२२	२९	२६	५	३२	५	१८
४	शु	५	१६	५५	५५	५९	०६	४	२०		२९	२९	६	३३.	६	२१	२९	२३	५	३२	५	१७

आश्विन मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा- ॥प्रजावृद्धिस्तुभार्गवे॥ कृष्णा एकादशी को सोमवार होने से गाय भैंस महँगी हों । शु. प्रतिपदा को शनिवार होने से धान्यादि भाव में मंदी हो । पूर्णिमा शुक्रवार और रेवती युक्त होने से शुभ फल दायिनी है । गुरुवार की सक्रांति होने से सभी पीत वर्ण वाली वस्तुओं के भाव तेज हों, धान्यादि भाव मंदे हों, अन्नोत्पत्ति उत्तम हो, प्रजा सात्विक कर्म अधिक करें । चित्रा में बुध होने से वर्षा कम हो, गणिका,·शिल्पी, और विप्र वर्ग पीड़ित हो ।

अयनांशाः २४।०२।०६
२५ पं. आ.कृ. ९ श. इष्टघटी ४५।४८
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	३	६	२	६	६	६	५
११	२५	०५	२३	२६	१५	१५	११
४६	५३	०६	५९	०९	५२	११	१०
५२	१५	२१	५२	११	४०	२१	११
५८	३६	७८	६	६७	६	३	५८
५५	४८	३८	५६	४१	२३	११	५८
ह	श्ले	चि	पुन	वि	स्वा	स्वा	ह
१	३	४	२	२	३	३	१



७ रा

आश्विन शुक्लपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, ५ अक्टूबर से १८ अक्टूबर तक नवलगढ																									चंद्रः		तारीख		
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै.	टा.	भा.	मु.	इं.
१	श	५६	२१	२९	००	हस्त	२३	०७	१५	४३	ऐ	४३	५६	२४	०२	किं	२७	४४	१७	३४	२९ ०९	६ २८	६ ०८	तुला.	२७।३१	१३	२८	५
२	र	५२	५४	२७	३८	चित्रा	२१	५४	१५	१४	वै	३८	२९	२१	५२	बा	२४	४३	१६	२२	०५	२८	०७	तुला.		१४	२९	६
३	सो	४८	४३	२५	५८	स्वा	१९	५२	१४	२६	वि	३२	२६	१९	२७	तै	२०	५२	१४	५०	०१	२९	०५	तुला.		१५	१	७
४	मं	४३	५९	२४	०५	विशा	१७	११	१३	२२	प्री	२५	५२	१६	५०	व	१६	२३	१३	०३	२८ ५७	३०	०४	वृश्चि.	७।३९	१६	२	८
५	बु	३८	५०	२२	०२	अनु	१४	०३	१२	०७	आ	१८	५८	१४	०५	ब	११	२६	११	०४	५३	३०	०३	वृश्चि.		१७	३	९
६	गु	३३	२४	१९	५२	ज्ये	१०	३४	१०	४४	सौ	११	४६	११	१३	कौ	६	०८	८	५८	४९	३१	०२	धनु.	१०।४४	१८	४	१०
७	शु	२७	५१	१७	४०	मूल	६	५३	९	१६	शो	४ ५७	२५ ०२	८ २९	१७ २०	ग	०	३७	६	४६	४५	३१	०१	धनु.		१९	५	११
८	श	२२	१६	१५	२६	पूषा	३ ५९	०७ २१	७ ३०	४७ ११	सु	४९	४०	२६	२४	ब	२२	१६	१५	२६	४१	३२	००	मक.	१३।२४	२०	६	१२
९	र	१६	४९	१३	१६	श्रव	५६	०२	२८	५७	धृ	४२	२९	२३	३२	कौ	१६	४९	१३	१६	३७	३२	५ ५९	मक.		२१	७	१३
१०	सो	११	४०	११	१३	धनि	५३	०१	२७	४५	शू	३५	३५	२०	४७	ग	११	४०	११	१३	३३	३३	५८	कुंभे	१६।२०	२२	८	१४
११	मं	६	५८	९	२१	शत	५०	३४	२६	४७	गं	२९	०६	१८	१२	वि	६	५८	९	२१	२९	३३	५७	कुंभे		२३	९	१५
१२	बु	२	५६	७	४४	पूभा	४८	५४	२६	०८	वृ	२३	१३	१५	५१	बा	२	५६	७	४४	२५	३४	५६	मीने	२०।१६	२४	१०	१६
१३	बु	५९	४३	३०	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०
१४	गु	५७	३०	२९	३५	उभा	४८	११	२५	५१	ध्रु	१८	०१	१३	४७	ग	२८	२८	१७	५८	२१	३५	५५	मीने		२५	११	१७
१५	शु	५६	२५	२९	०९	रेव	४८	३५	२६	०१	व्या	१३	४०	१२	०३	वि	२६	४८	१७	१८	१७	३५	५४	मेषे	२६।०१	२६	१२	१८

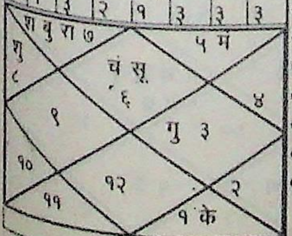
शरदृतु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ९१३, अक्टूबर २०१३

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

५ नवरात्रारम्भः, घटस्था. अग्रसेन जयंती , मातामह श्रा., सिंहे F
६ चंद्रदर्शनम् (मु.१५), स्वा.-४ शनिः ७।२०
७ जिल्हेज १२ [F मघा. भौम. १८।२१, अनु. शुक्रः १०।२०
८ भ. १३।०३ उ. २४।०५ या. [C शनेरस्तः पश्चि. ११।४५
९ उपांग ललिता व्र. [J बुधः २८।३५
१० चित्रा. रविः १८।१० [D अवतार, चित्रा. सौरः ८।३८, विशा. J
११ भं. १७।४० उ. २८।३३ या., सरस्वती आवाहनं मूलभे, भद्रकाली D
१२ महाष्टमी, सरस्वती पूजनं पू.षाभे, शस्त्रादि पूजा, बलिदानं उ.षाभे
१३ मन्वादि, बोद्धावतार, विजया १०, शमीपूजा, पट्टाभिषेक, सरस्वती E
१४ भ. २२।१५ उ.,पंचकप्रारम्भः १६।२०, पातस्पर्शः १५।४८,मोक्षः २१।२१
१५ भ. ९।२१ या., पापांकुशा ११ व्र. [E विसर्जनं श्रवणे
१६ प्रदोषः, कार्तिके द्विदलं त्यजेत् [H २५।५०), ज्येष्ठा. शुक्रः १४।१०
० [B आश्वयुजी कर्म (आश्वलायन शाखा), कार्तिक स्नान प्रा., C
१७ भ. २९।३५ उ., आकाश दीपारंभः, तुलायां रविः ११।४३ (सौरः H
१८ भ. १७।१८ या., पंचक समाप्तिः २६।०१, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, A
[A शरद् पूर्णिमा, कोजागरी व्र., बंगीय लक्ष्मी पूजा, नवान्न भक्षण, B

अयनांशाः २४।०२।०७
२६ पं. आ.शु. १ श. इष्टघटी ४५।३९
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	४	६	२	७	६	६	५
१८	००	१३	२४	०४	१६	१४	१८
४०	०९	४६	४५	००	३८	४९	०३
०४	४२	३२	११	०६	१०	०५	४८
५९	३६	६७	५	६६	६	३	५९
१०	२४	१९	५१	४१	३९	११	१५
ह	म	स्वा	पुन	अनु	स्वा	स्वा	ह
३	१	३	२	१	३	३	३



अक्टुबर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्वई रेलवे-टाईम						कलकता रेलवे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
५	श	५	१७	५५	०२	५९	०८	४	४४	२९	२७	६	३४	६	२०	२९	२०	५	३२	५	१६
६	र	५	१८	५४	१०	५९	१०	५	०७	२९	२४	६	३४	६	१९	२९	१७	५	३३	५	१५
७	चं	५	१९	५३	२०	५९	१२	५	३०	२९	२१	६	३४	६	१९	२९	१३	५	३३	५	१५
८	मं	५	२०	५२	३२	५९	१४	५	५२	२९	१९	६	३४	६	१८	२९	१०	५	३३	५	१४
९	बु	५	२१	५१	४७	५९	१६	६	१५	२९	१६	६	३५	६	१७	२९	०७	५	३४	५	१३
१०	गु	५	२२	५१	०३	५९	१८	६	३८	२९	१४	६	३५	६	१६	२९	०४	५	३४	५	१२
११	शु	५	२३	५०	२२	५९	२१	७	०१	२९	११	६	३५	६	१५	२९	०१	५	३५	५	११
१२	श	५	२४	४९	४२	५९	२३	७	२३	२९	०८	६	३५	६	१५	२८	५८	५	३५	५	१०
१३	र	५	२५	४९	०५	५९	२५	७	४६	२९	०६	६	३६	६	१४	२८	५५	५	३५	५	०९
१४	चं	५	२६	४८	२९	५९	२७	८	०८	२९	०३	६	३६	६	१३	२८	५१	५	३६	५	०८
१५	मं	५	२७	४७	५६	५९	२९	८	३०	२९	०१	६	३६	६	१२	२८	४८	५	३६	५	०७
१६	बु	५	२८	४७	२५	५९	३१	८	५३	२८	५८	६	३६	६	१२	२८	४५	५	३७	५	०७
१७	गु	५	२९	४६	५६	५९	३३	९	१५	२८	५५	६	३७	६	११	२८	४२	५	३७	५	०६
१८	शु	६	००	४६	२८	५९	३५	९	३६	२८	५३	६	३७	६	१०	२८	३९	५	३७	५	०५

संक्रांति फलम्

ता. १७ अक्टूबर २०१३

आश्वि. शु. १४ गुरौ तुलायामर्कः प्र. (स्टै.) टा. ११।४३ वारात् ४-नक्षत्रात् ४ वारनाम नंदा गणकान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स पूर्वे राहु उत्तरे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो ऐशान्यां शुक्रोदयः पश्चिमायाम् । पुण्यकालः बुधे (स्टै.) २९।४३ से गुरौ १७।४३ तक । (दान- तिल गोरस) ।

अयनांशाः २४।०२।०८
२७ पं. आ.शु. ८ श. इष्टघटी ४५।३०
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
५	४	६	२	७	६	६	५
२५	०४	२०	२५	११	१७	१४	२४
३४	२३	४१	२२	४३	२५	२६	५९
५५	१८	५३	४१	२०	२३	५०	११
५९	३५	४६	४	६५	६	३	५९
२४	५९	०६	४१	२६	५२	११	३१
चि	म	वि	पुन	अनु	स्वा	स्वा	चि
१	२	१	२	३	४	३	१



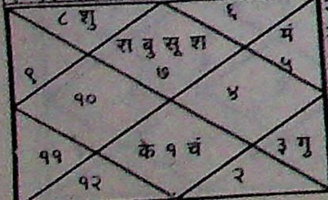
कार्तिक वृष्णपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, १९ अक्टूबर से ३ नवंबर तक नवलगढ — शरदृत्तू रविर्दक्षिणे आश्विनकृष्णेति महा., अक्टूबर-नवंबर २०१३

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्रः स्टे. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	
१	श	५६	३७	२९	१५	अश्वि	५०	११	२६	४०	ह	१०	१४	१०	४१	बा	२६	२१	१७	०८	२८/१३	६/३६	५/५३	मेषे	२७	१३	१९	[B विशा.-१ शनिः २२।१४
२	र	५८	११	२९	५३	भर	५३	०६	२७	५१	व	७	५०	९	४४	तै	२७	१४	१७	३०	१०	३६	५२	मेषे	२८	१४	२०	[A जयंती, यमायदीपदानं, गोत्रिरात्र व्र., नवंबर ११ ता. ३०
३	सो	...	...	...	...	कृति	५७	२१	२९	३३	सि	६	२८	९	१२	व	२९	२८	१८	२४	०६	३७	५१	वृषे १०।१३	२९	१५	२१	भ. १८।२४ उ., बुधास्तः पश्चिमायाम् २५।०४, वक्री बुधः २२।३३
३	मं	१	०७	७	०४	रोहि	...	...	...	...	व्य	६	०९	९	०५	वि	१	०७	७	०४	०२	३८	५०	वृषे	३०	१६	२२	भ. ७।०४ या.. करवा ४ चन्द्रोदयः २०।२५, दशरथ ललिता व्र.
४	बु	५	२३	८	४७	रोहि	२	५१	७	४७	व	६	५०	९	२२	बा	५	२३	८	४७	२७/५८	३८	४९	मिथु. २१।०३	१	१७	२३	भा. कार्तिकारंभः, स्वा. रविः २८।४०, सायन वृश्चिके भानुः ११।४३
५	गु	१०	४६	१०	५७	मृग	९	२७	१०	२६	प	८	२०	९	५९	तै	१०	४६	१०	५७	५४	३९	४८	मिथु.	२	१८	२४	स्कन्द षष्ठी, स्वा. सौरः १८।२० D [D
६	शु	१६	५४	१३	२५	आर्द्रा	१६	४६	१३	२२	शि	१०	२५	१०	४९	व	१६	५४	१३	२५	५०	३९	४८	मिथु.	३	१९	२५	भ. १३।२५ उ. २६।४२ या.
७	श	२३	१४	१५	५८	पुन	२४	१६	१६	२३	सि	१२	४२	११	४५	ब	२३	१४	१५	५८	४७	४०	४७	कर्के ९।३८	४	२०	२६	होई (अहोरी) ८
८	र	२९	०८	१८	२०	पुष्य	३१	२१	१९	१३	सा	१४	४३	१२	३४	कौ	२९	०८	१८	२०	४३	४१	४६	कर्के	५	२१	२७	पातस्पर्शः १२।२४, मोक्षः १९।५४, पूफा. भौंमः २७।१५
९	सो	३४	०१	२०	१८	श्ले	३७	२६	२१	४०	शु	१६	०३	१३	०६	तै	१	४४	७	२३	३९	४१	४५	सिंहे २१।४०	६	२२	२८	[C राहुः २५।१३, अश्वि.-४ केतुः २५।१३
१०	मं	३७	२४	२१	३९	मघा	४२	०४	२३	३२	शु	१६	२०	१३	१४	व	५	५५	९	०४	३६	४२	४४	सिंहे	७	२३	२९	भ. ९।०४ उ. २१।३९ या., (व) स्वा. बुधः १०।२९
११	बु	३९	०३	२२	२०	पूफा	४५	०१	२४	४३	ब्र	१५	२०	१२	५१	ब	८	२६	१०	०५	३२	४३	४३	सिंहे	८	२४	३०	रमा ११ व्र., धनुषि मूले शुक्रः ७।३०
१२	गु	३८	५३	२२	१७	उफा	४६	१२	२५	१२	ऐ	१२	५७	११	५४	कौ	९	११	१०	२४	२८	४३	४३	कन्या ६।५४	९	२५	३१	गोवत्स द्वादशी
१३	शु	३७	००	२१	३२	हस्त	४५	४५	२५	०२	वै	९	११	१०	२४	ग	८	०८	९	५९	२५	४४	४२	कन्या	१०	२६	१	भ. २१।३२ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र., धनतेरस, धन्वन्तरी A
१४	श	३३	३५	२०	११	चित्रा	४३	४८	२४	१६	वि	४/५७	०७/५७	८/२१	२३/५५	वि	५	२७	८	५६	२१	४५	४१	तुला. १२।४३	११	२७	२	भ. ८।५६ या., दीपदानं, रुप (नरक) १४, प्रभात स्नानं, स्वा.-२ C
३०	र	२८	५२	१८	१८	स्वा	४०	३७	२३	००	आ	५०	४७	२७	०४	च	१	२१	७	१८	१८	४५	४१	तुला.	१२	२८	३	देवपितृकार्येऽमा., महालक्ष्मी पूजा, कुबेर पू., बलीपूजा, B

अयनांशाः २४।०२।०९
२८ पं. का.कृ. १ श. इष्टघटी ४५।२०
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

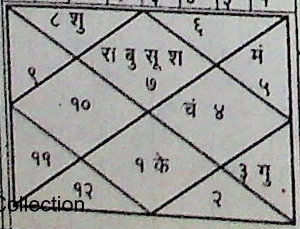
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	४	६	२	७	६	६	६
०२	०८	२४	२५	१९	१८	१४	०१
३१	३३	१९	५१	१६	१३	०४	५६
२७	५४	२९	४९	५४	५६	३५	४२
५९	३५	६	३	६३	७	३	५९
३८	३२	५०	२७	५२	०१	११	४७
चि	म	चि	पुन	ज्ये	स्वा	स्वा	वि
३	३	२	२	१	४	३	३



अक्टुबर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१९ श	६	०१	४६	०३	५९	३७	९	५८	२८	५०	६	३७	६	१०	२८	३६	५	३८	५	०४
२० र	६	०२	४५	४०	५९	३९	१०	२०	२८	४८	६	३८	६	०९	२८	३३	५	३८	५	०३
२१ चं	६	०३	४५	११	५९	४१	१०	४१	२८	४५	६	३८	६	०८	२८	३०	५	३९	५	०३
२२ मं	६	०४	४५	००	५९	४३	११	०३	२८	४३	६	३८	६	०८	२८	२७	५	३९	५	०२
२३ बु	६	०५	४४	४३	५९	४५	११	२४	२८	४०	६	३९	६	०७	२८	२४	५	४०	५	०१
२४ गु	६	०६	४४	२७	५९	४७	११	४५	२८	३८	६	३९	६	०६	२८	२१	५	४०	५	००
२५ शु	६	०७	४४	१४	५९	४९	१२	०५	२८	३५	६	४०	६	०६	२८	१८	५	४१	५	००
२६ श	६	०८	४४	०३	५९	५१	१२	२६	२८	३३	६	४०	६	०५	२८	१५	५	४१	४	५९
२७ र	६	०९	४३	५४	५९	५३	१२	४६	२८	३१	६	४०	६	०५	२८	१२	५	४१	४	५८
२८ चं	६	१०	४३	४७	५९	५५	१३	०७	२८	२८	६	४१	६	०४	२८	०९	५	४२	४	५८
२९ मं	६	११	४३	४१	५९	५७	१३	२७	२८	२६	६	४१	६	०३	२८	०६	५	४२	४	५७
३० बु	६	१२	४३	३८	५९	५९	१३	४६	२८	२३	६	४२	६	०३	२८	०३	५	४३	४	५६
३१ गु	६	१३	४३	३७	६०	००	१४	०६	२८	२१	६	४२	६	०२	२८	००	५	४४	४	५६
१ शु	६	१४	४३	३७	६०	०२	१४	२५	२८	१९	६	४२	६	०२	२७	५८	५	४४	४	५५
२ श	६	१५	४३	३९	६०	०४	१४	४४	२८	१६	६	४३	६	०१	२७	५५	५	४५	४	५५
३ र	६	१६	४३	४४	६०	०६	१५	०३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

अयनांशाः २४।०२।१०
२९ पं. का.कृ. ७ श. इष्टघटी ४५।०९
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	४	६	२	७	६	६	६
०९	१२	२२	२६	२६	१९	१३	०८
२९	४१	१७	१२	३८	०३	४२	५५
३८	१६	२५	००	१३	२७	१९	५४
५९	३५	५१	२	६१	७	३	६०
५२	०३	२८	०८	५२	०८	११	०२
स्वा	म	वि	पुन	ज्ये	स्वा	स्वा	स्वा
१	४	१व	२	३	४	३	१



अयनांशाः २४।०२।११
३० पं. का.कृ.१४ श. इष्टघटी ४४।५७
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	४	६	२	८	६	६	६
१६	१६	१४	२६	०३	१९	१३	१५
२९	४५	१६	२२	४३	५३	२०	५६
२४	०५	५९	५०	५५	३४	०४	५१
६०	३४	७४	०	५९	७	३	६०
०६	३२	४५	४६	१७	११	११	१६
स्वा	पूफा	स्वा	पुन	मू	स्वा	स्वा	स्वा
३	२	३व	२	२	४	३	३



कार्तिक शुक्लपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, ४ नवंबर से १७ नवंबर तक नवलगढ चंद्रः

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.
१	सो	२३	०८	१६	०१	विशा	३६	२९	२१	२२	सौ	४२	५४	२३	५६	ब	२३	०८	१६	०१	२७ १४	६ ४६	५ ४०	वृश्चि. १५।४८	१३	२९	४
२	मं	१६	४०	१३	२७	अनु	३१	४३	१९	२८	शो	३४	३०	२०	३५	कौ	१६	४०	१३	२७	११	४७	३९	वृश्चि.	१४	३०	५
३	बु	९	४८	१०	४३	ज्ये	२६	३८	१७	२७	अ	२५	५३	१७	०९	ग	९	४८	१०	४३	०७	४८	३९	धनु. १७।२७	१५	१	६
४	गु	२	५०	७	५६	मूल	२१	३१	१५	२५	सु	१७	१३	१३	४२	वि	२	५०	७	५६	०४	४८	३८	धनु.	१६	२	७
५	गु	५६	०३	२९	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
६	शु	४९	४१	२६	४२	पूषा	१६	४०	१३	२९	धृ	८	४६	१०	१९	कौ	२२	४७	१५	५६	००	४९	३७	मक. १९।०२	१७	३	८
७	श	४३	५९	२४	२५	उषा	१२	२०	११	४६	शू	० ५३	४२ १४	७ २८	०७ ०७	ग	१६	४४	१३	३१	२६ ५७	५०	३७	मक.	१८	४	९
८	र	३९	०७	२२	२९	श्रव	८	४५	१०	२०	वृ	४६	२५	२५	२५	वि	११	२५	११	२४	५४	५१	३६	कुंभे २१।४६	१९	५	१०
९	सो	३५	१३	२०	५७	धनि	६	०३	९	१६	ध्रु	४०	२५	२३	०१	बा	७	०१	९	४०	५१	५१	३६	कुंभे	२०	६	११
१०	मं	३२	२४	१९	४९	शत	४	२२	८	३७	व्या	३५	१५	२०	५८	तै	३	३९	८	२०	४८	५२	३५	मीने २६।२४	२१	७	१२
११	बु	३०	४१	१९	०९	पूभा	३	४४	८	२३	ह	३०	५७	१९	१६	व	१	२३	७	२६	४४	५३	३५	मीने	२२	८	१३
१२	गु	३०	०५	१८	५६	उभा	४	१२	८	३४	व	२७	३१	१७	५४	ब	०	१४	६	५९	४१	५४	२४	मीने	२३	९	१४
१३	शु	३०	३४	१९	०८	रेव	५	४४	९	१२	सि	२४	५६	१६	५३	कौ	०	१०	६	५९	३८	५४	३४	मेषे ९।१२	२४	१०	१५
१४	श	३२	०५	१९	४५	अश्वि	८	१८	१०	१४	व्य	२३	१०	१६	११	ग	१	११	७	२३	३५	५५	३३	मेषे	२५	११	१६
१५	र	३४	४०	२०	४८	भर	११	५२	११	४१	व	२२	११	१५	४८	वि	३	१४	८	१४	३२	५६	३३	वृषे १८।०६	२६	१२	१७

हेमन्तर्तू रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ९४३, नवंबर २०१३

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

गोवर्धन पू., अन्नकूटं देशाचारे, गोक्रीडा, मार्गपाली बं., गुर्जराणां E
चंद्रदर्शनम् (मु.३०), भ्रातृ २, यम २, यमुना-स्नानं, कलम दवात पू.
भ. २१।२० उ., दूर्वागणपतिव्र., मोहोर्रम १.सन १४३५ हि.,विशा. G
भ. ७।५६ या., सौभाग्य ५, पाण्डव ५, वक्री गुरुः २०।१३
[G रविः १२।४७ (सौरः २५।२८), बुधोदयः पूर्वस्याम् २७।५५
पातस्पर्शः १०।२९, मोक्षः १९।३२ [E नूतन वर्षारंभः
भ. २४।२५ उ., कल्पादि [D रविः ११।२८, आकाशदीप समाप्तिः J
भ. ११।२४ या., पंचक प्रारम्भः २१।४६, गोपाष्टमी [J (सौरः २३।१९)
युगादि, कुष्माण्ड (अक्षय) ९, मार्गी बुधः १५।२९
पूषा. शुक्रः २६।३९ [C विवाह, चतुर्मास व्रतसमाप्तिः, भीष्मपंचक प्रा.
भ. ७।२६ उ. १९।०९ या., प्रबोधिनी ११ व्र., देवोत्थापनं, तुलसी C
मन्वादि, नेहरुजयन्ती (बालदिवस) [B कार्तिक स्नान पूर्तिः, O
पंचक समाप्तिः ९।१२, प्रदोषः, वैकुण्ठ १४ [O पद्मकयोगःपद्मकयोगः
भ. १९।४५ उ., रोटक व्रत समाप्तिः, कार्तिक व्रतोद्यापनं, वृश्चिके D
भ. ८।१४ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, त्रिपुरोत्सव, पुष्कर A
[A यात्रा, नानक जयंती, गोपद्मव्रत समाप्ति, भीष्म पंचक समाप्ति, B

अयनांशाः २४।०२।१२
३१ पं. का.शु. ७ श. इष्टघटी ४४।४५
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
६	४	६	२	८	६	६	६
२३	२०	०८	२६	१०	२०	१२	२२
३०	४५	२४	२३	२९	४३	५७	५९
४१	०३	२९	५९	२८	५३	४८	२७
६०	३३	७	०	५५	७	३	६०
१८	५७	०८	३८	५८	११	११	३०
वि	पूफा	स्वा	पुन	मू	चि	स्वा	वि
३	३	१व	२व	४	१	२	१



ता.	वा.	नवम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण अं.	क	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
४	चं	६	१७	४३	५०	६०	०८	१५	२२	२८	१२	६	४४	६	०१	२७	४९	५	४६	४	५३
५	मं	६	१८	४३	५७	६०	१०	१५	४०	२८	१०	६	४४	६	००	२७	४६	५	४६	४	५३
६	बु	६	१९	४४	०७	६०	१२	१५	५८	२८	०७	६	४५	६	००	२७	४४	५	४७	४	५२
७	गु	६	२०	४४	१९	६०	१३	१६	१६	२८	०५	६	४५	५	५९	२७	४१	५	४७	४	५२
८	शु	६	२१	४४	३२	६०	१५	१६	३४	२८	०३	६	४६	५	५९	२७	३९	५	४८	४	५१
९	श	६	२२	४४	४७	६०	१७	१६	५१	२८	०१	६	४६	५	५९	२७	३६	५	४९	४	५१
१०	र	६	२३	४५	०४	६०	१९	१७	०८	२७	५९	६	४७	५	५८	२७	३३	५	४९	४	५१
११	चं	६	२४	४५	२३	६०	२०	१७	२५	२७	५७	६	४७	५	५८	२७	३१	५	५०	४	५०
१२	मं	६	२५	४५	४३	६०	२२	१७	४१	२७	५५	६	४८	५	५८	२७	२८	५	५०	४	५०
१३	बु	६	२६	४६	०५	६०	२४	१७	५७	२७	५३	६	४८	५	५७	२७	२६	५	५१	४	४९
१४	गु	६	२७	४६	२८	६०	२५	१८	१३	२७	५१	६	४९	५	५७	२७	२४	५	५२	४	४९
१५	शु	६	२८	४६	५४	६०	२७	१८	२९	२७	४९	६	४९	५	५७	२७	२१	५	५२	४	४९
१६	श	६	२९	४७	२१	६०	२८	१८	४४	२७	४७	६	५०	५	५७	२७	१९	५	५३	४	४९
१७	र	७	००	४७	४९	६०	३०	१८	५९	२७	४५	६	५१	५	५७	२७	१७	५	५४	४	४८

संक्रांति फलम्

ता. १६ नवंबर २०१३

का. शु. १४ शनौ वृश्चिकेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. ११।२८ वारात् ३ नक्षत्रात् ४ वारनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं पाताले विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः भृगौ (स्टै.) २९।०४ से शनौ ११।२८ तक। (दान- दीप)।

अयनांशाः २४।०२।१२
३२ पं. का.शु.१४ श. इष्टघटी ४४।३१
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	४	६	२	८	६	६	७
००	२४	११	२६	१६	२१	१२	००
३३	४०	११	१५	४८	३४	३५	०३
२४	४५	१९	१९	५२	०३	३३	३३
६०	३३	५६	२	५१	७	३	६०
३०	१८	४४	०२	३७	०८	११	४२
वि	पूफा	स्वा	पुन	पूषा	वि	स्वा	वि
४	४	२	२व	२	१	२	४



मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, १८ नवंबर से २ दिसंबर तक नवलगढ																								चंद्रः	तारीख		
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.
१	सो	३८	१५	२२	१५	कृति	१६	२३	१३	३०	प	२५	५७	१५	४३	बा	६	१८	९	२८	२६ ३०	६ ५७	५ ३३	वृषे	२७	१३	१८
२	मं	४२	४६	२४	०४	रोहि	२१	५१	१५	४२	शि	२२	२७	१५	५६	तै	१०	२२	११	०६	२७	५७	३२	मिथु. २८।५६	२८	१४	१९
३	बु	४८	१०	२६	१४	मृग	२८	१०	१८	१४	सि	२३	३७	१६	२५	व	१५	२१	१३	०७	२४	५८	३२	मिथु.	२९	१५	२०
४	गु	५४	१६	२८	४१	आर्द्रा	३५	१३	२१	०४	सा	२५	२३	१७	०८	ब	२१	०८	१५	२६	२१	५९	३२	मिथु.	३०	१६	२१
५	शु	...	...	...	...	पुन	४२	४१	२४	०४	शु	२७	३०	१८	००	कौ	२७	२७	१७	५९	१९	७ ००	३१	कर्के १७।१९	१	१७	२२
५	श	०	४१	७	१७	पुष्य	५०	१०	२७	०५	शु	२९	४३	१८	५४	तै	०	४१	७	१७	१६	०१	३१	कर्के	२	१८	२३
६	र	६	५९	९	४९	श्ले	५७	०६	२९	५२	ब्र	३१	३८	१९	४१	व	६	५९	९	४९	१४	०१	३१	सिंहे २९।५२	३	१९	२४
७	सो	१२	३४	१२	०४	मघा	...	...	...	...	ऐ	३२	५३	२०	११	ब	१२	३४	१२	०४	११	०२	३१	सिंहे	४	२०	२५
८	मं	१६	५५	१३	४९	मघा	२	५७	८	१४	वै	३३	०४	२०	१७	कौ	१६	५५	१३	४९	०९	०३	३१	सिंहे	५	२१	२६
९	बु	१९	३५	१४	५४	पूफा	७	१८	९	५९	वि	३१	५६	१९	५०	ग	१९	३५	१४	५४	०७	०४	३०	कन्या १६।१९	६	२२	२७
१०	गु	२०	२०	१५	१३	उफा	९	५०	११	००	प्री	२९	१८	१८	४८	वि	२०	२०	१५	१३	०५	०४	३०	कन्या	७	२३	२८
११	शु	१९	०५	१४	४३	हस्त	१०	२६	११	१५	आ	२५	०६	१७	०८	बा	१९	०५	१४	४३	०३	०५	३०	तुला. २३।०६	८	२४	२९
१२	श	१५	५३	१३	२७	चित्रा	९	०६	१०	४५	सौ	१९	२२	१४	५१	तै	१५	५३	१३	२७	०१	०६	३०	तुला.	९	२५	३०
१३	र	१०	५५	११	२९	स्वा	६	०२	९	३२	शो	१२	१५	१२	०१	व	१०	५५	११	२९	२५ ५९	०७	३०	वृश्चि. २६।१३	१०	२६	१
१४	सो	४	२९	८	५५	विशा	१ ५५	२८ ४६	७ २९	४३ २६	अ	३ ५४	५७ ४४	८ २९	४२ ०१	श	४	२९	८	५५	५७	०८	३०	वृश्चि.	११	२७	२
३०	सो	५६	५६	२९	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे कार्तिककृष्णेति महा., नवंबर-दिसंबर २०१३

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

[B ज्येष्ठा. रविः २३।०४
अनु. रविः १८।४८ (सौरः ३०।२२)
भ. १३।०७ उ. २६।१४ या., सौभाग्य सुंदरी व्र., उफा. C
चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २०।४६
भा. मार्गशीर्षारंभः, सायन धनुषि भानुः ९।१८
[C भौमः १५।०२, शनेरुदयः पूर्वस्याम् २३।५४
भ. ९।४९ उ. २२।५९ या., विशा. बुधः १२।२७
कालभैरवाष्टमी
कन्यायां भौमः १८।००
भ. २७।०९ उ.
भ. १५।१३ या.
उत्पत्ति ११ व्र., वैतरणी व्र., उषा. शुक्रः १६।२५
प्रदोषः [A ता. ३१, वृश्चिके बुधः १०।२३, विशा.-२ शनिः २७।५४
भ. ११।२९ उ. २२।१६ या., मासिकशिवरात्री व्र., दिसंबर १२ A
देवपितृकार्येऽमा., सोमवती अमा., गौरीतपोव्र., महाव्रतारंभः, B

अयनांशाः २४।०२।१३
३३ पं. मा.कृ. ५ श. इष्टघटी ४४।१८
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	४	६	२	८	६	६	७
०७	२८	१९	२५	२२	२२	१२	०७
३७	३१	२०	५६	३३	२३	१३	०९
२४	४२	००	५९	५६	३८	१७	०२
६०	३२	८२	३	४५	७	३	६०
४०	३४	०१	२४	५४	०१	११	५३
अनु	उफा	स्वा	पुन	पूफा	वि	स्वा	अनु
२	१	४	२व	३	१	२	२



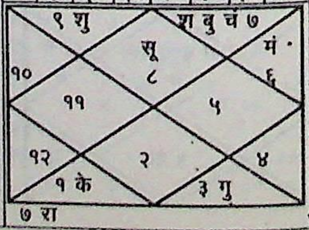
नवम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेलवे-टाईम						कलकता रेलवे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१८ चं	७	०१	४८	१९	६०	३२	१९	१३	२७	४३	६	५१	५	५६	२७	१४	५	५४	४	४८
१९ मं	७	०२	४८	५१	६०	३३	१९	२७	२७	४१	६	५२	५	५६	२७	१२	५	५५	४	४८
२० बु	७	०३	४९	२४	६०	३५	१९	४१	२७	४०	६	५२	५	५६	२७	१०	५	५६	४	४८
२१ गु	७	०४	४९	५९	६०	३६	१९	५४	२७	३८	६	५३	५	५६	२७	०८	५	५६	४	४७
२२ शु	७	०५	५०	३५	६०	३८	२०	०७	२७	३६	६	५३	५	५६	२७	०६	५	५७	४	४७
२३ श	७	०६	५१	१३	६०	३९	२०	२०	२७	३५	६	५४	५	५६	२७	०४	५	५८	४	४७
२४ र	७	०७	५१	५२	६०	४०	२०	३२	२७	३३	६	५५	५	५६	२७	०२	५	५८	४	४७
२५ चं	७	०८	५२	३२	६०	४२	२०	४४	२७	३२	६	५५	५	५६	२७	००	५	५९	४	४७
२६ मं	७	०९	५३	१४	६०	४३	२०	५६	२७	३०	६	५६	५	५६	२६	५८	६	००	४	४७
२७ बु	७	१०	५३	५७	६०	४४	२१	०७	२७	२९	६	५६	५	५६	२६	५७	६	००	४	४७
२८ गु	७	११	५४	४२	६०	४६	२१	१८	२७	२७	६	५७	५	५६	२६	५५	६	०१	४	४७
२९ शु	७	१२	५५	२८	६०	४७	२१	२८	२७	२६	६	५८	५	५६	२६	५३	६	०२	४	४७
३० श	७	१३	५६	१५	६०	४८	२१	३८	२७	२५	६	५८	५	५६	२६	५२	६	०२	४	४७
१ र	७	१४	५७	०३	६०	४९	२१	४८	२७	२३	६	५९	५	५६	२६	५०	६	०३	४	४७
२ चं	७	१५	५७	५२	६०	५१	२१	५७	२७	२२	७	००	५	५६	२६	४९	६	०४	४	४७

मार्गशीर्ष मास फलम्

इस माह में पांच सोमवार होने से धान्य सरता हो, पांच मंगलवार होने से किसी बड़े व्यक्ति का अभाव हो। पूर्णिमा मृगशिरा युक्त होने से महर्घता हो। रविवार की सक्रांति होने से कहीं कहीं युद्ध हो, राजविग्रह हो, सूर्य बहुत तपे, रोगोत्पत्ति हो, धान्यादि महँगे हों। उत्तरा फाल्गुनी पर मंगल होने से वर्षा के अवरोध से चौपायों में पीड़ा हो, घोड़ों का मूल्य बढे। तुला का शनि उदय होने से पृथ्वीश संधि करे वर्षा नहीं हो। विशाखा में बुध होने से सुमिक्ष हो। कहीं कहीं व्याधि भय और दुर्भिक्ष भी हो।

अयनांशाः २४।०२।१४
३४ पं. मा.कृ.१२ श. इष्टघटी ४४।०४
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

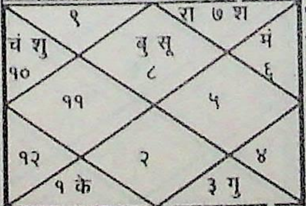
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	५	६	२	८	६	६	७
१४	०२	२९	२५	२७	२३	११	१४
४२	१७	२३	२९	३३	१२	५१	१५
३३	१९	४८	२१	३७	१५	०२	४२
६०	३१	९०	४	३८	६	३	६१
४९	४६	०९	४०	१८	५१	११	०३
अनु	उफा	वि	पुन	उषा	वि	स्वा	अनु
४	२	३	२व	१	१	२	४



मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, ३ दिसंबर से १७ दिसंबर तकनवलगढ																								चंद्रः	तारीख			हेमन्तर्त्तु रविर्दक्षिणे ऽहर्गणः ९७२, दिसंबर २०१३
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	मं	४८	३५	२६	३४	ज्ये	४९	१६	२६	५१	धृ	४४	५२	२५	०५	किं	२२	४८	१६	१६	२५/५५	७/०८	५/३०	धनु. २६।५१	१२	२८	३	ज्येष्ठा. सौरः ९।२७, अनु. बुधः १५।१८
२	बु	३९	५४	२३	०७	मूल	४२	२६	२४	०७	शू	३४	४१	२१	०२	बा	१४	१४	१२	५१	५३	०९	३०	धनु.	१३	२९	४	चंद्रदर्शनम् (मु.३०), मकरे शुक्रः २५।३५
३	गु	३१	१७	१९	४०	पूषा	३५	४२	२१	२६	गं	२४	३२	१६	५९	तै	५	३२	९	२३	५२	१०	३०	मक. २६।४८	१४	१	५	भ. ३०।०२ उ., रंभास्येयं, सफर २
४	शु	२३	१०	१६	२६	उषा	२९	२९	१८	५८	वृ	१४	४४	१३	०४	वि	२३	१०	१६	२६	५०	११	३१	मक.	१५	२	६	भ. १६।२६ या.
५	श	१५	५५	१३	३३	श्रव	२४	११	१६	५२	ध्रु	५/५७	३६/२६	९/३०	२६/१०	बा	१५	५५	१३	३३	४९	११	३१	कुंभे २७।५९	१६	३	७	पंचक प्रारम्भः २७।५९, नागपंचमी, स्कंदषष्ठी
६	र	९	५४	११	०९	धनि	२०	०८	१५	१५	ह	५०	२२	२७	२१	[illegible]	९	५४	११	०९	४७	१२	३१	कुंभे	१७	४	८	बुधास्तः पूर्वस्याम् १८।१०
७	सो	५	१८	९	२०	शत	१७	३२	१४	१३	व	४४	३२	२५	०१	वै	५	१८	९	२०	४६	१३	३१	कुंभे	१८	५	९	भ. ९।२० उ. २०।३९ या.
८	मं	२	१९	८	०९	पूभा	१६	३२	१३	५०	सि	४०	००	२३	१३	ब	२	१९	८	०९	४५	१३	३१	मीने ७।५२	१९	६	१०	कल्पादि
९	बु	०	५९	७	३८	उभा	१७	०६	१४	०४	व्य	३६	४२	२१	५५	कौ	०	५९	७	३८	४४	१४	३२	मीने	२०	७	११	ज्येष्ठा. बुधः ३१।०४
१०	गु	१	१२	७	४३	रेव	१९	०९	१४	५४	व	३४	३३	२१	०४	ग	१	१२	७	४३	४३	१५	३२	मेषे १४।५४	२१	८	१२	भ. १९।५९ उ., पंचक समाप्तिः १४।५४
११	शु	२	४९	८	२३	अश्वि	२२	३०	१६	१५	प	३३	२३	२०	३६	वि	२	४९	८	२३	४२	१५	३२	मेषे	२२	९	१३	भ. ८।२३ या., मोक्षदा ११ व्र., गीता जयंती
१२	श	५	३७	९	३१	भर	२६	५५	१८	०२	शि	३३	०१	२०	२८	बा	५	३७	९	३१	४१	१६	३२	वृषे २४।३२	२३	१०	१४	प्रदोषः, अनंग त्रयोदशी व्र.
१३	र	९	२४	११	०२	कृति	३२	१२	२०	०९	सि	३३	२१	२०	३७	तै	९	२४	११	०२	४१	१७	३३	वृषे	२४	११	१५	पिशाच मोचन श्राद्धं, धनुषि मूले रविः २६।०३, हस्ते भौमः २५।०७
१४	सो	१३	५९	१२	५३	रोहि	३८	११	२२	३४	सा	३४	१२	२०	५८	व	१३	५९	१२	५३	४०	१७	३३	वृषे	२५	१२	१६	भ. १२।५३ उ. २५।५४ या., श्री दत्त जयंती, पूर्णिमा व्रतं, धनुषि A
१५	मं	१९	१२	१४	५८	मृग	४४	४३	२५	११	शु	३५	२९	२१	२९	ब	१९	१२	१४	५८	४०	१८	३४	मिथु. ११।५१	२६	१३	१७	पूर्णिमा पुण्यं, द्वात्रिंशी (बत्तीसी) पूर्णिमा [A मूले सौरः ११।१३

अयनांशाः २४।०२।१५
३५ पं. मा.शु. ५ श. इष्टघटी ४३।५१
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	५	७	२	९	६	६	७
२१	०५	१०	२४	०१	२३	११	२१
४८	५६	०४	५३	३३	५९	२८	२३
४१	५६	०२	१०	०१	३१	४७	२४
६०	३०	९२	५	२८	६	३	६१
५७	५०	३८	४९	१३	३७	११	१०
ज्ये	उफा	अनु	पुन	उषा	वि	स्वा	ज्ये
२	३	३	२व	२	२	२	२



दिसम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम						रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम						कलकता रेल्वे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
३	मं	७	१६	५८	४३	६०	५२	२२	०६	२७	२१	७	००	५	५७	२६	४७	६	०४	४	४७
४	बु	७	१७	५९	३५	६०	५३	२२	१४	२७	२०	७	०१	५	५७	२६	४६	६	०५	४	४७
५	गु	७	१९	००	२८	६०	५४	२२	२२	२७	१९	७	०१	५	५७	२६	४५	६	०६	४	४८
६	शु	७	२०	०१	२२	६०	५५	२२	२९	२७	१८	७	०२	५	५७	२६	४३	६	०६	४	४८
७	श	७	२१	०२	१७	६०	५६	२२	३६	२७	१७	७	०३	५	५७	२६	४२	६	०७	४	४८
८	र	७	२२	०३	१३	६०	५७	२२	४३	२७	१६	७	०३	५	५८	२६	४१	६	०८	४	४८
९	चं	७	२३	०४	१०	६०	५८	२२	४९	२७	१५	७	०४	५	५८	२६	४०	६	०८	४	४८
१०	मं	७	२४	०५	०७	६०	५९	२२	५४	२७	१५	७	०४	५	५८	२६	३९	६	०९	४	४९
११	बु	७	२५	०६	०६	६१	००	२३	००	२७	१४	७	०५	५	५९	२६	३९	६	१०	४	४९
१२	गु	७	२६	०७	०६	६१	०१	२३	०४	२७	१३	७	०६	५	५९	२६	३८	६	१०	४	४९
१३	शु	७	२७	०८	०६	६१	०१	२३	०९	२७	१३	७	०६	५	५९	२६	३७	६	११	४	५०
१४	श	७	२८	०९	०८	६१	०२	२३	१३	२७	१२	७	०७	६	००	२६	३७	६	११	४	५०
१५	र	७	२९	१०	१०	६१	०३	२३	१६	२७	१२	७	०७	६	००	२६	३६	६	१२	४	५०
१६	चं	८	००	११	१३	६१	०४	२३	१९	२७	११	७	०८	६	०१	२६	३६	६	१३	४	५१
१७	मं	८	०१	१२	१६	६१	०४	२३	२१	२७	११	७	०९	६	०१	२६	३५	६	१३	४	५१

संक्रांति फलम्

ता. १५ दिसंबर २०१३

मार्ग. शु. १३ रवौ धनुष्यर्कः प्र. (स्टै.) टा. २६।०३ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम घोरा शूद्रान् सुखदा नक्षत्रनाम नंदा गणकान् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः वणिजकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं महिषवाहनं उष्ट्रोपवाहनं क्लेशकारक श्यामवस्त्रं तोमरायुधं खप्परपात्रं दधिभक्षणं अलक्तकलेपनं मृगजातिः अर्कपत्रपुष्पं मणीभूषणं पाण्डुकंचुकी प्रगल्भावस्था (बैठी) मु. ४५ धान्यभावे समर्घ वत्स दक्षिणे राहु पूर्वे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो वायव्याम् शुक्रोदयः पश्चिमायाम्। पुण्यकालः (स्टै.) २६।०३ से चंद्रे ८।२७ तक। (दान- वस्त्र)।

अयनांशाः २४।०२।१६
३६ पं. मा.शु.१२ श. इष्टघटी ४३।३९
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
७	५	७	२	९	६	६	७
२८	०९	२०	२४	०४	२४	११	२८
५५	२९	५५	०९	१३	४५	०६	३१
३६	४५	००	३०	०१	०२	३१	५५
६१	२९	९३	६	१५	६	३	६१
०३	४७	२१	४६	०६	२०	११	१६
ज्ये	उफा	ज्ये	पुन	उषा	वि	स्वा	ज्ये
४	४	२	२व	३	२	२	४



पोष कृष्णपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, १८ दिसंबर से १ जनवरी तक नवलगढ चंद्रः																									तारीख			हेमन्तर्त्तू रविर्दक्षिणे मार्गशीर्षकृष्णेति महा.,दिसं.२०१३-जन. २०१४
ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	बु	२४	५७	१७	१७	आर्द्रा	५१	४३	२८	००	शु	३७	१०	२२	१०	कौ	२४	५७	१७	१७	२५ ३९	७ १८	५ ३४	मिथु.	२७	१४	१८	
२	गु	३१	०६	१९	४५	पुन	५९	०३	३०	५६	ब्र	३९	०७	२२	५८	ग	३१	०६	१९	४५	३९	१९	३४	कर्के २४।१९	२८	१५	१९	
३	शु	३७	२९	२२	१९	पुष्य	...	...	...	...	ऐ	४१	१४	२३	४९	व	४	१५	९	०१	३९	१९	३५	कर्के	२९	१६	२०	भ. ९।०१ उ. २२।१९ या., धनुषि मूले बुधः २०।२९
४	श	४३	५०	२४	५२	पुष्य	६	२९	९	५६	वै	४३	१८	२४	३९	ब	१०	४१	११	३६	३९	२०	३५	कर्के	३०	१७	२१	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।१३, सायन मकरे भानुः, सायन A
५	र	४९	४८	२७	१५	श्ले	१३	४६	१२	५१	वि	४५	०४	२५	२२	कौ	१६	५३	१४	०६	३९	२०	३६	सिंहे १२।५१	१	१८	२२	भा. पोषारंभः, वक्री शुक्रः १३।५९, अयन करिदिन
६	सो	५४	५३	२९	१८	मघा	२०	२८	१५	३२	प्री	४६	१३	२५	५०	ग	२२	२७	१६	२०	३९	२१	३६	सिंहे	२	१९	२३	भ. [illegible]।१८ उ.
७	मं	५८	३८	३०	४९	पूफा	२६	०८	१७	४९	आ	४६	२६	२५	५६	वि	२६	५६	१८	०८	३९	२१	३७	कन्या २४।१८	३	२०	२४	भ. पैट।०८ या.
८	बु	...	...	...	...	उफा	३०	२२	१९	३१	सौ	४५	२४	२५	३१	बा	२९	५२	१९	१९	३९	२२	३८	कन्या	४	२१	२५	बडादिन
८	गु	०	४१	७	३९	हस्त	३२	५०	२०	३०	शो	४२	५६	२४	३३	कौ	०	४१	७	३९	४०	२२	३८	कन्या	५	२२	२६	
९	शु	०	४७	७	४१	चित्रा	३३	१९	२०	४२	अ	३८	५१	२२	५५	ग	०	४७	७	४१	४०	२३	३९	तुला. ८।४२	६	२३	२७	भ. १९।२४ उ. ३०।५५ या.
१०	शु	५८	५०	३०	५५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A उत्तरायण प्रारम्भ २२।३६, (व) पुन.-१ गुरुः २३।२५
११	श	५४	४९	२९	१९	स्वा	३१	४७	२०	०६	सु	३३	११	२०	३९	व	२७	०४	१८	१३	४१	२३	३९	तुला.	७	२४	२८	सफला ११ व्र.स्मार्त, पूषा. रविः २८।१४, पूषा. बुधः ३०।५५
१२	र	४८	५७	२६	५८	विशा	२८	२०	१८	४३	धृ	२५	५६	१७	४६	कौ	२२	०६	१६	१४	४१	२३	४०	वृश्चि. १३।०८	८	२५	२९	सफला ११ व्र.वैष्ण., सुरुप द्वादशी १२, पूषा. सौरः १२।१४
१३	सो	४१	२९	२३	५९	अनु	२३	१२	१६	४०	शू	१७	१९	१४	१९	ग	१५	२३	१३	३३	४२	२४	४१	वृश्चि.	९	२६	३०	भ. २३।५९ उ., प्रदोषः, मासिकशिवरात्री व्र.
१४	मं	३२	५१	२०	३२	ज्ये	१६	४३	१४	०५	गं	७ ५०	३४ ००	१० ३०	२५ १२	वि	७	१७	१०	१९	४३	२४	४१	धनु. १४।०५	१०	२७	३१	भ. १०।१९ या.
३०	बु	२३	२५	१६	४६	मूल	९	२०	११	०८	धृ	४५	५९	२५	४८	ना	२३	२५	१६	४६	४४	२४	४२	धनु.	११	२८	१	देवपितृकार्येऽमा., कुहूः, जनवरी १ ता. ३१ सन २०१४ ई.

अयनांशाः २४।०२।१७
३७ पं. पौ.क. ४ श. इष्टघटी ४३।२९
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	५	८	२	९	६	६	८
०६	१२	०१	२३	०५	२५	१०	०५
०३	५४	५०	१९	११	२८	४४	४१
०८	४७	४१	४८	३७	२३	१६	०३
६१	२८	९४	७	१	६	३	६१
०७	३६	१४	३०	०६	००	११	२०
मू	ह	मू	पुन	उषा	वि	स्वा	मू
२	१	१	१व	३व	२	२	२



दिसम्बर रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१८ बु	८	०२	१३	२०	६१	०५	२३	२३	२७	११	७	०९	६	०१	२६	३५	६	१४	४	५२
१९ गु	८	०३	१४	२४	६१	०५	२३	२५	२७	११	७	१०	६	०२	२६	३५	६	१४	४	५२
२० शु	८	०४	१५	३०	६१	०६	२३	२६	२७	११	७	१०	६	०२	२६	३४	६	१५	४	५३
२१ श	८	०५	१६	३६	६१	०६	२३	२६	२७	११	७	११	६	०३	२६	३४	६	१५	४	५३
२२ र	८	०६	१७	४३	६१	०७	२३	२६	२७	११	७	११	६	०३	२६	३४	६	१६	४	५४
२३ चं	८	०७	१८	५०	६१	०७	२३	२६	२७	११	७	१२	६	०४	२६	३४	६	१६	४	५४
२४ मं	८	०८	१९	५७	६१	०८	२३	२५	२७	११	७	१२	६	०४	२६	३५	६	१७	४	५५
२५ बु	८	०९	२१	०५	६१	०८	२३	२४	२७	११	७	१३	६	०५	२६	३५	६	१७	४	५५
२६ गु	८	१०	२२	१३	६१	०८	२३	२२	२७	११	७	१३	६	०५	२६	३५	६	१८	४	५६
२७ शु	८	११	२३	२१	६१	०९	२३	२०	२७	१२	७	१३	६	०६	२६	३६	६	१८	४	५६
२८ श	८	१२	२४	३०	६१	०९	२३	१७	२७	१२	७	१४	६	०७	२६	३६	६	१८	४	५७
२९ र	८	१३	२५	३९	६१	०९	२३	१४	२७	१२	७	१४	६	०७	२६	३७	६	१९	४	५७
३० चं	८	१४	२६	४८	६१	०९	२३	१०	२७	१३	७	१५	६	०८	२६	३७	६	१९	४	५८
३१ मं	८	१५	२७	५७	६१	१०	२३	०६	२७	१३	७	१५	६	०८	२६	३८	६	२०	४	५९
१ बु	८	१६	२९	०७	६१	१०	२३	०१	२७	१४	७	१५	६	०९	२६	३९	६	२०	४	५९

पौष मास फलम्

इस माह में पांच बुधवार होने से रसवाली वस्तुओं का अभाव हो यथा- ॥बुधेरसक्षयोंभूम्याम्॥ पांच गुरुवार होने से धान्य सस्ता हो यथा ॥चन्द्रजीवौ यदापंचधान्यादीनां समर्घता॥ मास के प्रथम दिन में बुधवार होने से अन्न की महँगाई हो। कृष्णा दशमी का क्षय होने से घी की विशेष महँगाई हो। बुधवारी अमावस और मूल योग दुर्भिक्ष कारक है। मास की शुक्ला.तृतीया का क्षय होने से मूंग घी महंगें हों। शुक्ला ४ शनिवार होने से बीमारी बढे। शुक्ला एकादशी को कृत्तिका होने से लाल वस्तुओं तथा धान्य के भावों में तेजी हो। शुक्ला चतुर्दशी की वृद्धि होने से सुभिक्ष हो। पूर्णिमा पुनर्वसु युक्त होने से महर्घता हो।

अयनांशाः २४।०२।१८
३८ पं. पौ.कृ.११ श. इष्टघटी ४३।२२
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	५	८	२	९	६	६	८
१३	१६	१२	२२	०४	२६	१०	१२
११	१०	५५	२५	१०	०९	२२	५०
०४	५४	१६	४७	४९	११	००	३४
६१	२७	९६	७	१८	५	३	६१
०९	१३	०५	५७	४४	३६	११	२३
मू	ह	मू	पुन	उषा	वि	स्वा	मू
४	२	४	१व	३व	२	२	४



पोष शुक्लपक्ष संवत २०७०, शाकः १९३५, २ जनवरी से १६ जनवरी तक नवलगढ

शिशिरर्त्तु रविरुत्तरे ऽहर्गणः १००२, जनवरी २०१४

इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	चंद्र स्टै. टा.	तारीख भा.	मु.	इं.	
१	गु	१३	४१	१२	५३	पूषा	१ ५३	३९ ४७	८ २८	०१ ५५	व्या	३४	५५	२१	२३	ब	१३	४१	१२	५३	२५ ४५	७ २५	५ ४३	मक. १३।१४	१२	२९	२	चंद्रदर्शनम् (मु.४५)
२	शु	४	१०	९	०५	श्रव	४६	३८	२६	०४	ह	२४	१०	१७	०५	कौ	४	१०	९	०५	४६	२५	४३	मक.	१३	१	३	रविलावल ३, विशा.-३ शनिः १५।०४ [G मकरे बुधः १२।[illegible]
३	शु	५५	२१	२९	३३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A शांकभरी यात्रा, पंचक समाप्तिः २०।४४, महाभद्रा, G
४	श	४७	३८	२६	२८	धनि	४०	३३	२३	३८	व	१४	०८	१३	०४	व	२१	१९	१५	५६	४८	२५	४४	कुंभे १२।४७	१४	२	४	भ. १५।५६ उ. २६।२८ या., पंचक प्रारम्भः १२।४७, स्वा.-१ D
५	र	४१	२७	२४	००	शत	३५	५६	२१	४८	सि	५ ५७	०९ ३१	९ ३०	२९ २६	ब	१४	१९	१३	०९	४९	२५	४५	कुंभे	१५	३	५	[C चित्रा. भौमः २३।३०, श्रव. बुधः १२।०६
६	सो	३७	०७	२२	१६	पूभा	३३	०६	२०	४०	व	५१	२३	२७	५८	कौ	९	०३	११	०२	५१	२५	४६	मीने १४।५२	१६	४	६	उषा. बुधः ११।५४, (व) धनुषि शुक्रः २८।०१
७	मं	३४	४६	२१	२०	उभा	३२	१२	२०	१८	प	४६	४९	२६	०९	ग	५	४१	९	४२	५२	२५	४६	मीने	१७	५	७	भ. २१।२० उ. [D राहुः २२।५३, अश्वि.-३ केतुः २२।५३
८	बु	३४	२६	२१	१२	रेव	३३	१७	२०	४४	शि	४३	५०	२४	५७	वि	४	२१	९	१०	५४	२६	४७	मेषे २०।४४	१८	६	८	भ. ९।१० या., [शुक्रास्तः पश्चिमायाम् १५।३८] A — **शुक्रास्तः**
९	गु	३६	००	२१	४९	अश्वि	३६	११	२१	५४	सि	४२	१५	२४	२०	बा	४	५९	९	२५	५५	२६	४८	मेषे	१९	७	९	[B आर्द्रा.-४ गुरुः २७।४७, सक्रान्ति करिदिन
१०	शु	३९	१०	२३	०६	भर	४०	३८	२३	४१	सा	४१	५२	२४	११	तै	७	२३	१०	२३	५७	२६	४९	वृषे ३०।१२	२०	८	१०	उषा. रविः ३०।११ [E सौरः १३।०३
११	श	४३	३७	२४	५३	कृति	४६	१७	२५	५७	शु	४२	२७	२४	२५	व	११	१६	११	५६	५९	२६	४९	वृषे	२१	९	११	भ. ११।५६ उ. २४।५३ या., पुत्रदा ११ व्र., मन्वादि, उषा. E
१२	र	४८	५७	२७	०१	रोहि	५२	४७	२८	३३	शु	४३	४२	२४	५५	ब	१६	१२	१३	५५	२६ ०१	२६	५०	वृषे	२२	१०	१२	(व) पूषा. शुक्रः १२।४२ — **शुक्रोदयः**
१३	सो	५४	५३	२९	२३	मृग	५९	४८	३१	२१	ब्र	४५	२३	२५	३५	कौ	२१	५२	१६	११	०३	२६	५१	मिथु. १७।५६	२३	११	१३	प्रदोषः, [शुक्रोदयः पूर्वस्याम् २२।५५]
१४	मं	...	...	...	...	आर्द्रा	...	...	...	...	ऐ	४७	१९	२६	२१	ग	२७	५७	१८	३७	०५	२६	५२	मिथु.	२४	१२	१४	मकरे रविः १२।४२ (सौरः १९।१७), निरयन उत्तरायनारंभः, C
१४	बु	१	०४	७	५१	आर्द्रा	७	०४	१०	१५	वै	४९	१९	२७	०९	व	१	०४	७	५१	०७	२६	५३	कर्के ३०।२७	२५	१३	१५	भ. ७।५१ उ. २१।०६ या., पूर्णिमा व्रतं, शाकंभरी जयंती, (व) B
१५	गु	७	२२	१०	२२	पुन	१४	२४	१३	११	वि	५१	२०	२७	५७	ब	७	२२	१०	२२	१०	२५	५३	कर्के	२६	१४	१६	पूर्णिमा पुण्यं, माघ स्नानारंभः, बुधोदयः पश्चिमायाम् २८।४९

अयनांशाः २४।०२।१९
३९ पं. पौ.शु. ४ श. इष्टघटी ४३।१७
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	५	८	२	९	६	६	८
२०	१९	२४	२१	०१	२६	०९	२०
१९	१६	१५	२९	१२	४७	५९	००
१०	४६	२०	१४	४०	२१	४५	१५
६१	२५	९८	८	३३	५	३	६१
१०	३७	३६	०७	१०	०९	११	२३
पूषा	ह	पूषा	पुन	उषा	वि	स्वा	पूषा
३	३	४	१व	२व	३	१	३



जनवरी ता.	वा.	रविस्पष्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
२	गु	८	१७	३०	१६	६१	१०	२२	५६	२७	१५	७	१६	६	१०	२६	४०	६	२०	५	००
३	शु	८	१८	३१	२६	६१	१०	२२	५१	२७	१६	७	१६	६	१०	२६	४०	६	२०	५	०१
४	श	८	१९	३२	३६	६१	१०	२२	४५	२७	१६	७	१६	६	११	२६	४१	६	२१	५	०१
५	र	८	२०	३३	४५	६१	१०	२२	३८	२७	१७	७	१७	६	११	२६	४२	६	२१	५	०२
६	चं	८	२१	३४	५५	६१	१०	२२	३१	२७	१८	७	१७	६	१२	२६	४४	६	२१	५	०३
७	मं	८	२२	३६	०५	६१	०९	२२	२४	२७	१९	७	१७	६	१३	२६	४५	६	२१	५	०३
८	बु	८	२३	३७	१४	६१	०९	२२	१६	२७	२०	७	१७	६	१३	२६	४६	६	२२	५	०४
९	गु	८	२४	३८	२३	६१	०९	२२	०८	२७	२१	७	१८	६	१४	२६	४७	६	२२	५	०५
१०	शु	८	२५	३९	३२	६१	०९	२२	००	२७	२२	७	१८	६	१५	२६	४९	६	२२	५	०५
११	श	८	२६	४०	४१	६१	०९	२१	५१	२७	२४	७	१८	६	१५	२६	५०	६	२२	५	०६
१२	र	८	२७	४१	४९	६१	०८	२१	४१	२७	२५	७	१८	६	१६	२६	५२	६	२२	५	०७
१३	चं	८	२८	४२	५८	६१	०८	२१	३१	२७	२६	७	१८	६	१७	२६	५३	६	२२	५	०८
१४	मं	८	२९	४४	०५	६१	०७	२१	२१	२७	२८	७	१८	६	१७	२६	५५	६	२२	५	०८
१५	बु	९	००	४५	१३	६१	०७	२१	१०	२७	२९	७	१८	६	१८	२६	५७	६	२२	५	०९
१६	गु	९	०१	४६	२०	६१	०६	२०	५९	२७	३०	७	१८	६	१९	२६	५९	६	२२	५	१०

संक्रांति फलम्

ता. १४ जनवरी २०१४

पौष शु. १४ भौमे मकरेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. १२।४२ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम महोदरी चोरान् सुखदा नक्षत्रनाम राक्षसी चाण्डालान् सुखदा मध्यान्ह २ प्रहर व्यापिनी द्विजान् हन्ति, पश्चिमे गमनं वायव्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. १५ धान्यभावे महर्घता वत्स दक्षिणे गहु पूर्वे मूलं स्वर्गे विवाहस्तंभो वायव्यान् शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १२।४२ से २८।४२ तक। (दान- काष्ट - अन्न)

अयनांशाः २४।०२।१९
४० दं. पौ.शु.११ श. इष्टघटी ४३।१५
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
८	५	९	२	८	६	६	८
२७	२२	०५	२०	२६	२७	०९	२७
२७	१०	५१	३२	५८	२१	३७	०९
१५	४५	४१	३८	५७	५३	३०	५२
६१	२३	१००	७	३८	४	३	६१
०८	४७	२१	५९	०१	३९	११	२१
उषा	ह	उषा	पुन	उषा	वि	स्वा	उषा
१	४	३	१व	१व	३	१	१

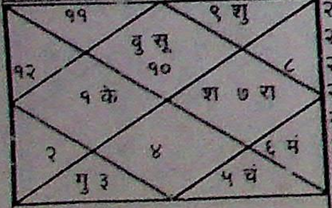


माघ कृष्णपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, १७ जनवरी से ३० जनवरी तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | शिशिरर्तू रविरुत्तरे पोषकृष्णेति महा., जनवरी २०१४

ति.	वा.	घ.	प.	...	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	शु	१३	३५	१२	५१	पुष्य	२१	४०	१६	०५	प्री	५३	१४	२८	४३	कौ	१३	३५	१२	५१	२६ १२	७ २५	५ ५४	कर्क	२७	१५	१७	[A सुन्दरी व्र. संकट हरगणपति व्र., गौरी चतुर्थी
२	श	१९	३८	१५	१६	श्ले	२८	४५	१८	५५	आ	५४	५४	२९	२३	ग	१९	३८	१५	१६	१५	२५	५५	सिंहे १८।५५	२८	१६	१८	भ. २८।२५ उ.
३	र	२५	०८	१७	३२	मघा	३५	२७	२१	३६	सौ	५६	१४	२९	५४	वि	२५	१८	१७	३२	१७	२५	५६	सिंहे	२९	१७	१९	भ. १७।३२ या., तिलकुटी ४ चन्द्रोदयः २०।५२, सौभाग्य A
४	सो	३०	२०	१९	३३	पूफा	४१	३१	२४	०१	शो	५६	५९	३०	१२	बा	३०	२०	१९	३३	२०	२५	५७	कन्या ३०।३४	३०	१८	२०	अभि.प्र.रविः२५।४९, सायन कुंभे भानुः '११
५	मं	३४	२८	२१	१२	उफा	४६	३८	२६	०४	अ	५६	५६	३०	११	कौ	२	३२	८	२६	२२	२५	५७	कन्या	१	१९	२१	भा. माघारंभः, अभि.प्र. सौरः ७।५२
६	बु	३७	२०	२२	२०	हस्त	५०	३१	२७	३७	सु	५५	५२	२९	४५	ग	६	०४	९	५०	२५	२४	५८	कन्या	२	२०	२२	भ. २२।२० उ., धनि. बुधः १४।१४
७	गु	३८	३७	२२	५१	चित्रा	५२	४९	२८	३२	धृ	५३	३२	२८	४९	वि	८	११	१०	४१	२८	२४	५९	तुला. १६।०९	३	२१	२३	भ. १०।४१ या., स्वामी विवेकानन्द जयंती, नेताजी ७.गन्ती
८	शु	३८	०७	२२	३८	स्वा	५३	२१	२८	४४	शू	४९	४७	२७	१८	बा	८	३६	१०	५०	३१	२४	६ ००	तुला.	४	२२	२४	श्रव. रविः ८।२७ (सौरः १४।१४), अभि.नि. रविः २९।२५
९	श	३५	४०	२१	३९	विशा	५१	५९	२८	११	गं	४४	३०	२५	११	तै	७	०८	१०	१५	३३	२३	०१	वृश्चि. २२।२४	५	२३	२५	अभि.नि. सौरः ११।०८
१०	र	३१	१७	१९	५४	अनु	४८	४६	२६	५३	वृ	३७	४३	२२	२८	व	३	४४	८	५२	३६	२३	०२	वृश्चि.	६	२४	२६	भ. ८।५२ उ. १९।५४ या., गणराज्यदिवस, पातस्पर्शः १२।३०, B
११	सो	२५	०९	१७	२६	ज्ये	४३	५१	२४	५५	ध्रु	२९	३१	१९	११	बा	२५	०९	१७	२६	३९	२३	०२	धनु. २४।५५	७	२५	२७	षट्तिला ११ व्र.
१२	मं	१७	२९	१४	२२	मूल	३७	३३	२२	२३	व्या	२०	०७	१५	२५	तै	१७	२९	१४	२२	४२	२२	०३	धनु.	८	२६	२८	प्रदोषः, तिल द्वादशी
१३	बु	८	४२	१०	५१	पूषा	३०	१७	१९	२८	ह	९ ५८	४८ ५४	११ ३०	१७ ५५	व	८	४२	१०	५१	४६	२२	०४	मक. २४।४२	९	२७	२९	भ. १०।५१ उ. २०।५७ या., मासिकशिवरात्री व्र.
१४	बु	५९	११	३१	०२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B मोक्षः २८।३८, कुंभे बुधः २३।३१
३०	गु	४९	२९	२७	०९	उषा	२२	३१	१६	२२	सि	४७	५०	२६	२९	च	२४	२९	१७	०६	४९	२१	०५	मक.	१०	२८	३०	देवपितृकार्येऽमा., मौनी ३०, युगादि

अयनांशाः २४।०२।२०
४१ पं. मा.कृ. २ श. इष्टघटी ४३।१६
(रेल्वे घ. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	५	९	२	८	६	६	९
०४	२४	१७	१९	२२	२७	०९	०४
३५	५०	३२	३७	४८	५२	१५	१९
०४	५६	३०	५४	४८	४६	१४	१२
६१	२१	९८	७	३०	४	३	६१
०५	३८	४५	३३	३२	०५	११	१८
उषा	चि	श्र	आ	पूषा	वि	स्वा	उषा
३	१	३	४व	३व	३	१	३



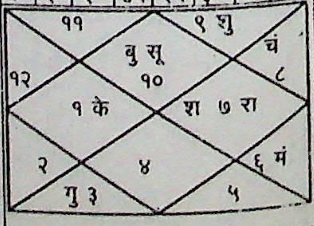
जनवरी रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम					रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेलवे-टाईम						कलकता रेलवे-टाईम					
									दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता. वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१७ शु	९	०२	४७	२६	६१	०६	२०	४७	२७	३२	७	१८	६	१९	२७	००	६	२२	५	१०
१८ श	९	०३	४८	३२	६१	०५	२०	३५	२७	३४	७	१८	६	२०	२७	०२	६	२२	५	११
१९ र	९	०४	४९	३८	६१	०५	२०	२३	२७	३५	७	१८	६	२०	२७	०४	६	२२	५	१२
२० चं	९	०५	५०	४२	६१	०४	२०	१०	२७	३७	७	१८	६	२१	२७	०६	६	२२	५	१२
२१ मं	९	०६	५१	४७	६१	०४	१९	५७	२७	३९	७	१८	६	२२	२७	०८	६	२२	५	१३
२२ बु	९	०७	५२	५०	६१	०३	१९	४४	२७	४०	७	१८	६	२२	२७	१०	६	२२	५	१४
२३ गु	९	०८	५३	५३	६१	०२	१९	३०	२७	४२	७	१८	६	२३	२७	१३	६	२१	५	१५
२४ शु	९	०९	५४	५६	६१	०२	१९	१६	२७	४४	७	१८	६	२४	२७	१५	६	२१	५	१५
२५ श	९	१०	५५	५७	६१	०१	१९	०१	२७	४६	७	१८	६	२४	२७	१७	६	२१	५	१६
२६ र	९	११	५६	५८	६१	००	१८	४६	२७	४८	७	१८	६	२५	२७	१९	६	२१	५	१७
२७ चं	९	१२	५७	५७	६०	५९	१८	३१	२७	५०	७	१८	६	२५	२७	२२	६	२१	५	१७
२८ मं	९	१३	५८	५६	६०	५८	१८	१६	२७	५२	७	१७	६	२६	२७	२४	६	२०	५	१८
२९ बु	९	१४	५९	५४	६०	५७	१८	००	२७	५४	७	१७	६	२७	२७	२७	६	२०	५	१९
३० गु	९	१६	००	५२	६०	५६	१७	४४	२७	५६	७	१७	६	२७	२७	२९	६	२०	५	१९

माघ मास फलम्

इस माह में पांच शुक्रवार होने से प्रजा की वृद्धि हो यथा- ॥प्रजावृद्धिस्तु मार्गवे॥ अमावस उत्तराषाढा योग नेष्ट, गुरुवारी अमावस होने से सदा वृष्टि तथा सुभिक्ष हो कल्याण हों दुःख का नाश हो । आरोग्य रहे और प्रजा स्वस्थ हो । माघ शुक्ला प्रतिपदा को शुक्रवार होने से सुभिक्ष हो । माघी शुक्ला सप्तमी को भरणी होने से धान्योत्पत्ति उत्तम हो । पूर्णिमा आश्लेषा युक्त होने से महर्घता हो । बुधवार की सक्रांति होने से रस कस घृत महँगे हों, वस्त्रादि और रुई भाव मंदे हों, प्रजा में भय हो, चतुर्मास में वर्षा कम हो ।

अयनांशाः २४।०२।२१
४२ पं. मा.कृ. ९ श. इष्टघटी ४३।२१
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	५	९	२	८	६	६	९
११	२७	२८	१८	१९	२८	०८	११
४२	१५	३७	४७	५९	१९	५२	२८
२५	०४	४६	०३	३६	३८	५९	०१
६१	१९	८६	६	१४	३	३	६१
००	०८	५५	५१	४६	३०	११	१२
श्र	चि	ध	आ	पूषा	वि	स्वा	श्र
१	२	२	४व	२व	३	१	१

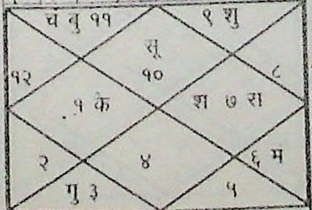


माघ शुक्लपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, ३१ जनवरी से १४ फरवरी तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | शिशिरर्तू रविरुत्तरे ऽहर्गणः १०३१, जनवरी-फरवरी २०१४

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	आ.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	शु	४०	०४	२३	२२	श्रव	१४	४७	१३	१५	व्य	३७	००	२२	०९	किं	१४	४३	१३	१४	२६ ५२	७ २१	६ ०६	कुंभे २३।४६	११	२९	३१	पंचक प्रारम्भः २३।४६, श्री वल्लभ जयंती
२	श	३१	२५	१९	५४	धनि	७	३४	१०	२२	व	२६	४७	१८	०३	बा	५	३८	९	३५	५५	२०	०६	कुंभे	१२	३०	१	चंद्रदर्शनम् (मु.१५), फरवरी २ ता. २८, शत. बुधः ११।५१, C
३	र	२४	००	१६	५६	शत	१ ५६	२३ ३९	७ २९	५३ ५९	प	१७	३३	१४	२१	ग	२४	००	१६	५६	५८	२०	०७	मीने २४।२४	१३	१	२	भ. २७।४१ उ., वरद (कुंद) ४, तिल चतुर्थी, रविलास्वर ४
४	सो	१८	१३	१४	३६	उभा	५३	४४	२८	४९	शि	९	३५	११	०९	वि	१८	१३	१४	३६	२७ ०२	१९	०८	मीने	१४	२	३	भ. १४।३६ या.
५	मं	१४	२१	१३	०३	रेव	५२	५१	२८	२७	सि	३ ५८	१० २२	८ ३०	३४ ३९	बा	१४	२१	१३	०३	०५	१९	०९	मेषे २८।२७	१५	३	४	पंचक समाप्तिः २८।२७, वसन्त पञ्चमी, तुलायां भौमः १२।२९
६	बु	१२	३७	१२	२१	अश्वि	५४	०३	२८	५५	शु	५५	१६	२९	२४	तै	१२	३७	१२	२१	०९	१८	०९	मेषे	१६	४	५	[C मार्गी शुक्रः २०।११
७	गु	१३	००	१२	३०	भर	५७	१४	३०	११	शु	५३	४४	२८	४७	व	१३	००	१२	३०	१२	१७	१०	मेषे	१७	५	६	भ. १२।३० उ. २४।५२ या., मन्वादि, भीष्माष्टमी, पुत्र ७, रथ ७, A
८	शु	१५	२४	१३	२६	कृति	…	…	…	…	ब्र	५३	३७	२८	४३	ब	१५	२४	१३	२६	१६	१७	११	वृषे १२।३७	१८	६	७	वक्री बुधः १४।४१
९	श	१९	२९	१५	०४	कृति	२	११	८	०९	ऐ	५४	३५	२९	०६	कौ	१९	२९	१५	०४	१९	१६	१२	वृषे	१९	७	८	[A अचला ७, पातस्पर्शः १७।४५, मोक्षः २६।३९, धनि. B
१०	र	२४	५२	१७	१२	रोहि	८	२६	१०	३८	वै	५६	१८	२९	४७	ग	२४	५२	१७	१२	२३	१५	१३	मिथु. २४।०१	२०	८	९	भ. ३०।२४ उ. [B रविः ११।३४ (सौरः १६।२०)
११	सो	३१	०१	१९	३९	मृग	१५	३३	१३	२८	वि	५८	२७	३०	३७	वि	३१	०१	१९	३९	२६	१५	१३	मिथु.	२१	९	१०	भ. १९।३९ या., जया ११ व्र., बुधास्तः पश्चिमायाम् १८।२५
१२	मं	३७	२९	२२	१४	आर्द्रा	२३	०४	१६	२८	प्री	…	…	…	…	ब	४	१५	८	५६	३०	१४	१४	मिथु.	२२	१०	११	भीष्मद्वादशी
१३	बु	४३	५२	२४	४६	पुन	३०	३५	१९	२७	प्री	०	४४	७	३१	कौ	१०	४४	११	३१	३४	१३	१५	कर्के १२।४३	२३	११	१२	प्रदोषः, कल्पादि, कुंभे रविः २५।३६ (सौरः २९।५५), (व) धनि. D
१४	गु	४९	५६	२७	११	पुष्य	३७	४९	२२	२०	आ	२	५०	८	२१	ग	१६	५८	१४	००	३७	१३	१५	कर्के	२४	१२	१३	भ. २७।११ उ. [D बुधः १६।१५
१५	शु	५५	२९	२९	२३	श्ले	४४	३६	२५	०२	सौ	४	३९	९	०३	वि	२२	४७	१६	१९	४१	१२	१६	सिंहे २५।०२	२५	१३	१४	भ. १६।१९ या., पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, माघ स्नान पूर्तिः

अयनांशाः २४।०२।२२
४३ प. मा.शु. २ श. इष्टघटी ४३।२८
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	५	१०	२	८	६	६	९
१८	२९	०७	१८	१९	२८	०८	१८
४९	२०	०९	०१	०९	४२	३०	३६
०६	३०	१९	५०	४५	११	४३	०६
६०	१६	४७	५	२	२	३	६१
५३	१३	०८	५४	५६	५१	११	०५
श्र	चि	श	आ	पूफा	चि	स्वा	श्र
३	२	१	४व	२	३	१	३



ता. वा	जनवरी रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गते क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण अं.	क.	मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
३१ शु	९	१७	०१	४८	६०	५५	१७	२७	२७	५८	७	१७	६	२८	२७	३२	६	१९	५	२०
१ श	९	१८	०२	४३	६०	५४	१७	१०	२८	००	७	१६	६	२८	२७	३४	६	१९	५	२१
२ र	९	१९	०३	३७	६०	५३	१६	५३	२८	०२	७	१६	६	२९	२७	३७	६	१९	५	२१
३ चं	९	२०	०४	३०	६०	५२	१६	३६	२८	०४	७	१६	६	२९	२७	३९	६	१८	५	२२
४ मं	९	२१	०५	२२	६०	५१	१६	१८	२८	०६	७	१५	६	३०	२७	४२	६	१८	५	२३
५ बु	९	२२	०६	१३	६०	५०	१६	००	२८	०८	७	१५	६	३०	२७	४५	६	१७	५	२३
६ गु	९	२३	०७	०३	६०	४८	१५	४२	२८	११	७	१५	६	३१	२७	४८	६	१७	५	२४
७ शु	९	२४	०७	५१	६०	४७	१५	२३	२८	१३	७	१४	६	३२	२७	५०	६	१६	५	२४
८ श	९	२५	०८	३८	६०	४६	१५	०४	२८	१५	७	१४	६	३२	२७	५३	६	१६	५	२५
९ र	९	२६	०९	२४	६०	४५	१४	४५	२८	१८	७	१३	६	३३	२७	५६	६	१५	५	२६
१० चं	९	२७	१०	०९	६०	४३	१४	२६	२८	२०	७	१३	६	३३	२७	५९	६	१५	५	२६
११ मं	९	२८	१०	५३	६०	४२	१४	०६	२८	२२	७	१३	६	३३	२८	०२	६	[illegible]	५	२७
१२ बु	९	२९	११	३५	६०	४१	१३	४६	२८	२५	७	१२	६	३४	२८	०४	६	१४	५	२७
१३ गु	१०	००	१२	१५	६०	३९	१३	२६	२८	२७	७	१२	६	३४	२८	०७	६	१३	५	२८
१४ शु	१०	०१	१२	५५	६०	३८	१३	०६	२८	३०	७	११	६	३५	२८	१०	६	१२	५	२९

संक्रांति फलम्

ता. १२ फरवरी २०१४
माघ शु. १३ बुधे कुंभेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २५।३६ वारात् २ नक्षत्रात् ३ वारनाम मंदाकिनी नृपतीन् सुखदा नक्षत्रनाम ध्वांक्षी वैश्यान् सुखदा अपर रात्रि ३ प्रहर व्यापिनी नटान् हन्ति, पूर्वे गमनमाग्नेयां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः बिल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं पाताले विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम्। पुण्यकालः (स्टै.) १९।१२ से २५।३६ तक। (दान- गोड़ - अन्न)

अयनांशाः २४।०२।२३
४४ पं. मा.शु. ९ श. इष्टघटी ४३।३९
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	म.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
९	६	१०	२	८	६	६	९
२५	०१	०९	१७	२०	२९	०८	२५
५४	०४	०६	२३	१८	००	०८	४३
५५	१०	०८	४५	५६	१०	२८	१५
६०	१२	२७	४	१८	२	३	६०
४५	५०	००	४७	३५	११	११	५६
ध	चि	श	आ	पूफा	वि	स्वा	ध
१	३	१व	४व	३	३	१	१



फाल्गुन कृष्णपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, १५ फरवरी से १ मार्च तक नवलगढ चंद्रः

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	शिशिरर्त्तु रविरुत्तरे माघकृष्णेति महा., फरवरी-मार्च २०१४ — इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	श	...	...	...	...	मघा	५०	५०	२७	३१	शो	६	०५	९	३७	बा	२८	०२	१८	२४	२७ ४५	७ ११	६ १७	सिंहे	२६	१४	१५	
१	रं	०	२८	७	२१	पूफा	५६	२६	२९	४४	अ	७	०४	१०	००	कौ	०	२८	७	२१	४९	१०	१८	सिंहे	२७	१५	१६	
२	सो	४	०२	९	०२	उफा	...	...	...	...	सु	७	३१	१०	१०	ग	४	४२	९	०२	५३	०९	१८	कन्या १२।१५	२८	१६	१७	भ. २११४६ उ.
३	मं	८	११	१०	२५	उफा	१	१९	७	४०	धृ	७	२३	१०	०६	वि	८	११	१०	२५	५६	०८	१९	कन्या	२९	१७	१८	भ. १०।२५ या., अंगारकी चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २१।२६, सायन A
४	बु	१०	४१	११	२४	हस्त	५	१६	९	१४	शू	६	३२	९	४४	बा	१०	४१	११	२४	२८ ००	०८	२०	तुला. २११५२	३०	१८	१९	पातस्पर्श २६।४३, शत. रविः १६।०२ (सौरः १९।५५)
५	गु	१२	०३	११	८	चित्रा	८	०२	१०	२२	गं	४	५०	९	०३	तै	१२	०३	११	५६	०४	०७	२०	तुला.	१	१९	२०	भा. फाल्गुनारंभ., पातमोक्षः ९।२२, (व) आर्द्रा.-३ गुरुः ८।५९
६	शु	१२	०६	११	५६	स्वा	९	४६	११	००	वृ	२ ५८	०६ १४	७ ३०	५६ २२	व	१२	०६	११	५६	०८	०६	२१	वृश्चि. २९।०६	२	२०	२१	भ. ११।५६ उ. २३।४४ या., उषा. शुक्रः २७।१२
७	श	१०	४१	११	२१	विशा	९	५८	११	०४	व्या	५३	११	२८	२५	ब	१०	४१	११	२१	१२	०५	२२	वृश्चि.	३	२१	२२	बुधोदयः पूर्वस्याम् ७।२६
८	र	७	४१	१०	०८	अनु	८	३७	१०	३१	ह	४६	५२	२५	४९	कौ	७	४१	१०	०८	१६	०४	२२	वृश्चि.	४	२२	२३	
९	सो	३	०९	८	१९	ज्ये	५	४६	९	२१	व	३९	२३	२२	४८	ग	३	०९	८	१९	२०	०३	२३	धनु. ९।२१	५	२३	२४	भ. १९।१० उ. २९।५४ या., रामदास ९
१०	सो	५७	०७	२९	५४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A मीने भानुः २३।१३, (व) मकरे बुधः १७।४३
११	मं	४९	५६	२७	०१	मूल	१ ५६	२९ ००	७ २९	३८ २६	सि	३०	५१	१९	२३	ब	२३	४१	१६	३१	२४	०२	२४	धनु.	६	२४	२५	विजया ११ व्र.स्मार्त
१२	बु	४१	५१	२३	४६	उषा	४९	४३	२६	५४	व्य	२१	३०	१५	३७	कौ	१६	००	१३	२५	२८	०१	२४	मक. १०।५०	७	२५	२६	विजया ११ व्र.वैष्ण., मकरे शुक्रः २२।३९
१३	गु	३३	१७	२०	१९	श्रव	४२	५९	२४	१२	व	११	३६	११	३९	ग	७	३७	१०	०३	३२	००	२५	मक.	८	२६	२७	भ. २०।१९ उ. ३०।३४ या., प्रदोषः, महाशिवरात्री व्रतम्
१४	शु	२४	३८	१६	५०	धनि	३६	१६	२१	३०	प	१ ५१	२९ २१	७ २७	३५ ३५	श	२४	३८	१६	५०	३६	६ ५९	२६	कुंभे १०।५०	९	२७	२८	पंचक प्रारम्भः १०।५०
३०	श	१६	२०	१३	३०	शत	३०	००	१८	५८	सि	४१	५९	२३	४६	ना	१६	२०	१३	३०	४०	५८	२६	कुंभे	१०	२८	१	देवपितृकार्येऽमा., मार्च ३ ता. ३१, मार्गी बुधः ८।१४

अयनांशाः २४।०२।२४
४५ पं. फा. कृ. ५ श. इष्टघटी ४३।५२
(रेल्वे घं. मि. २३।४४)

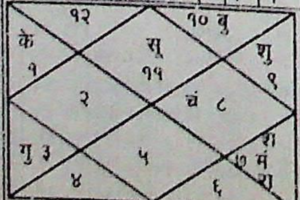
सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	६	[illegible]	२	८	६	६	१०
०२	[illegible]	०१	[illegible]	२३	२९	०७	०२
५१	[illegible]	०५	[illegible]	०८	५३	४६	४९
४२	३४	२९	५८	२०	२२	१३	१७
[illegible]	[illegible]	[illegible]	३	३१	१	३	६०
३५	[illegible]	३५	३२	०१	२९	११	४५
ध	चि	ध	आ	पूषा	वि	स्वा	ध
३	३	[illegible]	४व	३	३	१	३



फरवरी ता.	वा.	रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम रा.	अं.	क.	वि	रवि गति क.	वि.	रवि क्रान्ति दक्षिण- अं.	क.	मुम्बई रेल्वे टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.	कलकत्ता रेल्वे-टाईम दि.मा. घ.	प.	सू. उ. घं.	मि.	सू. अ. घं.	मि.
१५	श	१०	०२	१३	३३	६०	३६	१२	४६	२८	३२	७	११	६	३५	२८	१३	६	१२	५	२९
१६	र	१०	०३	१४		६०	३५	१२	२५	२८	३४	७	१०	६	३६	२८	१६	६	११	५	३०
१७	चं	१०	०४	१४	४४	६०	३३	१२	०४	२८	३७	७	०९	६	३६	२८	१९	६	१०	५	३०
१८	मं	१०	०५	१५	१८	६०	३२	११	४३	२८	३९	७	०९	६	३७	२८	२२	६	१०	५	३१
१९	बु	१०	०६	१५	५०	६०	३०	११	२२	२८	४२	७	०८	६	३७	२८	२५	६	०९	५	३१
२०	गु	१०	०७	१६	२०	६०	२९	११	००	२८	४४	७	०८	६	३७	२८	२८	६	०८	५	३२
२१	शु	१०	०८	१६	४९	६०	२७	१०	३९	२८	४७	७	०७	६	३८	२८	३२	६	०८	५	३२
२२	श	१०	०९	१७	१६	६०	२६	१०	१७	२८	५०	७	०६	६	३८	२८	३५	६	०७	५	३३
२३	र	१०	१०	१७	४२	६०	२४	९	५५	२८	५२	७	०६	६	३९	२८	३८	६	०६	५	३३
२४	चं	१०	११	१८	०६	६०	२२	९	३३	२८	५५	७	०५	६	३९	२८	४१	६	०५	५	३४
२५	मं	१०	१२	१८	२८	६०	२१	९	११	२८	५७	७	०४	६	३९	२८	४४	६	०५	५	३४
२६	बु	१०	१३	१८	४९	६०	१९	८	४९	२९	००	७	०४	६	४०	२८	४७	६	०४	५	३५
२७	गु	१०	१४	१९	०७	६०	१७	८	२६	२९	०३	७	०३	६	४०	२८	५०	६	०३	५	३५
२८	शु	१०	१५	१९	२५	६०	१५	८	०४	२९	०५	७	०२	६	४०	२८	५३	६	०२	५	३६
१	श	१०	१६	१९	४०	६०	१४	७	४१	२९	०८	७	०२	६	४१	२८	५७	६	०१	५	३६

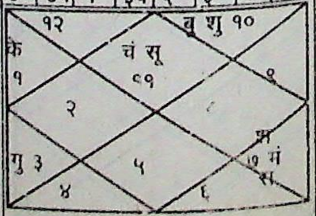
अयनांशाः २४।०२।२५
४६ पं. फा.कृ. ७ श. इष्टघटी ४४।०७
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	६	९	२	८	६	६	१०
१०	०३	२६	१६	२७	२९	०७	०९
०३	१२	०२	३३	१५	२१	२३	५४
१७	०६	१६	१४	१२	३६	५७	०१
६०	४	३०	२	४०	०	३	६०
२४	२९	२४	११	२८	४६	११	३४
श	चि	ध	आ	उषा	वि	स्वा	श
२	३	१व	३व	१	३	१	१



अयनांशाः २४।०२।२५
४७ पं. फा.कृ.३० श. इष्टघटी ४४।२४
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	६	९	२	९	६	६	१०
१७	०३	२४	१६	०२	२९	०७	१६
०५	२८	०६	२२	२०	२४	०१	५७
३२	५५	०९	०२	५१	४९	४२	१७
६०	०	१०	०	४७	०	३	६०
१२	२८	५४	४८	३२	०३	११	२०
श	चि	ध	आ	उषा	वि	स्वा	श
४	४व	१	३व	२	३	१	४

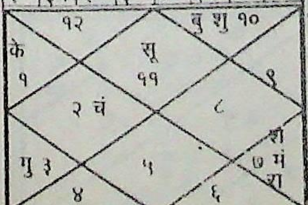


फाल्गुन शुक्लपक्ष संवत् २०७०, शाकः १९३५, २ मार्च से १६ मार्च तक नवलगढ चंद्रः | तारीख | वसंतर्त्तु रविरुत्तरे [illegible] १०६१, मार्च २०१४

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टे. टा.	आ.	मु.	इं.	इसमे लिखे अंक सब स्टेंडर्ड घंटा-मिनट समझें।
१	र	८	५०	१०	२९	पूभा	२४	३९	१६	४९	सा	३३	२०	२०	१७	ब	८	५०	१०	२९	२८ ४४	६ ५७	६ २७	मीने ११।१९	११	२९	२	चंद्रदर्शनम् (मु.४५), वक्री भौमः ९।४२
२	सो	२	३२	७	५७	उभा	२०	३६	१५	११	शु	२५	४६	१७	१५	कौ	२	३२	७	५७	४८	५६	२७	मीने	१२	१	३	फुलरिया २, श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती, जमादिलअव्वल ५, B
३	सो	५७	४५	३०	०२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[B पातस्पर्शः १७।४३, मोक्षः २३।१०, वक्री शनिः १२।२४
४	मं	५४	४९	२८	५१	रेव	१८	११	१४	१२	शु	१९	३४	१४	४५	व	२६	०३	१७	२०	५२	५५	२८	मेषे १४।१२	१३	२	४	भ. १७।२० उ. २८।५१ या., पंचक समाप्तिः ९४।१२, पूभा. D
५	बु	५३	५३	२८	२७	अश्वि	१७	३८	१३	५७	ब्र	१४	५३	१२	५१	ब	२४	०७	१६	३३	५६	५४	२९	मेषे	१४	३	५	याज्ञवल्क्य जयंती [D रविः २२।१९ (सौरः २५।२७)
६	गु	५४	५८	२८	५२	भर	१९	०३	१४	३०	ऐ	११	४८	११	३६	कौ	२४	१२	१६	३४	२९ ००	५३	२९	वृषे २०।४६	१५	४	६	मार्गी गुरुः २८।४०
७	शु	५७	५९	३०	०३	कृति	२२	२५	१५	५०	वै	१०	१५	१०	५८	ग	२६	१६	१७	२२	०४	५२	३०	वृषे	१६	५	७	भ. ३०।०३ उ.
८	श	…	…	…	…	रोहि	२७	३१	१७	५९	वि	१०	०८	१०	५४	वि	३०	०७	१८	५४	०९	५१	३०	वृषे	१७	६	८	भ. १८।५४ या., होलाष्टक, चित्रा.-४ राहुः २०।३०, E
८	र	२	३८	७	५३	मृग	३३	५८	२०	२५	प्री	११	१२	११	१९	ब	२	३८	७	५३	१३	५०	३१	मिथु. ७।०५	१८	७	९	[A बाद, होलिका दहनं, करिदिन, पातस्पर्शः २२।५१, मोक्षः २८।३४
९	सो	८	२५	१०	११	आर्द्रा	४१	१७	२३	२०	आ	१३	०५	१२	०३	कौ	८	२५	१०	११	१७	४९	३२	मिथु.	१९	८	१०	श्रव. शुक्रः २६।१४ [E अश्वि.-२ केतुः २०।३०
१०	मं	१४	४७	१२	४३	पुन	४८	५३	२६	२१	सौ	१५	२३	१२	५७	ग	१४	४७	१२	४३	२१	४८	३२	कर्के १९।३६	२०	९	११	भ. २५।५९ उ.
११	बु	२१	११	१५	१५	पुष्य	५६	१६	२९	१७	शो	१७	४१	१३	५१	वि	२१	११	१५	१५	२५	४७	३३	कर्के	२१	१०	१२	भ. १५।१५ या., आमलकी ११ व्र., बिड़कुला-ढाल थापणा भद्रा C
१२	गु	२७	०७	१७	३७	श्ले	…	…	…	…	अ	१९	४१	१४	३८	बा	२७	०७	१७	३७	२९	४६	३३	कर्के	२२	११	१३	मेला श्रीश्यामजी (खाटु)
१३	शु	३२	१७	१९	३९	श्ले	३	०५	७	५९	सु	२१	०८	१५	१२	तै	३२	१७	१९	३९	३३	४४	३४	सिंहे ७।५९	२३	१२	१४	प्रदोषः, मीने रविः २२।२५ (सौरः २५।०६)
१४	श	३६	३२	२१	२०	मघा	९	०३	१०	२०	धृ	२१	५४	१५	२९	ग	४	३३	८	३३	३७	४३	३४	सिंहे	२४	१३	१५	भ. २१।२० उ. [C के बाद, कुंभे बुधः ९।०१
१५	र	३९	४८	२२	३७	पूफा	१४	०४	१२	२०	शू	२१	५६	१५	२९	वि	८	१९	१०	०२	४१	४२	३५	कन्या १८।४६	२५	१४	१६	भ. १०।०२ या., मन्वादि, पूर्णिमा व्रतंपुण्यञ्च, जेलपोणी भद्रा के A

अयनांशाः २४।०२।२६
४८ पं. फा.शु. ८ श. इष्टघटी ४४।४२
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
१०	६	९	२	९	६	६	१०
२४	०३	२७	१६	०८	२९	०६	२३
०६	०९	१५	२०	१०	२३	३९	५८
२०	५४	०९	३२	१९	०१	२६	५८
५९	५	४५	०	५२	०	३	६०
५९	४७	११	३४	४९	४०	११	०६
पूभा	चि	ध	आ	उषा	वि	चि	पूभा
२	३च	२	३	४	३च	४	२



मार्च		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेलवे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण		मुम्बई रेलवे-टाईम						कलकता रेलवे-टाईम					
										दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
२	र	१०	१७	१९	५४	६०	१२	७	१८	२९	१०	७	०१	६	४१	२९	००	६	०१	५	३६
३	चं	१०	१८	२०	०६	६०	१०	६	५५	२९	१३	७	००	६	४१	२९	०३	६	००	५	३७
४	मं	१०	१९	२०	१६	६०	०८	६	३२	२९	१६	६	५९	६	४२	२९	०६	५	५९	५	३७
५	बु	१०	२०	२०	२४	६०	०६	६	०९	२९	१९	६	५९	६	४२	२९	०९	५	५८	५	३८
६	गु	१०	२१	२०	३०	६०	०५	५	४६	२९	२२	६	५८	६	४२	२९	१३	५	५७	५	३८
७	शु	१०	२२	२०	३५	६०	०३	५	२२	२९	२५	६	५७	६	४३	२९	१६	५	५६	५	३९
८	श	१०	२३	२०	३७	६०	०१	४	५९	२९	२६	६	५६	६	४३	२९	१९	५	५५	५	३९
९	र	१०	२४	२०	३८	५९	५९	४	३६	२९	२९	६	५६	६	४३	२९	२२	५	५४	५	३९
१०	चं	१०	२५	२०	३७	५९	५७	४	१२	२९	३२	६	५५	६	४४	२९	२६	५	५४	५	४०
११	मं	१०	२६	२०	३४	५९	५५	३	४९	२९	३४	६	५४	६	४४	२९	२९	५	५३	५	४०
१२	बु	१०	२७	२०	२९	५९	५३	३	२५	२९	३७	६	५३	६	४४	२९	३२	५	५२	५	४१
१३	गु	१०	२८	२०	२२	५९	५१	३	०१	२९	४०	६	५२	६	४४	२९	३५	५	५१	५	४१
१४	शु	१०	२९	२०	१३	५९	४९	२	३८	२९	४२	६	५२	६	४५	२९	३९	५	५०	५	४१
१५	श	११	००	२०	०३	५९	४७	२	१४	२९	४५	६	५१	६	४५	२९	४२	५	४९	५	४२
१६	र	११	०१	१९	५०	५९	४५	१	५०	२९	४८	६	५०	६	४५	२९	४५	५	४८	५	४२

संक्रांति फलम्

ता. १४ मार्च २०१४

फा. शु. १३ भृगौ मीनेऽर्कः प्र. (स्टै.) टा. २२।२५ वारात् ३ नक्षत्रात् ३ वारनाम मिश्रा पशून् सुखदा नक्षत्रनाम घोरा शूद्रान् सुखदा मध्यरात्रि २ प्रहर व्यापिनी राक्षसान् हन्ति, उत्तरे गमनं, ऐशान्यां दृष्टिः गरकरणे प्रविष्टा मध्यमफलं हस्तीवाहनं खरोपवाहनं लक्ष्मीकारक रक्तवस्त्रं धनुष्यायुधं लोहपात्रं दुग्धभक्षणं गोरोचनलेपनं पशुजातिः विल्वपुष्पं मुकुटभूषणं श्वेतकंचुकी प्रौढावस्था (बैठी) मु. ३० धान्यभावे सम वत्स पश्चिमा. राहु दक्षिणे मूलं भूमौ विवाहस्तंभो नैऋत्यां शुक्रोदयः पूर्वस्याम् । पुण्यकालः (स्टै.) २२।२५ से २८।४९ तक । (दान- भूमि माला) ।

अयनांशाः २४।०२।२७
४९ पं. फा.शु.१४ श. इष्टघटी ४५।०१
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	६	१०	२	९	६	६	११
०१	०२	०३	१६	१४	२९	०६	००
०५	१३	३७	२८	३२	१६	१७	५८
३५	१३	५२	३८	३६	१४	११	५७
५९	११	६५	१	५६	१	३	५९
४६	१०	१९	५६	४७	२२	११	५१
पूभा	चि	ध	आ	श्र	वि	चि	पूभा
४	३व	४	३	२	३व	४	४



चैत्र कृष्णपक्ष संवत २०७०, शाकः १९३५, १७ मार्च से ३० मार्च तक — नवलगढ — चंद्रः — तारीख — वसंतर्तू रविस्त्तरे फाल्गुनकृष्णेति महा., मार्च २०१४

ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	घं.	मि.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	दि.	उ.	अ.	स्टै. टा.	भा.	मु.	इं.	इसमें लिखे अंक सब स्टैंडर्ड घंटा-मिनट समझें ।
१	सो	४२	०५	२३	३१	उफा	१८	०९	१३	५७	गं	२१	१३	१५	१०	बा	११	०४	११	०७	२९ ४६	६ ४१	६ ३५	कन्या	२६	१५	१७	वसन्त १, छारेंडी देशाचारे, करिदिन
२	मं	४३	२१	२४	००	हस्त	२१	१६	१५	१०	वृ	१९	४४	१४	३४	तै	१२	५१	११	४९	५०	४०	३६	तुला. २७।३९	२७	१६	१८	उभा. रविः ६।३४ (सौरः ९।१२), शत. बुधः १७।४५
३	बु	४३	३७	२४	०६	चित्रा	२३	२५	१६	०१	ध्रु	१७	३०	१३	३९	व	१३	३८	१२	०६	५४	३९	३६	तुला.	२८	१७	१९	भ. १२।०६ उ. २४।०६ या., कल्पादि
४	गु	४२	५१	२३	४६	स्वा	२४	३५	१६	२८	व्या	१४	२८	१२	२५	ब	१३	२४	११	५९	५८	३८	३७	तुला.	२९	१८	२०	चतुर्थीव्रतं चन्द्रोदयः २२।११, सायन मेषे भानुः २२।०६, B
५	शु	४१	०३	२३	०२	विशा	२४	४५	१६	३१	ह	१०	३७	१०	५२	कौ	१२	०७	११	२७	३० ०२	३७	३८	वृश्चि. १०।३२	३०	१९	२१	[B आर्द्रा.-४ गुरुः २३।१०
६	श	३८	१२	२१	५२	अनु	२३	५२	१६	०८	व	५	५७	८	५८	ग	९	४७	१०	३०	०६	३६	३८	वृश्चि.	१	२०	२२	भ. २१।५२ उ., वा. चैत्रारंभः
७	र	३४	१८	२०	१८	ज्ये	२१	५८	१५	२२	सि	० ५४	२७ ०५	६ २८	४५ १२	वि	६	२३	९	०८	१०	३४	३९	धनु. १५।२२	२	२१	२३	भ. ९।०८ या.
८	सो	२९	२६	१८	२०	मूल	१९	०५	१४	११	व	४७	०२	२५	२२	बा	२	०१	७	२२	१४	३३	३९	धनु.	३	२२	२४	शीतला पूजनं, धनि. शुक्रः २४।५३
९	मं	२३	४३	१६	०१	पूषा	१५	२०	१२	४०	प	३९	१९	२२	१६	ग	२३	४३	१६	०१	१९	३२	४०	मक. १८।१५	४	२३	२५	भ. २६।४६ उ., (व) कन्यायां भौमः ९।५१
१०	बु	१७	१९	१३	२७	उषा	१०	५३	१०	५२	शि	३१	०६	१८	५८	दि	१७	१९	१३	२७	२३	३१	४०	मक.	५	२४	२६	भ. १३।२७ या.
११	गु	१०	२९	१०	४२	श्रव	५	५९	८	५३	सि	२२	३६	१५	३२	बा	१०	२९	१०	४२	२७	३०	४१	कुंभे १९।५२	६	२५	२७	पंचक प्रारम्भः १९।५२, पापमोचनी ११ व्र.
१२	शु	३	३०	७	५३	धनि	० ५५	५३ ५३	६ २८	५० ५०	सा	१४	०१	१२	०५	तै	३	३०	७	५३	३१	२९	४१	कुंभे	७	२६	२८	भ. २९।०८ उ., प्रदोषः, वारुणी योग ७।५३ से २८।५० तक, A
१३	शु	५६	३७	२९	०८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	[A पातस्पर्शः २४।२७, मोक्षः २९।३०, पूभा. बुधः २१।२४
१४	श	५०	१५	२६	३४	पूभा	५१	२३	२७	०१	शु	५ ५७	३७ ३५	८ २९	४२ ३०	वि	२३	२२	१५	४९	३५	२८	४२	मीने २१।२७	८	२७	२९	भ. १५।४९ या., मासिकशिवरात्री व्र.
३०	र	४४	३९	२४	१८	उभा	४७	४०	२५	३१	ब्र	५०	१८	२६	३४	च	१७	२१	१३	२३	३२	२७	४२	मीने	९	२८	३०	देवपितृकार्येऽमा., केतकी अहर्गणः १०८९, चक्र ७, मन्वादि

अयनांशाः २४।०२।२८
५० पं. चै.कृ. ६ श. इष्टघटी ४५।२०
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	६	१०	२	९	६	६	११
०८	००	११	१६	२१	२९	०५	०७
०३	३९	५६	४६	१९	०४	५४	५७
१३	३७	४४	०४	३७	४३	५५	०८
५९	१६	७८	३	५९	२	३	५९
३२	११	२८	१४	४८	०१	११	३६
उभा	चि	श	आ	श्र	वि	चि	उभा
२	३व	२	४	४	३व	४	२



मार्च		रविस्पस्ट प्रातः ६।२७ रेल्वे-टाईम				रवि गति		रवि क्रान्ति दक्षिण-		मुम्बई रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.		कलकता रेल्वे-टाईम दि.मा.		सू. उ.		सू. अ.	
ता.	वा.	रा.	अं.	क.	वि	क.	वि.	अं.	क.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.
१७	च	११	०२	१९	३५	५९	४३	१	२७	२९	५१	६	४९	६	४५	२९	४८	५	४७	५	४२
१८	मं	११	०३	१९	१८	५९	४१	१	०३	२९	५३	६	४८	६	४६	२९	५२	५	४६	५	४३
१९	बु	११	०४	१९	००	५९	३९	०	३९	२९	५६	६	४८	६	४६	२९	५५	५	४५	५	४३
२०	गु	११	०५	१८	३९	५९	३७	०	१५-	२९	५९	६	४७	६	४६	२९	५८	५	४४	५	४४
२१	शु	११	०६	१८	१६	५९	३५	०	०८+	३०	०१	६	४६	६	४६	३०	०१	५	४३	५	४४
२२	श	११	०७	१७	५१	५९	३३	०	३२	३०	०४	६	४५	६	४७	३०	०५	५	४२	५	४४
२३	र	११	०८	१७	२४	५९	३१	०	५६	३०	०७	६	४४	६	४७	३०	०८	५	४१	५	४५
२४	चं	११	०९	१६	५६	५९	२९	१	१९	३०	०९	६	४३	६	४७	३०	११	५	४०	५	४५
२५	मं	११	१०	१६	२५	५९	२७	१	४३	३०	१२	६	४२	६	४७	३०	१४	५	४०	५	४५
२६	बु	११	११	१५	५२	५९	२५	२	०६	३०	१५	६	४२	६	४८	३०	१८	५	३९	५	४६
२७	गु	११	१२	१५	१७	५९	२३	२	३०	३०	१७	६	४१	६	४८	३०	२१	५	३८	५	४६
२८	शु	११	१३	१४	४०	५९	२१	२	५३	३०	२०	६	४०	६	४८	३०	२४	५	३७	५	४६
२९	श	११	१४	१४	०१	५९	१९	३	१७	३०	२३	६	३९	६	४८	३०	२७	५	३६	५	४७
३०	र	११	१५	१३	२०	५९	१७	३	४०	३०	२५	६	३८	६	४८	३०	३१	५	३५	५	४७

चैत्र मास फलम्

इस पक्ष में अमावस को रविवार होने से नेष्ट, उत्तराभाद्रपद योग सुभिक्ष है । शतभिषा में बुध होने से शूद्रों में रोगोत्पत्ति हो, व्यापारी, वैद्य, नौका से जीविका चलाने वाले, जल में उत्पन्न होने वाले द्रव्य तथा घोड़े (अश्व) पीड़ित हों । धनिष्ठा में शुक्र होने से प्रजा में सुखों की वृद्धि और सुभिक्ष हो, पाखण्डियों में भय उत्पन्न हो । पूर्वाभाद्रपद में बुध होने से कहीं दुर्भिक्ष हो और कहीं क्षेम तथा आरोग्यता हो, क्षुधा, शस्त्र, चौर और रोगों की वृद्धि हो ।

अयनांशाः २४।०२।२९
५१ पं. चै.कृ.१४ श. इष्टघटी ४५।४०
(रेल्वे घं. मि. २४।४४)

सू.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	सौर
११	५	१०	२	९	६	६	११
१४	२८	२१	१७	२८	२८	०५	१४
५९	३३	४०	१२	२५	४८	३२	५३
११	३२	०७	२४	३०	४२	४०	२९
५९	२०	८९	४	६२	२	३	५९
१७	१२	४७	२८	०७	३८	११	१९
उभा	चि	पूभा	आ	घ	वि	वि	उभा
४	२व	१	४	२	३व	४	४



जनवरी — दैनिक लग्न प्रवेशकाल: स्टेण्डर्ड घंटा मिनिट नवलगढ (राजस्थान)
(अयनांश २४ अक्षांश २७।४५)

ता.	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क सायं	सिंह रात्री	कन्या रात्री	तुला रात्री	वृश्चिक रात्री	धन रात्री	मकर प्रातः	कुंभ दिवा	मीन दिवा
१	१२ ५५	२ ३१	४ २७	६ ४१	९ १	११ १८	१ ३४	३ ५४	६ १२	८ १६	९ ५९	११ २८
२	१२ ५१	२ २७	४ २३	६ ३७	८ ५७	११ १४	१ ३१	३ ५०	६ ८	८ १२	९ ५५	११ २४
३	१२ ४७	२ २३	४ २०	६ ३३	८ ५३	११ १०	१ २७	३ ४६	६ ४	८ ८	९ ५१	११ २०
४	१२ ४३	२ १९	४ १६	६ २९	८ ४९	११ ६	१ २३	३ ४२	६ ०	८ ४	९ ४७	११ १६
५	१२ ३९	२ १५	४ १२	६ २५	८ ४५	११ ३	१ १९	३ ३९	५ ५६	८ ०	९ ४३	११ १३
६	१२ ३५	२ ११	४ ८	६ २१	८ ४१	१० ५९	१ १५	३ ३५	५ ५२	७ ५६	९ ३९	११ ९
७	१२ ३१	२ ७	४ ४	६ १७	८ ३७	१० ५५	१ ११	३ ३१	५ ४८	७ ५२	९ ३५	११ ५
८	१२ २७	२ ३	४ ०	६ १३	८ ३३	१० ५१	१ ७	३ २७	५ ४४	७ ४८	९ ३१	११ १
९	१२ २३	१ ५९	३ ५६	६ ९	८ २९	१० ४७	१ ३	३ २३	५ ४०	७ ४४	९ २७	१० ५७
१०	१२ १९	१ ५५	३ ५२	६ ५	८ २५	१० ४३	१२ ५९	३ १९	५ ३६	७ ४०	९ २३	१० ५३
११	१२ १५	१ ५१	३ ४८	६ १	८ २१	१० ३९	१२ ५६	३ १५	५ ३२	७ ३६	९ १९	१० ४९
१२	१२ ११	१ ४७	३ ४४	५ ५७	८ १७	१० ३५	१२ ५२	३ ११	५ २८	७ ३२	९ १५	१० ४५
१३	१२ ७	१ ४३	३ ४०	५ ५३	८ १३	१० ३१	१२ ४७	३ ७	५ २४	७ २८	९ ११	१० ४१
१४	१२ ३	१ ३९	३ ३६	५ ४९	८ ९	१० २७	१२ ४३	३ ३	५ २०	७ २४	९ ७	१० ३७
१५	११ ५९	१ ३५	३ ३२	५ ४५	८ ५	१० २३	१२ ३९	२ ५९	५ १६	७ २०	९ ३	१० ३३
१६	११ ५५	१ ३१	३ २८	५ ४१	८ १	१० १९	१२ ३५	२ ५५	५ १२	७ १६	८ ५९	१० २९
१७	११ ५१	१ २७	३ २४	५ ३७	७ ५७	१० १५	१२ ३१	२ ५१	५ ८	७ १२	८ ५५	१० २४
१८	११ ४७	१ २३	३ २०	५ ३३	७ ५३	१० ११	१२ २७	२ ४७	५ ४	७ ८	८ ५१	१० २०
१९	११ ४३	१ १९	३ १६	५ २९	७ ४९	१० ७	१२ २३	२ ४३	५ ०	७ ४	८ ४७	१० १६
२०	११ ३९	१ १५	३ १२	५ २५	७ ४५	१० ३	१२ १९	२ ३९	४ ५६	७ ०	८ ४३	१० १३
२१	११ ३५	१ १२	३ ८	५ २१	७ ४१	९ ५९	१२ १५	२ ३५	४ ५२	६ ५६	८ ४०	१० ९
२२	११ ३१	१ ८	३ ४	५ १८	७ ३७	९ ५५	१२ ११	२ ३१	४ ४९	६ ५३	८ ३६	१० ५
२३	११ २८	१ ४	३ ०	५ १४	७ ३४	९ ५१	१२ ८	२ २७	४ ४५	६ ४९	८ ३२	१० १
२४	११ २४	१ १	२ ५७	५ १०	७ ३०	९ ४७	१२ ४	२ २३	४ ४१	६ ४५	८ २८	९ ५७
२५	११ २०	१२ ५६	२ ५३	५ ६	७ २६	९ ४३	१२ ०	२ १९	४ ३८	६ ४१	८ २४	९ ५३
२६	११ १६	१२ ५२	२ ४९	५ ३	७ २२	९ ४०	११ ५७	२ १६	४ ३४	६ ३७	८ २०	९ ५०
२७	११ १२	१२ ४९	२ ४५	४ ५९	७ १८	९ ३६	११ ५३	२ १२	४ ३०	६ ३३	८ १६	९ ४६
२८	११ ८	१२ ४५	२ ४१	४ ५५	७ १४	९ ३२	११ ४९	२ ८	४ २६	६ ३०	८ १२	९ ४२
२९	११ ५	१२ ४१	२ ३७	४ ५१	७ ११	९ २८	११ ४५	२ ४	४ २२	६ २६	८ ९	९ ३८
३०	११ १	१२ ३७	२ ३४	४ ४७	७ ७	९ २४	११ ४१	२ ०	४ १८	६ २२	८ ५	९ ३४
३१	१० ५७	१२ ३३	२ ३०	४ ४३	७ ३	९ २०	११ ३७	१ ५७	४ १४	६ १८	८ १	९ ३१

फरवरी — दैनिक लग्न प्रवेशकाल: स्टेण्डर्ड घंटा मिनिट नवलगढ़ (राजस्थान)
(अयनांश २४ अक्षांश २७।४५)

ता.	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह सायं	कन्या रात्री	तुला रात्री	वृश्चिक रात्री	धन रात्री	मकर रात्री	कुंभ प्रातः	मीन दिवा
१	१० ५३	१२ ३०	२ २६	४ ४०	६ ५९	९ १७	११ ३४	१ ५३	४ १०	६ १४	७ ५८	९ २७
२	१० ४९	१२ २६	२ २२	४ ३६	६ ५५	९ १३	११ ३०	१ ४९	४ ७	६ ११	७ ५४	९ २३
३	१० ४५	१२ २२	२ १८	४ ३२	६ ५१	९ ९	११ २६	१ ४५	४ ३	६ ७	७ ५०	९ १९
४	१० ४१	१२ १८	२ १४	४ २८	६ ४७	९ ५	११ २२	१ ४१	३ ५९	६ ३	७ ४६	९ १५
५	१० ३७	१२ १४	२ १०	४ २४	६ ४३	९ १	११ १८	१ ३७	३ ५५	५ ५९	७ ४२	९ ११
६	१० ३३	१२ १०	२ ६	४ २०	६ ३९	८ ५७	११ १४	१ ३३	३ ५१	५ ५५	७ ३८	९ ७
७	१० २९	१२ ६	२ २	४ १६	६ ३५	८ ५३	११ १०	१ २९	३ ४७	५ ५१	७ ३४	९ ३
८	१० २५	१२ २	१ ५८	४ १२	६ ३१	८ ४९	११ ६	१ २५	३ ४३	५ ४७	७ ३०	८ ५९
९	१० २१	११ ५८	१ ५४	४ ८	६ २७	८ ४५	११ २	१ २१	३ ३९	५ ४३	७ २६	८ ५५
१०	१० १७	११ ५४	१ ५०	४ ४	६ २३	८ ४१	१० ५८	१ १७	३ ३५	५ ३९	७ २२	८ ५१
११	१० १३	११ ५०	१ ४६	४ ०	६ १९	८ ३७	१० ५४	१ १३	३ ३१	५ ३५	७ १८	८ ४७
१२	१० ९	११ ४६	१ ४२	३ ५६	६ १५	८ ३३	१० ५०	१ ९	३ २७	५ ३१	७ १४	८ ४३
१३	१० ५	११ ४२	१ ३८	३ ५२	६ ११	८ २९	१० ४६	१ ५	३ २३	५ २६	७ १०	८ ४०
१४	१० १	११ ३८	१ ३४	३ ४८	६ ७	८ २५	१० ४२	१ १	३ १८	५ २२	७ ६	८ ३५
१५	९ ५७	११ ३४	१ ३०	३ ४४	६ ३	८ २१	१० ३८	१२ ५७	३ १४	५ १८	७ २	८ ३१
१६	९ ५३	११ ३०	१ २६	३ ४०	५ ५९	८ १७	१० ३४	१२ ५३	३ १०	५ १४	६ ५८	८ २७
१७	९ ४९	११ २६	१ २२	३ ३६	५ ५५	८ १३	१० ३०	१२ ४९	३ ६	५ १०	६ ५४	८ २३
१८	९ ४५	११ २२	१ १८	३ ३२	५ ५१	८ ९	१० २६	१२ ४५	३ २	५ ६	६ ५०	८ १९
१९	९ ४१	११ १८	१ १४	३ २८	५ ४७	८ ५	१० २२	१२ ४१	२ ५८	५ २	६ ४६	८ १५
२०	९ ३७	११ १४	१ १०	३ २४	५ ४३	८ १	१० १८	१२ ३७	२ ५५	४ ५८	६ ४२	८ ११
२१	९ ३३	११ १०	१ ६	३ २०	५ ३९	७ ५७	१० १४	१२ ३३	२ ५१	४ ५४	६ ३८	८ ७
२२	९ २९	११ ६	१ २	३ १६	५ ३५	७ ५३	१० १०	१२ २९	२ ४७	४ ५१	६ ३४	८ ३
२३	९ २५	११ २	१२ ५८	३ १२	५ ३१	७ ४९	१० ६	१२ २५	२ ४३	४ ४७	६ ३०	७ ५९
२४	९ २२	१० ५८	१२ ५४	३ ८	५ २८	७ ४५	१० २	१२ २१	२ ३९	४ ४३	६ २६	७ ५५
२५	९ १८	१० ५४	१२ ५१	३ ४	५ २४	७ ४१	९ ५८	१२ १७	२ ३५	४ ३९	६ २२	७ ५१
२६	९ १४	१० ५०	१२ ४७	३ ०	५ २०	७ ३७	९ ५४	१२ १३	२ ३१	४ ३५	६ १८	७ ४७
२७	९ १०	१० ४६	१२ ४३	२ ५६	५ १६	७ ३३	९ ५०	१२ १०	२ २७	४ ३१	६ १४	७ ४४
२८	९ ६	१० ४२	१२ ३९	२ ५२	५ १२	७ ३०	९ ४६	१२ ६	२ २३	४ २६	६ १०	७ ४०

नोट :—दैनिक लग्नसारिणी में ता० २९ फरवरी नहीं लिखी इसकी जगह ता० २८ का उपयोग करें।

मार्च — दैनिक लग्नप्रवेशकालः स्टेन्डर्ड घंटा मिनिट नवलगढ (राजस्थान) (अयनांशा २४ अक्षांशा २७।४५)

ता.	मेष दिवा		वृष दिवा		मिथुन दिवा		कर्क दिवा		सिंह सायं		कन्या रात्री		तुला रात्री		वृश्चिक रात्री		धनु रात्री		मकर रात्री		कुंभ प्रातः		मीन दिवा	
१	९	२	१०	३९	१२	३५	२	४९	५	८	७	२६	९	४३	१२	१	२	२०	४	२४	६	७	७	३६
२	८	५८	१०	३५	१२	३१	२	४५	५	४	७	२२	९	३९	११	५८	२	१६	४	२०	६	३	७	३२
३	८	५४	१०	३१	१२	२७	२	४१	५	०	७	१८	९	३५	११	५४	२	१२	४	१६	५	५९	७	२८
४	८	५०	१०	२७	१२	२३	२	३७	४	५६	७	१४	९	३१	११	५०	२	८	४	१२	५	५५	७	२४
५	८	४७	१०	२३	१२	१९	२	३३	४	५२	७	१०	९	२७	११	४६	२	४	४	८	५	५२	७	२०
६	८	४३	१०	१९	१२	१५	२	२९	४	४८	७	६	९	२३	११	४२	२	०	४	४	५	४७	७	१६
७	८	३९	१०	१५	१२	११	२	२५	४	४४	७	२	९	१९	११	३८	१	५६	४	०	५	४३	७	१२
८	८	३५	१०	११	१२	८	२	२१	४	४१	६	५८	९	१५	११	३४	१	५२	३	५६	५	३९	७	८
९	८	३१	१०	७	१२	४	२	१७	४	३७	६	५४	९	११	११	३०	१	४८	३	५२	५	३५	७	४
१०	८	२७	१०	३	१२	०	२	१३	४	३३	६	५०	९	७	११	२६	१	४४	३	४८	५	३१	७	०
११	८	२३	९	५९	११	५६	२	९	४	२९	६	४६	९	३	११	२२	१	४०	३	४४	५	२७	६	५६
१२	८	१९	९	५५	११	५२	२	५	४	२५	६	४२	८	५९	११	१८	१	३६	३	४०	५	२३	६	५२
१३	८	१५	९	५१	११	४८	२	१	४	२१	६	३८	८	५५	११	१४	१	३२	३	३६	५	१९	६	४८
१४	८	११	९	४७	११	४४	१	५७	४	१७	६	३४	८	५१	११	१०	१	२८	३	३२	५	१५	६	४४
१५	८	७	९	४३	११	४०	१	५३	४	१३	६	३०	८	४७	११	६	१	२४	३	२८	५	११	६	४०
१६	८	३	९	३९	११	३६	१	४९	४	९	६	२६	८	४३	११	२	१	२०	३	२४	५	७	६	३६
१७	७	५९	९	३५	११	३२	१	४५	४	५	६	२२	८	३९	१०	५८	१	१६	३	२०	५	३	६	३२
१८	७	५५	९	३१	११	२८	१	४१	४	१	६	१८	८	३५	१०	५४	१	१२	३	१६	४	५९	६	२८
१९	७	५१	९	२७	११	२४	१	३७	३	५७	६	१४	८	३१	१०	५०	१	८	३	१२	४	५५	६	२४
२०	७	४७	९	२३	११	२०	१	३३	३	५३	६	१०	८	२७	१०	४६	१	४	३	८	४	५१	६	२०
२१	७	४३	९	१९	११	१६	१	२९	३	४९	६	६	८	२३	१०	४२	१	०	३	४	४	४७	६	१६
२२	७	३९	९	१५	११	१२	१	२५	३	४५	६	२	८	१९	१०	३८	१२	५६	३	०	४	४३	६	१२
२३	७	३५	९	११	११	८	१	२१	३	४१	५	५८	८	१५	१०	३४	१२	५२	२	५६	४	३९	६	८
२४	७	३१	९	७	११	४	१	१७	३	३७	५	५४	८	११	१०	३०	१२	४८	२	५२	४	३५	६	४
२५	७	२७	९	३	११	०	१	१३	३	३३	५	५०	८	७	१०	२६	१२	४४	२	४८	४	३१	६	०
२६	७	२३	८	५९	१०	५६	१	९	३	२९	५	४६	८	३	१०	२२	१२	४०	२	४४	४	२७	५	५६
२७	७	१९	८	५५	१०	५२	१	५	३	२५	५	४२	७	५९	१०	१८	१२	३६	२	४०	४	२३	५	५२
२८	७	१५	८	५१	१०	४८	१	१	३	२१	५	३८	७	५५	१०	१४	१२	३२	२	३६	४	१९	५	४८
२९	७	११	८	४७	१०	४४	१२	५७	३	१७	५	३४	७	५१	१०	१०	१२	२८	२	३२	४	१५	५	४४
३०	७	७	८	४३	१०	४०	१२	५३	३	१३	५	३१	७	४८	१०	७	१२	२४	२	२८	४	१२	५	४१
३१	७	३	८	४०	१०	३६	१२	५०	३	९	५	२७	७	४४	१०	३	१२	२०	२	२४	४	८	५	३७

अप्रैल — दैनिक लग्नप्रवेशकालः स्टेन्डर्ड घंटा मिनिट नवलगढ (राजस्थान) (अयनांशा २४ अक्षांशा २७।४५)

ता.	मेष प्रातः		वृष दिवा		मिथुन दिवा		कर्क दिवा		सिंह दिवा		कन्या दिवा		तुला सायं		वृश्चिक रात्री		धनु रात्री		मकर रात्री		कुंभ रात्री		मीन रात्री	
१	६	५९	८	३५	१०	३२	१२	४५	३	५	५	२३	७	३९	९	५९	१२	१६	२	२०	४	३	५	३३
२	६	५५	८	३१	१०	२८	१२	४१	३	१	५	१९	७	३५	९	५५	१२	१२	२	१६	३	५९	५	२९
३	६	५१	८	२७	१०	२४	१२	३७	२	५७	५	१५	७	३१	९	५१	१२	८	२	१२	३	५५	५	२५
४	६	४७	८	२४	१०	२०	१२	३४	२	५३	५	११	७	२८	९	४७	१२	४	२	८	३	५२	५	२१
५	६	४३	८	२०	१०	१६	१२	३०	२	४९	५	७	७	२४	९	४३	१२	०	२	४	३	४८	५	१७
६	६	३९	८	१६	१०	१२	१२	२६	२	४५	५	३	७	२०	९	३९	११	५६	२	०	३	४४	५	१३
७	६	३५	८	१२	१०	८	१२	२२	२	४१	४	५९	७	१६	९	३५	११	५२	१	५६	३	४०	५	९
८	६	३१	८	८	१०	४	१२	१८	२	३७	४	५५	७	१२	९	३१	११	४९	१	५३	३	३६	५	५
९	६	२७	८	४	१०	०	१२	१४	२	३३	४	५१	७	८	९	२७	११	४५	१	४९	३	३२	५	१
१०	६	२३	८	०	९	५६	१२	१०	२	२९	४	४७	७	४	९	२३	११	४१	१	४५	३	२८	४	५७
११	६	२०	७	५६	९	५२	१२	६	२	२६	४	४३	७	०	९	१९	११	३७	१	४१	३	२४	४	५३
१२	६	१६	७	५२	९	४८	१२	२	२	२२	४	३९	६	५६	९	१५	११	३३	१	३७	३	२०	४	४९
१३	६	१२	७	४८	९	४४	१२	५८	२	१८	४	३५	६	५२	९	११	११	२९	१	३३	३	१६	४	४५
१४	६	८	७	४४	९	४०	११	५४	२	१४	४	३१	६	४८	९	७	११	२५	१	२९	३	१२	४	४१
१५	६	४	७	४०	९	३७	११	५०	२	१०	४	२७	६	४४	९	३	११	२१	१	२५	३	८	४	३७
१६	६	०	७	३६	९	३३	११	४६	२	६	४	२४	६	४०	९	०	११	१७	१	२१	३	४	४	३४
१७	५	५६	७	३२	९	२९	११	४३	२	२	४	२०	६	३७	८	५६	११	१३	१	१७	३	०	४	३०
१८	५	५२	७	२८	९	२५	११	३९	१	५८	४	१६	६	३३	८	५२	११	९	१	१३	२	५७	४	२६
१९	५	४८	७	२४	९	२१	११	३५	१	५४	४	१२	६	२९	८	४८	११	६	१	१०	२	५३	४	२१
२०	५	४४	७	२०	९	१७	११	३१	१	५०	४	८	६	२५	८	४४	११	२	१	६	२	४९	४	१८
२१	५	४०	७	१६	९	१३	११	२७	१	४६	४	४	६	२१	८	४०	१०	५८	१	२	२	४५	४	१४
२२	५	३६	७	१२	९	९	११	२३	१	४२	४	०	६	१७	८	३६	१०	५४	१२	५८	२	४१	४	१०
२३	५	३२	७	८	९	५	११	१९	१	३८	३	५६	६	१३	८	३२	१०	५०	१२	५४	२	३७	४	६
२४	५	२८	७	४	९	१	११	१५	१	३४	३	५२	६	९	८	२८	१०	४६	१२	५०	२	३३	४	२
२५	५	२४	७	०	८	५७	११	११	१	३०	३	४८	६	५	८	२४	१०	४२	१२	४६	२	२९	३	५८
२६	५	२०	६	५६	८	५३	११	७	१	२६	३	४४	६	१	८	२०	१०	३७	१२	४२	२	२५	३	५४
२७	५	१६	६	५२	८	४९	११	२	१	२२	३	४०	५	५६	८	१६	१०	३३	१२	३७	२	२०	३	५०
२८	५	१२	६	४८	८	४५	१०	५८	१	१८	३	३६	५	५२	८	१२	१०	२९	१२	३३	२	१६	३	४६
२९	५	८	६	४४	८	४१	१०	५४	१	१४	३	३२	५	४८	८	८	१०	२५	१२	२९	२	१२	३	४१
३०	५	४	६	४०	८	३७	१०	५०	१	१०	३	२८	५	४४	८	४	१०	२१	१२	२५	२	८	३	३७

मई — दैनिक लग्नप्रवेशकाल: स्टेण्डर्ड घण्टा मिनिट नवलगढ (राजस्थान) (अयनांश २४ अक्षांश २७।४५)

ता.	मेष प्रात:	वृष दिवा	मिथुन दिवा	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला सायं	वृश्चिक रात्री	धनु रात्री	मकर रात्री	कुंभ रात्री	मीन रात्री
१	५ ०	६ ३७	८ ३३	१० ४७	१ ६	३ २४	५ ४१	८ ०	१० १७	१२ २१	२ ४	३ ३४
२	४ ५६	६ ३२	८ २९	१० ४३	१ २	३ २०	५ ३७	७ ५६	१० १३	१२ १७	२ ०	३ ३०
३	४ ५२	६ २९	८ २५	१० ३९	१२ ५८	३ १६	५ ३३	७ ५२	१० ९	१२ १३	१ ५६	३ २६
४	४ ४८	६ २५	८ २१	१० ३५	१२ ५४	३ १२	५ २९	७ ४८	१० ५	१२ ९	१ ५२	३ २२
५	४ ४४	६ २१	८ १७	१० ३१	१२ ५०	३ ८	५ २५	७ ४४	१० १	१२ ५	१ ४९	३ १८
६	४ ४०	६ १७	८ १३	१० २७	१२ ४६	३ ४	५ २१	७ ४०	९ ५७	१२ १	१ ४५	३ १४
७	४ ३६	६ १३	८ ९	१० २३	१२ ४२	३ ०	५ १७	७ ३६	९ ५४	११ ५८	१ ४१	३ १०
८	४ ३२	६ ९	८ ५	१० १९	१२ ३८	२ ५६	५ १३	७ ३२	९ ५०	११ ५४	१ ३७	३ ६
९	४ २८	६ ५	८ १	१० १५	१२ ३४	२ ५२	५ ९	७ २८	९ ४६	११ ५०	१ ३३	३ २
१०	४ २५	६ १	७ ५७	१० ११	१२ ३०	२ ४८	५ ५	७ २४	९ ४२	११ ४६	१ २९	२ ५८
११	४ २१	५ ५७	७ ५३	१० ७	१२ २७	२ ४५	५ १	७ २०	९ ३८	११ ४२	१ २५	२ ५४
१२	४ १७	५ ५३	७ ५०	१० ३	१२ २३	२ ४०	४ ५७	७ १६	९ ३४	११ ३८	१ २१	२ ५०
१३	४ १३	५ ४९	७ ४६	९ ५९	१२ १९	२ ३६	४ ५३	७ १२	९ ३०	११ ३४	१ १७	२ ४६
१४	४ ९	५ ४५	७ ४२	९ ५५	१२ १५	२ ३३	४ ४९	७ ९	९ २६	११ ३०	१ १३	२ ४३
१५	४ ५	५ ४२	७ ३८	९ ५२	१२ ११	२ २९	४ ४६	७ ५	९ २२	११ २६	१ १०	२ ३९
१६	४ १	५ ३८	७ ३४	९ ४८	१२ ७	२ २५	४ ४२	७ १	९ १८	११ २२	१ ६	२ ३५
१७	३ ५७	५ ३४	७ ३०	९ ४४	१२ ३	२ २१	४ ३८	६ ५७	९ १५	११ १९	१ २	२ ३१
१८	३ ५४	५ ३०	७ २६	९ ४०	१२ ०	२ १७	४ ३४	६ ५३	९ ११	११ १५	१२ ५८	२ २७
१९	३ ५०	५ २६	७ २३	९ ३६	११ ५६	२ १३	४ ३०	६ ४९	९ ७	११ ११	१२ ५४	२ २३
२०	३ ४६	५ २२	७ १९	९ ३२	११ ५२	२ १०	४ २६	६ ४६	९ ३	११ ७	१२ ५०	२ २०
२१	३ ४२	५ १८	७ १५	९ २८	११ ४८	२ ६	४ २२	६ ४२	८ ५९	११ ३	१२ ४६	२ १६
२२	३ ३८	५ १४	७ ११	९ २४	११ ४४	२ २	४ १८	६ ३८	८ ५५	१० ५९	१२ ४२	२ १२
२३	३ ३४	५ १०	७ ७	९ २०	११ ४०	१ ५८	४ १४	६ ३४	८ ५१	१० ५५	१२ ३८	२ ८
२४	३ ३०	५ ६	७ ३	९ १६	११ ३६	१ ५४	४ १०	६ ३०	८ ४७	१० ५१	१२ ३४	२ ४
२५	३ २६	५ २	६ ५९	९ १२	११ ३२	१ ५०	४ ६	६ २६	८ ४३	१० ४७	१२ ३०	२ ०
२६	३ २२	४ ५८	६ ५५	९ ८	११ २८	१ ४६	४ २	६ २२	८ ३९	१० ४३	१२ २६	१ ५६
२७	३ १८	४ ५४	६ ५१	९ ४	११ २४	१ ४२	३ ५८	६ १८	८ ३५	१० ३९	१२ २२	१ ५२
२८	३ १४	४ ५०	६ ४७	९ ०	११ २०	१ ३८	३ ५४	६ १४	८ ३१	१० ३५	१२ १८	१ ४८
२९	३ १०	४ ४६	६ ४३	८ ५६	११ १६	१ ३४	३ ५०	६ १०	८ २७	१० ३१	१२ १४	१ ४४
३०	३ ६	४ ४२	६ ३९	८ ५२	११ १२	१ ३०	३ ४६	६ ६	८ २३	१० २७	१२ १०	१ ४०
३१	३ २	४ ३८	६ ३५	८ ४८	११ ८	१ २६	३ ४२	६ २	८ १९	१० २३	१२ ६	१ ३६

जून — दैनिक लग्नप्रवेशकाल: स्टेण्डर्ड घण्टा मिनिट नवलगढ (राजस्थान) (अयनांश २४ अक्षांश २७।४५)

ता.	मेष रात्री	वृष रात्री	मिथुन प्रात:	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक सायं	धनु रात्री	मकर रात्री	कुंभ रात्री	मीन रात्री
१	२ ५८	४ ३५	६ ३१	८ ४५	११ ४	१ २२	३ ३९	५ ५८	८ १५	१० १९	१२ ३	१ ३२
२	२ ५४	४ ३१	६ २७	८ ४१	११ ०	१ १८	३ ३५	५ ५४	८ ११	१० १५	११ ५९	१ २८
३	२ ५०	४ २७	६ २३	८ ३७	१० ५६	१ १४	३ ३१	५ ५०	८ ७	१० ११	११ ५५	१ २४
४	२ ४६	४ २३	६ १९	८ ३३	१० ५२	१ १०	३ २७	५ ४६	८ ४	१० ८	११ ५१	१ २०
५	२ ४२	४ १९	६ १५	८ २९	१० ४८	१ ६	३ २३	५ ४२	८ ०	१० ४	११ ४७	१ १६
६	२ ३९	४ १५	६ ११	८ २५	१० ४४	१ २	३ १९	५ ३८	७ ५६	१० ०	११ ४३	१ १२
७	२ ३५	४ ११	६ ७	८ २१	१० ४१	१२ ५८	३ १५	५ ३४	७ ५२	९ ५६	११ ३९	१ ८
८	२ ३१	४ ७	६ ३	८ १७	१० ३७	१२ ५४	३ ११	५ ३०	७ ४८	९ ५२	११ ३५	१ ४
९	२ २७	४ ३	५ ५९	८ १३	१० ३३	१२ ५०	३ ७	५ २६	७ ४४	९ ४८	११ ३१	१ ०
१०	२ २३	३ ५९	५ ५६	८ ९	१० २९	१२ ४६	३ ३	५ २२	७ ४०	९ ४४	११ २७	१२ ५६
११	२ १९	३ ५५	५ ५२	८ ५	१० २५	१२ ४२	२ ५९	५ १८	७ ३६	९ ४०	११ २३	१२ ५२
१२	२ १५	३ ५१	५ ४८	८ १	१० २१	१२ ३९	२ ५५	५ १५	७ ३२	९ ३६	११ १९	१२ ४९
१३	२ ११	३ ४७	५ ४४	७ ५८	१० १७	१२ ३५	२ ५२	५ ११	७ २८	९ ३२	११ १६	१२ ४५
१४	२ ७	३ ४४	५ ४०	७ ५४	१० १३	१२ ३१	२ ४८	५ ७	७ २४	९ २८	११ १२	१२ ४१
१५	२ ३	३ ४०	५ ३६	७ ५०	१० ९	१२ २७	२ ४४	५ ३	७ २०	९ २४	११ ८	१२ ३७
१६	१ ५९	३ ३६	५ ३२	७ ४६	१० ५	१२ २३	२ ४०	४ ५९	७ १६	९ २१	११ ४	१२ ३३
१७	१ ५५	३ ३२	५ २८	७ ४२	१० १	१२ १९	२ ३६	४ ५५	७ १३	९ १७	११ ०	१२ २९
१८	१ ५२	३ २८	५ २४	७ ३८	९ ५७	१२ १५	२ ३२	४ ५१	७ ९	९ १३	१० ५६	१२ २५
१९	१ ४८	३ २४	५ २०	७ ३४	९ ५३	१२ ११	२ २७	४ ४७	७ ५	९ ९	१० ५२	१२ २१
२०	१ ४४	३ २०	५ १७	७ ३०	९ ५०	१२ ७	२ २४	४ ४३	७ १	९ ५	१० ४८	१२ १८
२१	१ ४०	३ १६	५ १३	७ २६	९ ४६	१२ ४	२ २०	४ ४०	६ ५७	९ १	१० ४४	१२ १४
२२	१ ३६	३ १२	५ ९	७ २२	९ ४२	१२ ०	२ १६	४ ३६	६ ५३	८ ५७	१० ४०	१२ १०
२३	१ ३२	३ ९	५ ५	७ १९	९ ३८	११ ५६	२ १२	४ ३२	६ ४९	८ ५३	१० ३७	१२ ६
२४	१ २८	३ ५	५ १	७ १५	९ ३४	११ ५२	२ ९	४ २८	६ ४५	८ ४९	१० ३३	१२ २
२५	१ २४	३ १	४ ५७	७ ११	९ ३०	११ ४८	२ ५	४ २४	६ ४१	८ ४६	१० २९	११ ५८
२६	१ २१	२ ५७	४ ५३	७ ७	९ २६	११ ४४	२ १	४ २०	६ ३८	८ ४२	१० २५	११ ५४
२७	१ १७	२ ५३	४ ४९	७ ३	९ २३	११ ४०	१ ५७	४ १६	६ ३४	८ ३८	१० २१	११ ५०
२८	१ १३	२ ४९	४ ४६	६ ५९	९ १९	११ ३६	१ ५३	४ १२	६ ३०	८ ३४	१० १७	११ ४६
२९	१ ९	२ ४५	४ ४२	६ ५५	९ १५	११ ३२	१ ४९	४ ८	६ २६	८ ३०	१० १३	११ ४२
३०	१ ५	२ ४१	४ ३८	६ ५१	९ ११	११ २८	१ ४५	४ ५	६ २२	८ २६	१० ९	११ ३८
३१	१ १	२ ३७	४ ३४	६ ४७	९ ७	११ २४	१ ४१	४ १	६ १८	८ २२	१० ५	११ ३४

जुलाई — दैनिक लग्नप्रवेशकालः स्टेन्डर्ड घण्टा मिनिट नवलगढ (राजस्थान) (अयनांशा २४ अक्षांशा २७।४५)

ता.	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन प्रातः	कर्क दिवा	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु सायं	मकर रात्रौ	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
१	१ १	२ ३८	४ ३४	६ ४७	९ ७	११ २४	१ ४१	४ ०	६ १८	८ २२	१० ५	११ ३४
२	१२ ५७	२ ३४	४ ३०	६ ४४	९ ३	११ २१	१ ३८	३ ५७	६ १४	८ १८	१० २	११ ३१
३	१२ ५३	२ ३०	४ २६	६ ४०	८ ५९	११ १७	१ ३४	३ ५३	६ १०	८ १४	९ ५८	११ २७
४	१२ ४९	२ २६	४ २२	६ ३६	८ ५५	११ १३	१ ३०	३ ४९	६ ७	८ ११	९ ५४	११ २३
५	१२ ४५	२ २२	४ १८	६ ३२	८ ५१	११ ९	१ २६	३ ४५	६ ३	८ ७	९ ५०	११ १९
६	१२ ४१	२ १८	४ १४	६ २८	८ ४८	११ ५	१ २२	३ ४१	५ ५९	८ ३	९ ४६	११ १५
७	१२ ३८	२ १४	४ १०	६ २४	८ ४३	११ १	१ १८	३ ३७	५ ५५	७ ५९	९ ४२	११ ११
८	१२ ३४	२ १०	४ ६	६ २०	८ ४०	१० ५७	१ १४	३ ३३	५ ५१	७ ५५	९ ३८	११ ७
९	१२ ३०	२ ६	४ ३	६ १६	८ ३६	१० ५३	१ १०	३ २९	५ ४७	७ ५१	९ ३४	११ ३
१०	१२ २६	२ २	३ ५९	६ १२	८ ३२	१० ४९	१ ६	३ २५	५ ४३	७ ४७	९ ३०	१० ५९
११	१२ २२	१ ५८	३ ५५	६ ८	८ २८	१० ४५	१ २	३ २१	५ ३९	७ ४३	९ २६	१० ५५
१२	१२ १८	१ ५४	३ ५१	६ ४	८ २४	१० ४१	१२ ५८	३ १७	५ ३५	७ ३९	९ २२	१० ५१
१३	१२ १४	१ ५०	३ ४७	६ ०	८ २०	१० ३७	१२ ५४	३ १३	५ ३१	७ ३५	९ १८	१० ४७
१४	१२ १०	१ ४६	३ ४३	५ ५६	८ १६	१० ३३	१२ ५०	३ ९	५ २७	७ ३१	९ १४	१० ४३
१५	१२ ६	१ ४२	३ ३९	५ ५२	८ १२	१० ३०	१२ ४६	३ ६	५ २३	७ २७	९ १०	१० ४०
१६	१२ २	१ ३८	३ ३५	५ ४८	८ ८	१० २६	१२ ४२	३ २	५ १९	७ २३	९ ६	१० ३६
१७	११ ५८	१ ३४	३ ३१	५ ४४	८ ४	१० २२	१२ ३८	२ ५८	५ १५	७ १९	९ २	१० ३२
१८	११ ५४	१ ३०	३ २७	५ ४०	८ ०	१० १८	१२ ३४	२ ५४	५ ११	७ १५	८ ५८	१० २८
१९	११ ५०	१ २६	३ २३	५ ३६	७ ५६	१० १४	१२ ३०	२ ५०	५ ७	७ ११	८ ५४	१० २४
२०	११ ४६	१ २२	३ १९	५ ३२	७ ५२	१० ९	१२ २६	२ ४५	५ ३	७ ७	८ ५०	१० १९
२१	११ ४२	१ १८	३ १५	५ २८	७ ४८	१० ५	१२ २२	२ ४१	४ ५९	७ ३	८ ४६	१० १५
२२	११ ३८	१ १४	३ ११	५ २४	७ ४४	१० १	१२ १८	२ ३७	४ ५५	६ ५९	८ ४२	१० ११
२३	११ ३४	१ १०	३ ७	५ २०	७ ४०	९ ५७	१२ १४	२ ३३	४ ५१	६ ५५	८ ३८	१० ७
२४	११ ३०	१ ६	[illegible] ३	५ १६	७ ३६	९ ५३	१२ १०	२ २९	४ ४७	६ ५१	८ ३४	१० ३
२५	११ २६	१ ३	२ ५९	५ १३	७ ३२	९ ५०	१२ ७	२ २६	४ ४३	६ ४८	८ ३१	१० ०
२६	११ २२	१२ ५९	२ ५५	५ ९	७ २८	९ ४६	१२ ३	२ २२	४ ३९	६ ४४	८ २७	९ ५६
२७	११ १९	१२ ५५	२ ५१	५ ५	७ २४	९ ४२	११ ५९	२ १९	४ ३५	६ ४०	८ २३	९ ५२
२८	११ १५	१२ ५१	२ ४७	५ १	७ २०	९ ३८	११ ५५	२ १४	४ ३१	६ ३६	८ १९	९ ४८
२९	११ ११	१२ ४७	२ ४४	४ ५७	७ १७	९ ३५	११ ५१	२ ११	४ २७	६ ३२	८ १५	९ ४४
३०	११ ७	१२ ४३	२ ४०	४ ५३	७ १३	९ ३१	११ ४७	२ ७	४ २४	६ २८	८ ११	९ ४१
३१	११ ३	१२ ३९	२ ३६	४ ४९	७ ९	९ २७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	६ २४	८ ७	९ ३७

अगस्त — दैनिक लग्नप्रवेशकालः स्टेन्डर्ड घण्टा मिनिट नवलगढ (राजस्थान) (अयनांशा २४ अक्षांशा २७।४५)

ता.	मेष रात्रौ	वृष रात्रौ	मिथुन रात्रौ	कर्क प्रातः	सिंह दिवा	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर सायं	कुंभ रात्रौ	मीन रात्रौ
१	१० ५९	१२ ३६	२ ३२	४ ४६	७ ५	९ २३	११ ४०	१ ५९	४ १६	६ २०	८ ४	९ ३२
२	१० ५५	१२ ३२	२ २८	४ ४२	७ १	९ १९	११ ३६	१ ५५	४ १३	६ १७	८ ०	९ २८
३	१० ५२	१२ २८	२ २४	४ ३८	६ ५८	९ १५	११ ३२	१ ५१	४ ९	६ १३	७ ५६	९ २५
४	१० ४८	१२ २४	२ २०	४ ३४	६ ५४	९ ११	११ २८	१ ४७	४ ५	६ ९	७ ५२	९ २१
५	१० ४४	१२ २०	२ १७	४ ३०	६ ५०	९ ७	११ २४	१ ४३	४ १	६ ५	७ ४८	९ १७
६	१० ४०	१२ १६	२ १३	४ २६	६ ४६	९ ३	११ २०	१ ३९	३ ५७	६ १	७ ४४	९ १३
७	१० ३६	१२ १२	२ ९	४ २२	६ ४२	८ ५९	११ १६	१ ३५	३ ५३	५ ५७	७ ४०	९ ९
८	१० ३२	१२ ८	२ ५	४ १८	६ ३८	८ ५६	११ १२	१ ३२	३ ४९	५ ५३	७ ३६	९ ६
९	१० २८	१२ ४	२ १	४ १४	६ ३४	८ ५२	११ ८	१ २८	३ ४५	५ ४९	७ ३२	९ २
१०	१० २४	१२ ०	१ ५७	४ १०	६ ३०	८ ४८	११ ४	१ २४	३ ४१	५ ४५	७ २८	८ ५८
११	१० २०	११ ५६	१ ५३	४ ६	६ २६	८ ४४	११ ०	१ २०	३ ३७	५ ४१	७ २४	८ ५४
१२	१० १६	११ ५२	१ ४९	४ २	६ २२	८ ४०	१० ५६	१ १६	३ ३३	५ ३७	७ २०	८ ५०
१३	१० १२	११ ४८	१ ४५	३ ५८	६ १८	८ ३६	१० ५२	१ १२	३ २९	५ ३३	७ १६	८ ४६
१४	१० ८	११ ४४	१ ४१	३ ५४	६ १४	८ ३२	१० ४८	१ ८	३ २५	५ २९	७ १२	८ ४२
१५	१० ४	११ ४०	१ ३७	३ ५०	६ १०	८ २८	१० ४४	१ ४	३ २१	५ २५	७ ८	८ ३८
१६	१० ०	११ ३६	१ ३३	३ ४६	६ ६	८ २४	१० ४०	१ ०	३ १७	५ २१	७ ४	८ ३४
१७	९ ५६	११ ३२	१ २९	३ ४२	६ २	८ २०	१० ३६	१२ ५६	३ १३	५ १७	७ ०	८ ३०
१८	९ ५२	११ २८	१ २५	३ ३८	५ ५८	८ १६	१० ३२	१२ ५२	३ ९	५ १३	६ ५६	८ २६
१९	९ ४८	११ २४	१ २१	३ ३४	५ ५४	८ १२	१० २८	१२ ४८	३ ५	५ ९	६ ५२	८ २२
२०	९ ४४	११ २०	१ १७	३ ३०	५ ५०	८ ७	१० २४	१२ ४३	३ १	५ ४	६ ४८	८ १९
२१	९ ४०	११ १६	१ १३	३ २६	५ ४६	८ ३	१० २०	१२ ३९	२ ५७	५ १	६ ४४	८ १३
२२	९ ३६	११ १२	१ ९	३ २२	५ ४२	७ ५९	१० १६	१२ ३५	२ ५३	४ ५७	६ ४०	८ ९
२३	९ ३२	११ ८	१ ५	३ १८	५ ३८	७ ५५	१० १२	१२ ३१	२ ४९	४ ५३	६ ३६	८ ५
२४	९ २८	११ ४	१ १	३ १४	५ ३४	७ ५१	१० ८	१२ २७	२ ४५	४ ४९	६ ३२	८ १
२५	९ २४	११ ०	१२ ५७	३ १०	५ ३०	७ ४७	१० ४	१२ २३	२ ४१	४ ४५	६ २८	७ ५७
२६	९ २०	१० ५६	१२ ५३	३ ६	५ २६	७ ४३	१० ०	१२ २०	२ ३७	४ ४१	६ २४	७ ५४
२७	९ १६	१० ५२	१२ ४९	३ २	५ २२	७ ४०	९ ५६	१२ १६	२ ३३	४ ३७	६ २०	७ ५०
२८	९ १२	१० ४९	१२ ४५	२ ५९	५ १८	७ ३६	९ ५३	१२ १२	२ २९	४ ३३	६ १७	७ ४६
२९	९ ८	१० ४५	१२ ४१	२ ५५	५ १४	७ ३२	९ ४९	१२ ८	२ २६	४ २९	६ १३	७ ४२
३०	९ ४	१० ४१	१२ ३७	२ ५१	५ १०	७ २८	९ ४५	१२ ४	२ २२	४ २६	६ ९	७ ३८
३१	९ ०	१० ३७	[illegible]	२ ४७	५ ६	७ २४	९ ४१	१२ ०	२ १८	४ २२	६ ५	७ ३४

सितम्बर दैनिक लग्नप्रवेशकाल: स्टेन्डर्ड घण्टा मिनिट नवलगढ (राजस्थान) (अयनांशा २४ अक्षांशा २७।४५)

ता.	मेष रात्री	वृष रात्री	मिथुन रात्री	कर्क रात्री	सिंह प्रातः	कन्या दिवा	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ सायं	मीन रात्री
१	८ ५७	१० ३३	१२ २९	२ ४३	५ २	७ २०	९ ३७	११ ५६	२ १४	४ १८	६ १	७ ३०
२	८ ५३	१० २९	१२ २५	२ ३९	४ ५९	७ १६	९ ३३	११ ५२	२ १०	४ १४	५ ५७	७ २६
३	८ ४९	१० २५	१२ २२	२ ३५	४ ५५	७ १२	९ २९	११ ४८	२ ६	४ १०	५ ५३	७ २२
४	८ ४५	१० २१	१२ १८	२ ३१	४ ५१	७ ८	९ २५	११ ४४	२ २	४ ६	५ ४९	७ १८
५	८ ४१	१० १७	१२ १४	२ २७	४ ४७	७ ५	९ २१	११ ४०	१ ५८	४ २	५ ४५	७ १५
६	८ ३७	१० १३	१२ १०	२ २३	४ ४३	७ १	९ १७	११ ३७	१ ५४	३ ५८	५ ४१	७ ११
७	८ ३३	१० ९	१२ ६	२ १९	४ ३९	६ ५७	९ १३	११ ३३	१ ५०	३ ५४	५ ३७	७ ७
८	८ २९	१० ५	१२ २	२ १५	४ ३५	६ ५३	९ ९	११ २९	१ ४६	३ ५०	५ ३३	७ ३
९	८ २५	१० १	११ ५८	२ ११	४ ३१	६ ४९	९ ५	११ २५	१ ४२	३ ४६	५ २९	६ ५९
१०	८ २१	९ ५८	११ ५४	२ ८	४ २७	६ ४५	९ १	११ २१	१ ३८	३ ४२	५ २५	६ ५५
११	८ १७	९ ५४	११ ५०	२ ४	४ २३	६ ४१	८ ५७	११ १७	१ ३४	३ ३८	५ २१	६ [illegible]
१२	८ १३	९ ५०	११ ४६	२ ०	४ १९	६ ३७	८ ५३	११ १३	१ ३०	३ ३४	५ १८	६ ४७
१३	८ ९	९ ४६	११ ४२	१ ५६	४ १५	६ ३३	८ ५०	११ ९	१ २६	३ ३०	५ १४	६ ४३
१४	८ ५	९ ४२	११ ३८	१ ५२	४ ११	६ २९	८ ४६	११ ५	१ २२	३ २६	५ १०	६ ३९
१५	८ १	९ ३८	११ ३४	१ ४८	४ ७	६ २५	८ ४२	११ १	१ १८	३ २२	५ ६	६ ३५
१६	७ ५७	९ ३४	११ ३०	१ ४४	४ ३	६ २१	८ ३८	१० ५७	१ १४	३ १८	५ २	६ ३१
१७	७ ५३	९ ३०	११ २६	१ ४०	३ ५९	६ १७	८ ३४	१० ५३	१ १०	३ १४	४ ५८	६ २७
१८	७ ४९	९ २६	११ २२	१ ३६	३ ५५	६ १३	८ ३०	१० ४९	१ ७	३ ११	४ ५४	६ २३
१९	७ ४५	९ २२	११ १८	१ ३२	३ ५१	६ ९	८ २६	१० ४५	१ ३	३ ७	४ ५०	६ १९
२०	७ ४१	९ १८	११ १४	१ २८	३ ४७	६ ५	८ २२	१० ४१	१२ ५९	३ ३	४ ४६	६ १५
२१	७ ३७	९ १४	११ १०	१ २४	३ ४३	६ १	८ १८	१० ३७	१२ ५५	२ ५९	४ ४२	६ ११
२२	७ ३४	९ १०	११ ६	१ २०	३ ४०	५ ५७	८ १४	१० ३३	१२ ५१	२ ५५	४ ३८	६ ७
२३	७ ३०	९ ७	११ २	१ १६	३ ३६	५ ५३	८ १०	१० २९	१२ ४७	२ ५१	४ ३४	६ ३
२४	७ २६	९ ३	१० ५८	१ १२	३ ३२	५ ४९	८ ६	१० २५	१२ ४३	२ ४७	४ ३०	५ ५९
२५	७ २२	८ ५९	१० ५४	१ ८	३ २८	५ ४५	८ २	१० २२	१२ ४०	२ ४३	४ २६	५ ५५
२६	७ १८	८ ५५	१० ५०	१ ४	३ २४	५ ४१	७ ५८	१० १८	१२ ३६	२ ३९	४ २२	५ ५१
२७	७ १४	८ ५१	१० ४६	१ ०	३ २०	५ ३७	७ ५४	१० १४	१२ ३२	२ ३५	४ १८	५ ४६
२८	७ १०	८ ४७	१० ४२	१२ ५६	३ १६	५ ३३	७ ५०	१० १०	१२ २८	२ ३१	४ १४	५ ४२
२९	७ ६	८ ४३	१० ३८	१२ ५२	३ ११	५ २९	७ ४६	१० ५	१२ २३	२ २७	४ १०	५ ३८
३०	७ २	८ ३९	१० ३४	१२ ४८	३ ७	५ २५	७ ४२	१० १	१२ १९	२ २३	४ ६	५ ३४

अक्टूबर दैनिक लग्नप्रवेशकाल: स्टेन्डर्ड घण्टा मिनिट नवलगढ (राजस्थान) (अयनांशा २० अक्षांशा २७।४५)

ता.	मेष सायं	वृष रात्री	मिथुन रात्री	कर्क रात्री	सिंह रात्री	कन्या प्रातः	तुला दिवा	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन सायं
१	६ ५७	८ ३४	१० ३०	१२ ४४	३ ३	५ २१	७ ३८	९ ५७	१२ १५	२ १९	४ २	५ ३१
२	६ ५३	८ ३०	१० २६	१२ ४०	२ ५९	५ १७	७ ३४	९ ५३	१२ ११	२ १५	३ ५८	५ २७
३	६ ४९	८ २६	१० २२	१२ ३६	२ ५५	५ १३	७ ३०	९ ४९	१२ ७	२ ११	३ ५४	५ २३
४	६ ४५	८ २२	१० १८	१२ ३२	२ ५१	५ ९	७ २६	९ ४५	१२ ३	२ ७	३ ५०	५ १९
५	६ ४१	८ १८	१० १४	१२ २८	२ ४७	५ ५	७ २२	९ ४१	११ ५९	२ ३	३ ४६	५ १५
६	६ ३७	८ १४	१० १०	१२ २४	२ ४३	५ १	७ १८	९ ३७	११ ५५	१ ५९	३ ४२	५ ११
७	६ ३३	८ १०	१० ६	१२ २०	२ ३९	४ ५७	७ १४	९ ३३	११ ५१	१ ५५	३ ३८	५ ७
८	६ २९	८ ६	१० २	१२ १६	२ ३५	४ ५३	७ १०	९ २९	११ ४७	१ ५१	३ ३४	५ ३
९	६ २५	८ २	९ ५८	१२ १२	२ ३१	४ ४९	७ ६	९ २५	११ ४३	१ ४७	३ ३०	४ ५९
१०	६ २२	७ ५८	९ ५४	१२ ८	२ २८	४ ४५	७ २	९ २१	११ ३९	१ ४३	३ २६	४ ५५
११	६ १८	७ ५४	९ ५०	१२ ४	२ २४	४ ४१	६ ५८	९ १७	११ ३५	१ ३९	३ २२	४ ५१
१२	६ १४	७ ५०	९ ४६	१२ ०	२ २०	४ ३७	६ ५४	९ १३	११ ३१	१ ३५	३ १८	४ ४७
१३	६ १०	७ ४६	९ ४२	११ ५६	२ १६	४ ३३	६ ५०	९ ९	११ २७	१ ३१	३ १४	४ ४३
१४	६ ६	७ ४२	९ ३९	११ ५२	२ १२	४ २९	६ ४६	९ ५	११ २३	१ २७	३ १०	४ ३९
१५	६ २	७ ३८	९ ३५	११ ४८	२ ८	४ २५	६ ४२	९ १	११ १९	१ २३	३ ६	४ ३६
१६	५ ५८	७ ३४	९ ३१	११ ४५	२ ४	४ २१	६ ३८	८ ५८	११ १५	१ १९	३ २	४ ३२
१७	५ ५४	७ ३०	९ २७	११ ४१	२ ०	४ १८	६ ३४	८ ५४	११ ११	१ १५	२ ५८	४ २८
१८	५ ५०	७ २७	९ २३	११ ३७	१ ५६	४ १४	६ ३१	८ ५०	११ ७	१ ११	२ ५५	४ २४
१९	५ ४६	७ २३	९ १९	११ ३३	१ ५२	४ १०	६ २७	८ ४६	११ ४	१ ८	२ ५१	४ २०
२०	५ ४२	७ १९	९ १५	११ २९	१ ४८	४ ६	६ २३	८ ४२	११ ०	१ ४	२ ४७	४ १६
२१	५ ३९	७ १५	९ ११	११ २५	१ ४५	४ २	६ १९	८ ३८	१० ५६	१ ०	२ ४३	४ १२
२२	५ ३५	७ ११	९ ७	११ २१	१ ४१	३ ५८	६ १५	८ ३४	१० ५२	१२ ५६	२ ३९	४ ८
२३	५ ३१	७ ७	९ ४	११ १७	१ ३७	३ ५४	६ ११	८ ३०	१० ४८	१२ ५२	२ ३५	४ ४
२४	५ २७	७ ३	९ ०	११ १४	१ ३३	३ ५०	६ ७	८ २६	१० ४४	१२ ४८	२ ३२	४ ०
२५	५ २३	६ ५९	८ ५६	११ ९	१ २९	३ ४६	६ ३	८ २२	१० ४०	१२ ४४	२ २७	३ ५६
२६	५ १९	६ ५५	८ ५२	११ ५	१ २५	३ ४२	५ ५९	८ १८	१० ३६	१२ ४०	२ २३	३ ५२
२७	५ १५	६ ५१	८ ४८	११ १	१ २१	३ ३८	५ ५५	८ १४	१० ३२	१२ ३६	२ १९	३ ४८
२८	५ ११	६ ४७	८ ४४	१० ५७	१ १७	३ ३४	५ ५१	८ १०	१० २८	१२ ३२	२ १५	३ ४४
२९	५ ७	६ ४३	८ ४०	१० ५३	१ १३	३ ३०	५ ४७	८ ६	१० २४	१२ २८	२ ११	३ ४०
३०	५ ३	६ ३९	८ ३६	१० ४९	१ ९	३ २६	५ ४३	८ २	१० २०	१२ २४	२ ७	३ ३६
३१	४ ५९	६ ३५	८ ३१	१० ४५	१ ५	३ २२	५ ३९	७ ५८	१० १६	१२ २०	२ ३	३ ३२

नवम्बर — दैनिक लग्नप्रवेशकाल स्टेन्डर्ड घण्टा मिनिट नवलगढ (राजस्थान) (अयनांशा २४ अक्षांशा २७।४५)

ता.	मेष सायं	वृष सायं	मिथुन रात्री	कर्क रात्री	सिंह रात्री	कन्या रात्री	तुला प्रातः	वृश्चिक दिवा	धनु दिवा	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
१	४ ५४	६ ३१	८ २७	१० ४१	१ ०	३ १८	५ ३५	७ ५४	१० १२	१२ १६	१ ५६	३ २८
२	४ ५०	६ २७	८ २३	१० ३७	१२ ५६	३ १४	५ ३१	७ ५०	१० ८	१२ १२	१ ५५	३ २४
३	४ ४६	६ २३	८ १९	१० ३३	१२ ५२	३ १०	५ २७	७ ४६	१० ३	१२ ८	१ ५१	३ २०
४	४ ४२	६ १९	८ १५	१० २९	१२ ४८	३ ६	५ २३	७ ४२	९ ५९	१२ ४	१ ४७	३ १६
५	४ ३८	६ १५	८ ११	१० २५	१२ ४४	३ २	५ १९	७ ३८	९ ५६	१२ ०	१ ४३	३ १२
६	४ ३४	६ ११	८ ७	१० २१	१२ ४०	२ ५८	५ १५	७ ३४	९ ५२	११ ५६	१ ३९	३ ८
७	४ ३०	६ ७	८ ३	१० १७	१२ ३६	२ ५४	५ ११	७ ३०	९ ४८	११ ५२	१ ३५	३ ४
८	४ २६	६ ३	७ ५९	१० १३	१२ ३२	२ ५०	५ ७	७ २६	९ ४४	११ ४८	१ ३१	३ ०
९	४ २३	५ ५९	७ ५५	१० ९	१२ २९	२ ४६	५ ३	७ २२	९ ४०	११ ४४	१ २७	२ ५६
१०	४ १९	५ ५५	७ ५१	१० ५	१२ २५	२ ४२	४ ५९	७ १८	९ ३६	११ ४०	१ २३	२ ५२
११	४ १५	५ ५१	७ ४८	१० १	१२ २१	२ ३८	४ ५५	७ १४	९ ३२	११ ३६	१ १९	२ ४८
१२	४ ११	५ ४७	७ ४४	९ ५७	१२ १७	२ ३४	४ ५१	७ १०	९ २८	११ ३२	१ १५	२ ४४
१३	४ ७	५ ४३	७ ४०	९ ५३	१२ १३	२ ३१	४ ४७	७ ७	९ २४	११ २८	१ ११	२ ४१
१४	४ ३	५ ४०	७ ३६	९ ५०	१२ ९	२ २७	४ ४४	७ ३	९ २०	११ २४	१ ८	२ ३७
१५	३ ५९	५ ३६	७ ३२	९ ४६	१२ ५	२ २३	४ ४०	६ ५९	९ १६	११ २०	१ ४	२ ३३
१६	३ ५५	५ ३२	७ २८	९ ४२	१२ २	२ १९	४ ३६	६ ५५	९ १३	११ १७	१ ०	२ २९
१७	३ ५२	५ २८	७ २४	९ ३८	११ ५८	२ १५	४ ३२	६ ५१	९ ९	११ १३	१२ ५६	२ २५
१८	३ ४८	५ २४	७ २०	९ ३४	११ ५४	२ ११	४ २८	६ ४७	९ ५	११ ९	१२ ५२	२ २१
१९	३ ४४	५ २०	७ १७	९ ३०	११ ५०	२ ८	४ २४	६ ४४	९ १	११ ५	१२ ४८	२ १८
२०	३ ४०	५ १६	७ १३	९ २६	११ ४६	२ ४	४ २०	६ ४०	८ ५७	११ १	१२ ४४	२ १४
२१	३ ३६	५ १३	७ ९	९ २३	११ ४२	२ ०	४ १७	६ ३६	८ ५४	१० ५८	१२ ४१	२ १०
२२	३ ३३	५ ९	७ ५	९ १९	११ ३८	१ ५६	४ १३	६ ३२	८ ५०	१० ५४	१२ ३७	२ ६
२३	३ २९	५ ५	७ १	९ १५	११ ३४	१ ५२	४ ९	६ २८	८ ४६	१० ५०	१२ ३३	२ २
२४	३ २५	५ १	६ ५७	९ ११	११ ३०	१ ४८	४ ५	६ २४	८ ४२	१० ४६	१२ २९	१ ५८
२५	३ २०	४ ५७	६ ५३	९ ७	११ २६	१ ४४	४ १	६ २०	८ ३८	१० ४३	१२ २५	१ ५४
२६	३ १६	४ ५३	६ ४९	९ ३	११ २२	१ ४०	३ ५७	६ १६	८ ३४	१० ३८	१२ २१	१ ५०
२७	३ १२	४ ४९	६ ४५	८ ५९	११ १८	१ ३६	३ ५३	६ १२	८ ३०	१० ३४	१२ १७	१ ४६
२८	३ ८	४ ४५	६ ४१	८ ५५	११ १४	१ ३२	३ ४९	६ ८	८ २६	१० ३०	१२ १३	१ ४२
२९	३ ४	४ ४१	६ ३७	८ ५१	११ १०	१ २८	३ ४५	६ ४	८ २२	१० २६	१२ ९	१ ३८
३०	३ ०	४ ३७	६ ३३	८ ४७	११ ६	१ २४	३ ४१	६ ०	८ १७	१० २२	१२ ५	१ ३४

दिसम्बर — दैनिक लग्नप्रवेशकालः स्टेन्डर्ड घण्टा मिनिट नवलगढ (राजस्थान) (अयनांशा २४ अक्षांशा २७।४५)

ता.	मेष दिवा	वृष दिवा	मिथुन सायं	कर्क रात्री	सिंह रात्री	कन्या रात्री	तुला रात्री	वृश्चिक रात्री	धनु प्रातः	मकर दिवा	कुंभ दिवा	मीन दिवा
१	२ ५६	४ ३३	६ २९	८ ४३	११ ३	१ २०	३ ३७	५ ५६	८ १४	१० १८	१२ १	१ ३०
२	२ ५२	४ २९	६ २५	८ ३९	१० ५८	१ १६	३ ३३	५ ५२	८ १०	१० १४	११ ५७	त २६
३	२ ४८	४ २५	६ २१	८ ३५	१० ५४	१ १२	३ २९	५ ४८	८ ६	१० १०	११ ५३	१ २२
४	२ ४४	४ २१	६ १७	८ ३१	१० ५०	१ ८	३ २५	५ ४४	८ २	१० ६	११ ४९	१ १८
५	२ ४०	४ १७	६ १३	८ २७	१० ४६	१ ४	३ २१	५ ४०	७ ५८	१० २	११ ४५	१ १४
६	२ ३७	४ १३	६ ९	८ २३	१० ४३	१ ०	३ १७	५ ३६	७ ५४	९ ५८	११ ४१	१ १०
७	२ ३३	४ ९	६ ५	८ १९	१० ३९	१२ ५६	३ १३	५ ३२	७ ५०	९ ५४	११ ३७	१ ६
८	२ २९	४ ५	६ २	८ १५	१० ३५	१२ ५२	३ ९	५ २८	७ ४६	९ ५०	११ ३३	१ २
९	२ २५	४ १	५ ५८	८ ११	१० ३१	१२ ४८	३ ५	५ २५	७ ४२	९ ४६	११ २९	१२ ५८
१०	२ २१	३ ५७	५ ५४	८ ७	१० २७	१२ ४५	३ २	५ २१	७ ३८	९ ४२	११ २५	१२ ५५
११	२ १७	३ ५३	५ ५०	८ ३	१० २३	१२ ४१	२ ५८	५ १७	७ ३४	९ ३८	११ २१	१२ ५१
१२	२ १३	३ ४०	५ ४६	८ ०	१० १९	१२ ३७	२ ५४	५ १३	७ ३०	९ ३४	११ १८	१२ ४७
१३	२ ९	३ ४६	५ ४२	७ ५६	१० १५	१२ ३३	२ ५०	५ ९	७ २६	९ ३०	११ १४	१२ ४३
१४	२ ५	३ ४२	५ ३८	७ ५२	१० ११	१२ २९	२ ४६	५ ५	७ २३	९ २७	११ १०	१२ ३९
१५	२ १	३ ३८	५ ३४	७ ४८	१० ७	१२ २५	२ ४२	५ १	७ १९	९ २३	११ ६	१२ ३५
१६	१ ५८	३ ३४	५ ३०	७ ४४	१० ४	१२ २१	२ ३८	४ ५७	७ १५	९ १९	११ २	१२ ३१
१७	१ ५४	३ ३०	५ २७	७ ४०	१० ०	१२ १७	२ ३४	४ ५३	७ ११	९ १५	१० ५८	१२ २७
१८	१ ५०	३ २६	५ २३	७ ३६	९ ५६	१२ १३	२ ३०	४ ४९	७ ७	९ ११	१० ५४	१२ २३
१९	१ ४६	३ २२	५ १९	७ ३२	९ ५२	१२ १०	२ २६	४ ४६	७ ३	९ ७	१० ५०	१२ २०
२०	१ ४२	३ १८	५ १५	७ २८	९ ४८	१२ ६	२ २२	४ ४२	६ ५९	९ ३	१० ४६	१२ १६
२१	१ ३८	३ १५	५ ११	७ २५	९ ४४	१२ २	२ १९	४ ३८	६ ५५	८ ५९	१० ४३	१२ १२
२२	१ ३४	३ ११	५ ७	७ २१	९ ४०	११ ५८	२ १५	४ ३४	६ ५२	८ ५६	१० ३९	१२ ८
२३	१ ३१	३ ७	५ ३	७ १७	९ ३७	११ ५४	२ ११	४ ३०	६ ४८	८ ५२	१० ३५	१२ ४
२४	१ २७	३ ३	४ ५९	७ १३	९ ३३	११ ५०	२ ७	४ २६	६ ४४	८ ४८	१० ३१	१२ ०
२५	१ २३	२ ५९	४ ५६	७ ९	९ २९	११ ४६	२ ३	४ २२	६ ४०	८ ४४	१० २७	११ ५६
२६	१ १९	२ ५५	४ ५२	७ ५	९ २५	११ ४३	१ ५९	४ १९	६ ३६	८ ४०	१० २३	११ ५३
२७	१ १५	२ ५१	४ ४८	७ १	९ २१	११ ३९	१ ५५	४ १५	६ ३२	८ ३६	१० १९	११ ४९
२८	१ ११	२ ४८	४ ४४	६ ५८	९ १७	११ ३५	१ ५२	४ ११	६ २८	८ ३२	१० १५	११ ४५
२९	१ ७	२ ४४	४ ४०	६ ५४	९ १३	११ ३१	१ ४८	४ ७	६ २४	८ २९	१० १२	११ ४१
३०	१ ३	२ ४०	४ ३६	६ ५०	९ ९	११ २७	१ ४४	४ ३	६ २१	८ २५	१० ८	११ ३७
३१	१ ०	२ ३६	४ ३२	६ ४६	९ ५	११ २३	१ ४०	३ ५९	६ १७	८ २१	१० ४	११ ३३

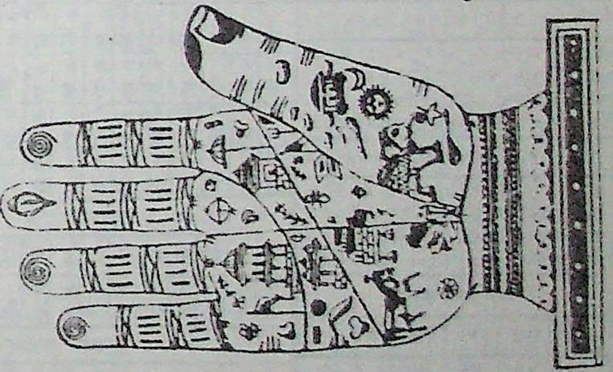
दैनिक लग्नसारणी में वार्षिक संस्कार

	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध	म.	कुं	मी.
२००१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२००२	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१
२००३	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२
A २००४	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+२	+३	+३	+३
B २००४	—१	—१	—१	—१	—१	—१	—१	—१	—१	—१	—१	—१
२००५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२००६	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१
२००७	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२
A २००८	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+१	+३
B २००८	—१	—१	—१	—१	—१	—१	—१	—१	—१	—१	—१	—१
२००९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२०१०	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१
२०११	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२
A २०१२	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+२	+३	+३	+३
B २०१२	—१	—१	—१	—१	—१	—१	—१	—१	—१	—१	—१	—१
२०१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२०१४	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१	+१
२०१५	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२
A २०१६	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+३
B २०१६	—१	१	१	१	१	१	१	१	—१	१	—१	—१

दैनिक लग्नसारणी से लग्न जानने की रीति

आगे दी गई लग्न सारणी २४ अक्षांश और २७।४५ पौने अठाइस अक्षांश पर बनाई गई है। इसमें प्रत्येक लग्न का प्रवेशकाल भारतीय स्टेण्डर्ड (रेलवे) टाइम के घंटा मिनिट लिखे गये हैं और प्रत्येक मास की अंग्रेजी तारीखों पर लिखे गये हैं। इनमें लिखे घटा मिनिटों में प्रति वर्ष थोड़ी स्थूलता आ जाती है इसको सूक्ष्म बनाने के लिये वार्षिक संस्कार सारणी इसी पेज में लिखी गयी है। यह वार्षिक संस्कार करने से अभीष्ट सन् एवं तारीख का सूक्ष्मासन्न लग्न प्रवेश काल प्राप्त होगा। वार्षिक लग्न सारणी में लीपीयर सन् दो बार लिखा गया है जिस सन् के साथ (A) का निशान है वह उस सन् के जनवरी १ तारीख से ता० २८ फरवरी तक के लिये है। और जिस सन् के साथ (B) का निशान है वह ता० २८ फरवरी से ता० ३१ दिसंबर तक के लिये है। सारणी में (—) ऋण चिन्ह है (+) धन चिन्ह है दैनिक लग्न सारणी से प्राप्त घटा मिनिट में वार्षिक संस्कार ऋण धन करने (घटाने, जोडने) से अभीष्ट सन् और तारीख का सूक्ष्मासन्न लग्न प्रवेश काल प्राप्त होगा। उदाहरण १—ता० १५ अप्रेल को सन् १९८७ मेष प्रवेश देखना है सारणी में १५ अप्रेल को ६।० बजे लिखा है वार्षिक संस्कार कोष्टक में सन् १९८७ में मेष के नीचे +२ लिखा है यह ६-० में +२ जोडने से ६।२ बजे मेषारंभ का सूक्ष्मासन्नकाल हुआ और मीन लग्न का समाप्तिकाल हुआ यह स्टेण्डर्ड (रेलवे) टाइम होगा। उदाहरण २—इस्वी सन् १९८४ ता० १५ जनवरी को मेष प्रवेश जानने के लिये दैनिक लग्न सारणी में रेल्वे टाइम दिन का ११।५९ लिखा है और वार्षिक संस्कार कोष्टक में सन् १९८४ (A) में मेष लग्न के नीचे +३ मि. लिखा है यह ११।५९ में जोडने से १२।२ पर दिन में रे. टा. १२।२ पर मेषारंभ हुआ और मीन लग्न की समाप्ती हुई। उदाहरण ३—सन् १९८० को नवलगढ में ता. २९ को मेषारंभ जानना है। सारणी में २९ फरवरी नहीं है अतः ता. २८ फरवरी में लिखे ९।६ घंटा मिनिट लिये और वार्षिक संस्कार कोष्ठक में सन् १९८४ (B) में मेष के नीचे —१ मिनिट ऋण लिखा है यह घं. ९।६ में ऋण किया तो दिन के ९ बजकर ५ मिनिट रेल्वे टा. पर मेषारंभ और मीन लग्न का समाप्ती काल हुआ।

शिवपार्वतीसंवादे सामुद्रिके हस्त-
रेखाशुभाशुभफलं लिख्यते।



श्रीगणेशाय नमः॥ अथातः संप्रवक्ष्यामि हस्तरेखाविचारणम्॥ दक्षिणे पुरुषे ज्ञेयं वामे वामाकरं शुभम्॥१॥ शिवोक्तं तत्र सामुद्रं हस्तरेखाशुभाशुभम्॥ येन विज्ञानमात्रेण पुरुषो न विशोचति॥२॥ यस्य मीनः करे रेखा कर्मसिद्धिश्च जायते॥ धनाढ्यस्तु स विज्ञेयो बहुपुत्रो न संशयः॥३॥ तुलामासं तथा वज्रं करमध्ये च दृश्यते॥ तस्य वाणिज्यसिद्धिः स्यात् पुरुषस्य न संशयः॥४॥ पद्मं च पादिशङ्गं च अष्टकोणमध्ये च दृश्यते॥ छत्र पुरुषस्यापि धनवान् स सुखी नरः॥५॥ शङ्खचक्रध्वजाकारो मत्स्याकारश्च दृश्यते॥ सर्वविद्याप्रदानेन बुद्धिमान् स सुखी नरः॥६॥ त्रिशूलं करमध्ये तु नेन राजा प्रवर्तते॥ यज्ञोपवीते॥ ... बद्धिजप्रजने॥७॥ शक्तितोमरबाणैश्च करमध्ये च दृश्यते॥ रथचक्रध्वजाकारः सचरा ... भवेन्नरः॥८॥ अंकुशं कुंडलं चक्रं यस्य पाणितले भवेत्॥ तस्य राज्यं महाश्रेष्ठं सामुद्रवचनं यथा॥९॥ गिरिं कूर्मयोनीनां नरमुण्डघटादिकम्॥ करे यस्य विज्ञानी राजमन्त्री भवेन्नरः॥१०॥ रविचन्द्रकृतानेत्र अष्टकोणत्रिनेत्रकम्॥ मंदिरं गजअश्वानां चिह्नैर्धनसुखी नरः॥११॥ अंगुष्ठोदरमध्ये ... यो यस्य विराजते॥ उत्तमभक्ष्यभोगी स्यात् स नरः सुखमेधते॥१२॥ मध्यमा तर्जनीमूलं यवो यस्य प्रदृश्यते॥ धनवान् सुखयोगी स्यात् पुत्रदारगृहादिषु॥१३॥ एवं बहुधा।

प्राचीनमते वर्ष ध्रुवाः

वर्ष	१	२	३	४	५	६	७	८	९
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	४
घटी	१५	३१	४६	२	१७	३३	४८	४	१९
पल	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३
विपल	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०
वर्ष	१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०
वार	५	४	२	१	६	५	४	२	१
घटी	३५	१०	४५	२१	५६	३१	६	४२	१७
पल	१५	३०	४५	०	१५	३०	४५	०	१५
विपल	०	०	०	०	०	०	०	०	०

नूतन दृक्पक्षीयाः वर्ष ध्रुवाः

वर्ष	१	२	३	४	५	६	७	८	९
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	४
घटी	१५	३०	४६	१	१६	३२	४७	३	१८
पल	२३	४५	८	३१	५४	१७	४०	३	२६
विपल	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३
वर्ष	१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०
वार	५	४	२	१	६	५	३	२	१
घटी	३३	७	४१	१५	४९	२३	५६	३०	४
पल	४९	३९	२८	१८	७	५७	४६	३६	२५
विपल	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०

पंच वर्गी बलम्

स्वक्षे	उच्च	हद्दा	द्रेका	नवां	
३० ०	२० ०	१५ ०	१० ०	५ ०	स्व
२२ ३०	१५ ०	११ १५	७ ३०	३ ४५	मि
१५ ०	१० ०	७ ३०	५ ०	२ ३०	सम
७ ३०	५ ०	३ ४५	२ ३०	१ १५	शत्रु

वर्ष मुथा चक्रम्

सू	चं	मं	रा	बृ	श	बु	के	शु	द.
० १८	१ ०	० २१	१ २४	१ १८	१ २७	१ २५	० २१	२ ०	मा दि.

सप्तांश चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	अंश
१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	६	४।१७।८।३४
२	९	४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	७	८।३४।१७।८
३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	६	१	८	१२।५१।२५।४२
४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	१७।८।३४।१७
५	१२	७	२	९	४	११	६	१	८	३	१०	२१।२५।४२।५१
६	१	८	३	१०	५	१२	७	२	९	४	११	२५।४२।५१।२५
७	२	९	४	११	६	१	८	३	१०	५	१२	३०।०

वर्ष हद्दा चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	राशी
६	८	६	७	६	७	६	७	१२	७	७	१२	अंश
बृ	शु	बु	मं	बृ	बु	श	मं	बृ	बु	बु	शु	स्वामी
६	६	६	६	५	१०	८	४	५	७	६	४	अंश
शु	बु	शु	शु	शु	शु	बु	शु	शु	बृ	शु	बृ	स्वामी
८	८	५	६	७	४	७	८	४	८	७	३	अंश
बु	बृ	बृ	बु	श	बृ	बृ	बु	बु	श	बृ	बु	स्वामी
५	५	७	७	६	७	७	५	५	४	५	९	अंश
मं	श	मं	बृ	बु	मं	शु	बृ	मं	श	मं	मं	स्वामी
५	३	६	४	६	२	२	६	४	४	५	२	अंश
श	मं	श	श	मं	श	मं	श	श	मं	श	श	स्वामी

होरा चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	अंश
५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	१५
४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	३०

द्रेष्काण चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	अंश
मं १	शु २	बु ३	चं ४	सू ५	बु ६	शु ७	मं ८	बृ ९	श १०	श ११	बृ १२	१०
सू ५	बु ६	शु ७	मं ८	बृ ९	श १०	श ११	बृ १२	मं १	शु २	बु ३	चं ४	२०
बृ ९	श १०	श ११	बृ १२	मं १	शु २	बु ३	चं ४	सू ५	बु ६	शु ७	मं ८	३०

त्रिपता चक्रे ग्रह स्थापनम्-सैकागताब्द संख्याया विभक्तो नवभिस्ततः। शेषांके जन्मनिगता चन्द्रा-दोरिहन्यसेत् ॥ शेष ग्रहाश्चतुर्थंके शेष संख्यासु विन्यसेत। त्रिपतायां वर्ष लग्न आदौ तत्र विधुर्यदा। शुभैर्विद्धः शुभफलः पापैः पापफल प्रदः इति ॥

नवमांश चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	अंश
१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	३।२०
२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	८	५	६।४०
३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	१०।०
४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	१३।२०
५	२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	८	१६।४०
६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	२०।०
७	४	१	१०	७	४	१	१०	७	४	१	१०	२३।२०
८	५	२	११	८	५	२	११	८	५	२	११	२६।४०
९	६	३	१२	९	६	३	१२	९	६	३	१२	३०।०

द्वादशांश चक्रम्

मे	वृ	मि	क	सिं	कं	तु	वृ	ध	म	कुं	मी	अंश
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	२।३०
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	५।०
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	७।३०
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	१०।०
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	१२।३०
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	१५।०
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	१७।३०
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	२०।०
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	२२।३०
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	२५।०
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	२७।३०
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	३०।०

अथ त्रिंशांश चक्रम्

विषमे त्रिंशांशाः							समे त्रिंशांशाः						
मे	मि	सिं	तु	ध	कुं	अं	वृ	क	कं	वृ	म	मी	अं
१	१	१	१	१	१	५	२	२	२	२	२	२	५
११	११	११	११	११	११	१०	६	६	६	६	६	६	१२
९	९	९	९	९	९	१८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	२०
३	३	३	३	३	३	२५	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२५
७	७	७	७	७	७	३०	८	८	८	८	८	८	३०

त्रिराशिपतयः

लग्न	मे	वृ	मि	क	सिं	क	तु	वृ	ध	म	कुं	मी
दिवा	र	शु	श	शु	गु	चं	बु	मं	श	मं	बृ	चं
रात्रौ	बृ	चं	बु	मं	र	शु	श	शु	श	मं	बृ	चं

ग्रहाणां उच्च-नीच हर्ष स्थानानि दीप्तांशकाश्च

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	ग्रहा
०	१	९	५	३	११	६	उच्च
१०	३	२८	१५	५	२७	२०	रा. अं.
६	७	३	११	९	५	०	नीच
१०	३	२८	१५	५	२७	२०	रा. अं.
९	३	६	१	११	५	१२	हर्ष स्थान
१५	१२	८	७	९	७	९	दीप्तांशाः

उच्चबलानयनम्

दीप्तग्रहांश कार्यरूढभा। द्वयं यदा भवेत् तदेशा लग्नस्थि- शेषाः स्पष्ट मुथा बलं भवेत ॥

वर्ष मैत्री चक्रम्

मित्र	सम	शत्रु
५-९	२-१२	१-४
३-११	६-८	७-१०

अथ पंचाधिकारिणः

१ जन्म लग्नेशः
२ वर्ष लग्नेशः
३ त्रिराशिपतिः
४ मुथा पतिः
५ दिवा रवि राशीशः ६ रात्रौ चन्द्र राशीशः

तेषु लग्नाऽवलोकी बलवांश्च वर्षपतिर्भवेत।

वर्षे मुथादशाज्ञानम्

जन्मर्क्ष संख्या सहितागताब्दे दृग्निता नन्द हृतावशेषात्। आ. चं. कु. रा. जी श. बु. के. शु. वर्षे मुथा दशेयं कथिता मुनीन्द्रैः। अथ ग्रहाणां दीप्तांशाः-तिथ्य १५ कौ १२ वह्न ८ नगांक शैलैश्चर्च्चैरा: सूर्यादिदीप्तांशकाः ॥ - - - - -

अथहर्ष बलानयनम्:-कोष्ठकोक्तभावेषु ग्रहे स्थिते, प्रथमम्। योग्रहः स्वोच्चः स्वराशिस्थः सोपिबलाधिकारी, द्वितीयम्। लग्नात्त्रित्रिस्थानेषु स्त्रीणां पुंग्रहाणांच स्थितौ हर्षबलम् तृतीयम्। दिवा वर्ष प्रवेशे नृणां रात्रौ स्त्रीणां बलं भवति इति चतुर्थम्। ताजिके. सू.मं.गु. पुरुषग्रहाः शेषाः स्त्रीग्रहाः ॥ - - - - -

मुथानयनम्-गतवर्षेषु लग्नं संयोज्य द्वादशभक्ते वर्षे मुथाराशिः ॥ - - - - - - - -

वर्षे जन्मलग्नफलम्-जन्मोदयाद्वास्वदजप्रवेश-लग्नंहियद्भावगतंशुभान्वितम्॥ तद्भाववृद्धिं प्रकरोति तस्मिन्वर्षे नृणां पापयुतं तदन्यथा ॥

विविधविषय सम्पन्नं सर्वोपयोगी चक्रम्

ग्रहाः	रवि	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
प्लेनेट	सन	[illegible]	मार्स	मर्करी	जुपिटर	वेनस	सेटर्न	ड्रेगोंस	ड्रेगोंस
ग्रहा. १पाददृ.	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०
द्विपाददृष्टि	५ ६	५।६	५।६	५।६	५।६	५।९	५।९	५।९	५।६
त्रिपाददृष्टि	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४ ८	४ ८	४।८	४।८
सम्पूर्णदृष्टिः	७	७	४।७।८	७	५।७।९	७	३।१०।७	७	७
ग्रहाणांवर्षा	२२	२४	२८	३२	१६	२५	३६	४२	४२
रत्नानि	माणिक	मोति	प्रवाल	पन्ना	पुष्परा	हीरा	नीलम	पिरोजा	लसणि
मित्रग्रहाः	चं. मं. वृ.	र. वृ.	र. चं. वृ.	र. श. शु.	र. चं. मं.	बु. श.	बु. शु.	बु. शु. श.	बु. शु. श.
समग्रहाः	बु	मं. गु. शु. श.	शु. श. रा.	मं. श. गु.	श. रा	मं. गु.	गु.	गु.	गु.
शत्रुग्रहाः	श. शु. रा.	रा	बु. रा.	चं	बु. शु.	र. चं.	र. चं. मं.	र. चं. मं.	र. चं. मं.
उच्च राशि अंश	मेष १०	वृषभ ३	मकर २८	कन्या १५	कर्क ५	मीन २७	तुला २०	मिथुन १५	धन १५
नीच राशि अंश	तुला १०	वृश्चिक ३	कर्क २८	मीन १५	मकर ५	कन्या २७	मेष २०	धन १५	मिथुन १५
स्वगृहराशि	सिंह	कर्क	मे. वृ.	कं. मि.	ध. मी.	वृष. तु.	म. कु.	कन्या	मीन
मूलत्रिकोण	सिंह	वृषभ	मेष	कन्या	धनु	तुला	कुंभ	कुंभ	सिंह
पुरुष स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	स्त्री	पुरुष	पुरुष
आकार	चतुरस्र	स्थूल	चतुरस्र	वृत्त	वृत्त	दीर्घ	दीर्घ	दीर्घ	पुच्छ
समय	मध्याह्न	अपराह्न	मध्याह्न	प्रभात	प्रभात	अपराह्न	अपराह्न	अपराह्न	अपराह्न
दिशा	पूर्व	वायव्य	दक्षिण	उत्तर	ईशान	आग्नेय	पश्चिम	नैऋत्य	नैऋत्य

ग्रहाः	रवि.	चन्द्र	मङ्गल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सौम्यादि	उग्र	सौम्य	पाप	शुभ	शुभ	शुभ	पाप	क्रूर	[illegible]
धातु	सुवर्ण	रौप्य	सुवर्ण	कांस्य	[illegible]	रौप्य	लोह	[illegible]	[illegible]
पाद	चतुष्पद	बहुपद	चतुष्पद	द्विपद	द्विपद	द्विपद	भुजंग	[illegible]	[illegible]
गुण	सत्व	सत्व	तम	रज	सत्व	रज	तम	तम	[illegible]
चरादि	स्थिर	चर	चर	द्विस्व	स्थिर	चर	स्थिर	चर	[illegible]
रस	तिक्त	क्षार	कटु	सर्वरस	मधुर	अम्ल	कषाय	कषाय	कषाय
स्थिरकारका	आत्मा	मनः	बल	वचः	ज्ञान.सु	स्त्री	दुःख	—	—
नवग्रहस्यदानोपायसाधनं	हरिवंशश्रवण	त्रिपुर जप	रुद्र जप	कांस्य दान	अमावस्या	गौरक्षा	मृत्युञ्जय जप	भुजंग दान	ध्वजा दान
ग्रह १ राशि भोग प्रमाण	मास १	दिन २॥	मास १॥	मास १	मास १३	मास १	मास ३०	मास १८	मास १८
[illegible]	क्षत्रिय	वैश्य	क्षत्री	शूद्र	विप्र	विप्र	शूद्र निषाद	निषाद	निषाद
भूमि	पशु प्राय	जल भूमि	दग्ध	श्मशान	वाणी सुशाल	जल भूमि	उषर	उषर	उषर
पित्तादि	पित्त	श्लेष्म	पित्त	सम धातु	सम धातु	कफ शुक्र	वायु	वायु	वायु
अवस्था	वृद्ध	युवा	युवा	युवा	वृद्ध	युवा	[illegible]	वृद्ध	वृद्ध
रङ्ग	पाटल	गौरवर्ण	रक्त	नील	पीत	श्वेत	नील	[illegible]	[illegible]
धात्वादि	मूल	जीव	धातु	जीव	जीव	मूल	[illegible]	[illegible]	[illegible]
स्थान	वन	जल	वन	ग्राम	ग्राम	ग्राम	[illegible]	[illegible]	[illegible]
फल समय	आदौ	अन्त्ये	आदौ	सदा	मध्ये	मध्ये	अन्त्ये	[illegible]	[illegible]
गंतव्यराशेःप्रा	दि. ५	घ ३	दि. ८	दि. ७	मा. २	दि. ७	मा. २	मा. [illegible]	मा. [illegible]

राशिज्ञानेविशेषः– नक्षत्र व राशि में (श) और (स) तथा (ब) एवं (व) एक समझना संयोगजाक्षरे नास्ति ग्राह्यं तत्रादिमाक्षरम्। यथाज्ञानचन्द्रस्य (ज्ञ्योर्जः) अनेन मकरराशिः। क्षेमचन्द्रस्य (क. ष. संयोगे क्षः) मिथुन राशि धालारामस्यकुम्भराशिः नाग्निकृत्वक् अनुस्वार मात्रायां न भवंतिते चेद्भवंतितदाज्ञेया इ उ ए च यथाक्रमम्। यथा ऋषभदेवः ऋतरामः इति। जन्मराशि नामराशेः प्रधानता–विवाहे सर्वमांगल्येयात्रादौ ग्रहगोचरे जन्मराशेः प्रधानत्वं नामराशि न चिंतयेन। देशे ग्रामे गृहे युद्धे सेवायां व्यवहारके नामराशेःप्रधानत्वं जन्मराशि न चिंतयेत्। कुर्यात्षोडश कर्माणि जन्मराशौ बलान्विते सर्वाण्यन्यानिकर्माणि नामराशौ बलान्विते। विवाह घटनं चैव लग्नजं ग्रहजं बलम्। नामभाचिन्तयेत्सर्वं जन्मन ज्ञायते यदा। प्रसुप्तोभाषितो येनये नागच्छति शब्दितःतस्यनामाद्यवर्णोयस्मात्ता स्वरःस एव हि। स्त्रीणांचन्द्रबले विशेषः– स्त्रीणांविधोर्बलमुशंति विवाहगर्भसंस्कारयोरितरकर्मसुभर्तुरेव। द्वादशचन्द्रे ग्राह्यकर्म- उत्सवे पाभिषेकेच जनने व्रतबंधने पाणिग्रहेच यात्रायां चन्द्रोद्वादशमःशुभः। पाणिग्रहे स्त्रीक्षुरतेऽभिषेके यात्राप्रपाशे व्रतबंधने च। व्रतोपवासादिषु गर्गपूर्वैः प्रोक्तः शुभोद्वादशगो हिमांशुः।

अथराशिचक्रम्

अक्षराणि	राशि	अक्षराणि	राशि
चु चे चो ला लि लू ले लो अ	मेष	र रि रु रे रो ता ती तु ते	तुला
इ उ ए ओ वा वी वु वे वो	वृषभ	तो न नी नू ने नो या यी यु	वृश्चिक
क कि कू घ ङ छ के को ह	मिथुन	ये यो भ भी भू धा फा ढा भे	धन
ही हु हे हो डा डी डु डे डो	कर्क	भो ज जी जू जो खा खी खू खे खो ग गि	मकर
म मी मू मे मो टा टी टू टे	सिंह	गु गे गो सा सि सु से सो द	कुंभ
टो प पी पू ष ण ठ पे पो	कन्या	दी दू थ झ ञ दे दो च ची	मीन

आवश्यक मुहूर्ताः

मुहूर्तनाम	तिथयः	वाराः	नक्षत्रादिकम्
सरजोदर्शने स्नानम्	सत्	चं. बु. शु गु.	ऽश्वि. रो. मृ. उ. ३ ह. स्वा. ऽनु. ध. ज्ये. रे. ग्राह्याः । त्याज्याः–कृ. भ. मू. आ. पुन. पु. म. चि. वि. श.
गर्भाधानं	सत्	,,	उ. ३. मृ ह. रो. स्वा. श्र. ध. श. अनु.
सीमंत	सत्	र.मं.गु.	मृ. पुन. पु. मू. श्र. ह. रे. शुक्ले पक्षे मासेश्वरेसबले
जातकर्म नामकर्म	सत्	चं. बु. बृ. शु.	जन्मसमये वा. ११।१२ दिने ऽश्वि. रो. मृ. पुन २ उत्तरा ३ ह. चि. स्वा. ऽनु. श्र. ध. रे. सद्भानि.
सुतिका स्नानम्	सत्	सू. मं. गु.	ह. मृ. ऽनु. रो. उत्त. ३ ऽश्वि. स्वा. रे. सद्भानि पंचमशुद्ध-लग्ने । त्याज्याः पुनश्चि वि. मघ. मृ. आ म. म. (च श बु)
जलपूजा	सत्	बु. गु. चं.	पु. पुष्य. ह मृ मू. ऽनु. श्र सद्भानि । चैत्र पौष मलमास सामान्त गुरु शुक्र का अस्त यह वर्ज्य हैं ।
अन्नप्राशनं	२।३।५ ७।१० १३।१५	बु. गु. चं. शु.	बालानां षष्टादि सममासेषु कन्याया पंचमादि विषम मासेषु ऽश्वि. रो. मृ पुन३उ३.ह३. ऽनु. श्र ३. रे. भेषु । मीन. वृश्चि. मेष लग्नानि । जन्मभंच वर्ज्यम् १० में शुद्धे ।
कर्णवेधः	४।९।१४ ३० वर्ज्य	बु. गु. शु. च.	जन्मदिनात् १२ वा १६ दिन वा ६।७।८ मासेषु वा विषम-वर्षे ऽश्वि. मृ पुन २ इ२. ऽनु ऽभि. श्र. ध. रे. भेषु चन्द्र । र्कंबले ८ मशुद्धलग्ने । वर्ज्याः चैं. पौ. हरिशयनं जन्म मासंतारा
चौलकर्म	२।३।५ ७।१० ११।१२	बृ. गु. शु. चं.	३।५।७ वर्षे चैत्र हीनोत्तरायणे ऽश्वि. मृ. पुन. पु ह चि. स्वा ज्ये. ऽभि. श्र ध. श. रे सद्भानि । प्रथमोत्पन्न बालस्य ज्येष्ठे निषिद्धः गलग्रहे नेष्टः । अष्टमशुद्धलग्ने ।
विद्यारंभः	२.३.५.६ १०.११.१२	सू. गु. शु.	५ वर्षे श्र. मृ आ. पुन पु पू ३ ह. चि. स्वा. मू. श्र. ध. श. सद्भानि अनध्याय वर्जित दिने (उत्तरायणे)
निष्क्रमणम्	सत्	सत्	४ मासे यात्रोक्त तिथिवार नक्षत्रेषु अथवा जन्म से १२ वें दिन वा. मंगलपूर्वक घर से बाहर निकाले ।
विपणी दुकान	सत्	सू च बृ. बु.शु.श.	अश्वि. ऽनु. रो. मृ. उ ३. पुष्य रेव. ऽभि ह चि. शुभलग्ने और लग्नमें शुक्रचन्द्र होवें व्ययाष्टरहितैःपापैः।कुम्भलग्नरहितैः
स्त्रीणां चोटी आदि गुथा	सत्	गु.चं र. शु. मं.	ह मृ. रो. पु श्र स्वा उ३. मृ ऽश्वि. चि ऽनु. रे. नक्षत्र । लग्न २।३।४।५।१२
चूड़ा पहनना	सत्	र बु.मं गु शु.	ऽश्वि. ह चि स्वा. वि. ऽनु ध रे. सूर्यभादगणना । ने. ८ । श्रे ३ । ने २ । श्रे ७ । ने २ । श्रे ४ ने १ ।
वस्त्र[illegible]	सत्	शुभाः	पू. ३ उ. ३. कृ. रो.
कन्यावरणं निकासी को	सत्	चं.र बु. गु.श गु.	पू ३ श्र. ऽनु. उ ३. स्वा. ध. कृ. रो. रे. मू. मृ. म. ह. पापाः २।६।११ शुभा ५।४।७।१०।९।१ श्रे.

मुहूर्तनाम	तिथयः	वाराः	नक्षत्रादिकम्
रोगमुक्त स्नानम्	अशुभ	र.बु.बृ. म. श.	ऽश्वि. ३ मृ. २ पु. पू. ३ ह २. वि ४. श्र ३. ये नक्षत्र और पर लग्न अशुभ चन्द्र में ।
वापीकूप. तडागारंभः	सत्	सत्	ऽनु. ह. रे. उ ३ रो. पु. ध. श. मघा, मू पूषा. शुभे मासे स्थिरे लग्ने च बुध गुर्वोरुदये ।
हलशाहर्न	सत्	चं. बु. बृ. शु.	ऽश्वि रो. मृ. पुन २ उ. ३ ह ५. ऽनु म. मृ. ऽभि. श्र ३ रे. रविभादगणना. ३ ने । ८ श्रे. । ६ ने. । ८ श्रे. ।
चुल्ही स्थापनं	सत्	मं गु मृ.	पूर्वा ३. रो. पुष्य उ ३. ऽश्वि. आर्द्रा । रविभादगणना ६ श्रे । ४ ने । ८ श्रे । ५ ने । २ श्रे । २ ने । चन्द्रबलेसति ।
द्वारशाखा	५।७ ८।६	बृ बु. शु.	रविभादग. ४ श्रे । ८ ने । ८ श्रे । ३ ने । ४ श्रे । काष्ठशा. ऽश्वि ह. पुष्य रो.उ३ ३स्वा श्र।पाषाणेध.श. पूभा३ ७।१७ में शुद्धलग्ने
दत्तकपुत्र ग्रहण	सत्	र. मं. बृ. शु.	ह. ४ ऽनु ऽश्वि ध पुष्य. सिंह वृष लग्न में वृश्चिक कुम्भलग्नत्याज्य है ।
वधू प्रवेशः	सत्	सत्	विवाह से २।४।५।६।७।८।९।१०।१२।१४।१६ दिनो में इसके पीछे विषममास विषमवर्ष में । ह. ३ रो. २. ऽश्वि रे. म. पुष्य. ध. श्र उ ३. मृ ऽनु और स्थिर लग्न में ।
द्विरागमन मुकलावा	सत्	चं. बु. गु. शु.	मे. वृ. व. कुम्भस्थे रवौ मृ. ह ३ रो २. ऽश्वि. पुष्य उ ३. श्र. ध. श. पुन. रे. चि ऽनु. सौम्ययुक्त दृष्टे ।२।३।४।६।७।१२ लग्नेषु रवीज्य शुद्धियोगे सति । सन्मुखदक्षिण [illegible]
गंधर्व विवाह	सत्	स. मं. श.	ऽश्वि. कृ. आर्द्रा पुन. ऽश्ले ज्ये. ध. श. एषु [illegible] रस्तादि दोषोपि नास्ति ।

अनुष्टानारम्भ मुहूर्तम्

आश्वि. का. वै. माघ. मार्ग. फा. श्रा. तथा मे. कर्क कं. तु. वृ म. कुम्भस्थे रवौश्रेष्ठः २।६।७।१० १३।१५ आसुतिथिषु । अथवा या तिथिर्यस्यदेवस्य तस्यांवाशुभदः स्मृतः वारा–सू शु. बृ. । सांमो मध्यमः पुन. पु स्वा. उ ३ श्र. ध. श. र. अश्वि ह. ऽनु रो. मृ. वि. ज्ये स्वस्वामि नक्षत्रेवा । लग्ना ३।६।११ पापा ।१।४।५।७।९।१७ साम्याः । चन्द्र तारानुकूले । गुरुशुक्रयोरुदितयोः शुभे लग्ने १२ शुद्धे सनि मृत्यवादि योग रहिते । विष्णुमन्त्रे-स्थिरे, शिवस्यचरे । दुर्गाया द्विःस्वेलग्ने । कूर्म-चक्रशुद्धौ प्रारंभेत् ।

होमेवह्निवासस्तथा खेटाहुतिफलम्

शुक्लपक्ष की १ से वर्तमान तिथि [illegible] एक युक्त करे और वर्तमान बार संख्या [illegible] ४ का भाग देवे शेष ३।० बचे तो पृथ्वी में [illegible] वास श्रेष्ठ । शेष १ रहे तो आकाश में [illegible] प्राण हरे । शेष २ रहे तो पाताल में वास धन हानि करे । रविनक्षत्र से दिन नक्षत्र तक गिने ३ ने । ६ श्रे । ३ ने । ३ श्रे । ३ ने । ३ श्रे । [illegible]

सर्व शुभ कार्येषु महापातो वर्ज्यः— [illegible] महापातस्तद्दिनं वर्जयेच्छुभे । इतिनारदः । अन्यच्च-आद्यन्तकालयोर्मध्ये कालोज्ञेयोतिदारुणः प्रज्वलज्ज्वलनाकारः सर्वकर्मसु गर्हितः । इति सूर्यसिद्धान्ते ।

सर्वकार्येषु लग्नशुद्धि –व्ययाष्टशुद्धोपचये लग्नगे शुभदृग्युते।चन्द्रे त्रिषडदशायस्थे सर्वारम्भ प्रसिद्ध्यति

रवेरष्टक वर्ग ४८

र	च	मं	बु	गु	शु	श	ल
१	३	१	३	५	६	१	३
२	६	२	५	६	७	२	४
४	१०	४	६	९	१२	४	६
७	११	७	९	११		७	१०
८		८	१०			८	११
९		९	११			९	१२
१०		१०	१२			१०	
११		११				११	

चन्द्रस्याष्टकवर्गः ४९

चं	मं	बु	गु	शु	श	र	ल
१	२	१	१	३	३	३	३
३	३	३	४	४	५	६	६
६	५	४	७	५	६	७	१०
७	६	५	८	७	११	८	११
१०	९	७	१०	९		१०	
११	१०	८	११	१०		११	
	११	१०	१२	११			
		११					

भौमस्याष्टक वर्गः ३९

मं	बु	गु	शु	श	र	चं	ल
१	३	६	६	१	३	३	१
२	५	१०	८	४	५	६	३
४	६	११	११	७	६	११	६
७	११	१२	१२	८	१०		१०
८				९	११		११
१०				१०			
११				११			

बुधाष्टक वर्गः ५४

बु	गु	शु	श	र	चं	मं	ल
१	६	१	१	५	२	१	१
३	८	२	२	६	४	२	२
५	११	३	४	९	६	४	४
६	१२	४	७	११	८	७	६
९		५	८	१२	१०	८	८
१०		८	९		११	९	१०
११		९	१०			१०	११
१२		११	११			११	

गुरोरष्टक वर्गः ५६

गु	शु	श	र	चं	मं	बु	ल
१	२	३	१	२	१	१	१
२	५	५	२	५	२	२	२
३	६	६	३	७	४	४	४
४	९	१२	४	९	७	५	५
७	१०		७	११	८	६	६
८	११		८		१०	९	७
१०			९		११	१०	९
११			१०			११	१०
			११				११

भृगोरष्टक वर्गः ५२

शु	श	र	च	मं	बु	गु	ल
१	३	८	१	३	३	५	१
२	४	११	२	५	५	८	२
३	५	१२	३	६	६	९	३
४	८		४	९	९	१०	४
५	९		५	११	११	११	५
८	१०		८	१२			८
९	११		९				९
१०			११				११
११			१२				

शनेरष्टक वर्ग ३९

श	र	चं	मं	बु	गु	शु	ल
३	१	३	३	६	५	६	१
५	२	६	५	८	६	११	३
६	४	११	६	९	११	१२	४
११	७		१०	१०	१२		६
	८		११	११			१०
	१०		१२	१२			११
	११						

लग्नाष्टक वर्गः ५२

ल	र	च	मं	बु	गु	शु	श
१	३	३	१	१	१	१	१
३	४	६	३	२	२	२	३
४	६	१०	६	४	४	३	४
५	१०	११	१०	६	५	४	६
७	१२		११	८	६	५	१०
९				१०	७	८	११
१०				११	९	९	
११					१०	११	
					११		

प्राचीनमतेगोचर बलाभावे ऽष्ट वर्गशुद्धिरेव ॥ उक्तञ्च- अष्टवर्गविशुद्धेषु गुरुशीतां शुभानुषु मतोह्यहो चकर्तव्यो गोचरेण कदाचन ॥ अन्यत्र अष्टवर्गेणयेशुद्धास्ते शुद्धाः सर्वकर्मसु । सूक्ष्माष्टवर्ग संशुद्धि स्थूलाशुद्धिस्तु गोचरे ॥२॥

१ कष्टःस्यादेक रेखायां द्वाभ्यामर्थक्षयो भवेत् । त्रिभिःक्लेशंविजानीयाच्चतुर्भिस्समतां वदेत् ॥ पंचभिश्चयवेत्सौख्यं षड्भिश्चैवधनागमः । सप्तभिःपरमानन्दमष्टभिस्सर्वसंपदम् ॥२॥ जिस ग्रहकाबल देखना हो उसकी जन्मकुन्डली लिखकर रेखा लगाना फिर विचारणीय राशी में कितने रेखा पाया है देखना । यदि १से३तक हो तो निर्बलीग्रह हुआ । ४ होतो सम हुआ । ५ से८ होतो बलवान ग्रह हुआ । ऐसे ही विवाह यज्ञोपवीतादि कर्म में देखना । इससे आयु निर्णय भी होता है देखें जातक ग्रन्थ ।

॥ बालाद्यवस्थाफलम् ॥ फलंतुकिंचिद्वितनोति बालश्चार्द्ध कुमारो यतते च पुंसाम् युवा समग्रं खचरोथ वृद्धः फलंच दुष्टं मरणं मृताख्यम् । ॐगुरुः=ज्ञान=विद्या ।राज=तात॥

दिनके सहम ऊपर से और रात्रि के सहम नीचेसे करो

सहमाएतेऊना		एतेभ्यः	एतेयुक्त
पुण्य	सूर्यं	चन्द्रात्	तनुः
गुरु	चन्द्रं	सूर्यात्	तनुः
यश	पुण्यं	जीवात्	तनुः
मित्र	पुण्यं	गुरुतः	शुक्रः
महात्म्य	भौमं	पुण्यात्	तनुः
आशा	शुक्रं	शनितः	तनुः
राज	सूर्यं	शनितः	लग्नं
माता	शुक्रं	चन्द्रत्	लग्नं
उपाय	गुरुं	शनितः	तनुः
कर्म	बुधं	भौमात्	तनुः
कलि	भौमं	गुरुतः	तनुः
चतुष्प	६भावं	१२भा.	तनुः
प्रसूति	बुधं	गुरुतः	तनुः
जाड्य	शनिं	भौमात्	बुधः
जलप	चन्द्रं	शनेः	लग्नं
शत्रु	शनिं	भौमात्	लग्नं
दारिद्र	बुधं	पुण्यात्	बुधः
शास्त्र	शनिं	गुरुतः	बुधः
वधक	बुधं	चन्द्रात्	तनुः
बंधन	शनिं	पुण्यात्	तनुः
अश्व	सूर्यं	पुण्यात्	लाभः
ऽन्यक	शनिं	चन्द्रात्	तनुः
बुद्धि	सूर्यं	जीवात्	तनुः
राशौ	शोध.	शोध्य	क्षेपकः

दिन रात्रि में इकसार सहम

सहम नाम	ये हीन करना	इनमें	यह युत करना
भ्राता	शनिं	गुरुतः	लग्नं
पुत्र	चन्द्रं	गुरुतः	लग्नं
रोग	चन्द्रं	लग्नतः	लग्नं
बंधु	चन्द्रं	बुधात्	लग्नं
मृत्यु	चन्द्रं	भावाष्ट	शनिः
यात्रा	धर्मेशं	धर्मा.	तनुः
धन	धनेशं	धनात्	तनुः
परस्त्री	सूर्यं	शुक्रात्	तनुः
वणिज	बुधं	चन्द्रात्	तनुः
विवा	शनिं	शुक्रात्	तनुः
श्रद्धा	भौमं	शुक्रात्	तनुः
प्रीती	पुण्यं	ज्ञानात्	तनुः
व्यापा	बुधं	भौमात्	तनुः
कन्या	चन्द्रं	शुक्रतः	तनुः
संताप	चन्द्रं	शनितः	६भावः
जलपा	शनिं	कर्कांद	तनुः
राज	गुरुं	चन्द्रतः	तनुः

महात्म्य = शौर्य = धैर्य
माता = अम्बू
उपाय = जीवित ।
विवाह = स्त्री ।
कलि = क्षमा
यात्रा = परदेश = मार्ग ।
यश = बल = देह ।ॐ

शोध्य (जिसमें घटाया जावे) से शोधक (जो घटाया जावे) तक यदि बीच में लग्न न आवे तो सहम में १ राशि जोड़ना अन्यथा नहीं ।

पंचधा मैत्री सप्तवर्गी बलं च जन्मनि

१ सप्तवर्ग स्वगृही का	३०	०	०
२ मित्र-मित्र=ऽतिमित्र	२२	३०	०
३ मित्र-सम=मित्र	१५	०	०
४ मित्र-शत्रु=सम	७	३०	०
५ सम-शत्रु=शत्रु	३	४५	०
६ शत्रु-शत्रु=ऽतिशत्रु	१	५२	३०

बालाद्यवस्था च.अंशादि

विषमे	अंश	समे
बाला	६	मृता
कुमारा	१२	वृद्धा
युवा	१८	युवा
वृद्धा	२४	कुमारा
मृताऽ	३०	बाला

दीप्ताद्यवस्था चक्रम्

ग्रहः	अवस्था
उच्चस्थ	दिप्ताव
स्वभे	स्वस्थः
ऽतिमित्रे	मुदितः
मित्रभे	शांतः
समभे	दीनः
शत्रुभे	दुःखितः
सपापे	विकलः
खलगृहे	खलः
सार्के	कोपी

जन्म जाग्रता अवस्था

विषमे	अंश	समे
जाग्रत्	१०	सुषुप्तिः
स्वप्न	२०	स्वप्न
सुषुप्तिः	३०	जाग्रत्

तत्काल मैत्री स्थानात्

मित्र	शत्रु
२-१०	१-७
३-११	५-८
४-१२	६-९

॥ ग्रहाणां दीप्ताद्यवस्था फलम् ॥

दीप्तस्य-पाकेप्रदीप्तस्य धराधिपत्यमुत्साहशौर्यं धनवाहनेच । स्त्रीपुत्रलाभंसुखबंधुपूज्यंक्षितीश्वरान्मानमपैतिविद्याम् ॥१॥
स्वस्थस्य- स्वस्थस्यखेटस्यदशाविपाकेस्वस्थोनृपाल्लब्धधनादिसौख्यम् । विद्यायशः प्रीतिमहत्वमारादार्थभूम्यात्मजधर्ममेति ॥२॥
मुदितस्य- मुदान्वितस्यापिदशाविपाकेवस्त्रादिभूगंधकुलार्थधैर्यम् पुराणधर्मश्रवणादिमानं [illegible] भूषणानिम् ॥३॥
शांतस्य-दशाविपाकेसुखधैर्यमेति शांतस्य भूपुत्रकलत्रमानम् । विद्याविनोदान्वितधर्मशास्त्रं बहुर्थ देशाधिपपूज्यतांच ॥४॥
दीनस्य- स्थानच्युतिर्बंधुविरोधतांचदीनस्य खेटस्यदशाविपाके । जीवत्यसौकुत्सितहीनवृत्त्यात्यक्तोजनैरोगनिपीडितश्च ॥५॥
दुःखितस्य- दुःखान्वितस्यापिदशाविपाके नानाविधदुःखमुपैतिनूनं । विदेशगोबंधुजनैर्विहीनश्चौराग्निभूपैर्भयमातनोति ॥६॥
विकलस्य- [illegible] खेटस्यदशाविपाके [illegible] मनोविकारः पित्रादिकानांमरणं [illegible] चौरपीड़ाम् ॥७॥
खलस्य-दशाविपाके कलहं वियोगं [illegible] खेटस्य [illegible] शत्रुवैरम् ॥८॥
कोपिनः-कोपान्वितस्यापिदशाविपाके [illegible] भूमिनाशंमूत्रादिकृच्छ्रं [illegible] ॥९॥

नक्षत्र	अ	भ	कृ	रो	मृ	आ	पुन	पुष्य	श्ले	म	पूफा	उफा	ह	चि	स्वा	वि	अनु	ज्ये	मू	पूषा	उषा	श्र	ध	श	पूभा	उभा	रे
अक्षरा	चु चे चो ला	ली लू ले लो	अ इ उ ए	ओ वा वि वु	वे वो क की	कू घ ङ छ	के को ह ही	हू हे हो डा	डी डू डे डो	म मी मु मे	मो टा टी टू	टे टो प पी	पू ष ण ठ	पे पो र री	रु रे रो ता	ती तू ते तो	न नी नु ने	नो या यी यू	ये यो भ भी	भू धा फा ढा	भे भो ज जी	खी खु खे खो	ग गी गु गे	गो सा सी सु	से सो द दी	दु थ झ ञ	दे दो च ची
राशि	मे	मे	मे १ वृ ३	वृ	वृ २ मि २	मि	मि ३ क १	क	क	सिं	सिं	सिं १ क ३	कन्या	क २ तु २	तुला	तु ३ वृ १	वृश्चि	वृश्चि	धनु	धनु	ध. १ म. ३	मकर	मक २ कु. २	कुम्भ	कुं ३ मी १	मीन	मीन
वर्ण	क्ष	क्ष	क्ष १ वै ३	वै.	वै २ शू २	शू	शू ३ विप्र १	विप्र	विप्र	क्ष	क्ष	क्ष १ वै ३	वै	वै २ शू २	शू	शू ३ विप्र १	विप्र	विप्र	क्ष	क्ष	क्ष १ वै ३	वै	वै २ शू २	शू	शू ३ विप्र १	विप्र	विप्र
वश्य	च	च	च	च	च २ मा २	मा	मा ३ ज १	ज	ज	वन	वन	व १ मा ३	मान	मान	मान	मा ३ की १	की	की	मा	।।मा ३।।च	च	१।।च ३।।ज	ज २ मा २	मान	मा ३ ज १	जल	जल
योनि	अश्व	गज	छाग	सर्प	सर्प	श्वान	मार्जार	छाग	मार्जार	मूषक	मूषक	गौ	महिष	व्याघ्र	महिष	व्याघ्र	मृग	मृग	श्वान	वानर	नकुल	वानर	सिंह	अश्व	सिंह	गौ	गज
राशि पति	मं	मं	मं १ शु ३	शु	शु २ बु २	बु	बु ३ चं १	चं	चं	सू	सू	सू १ बु ३	बु	बु २ शु २	शु	शु ३ मं १	मं	मं	बृ	बृ	बृ १ श ३	श	श	श	श ३ बृ १	बृ	बृ
गण	देव	मनु	राक्ष	मनु	देव	मनु	देव	देव	राक्ष	राक्ष	मनु	मनु	देव	राक्ष	देव	राक्ष	देव	राक्ष	राक्ष	मनु	मनु	देव	राक्ष	राक्ष	मनु	मनु	देव
नाड़ी	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य

तारागुण चक्रं। वरः—

कन्या	१	२	३	४	५	६	७	८	९
१	३	३	१।।	३	१।।	३	१।।	३	३
२	३	३	१।।	३	१।।	३	१।।	३	३
३	१।।	१।।	०	१।।	०	१।।	०	१।।	१।।
४	३	३	१।।	३	१।।	३	१।।	३	३
५	१।।	१।।	०	१।।	०	१।।	०	१।।	१।।
६	३	३	१।।	३	१।।	३	१।।	३	३
७	१।।	१।।	०	१।।	०	१।।	०	१।।	१।।
८	३	३	१।।	३	१।।	३	१।।	३	३
९	३	३	१।।	३	१।।	३	१।।	३	३

गणगुण चक्रं

कन्या / वर—	देव	म	रा
दे	६	५	१
म	६	६	०
रा	०	०	६

नाड़ीगुण चक्रं

कन्या / वरः-	आ	म	अं
आ	०	८	८
म	८	०	८
अं	८	८	०

वश्यगुणाः। वरः—

कन्या	मा	चतु	जल	वन	कीट
मान	२	१	।।	०	१
चतु	१	२	१	०	१
जल	।।	१	२	१	१
वन	०	०	१	२	०
कीट	१	१	१	०	२

वर्ण गुणः। वरः—

कन्या	विप्र	क्षत्रि	वैश्य	शूद्र
विप्र	१	०	०	०
क्षत्रि	१	१	०	०
वैश्य	१	१	१	०
शूद्र	१	१	१	१

योनिगुणचक्रम् वरः—

कन्या	अश्व	गज	छाग	सर्प	श्वान	मार्जार	मूषक	गौ	महिष	व्याघ्र	मृग	वानर	नकुल	सिंह
अश्व	४	२	३	२	२	३	३	२	०	१	३	२	२	१
गज	२	४	३	२	२	३	३	३	३	१	३	२	२	०
छाग	३	३	४	२	२	३	३	३	३	१	३	०	१	१
सर्प	२	२	२	४	२	१	१	२	२	२	२	१	०	२
श्वान	२	२	२	२	४	१	१	२	२	२	०	२	२	२
मार्जार	३	३	३	१	१	४	०	३	३	२	३	२	२	२
मूष	३	२	२	१	२	०	४	३	३	२	३	२	१	२
गौ	२	३	३	२	३	३	३	४	३	०	३	२	२	१
महिष	०	३	३	२	२	३	३	३	४	१	३	२	२	१
व्याघ्र	१	१	१	२	२	२	२	०	१	४	१	२	२	३
मृग	३	३	३	२	०	३	३	३	३	१	४	२	२	१
कपि	२	२	०	१	२	२	२	२	२	२	२	४	२	२
नकुल	२	२	२	०	२	३	१	२	२	२	२	२	४	२
सिंह	१	०	१	२	२	२	२	१	१	३	१	२	२	४

ग्रहगुणचक्रं। वरः—

कन्या	र	चं	मं	बु	गु	शु	श
र	५	५	५	४	५	०	०
चं	५	५	४	१	४	।।	।।
मं	५	४	४	।।	५	३	।।
बु	४	१	।।	५	।।	५	४
गु	५	४	५	।।	५	।।	३
शु	०	।।	३	५	।।	५	५
श	०	।।	।।	४	३	५	५

भकूट गुण ज्ञानम्—वर कन्या की परस्पर राशी ३।११४।१० तथा ७।७ होतो ७ गुण लेना अन्यथा शून्य गुण लेना यदि राशि स्वामी एक हो तो ६।८ तथा २।१२ एवम् ५।९ भी माह्य है अन्यथा नहीं।

तारा ज्ञानम्—वर के नक्षत्र से कन्या के नक्षत्र तक और कन्या के नक्षत्र से वर के नक्षत्र तक गिन कर ९ का भाग देना शेष बचे उससे ताराचक्र द्वारा गुण लेना।

अथ मंगलीक विचारः—लग्ने व्ययेच पाताले यामित्रे चाष्टमे कुजः। कन्याभर्तुर्विनाशाय भर्ता कन्याविनाशदः ॥ १ ॥ अन्यानपिवैधव्यविषांगनादिदोषान्परिहृत्यसंबन्धः कार्यः।

अथास्य परिहारः—भौमेन सदृशोभौमः पापोवा तादृशो भवेत्। विवाहः शुभदः प्रोक्तश्चिरायुः पुत्रपौत्रदः। एतल्लग्नचन्द्रयोर्द्वयोरेवविचार्यम्। अथवा वैधव्यादि दोषजां कन्यामच्युतविवाहादिशांतिंविधाय दारद्वायोगजायायुष्मतेवरायदद्यात्।गण दोष परिहारः—राशीशयोः सुहृद्भावेमित्रत्वेवांश नाथयोः। गणादिदौष्टेऽप्युद्वाहश्चिरायुःपुत्र पौत्रदः॥ नाड़ी दोषस्तु सर्वथात्याज्यएव। अत्यावश्यके तत्रापिपरिहारः—आद्यांशेन चतुर्थांशं चतुर्थांशेनचादिमं द्वितीयेन तृतीयंतु तृतीयेनद्वितीयकम्। एवंभांशकयोगस्य जायते वरकन्ययोः। तयोर्मृत्युर्न संदेहः शेषांशाःस्वल्पदोषदाः। तथा द्रव्यं ताम्रसुवर्णमष्टरिपुकेगोयुग्ममन्नाकके रौप्यं कांस्यमथैकनाडियुजिगौस्वर्णादि दत्वोद्वहेत

वर्गैरैर योनिमैत्रैं गणमैत्रं नृदूरकं दुष्टकूटफलं सर्वं ग्रहमैत्रेण नश्यति ॥ न वर्णो वर्गों न गणो न योनिर्द्विर्द्वादशे नैव षडष्टके वा। वरेपि दूरे नवपंचमे वा मैत्री यदा स्याच्छुभदो विवाहः ॥ सद्भकूटं योनिशुद्धिः ग्रहसख्यं गुणत्रयम्। एकैकतमसद्भावे कन्या रक्षोगणाः शुभा ॥ गणनायां नृदूरविचारः—भामिनीजन्मनक्षत्राद्द्वितीय पतिजन्मभम्। न शुभं भर्तृनाशाय इत्युक्तं रुद्रयामले।

॥ अथ प्रसूतिकाले लग्नस्य निश्चयार्थं केवलंजन्मांगोपरि सामान्य विचारायदाप्तं जन्मांगस्यफलं तत्पृथक्-पृथक् संक्षेपादत्र लिख्यते ॥

१ मेषाङ्गे जातः—बालकस्य पश्चिमे वाक्यान्तरात्पूर्वे वा शीर्षम्। सूतिका गृहं स्त्री ३ मलीन वस्त्रान्विता। शय्यायाः कश्चित्पादश्छिन्नः। सन्मुखे दीपः। प्रसवे मातुः कष्टाधिकं। उत्पन्नानन्तरं तत्क्षणमेवातिरुदितोबालः। पादात्प्रसवः। अधोमुखः। भूमौजन्म। सूतेः-प्राक्मातु रक्तं वा मधुरंकिमपिभोजनं। पूर्वस्यां सूती गृहद्वारं। गृहस्य प्राग्भागे सूतिका गृहं। बालो श्याम-वर्णः। सिन्दूरारुण नेत्रः। बालःशिरोदीर्घकांतिः। श्लेष्म प्रकृतिः। मातुः प्राक्शिरः स्त्री ५-४ वा ३ रक्ताम्बर धरा इति।

२ वृषाङ्गे जातः—बालकस्य याम्येशीर्षम्। द्विवारं प्रज्वालितो दीपः। गृहे पिता। स्त्री ३ पश्चादद्वे २ आगते। उत्पतिक्षणेरुदितोऽर्भकः। शय्यायाः पादःपादतलाच्छिन्नः पूर्वं वा दक्षिणाभिमुखं द्वारं बालोगौरवर्णः। सुकांतिकः। रक्तपित्तयोर्विकारप्रकृतिः। वनिता ३ वा ५ पादात्प्रसवः। अधोमुखः। गृहस्य पश्चिमभागे सूतिका गृहं। मातारौप्य भूषणादियुता। शुक्लांबर धारिणी। सूतेः प्राङ्मात्रा शाकान्न भोजनं कृतम्।

३ मिथुनाङ्गे जातः—बालकस्य पश्चिमेशिरः। दाई नाम्नीस्त्रीनीचा। जन्मोत्तरं किंचित् कालानन्तरंरुदितोबालः। नाल च्युतोत्पन्नः। गृहेतातः। माता जीर्णस्फटिताम्बर धारिणी। सम्मुखे दीपः। भूमावन्तरिक्षेजन्म। शिरसा प्रसवः। बालस्योर्ध्वमुखः। नेत्ररोगी। पित्तप्रकृतिः। स्त्री ३ वा ५। सूतेः उदक् शिरः। मातात्पदुग्धवती। पित्तपीड़ायुतोऽर्भकः। दक्षिणाङ्गे शुभ चिन्हं। प्रसूतेः प्राङ्मात्रा लवणाधिकान्वितपदार्थस्य भोजनंकृतं गृहस्योत्तरभागे सूतिका गृहं। तद्गृहद्वारं पश्चिमाभिमुखम्।

४ कर्काङ्गे जातः—उत्तरेऽर्भकस्यशिरः। गृहेनास्तिपिता। शिशुराशुर्वाक्यान्तरादल्प कालोत्तरंरुदितः। नालच्युतोत्पन्नः। जन्मकाले शिशोः छिक्काप्तिः। दाई नाम्नी स्त्री सज्जना। स्त्री ५ द्वे पश्चादागते। वारद्वयं प्रदीपितो दीपः। शीर्ष प्रदेशे खट्वायाः पादस्फटितः। शिशोर्वामाङ्गे-लशुनाभिधचिन्हं। भूमौ जन्म। पादात्प्रसवः। बालकस्याधोमुखं। प्रसवकाले मातुः कष्टाधिकं। गृहस्यपूर्वभागे सूतिकागृहं। तद्गृहद्वारमुदङ्मुखं। सूतेः प्राग्घातलं वा पेयादि मधुरं हिमं द्रवेताधिकमयं बाल्ल मातुर्भोजनं। माता प्राङ्मुखी। जन्मकाले कफवातयोर्विकारान्माता पितृस्यातिदः। शिशुगौरवर्णः। तद्दीर्घप्राणः। सुकोमलांगः। मातुर्हस्ते स्वर्ण भूषणं। जननी नूतन श्वेतांवर धृता।

५ सिंहागे जातः—पूर्वे पश्चिमे वा शिशोः शिरः। सद्योऽतिरुदितोऽर्भकः। पिता गृहे स्थितः। स्त्री ३ ततः आगतेका। मलीन वा रक्तवस्त्रान्विता माता। शय्यायाःपादभागेस्फटितः पादः। भूमौ जन्म। देहेलशुनाभिधचिन्हं। प्राक्शिरो भागे प्रदीपितो दीपः। पुनः प्रज्वालितश्च। बहुकेशयुतो बालः। तद्दीर्घ प्राणः। सुलोचनः। करयोः स्वर्ण भूषणान्विता माता। सा याम्याभिमुखी। अन्य मतात् स्त्री ५ वा ६ भात्रा सूतेः प्राक्ताम्बल भक्षणं कृतं। पृष्ठेऽर्भकस्य शुभ चिन्हं। गृहस्य याम्यभागे सूतिका गृहं। तस्य पूर्वस्यां द्वारं शिरसा प्रसवः। शिशुरूर्ध्व-मुखः। सूतेः प्राक्शोषणाम्लगुण दुग्धं भक्षितम्।

६ कन्यागे जातः—याम्येऽर्भकस्य शिरः। नालच्युतोत्पन्नः। जन्मकालोत्तरं रुदितोऽर्भकः माता सूतेः प्राङ्मधुर वटकाद्य बहुरसं वा पीत पदार्थस्य भोजनं कृतं। वनिता ५ वा ७। भूमेरूर्ध्वं जन्म। हस्ते जाया दीपकं धृत्वा बालकस्य सन्मुखे प्रदीपितः। गौरवर्णः अतिसुन्दरः उत्तरे मातुः शिरः। शिशोः कण्ठे जंघयोश्च चिन्हं। प्रवालाभरण रक्त हरित चित्राम्बर युता माता गृहस्योत्तर भागे सूतिका गृहं याम्याभिमुखं द्वारं।

७ तुलांगे जातः—पश्चिमे पूर्वेवाऽर्भकस्य शिरः। आशुर्वाल्पकालोत्तरं रुदितः। गृहे नास्ति पिता प्रपतन्नालः। मात्रा श्वेतवस्तु किमपि वा कोषादिनाकदन्नं भक्षितम्। स्वस्थानस्थितो दीपः। स्त्री ४ वा पश्चादागता ४ तत्समीपस्था कुमारी च। गौर वर्णः। नेत्र रोगी। शिशोर्देहे रक्त विस्फोटक व्रणम्। मातुः स्तनीपीड़ा। हस्तेऽप्याभरणसंयुता जीर्णं वा श्वेताम्बर धारिणी माता। जननीशीतंवारिपीता। गृहस्य पूर्व भागे सूतिकागृहम्। तस्यद्वारं पश्चिमाभिमुखम्। शिरसाप्रसवः बालकस्योर्ध्वंमुखम्।

८ वृश्चिकांगे जातः—उत्तरेयाम्येवाऽर्भकस्यशिरः। गृहे पिता। नाल च्युतोत्पन्नः। जन्म-क्षणे न रुदितो बालः। स्त्री ३ वा ४ सगर्भापश्चादागता। जन्मक्षणेऽर्भकस्य छिक्काप्तिः। दाई नाम्नी स्त्री नीचा वा दुर्जना। जन्मक्षणे मातुः कष्टाधिकं। भूमौ जन्म। स्वस्थो दीपः। सत्तैल पूर्णः। माता सूतेः प्राक् रक्त पदार्थं वा कोषादिनाकदन्नं भुक्तवती। जन्मकालेऽर्भकस्योर्ध्वंमुखः। शिरसा प्रसवः। माता पीतं रक्तं वा दुग्ध जीर्णाम्बरयुक्ता।

९ धनुषि जातः—पूर्वे पश्चिमेवाऽर्भकस्यशिरः। दाई नाम्नी स्त्री सज्जना। गृहे पिता। स्त्री वर्तमाना १ वा २ पश्चादागते द्वे २ तयोः १ सगर्भा। पादतलप्रदेशात्खट्वायाः पादच्छिन्नः शिशुः पितृणां लाभकारी। सुनुः सुगुण सुकायोपेतः। सूतेः प्राङ् मात्रा पक्वान्नं पीतवस्तुकटुरसं भोजनं कृतं। करे धृत्वा पुनः प्रदीपितो दीपः। प्रसवात्किंचित्कालोत्तरमतिरुदितोऽर्भकः। भूमेरुच्चस्थाने जन्म। गृहस्योत्तरभागे सूतिका गृहम्। तद्गृहद्वारं पूर्वाभिमुखम्। पादात्प्रसवः। बालकस्याधोमुखः। माता पीतं वा रक्तवस्त्रान्विता। जननीकरे सुगंध विद्व मयोदेहे स्वर्णभूषणाढ्या। तस्याः शिरः उत्तरः। अन्या नूतनं गृहं। हृदयेकश्चिच्चिह्नम्।

१० मकरांगे जातः—याम्ये मातृ बालकयोः शिरः। जन्मकाले बालकस्यछिक्काप्तिः। पिता गृहे नास्ति। दाई नाम्नी स्त्री नीचा। नाल च्युतोत्पन्नः। स्त्री २ ततः आगतेका एवं ३। सूतेः प्राङ् मात्रा कृष्ण वस्तु कषाय शोषणाम्ल युक् दुग्धादिकं भक्षितं। शीतलोदकं च पीतं। माता प्राचीनांबरं वा कृष्णं कर्बूरसम वर्णाम्बर युता वा। भूमौ जन्म। सद्यः स्वल्पकालोत्तरं वा रुदितो बालकः। तैल पूर्णः करस्थो दीपः। गृहस्ययाम्य भागे जीर्णं सूतिका गृहं। तद्द्वारं याम्याभिमुखं। पादात्प्रसवः श्याम वर्णः। अधोमुखः। स्थूलं घ्राणं च मस्तकं (बालोल्पकेशः)।

११ कुम्भांगे जातः—पश्चिमेऽर्भकस्यशिरः। इतस्ततो भ्रमित पिताः। जन्मकालेमातुः कष्टाधिकं। दाई नाम्नी स्त्री नीचा। किंचित्कालोत्तरंरुदितोबालः। वामांगे लशुनाभिधं चिन्हं स्त्री २ पश्चादागतेका एवं ३ तास्वेका सगर्भा। २ मतात् स्त्री ३ वा ६। पादतल प्रदेशात् शय्यायाः पादश्छिन्नः। भूमौ जन्म। स्वस्थानस्थोदीपः। गृहस्य प्राग्भागे सूतिका गृहं तद्द्वारं पश्चिमाभिमुखं। शिरसा प्रसवः। ऊर्ध्वंमुखोत्पन्नः। सूतेः प्राङ् मातुर्वातलंवान्न पेयादि मधुरं हिमं वा भोजनम्। माता जीर्णं कृष्ण वा समाम्बरयुक्ता। ह्रस्वतनुबालः। मध्यलोमासुकेशः। चक्षुरोगी

१२ मीनांगे जातः—उत्तरे मातृ बालकयोः शिरः। दाई नाम्नी स्त्रीरुत्तमा। सद्वस्त्रकया च। गृहे स्थितः पिता। स्त्री २ पश्चादागतेका। एवं ३ वा ५ इतिकेचित्। जन्मकाले माता दृढ़ स्वच्छ रक्तापीतवर्णाम्बरं वा धृतवती। सूतेः प्राङ् मात्रा पीतं वा विचित्रपदार्थनामल्प भोजनं कृतं। याम्य प्रदेशात्खट्वायाः पादच्छिन्नः। जन्मतो न रुदितो बालः भूमेरूर्ध्वं जन्म। पुनः प्रदीपितो दीपः गृहस्योत्तरभागे सूतिकागृहं। तदुत्तराभिमुखं द्वारं। करात्प्रसवः। तिर्यङ्मुखोद्भवः। जन्मकाले मातुः वातश्लेष्म प्रकोप पीड़िता। अवासिकर कर्णौ सुकुमारुकश्चेति।

अथ सन्मुखचन्द्र दिशांप्रति

मेषे च सिंहे धनुपूर्वभागे वृषे च कन्या मकरे च याम्ये। युग्मे तुला कुंभसु पश्चिमायां कर्कालिमीने दिशि चोत्तरस्यां ॥१॥ फलं—सन्मुखे अर्थ-लाभाय दक्षिणे सुख संपदः। पृष्ठतः प्राणनाशाय वामे चन्द्रे धनक्षयः॥२॥ अर्थ-मेष सिंह धनु पूर्व, वृ.कं.म. दक्षि. मि.तु.कुं. पश्चि. कर्क वृश्चि.मी. उत्तरे

अथ योगिनी चक्रम्

ईशान	पूर्व	आग्नेय
३०८	१९	३।११

योगिनी सुखदा वामे, पृष्ठे वांछितदायिनी। दक्षिणे धन हन्त्री च, सन्मुखेमरणप्रदा ॥१॥

अथ कालराहु चक्रम्

ईशान	पूर्व	आग्नेय
	शनि	शुक्र

अर्कोत्तरेवायुदिशांच सोमे भौमे प्रतिच्यांबुधनैऋतेच। याम्येगुरौवह्निदिशांच शुक्रे मंदेचपूर्वे प्रवदन्तिकालम्॥

अथ दिशाशूल चक्रम्

पूर्व — चन्द्र शनि

दिशाशूल लेजावो बामे राहु योगिनी पूठ। सम्मुख लेवे चन्द्रमा ल्यावे लक्ष्मी लूट ॥

एकराशि के चन्द्र का घटी अनुसार वास

ईशान	पूर्व	अग्नि
१४	१७	१५
उत्तर	सर्वघटी	दक्षिण
१५	१३५	२१
वायव्य	पश्चिम	नैर्ऋत्य
१६	१८	१६

अथ गुरुशुक्रयोरस्तेवर्जितकर्म

वापीकूपतडागयज्ञगमनं क्षौरं प्रतिष्ठां ततोव्रिया मन्दिर कर्णविधन महादानं गुरोः सेवनम्। तीर्थस्नान विवाह काम्य हवनं मन्त्रोपदेशं शुभं दूरेणैव जिजीविषु परिहरेदस्तेगुरौ भार्गवे ॥१॥

घातचन्द्रे त्याज्यकर्म

तीर्थयात्रा विवाहान्न प्राशनोपनयादिषु॥ मांगल्य सर्वकार्येषु घातचन्द्रं न चिंतयेत्॥ वर्ज्याः— युद्धे चैव विवादे च कुमारी पूजने तथा॥ राजसेवा वाहनादौ घातचन्द्रं विवर्जयेत्॥

तृणकाष्ठादि संग्रह

वासवोत्तरदलादिपञ्चके याम्यदिग्गमनं गेहगोपनम् प्रेतदाहतृणकाष्ठसंग्रहं शय्यकावितननं च वर्जयेत् ॥१॥ धनिष्ठा का उत्तर दल. शत. पूर्वा भा.उ.भा.रे. इन नक्षत्रों में दक्षिण गमनगृह छावना माचाबनानातृणकाष्ठादिसंग्रहनहीं करना

अथ खात चक्रम्

	विवाहे	देवालये	गेहारम्भे	जलाशये	
रवि:	२।३।४	१२।१।२	५।६।७	१०।११।१२	आग्नेयां खातं
रवि:	११।१२।१	९।१०।११	२।३।४	७।८।९	नैऋत्यां खातं
रवि:	८।९।१०	६।७।८	११।१२।१	४।५।६	वायव्यां खातं
रवि:	५।६।७	३।४।५	८।९।१०	१।२।३	ऐशान्यां खातं

गेहारंभे वृषचक्रम्

रविभाद् गणना

स्थान	न	फलं
शीर्षे	३	दाहः
अग्रपा	४	शून्य
पृष्ठ पा	४	स्थिरः
पृष्ठे	३	श्रीप्रा.
द.कुक्षौ	४	लाभः
पुच्छे	३	नाशः
वाकुक्षौ	४	नैःस्वं
मुखे	३	पीडा

गृहप्रवेशे कुम्भचक्रं

रविभाद् गणना

स्थान	न	फलं
मुखे	१	अग्निदा
पूर्वे	४	उद्वसनं
याम्ये	४	लाभः
पश्चि	४	श्रीप्राप्ति
उत्तरे	४	कलहा
गर्भे	४	विनाशः
गुदे	३	स्थिरः
कण्ठे	३	स्थिरः

सूर्यसंक्रान्ति से इतना दिन ५।७।८।१५ ।१९।२४ भरती सूती, जानना सूर्यनक्षत्रान् ५।७।९।१२।१४।१८।२६ सूर्यवनकेचिन्।

गेहारंभ मुहूर्तम्

मासाः — चै.श्रा.मार्ग.पौष.फा.मे.वृष.कर्क.सिंह.तु.वृ.म कुं. एषु भेषु रवौ सति चौपमृष्टः पतन संक्रांति-रहिताः वै.ज्ये.आषा.का.श्रा.फा.पौ.माघ मासास्त्याज्याः सितेज्ययोरुदितयोः श्रेष्ठ।

भानि — उत्तरा ३ मृ. पुष्य. अनु. ध. श. ह. चि. स्वा. रो रे. त्रिपञ्चके।

वाराः — चन्द्र बुध गुरु शुक्र शनि एषुवारेषु वत्स चक्र शुद्धौसेन्दुबलेश्रेष्ठः।

तिथिः — २.३.५.७. १०. ११. १२. १३. १४. कृष्णा १ भद्रादिदोषरहिते श्रेष्ठाः अमान्ति भूसौ।

लग्नशुद्धिः — लग्नात् १।४।५।७।१०एषुशुभैः ३।६।११ एषु पापैः १०मेशुद्ध। लग्न अष्टमानेष्टाः।८।१२शुभा नेष्टाः। अर्केन्दौ शुक्रे विबलेस्तनीचरहिते २।३।५।६ ८ ९।११।१२ एषु लग्नेषु कार्यम्।

गृहप्रवेश मुहूर्तम्

मासाः — वै. ज्ये. माघ. फा. उत्तरायणे रवौ श्रेष्ठा जीर्णे गृहेतुकार्तिक मार्ग श्रावणमासा अपि ग्राह्याः

भानि — उत्तरा ३ अनु. रो. मृ. चि. रे. एषुद्वार-स्थभेषुच कुम्भ चक्रशुद्धौ जीर्णेतु पुष्य. स्वा. ध. श. अपिग्राह्याः पापरहितेष्वविद्धभेषु।

वाराः — चं. बृ. शु. शनि तिथयः १।२।३।५।६।७।८। १०।११।१२।१३ ग्राह्याः (शुक्ला १ नेष्टा)

लग्नम् — २।५।८।११ सत् ३।६।९।१२ मध्या तत्र सेन्दु लग्नम् नेष्टम्।

लग्नशुद्धिः — लग्नात् ३।८ शुद्धयोः १। २। ३। ५। ७। ९। १०। ११ एषु शुभैः ३।६। ११ एषु पापैः वामार्के सवि शुभः दिवा रात्रौ वा सितेज्ययोरुदितयोः।

यज्ञोपवीत मुहूर्त ज्ञानाय चक्रम्

वाराः — सू.चं.बु.बृ.शु. एषां वारे भद्रादुष्टयाणादि दोषरहिते

तिथि — २।३।५।१०।११।१२ शुक्ले। कृष्णे तु.२।३।५ परन्तु नापराह्ने न प्रदोषे

नक्षत्राणि — ध. ह. पु. उ. ३ रो. ऽश्ले. स्वा. पुन. श्र. ध. मृ. चि. मू. अनु. पू. ३ आ. रे.

लग्नशुद्धिः — ३।६।११पापाः।२।७।१०।३ चन्द्रः।१।४।५।७।९। १० सौम्याः ११ सर्वे शुभाः। चन्दशुक्र गुरु-लग्नेशाः ६। ८ नेष्टाः। चन्दशुक्रौ १२ निंद्यौ। लग्नात्१।५।८पापानेष्टाः।३।८।१२सौम्यानेष्टाः। पूर्वाचन्दोवृषकर्कगतोलग्ने शुभोन्यथान लग्ने-ऽर्कः शुभः। माघादिपञ्चमासाः शुभा। कर्काज्ययो-र्वृद्धत्वास्तशिशुत्वे न श्रेष्ठः। चैत्रे मीनार्केशुभम्

यात्रा मुहूर्तविचारः—वि. ६।३।२।८।३।४।१०।११।९।१४ छुटी १ त्याज्याः। अश्वि.पु.पु. अनु. मृ. ह. रे. श्र. ध. श्रेष्ठ। त्रिपञ्चसप्त—ताराविवर्जितानि। उ.३ शत. मू. ज्ये. पू. ३ रो. मध्यमाः। कृ.स्वा. भार्द्रा. वि. चि. श्ले. भ.म. पूर्वे ज्येष्ठाः पञ्चकं दक्षिणस्यां। रो पश्चिमे। उत्तरा फा.उत्तरे। नेष्टानि। दिक्शूल योगिनी कालराह्वादिदोष रहिते कुंभ कुंभांश निवर्जिते शुभैर्लग्ने। रवौकर्कमीनालि वर्जिते सति यात्रा कार्या। अथ यात्रायां लग्नशुद्धिः—केन्द्रे कोणे सौम्यखेटाः शुभास्युर्यानेपापास्त्र्यायषट्खेषु चन्द्रः। नेष्टोलग्नान्त्यारि रन्ध्रे शनिः खेऽस्ते शुक्रो लग्नेट् नगान्त्यारिरन्ध्रे।

धन्वकेच—चक्रीग्रहः केन्द्रगतोऽस्य वर्गो लग्ने दिनं त्याज्य एषे निषिद्धम् मैत्रार्क पुष्याश्विनिभैर्निरुक्ता यात्रा शुभा सर्वदिशासु तज्ज्ञैः। घातचक्रोक्त तिथिवार नक्षत्र लग्न घातान्यपि वर्ज्यानि।

अथ दिवाप्रोक्त द्विघटी (दुघड़िया) मुहूर्तं :: चौघड़िया मुहूर्त सहितं.

७	रवि दिवा															
मुहूर्त नाम	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा
गुणा:	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स
माघादि ४ आ २	०	१	१	१	७	७	७	७	१	१	१	०	७	७	७	७
आश्विनादि ४	१	१	२	४	४	७	७	१	१	०	०	४	१	१	१	४
ज्येष्ठाषाढमल	०	०	१	१	७	७	४	७	७	०	१	१	१	१	७	७
चौघड़िया	उद्वेग		चल		लाभ		अमृत		काल		शुभ		रोग		उद्वेग	

	रवि रात्री															
मुहूर्त नाम	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ
गुणा:	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त
माघादि ४ आ २	१	१	१	७	७	०	४	१	१	१	७	७	७	७	१	१
आश्विनादि ४	४	७	७	०	१	१	१	७	७	४	४	१	१	०	१	१
ज्येष्ठाषाढमल	१	१	१	७	७	७	७	१	१	७	७	७	७	१	१	०
चौघड़िया	शुभ		अमृत		चल		रोग		काल		लाभ		उद्वेग		शुभ	

	शुक्र दिवा															
मुहूर्त नाम	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा
गुणा:	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त
माघादि ४ आ २	१	१	४	४	०	१	१	१	७	७	७	७	१	१	१	०
आश्विनादि ४	१	७	७	१	१	१	१	७	७	७	७	१	१	१	०	४
ज्येष्ठाषाढमल	७	७	१	१	१	०	७	७	७	७	१	१	७	७	४	४
चौघड़िया	चल		लाभ		अमृत		काल		शुभ		रोग		उद्वेग		चल	

	चंद्र दिवा															
मुहूर्त नाम	श्वै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	मा	रौ	श्वे
गुणा:	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र
माघादि ४ आ २	१	१	७	७	७	७	१	१	१	०	७	७	७	७	१	१
आश्विनादि ४	४	७	७	०	०	१	१	१	०	७	७	१	१	०	१	१
ज्येष्ठाषाढमल	७	७	७	७	०	१	१	१	०	७	७	१	१	१	१	०
चौघड़िया	अमृत		काल		शुभ		रोग		उद्वेग		चल		लाभ		अमृत	

	चंद्र रात्री															
मुहूर्त नाम	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	मा	रौ	श्वे	मै
गुणा:	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स
माघादि ४ आ २	४	०	०	१	१	०	७	७	१	१	१	१	७	७	७	७
आश्विनादि ४	४	०	७	७	१	१	१	७	७	७	७	१	१	०	१	१
ज्येष्ठाषाढमल	७	७	७	७	१	१	४	०	१	१	७	७	१	१	१	४
चौघड़िया	चल		रोग		काल		लाभ		उद्वेग		शुभ		अमृत		चल	

	शुक्र रात्री															
मुहूर्त नाम	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि
गुणा:	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र
माघादि ४ आ २	४	४	१	१	१	०	७	७	४	४	१	१	१	०	४	४
आश्विनादि ४	७	७	१	१	१	०	७	७	१	१	१	७	१	०	७	७
ज्येष्ठाषाढमल	७	७	१	१	१	१	०	७	०	१	१	१	०	४	४	१
चौघड़िया	रोग		काल		लाभ		उद्वेग		शुभ		अमृत		चल		रोग	

	भौम दिवा															
मुहूर्त नाम	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	मा	रौ	श्वे	मै	चा
गुणा:	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त
माघादि ४ आ २	४	४	१	१	१	१	७	७	७	७	१	१	७	७	७	७
आश्विनादि ४	७	७	७	०	१	१	०	७	७	१	१	१	०	७	७	७
ज्येष्ठाषाढमल	०	०	१	१	७	७	०	१	१	७	७	७	७	७	७	१
चौघड़िया	रोग		उद्वेग		चल		लाभ		अमृत		काल		शुभ		रोग	

	भौम रात्री															
मुहूर्त नाम	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	मा	रौ	श्वे	मै	चा	ज
गुणा:	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र
माघादि ४ आ २	७	७	४	४	१	१	१	४	४	४	१	१	१	०	०	१
आश्विनादि ४	७	७	७	७	०	१	१	१	७	७	०	१	१	१	७	७
ज्येष्ठाषाढमल	७	७	७	७	७	०	१	७	७	४	१	०	७	७	१	१
चौघड़िया	काल		लाभ		उद्वेग		शुभ		अमृत		चल		रोग		काल	

	शनि दिवा															
मुहूर्त नाम	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु
गुणा:	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स
माघादि ४ आ २	४	१	०	०	०	०	१	१	१	१	०	१	१	०	१	१
आश्विनादि ४	४	१	०	०	०	१	१	०	१	४	१	१	०	१	१	४
ज्येष्ठाषाढमल	१	७	७	१	१	०	१	१	१	१	०	१	१	०	१	०
चौघड़िया	काल		शुभ		रोग		उद्वेग		चल		लाभ		अमृत		काल	

७	बुध दिवा															
मुहूर्त नाम	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै
गुणा:	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स
माघादि ४ आ २	७	७	१	१	४	४	१	१	१	७	७	१	१	४	४	१
आश्विनादि ४	७	७	१	१	१	४	४	१	१	१	१	७	७	७	७	१
ज्येष्ठाषाढमल	१	७	७	७	७	१	१	७	७	७	७	१	१	१	१	४
चौघड़िया	लाभ		अमृत		काल		शुभ		रोग		उद्वेग		चल		लाभ	

	बुध रात्री															
मुहूर्त नाम	अ	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु
गुणा:	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त
माघादि ४ आ २	१	१	१	१	१	७	७	०	१	१	१	१	७	७	७	७
आश्विनादि ४	४	४	१	१	०	४	४	१	१	१	७	७	७	७	०	१
ज्येष्ठाषाढमल	१	७	७	१	१	०	७	७	७	७	१	१	०	०	१	१
चौघड़िया	उद्वेग		शुभ		अमृत		चल		रोग		काल		लाभ		उद्वेग	

	शनि रात्री															
मुहूर्त नाम	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा	वा	वि	सु	या
गुणा:	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त
माघादि ४ आ २	०	४	४	१	१	१	०	७	७	७	७	१	१	१	४	४
आश्विनादि ४	४	०	४	१	१	१	१	७	७	७	७	१	१	१	०	४
ज्येष्ठाषाढमल	१	७	७	१	१	०	०	७	७	१	१	०	१	१	१	०
चौघड़िया	लाभ		उद्वेग		शुभ		अमृत		चल		रोग		काल		लाभ	

७	गुरु दिवा															
मुहूर्त नाम	रा	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ
गुणा:	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र
माघादि ४ आ २	१	१	१	१	७	७	७	७	०	१	१	१	७	७	७	७
आश्विनादि ४	१	१	०	७	७	१	१	१	१	७	७	७	७	०	०	१
ज्येष्ठाषाढमल	१	१	७	७	०	१	१	१	०	१	४	४	४	१	१	१
चौघड़िया	शुभ		रोग		उद्वेग		चल		लाभ		अमृत		काल		शुभ	

	गुरु रात्री															
मुहूर्त नाम	वा	वि	सु	या	सौ	भा	सा	रौ	श्वे	मै	चा	ज	वै	तु	अ	रा
गुणा:	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स	र	र	त	त	स	स
माघादि ४ आ २	४	१	१	१	४	४	४	४	०	१	१	१	७	७	१	१
आश्विनादि ४	४	१	१	१	०	७	७	४	४	१	१	१	०	७	७	१
ज्येष्ठाषाढमल	०	०	१	१	१	०	७	७	७	७	१	१	७	७	४	४
चौघड़िया	अमृत		चल		रोग		काल		लाभ		उद्वेग		शुभ		अमृत	

चौघड़ियों के स्वामी और नाम

स्वामी	रवि	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
चौ.	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

रेखा स्वरूपम्

नाम	अमृत	विघ्न	शुभ	काल
स्वरूप	१	७	०	४

फलं = यथा नाम तथा गुणाः

१६ दुघड़ियों का नाम

नाम	
रौद्र	१
श्वेत	२
मैत्र	३
चार्वट	४
जयदेव	५
वैरोचन	६
तुरग	७
अभिजित	८
रावण	९
बालव	१०
विभीषण	११
सुनंदन	१२
याम्य	१३
सौम्य	१४
भार्गव	१५
सावित्र	१६

राशियों के धात गुण

राशि	गुण
मेष	रजोगुण
वृष	रजोगुण
मिथुन	तमोगुण
कर्क	सतोगुण
सिंह	तमोगुण
कन्या	तमोगुण
तुला	रजोगुण
वृश्चि.	रजोगुण
धनु	सतोगुण
मकर	तमोगुण
कुम्भ	तमोगुण
मीन	सतोगुण

दिन में दिनमान का रात्री में रात्रिमान का १६वां भाग दुघड़िया होता है। और आठवां भाग चौघड़िया होता है। न तिथिर्न च नक्षत्रं न योगः करणं तथा। न शुक्रो योगिनी राशिर्न च होरा तमोगुणः ॥१॥ व्यतिपाते च संक्रान्तौ भद्रायामशुभे दिने। शिवालिखितमालोक्य सर्वविघ्नोपशान्तये।

१ लात दोषः ग्रहमात्				युति दोषः ३	
ग्रह	भा	स्वभात्	फलं	चन्द्रेणसह	
रविः	१२	स्वभात्	धननाश	रवि	दारिद्र्य
पूर्णचं	२२	स्विपृष्ठे	भयम्	भौम	मरणं
भौम	३	स्वस्याग्रे	मृत्युः	बुध	शुभं
बुध	७	स्वपृष्ठे	भयम	गुरु	सौख्यं
गुरु	६	स्वस्याग्रे	बंधुनाश	शुक्र	सापत्न्यं
शुक्र	५	स्वपृष्ठे	कार्यहानि	शनि	वैराग्यं
शनि	८	स्वस्याग्रे	कुलक्षयं	राहुः	कलह :
राहु	९	स्वपृष्ठे	मरणं	पाप २	मरणं

वेध दोषः ४

रो.	मृ	म	उ फा	ह	स्वा	ऽनु	मू	उ षा	उ भा	रे	विवा-हन.
अश्वि	उ षा	म	रे	उ भा	श	म	पु न	म	ह	उ फा	ग्रह भं

बुध पंचकं ६ (बाणदोषज्ञानाय चक्रम्)

बाण-नाम	रवेर्गतांशाः प्रतिराशौ	कर्मसु वर्ज्याः	वारेषु सशल्यः	वर्ज्य-कालः
रोग	८-१७-२६	व्रतबंधे	रवौ	रात्रौ
अग्नि	३-११-२०-२९	गृहगोपे	भौमे	सदैव
नृप	४-१३-२२	नृपसेवा	शनौ	दिवा
चौर	६-१५-२४	यात्रायां	भौमे	रात्रौ
मृत्यु	१-१०-१९-२८	विवाहे	बुधे	संधौ

विवाह लग्न मंगदाः ग्रहाः							क्रांति साम्यम्
१	६	७	८	१२	१०	३	रविचंद्रयोःपरस्परवेधे
र चं मं श रा के	चं बु मं शु श	र मं बु गु श रा	चं मं बु गु शु मं श	रा	सं	गु	मेष—सिंह वृष—मकर मिथुन—धन कर्क—वृश्चिक कन्या—मीन तुला—कुम्भ

स्वोच्चे स्वभे स्वमित्रैर्वा स्वांशे वर्गोत्तमे गुरुः। दिग्वलबुधोऽपीष्टो नीचारिस्थः शुभोऽप्यसत्। ६ अस्तिग्मरमणे सूर्ये शुभराशिः पुरोभवेत्। त्रयोदशादिनं त्यक्त्वारोपस्ये शुभमादिशेत्।

लग्ने विश्वा प्रदा ग्रहाः

र	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	प्र.
३ ६ ११	२ ३ ११	३ ६ ११	१-२ ३-४ ५-६ ९-१० ११	१-२ ३-४ ५-६ ९-१० ११	१-२ ३-४ ५-९ १० ११	३ ६ ११	३ ६ ११	३ ६ ११	स्थानानि.
३।।	५	३।।	२	३	२	३।।	३।।	३।।	वि

लग्नंशुभं विवाहे स्याद्दश विशोपकाधिकम्

दग्धातिथिः १०		पातदोषः २
रविराशि	तिथि	हर्षण, वैधृति, व्यतिपात, साध्य, गंड, शूल इन योगों के अंत में जो विवाह नक्षत्र होतो पातदोष होता है इसी को चंडीस चंडायुध भी कहते हैं।
धन-मीन	२	
वृष-कुम्भ	४	
मेष-कर्क	६	
मिथुन-कन्या	८	
वृश्चिक-सिंह	१०	
मकर-तुला	१२	

एकार्गल (खार्जूर) दोषः ७

जिस दिन व्याघात, गंड, व्यतिपात विष्कुंभ, शूल, वैधृति, वज्र, परिघ, अतिगंड यह योग हों और ? के नक्षत्र से विषम नक्षत्र पर चन्द्रमा होतो एकार्गल दोष होता है।

जामित्र दोषः ५

रो	मृ	म	उ फा	ह	स्वा	ऽनु	मू	उ षा	उ भा	रे	विवा-हन.
ऽनु	ज्ये	ध	पू भा	उ भा	श्वि	कृ	मृ	पुन	उ फा	ह	ग्रह भं

उपग्रह दोषः ८

सूर्य नक्षत्र से चंद्र नक्षत्र ५-७-८-१०-१४-१५ १८-१९-२१-२२-२३-२४-२५ वां नक्षत्र होतो उपग्रह दोष होता है।

॥ विवाहे रविचन्द्रगुरु शुद्धि चक्रम् ॥

रवि	चन्द्र	गुरुः	ग्रहा
३।६।१०।११	३।६।७।१०।११	२।५।७।९।११	शुभ
१।२।५।७।९	१।२।४।५।९।१२	३।१।१०।६	पूज्य
४।८।१२	४।८	४।८।१२	नेष्टा

अथ गोधूलि लग्न विचारः।

लग्नशुद्धिर्यदा नास्ति कन्या यौवनशालिनी तदा वै सर्व वर्णानां लग्नं गोधूलिकं शुभम् । गोधूलिकालः सूक्ष्मः-अत्रोभयत्र घटिकादलमिष्टमाहुर्माह्यं तदंबरमणेरपिचार्धबिम्बात् । अत्रमतान्तरम्-यावद्दिनान्ते दिशिपश्चिमायां पश्येत् तृतीयं रविबिम्बभागम् । तस्मात्परं नाडिकयुग्ममेके गोधूलिकालं मुनयो वदन्ति । अन्यच्च-चैत्रादिमासचतुष्टये अर्धास्तेरवौ, श्रावणादिमास चतुष्टये, सम्पूर्णास्ते रवौ, मार्गशीर्षादिमास चतुष्टये पिण्डीभूते रवौ । एवंत्रिविधंगोधूलिकं मतंबुधैः। गोधूलि अन्यगोधूल्योर्भेदः- द्वित्रिलाभगतश्चन्द्रो गोधूलिः शस्यते बुधैः । सुहृद वस्तलगोधर्मेव्यये धूलीमुखास्मृता ॥ सूर्यास्तकालीन लग्नात् २-३-११ स्थानस्थे चन्द्रे गोधूलिः। लग्नात् ४-५-६-१०-१२ स्थानस्थेचन्द्रेऽन्यगोधूलिरिति शिष्टाः॥ अत्रकेचिदन्यगोधूलिशब्देन गोधूलिभिन्नं लग्नं स्वीकुर्वंतितन्नवरम् । यतो गोधूल्या एवचन्द्रवशात्नामांतरभेदः। गोधूल्यन्यगोधूल्योः समयस्तु एक एव। तत्र विशेषो-गुरुशन्योर्दिने "अस्तं यातेगुरुदिवसे सौरे सार्के" गोधूलिः शुभः गुरोर्दिनेसूर्यास्तात्प्राक् "अर्धयामः" शनिदिने सूर्यास्तात्परे कुलिकस्तस्मात्। गोधूलिकेत्याज्याः। कुलिकः क्रांतिसाम्यं च लग्ने षष्ठाष्टमेशशिः। पंच गोधूलिकेत्याज्या अन्ये दोषाः शुभावहाः। केचित्तु षष्ठेऽष्टमे बुधगुरुशुक्रभौमानांस्थित्या गोधूलिकं वर्जयंति किंतुतन्नसर्वसम्मतमतः शिष्टैर्न स्वीकृतं। कुजाष्टमदोषस्तुवर्ज्यः एव।

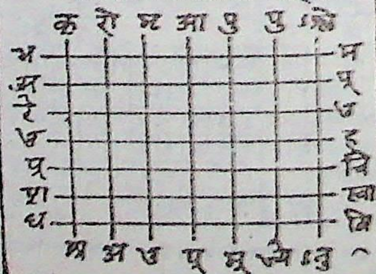
विवाहाङ्ग (हलदात बान आदि) कर्म मुहूर्तम्

विवाहकृत्यं निखिलं विवाहभे विचारयेन्नात्र बलं हिमद्युतेः । नवत्रिषष्ठेऽह्नि विवाहपूर्वतो नवर्णको मंडपतैलमंगलम् । त्याज्याः-चित्रा विशाखाशततारकाश्विनीजेष्ठा भरण्यौ शिव भाच्चतुष्टयम्। हित्वाप्रशस्तं फल तैल वेदिका प्रदानकंकणमंड नादिकम्। सति संभवे चन्द्र बलमपिग्राह्यम्।

सर्वशुभकार्येषु वर्ज्याः

उत्पातांन्सहपातदग्ध तिथिभिर्दुष्टांश्च योगांस्तथा चन्द्रेज्योशनसामथास्तमयनं तिथ्याः क्षयद्वीतथा ॥ तन्वंशेशविधून्थाष्ट रिपुगान् पापस्य वर्गास्तथा सेन्दुक्रूरखगोदयांश मुदयास्ताशुद्धि-चण्डायुधान्खार्जूरं दशयोगगोगसहितं जामित्रलत्तान्यधम् बाणोपग्रहपापकर्तरितथा तिथ्यृक्षो-गोत्थम् दुष्टं योगमथार्धयाम कुलिकाद्यान्वार दोषानपि क्रूराक्रांतविमुक्तभं ग्रहणभं यत्क्रूर गन्तव्यभं त्रेधोत्पात हतंच केतुहतभं संध्योदितंभं तथा तद्वच्च ग्रहभिन्नयुद्धगतभंसर्वानिमान्संत्यजेदुद्वाहे शुभकर्मसु ग्रहकृतां लग्नस्य दोषानपि॥ अथैतेषुकेषांचित्परिहारः-ये लग्नदोषांकुनवांशदोषाः पापैः कृता दृष्टिनिपातदोषाः। लग्ने गुरुस्तान्विमली करोतिफलं यथाम्भः कतकद्रुमस्य अन्यच्च-त्रिकोणे केन्द्रेवा मदनरहितेदोषशतकं, हरेत्सौम्यः शुक्रोद्विगुणमपिलक्षं सुरगुरुः। भवेदाये केन्द्रेऽङ्गप उतलवेशोयदितदा समूहं दोषाणां दहनइवतूलं शमयति।विवाह लग्नात्षष्ठस्थः शुक्रोऽतिनेष्टः किन्तु स एव शत्रुनीचराशिस्थश्चेन्नदोषकृत्। एवं भौमोपिशत्रुनीचराशिगश्चेत्तदा भौमाष्टम महादोषोपि न। एवं नीचे नीचनवांशके चन्द्रे रि: षा.१२ष्टाम्नरि६ स्यदोषाऽभावः ॥ जन्मलग्नाज्जन्मराशितो वा विवाहे अष्टमंलग्नं चेत्तदा न शुभः किंतु जन्मलग्न जन्मराशिपति विवाहलग्नपयोरेकत्वे परस्पर मित्रत्वे च न दोषकृदिति।

विवाहान्यत्र सप्तशलाका चक्रम् ।



वार तिथि नक्षत्रेषु—सुयोगकुयोगादिज्ञानायचक्रम् ।

योगाः	ति. न.	रविः	चन्द्र	भौमः	बुधः	गुरुः	शुक्रः	शनिः
सिद्धियोगः	तिथिः	+	+	३–८ १३	२–७ १२	५–१० १५	१–६ ११	४–९ १४
क्रकचयोगः	–	१२	११	१०	९	८	७	६
मृत्युयोगः	–	१–६ ११	२–७ १२	१–६ ११	३–८ १३	४–९ १४	२–७ १२	५–१० १५
दग्धा	–	१२	११	५	३	६	८	९
विषाख्या	–	४	६	७	२	८	९	७
हुताशनाः	–	१२	६	७	८	९	१०	११
ऽमृतसिद्धिः	भानि	हस्त	श्रवण	ऽश्वि	ऽनु	पुष्य	रेवती	रोहि.
सिद्धिः	–	मूल	श्रवण	उभा	कृत्ति.	पुन	पूफा	स्वाती
चरयोगः	नक्षत्र	पूभा	आर्द्रा	विशा.	रोहि.	शत	मघा	मूल
उत्पातः	भानि	विशा	पूषा	धनि	रेवती	रोहि.	पुष्य	उफा
मृत्युः	–	ऽनु	उषा	शतता	ऽश्वि.	मृग	ऽश्ले	हस्त
काणः	–	ज्येष्ठा	ऽभि	पूभा	भरणी	आर्द्रा.	मघा	चित्रा
कालयोगः	–	भरणी	आर्द्रा	मघा	चित्रा	ज्येष्ठा	ऽभि	पूभा
यमघंटः	–	मघा	विशा	आर्द्रा	मूल	कृत्ति.	रोहि.	हस्त
यमदंष्ट्रा	–	मघा धनि	मूल विशा.	कृत्ति. भरणी	पुन. रेवती	उषा अश्वि	रोहि. अनु.	श्रवण शत
दग्धभानि	–	भरणी	चित्रा	उषा	धनिष्ठ	उफा	ज्येष्ठा	रेवती
सर्वार्थसिद्धिः	–	मू. उ३ ह. अश्वि पुष्य	ऽनुरा. श्र.रो. मृ.पुष्य	उभा ऽश्वि.कृ ऽश्ले	ह.कृ. रो.ऽनु मृ.	पुन.पु रे.ऽनु ऽश्वि.	ऽश्वि. रे.ऽनु पुन.श्र	श्र. रो. स्वाती
वारवेला	याम घटी	४ ३॥।	७ ३॥।	२ ३॥।	५ ३॥।	८ ३॥।	३ ३॥।	६ ३॥।
कुलिकः	मुहूर्त	१४	१२	१०	८	६	४	२
कंटकः	–	६	४	२	१४	१२	१०	८
कालवेला	–	८	६	४	२	१४	१२	१०
अर्धप्रहरः	–	७	९	६	९	१५	५	३
यमघंटः	–	१०	८	६	४	२	१४	१२
दृष्ट	–	७–१४	११ १४	६ ४	८–९ १०	१५ १६	५–४ ६–९	१ २
विषघटी	–	२०	२	१२	१०	७	५	२५

दग्धभानि-मुहूर्त । संवर्तः-शनि ७ रवि. ति. १ बुध. ।

तिथि चक्रम्—

तिथिः	तिथीशाः	नंदादि संज्ञा	निंद्य योगाः	दग्ध लग्ना.	प.रंध्र तिथि.	आवश्ये त्याज्य.	दग्धा.शून्य राशि	त्याज्य योगाः
१	अग्नि	नंदा	उषा	तु. म.	–	घटी	–	–
२	ब्रह्मा	भद्रा	ऽनु	–	–	–	ध.मी.	–
३	गौरी	जया	उ० ३	सिं.म.	–	–	–	–
४	गणेश	रिक्ता	+	–	ति. ४	घ. ८	वृ. कु.	–
५	सर्प	पूर्णा	मघा	मि.कं.	–	–	–	ह.रवि
६	स्कंद	नंदा	रोहि.	–	ति. ६	घ. ९	मे. क.	मृ. ध.
७	रवि	भद्रा	ह. मू.	ध. क.	–	–	–	ऽश्विभ
८	शिव	जया	पूभा	–	ति. ८	घ. १४	मि. क	ऽनु.बु
९	दुर्गा	रिक्ता	कृ.	क.सिं.	ति. ९	घ. २५	–	पुष्यगु
१०	कालः	पूर्णा	+	–	–	–	सिं.वृ.	रे. शु.
११	विश्वे	नन्दा	रोहि.	ध.मी.	–	–	–	रो.श.
१२	हरिः	भद्रा	ऽश्ले	–	ति.१२	घ.१०	तु.म.	–
१३	कामः	जया	चि.स्वा.	वृ.मी.	–	–	–	–
१४	शिवः	रिक्ता	०	–	ति.१४	घ. ५	–	–
१५	शशिः	पूर्णा	०	–	–	–	–	–
३०	पितरः	+	०	–	–	–	–	–

मासेषु शून्यतिथ्यादयः

मासाः	शून्यतिथयः: पक्ष द्वये	कृष्णे पक्षे	शुक्ले पक्षे	शून्य भानि	शून्य राशिः	मन्वादिः तिथिः	युगादिः तिथि
चैत्र	८–९	–	–	ऽश्वि. रो.	कुंभ	शु.३–१५	शु. ३त्रेता
वैशा.	१२	–	–	चि. स्वा.	मीन	+	–
ज्येष्ठ	–	१४	१३	उषा. पु.	वृष	शु. १५	–
आषा.	–	६	७	पूफा. ध.	मिथुन	शु.१०.१५	–
श्राव.	२–३	–	–	उषा. श्र.	मेष	कृ.३०–८	–
भाद्र.	१–२	–	–	श. रे.	कन्या	शु. ३	कृ१३द्वाप.
आश्वि	१०–११	–	–	पूभा	वृश्चि	शु. ९	–
कार्ति.	–	५	१४	म. कृ.	तुला	शु१२.१५	शु.९कृत
मार्ग.	७–८	–	–	वि.चि	धन	शु. ७	–
पौष.	४–५	–	–	आ.ऽश्वि.ह.	कर्क	शु. ११	–
माघ.	–	५	६	श्र. मू.	मकर	शु. ७	कृ३०कलि
फाल्गु	–	४	३–	भ. ज्ये.	सिंह	शु. १५	–

कार्यविशेषेवर्ज्याः— गृहप्रवेशेयात्रायां विवाहेच यथाक्रमम् ।
भौमेशनिर्शनौ माघ गुरौपुष्यं विवर्जयेत् ॥

दिन का चौघड़िया

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का
चं	का	उ	अ	रो	ला	शु
ला	शु	चं	का	उ	अ	रो
अ	रो	ला	शु	चं	का	उ
का	उ	अ	रो	ला	शु	चं
शु	चं	का	उ	अ	रो	ला
रो	ला	शु	चं	का	उ	अ
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का

रात्रि का चौघड़िया

सू	चं	मं	बु	गु	शु	श
शु	चं	का	उ	अ	रो	ला
अ	रो	ला	शु	चं	का	उ
चं	का	उ	अ	रो	ला	शु
रो	ला	शु	चं	का	उ	अ
का	उ	अ	रो	ला	शु	चं
ला	शु	चं	का	उ	अ	रो
उ	अ	रो	ला	शु	चं	का
शु	चं	का	उ	अ	रो	ला

भद्रायामुखपुच्छ घटी ज्ञानम्

४	८	११	१५	३	७	१०	४	आसांतिथीनाम्
प	आ	उ.	ने	ई	द	वा.	पू.	आसुदिग्विदिक्षु
५	२	७	४	८	३	६	१	एषु यामेष्वादौ
५	५	५	५	५	५	५	५	विष्टेर्मुखघ.५कु. शुभं
८	१	६	३	७	२	५	४	एषुयामेष्वन्त्यम्
३	३	३	३	३	३	३	३	घटीत्रयंपुच्छंशु.शुभं

अथैतेषांकुयोगानांपरिहारः—कुयोगास्तिथिवारोत्थास्तिथिभोत्थाभवारजाः ॥ हूणवंगखशेष्वेव वर्ज्यास्त्रितयजास्तथा ॥ पंचधकाणलग्नानिमासशून्याश्च राशयः।गौड़ मालवयोस्त्याज्या अन्यदेशे न गर्हिता ॥२॥ मृत्युक्रकचदग्धादीनिन्दौशस्ते शुभांजगुः । केचिद्यामोत्तरं चान्ये यात्रायामेव निंदितम् ॥ यमघंटे त्यजेदष्टौ मृत्यौ द्वादशनाडिकाः अन्येषांतु कुयोगानां मध्याह्नात्परतः शुभम् ॥ वारर्क्षतिथि योगेषु यात्रामेव विवर्जयेत् । विवाहादीनि कुर्वीत गर्गादीनामिदंवचः । कुयोगः सिद्धियोगश्च यदिस्यातामुभावपि । सुयोगोऽपिति दुर्योगंकार्यसिद्धौ शुभावहः।

व्याघात: मुद्गर-वज्र योगों की ५ घटीत्याज्यहैं । काण और मुसल की २ घटी । पद्म.ध.लुम्ब.की ४घटी. । धुम्र की १ घटी शूल और गदकी ७घटी । चरयोगमें ३ घटी । परिघ का पूर्वार्ध गंड अतिगंड की आदिकी ६ घटी व्याघातकी ९ घटी और मृत्यु-काल-उत्पात तथा राक्षस यह संपूर्णत्याज्यहैं ।। विरुद्धयोगास्तिथिवारजाता नक्षत्रवारप्रभवाश्चयेच । हूणेषुवंगेषु खशेषुवर्ज्याः शेषेषु देशेषु न ते निषिद्धाः ॥ वधबंधविषाग्न्यस्त्रच्छेदनोच्चाटनादिकं तुरंगमहिषोष्ट्रादि कर्मविष्ट्यांतु सिद्ध्यति नकुर्यान्मंगले विष्ट्यां जीवितार्थीकदाचन । आवश्यके परिहारः–कुम्भकर्कद्वयेमर्त्ये स्वर्गेऽब्जेऽजात्रयेऽलिगे स्त्रीधनुर्जूकनक्रेऽधो भद्रा तत्रैव तत्फलम ॥

नक्षत्राणां स्वामि शुभाऽशुभादि विशेष संज्ञा											नष्ट वस्तुज्ञानायसुलोचनादि संज्ञा					नक्षत्र पादवशादत्रकष्टावलोकन चक्रम्							
																ज्वरादि रोगोत्पत्तौ		भस्यपादवशादत्र दिन संख्या					
नक्षत्राणि	अवकहडा च.	स्वामिनः	शुभाशुभ	जातिः	संज्ञा	मुखं	घ. उ. नि.	पु. स्त्री	मु.	सू. चं.	संज्ञा	दि.	लाभाऽलाभ	ता.	स्वरूपम्	दि.संख्या	दानादि	च	२	३	४	जपार्थ मंत्राः	
अश्विनी	चु. चे. चो. ला	अश्विनीकु	शुभम्	वैश्यः	लघु क्षिप्र	तिर्यक्	५०	पु.	३०	चं.	मंद	द.	यत्नालाभ	३	अश्वमुखं	दिन ६	भोजनम्	६	११	१०	२०	मृत्युञ्जय मंत्रजपः	पूर्व भागे
भरणी	लि. लू. ले. लो.	यमः	नाशकः	चांडालः	उग्र क्रूर	अधः	२४	,,	१५	,,	मध्य	प.	दूरेश्रव.	३	योनिस्वरूपं	दि. ११	गोत्रादिः	०	८०	४०	११	यमायत्वेति मन्त्रः	पूर्व भागे
कृत्तिका	अ इ उ ए	अग्निः	अशुभम्	ब्राह्मणः	मिश्र साधा	अधः	३०	,,	३०	,,	सुलोचन	उ.	अलाभ	६	क्षुराकृतिः	दि. ६	स्वर्णदानं	६	११	१६	२८	अग्निर्मूर्धेति मन्त्रः	पूर्व भागे
रोहिणी	ओ वा वी वू	ब्रह्मा	शुभम्	शूद्रः	ध्रुव स्थि.	ऊर्ध्व	४०	,,	४५	सू.	अन्ध	पू.	शीघ्रलाभ	५	शकटवत्	दि. ७	घृत दानं	७	६	१८	३०	ब्रह्मयज्ञेति मन्त्रः	पूर्व भागे
मृगसिर	वे वो क की	चन्द्रः	शुभम्	कृषकः	मृदु. मैत्रं	तिर्यक्	१४	,,	३०	,,	मन्द	द.	यत्नलाभ	३	मृगास्यम्	मा. १	तिल दानं	६	५	७	१०	इमंदेवेति मन्त्रः	पूर्व भागे
आर्द्रा	कु घ ङ छ	शिवः	अशुभम्	क्रूरजाति	ती. दारुण	ऊर्ध्व	२१	स्त्री	१५	चं.	मध्य	प.	दूरेश्रव.	१	मणिसदृशं	मृतिः	गौदानम्	०	१८	०	०	नमस्ते रुद्रेति मन्त्रः	मध्य भागे
पुनर्वसु	के को ह ही	अदितिः	शुभम्	वैश्यः	चरं. चलं	तिर्यक्	३०	,,	४५	,,	सुलोचन	उ.	अलाभ	४	गृह सदृशं	दि. ७	पीतल दा	७	१४	२	२१	अदितिर्द्यौरिति मन्त्रः	मध्य भागे
पुष्य	हु हे हो डा	गुरुः	शुभम्	क्षत्रियः	क्षि. क्षिप्र	ऊर्ध्व	२०	,,	३०	,,	अन्ध	पू.	शीघ्रलाभ	३	बाणाकृति	दि. ७	तैलान्नदा	६	७	१०	२१	बृहस्पतेति मंत्रः	मध्य भागे
आश्लेषा	डी डु डे डो	सर्पः	अशुभम्	चांडाल	तीक्ष्णं दा	अधः	३२	,,	१५	,,	मन्द	द.	यत्नालाभ	५	चक्राकारं	मृति	गोजादि	०	०	४१	०	नमोस्तुसर्पेति मन्त्रः	मध्य भागे
मघा	म मी मु मे	पितरः	शोकदः	शूद्र	उग्र. क्रूरः	अधः	३०	,,	३०	,,	मध्य	प.	दूरेश्रव.	५	गृह सदृशं	दि. २०	वस्त्राज्यं	१५	७	१७	२०	पितृभ्य इतिमंत्रः	मध्य भागे
पूर्वाफा.	मो टा टी टु	भगः	अशुभम्	ब्राह्मणः	उग्र. क्रूर.	अधः	२०	,,	३०	सू.	सुलोचन	उ.	अलाभ	२	मंचकाकृति	मृतिः	भोजनं	०	१५	८	३०	भगप्रणेतेति मन्त्रः	मध्य भागे
उत्तराफा	टे टो प पी	अर्यमा	शुभम्	क्षत्रियः	ध्रुव स्थिर.	ऊर्ध्व	१८	,,	४५	,,	अन्ध	पू.	शीघ्रलाभ	५	खट्वाकारं	दि. ७	अन्नदानं	७	१४	७	६०	दैव्यावध्वेति मन्त्रः	मध्य भागे
हस्त	पू ष ण ठ	रविः	शुभम्	वैश्यः	लघु क्षिप्र	तिर्यक्	२१	,,	३०	,,	मन्द	द.	यत्नालाभ	१	हस्ताकारम्	दि. १५	तैलदानं	१५	१७	१५	०	उदुत्यंजातवेदेति मन्त्रः	मध्य भागे
चित्रा	पे पो र री	त्वष्टा	शुभम्	कृषकः	मृदु. मैत्र	तिर्यक्	२०	,,	३०	,,	मध्य	प.	दूरेश्रवणं	१	मौक्तिकम्	दि. ११	दुग्धदानं	११	८	८	१६	त्वष्टातुरीयेति मन्त्रः	मध्य भागे
स्वाती	रु रे रो ता	वायुः	शुभम्	क्रूरजाति	चरं. चलं	अधः	१४	नपुं	१५	,,	सुलोचन	उ.	अलाभ	४	प्रवालाकारं	मृति	गोघृतं	६०	१७	२०	०	वायोरग्नेति मन्त्रः	मध्य भागे
विशाखा	ती तू ते तो	इंद्राग्नी	अशुभम्	चांडालः	मिश्र. साधा	अधः	१४	नपुं	४५	,,	अन्ध	पू.	शीघ्रलाभ	४	तोरणसदृशं	दि. १६	गोमेद	१५	०	०	१३	इन्द्राग्नी इति मन्त्रः	मध्य भागे
अनुराधा	न नी नू ने	मित्रः	शुभम्	शूद्रः	मृदु. मैत्रं	तिर्यक्	१०	,,	३०	,,	मन्द	द.	यत्नालाभ	४	बलिसदृशं	स्थिरः	गोघृतं	६०	१२	३६	३०	नमोमित्रेति मन्त्रः	मध्य भागे
ज्येष्ठा	नो या यी यु	इन्द्रः	शुभम्	कृषकः	तीक्ष्णं. दारु.	तिर्यक्	१४	पु.	१५	,,	मध्य	प.	दूरेश्रवणं	३	कुण्डलाकारं	मृतिः	तिलदानं	६१	६	६	८	त्रातार मिन्द्रेति मन्त्रः	पर भागे
मूल	ये यो भ भी	राक्षसः	क्षयः	क्रूरजाति	तीक्ष्ण. दारु.	अधः	५६	,,	३०	,,	सुलोचन	उ.	अलाभः	११	सिंह पुच्छ	प. ६	रौप्यदानम्	०	१	१५	६	मातापृथ्वेति मन्त्रः	पर भागे
पूर्वाषाढा	भू धा फ ढा	जलम्	हानिः	ब्राह्मणः	उग्रं. क्रूरं	अधः	२४	,,	३०	चं.	अन्ध	पू.	शीघ्रलाभ	२	गजदंतसदृशं	मृतिः	गोमुक्ता	०	१५	२४	१०	अपोहवर्षेति मन्त्रः	पर भागे
उत्तराषाढा	भे भो ज जी	विश्वेदेवा	हानिः	क्षत्रियः	ध्रुव. स्थिरः	ऊर्ध्व	१०	,,	४५	,,	मन्द	द.	यत्नालाभ	३	मंचकाकारं	मा. १	भोजनं	२०	२८	२६	२६	विश्वेदेवेति मन्त्रः	पर भागे
अभिजित्	जु जे जो खा	ब्रह्मा	शुभम्	—	लघु. क्षिप्र.	,,	१०	,,	०	,,	मन्द	द.	यत्नालाभ	३	त्रिकोण	—	—					ब्रह्मयज्ञानमितिमन्त्रः	पर भागे
श्रवण	खी खु खे खो	विष्णु	वृद्धिः	चांडालः	चरं. चलं.	,,	१०	,,	३०	,,	सुलोचन	उ.	अलाभ	४	त्रिपाद सदृ	दि. ११	श्रीफलं	६०	८	६	१	विष्णोरराटेति मन्त्रः	पर भागे
धनिष्ठा	ग गि गु गे	अष्टवसु	शुभम्	कृषकः	चर. चल.	,,	१०	,,	३०	,,	अन्ध	पू.	शीघ्रलाभ	१०	मृदंगाकारं	दि. १५	अन्नान्न	१५	४	६१	३१	वसोः पवित्रेति मन्त्रः	पर भागे
शतभिषा	गो सा सी सु	वरुणः	शुभम्	क्रूरजाति	चर. चल.	,,	१८	,,	१५	सू.	मन्द	द.	यत्नालाभ	२	वर्तुलं	दि. ११	भोजनं	०	४५	३	२२	वरुणस्योत्तम्भनि मंत्रः	पर भागे
पूर्वाभाद्र	से सो द दी	अजैकपात्	अशुभम्	ब्राह्मणः	उग्र. क्रूर	,,	१६	,,	३०	चं.	मध्य	प.	दूरेश्रवणं	२	मंचकाकारं	मृतिः	भोजनं	०	१२	२१	६०	अजैकचरणोक मन्त्रः	पर भागे
उ.भाद्रप	दू थ झ ञ	अहिर्बुध्न्य	शुभम्	क्षत्रियः	ध्रुव. स्थिरः	,,	२४	,,	४५	सू.	सुलोचन	उ.	अलाभ	२	यमलसदृशं	दिन ७	अन्नदानं	१०	२	६	१५	अहिर्बुध्न्येति मन्त्रः	पर भागे
रेवती	दे दो च ची	पूषा	शुभम्	शूद्रः	मृदु. मैत्र.	तिर्यक्	१०	,,	३०	चं.	अन्ध	पू.	शीघ्रलाभ	३२	मर्दलाकारं	स्थिरः	वृषदान	१८	१०	६	२०	पूषन्तव व्रतेति मन्त्रः	पूर्व भागे

अथ रोगी के मरण जीवन का ज्ञान—उग्रशतभिषगार्द्रा स्वातिमूले त्रिपूर्वा भरणि रविजवारे भानुभौमार्कियुक्ताः। प्रथमदिनचतुर्थी-द्वादशी षष्ठि भूता हरिहर विधिरुक्तो रोगिणां मृत्युकालः ॥ आश्लेषा शतभिषा आर्द्रा स्वाति तीनों पूर्वा भरणी यह नक्षत्र रवि भौम शनि-वार और १।४।१२।६।१४ यह तिथि इनके योग में रोग होनो रोगी की मृत्यु होती है। तीनों में से एक भी कम होना चिन्ता नहीं॥

पुष्यनक्षत्रस्य प्राशस्त्यम्—मदेश विद्धोऽप्यशुभान्वितोऽपि। विरुद्धतारोऽपि विलोम गोपि। करोत्यवश्यंसकलार्थ सिद्धिं विहायपाणिग्रहमेव पुष्यः। सिंहोयथा सर्वचतुष्पदानां तथैवपुष्योबलवानुडूनाम् ॥ चन्द्रे विरुद्धेऽप्यथगोचरेवा सिध्यन्ति कार्याणिकृतानि पुष्ये। परकृतमखिलं निहंतिपुष्यो नखलु निहन्तिपरस्तुपुष्यदोषम्। ध्रुवममृतकरेऽष्टमेपि पुष्ये विहितमुशैति सदैवसिद्धिम् ॥

मुम्बई लग्न सारिणी—अक्षांशाः १८।५७ पलभा ४।८ अयनांशाः २३

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ल.मा.
मेष ०	३ २	३ ११	३ १९	३ २७	३ ३५	३ ४३	३ ५१	३ ५९	४ ८	४ १७	४ २६	४ ३४	४ ४३	४ ५२	५ १	५ १०	५ १९	५ २८	५ ३७	५ ४५	५ ५४	६ ३	६ १२	६ २१	६ ३०	६ ३९	६ ४७	६ ५६	७ ५	७ १४	२३९
वृष १	७ २२	७ ३२	७ ४१	७ ५०	७ ५८	८ ८	८ १६	८ २५	८ ३४	८ ४३	८ ५६	९ ६	९ १६	९ २७	९ ३७	९ ४७	९ ५७	१० ८	१० १८	१० २८	१० ३८	१० ४९	१० ५९	११ ९	११ २०	११ ३०	११ ४०	११ ५०	१२ १	१२ ११	२६६
मि० २	१२ २१	१२ ३१	१२ ४१	१२ ५२	१३ २	१३ १२	१३ २३	१३ ३३	१३ ४४	१३ ५५	१४ ७	१४ १८	१४ २८	१४ ४०	१४ ५१	१५ ३	१५ १४	१५ २५	१५ ३६	१५ ४७	१५ ५९	१६ १०	१६ २१	१६ ३२	१६ ४३	१६ ५४	१७ ६	१७ १७	१७ २८	१७ ३९	३०८
कर्क ३	१७ ५१	१८ २	१८ १३	१८ २४	१८ ३५	१८ ४७	१८ ५८	१९ ९	१९ २०	१९ ३०	१९ ४२	१९ ५३	२० ४	२० १५	२० २६	२० ३८	२० ४९	२१ ०	२१ ११	२१ २२	२१ ३३	२१ ४४	२१ ५५	२२ ६	२२ १७	२२ २८	२२ ३९	२२ ५०	२३ १	२३ १०	३३६
सिंह ४	२३ २४	२३ ३५	२३ ४६	२३ ५७	२४ ८	२४ १९	२४ ३०	२४ ४१	२४ ५२	२५ २	२५ १३	२५ २४	२५ ३४	२५ ४५	२५ ५६	२६ ६	२६ १७	२६ २७	२६ ३८	२६ ४९	२६ ५९	२७ १०	२७ २०	२७ ३१	२७ ४२	२७ ५२	२८ ३	२८ १४	२८ २४	२८ ३५	३३२
कन्या ५	२८ ४६	२८ ५६	२९ ७	२९ १८	२९ २८	२९ ३९	२९ ४९	३० ०	३० ११	३० २२	३० ३३	३० ४३	३० ५४	३१ ४	३१ १५	३१ २५	३१ ३६	३१ ४६	३१ ५७	३२ ८	३२ १८	३२ २९	३२ ३९	३२ ५०	३३ १	३३ ११	३३ २२	३३ ३३	३३ ४३	३३ ५४	३१९
तुला ६	३४ ५	३४ १५	३४ २६	३४ ३६	३४ ४७	३४ ५८	३५ ८	३५ १९	३५ ३०	३५ ४१	३५ ५२	३६ ३	३६ १४	३६ २५	३६ ३६	३६ ४८	३६ ५९	३७ १०	३७ २१	३७ ३२	३७ ४३	३७ ५४	३८ ५	३८ १६	३८ २७	३८ ३८	३८ ४९	३९ ०	३९ ११	३९ २२	३१९
वृश्चि० ७	३९ ३४	३९ ४४	३९ ५५	४० १०	४० १८	४० २९	४० ४०	४० ५१	४१ २	४१ १३	४१ २४	४१ ३६	४१ ४७	४१ ५८	४२ ९	४२ २१	४२ ३२	४२ ४३	४२ ५४	४३ ५	४३ १७	४३ २८	४३ ३९	४३ ५०	४४ १	४४ १३	४४ २५	४४ ३६	४४ ४७	४४ ५७	३३२
धन ८	४५ ९	४५ २०	४५ ३१	४५ ४२	४५ ५३	४६ ४	४६ १६	४६ २७	४६ ३७	४६ ४८	४६ ५८	४७ ८	४७ १८	४७ २९	४७ ३९	४७ ४९	४७ ५९	४८ १०	४८ २०	४८ ३०	४८ ४०	४८ ५१	४९ १	४९ ११	४९ २२	४९ ३२	४९ ४२	४९ ५२	५० ३	५० १३	३३६
मकर ९	५० २३	५० ३३	५० ४४	५० ५४	५१ ४	५१ १४	५१ २४	५१ ३४	५१ ४४	५१ ५२	५२ १	५२ १०	५२ १९	५२ २८	५२ ३७	५२ ४६	५२ ५५	५३ ४	५३ १३	५३ २२	५३ ३१	५३ ३९	५३ ४८	५३ ५७	५४ ६	५४ १५	५४ २३	५४ ३२	५४ ४१	५४ ५०	३०८
कु० १०	५४ ५९	५५ ८	५५ १७	५५ २५	५५ ३४	५५ ४३	५५ ५२	५६ १	५६ ९	५६ १७	५६ २५	५६ ३३	५६ ४१	५६ ४९	५६ ५७	५७ ५	५७ १३	५७ २१	५७ २९	५७ ३७	५७ ४५	५७ ५२	५८ ०	५८ ८	५८ १६	५८ २४	५८ ३२	५८ ४०	५८ ४८	५८ ५६	२६६
मी० ११	५९ ४	५९ १२	५९ २०	५९ २८	५९ ३६	५९ ४४	५९ ५२	० ०	० ८	० १६	० २४	० ३२	० ४०	० ४८	० ५६	१ ४	१ १२	१ २०	१ २८	१ ३२	१ ३६	१ ५२	१ ५६	२ ७	२ १५	२ २३	२ ३१	२ ३६	२ ४०	२ ४५	२३९

कलकत्ता लग्न सारिणी—तत्राक्षांशाः २२।२४ पलभा ५।५६ अयनांशाः २३ यह सारिणी २२।३० साढ़े बाईस अक्षांश (टेलीग्यूड) के समीपस्थ सब स्थानों में काम आवेगी। जैसे द्वारका, बड़ौदा, इन्दौर, उज्जैन, बरद्वान, भोपाल, अहमदाबाद, जबलपुर, मांडवी–हरदा

राशयः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ल.मा.
मेष ०	२ ५६	३ ३	३ ११	३ १८	३ २६	३ ३४	३ ४१	३ ४९	३ ५८	४ ६	४ १५	४ २४	४ ३२	४ ४१	४ ४९	४ ५८	५ ७	५ १५	५ २४	५ ३३	५ ४१	५ ५०	५ ५८	६ ७	६ १६	६ २४	६ ३२	६ ४२	६ ५०	६ ५९	२२९
वृष १	७ ८	७ १६	७ २४	७ ३३	७ ४२	७ ५१	७ ५९	८ ८	८ १८	८ २८	८ ३८	८ ४८	८ ५८	९ ९	९ १९	९ २९	९ ३९	९ ४९	१० ०	१० १०	१० २०	१० ३०	१० ४०	१० ५१	११ १	११ ११	११ २१	११ ३१	११ ४१	११ ५२	२५९
मि० २	१२ २	१२ १२	१२ २२	१२ ३२	१२ ४२	१२ ५३	१३ ३	१३ १३	१३ २४	१३ ३५	१३ ४७	१३ ५८	१४ ९	१४ २१	१४ ३२	१४ ४३	१४ ५३	१५ ६	१५ १७	१५ २९	१५ ४०	१५ ५१	१६ २	१६ १४	१६ २५	१६ ३६	१६ ४८	१६ ५९	१७ १०	१७ २२	३०५
कर्क ३	१७ ३३	१७ ४४	१७ ५५	१८ ६	१८ १७	१८ २८	१८ ४०	१८ ५२	१९ ३	१९ १५	१९ २६	१९ ३७	१९ ४८	२० ०	२० ११	२० २२	२० ३४	२० ४५	२० ५६	२१ ८	२१ १९	२१ ३०	२१ ४१	२१ ५३	२२ ४	२२ १५	२२ २७	२२ ३८	२२ ४९	२३ १	३३९
सिंह ४	२३ १२	२३ २३	२३ ३४	२३ ४६	२३ ५७	२४ ८	२४ २०	२४ ३१	२४ ४१	२४ ५२	२५ ३	२५ १४	२५ २५	२५ ३६	२५ ४७	२५ ५८	२६ ९	२६ २०	२६ ३१	२६ ४२	२६ ५३	२७ ४	२७ १५	२७ २६	२७ ३७	२७ ४८	२७ ५९	२८ १०	२८ २१	२८ ३२	३३९
कन्या ५	२८ ४३	२८ ५४	२९ ५	२९ १५	२९ २७	२९ ३८	२९ ४९	३० ०	३० ११	३० २२	३० ३३	३० ४४	३० ५५	३१ ५	३१ १६	३१ २६	३१ ३८	३१ ४९	३२ ०	३२ ११	३२ २२	३२ ३३	३२ ४४	३२ ५५	३३ ६	३३ १७	३३ २८	३३ ३९	३३ ५०	३४ १	३२९
तुला ६	३४ १२	३४ २३	३४ ३४	३४ ४५	३४ ५५	३५ ७	३५ १८	३५ २९	३५ ४०	३५ ५२	३६ ३	३६ १४	३६ २५	३६ ३७	३६ ४८	३६ ५९	३७ ११	३७ २२	३७ ३३	३७ ४४	३७ ५६	३८ ७	३८ १८	३८ ३०	३८ ४१	३८ ५२	३९ ४	३९ १५	३९ २६	३९ ३८	३२९
वृश्चि० ७	३९ ४९	४० ०	४० ११	४० २३	४० ३४	४० ४५	४० ५७	४१ ८	४१ १९	४१ ३१	४१ ४२	४१ ५३	४२ ५	४२ १६	४२ २७	४२ ३८	४२ ५०	४३ १	४३ १२	४३ २४	४३ ३५	४३ ४६	४३ ५७	४४ ९	४४ २०	४४ ३१	४४ ४३	४४ ५४	४४ ५	४५ १७	३३९
धन ८	४५ २८	४५ ३९	४५ ५०	४६ १	४६ १३	४६ २४	४६ ३६	४६ ४७	४६ ५७	४७ ७	४७ १७	४७ २८	४७ ३८	४७ ४८	४७ ५८	४८ ८	४८ १८	४८ २९	४८ ३९	४८ ४९	४८ ५९	४९ ९	४९ १९	४९ ३०	४९ ४०	४९ ५०	५० ०	५० १०	५० २०	५० ३१	३३९
मकर ९	५० ४१	५० ५१	५१ १	५१ ११	५१ २१	५१ ३२	५१ ४२	५१ ५२	५२ ०	५२ ९	५२ १८	५२ २७	५२ ३५	५२ ४४	५२ ५२	५३ १	५३ १०	५३ १८	५३ २७	५३ ३६	५३ ४४	५३ ५३	५४ १	५४ १०	५४ १९	५४ २७	५४ ३६	५४ ४४	५४ ५३	५५ २	३०५
कु० १०	५५ ११	५५ १९	५५ २७	५५ ३६	५५ ४४	५५ ५४	५६ २	५६ ११	५६ १९	५६ २६	५६ ३५	५६ ४२	५६ ४९	५६ ५७	५७ ५	५७ १२	५७ २०	५७ २७	५७ ३५	५७ ४३	५७ ५०	५७ ५७	५८ ५	५८ १३	५८ २१	५८ २८	५८ ३५	५८ ४४	५८ ५१	५८ ५८	२५९
मीन ११	५९ ७	५९ १४	५९ २२	५९ २९	५९ ३७	५९ ४४	५९ ५२	० ०	० ८	० १५	० २३	० ३१	० ३८	० ४६	० ५३	१ १	१ ९	१ १६	१ २४	१ ३२	१ ४०	१ ४७	१ ५४	२ २	२ १०	२ १७	२ २५	२ ३३	२ ४१	२ ५१	२२९

मुम्बई तथा कलकत्ते में लग्न देखना हो तो उन्हीं गांव की लग्नसारिणियों से देखना चाहिये इन्हीं सारणियों से मुम्बई कलकत्ते का दिनमान भी निकलेगा। जिस-जिस दिन दिनमान देखना हो उस दिन के सूर्य का राशिअंश देखकर सारिणी में राशि के अंश सन्मुख कोष्ठक के घटीपल लेना फिर सूर्य की राशि से ७वीं राशि के सामने सूर्य के अंशों के नीचे जो अंक हों उनमें से पहिले के लिये हुए अंकों को घटादो शेष घट्यादि दिनमान होगा उसमें ५ का भाग देने से सूर्यास्त का घंटा मिनिट टाइम होगा वह १२ में से घटाने से सूर्योदय घंटा मिनट होगा।

नगर नाम	उज्ज. रेखां. पल	ग्रीन्वि. चतोपू. रेखांश	रेलवे न्तर मिनि.	अक्षां. उत्तरा: अं. क.	पलभा अं. व्यं.
...तान	-८३	७१.४	-४४	३०।१३	३।५९
...तिर	+११८	८०.५	+२०	२५।२५	५।४१
...गाद	-२४	७३.३	-३९	१७। ०	३।४०
...ल (वर्मा)	+२००	९५.७	+५३	१६।४८	३।२७
...कोट	-४८	७०.९	-४६	२२।१६	३।५५
...नदैन्ड्री	+६१	८१.८	-३	१७। ०	३।४०
...पुर	-३२	७३.५	३६	१६।२९	३।३५
...दुर्ग	-३	७५.३	२८	१५।५०	३।२६
...श्वर	+२५	७९.२	११	९।१५	१।४७
...यतूर	+३०	७७.४	२०	१६।१७	३।२०
...पुर	+६०	८१.७	३	२१।१३	४।४०
...वां	+४६	८१.३	-५	२२।३२	५।२९
...म	-३३२	१२.५	-२२८	३९।५६	९।४७
...लनऊ	+४२	८०.९	-६	२६।५१	६। ४
...बद्धेश्वर	-२	७५.५	-२८	१५। ७	३।१४
...होर	-४	७५.२	-२९	३१।३२	७।२२
...सई	-३०	७२.७	-३९	१९।२०	४।१३
वाशिंगटन	-१५२	७७.०	-६२८	३८।५६	९।४१
वाई	-१८	७३.९	-३४	१७।५५	३।५३
विदर	-१३	७४.४	-३२	२०। ८	४।२४
विजयदुर्ग	-२३	७३.४	-३६	१६।३३	३।२४
बीजापुर	-०	७५.७	-२७	१६।४८	३।३७
वारंगुल	+२०	७७.७	-१९	१८। ०	३।५४
वेंगुर्ले	-२१	७३.६	-३६	१५।५२	३।३४
शृंगेरीपुरम्	-४	७५.३	-२९	१३।२७	२।५२
श्रीनगर. काश्मीर	-८	७४.९	-३०	३४। ६	७।५४
श्रीरंगपट्टन	+९	७६.६	-२४	१२।२५	२।३८
श्रीवर्द्धन	-२७	७३.०	-३८	१८। २	३।५४
संगमनेर	-१३	७४.४	-३२	१९।३४	४।१६
सागर (सोप्टे०)	+३०	७८.७	-१५	२३।५१	५।२८
सांगली	-१२	७४.५	-३२	१६।५२	३।२८
सितारा	-१०	७४.०	-३४	१७।४१	३।५०
सावनूर	-३	७५.४	-२८	१४।५८	३।१३
सावंतवाड़ी	-१९	७३.८	-३५	१५।१४	३।२५
सिंहपुर. मलाका	+२८३	१०४.०	+८६	१।२५	०।१७

नगर नाम	उज्ज. रेखां. पल	ग्रीन्वि. चतोपू. रेखांश	रेलवे न्तर मिनि.	अक्षां. उत्तरा: अं. क.	पलभा अं. व्यं.
सिडनी	+७५५	१५१.२	+२७५	३३।५५	८। २
सूरत	-३२	७२.५	-४०	२१।१०	४।२९
सुरपुर	+११	७६.८	-२३	१६।३१	३।३६
सेलम	+२६	७८.३	-१७	११।४०	२।२९
सोलापुर	+१	७५.८	-२७	१७।३९	३।४१
सकेश्वर	-१२	७४.५	-३२	१६।१६	३।३०
हुंगी	+८	७६.५	-२४	१५।२०	३।१७
हरदा	+१३	७७.०	-२२	२२।१८	४।५५
हरिद्वार	+२४	७८.१	-१८	२९।५५	६।५४
हरिहर	+२	७५.९	-२६	१४।३०	३। ७
हुबली	-६	७५.१	-३०	१५।१९	३।१७
द. हैदराबाद	+२८	७८.५	-१५	१७।१८	३।४४
सि. हैदराबाद	-३४	६८.३	-५७	२५।२४	५।४१
होस्पेट	+७	७६.४	-२४	१५।१०	३।१५

रेलवे टाइम से देशी टाइम बनाने की रीतिः—जिस नगर का रेलवेऽन्तर मिनिट धन होवे उसके मध्यमान्तर को रेलवे टाइम में जोड़ देना और जहां ऋण चिन्ह होवे वहां पर मध्यान्तर मिनिट घटा देनेसे अभीष्ट शहर का मध्यम समय होगा, उस मध्यम समय में जिस मास और तारीख का स्पष्ट समय जानना होय उस मास तारीख के सामने जो वेलान्तर मिनिट होवें उनको मध्यम टाइम में विपरीत (धन चिन्ह होतो ऋण और ऋण चिन्ह होतो धन) युक्त करने से अभीष्ट शहर का घंटा मिनिटात्मक स्पष्ट समय उस दिन का होगा। (+) यह धन चिन्ह है। और (-) यह ऋण चिन्ह है॥

अथचरानयनम्—इष्टस्थानीयाक्षांशाःइष्टतारिखायाःक्रांतिः। अनयोर्गुणाकारस्तस्य यः पंचमांशः। तदिष्टदिने पलात्मकं चरं भवति। तत् क्रांतिवद्धनर्णम्। तद्द्विगुणितंचरं त्रिंशत् ३० घटीषु हीने युते वा दिनमानं भवति। उत्तरक्रान्तौ युतं। दक्षिणक्रान्तौ हीनं कार्यम्।

२१ अक्षांश मध्यप्रदेश [बराड़] लग्नसारिणी अयनांश २३ यह सारिणी बाजू में लिखे गांवों में काम आवेगी

अंश	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ल.मा.
मेष ०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	२२३
वृष. १	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	२६२
मिथुन. २	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	३०३
कर्क. ३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	३३७
सिंह. ४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	३३६
कन्या. ५	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	३२५
तुला. ६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	३२५
वृश्चिक ७	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	३३६
धनु. ८	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	३३७
मकर ९	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	३०३
कुंभ. १०	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	२६२
मीन. ११	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	२२३

अकोला, अमरावती, एलिचपुर, नागपुर, मूरत, बर्हानपुर, धूलिया, जलगांव, वर्धा, हिंगणघाट, गोंदिया, कटक, खंडवा, जूनागढ़, नन्दुरबार, भडोंच, नवपुरा, ... इ.

नगर नाम	उज्ज. रेखांतर पलानि	ग्रीन्वी च.पू. रेखांश	रेलवे-न्तर मिनट	अक्षांशः उत्तराः	पलभा अं व्यं	नगर नाम	उज्ज. रेखांतर पलानि	ग्रीन्वि च.पू. रेखांश	रेल्वे न्तर मिनट	अक्षांशः उत्तराः	पलभा अं व्यं	नगर नाम	उज्ज. रेखांतर पलानि	ग्रीन्वि पूर्व रेखांश	रेल्वे न्तर मिनट	अक्षांशः उत्तराः	पलभा अं.व्यं	नगर नाम	उज्ज. रेखांत पलानि	ग्रीन्वी पूर्व रेखांश	रेलवें तार मिनट	अक्षांशः उत्तराः	पलभा अंव्यं.
अक्कलकोट	+५	७६.२	-२५	१७।३३	३।४८	काबुल	-६६	६९.१	-५४	३४।२७	८।३	जोधपुर	-३२	७२.५	-४०	२६।२०	५।५६	कोटा	—	७४।५०	२६।४७	२५।११	
आकोला	+१३	७७.०	-२२	२०।४२	४।३२	कालीकट	+१	७५.८	-२७	११।१४	२।२५	झांसी	+२९	७८.६	-१६	२५।३७	५।४५	बगदाद	-३०७	४५.०	-१५०	३३।२४	७।५५
अजमेर	-११	७४.६	-३२	२६।२८	५।५८	कांची	+५	७६.२	-२५	९।५६	२।६	टोंक	-७	७५.०	-३०	१९।४०	४।१८	बड़ौदा	-२५	७३.२	-३७	२२।१६	४।५५
अथेन्स-ग्रीस	-४२०	२३.७	-२३५	३७।५९	९।२२	किलोर(सि.)	+५१	८०.८	-७	७।२०	१।३२	ठाणे	-३८	७२.९	-३८	१९।१३	४।११	बदामी	०	७५.७	-२७	१५।५६	३।२७
अदवानी	+१६	७७.३	-२१	१५।३७	३।२२	बनारस का)	+७२	८२.९	+२	२५।२०	५।४०	ढाका ब	+१४७	९०.४	+३२	२३।४५	५।१७	बरद्वान	+६२	८१.९	-२	२३।१३	५।१७
अहमदाबाद	-३२	७२.५	-४०	२३।२	५।५	कित्तूर	-९	७४.८	-३१	१५।३५	३।२१	तंजावर	+३४	७९.१	-१४	१०।४५	२।१७	बर्लिन ज.	-६२३	१३.४	-२७६	५२।३०	१५।२९
अमृतसर	-९	७४.८	-३१	३१।३७	७।२३	कुमारी	-१८	७७.५	-२०	८।६	१।४१	ताडपत्री	+२४	७८.१	-१८	१४।५६	३।१२	बल्लारी	+१३	७७.०	-२२	१५।९	३।१५
अयोध्या	+६४	८२.१	-२	२६।४८	६।४	कुम्भकोणं	+३८	७९.५	-१२	१०।५७	२।२०	तासगांव	-११	७४.६	-३२	१७।२	३।४०	बहाणपुर	+७	७६.४	-२४	२१।१८	४।४१
अर्काट	-२८	७९.५	-१२	१२।५८	२।४६	कुरुन्दवाड़	-११	७४.६	-३२	१६।४१	३।३६	त्रिचनापल्ली	+३१	७८.८	-१५	१०।५४	२।१९	बागलकोट	-०	७५.७	-२७	१६।१२	३।२९
अलीगढ़	+२९	७८.६	-१६	२७।५३	६।२१	कोइमत्तूर	+१८	७७.५	-२०	१०।५८	२।२०	त्रिपति	+२९	७८.६	-१६	१३।०	२।४६	बिसाउ रा०	+१	७५.८	-२७	१८।१३	३।५७
अलीबाग	-२९	७२.८	-३९	१८।३८	४।२	कोटवड़े	-२४	७३.३	-३७	१७।५	३।४१	त्रिवेन्द्रम	+१२	७६.९	-२२	८।३०	१।४७	बीकानेर	-२४	७३.३	-३७	२८।१	६।२३
अलेग्जेंड्रिया	-४५०	३०.०	-२३०	३१।१२	७।१५	कोप्पल	+५	७६.२	-२५	१५।२०	३।१८	दिल्ली	+१४	७७.१	-२२	२८।३७	६।३२	बीड	+१	७५.८	-२७	१८।५८	४।७
औरंगाबाद	-४	७५.३	-२९	१९।५२	४।२०	कोल्हापुर	-१५	७४.२	-३३	१६।४३	३।३६	द्वारिका	-७१	८६.६	-५६	२२।१५	४।५५	बूँदी	-१	७५.६	-२८	२५।२६	५।४२
अहमदनगर	-१०	७४.७	-३१	१९।८	४।१०	खंडवा	+६	७६.३	-२५	२१।५०	४।४८	दौलताबाद	-५	७५.२	-२९	१९।५७	४।२१	बैंगलूर	+१९	७७.६	-२०	१२।५८	२।४६
आगरा	+२२	७७.९	-१८	२७।१०	६।१०	गढ़वाल	+२२	७७.९	-१८	१६।१४	३।२९	धार	-५	७५.२	-२९	२२।३६	५।०	बेदर	+१८	७७.५	-२०	१७।५५	३।५५
इचलकरंजी	-१३	७४.४	-३२	१६।३९	३।३५	गंतूर	+५०	८०.७	-७	१६।१५	३।२९	धारवाड़	-७	७५.०	-३०	१५।२६	३।१९	बेलगांव	-१२	७४.५	-३२	१५।५०	३।२४
इन्दापुर	-७	७५.०	-३०	१८।७	३।५६	गया	+९१	८४.८	+९	२४।४६	५।३२	धुलिया	-१०	७४.७	-३१	२०।५३	४।३५	भड़ोंच	-२७	७३.०	-३८	२१।४२	४।४६
इन्दोर	० ०	७५.७	-२७	२२।४१	५।१	गाजीपुर	+७८	८३.५	+४	२५।३५	५।४५	धौलपुर	-२२	७७.९	-१८	२६।४०	६।२	भरतपुर	+१५	७७.२	-२१	२७।२८	६।१२
उज्जैन	० ०	७५.७	-२७	२३।९	५।७	ग्वालियर	+२४	७८.१	-१८	२६।१२	५।५४	नवलगढ़	-६	७५.१	-२९	२८।४५	६।१९	भागलपुर	+११३	८७.०	+१८	२५।१३	५।३९
उटकमंड	+१०	७६.७	-२३	११।२८	२।२७	ग्रीन्विच	-७५७	०.०	-३३०	५१।२९	१५।१४	नंदुरबार	-१४	७४ ३	-३३	२१।२१	४।४१	भोपाल	+१६	७७.३	-२१	२३।१६	५।९
उडपी	-९	७४.८	-३१	१३।२०	२।५०	गोकर्ण	-१४	७४.३	-३३	१४।३२	३।७	नागपुर	+३३	७९.०	-१४	२१।८	४।३९	भोर	-१८	७३.९	-३४	१८।७	३।५६
उदयपुर रा.	-३०	७३.७	-३५	२४।३७	५।३०	गोकाक	-८	७४.९	-३०	१६।१०	३।२९	नासिक	-२०	७३.७	-३५	२०।०	४।२२	मंगलवेढें	-३	७५.४	-२८	१७।३१	३।४
अमरावती	+२०	७७.७	-१९	२०।५९	४।३५	गोवे	-१९	७३.८	-३५	१५।२७	३।१९	निपाणी	-११	७४.६	-३२	१६।२२	३।३२	मंगलूर	-९	७४.८	-३१	१२।५२	२।४५
एलिचपुर	+१७	७७.४	-२०	२१।१६	४।४०	गोरखपुर	+७७	८३.४	-४	२६।४४	६।३	पंढरपुर	-४	७५.३	-२९	१७।३९	३।४९	मक्का अ	-३५५	४०.२	-१६९	२१।२२	४।४३
ओंकारेश्वर	+४	७६.१	-२६	२२।१३	४।५४	चित्रकलदुर्ग	+८	७६.५	-२४	१४।१३	३।३	पटियाला	+७	७६.४	-२४	३०।१७	७।०	मछलीपट्टन	+५५	८०.२	-५	१६।१२	३।२९
कटक	+१०२	८५.९	+१४	२०।२६	४।२९	चिपलून	-२२	७३.५	-३६	१७।३१	३।४७	पनवेल	-२६	७३.१	-३८	१८।५९	४।७	मथुरा	+२०	७७.७	-१९	२७।२८	६।१४
कड़पी	+३५	७९.२	-१३	१४।२८	३।६	जगन्नाथपुरी	+१०१	८५.८	+१३	१९।४८	४।१९	परसुराम	-२२	७३.५	-१६	१७।३३	३।४८	मदुरा	+२५	७८.२	-१७	९।५३	२।५
कर्नूल	+२४	७८.१	-१७	१५।४९	३।२४	जंजीरा	-२७	७३.०	-३८	१८।१५	३।५७	प्रयाग	+६१	८१.८	-३	२५।२५	५।४१	मद्रास	+४५	८०.२	-९	१३।४	२।४०
कहाड	-१६	७४.१	-३४	१७।१८	३।४४	जत	-१४	७५.३	-२९	१७।३	३।३९	पटणा	+९५	८५.२	+११	२५।३२	५।४४	महाड	-२३	७३.४	-३६	१८।३	३।५४
कलकत्ता	+१२८	८८.३	+२४	२२।३४	४।५९	जम्बूनगर	-७	७५.०	-३०	३२।४४	७।४३	पेरिस फ्रांस	-७३४	२.३	-३२१	४८।५०	१३।४२	म्हैसुर	+९	७६.६	-२४	१२।१८	२।३७
कलबुर्गा	+११	७६.८	-२३	१७।२०	३।४५	जबलपुर	-४४	८०.१	-१०	२३।९	५।८	पुदुकोट	+३२	७८.९	-१४	१०।२०	२।११	मांडवी	-३२	६९.४	-५२	२२।५४	५।४
कल्याण	-२५	७३.२	-३७	१९।१३	४।११	जमखंडी	+४	७५.३	-२९	१६।३०	३।३३	पूना	-१९	७३.८	-३५	१८।२९	४।०	मालेगांव	-१२	७४.५	-३२	२०।३१	४।३०
कागल	-१४	७४.३	-३३	१६।३४	३।३४	जयपुर	-१	७५.८	-२७	२६।५६	६।६	पुरनिया	-११८	८७.५	+२०	२५।४६	५।४८	मिरज	-१०	७४.७	-३१	१६।४९	३।३७
काठमांडू	+९५	८५.२	+९	२७।४३	६।१८	जव्हार	+२४	७३.३	-३७	१९।५७	४।२१	पेकिन (चीन)	+४०८	११६.५	-८	४०।०	१०।४२	मुद्गल	+८	७६.५	-२४	१६।१	३।२०
कानपुर	+४६	८०.३	-९	२६।२८	५।५८	जूनागढ़	-५३	७०.४	-४८	२१।२९	४।३३	पेण	-२७	७३.०	-३८	१८।४३	४।४	मुधोल	-४	७५.३	-२९	१६।२०	३।३१
कॉन्स्टांटिनोपल	-४६७	२९.०	-२१४	४१।०	१०।२८	जुन्नर	[illegible]	[illegible]	[illegible]	१९।१६	४।३२	पेठण	-४	७५.३	-२९	१९।३१	४।१५	मुम्बई	-२९	७२.८	-३९	१८।५७	[illegible]

वर → वधू ↓		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु				मकर				कुम्भ			मीन		
		अ४	भ४	कृ१	कृ३	रो४	मृ२	मृ२	आ४	पु३	पु१	पु४	श्ले४	म४	पू४	उ१	उ३	ह४	चि२	चि२	स्वा४	वि३	वि१	अनु४	ज्ये४	मू४	पू१॥	पू२॥	उ१	उ३	श्र१॥	श्र२॥	ध२	ध२	श४	पू३	पू१	उ४	रे४
तुला	चि२	२२॥	१८॥ १३	२८॥	२३॥ ×६	२० १६	१२ ३६	१३ २५	२२ १५	२० ×५	२८॥	१६॥ ६	२६॥	२५॥	१३॥ १३	१६॥ १२	३०॥ १२५	२० ×४	२१ २४	२८ ३	२७ ०	२४॥	२४॥ ४	७॥ ३४	२६॥ ४	२८	१४ १३	१३ १३	२१ १	२५॥ -१	२७	२६॥	२५॥ ३	२० ३५	२६ +५	२० -१५	३४ १६	३॥	१९॥ ६
	स्वा४	२७॥ ×२	२०॥	१८॥ ३	१२॥ ३६	१३॥ ३६	२६ -६	२७ ×५	२६ ×५	२८ ×५	२९	२७॥	१३॥ ३	१२॥ -३	२५॥	२५॥	२५॥ ×२	२७॥ ×५	११ ×४	२८	२८ ३	१० ३०	१० ३४०	२२॥ २	१८॥ ४	२३	२७	२६	१८ ३	२१॥ ३	२३॥ ३	२३ ३	२६॥	२१ ×५	२७ ×५२	२५ +५	१९ ६	१९॥ ४	१२॥ ३३
	वि३	२२॥	२५॥ १	२०॥ ३	१५॥ ३६	१०॥ १३६	१७ -६	२१ ×५	२१ -१५	२१ ×५	२२	२१	१७॥ ३	१७॥ ३	१९॥ १	१७॥ १२	२०॥ १२५	१७॥ ×४	२७॥ ×४	२४॥	१९ ३	२८ ३	१८ २४	१७ ०४	२१॥ ४	२८	२२ १	२१ १	१३ १३	१७॥ १३	१७॥ ३	१७ ३	६२	२६॥ ×५	२६ +५	२२ १५	१६ १६	१३ १६२	४॥ २६
वृश्चिक	वि१	१६॥ ×४	१६॥ ×१६	१९॥ ३६	१२॥ ३	१४॥ १२	२२॥	१३ ६	१६॥ १६	१४॥ ६	१९ -५	१८ -१	१७॥ -१३	२१॥ ३	२३॥ १	२३॥ १२	१८ १२	१९	२८	२२॥ ३	९ ३४	१७ ३४	१८ ३	२७ ०	२१॥	२३॥ ×४	१७॥ १४	१७॥ ४१	९॥ १३४	१२ १३	११॥ ३	१२ ३	२७	२७	२६॥	२२॥ १	२१ २५	१८ १५२	९॥ १५२
	अ४	२३॥ -६	१६॥ ३६	२१॥ -६	२४॥	२७॥	२०॥ ३	११ ३६	१६ २६	२५॥ ६	२६ -५	१८ ३५	१९ -५	२५॥	२८॥ २	२९॥	२६	२७	१२ ३	७॥ २६	२२॥ ४	१७ ४	२८	२८ ३	३१ ०	१६॥ ×२४	१४॥ ३४	१४॥ ३४	२२॥ ×४	२५	२६	२६	१३ ३	१२ ३	२२	२५॥	२४ ×५	१८ ३५	२७ ×५
	ज्ये४	१२ ३६	१८॥ १६	२१॥ -६	२९॥	२२॥ १	२२॥	१३ ६	३ १३३०	७॥ ६३	१०॥ ५३	२० ×५	२६ -५	२२	२०॥ १	१६॥ १२	२२ १२	१३ ३	२५	२०॥ ४	१६॥	२०॥ ४	२१॥	३०	२८ ३	१५ २३४	१७॥ १४	१७॥ १४	१७॥ १३	२० १	२०	२०	२५	२५	१९ ३	११ १३	५ १६५	२१ १५	२१ ×५
धनु	मू४	१३ ३५	२० -३५	२४॥ ×५	१९ ६	१३ १६	१३ ६	२६	१५ १३	१२ ३	८ ३६	१७ ६	२३॥ ६	२५ ×५	१९ -१५	६॥ १५३	१४ ३१	१३ ३	२७	१३	२१	२७	२४॥ ×४	१५॥ ×२४	१६ ३४२	२८ ३	२८ ०१	२७ ०१	२५॥ १	१५॥ १४	१५॥ ४	१५ ४	२१ ४	२९॥	२१॥ ३	१५॥ १३	१७ १३	२५ १	२६॥ ७
	पू१॥	२६ ×५	१८ -३५	१८ २३५	१२॥ २६	१८ ६	१० ३६	१८ ३	२७	२६	२२ -६	१३ २३६	१७ १६	१३ -१५	१७ ३५	२५ ×५	२८॥	२७	१५ १३	१३ १३	२७	२१ १	१८॥ १४-	१६॥ ३४	१८॥ १४-	२८ ×१	२८ ३	२७ ३	३३ ०	२३ ०४	२३॥ ४	२३॥ ४	७ १४३	१५॥ १३	२३॥ १	२९॥	२१	२३ ३	२१
	पू२॥	२६ ×५	१९ ३५	१९ ५२५	१३॥ १६२	१२ ६	११ ३६	१७ ३	२६	२६	२३॥ ६	१३॥ २३६	१७ १६	१९ -१५	१७ ३५	२५ ×५	२८॥	२६	१३ १३	१२ ३	२	२० १	१८॥ -१४	१६॥ ३४	१८॥ -१४	२७ ×१	२७ ३	२८ ३	३४ ०	२१ ०४३	२४॥ ४	२३॥ ४	७॥ १३४	१४॥ १३	२२॥ १	२८॥	२१॥	२३॥ ३	२१॥
	उ१	२४॥ ×१	२७ ×५	१२ १३५	६॥ १३६	११॥ २३६	१८ २६	२४ ×२	२६	२६	२३॥ ×६	२२॥ ६	९॥ १६३	८॥ १५३	२४ ×१	२५ ×५	२७॥	२७	२१ १	२० १	१८ ३	१२ १३	१०॥ १३४	२४॥ ×४	१६॥ -१४	२५॥ १	३३	३४	२८ ३	१८ ३४	१६ ३४०	१५ ३४०	१५॥ १४	२२॥ १	२२॥ १	२८॥ १		२१॥	२३॥ ३
मकर	उ३	२६	२९	१२॥ १३	१२ १३५	१७ २३५	२३॥ ×२५	१७ ×२६	२२॥ -६	२२॥ -६	२७	२६	१३ १३	४ १३६	१९ ६	२० ६	२५ ×५	२५ ×५	१७॥ १५	२४॥ -३	२३॥ ३	१६॥ १३	१३ ३१	२७	२१ १	१६॥ १४	२४ ४	२५ ४	१९ ३४	२८ ३	२६ ०३	२५ ३०	२५॥ ×१	१७॥ ×१४	१७॥ -१४	२३॥ ×४	२९॥ २९॥	२९॥	२१॥ ३
	श्र१॥	२८	२०	१४॥ २३	१२ २३५	१७ ३५	२४ ×५	२३ -६	२३॥ -६	२२॥ -६	२६	२५ ×२	१४ ३	५॥ ३६	१७॥ ६	१९ ६	२४ ×५	२५ ×५	२० ×५	२७	२२॥ ३	१७॥ ३	१४ ३	२७	२२	१७॥ ४	२२॥ ४	२४॥ ४	१६ ३४	२५ ३	२८ ३	२७ ३	२८ ०-	२० ०४	१८॥ ४	२२॥ ×४	२८॥	२८॥	२१॥ ३
	श्र२॥	२७	२६	१२॥ ३२	११ ३५२	१६ ३५	२३॥ ×५	२२॥ -६	२१ -६	२२ -६	२८	२६ ×२	१५ ३	७ ३६	१८॥ ६	२० ६	२३॥ ×५	२४॥ ×५	१९ ×५	२६॥	२२ ३	१७ ३	१४ ३	२७	२२	१७ ४	२३ ४	२३॥ ४	१५ ३४	२४ ३	२७ ३	२८ ३	२९ -०	१९ ०४	१८ ×४	२२ ×४	२५॥	२९॥ ८	२२॥ ३
	ध२	२०	११ १३२	२६	२३॥ ×५	२० १५	१२ ३५	९॥ ३६	१७॥ १६	१६ -६	२२	१३ ३	२८	२० ६	५॥ १३६	१२॥ १६	१६ १५	१८॥ ×५	१७॥ ३५	२५॥ ३	२४॥	३१	२८	१२ ३	२६	२२ ४	८ १३४	८॥ ३४१	१६॥ ४१	२५॥ १	२७	२८	२८ ३	१८॥ ३४	२३॥ ४०	१९ १४	२६ १	१५॥ १३	२३॥ ×२
कुम्भ	ध२	२०	११ १३२	२६	३०॥	२७ १	१९ ३	१२ ३५	१९ १५-	१८॥ ×५	१३॥ ६	४॥ ३६	१९॥ ६	२६	११॥ १३	१८॥ १	१७॥ १६	१९ ×६	१९ ३६	२० ३५	२० -५	२६॥ -५	२८	१२ ३	२६	२०॥	१६॥ १३	१५॥ १३	२३॥ १	१८॥ १४	२० ४	१९॥ ×४	१९॥ ३४	२८ ३	३३ ०	२८॥ १	१८ १४	७ १३४	१५ ४२
	श४	१५ ३	२१ -१	२८	२३॥ ०	२५॥ १	२७	२० ×५	१२ १३५	१३ ३५	८ ३६	१४॥ ६	१७॥ ६	२७	३०॥ १	११॥ १३	१०॥ १३६	८॥ २३६	२५ ६	२६ ×५	१९ ×५५	२६ ×५	२७॥	२२	२० ३	२२॥ ३	२४॥ १	२२॥ ४	२३॥ १	१८॥ १४	१८॥ ४	१८ ×४	२४॥ ×४	३३ ७	२८ ३	१९ ०१३	८ १३४०	१६ १४	१६ ४
	पू३	१७ ३	२५ ×२	२० -१	२४॥ -१	२१॥	२१॥	२४॥ ×५	१८ ३५	१८ ३५	१३ ३६	२० ६	१३॥ १६	१९॥ १	२५॥	१६॥ ३	१५॥ ३६	१५॥ १३६	१९॥ १६	२०॥ -१५	२६ ×५	२२ -१५	२३॥ १	२७॥	१२ १३	१६॥ १३	२०॥	२९॥	२९॥	२४॥ ×४	२४॥ ×४	२४ ×४	२० -१४	२८॥ -१	१९ १३	२८ ३	१७॥ ३४	२२॥ ०४	२० ४२
मीन	पू१	१४॥ ३४	२३॥ ×४२	१६ -१४	१९ १	२६॥	२६॥	२५॥	१९ ३	१९ ३	१८ ३५	२५ ×५	१८॥ १५	१७॥ -१६	२४ ×६	१४॥ ३६	१६॥ ३	१६॥ ३	२०॥ ×१	१३॥ १६	१९ ६	१५ १६	२१ १५-	२५ ×५	५ १३५	१६ १३	२०	३०॥	३०॥	२८॥	२८॥	२९॥	२५॥ १	१७ १४	१० १३४	१८॥ ३४	२८ ३	३३ ०	३०॥ ×२
	उ४	२३॥ ×४	१६॥ ३४	१८॥ -१४	२१ १	२६	१८ ३	१७॥ ३	२५॥	२८	२० ×५	१९ ३५	२१ १५	१८॥ -१६	१६॥ ३६	२५॥ ×६	२६॥	२२॥	९॥ १३६	३॥ २३०	१९॥ ३	१२ १६५	१८ १५२	१९ ३५-	२१ -१५	२४ १	२२ ३	२२॥ ३	३०॥	२८॥	२८॥	२२॥	१९॥ १३	४ १३४	१५ १४	३१॥ ४	३३	२८ ३	३४ ०
	रे४	२५ ×४	२१॥ ×४	११॥ १४	१३ ३	३७ ३	२६	२५॥	२५॥	२८	२५॥ ×५	२०	१४	१३	२३॥	२३॥	२५॥	२६॥	१९॥	१२	११॥	१४॥	१०॥	२७	२२	२६॥	२९	२५॥ ३	२१॥ ३	१९॥ ३	२२॥ ३	२३॥ ३	२२॥ -२	१४	१९	१६	२९॥	३३	२८ ३

७ ऊर्ध्वस्थितर्क्षाणि हि यानि पुंसां बामस्थितर्क्षाणि तथा वधूनाम् । संपातकोष्ठे शुभयोर्गुणैक्यं सर्वंशुभं तत्स्मृतितोऽधिकंयत् ॥१॥

		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु				मकर				कुम्भ			मीन		
		अ४	भ४	कृ१	कृ३	रो४	मृ२	मृ२	आ४	पु३	पुन१	पु४	श्लेष	म४	पू४	उ१	उ३	ह४	चि२	चि२	स्वा४	वि३	वि१	अनु४	ज्ये४	मू४	पू॥	पू३॥	उ१	उ३	श्र१॥	श्र२॥	ध२	ध२	श४	पू३	पू१	उ४	रे४
मेष	अ४	२८ २	३३ ०	२७॥	१७॥ ३	२१॥ -४	२२॥ -४	२६	१७ ३	१९ ३	२३॥ ३	३१॥	२८	२१ ×५	२५ ×५	१४॥ ३५	१० ३६	९ २३६	१३ ६	२२॥	२६॥ -२	२३॥	१८॥ -६	२४॥ -२	१४ ३६	३३ ३५	२५ ×५	२५ ×५	२३॥ ×५	२५	२७	२६	२०	२०	१५ ३	१६ २	१४॥ ३४	२३॥ ×४	२६ ×४
	भ४	२४	२८ २	२९ ०१	१९ ०४१	२३॥ -४	१५॥ ३४	१९ ३	२६	२६	२०॥	२३॥ ३	२४॥ १	१२ -१५	१७ ३५	२६ ×५	२३॥ ६	२० ६	४ १२६	१३॥ १३	२९॥	२१॥ -१	१७॥ -१६	३४॥ ३६	१९॥ -१६	२० -१५	१८ ३५	१९ ३५	२७ ×१	२८॥	२७	२६	१० १२३	१० १२२	२० -१	२४ -२	२२॥ ×२४	१७॥ ३४	२४॥ ×४
	कृ१	२६	२९ ३	२८ ३	१८ ३४	१० १३४०	१५॥ ४	२०	२० १	२१	२५॥	२६॥	२३॥ ३	१६॥ ३५	२० १५	२० १५	१५॥ १६	१५॥ ६	१८ ६	२७॥	१५॥ ३	१२॥ ३	१५॥ ३६	११॥ -६	२५॥ -६	२४॥ ×५	१८ १२५	१९ १२५	१२ ३२५	१३॥ १३	११॥ २३	११॥ २३	२५	२५	२५	१९ १	१७॥ १४	१९॥ १४	११॥ ३४
वृष	कृ३	१७॥ ४	२० १४	१९ ३४	२८ ३	२० १३०	२६॥	१७॥ ×४	१७॥ ४	१८॥ ×४	२२	२३	२० ३	१८॥ ३	२२ १	२२ १	२१ १५	२१ ×५	२२॥ ×५	२२॥ -६	१०॥ ३६	१४॥ ३६	२०॥ ३	२४॥	२०॥	२० ६	१४॥ १२६	१४॥ १२६	६॥ १२६	१२ १२५	११ २३५	१० ३५२	२३॥ ×१	२९॥	२१॥	२३॥ १	२० १	२२ १	१४ ३
	रो४	२३॥ -४	२४॥ ४	११ २४३	२० ३१	२८ ३	३६ ०	२७ ६४	२३॥ ×४	२२॥ ×४	२६	२७	१२ ३१	१०॥ ३१	२४॥	२७	२६ ×५	२६ ×५	२० -१५	१९ -१६	१५॥ ३६	९॥ ३१६	१५॥ ३१	२९॥	२३॥ १	१४ १६	१९ ६	२० ६	१२॥ ३६२	१७ ३५२	१८ ३५	१७ ३५	२० -१५	२६ -१	२४॥ -१	२०॥	२७	२७	१९ ३
	मृ२	२३॥ -४	१५॥ ३४	१८॥ -४	२७॥	३२	२८ ३	१९ ३४	२४ ०४	२२॥ ×४	२६	१९ २	२१	१९॥	१५॥ २	२४॥	२३॥ ×५	२६ ×५	१३ ३५	१२ ३६	२५ ×६	१९॥ ×६	२४॥	२३॥ २	२४	१५ ६	१० ३६	११ ३६	६८ २६	२२॥ ×२५	२४ ×५	२३॥ ×५	१२ ३५	१९ २	२७	२९॥	२६	१८ २	२७
मिथुन	मृ२	२७	१९ २	२२॥	१९॥ ×४	२७ ×४	२०॥ ३४	२८ २	३३ ०	३३॥	१९॥ -४	१२ ३४	१४ ४	२२॥	१२॥ २	२८॥	३१॥	२४	२१ ३	१३ ३५	२७ ×५	२०॥ ×५	१५ ६	१२ ३३	१५ ६	२३	१८ ३	१७ ३	२४ ×३	१७ -२६	२४ -६	२२॥ -६	११॥ ३६	१२ ३५	२१ ×५	२३॥ ×५	२५॥	१७॥ २	२६॥
	आ४	१८ ३	२७	२१ १	१८॥ ×३४	२४॥ ×४	२६ ×४	३४	२८ ३	२५ ३०	१२॥ ०३४	२० -४	१३ १४	२२॥ १	२८॥	२३॥ ३	२४॥ ३	२४॥ ३	२८ १	२३ -१५	२७ ×५	२१ ×१५	१५॥ १६	१८ २६	४	१६ १२	२८	२७	२७	२३॥ -६	२३॥ ६	२३ -६	१८॥ -१६	१९ ×१५	१२ १२५	१८ ३५	२० ३	२६॥	२५॥
	पुन३	२० २	२६	२३	२०॥ ×४	२२॥ ×४	२३॥ ×४	३१॥	२४ ३	२८ ३	१५॥ -३४	२२॥ ४०	१७ -४	२२॥ ×२	२६॥ २	२१॥ ३	२३॥ ३	२५॥ ६	२७॥	२०॥ ×५	२८ ×५	२२ ×५	१६॥ ६	२२॥ ६	८ ३६	१२ ६	२८	२६	२६	२२॥ -६	२३॥ -६	२३ -६	१८ -६	१९॥ ×५	१४ ३५	१७ ३५	१२ ३	२८	२७॥ [illegible]
कर्क	पुन१	२७॥ ३	२८॥	२५॥	२१	२४	२५	१८ ४	१०॥ ३४	१४॥ ३४	२८ ३	२५ ०	२९॥	१६॥ ×२४	२०॥ ×२४	१५॥ ३४	१८ ३	१९ ३	२१	२०॥	२८	२२	२० ×५	२३ ×५	१९॥ ३५	८ ३४	२२ ६	२९॥ -६	२९॥ -६	२५	२७	२७	२२	१३॥ ६	८ ३६	११ ३६	१७ ३५	२६ ×५	२५॥ ×५
	पुष्य४	३०॥	२३॥ ३	२६॥	२३	२५	१८ ३	११ ३४	२८॥ ४	२३॥ ४	२५	२८ ३	३० ०	१९॥ ×४	१५॥ ३४	२३॥ ×३	२६	२७	१२ ३	१९॥ २	२६॥	२१	१९ -५	१८ २५	२१ -५	१७ ६	१२ २३६	११॥ २३६	२०॥ ६	२४	२४ -२	२५ -२	१२ ३	४॥ ३६	१४॥ ६	१८ ६	२४ ×५	१६ २५	२७ ×५
	श्लेष	२६	२३॥ १	२४॥ ३	१९ २	११ ३१	१९	१२ ४	१२ १४	१४ ४	२८॥	२९	२८ ३	१५	१५॥ १४२	१८॥ १४	२१ ३	२१	२६	२५॥	१२॥ ३	१७॥ ३	१५॥ ३५	२० ×५	२४ ×५	२२॥ ६	१६ १६	१६॥ १६	८॥ २३६	१२ १२	१२ ३	१३ ३	२७	१८ ६	१९॥ ६	१७॥ १६	१८॥ १५	२१ १५	१२ ३५
सिंह	म४	२० ×५	१९ २१	१६॥ ३५	१७॥ २	२१॥ १२१	१७॥	२१॥	२१॥ १	२०॥ -२	१६॥ -२४	१९॥ ×३	१६ २४२	२८ ३	३० ०१	२७॥ १	१६॥ १७	१६॥ ४	२१॥ ४	२४॥	१३॥ ३	१६॥ ३	२२॥ ३	२५॥	३३	२५ ×५	१९ १५	१९ १५	८॥ १३५	३ ३१६	३॥ ३६	५ ३५	१९ ६	२५	२६	१८॥ १	१८॥ -१६	१९॥ १६	१२ ३६
	पू४	२६ ×५	१७ २१	२० -१५	२१ १	२३॥ ३	१५॥ ३	१९॥ ३	२७॥	२६॥ -२	२२॥ -२४	१७॥ ३४	१६॥ १२६	२० -१	२८ ३	२५ ०	२४ ०४	२२॥ ४	७॥ १२४	३०॥ १३	२५॥	१८॥ १	२४॥ -१	२३॥ २	२५॥ -१	१९ ×१५	१७ २५	१७ ३५	२४ ×५	१८ ६	१७॥ ६	१८॥ ६	४॥ १३६	१०॥ १३	१९॥ १	२४॥	२५॥ -६	१७॥ ३६	२४॥ -६
	उ१	१५॥ ३५	२६ ×५	२० ×५	२१ ×५	२६	२५॥	२८॥	२०॥ ३	१२॥ ३	१७॥ ३४	२५॥ ×४	१९॥ -१४	२७॥ -१	३५	२८ ३	१७ ३४	१६ ०२४	१३॥ १२२	१६॥ १२	२५॥	१६॥ १२	२२॥ -१२	२५॥	१७॥ १३	५॥ १३५	२५ ×५	२५ ×५	२१ ×५	१९ ६	१९ ६	२० ६	११॥ १६	१७॥ १	१०॥ १३	१५॥ ३	१५॥ २६	२६॥ ×६	२६॥ ×६
कन्या	उ३	१९ ४५	२६॥ ०	१६॥ १४	२१॥ १५	२६ ×५	२५॥ ×५	३१॥	२३॥ ३	२०॥ ३	२० ३	२८	२२॥ १	१७॥ १४	२५ ×४	१८ २७	२८ ३	२७ ३०	२४॥ ×१	१६॥ १२४	२०॥ ×४	१८॥ २१४	२० १२	२८	१५ १३	१४ १३	२९॥	२०॥	२८॥	२५ ×५	२५ ×५	२४॥ ×५	१६ ×१५	१६॥ -१६	९॥ २१६	१४॥ ३६	१७॥ ३	२८॥	२९॥
	ह४	१० -१५	२२ ६	१२॥ ६	२२ ×५	२४ ×५	२६ ×५	२३	२२॥ ३	२४॥ ३	२० ३	२८	२३	१८॥ ×४	२२॥ ×४	१७ ३४	२६ ३	२८ ३	२८ ०	२० ०४	२६॥ ×४	१८॥ ×४	२१	२८	१५ ३	१५ ३	२७	२६	२७॥	२४ ×५	२५ ५	२४॥ ×५	१७॥ ×५	१९ -६	८॥ ३६२	१३॥ ३६	१४॥ ३	२६॥	२७॥
	चि२	१२ ६	१५ १३६	१९ ६	२३॥ ×५	२० १५	१२ ३५	१९ ३	२७ ×१	२५॥	२१	१२ ३	२७	२२॥ ×४	८॥ १३४	१४॥ १२४	२४॥ १२	२७	२८ ३	२० ३४	१९ ०३	२६॥ ×४	२९	१२ ३	२६	२८	१४ १३	१४ १३	२२ १	१७॥ १५	१९ ५	१८॥ ×५	१७॥ ३५	१८ ३६	२४ -६	१८॥ १६	२१॥ १	१०॥ १२२	१९॥

सारणी के कोष्ठक में ऊपरी भाग में गुण हैं। नीचे के भाग में दोषों के चिन्ह हैं। जिनकी पहिचान के चिन्ह यह हैं। नाड़ी दोष में (३)। गण महादोष (मनुष्य राक्षस) में (१)। भकूट महादोष (षडष्टक) में (६)। (नव पंचम) में (५)। (द्विर्द्वादश) में (४)। वैर योनि में (२)। और जहां थोड़ा दोष है वहां (—)। जहां दोष का पूरा निर्वाह है वहां (×) चिन्ह है। जहां वरके नक्षत्र से पूर्व वधू [illegible] (०) चिन्ह है जहां कोई दोष नहीं वहां केवल गुण ही लिखे हैं।

नवलगढ लग्नसारिणी ग्रहलाघवीयायनांशाः २४।१४।० वेधसिद्धसूक्ष्मायनांशा २३।३०।००। पलभा ६।१९ पलांशा२७।४५

अंशाः	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
मेष ०	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४
	५३	०	७	१४	२२	२९	३६	४४	५३	१	९	१७	२६	३४	४२
वृष १	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९
	५४	३	११	१९	२७	३६	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४
मिथुन २	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४
	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५६	८	१९	३१	४२	५४	५	१६
कर्क ३	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०
	१९	३१	४२	५४	५	१७	२८	४०	५१	३	१५	२६	३८	५०	१
सिंह ४	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५
	८	२०	३१	४३	५५	६	१८	२९	४१	५२	४	१५	२६	३८	४९
कन्या ५	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१
	५२	३	१४	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	४६	५७	८	२०	३१
तुला ६	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७
	३४	४५	५६	८	१९	३१	४२	५४	५	१७	२९	४०	५२	४	१५
वृश्चिक ७	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३
	२३	३४	४५	५७	९	२०	३२	४३	५५	६	१८	२९	४१	५२	३
धनु ८	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८
	६	१८	२९	४१	५२	४	१५	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५
मकर ९	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३
	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२४	३३	४१	४९	५८	[illegible]	१४	२२
कुम्भ १०	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७
	३४	४२	५१	५९	७	१६	२४	३१	३८	४६	५३	०	७	१४	२२
मीन ११	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०
	१७	२४	३१	३८	४६	५३	०	७	१४	२२	२९	३६	४३	५०	[illegible]

अंशाः	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	ल.मा
मेष ०	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	२१९
	५०	५९	७	१५	२३	३२	४०	४८	५७	५	१३	२१	३०	३८	४८	
वृष १	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	२४८
	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२५	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	
मिथुन २	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	३०१
	२८	३९	५१	२	१४	२५	३६	४८	५९	११	२२	३४	४५	५७	८	
कर्क ३	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	३४३
	१२	२४	३५	४७	५९	१०	२२	३४	४६	५७	८	२०	३२	४४	५६	
सिंह ४	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	३५०
	१	१२	२३	३५	४६	५८	९	२०	३२	४३	५५	६	१७	२९	४०	
कन्या ५	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४२
	४३	५४	५	१७	२८	४०	५१	२	१४	२५	३७	४८	५९	११	२२	
तुला ६	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	३४२
	२७	३९	५०	२	१४	२५	३७	४९	०	१२	२४	३५	४७	५९	१०	
वृश्चिक ७	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	३५०
	१५	२६	३८	४९	१	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	
धनु ८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	३४३
	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	
मकर ९	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	३०१
	३०	३९	४७	५५	३	११	२०	२८	३६	४५	५३	१	१०	१८	२६	
कुम्भ १०	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	२४८
	२९	३६	४३	५०	५७	५	१२	१९	२६	३४	४१	४८	५५	२	१०	
मीन ११	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२	२१९
	५	१२	१९	२६	३४	४१	४८	५५	२	१०	१७	२४	३१	३८	४६	

द्वादश राशि परत्वे नवग्रहादिघातचक्रे तिथिवारनक्षत्रादिश्रीणां घातचन्द्रचक्रम्

राशि	मास	तिथि	वार	नक्ष	योग	करण	प	स	च	म	बु	गु	शु	श	रा	र	स्त्री
मेष	कार्ति	नन्दा	रवि	मघा	विष्कु	बव	१	१	१	५	२	६	७	३	८	४	१
वृष	मार्ग	पूर्णा	शनि	हस्त	शू.	शकु	४	२	५	९	६	१०	१०	७	१२	८	८
मिथुन	आषा	भद्रा	चन्द्र	स्वा	परि	चतु	३	४	६	१	१०	२	३	११	४	१२	७
कर्क	पौष	भद्रा	बुध	अनु	व्याघा	नाग	१	७	२	६	३	७	८	४	९	५	९
सिंह	ज्येष्ठ	जया	शनि	मूल	धृति	बव	१	१०	६	१०	७	११	१२	८	१	६	५
कन्या	भाद्र	पूर्णा	शनि	श्रव	शूल	कौल	१	१२	१०	२	११	३	४	१२	५	१	३
तुला	माघ	रिक्ता	गुरु	शत	शूल	तैति	४	६	३	७	४	८	९	५	१०	९	६
वृश्चि	आश्वि	नन्दा	भृगु	रेवति	व्यति	गर	१	८	७	११	८	१२	१	९	२	१०	७
धन	श्राव	जया	शुक्र	भर	वरी	तैति	१	९	४	८	५	९	१०	६	११	७	१०
मकर	वैशा	रिक्ता	भौम	रोहि	वैधृति	शकु	४	११	८	१२	९	१	२	१०	३	११	११
कुम्भ	चैत्र	जया	गुरु	आर्द्रा	गड	किं	३	३	११	३	१२	४	५	१	६	२	५
मीन	फागुन	पूर्णा	शुक्र	अश्ले	वैधृ	चतु	४	५	१२	४	११	५	६	२	७	३	१२

मूलजनने वृक्ष विभाग फलम्

मूल	स्तम्भ	त्वचा	शिखा	पत्र	पुष्प	फलम्	शाखा
७	८	१०	११	१२	५	४	३
मूलनाश	वंशक्षय	मातृपीड़ा	मातुलनाश	राज्यलाभ	राजमंत्री	राजप्राप्ति	अल्पआयु

आश्लेषा जनने घ्रन्त विभाग फलम्

फलम्	पुष्प	दल	शिखा	त्वचा	स्कन्द	मूल
१०	५	६	७	१३	८	१२
श्री	श्री	राजभय	हानिः	मातृनाश	आत्मनाश	मूलनाश

शान्तिक धर्मकृत्य (पुराणश्रवण कोटि होमादि कर्म मुहूर्तम्—अश्वि. रो. मृ. पुन. उ. ३ ह. चि. स्वा. अनु. अभि. श्र. ध. श. भेषु रवि चन्द्र. बुध. गुरु. शुक्र वारेषु शुभतिथिषु (गुरु लग्न बलेषु प्रारम्भस्तद्बले सति)

शिरामोक्ष (प्रवेशन) मुहूर्तम्—अश्वि रो मृ. पुष्य ह चि स्वा. धनु अभि श्र. शत भेषु रवि भौम गुरु वारेषु। वस्तिविरेचनवेधाशुभ-दिनतिथिचन्द्रलग्नेषु। बुध शनि रहित दिने वमनादि कर्म शुभ।

ज्येष्ठा जनने वृक्ष फलम्

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
मातामहीना	मातामहना	मातुलनाश	मातृ नाश	आत्म नाश	गोत्र नाश	उभयकुलना	ज्येष्ठभ्रातृना	श्वसुरनाश	सर्व नाश

शकट (गाड़ा) चलाने का मुहूर्त— अदितिक्षिप्रमृदुध्रुवसंज्ञके। भृगुजवाक्पति पूर्णं जया तिथौ। शकट नाव सुखासन शिल्पकं भ्रमण कार्य रहंटक सिद्धिदम्॥ अश्वि. रो. मृ. पुन. पु. उ३ ह. चि. अनु. तिथि २।३।५।७।१०।१३।१५ बृ. शु. बार को गाड़ा, नाव, पालकी चलाना श्रेष्ठ।

शिव वास ज्ञान—तिथि को दूनि करके पांच और मिलावे सात का भाग दे। शेष १ बचे तो कैलाशे श्रेष्ठ। २ में गौरी पार्श्वे, श्रे। ३ में वृषारूढ श्रेष्ठ। ४ सभायां श्रम। ५ आ वेलायां श्रेष्ठः। ६ क्रीडायां दुःख ७ श्मशाने मृत्युः।

कोल्हू चक्रम्—साभिजित् रविभाद्गणना—मूले ५ मूलनाश। मध्ये ६ द्रव्यलाभ। लिंगे ५ हानिः। दन्ते ९ हर्षामिहत्। ततः ५ पत्र भयं। ततः ६ शत्रु-भय। अश्वि. ह. चि. अनु. ज्ये. पुन. पुष्य. रे. शुभ वासरेषु। रिक्ता भौम वर्जित दिने तैल क्रियाशस्ता

अथ विंशोत्तरी दशा चक्राणि

ग्र.	र	चं	मं	रा	बृ	श	बु	के	शु
व	६	१०	७	१८	१६	१९	१७	७	२०
न	कृ	रो	मृ	आ	पु	पु	श्ले	म	पू
क्ष	उ	ह	चि	स्वा	वि	अ	ज्ये	मू	पू
त्र	उ	श्र	ध	श	पू	उ	रे	अ	भ

रवि दशा वर्ष ६ तन्मध्येऽन्तराणि

दशा	र	चं	मं	रा	बृ	श	बु	के	शु
वर्ष	०	०	०	०	०	०	०	०	१
मा	३	६	४	१०	९	११	१०	४	०
दि.	१८	०	६	२४	१८	१२	६	६	०

चन्द्र दशा वर्ष १० तन्मध्येऽन्तरम्

दशा	चं	मं	रा	बृ	श	बु	के	शु	सू
वर्ष	०	०	१	१	१	१	०	१	०
मा	१०	७	६	४	७	५	७	८	६
दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

भौम दशा वर्ष ७ तन्मध्येऽन्तरम्

दशा	मं	रा	बृ	श	बु	के	शु	र	चं
वर्ष	०	१	०	१	०	०	१	०	०
मा	४	०	११	१	११	४	२	४	७
दि.	२७	१८	६	९	२७	२७	०	६	०

राहु दशा वर्ष १८ तन्मध्येऽन्तरम्

दशा	रा	बृ	श	बु	के	शु	र	चं	मं
वर्ष	२	२	२	२	१	३	०	१	१
मा	८	४	१०	६	०	०	१०	६	०
दि	१२	२४	६	१८	१८	०	२४	०	१८

गुरु दशा वर्ष १६ तन्मध्येऽन्तरम्

दशा	बृ	श	बु	के	शु	र	चं	मं	रा
वर्ष	२	२	२	०	२	०	१	०	२
मा	१	६	३	११	८	९	४	११	४
दि.	१८	१२	६	६	०	१८	०	६	२४

शनि दशा वर्ष १९ तन्मध्येऽन्तरम्

दशा	श	बु	के	शु	सू	चं	मं	रा	बृ
वर्ष	३	२	१	३	०	१	१	२	२
मा	०	८	१	२	११	७	१	१०	६
दि	३	९	९	०	१२	०	९	६	१२

बुध दशा वर्ष १७ तन्मध्येऽन्तरम्

दशा	बु	के	शु	र	चं	मं	रा	बृ	श
वर्ष	२	०	२	०	१	०	२	२	२
मा	४	११	१०	१०	५	११	६	३	८
दि.	२७	२७	०	६	०	२७	१८	६	९

केतु दशा वर्ष ७ तन्मध्येऽन्तरम्

दशा	के	शु	सू	चं	मं	रा	बृ	श	बु
वर्ष	०	१	०	०	०	१	०	१	०
मा	४	२	४	७	४	०	११	१	११
दि.	२७	०	६	०	२७	१८	६	९	२७

शुक्र दशा वर्ष २० तन्मध्येऽन्तरम्

दशा	शु	र	चं	मं	रा	बृ	श	बु	के
वर्ष	३	१	१	१	३	२	३	२	१
मा	४	०	८	२	०	८	२	१०	२
दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०

गतनक्षत्रनाड्यो गुणिता दशाब्दैः सर्वर्क्षनाडी विहृतात्फलं वै। वर्षादिकं भुक्तमिदं विशोध्य दशाब्दतो भोग्यमिदं फलं तत्॥ दशामाने त्रिगुणिते नान्तरे ध्रुवके स्फुटे। दशाब्दैर्गुणितं तद्धि भुक्तिमानं प्रजायते। अथ प्रत्यंतर ध्रुवांक साधन विधि अन्तर के वर्षादि को दिन पिंड बनाकर १२० का भाग देने से प्राप्त भाग फल दिनादि प्रत्यंतर का ध्रुवांक होगा। इस ध्रुवांक को प्रत्येक ग्रह दशा के वर्षोंसे गुणने से प्रत्येक ग्रहका दिनादि प्रत्यंतर का मान होगा॥ प्राचीन मतेन विंशोत्तरीदशानयनम्-आनयनप्रकारेण ध्रुण... [illegible] पुगव। जन्म नक्षत्र पर्यन्तमार्द्रादिकृत्तिकादिनः॥ शैवाल्... [illegible]

योगिनी दशान्तर्गता ज्ञानाय चक्रम्

मंगला १ चन्द्र — अ. आर्द्रा चित्रा.

द.	मं	पिं	धा	भ्रा	भ	उ	सि	सं
मा	०	०	१	१	१	२	२	२
दि	१०	२०	०	१०	२०	०	१०	२०

भद्रिका ५ बुध — आश्ले मघा ज्ये. उभा

द	भ	उ	सि	सं	मं	पिं	धा	भ्रा
मा	८	१०	११	१३	१	३	५	६
दि	१०	०	२०	१०	२०	१०	०	२०

पिंगला २ रवि — ध. पुन स्वाती

द.	पिं	धा	भ्रा	भ	उ	सि	सं	मं
मा	१	२	२	३	४	४	५	०
दि	२०	०	२०	१०	०	२०	१०	२०

उल्का ६ शनि — कृत्ति. पूफा. मूल रेवती

द.	उ	सि	सं	मं	पिं	धा	भ्रा	भ
मा	१२	१४	१६	२	४	६	८	१०
दि	०	०	०	०	०	०	०	०

धान्या ३ गुरु — शत. पुष्य विशाखा

द.	धा	भ्रा	भ	उ	सि	सं	मं	पिं
मा	३	४	५	६	७	८	१	२
दि	०	०	०	०	०	०	०	०

सिद्धा ७ शुक्र — रोहि. उफा. पूषा.

द	सि	सं	मं	पिं	धा	भ्रा	भ	उ
मा	१६	१८	२	४	७	९	११	१४
दि	१०	२०	१०	२०	०	१०	२०	०

भ्रामरी ४ मङ्गल — अश्विनी श्ले. अन. पूभा

द.	भ्रा	भ	उ	सि	सं	मं	पिं	धा
मा	५	६	८	९	१०	१	२	४
दि	१०	२०	०	१०	२०	१०	२०	०

संकटा ८ राहु — मृग. हस्त. उषा.

द.	सं	मं	पिं	धा	भ्रा	भ	उ	सि
मा	२१	२	५	८	१०	१३	१६	१८
दि	१०	२०	१०	०	२०	१०	०	२०

होरायां चन्द्रहोरागते सिते. दहनात्स्वर्क्ष पर्यंतं गणयेत्तत्रवभिर्हरेत्। सूर्येन्दूक्ष्माजतमसो वाक्पतिमंदचन्द्रजौः केतुःशुक्रोऽर्क मान्दोपि विज्ञेयात्रदशाधिपाः॥
अथ दशाफल विचारः-लग्नेशस्य दशाफलं बहुधनं वित्तेशितुः पंचतां, कष्टंचति सहोदरालयपतेः पापंफलं प्रायशः। तुर्यस्वामिन आलयं, किल सुताधीशस्य विद्यासुखं, रोगागारपतेररातिभयं जायापतेः शोकताम्, मृत्युं मृत्युपतेः करोति नियतं धर्मेशितुः सत्क्रियां, वित्तं राजपतेर्नृपाश्रय भवो लाभं हि लाभेशितुः रोगंद्रव्यविनाशनं च बहुधाकष्टं व्ययेशस्यवं। पूर्वैरंगभृतामुदीरितमिदं तन्वादि भावेशजम्॥
लग्नेशनाथस्य तपोधिपस्य दशाशुभा राज्यसुतप्रदा स्यात्। सत्कीर्तिनाथस्य सुखेश्वरस्य दशा तथा प्राहुरुदारचित्ताः। भावाधिपो बलयुतो निजगेहगामी तुंगत्रिकोण शुभवर्गगतोपि पूर्णम्। सम्यक् फलंखलु करोतियदारिनीचस्थानस्थितोऽशुभफलं विबलो विशेषात्। पंचमेशसमयुक्तस्य ग्रहस्य शुभदा दशा नाथे धर्मपयुक्तस्य दशा परमशोभना,॥ सुतेशमानेश सुखेशधर्मेपा

जैमिनिमतेन आयुः संबंधि निर्णयः

दीर्घायु:	मध्यायु:	अल्पायु
चरभे १ लग्नेश चरभे १ अष्टमेश:	चरभे १ लग्नेश: स्थिरे २ अष्टमेश:	चरभे १ लग्नेश: द्वि. स्व. ३ अष्टमेश:
दीर्घायु	मध्यायु:	अल्पायु
स्थिरभे २ लग्नेश द्वि. स्व. ३ अष्टमेश:	स्थिरे २ लग्नेश: चरे १ अष्टमेश	स्थिरे २ लग्नेश: स्थिरे २ अष्टमेश:
दीर्घायु:	मध्यायु:	अल्पायु
द्वि. स्व. ३ लग्नेश: स्थिरे २ अष्टमेश:	द्वि स्व. ३ लग्नेश द्विस्व. ३ अष्टमेश:	द्वि. स्व. ३ लग्नेश चरभे १ अष्टमेश

अथायुर्निर्णय. मतानुसारेण-जन्मलग्नाष्टमेशाभ्यां लग्नसमसदो स्थिरे चन्द्रे, लग्नचन्द्राभ्यां। अन्यथा शनिचन्द्राभ्यां लग्नहोरा लग्नाभ्यां, त्रिविप्रकारत्रयेणा-युर्निर्णेतव्यम् ॥ प्रकार त्रयेऽप्येकरूपायुर्ध्यागते तदेवग्राह्यम ॥ विभेदे तु प्रकार द्वयागतायुर्ग्राह्यम्। त्रयाणां विसंवादे लग्नहोरालग्नायुर्ग्राह्यम्। जन्म लग्ने विषमे द्वितीयाष्टमाधीशयो... लग्ने समे द्वादशषष्ठाधीशयोर्मध्ये योबली तस्य केन्द्रे स्थित्या दीर्घायुः। पणफरे स्थित्या मध्यायु। आपोक्लिमे स्थित्या हीनायुरेव। एवमेवात्र कारकेणापि... अष्टमेशयोः कारकेण सहैकस्य वा योगे सर्वदा मध्यमायुरेव। विषमे जन्मलग्ने कारकस्तृतीये समे जन्मलग्ने कारकः एकादशे भवेत्तदा कारकायुर्विकेन्द्रे हीनायुः पणफरे मध्यायुः आपोक्लिम दीर्घायुरिति लग्न दशमाष्टमाधीशाः केन्द्र त्रिकोण लाभगाश्चेत्तदा दीर्घायुः लग्नेशो स्वेमित्रं दीर्घायुः। समश्चेन्मध्यायुः शत्रुश्चेदल्पायुः

अथ होरालग्न साधनम् द्विघ्नेष्टनाड्य: पंचाप्तः भ शेषं चपलीकृतम्। दशाप्तभेशास्तेयुक्तारवौहोरोदयं भवेत्॥ विषमेऽर्के रवौ योज्यं समेऽर्के सप्तभादिषु इतिवृद्धा॥

एकत्रयुक्ता यदि यत्रकुत्र तेषां दशाराज्यफलप्रदा तैर्युक्तग्रहाणांमपिवै वदेद्वा॥

मासदशा देखने की सारणी

मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
ता. १३ अप्रेल से र.-द. दि. २० प्र.	ता. १४ मइसे सू.द.दि.२०प्र.	ता.३अप्रेल से शु.द.दि.७०प्र.	ता. २२मार्च से रा.द.दि. ४२प्र.	ता.२२अप्रेलसे रा.द.दि. ४२प्र.	ता. २४मार्च से गु.द.दि.५८प्र.	ता. १८मार्च से श.द. दि. ३६प्र.	ता.१७अप्रेलसे श.द.दि. ३६ प्र.	ता. २२मार्च से बु.द. दि. ५६प्र.	ता. २४मार्च से मं.द. दि.२८ प्र.	ता.२३अप्रेलसे मं.द.दि. २८ प्र.	ता.३ अप्रेल से मं द. दि. २८प्र.
ता. ४ मइ से चं. द. दि. ५० प्र.	ता. ४ जून से चं.द.दि. ५०प्र.	ता. १५जून से र.द.दि. २० प्र.	ता. ४ मई से शु.द.दि.७० प्र.	ता. ४ जून से शु.द.दि.७० प्र.	ता. २२ मई से रा.द.दि. ४२ प्र.	ता.१३अप्रेलसे गु.द.दि. ५८ प्र.	ता. २५ मईसे गु.द. दि. ५८प्र.	१८ मई से श.द. दि. ३६प्र.	ता.२१अप्रेलसे बु.द.दि.५६ प्र.	ता. २२ मई से बु.द.दि. ५६ प्र.	ता. २५ मई से मं.द. दि.३६ प्र.
ता. २५ जून से मं. द. दि. २८ प्र.	ता.२७जुलाईसे मं.द.दि. २८प्र	ता.६ जुलाई से चं.द.दि.५० प्र.	ता.१६जुलाईसे र.द. दि. २०प्र.	ता. १७अग. से र.द. दि. २०प्र.	ता. ६जुलाई से शु.द. दि.७० प्र.	ता. २३जून से रा.द.दि. ४२ प्र.	ता.२५जुलाईसे रा. द. दि.४२प्र.	ता. २५जून से गु.द.दि.५८ प्र.	ता.१९ जून से श.द.दि.३६ प्र.	ता.२०जुलाईसे श.द.दि. ३६प्र.	ता. २३ जून से बु.द.दि.५६ प्र.
ता. २५ जुलाइ से बु. द. दि. ५६ प्र.	ता.२५अगस्तसे बु.द.दि.५६प्र.	ता.२७अगस्तसे मं.द.दि.२८ प्र.	ता.६अगस्त से चं.द.दि. ५०प्र.	ता.६सितंबर से चं.द.दि. ५०प्र.	ता. १७सितं. से र.द. दि. २०प्र.	ता. ६अगस्त से शु. द. दि.४२ प्र.	ता.६सितं. से शु.द.दि.७० प्र.	ता.२५अगस्तसे रा.द.दि.४२ प्र.	ता.२७जुलाई से गु.द.दि.५८ प्र.	ता. २७ अग.से गु.द.दि.५८ प्र.	ता. २१अग. से श.द.दि.३६ प्र.
ता.२१ सितंबर से श. द. दि. ३६ प्र.	ता.२१अक्टू.से श.द.दि.३६ प्र.	ता.२५सितं. से बु.द.दि. ५६प्र.	ता. २७सितंबर मं.द.दि.२८ प्र.	ता.२७अक्टू.से मं.द.दि. २८प्र.	ता.२७अक्टू.से चं.द. दि. ५०प्र.	ता.१७अक्टू.से र.द.दि. २० प्र.	ता.१६ नव. से र.द.दि. २० प्र.	ता. ७ अक्टू.से शु.द. दि. ७०प्र.	ता. २५सितं. से रा.द.दि.४२ प्र.	ता.२५ अक्टू.से रा.द. दि. ४२प्र.	ता. २७सितं. से गु.द. दि. ५८प्र.
ता. २७ अक्टू. से गु. द. दि. ५८ प्र.	ता. २६ नव.से गु.द.दि. ५८प्र	ता.२०नवंबरसे श.द.दि. ३६प्र.	ता.२५अक्टू.से बु.द. दि.५६ प्र.	ता. २४नवबरसे बु द. दि ५६प्र	ता.२६नवबर से श.द. दि. २८प्र.	ता.६ नवबर से चं.द.दि. ५०प्र.	ता.६ दिशंबरसे चं.द.दि.५० प्र.	ता. १५ दिशं.से र.द. दि.२० प्र.	ता. ६नवबर से शु.द.दि. ७०प्र.	ता. ६ दिशं. से श.द. दि.७०प्र.	ता. २४नव. से रा.द.दि.४२ प्र.
ता.२३दिशंम्बर से रा. द. दि. ४२ प्र.	ता. २२जन. से रा द दि ४२प्र.	ता.२५ दिशं.से गु.द.दि. ५८प्र.	ता.१९ दिशं.से श.द.दि.३६प्र.	ता.१८जनव.से श.द.दि ३६प्र.	ता.२३ दिशं. से बु.द. दि.५६ प्र.	ता. २५ दिशं.से मं.द. दि. २८प्र.	ता.२४ जन. से मं.द. दि.२८ प्र.	ता.४ जनवरीसे चं.द.दि. ५०प्र.	ता. १४ जन. से र.द. दि.२० प्र.	ता.१२ फरव.से र.द. दि.२० प्र.	ता.४ जनव. से शु.द.दि.७० प्र.
ता. ३ फरवरी से शु. द. दि ७० प्र.	ता. ४ मार्चसे शु.द.दि.७० प्र.	ता.२० फरवरी रा.द.दि.४२ प्र.	ता. २४ जन.से गु. द. दि.५८	ता.२२ फरव. से श.द. दि.५८प्र.	ता१७फरवरीसे श.द. दि.३१ प्र.	ता. २२जन. से बु.द. दि. ५६प्र.	ता.२० फरव.से बु. द.दि. ५६प्र.	ता.२२फरवरीसे मं.द.दि. २८ प्र.	ता. २फरव. से चं.द.दि.५० प्र.	ता. ४ मार्चसे चं.द.दि. ५०प्र.	ता. १४मार्च से र.द. दि.२० प्र.

मासदशा विचार—जन्मनि त्रिंशति सूर्ये तृतीये दश चन्द्रमा। चतुर्थेचाष्टमे भौमः षष्ठे वेद बुधस्तथा। सप्तमे दश मंदस्य नवमेष्ट बृहस्पतेः। दशमे विंशती राहोः शेषा भृगुदशा भवेत् अथ—शनैश्चरस्य विचारः—शने राश्यन्तरगमनदिने जन्मराशितश्चन्द्रोयत्संख्या तुल्यं भवेत्तद्दशेन पादं ज्ञेयम्। यथा—जन्मात्रनारुद्रे पु १।६।११ सुवर्णपादं द्विर पंच५ नन्दे९ रजतस्य ज्ञेयम्। त्रि ३ सप्त ७ दिक् १० ताम्ररदं वदन्ति वेदा४ष्ट ८ सार्के १२ द्विष्ट लोहपादम्। तत्फलंच—लोहे धननिनाशः स्यात्सर्व सौख्यं च कांचने। ताम्रे च समता ज्ञेया सौभाग्यं रजते भवेत्। इतिशिष्टाः॥ शनिवाहनम्—तिथियारं च नक्षत्रं नामाक्षरसमन्वितम्। नवभिस्तु हरेद्भागं शेषं वाहनमुच्यते। गर्दभो १ घोटको २ हस्ति ३ महिषो ४ जम्बुके ५ एणो ६ काको ७ मरालो ८ हंसश्च शनेस्तु नव वाहनाः। अन्यत्र—जन्मभात्शनिभं यावत् गणनीयमनुक्रमात्। नवभिस्तु हरेद्भागं शेष वाहनमुच्यते इति ग्रन्थान्तरे। फलम्—खरे च कलहं ज्ञेयमश्वे बुद्धिर्विदेशके। गजेलाभं विजानीया—न्महिषेव्याधिजं भयम्॥ जम्बुके च भयं घोरं सिंहे वै विजयं भवेत्। काके चिंता अश्वो हंसे मयूरे सुखसंपदौ॥ इति॥ अथशनि की साढ़ेसातिदशा विचारः—द्वादशे१२ जन्मगे१ राशौ द्वितीये२ च शनैश्चरः। सार्द्धानि सप्तवर्षाणि नरो दुःखैर्युतो भवेत्॥ रिःफ रूपधनभेषु भास्करिः संस्थितो भवति यस्य जन्मभात् लोचनोदरपदेषु संस्थितिः कथ्यते रविज लोकसैजनैः। अथशनि चक्रम्—

अथ शनिफलम्					
मुखे.	१	रोगं	उदरे	५	लाभं
द. करे	४	लाभं	शिरसि	३	सौभाग्यं
पादयो:	६	गमनं	नेत्रयोः	२	मरणं
वाम करे	४	निर्धनं	गुदे	२	मरणं

यस्मिन् शनिश्चरति वक्त्रगतं ततश्चं। चत्वारि दक्षिणकरेऽङ्घ्रियुगं षषट्कम् चत्वारि वामकगेऽप्युदरे च पंच मूर्ध्नित्रयं नयनयोर्द्वितयं गुदे च। रोगं लाभं तथाध्वानमधनं लाभमेवच सौभाग्यमल्पमृत्युश्च शनेः प्रोक्तं क्रमात्फलम्॥ जन्मराशितो द्वादशभावेषु शनेर्भ्रमणफलम्—वित्तभ्रंशं द्वादशे विनकरतनये जन्मराशि प्रपन्ने वित्तक्लेशं द्वितीये धनहरणकृतो वित्तलाभं तृतीये। पाताले शत्रुवृद्धिं सुतधनगगतः पुत्र भृत्यार्थनाशं षष्ठेस्थानेऽर्थलाभं जनयति मदने दोषसंघातमार्किः शरीरपीड़ा निधने च धर्मे धनक्षयं कर्मणि दौर्मनस्यं। उपान्त्यगा वित्तमनर्थमन्त्ये शनिर्ददातीत्थमदुद्धसिद्धः। अन्यच्च—द्विजन्मनिपंचमसप्तमगारचतुरष्टमद्वादशधर्मयुताः धनधान्यहिरण्यविनाशकरा रविराहुशनैश्चर भूमिभुताः। जन्मस्थान ग्रहणफल—त्रिषड् ६ दशा१० यो११ पगतो नराणां शुभप्रदं स्याद्ग्रहणं रवीन्द्वोः द्वि २ सप्त ७ नन्दे ९ पु च मध्यमं स्याच्छेषेष्वनिष्टं मुनयो वदंति॥

शनि की साढे साती लगने से—शनि १०० दिन मुख पर रहता है उसका फल हानिकारक है ऐसे ही। दिन ४०० दक्षिण भुजा में फल विजय। दिन ६०० चरणों में विदेश भ्रमण। दिन ५०० उदर में लाभ। दिन ४०० वामभुजा में दुःख। दिन ३०० मस्तक पर राज्यपद। दिन २०० नेत्रों में सुखप्रद। दिन २०० गुदा में दुःख प्रद इस प्रकार शनि २७०० दिन साढे साती दशा भोगता है।

कास्यपात्र
हरितवस्त्र
गजदन्त घृत
मुद्गाम्र पन्ना
सुवर्ण दासी
सर्वपुष्प रत्न
कर्पूर शस्त्र
अनेक फल
षटरस भोजन
वर्ण दक्षिणा
जप १६०००
ब. ५ दिन चढ़े



श्वेततण्डुल
श्वेत चन्दन
श्वेत चित्रवस्त्र
श्वेत पुष्प
रजत हीरा
घृत सुवर्ण
श्वेताश्व दधि
सुगन्धद्रव्यसितागो
शर्करा मणि
वर्ण दक्षिणा
ज.स. १६०००
सूर्योदय



वंश पात्र
श्वेत तण्डुल
श्वेत वस्त्र
श्वेत चन्दन
चीना रजत
श्वेत पुष्प
वृषभ घृत
शंख दधि
मोती कर्पूर
वर्ण दक्षिणा
ज स. ११०००
सध्ययो र्द्वयो



पीत धान्य
पीत वस्त्र, सुवर्ण
घृत, पीत पुष्प
पीत फल
पुखराज
हरिद्रा, अश्व
पुस्तक मधु
लवण शर्करा
भूमि छत्र
वर्ण दक्षिणा
जप १६०००
मध्याकाले



माणिक्य
गोधूम गुड
सवत्सांगो
कमल पुष्प
नूतन गृह
रक्त चन्दन
रक्त वस्त्र
सुवर्ण ताम्र
केशर मूंगा
वर्ण दक्षिणा
ज. स. ७०००
दो काल सूर्योदय



विद्रुम पृथ्वी
मसूर द्विदलम
गोधूमाम्र
रक्त वृषभ
गुड रक्तचन्दन
रक्त वस्त्र
रक्त पुष्प
सुवर्ण ताम्र
केशर कस्तूरी
वर्ण दक्षिणा
ज.सं. १००००
व. २दिन चढ़े



मृत्पात्र
कम्बल कस्तूरी
वैडूर्यमणी
कृष्ण पुष्प
तिल तैल
रत्न सुवर्ण
बकरा
लोहा शस्त्र
सप्त धान्य
वर्ण दक्षिणा
ज स. १७०००
रात्री



माषान्न तेल
नीलम तिल
कृष्ण वस्त्र
कुलथी लोहा
महिषि वा.
कृष्ण धेनु
कृष्ण पुष्प
उपानह
कस्तूरी सुवर्ण
वर्ण दक्षिणा
ज.स. २३०००
मध्यान्हकाले



माषान्न हेमनाग
सप्त धान्य
नील वस्त्रगोमेद
कृष्ण पुष्प
खड्ग तिल
तेल लोहा
सूर्य कम्बल
सतिलताम्रपात्र
तुरंग रत्न
वर्ण दक्षिणा
ज सं. १८०००
रात्री



कांस्यपात्र
हरितवस्त्र
गजदन्त घृत
मुद्गाम्र पन्ना
सुवर्ण दासी
सर्वपुष्प रत्न
कपूर शस्त्र
अनेक फल
षटरस भोजन
वर्ण दक्षिणा
जप १९०००
व. ५ दिन चढ़े



श्वततण्डुल
श्वेत चन्दन
श्वेत चित्रवस्त्र
श्वेत पुष्प
रजत हीरा
घृत सुवर्ण
श्वताश्व दधि
सुगन्धद्रव्यसितागो
शर्करा भमि
वर्ण दक्षिणा
ज.स. १६०००
सूर्योदय



वंश पात्र
श्वेत तण्डुल
श्वेत वस्त्र
श्वेत चन्दन
चोना रजत
श्वेत पुष्प
वृषभ घृत
शंख दधि
मोती कपूर
वर्ण दक्षिणा
ज स. ११०००
सध्ययो द्वंयो



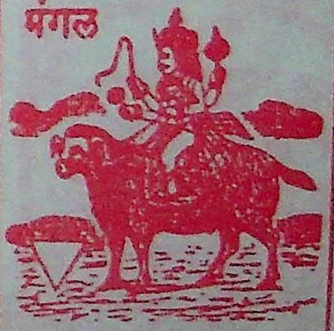
पीत धान्य
पीत बस्त्र,सुवर्ण
घृत, पीत पुष्प
पीत फल
पुखराज
हरिद्रा, अश्व
पुस्तक मधु
लवण शकरा
भमि छत्र
वर्ण दक्षिणा
जप १९०००
संध्याकाले



माणिक्य
गोधूम गुड़
सवत्सागो
कमल पुष्प
नूतन गृह
रक्त चन्दन
रक्त वस्त्र
सुवर्ण ताम्र
केशर मूंगा.
वर्ण दक्षिणा
ज. स. ७०००
दो काल सूर्योदय



विद्रुम पृथ्वी
मसूर द्विदलम
गोधूमाम्र
रक्त वृषभ
गुड़ रक्तचन्दन
रक्त वस्त्र
रक्त पुष्प
सुवर्ण ताम्र
केशर कस्तूरी
वर्ण दक्षिणा
ज.सं. १००००
घ. २दिन चढ़े



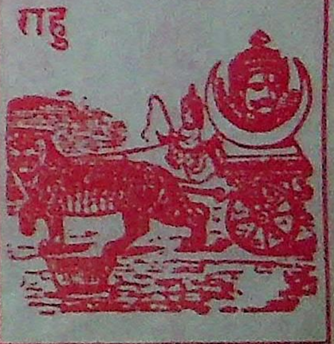
माषाम्र
कम्बल कस्तूरी
वैदूर्यमणी
कृष्ण पुष्प
तिल तेल
रत्न सुवर्ण
बकरा
लोहा शस्त्र
सप्त धान्य
वर्ण दक्षिणा
ज स. १७०००
रात्री



माषाम्र तेल
नीलम तिल
कृष्ण वस्त्र
कुलथी लोहा
शाहिषि वा.
कृष्ण धेनु
कृष्ण पुष्प
उपानह
कस्तूरी सुवर्ण
वर्ण दक्षिणा
ज.सं. २३०००
मध्यान्हकाले



माषाम्र हेमनाश
सप्त धान्य
नील वस्त्रगोमेद
कृष्ण पुष्प
बभ्रु तिल
तेल लोहा
सूर्प कम्बल
सतिलताम्रपात्र
तुरंग रत्न
वर्ण दक्षिणा
ज सं. १८०००
रात्री



दृक्सिद्ध सिद्धान्त से बने पचाग ही धर्मशास्त्र सम्मत है बाकी सब धर्मशास्त्र के विरुद्ध हैं।





यह श्री सरस्वती पंचाग स्व. पं. श्री ईश्वरदत्त जी शर्मा ने ज्योतिष यन्त्रालय के यन्त्रों द्वारा संशोधित सूक्ष्म दृश्य गणित से जगद्धितार्थ संपादन किया और जगदीश प्रसाद शर्मा, जयपुर द्वार प्रकाशित किया।

- मिलने का पता -

बोम्बे प्रिन्टर्स	जगदीश प्रसाद शर्मा
मोतीलाल अटल रोड, जयपुर–३०२ ००१	४२, गौरव नगर, सिविल लाइन्स,
सरस्वती पंचाग सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन है।	जयपुर–३०२०१६





बोम्बे प्रिन्टर्स, जयपुर

दृश्यगणित पचाग निर्माणोपयोगी आगम एवं आर्षसिद्धान्त है बाकी सब अनागम एवं अनार्ष है।

वितरक : ईश्वरलाल बुकसेलर, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर (राज.)

यह पंचांग भारत सरकार द्वारा स्वीकृत सूक्ष्मदृश्य गणित से बनाया गया

अथ

दस वार्षिकं श्रीसरस्वती पंचांगम्

विक्रमीय सम्वत् २०६१ समारम्भ २०७० पर्यन्तम्

नानाविध मुहूर्तादि सहितम्

सम्पादक : स्व. पं. ईश्वरदत्तजी शर्मा, नवलगढ़

गणितकर्ता (सम्पादक शिष्य) प. प्यारसीलाल शर्मा (शास्त्री)

प्रकाशकः- जगदीश प्रसाद शर्मा, ४२, गोरव नगर, सिविल लाईन्स, जयपुर (राज.)

मिलने का पताः- १. बाम्बे प्रिन्टर्स, (झुमर लाल की बगीची), मोतीलाल अटल रोड, जयपुर-३०२ ००१

२. ४२, गोरव नगर, सिविल लाईन्स, जयपुर-३०२ ०१६

मूल्य : १२५/- डाक खर्च अलग